॥ ९६७ ॥ ॥ श्रीगुरुस्योनमः ॥ ऊहा ॥ स्वस्तिश्रीवरसारदा ॥ कुदचंदसमकाय ॥ कमलमुखीनेंकमलकर ॥ प्रणमुतेहुनापाय ॥१॥ जगचुडामणीजगजयो॥ जगकेवलदिनराज ॥ रीषभगतीगतीराजती ॥ आदिदेवेनमुआज ॥२॥ शमन समननेंसमणजे ॥ समझोवलिसमांन ॥ समणपदेचउअतीशया ॥ वडश्रीवर्द्ध मान ॥ ३ ॥ अत्रव्याख्या ॥ श्रमणसगवान्महावीरइहांप्राकृतेंसमणपदें ॥ व्या रअतिशयसूचव्याछें ॥ तेइमरोगादिकउपद्रवशमावें ॥ माटेंसमनकहिइ ॥ इ तिअपायापगमातिशय ॥१॥ तथाअनुत्तरविमाननादेवतानासशयटालवानें॥ द्रव्यमनप्रवर्त्तविछें॥ माटेंमनसहितवर्त्ते ॥ तेसमनइतिज्ञानातिशय॥२॥तथास म्यगुरुमीपरोंअणतिकहतांबोलेंसिरांतअविरोधी॥ तेसमणकहीशइतिवचना तिशय ॥ ३ ॥ तथासहमानेनवर्त्तेते ॥ मानेंकरीसहित ॥ एतलेंसुरअसुरनीप जारूपमानेंवर्त्तेछें ॥तेहनेंसमानकहिइप्राकृतमाटें ॥ क्रस्वथायइतिपूजातिशय ॥४॥ दूहा॥ परिसहसहताजेप्रसु ॥ सरप्यापणितसशेस ॥ केवलज्ञानदिवाकरू नमुअजीतादीजीनेश ॥ ५ ॥ गौतमपमुहागणहरा ॥ सूरीनमुसूजगीस ॥ अनु क्रमेंजिणपीआधीउ ॥ श्रूतएविसवावीस ॥ ६ ॥ मुखरअलिश्रेणीमीली ॥ कु सूमवुठिसूरकीरू ॥ तिर्थप्रवर्त्तनसमयते ॥ सद्रकरोसवसीरू ॥६॥ गुणदायक श्रुतआगला ॥ वडगुरूगुणवत ॥ जिणेंवचनेंकरीजाणीइ॥ तत्वातत्वमहत ॥ ७॥ समरादित्यसुसाधुनु ॥ चरित्रअछेसूविचित्र ॥ हरीसद्रसूरेंसाधीउ ॥ वचनविचा रपवित्र ॥८॥ अलपनिदानउदश्रती ॥ वहुसबधवनाव ॥ सूणतांसूरवउपजा वस्यें ॥ जेहथीससाजमाव ॥ ९ ॥ नवखमेंकरीनीरमलो ॥ रासरचुसूरखकार ॥ सत्तरसवसोहामणा ॥ कडविधित्रप्रकार ॥ १० ॥ अपराधीनरउपरि ॥ करिइ नहींकांयकोध ॥ तिणेंएसमरादित्यतणा ॥ चरीत्रसूणोसूसबोध ॥ १ १ ॥ ढाल ॥ ॥ चोपई ॥ गुणअनतआतमनाकला ॥ तहमांपणिदोयमुख्यजलला ॥ दर्शन नेंवलीवीजुज्ञान ॥ तेहमांपणिज्ञानजपरधान ॥ १ ॥ यद्यपीज्ञानछेपचप्रकार ॥ मतिश्रूतअवधीनाणअवधारि ॥ मनपर्यायतिमकेवलज्ञान ॥ पणिश्रुतनाण इहांवडमांन ॥२॥ कालादीकजेआठआचार ॥ तेश्रुतज्ञानतणानीरधार ॥ श्रू

गढमढमदिरमालीआं ॥ मानुसूरेंद्रवीमान ॥ लालरे॥ जिहांमहीलाजनमो
हती ॥ रूपेरससमान ॥ लालरे ॥२७॥ जं० ॥ मदनेंकमलकोईलश्वरें ॥ नय
णेंकुवलयपत्र ॥ ला०॥ राजहंसगतीइकरी ॥ जीतेरमणीययत्र ॥ला॥ जं०
॥ ३८॥ जीहांवीषाव्यसनीजना ॥ पापसीरुजसलोस ॥ ला ॥ धनबुद्धीघर
मेंकरी ॥ राषेथइथीरथोस ॥ ला ॥ ज० ॥ ३९॥ पुरणमनलपरगमो ॥ जम
मननयणाणद ॥ ला ॥ मयकलकेहीणमो ॥ नरपतीपुरणचद ॥ ला ॥ ४०॥
॥ज०॥ कुमुदीनीनामेंकामिनी ॥ अंतेउरसीरदार ॥ ला॥ मदनघरेरतीवलहा
सोगवेसोगउदार ॥ ला ॥ ज० ॥ ४१॥ गुणसेनकुमरछेतेहनें ॥ गुणगणरय
णसमार ॥ ला ॥ क्रीडाप्रियबालकपणें ॥ व्यतरसूरपरेंसार ॥ ला ॥ ज०॥४२॥
अल्पारसपरिग्रही ॥ तिहांपुरोहीतएक ॥ ला ॥ धर्मसास्त्रपाठकवली ॥ जइ
दत्तसुवीवेक ॥ ला ॥ ज० ॥ ४३ ॥ सोमदेवागरसेंथयो ॥ अगनीशर्मापुत्र ॥
॥ला ॥ मोहदुत्रीकोणमस्तकसही ॥ पिंगलनयणतेहत्त ॥ ला ॥ जं० ॥४४॥
चीपडुंनाकबेशीगयु ॥ विलमातरजशकांन ॥ला॥ दतदतुशलनीपरे ॥ देहते
वीसत्सवान ॥ ला ॥ ज० ॥ ४५॥ लबोदरकोटिवांकमी ॥ वाकाटुकाहाथ ॥
॥ ला ॥ एकपासूउचुवली ॥ मानुपापनोसाथ ॥ ला ॥ ज० ॥४६॥ पुलक
ठीनलघुजेहनी ॥ जघनेंपोहलापाय॥ ला॥ विषमउरूकेसकावरा ॥ विषमक
टितटथाय ॥ ला॥ ज० ॥ ४७॥ गुणसेनकुमरकौतकथकी ॥तालकसालद
दग ॥ला ॥ नाटिकनीत्यकरावतो ॥ अग्निशर्मासग ॥ला॥ज० ॥४८॥ हसतो
हस्ततालीदीइ ॥ गर्दसेंकरीआरोप ॥ ला॥ बालकदेपरवस्यो ॥ उपजावेतस
कोप ॥ ला ॥ ज० ॥ ४९॥ फाटुत्रुटुसूपडुं ॥ छत्रकरेशीरगाय ॥ ला ॥ मिमि
मफुटाढोलज्यू ॥ कहेएजायमहाराय ॥ ला॥जं० ॥ ५० ॥ राजपर्षेंउतावलो
नितहींमावेतेह ॥ ला ॥ इमकरतोतेकदर्थना ॥ उपजावेतसदेह ॥ ला ॥ जं०
॥ ५१ ॥ इमरवमतांहवेउपनी ॥ वैराग्यसावनाचीत्त ॥ ला ॥ चितवेइणिपरें
चित्तमां ॥ पुण्यकरयुनपवीत्त ॥ ला ॥ ज० ॥ ५२॥ तोषीकारवफुजन
करें ॥ परपरातवनोगांम ॥ ला ॥ हासीकरतालोकनु ॥ सहीइसफुइआम ॥

॥ ला ॥ ज० ॥ ५३ ॥ धर्मनकीधोपरसवे ॥ तिणेएपामुविवाग ॥ ला ॥ देषीन करूश्णेसर्वे ॥ तोकिमलङ्कडखताग ॥ ला ॥ ज० ॥ ५४ ॥ तिणेकरीश्हवेघ र्मनें ॥ जिमनवीपामुड ख ॥ ला ॥ ड्रजनजनथीविमंवणा ॥ नविलहीश्लङ्कसू ख ॥ ला ॥ ज० ॥ ५५ ॥ श्मचिंतविराग्यथी ॥ मुक्योनयरीसग ॥ ला ॥ स छेत्रथानकवर्जिश ॥ श्मजांणीएकग ॥ ला ॥ ज० ॥ ५६ ॥ देशअंतेंसीमा लगें ॥ हिमतांथयोएकमात्र ॥ ला ॥ तिहांतपोवनदिठुहवे ॥ नामसूपरितोस जास ॥ ला ॥ ज० ॥ ५७ ॥ चपकबकुलअशोकतीहां ॥ नागअनेपुन्नाग ॥ ला ॥ मृगमृगपतीरमेएकठा ॥ गुरूमतथावलीनाग ॥ ला ॥ ज० ॥ ५८ ॥ धू मपमलघृतहोमनो ॥ उपजेतापसतोष ॥ ला ॥ गिरिनदिनीझरणावहे ॥ पाम्यो सूखनोपोष ॥ ला ॥ ज० ॥ ५९ ॥ विसामोश्णिश्हांकस्यो ॥ देषीजागिवि शाल ॥ ला ॥ पद्मविजश्बीजीकही ॥ ढालअतिसूरशाल ॥ ला ॥ ज० ॥ ६० ॥ ॥ डुहा ॥ करिविसामोतिहाकणें ॥ षेदथयोजबषीण ॥ तवउठ्योउतावलो ॥ तापससूतेलीण ॥ ६१ ॥ नयणेंलागोनीरषवा ॥ आर्जवकोमीन्नएह ॥ नामेंते ध्यांनेंरह्यो ॥ कदलीघरकस्यु गेह ॥ ६२ ॥ लेश्रूद्राक्षमालाकरें ॥ जपतोबे ठोजाप ॥ वांकलुपहेस्युवृक्षनु ॥ परगटनहीआलाप ॥ ६३ ॥ जटाजुटजोगी सरो ॥ सूतिलगावीसाल ॥ कमलमुक्युकनें ॥ सोमदृष्टीसंसालि ॥ ६४ ॥ कम लपत्रउपरिकस्यू ॥ आसनअतिहिउदार ॥ जोगपटेंआसनसज्यु ॥ वरज्यो सेषव्यापार ॥ ६५ ॥ नाशाश्जोम्यांनयन ॥ दृष्टिहरप्योदेखि ॥ रोमांचित्त थईहरषसु ॥ प्रणम्योघरनीपेषि ॥ ६६ ॥ उत्तमागअवनीतलें ॥ थापीथयोस नाथ ॥ मानेघन्यनिलआतमा ॥ पारलसोसवपाथ ॥ ६७ ॥ ढाल ॥ रागविहा गमो ॥ मुझघरिआवज्योरेनाथ ॥ एदेंशी ॥ करजोमीनेंकहेश्णिपरि ॥ प्रसूपा रपांम्योआज ॥ तुह्मदिठेडखसवीविसस्यां ॥ मुझनहीअवरसूकाज ॥ ६८ ॥ गुरुजीवीनतीमुझएह ॥ मुझकरोपावनदेह ॥ गुरु० ॥ एआंकणी ॥ श्मसास लीतापसहवे ॥ देषितेअतीबङ्कमांन ॥ स्वागतपूछेश्मतेंहनें ॥ मुकीपोतानुध्यां न ॥ ६९ ॥ गुरु० ॥ दिश्तापसआसनएहनें ॥ कहेबेसश्णहीगाय ॥ तवबेठो

गढमढमदिरमालीआं ॥ मानुसूरेंद्रवीमान ॥ लालरे॥ जिहांमहीलाजनमो
हती ॥ रूपेरससमान ॥ लालरे ॥२७॥ जं० ॥ वदनेंकमलकोईलश्वरें ॥ नय
णेंकुवलयपत्र ॥ ला०॥ राजहंसगतीइकरी ॥ जीतेरमणीयपत्र ॥ला॥ जं०
॥ ३८ ॥ जीहांवीआव्यसनीजना ॥ पापसीरुजसलोस ॥ ला ॥ धनबुद्धीधर
मेंकरी ॥ राषेथइथीरथोस ॥ ला ॥ जं० ॥ ३९॥ पुरणमनलपरगमो ॥ जन
मननयणाणद ॥ ला ॥ मयकलकेहीणमो ॥ नरपतीपुरणचद ॥ ला ॥ ४०॥
॥ जं०॥ कुमुदीनीनामेंकांमिनी ॥ अंतेउरसीरदार ॥ ला॥ मदनघरेरतीवल्लहा
सोगवेसोगउदार ॥ ला ॥ जं० ॥ ४१॥ गुणसेनकुमरतेहनें ॥ गुणमणरय
णसमार ॥ ला ॥ कीमाप्रियबालकपणें ॥ व्यतरसूरपरेंसार ॥ ला ॥ जं०॥४२॥
अल्पारसपरिग्रही ॥ तिहांपुरोहीतएक ॥ ला ॥ धर्मसास्त्रपाठकवली ॥ जइ
दत्तसुवीवेक ॥ ला ॥ जं० ॥ ४३ ॥ सोमदेवागरसेंथयो ॥ अगनीशर्मापुत्र ॥
॥ला ॥ मोहदुग्रीकोणमस्तकसही ॥ पिंगलनयणतेदत्त ॥ ला ॥ जं० ॥४४॥
चीपमुंनाकवेशीगयु ॥ विलमातरजशकांन ॥ला॥ दतदुशलनीपरे ॥ देहते
वीसत्सवान ॥ ला ॥ जं० ॥ ४५॥ लबोदरकोटिवांकमी॥ वाकाटुकाहाथ ॥
॥ ला ॥ एकपासूउचुवली ॥ मानुपापनोसाथ ॥ ला ॥ जं० ॥ ४६ ॥ थुलक
टीनलघुजेहनी ॥ जघनेंपोहलापाय॥ला॥ विषमउरुकेसकावरा ॥ विषमक
टितटथाय ॥ ला॥ जं० ॥ ४७॥ गुणसेनकुमरकौतकथकी ॥तालकंसालम्ब
दग ॥ला ॥ नाटिकनीत्यकरावतो॥ अग्निशर्मासग ॥ला॥जं० ॥४८॥ हसतो
हस्ततालीदीइ ॥ गर्दसेंकरीआरोप ॥ ला॥ बालकरुदेपरवस्थो ॥ उपजावेतस
कोप ॥ ला ॥ जं० ॥ ४९॥ फाटुथ्रुदुसूपमु ॥ उभकरेशीरगाय ॥ ला ॥ मिमि
मफुटाढोलग्यू ॥ कहेएजायमहाराय ॥ ला॥जं० ॥५०॥ राजपर्षेउतावलो
नितहींमावेतेह ॥ ला ॥ इमकरतोतेकदर्थना ॥ उपजावेतसदेह ॥ ला ॥ जं०
॥ ५१ ॥ इमरवमतांहवेउपनी ॥ वैराग्यसावनाचीत्त ॥ ला ॥ चितवेइणिपरें
चित्तमां ॥ पुण्यकरयुनपवीत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ५२॥ तोषीकारवडजन
करें ॥ परपरातत्रनोगांम ॥ ला ॥ हासीकरतालोकतु ॥ सहीइसडइआम ॥

नोनाद ॥८७॥ गुरु० ॥ रयणावलीउविजली ॥ धूपघटीमेघअंधार ॥ चमर श्रेणीबगपतीउ ॥ मुक्तावलीजलधार ॥ ८८ ॥ गुरु० ॥ पचवरणीपदांसुकजि के ॥ लटकेतेइंद्रधनुष ॥ सुगधप्रथवीमहमहे ॥ देखीनलागेसूष ॥ ८९ ॥ ॥ गुरू० ॥ मोहनीदमांजेघारीआ ॥ तेणेसुपनसरीखुथाय ॥ सऊनगरलोक विसर्जिआ ॥ सुखमतिदिवशगमाय ॥ ९० ॥ गुरू० ॥ जबसूर्यउदयोतब करे ॥ गोसकृत्यतेसूपाल ॥ कहेपद्मश्रीजीढालए ॥ सुणतातेमगलमाल ॥९१ ॥ गुरू० ॥ दुहा ॥ नरपतीरमवानीकल्यो ॥ खेलावेवऊखवास ॥ आसअति उतावलो ॥ पामेतेहथीप्यास ॥९२॥ तेहनोखेदउतारवा ॥ बेठोसहसबवन्न ॥ इणसमेतापशआवीआ ॥ नरपतिनेंआसन्न ॥ ९३ ॥ नारिंगानवरगना ॥आ पीदेआशीस ॥ सूपतिपणिउसोथई ॥ साचुनामेंसीश ॥ ९४ ॥ आपेआशन आदरे ॥ तवतापेरीषीतेह ॥ अमगुरूमोकलीआइहां ॥ दुखसुखपुछनदेह ॥ ॥ ९५ ॥ कहेनरपतिकिहांकुलपती ॥ तापसबोलेताम ॥ इणतपोवनमांआ वीइ ॥ देखोदरीसउद्दाम ॥९६॥ कौतकनोलीघोथको ॥ तपोवनपोहोतोतेह ॥ तापसबऊवलीकुलपती ॥ नमीउआणीनेह ॥ ९७ ॥ कुलपतिसूपतिनेंकहे ॥ सांसलिधर्मसनाथ ॥ विनइसासलीविनती ॥ साखेहवेसूनाथ ॥ ९८ ॥ ढाल ॥ श्रीरीषसाननगुणनिलो ॥ एदेशी ॥ नरपतिकरजोडीकहे ॥ मुऊउपरिकरोसुप सायहो ॥ मुणिद ॥ ज्योआहारमाहरेघरे ॥ सऊतापशनोसमुदायहो ॥ मु० ॥ आवोगुरूमुऊमदीरे ॥ एआकणी ॥ ९९ ॥ कुलपतिकहेसूणसूपती ॥ आव स्युपणिटालीएकहो ॥ मु० ॥ अगनीसर्मातेनामथी ॥ तेहनेंमासमासनीटेक हो ॥ मु० ॥ १०० ॥ आ० ॥ तेवातसुणीकहेराजीउ ॥ कीधोमुऊनेंउपगारहो ॥ मु० ॥ पणिकिहांतपसीवमसागीउ ॥ करूदर्शनपामुपारहो ॥मु०॥१०१॥ ॥ आ० ॥ कहेकुलपतीउध्यानेंरसो ॥ जिहाश्रेणीअछेसहकारहो ॥ मु० ॥ जइदिठोपदमासनरसो ॥ प्रशांतचित्तव्यापारहो ॥ मु० ॥ १०२ ॥ आ ०॥ वऊहर्षधरीपुलकितथइ ॥ प्रणमेतेहनावरपायहो ॥ मु० ॥ तवदिइआशीस तापसतीहां ॥ सूखेंआव्यातुलेंइणठायहो ॥ मु० ॥ ३ ॥ आ० ॥ तुलेवेसो

कुसनेंआसनें ॥ कहेकिहांथीआयोसाय ॥ ॥ गुरु० ॥ अवकमुनिअवी
तक सवे ॥ तवकहेतापसश्रम ॥ वत्सपुर्वकृतकर्मेंकरी ॥ सहुछेशपांमेंनेम ॥
॥ गुरु० ॥ तिणेंसूर्पेपिम्त्याप्राणीआ ॥ वलीदलइडहव्याजेह ॥ दोसागकलंके
डसीआ ॥ होयत्राणवीयोगिनेंएह ॥ ॥ गुरु० ॥ श्हसर्वेपरसर्वेसुखकरे ॥
एपरमसीतलछाए ॥ परसर्गेडुखनवीपामीश ॥ लोकथीनहीअपमांण ॥
॥ गुरु० ॥ डुरगतिनवीजईश्वली ॥ तिणेंधन्यछेवनवासा ॥ श्मकहेबोल्योतेहवे ॥
स्वामीकमुतिपास ॥ ॥ गुरु० ॥ जोहोयमुझउपरिकृपा ॥ जोजाणोव्रतनें
जोग ॥ तोव्रतदेश्अनुग्रहकरो ॥ तवबोल्यातपसीलोग ॥ ॥ गुरु० ॥ तुमवी
नावीजोकूणहोश ॥ तुझनेघणोवेरागापणिमार्गअमचोसमझीनें ॥ तुमेंव्रतली
उमहासाग ॥ ७६ ॥ गुरु० ॥ श्मकहीसमझाव्योसलो ॥ हतोजेहनिजआचार ॥
रहीकेश्क दिननेंव्रतदीउ ॥ सुसतिथीनषेतरवार ॥ ॥ गुरु० ॥ कोश्डुस्व
गर्वितवैराग्यथी ॥ दिक्षादिनेंकहेश्म ॥ मास-२-नेंकरुपारणा ॥ मुझमहाप्रती
ज्ञाप्रेम ॥ ७८ ॥ गुरु० ॥ पारणादिनेंपहेलेघरे ॥ सुसअसुसजेमलेआहार ॥
अथवामिलेनहीतोहिपणि ॥ फिरीजाउआपणेंघर ॥ ॥ गुरु० ॥ पणि
जावुनहीवीजेघरे ॥ सहुसांसलोएनेंम ॥ पालतांप्रतिज्ञावहीगयां ॥ बहुला
षपूरवएम ॥ ८० ॥ गुरु० ॥ श्णिअवसरिवनदुकमु ॥ एकवसतपुरश्णनांमा ॥
तसलोकगुणरागीथयो ॥ बहुसक्तिवतोतांमा ॥ ८१ ॥ गुरु० ॥ अहोमहातपस्वीएह
श ॥ आलोकनीनहीआश ॥ निजशरीरनोप्रतिबधनही ॥ एहनुसफलजीवी
तवास ॥ ८२ ॥ गुरु० ॥ श्मबहुप्रशसातेकरे ॥ हवेपुर्णचदजेराय ॥ गुणसेन
नेंपरणावीउ ॥ वलीकीधलोमहाराय ॥ ८३ ॥ गुरु० ॥ तपोवनेंतापशमृपच
यो ॥ रांणीसहीतश्रुसचित्त ॥ गुणशेंनराज्यनेंपालतो ॥ अणिवर्गसाधेनीत्य ॥
॥ ८४ ॥ गुरु० ॥ बहुरायसामतपवनमें ॥ साध्यतेबहुलादेश ॥ दशदिशेंनिर्भ
लजसवधें ॥ निजदेशनेंपरदेश ॥ ८५ ॥ गुरु० ॥ वसतसेनानामथी ॥ पटरा
णीसूएकदिन्नावसंतपुरआव्योवही ॥ तपोवनमेंआशन्न ॥ ॥ गुरु० ॥ चे
ठोमहामगलकरी ॥ विमानछदमाशाद ॥ पाउसनीलीलासूचवे ॥ नाटिकनाज

समो ॥ जिवांचितवेआजनेकालहो ॥मु०॥ कामकरस्यूपणिजाणेनही ॥काल नेतोहाथढेकालिहो ॥ मु०॥१८॥आ॥ तवनरपतीबोलेइमफरी ॥ निर्विघनेंआ वेतेदिनहो ॥ मु० ॥ पारणेंप्रसुआवबुमुझघरे ॥ आपहथीतिणेंप्रतीपन्नहो ॥ ॥मु०॥१९॥आ०॥हवेराजाहरषेंप्रणमीउ॥गयोनयरमांनीजआवासहो॥मु० सगतिकरीकुलपतीनीघणी ॥ गयापाचदिवसपणिताशहो ॥ मु० ॥२०॥आ॥ कहीचोथीढालशणिपारि ॥ सहुघरमनाअरथीजीवहो॥मु०॥कहेपद्मविजयस मझीकरो ॥ तोपामोसूरवअतीवहो ॥ मु० ॥ २१ ॥ आ०॥ दूहा॥ पारणक रवापोहचीउ ॥ गुणसेनरायनेंगेह ॥सिरवेदनअतीसयथइ॥ जालिमनृपनेंजे ह ॥ २२ ॥ आकुलव्याकुलसहुथया ॥ आव्यावैद्यअसेस ॥ वैदकसा स्त्रवदेघणा ॥ पणिगईनपीमालेस ॥२३॥ रयणवीचीत्तचुरणकरी ॥ लपल गायालख ॥ बुद्धीवतवलीआवहु ॥ विषुहामतिविलख ॥२४॥ होमहवनपु रोहीतकरे ॥ सांतीकरमससाल ॥ अतेउरआंसूझरे ॥ म्लानथइफूलमाल ॥ ॥ २५॥ कमलायुमुखकमलते ॥ कम्याकडुककील ॥ चित्रकर्मपरीचयत ज्यो ॥ लगीननाटिकलील ॥ २६ ॥ पमीहारागतप्रांणजीम ॥ कचुइकतजे काम ॥ सूपकारसूखनवीकरे ॥ सामतसोकविश्राम ॥२७॥ तापसदेखीति हवु ॥ वलीउंचीत्तविचार ॥ पाहुनवीकोइपूछिउ ॥ पोहतोतपोवनपार ॥२८॥ ॥ढाल ॥ जोगीसरचेलानीदेसी ॥ किमआव्यापाछाफिरिरे ॥ तापसपुछेवातरे जोगीसर ॥ खीणशरीरतुमारमुरेलाल ॥ अगनीशरमाबोलीउरा॥सांसलोकहुअ वदातरे ॥ जो ॥ रायतणेघरिहुगयोहोलाल ॥ २९ ॥ रायसरीरेंशातानहीरे ॥ लोककरेउदवेगरे ॥ जो० ॥ देखिनसक्योहुसहीहोलाल ॥ तुरततिहाथीपाछो वल्योरे ॥ सहुकहेघरीविवेगरे ॥ जो० ॥ साचुशातानतेहनेरेलाल ॥ ३० ॥ अन्यथासक्तीवतोघणोरे ॥ किमनहोवेसावधांनरे ॥ जो० ॥ गुणतुमचाजा णेंघणारेलाल ॥ कुलपतीआगलथहुकस्यारे ॥ इणतुमचागुणग्यानरे ॥जो०॥ अगनीशर्मातवबोलीउरेलाल ॥ ३१ ॥ नहीप्रयोजनआहारनुरे ॥ पणिएहनें थाउशातरे ॥ जो० ॥ इमकरीमाशकस्योवलीरेलाल ॥ कोइकसावीसावथीरे

इहाइर्णेथानिकें ॥ तबबेशीतिहनरिंदहो ॥ मु० ॥ कहेकिमडुकरएआवस्यूं ॥ तबबोल्योतेयोगिंदहो ॥ मु० ॥ ४ ॥ आ० ॥ एकवालीइड खनेंबिरुपता ॥ बलीपरपरिसवपणिहेतुहो ॥ मु० ॥ तिमगुणशेनवलीनृपसुतसलो ॥ कल्याणमीप्रसुतचेतहो ॥ मु० ॥ ५ ॥ आ० ॥ नीजनामेंशक्योनरपती ॥ कहेतेकहोकारणकेमहो ॥ मु० ॥ सूपतीसुततुल्महेतुथयो ॥ तबअगनीशर्माकहेइमहो ॥ मु० ॥ ६ ॥ आ० ॥ जेजेउत्तमनरहोयते ॥ पामेंप्रतीबोधस्वयमेवहो ॥ मु० परप्रेस्यामध्यमनरलहे ॥ जघन्यलहेनसंदेवहो ॥ मु० ॥ ७ ॥ आ० ॥ प्रेरेजेससारीजीवनें ॥ धर्मेंकोइकनयेणहो ॥ मु० ॥ काढ्योतिर्णेकारागारथी ॥ कल्याणमित्रकहुतेणहो ॥ मु० ॥ ८ ॥ आ० ॥ निजचितकससारीमनें ॥ लहा अवनतकरीवयणहो ॥ मु० ॥ कहेकिमप्रेस्यातुल्मनेंतिर्णे ॥ किमतेथयोधरममांसयणहो ॥ मु० ॥ ९ ॥ आ० ॥ कहेतेअगनीशर्माहवे ॥ प्रेरणातोछेअनेकहो ॥ मु० ॥ तिर्णेकोइनिमित्तेंप्रेरीउ ॥ म्हेधरिउंतेहथीविवेकहो ॥ मु० ॥ १० ॥ आ० ॥ तबचितेचित्तमांसूपती ॥ अहोअहोएहनोपरीणामहो ॥ मु० ॥ मानेंएउपगारनें ॥ छेजेहपरासवगामहो ॥ मु० ॥ ११ ॥ आ० ॥ नकरेएनिआकेहनी ॥ पणिम्हेतोकीधअकाजहो ॥ मु० ॥ पापकस्युतेप्रकासीइ ॥ इमचितवीतमहाराजहो ॥ मु० ॥ १२ ॥ आ० ॥ महापापकारीकृतूमप्रसू ॥ तुल्मनेंकीधोसतापहो ॥ मु० ॥ कृतेअगुणशेनजांणज्यो ॥ किघूघोरमेअतीपापहो ॥ मु० ॥ १३ ॥ आ० ॥ इमनहीतपसीकहेसांसलो ॥ तुमुझधरमसखायहो ॥ मु० ॥ नृपकहेगुणपाहकतुल्लो ॥ षद्रथीअगनीनकराय हो ॥ मु० ॥ १४ ॥ आ० ॥ हवणांइणवातेंतोसस्यू ॥ पणिपारणकतुल्मकिवार हो ॥ मु० ॥ तपसीकहेपांचदिवशपछे ॥ प्रथवीपतीसाथेतिवारहो ॥ मु० ॥ १५ ॥ आ० ॥ माहरेघरेपारणकीजीइ ॥ जोकीजेंमुझसूपसायहो ॥ मु० ॥ तुल्मप्रतिज्ञाविधीजीके ॥ मेंजाणीकुलपतीपायहो ॥ मु० ॥ १६ ॥ आ० ॥ तिर्णेअनागतझविनवु ॥ तबबोलेतपसीवाणिहो ॥ मु० ॥ तेदिनआवेतबहाकझ ॥ विघमीतेविघननीपांणहो ॥ मु० ॥ १७ ॥ आ० ॥ जीवलोकहुकना

नीशर्माबोलावीउरे ॥ कहीनरेंद्रनीवातरे ॥ जो० अपराधएहनोमांचितवेरेला
ल ॥ एहनोखेदनिवारवारे ॥ वलीकरवासुखशातरे ॥ जो० ॥ पारणुएहनेंघरे
करोरेलाल ॥ ४३ ॥ एहसक्तीनउवेषीउरे ॥ माहरूंवचनपणिमानरे ॥ जो० ॥
तवतेतापसबोलीउरेलाल ॥ स्वामीखेदएस्येकरेरे ॥ मुझतुझवचनप्रमाणरे
॥ जो० ॥ मुझउपगारकरयोइणेरेलाल ॥ ४४ ॥ राजावझमानेंकरीरे ॥ प्रण
मीपोहतोगेहरे ॥ जो० ॥ इमकरतांवलीआवीउरे ॥ पारणाकेरोदिन्नरे ॥ जो० ॥
इणअवसरचरआवीआरेलाल ॥ साषेनृपनेंवचन्नरे ॥ न ॥ मानसगनृपआ
वीउरेलाल ॥ ४५ ॥ रातिवासोदेइमारीआरे ॥ आपणासैन्यनालोकरे ॥ न० ॥
हवेजिमजाणोतिमकरोरेलाल ॥ तवराजारिशेंचढ्योरे ॥ आंणीमनमांशोक
रे ॥ न० ॥ कोपानलपणिदिपतोरेलाल ॥ ४६ ॥ निर्दइधरणीपढामतोरे ॥ अम
रषेबलनावयणरे ॥ न० ॥ तुरवजमावेप्रयाणनरिलाल ॥ गयबलहयबल
सजकरेरे ॥ करीविकरालतेनयणरे ॥ न० ॥ रहवरसमसन्नरुझआरेलाल ॥
॥ ४७ ॥ चामरछत्रधरावतोरे ॥ वाजंतेवरतुररे ॥ न० ॥ वदिविरुदवोलीजते
रेलाल ॥ मगलकलशचलावीउरे ॥ अगनीशर्मातपसूरिरे ॥ जो० ॥ पारणा
नेंइणअवशरेरेलाल ॥ ४८ ॥ आविनेंदेख्योतिहारि ॥ सझजनसझशपामरे
॥ जो० ॥ देखीनेंपाछोवल्योरेलाल ॥ कोईइंउलख्योनहीरे ॥ आव्योतेनीज
ठांमरे ॥ जो० ॥ ज्योतिषीइणअवसरेसणेरेलाल ॥ ४९ ॥ लगनआवेलाछेस
खुरे ॥ किजेतुरतप्रयांणरे ॥ रा० ॥ राजाकहेतववातमीरेलाल ॥ अगनीशरमा
आव्यानहीरे ॥ मानीछेमुझवाणिरे ॥ जो० ॥ आव्यापछीजईइसझरेलाल ॥ ५० ॥
तवएकनरबोल्योतीहारे ॥ आवीगयाइणवारेरे ॥ रा० ॥ हजीअहस्येपुरमांस
हीरेलाल ॥ तवराजाविलषोथइरे ॥ चाल्योतेहनीलहारेरे ॥ रा० ॥ दि
गेनीकलतांथकारेलाल ॥ ५१ ॥ उतरीरथथीपाइपमेरे ॥ विनतीकरेमहारा
यरे ॥ जो० ॥ करीयपशायपाछावलोरेलाल ॥ माहरेजावुघणुइहतुरे ॥ पणि
नवीगयोऋषीरायरे ॥ जो० ॥ वाटतुम्हारीजोवतारेलाल ॥ ५२ ॥ तुम्हेअण
जाण्यापाछावल्यारे ॥ तिणेंचालोमुझगेहरे ॥ जो० ॥ अगनीशर्मातबयोली

ज्ञानाथईनृपगातरे ॥ जो० ॥ पुछेतपस्वीवातमीरेलाल ॥ २२ ॥ पारणदीक्ष्य
तेआजछेरे ॥ आख्याकेनहीतेहरे ॥ जो० ॥ आदरदिधोकेनहीरेलाल ॥ तपप
रीजनबोल्योतदारे ॥ आवीनेंगयाजेहरे ॥ नरेसर ॥ सहुनेंवीकल्पजांणीकरी
रेलाल ॥ २३ ॥ रायकहेधीगमुझनेरे॥ चुक्योलाभअपाररे ॥ जो० ॥ अमर
थयोपिम्त्यामुनीरेलाल ॥ बिजेदिनविहाणेंगयोरे ॥ लाजतोरायअपाररे ॥
॥ जो० ॥ कुलपतीपायजइनम्योरेलाल ॥ २४ ॥ आशीसदेइबेशामीउरे ॥ पु
छेवातशरीररे ॥ जो० ॥ नीचुजोइनृपबोलीउरेलाल ॥ निसासोनाषेबलीरे ॥
कुलपतीकहेथाउंधीररे ॥ नरे० ॥ कहोउदवेगकारणतुम्हेरेलाल ॥ २५ ॥ नृप
कहेकहेवाइनहीरे ॥ कुलपतीकहेकहोतोहिरे ॥ न० ॥ तवनरपतीकहेइणीपरें
रेलाल ॥ निर्दयीचरीत्रकहेतायकरि ॥ चित्तनचालेमोहिरे ॥ जो० ॥ पणितूम
आणाथीकरुंरेलाल ॥ २६ ॥ मातपीतानेंसारीषारे ॥ कुलपतीकहेअमलोगरे ॥
॥ न० ॥ तिहांलह्याकरवीकीसीरेलाल ॥ ऊखकहेतोवीचारीइरे ॥ टालणनो
उपयोगरे ॥ न० ॥ तवनरपतीकहेवातमीरेलाल॥ २७ ॥ मुझनिमित्तेंतापश
थयोरे ॥ मेंअवीचारीतकीधरे ॥ जो० ॥ बलिहिमणांपणिइमबम्यूरेलाल ॥ बि
जोमासथयोएहनेंरे ॥ म्हेंअपजसबहुलीधरे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीइणिपरि
सणेरेलाल ॥ २८ ॥ तुतोधरमकारणथयोरे ॥ पहेलानेंबलीआजरे ॥ न० ॥
कहेतेंस्यूहीफकस्युरेलाल ॥ नरपतीकहेनिमत्रणारे ॥ किधीआहारनेंकाजरे
॥ जो० ॥ मस्तकथइमुझवेदनारेलाल ॥ २९ ॥ पारणमेंनकरावीउरे ॥ उल
टोकरयोअतरायरे ॥जो०॥ धर्मभांविघनकारीथयोरेलाल ॥ कुलपतीकहेबह
सासलोरे ॥ तुझअपराधनकायरे ॥ न० ॥ रोगीकृत्याकृत्यनवीलहेरेलाल ॥
॥ ४० ॥ अतरायतुम्हेंनवीकरयोरे ॥ उलटोकिधोसहायरे ॥ न० ॥ खेदनक
रोमनमातुम्हेरेलाल ॥ आहारनलीधोमुझघरेरे॥ तेहनोखेदमुझथायरे ॥जो०
सूपतिइणिपरिवीनवेरेलाल ॥ ४१ ॥ माहरोखेदतेकीमटलेरे ॥ लिधावीणगुरु
आहाररे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीकहेरायनेंरेलाल ॥ मासखमणनुपारणरे ॥
आवस्येएहनेंजीवाररे ॥ न० ॥ तवतुझघरिकरस्येहवेरेलाल ॥ ४२ ॥ अग

नीशर्माबोलावीउरे ॥ कहीनरेंद्रनीवातरे ॥ जो० अपराधएहनोमांचितवेरेला
ल ॥ एहनोखेदनिवारवारे ॥ वलीकरवासुखशातरे ॥ जो० ॥ पारणएहनेंघरे
करोरेलाल ॥ ४३ ॥ एहसक्तीनउवेषीउरे ॥ माहरुंवचनपणिमानरे ॥ जो० ॥
तवतेतापसबोलीउरेलाल ॥ स्वामीखेदएस्येकरेरे ॥ मुझतुझवचनप्रमाणरे
॥ जो० ॥ मुझउपगारकरयोशणेरेलाल ॥ ४४ ॥ राजावझमानेंकरीरे ॥ प्रण
मीपोहतोगेहरे ॥ जो० ॥ इमकरतांवलीआवीउरे ॥ पारणाकेरोदिनरे ॥ जो० ॥
शणअवसरचरआवीआरेलाल ॥ साषेनृपनेंवचनरे ॥ न ॥ मानसगनृपआ
वीउरेलाल ॥ ४५ ॥ रातिवासोदेशमारीआरे ॥ आपणासैन्यनालोकरे ॥ न० ॥
हवेजिमजाणोतिमकरोरेलाल ॥ तवराजारिशेंचढ्योरे ॥ आंणीमनमाशोक
रे ॥ न० ॥ कोपानलपणिदिपतोरेलाल ॥ ४६ ॥ निर्दशघरणीपडामतोरे ॥ अम
रषेबलनांवयणरे ॥ न० ॥ तुरवजमावेप्रयाणनरिलाल ॥ गयबलहयबल
सजकरेरे ॥ करीविकरालतेनयणरे ॥ न० ॥ रहवरसमसन्नझझआरेलाल ॥
॥ ४७ ॥ चामरछत्रधरावतोरे ॥ वाजंतेवरतुररे ॥ न० ॥ त्रदिबिरुदबोलीजते
रेलाल ॥ मगलकलशचलावीउरे ॥ अगनीशर्मातपसूरिरे ॥ जो० ॥ पारणा
नेंशणअवशरेरेलाल ॥ ४८ ॥ आविनेंदेख्योतिहरि ॥ सझजनसझशपामरे
॥ जो० ॥ देखीनेंपाडोवल्योरेलाल ॥ कोईइंउलख्योनहीरे ॥ आव्योतेनीज
ठांमरे ॥ जो० ॥ ज्योतिषीशणअवसरेसणेरेलाल ॥ ४९ ॥ लगनआवेलाछेस
लुरे ॥ किजेतुरतप्रयांणरे ॥ रा० ॥ राजाकहेतववातमीरेलाल ॥ अगनीशरमा
आव्यानहीरे ॥ मानीछेमुझवाणिरे ॥ जो० ॥ आव्यापछीजईशसझरेलाल ॥ ५० ॥
तवएकनरबोल्योतीहारे ॥ आवीगयाशणवाररे ॥ रा० ॥ हजीअहस्येपुरमास
हीरेलाल ॥ तवराजाविलषोथशरे ॥ चाल्योतेहनीलहाररे ॥ रा० ॥ दि
गेनीकलतांथकारेलाल ॥ ५१ ॥ उतरीरथथीपाशपमेरे ॥ विनतीकरेमहारा
यरे ॥ जो० ॥ करीयपशायपाडावलोरेलाल ॥ माहरेजावुघणशहतुरे ॥ पणि
नवीगयोझषीरायरे ॥ जो० ॥ वाटतुम्हारीजोवतारेलाल ॥ ५२ ॥ तुम्हेअण
जाण्यापाडावल्यारे ॥ तिणेंचालोमुझगेहरे ॥ जो० ॥ अगनीशर्मातबबोली

उरेलाल ॥ तुजाणेंसवीवारतारे ॥ म्हारेप्रतिज्ञाजेहरे ॥ रा० ॥ सत्यसचाप
सीहोइरेलाल ॥ ५२ ॥ लासालाससमभेवभेरे ॥ हवेंबोलेमररायरे ॥ जो० ॥
म्हाराप्रमादचरीत्रथीरेलाल ॥ लाजुतुस्वामीघणोरे ॥ तेमुखचीनकहेवाय
रे ॥ जो० ॥ तुम्हतपचारीरपीमायकीरेलाल ॥ ५३ ॥ मुझप्रतीपिमाउपजे
रे ॥ उपजेहिंइंद्रतापरे ॥ जो० ॥ बोलीनसकुबयणथीरेलाल ॥ हेइ ऽ खबाई
नहीरे ॥ म्हेंकिधूमहापापरे ॥ जो० ॥ ऽ खउपसमसुझचितवोरेलाल ॥ ५४ ॥
तवतापसमनचितवेरे ॥ रायबहुखेदायरे ॥ रा० ॥ गुरुसगतोएम्प्रतिघणोरे
लाल ॥ पारणुनकरूएहनेंघरेरे ॥ तोऽ खएहनुनजायरे ॥ ५५ ॥ इमचितीन
पीउकहेरेलाल ॥ ५६ ॥ करस्यूतुझघरिपारणुरे ॥ निरविघनेंदीनतेहरे ॥ रा०
तवराजाहरप्योघणुरेलाल ॥ नृपकहेविमलनांणीतुम्होरे ॥ प्रणमेम्प्रांणीनेहरे
॥ जो० ॥ प्रभुमुझनेंनिस्तारीउरेलाल ॥ ५७ ॥ समरादित्यनारासमारे ॥ एक
हीपांचमीढालरे ॥ रा० ॥ विझजनमनराजीपयारेलाल ॥ पद्मबीजयकहे
सांसलोरे ॥ आगलेंवातरसालरे ॥ रा० ॥ गुणपक्षपातीराजाघणोरेलाल
॥ ५८ ॥ ऊहा ॥ तपसीनेंकहेसूपती ॥ तुम्हेंजाउंतपोवन्न ॥ कुलपतीपासेंकिम
हीके ॥ नहिम्प्रावणनुमन्न ॥ ५९ ॥ मुखदेषावीमाहरू ॥ नसकुनाचनीदान ॥
इमकहीराजाघरिगयो ॥ तपसीगयोतेरांन ॥ ६० ॥ कुलपतिनेंसचलुकमू ॥
कुलपतीकहेवरकांम ॥ कीधूइमपरसत्रीउ ॥ मासबीजोकरयोतांम ॥ ६१ ॥ व
घतेपरिणामेंवली ॥ तपपूरोतसभाय ॥ रायतणेंघरिपारणें ॥ पुत्रजनमप्रगटा
य ॥ ६२ ॥ प्रतिहारीमुखेंपांमीउ ॥ अवलपूषअवतार ॥ आपेम्प्रासूषणम्र
गना ॥ पुर्णकरीप्रतीहार ॥ ६३ ॥ गुणशेनरायनेंम्प्रांगणें ॥ उछवम्प्रतिहिउदा
र ॥ मांम्प्योतेमहामोदथी ॥ परीघलपुण्यप्रकार ॥ ६४ ॥ दूहा ॥ इमरम्प्रांवा
म्प्रांवलीरे ॥ एदेशी ॥ रायहुकमफरमावीउरे ॥ मुंकोकारामार ॥ उदघोषणा
करीदीजीइरे ॥ दांनम्प्रनेकप्रकार ॥ ६५ ॥ सखिकजनसाविसावतेहोय ॥ सा
वीनटालेकोय ॥ सखि० ॥ एम्प्रांकणी ॥ जितशत्रुमुखरायमेरे ॥ कहेयरावो
एवात ॥ नयरमांसहुससखाविइरे ॥ जिणेंबहुमहोछवथात ॥ सखी० ॥ ६६ ॥

जेकझूतेसवेकस्युरी।नाचेपगेंपगेंपात्र ॥ वरचिवरधरीरमणीउरे॥ गावेतेवाली गात्र ॥ सवी० ॥ ६७॥ दानेंसतोषीतबोलतारे ॥ बदिजय२सब्द ॥ तालवि णामादलतणारे ॥ सासलीश्वऊनहू॥ ६८॥ सवि० ॥ वधामणांआवेघणा रे ॥ राजसवनसकीन्न ॥ इणअवसरतापसतिहारे ॥ ऊउ प्रतिज्ञातिन्नासवि० ॥ ६९॥ पारणानिमित्ततेआवीउरे ॥ राजकुलेंतेंआय ॥ सऊतेहर्षप्रमोदमां रे ॥ नवीकोयनेंचित्तसाय ॥ सवि० ॥ ७०॥ आमुअवलूजोईनेरे ॥ वलि उतिततकाल ॥ अमुसकरमउदश्करीरे ॥ चितवेआलपपाल ॥ सवि० ॥ ७१॥ आर्त्तध्यांनवसिचितवेरे ॥ अहो२एहराजान ॥ मुऊउपरिबालसावथीरे ॥ वे रसावअसमांन ॥ ७२॥ सवि० ॥ जूउमायाकरेकेतलीरे ॥ गुढाचारचरी त ॥ सऊआरवेंकरेविनतीरे ॥ आचरेअतिविपरित॥ सवि० ॥ ७३॥ इमचि तवतोनिकल्योरे ॥ पूरबाहिरतेजाम ॥ दोषअज्ञानेंआकरेरे ॥ क्रोधतणेंवली धाम ॥ सवी ॥ ७४॥ वासितजैनमारगेंनहीरे ॥ धरमसरधागइतास॥ परलो कनीवासनातजिरे ॥ आविअमेंबीजाश ॥ सवि० ॥ ७५॥ सूरवेंकलकली देहमीरे ॥ आकर्षोवलीसूख ॥ द्वेषजाम्योनृपउपरेंरे ॥ सुद्धिनरहीतिलतुष ॥ सवी० ॥ ७६॥ तपनुफलजोमाहरूरे ॥ तोएहनोवधकार ॥ करेनियाण एहवुरे ॥ सवसवडुरकदातार ॥ सवी० ॥ ७७॥ शत्रूनेंडुखदिधूनहीरे ॥ वा ल्हानेंसुखनविदिध ॥ मातविमलीतनेंरे ॥ जन्मलहिस्यूकिध ॥ सवि० ॥ ७८॥ इमनियाणतिणेंकस्युरे ॥ आलोयुनहीतेठाण ॥ क्रोधानलवलतोकरे रे ॥ कोमिवीकल्पअजाण ॥ सवी० ॥ ७९ ॥ पोहतोनपोवनतेहवेरे ॥ कुल पतिमुक्याडुर ॥ परीहरीशेषतापसवलीरे ॥ दिशतोमहाकूर ॥ सवी० ॥ ॥८०॥ जईसहकारश्रेणिरसोरे ॥ चितवेवलिइमचित्त ॥ अहोराजामुऊउप रिरे ॥ प्रत्यनीकसलीरीत ॥ सवी० ॥ ८१॥ हासीजोग्यमुऊनेंकस्योरे ॥ ताप ससर्वमऊार ॥ जाणीप्रतिज्ञामाहरीरे ॥ किधोमायाप्रकार ॥ सवि० ॥ ८२ ॥ करियनिमत्रणाइणिपरेंरे ॥ नवीआप्योमुऊआहार ॥ इणवेलारवलनाकरीरे ॥ स्योएहनेंअहकार ॥ सवि ॥ ८३॥ तपसीनेंकिमएकरेरे ॥ शत्रुमीत्रसमजा

स ॥ अथवानतज्योमुलथीरे ॥ अहारतोपांम्योविषास ॥ सवि० ॥ ते
माटेहवेमुऊसस्यूरे ॥ जावजिवलगेंआहार ॥ नकरुइमव्रतआदस्यूरे ॥ ज
मीसर्वव्यापार ॥ सवि० ॥ ८५ ॥ दिठोतापसेंइणसमेरे ॥ जाण्युंध्यांनअह
घ ॥ पुछेकिमनवीपांमीआरे ॥ कुसूमविलेपणसुद्ध ॥ सवि० ॥ ८६ ॥ पुछ
शेनरायतणेंघरेरे ॥ स्यूनगयाप्रसूआज ॥ पारणेंकिमनवीनीपनुरे ॥ तेसाचोव
हाराज ॥ सवि० ॥ ८७ ॥ अगनीशर्मातबबोलीउरे ॥ ऊगयोसूपनेंगेह ॥ बहु
बालपणाथकीरे ॥ आजलगीहजीएह ॥ सवि० ॥ ८८ ॥ मीठवचनेंबोलतोरो
करतोवीनयअपार ॥ वेरनटल्युमुऊउपरिरे ॥ जाण्युमेंनिरधार ॥ सवि० ॥ ८९ ॥
पणिएमायावीषरोरे ॥ किधूमाहाऊहाश ॥ किधोपरासबइणपरेरे ॥ एहअ
नार्यविलास ॥ सवि० ॥ ९० ॥ सहसाउठबमांमीउरे ॥ जांणीपारणदिन ॥
आदरदीठोनकेहनोरे ॥ वलिउविलषीतमन ॥ सवि० ॥ ९१ ॥ कहेतापसब
वीसत्तवेरे ॥ एहनरिंद्रगुणवत ॥ अथवाविचित्रपरिणांमठेरे ॥ स्यूंनकषाईकंत
॥ सवि० ॥ ९२ ॥ जिनवरमतवाशीतवीनारे ॥ उत्तमतानवीहोय ॥ तिणेंजिनम
तअगीकरोरे ॥ ज्ञानअभ्यासकरोय ॥ ९३ ॥ सवि० ॥ उठीढालइणिपरिरे ॥ साधी
कर्मनिदान ॥ पद्मविजयकहेसांसलोरे ॥ ऊ खदाईअज्ञान ॥ सवि० ॥ ९४ ॥
॥ दुहा ॥ कुलपतिपासेंजईकसू ॥ अगनीसरमाआज ॥ पारणविणपाछाव
ल्या ॥ महातपसीमहाराज ॥ ९५ ॥ कुलपतिआव्यातिहांकनें ॥ तपसीइपू
ज्याताम ॥ वछपारणनवीकस्यु ॥ किधूऊ करकांम ॥ ९६ ॥ राइस्यूएआच
स्यू ॥ असरिसजनआचार ॥ अगनीसरमाइमकहे ॥ रायप्रमादप्रकार ॥
॥ ९७ ॥ आहारतज्योनहीआदरे ॥ पाम्योआपदपेषि ॥ जावजिवहवेवरजी
उ ॥ आसादेहउवेरिव ॥ ९८ ॥ विनतिहवेऊविनवु ॥ कहेस्योहवेनकांम ॥
तवकुलपतिकहेतेहनें ॥ एहमांहाणिनकाय ॥ ९९ ॥ कालजतांवारजकी
सी ॥ तपसीबोलेतथ्य ॥ पणिनररायनेंउपरि ॥ कोधनकरोएकथ्या ॥ १०० ॥
सव्वोपूवकयाण ॥ कम्माणपावएफलविवागा ॥ अवराहेसुगुणेसुअ ॥ निमीत्तमी
त्तपरोहोइ ॥ १०१ ॥ दुहा ॥ इमसिरवामणदेइनइ ॥ सेवाकाजसकास ॥ तापस

मुंकीकुलपति ॥ पोहनोआसनपास ॥ १ ॥ ढाल ॥ नानोकेनानोनाहलोरे ॥ ॥ एदेशी ॥ पारणवेलाअतिक्रमीरे ॥ सासस्युंरायनेंतांम ॥ लागीवेदनारे ॥ अ होम्हारीअधन्यतारे ॥ उत्सवमाथयुआम ॥ २ ॥ लागी० ॥ आजपिणपा रणनवीथयुंरे ॥ हैहैप्रगटयुंपाप ॥ ला० ॥ पुढेपासनामनुजनेंरे ॥ आख्यान आख्यानीछाप ॥ ३ ॥ ला० ॥ पोलिकरीनरतेकहेरे ॥ आविगयानीजठोर ॥ ॥ ला० जनमउद्धवधामधूममारे ॥ चाल्यूनएहनुजोर ॥ ४ ॥ ला० ॥ रायक हेम्हेपापीशरे ॥ तपसीनेंकस्योअतराय ॥ ला० ॥ उदयआपदसणीमुझथयोरे ॥ एदू खमेंनखमाय ॥ ५ ॥ ला० ॥ अल्पपुण्यघरिनवीहोशरे ॥ दृष्टिसलीवसू घार ॥ ला० ॥ कृतोतिहांनवीजश्सकुरे ॥ मुखनदेखावुलगार ॥ ला० ॥ ६ ॥ सोमदेवपुरोहीतनेरे ॥ साषेशणिपरिबाण ॥ ला० ॥ अणजांण्योथश्तूतिहांरो ॥ जश्नेंजोतिणठांण ॥ ला० ॥ ७ ॥ तेहनीषबरकरोतूम्हेरे ॥ स्योकिधोव्यवसा य ॥ ला० ॥ जोश्कहेमुझनीपनुंरे तवतेगयोतिणठाय ॥ ला० ॥ ८ ॥ बहुता पसथीपरिवस्योरे ॥ मासमथारेबश्ठ ॥ ला० ॥ अमरषसस्योनृपनीकथारे ॥ करतोतेंणेंदीठ ॥ ९ ॥ ला० ॥ गिरिनदीपासेंतेहनेंरे ॥ विनश्करीप्रणमत ॥ ला० नामदेश्वेशारीउरे ॥ दिश्आशीसमहत ॥ १० ॥ ला० ॥ पूछेपुरोहीततेहनेंरे ॥ किमप्रसूषीणशरीर ॥ ला० ॥ तापसकहेसूणिडवलारे ॥ तपसीहोश्धीर ॥ ला० ॥ ११ ॥ पुरोहीतकहेसाचुप्रसूरे ॥ होयतपस्वीनीरीह ॥ ला० ॥ धनधान्यादिक सहुतज्यारे ॥ पणिनहीधर्मनीदेह ॥ १२ ॥ ला० ॥ आहारमात्रलेवोघटेरे ॥ धरमसधाश्जेण ॥ ला० ॥ श्णनगरीमाउत्तमवसेरो ॥ आहारदीश्हरपेण ॥ ला० ॥ ॥ १३ ॥ तृणमणीपथरकनकमांरे ॥ सत्रुमीत्रसमसाव ॥ ला० ॥ मोक्षमारग तूह्मेआदस्योरे ॥ सवजलपोतस्वसाव ॥ ला० ॥ १४ ॥ तुह्मनेंआहारकमीक सीरे ॥ तापसबोल्योतांम ॥ ला० ॥ वातकहीसाचीतुह्मेंरे ॥ पणिनरपतिड ख गाम ॥ ला० ॥ १५ ॥ धरमीराजासांसल्योरे ॥ तुम्हेकीमसापोश्म ॥ ला० ॥ तपसीवोल्योत्रटकीनेंरे ॥ एहवाधरमीनकेम ॥ ला० ॥ १६ ॥ जीतिदेशनें आवीउरे ॥ तपसीमारणकाज ॥ ला० ॥ सोमदेवचितेतदारे ॥ क्रोधचढयोअ

तिआज ॥ ला० १७ ॥ बेठोसयारेदेखीइरे ॥ रायतणेंनिरवेद ॥ ला० ॥ हो स्यें अणसणआवस्युरे ॥ पामीअतिशयखेद ॥ ला० ॥ १८ ॥ पुछ्योबोलेवा कमुरे ॥ तिणेंनहीपुछणलाग ॥ ला० ॥ प्रणमीउठ्योतिहांथकीरे ॥ बालमोकाढ वाताग ॥ ला० ॥ १९ ॥ फूलकरेनदीउतरेरे ॥ तापसएकतिवार ॥ ला० ॥ तेहनेंपूछेइणीपरेरे ॥ कहोएकीस्योविचार ॥ ला० ॥ २० ॥ आसूसरीतेबोलीउ र ॥ जेथइवातविस्तार ॥ ला० ॥ सांसलीनीजथांनिकगयोरे ॥ सोमदेवतिणवार ॥ २१ ॥ ससलावेसवीरायनेंरे ॥ सूपतिअधीकरवेदाय ॥ ला० ॥ चितवेजइ परसन्नकहूंरे ॥ एतपसीरीपीराय ॥ ला० ॥ २२ ॥ धरमनोअरथीराजवीरे ॥ बालतपस्वीतेह ॥ ला० ॥ सानमीढालसोहामणीरे ॥ पद्मकहेससनेह ॥ ला० ॥ ॥२३॥ ढहा ॥ नृपअतेउरलेइनें ॥ परिजनसार्थेप्रधाना ॥ पयचारीतपोवनप्रतें ॥ तपसीमेलनतांम ॥ २४ ॥ पोहतोतेपरीवारथी ॥ जाएयुतापसजांम ॥ कर्मू अगनीशर्माकन्हे ॥ आव्योतूपतीआम ॥ २५ ॥ क्रोधानलबलतोकहे ॥ ते मोकुलपतीनात ॥ तवआव्याकहेतेहनें ॥ विनयनीमुकीवात ॥ २६ ॥ सो सोकुलपतीइसएह ॥ सूणज्योसाचीवात ॥ एहअधमराजाइहां ॥ तरूश्रेणी आयात ॥ २७ ॥ मुखनदेखावेमुझनें ॥ करीइएहवुकांम ॥ जिमपाछोएजा यतिम ॥ रुडुथाइरांम ॥ २८ ॥ ढाल ॥ रामचदकेबाग ॥ एदेशी ॥ कुलपति चितेएम ॥ एहकषाइहस्योरी ॥ दृष्टीइनहोइराय ॥ तोवरकांमकरस्योरी ॥ ॥ २९ ॥ सनमुखचाल्योजांम ॥ कुलपतिरायतणेंरी ॥ तवपरीवारस्युराय ॥ दीठोखेदघणेंरी ॥ ३० ॥ विनइप्रणमीपाय ॥ आशीसशीसलहेरी ॥ लसोआ णदजबराय ॥ कुलपतीतामकहेरी ॥ ३१ ॥ आवोचपकश्रेणि ॥ बेशीइति हांसूमनांरी ॥ इमकहीतिहांलेईजाय ॥ आशनेंकुशतरणांरी ॥ ३२ ॥ विमलशीलापटगाभि ॥ कुलपतिबेठोसूभि ॥ आणाल हियनिस्येरी ॥ ३३ ॥ कुलपतिपुछेएम ॥ किमपयचारीतुमरी ॥ आव्याएवडिसूभि ॥ अचरिजपामूअमेरी ॥ ३४ ॥ वलीशार्थेपरीवारा ॥ तवबोल्योसूपतिरी ॥ पूरूषअध मनीवात ॥ कहेविनही जुगतीरी ॥ ३५ ॥ धरमनांहिअतराय ॥ तपसीनेंलें

करयोरी ॥ पापतराणोघोर ॥ हवेकिमसवउतरयोरी ॥ ३६ ॥ अगनीशर्मा ॥ स्वामि ॥ किहाछेतेहकहोरी ॥ देखामोनमुआज ॥ पातिकसर्वदहोरी ॥ ३७॥ कुलपतिवोलेतांम ॥ मतसतापकरोरी ॥ तुह्मनाटेनवीकीच ॥ अणसणएहप रोरी ॥३८॥ अमचोएहआचार ॥ अणसणेंदेहतजेरी ॥ चरमवर्येअमलोक ॥ तिणेंअणसणएसजेरी ॥ ३९ ॥ तवबोलेनरराय ॥ स्युवडुतुह्मनेंकडुरी ॥ द रिशणतेहनुस्वामि ॥ एकवारडुलडुरी ॥ ४० ॥ कुलपतिकहेसुणिराय ॥ एप णिवातनहिरी मकरोतसअतराय ॥ ध्यानमांवेठासहीरी ॥ ४१ ॥ वलीअव सरलहीकोय ॥ दरिशणताशकरोरी ॥ सांसलीवोलेराय ॥ जेतुह्मेआणिधरो री ॥ ४२ ॥ वलिआविसडुस्वामि ॥ उठयोश्मकहीरी ॥ आंमणदूमणोतेह ॥ अवशरएहलहीरी ॥ ४३ ॥ प्रणमीकुलपतीपाय ॥ चाल्योनयरतणीरी ॥ त वएकतापसआय ॥ वयतसबालघणीरी ॥ ४४ ॥ धरतोपश्चाताप ॥ वानते शर्वकहेरी ॥ अगनीशर्माअसीप्राय ॥ तवपरमार्थलहेरी ॥ ४५ ॥ हवेआव्ये स्युहोय ॥ कुलपतीकष्टकरेरी ॥ तिणेंनवीघटतुमुझ ॥ रहेवुश्णनयरेरी ॥ ॥ ४६ ॥ वलीतपसीनीवांणि ॥ श्रवणेंसूणवीपमेरी ॥ जिमतिमबोलेतेह ॥ एप णिवातनमेरी ॥ ४७ ॥ पुछेलगननोदिन्न ॥ निजआवासजश्री ॥ जोसीमुत्त अभ्यास ॥ कहेतुसुणिनरवश्री ॥ ४८ ॥ कालिमुहुर्त्ततेखास ॥ खितिपश्ठस णीरी ॥ साधीसर्वनश्वात ॥ कालिप्रयाणतणीरी ॥ ४९ ॥ सेनाकरीचतुरग ॥ चाल्याप्रयाणकरीरी ॥ महिनेंपोहताछेठि ॥ आव्यातिणनयरीरी ॥ ५० ॥ सिणगारीसवीसहेर ॥ पोहतानिजसुषनेंरी ॥ उछवमहोछवकीच ॥ नहिविकल्प मनेंरी ॥ ५१ ॥ सर्वतोसद्रआवाश ॥ माहिकेलिकरेरी ॥ दिनदूखीजनजेह ॥ तेसडुनेंउडुरेरी ॥ ५२ ॥ समरादित्यनोरास ॥ आठमीढालकहीरी ॥ पद्मक हेसूरशाल ॥ आगलवातवहीरी ॥ ५३ ॥ ढहा ॥ इणअवशरउद्यानमा ॥ मा सकल्पमर्याद ॥ मुनीवरविहारेंम्हालता ॥ पालताअप्रमाद ॥ ५४ ॥ शिष्यस मुहेंश्रमणतें ॥ सूदरसर्वसरीर ॥ चौनाणीचारित्रीउ ॥ घोरीपरिसहधीरा॥५५॥ वयजोवनआव्याव्रती ॥ गुणरयणागरजेह ॥ कुलगरखतीतणकहु ॥ निल

यधर्मनोतेह ॥ ५६ ॥ विजयसेनमुनीवरतिहा ॥ सूपतिकुलससूत ॥ कुसल
पक्षमानुढगकस्यो ॥ आचारयअदसूत ॥ ५७ ॥ अशोकदत्तसेठनुंअजव ॥
दिसेचैत्यउद्दाम ॥ मागीअवग्रहमुनीवरू ॥ उतस्यातिहाआराम ॥ [illegible]
तोरणथीरथफेरीउरेहा ॥ एवेशी ॥ जिहासहकारसोहामणरिहा ॥ [illegible]
रजणाय ॥ सविजनसांसखो ॥ नीतीवतानरपतिजिस्यारेहां ॥ तेहवासदलस
ग्राय ॥ सवि० ॥ [illegible] ॥ रूपतेवाविकाठेरसारेहां ॥ सोसेअधोमुखतेहा ॥ सवि०
परस्त्रीदिखणनेंयथारेहां ॥ उत्तमपुरुषसनेंह ॥ सवि० ॥ ६० ॥ विषय
प्रसक्तपापमीआरेहां ॥ सोलिवनसोहेतेम ॥ स० ॥ [illegible]अशोकशोसेजकारे
हा ॥ कुसूसवस्त्रवरजेम ॥ स० ॥ ६१ ॥ जिवलोकमनोरथपरेंरेहां ॥ बहुविधपाप
पहोय ॥ स० ॥ हिमगिरीशिपरपरेंशहीरेहां ॥ जिनवरचैत्यतेजोय ॥ स० ॥ [illegible] ॥
चरणकरणनीसित्तरीरेहा ॥ पालेसजमसार ॥ स० ॥ इणअवशरराजाहवेरेहां ॥
पुछेवातउदार ॥ स० ॥ ६२ ॥ कौतूकदिनुतोकहोरेहां ॥ तवनामेंकल्याण ॥ स० ॥
एकअठेहुजेकहुरेहा ॥ रायसूणोवरजांण ॥ स० ॥ [illegible] ॥ अशोकवनउद्या
नमरिहां ॥ पाउधारयाहुपीराय ॥ स० ॥ जोवनेंऊीत्योमारनेंरेहां ॥ सोवन
वरणीकाय ॥ स० ॥ ६५ ॥ जोपिणसगसहुतज्योरेहां ॥ सहुनेकरेउपगार ॥
॥ स० ॥ धर्मसुरतीधरीआवीउरेहां ॥ विजयशेनगणधार ॥ स० ॥ [illegible] ॥ ग
धारदेशनोअधीपतीरेहां ॥ समरसेनराजांन ॥ स० ॥ तेहनोनत्तुउजांणीरे
हां ॥ लक्ष्मिसेनसूतजाण ॥ स० ॥ ६७ ॥ मेंवांआहरषेकरीरेहां ॥ तवबोलेनर
राय ॥ स० ॥ ताहरोसवसफलोथयोरेहां ॥ तुकृतपुण्यजणाय ॥ ६८ ॥ स० ॥
ऊपणिकालेवादस्यूरेहां ॥ ईमहरषेगईरात ॥ स० ॥ आमवरथीवदिआरेहां ॥
साधूसवेपरसात ॥ स० ॥ ६९ ॥ देखीदेखीहरषतोरेहां ॥ पुलकीतथाइतन्न ॥
॥ स० ॥ आणदबाहुजलपूरीआरेहां ॥ नयनविकश्वरमन्न ॥ ७० ॥ स० ॥
वलि२प्रणम्योप्रेमरपूरेहा ॥ मांनेधन्यअवतार ॥ स० ॥ धर्मलासदिधोगुरेरेहां ॥
शाश्वतसुखदातार ॥ स० ॥ ७१ ॥ धितासीऊीवधूतणीरेहां ॥ तिणेंदूर्वलअयु
तन्न ॥ स० ॥ अठारसहससिलसारथीरेहां ॥ नविपेवायुमन्न ॥ ७२ ॥ स० ॥

एहवामुनीवरप्रणमीउरेहा ॥ बेठोगुरूनेंपाय ॥ स० ॥ रुपचरीत्रदेखीकरी रेहां ॥ मनमांविस्मीतथाय ॥ ७३॥स० ॥ पुछेराज्यछोमीकरीरेहां ॥ किमली धोव्रतसार ॥ स० ॥ स्योंवैराग्यतेउपनोरेहा ॥ किमछांम्योसछार॥स०॥७४॥ मुनीवरकहेसूणिनरपतिरेहां ॥ स्युपूछेवेराग ॥स० ॥ जेसछारमादेखीरेहा॥ तेवैराग्यमहासाग ॥ स० ॥७५॥ छामि२ निरवेदछेरेहा॥ चिहुगतिमासत्ता लि ॥ स० ॥ जनममरणनहीकेहनेंरेहा ॥ सघलानेशिरकाल ॥ स० ॥७६॥ लषमीअथीरनवीसूखदिशेरेहा ॥ आव्योसूकरीपून्य ॥ स० ॥ जावुकिणछामें वलीरेहा ॥ एहानेंपिणसुन्य ॥ स० ॥ ७७॥ वलीमानवनोसवसलोरेहां ॥ रयणचिंतामणीतुल ॥ स० ॥ मासअणीजलजेहवुरेहा ॥ जिवीतहारेथुल ॥ ॥ स० ॥ ७८ ॥ कुपित्तसूजगमसारिषारेहां ॥ कामसोगसछार ॥ स० ॥ गजकर्णवीजचचलयथारेहां ॥ ऋद्धिछारदजलधार ॥ स० ॥७९॥ तपचा रीत्रनआदरयेरेहा ॥ तेनरदूरगतीजाय ॥ स० ॥ पामेवीपाकवीहामणरेहां ॥ नारकतिरीगतीथाय ॥ स० ॥ ८० ॥ वहुदूखेंकरीवलीरशोरेहा ॥ रोगसोगवि प्रयोग ॥ स० ॥ सवनाटिकनाटिकसमुरेहां ॥ रिछीकरेमुछलोग ॥स०॥८१॥ मोक्षसाधनतिणेंसाधीशरेहां ॥ एछ रकटालणहार॥ स० ॥ एमुछनिमीत्तवैरा ग्यनुरेहां ॥ सामान्येंछसार॥ स० ॥८२ ॥ वलिअविशेषसूणिमाहरूरेहा ॥ जेहचारीत्रनिमीत्त ॥ स० ॥ नवमीढालेपदमकहेरेहा॥ मुनीवरचरीत्रपवित्र ॥स०॥८३॥छहा॥जबुद्विपशणविजयमा॥देशगधारउदाम॥निवसूगधारनयरी श॥तिणपुरिशमुछनांम ॥८४॥ मित्रएकतीहांमाहरे ॥ सोमवसूसुतसार ॥ वि सावसूधणछवालहो ॥ पुरोहीतप्राणआधार ॥८५॥ एकदिनतेआतकथी ॥ देवेंदीधोदम ॥ मरणलसोमुछदेखतां ॥ छ खतेविधप्रचम ॥८६॥ ढाल॥ छांछ रीआमुनीवरघन २ तुह्मअवतार ॥ एदेशी ॥ शणअवछरतिहाआवियाजी॥ विचरतामुनीवरव्यार ॥ चोमासूरहेवासणीजी ॥ करताउपविहार ॥ ८७ ॥ सवीसावधरीनेंवदोएअणगार ॥ आंकणी ॥ गधारपर्वतनीगुफाजी ॥ तिहा आवीनेंगाय ॥ मुनीमुछनेंवाहलाघणाजी ॥ चरपुरसेंकहुआय ॥ ८८ ॥

॥ सवि० ॥ झपणिजीप्रगयोत्रीहांजी ॥ दिगाकरतांसझाय ॥
रीजी ॥ आणदअगनमाय ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ परमलासदियेनिर्वेजी
ग्रीम्हेंसरवज्ञात ॥ वदिनेझर्यारिगयोजी ॥ नितकरुएअवदात ॥
वी०॥ मासपमणनेपारणाजी॥करेध्यारेमुनीराय॥
मुझतिहासमकीतथाय ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ ध्यारमासतेवहिगयाजी
णीशचितव्युश्म ॥ कालेमहातपसीजस्येजी ॥ तवकरस्यूकहोकेम
॥ स० ॥ वदननिमित्तेंचालीउंजी ॥ ध्यारघमीलेश्गति ॥ थोडीसूमीमयोलेल
लेजी ॥ आव्योसरसीतववात ॥ [illegible] ॥ अजुआलूगगनेंमयुजी ॥ गाज्योमीमी
गधार ॥ प्रचलीतिहांवसुधराजी ॥ जयजयरवविस्तार ॥ [illegible] ॥ सवी०
अधीकहर्षतवमुझथयोजी ॥ आगलिजाउजांम ॥ पृथविसमकरीनेंतिहांजी
काढ्यांतृणादिकतांम ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ गधोदकवरसेतिहाजी ॥ पुष्प
वृष्टीवलीथाय ॥ थोके [illegible] देवताजि ॥ आविस्तवनाकराय ॥ [illegible] ॥सवी०
मानवसवसलेंपांमीयाजी ॥ पयकरयारागनेंदोस॥कर्मसेन्यजीत्यूतुम्हेंजी ॥
सवज्ञायरकरयोसोस ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ इमसांसलीमेंचितव्यूजी ॥ मुक्त
ह्याकेवलज्ञांन ॥ जन्ममरणछ खकापीयांजी ॥ पाम्याज्ञाश्वतथान ॥ [illegible]
॥ सवी० ॥ रयणसिहासनसुररचेंजी ॥ बेठाज्यांतस्वरूप ॥ मुक्तिवतगुणगण
तणांजि ॥ मुयोसक्सयकुप ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ मेंकीधोदेखीकरिजी ॥ नि
श्चयनहीसंदेह ॥ रोमांचितथइमणमीउंजी ॥ हर्षनमाइदेह ॥ [illegible] ॥स०॥
केवलीश्तीहांदेशनाजी ॥ दिधीकरीवीस्तार ॥ निज [illegible] संदेहपुछताजी ॥ सु
रनरनाबझवार ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ मेंपणिमनमांचितव्यूजी ॥ पुछुमुझशंदेह ॥
विसावसूकिहांउपनोजी ॥ बालेजेमुझदेह ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ पुछ्युइमम्हेंचि
तवीजी ॥ स्वामीथयोकेइकाल ॥ माहरोमीत्रमुझदेखतांजी ॥ ततपिणथयोवी
शराल ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ किहांजइनेंतेउपनोजी ॥ हिवणांअनुसर्वेकांय ॥ जि
नमतजाणझखरोजी ॥ पणिमुझ खकिमथाय ॥ [illegible] ॥ सवी० ॥ केवलीक
हेतुम्हेसांसलोजी ॥ एहनासवविकराल ॥ धर्मकरयाविणप्राणीयाजी ॥ कि

मलहेसूरवअसराल ॥ ५ ॥ सवी० ॥ समरादित्यनाराजमांजी ॥ साखीएदश मीढाल ॥ पद्मवीजयकहेसासलोजी ॥ केवलीवचनरशाल ॥ ६ ॥ सवी० ॥ ॥ ऊहा ॥ रजकएकइणनयरमा ॥ ऊसदिन्नइणनांम ॥ स्वानीमघूपेगावसें ॥ तेहनेंगरसेंताम ॥७॥ उपनोस्वानपणेंइहा ॥ रक्षुश्वांध्योरद्द ॥ सूप्योतरस्योरा ससी ॥ निकटेंकरतोनद्द ॥ ८ ॥ रासलीपाटुप्रहारथी ॥ सयपामेंअतिसीत ॥ हवणांअनुसवेएहवु ॥ पणितुऊपुरवप्रीति ॥ ९ ॥ पुष्करअरघकुसुमपुरें ॥ सरतपेत्रमांसाव ॥ कुसुमशारतुतिहाकिणें ॥ सेठसवेसीरदाव ॥ १० ॥ श्री कातापस्त्रीहती ॥ नमीउतेहसनेह ॥ पोतानाजेपुरुषते ॥ तेरुणमुकेतेह ॥ ॥ ११ ॥ ढाल ॥ दासअरदासीपरिकरेजी ॥ एदेशी ॥ तेहचाकरउसदिन्न घरेजी ॥ जइनेमुकावीउस्वान ॥ आहारनेंपानदिघूवलीजी ॥ लेइआव्यानि जथांन ॥ १२ ॥ जुउजुउकर्मविचित्रताजी ॥ एआकणी ॥ कृमिकुलेंव्या पीतदेहमीजी ॥ वझरेचांदांपम्यातास ॥ षिणतनुरुधीरअगेंझरेजी ॥ गति अतीमदठेजास ॥ १३ ॥ जुउ० ॥ नजरेआवेतेदतावलीजी ॥ काढतोजी सवीकराल ॥ देषीसवेगमुऊउपनोजी ॥ अहो २ सवचक्रवाल ॥ १४ ॥ जु० ॥ स्वानपिणपुढहलावतोजी ॥ वाहजलसरीयतेनयण ॥ देषीमुऊनेंतेउन्हाइउ जी ॥ नविकहेवाइतेवयण ॥ १५ ॥ जुउ ॥ ज्ञानीनेंपुछ्युतवतेकहेजी ॥ पूर वसवनोएप्रेम ॥ वातविशेषजाणेंनहीजी ॥ पणिएसामान्यथीइम ॥ १६ ॥ जुउ० ॥ एहस्वसावसशारनोजी ॥ आवेजेकीधोअत्यास ॥ कोईककाल अनासोगथीजी ॥ पोहचेपुरवतणीवास ॥ १७ ॥ जुउ० ॥ पुछ्युम्हेंस्वामीकु णकर्मथीजी ॥ पामीउएहविवाग ॥ जातिमदथीकेवलीकहेजी ॥ पुछीउतू म्हेधरीलाग ॥ १८ ॥ जुउ० ॥ कुणअसीमांनइणेंकस्युजी ॥ वोलीआतवगुणवत ॥ अनतरसवेंगणीकातणांजी ॥ दृदरमवानीकसत ॥ १९ ॥ जुउ० ॥ तरुणज नदृदस्युपरिवरीजी ॥ अनुसवेवशतनीक्रीम ॥ इणसमेरजकनीचच्चरीजी ॥ निकलीथईतसपीम ॥ २० ॥ जुउ ॥ जातिकुलवलगरवेंकरीजी ॥ किमजा इनिचअमपास ॥ दोपअज्ञानथीचितवेजी ॥ किधीकदर्थनातास ॥ २१ ॥

॥ जुउ० ॥ उसदिन्नमुख्यतेहमांअठेजी ॥ जकमीबाध्योदृढबध ॥ बदिवाले मोकलावीउजी ॥ इमकस्योबहुलतिणेघरु ॥ २२ ॥ जुउ ॥ मानपरिणामनी वसथकीजी ॥ बांधीउअमुसतिहांआय॥ नयरलोकेंउसदिन्नर्नेजी ॥ जेमा ब्योकरीसूपसाय ॥ २३ ॥ जुउ० ॥ वेश्यातेकर्मथीकुतरोजी ॥ उपनोइंणस वएह ॥ सासलिमेंतिहांचितध्यूजी ॥ अहोसशारदूखगेह ॥ २४ ॥ जुउ० ॥ म्हेंकरजोमीनेंपुछीउजी ॥ कबएहकर्मनोअत॥ सध्यअसध्यकेकिमप्रसूजी॥ साषिइमुकसगवत ॥ २५ ॥ जुउ० ॥ पामीउबीजकेएनहीजी ॥ तबकहे गुरुगुणवत ॥ सासलोतेहविस्तारथीजी ॥ जिमएहकर्मनोअत ॥२६॥ जुउ ॥ उसदिन्नघरिएकरासलीजी ॥तेहनीकुर्षेएस्वान ॥ उपजस्येएगर्दूसपणेजी ॥ सारवहतोअप्रमाण ॥ २७ ॥ जुउ० ॥ छेशपमतोबहुतिहांकणेंजी ॥ का लकरीनेंतसगेह ॥ माईदिन्नचमालसारयाजी॥ अणहिगाकुर्षेरसोएह ॥ २८ ॥ जुउ० ॥ तेहनपुसकनीपनोजी ॥ रुपदीलाग्पदेषाय ॥ सिहेमास्योवलीते हनीजी ॥ कुर्षेचमालणीथाय ॥ २९ ॥ जु० ॥ नागमसीउबालकालमांजी ॥ मरीवलीउसदिन्नधांम॥ दत्तिआदासीकुर्षेथयोजी॥ जातीअधनपुशक ताम॥ ॥ ३० ॥ जु० ॥ वामणोनेंसहुपरिसवेजी ॥ इणसमेंनयरनोदाह ॥ तेहमांम रिवलीतेहनीजी ॥ कुर्षेस्त्रीसवतणोलाह ॥ ३१ ॥ जु० ॥ राजमार्गेहएयोहा थीइजी ॥ तिणेंकरयोतीहांथकीकाल॥ हुवेतेहरजकनीसारजाजी ॥ कालज णीनांमेंनीहाल ॥३२॥ जुउ० ॥ तासकुर्षेथईपुत्रीकाजी ॥ पांमीहुवेजोबन वेद ॥ उसरस्तीतनांमेरजकनेंजी ॥ दरीहनेंदिधीमहाषेद ॥ ३३ ॥ गर्सवतीथ ईअनुक्रमेंजी ॥ प्रसवनीवेदनातास ॥ पचत्वपामीनीजमातनीजी ॥ कुर्षेउ पनोसूतषास ॥ ३४ ॥ जु० ॥ तेहवेबालककालमांजी॥ गधारसरितानेंतीर ॥ रमतोगयोतिहांकिणेंजी ॥ जेहमांउमाबहुनीर ॥ ३५ ॥ जु० ॥ उसदिन्नस ध्रुएकतिणसमेजी ॥ आबीउनांमचिलात ॥ कोटेशिलाबांधीषेपवीजी ॥नदी अमांकरस्येघात ॥ ३६ ॥ जु० ॥ जातिमदथीइणिबांधीउजी ॥ कर्मनोए अवसान ॥ सध्यनेंसिद्धीगामीपरोजी॥ पणनलयोविजतांन ॥ ३७ ॥ जु० ॥

बांधतांकर्मदीसेनहीजी ॥ सोगवतांमहाडुख ॥ ढालइग्यारमीइमकहीजी ॥ पद्मकहेधर्म्मथीसुख ॥ ३९ ॥जु०॥

॥ डुहा ॥ आचारयकहेपुछीउ ॥ म्हेकेवलीनेंतांम ॥ जलमरणेंजास्येकही ॥ कबसमकीतकिणठाम ॥ ३९ ॥ केवलीकहेसुणितिहांथकी ॥ पांमीसु सपरीणांम ॥ सुरवरव्यतरथायस्ये ॥ आगमकालेंआम ॥ ४० ॥ तिणेंसव मांतिरथपती ॥ आणदइणअसीधान ॥ पासेंसमकीतपामीउ ॥ सुरतरूसीद्धी समान ॥४१॥ चउगइभ्रमणसमीकरी ॥ सांसलिसवसरख्यात ॥ इणगधारहज णवइ ॥ थास्येप्रथवीनाथ ॥ ४२ ॥ विद्याधरवैरागीआ ॥ अमरतेजअणगा र ॥ तेहनेंपासेंव्रतलेइ ॥ पालस्येप्रीतिअपार ॥ ४३ ॥ केवलज्ञानलहीकरी ॥ पांमस्येसवनोपार ॥ सांसलीनेंकुसमझीउ ॥ रागगयोससार ॥ ४४ ॥ एवै राग्येंआदस्यु ॥ पुछिमातपीताय ॥ चारित्रचोखेंचित्तस्यु ॥ इहदत्तगुरुपाय ॥ ॥ ४५ ॥ विजयसेनगुरुवर्णव्यो ॥ वारुनीजवैराग ॥ साचुकहेगुणद्योनसूणी सलातुल्लेमहासाग ॥ ४६ ॥ पणितुल्लेसाप्युपुरवें ॥ मोक्षनुद्याधनमुख ॥ मो क्षनुसाधनकहोमुनें ॥ जेहहोइअवीरुख ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ हसलानी ॥ एदे शी ॥ मोरासाहिवहो ॥ श्रीशीतलननाथके ॥ एदेशी ॥ सुरिसाधेहो ॥ सांस लिनरनाहके ॥ मोक्षथानिकशाश्वतकह ॥ जरामरणनेंहो ॥ नहीजनमनेंरोग के ॥ शोकादिकउपद्रवसह ॥ ४८ ॥ नाणदरिशणहो ॥ छेजाससरूपके ॥ चौद राज्यशिरजेरहा ॥ हवेशांसलिहो ॥ कहुनासउपायके ॥ नाणदर्शनचरणजक हा ॥ ४९ ॥ बिहुसेंदेहो ॥ साधूश्रावकधर्म्मके ॥ बारप्रकारगृहीतणो ॥ पाच अणुव्रतहो ॥ त्रणगुणव्रतसारके ॥ च्यारशिक्षाव्रतइमगणो ॥ ५० ॥ मुनीरा जनोहो ॥ दशविधजतिधर्मके ॥ दोयनुमुलदर्शनसणो ॥ जेडुलसहो ॥ प्राणीव सकर्मके ॥ तेहकर्मआठजसुणो ॥ ५१ ॥ ज्ञानावरणनेंहो ॥ वलीदर्शनावर णके ॥ वेदनीमोहआयुवली ॥ नामगोत्रनेंहो ॥ अतरायएआठके ॥ एहनाहे तुकहेकेवली ॥ ५२ ॥ मीछअन्नाणहो ॥ अविरतिनेप्रमादके ॥ वलिकरवाय जोगजाणीइ ॥ छिद्रूविहाहो ॥ उक्कोसजहन्नके ॥ एकपरीणमेंतेआंणीइ ॥

॥ जुउ० ॥ उसदिन्नमुख्यतेहमांअठेजी ॥ जकमीबांध्योदृढबध ॥ बहिवाहें मोकलावीउंजी ॥ इमकस्योबहुलतिणेघरु ॥ २२ ॥ जुउ ॥ मानपरिणामनी वसयकीजी ॥ बांधीउअमुस्तिहांआय॥ नयरलोकेंउसदिन्ननेंजी ॥ ठोम्ब्योकरीसूपसाय ॥ २३ ॥ जुउ० ॥ वेश्यातेकर्मथीकुतरोजी ॥ उपनोईएस वएह ॥ सांसलिमेंतिहांचितव्यूजी ॥ अहोसज्ञारदूरवगेह ॥ २४ ॥ जुउ० ॥ म्हेंकरजोमीनेंपुछीउजी ॥ कबएहकर्मनोअत॥ सव्यअसव्यकेकिमप्रसूजी॥ साषिइमुकसगवत ॥ २५ ॥ जुउ० ॥ पामीउबीजकेएनहीजी ॥ तबकहे गुरुगुणवत ॥ सासलोतेहविस्तारथीजी ॥ जिमएहकर्मनोअत ॥ २६ ॥ जुउ ॥ उसदिन्नघरिएकरासतीजी ॥ तेहनीकुर्षेएस्वान ॥ उपजस्येएगर्हसपणेजी ॥ सारवहतोअप्रमाण ॥ २७ ॥ जुउ० ॥ छेउपमतोबहुतिहांकणेंजी ॥ का लकरीनेंतसगेह ॥ माईदिन्नचमालसारयाजी ॥ अणहिगाकुर्षेरसोएह ॥ २८ ॥ जुउ० ॥ तेहनपुसकनीपनोजी ॥ रुपदीसांग्पदेपाय ॥ सिहेंमास्योबलीतें हनीजी ॥ कुर्षेचमालणीथाय ॥ २९ ॥ जु० ॥ नागमसीउबालकालमांजी ॥ मरीवलीउसदिन्नधांम॥ दत्तिआदासीकुर्षेथयोजी ॥ जातीअधनपुशक तांम॥ ॥ ३० ॥ जु० ॥ वामणोनेंसहुपरिसवेजी ॥ इणसर्मेनयरनोदाह ॥ तेहमांम रिवलीतेहनीजी ॥ कुर्षेस्त्रीसवतणोखाह ॥ ३१ ॥ जु० ॥ राजमार्गेहएयोहा थीइजी ॥ तिणेंकरयोतीहाथकीकाल॥ हवेतेहरजकनीसारजाजी ॥ कालज णीनांमेंनीहाल ॥ ३२ ॥ जुउ० ॥ तासकुर्षेथईपुत्रीकाजी ॥ पांमीहवेजोबन वेद ॥ उसरहीतनांमिरजकनेंजी ॥ दरीहनेंदिधीमहाषेद ॥ ३३ ॥ गर्भवतीथ ईअनुक्रमेंजी ॥ प्रसवनीवेदनातास ॥ पचत्वपामीनीजमातनीजी ॥ कुर्षेउ पनोसूतषास ॥ ३४ ॥ जु० ॥ तेहवेबालककालमांजी ॥ गधारसरितानेंतीर ॥ रमतोगयोतिहांकिणेंजी ॥ जेहमांउमावहुनीर ॥ ३५ ॥ जु० ॥ उसदिन्नस ञुएकतिणसमेजी ॥ आषीउनांमचिलात ॥ कोटेशिलाबांधीषेपवीजी ॥ नदी अमाकरस्येघात ॥ ३६ ॥ जु० ॥ जातिमदथीइणिबांधीउजी ॥ कर्मनोए अवसान ॥ सव्यनेंसिद्धीगामीषरोजी ॥ पणनलखोविजतांन ॥ ३७ ॥ जु० ॥

बांधताकर्मदीसेनहीजी ॥ सोगवतांमहाऽरक ॥ ढालइग्यारमीइमकहीजी ॥ पद्मकहेधर्म्मथीसूरक ॥ ३८॥जु०॥

॥ दुहा ॥ आचारयकहेपुढीउ ॥ म्हेकेवलीनेंताम ॥ जलमरणेंजास्येकही ॥ कबसमकीतकिणठांम ॥ ३९ ॥ केवलीकहेसूणितिहांथकी ॥ पामीसु सपरीणांम ॥ सुरवरव्यतरथायस्ये ॥ आगमकालेआम ॥ ४० ॥ तिणेंसव मांतिरथपती ॥ आणदइणअसीधान ॥ पासेंसमकीतपामीउ ॥ सुरतरूसीद्धी समान ॥४१॥ चउगइभ्रमणसमीकरी ॥ सासलिसवसरव्यात ॥ इणगधारहज णवइ ॥ थास्येप्रथवीनाथ ॥ ४२ ॥ विद्याधरवैरागीआ ॥ अमरतेजअणगा र ॥ तेहनेंपासेंव्रतलेइ ॥ पालस्येप्रीतिअपार ॥ ४३ ॥ केवलज्ञानलहीकरी ॥ पांमस्येसवनोपार ॥ सासलीनेंइसमझीउ ॥ रागगयोससार ॥ ४४ ॥ एवै राग्येंआदस्यु ॥ पुढिमातपीताय ॥ चारित्रचोखेंचित्तस्यु ॥ इहदत्तगुरुपाय ॥ ॥ ४५ ॥ विजयसेनगुरुवर्णव्यो ॥ वारुनीजवैराग ॥ साचुकहेगुणशेनसूणी सलातुह्मेमहासाग ॥ ४६॥ पणितुह्मेसाथुपुरवें ॥ मोक्षनुशाधनमुझ ॥ मो क्षनुसाधनकहोमुनें ॥ जेहहोइअवीरूझ ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ हसलानी ॥ एदे शी ॥ मोरागाहिवहो ॥ श्रीशीतलननाथके ॥ एदेशी ॥ सूरिसापेहो ॥ सांस लिनरनाहके ॥ मोक्षथानिकशाश्वतकझ ॥ जरामरणनेहो ॥ नहीजनमनेंरोग के ॥ शोकादिकउपद्रवसझ ॥ ४८ ॥ नाणदरिशणहो ॥ छेजाससरूपके ॥ चौद राज्यशिरजेरह्या ॥ हवेशांसलिहो ॥ कझनासउपायके॥ नाणदर्शनचरणजक ह्यां ॥ ४९ ॥ बिझसेंदेहो ॥ साधूश्रावकधर्म्मके ॥ बारप्रकारगृहीतणो॥ पांच अणुव्रतहो ॥ त्रणगुणव्रतसारके ॥ च्यारशिक्षाव्रतइमगणो ॥ ५० ॥ मुनीरा जनोहो ॥ दशविधजतिधर्मके॥ दोयनुमुलदर्शनसणो ॥ जेदुर्लसहो ॥ प्राणीव सकर्मके ॥ तेहकर्मआठजसुणो ॥ ५१ ॥ ज्ञानावरणनेंहो ॥ वलीदर्शनावर णके ॥ वेदनीमोहआयुवली ॥ नामगोत्रनेंहो॥ अतरायएआठके ॥ एहनाहे तुकहेकेवली ॥५२॥ मीठअन्नाणहो ॥ अविरतिनेंप्रमादके ॥ वलिकखाय जोगजांणीइ ॥ ठिइदूविहाहो ॥ उक्कोसजहन्नके ॥ एकपरीणामेंतेआंणीइ ॥

॥५३॥ तिव्रपरिणामेहो ॥ उत्कृष्टबधायके ॥ आदित्रणनेअतरायनी ॥ त्रिश
सागरहोकोमाकोमीजांणके ॥ तेत्रीशसागरआयनी ॥ [illegible] सीत्तेरनीहोमो
हनीकोमाकोमिके ॥ विशकोमाकोमीशेसनी॥मध्यमनाहो॥होयबहुपरकार
के ॥ थितीपरिणांमविशेसनी ॥ ५५ ॥ आठ [illegible] नीहो ॥ नामगोत्रमुहुर्त्तके
वेदनीयनीवारते ॥ शेषनीसीत्रहो ॥ मुहुर्त्तजहन्नके ॥ थितिबांधेएकबारनें
॥५६॥ घसनानेंहो ॥ घोलनापरकारके ॥यथाप्रवृत्तकरणेकरी ॥ बहुपयकरे
हो ॥ आयुविनसगकर्मके ॥ कोमाकोमीएकजधरी ॥ ५७ ॥ इत्यादिकहो
विधिगठिसेदके ॥ रागद्वेषनीआकरी ॥ पामेसमकितहो ॥ करीअनीवृत्तिक
रणके ॥ शेमवेमोहनीचाकरी ॥ ५८ ॥ यत ॥ जांगठितापढम ॥ गठिसमइ
उवसवेबीय ॥ अनीअहिकरणपुण ॥समत्तपुरेरकमेजिवे ॥१॥ समसवेदहो॥
निरवेदअनुकपके ॥ इत्यादिविस्तारबहु ॥ त्रणकरणनोहो ॥ कहोबहुअधी
कारके ॥कर्मपयमीथीजाणोसहु ॥ ५९ ॥ अपराधीहो ॥ उपरिपणिकोष
के ॥ नकरेजाणीवीपाकनें ॥ चक्रीशक्रनांहो ॥ सूखतेडखरूपके ॥ जाणें
तुल्यकिपाकनें ॥ ६० ॥ शिवसुखविणहो ॥ नविश्वेअन्यके ॥ अनुकपाड
खीनीकरे ॥ द्रव्यसावथीहो ॥ होयसुसपरिणामके ॥ शकादिकडषणहरे
॥ ६१ ॥ वलीजाणेंहो ॥ सत्यनेंनीश्रद्धाके ॥ जेजिनवरसाषीगया ॥ शोमा
कालमांहो ॥ एहवाजेजीवके ॥अव्याबाधसूखीथया॥ ६२ ॥ तेहसमकिती
हो ॥ अनुक्रमेदेशविरतिके ॥ तवथुलव्रतअगीकरे ॥ बारव्रतनेंहो ॥ तेहना
अतीचारके ॥ वधबधादीकनविघरे ॥ ६३ ॥ व्रतसंगाहो ॥ कोमयोगमेथायके
तेहसवीदेशवीरतीगणो ॥ तेहवातोहो ॥ बहुशास्त्रमझारिके ॥ इहांथाइथव
जघणो ॥६४ ॥ हलुउंथइहो ॥ अनुकरमेंजीवके ॥ सख्यसागरथयजवक
रे ॥ तवसंजमहो ॥ कोइउपसमश्रेणीके ॥ कोईषपकश्रेणीकरे॥६५॥ यत ॥
सणियचसमत्तमिउलहे ॥ पलीअपुहुत्तेणसावउहोइ ॥ चरणोवसमव
याए ॥ सागरसखतराहुती ॥ ६६ ॥ पूर्वकाल ॥ पूरीषपकनीहो ॥ थाइजव
श्रेणिके ॥ घातिपइकेवलसहे ॥ अघातीहो ॥ करीकर्मनोघातके ॥ सादिअ

नतसूखमांरहे ॥ ६७ ॥ इमसांसलीहोगुणश्रेनराजानके ॥ शुसपरिणांमअ
नलेंदहें ॥ कर्म्मइघणांहो ॥ बालीसमकीत्तके ॥ देशवीरतीसार्वेलहे ॥ ६८ ॥
करजोमीहो ॥ कहेकुप्रसूधन्यके ॥ जिणेंतुम्हवयणासांसल्या ॥रागविषनुहो ॥
जेटालणहारके ॥ पापपकजलसममल्या ॥ ६९ ॥ ढालबारमीहो ॥ समरा
दित्यराशके ॥ साषीएहसोहामणी ॥ पद्मवीजयेंहो ॥ समकीतदेशविरतिके ॥
पामवाजीमहोयसूरमणी ॥ ७० ॥ डुहा ॥ करजोमीनरपतिकहे ॥ विजयश्रे
ननेंवांणि ॥ गृहस्थधर्म्मगुणश्रेननें ॥ उच्चरावोप्रसूआणि ॥ ७१ ॥ अणुव्रत
तसउचरावियां ॥ साचांसमकीतमुल ॥ वकुविधीतासवतावीउ ॥ नरपतिनें
अनुकुल ॥ ७२ ॥ प्रणमीगुरूपरिवारस्यू ॥ गयोतेआपणगेह ॥ सोजनकरी
बलीसावस्यू ॥ पोहतोगुरूपायतेह ॥ ७३ ॥ वलिसेवाकरीआदीउ ॥ उसय
कालनितएम ॥ सांसलेगुरुवांणीसदा ॥ मासगयोइमप्रेम ॥ ७४ ॥ समऊोध
र्म्मसारीपठें ॥ विजयश्रेनकरेविहार ॥ धर्म्मकरेघरणिपती ॥ पुरेपुण्यप्रका
र ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ मुनीमनसरोवरहंशलो ॥ एदेशी ॥ एकदिनेंहवेतेहनरप
ती ॥ बेठोजुइतमासोरे ॥ देषेतिहांसवनरतणू ॥ पामेंअतिअविषासोरे ॥
॥ ७६ ॥ अथीरससारइणिपरि ॥ एआंकणी ॥ प्यारजणेंतेउपामीउ ॥ वधू
जनपरिवाररे ॥ करेआक्रदअतिघणो ॥ पणिनवीकरेकोईसाररे ॥ ७७ ॥अथी॥
सवेगसावीतजीवनें ॥ उपजेसकुइइजालरे ॥ मृतकमिमिमवाजतू ॥ जागवे
बालगोपालरे ॥ ७८ ॥ अथी० ॥ देषीनेंनरपतिचितवें ॥ धर्मध्यानजसचि
त्तोरे ॥ अम्हपणिइणपरिहोयस्यें ॥ एसशारविचित्तोरे ॥ ७९ ॥ अथि० ॥
मरणधर्मासकुप्राणिआ ॥ हाहासवगयोआलेंरे ॥ नरपतीसूरपतीसकुजना ॥
नविदिशेकोइकालेंरे ॥ ८० ॥ अथी० ॥ धन्यतेसेठसेनापती ॥ चिंतामणीस
मजाणीरे ॥ घरठामीव्रतआदरे ॥ धन २ तासकमाणीरे ॥ ८१ ॥ अथी० ॥
दिक्षालेईव्रतपालता ॥ शुरूमांनलिइआहाररे ॥ दोषवेंतालीयटालता ॥ धनते
हनोअवतारे ॥ ८२ ॥ अथी० ॥ सजोजनादिकदोषजे ॥ पांचकसाजिन
राजेंरे ॥ दोसनलगावेतेहमां ॥ जगमासकुसिरगाजेरे ॥ ८३ ॥ अथी० ॥ पां

॥५३॥ तिव्रपरिणामेंहो ॥ उत्कृष्टबधायके ॥ आदित्रणनेंअतरायनी ॥ त्रिश सागरहोकोडाकोडीजाणके ॥ तेत्रीशसागरआयनी ॥ [illegible] सीत्तेरनीहोनी हनीकोडाकोडिके ॥ विशकोडाकोडीशेसनी॥मध्यमनाहो॥होयबहुपरकार के ॥ थितीपरिणामविशेसनी ॥ ५५ ॥ आठ [illegible] नीहो ॥ नामगोत्रमुहुर्त्तके वेदनीयनीवारते ॥ शेपनीसीत्रहो ॥ मुहुर्त्तजहन्नके ॥ थितिबाधेएकबारतें ॥५६॥ घसनानेंहो ॥ घोलनापरकारके ॥यथाप्रवृत्तकरणेकरी ॥ बहुपयकरे हो ॥ आयुविनसगकर्मके ॥ कोडाकोडीएकजधरी ॥ ५७ ॥ इत्यादिकहो विधिगठिसेदके ॥ रागद्वेपनीआकरी ॥ पामेसमकितहो ॥ करीअनीवृत्तिक रणके ॥ ठोडवेमोहनीचाकरी ॥ ५८ ॥ यत ॥ जांगठितापढम ॥ गठिसमइ उउसवेवीय ॥ अनीअट्टिकरणपुण ॥समत्तपुरेरकमेजिवे ॥१॥ समसवेदहो॥ निरवेदअनुकपके ॥ इत्यादिविस्तारबहु ॥ त्रणकरणनोहो ॥ कसोबहुअभी कारके॥कर्मपयमीथीजाणोसहु ॥ ५९॥ अपराधीहो ॥ उपरिपणिकोध के ॥ नकरेजाणीवीपाकनें ॥ चक्रीशक्रनांहो ॥ सूखतेडुखरूपके ॥ जाणें तुल्यकिपाकनें ॥ ६० ॥ शिवसुखविणहो ॥ नविश्छेअन्यके ॥ अनुकपाड खीनीकरे ॥ द्रव्यसावथीहो ॥ होयसुतपरिणामके ॥ शकादिकडुपणहरे ॥ ६१ ॥ वलीजाणेंहो ॥ सत्यनेंनीश्चकके ॥ जेजिनवरसाधीगया ॥ थोडा कालमांहो ॥ एहवाजेजीवके ॥अव्याबाधसूखीथया॥ ६२ ॥ तेहसमकिती हो ॥ अनुकमेंदेशविरतिके ॥ तवथुलव्रतअगीकरे ॥ बारव्रतनेंहो ॥ तेहना अतीचारके ॥ वधबधादीकनविधरे ॥ ६३॥ व्रतसंगाहो॥ कोडयोगमेथायके तेहसवीदेशवीरतीगणो ॥ तेहवातोहो ॥ बहुशास्त्रमझारिके ॥ इहाथाश्रय जघणो ॥-६४ ॥ हलुउथश्हो ॥ अनुकरमेंजीवके ॥ सख्यसागरथयजबक रे ॥ तबसंजमहो ॥ कोइउपसमश्रेणीके ॥ कोईखपकश्रेणीकरे॥६५॥ यत ॥ सणियचसमत्तमिउलहे ॥ पलीअपुहुत्तेणसावउहोइ ॥ चरणोवसमय याए ॥ सागरसखतराहुती ॥ ६६ ॥ पूर्वढाल ॥ पूरीखपकनीहो ॥ थाइजब श्रेणिके ॥ घातिपश्केवलजहे ॥ अघातीहो ॥ करीकर्मनोघातके ॥ सादिअ

या ॥ अममांबुधीघणेरीरे ॥ पणिअम्हेमरणवारीसकु ॥ एहवीनहीकोसलेरी रे ॥४॥ १॥ अ० ॥ हरषलह्योसुणिनरपति ॥ साषीतेरमीढालरे ॥ पद्मविजय कहेशांसलो ॥ आगलिवातरशालरे ॥ २ ॥ अ० ॥ ढुहा ॥ रायकहेमंत्रीप्र तें ॥ मुझनेंकुणकहेआम ॥ हितूजतूमटालीनही ॥ माहरीराषीमाम ॥ ३ ॥ इ मअतिशयआदरकरी ॥ देवरावेमहादाण ॥ सक्तिकरेजिनसूवनमा ॥ जिन पमीमाजिनजांण ॥ ४ ॥ अठाइमहोछवआदरें ॥ स्नेहिनेंसतोष ॥ पुत्रचद्र सेनथापीउ ॥ प्रजानेंकरवापोष ॥ ५ ॥ विजयसेनजिहांविचरता ॥ कालि जवुतहकीक ॥ प्रवर्ज्यासार्वेपमिवजी ॥ ठायोधरमेंठीक ॥ ६ ॥ जोइएकां तवरजायगा ॥ पमीमातेहपवन्न ॥ सर्वराईसुसमाधिथी ॥ धरमीएहजघन्न ॥ ॥ ७ ॥ ढाल ॥ आसनराजोगी ॥ एदेशी ॥ हवेअगनीशर्मातितपसी ॥ तपकर तांपमत्योतेलपसीरे ॥ क्रोधानलबलीउ ॥ बहुलखपुरवतपपरजलीउ ॥ पणि सघलोधूलिमांमलीउरे ॥ ८ ॥ को० ॥ सुरमणीदलीइघरेनवीठाजे ॥ मातगध रिगजकिमराजेरे ॥ को० ॥ मरूधरणीकल्पवृक्षनहोय ॥ किमरांकघरिराज्य तेजोयरे ॥ को० ॥ ९ ॥ अघघरेकीमपद्मणीनारी ॥ किहाथीसीलघरि चित्रसारीरे ॥ को० ॥ अगनीकुर्मेकीहांकमलनोवासो ॥ नागचित्तमांउपस मषासोरे ॥ १० ॥ को० ॥ अज्ञानीघरितपजेएहवो ॥ किमठाजेचिंतामणी जेहवोरे ॥ को० ॥ तपनुअजीरणकोधतेसाथ्यो ॥ ज्ञाननुअहकारतेदाथ्यो रे ॥ ११ ॥ को० ॥ किरीयाअजीरणपारकीनिंदा ॥ आहारनुवमनकर दारे ॥ को० ॥ जोमुझतपफलहोयतोसार ॥ थाज्योसवा २ मारणहाररे ॥ ॥ १२ ॥ को० ॥ करीयनियाणनेतपफलहारयो ॥ नरयोकुलपतिनोवारयो रे ॥ को० ॥ वेच्योहाथीनेंकीमीमांगी ॥ उलटीदूरवशुलीजागीरे ॥ १३ ॥ को० ॥ अणपमीकमतोतेहनीयाण ॥ जैनवाशनाविणअन्नाणरे ॥ को० ॥ कालक रीविद्युतकुमार ॥ आयुदोढपल्योपमधारिरे ॥ १४ ॥ को० ॥ दिघोतिर्णेउप योगस्यूदिधू ॥ स्यूहोमहवनवलीकीधूरे ॥ को० ॥ देवितणीरीधीजिणथीपां म्यो ॥ मुझपुत्यपुरवतोआग्योरे ॥ १५ ॥ को० ॥ विसगज्ञानेंपुरवसवदि

चसूमतीसूमतारहे ॥ वलिप्रणिगुपतिनेंधारेरे ॥ अणसणपरमुखतपकरे ॥ [illegible]
तपरमादनेवारेरे ॥ ८४ ॥ अथी० ॥ पचमहाव्रतसावना ॥ जेसाधीपच[illegible]
रे॥ इर्यासूमतीमुखतेसवे ॥ पालेजेगतरिआरे ॥ ८५ ॥ अथी० ॥ [illegible]
मीमावहे ॥ अण्हाणनेंवलीलोचरे ॥ लासअलार्सेजेसमरहे ॥ तेहमांहरण[illegible]
शोचरे ॥ ८६ ॥ अथी० ॥ निप्रतिकर्मशरीरजे ॥ समप्रणमणीसमुनीघरे॥ [illegible]
रेअसीपहनवनवा ॥ द्रव्यादिकजेविचित्ररे ॥ ८७ ॥ अथी० ॥ [illegible]
ससीलागना ॥ घोरीसमरसझीलेरे ॥ उपमानहीजसजगतमा ॥ इमनितकर्ज
नेंपीलेरे ॥ ८८ ॥ अथी० ॥ गामनगरपूरपाटणे ॥ नवकल्पीकरेविहारेरे ॥
पृथिवीनेंजेपावनकरे ॥ टालेविषयविकाररे ॥ ८९ ॥ अथी० ॥ मीथ्यात्व
चरामाषूचीआ ॥ तेहनेंदेईउपदेशरे ॥ रविपरेंकादवशोषवी ॥ आपेगुणसही
शेशरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ सलेषणातपआदरी ॥ अणसणकरेमुनीरायरे ॥ पाद
पोपगमनादिकें ॥ शमेजेनीजकायरे ॥ ९१ ॥ अ०॥धन २ तेजगनरवरा ॥
धन २ तेहनिमायरे ॥ धन २ वशादिपावीउ ॥ जेएहवारिषीरायरे ॥ [illegible]
अ० ॥ कृपिणइणिविधिश्करी ॥ देहतणोकरूत्यागरे ॥ मुझगुरूकल्पपादप[illegible]
मो ॥ विजयशेनमहासागरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥ सयललोकमांसूरजसमो ॥
शाश्वतसूखनोदातारेरे ॥ लखकोसर्वेपणिदोहिलो ॥ उतारेसवपारेरे ॥ [illegible]
निरुपमचितामणीसमो ॥ धर्मनोशारथीजेहरे ॥ आदरूसजमथुसपरि ॥ [illegible]
मीराज्यनेंगेहरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ सूबुद्धीप्रमुखमत्रीस्वरा ॥ तेमावीइमसाषेरे ॥
निजअसीप्रायजेउपनो ॥ तेसघलोकहीवाषेरे ॥ [illegible] ॥ अ० ॥ तेपणिराय
सगेकरी ॥ जाणेंजीनवचसारेरे ॥ हर्षधरीनेंबोलीआ ॥ धनतूमचोअवतारेरे
॥ ९७ ॥ अ० ॥ अहो २ तुझविचारनें ॥ मोटापुरीससरीसोरे ॥ पवनाहत
जलचदलो ॥ जिवितचपलनरीसोरे ॥ [illegible] ॥ अ० ॥ तिणेंकरीकृत्यतेएह
छे ॥ सूखदायकएहजाणोरे ॥ एहमांनप्रतिबधकिजीइ॥ जेहकरेतेअजाणो
रे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ बलतिआगथीनीकले ॥ तेहनेंकहोकुणवारेरे ॥ कोपीक
दापीवारेजिके ॥ तेसत्रुपणघारेरे ॥ [illegible] ॥ अ० ॥ तिणेंअमेबहुराजीय

कुसूमवुठीकरेतेह ॥ विणानादविनोदथीरे ॥ नाटिककरतिजेहरे ॥३०॥पु० ॥ सीहनादसूरवरकरेरे ॥ हरषेदेखीरेतास ॥ सूरसवडरलसपामीआरे ॥ जाणीहो यउल्लासरे ॥ ३१ ॥ पु० ॥ अनुसवतोपचविषयनेरे ॥ हरष्योउठेरेदेव ॥ देव दूष्यजेवस्त्रढेरे ॥ तेमुकेततषेवरे ॥ ३२ ॥ पु० ॥ परिकरप्रेमपमाणतोरे ॥ दि व्यरूपधरजेह ॥ पुरोसारदससिपरेरे ॥ सडजय २ तेकरेहरे ॥ ३३ ॥ पु० ॥ देवदेवागनासडनमेरे ॥ जय २ सब्दकरत ॥ थुणतासूरसूरीदेखीनेरे ॥ इम चित्तमाहिधरतरे ॥ ३४ ॥ पु० ॥ स्यूहोम्यूस्यूदिघलुरे ॥ पाम्योएफलजासा ॥ दिइउपयोगअवधीतणोरे ॥ परसवजाणीतेपाउरे ॥ ३५ ॥ पु० ॥ पुढेसामा नीकसूरप्रतेरे ॥ कहोमुझकरणीजेह ॥ जिनप्रतिमादाढातणीरे ॥ पुजाकरोक हेतेहरे ॥ ३६ ॥ पु० ॥ वाचिपुस्तकरलनारे ॥ लेईधरमव्यवसाय ॥ सूरवर इदेपरिवस्योरे ॥ सिद्धायतनेंजायरे ॥ ३७ ॥ पु० ॥ पुजाकरेजीनराजनीरे ॥ फूलपगरवरधूप ॥ काव्यउक्रस्तवथीस्तविरे ॥ सक्तिदिखावेअनूपरे ॥ ३८॥ ॥ पु० ॥ दाढतणीपुजाकरेरे ॥ टालेआसातनात्याहि ॥ सूर्याससूरवरनीपरि रे ॥ रायपसेणीमांहिरे ॥ ३९ ॥ पु० ॥ विजयदेवअधीकारढेरे ॥ जिवाभिग मेंप्रसीद्ध ॥ जबुद्विपपन्नत्तीइरे ॥ वडसूरेपुजाकिधरे ॥ ४० ॥ पु० ॥ नदिस रमेरूतणीरे ॥ प्रतिमानमीआरेहोय ॥ इहांनमीतेहआशाश्वतिरे ॥ चारणमुनी वरदोयरे ॥ ४१ ॥ पु० ॥ सगवतीविद्यमाशतकमारे ॥ साष्योएअधीकार ॥ तिमवद्यमेदाढातणीरे ॥ आसातनपणिवारीरे ॥ ४२ ॥ पू० ॥ इमवडसूरअ धीकारढेरे ॥ तिममानवनारेसार ॥ तिणेंजिनपूजमानेंनहीरे ॥ अहेलेतसअव तारेरे ॥ ४३ ॥ पु० ॥ हवेजेजागिमनोहरूरे ॥ देखावेसूरतास ॥ देवांगनाहा वसावनेरे ॥ करतिकरेविलाउरे ॥ ४४ ॥ पु० ॥ पचविषयसूखसोगवरे ॥ तेवरदिव्यविमान ॥ वलितिरथजात्राकरेरे ॥ वदेप्रसूविहरमानरे ॥४५॥पु०॥ समकीतदृष्टीसूरतणीरे ॥ साषीकरणीरेएह ॥ चंद्राननविमानमारे ॥ सूखसो गवेसूरतेहरे ॥ ४६ ॥ पु० ॥ सूरसूदरीसार्थेसलारे ॥ पूरणसागरएक ॥ सपूर णसूखसोगवेरे ॥ धारेअतिहिविवेकरे ॥४७॥ पु० ॥ इणीपरेप्रथमजसवकसो

ठो ॥ तवगुणश्रेनलागोअनिठोरे ॥ को० ॥ गुणश्रेननरपतीउपरिकोप्यो
घनेंअज्ञानेलोप्योरे ॥ १६ ॥ को० ॥ पमीमारसोमुनीवरपरराय ॥
पीनेंक्रोधसरायरे ॥ को० ॥ नरकअगनिसमीबलतिधार ॥
वारे ॥ १७ ॥ को० ॥ तेवेलूथीदाझतोअग ॥
समतारससरीउ ॥ चित्तशुद्धसत्वेसपत्तो ॥ ।ज
॥ समता० ॥ शरीरमानसदुरकजिहांलहीइ ॥
इरे ॥ स० ॥ डुक्करधर्मतणीपमीवत्ती ॥ जेहथीसुखलहीइक्षीरे ॥
॥ स० ॥ सवशायरसमतासवलरकें ॥ दूरलसधर्मरयणजेरखेरे ॥ स० ॥
सभसावेंपालताराज्य ॥ नविलहिइदूरकसमाजरे ॥ २० ॥ स० ॥
दिमांधर्ममेंलहीउ ॥ अनाचर्णदोषेंकरीरहिउरे ॥ स० ॥ एहजसफलभमुत्तम
जगमा ॥ विजयश्रेनआचार्यनीवगमारे ॥ २१ ॥ स० ॥ पणिमुकहदयवा
हियणकसाले ॥ दूखदिधूपूरवकालेरे ॥ स० ॥ अगनीशर्मानेंबलीअतें ॥
तपमांकदर्थनासतेरे ॥ २२ ॥ स० ॥ आदस्योमैत्रीसावम्हेतेहस्यू ॥ सज्जि
वथीविसेषेंएहस्यूरे ॥ स० ॥ सूत्रपरिणामवधारोकरतां ॥ तिणेंपापिइरजस्यू
सरतरि ॥ २३ ॥ स० ॥ आउपुरेंकीधोविनीपात ॥ पणिनथयोधर्मव्याघात
रे ॥ स० ॥ चद्राननविमानमांजाया ॥ सौधर्मसागरएकआयरे ॥ २४ ॥ स० ॥
तपतदिवतणीइहाकहिइ ॥ जिमसूत्रसिद्धांतेलहिइरे ॥ स० ॥ तेविधीसषेपेसुणे
सयणां ॥ जिनवरसाषितजेवयणरि ॥ २५ ॥ स० ॥ चौदमीढालेंचतुरपुरुषें ॥
सज्योदृढपरिणामजहरषेरे ॥ स० ॥ पद्मविजयकहेगुणश्रेनराजा ॥ आणो
समरादित्यजीउताजारे ॥ २६ ॥ स० ॥
॥ दुहा ॥ सषेपेंकरीसूरतणी ॥ वातकहुविस्तार ॥ श्रुतसायरथीसमझज्यो ॥
अधीकोजेअधीकार ॥ २७ ॥ ढाल ॥ पुण्यप्रकासीइ ॥ एवेजी ॥ इहथमुंपजी
मविजलीरे ॥ जिमगगनेंघनवात ॥ तिमकणमांहिसूरतणोरे ॥ सध्यामांउ
तपातोरे ॥ पुण्यप्रससीइ ॥ २८ ॥ सध्याइतेहउपजेरे ॥ मुकिइहसवदेह ॥ दि
व्यतेअतरमुहूर्त्तमरि ॥ सूरसवसकतिएहरे ॥ २९ ॥ गीतगाइदेवांगनारे ॥

चेनीजपाणि ॥ ल० ॥ ११॥ ज० ॥ परछिद्रजोवानेआंधला ॥ परस्त्रीउपरि क्रीव ॥ ल० ॥ परअपवादनेबोलवा ॥ जाणेमुकअतीव ॥ ल० ॥ १२ ॥ ज० ॥ परउपगारपरायणा ॥ एहवाजनसमवाय ॥ ल० ॥ पुरूषदत्ततिहां राजीउ ॥ प्रजालोकसुखदाय ॥ल०॥१३॥ ज० ॥ राणीश्रीकतातेहनें ॥ सोग वेसोगरसाल ॥ ल० ॥ इणेअवसरतेदेवता ॥ चविउआउनेंकाल॥ ल० ॥१४॥ ज० ॥ श्रीकताउरेंअवतरयो ॥दिठुसुपनतेराति ॥ ल० ॥ सीहकिसोरसोहा मणो ॥ वदनेंउदरआयात ॥ ल० ॥ १५ ज० ॥ निर्धूमअगनीजालासमो ॥ केशरानोआटोप ॥ ल० ॥ फटीकहससमउजलो ॥ पिंगनेत्रविणकोप ॥ल० ॥ १६ ॥ ज० ॥ मध्यसागजसपातलो ॥ पिछलवक्षस्थलजाश ॥ ल० ॥ दि र्घकुमलीतपुछमु ॥ कटितटकठिनविशाल ॥ ल० ॥१७॥ ज० ॥ इमहरिसू पनेंदेखीनेंजागीकहेसरतार ॥ल० ॥ पुत्रपराकमीहोयेस्ये ॥ सपदहोस्येंअ पार ॥ ल० ॥ १८ ॥ ज० ॥ सांसलीहर्षतेपांमती ॥ सूखमांकाढेकालाल०॥ गर्भप्रसार्वेदोहला ॥ उपजेपुण्यविशाल ॥ ल० १९॥ ज० ॥ असयदांनस क्षसत्वनें ॥ मुनीनेंउपष्टसदान ॥ ल० ॥ दिनअनाथकृपणप्रति ॥ सपदाईउ अमांन ॥ ल० ॥ २० ॥ ज० ॥ जिनवरसघलेदेहरे ॥ पुजाकरुवक्षसक्ति ॥ ल० ॥ ॥ वातसूणावीकतनें ॥ तेपूरेनिजसक्ति ॥ ल० ॥ २१ ॥ ज० ॥ ते देखीपरजासवे ॥ हरषघणोपामत ॥ ल० ॥ धरमकारजकरतांथका ॥ नव महीनावोलत ॥ ल० ॥ २२॥ ज० ॥ शुभलगनेंसूतजनमीउ ॥ करपदको मलकाय ॥ ल० ॥ सयलप्रजामनसूखथया ॥ मातनेंहरषनमाय ॥ ल० ॥ ॥ २३॥ ज० ॥ शुभकरादासीहवे ॥ नृपनेंवधाईखाय ॥ ल० ॥ पुत्रजनम थीहरषीउ ॥ हवेदिइदानतेराय ॥ ल०॥ २४ ॥ ज० ॥ वधनमोचनादिकतिहां॥ उछवबलीनरिंद ॥ ल० ॥ नगरमार्गसणगारीआं ॥ उपजाव्योआणद ॥ ल० ॥ ॥ २५॥ ज० ॥ सणगारीहाटसेरीउ ॥ मगलतूरवाजत ॥ल० ॥कुकुमजलेप थसीचिआ ॥ कुसूमसर्वत्रधरत ॥ ल० ॥ २६॥ ज० ॥ इममहोछवकर तांथकां ॥ मात्रथयोतवनांम ॥ ल० ॥ सिहकुमारसोहामणु ॥ थापेतसंअ

रे ॥ सूरसवसहीतरशाल ॥ श्रीसमरादित्यराशनीरे ॥ पनरमीएडाझरे ॥
॥ पु० ॥ श्रीविजयसिंहसूरिंदनारे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ कपूरविजयतस
पाटवीरे ॥ क्षमाविजयतसपासरे ॥ ४ ॥ पु० ॥ तासशीशजिनविजयजी
रे ॥ उत्तमविजयतससीश ॥ लीबडीनगरशारसीउरे ॥ राशएविसवाविसरे ॥
॥ ५ ॥ पु० ॥ सवतजाणिअढारसेंरे ॥ बलीउगणत्रीसीश ॥ मासयोशाखो
वदिबिजदिनेंरे ॥ पद्मविजयसुजगीसरे ॥ ६ ॥ पु० ॥ कातिशुदिआठिमदि
नेंरे ॥ सपूरणथयोपम ॥ सघअखमपर्णेसूण्योरोपामीपुण्यप्रचमरे ॥ ८ ॥ पु० ॥
॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपंडितप्रवरश्रीमदुत्तमविजयशिष्यप० पद्मविजयविर
चितेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबंधेगुणसेनाभिसर्मासीधानयोग
समाप्त ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढ्ढा ॥ सोलसमाजिनसमरिइ ॥ शातिनाथसुखकार ॥ परसवजिणेंपारेक
मो ॥ उगास्येउपकार ॥ १ ॥ गुणसेनअगनीसर्मागया ॥ सिद्धाणदहवेशार ॥ पि
तापुत्रप्रमेंकरी ॥ वर्णवस्यूविस्तार ॥ २ ॥ सासलज्योश्रोतासवे ॥ आलसअ
गउतार ॥ तेरकाठीआमाहिते ॥ प्रथमआलसपरकार ॥ ३ ॥ विकथावर्जेति
मवली ॥ नकरोविकथाजेण ॥ वितथातेविकथाववे ॥ स्वपरनसांसलेतेण ॥ ४ ॥
तिमनिद्रानकरोतुम्हे ॥ निद्राथीअतनाश ॥ सुतानुअतपणिसूइ ॥ श्रीसिद्धां
तेसास ॥ ५ ॥ तिणेंनिद्राविकथातजो ॥ आलसनकरोअग ॥ सांसलताजेक
मकस्ये ॥ तेलहेज्ञानतरग ॥ ६ ॥ ढाल ॥ लखनांनीदेवी ॥ जंबुद्वीपसोहाव
णो ॥ तेहमाषेतरसात ॥ लखनां ॥ सरतनेंहिमवंतजांणीइ ॥ बलिहरिवर्षवि
ख्यात ॥ ल० ॥ ७ ॥ जं० ॥ महाविदेहरम्यगतथा ॥ छठुऐरण्यवतधारि ॥ ल०
ऐरवतषेतरसातमु ॥ मेरूविदेहमझार ॥ ल० ॥ ८ ॥ ज० ॥ महाविदेहदोय
सेदथी ॥ पुरवपश्चिमजांण ॥ ल० ॥ पश्चिममहाविदेहमां ॥ जयपुरनगरवखा
णि ॥ ल० ॥ ९ ॥ ज० ॥ सुरपुरीसमनगरीतिहां ॥ आरामतेउद्यान ॥ ल० ॥
गुणजेहनानगणीसकु ॥ सूतलतिलकसमान ॥ ल० ॥ १० ॥ ज० ॥ रूपाली
रमणीजीहां ॥ महिलागुणअसमांन ॥ ल० ॥ परहस्यसेवानरजीहां ॥ सकले

जेप्रियकरारेलो ॥ तवतेबोलेकुमाररे ॥ र० रतिविरहीतदिनएतलारेलो ॥ पणि नहिसंप्रतिवाररे ॥ ढ० ॥ ४३॥ पु० ॥ इमकहिबेठोतेआसनेंरेलो ॥ फूलआसरणवलिपानरे ॥ र ॥ दिधूतेलिधूतिएंरेलो ॥ मनमाधरीवडुमानरें ॥ ढ० ॥ ॥ ४४॥ पू० ॥ इणअवसरआव्योतिहांरेलो ॥ कन्यानोरखवालरे ॥ र० ॥ करतादिठाविनोदनेंरेलो ॥ मनचितेतिणेंकालरे ॥ ढ ॥ ४५ ॥ पू० ॥ रतिनेंकदर्पमल्योषरोरेलो ॥ जोसहेस्येकिरतारे ॥र० ॥ आवितिहाआदरकरेरेलो ॥ कुमरनेंअतिसत्कारे ॥ढ० ॥४६॥ पू०॥ वडुजननीतूफइमकहेरेलो॥ खेदथस्येतुफदेहरे ॥ र० ॥ वडुवेलाथइआवीइरेलो ॥ मुक्तावलीकहेएहरे ॥ढ० ॥ ॥ ४७ ॥ पु० ॥ उठिइमसाषीहवेरेलो ॥ मातनीआणप्रमाणेरे ॥ र० ॥ चितवतिकुमरप्रतिरेलो ॥ मुकेतेहउद्धाणेरे ॥ ढ० ॥ ४८ ॥ पु० ॥ दिर्घनीआसानापतीरेलो ॥ पहोतीनीजआवासरे ॥ र ॥ जइपल्यकेंबेठीतीहारेलो ॥ ससारेगुणतासरे ॥ ढ० ॥ ४९ ॥ पु ॥ सषीउनेंविसर्जतीरेलो ॥ मदनसेदाणीतेहरे ॥ ॥ र० ॥ चित्रकरमनकरेहवेरेलो ॥ सूकसारीकास्यूननेहरे ॥ढ०॥५०॥पु०॥ अगरागनकरेकिमेंरेलो ॥ आहारनोनहीअसीलाषरे ॥ र० ॥ सवनसयणकोइनवीगमेरेलो ॥ नविकलहसस्यूसाखरे ॥ ढ० ॥ ५१ ॥ पु० ॥ वाध्यमामडुननविकरेरेलो ॥ नविसारेकांयविणरे ॥ र० ॥ कदूकक्रिमापरिहरिरेलो ॥ सूखणनघरेषीणरे ॥ ढ० ॥ ५२ ॥ पु० ॥ जुथभष्टजिमहरणलीरेलो ॥ खणमांनयणमीलायरे ॥ र० ॥ क्षणनीआसानांषतीरेलो ॥ क्षणमाचेष्टाजायरे ॥ढ०॥ ॥५३॥पु०॥ इणअवसरघावीपूत्रीकारेलो ॥ निजजननीलहीआणिरे ॥ र० ॥ मदनलेखाआवितिहांरेलो ॥ तालवृतलेइपाणिरे ॥ ढ० ॥ ५४ ॥ पु० ॥ बिमाकपूरस्यूपाननरिलो ॥ परिश्रमकिमानोजांणिरे ॥ र ॥ नेउरपाइरणऊणेंरेलो॥ हरषतेघरतीअमानरे॥ ढ० ॥ ५५ ॥ पु० ॥ चितासरदिठीतिणेंरेलो ॥ सद्धागतसुन्यसावरे ॥ र० ॥ विगरबोलतीदेषिनेंरेलो ॥ पुछेतवसदसावरे ॥ ढ० ॥ ॥ ५६ ॥ पु० ॥ किमउद्वेगकरीरहीरेलो ॥ स्यूनवीनीतपरिवाररे ॥ र० ॥ केदेवगुरुनवीपूजीआरेलो ॥ केगुरुजनअपकाररे ॥ ढ० ॥ ५७ ॥ पु० ॥

सीराम ॥ ल० ॥ २७ ॥ ज० ॥ पुण्यैंप्रणयीलोकने ॥नयणनर्नेआनंद
देतोजोवनपामीउं ॥ सकलकलागुणवृद ॥ ल० ॥ २८ ॥ ज० ॥
त्यराशमां ॥ विजेखंमेढाल ॥ ल० ॥ पहेलीपदमेंकहीसली ॥
ल ॥ ल०,॥२९ ॥ ज० ॥ ऽहा ॥ आव्योवसततेअम्पदा ॥
मदनसिलिमुखमुकतो ॥ विधेलोकतिवार ॥ १ ॥ ३० ॥ के
रे ॥ जय २ सब्दनेंकाज ॥ विरहअनलधुमजवमो , १-
॥ ३१ ॥ मित्रेपरिवर्त्योमोदस्यू ॥ क्रिमाकरणसकेत ॥ क्रिमासुंदरकामनें
आव्योअचरीजदेत ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ कोईलोपरवतघूघलोरेलो ॥
एअवसरदिठीतीहांरेलो ॥ कन्याकुसूमावलीनामरे ॥ रगीली ॥
वीराजतीरेलो ॥ कांमक्रिमानोधामरे ॥ ढवीली ॥ ३३ ॥
ज्योरेलो ॥ एआकणी॥ कुसूमगर्सितवणीसलीरेलो॥ कोमलकरकजपावरे ॥
॥ र० ॥ अधरप्रवालारगज्यूरेलो ॥ चपकसमतनुवानरे ॥ ढ० ॥ ३४ ॥ पु०
लक्ष्मीकतनरपतीतणीरेलो ॥ पुत्रीपावनअगरे ॥ र० ॥ सखिजनस्युतेपरिव
रीरेलो ॥ क्रिमावसतनीचगरे ॥ ढ० ॥ ३५ ॥ पू० ॥ माउलपुत्रीनेहडेरेलो ॥ ने
हसूउपनोरागरे ॥ र० ॥ सवअनतअत्यासथीरेलो ॥ पचबाणथयोलागरो ॥ ढ० ॥
॥ ३६ ॥ पु० ॥ तेणिइविठोतेहनेंरेलो ॥ सामनचितेइमरे ॥ र० ॥ मकरध्वजई
हाआवीउरेलो ॥ क्रिमाकरणकेकांमरे ॥ ढ० ॥ ३७ ॥ पु० ॥ चितवीपमर
सारतीरेलो ॥ चेटिप्रियकरातामरे ॥राउसरोनहीनृपपुत्रथीरेलो ॥ एसिहकुमर
डेनामरे ॥ ढ० ॥ ३८ ॥ पु० ॥ तुम्हफईकुर्षेउपनोरेलो ॥ आव्याप्रथमथीआ
परे ॥ र० ॥ उसरतांमापणनहीरेलो ॥ करस्येएहवीगपरे ॥ ढ० ॥ ३९ ॥ पू० ॥
तिणेंएहनेंतूल्लेकरोरेलो ॥ कन्याउचितउपचाररे ॥ र० ॥ साकहेतुकहेतिमक
रूरेलो ॥ तवतेकहेसूविचाररे ॥ ढ० ॥ ४० ॥ पु० ॥ आशनदेईआदरकरोरे
लो ॥ फूलआसरणतबोलरे ॥ र० ॥ कुमरीकहेनकरीसकूरेलो ॥ रगलागोमुझ
चोलरो ॥ ढ० ४१ ॥ पु० ॥ तेहवेकुमरतेआविउरेलो ॥आव्युआशनसाररे ॥ र० ॥
रतिवीरहीतपचबाणनेंरेलो ॥ स्वागतडेरेकुमाररे ॥ ढ० ॥ ४२ ॥ पु० ॥ इमपु

समश्रेणीदततेउज्ज्वला ॥ सू० ॥ नासावसउत्तग ॥ तू० ॥ ७३ ॥ दिर्घविशा
लमाहिरक्तता ॥ सू० ॥ अष्टमीचदज्युताल ॥ तू० ॥ श्रवणसूसगतजेहना ॥
॥सू० ॥ पहेरीमुक्ताफलमाल ॥ तू० ॥७४॥ कसिणकुटिलकुतलसला ॥सू०॥
चदनचर्च्योअग ॥ तु० ॥ निरमलवस्त्रसूक्ष्मघणां ॥ सु० ॥ चुमारयणउत्तमां
ग ॥ तू० ॥ ७५ ॥ स्यूकहिश्घणतेहनु ॥ सु० ॥ जाणीश्रूपनुरूप ॥ तू० ॥
लावण्यनुलावण्यमानु ॥ सू० ॥ तरूणनुतरूणअनुप ॥ तू० ॥ ७६ ॥ मनो
रथनोमनोरथजाण ॥ सू० ॥ नृपसूतसिहकुमार ॥ तू० ॥ मदनलेखासूणि
चितवे ॥सू० ॥ रागएजुगतेउार ॥तू०॥ ७७ ॥ अथवाकमलाकरविना ॥सू०॥
लषमीनकरेवास ॥ तू० ॥ कुसूमायुघनेंरतिविना ॥ सू० ॥ नहिकोश्योग्यते
षास ॥ तु० ॥ ७८ ॥ सुबुद्धिरायस्यूमत्रतो ॥ सू० ॥ सांसल्योआजविचार ॥
॥ तु० ॥ कुसूमावलिकहेतेकहो ॥ सु० ॥ मदनलेखाकहेशार ॥ तु० ॥७९ ॥
देविपेसणनेकगई ॥ सू० ॥ तिहांसासलीएवात ॥ तू० ॥ सुबुद्धीकहेरायनें ॥
॥ सू० ॥ पुरुषदत्तनृपरख्यात ॥ तु० ॥ ८० ॥ काजेसिहकुमारनें ॥ सू० ॥
कुसूमावलिदिउंअम्ह ॥ तू० ॥ बफ २ आपहथीकसु ॥सू०॥ मुझनेंतेकसुं
तूम्ह ॥ तू० ॥ ८१ ॥ वलिश्ममुझनेसाषिउे ॥ सू० ॥ एवरवधूआजोग ॥तू०॥
अन्यअन्यनेंयोग्यछे ॥ सू० ॥ एहप्रसससेलोग ॥ तू० ॥ ८२ ॥ अलिकको
पकरीलाजती ॥ सू० कुसूमावलिकहेताम ॥तू०॥ हर्षघरीमनमांकहे ॥सू०॥
स्यूअसबधकहेआम ॥ तू० ॥ ८३ ॥ मदनलेखाकहेजुउस्यू ॥ सु० ॥ हसी
हसनेंलाग ॥ तू० ॥ जुत्तवातछेनृपकहे ॥ सू० ॥ सूणिमत्रिमाहासाग ॥ तू०
॥ ८४ ॥ इणअवसरिआवितिहां ॥सू० ॥ कुसमावलिनश्पास ॥ तू० ॥ पल्ल
वियादाशीसलो ॥ सू० ॥ उद्यानपालितेषास ॥ तु० ॥ ८५ ॥ रायेंकसुतुममा
तनें ॥ सू० ॥ मातकहावेतूझ ॥ तू० ॥ सवनउद्यानशोसाकरो ॥ सू० ॥ ए
आणाछेमुझ ॥ तू० ॥ ८६ ॥ राजकुमरसिहनामजे ॥ सू० ॥ आवसेरम
वाआज ॥ तू० ॥ कुसूमावलितेहसांसली ॥ सू० ॥ कहेधन्यदिनथयोआज
॥ तू० ॥ ८७ ॥ विजेरवमेश्मकही ॥ सू० ॥ त्रिजीढालरशाल ॥ तू० ॥ पद्म

केअरथीनसतोपीआरेलो ॥ केसरिउनोमरागरे ॥ र० ॥
पनूरेलो ॥ कहोतूम्हेकहेवालागरे ॥ ३० ॥ [illegible] ॥ पु० ॥
स्यूरेलो ॥ वोलीकुसूमावलीवांणरे ॥ र० ॥ कुसूमवीणतांउपनोरेलो ॥
दूरवपांणिरे ॥ ३० ॥ [illegible] ॥ पु० ॥ तिणेआजसअरतीघणीरेलो ॥
एकोयरे ॥ र० ॥ मदनलेपातववोलतीरेलो ॥ सांसलजोसङ्कोयरे ॥ ३०
॥ ६० ॥ पु० ॥ विजेरवमेश्मकहीरेलो ॥ विजीढालरसालरे ॥ र० ॥
श्रोतासूणोरेलो ॥ सूणतामगलमाजरे ॥ ३० ॥ [illegible] ॥ दूहा ॥
माननी ॥ ल्योकरमुऊतवोल ॥ विश्रामएकरूतूऊवपु ॥
॥ ६२ ॥ श्रणअवसरमुऊअवरस्यु ॥ कांमनहीसुणिकाय ॥
करो ॥ अद्यातिहाशुसगाय ॥ ६३ ॥ कुसूमावलीघरिकेलीने ॥
सारि ॥ कपुरविमुकरदिउ ॥ मदनलेपासूकुमारि ॥ ६४ ॥ कथाकहेकौतूक
री ॥ विजणेंविजतीवाय ॥ शुन्यऊकारोसांसली ॥ चितवेंतेचितलाय
अठेविकारचितएहनें ॥ तेणेपुवुऊवाताश्मचितिपूछ्यूश्णि ॥ सूणिवहिनीक
सात ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ वामीफूलीअतीसलीमनसमरारे ॥ एकेली ॥ मदनलेप
कहेश्णिपरि ॥ सूणवेहनीरे ॥ वद्यतकीभागयांआज ॥ तूम्हेशुणोवहिनीरे ॥
अचरिजकांईविवुतिहां ॥ सू० ॥ तववोलीघरीलाज ॥ तूम्हे ॥ ६७ ॥ [illegible]
सूदरउद्यानमां ॥ सू० ॥ रतिविरहीतपचवाण ॥ तू० ॥ रोहिणी
मा ॥ सू० ॥ मानूदिठोतिणेठांण ॥ तू० ॥ ६८ ॥ सचिविरहितजिमहरीहो
श ॥ सू० ॥ मदिराविनुकामपाल ॥ तू० ॥ सोवनवरणअरिरठे ॥ सू० ॥ पाव
अगुलीशुकमाल ॥ तू० ॥ ६९ ॥ गुढअीरापिमीहति ॥ सू० ॥ मणहरमोरसी
जघ ॥ तू ॥ गुढजानुंसूदरअती ॥ सू० ॥ पणिपरनारीऊलघ ॥ तू ॥ [illegible]
सगतउरूजुगसोसता ॥ सू० ॥ विपुलकटितटसाग ॥ तु० ॥ मध्यसामअति
पातलो ॥ सू० ॥ हृदयविशालविसाग ॥ तू० ॥ ७१ ॥ वर्तुलभांविवाहमी ॥
॥ सू० ॥ पुहचातेअतिपुष्ट ॥ तु० ॥ शुसरेषाश्शोसता ॥ सू० ॥ जानुमासक
रलष्ट ॥ तु० ॥ ७२ ॥ कांयकरातानखसला ॥ सू० ॥ अधरमवालिरग ॥ तू० ॥

नागमस्योमुऊतेतले ॥ मा० ॥ सभ्रमथीतेनाषीदीउंआवीनेंइमकहे ॥ मा० ॥ करमत्योनागतेसासलीरुद्रदेवलवे ॥ मा० ॥ ६५ ॥ नियमीथीआकुलव्याकुलथईकोलाहलकरे ॥ मा० ॥ मुऊनेंविषनावेगअतिदूखमाधरे ॥ मा० ॥ परवशथईनेंऊतोतिहांधरणीढली ॥ मा० ॥ परमअवाच्यअवस्थापामीचेतनावली ॥मा०॥६५॥ समकितनापरसावथीकालकरीतिहां ॥मा०॥ सोहमेंलीलावतसविमानअछेजीहां ॥ मा० ॥पल्योपमस्थीतिदेवपणेंऊउपनो ॥ मा० ॥ अपसरापरिवत्तदिव्यसोगमुऊनीपनो ॥ मा० ॥ ६६ ॥ रुद्रदेवपरण्योहवेनागदत्तधूआ ॥ मा० ॥ सोगवीविषयनेंकालकरीनरगेंऊआ ॥ मा० ॥ रतनप्रभाइरकमघमानरगावासमा ॥ मा० ॥ पल्योपमनेंआउपेउरकआवासमां ॥मा०॥ ॥ ६७ ॥ देवलोकमाथीचविऊथयोगजवरू ॥ मा० ॥ एहजविजयमासूंसमाररणसूदरू ॥ मा० ॥ सूसमारतिहांपरवतमाहिंक्रीमाकरू ॥ मा० ॥ नरगमाथीरुद्रदेवआव्योअनतरू ॥ मा० ॥ ६८ ॥ तेहजनगरमाथयोसूसोहामणो ॥ मा० ॥बालअवस्थागयेथयोजनमनकामणो ॥ मा० ॥ नलवनमांविचरतोगजवरतिणसमें ॥ मा० ॥ बऊकरणीस्यूआविउंतेसुकजिहांरमे ॥ ॥ मा० ॥६९ ॥ मुऊनेंरमतोदेषीनेंद्वेषतेआविउं ॥ मा० ॥ पुरवसवअस्यासथीवेरस्युसावीउं ॥ मा० ॥ चितवेएकरीएहवुसुखकिमसोगवे ॥ मा० ॥ वचावुएसुखथकीतोऊखजोगवे ॥ मा० ॥ ७० ॥ षोलेउपायघणापणितेहनेंनवीजमे ॥ मा० ॥ लीलारतीविद्याधरएहवेआविचमे ॥ मा० ॥ मृगांकसेनविद्याधरनीसगनीहरी ॥ मा० ॥ चद्रलेखाइणिनामेतेहनोसयधरी ॥ मा० ॥ ॥७१ ॥ गिरीनिकुजमारहिसऊइमशूकनेंकहे ॥ मा० ॥ एकविद्याधरआवस्येतेजिमनविलहे ॥ मा० ॥तिमकरज्येमुऊनेंनविदाषजेतूपरो ॥ मा० ॥ कहेजेआविनेंमुऊतेहगइपरो ॥ मा० ॥ ७२ ॥ ऊपणितुऊउपगारकरिसइणअवशरे ॥मा० ॥ तेंसलूकामकरयुमुऊजाणीसइणीपरें ॥मा०॥ ढढिढालएविजाखमाहिंकही ॥ मा० ॥ पद्मविजयकहेसांसलोआगलिगहगही ॥मा०॥७३॥ ॥ ऊहा ॥ इमकहिविद्याधरगयो ॥ महानिकुजमझारि ॥ उतरिनइप्रधअवनी

परिवस्योनीजपरिवार ॥ २५ ॥ ढाल ॥ मालिकोरेवालमां ॥ दोयमारिमचके रेलो ॥ अहोदोय० ॥ एदेशी ॥ इणअवशरिदिठातिहां ॥ एकवरअणगारे लो ॥ अहोएक ॥ धरमघोषनामेंसला ॥ बहुमुनीपरिवाररेलो ॥ अहोब हु० ॥ २६ ॥ प्रासूकजायगेंउतरया ॥ रूपगुणअसमानरेलो ॥ अहोरूप० ॥ योवनवयमांवरतता ॥ शुभुमित्रसमानरेलो ॥ अहोशुभु० ॥ २७ ॥ स्वतीन इवअश्रवमुत्ती ॥ तवसजमगाणेरेलो ॥ अहोतव० ॥ सत्यसौचअकिंचन वली ॥ ब्रह्मचर्यनिधानेरेलो ॥ अहोब्रह्म० ॥ २८ ॥ द्वादशांगीधरवाचना ॥ सूत्रअर्थनीदेतारेलो ॥ अहोसूत्र० ॥ निर्जराअर्थिउधमी ॥ निजशिष्यनेंक हेतारेलो ॥ अहोनीज० ॥२९॥ आचारयपदनाधणी॥ देषीनेंविचारेरेलो ॥ अ होदेषी० ॥ सकलसंगत्यागीमुनी ॥ एसवजलतारेरेलो ॥ अहोए० ॥ ३० ॥ धन्यएएहनीमावमी ॥ तज्योसारोसशारेरेलो ॥ अहोत० ॥ वहुमानेंकरीचि तवे ॥ करेपरउपगारेरेलो ॥ अहो० ॥ ३१ ॥ एहनेंसर्गेजईहवे ॥ पूछुएहवा तरेलो ॥ अहोपूं० ॥ मनोरवललितसमयअछे॥ किमजोगआयातरेलो ॥ अ होकिम० ॥ ३२ ॥ दूरथीउतरेअश्वथी ॥ जईमुनीवरपासेंरेलो ॥ अहोजई० ॥ वदेमुनीवरविनयस्यूं ॥ धरीहर्षउल्लासेंरेलो ॥ अहोधरी० ॥ ३३ ॥ अस्तीन योधर्मलाभथी ॥ वंधाशेषमुणिंदरेलो ॥ अहोव० ॥ वेठोगुरुचरणेंजई ॥ अहे परमआणंदरेलो ॥ अहोल० ॥ ३४ ॥ पुछेधरमघोषमुनी ॥ गुरुजीमुझसासेरेलो ॥ अहोगु० ॥ सपदाकुलघरस्वामीजी ॥ निर्वेदअस्यासेरेलो ॥ अहो० ॥ ३५ ॥ एहअकालेंआदरयु ॥ सजमस्यूविचारीरेलो ॥ अहोस० ॥ तवगुरुबोलेशां सलो ॥ श्रावकइणवारीरेलो ॥ अहोश्रा० ॥ ३६ ॥ कालसंजमनोएहछे ॥ न थीतासअकालरेलो ॥ अहोन० ॥ मृत्युपरासर्वेसर्वदा ॥ जुउतिहसंसालीरेलो ॥ अहोजु० ॥ ३७ ॥ सूरअसूरासहुनेंहरे ॥ वज्रमनोरथसेलरेलो ॥ अहोव० ॥ करेविजोगवाल्हातणो ॥ इमकरेजगकेलीरेलो ॥ अहोइ० ॥ ३८ ॥ वलिआ वकतूसांसलें ॥ रूडोजाणीधर्मरेलो ॥ अहोरू० ॥ चरणवइलेआदरे ॥ अहेवा मुलसशर्मरेलो ॥ अहोल० ॥ ३९ ॥ रुडुतेआमेंथीकीजीइं ॥ तेहमांसीहांथीरे

नागमस्योमुऊतेतले ॥ मा० ॥ सभ्रमथीतेनाषीदीउंआवीनेंश्मकहे ॥ मा० ॥ करमयोनागतेसासलीरूद्रदेवलवे ॥ मा० ॥ ६५ ॥ नियमीथीआकुलव्याकुलथईकोलाहलकरे ॥ मा० ॥ मुऊनेंविषनावेगअतिदूरखमाघरे ॥ मा० ॥ परवशथईनेंऊतोतिहांघरणीढली ॥ मा० ॥ परमअवाच्यअवस्थापामीचेतनावली ॥मा०॥६५॥ समकितनापरसावथीकालकरीतिहा ॥मा०॥ सोहमेंलीलावतसविमानअद्वेजीहां ॥ मा० ॥पल्योपमस्थीतिदेवपणेंऊउपनो ॥ मा० ॥अप्सरापरिवत्तदिव्यसोगमुऊनीपनो ॥ मा० ॥ ६६ ॥ रुद्रदेवपरण्योहवेनागदत्तधूआ ॥ मा० ॥ सोगवीविषयनेंकालकरीनरगेंऊआ ॥ मा० ॥ रतनप्रसाश्रकनषमानरगावासमा ॥ मा० ॥ पल्योपमनेंआउषेऊरकआवासमां ॥मा०॥ ॥ ६७ ॥ देवलोकमांथीचविऊययोगजवरू ॥ मा० ॥ एहजविजयमासूसमारणसूदरू ॥ मा० ॥ सूसमारतिहांपरवतमांहिंक्रीमाकरू ॥ मा० ॥ नरगमाथीरूद्रदेवआव्योअनतरू ॥ मा० ॥ ६८ ॥ तेहजनगरमाथयोसूमोसोहामणो ॥ मा० ॥बालअवस्थागयेंषयोजनमनकामणो ॥ मा० ॥ नलवनमांविचरतोगजवरतिणसमें ॥ मा० ॥ बऊकरणीस्यूआविउंतेसुकजिहांरमे ॥ ॥ मा० ॥ ६९ ॥ मुऊनेंरमतोदेषीनेंद्वेषतेआविउं ॥ मा० ॥ पुरवसवअत्न्यासथीवेरस्युसावीउं ॥ मा० ॥ चितवेएकरीएहवुसुखकिमसोगवे ॥ मा० ॥ वचावुएसुखथकीतोऊखजोगवे ॥ मा० ॥ ७० ॥ षोलेउपायघणापणितेहनें नवीजमे ॥ मा० ॥ लीलारतीविद्याधरएहवेआविचमे ॥ मा० ॥ मृगांकसेनविद्याधरनीसगनीहरी ॥ मा० ॥ चद्रलेखाइणिनामेतेहनोसयधरी ॥ मा० ॥ ॥७१ ॥ गिरीनिकुजमारहिसऊश्मशूकनेंकहे ॥ मा० ॥ एकविद्याधरआवस्येतेजिमनविलहे ॥ मा० ॥तिमकरज्येमुऊनेंनविदाषजेतूपरो ॥ मा० ॥ कहेजेआविनेंमुऊतेहगश्परो ॥ मा० ॥ ७२ ॥ ऊपणितुऊउपगारकरिसश्णअवधारे ॥ मा० ॥ तेंसलूकामकस्युमुऊजाणीसश्णीपरे ॥मा०॥ ऊठिठालएविजाखममाहिकही ॥ मा० ॥ पद्मविजयकहेसासलोआगलिगहगही ॥मा०॥७३॥ ॥ ऊहा ॥ श्मकहिविद्याधरगयो ॥ महानिकुजमऊारि ॥ उतरिनश्अधअवनी

इ ॥ रसोतेसूखआधार ॥ ७४ ॥ नारिंगपादवेंनीकर्मा ॥
विद्याधरहवेआविउ ॥ मृगांकसेनअसमाधी ॥ ७५ ॥
॥ नविदिनुतसनाम ॥ गयोइणिप्रवसरिंगयवरू ॥ -
॥ ७६ ॥ मुकदेपीचित्युमनें ॥ अवसरछेएआज ॥
करूमायाइकाज ॥ ७७ ॥ सुमीस्यूसमकणसबे ॥
सुमीनेंकहेसांसलें ॥ ज्ञानीइसाण्युज्ञान ॥ ७८ ॥ ढाल ॥
दिनसेंबुजजास्यू ॥ एदेशी ॥ हुसमारएपर्वतमांछइ ॥
जपापातकरेतिहांजईनें ॥ जेवांछेतेपामे ॥ मोरीशांसलिबात ॥
छेरूमो ॥ ७९ ॥ एआकणी ॥ तवपुछेसूमीसूणोस्वामी ॥ तेहवतात्रोअंमन
शुककहेशीतलएतरूवरथी ॥ जईइपासेंवाम ॥ ८० ॥ मो० ॥
णिआपणयईइ ॥ विद्याधरमनधारी ॥ तिरयचनासवथीहवेसरिउ ॥ चाखेतूनें
शुसनारी ॥८१॥मो०॥ जइनेंऊपापाततेंकरीइ॥सूमीइवातसकारी॥ इमकरीनें
पापाततेकीधो ॥ गजवरेंपणिचितधारी ॥८२॥ मो०॥ जईनेंकमुलीलारतिन
गनें ॥ आविगयोतुऊवयरी ॥ तवलीलारतीनीकह्योतीहांथी ॥ चढलेखांनें
स्वयरी ॥८३॥ मो० ॥ आकाशेंजातोतेदिठो॥ मनमाधाथुसाचु ॥ जुऊसूमो
सूमीलक्षांनरसव॥एतिरयनहीकाचु॥८४॥मो०॥ एतिरयचनाविद्याधरचया
॥ जोतांवारनलागी ॥ तेकारणएतिरयसाथे ॥ म्हारीपणिलयलागी ॥
मो० ॥ देवतणीप्रणिधीकरीमनमां ॥ अमेपणिइहांपमीइ ॥ एतिरजचनोसब
गांमीनें ॥ देवतणीगतिचढिइ ॥८६॥ मो० ॥ इमचितीनेंतिहांअम्हेपमीआ
॥ शुकयुगतिहाथीचाल्यो ॥ कपटेंकरीनेंअमेछेतरीआ ॥ पणिनविनयणेंसा
स्यो ॥ ८७ ॥ मो० ॥ चुरणथयांअमेंअगउपागी ॥ पाम्यावऊतिहांकेश ॥
पणिअकामनीजराइपपीआ ॥ कर्मघणांसूविशेस ॥८८ ॥ मो० ॥ कुसूम
शेखरनामेवतरपूरे ॥ पल्योपमउणाखेशें ॥ एहवोवतरसूरहाथीथयो ॥ अध्य
वशायविशेशें ॥ ८९ ॥ मो० ॥ उदारसोगसोगवुतिहांऊपणि ॥ सूमोपणिति
हांमरीनें ॥ लोहितमुखनामेंरत्नप्रसार्थे ॥ उपनोनीयमीकरिनें ॥ ९० ॥ मो० ॥

पल्योपमदेशेंउणीथीती ॥ हवेकुव्यतरदेव ॥ एहवीदेहेंअन्यविजयमां ॥ च
क्रवालपुरहेव ॥ ९१॥ मो०॥ अप्रतिहतचक्रसार्थवाहनें ॥ सुमंगलानामेंनार
तेहनीकुषेंपुत्रकुकुउ ॥ विनईगुणसमार ॥ ९२ ॥ मो० ॥ चक्रदेवमुकअसी
धाउविउ ॥ पाम्योबालकसाव ॥ उदवर्त्योनारकशुकएहवे ॥ आयुक्षइतिहा
ताव ॥ ९३ ॥ मो० ॥ तेहनयरमांएकपुरोहीत ॥ सोमसर्मातसनारी ॥ नदि
वर्द्धनामेतेहनीकुषेंउपनोसुतअवतारी ॥९४ ॥मो०॥ कालक्रमेंजइदेवउव्यु
असीधा ॥ कुमरसावतेपाम्यो ॥ महारेतेहनेंप्रीतीघनीतव ॥ कुउंअतिविश्रामो
॥ ९५ ॥ मो० ॥ पणिघणीप्रीतीम्हारेसदसार्वे ॥ एहतोकपटेंराखे ॥ पुरवना
अभ्यासकरमना ॥ दोषएनजरेंदाषें ॥ ९६ ॥ मो० ॥ सरलघणोकुपणिएवां
को ॥ म्हारीसपदादेखी ॥ मत्सरधरेवलीवचेढलथी ॥ छिद्रतणोवलिपेखी ॥
॥ ९७ ॥ मो० ॥ यत. ॥ खल सत्कीयमाणोपि ॥ ददातिकलहंसता ॥ दुग्धे
धौतोपीकियाति ॥ वायस कलहसतां ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ नजम्युछिद्रवि
चारेतिवारे ॥ इमएउलीनवीसकीइ ॥ तिणेंइहांएहउपायतेकिजे ॥ जिमइणि
इहांनवीटकिइ ॥ ९८ ॥ मो० ॥ चदनसारथवाहनाघरथी ॥ लावुद्रव्यकुमु
शी ॥ मुकवाअपुएहनाघरमां ॥ रायस्येएपणिकुसी ॥ ९९ ॥ मो० ॥ सूप
तिनेसत्तलाविसजईनें ॥ राजादमतेदेस्ये ॥ मारस्येकूटस्येनेंवलीएहनु ॥ घरप
णिलूटिलेस्ये ॥ २०० ॥ मो० ॥ जिमचितव्युतिमकामजकिघू ॥ लाविद्रव्य
मुकसासें ॥ मित्रसूणोएद्रव्यमुकराषो ॥ गोपवज्योमुकआसें ॥२०१॥ मो०॥
कुवेलाइलाव्योतिणेंशक्यो ॥ द्रव्यनराषुजांम ॥ तोपणिदाक्षिण्यताघणीआं
णी ॥ द्रव्यगोपव्युगाम ॥ २ ॥ मो० ॥ सज्जनतेहजसज्जनहोवे ॥ खलतेदुर्ज
नथाय ॥ काकतेकालासघलेदेषो ॥ शुकनीलाशुखदाय ॥ ३ ॥ २ मो० ॥
विजेखमेसातमीढालें ॥ पद्मविजयएहदाष्यो ॥ कस्तुरीनेंहींगपटतर ॥ सवि
जनेंचितमाराष्यो ॥ ४ ॥ मो० ॥ ढहां ॥ नयरमांजनरवनिकल्यो ॥ सेठचद
नसत्थवाह ॥ घरमुस्युंतेहनुघणा ॥ हरीउद्रव्यअथाह ॥ ५ ॥ सासलीमुकांचि
तशकीउ ॥ गयोजइदेवगेह ॥ पुछ्युमेंपरपत्रिनें ॥ एकिमइणिपरेंएह ॥ ६ ॥

जइदेवबोल्योजटो ॥ स्योमुऊमासंदेह ॥
ह ॥ ॥ परनोद्रव्यआपुनही ॥ ग्रकागईतवसाल ॥
चदनचतुरवाचाल ॥ ॥ मुऊघरकोईमुसीगयो ॥ सर्णेतदानुवाल ॥
गयुतेसासीइ ॥ कहेसेठततकाल ॥ ॥ द्रव्यअिस्वाम्योदफतरें ॥
करेहाल ॥ फेरोवजमावीइ ॥ सघलेंकरोससाल ॥
नी ॥ फेरोफेरवेतांवरे ॥ तांसलांव्योलोका ॥ मिलीमोकेंचोका ॥
का ॥ देढनृपअन्याईनेरे ॥ ॥ चदनसत्वाहेगहची ॥
कोईलसोतसकेरो ॥ जेहहोयसलेरो ॥ नेरोरेआविकहोमुऊप्रतिरे ॥
आव्योहोयव्यापारमा ॥ जोद्रव्यनोदेश ॥ अथवातेअशेस ॥
॥ क्रेशलहोरेरषेबापऊारे ॥ ॥ चमशासनएरायजे ॥
दमतेहनेंदाषे ॥ नहिराखेसराखे ॥ धनलेईसरीरनेंदमस्येरे ॥
फेरीरसा ॥ पछेंदिनगयापच ॥ मुकीखलखच ॥ जइकहेपरपच ॥
वनरपतिसणीरे ॥ ॥ रेनरपतितुम्हसाषवु ॥ तेजुगतूनांहि ॥
आंहि ॥ रायदरबारमांहि ॥ किमनवीकऊतुम्हहितसणीरे ॥ ॥
कर्नेपरलोकनो ॥ विरूधआचार ॥ सेवेनिरधार ॥ डरवनोदातार ॥
तमनोपणिजिकोरे ॥ ॥ तेहमीघनेंस्युकरू ॥ किमरायउवेषु ॥
यऊदेषु ॥ नजरेंकरीपेषु ॥ तिणेंतुमनेंएजणाविइरे ॥ ॥
वातरे ॥ जेतुम्हमनसाई ॥ परीवातजेंकाई ॥
नसाषज्योरे ॥ ॥ जइदेवकहेशांसलो ॥ मेंसूणीउकांनें ॥
नें ॥ चक्रदेवजोमानें ॥ ढानेंस्यूएहनुंघरजोईइरे ॥ ॥
रे ॥ मेंसांसल्यूइम ॥ चक्रदेवेप्रेंम ॥ चदनघरनेंम ॥ वेमेरेगोपव्यूनिजघरेरे ॥
॥ २१ ॥ हवेमनमानेंतिमकरो ॥ तूमेमोहटाराय ॥ माफिपणथाय ॥ माहरू
स्यूजाय ॥ सायढेमाहरोएमोटिकोरे ॥ ॥ नृपकहेनविससवायरे ॥ एह
नीइमवात ॥ उत्तम[illegible]वात ॥ विरूधअवदात ॥
जइदेवकहेसांर[illegible]सुतेसाचु ॥ पणिस्युंऊंराचु ॥ लोसेंहोयेकाचु ॥

जाचुहोइरेमनजेहनुरे ॥ २४॥ एहमांकुलनोस्योवांकरे ॥ सूरसीहोयफुल॥ कीटकप्रतीकूल ॥ तेमेंलेंधूलि ॥ ठगणमाहिरेवीठीउपजेरे ॥ २५॥ एहनु घरिजोवरावीइ ॥ कोईकरीपरकार ॥ सुणीवातविचार ॥ वातजुगतीधार ॥ चमत्रासनहवेराजीउरे ॥२६ ॥ कारणिआनेमीकहे ॥ हवेइणीपरिराजा ॥ महाजनसकुसाजा ॥ जेहोयअतिभाजा ॥ ऊजारेन्यायकरेजिकेरे ॥२७॥ चदनसत्रवाहगेहनो ॥ समारीलीजें ॥ सकुमिलीअगमीजइ॥ चक्रदेवघरिकी जें ॥ नाठिजेलखमीतेहनीपोजनारे ॥ २८ ॥ कारणिआतवचितवें ॥ स्योरा यनोबोल ॥ नकरेंकांयतोल ॥ एराजेंअमोल ॥ चोलमजिठरगधर्मनोरे ॥२९॥ अथवाआंपणेंकांयरे ॥ आणानाकरता ॥ इमचितमांधरता ॥ कायआंसुऊ रता ॥ करतारेसेलासकुनेंतिहांगयारे ॥ ३० ॥ पोहोरदिवचारसोपाछिलो ॥ त वसकुइआव्या ॥ मुऊमनसोहाव्या ॥ बेठासकुसाया॥ मायारेमुऊउपरिथणी रे ॥३१॥ बिजेखमएहरे ॥ कहेआठमीढाल ॥ गुरूउत्तमबाल ॥ घणूवातर सोल ॥ मालामगलनीपामोसकुजनारे ॥३२ ॥ डहा ॥ महाजनकारणिआ मिली ॥ मुऊनेंपुछेइम ॥ सारथवाहसुतसांसलो ॥ पुतुनियमेंप्रेम ॥३३॥ कोइ व्यवहारकरतांथकां ॥ किमहिकलाव्योकोय ॥ तोअमनेंसाषोतुम्हे ॥ हमणां वातजेहोय ॥३४ ॥ सकुनेंकमुनिचकथी ॥ नविकांईजाणूनेंम ॥ तवकार णीआतेहनें ॥ जलपेसासलोजेम ॥३५॥ कोपनकरज्योकोमनें॥ आणानरप तिइम ॥ तुमघरजोवुततपरें॥कहोतिणेंकरीइकेम ॥३६॥ ऊवोल्योहमणांनही॥ कोपनोअवसरकाय ॥ प्रजापरिक्षापरगमो ॥ नरपतिहोवेंन्याय॥३७॥ ढाल॥ लालननीदेशी॥नगरनाटकपुरूषलेइसाथें ॥ रायपुरूषेंजोयुनिजहाथें ॥लालन जोयुनिजहाथें ॥ द्रव्यदिठुतिहांबकुपरकार ॥ मुक्युप्रयत्नकरीनेंअपार ॥ ॥ लाल०॥ क०॥ ३८॥ सांभचदननामांकितसार ॥ हिरण्यकेरांमुलउदार ला०॥ मू०॥ बाहिरलावीसकुनेंदेखाव्यू ॥ चदनसमारीपुरठाव्यु ॥ ला०री० ॥ ॥ ३९ ॥ जोईनेंडरवीआनीपरेंबोल्यो ॥ सत्तवेंठेएहवुचित्तमोल्यो ॥ला०ए०॥ पणिसंसयमुऊचितमांआवे ॥ तवकारणीआकहेइणदावें ॥ ला०क०॥४०॥

जइदेवबोल्योजटो ॥ स्योमुऊमासंदेह ॥ तातसयेंघरिताहरे
ह ॥[illegible]॥ परनोद्रव्यआपुनही ॥ ग्रकागईतवसाल ॥
चदनचतुरवाचाल ॥[illegible]॥ मुऊघरकोईमुसीगयो ॥ सर्णेतवातूपाल ॥
गयुतेसासीइ ॥ कहेसेठततकाल ॥[illegible]॥ द्रव्यलिस्वाम्योदफतरें ॥
करेहाल ॥ ऊमेरोवजमावीइ ॥ सघलेंकरोससाल ॥[illegible]
नी ॥ ऊमेरोफेरवेतामरे ॥[illegible]॥ मिलीचोर्केंचोका ॥
का ॥ देठेनृपअन्याईनेरे ॥[illegible]॥ चदनसत्ठवाहेगहची ॥
कोईलक्षोतसकेरो ॥ जेहहोयसलेरो ॥ नेरोरेआविकहोमुऊप्रतिरे ॥
आव्योहोयव्यापारमा ॥ जोद्रव्यनोदेश ॥ अथवातेअशेस ॥
। क्लेशलहोरेरषेबापऊारे ॥[illegible]॥ चमशासनएरायठे ॥
दमतेहनेंदाषे ॥ नहिराखेसराखे ॥ धनलेईसरीरनेंदमस्येरे ॥[illegible]॥
फेरीरक्षा ॥ पठेंदिनगयापच ॥ मुकीखलखच ॥ जइकहेपरपच ॥
वनरपतिसणीरे ॥[illegible]॥ रेनरपतितुम्हसापवु ॥ तेजुगतूनाहि ॥
आंहि ॥ रायदरबारमांहि ॥ किमनवीकऊतुम्हहितसणीरे ॥[illegible]॥
कर्नेपरलोकनो ॥ विरूपआचार ॥ सेवेनिरधार ॥ ऊखनोदातार ॥
तमनोपणिजिकोरे ॥[illegible]॥ तेहमीत्रनेंस्युकरू ॥ किमरायऊवेषु ॥
यऊदेषु ॥ नजरेंकरीपेषु ॥ तिर्णेतुमनेंएजणाविइरे ॥[illegible]॥
वातरे ॥ जेतुम्हमनसाई ॥ घरीवातजेंकाई ॥
नसाषज्योरे ॥[illegible]॥ जइदेवकहेशांसलो ॥ मेंसूणीऊकांमें ॥
नें ॥ चक्रदेवजोमानें ॥ ग्रानेंस्यूएहनुंघरजोईइरे ॥[illegible]॥ पार्सेनापरिजमचास
रे ॥ मेंसांसल्यूइम ॥ चक्रदेवेप्रेम ॥ चदनघरनेंम ॥ वेमेरेगोपव्यूनिजघरेरे ॥
॥[illegible]॥ इवेमनमानेंतिमकरो ॥ तूमेमोहटाराय ॥ माफिपणाथाय ॥ माहरू
स्यूजाय ॥ सायठेमाहरोएमोटिकोरे ॥[illegible]॥ नृपकहेमविससवाप्यरे ॥ एह
नीइमवात ॥ उत्तमकुलजात ॥ विरूपअवदात ॥
जइदेवकहेसांसलो ॥ तुम्हेकसुतेसाचु ॥ पणिस्युकरांचुं ॥ जोसेंहोयेकाचुं ॥

जाचुहोइरेमनजेहनुरे ॥ २४॥ एहमांकुलनोस्योवांकरे ॥ सूरसीहोयफुल॥ कीटकप्रतीकूल ॥ तेमेंलेंघूसि ॥ ठगणमांहिरेवीठीउपजेरे ॥२५॥ एहनु घरिजोवरावीइ ॥ कोईकरीपरकार ॥ सुणीवातविचार ॥ वातजुगतीधार ॥ चमत्रासनहवेराजीउरे ॥२६॥ कारणिआतेमीकहे ॥ हवेइणीपरिराजा ॥ महाजनसकुसाजा ॥ जेहोयअतिभाजा ॥ ऊजारेन्यायकरेजिकेरे ॥२७॥ चदनसत्रवाहगेहनो ॥ समारीलीजें ॥ सकुमिलीअगमीजइ॥ चकदेवघरिकी जें ॥ नाठिजेलखमीतेहनीपोजनारे ॥ २८ ॥ कारणिआतवचितवें ॥ स्योरा यनोबोल ॥ नकरेंकांयतोल ॥ एराजेंअमोल ॥ चोलमजिठरगधर्मनोरे ॥२९॥ अथवाआपणेंकांयरे ॥ आणानाकरता ॥ इमचितमांधरता ॥ कांयआंसूऊ रता ॥ करतारेसेलासकुनेंतिहागयारे ॥ ३० ॥ पोहोरदिवशरसोपाठिलो ॥ त वसकुइआव्या ॥ मुऊमनसोहाव्या ॥ बेगासकुसाया॥ मायारेमुऊउपरिघणी रे ॥३१॥ विजेखमएहरे ॥ कहेआठमीढाल ॥ गुरुउत्तमबाल ॥ घणुवातर साल ॥ मालामगलनीपामोसकुजनारे ॥३२॥ ढहा ॥ महाजनकारणिआ मिली ॥ मुऊनेंपुछेइंम ॥ सारथवाहसुतसांसलो ॥ पुछुनियमेंप्रेम ॥३३॥ कोइ व्यवहारकरतांथकां ॥ किमहिकलाव्योकोय ॥ तोअमनेंसाषोतुम्हे॥ हमणां वातजेहोय ॥ ३४ ॥ सकुनेंकहुंनिशकथी ॥ नविकांईजाणुनेंम ॥ तवकार णीआतेहनें ॥ जलपेसांसलोजेम ॥३५॥ कोपनकरज्योकोमनें॥ आणानरप तिइम ॥ तुमघरजोवुंततपरें॥कहोतिणेंकरीइकेम॥३६॥ ऊवोल्योहमणांनही॥ कोपनोअवसरकाय ॥ प्रजापरिक्षापरगमो॥ नरपतिहोवेंन्याय॥३७॥ ढाल॥ लालननीदेशी॥नगरनाटरूपुरूपलेइसाथें ॥ रायपुरूषेंजोयुनिजहाथें ॥लालन जोयुनिजहाथें ॥ द्रव्यदिवुतिहांबऊपरकार ॥ मुक्युभयभकरीनेंअपार ॥ ॥ लाल०॥क०॥ ३८॥ सांभचदननामांकितसार ॥ हिरण्यकेरांमुलउदार ला०॥ मू०॥ बाहिरलावीसकुनेंदेखाव्यू ॥ चदनसमारीपुरठाव्यु ॥ ला०री० ॥ ॥ ३९॥ जोईनेंऊखीआनीपरेंबोल्यो ॥ सत्तवेंठेएहवुचित्तमोल्यो ॥ला०ए०॥ पणिसंसयमुऊचितमांआवे ॥ तवकारणीआकहेइणदावें ॥ ला०क०॥४०॥

पत्रवाचोजेलिख्योछेआप ॥ तेहमाछेकेनहीअआलाप ॥ ला॰ न॰ ॥ [illegible]
स्वीउपत्रमांजेह ॥ सऊश्वरहरधादेखीनेंतेह ॥ ला॰ दे॰ ॥ [illegible]
आकहेसांसलिसाशाएकहिंतुऊघरिकिहाथीआई ॥ ला॰ कि॰ ॥ मेंमकीं
ब्यूमीत्रनुनाम ॥ किमसाधुसऊमांइणठाम ॥ ला॰ स ॥ [illegible] ॥ चोरकरानिम
एहनेंसाधे ॥ तोमुऊसद्धनताकिमदाधे ॥ ला॰ ता॰ ॥ परप्राणकिमहरकांनिम
उगारी ॥ ऊबोल्योतिहांइमविचारी ॥ ला॰ इ॰ ॥ [illegible] ॥ एसविसा[illegible]
हराघरनां ॥ तवकहेनामकेमछेपरनां ॥ ला॰ के॰ ॥ मेकमुंसवरिमचीमुल
कांय ॥ फेरफारथयोहोस्येतेमाय ॥ ला॰ हो॰ ॥ [illegible] ॥ कारणीआकहेसीं
ख्याछे ॥ हिरण्यनीपणिकहोजेहसीख्याछे ॥ ला॰ जे॰ ॥ मेंकसुनवीमुऊसांमि
रेतेह ॥ पोतानीमेलेंजुउतेएह ॥ ला॰ जु॰ ॥ [illegible] ॥ कारणीइवचाल्योपत्र
दिनारसहसतेदसतिहांउत्त ॥ ला॰ द॰ ॥ पत्रनेंवस्तुवेसमोबनेंमिलीआं
नागरकारणिआमनचलीआ ॥ ला॰ आ॰ ॥ [illegible] ॥ विस्मयपाम्याएकिम
होय ॥ चक्रदेवनेंकिमइमजोय ॥ ला॰ कि॰ ॥ पश्चीमसुरयजोकविऊने ॥ [illegible]
राज्यहरणनकरेकोईजुगे ॥ ला॰ क॰ ॥ [illegible] ॥ फरिपुछेकहोपरगठवाम
स्योएवाततणोअवदात ॥ ला॰ त॰ ॥ फिर[illegible] पुछुएरायनीआंखि ॥ मेंकरयूते
हजउतरदाण ॥ ला॰ उ॰ ॥ [illegible] ॥ धिग्रहेंदिवनेंइमविचारी ॥ फरिपुछेकांय
कहोनिरधारी ॥ ला॰ क॰ ॥ तोहिनतेहनेंमेंकांईसास्यू ॥ कोप्योकोठवाल
मविमास्यू ॥ ला॰ इ॰ ॥ [illegible] ॥ सेईचालोहवेसूपनेंपासें ॥ इमकरीचाल्यास
यसकाशें ॥ ला॰ रा॰ ॥ वातसूणावीरायनेंतेह ॥ रायकसुंमुऊसांसलिएह ॥
ला॰ सां॰ ॥ [illegible] ॥ उसयलोकनीवाततेजाणो ॥ एहवुंकांमनथाइतूमठाणो ॥
॥ ला॰ ॥ था॰ ॥ एहवुअसाधूअससवकिमछे ॥ कहोपरमारथनिपनेजिम
छे ॥ ला॰ ॥ नी॰ ॥ [illegible] ॥ आपिमांआंसुनेंकांयनबोल्यो ॥ पुरवपरिचितवी
नवीमोल्यो ॥ ला॰ ॥ चि॰ ॥ मुऊउपरिशकाहुपआवी ॥ पणमुऊतातनो
आदरलावी ॥ ला॰ ॥ आ॰ ॥ [illegible] ॥ मुऊनवीकाईहिणसाध्यु ॥ कदर्थनाम
करीवऊराध्यु ॥ ला॰ ॥ क॰ ॥ देशनिकालकरयोमुऊराइ ॥ नयरथीकाढ्यो

मुऊतिएगाय ॥ ला० ॥ मु० ॥ ५२ ॥ नगरदेवतावननेंपासें ॥ मुक्योमुऊनें रायनेंदाखें ॥ ला० ॥ रा० ॥ रायपुरूषगयानिज २ गांम ॥ तवमुऊचिंताउ पनीआम ॥ ला० ॥ उ० ॥ ५४ एवमापरासवसाजनमुऊनें ॥ जिववुनघटे जिवमातूऊनें ॥ ला० ॥ जि० ॥ वमनोवऊतेदेउलपासें ॥ मरवाचाल्योगलेंदे इफांसो ॥ ला० ॥ ग० ॥ ५५ ॥ इणअवसरजुइवंनदेवी ॥ अवऊीज्ञानेंकरी घाततेएहवी ॥ ला० ॥ वा० ॥ उपनीमुऊउपरिअनुकपा ॥ चितवेचित्तमांथई अजपा ॥ ला० ॥ च० ॥ ५६ ॥ एहअघटतूमोहदुथावे ॥ रायनीमातनादिल मांआवे ॥ ला० ॥ दि० ॥ रायनेंवातजथारथसाथी ॥ जेहअनीतीतेसघलिवा थी ॥ ला० ॥ स० ॥ ५७ ॥ नगरनेंबाहिरअमुकउद्यान ॥ चक्रदेवमरवानइ ध्यांन ॥ ला० ॥ म० ॥ दिइगलेफासोतेजईनेंनिवारो ॥ देईसनमांननेंनयरेपे शारो ॥ ला० ॥ न० ॥ ५८ ॥ क्रोधनेहदोयरसअनुसवतो ॥ रायकहेउ ख थीटलवलतो ॥ ला० ॥ दू० ॥ रेजइदेवमहोडराचार ॥ आणादेइगयोनयरनें वार ॥ ला० न० ॥ ५९ ॥ ठोठेसार्थेपोहतोराय ॥ डरथीदेखीआव्योपलाया॥ ॥ला० ॥ आ० ॥ गलफांसोदेखीकरेसोर ॥ मासाहसकरीतूइणठोर ॥ ला०॥ ॥ तू०॥६०॥ आविदूरकस्योमुऊपाशा॥ हाथपकडीबेशास्योपाश ॥ला०॥सूप तीवऊआदरकरेतास ॥ देखीपामेंचित्तउल्लाश ॥ ला० ॥ चि०॥ ६१ ॥ नव मीढालएविजेखम ॥ जसकिरतीसद्धननीअखम ॥ला० ॥ ज० ॥ पद्मविज यकहेचढतोरग ॥ सद्धनहोयजीमकनकतरग ॥ ला० ॥ क० ॥ ६२ ॥ ॥ डहा ॥ पुछ्युमेंतुऊपरपरें ॥ तुऊनेंएसविवात ॥ सूपतीकहेनवीसाषीउ ॥ तेंएहनोअवदात ॥ ६३ ॥ सार्थवाहसूतसत्यतू ॥ जाण्युंसघलूकाज ॥ देविइ मातनादिलमां ॥ अविआप्युआज ॥ ६४ ॥ जइदेवजुठोकह्यो ॥ साचोतू तूऊशाषि ॥ म्हेंचित्यूमातुथयु ॥ सूपनीसांसलीसाषि ॥ ६५ ॥ क्षितिपतिक हेतूम्हपामीइ ॥ षमषुकरीमनषांति ॥ परमारथनपीछाणीउ ॥ घमधम्योक्रो धेंध्वांत ॥ ६६ ॥ करीकदर्थनाआकरी ॥ नांप्योकष्टअयाए ॥ म्हेंशांसली चित्यूमनें ॥ अहोअनरथअचान ॥ ६७ ॥ व्यसनजइदेवआविउ ॥ एहथ

पत्रवांचोजेलिख्योछेआप ॥ तेहमांछेकेनहीअआलाप ॥ ला॰ म॰ ॥[illegible]
स्वीउपत्रमांजेह ॥ सङ्गश्वरहरधादेखीनेंतेह ॥ ला॰ दे॰ ॥ [illegible]
आकहेसांसलिसाशीएकहितुकघरिकिहाथीआई ॥ ला॰ कि॰ ॥ मेंनवीछ
व्यूमीत्रनुनाम ॥ किमसापुसङ्गमांइणगाम ॥ ला॰ स ॥ [illegible] ॥ चोरकरा[illegible]
एहनेंसाषे ॥ तोमुकसङ्गनताकिमदाषे ॥ ला॰ ता॰ ॥ परप्राणकिमहर्वमीन
उगारी ॥ कवोल्योतिहांइमविचारी ॥ ला॰ इ॰ ॥ [illegible] ॥ एसविसा[illegible]
हराघरनां ॥ तवकहेनामकेमछेपरनां ॥ ला॰ के॰ ॥ मेकमुंस्वपरिनचीमुक
कांय ॥ फेरफारथयोहोस्येतेमाय ॥ ला॰ हो॰ ॥ [illegible] ॥ कारणीआकहेछीं
ख्याछे ॥ हिरण्यनीपणिकहोजेहलीख्याछे ॥ ला॰ जे॰ ॥ मेंकमुनवीमुकछांक
रेतेह ॥ पोतानीमेलेंजुउतिएह ॥ ला॰ जु॰ ॥ [illegible] ॥ कारणीइवचाल्योपत्त ॥
दिनारसहसतेदसतिहांउत्त ॥ ला॰ द॰ ॥ पत्रनेंवस्तुवेसमोवमेंमिलीआं ॥
नागरकारणिआमनचलीआ ॥ ला॰ आ॰ ॥ [illegible] ॥ विस्मयपाम्याएकिक
होय ॥ चक्रदेवनेंकिमइमजोय ॥ ला॰ कि॰ ॥ पश्चीमसुरयजोकदिछे ॥ [illegible]
रद्व्यहरणनकरेकोईजुगे ॥ ला॰ क॰ ॥ [illegible] ॥ फरिपुछेकहोपरगठवात ॥
स्योएवाततणोअवदात ॥ ला॰ त॰ ॥ फिर[illegible] पुछुएरायनीआंणि ॥ मेंकरचूते
हजउतरदाण ॥ ला॰ उ॰ ॥ [illegible] ॥ धिगहोदेवनेंइमविचारी ॥ फरिपुछेकांइ
कहोनिरधारी ॥ ला॰ क॰ ॥ तोहिनतेहनेंमेंकांईसास्यू ॥ कोप्योकोढवाळ[illegible]
मविमास्यू ॥ ला॰ ई॰ ॥ [illegible] ॥ लेईचालोहवेसूपनेंपासें ॥ इमकरीचाल्यारा
मसकाशें ॥ ला॰ रा॰ ॥ वातसूणावीरायनेंतेह ॥ रायकहेंमुकसांसलिछह ॥
ला॰ सां॰ ॥ [illegible] ॥ उसयलोकनीवाततेजाणो ॥ एहवुंकांमनथाइतूमगणो ॥
॥ ला॰ ॥ था॰ ॥ एहवुअसाधूअससवकिमछे ॥ कहोपरमारथनिपनेजिव
छे ॥ ला॰ ॥ नी॰ ॥ [illegible] ॥ आपिमांआंसूनेंकांयनबोल्यो ॥ पुरवपरिचितवी
नवीमोल्यो ॥ ला॰ ॥ चि॰ ॥ मुकउपरिछाकाटपआवी ॥ पणमुकतातनो
आदरलावी ॥ ला॰ ॥ आ॰ ॥ [illegible] ॥ मुकनवीकाईहिणांसाप्यु ॥ कदर्थनाम
करीवङराप्यु ॥ ला॰ ॥ क॰ ॥ वेत्रानिकालकरयोमुकराई ॥ नयरथीकाढ्यो

समरचंपेनकुदिठो ॥ सोलकलासपूर्ण ॥ चदअघलेनदिठो ॥ करहिणेंपागुले ॥ कठिनकोबाणनताण्यो ॥ जुवतीकठविलग्ग ॥ मुग्धरसलेदनजाण्यो ॥ कुणहीपुतकपुतरस ॥ गितनादचित्तनविधारयो ॥ कविगयकहेरेठ कुरो ॥ तोगुणवंताहिंगुणगरयो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुऊनेंउपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंश्मषेद ॥ कर्मपरिणतीनावकुसेद ॥ सशारअशारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्तनोपारनलहिशाजोमीत्ततेद्रोहीकहीश ॥ कुणदेषीचित्तगहगहिश ॥ एहनेत्यागेंसुखमांरहिश ॥ ८५ ॥ स० ॥ यत ॥ वरनराज्यनकुराजराज्य ॥ वरनमीत्रनकुमीत्रमीत्र ॥ वरनदानकुदारदारा ॥ वरनशीष्योनकुशीष्यशिष्य ॥ १ ॥ ढालपुर्वनी ॥ शणिअवशरमुनीवरआया ॥ अग्रीसूतीगणधरराया ॥ सजमजोगेंअतिहिसोहाया ॥ उद्यानमाहितेठाया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंबाहिरगयाथकादिठा ॥ मुऊमनमालागामीठा ॥ म्हाराहूरगयासवरिठा ॥ प्रणम्याधरीरागउकीठा ॥ ८७ ॥ स० ॥ धर्मलासदियोगुरूराय ॥ वेठोगुरूकेरेपाय ॥ पुछयोमेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूरखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कसोखतिप्रमुखमुनीधर्म ॥ शांसलीउपनोघणशर्म ॥ दिधा मुऊविवरतेकर्म ॥ तजिउमीथ्यामतसर्म ॥ ८९ ॥ स० ॥ थयोदेशविरतीपरिणाम ॥ वधतेसवेगउद्दाम ॥ वैराग्यतणोथयोधामा ॥ करेआतममाआरामा ॥ ९० ॥ स० ॥ विजेरबेंदशमीढाला ॥ साषीअतिहिसुरशाला ॥ कहेउत्तमविजयनोबाल ॥ सूणताहोयमगलमाला ॥ ९१ ॥ स० ॥ ॥ दुहा ॥ पुन्यउदयमुऊपाधरो ॥ कर्मतेगल्याकठोरा ॥ वियउल्लासघणोवध्यो ॥ चदज्यूंदेखीचकोर ॥ ९२ ॥ वधस्थितित्रुटीवऊ ॥ व्रतपरिणामविशेष ॥ सगवतनेसाप्यूतदा ॥ अनुग्रहकिधअशेस ॥ ९३ ॥ विरम्योचित्तसववासथी ॥ करोआणाकरूतेह ॥ श्रुतज्ञानीतेसासली ॥ एहवुबोल्याएह ॥ ९४ ॥ साधूपणतुम्हेंसग्रहो ॥ जोग्यजिवतूजाणि ॥ पुरवपुरसेंपमीवज्यु ॥ सजमसुखनीखाणि ॥ ९५ ॥ गुरूवयणांसुणीज्ञानथी ॥ चारित्रचोपेचित्त ॥ आदरिउअतिआदरे ॥ पाल्युतेहपवीत्त ॥ ९६ ॥ आराध्युआयुलगे ॥ कालमासेंकरीकाल ॥ देहतजीदेवलोकमा ॥ वाध्योपुन्यविशाल ॥ ९७ ॥ नवसागरनिर्झरथयो ॥

योअनरड ॥ कहेनृपनेंकाढोपरी ॥ जइदेवनीजहरड ॥ [illegible] ॥
म्हेपालड ॥ किमतुमदोसकहाय ॥ मूलशुद्धीकाढिअमे ॥ एसलमडअ[illegible]
॥ ६९ ॥ ढाल ॥ मनोहरमोकलोनेमोसालो ॥ एदेशि ॥ चक्रदेवकहेरा[illegible]
य ॥ एहथीअकार्यनथाय ॥ जइदेवमिअअम्हसाय ॥ तिणेंबुरीनकरा[illegible]
॥ ७० ॥ सजनइमजाणीइसलीरीती ॥ धूरठेहलगेंधरेप्रीती ॥ स० ॥ [illegible]
कणी ॥ नहोयेहोयतोथोडोकाल ॥ घणोरहेतोनीष्फलसाल ॥ इमसलमनो
घससाल ॥ दूरजननोनेहनिहाल ॥ ७१ ॥ स० ॥ रायकहेअमसाभ्युंनाथ ॥
सगवतितेअलिकनथाय ॥ कहियाततेसचलीराय ॥ जइदेवजेपुर्वेकहाय ॥
॥ ७२ ॥ स० ॥ मेंचितव्यूएहसीवात ॥ किमजइदेवमुकभ्रात ॥ करेएहपुंज
मविख्यात ॥ नविसत्तवएहवोघात ॥ ७३ ॥ स० ॥ एहवेरायपूछूवेंआंण्यो ॥ ज
इदेवबाधीनेंतांण्यो ॥ राइकुकमकस्योतिणेंठाणो ॥ जिसठेदनकरोसवजाणो
॥ ७४ ॥ स० ॥ बलिआंण्योदोयउपामो ॥ एहनाघरनोल्योकामो ॥ जष्टिमुष्टिप्रह
रेतेतामो ॥ एहनेंदेशथीवलीनीरधामो ॥ ७५ ॥ स० ॥ तवकृनृपपाइपमीजरायमी
उलगमांअमीजा ॥ एदोषतेमुकआफमीउ ॥ इमकृनृपस्यूघणकसीमीजा ॥ ७६ ॥ त
जइदेवनेंमुकोस्वामी ॥ बिजिवस्तुनोकुनहिकामी ॥ जइदेवेंजोआपदापामी
तोमुकमांआवस्येखांमी ॥ ७७ ॥ स० ॥ रायकहेनहिजुगतीवात ॥ एहउ
ष्टठेसातेघात ॥ एतोकरेबिद्यावासनोघात ॥ एहनेंराज्येस्युघात ॥ ७८ ॥ स०
कांयमांगतूबिजुआपु ॥ शिरदारकरीतूकथापू ॥ पणजइदेवनेंनापु ॥ बि
जाताहरांउ खकापु ॥ ७९ ॥ स० ॥ मेंकसुजोमुकवकुमांन ॥ थोएहनेजी
वीतदांन ॥ नृपकहेस्यूकरुइंणठांण ॥ एहनुखमीउसकुतोफान ॥ ८० ॥
॥ स० ॥ मेंकसुकीधोशुपशाय ॥ पमीउनरपतिनेंपाय ॥ जइदेवमुकाव्योसा
थ ॥ नरपतीआदरबकुदाय ॥ ८१ ॥ स० ॥ बकुअदिमुकबोलाव्यो ॥ सक
नचित्तमाघणकसाव्यो ॥ राहनोजलराहेआव्यो ॥ इंमलोकवचनेंसोहाव्यो ॥
॥ ८२ स० ॥ जइदेवजधन्यताजुआ ॥ एजिवतोजांणिइमुउ ॥ चक्रदेवकिणिपरि
कुउ ॥ गसीरज्यूउमोकुउ ॥ ८३ ॥ स० ॥ सबेउ ॥ बहिरेगीतमकुंलूक्यो ॥

समरचंपेनऊदिठो ॥ सोलकलासपूर्ण ॥ चदअधलेनदिठो ॥ करहिर्णेपागुले ॥ कठिनकोबाणनताण्यो ॥ जुवतीकठविलग्ग ॥ मुग्धरसत्तेदनजाण्यो ॥ कुणही पुतकपुतरस ॥ गितनादचित्तनविधारयो ॥ कविगयकहेरेठ कुरो ॥ तोगुणवंता हिंगुणगस्यो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुऊनेंउपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंश्मपे द ॥ कर्मपरिणतीनावऊत्तेद ॥ सशारअशारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्त नोपारनलहिशाजोमीत्ततेप्रोहीकहीश ॥ कुणदेषीचित्तगहगहिश ॥ एहनेत्यागेंसू खमांरहिशे ॥ ८५ ॥ स० ॥ यत ॥ वरनराज्यनकुराजराज्य ॥ वरनमीत्र नकुमीत्रमीत्र ॥ त्रंनदानंऊदारदारा ॥ वरनशीष्योनकुशीष्यशिष्य ॥ १ ॥ ढालपुर्वनी ॥ शणिअवशरमुनीवरआया ॥ अग्नीसूतीगणधरराया ॥ सजम जोगेंअतिहिसोहाया ॥ उद्यानमाहितेगाया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंबाहिरगया थकादिठा ॥ मुऊमनमालागामीठा ॥ म्हारादूरगयासबरिठा ॥ प्रणम्यांवरीरा गउकीठा ॥ ८७ ॥ स० ॥ धर्मलासविधोगुरूराय ॥ वेठोगुरूकेरेपाय ॥ पुछयो मेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कसोखतिप्रमुखमु नीधर्म ॥ शांसलीउपनोघणऊशर्म ॥ दिधां मुऊविवरतेकर्म ॥ तजिउमीथ्यामत सर्म ॥ ८९ ॥ स० ॥ थयोदेशविरतीपरिणाम ॥ वधतेसवेगउद्दाम ॥ वैराग्य तणोथयोधामा ॥ करेआतममाआरामा ॥ ९० ॥ स० ॥ विजेखंमेंदशमीढाला ॥ साषी अतिहिसुरशाला ॥ कहेउत्तमविजयनोवाल ॥ सूणतांहोयमगलमाला ॥ ९१ ॥ स० ॥ ॥ उहा ॥ पुन्यउदयमुऊपाधरो ॥ कर्मतेगल्यांकठोरा ॥ विर्यउल्लासघणोवध्यो ॥ चदज्यूंदेखीचकोर ॥ ९२ ॥ वधस्थितिचुटीवऊ ॥ व्रतपरिणामविशेष ॥ सग वतनेसाप्यूतदा ॥ अनुग्रहकिधअशेस ॥ ९३ ॥ विरम्योचित्तसववासथी ॥ करोआणाकरूतेह ॥ श्रुतज्ञानीतेसासली ॥ एहवुबोल्याएह ॥ ९४ ॥ साधूप णतुम्हेंसमहो ॥ जोग्यजिवतूजाणि ॥ पुरवपुरसेंपमीवज्यु ॥ सजमसुखनी खांणि ॥ ९५ ॥ गुरूवयणांसुणीज्ञानथी ॥ चारित्रचोपेचित्त ॥ आदरिउअ तिआदरे ॥ पाल्युतेहपवीत्त ॥ ९६ ॥ आराध्युआयुलगें ॥ कालमासेंकरीका ल ॥ देहतजीदेवलोकमा ॥ वाध्योपुन्यविशाल ॥ ९७ ॥ नवसागरनिर्झरथयो ॥

योअनरह ॥ कहेनृपनेंकाढोपरी ॥ जक्षदेवनीजहरा ॥ [illegible] ॥ [illegible]
म्हेपालहू ॥ किमतुमदोसकहाय ॥ मूलशुद्धीकाढिअने ॥ एसल्लन[illegible]
॥ ६ ॥ ढाल ॥ मनोहरमोकलोनेमोसाल्लो ॥ एदेशि ॥ चक्रदेवकहेसु[illegible]
य ॥ एहथीअकार्यनथाय ॥ जक्षदेवमिअअम्हसाय ॥ तिणेंबुरीनकरा[illegible]
॥ ७० ॥ सजनइमजांणीइसलीरीती ॥ घूरढेहलगेंधरेप्रीती ॥ स० ॥ [illegible]
कणी ॥ नहोयेहोयतोथोडोकाल ॥ घणोरहेतोनीष्फलसाल ॥ इमसल्लन[illegible]
घससाल ॥ दूरजननोनेहनिहाल ॥ ७१ ॥ स० ॥ रायकहेअमसाभ्युंभाव[illegible]
सगवतितेअलिकनथाय ॥ कहिवाततेसघलीराय ॥ जक्षदेवजेपुर्वेकहाव[illegible]
॥ ७२ ॥ स० ॥ मेंचिंतव्यूएहसीवात ॥ किमजक्षदेवमुझभ्रात ॥ करेएहपुं[illegible]
मविख्यात ॥ नविसलवएहवोथात ॥ ७३ ॥ स० ॥ एहवेरायपूछर्वेआण्यो ॥ [illegible]
क्षदेववांचीनेंतांण्यो ॥ राइकमकरयोतिणेंठाणो ॥ जिसढेदनकरोसवजाण्यो
॥ ७४ ॥ स० ॥ वलिआण्योदोयउपामो ॥ एहनाघरनोल्योकामो ॥ जाटिमुटिबहा
रेतेतामो ॥ एहनेंदेशथीवलीनीरधामो ॥ ७५ ॥ स० ॥ तवकृनृपपाइपमीउरायनी
उलगमांअमीउ ॥ एदोषतेमुझआफमीउ ॥ इमकृनृपस्यूघणुसीमीउ ॥ ७६ ॥ [illegible]
जक्षदेवनेंमुकोस्वामी ॥ बिजिवस्तुनोकृनहिकांमी ॥ जक्षदेवेंजोआपदापामी
तोमुझमांआवस्येखांमी ॥ ७७ ॥ स० ॥ रायकहेनहिजुगतीवात ॥ एहड
टठेसातेघात ॥ एतोकरेविश्वासनोघात ॥ एहनेंराख्येस्युघात ॥ ७८ ॥ स०
कांयमांगतूबिजुआपु ॥ शिरदारकरीतूकयापू ॥ पणजक्षदेवनेंनापुं ॥ बि
जाताहरांड खकापु ॥ ७९ ॥ स० ॥ मेंकहुजोमुझबकमांन ॥ थोएहनेजी
वीतदांन ॥ नृपकहेस्यूकरुइणठांण ॥ एहनुखमीउसकृतोफान ॥ ८० ॥
॥ स० ॥ मेंकहुकीधोशुपशाय ॥ पमीउनरपतिनेंपाय ॥ जक्षदेवमुकाव्योसा
य ॥ नरपतीआदरबकृदाय ॥ ८१ ॥ स० ॥ बकृशक्तिमुझबोलाव्यो ॥ सल्ल
नचित्तमाघणुसाव्यो ॥ राहनोजसराहेआव्यो ॥ इमलोकबचनेंसोहाव्यो ॥
॥ ८२ स० ॥ जक्षदेवजधन्यताजुत्र ॥ एजिवतोजांणिइंमुउ ॥ चक्रदेवकिलिपर्
कृउ ॥ गसीरज्यूउमोकूउ ॥ ८३ ॥ स० ॥ सर्वेउ ॥ बहिरेमीतनकृतूव्यो ॥

समरचंपेनङ्गदिगो ॥ सोलकलासपूर्ण ॥ चदअघलेनदिगो ॥ करहिर्णेपागुले ॥ कठिनकोवाणनताण्यो ॥ जुवतीकठविलग्ग ॥ मुग्धरससंदनजाण्यो ॥ कुणहीपुतकपुतरस ॥ गितनादचित्तनविधारयो ॥ कविगयकहेरेठ कुरो ॥ तोगुणवंताहिगुणगरयो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुकनेंउपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंइमषेद ॥ कर्मपरिणतीनावकुलेद ॥ सचारअचारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्तनोपारनलहिशाजोमीत्ततेडोहीकहीइ॥कुणदेषीचित्तगहगहिइ॥ एहनेत्यागेंसूखमांरहिइं ॥ ८५ ॥ स० ॥ यत ॥ वरनराज्यनकुराजराज्य ॥ वरनमीत्रनकुमीत्रमीत्र ॥ वरंनदानंकुदारदारा ॥ वरनशीष्योनकुशीष्यशिष्य ॥ १ ॥ ढालपुर्वनी ॥ शणिअवशरमुनीवरआया ॥ अग्रीसूतीगणधरराया ॥ सजमजोगेंअतिहिसोहाया ॥ उद्यानमाहितेगाया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंबाहिरगयाथकादिठा ॥ मुकमनमालागामीठा ॥ म्हारादूरगयासवरिठा ॥ प्रणम्याधरीरागउकीठा ॥ ८७ ॥ स० ॥ धर्मलासविधोगुरूराय ॥ वेठोगुरूकेरेपाय ॥ पुछयोमेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कसोखतिप्रमुखमुनीधर्म ॥ शांसलीउपनोघणशर्म ॥ दिधां मुकविवरतेकर्म ॥ तजिउमीथ्यामतसर्म ॥ ८९ ॥ स० ॥ थयोदेशविरतीपरिणाम ॥ वधतेसवेगउद्दाम ॥ वैराग्यतणोथयोधामा॥करेआतममांआरामा॥ ९० ॥ स० ॥विजेरखमेंदशमीढाला॥साषीअतिहिसुरशाला॥कहेउत्तमविजयनोवाल ॥सूणतांहोयमगलमाला॥९१॥स०॥ ॥ डहा ॥ पुन्यउदयमुकपाधरो ॥ कर्मतिगल्याकठोरा॥ विर्यउल्लासघणोवध्यो॥ चदज्यूंदेखीचकोर ॥ ९२ ॥ वधस्थितित्रुटीवकु ॥ व्रतपरिणामविशेष ॥ सगवतनेसाप्यूतदा ॥ अनुग्रहकिधअशेस ॥ ९३ ॥ विरम्योचित्तसववासथी ॥ करोआणाकरूतेह ॥ श्रुतज्ञानीतेसासली ॥ एहवुबोल्याएह ॥ ९४ ॥ साधूपणतुम्हेंसंग्रहो ॥ जोग्यजिवतूजाणि ॥ पुरवपुरसेंपमीवज्यु ॥ सजमसुखनीखांणि ॥ ९५ ॥ गुरूवयणांसुणीज्ञानथी ॥ चारित्रचोषेचित्त ॥ आदरिउअतिआदरे ॥ पाल्युतेहपवीत्त ॥ ९६ ॥ आराध्युआयुलगे ॥ कालमासेंकरीकाल ॥ देहतजीदेवलोकमा॥वाध्योपुन्यविशाल ॥ ९७ ॥ नवसागरनिर्झरथयो॥

पंचमकल्पतेपाम ॥ विजोबीजीनरगमा ॥ जइदेवगयोजांम ॥६८॥ तामन
रगपालेतिहां ॥ दिधूमहातसदूरक ॥ चक्रदेवलहेचतूरनर ॥ सुरसवमांमहाहु
रक ॥ ६९॥ ढाल ॥ जीहोजाण्यूअवधीप्रजुजीनें ॥ एदेशी ॥ जिहोएहजंम
हाविदेहमां ॥ लालाविजयगधीलाबईसार ॥ जिहोरयणपूरेंएकसेठीउ ॥ ला
लानामतेहनुरयणसार ॥ ७० ॥ सविकजन ॥ मकरोमायाशिगार ॥ जिहो
जासवीपाकअपार ॥ सवि० ॥ एआंकणी॥ जिहोश्रीमतितेहनीसारया॥ला
लाउदरेउपनोछतास ॥ जिहोदेवलोकमांथीचवी ॥ लालामानवसवलसोभ्रता॥
॥७१॥ सवि० ॥ जिहोजइदेवहवेनरगथी ॥ लालाथयोआहेमीरेस्वांन ॥ जि
होपापकरीतीहांहीजगयो ॥ लालाथणिसागरआयुमान ॥७२॥ सवि० ॥ जी
होतिहांथीनिकलीनेंबली ॥ लालासमीउतिरीगतीमांहि ॥ जिहोअनुक्रमेंरतन
पुरेंहवे ॥ लालाकछजिहांउपजेत्यांहि ॥७३॥ स० ॥ जिहोतातनीघरदाशी
जीका ॥ लालानर्मदातसअसीधांन ॥ जिहोतेहनापुत्रपणेंथयो ॥ लालाकर्म
नीगतीअसमांन ॥७४॥स० ॥ जिहोजनमलहाअमेअवधरें॥ लालानामठव्यां
अमतात ॥ जिहोचद्रसारमाहरूवली॥ लालाअणहगएहनुविख्याता॥७५स०॥
जिहोजोवनपाम्याअमुक्रमे ॥ लालापरणाव्योवलीताय ॥ जिहोविषयआश
क्तअम्हेरछ ॥ लालाकालगयोनजणाय ॥७६॥ स० ॥ जिहोपूरवसवअभ्या
सथी ॥ लालामुछउपरिपरिणांम ॥ जिहोवचनानोनगयोकिमे ॥ लालाएहमो
नीघमीकाम ॥ ७७ ॥ स० ॥ जिहोइणिअवधरितीहांआवीआ ॥ लालाविज
यवर्धनसूरीराय ॥ जिहोमाशकल्पविहारीगुरू ॥ लालाप्रणम्यामेंतसपाय ॥
॥७८॥ स० ॥ जिहोश्रावकधर्मअगीकरयो॥ लालाएकदिनछगयोगामा॥जिहो
अमचोरायगयोवली ॥ लालामुलकगिरीनेंकांम ॥ ७९ ॥ स० ॥ जि[illegible]
वधरतिहांआवीउ ॥ लालासवरसेनापतीनाम ॥ जिहोविध्यकेतुआवीकरी
॥ लालाहतविहतकरयुगांम ॥८०॥ स० ॥ जिहोकेईकलोकनेंलेईगयो ॥
लालाअमेसासल्युतेणिवार॥जि[illegible]लोयुनयरमां ॥ लालादितुमशाणआ
गार ॥ ८१ ॥ स० ॥ जीहोप ।

ी ॥ जिहोचद्रकातामुकअपहरी ॥ लालाउपनुउ खअपार ॥१२॥ स० ॥ जिहोचिताथईमुकचित्तमां ॥ लालाअहोनवीदिउवियोग ॥ जिहोकिमजिवी तधरतिहस्ये ॥ लालानपत्विनीअबलालोग ॥१३॥ स० ॥ जिहोदेवशर्मा विप्रइणिसमें ॥ लालागरढेसाथ्युंइम ॥ जिहोकल्पनामकरिएवातमां ॥ लाला सांसविकहुतुकप्रेम ॥ १४ ॥ स० ॥ जिहोपुर्वेश्रीथलनगरनें ॥ लालाइणीप ेसवरेरेकीध ॥ जिहोशीलअखमीत्तआपीउ ॥ लालापुनरपीलोकभशीद ॥ ॥१५॥ स० ॥ जिहोद्रव्यलेई२आपीआ ॥ लालासद्रमाणसतिणेंतांम ॥जि होसांसलीकेईकदिनरस्ते ॥ लालापोहत्तसवरनिजगाम ॥१६॥ स० ॥ जि होअणहगसाथेंलेइनें ॥ लालाद्रव्यलीउसारसार ॥ जिहोस्निग्धस्निग्धसातुध ण ॥ लालापंथेकरकाआहार ॥ १७ ॥स० ॥ जीहोचद्रकांतामुकाववा ॥ लालाचाल्योघरीअतिराग ॥जिहोइणअवशरिमुकनारिते ॥ लालानासणनो घरेलाग ॥१८॥ स० ॥ जिहोमनीचतेमुकशीलनी ॥ लालाकरस्येखमणाए ह ॥ जिहोमुकविजोगकायरघणी ॥ लालाइखतणीमानुरेह ॥१९॥ स० ॥ जिहोसाथतेशवरपल्लितणो ॥ लालाशून्यगामनेंआशन्न ॥ जिहोपासेंजिरण कूपनें ॥ लालाउतरीउचासन्न ॥२०॥ स० ॥ जिहोपाउजोरातिपरोमोइ ॥ लालामकोदिधप्रयांण ॥ जिहोकामव्यपसद्रचालवा ॥ लालाउठ्यासघलां गांण ॥२१॥ स० ॥ जिहोजिवितआशानवीधरी ॥ लालापमीतेजीरणकूप ॥ जिहोजलमेंपमीतिणेंउगरी ॥ लालादिठोतिहांप्रतिकूप ॥२२॥ स० ॥ जिहो बेठितेप्रतिकूपमा ॥ लालाकष्टेंधरतिप्राण ॥ जिहोइणअवशरेंआव्याहम्हें ॥ लालाचालतातिणहिजठाण ॥ २३ ॥ स० ॥ जिहोअणहगपूर्वअत्यासथी ॥ लालाद्रव्यदेषीपरिणांम ॥ जिहोमुकउपरिकरेवचवा ॥ लालाकरेविकल्पबद्ध ताम ॥२४॥ स० ॥ जिहोसातूद्रव्यपरस्परें ॥ लालाउलटपालटलेय ॥ जि होतेदिनसातूमुकरें ॥ लालाद्रव्यएहनेंकरदेय ॥२५॥ स० ॥ जिहोतेथा निकआव्याजिस्ये ॥लालाअर्कअस्तगतथाय ॥ जिहोसाकपमीतवांचितवें ॥ लालाअणहगघरीमनमाय ॥२६॥स० ॥ जिहोद्रव्यछेमाहाराहाथमा ॥

लालावलीएहेएकात ॥ जिहोपातालपरिउमोवली ॥ लालाकूपकएनी[illegible]
॥ २०॥ स० ॥ जिहोढांकेश्रवीअपराधनें ॥ लालाएहवोठेअधकार ॥ [illegible]
होनाषुकुआमाएहने ॥ लालावलूपाठोइणवार ॥-२[illegible]॥ स० ॥ जिहोश्रवणि[illegible]
तीअणहगकहे ॥ लालातरस्योवुतिर्णेसालि ॥ जिहोकूपमांजलठेकेनही॥[illegible]
लातवम्हेजोयुनिहालि ॥-२२ ॥ स० ॥ जिहोनांष्योहमसेलीमुनें ॥ [illegible]
मीउउदकमझारि ॥ जिहोनीकलीप्रतिकूपेंगयो ॥ लालातवफरसीम्हेनारी[illegible]
॥-२३॥ स० जिहोसयकायरसीसावथी ॥ लालाथइसयभांततेजोर॥ जिहो[illegible]
नमोअरीहताणकहे ॥ लालासब्दउलष्योतिर्णेठोर ॥-२४ ॥ स० ॥ जिहोस[illegible]
ष्योहृदयेंचण ॥ लालामुखथीम्हेंकहिवाणि॥जिहोजिनशासनमांरक्तमें[illegible]
लालाअसय२इणठाण ॥-२५ ॥ स० ॥ जिहोसब्दथिउलष्योमुकमें ॥ [illegible]
लारोवालागीतांम ॥ जिहोतवआसासनामेंकरी ॥ लालास्येउखधरेहवेआंब
॥ २३ ॥ स० ॥ जिहोबिजेखमेंइणीपरें ॥ लालाएअग्यारमीढाल ॥ जिहोब
अविजयकहेधर्मथी ॥ लालाउखथाइविशराला॥३०॥स० ॥[illegible]॥ पुण्युमेंवे
मेकरी ॥ किमतुकुपमझारि॥ तिमहिजपुण्यूतेणीइ ॥ वातअन्योन्यविचार
॥ ३१ ॥ नारिकहेनरतूकस्यु ॥ अणहगेंएहअकाज ॥ म्हेंकसुएहवुमतक
हो॥एउपगारीआज ॥-३६॥ तुझसजोगकस्योतिर्णे ॥ किमकहोषोटूकाम ॥
अलपनिद्राइइणिपरि ॥ रातिगईआराम ॥-३७॥- एहवेसुरजउगीउ ॥ बाबा
आप्युखाति ॥ नारिपणिमुकनेहथी ॥ सषिउनहिकोईसांति ॥ ३८ ॥ तवम्हें
पणिआपहेंतदा ॥ आरोग्योवरआहार ॥ तिर्णेपिणवावरिउंतदा ॥ धरतांधर्म
वीचार ॥-३९॥ ढाल ॥ देशीविढीआनी ॥ एकुदिनएकपरदेशीउ ॥एदेशी
हवेम्हेंमनमाहिचिंतव्यु ॥ अहोकिमथास्येउधारे ॥ सवशायरनीपरिकूपथी
॥ नविसूझेकोईविचारे ॥४०॥ सविपुण्यतणांफलपेषज्यो ॥ एआंकणी ॥
इमचिंतवतांकेईदिनगया ॥ पाथेयथयुहवेषीणरे ॥ तवतुटिआशाजिविघात
णी ॥ आहारविनांहोयदिणरे ॥-४१ ॥ सवी० ॥-यत॥ खस्यफस्यचकाव्ये
न ॥ काव्यगीतेनहियते ॥ गीतस्त्रीविलासेन ॥ स्त्रिविलासोवुसूक्ष्या ॥-४२॥

॥ ढालपूर्वली ॥ तवमनमांचित्ताउपनी ॥ अहोजीनमतपामीगुरुरे॥ नविजी नवरदिक्षाआदरी ॥ इमहीजमरस्यूअविशुरुरे ॥४२॥ स० ॥ दाहिणमुरु लोयणफूरकिउ ॥ वामानुफुरक्युवामरे ॥ मुरुव्यतिकरसाप्योनारीइ ॥ मेंप णिसाप्योतसतामरे ॥४३॥ स० ॥ मेंचितव्युइणिपरेंचित्तमा ॥ तवशकुन थयाइणिरीतीरे ॥ तिणेंजांणफसूदरीसांसलो॥ नविआपदनीचिरथीतीरे॥४४॥ स० ॥ तिणेंचिंताकरज्योमततूम्हें ॥ तवतहतकरयुमुरुवयणरे ॥ अहोरात्रव स्यांअम्हेतिहांकणें ॥ तवआप्योकोइकसयणरे ॥४५॥ स० ॥ आप्योस बरराजधानीथकी ॥ नदिवर्धनसद्धवाहरे ॥ वाशीतेरयणपुरीतणो ॥ जाइनि जपुरसाथआथाहरे ॥४६॥ स० ॥ तेहनातीहांपुरुषतेआविआ ॥ जललेवा मुक्यादोररे ॥ तवदोरफालीम्हेंजणावीउ ॥ किधोवलीकांयकसोररे ॥ ४७ ॥ स० ॥ तेपणिजईकहेशारथपती ॥ तेपणिआवीततकालरे ॥ मचिकामुकीअ म्हकाढीआं ॥ उलषीपुढेतिणेंतालरे ॥ ४८॥ स० ॥ कहोमुलदत्तांतमेंमाह रो ॥ घूरथीसविकरीविस्ताररे ॥ सांसलीविस्मयवरुपांमीउ ॥ अहोचाल्यांता सआधाररे ॥४९॥ स० ॥ गयांपाचप्रयाणाजेतले ॥ साथआगलिचाल्यो जाइरे ॥ राजमारगथीकांयवेगला ॥ दिठाककालतेगायरे ॥५०॥स० ॥ वा मपासेंदव्यनीगांठमी ॥ केसरीइहणीउतासरे॥ एहवोअणहगदिठोतिहां ॥५ ध्येंउलष्योतातनोदासरे ॥ ५१॥ स० ॥ तसदेखीविपाकनेंउपनो ॥ मुरुमन मांअतिहिविवेकरे ॥ थयोचारीत्रमोहनीनोतथा ॥ क्षयउपसममुरुअतिरेक रे ॥५२ ॥ स० ॥ जीवलोकमाजेंदुर्लसकसो ॥ उपनोमुरुचारीत्रसावरे ॥ वधतेपरीणांमेंआवीउ ॥ पेमेंनीजनगरेंतावरे ॥५३॥ स० ॥ तिहांविजयव र्धनसूरिआविआ ॥ दिक्षातसपासेलीधरे ॥ विधीपुर्वकपाल्युशुरुमनें ॥ आ युपुरणअनुक्रमेंकिधरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ महाशुक्रकल्पमाउपनो ॥ सागरो पमसोलनेंआयरे ॥ महर्धिकवैमानीकथयो ॥ गयोकालजिहांनजणायरे ॥ ॥ ५५ ॥ स० ॥ ईमविजेरखमेवारमी ॥ ढालसापीअतिहेंरशालरे ॥ कहेपद्म वीजयपुण्येंकरी ॥ होइघरि२मगलमालरे ॥ ५६॥ स० ॥ दुहा ॥ अणहग

लालावलीएठेएकात ॥ जिहोपातालपरिउफोवली ॥ लालाकूपकएनीपांछ॥
॥ २७॥ स० ॥ जिहोढाकेवावीअपराधनें ॥ लालाएहवोठेअधकार ॥ जि
होनापुकुआमाएहने ॥ लालावलूपाठोइणवार ॥२८॥ स० ॥ जिहोइमाँ
तीअणहगकहे ॥ लालातरस्योबुतिर्णेसालि ॥ जिहोकूपमांजलठेकेनही॥ ला
लातवम्हेजोयुनिहालि ॥२९॥ स० ॥ जिहोनाप्योहमसेलीमुनें ॥ लाला
मीउउदकमझारि ॥ जिहोनीकलीप्रतिकूपेंगयो ॥ लालातवफरसीम्हेनारी॥
॥३०॥ स० जिहोसयकायरलीसावथी ॥ लालाथइसयभांततेजोर॥ जिहो
नमोअरीहताणकहे ॥ लालासब्दउलप्योतिर्णेठोर ॥३१॥ स० ॥ जिहोहृ
प्योकहृदयेंघणु ॥ लालामुखथीम्हेंकहिवाणि॥जिहोजिनशासनमांरक्तमें॥
लालाअसय२इणठाण ॥३२॥ स० ॥ जिहोसब्दथिउलप्योमुझनें ॥ ला
लारोवालागीताम ॥ जिहोतबआसासनामेंकरी ॥ लालास्येइखथरेहवेआंब
॥३३॥ स० ॥ जिहोबिजेखमेंइणीपरें ॥ लालाएअग्यारमीढाल ॥ जिहोब
म्हविजयकहेधर्मथी ॥ लालाइखथाइविचाराला॥३४॥स० ॥दूहा॥पुत्र्युमेंने
मेकरी ॥ किमतुकुपमझारि॥ तिमहिजपुत्र्यूतेणीइ ॥वातअम्योम्यविचार
॥३५॥ नारिकहेनरतूकस्यु ॥ अणहगेंएहअकाज ॥ म्हेंकसुएहबुमतक
हो॥एउपगारीआज ॥३६॥ तुझसजोगकस्योतिर्णे ॥ किमकहोवोटूकांम ॥
अलपनिद्राइंइणिपरि ॥ रातिगईआराम ॥३७॥ एहवेसूरजउगीउ ॥ वाला
आप्युखाति ॥ नारिपणिमुझनेहथी ॥ सविउंनहिकोईसांति ॥ ३८ ॥ तबम्हें
पणिआपहुंतदा ॥ आरोग्योवरआहार ॥ तिर्णेपिणवावरिउंतदा ॥ धरतांधर्म
वीचार॥३९॥दूहा ॥ देशीविठीआनी ॥ एकदिनएकपरदेशीउ ॥एदेशी
हवेम्हेंमनमाहिचिंतव्यु ॥ अहोकिमथास्येउंधारे ॥ सवशायरनीपरिकूपथी
॥ नविसूझेकोईविचारे ॥४०॥ सविपुण्यतणांफलपेषज्यों ॥ एआंकणी ॥
इमचिंतवतांकेईदिनगया॥ पाथेयथयुहवेषीणरे ॥ तबतुटिआशाजिविवात
णी॥ आहारविनांहोयविणरे ॥४१॥ सवी० ॥ स्वस्यफस्यचकाव्ये
न ॥ काव्यगीतेनहियते ॥ गीतस्त्रीविलासेन ॥ स्त्रीविलासोबुसूकया ॥

कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ सोजनकरयुतैयारतिर्णेसर्मे ॥ एकलाभुमारेफेर ॥
० ॥ विजोलाभुसूरुलेईहवे ॥ चित्तमाआवेनमहेर ॥ कू० ॥७३॥पा० ॥
चित्तविकल्पकरेघणा ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू ॥ विषलाभुलीधोपोते
॥ मुफआप्योजेहपास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ 'यत ॥ लघनै पचर्ते
ा. ॥ फलकालेनपच्यते ॥ कुर्मिन्नै पच्यतेराजा ॥ पापिपापेनपच्यते ॥ १ ॥
काल ॥ लाभुपाधोनेफेरतेपरणम्यु ॥ उपनोमुफमनषेद ॥ कू० ॥ एस्युवा
बनीकिमनीपनु ॥ नविजाणतससेद ॥ ७५ ॥ कू ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि
चत्रताकारणे॥विषपणिउपआत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलसोमुफचिंताउपनी ॥ मि
त्रनोकिर्णेकस्योआत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईषबरपमीएहवातनी॥
आव्योनीजपूरताम ॥ कू० ॥ ससलाव्युतसमाणसनेंसवे ॥ आप्योअधीक
तसदाम ॥ कू० ॥७७॥ पा० ॥ सेषरसुंतेपुण्यमांवावस्यु ॥ मुफतेदिनथी
वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसगनकिधोतेपढी ॥ नितनवलोकरूत्याग ॥ कू० ॥
॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवशेनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिक्षातेहनेंरेपास ॥ कू० ॥
आदरीविधीपुर्वकपालीसली ॥ अणसणकिधूरेषास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥
प्राणतकल्पेंउपनोफुतिहां ॥ उगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेधनदेव
मरीकरी ॥ उपनोनारकगाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पकप्रसाइसागर
नवतफ ॥ आउषूअतिडुखदाय ॥ कू० ॥ एर्णेअवसरेंजबूद्वीपमा ॥ ऐ
रवतषेत्रसूगाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हथीणाउरनयरेंअतिशोसतो ॥
॥ सेठहरीनदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूषिमा ॥ उपनोसूतगु
णधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवनरगमाहिथीनीकली ॥ तेथ
योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिस्याकरीकेईजीवसतापीआ ॥ थयोदावानलदा
ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेंपकप्रसाइफरीगयो ॥ दशसागरकांयउप
॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीसबबफुसम्यो ॥ डुखनलहेकर्मेकूण ॥ कू॥ ०
॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणापुरमाहिषत्रो ॥ श्रुनागवमसेठ॥ कू० ॥ सार्या
नदिमतितसकूषिमां॥पुत्रपणेंफुउनेठ ॥ कू० ८५ ॥ पा० समश्जनम्याविफु

।इणिअवशारि ॥ कूमरणेंकरीकाल ॥ त्रिजीनरगेतूरतते ॥ उपनोइकअस
ल ॥ ५७ ॥ आउपुसातअयरतणुं ॥ दत्रवेदनदिइजोर ॥ पमुगअन्योन्य,
षेत्रतिम ॥ कर्मसोगवेकठोर ॥ ५८ ॥ जबुद्वीपजबुतरू ॥ शोसीतसारहवा
र ॥ रथविरपुरअतिराजतू ॥ ॥ सूरपुरीपरेसुखवास ॥ ५९ ॥ नदिवर्द्धननाम
री ॥ गाथापतिनेंगेह ॥ सूरसुदरीसोहामणी ॥ दिपेअद्भुतदेह ॥ ६० ॥ पुन्य
पणेंकुप्रगटिउ ॥ अणहगनोअवतार ॥ नरगमांहिथीनिकली ॥ पाम्योपापप्र
कार ॥ ६१ ॥ विध्यगिरीपर्वतवनें ॥ सत्वतणोसहार ॥ करतोसिहपराकमी ॥
उपनोतिरीअवतार ॥ ६२ ॥ वालूप्रसाइगयोवली ॥ सागरआयुसात ॥ तिहां
थीवकुसवतिरीतणां ॥ सहिउदुखसघात ॥ ६३ ॥ तेहजनयरमांतिणेंसर्वे ॥
सोमनांमसउवाह ॥ नदिमतिनारीनवल ॥उपनोकुपिउत्साह ॥ ६४ ॥ काल ॥
देशीरसीआनी ॥ घरनजिनेंसरगाउरगस्यू ॥ एदेशी ॥ अनुंकर्मेजनमथया
अम्हविडुतणा ॥ पाप्यानामउवार ॥ कुअरजी ॥ माहरुंअनगदेवसोहामणुं ॥
धनदेवएहनुरेशार ॥ ६५ ॥ कु० ॥ पापस्थानकआउमूंतूम्हेपरीहरो ॥ एआं
कणी ॥ बालथकीअमप्रीतीथईघणी ॥ पणिमाहरेसदसाव ॥ कू० ॥ एहतो
कपटथकीचालेघणो ॥ कुमरसावलसातिव ॥ कु० ॥ ६६ ॥ पा० ॥ देवशे
नगुरुपासेंपांमीउ ॥ वितरागनोरेधर्म ॥ कु० ॥ वलियौवनपाम्योकुजाण
तो ॥ करुंव्यवहारनाकर्म ॥ कू० ॥ ६७ ॥ पा० ॥ बापदादानुधनघरमांच
णु ॥ पणिअसीमांनअत्यत ॥ कु० ॥ पुर्वपुरुषअर्जितनहीकांमनु ॥ अरजुं
निजकरतत ॥ कु० ॥ ६८ ॥ पा० द्रव्यकमावणरयणद्वीपेंगयाअरज्यांरय
णअनेक ॥ कू० ॥ अनुक्रमेनीजदेशेंजावासणी ॥ विडुजणेंचितव्युछेक ॥
॥ कु० ॥ ६९ ॥ पा० ॥ पुरवस्तकर्मेंकरीचितवें ॥ धनदेवपथेरेइम ॥ कु०
ठगीश्कोईउपाइएहनोंतोद्रव्यआवेएनेमा ॥ कु० ॥ ७० ॥ पा० ॥ केईकविकलपमि
थ्याकलपीआ ॥ पणिकोईनाथ्योरेदाया ॥ कु० ॥ मारयाविणनवीएहठगीसकुं ॥ इम
सिद्धांतकराय ॥ कु० ॥ ७१ ॥ पा० ॥ चितवेसोजनमांविपआपीइ ॥ आ
व्याशक्तीमतीगाम ॥ कू० ॥ चौटेधनदेवगयोकपटेकरी ॥ अवशरेंसोजनका

म ॥ कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ सोजनकरयुतैयारतिर्णेसर्मे ॥ एकलाभुमारेऊेर ॥ ॥ कु० ॥ विजोलाभुसूरूलेईहवे ॥ चित्तमांआवेनमहेर ॥ कू० ॥७३॥पा० ॥ पथेचित्तविकल्पकरेघणा ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू ॥ विषलाभुलीधोपोते तदा ॥ मुऊआप्योजेहपास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ यत ॥ लघनै पचतें रोगा ॥ फलकालेनपच्यते ॥ कुर्मित्रै पच्यतेराजा ॥ पापिपापेनपच्यते ॥ १ ॥ ॥ ढाल ॥ लाभुषाधोनेऊेरतेपरणम्यु ॥ उपनोमुऊमनषेद ॥ कू० ॥ एस्युवा तबनीकिमनीपनु ॥ नविजाणतससेद ॥ ७५ ॥ कू ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि चित्रताकारणेविषपणिउपअत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलसोमुऊचिंताउपनी ॥ मि त्रनोकिर्णेकरयोअत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईषबरपमीएहवातनी॥ आप्योनीजपुरताम ॥ कू० ॥ सत्तलाभ्युतसमाणसनेंसवे ॥ आप्योअधीक तसदाम ॥ कू० ॥ ७७ ॥ पा० ॥ सेषरसुतेपुण्यमावावस्तु ॥ मुऊतेदिनथी वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसगनकिधोतेपछी ॥ नितनवलोकरूत्याग ॥ कू० ॥ ॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवशेनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिक्षातेहनेंरेपास ॥ कू० ॥ आदरीविधीपुर्वकपालीसली ॥ अणसणकिधूरेपास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥ प्राणतकल्पेंउपनोऊतिहां ॥ उंगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेधनदेव मरीकरी ॥ उपनोनारकगाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पकप्रसाश्सागर नवतणु ॥ आउषूअतिडुखदाय ॥ कू० ॥ एर्णेअवसरेंजबूद्वीपमां ॥ ऐ रवतषेत्रसूगाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हथीणाउरनयरेंअतिशोसतो ॥ ॥ सेठहरीनदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूषिमा ॥ उपनोसूतगु णधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवेंनरगमाहिथीनीकली ॥ तेथ योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिस्याकरीकेईजीवसतापीआ ॥ थयोदावानलदा ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेंपकप्रसाश्फरीगयो ॥ दशसागरकायउण ॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीसवषऊसम्यो ॥ डुखनलहेकर्मेंकूण ॥ कू ॥ ० ॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणापुरमाहिषत्रे ॥ श्रेनागवमसेठ ॥ कू० ॥ सार्था नदिमतितसकूपिमां ॥ पुत्रपणेंऊउमेठ ॥ कू० ८५ ॥ पा० समश्जनम्याविऊ

नीजनीजघरे ॥ थाप्यांनामविशेष ॥ कू० ॥ विरदेवबरथाप्युंमाहरू ॥ द्रोण
कईतरनुंदेष ॥ कू० ॥ ८६॥पा० ॥ पाम्याकुमरपणकहवेअनुंक्रमें ॥विजेपमे
रेढाल ॥कू०॥ तेरमीपद्मविजयेंसोहामणी॥सुणतांमगलमाला॥कू० [illegible]॥
॥उहा॥सूप्याअमनेंसीषवा॥ परगढपमीतपासा॥प्रितिषईपूरवपरी॥अम्हेंविडंक
स्योअस्यास ॥ ८८॥ मानसंगगुरुमुझमह्या॥ तेहनीपासेंतांमा॥जिनवरजी
इजेकसो ॥ धर्मलहोगुणधाम ॥ ८९ ॥ द्रव्यथकीद्रोणकथयो ॥ मुझबंधवा
नीभित्त ॥ धर्मरागझुघारीनें ॥ तिहाथीअधिकीप्रीति ॥ ९० ॥ थिरतरप्रीतीध
णीथई ॥ दियोएहनेंद्रव्य ॥ निथव्यापारकरस्योनही ॥ साप्युंइणिपरेंसव्य ॥
॥ ९१ ॥ सईआरेसूप्यूसवे ॥ करेव्यापारकलंठ ॥ अरज्योद्रव्यउतावलो ॥
गरथघणोकरेगठि ॥ ७२ ॥ [illegible] ॥ जीरेमारेजाम्योकूअरजांम ॥ [illegible]
जिरेमारेपाम्योद्रव्यविशेषा॥तवचितेचितइणिपरें॥जिरेजी॥ जिरेमारेपुरवकृत
जेकर्म ॥ तासअस्यासमनेंधरो॥जी ॥ ९३॥ जीरे ॥ सागलेस्येविरदेव ॥ बेह
चिएद्रव्यनेंमाहरोजीरेजी॥ जिरे ॥ मेंमुरखथीनकहाया॥ नविआपुसागताहरो
जिरेजी ॥ ९४॥ जीरे ॥ वचुकोयेउपाय ॥ जिमनवीजाणेंएमनेंजीरेजी ॥
जीरे ॥ माहराव्यापारनीवात ॥ म्हेंनवीसाषीकोईकनेंजीरेजी ॥ ९५॥ जीरे ॥
उलवुसघलोलास ॥ अथवाकोईमांनेंनहीजीरेजी ॥ जीरे ॥ तेकारणकरूघा
त ॥ बिजोउपायइहांनहीजीरेजी ॥ ९६॥ जीरे ॥ पढेंकहिसझजेह ॥ तेश
वीवातवरेपमेजीरेजी ॥ जीरे॥इमघारीनेंउपाया॥ करवामांमथोमनघमेंजीरेजी
॥ ९७ ॥ जीरे ॥ मोहटोएकप्राशाद ॥ उपरिसागकरेईस्योजीरेजी ॥ जीरे ॥
रमणीकअतिसुविशाल ॥ देपवानेंजोवाजीस्योजिरेजी ॥ ९८॥ जीरे ॥ कि
लकअनीयमीत ॥ निर्जुथकसविरवलसलेंजिरेजी ॥ जीरे ॥ जोवातेमुघेर ॥
घढस्येजोवाहलफलेजिरेजी ॥ जीरे ॥ पमस्येएप्राशाद ॥ तवएजम
नृपघरिजस्येजीरेजी ॥ [illegible] प्राद ॥ कारयपणिसघलू
अमीआविझसार्थेवली
॥ जिरेजी ॥
॥ जीरे ॥ ते

॥४७ १॥ जीरे ॥ देषाम्हवालपउप ॥ करतांमतीतेहनीचलीजिरेजी ॥ जीरे ॥ चढीउआगेंआप ॥ अजिअनङ्गचढिउवलीजिरेजी ॥ २ ॥ जीरे ॥ निर्जुथक आरोह ॥ किघोतवर्शणिपरेंथयुजिरेजी ॥ जीरे ॥ हाहारवथयोताम ॥ सघलू तेहपमीगयुजिरेजी ॥ ३ ॥ जीरे ॥ उसरीउङ्कतङ्ग ॥ जोउतोद्रोणकमरीगयो जिरेजी ॥ जीरे ॥ उपनोमुऊनिरवेद ॥ धिगूमुऊसवअहीलेंगयोजिरेजी ॥ ॥४॥ जीरे ॥ धिगूसञ्चारअञ्चार ॥ मरवुसङ्गनेंशणिपरेजीरेजी ॥ जीरे ॥ मृतका रयकस्यांतास ॥ पणिचित्तमुऊनरमेघरेजीरेजी ॥ ५ ॥ जीरे ॥ मानसगगुरू पास ॥ श्रमणपणऊमेंआदस्युजीरेजी ॥ जीरे ॥ पालीचारीत्रसुरू ॥ अणसण वलीअगीकस्युजीरेजी ॥ ६ ॥ जीरे ॥ हेठिमउवरीमनाम ॥ मैवेयकत्रीजेग योजिरेजी ॥ जीरे ॥ पणविसञ्चागरआय ॥ कायकउणमाहरोथयोजिरेजी ॥ ७ ॥ जीरे ॥ द्रोणकहवेकरीकाल ॥ रौद्रध्यानेंमरीउपनोजिरेजी ॥ जीरे ॥ बारसागरनेंआय ॥ घूमप्रसाइनीपनोजीरेजी ॥ ८ ॥ जीरे ॥ एहजजबुद्विप ॥ एहजविजयेंपुरसलूजिरेजी ॥ जीरे ॥ सूदरचपावास ॥ सूरपुरसमचित्तअ टकलूजिरेजी ॥९॥ जिरे ॥ माणिसद्रतिहांसेठ ॥ हारिणीस्तार्यागुणवतीजिरेजी ॥ जीरे ॥ सूरसवथीचवितास ॥ कूखेंउपनोशुसमतिजिरेजी ॥ १० ॥ जीरे ॥ उचितसमश्चयोजन्म ॥ नामपुरणसद्रथापीउजिरेजी ॥ जीरे ॥ घोषउचरता आदि ॥ अमरएहवुउल्लापीउजिरेजी ॥ ११ ॥ जिरे ॥ अमरगुमथयुनाम ॥ विजूअतिसोहामणूजिरेजी ॥ जीरे ॥ श्रावकघरपरसाव ॥ वालथीजैनधर मीघणूजिरेजी ॥ १२ ॥ जीरे ॥ विजेषमेढाल ॥ चौदमीसाषीसोहामणीजि रेजी ॥ जीरे ॥ पद्मविजयकहेएम ॥ सासलोवातद्रोणकतणीजिरेजी ॥ १३ ॥ ॥ दुहा ॥ नारकसवथीनीकली ॥ ढेहलेञ्चायरमत्स ॥ पापकरीपोढुतिहा ॥ बिजिवारविसत्स ॥ १४ ॥ पाचमीनरगेंपापथी ॥ अयरबारनुआय ॥ तिहाथी नीकलीतीरीतणा ॥ सववऊलगेसमाय ॥ १५ ॥ एहजनयरमांशणेंसमें ॥ न दावर्त्तशणिनाम ॥ सेठघणूसोहामणो ॥ रीद्धीतणोविसरांम ॥ १६ ॥ श्रीनदा सोहामणी ॥ नारीरूपनीधांन ॥ कुषितेहनीकुआरी ॥ उपनीअप्सरवान ॥

॥ १७ ॥ जनमथयोतसजेतले॥ नदाथाप्युनाम॥ आवियौवनअनुकर्मे ।ऊ
पीमुऊतेआम ॥ १८ ॥ पांणिग्रहणेंपरणीआ ॥ शामाउपरिस्नेह ॥ मुऊनेंउ
पत्तोमुलथी ॥ आणरागअछेह ॥ १९ ॥ ढाल ॥ [illegible]
छी ॥ पचविषयसूखसोगवु ॥ तेहसार्थेहोगयोकेईकालके ॥ पुरबकर्मदोषें
करी ॥ नारीगुर्थेहोमनआलजजालके ॥ २० ॥ कर्मतणीगतिसासलो॥ एआ
कणी ॥ घरसारसूप्युसवीएहनें ॥ पणिनगयोहोमायापरीणामके ॥ कपटेंबा
तसवेकरे ॥ ऊजाणहोएसत्यनुधामके ॥ २१ ॥ क० ॥ परिजनसयणआवी
कहे ॥ तुऊनारीहोकपटीसीरदारके ॥ पणऊकांयमांतुनही ॥ सरलसावेंहोब
लीरागनेंधारिके ॥ २२ ॥ क० ॥ एकदिनमायाऊकमु ॥ गयांकुमलहोजुग
जेघरसारके ॥ पोतेउलवीइमकमु ॥ आकुलव्याकुलहोवलीमाइअसारके
॥ २३ ॥ क० ॥ खेदमकरतूसूदरी ॥ गयोअगतोहोमलताहरोआजके ॥ कुम
लजुगलकरूनवां ॥ पछेआवस्येहोद्रव्यस्येमुऊकाजके ॥ २४ ॥ क० ॥ इ
मकहिनवीनकरावीया ॥ वेलाएकदिनहोअस्यगनजाणके ॥ नामांकितनि
जमुद्रिका ॥ आपीनारीनेंहोराखवानिजपाणिके ॥ २५ ॥ क० ॥ निजआ
सरणकरमीइ ॥ मुकितिणेंहोमुद्राबऊमोलके ॥ एहाणसोयणकरीइणसमें ॥
अगरागनेंहोवलीलीधतबोलके ॥ २६ ॥ क० ॥ सकारहितकरमीउं ॥ ऊधाडी
होमुद्रामेंलीधके ॥ कुमलयुगलदीठुतिहां॥ गयुपुर्वेहोजससारनकीधके ॥२७॥
॥क० ॥ चितामुऊनेंउपनी॥जम्यांकुमलहोदिठोनारिके ॥ आविनदाइणस
में ॥ दिठीमुद्राहोमुऊहाथेंउदारके ॥ २८ ॥ क० ॥ विलषीथईनीजचित्तमी॥
म्हेंजांण्योहोएहनोतवसावके ॥ निकल्योऊघरमांहिथी॥ चित्तचितव्युहोह
मणाएहदावके ॥ २९ ॥ क० ॥ नारिविचारेचित्तमां ॥मुऊलघुताहोथईइण
ठामके ॥ कूमलजुगलदिठांइणि ॥ हवेकरवुहोएहकिणीपरेंकांमके ॥ ३० ॥
॥क०॥ एपिणनाशीनेंगयो ॥ हवेसयणमांहोज्यानवीकरेंवातकोलघुतासय
णमानविहोइ ॥ आगलथीहोमारूकरीघातके ॥३१॥क० ॥ कांमणयोगकरू
जिणे ॥ मेरवहेलोहोवहेलूथायकांमके ॥ द्रव्यसजोगबऊकस्यो ॥ तिणेएक

लीहोकूमकपटनीधामके ॥ ३२ ॥ क० ॥ एकातप्रदेशेंदाटवा ॥ जाइजेतले होतेतलेतिहांनागके ॥ करम्योकर्मवशेंकरी ॥ जिहांजाइहोतिहाकर्मनोलाग कें ॥ ३३ ॥ क० ॥ वरसलगेंअन्ननवीमल्या ॥ जिनकूषसजिहोकस्यांकर्म नंजायके ॥ गोपेंपीलाठोकीआ ॥ जिनविरनेंहोअतिहेंदुखदायके ॥ ३४ ॥ ॥ क० ॥ षटमहीनालगेंनवीमल्यो ॥ आहारढढणाहोकिंधोअतरायके ॥ प चसर्त्तारीदुपदी ॥ शीतानेंहोकलकतेआयके ॥ ३५ ॥ क० ॥ कलावतिकर कापीआ ॥ षधकनीहोउतारीषालके ॥ तिमएहनेंनागेंमसी ॥ वीवानीहोपमे सांतिनेंप्यालके ॥ ३६ ॥ क० ॥ यत॥ कृतकर्मकूयोनास्ती ॥ कल्पकोटीश तैरपी ॥ अवश्यमेवस्तोक्तव्य ॥ कृतकर्मशुभाशुभ ॥ १ ॥पुर्वढाल॥ रूद्रदेवपुरो हितेंकस्यु ॥ तूफनारीनेंहोकरम्योठेसापके ॥ झूपणिगयोउतावलो ॥ इमजाण होकिमआध्यूपापके ॥ ३७ ॥ क० ॥ यईअचेतदिठीतदा ॥ स्यांममलहो यथांतासरिरकोआंमुपातकरतोथको ॥ नरवमाहोमेंतेहनीपीरके ॥ ३८॥ ॥ क० ॥ धिगूसशारअसारनें ॥ जिमसूपनुहोमायाइजालके ॥ गद २ वां णीइम्हेंकस्यु ॥ तुफनेंकिमहोथयुइमअकालके ॥ ३९ ॥ क० ॥ सितुफनेंपि मआठे ॥ इमपुछ्यूहोपणिनदिइवोसके ॥ तवमुफपेदचणोथयो ॥ गइजिवीतहो आशादरबोलके ॥ ४०॥ क० ॥ गाहमीतेम्यातिएसमे ॥ करीपेदनेंहोकहे इणीपरेंतेहके ॥ कालेंमसीएनारिनें ॥ नहीचारोहोनरमात्रनोएहके ॥ ४१ ॥ ॥ क० ॥ इमकहीगाहमीघरिगया ॥ नविमत्रनीहोकांयचालिशक्तिते ॥ कां लकरीपरसवगई ॥ सहूविलषेहोकरेआकदफत्तिके ॥ ४२ ॥ क० ॥ मृतका रजकरीतेहना ॥ तेहनीमित्तेंहोवघतेपरिणामके ॥ क्लेशकारणसगशामीउ ॥ सशारतेहोजाणीइ खगमके ॥ ४३ ॥ क० ॥ लिषीदिक्षाम्हेंगुरूकनें ॥ उठि नरगेंहोपोहोतितेहनारिके ॥ एकविससागरआउषे ॥ एहमाहहूहोचरीत्रअव धारिके ॥ ४४ ॥ क० ॥ रायनयरजनशांसली ॥ गुरूसापोहोहवेआगलिवा तके ॥ [illegible]

ऊतोऽएसवहोपामीसत्तवपारके ॥ ४६ ॥ क० ॥ एसवमुनीनाशास्त्री ॥ तेऊपासेंहोमेंलीधीदीषके ॥ बऊजनेंनगरमाआदरी ॥ मुऊसाथेंहोघरीगुरू नीशीषके ॥ ४७ ॥ क० ॥ एमुऊहेतूविशेषछे ॥ वैराग्यनुहोसूणिसीहकु मारके ॥ विजेरखमेपनरमी ॥ ढालसाषीहोपदमेंमनोहारके ॥ ४८ ॥ क० ॥ ढाल ॥ सीहकुमारतेसांभली ॥ कहेरूडुकस्युकाम ॥ हवेसाषोगुरूहित करी ॥ गुरूतूम्हेगुणगणधाम ॥ ४९ ॥ कतिगतिरूपगुरूकहो ॥ एस शारअपार ॥ सूखदुखमननेंशरीरनां ॥ स्यास्याहोयससार ॥ ५० ॥ सवअटवीसमताथकां ॥ धर्मकीउंआधार ॥ गुरूकहेसूणिससारए ॥ चि ऊगतीरूपविचार ॥ ५१ ॥ नरकतिरिसूरनरगती ॥ सशारेनहीसूख ॥ जरा मरणनेंजनमथी ॥ दुखीआनेंनितदुख ॥ ५२ ॥ रागद्वेषरोगेंकरी ॥ वेदनवी षयविषाद ॥ सूखतोनहीतससूपनमां ॥ पामेंदुरकप्रमाद ॥ ५३ ॥ तेउपरिद ष्टांततू ॥ सांभलचतूरसूजांण ॥ मधूबिंदूमानवतणो ॥ विरेंकिधवषांण ॥ ॥ ५४ ॥ ढाल ॥ एकविशानी ॥ त्रुटकनी ॥ एकनरकोईरेदारिद्र दुखसतापीउ। मुकीदेशनेंरेपरदेशेंगयोपापीउ ॥ गामआगररेपाटणवऊसमतां हवे ॥ सूलोपथथीरेएकअटवीमाएहवे ॥ ५५ ॥ त्रुटक॥ शालतालतमालनि बह ॥ कुटजन्यग्रोधखेंरए ॥ सल्लकीअर्जुनबकुलअकोल ॥ अबजबुकेंरए ॥ वजूलतिलककलवरायण ॥ तिणीसधवनेंपलासए ॥ जिहांसीहचित्ताफालदे ता ॥ जिववासीआसए ॥ ५६ ॥ वाघजबुकरे रोऊसरसबऊसयकरे ॥ व नसिसारेजुधकरेतेपरपरे ॥ जलचरजिवरेपाणीउछालेवेगस्यू ॥ तेहनरनेंरेचि तानमायउदवेगस्यू ॥ ५७ ॥ त्रु०॥ सूख्योतरष्योखमेंवेदन ॥ स्यापदनासूणे शादए ॥ उन्नस्तलोचनस्वेदगलतो ॥ करेयऊविषवादए ॥ दिर्घपथेंथाकपा म्यो ॥ विषममार्गखलायए ॥ शणिसमेंगजवरएकदिठो ॥ पुठेंआवेंधायए ॥ ॥ ५८ ॥ महाऊरदतरे ॥ पथीलोकनेंमारतो ॥ गाजतोवलिरेसूरूथकीफू कारतो ॥ सूडादमरेउचोकरीनेंचालतो ॥ चालतोनगरेदिसेमेघज्यूम्हालतो ॥ ॥ ५९ ॥ त्रु० ॥ तिमजएकराकूसीदिपे ॥ महाउटकरालए ॥ महाकायबिक

लो ॥ अहोते० ॥ कुमरकहेषरूएकसु ॥ एहवातविन्नाणरेलो ॥ अहोए० ॥ ॥ ४० ॥ तोपिणवगरनीमित्तए ॥ नचारीअलेवायरेलो ॥ अहोन० ॥ गुरूकहे एहसज्झारते ॥ निर्वेदनोवायरेलो ॥ आहोनी० ॥ ४१ ॥ स्यूज्ञसारमासार छेइ ॥ तेचित्तविचारोरेलो ॥ आहो० ॥ वलिअविज्ञेपेंज्ञासलो ॥ माहरोअधिकाररेलो ॥ अहोमा० ॥ ४२ ॥ अवधीज्ञानीइसाषीउ ॥ निजचरीत्रज्ञालरेलो ॥ अहोनी० ॥ तेमुझहेतूवैराग्यनु ॥ सासलीसूपालरेलो ॥ अहोसां० ॥ ४३ ॥ कुमरकहेप्रसूदाषीइ ॥ अवधीमुनीचरीतरेलो ॥ अहोअ० ॥ गुरूकहेसांसलि नरपति ॥ कहुतेहपवीत्तरेलो ॥ अहोक० ॥ ४४ ॥ विजेखंडेपांचमी ॥ कहि उत्तमढालरेलो ॥ अहोक० ॥ पद्मविजयकहेसासलो ॥ घणवातरज्ञालरेलो ॥ अहो० ॥ ४५ ॥ ढ्हा ॥ इणहिजविजयमाराजपुर ॥ कुतेहनोरहेनार ॥ सवस्वरूपमें सावी उ ॥ नलझरतिनीरघार ॥ ४६ ॥ विरक्तरहुवैरागीउ ॥ आव्यातवअणगार ॥ साधूवहुशिरोमणी ॥ विचरताकरेविहार ॥ ४७ ॥ अमरगुप्तआचार्यनें ॥ उपनुअवधीज्ञान ॥ योग्यादिनतेहनेंथया ॥ धरताधरमनुध्यान ॥ ४८ ॥ वात लोकमाविस्तरी ॥ अहोतपस्वीएह ॥ आश्रवकरयाअलगाइर्णे ॥ ग्यानतणो तेगेह ॥ ४९ ॥ धरमदेशनालघीआ ॥ जाणेंसूपतिजाम ॥ नगरलोकस्यूनरपती आवेवदनआम ॥ ५० ॥ ढाल ॥ गैवसागररीपालउसीदोयनागरी ॥ म्हाराला ॥ एदेशी ॥ अरिमर्द्दननरपतिनेंधर्मलासदिउ ॥ म्हाराला ॥ नरपतिनगरलो कसहुचित्तआणदिउ ॥ मा० ॥ गुरूवचसुणवानोहर्षघणोमनमाधरे ॥ मा० पुढेसूरकविहार मुनीनेंझुसपरें ॥ मा० ॥ ५१ ॥ फरिपुढेनृपजाणनाणतूम अतिघणु ॥ मा० ॥ त्रणकालयाहकउहिनाणतेतुमतणु ॥ मा० ॥ करिउ पगारकहोगुरूसमकीतकवलसा ॥ मा० ॥ शाश्वतसूखतरूविजपरिणामते हनाकसा ॥ मा० ॥ ५२ ॥ देशविरतिपाम्याइर्णिसवकेपरसर्वे ॥ मा० ॥ सा धूपणुपणिकवलसां ॥ किमलसांसवनर्वे ॥ मा० ॥ चपावासपुरीएहविजयमा मुनीकहे ॥ मा० ॥ सुघणुनामगाथापतिअतितकालेरहे ॥ मा० ॥ ५३ ॥ घ णसिरीनामेंघरणीतेहनीहुसूता ॥ मा० ॥ तेहनयरनीवासीनदसथवाहुता ॥

॥ मा० ॥ तेहनोसूतरूद्रदेवआपीमुऊतेहनें ॥ मा० ॥ जीवनेंवयंअनुरूपवि
षयसूखगेहनें ॥ मा० ॥ ५५ ॥ इणिअवसरतिहांविहारअनुक्रमेंआविया ॥
॥ मा० ॥ तपसंजमथीआतमसलिपरिसाविआं ॥ मा० ॥ रूपमकीमानुंआ
सनेंदेवतादेखीइ ॥ मा० ॥ अतरतनेंकरीशोसीतगुरुणीपेषीइ ॥ मा० ॥ ५६ ॥
बालचद्रानामेंचंद्रातपत्रीतेलघणी ॥ मा० ॥ दिगांत्रमसूखपुजमानुंतेहनुतणी
॥ मा० ॥ सासरेथीपीहरजातांमुऊइमथयु ॥ मा० ॥ तेदेखीमुऊमोहथीतनुं
पुलकितसयुं ॥ मा० ॥ ५६ ॥ लोयणथयांविकश्वरपापनाशीगयां ॥ मा० ॥
उलस्युअंगघरमचित्तउल्लस्युधन्यथयां ॥ मा० ॥ करकजजोडीविनयथकी
पाइपडी ॥ मा० ॥ दिधोतेणीइंधर्मलाभमानुंआफलीघडी ॥ मा० ॥ ५७ ॥ स
क्तिप्रीतिथीतेहनोआलयपुहिउं ॥ मा० ॥ तेसाहणीइवताभ्योतिहांचित्तमुहिउं
॥ मा० ॥ उचितविधेकरएहनीसेवानीतकरू ॥ मा० ॥ जाणतजिमतिमहंस
वसायरनिस्तरू ॥ मा० ॥ ५८ ॥ तेसगवतिइधर्मकहोजीनसाषीउं ॥ मा० ॥
शिवसूखफलदहचिंतामणीपरेदाषीउं ॥ मा० ॥ कर्मनोक्षयउपसमथयोस
मकीतपामीउं ॥ मा० ॥ साध्योजिनधरमसवचारकचित्तवांमीउं ॥ मा० ॥
॥ ५९ ॥ हवेमुऊपतिकर्मदोषथीद्वेषकरेघणो ॥ मा० ॥ कहेतूधर्मएगामीवी
षयविघ्नकारणो ॥ मा० ॥ मेंकसुविषयसूखेंसस्युदारूणफलकसां ॥ मा० ॥
तेकहेदृष्टमुकीअदृष्टकूणेंलसां ॥ मा० ॥ ६० ॥ मेंकसुपसूसाधारणविषय
मांसूलसु ॥ मा० ॥ प्रत्यक्षसूखफलधर्मअदृष्टतेकिमकसु ॥ मा० ॥ इमक
ह्याथीअधीकद्वेषमुऊस्युकरो ॥ मा० ॥ सोगतज्योमुऊसाथिविवाहविजोमनधरो ॥
॥ मा० ॥ ६१ ॥ नागदेवधूआनागसिरीकन्यालली ॥ मा० ॥ पणितसतातेंन
दिधीमुऊपीयालयकली ॥ मा० ॥ रूद्रदेवमनचिंतवेंजिवताएहनें ॥ मा० ॥
नविदिइवालीकाकोईकरूस्युतेहनें ॥ मा० ॥ ६२ ॥ मायाथरीअकरीमारूए
हनेंहवे ॥ मा० ॥ इमचिंतिघटमाहिआशीविषसक्रमे ॥ मा० ॥ घरएक
पुणेंठोमीसणेंरयणीसमे ॥ मा० ॥ एनवघटमाथीकुसूममालालावोतुम्हे ॥
॥ मा० ॥ ६३ ॥ ऊआणजाणतीतेहलेवागईजेतले ॥ मा० ॥ हाथघाल्योतिहां

रालवयणें ॥ निसितकरकरवालए ॥ सिमअट्टहासमुके॥ वरणअतीतसस्था मए ॥ देखीवीहनोमरणसयथी ॥ जुइदश दिशगामए ॥६०॥ पुरवदिशरेदेखे वमएकतामरे ॥ उदयाचलरेशीखरपरेंअसिरामरे ॥ सिद्धगांधर्वरेमारगरोक्या तासरे ॥ मनचिंतेरेकिमहिकजाउएपासरे ॥ ६१ ॥ त्रु० ॥ उगरूतोएहसय थी ॥ चढुवमउपरिजई ॥ इमचितविनेंशीघचाल्यो ॥ पदसेदायेंकूशसूई ॥ पोहतोवमनेंपासतवते॥देखीमनमांचितवें॥गगनगोचरथीनलघाइ॥किमक रूएहनेंहवे ॥ ६२ ॥ आरोहीरेनशकेहवइतेकोईपरें ॥ गजदेषीरेतेहनुतनव ऊथरहरे ॥ ईमकरतरिदिठोजीरणएकरे ॥ कुपकतिहारेउमातेंअतिठेकरे ॥ ॥६३॥त्रु०॥ जीववानीरूएकआशा॥घरीमरणनोसयमनें॥निरालबनआलमु क्यो ॥ नविआधारकोतिहाकनें॥सीतिउग्योसरनोथसो॥वलगोतेहनेउल्लसी॥ पमणासीयातेंहेठिफणिधर ॥ व्यारकोप्याघसमसी ॥ ६४ ॥ व्यारकांठेरेते हरहेकोपाकुला ॥ फणाटोपेरेकरमवानेंथयाव्याकूला ॥ एकअजगररेदिग्ग जसमदिशेखरो ॥ आषरातीरेकष्णकायमुखमोकरो ॥ ६५ ॥ त्रु० ॥ चिंते मनमांएहथसो ॥ तिहालगेंजीवितवऊ॥ उचेमुखेंजवजोईउतव ॥ दिठूतिसूण ज्योकऊ ॥ एकथवलनेंएककष्णएवे ॥ उदरामोहटाहवे ॥ दाढतिषीमूलछेदो॥ हस्तीपणिजूउतेहवे ॥-६६ ॥ नवीपोहचेरेतेनरनेंहवेहाथीउ ॥ घघोलेरेको पेंवमउन्माथीउ ॥ तिणेंहाल्योरेमघपुमोएकउपरि ॥ मधूसमरीरेउमीतेचिऊदि शिसचरे ॥ ६७ ॥ त्रू० ॥ समरिसमुहेंताशगात्रें ॥ दिश्चटकाअतिघणा ॥ मधूजालपमीउंकुपमातिणें ॥ गणगणाटनीनहीमण ॥ एकविंदूमधूनोति हांपमीउ ॥ सीसउपरितासए ॥ आलोटतोतेकिमकेंआव्यो ॥ तासमुखआवा सए ॥ ६८ ॥ रूएश्लेरेवलीएकविंदूआवतो ॥ पणिनगणेंरेजेऊ खएवमापाव तो ॥ करिमुसारेअजगरनेंवलीसापरे ॥ कुउसमरीरेएवमांनगणेंसतापरे ॥ ॥ ६९ ॥ त्रु० ॥ मधूविंदूरसआस्वादगिरधर ॥ हरषपामेंवऊतदा ॥ सूणोउप सहारएहनो ॥ मोहघुमजाइकदा ॥ पुरूपतेएजिवजाणो ॥ व्यारगतीअटवि कही ॥ वनवारणतेकीनासजाणो ॥ जरारापसणीलही ॥७०॥ वमटरूतेरेमो

कुअपुरवजांणीइ ॥ मृत्युगजवररेसयजेहथानीकनांणीइ ॥ विषयातूररेनर आरोहीनवीशक्या ॥ पापथानिकरेपरिग्रहमांहिजेउक्या ॥ ७०॥ ध्रु० ॥ सर्प्पध्यारकषायसमझो ॥ कुउनरसवजांणीइ ॥ जेमनुजनेंएमांगकरमथो ॥ घोरडुखविषषांणइ॥ कार्याकार्यनलहेतेनर ॥ जीवीतसरथंसोगणो ॥ दोयप घजेबकुलअर्जून ॥ तेहउदरसमसणो ॥ ७२ ॥ करमेसमरीउरेव्याधीविविधव कुसत्तरें ॥ खणमातररेसूखवनवीलहेकोईवत्तरे ॥ घोरअजगररेनरगतेअतिड खदायरे ॥ विषेंमोहीतरेनरकेंगयाड खथायरे ॥ ७३ ॥ ध्रु० ॥ मधूबिंडसम एसोगजांणो ॥ तूछनेंदारुणकहे ॥ एहव्यसनमाकहोकोणप्रांणी ॥ सोगवर्ग नेंउमहे ॥ तिणेंकारणेंकरोधर्ममांनव ॥ सवतेकूआबिंडसमो ॥ चचलविजली समसमागम ॥ सद्धननाजाणोतुमो ॥ ७४ ॥ सध्यारागरेसरीधुजोवनजांणी इ ॥ करोआदररेधर्मअदासूखखाणीइ ॥ विजेखंमेरेसोलमीडालसोहामणी ॥ मानवसवरेजांणज्योजिमचितामणी ॥ ७५ ॥ ध्रु० ॥ चितामणीसमधर्मकी जें ॥ एहउपनयसांसली ॥ कहेपद्मएदृष्टांतसाप्यो ॥ विजोपाठांतरवली ॥ मथांतरथीतेहजांणो ॥ इहांचरित्रप्रकारए ॥ सिहपुढेहवेगुरुनें ॥ धर्मवा तउदारए ॥ ७६ ॥ इहांनो सीहकुमरकहेसांसलो ॥ कतिविधधर्मकहाय ॥ धरमीकहेदशविधधरम ॥ मुनीनोएनीरमाय ॥ ७७ ॥ यत ॥ खतिमद्दव अज्जव ॥ मुत्तितवशजमेयबोधवे ॥ सच्चसोयआगिचणच ॥ बसचंजइध म्मो ॥१॥ इह॥ सम्यग्वस्तुस्वसावनो॥ अतरकरीआलोचाक्रोधतणोअणाद मकरे ॥ करेउदइसकोष ॥ ७८ ॥ मद्दवपणइमर्माननो ॥ अनुदयवीफल अपार ॥ अज्जवमायाअणउदय ॥ उदयेविफलअधीकार ॥ ७९ ॥ मुत्तितें लोसतणो मुणो ॥ अनुदयउदयअसाव ॥ उदयलसाथीकरेअफल ॥ प्रसूनेंव चनप्रसाव ॥ ८० ॥ तपतेडविधपरेंतपे ॥ बीसअभ्यतरबास ॥ षटविधनें अतरगपट ॥ जेहमांकोइनसास ॥ ८१ ॥ यत ॥ अणसणमुणोयरीयो ॥ वित्तिसखेवणउरसच्चाउ ॥ कायकिलेसोसलिणयाय ॥ बकोतवोहोई ॥ १ ॥ पायछित्तविणउ ॥ वेयावच्चतहेवसझाउ ॥ झाणउस्सग्गोविय ॥ अभ्यतरउ

तवोहोई ॥ २ ॥ ऊहा ॥ सत्तरसेदसजमसूणो ॥ सत्यतेनी रवयसास ॥ सौच ते नीरलेपीसदा ॥ आठमोपुरेआश ॥ ८२ ॥ आकिंचनतेइणीपरें ॥ घरमोप गरणधार ॥ परिग्रहनेंरापेपरो ॥ बसतेषटनेंवार ॥८३॥ ढाल॥ देखीचंद्राउला नी ॥ एजतीधर्मनेंसासलीरे ॥ बोलेसिंहकूमार ॥ शोसनधर्मएसाधुनोरे ॥ सा ध्योतुम्हेंअणगार ॥८४॥साध्योतूम्हेंतेम्हेंनवीथाय॥ ऊतोसमर्थनहिमुनीराया॥ मुऊनेयोग्यहोइजेकांय ॥तेसाधोमुऊकरीसूपशाय ॥ ८५ ॥ जिमोहनजी जीरे ॥ एआकणिधर्मघोषमुनीवोलीआरे ॥ श्रावकथाउमहासाग ॥ सीहक हेतेकेहवोरे ॥ श्रावकधर्मनोलाग ॥८६ ॥ श्रावकधर्मकह्योमुनीराय ॥ द्रव्य सावथीअगीकराया॥ मानेंकृत्यकृत्यआतमराय ॥ मुनीवरसेवकरेसूखदाय ॥ ॥ ८७ ॥ जीमो० वदनाविनयथकीकरीरे ॥ पोहतानयरीमांहि ॥ कुसूमा वलीनेजईकहेरे ॥ तेपणिघरेउत्छाह ॥ ८८॥ तेपणिघरीउत्छाहनेंपामें ॥ कर्म क्षयोपसमेंमिथ्यातवामें ॥ समकितअणव्रतलहेगुणधांम ॥नित२गुरुसेवा सूखकाम ॥ ८९ ॥ जीमो० ॥ मासकल्पइमवहीगयोरे ॥ गुरुजीइकिधवि हार ॥ जैनधर्मदृढतेथयोरे ॥ तत्वातत्वविचार ॥ ९० ॥ तत्वातत्वविचारतेथा य ॥एकदिनपुरूषदत्ततेराय ॥ अमीततेजगुरूजिनेंपाय ॥धर्म्मदेशनासुणि सुखदाय ॥ ९१ ॥ जीमो० ॥ सिंहकूमरराज्येंठविरे ॥ आपथयोमुनीसूप ॥ राणीश्रीकातासहवलीरे ॥ लहेशिवमार्गअनुप ॥ ९२ ॥ लहीशिवमार्गअनु पतेपाले॥ सिंहरायनिजकूलअजुआलें ॥ करमअन्यायअरीनेंटाला॥ त्रणवर्ग पालेनीजकालें ॥ ९३ ॥ जीमो० ॥ सकलोकनेंआणदकरेरे ॥ सामतमडल आणि ॥ शिरवहेचपकमालज्युरे ॥ करेउपगारसूजाण ॥ ९४ ॥ करेउपगार सूजाणवैरागी ॥ राजऋपीकहेवाइत्यागी ॥ कांठेकालएरीतिसोसागी ॥ चा रित्रधर्म्मतणोवडरागी ॥ ९५ ॥ जीमो० ॥ अगनी शरमातापसोरे ॥ विद्युत कुमरजेदेव ॥ तिहांथीचविनेंवडसम्योरे ॥ तिरीगतिनीकरेसेव ॥ ९६ ॥ ति रीगतिनीकरीसेवनेंआव्यो ॥ अनतरसवेबालतपसीसोहाव्यो ॥ तिहांथीमरी कर्मवासनासाव्यो ॥ कुसूमावलीनेंकुंपिठाव्यो ॥ ९७ ॥ जीमो० ॥ दिठोस

पनमांतिणीरे ॥ उदरमांपेशतोनाग ॥ वाहिरनिकलीरायनेरें ॥
हीलाग ॥ ९८ ॥ करम्योतिणेंतेपमीउंसूप ॥ सिंहासनथीएहसरूप ॥
सूपनुएहवीरूप ॥ जागीअमगलजाणीअनुप ॥ ९९ ॥ जीमो ॥
ध्यूरायनेरे ॥ गर्भतेवधतोजाय ॥ तेहतणापरसावथीरे ॥
य ॥५०० ॥ स्नेहधरेवझराजातास ॥ परिजनकहेराणीनेउल्लास ॥
मकरखुखास ॥ तवराणीतेहनेंकहेसास ॥ ५०१॥ जीमो० ॥
जनकहेरे ॥ सूपनेंआदरदिजें ॥ तवजाण्यूईमराणीरे ॥
जें ॥ २ ॥ गर्भनादोषवीनानवीहोय ॥ अन्यथारायस्यूरीशनकोय ॥
उपनोएकवीनजोय ॥ हवेसांसलोतेसापुशोय ॥ ३ ॥ जीमो० ॥
आंतरमांसघुरे ॥ रांणीविचारेतांम ॥ गर्भएपापकारीघणोरे ॥
नहीमुझकांम ॥ ४ ॥ कामनहीमुझचितेनारी ॥ सर्त्तासेहतेचीत्तविचारी
नारीस्वसावकायरनिरधार ॥ पामूगर्भझएइणीवार ॥ ५ ॥ जी० ॥
यवझकरथारे ॥ पणितेनिकाचितकर्म ॥ कोइप्रकारेपम्योनहीरे ॥
मर्म ॥ ६ ॥ पामवाकारणउंसमपिधां ॥ तिणेंदूरवलतसअगजकीधां ॥
मापणिकार्यनसीधां ॥ कर्मकस्यातिगाढेंलीधां ॥ ७ ॥ जीमो० ॥
षीपुछतोरे ॥ रायरांणीनेंइम ॥ स्युतुझनेनवीसपजेरे ॥ अथउणोमुझप्रेम ॥
अथवाकोईइआणारवमी ॥ दीसेंतुजिमदेवेदमी ॥ पाणीरहीतजीममाछलीपमी
अथवाकुमुदिनीउदकेंछमी ॥ ९ ॥ जिमो० ॥ रायरागेराणीकहेरे ॥ मुझ
मांइमआवे ॥ मरणलझइणअवशरिरे ॥ तोमुझनेंसूखथावे ॥ १० ॥ स्यूनीम
त्तपुछेतसताम ॥ देविकहेमुझदैवछेवाम ॥ इमकहीआंसूरेंतिणठांम ॥ राजा
पुछेनवीपुछणकांम ॥ ११ ॥ जिमो० ॥ वातकथाबीजीकरीरे ॥ आक्षेप्युमन
तास ॥ तेमीपरिजननेंकहेरे ॥ वातसूणोउल्लास ॥ १२ ॥ वातकहेहवेराजाता
री ॥ ढालसत्तरमीए[illegible] ॥ विजेरखेमनमाधारी ॥ पद्मविजयकहेसूणो
सूखकारी ॥ १३ [illegible] कीमएदूबली ॥ उवेखीकीमएहा
बझलपकनाचदव[illegible] सारसूतसवीवीश्वमा ॥ रांणी

रयणसरूप ॥ प्राणधरतेननिपजे ॥ एहवुंस्यूछेअनुप ॥ १५ ॥ मदनलेपातव माननी ॥ बोलीएहवाबोल ॥ राजनकहोछोतेपरूतोपिणस्त्रीस्येतोल ॥ १६ ॥ अविवेकीपणअगमां ॥ पणिसांसलिएकसूप ॥ कहिसकिइएहवीकथा ॥ रा जननहीसरूप ॥ १७ ॥ अन्यउपायनहीएहमा ॥ तिणेंकरूसासलितूरू ॥ ससलाव्युइमकहीसवे ॥ गर्त्सदोहदनुगुरू ॥ १८ ॥ ढाल ॥ सुणिवहेनीरेपी उमोपरदेशी ॥ एदेशी ॥ सूपतिचितेरागविलूधो ॥ जुउरांणीस्यूकहेछेरे ॥ पु त्रजनमपणिनविवरूमानें ॥ रागएइमवहेछेरे ॥ १९ ॥ सूप० ॥ जोदो हदनवीपुरूएहनो ॥ थाइगर्सविनाशरे ॥ विसरज्योराणीनोपरिकर ॥ चिंतेउ पायहवइताशरे ॥ २० ॥ सूप० ॥ मतिशागरमहामत्रीतेम्यो ॥ ससलाव्यो वृत्तांतरे ॥ करीयविचारसूपनें साषे ॥ सांसलोकरूअवदातरे ॥ २१ ॥ सूप ॥ बुसूकितरहीउदरेंबांधो ॥ अघकर्दमकरीवेसोरे ॥ कोइप्रकारेंलरूणकरीसू दर ॥ पणिकोईनेंमतकहेस्योरे ॥ २२ ॥ सूप० ॥ रांणीदेपताकापीदेस्यू ॥ प छेंमनमाग्युकरेस्यूरे ॥ वातसूणीनरपतिवरूहरष्यो ॥ इमप्रतिज्ञातरेस्यूरे ॥ ॥ २३ ॥ सूप० ॥ रांणीनेंकहेतूम्हसूखकरस्यू ॥ राणीगरसअनुसावेंरे ॥ अ गीकारकरिअणघटती ॥ करेउपायशुसदावेंरे ॥ २४ ॥ सूप० ॥ दोहदसपु रणथयोएहनो ॥ तवविपादवरूपामीरे ॥ मत्रीइरायदेषाम्योअनुक्रमें ॥ हवे नहीहर्षनीषांमीरे ॥ २५ ॥ सूप० ॥ मत्रीकहेजवजनमतेथाइ ॥ तवमतकहे ज्योरायरे ॥ मुरूकहेज्योरूयोग्यकरीशते ॥ सासलीअगीकरायरे ॥ २६ ॥ ॥ सूप० ॥ अनुक्रमेंजनमथयोतेसूतनो ॥ मतिशागरनेंदिधोरे ॥ मतिशागर कहेगरसथकीपणि ॥ रायनेंदूखवरूकीधोरे ॥ २७ ॥ सूप० ॥ तिणेंएगर्सेनां हीप्रयोजन ॥ राणिचित्तपणिवशीउरे ॥ रायनेंमतएवातप्रकासो ॥ इमकही लेईनीकसीउरे ॥ २८ ॥ सूप० ॥ रायनेंकहेमृतवालकआव्यो ॥ इमकहि दाशीमाथेरे ॥ देईअशोकवाडीमांजाता ॥ दिठीपृथवीनाथेरे ॥ २९ ॥ सूप० ॥ कहेदाशीनेंस्यूएमाथे ॥ सबमथीकहेदाशीरे ॥ कांयनथीइमकहेतारोयो ॥ राइजोयुचकासीरे ॥ ३० ॥ सूप० ॥ वालकदेषीउवकोदिधो ॥ फटसुमीइ

पनमांतिणीशिरे ॥ उदरमापेशतोनाग ॥ बाहिरनिकलीरायनेंरें ॥
हीलाग ॥ ९८ ॥ करम्योतिणेंतेपमीउंसूप ॥ सिंहासनथीएहसरूप ॥
सूपनुएहवीरूप ॥ जागीअमगलजाणीअनुप ॥ ९९ ॥ जीमो ॥
ब्यूरायनेंरे ॥ गर्सतेवधतोजाय ॥ तेहतणापरसावथीरे ॥ नि
य ॥५०० ॥ स्नेहधरेवरूराजातास ॥ परिजनकहेराणीनेंउल्लास ॥
मकरवुखास ॥ तवरांणीतहनेंकहेसास ॥ ५०१॥ जीमो० ॥
जनकहेरे ॥ सूपनेंआदरदिजें ॥ तवजाण्यूईमरांणीशिरे ॥
जें ॥ २ ॥ गर्सनादोषवीनानवीहोय ॥ अन्यथारायस्यूरीशनकोय ॥
उपनोएकदीनजोय ॥ हवेसासलोतेसाषुशोय ॥ ३ ॥ जीमो० ॥
आंतरमांसषुरे ॥ रांणीविचारेतांम ॥ गर्स्सएपापकारीघणोरे ॥
नहीमुझकांम ॥ ४ ॥ कामनहीमुझचितेनारी ॥ सर्त्तास्नेहतेचीत्तविचारी
नारीस्वसावकायरनिरधार ॥ पामूगर्सझएइणीवार ॥ ५ ॥ जी० ॥ तासउपा
यबझकरयारे ॥ पणितेनिकाचितकर्म ॥ कोइप्रकारेपम्योनहीरे ॥ वैरसावमा
मर्म ॥ ६ ॥ पामवाकारणउंसमपिघां ॥ तिणेंदूरवलतसअगजकीधां ॥ दोहला
नापणिकार्यनसीधां ॥ कर्मकस्यातिगाढेंलीधां ॥ ७ ॥ जीमो० ॥ मुवलीने
षीपुछतोरे ॥ रायरांणीनेंइम ॥ स्युतुझनेनवीसपजेरे ॥ अथउणोमुझप्रेम
अथवाकोईइआणारवमी ॥ दीसेंतूजिमदेवेदमी ॥ पाणीरहीतजीममाछलीषमी ॥
अथवाकुमुदिनीउदकेंगमी ॥ ९ ॥ जिमो० ॥ रायरागेंरांणीकहेरे ॥ मुझमन
मांइमआवे ॥ मरणलझइणअवशरिरे ॥ तोमुझनेंसूखथावे ॥ १० ॥ स्यूनीमि
त्तपुछेतसतांम ॥ वेषिकहेमुझदैवछेवांम ॥ इमकहीआंसूरिमेंतिणठांम ॥ राजा
पुछेनवीपुछणकांम ॥ ११ ॥ जिमो० ॥ वातकथावीजीकरीरे ॥ आक्षेप्युमन
तास ॥ तेमीपरिजननेंकहेरे ॥ वातसूणोउल्लास ॥ १२ ॥ वातकहेहवेराजासा
री ॥ ढालसत्तरमीएमनोहारी ॥ विजेरखिमनमाधारी ॥ पद्मविजयकहेसूणो
सूखकारी ॥ १३ ॥ जीमो० ॥ दूहा ॥ देवीकीमएदूबली ॥ उवेखीकीमएहा
। [illegible] ॥ सरिपीदीसेकेह ॥ १ ॥ सारसूतसषीवीश्वमां ॥ रांणी

चितवेरे ॥ एससारअचार ॥ मत्सगलागलथईरह्यूरे ॥ कोहनोकुणआधार ॥
॥ ४८॥ वाल्होमारोसावेठेसावनारे ॥ एआकणी ॥ मूढईयामाआणदलहेरे॥
सत्पुरुस्यानिरवेद ॥ देखीनेंपामेइंमचितवीरे ॥ रायथयोवक्रखेद ॥ ४९ ॥
॥ वा० ॥ रायविचारेंकरवुकिस्यूरे ॥ अजगरेंवक्रमस्योएह ॥ कूररेसूजगम
वक्रगह्योरे ॥ नागेंमुकदेह ॥ ५० ॥ वा० ॥ कठगतप्राणथयासक्रे ॥ प
णिनमुकेकोय ॥ अधीकअधीकगलवाकरेरे ॥ एहविषमगतीजोय ॥ ५१ ॥
॥ वा०॥एकविनाशीनेंठोमवुरे ॥ पणिनवीजीवेंकोय ॥ नविउपायएवातमारो॥
साविसावतेहोय ॥ ५२ ॥ वा० ॥ हवेजोवुतेजुगतूनहीरे ॥ गजवरमेरयोतां
म ॥ कटकसयुतआवासीउरे ॥ करेउचितनीजकाम ॥ ५३ ॥ वा० ॥ राति
गईअरधीजस्येरे ॥ तवजाग्योनरराय ॥ दिठोवृत्ताततेसासस्योरे ॥ अजगर
मुखचित्तलाय ॥ ५४ ॥ वा० विरसविपाकठेजेहनारे ॥ फलकिपाकशमा
न ॥ विषयआपातमात्रमीठमारे ॥ मुरखकरेवक्रमान ॥ ५५ ॥ वा० ॥ वरे
जेपमीत्तएहनेंरे ॥ वलिएविषयनेंकाज ॥ लोककरेवक्रपापनेंरे ॥ करतावहो
तआकाज ॥ ५६ ॥ वा० शाश्वतधर्मठामीकरीरे ॥ थईसूखशठकजीव ॥ जि
वितअरथीखायफेरनेंरे ॥ तिमकरेपापसदैव ॥ ५७॥ वा० ॥ दुरकतेपापनु
फलअठेरे ॥ दुखीआमकरोपापा॥ सुखीआपणिकरोधर्मनेंरे॥ धर्मनुंफललही
आप ॥ ५८ ॥ वा० ॥ मनुकसमतुवलोकठेरे ॥ सर्पसरीखाजेह ॥ तेहपशी
जाइतेहनेंरे ॥ तेहनेंकूररसमतेह ॥ ५९ ॥ वा० ॥ कूररनेंपणअजगरसमारे॥
अजगरसमपणिआपा॥ नहिनिजवशजिणकारणेंरे ॥ जमदेवेशताप ॥ ६० ॥
॥ वा० ॥ एहअनर्थसस्यालोकमारे ॥ जेकरविषयप्रशंग ॥ तमाहमोहविला
सठेरे ॥ तिणेंस्योकरीशरग ॥ ६१ ॥ वा० दुरकअनेकतरुविजठेरे ॥ राज्यअ
नर्थनीखाणि ॥ पातालपरेंपुराइनहीरे ॥ एहवीजीनवरवाणि ॥ ६२ ॥ वा०॥
विवरसूलसजिरणघरपरेंरे ॥ खलसगतीपरेंजास ॥ विरसावसाणतेपेपीशर ॥
राज्यथीनरकमांवाश ॥ ६३ ॥ वा० ॥ वेश्याऋद्यपरेंवालहोरे ॥ द्रव्यअने
कप्रकार ॥ सूजगवक्रवलमीकपरेंरे ॥ दुखदायकदुखकार ॥ ६४ ॥ वा० ॥

मनकीजेरे ॥ तूहृदयस्वीकायरसावें ॥ सघलीवातकहीजेरे ॥ [illegible] ॥ सूप० ॥
लिघोरायेंबालकऊमपी ॥ चितवेंआपुनएहनेरे ॥ एहनेहार्थेंपुरणथायें ॥ [illegible]
पालेतेहनेरे ॥ ३२ ॥ सूप० ॥ अन्यघाविनेंपालवाआप्यो ॥ कहेएहनें [illegible]
यथास्येरे ॥ तोमुझहार्थेंविनासलहेस्यो ॥ लोकमासलपणजास्येरे [illegible] ॥
सूप० ॥ बझनिभढाकरीरांणीनें ॥ तिमजमत्रीनेंजाणोरे ॥ देवीमत्रीअनुसी
थेढांनो ॥ पुत्रउंढवकरेराणोरे ॥ ३४ ॥ सूप० ॥ आणवनांमढ्यूतेबालक ॥ को
हटोजबतेथायरे ॥ कलाकलापपसोतिणेंबझलो ॥ मनमांहर्षनमायरे ॥ ३५ ॥
सूप० ॥ पुरवकर्मदोषेंनृपउपरी ॥ चित्तविषमबझराषेरे ॥ नरपतिइजुवराजक
स्योवली ॥ राजकूलीनीशाषेरे ॥ ३६ ॥ सूप० ॥ इणअवशरएकअटवीवा
सी ॥ डुर्मतीनामसामतोरे ॥ डुर्गबलेंनविगणेलेषामां ॥ जाणेंसिहसूकतोरे ॥
॥ ३७ ॥ सूप० ॥ सैन्यमुक्योतेरायनेउपरि ॥ तेपणितेहथीहास्यारे ॥ कोप
करीहवेंसीहनरेशर ॥ बझबलथीपरीवास्यारे ॥ ३८ ॥ सूप० ॥ करियप्रयां
णनेंचाल्योसनमुख ॥ जबथयांत्रण्यप्रयाणोरे ॥ इणिअवशरिसिंघूनदीकां
ठें ॥ वहेतेप्रयांणतेठाणोरे ॥ ३९ ॥ सूप० ॥ समरादित्यनारासमांसाषी ॥ विजे
खमेढालरे ॥ एहअधीकउल्लासेंअढारमी ॥ पद्मविजयसूरशालरे ॥ [illegible] ॥
॥ सूप० ॥ दूहा ॥ नदिकांठेंतिहानीरषीउ ॥ अचरीजएकउदारं ॥ गजशिरवे
ठागेलस्यू ॥ मनुषवदमनोहार ॥ ४१ ॥ अहोकष्टअहोकष्टए ॥ बोलेइमबझ
लोय ॥ राजापोहोतोरिऊस्यू ॥ जईनशतिहांइमजोय ॥ ४२ ॥ जीरणनाग
दिठोयदा ॥ कृष्णदेहमहाकाय ॥ मनुकमाशतेमोटिको ॥ लीधोवदनलपाय
॥ ४३ ॥ पोहलेवदनेंपेषीइ ॥ डुखथीधूजेदेह ॥ मोहटेकूररेमुखमां ॥ नाग
पस्योनसंदेह ॥ ४४ ॥ अजगरदिग्गजकरसमो ॥ नयनरक्तनहीसोम ॥ प
स्योकूररवलीअजगरें ॥ राजिथयोरोमरोमा ॥ ४५ ॥ अजगरजिम [illegible] आहार
तो ॥ तिम२ नागनेंतेह ॥ मनुकरोतोअहीमुखें ॥ जातोदेषेजेह ॥ [illegible] ॥ अ
चरीजदेषीएहवु ॥ सयपांम्योतूपाल ॥ देषिएदृष्टांतनें ॥ चितेचित्तविचास
॥ ४७ ॥ दाज ॥ आहलोम्हारोवायठेवांसलीरे ॥ [illegible] नरपतिमनमांहि

खुघटोतोतुम्हचीकेहीवात ॥जिनवयणसावितमतितुम्हतणी ॥ तुमचोउत्तम अवदात ॥ ८२ ॥ गति० ॥ सफलोमानवसवतुम्हतणो ॥ वनदवसरीषाएसो ग ॥ जिम २ इंधणषेपीइ ॥ तिम २ वधतोजाइरोग ॥८३ ॥ गति ॥ किंपा कनाफलसमजेहना ॥ यर्थेसाष्याउइविपाक ॥ बलिमृत्युअकालेंआविअमे॥ जेहनोसूरअसूरमांलाग ॥ ८४ ॥ गति० ॥ इमसांसलीहर्षवध्योघणो ॥ नृपें दिधोअतिबहुमान ॥ कुअरअसीषेकनेंकारणें ॥ राइजोसीतेमयाजांण॥८५॥ ॥ गति० ॥ कहेकहोअसीषेकदिवशहवइ ॥ तवलगनजोइकहेइम ॥ आज चीपांचमेदिहाडले ॥ किजेंअसीषेकतेप्रेम ॥८६ ॥ गति० ॥ मगलमेह्यांत सकारणें ॥ मउजुगलप्रमुखबहुसेद ॥ नरपतिमनमाइमचितवे ॥ आंणीचित्त मांनीरषेद ॥ ८७ ॥ गति० ॥ राज्यनोअसिषेककरीसलो ॥ राज्यथापीआण दकुमार ॥ पछेजास्यूदीक्षाकारणें ॥ जिहांधर्मघोषअणगार ॥ ८८ ॥ गति० ॥ इमचितवीलगनलगेंरहें ॥ इणअवशरितेहकूमार ॥ नृपनोअसीप्रायअजाण तो ॥ पुरवकृतकर्मविकार ॥८९॥ गति०॥ डुर्मतीस्यूइमउरावीउ ॥आपणेंहण वोएराया॥वलीआंसलीअसीषेकवारता॥तवचिंताइंणिपरेथाय ॥९०॥ गति०॥ मीथ्यासीनिषेत्रेंचितवे ॥ डुष्टचित्तेंविपरीतवात ॥ जुउंएअसीषेकनाभिसथ की ॥ करस्येमुकनेंइमघात ॥ ९१ ॥ गति० ॥ इमउलीउडुजाउकिमें ॥ अथ वाहोएसाचिवात ॥ पणिएहनुआप्युलेवुनही ॥ एहमांस्योजसअमथात ॥ ॥९२॥गति०॥जोरायनेंमारीलीजीशावलषीतोजसबहुथाया॥इणिअवशरिराय बोलाविउ ॥ तुम्हेआवोतुम्हकरुराय ॥९३॥ गति० ॥ पणिइहेनहीतेआववु ॥ तवआर्थेलेइप्रतिहार ॥ नृपचाल्योकूमरसवनजिहां ॥ उसोजइसहसाकार ॥ ॥ ९४ ॥ गति० ॥ तवआणदमनमांचितवे ॥ आठेसूदरप्रस्ताव ॥ इरषाइंकरी नेंबोलिउ ॥ मारि २ तणोआराव ॥ ९५ ॥ गति०,॥ लेईतरवारनइमारीउ ॥ जेपासेंहतोप्रतिहार ॥ पछेआव्योनरपतिउपरि ॥ किधोवलीगाढप्रहार ॥९६॥ ॥ गति० ॥ तिहाकोलाहलवहुउठ्यो ॥ नृपसैन्येकरयोसहोस ॥ आणदकू मरनेंवीटीउ ॥ मांम्योसपामअयोस ॥ ९७ ॥ गति० ॥ निजदेहद्रोहसपर्थेक

जिवलोकपरिजांणीइरे ॥ कामनपुराथाय ॥ सर्पकरफकनीपरेरे ॥ [illegible]
ह्यूजाय ॥ ६५ ॥ वा० ॥ असीलाषाबहुजनकरेरे ॥ वेश्याजीवमरीनी [illegible]
वीवीसवासकोइनोहोइरे ॥ होयघणीजोप्रीती ॥ ६६ ॥ वा० ॥ परस्त्रीनो
साधननहीरे ॥ तिणेंतजीराज्यप्रयाग ॥ धीरपुरुषेंसेवीतआदरुरे ॥ दिक्षामन्न
रीरग ॥ ६७ ॥ वा० ॥ इहसवपरसवसुखकरुरे ॥ भमणपणतजमचार ॥ कि
मकरुप्रस्तुतकामनेरे ॥ लघुताहोयइणिवार ॥ ६८ ॥ वा० ॥ अथवाइहभ
ताकिसीरे ॥ एकजनमनोस्योसार ॥ सव २ नांदू खउपसमेरे ॥ छेउसंजम
सार ॥ ६९ ॥ वा० ॥ इमकरतांरजनीगईरे ॥ विजेखमिठाल ॥ उगणीसवी
पदमेंकहीरे ॥ थयोउद्योतवीशाल ॥ ७० ॥ वा० ॥ दूहा ॥ बेठोआसनवांची
नइ ॥ करीइव्यआवश्यककाज ॥ मंत्रीमंडलसहुप्रणमीउ ॥ जवउदयोदिन
राज ॥ ७१ ॥ विजयाप्रतिहारीवरा ॥ प्रणमीनरपतीपाय ॥ केमेइ
णीपरेंविनवे ॥ मानेंज्योमहाराय ॥ ७२ ॥ सुणिचमत्कारपणक ॥ करसुम
यांणमुझकाज ॥ सीहरायइमसंकीउ ॥ आप्योदूरमतीआज ॥ ७३ ॥ आ
णातुमचीअतिकमी ॥ तसथयोपश्चाताप ॥ कधेतेपरसुकरी ॥ परवस्योकेई
नरआप ॥ ७४ ॥ दरिशणइठेदूरमती ॥ उसोआंगणआय ॥ करोहुकमएहनें
कीस्यो ॥ इमसूणीहवेमहाराय ॥ ७५ ॥ मतिसागरजेमचवी ॥ सनमुखजो
युतास ॥ अगीतआकारउलषी ॥ मंत्रिकहेविमासि ॥ ७६ ॥ सरणांगतवत्स
लसवे ॥ सूपतिहोयइमसाल ॥ दोषनएहमदिखीइ ॥ तेमोइहांइणताल ॥ ७७ ॥
आणाकरीतवआवीउ ॥ अवनीपतिनेंइम ॥ कहेकूहाभनेंकोटिए ॥ तूम्हयन
होयकरोतेम ॥ ७८ ॥ कहिनेंचरणकमलनम्यो ॥ दानआसयेतवदिध ॥ करी
आदरसतकारीउ ॥ करवुतेसवीकीध ॥ ७९ ॥ ढाल ॥ घरिआवोजीआंबोमोह
रीउ ॥ एदेशी ॥ निजनयरेंवलीआविउ ॥ सीहनरपतिजयपुरमांहि ॥ निज
आशयमंत्रीमंडलमतो ॥ साध्योअतिअगउछाह ॥ ८० ॥ गतिकर्मतणीविचित्रछे
॥ एआंकणी ॥ कहेमंत्रिमंडलसुणिसाहिबा ॥ तूम्हकत्यतेएहजशार ॥ तूम्ह
वसथयाजेराजवी ॥ तेइमहिजपाम्यापार ॥ ८१ ॥ गति० ॥ सहुजिवनेंएक

रे ॥ अधीकूटेधरीप्रेमरे ॥ १५ ॥ कर्म० ॥ नरपतीदेपीएहवुंरे ॥ रूकपु
रुषनीपासरे ॥ कहेवरावेएस्यूकरोरे ॥ नि फलएहप्रयासरे ॥ १५ ॥ कर्म०॥
जेहथीअधर्मपरपरारे ॥ तेकिमकरीइशोकरे ॥ लपमीचचलज्युविजलीरे ॥
मानेथीरमुढलोकरे ॥ १६ ॥ कर्म० ॥ सूपनसमासगमकस्सारे ॥ नवीसमझे
एहजिवरे ॥ ठेहमारागविलासनारे ॥ एहवाएमसदैवरे ॥ १७॥ कर्म० ॥ अ
विवेकीजनआचरेरे ॥ तिमकरीइनविलापरे ॥ सूखडुखसझइअनुत्तवेरे॥ के
वलकिधांआपेरे ॥ १८ ॥ कर्म० ॥ जिवलोकमासारजेरे ॥ श्रीजीनवयण
रसालरे ॥ सवशायरतरीइजिणेरे ॥ पांमीइसूखविशालरे ॥ १९ ॥ कर्म० ॥
तेपाम्याठोसाग्यथीरे ॥ आदरोतेहजसाररे ॥ एहटालीवीजोनहीरे ॥ ड खठो
मावणहाररे ॥ २० ॥ कर्म० ॥ सूपतिइइमजेकस्युरे ॥ सासल्यूसझइतेहरे ॥
एहएमजइममानतारे ॥ नहिअन्यथाकाइएहरे ॥ २१ ॥ कर्म० ॥ सूपति
नीआणालहीरे ॥ ॥ आणवनीवलीइमरे ॥ वलातकारेंआणालहीरे॥ धारीधर्म
स्यूप्रेमरे ॥ २२ ॥ कर्म० ॥ गधर्वदत्ताविद्याधरीरे ॥ आर्य्यांश्रमणीगुरुरे ॥
पासेंप्रव्रज्यांआदरेरे ॥ तत्वजाणअतिवुरुरे ॥ २३ ॥ कर्म० ॥ धन्य
एराणीएहनीरे ॥ धन्यएरायसूजाणेरे ॥ जाएवूपणिएहनुपरूरे ॥ एहनुजत
त्वविन्नाणेरे ॥ २४ ॥ कर्म० ॥ विजेखमेनीरमलीरे ॥ एकविसमीएढालरे ॥
समरादित्यचरीत्रनीरे ॥ पद्मकहेसूरशालरे ॥ २५ ॥ कर्म० ॥ डुहा ॥ इए
अवशरिआणदअती ॥ कदर्थनाकरेनीत्य ॥ उपशमनृपअतिआदरे ॥ को
धनकरेकूमीत्त ॥ २६ ॥ मनचित्तेनहीमाहरु ॥ आयुअधीकएवार ॥ अए
सणझहवेआदरू ॥ पामुजिमसवपार ॥ २७ ॥ इमकरीअणसणआदस्यु ॥
आणदअवनीपाल ॥ सासलीअणसणसीहनु ॥ कोप्योकपूतकराल ॥ २८ ॥
ढाल ॥ हारेम्हारेजीवनीयानो लटकोदिहामाच्यारजो॥ एदेशी ॥हारेम्हारे॥
देवसरमनांमेंकोइपुरुपमहतजो ॥ तेहनेंरेइमवातसीखावेजइकहोरेलो ॥ हा
रे० ॥ सोजनकरिकेनहीतरमारीसहाथिजो ॥ इमसासलीनेंगयोनृपपासेंदू
खमसोरेलो ॥ २९ ॥ हारे०॥ जइनेंदिगोरायवेठोगुसगायजो ॥ वोलेरेइमवां

री ॥ साषेनिजसैन्यनेंइम ॥ मुऊव्यापदनथयुदेखज्यो ॥ हवेएहनेंमारोकेमा॥
॥ ९८ ॥ गति० ॥ करोराज्यासीषेकतेएहनें ॥ एजाणज्योतुमघोराय ॥ इणें
अवशेंरकूमरेंऊकमकस्यो ॥ दूरमतिनेंतिहाबोलाय ॥ ९९ ॥ गति ॥ बांधो
नीवमबधनेंकरी ॥ तवआव्योरायनेंपास ॥ कूलपुत्रपामीनेंबांधीउ ॥ नृपए
काकीकस्योपास ॥६०० ॥ गति० ॥ विसवासीपुरूषनेसूपीउ ॥ पुरलोकनी
अछीताम ॥ उविसर्वव्यवस्थाराज्यनी ॥ पोंतेथयोरायनेंठांम ॥ ६०१ ॥ ग
ति० ॥ इमसमरादित्यनारासमां ॥ पद्मेंवरविशमीढाल ॥ कहिविजेरखमेए
सांसली ॥ मकरोकोईकर्म्मजंजाल ॥ २ ॥ गति० ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ सामतममलवशकरी ॥ रायनेंचारकमांहि ॥ नाष्यातेचारकहवे ॥
वर्णवस्यूदू खज्याहि ॥ ३ ॥ अशुचिमयतांआकरी ॥ दाषेजिमदूरगध ॥
सिरीसर्पफूटिसीतीमां ॥ देखामेबऊघध ॥ ४ ॥ मांषीमशामछरघणा ॥ सिए
सीएनासणकार ॥ रजउकेरीमुसाकरे ॥ अधीकोजिहांअधकार ॥ ५ ॥ सीर
परकांचलीसरपनी ॥ लटकेलवायमान ॥ लूतातनूजालाघणी ॥ सिमतनरय
समान ॥ ६ ॥ विषमकालनुंवासघर ॥ सयलदू-खनोसरवाय ॥ अधरमनी
लीलाअवनि ॥ कुलघरदु'खकहाय ॥ ७॥ ढाल० ॥ जीवजिवनप्रसूकिहां
गयारे ॥ एदेशी ॥ करमतणीगतिसांसलोरे ॥ करज्योविचारीकर्मरे ॥ एकप
पेंवयरेंलहेरे ॥ ऊ खतोअन्यनोसर्मरे ॥ ८ ॥ कर्म० ॥ रांणीइंणिपरेंसांसलीरे॥
चारकमुक्यारायरे ॥ आकवसैरवमुकतीरे ॥ म्लांनथईजसकायरे ॥ ९ ॥
कर्म० ॥ मोहटामुक्ताफलसारीखारे ॥ आसूऊरेतिणीवाररे ॥ हारउपमपांमें
तदारे ॥ रोकेचोकीदाररे ॥१०॥ कर्म०॥ मणीवलयेंकरीरणऊणेरे ॥ एहवेक
रेंकरीजेहरे ॥ ऊख आवेशवलेंकरीरे ॥ ठेलीकाढ्यातेहरे ॥ ११ ॥ कर्म० ॥
कुटेऊदयघोमेकेशनेरे ॥ मुखमासासनमायरे ॥ नयनकेशेंकरीढांकीआरे ॥
रपेपतीअवस्थादेपायरे॥ १२ ॥ कर्म० ॥ कुसूमावलीपरमुखसऊरे ॥ पोह
तूअतेउरतछरे ॥ लोहनिगमेंपूरयोनरपतिरे ॥ दिठोचारकजछरे ॥ १३ ॥ क
र्म० ॥ अनुचितसेंप्युवऊअमेरे ॥ मानुंदेपावतिश्मरे ॥ हारपमणमानुदूखकी

एजीवजो ॥ जाणेंजेहअशास्वतनाणेंतेषेदनेरेलो ॥ हां ॥ गर्भसमयथीस
मय२मरेंनित्यजो ॥ जीवतोकिमकहीइएपणवेदनेंरेलो ॥ ४१ ॥ हां ॥ परलो
कनोबहुलोकतणेंएसाथजो ॥ चालतावरम्हालतांकोईआगलेंरेलो ॥ हां ॥ पो
हतोवहेलोकहोतोस्योसयतहजो ॥ आयुअनित्यव्यतीतथइसागरगलेंरेलो ॥
॥ ४२ ॥ हां० ॥ सूनाहाटेंवाटेंआव्योजीवजो ॥ तेहनेंजीवनआशासीइमजा
णीइरेलो ॥ हां ॥ जन्ममरणमांनहीकोशरणविचारजो ॥ व्रतआदरताधरताचि
त्तजिनवाणीइरेलो ॥ ४३ ॥ हा ॥ जरामरणनेंरोगशमणजिनवयणजो ॥ एह
रसायणअमयसुसायणसारछेरेलो ॥ हां ॥ पीधुकीधुकामतिणेंनहीसीतिजो ॥
जन्ममरणनीजाणतिणेमुकपारछेरेलो ॥ ४४ ॥ हां ॥ शोध्योआतमपापमें
लसविधोयजो ॥ स्वजनकुटवनिगमतेसागीलोहनीरेलो ॥ हां ॥ मरणकाल
विकरालकरेंस्युतासजो ॥ जेहमनुष्येंपयमीजीतिमोहनीरेलो ॥ ४५ ॥ हां ॥
एहकलेवरघरमापणिनपीपासजो ॥ तपधनजेहनेंतेहनेंसरीरसलेषीउरेलो ॥
॥ हा ॥ सुविहितविहितमरणविधिपूर्वकजेणजो ॥ तेहनुरेवरमरणतेउत्सवदे
षीउरेलो ॥ ४६ ॥ हां ॥ तपपाथेयमसुजिणेंसार्थेशुरुजो ॥ मरणसमाधिनि
रवार्धेमार्गेमुणीरेलो ॥ हां ॥ जेमरणेंकरीस्वर्गकेहोयअपवर्गजो ॥ तेहवुमर
णतोउत्सवसूतमागेगुणीरेलो ॥ ४७ ॥ हां ॥ इणिपरेंनरपतिशुसमतिषोलेंबो
लजो ॥ वीजेंषमेंढालएवावीशमीकहीरेलो ॥ हां ॥ धीरजरायनुवीरजअति
शयदेषिजो ॥ पद्मविजयकहेइमराषोदृढतासहीरेलो ॥ ४८ ॥ दूहा ॥ काल
सर्पकृतांतछोरोगव्यसनविषराशि। दीर्घदाढितेंदेषीश। पुठिनमुकेंपास ॥४९॥
जालमस्युजुरुनविहोइ ॥ नासीसकाइनांहि ॥ सुरअसुरानहीआशिरो ॥ जरा
रोगनहीजांहि ॥५०॥ ढाल ॥ करकमूनेंकरुवदनाझवारीलाल ॥ एदेशी ॥
रोगशोगमानवघणा ॥ झवारीलाल ॥ व्याधिजरानेंवियोगरे ॥झ ॥ तेहनोस्यो
आसरोझइ ॥ झ ॥ तिणेंएधर्मसयोगरे ॥झ॥५१॥ जिनवयणेइमदृढरहो ॥झ॥
एआंकणी ॥ पणिएकनिमेषजेजीवीइ ॥झ॥ तेजमरायप्रमादरे ॥झ॥ कायर
सेवितमतदिउ ॥झ॥ मुकअपयशनोवादरे ॥झ॥५२॥ जिं ॥ मृत्युदाढेजेआवी

णीसूजांणसोहामणीरेलो ॥ हारे० ॥
एहदेवसऊअवगुणग्राहीशिरोमणीरेलो ॥ २० ॥ हरि ॥
बीआराधवायोग्यजो ॥ इहितअवशरपणनबीउलषेएकवारेलो ॥ हरि
बलजननेंअनरथकेरोगाणजो ॥ मत्तहस्तीपरेंखेलाचारीएसदारेलो
हरि० ॥ गगाप्रवाहपरेंऋजुवक्रसदायजो ॥
लो ॥ हरि० ॥ विषयथीपरेंसरवस्वादप्रतीकुलजो ॥
मीहीततणोरेलो ॥ २२ ॥ हरि० ॥ यद्यपीइमछेतोपणपुरुषाकारजो ॥
मीजेंसतपुरुषेकृणमातथीरेलो ॥ हरि ॥
तेपुरुषाकारेजीताइंजातिथीरेलो ॥ २३ ॥ हरि ॥
रजो ॥ आहारग्रहणकरीइजिमघरीदिहनेंरेलो ॥ हरि ॥
आंणीअतजो ॥ पांमेरेसपदजाइआपदतेहनेंरेलो ॥ २४ ॥ हरि० ॥
जाबोलेसाजांवयणरसालजो ॥ देवशर्मासुतकर्मासांसलिमाहरीरेलो ॥ हां
वातसुजातनमुक्योपुरुषाकारजो ॥ देशकालससालीवातमेंआचरीरेलो ॥ २
॥ हां ॥ लीधीदीक्षासावथीशिक्षाधारिजो ॥
होरेलो ॥ हां ॥ उचितकालससालीमेंअणसणकीधजो ॥
रीइकोईपरेंसहोरेलो ॥ २६ ॥ हां ॥ तवतेबोल्योचित्तनविमोल्योतुमजो ॥
हारलेवामांपणितुमसुततेकोपस्येरेलो ॥ हां ॥
जो ॥ एहकोपीसुसलोपीस्युआरोपस्येरेलो ॥ २७ ॥ हां ॥
तेनविआयजो ॥ तवतेकहेतुमेसुतवृत्तांतजांणोसवेरेलो ॥ हां ॥
पीरकरेंरषेंएहजो ॥ हवणांवयणकटुकटुकमुखथीतिचवेरेलो ॥ २८ ॥ हां ॥
चितवेकेतवेंइणअवसरनृपपुत्रजो ॥ किमनां
॥ हां ॥ अमरपसरीउदरीउक्रोधकषायजो ॥ खमगलेइआव्योसाव्योनिजरू
पथीरेलो ॥ २९ ॥ हां० ॥ आहारग्रहणकरनहीतरछेउंसीसजो ॥ इणेकरवाल
करालउपमजमजीहनीरेलो ॥ हां ॥ रायकहेंकुणबीहकलहेंछेंएहजो ॥ का
यामायाप्राकृणीकोइकदीहनीरेलो ॥ हां ॥ ३० ॥ मरणशरणतोअवस्यकरे

एजीवजो ॥ जाणेंजेहअशास्वतनाणेंतेवेदनेरेलो ॥ हा ॥ गर्भसमयथीस
मय२मरेंनित्यजो ॥ जीवतोकिमकहीइएपणवेदनेंरेलो ॥ ४१ ॥ हां ॥ परलो
कनोवझलोकतणेंएसायजो ॥ चालतावरम्हालतांकोईआगलेंरेलो ॥ हां ॥ पो
हतोवहेलोकहोतोस्योसयतत्वजो ॥ आयुअनित्यव्यतीतथइसागरगलेंरेलो ॥
॥ ४२ ॥ हां० ॥ सूनाहाटेंवाटेंआव्योजीवजो ॥ तेहनेंजीवनआशासीइमजा
णीइरेलो ॥ हां ॥ जन्ममरणमांनहीकोशरणविचारजो ॥ व्रतआदरताधरताचि
त्तजिनवाणीइरेलो ॥ ४३ ॥ हां ॥ जरामरणनेंरोगशमणजिनवयणजो ॥ एह
रसायणअमयसुसायणसारछेरेलो ॥ हां ॥ पीधुकीधुकामतिणेंनहीसीतिजो ॥
जन्ममरणनीजाणतिणेमुकपारछेरेलो ॥ ४४ ॥ हां ॥ शोध्योआतमपापमें
लसविधोयजो ॥ स्वजनकुटवनिगमतेसागीलोहनीरेलो ॥ हां ॥ मरणकाल
विकरालकरेंस्युतासजो ॥ जेहमनुष्येंपयमीजीतिमोहनीरेलो ॥ ४५ ॥ हां ॥
एहकलेवरघरमापणिनपीपासजो ॥ तपधनजेहनेंतेहनेंसरीरसलेषीउरेलो ॥
॥ हां ॥ सुविहितविहितमरणविधिपूर्वकजेणजो ॥ तेहनुरेवरमरणतेउत्सववे
षीउरेलो ॥ ४६ ॥ हां ॥ तपपाथेयपसुजिणेंसार्थेशुरुजो ॥ मरणसमाधिनि
रवार्थेमार्गेमुणीरेलो ॥ हां ॥ जेमरणेंकरीस्वर्गकेहोयअपवर्गजो ॥ तेहवुमर
णतोउत्सवसूतमागेगुणीरेलो ॥ ४७ ॥ हां ॥ इणिपरेंनरपतिशुसमतिबोलेंबो
लजो ॥ बीजेंपमेंढालएवावीशमीकहीरेलो ॥ हा ॥ धीरजरायनुवीरजअति
शयदेषिजो ॥ पद्मविजयकहेइमराषोदृढतासहीरेलो ॥ ४८ ॥ दूहा ॥ कालो
सर्पकृतांतछेरोगव्यसनविषराशि ॥ दीर्घदाढितेंदेषीश ॥ पुढिनमुकेंपास ॥ ४९ ॥
जालमस्युजुरुनविहोइ ॥ नासीसकाइनांहि ॥ सुरअसुरानहीआशिरो ॥ जरा
रोगनहीजांहि ॥ ५० ॥ ढाल ॥ करकमूनेंकरुवदनाझवारीलाल ॥ एदेशी ॥
रोगशोगमानवघणा ॥ झवारीलाल ॥ व्याधिजरानेंवियोगरे ॥ झ ॥ तेहनोस्यो
आसरोझइ ॥ झ ॥ तिणेंएधर्मसयोगरे ॥ झ ॥ ५१ ॥ जिनवयणेइमदृढरहो ॥ झ ॥
एआंकणी ॥ पणिएकनिमेषजेजीवीइ ॥ झ ॥ तेजमरायप्रमादरे ॥ झ ॥ कायर
सेवितमतदिउ ॥ झ ॥ मुकअपयशनोवादरे ॥ झ ॥ ५२ ॥ जि ॥ मृत्युदाढेजेआवी

उ ॥ ऊ ॥ होइजोइवनरिंदरे ॥ ऊ ॥ पणतेनीकलीनविसर्के ॥ ऊ ॥ [illegible]
यमनृपफदरे ॥ ऊ ॥ ५३ ॥ जि० ॥ मृतमारणमार्गेकरी ॥ ऊ ॥ [illegible]
ललाजरें ॥ ऊ ॥ एतुऊचित्तामुऊघणी ॥ ऊ ॥ नहीमुऊजीवितकाजरे ॥ [illegible]
॥ ५४ ॥ जि० ॥ आहारत्यागनिजवयणथी ॥ ऊ ॥ तेकिमलेऊआजरे ॥ [illegible]
मरणरूमुनहीजीववु ॥ ऊ ॥ व्रतपमीसुणिराजरे ॥ऊ॥ ५५॥ जि॥ [illegible]
ग्गिमिपवेसो ॥ वरविशुद्धेणकम्मुणामरण ॥ मागहियवयसगो ॥ माजीवंस्य
ल्लियसीलस्स ॥१॥ पूर्वढालाइणिपरेंवयणतेसांसली ॥ऊ॥ कोपानलेज्वल्योते
हरे ॥ ऊ ॥ नयनकस्यांअतिरातमां ॥ऊ॥ खड्गप्रहारकरेहरे ॥ ऊ ॥ ५६ ॥ जि॥
मातुकीधुमुरवें ॥ ऊ॥ कीधोशिरपरघायरे ॥ ऊ ॥ नमोजिणाणकहेमुदा ॥
॥ ऊ ॥ तत्वज्ञानीतेहरायरे ॥ ऊ ॥५७॥ जि ॥ कर्मकस्यांजेजेनरें ॥ ऊ ॥ [illegible]
तेसोगवेंआपरे ॥ ऊ ॥ सोगवतांसयस्युकरे ॥ ऊ॥ करतांनवीहेंपापरे ॥ ऊ ॥
॥५८॥जि॥ परतोनिमित्तमल्योतनें ॥ऊ॥ नहीएहनोअपराधरे ॥ ऊ ॥ [illegible]
पराधपोतेंकस्या ॥ ऊ ॥ आवेंतेहअगाधरे ॥ऊ॥ ५९॥जि ॥ [illegible] ॥ सवोपुण्य
कयाण ॥ कम्माणपावएफलविवाग ॥ अवराहेसुगुणेसुअ ॥ निमित्तमित्तप
रोहोई ॥ ६ ॥ अप्पाअरिहोअणवठियस्स ॥ अप्पाजसोसीलमउनरस्स ॥
अप्पाऊरप्पाअणवठियस्स ॥ अप्पाजीअप्पासरणंगइय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
धर्मचित्तवतांरायनें ॥ऊ॥ कीधोवीजोघायरे ॥ऊ॥ पापीइपापकरयुघण ॥ऊ॥
कलुषितअध्यवसायरे ॥ ऊ ॥ ६० ॥ जि ॥ मरणलहीतेमहातमा ॥ ऊ ॥ [illegible]
ध्यवसायसुसजासरे ॥ ऊ ॥ सनतकुमारमाउपना ॥ ऊ ॥ कांतिधुतिवरवा
सरे ॥ ऊ ॥ ६१ ॥ जि ॥ पांचसागरनेंआउषे ॥ ऊ ॥ लीलारामविमानरे ॥
॥ ऊ ॥ सुखसागरमांझीलतां ॥ ऊ ॥ काढेकालअमानरे ॥ ऊ ॥ ६२ ॥जि॥
आणंदराज्यपालीकरी ॥ ऊ ॥ मरीनेंनारकीथायरे॥ ऊ॥ एकसागरनेंआउषें॥
ऊ ॥ रतनप्रभानेंठायरे ॥ ऊ ॥ ६३ ॥ जि ॥ सीहआणदपूराथया ॥ ऊ ॥
वापवेटासवधरे ॥ ऊ ॥ खड्गवीजोपूरणथयो ॥ ऊ ॥ बालब्रेवीशप्रबधरे ॥
ऊ ॥ ६४ ॥ जि ॥ पटधरसीहसूरीसना ॥ ऊ ॥ सोसागीशिरदाररे ॥ ऊ ॥

सत्यविजयगुरुसंजमी ॥ ॐ ॥ कपूरविजयव्रतधारेरे ॥ ॐ ॥ ६५ ॥ जि ॥ तासअंतेवासीसला ॥ ॐ ॥ पिमाविजयजसनामरे ॥ ॐ ॥ गीतारथगुणआगला ॥ ॐ ॥ जिनविजयतसगामरे ॥ ॐ ॥ ६६ ॥ जि ॥ तेहनाशीषसोहामणा ॥ ॐ ॥ ग्यानीगुणसमारेरे ॥ ॐ ॥ उत्तमविजयएनामथी ॥ ॐ ॥ उत्तमचरित्रविचारेरे ॥ ॐ ॥ ६७ ॥ जि ॥ अढारउंगणएआलमां ॥ ॐ ॥ सवत्सरगुरुवारेरे ॥ ॐ ॥ उत्सवमहोत्सवअतिघणा ॥ ॐ॥ तिर्णेवरसेतपकारेरे ॥ ॐ॥६८॥ जि ॥ पोससुकलतेरसदिनें ॥ ॐ ॥ लींबडीनगरमझारेरे ॥ ॐ॥ वीजोपमपूरणथयो ॥ॐ॥ सघआपहसुखकारेरे ॥ ॐ॥ ६९ ॥ जि ॥ तेगुरुउत्तमविजयनी॥ ॐ ॥ सानिधलहीसुरसालरे ॥ ॐ ॥ पद्मविजयकहोप्रेमस्यूं ॥ ॐ ॥ सुणतां मगलमालरे ॥ ॐ ॥ ७० ॥ जि ॥ ॥ इतिश्रीसविज्ञपच्छोयपमितप्रवरश्रीमउत्तमविजयगणिशिष्यप० श्रीपद्मविजयगणिविरचित्तो॥ श्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतबधेसीहनृपाणंदकुमारयो संगतयो द्वितीयोनरसव समाप्त द्वितीयषमेसर्वगाथा ॥ ६६९ ॥ उक्तगाथा ॥ ११ ॥ ॥ अथत्रतियखम ॥ ॥ ढ्हा ॥ शांतिजिनेसरसोलमा ॥ दानअसयदातार ॥ यहीव्रतउपमसवगण्या ॥ वडवारवार ॥ १ ॥ अहि२पतिकीघोअधिक ॥ अवलपुरूषआदेय॥ कमठहठीहठकाढीउ ॥ वडश्रीवामेय ॥ २ ॥ वामासगथीवेगला ॥ वामेतरगुणवत ॥ गुरु२गुणगणआगला ॥ महिमावतमहांत ॥ ३ ॥ वीजोसवश्मवोलीउ ॥ बापवेटासबध ॥ मावडीसुतमत्सरमनें ॥ धारेंअतिशयघध ॥ ४ ॥ तेहसीखीजालणीतणो ॥ कहुरूडोअधिकार ॥ श्रीजेंखमेतेसुणो ॥ आणीहर्ष अपार ॥ ५॥ ढाल ॥ वेशीआढेलालनी ॥ जवूद्वीपअन्नूण ॥ विर्सेसीत्तेरएकउण ॥ आढेलाल ॥ पाढतेहमाषटकुलगिरिजी ॥ १ ॥ दत्तवैताढ्यतेव्यार ॥ चोत्रीसदीर्घसार ॥ आ ॥ दोचित्रविचित्रदोजमगढेंजी ॥ २ ॥ गजदत्तावरव्यार ॥ सोलकहावरखार ॥ आ ॥ दोसयकचनगिरिवलीजी ॥ ३ ॥ मेरुपर्वतएक ॥ विचमतिसुविवेक ॥ आ ॥ तेहथीपछिमदिशिंजईजी ॥ ४ ॥ नगरीनामेंकोश ॥ जेहनोसवलोजोस ॥ आ ॥ लोकवडूवासेंवसेंजी ॥ ५ ॥ व्या

धिवेदननहीरोस ॥ नहीपरवकनोसोस ॥ आ ॥ सुरपुरिसमशोसावलीजी॥
॥ ६ ॥ नारिनोसरखखसाव ॥ थिरस्नेहीगतपाव ॥ आ ॥
नीजी ॥ ७ ॥ लोकबोलेंसत्यवाच ॥ नहीकोईहोशजिमकाच ॥ आ ॥
अजितसेततिहांकिणेंजी ॥ ८ ॥ सपामेंजयवाद ॥ पाम्योतेअविवाद
सूपघणापाएनमेंजी ॥ ९ ॥ तेहनेंब्राह्मणएक ॥ तेपरधानविवेक ॥ आ ॥
इद्रशर्मानामेंथयोजी ॥ १० ॥ शुसकरातसनारि ॥ तेहनीकूषिमझारि ॥ आ ॥
आणदनारकीउपनोजी ॥ ११ ॥ हयकरीसागरआय ॥ बलीससारसमाय॥
॥ आ ॥ उणांच्यारसागरपडीजी ॥ १२ ॥ पुत्रीपणेंतेआय ॥ जा
गाय ॥ आ ॥ आवीयौवनवयतदाजी ॥ १३ ॥ तेसुपनोप्रधान ॥ पु
असिधान ॥ आ ॥ तेहनोब्रह्मदत्तसुतसलोजी ॥ १४ ॥ तेहनेंदीधीतेह ॥ सु
खसोगवेंससनेह ॥ आ ॥ कालगयोवहीकेतलोजी ॥ १५ ॥ इणिअवसरेंति
हदेव ॥ जालिनीकूषेहेव ॥ आ ॥ उपनोकर्मशकतिघणीजी ॥ १६ ॥ देखें
सुपनेंताम ॥ कनककलसअसिराम ॥ आ ॥ पूरणमुखमपिंसतोजी ॥
मातनेंनविसंतोष ॥ नीकलीउनिजज्योष ॥ आ ॥ सागोतेपणिकिमहीकेंजी॥
॥ १८ ॥ जागीसुपनुदेष ॥ नविकसोपतिनेंरेष ॥ आ ॥ शुसअशुससकीर्ष
थीजी ॥ १९ ॥ गर्सतेवधतोजाय ॥ देहमनपीडाथाय ॥ आ ॥ जाणेंपाडु
एगर्सनेंजी ॥ २० ॥ करेंउपायअनेक ॥ कर्मविपाकअतिरेक ॥ आ ॥ मर्स
कुशलषेमेंरसोजी ॥ २१ ॥ जाणीब्रह्मदत्तेंवात ॥ परीजननेंसमजात ॥ आ॥
जालवज्योतुमेगर्सनेंजी ॥ २२ ॥ प्रसवसमयजिमएह ॥ मारीननांखेजेह ॥
॥ आ ॥ सावधेतरहेंज्योसकुजी ॥ २३ ॥ जबएजनमतेथाय ॥ कहेंज्योतु
फनेंआय ॥ आ ॥ जिमनविजाणेंब्राह्मणीजी ॥ २४ ॥ उपनोदोहदतास ॥
जिनपूजुसुविलास ॥ आ ॥ तपसीनीसगतिकरुजी ॥ २५ ॥ प्राणीनेंदेउदाम॥
धर्मसांसलीश्कान ॥ आ ॥ तेसरतारेपूरीयाजी ॥ २६ ॥ गर्सप्रसावेंश्म ॥ उ
त्तमवस्तुनेंप्रेम ॥ आ ॥ जन्मसमयजण्योपुत्रनेंजी ॥ २७ ॥ चितवेंतेहनी
माय ॥ मिलीउएमदाय ॥ आ ॥ किममारीसकीश्हांजी ॥ २८ ॥ जाणी

तसअसिप्राय ॥ बंधूजीवासखीथाय ॥ आ ॥ सार्थेइमतसवयणमाजी ॥
॥ २९ ॥ एहगर्सढेपाप ॥ दिस्तुमनेंसताप ॥ आ ॥ एहगर्सनेंपरठवोजी ॥
॥ ३० ॥ अतरसरीउंकरवाय ॥ बोलीसुसकरामाय ॥ आ ॥ लाजतीकहेंजा
णोतुमेजी ॥ ३१ ॥ लीधोबालकतेह ॥ कसूब्रह्मदत्तनेंएह ॥ आ ॥ ठांनोपा
लेतेहनेंजी ॥ ३२ ॥ लोकमाकाढीवात ॥ बालकमृतआयात ॥ आ ॥ इमक
रतांकेइदिनगयाजी ॥ ३३ ॥ थार्पेतेहनुनाम ॥ सिखिकुमारअसिराम ॥ आ॥
वधतोकलापहतोथकोजी ॥३४॥ समरादित्यनोरास ॥ त्रीजेंखमेउल्लास ॥आ॥
॥ ढालप्रथमपदमेंकहीजी ॥३५ ॥ डुहा ॥ जाण्योविचारनिजजननीनो ॥ वा
स्योअतिवैराग ॥ जननीइपणिजाणिउं ॥ एहसवधअसाग ॥ ३६ ॥ क्रोधथ
कीतेकलकली ॥ सार्थेपतिनेंसाषा ॥ जोतुझएहस्युकाजठे ॥ तोहवेमुझमतराष
॥३७॥ सयलकामतज्यासामटां ॥ पाणीनकरेपाना॥सिखिकुमरएहवउसुणी॥
उंदवेगकरेंअमाना॥३८॥ घरथीनीकलीउंघणा॥चिंतेंचातूरचित्ता॥मातापणमा
टुकरो॥ अघआव्यूअपवित्त ॥३९॥ इणिव्यतिकरथीदुखीउं ॥तातअतिपेदाता॥
जुगतुनविरहेंबुजरा ॥ इमचिंतीअवदात ॥ ४० ॥ नीकलीउंपूछ्याविना ॥ अ
शोकवनउद्यान॥पोहतोतवतिहांपेषीया ॥ मुनीवरजीमहिराण ॥४१॥ ढाल॥
मोहनगाराहोराजिरूमाम्हारासांसलिसूगुणासुमा ॥ एदेशी॥चहुशिष्येंकरीपरि
वस्याजी ॥ गुणमणिरयणसणार ॥एकअसजमटालताजी ॥ दोयध्यानपरिहा
रकें ॥४२॥ मुनिवरवारुहोराजिववो॥ तुमेसव२पापनिकदो ॥एआंकणी॥ त्रि
णिदमथीविरमीयाजी ॥ नकरेंच्यारकरवाय ॥ पांचइंद्रीनिग्रहकरेंजी ॥ पाले
जेपटकायके ॥४३॥ मु ॥ मुकाणातयसातथीजी ॥ टाल्याअमदगाण॥नव
ब्रह्मचर्यगुप्तिधरेजी ॥ टालेंपापनियाणकें ॥ ४४ ॥मु ॥ दशविधसयमपाल
ताजी ॥ अगअग्यारनाजाण ॥ बारेंसेदेतपकरेंजी ॥ इमगुणरयणनीपाणिकें
॥४५॥ मु ॥ विजयसिहनामेंगणीजी॥देखीलसोआणदा॥चितवेंधनएमुनीवरु
जी ॥ सेवेंधर्मअमदकें ॥ ४६॥ मु ॥ अथिरससारसनेहढेजी ॥ किमकीधोए
त्याग ॥ पूछुकारणएहनेंजी ॥ किमउपनोंवैराग्यकें ॥४७॥ मु ॥ जईप्रणम्या

धिवेदननहीरोस ॥ नहीपरचक्रनोसोस ॥ आ ॥ सुरपुरिसमशोसावलीजी ॥
॥ ६ ॥ नारिनोसरसस्वसाव ॥ थिरस्नेहीगतपाव ॥ आ ॥ राजधानीपङ्कजा
नीजी ॥ ७ ॥ लोकबोलेंसत्यवाच ॥ नहीकोईहोशजिमकाच ॥ आ ॥ राजा
अजितसेनतिहाकिर्णेजी ॥ ८ ॥ सपामेंजयवाद ॥ पाम्योतेअविवाद ॥ आ
सूपघणापाएनमेंजी ॥ ९ ॥ तेहनेंब्राह्मणएक ॥ तेपरधानविवेक ॥ आ ॥
इद्रशर्मानामेंथयोजी ॥ १० ॥ शुसकरातसनारि ॥ तेहनीकूषिमझारि ॥ आ
आणदनारकीउपनोजी ॥ ११ ॥ कयकरीसागरआय ॥ बलीससारसमाय ॥
॥ आ ॥ उणांच्यारसागरपडीजी ॥ १२ ॥ पुत्रीपणेंतेआय ॥ जालिनीनामते
ठाय ॥ आ ॥ आवीयौवनवयतवाजी ॥ १३ ॥ तेसुपनोप्रधान ॥ बुद्धिसागर
अभिधान ॥ आ ॥ तेहनोब्रह्मदत्तसुतसलोजी ॥ १४ ॥ तेहनेंदीधीतेह ॥ सु
खसोगवेंससनेह ॥ आ ॥ कालगयोवहीकेतलोजी ॥ १५ ॥ इणिअवसरेंति
हदेव ॥ जालिनीकूषेहेव ॥ आ ॥ उपनोकर्मशकतिघणीजी ॥ १६ ॥ देखें
सुपनेंताम ॥ कनककलसअभिराम ॥ आ ॥ पूरणमुखमपिंसतोजी ॥ १७ ॥
मातनेंनविसंतोष ॥ नीकलीउनिजज्योष ॥ आ ॥ सागोतेपणिकिमहीकेंजी ॥
॥ १८ ॥ जागीसुपनुदेष ॥ नविकसोपतिनेंरेष ॥ आ ॥ शुसअशुससकीर्ष
थीजी ॥ १९ ॥ गर्सतिवधतोजाय ॥ देहमनपीडाथाय ॥ आ ॥ जाणेंपाडु
एगर्सनेंजी ॥ २० ॥ करेंउपायअनेक ॥ कर्मविपाकअतिरेक ॥ आ ॥ गर्स
कुशलषेमेंरखोजी ॥ २१ ॥ जाणीब्रह्मदत्तेंवात ॥ परीजननेंसमजात ॥ आ
जालवज्योतुमेगर्सनेंजी ॥ २२ ॥ प्रसवसमयजिमएह ॥ मारीननांखेजेह ॥
॥ आ ॥ सावचेतरहेंज्योसऊजी ॥ २३ ॥ जबएजनमतेथाय ॥ कहेंज्योतु
ऊनेंआय ॥ आ ॥ जिमनविजाणेंब्राह्मणीजी ॥ २४ ॥ उपनोदोहदतास ॥
जिनपूजुसुविलास ॥ आ ॥ तपसीनीसगतिकरुजी ॥ २५ ॥ प्राणीनेंदेउदान ॥
धर्मसासलीशकान ॥ आ ॥ तेसरतारेपूरीयाजी ॥ २६ ॥ गर्सप्रसावेंइम ॥ उ
त्तमवस्तुनोंप्रेम ॥ आ ॥ जन्मसमयजण्योपुत्रनेंजी ॥ २७ ॥ चितवेंतेहनी
माय ॥ मिलीउएसमुदाय ॥ आ ॥ किमवारीसकीशहांजी ॥ २८ ॥ जाणी

तसअसिप्राय ॥ वधूजीवासखीथाय ॥ आ ॥ सार्पेइमतसवयणमांजी ॥ ॥ २९ ॥ एहगर्सढेपाप ॥ दिश्तुमनेंसताप ॥ आ ॥ एहगर्सनेंपरठवोजी ॥ ॥ ३० ॥ अतरसरीउंकरवाय ॥ बोलीमुसकरामाय ॥ आ ॥ लाजतीकहेंजा णोतुमेजी ॥ ३१ ॥ लीधोबालकतेह ॥ कहुब्रह्मदत्तनेंएह ॥ आ ॥ ढानोपा लेतेहनेंजी ॥ ३२ ॥ लोकमांकाढीवात ॥ बालकमृतआयात ॥ आ ॥ इमक रतांकेइदिनगयाजी ॥ ३३ ॥ थापेंतेहनुनाम ॥ सिरिवकुमारअसिराम ॥ आ॥ वधतोकलायहतोथकोजी ॥३४॥ समरादित्यनोरास ॥ त्रीजेंखंडेउल्लास ॥आ॥ ॥ ढालप्रथमपदमेंकहीजी ॥३५ ॥ ढहा ॥ जाण्योविचारनिजजननीनो ॥ वा स्योअतिवैराग ॥ जननीइपणिजाणिउं ॥ एहसवधअसाग ॥ ३६ ॥ क्रोधथ कीतेकलकली ॥ सार्पेपतिनेंसाथ॥ जोतुझएहस्युकाजढें॥ तोहवेमुझमतराय ॥३७॥ सयलकामतज्यांसामटा ॥ पाणीनकरेपाना॥सिरिवकुमरएहवउसुणी॥ उदवेगकरेंअमाना॥३८॥ घरथीनीकलीउघणु॥ चिंतेंचातूरचित्त॥मातापणमा टुकरे॥ अघआव्यूअपवित्त ॥३९॥ इणिव्यतिकरथीदुखीउं ॥तातअतिपेदात॥ जुगतुनविरहेंवुजरा ॥ इमचितीअवदात ॥ ४० ॥ नीकलीउंपूछ्याविना ॥ अ शोकवनउद्यान॥पोहतोतवतिहांपेथीया ॥ मुनीवरजीमहिराण ॥४१॥ ढाल॥ मोहनगाराहोराजिरूमाम्हारासांसलिसुगुणामुझ ॥ एदेशी॥चहुशिष्यांकरीपरि वस्याजी ॥ गुणमणिरयणसमार ॥एकअसजमटालताजी ॥ दोयध्यानपरिहा रकें ॥४२॥ मुनिवरवारुहोराजिवदो॥ तुमेसव२पापनिकदो ॥एआंकणी॥ त्रि णिदमथीविरमीयाजी ॥ नकरेंव्यारकरवाय ॥ पांचइंद्रीनिग्रहकरेंजी ॥ पाले जेषटकायके ॥४३॥ मु ॥ मुकाणासयसातथीजी ॥ टाल्याअमदठाण॥नव ब्रह्मचर्यगुप्तिधरेजी ॥ टालेंपापनियाणकें ॥ ४४ ॥मु ॥ दशविधसयमपाल ताजी ॥ अगअग्यारनाजाण ॥ वारेंसेंदेतपकरेंजी ॥ इमगुणरयणनीपाणिकें ॥४५॥ मु ॥ विजयसिहनामेंगणीजी॥देखीलक्षोआणदा॥चितवेंघनएमुनीवरु जी ॥ सेवेंधर्मअमदकें ॥ ४६॥ मु ॥ अथिरससारसनेहढेजी ॥ किमकीधोए त्याग ॥ पूछुकारणएहनेंजी ॥ किमउपनोंवैराग्यकें ॥४७॥ मु ॥ जईप्रणम्या

मुनिराजीयाजी ॥ मुनीइदीउंधर्मलाह ॥ बेंठोमुनिचरणेहवेजी ॥ सांसलवा
घरेंचाहकें ॥ ४८ ॥ मु ॥ पूछेंकिमतुमेपामीयाजी ॥ इणिपरेंसबउद्वेग ॥ सर्वी
गेंसुदरतुमेजी ॥ लावण्यअतिहिविवेगकें ॥४९॥ मु ॥ तनुसुदरतासूचवेंजी ॥
विसवतणोप्रागसार ॥ विसवविस्तरवलीसूचवेजी ॥ स्वजनकुटवविस्तारकें ॥
॥५०॥ मु ॥ सजनवर्गठामीकरीजी ॥ यथानिर्ममनिसग ॥ कहोकारणगुरुते
हनुजी ॥ सुणवानोमुझरगकें ॥ ५१ ॥ मु ॥ गुरुसाषेएशरीरमांजी ॥ स्युंदी
ठुंतेसार ॥ हाडचामशोणितसस्युंजी ॥ असुचितणोसमारकें ॥ ५२ ॥ मु ॥
अर्थअनर्थनुमूलछेजी ॥ तेहमास्योप्रतिबध ॥ स्योप्रतिबधसुपनसमोजी ॥
सयणतणोसबधकें ॥ ५३ ॥ मु ॥ सयणविचिरसोटलवलेंजी ॥ रोगलसोज
बआप ॥ वहिचीनलीइरोगनेंजी ॥ सयणकरेंसतापकें ॥५४॥मु॥ मरीजाय
वलीएकलोजी ॥ सयणजोईरहेताम ॥ रोवेंनयणआंसुझरेंजी ॥ सयणकुटंब
नोयामकें ॥५५॥ मु ॥ बांधेकर्मतेएकलोजी ॥ सोगवेंतसफलएक ॥ कुण
स्वजनपरजनकहोजी ॥ चितवेंघरीयविवेककें ॥ ५६ ॥ मु ॥ वैरीचार्येमा
वमीजी ॥ पुत्रतेवैरीथाय ॥ अनवस्थितएसावमांजी ॥ सयणमांकिमभुक्ता
यकें ॥५७॥मु॥ इहांदृष्टाततेंमाहरोजी ॥ सांसलयईसावधान ॥ इणहिजविज
यमांनीपनोजी ॥ लछिनिलयपूरजांणिकें ॥५८॥ मु ॥ सारथवाहनामेंतिहां
जी ॥ सागरदत्तसुजांण ॥ श्रीमतितेहनीसारयाजी ॥ कृतसपुत्रवस्थाणकें ॥
॥ ५९ ॥ मु० ॥ कुमरअवस्थाइवर्त्ततोजी॥ गयोतेनगरआसन्न ॥ लछमीप
र्वतउपरेजी ॥ क्रीडाकरवामन्नकें ॥६० ॥ मु ॥ तिहांदीठोइकथानकेंजी ॥
नालीएरीसुविशालास्निग्धपत्रसचयमल्योजी ॥ विइकौतुकतेसालिकें॥६१॥
॥ मु ॥ एकपादतेनीकलीजी ॥ पेंठोप्रथवीमांहि॥ कौतुकथीजोतोथकोजी॥
चिंतेंतेमनमाहिकें ॥६२ ॥ मु ॥ एवमोटकएवमेथकेंजी ॥ उतरीउएपाद ॥
धरतीमांपेंठोवलीजी॥ कारणकोईअविवादकें ॥६३ ॥ मु॥ बीजेंखंमेइंणीपरें
जी॥बेठोकरेंविचारा।बीजीढालपदमकहेंजी।पुण्येंजयजयकारकें॥६४॥मु॥
॥ दुहा ॥ इणेंअवसरमुझउपनो ॥ मनमांअतिप्रमोद ॥ वायरासुरसिवाईया ॥

आवेंअतिआमोद ॥६५॥ सहजवैरविसारीनें ॥ सावजप्रभुरवसनेह ॥ षटऋतुकुसुमफूल्याषरा ॥ भमरगुंजतसमेह ॥६६॥ लषमीपरषतलहकीउ ॥ देतोअतिआणद ॥ तापविनासूरजतपें ॥ पाम्योपरमाणद ॥६७॥ ऊचितुअहोएहस्यु ॥ सुवनअढेरासूत ॥ इणेंअवसरतिहांआवीउ ॥देवसमुहेदित ॥ ६८ ॥ रविमडलपरेंराजतु ॥ जय २ रवथीजोर ॥ कुसुमवृष्टिवडुकीजतें ॥ रयणमितितिणेंगोर ॥६९॥ पठिमदिशथीपरवस्यु ॥ देवसमूहेंदीठ ॥ धर्मचक्रधर्मधोरिनु ॥ आव्युंअतिउकीठ ॥७०॥ स्वेतांवरवडुसाधुजी ॥ पाउधास्यापरिवार ॥ आव्याइवेंइणेंअवसरें ॥ प्रभुजीपरमकृपाल ॥७१॥ ढाल॥ करेलणांचमधेरे ॥ एदेशी ॥ चक्रचलेआकाशमां ॥ छत्रचलेंआकाश ॥ देवदुदुभीवलीवाजती ॥ गाजीरह्योआकाश ॥७२॥ सविकजनहरषोरे॥ जगतमाजोतादेवनहीएहसरिषोरे ॥एआकणी॥ गगनेंचामरचालता ॥ सिंहासनपायपीठ॥ कनककमलउपरिठवें ॥ पादकमलमेंदीठ ॥७३॥ स० ॥ अजितदेवतिहकरु ॥ सुरनरवडुगुणगाया॥धूपघटीमहकेंवली ॥ पाउधास्यातिणेंगाय ॥७४॥ स० ॥ सवसायरतरीयाजिकें ॥ परियातास्याजेण ॥ सरियाकारिजआपणां ॥ दीठाजवनयणेण ॥७५॥ स० ॥ हरषथयोमुझनेंघणो ॥ नाठोरोगमिथ्यात ॥ समकितअमृतपामीयो ॥ हरष्योसातेंघात ॥७६॥ स० ॥ चितुचित्तमांएहवु ॥ धन्यथयोझआज ॥ जगचितामणिसारिषा॥ दीठाश्रीजिनराय ॥७७॥ स० ॥ रजतकनकरयणांतणा॥ देवरचेंप्राकार ॥ कनकरयणमणिमयतणा ॥ कोसीसांसुप्रकार ॥७८॥ स० ॥ केतुपताकासोहती ॥ तोरणविचित्रप्रकार ॥ वृक्षअशोकवारसगुणो ॥ द्वादशछत्रउदार ॥७९॥ स० ॥ दिव्यवैडूर्यसिंहासणें ॥ चामरचोवीसजोडि ॥ धर्मध्वजमडितवली ॥ सहसजोयणनहीजोडि ॥८०॥ ॥ स० ॥ समवसरणवेंठाप्रभू ॥ अजितदेवभगवान ॥ धर्मकथाप्रारसता ॥ सवजलनावसमान ॥ ८१ ॥स०॥ वेंपासेंदोयदेवता॥ वेणवजावेंसार ॥ प्रभुवाणीनेंपूरता ॥ दिव्यध्वनीपरकार ॥ ८२ ॥ स० ॥ वीजापणिवाजांसर्वे ॥ देशनारागप्रमाण ॥ उतरेंइमअतिशयप्रभु ॥ स्यास्यांकरुवषाण ॥ ८३॥स०॥

मुनिराजीयाजी ॥ मुनीश्दीउधर्मलाह ॥ वेंगोमुनिचरणेहवेजी ॥ सांसलवा
घरेंचाहकें ॥ ४८ ॥ मु ॥ पूछेंकिमतूमेपामीयाजी ॥ इणिपरेंसवउद्वेग ॥ सर्वी
गेंसुदरतुमेजी ॥ लावण्यअतिहिविवेगकें ॥४९॥ मु ॥ तनुसुदरतासूचवेंजी ॥
विसवतणोप्रागसार ॥ विसवविस्तरवलीसूचवेजी ॥ स्वजनकुटबविस्तारके ॥
॥५०॥ मु ॥ सजनवर्गगामीकरीजी ॥ यथानिर्ममनिसग ॥ कहोकारणगुरुते
हनुजी ॥ सुणवानोमुझरगकें ॥ ५१ ॥ मु ॥ गुरुसाषेएशरीरमांजी ॥ स्युदी
ठुंतेसार ॥ हाडचांमशोणितसस्युंजी ॥ असुचितणोसमारकें ॥ ५२ ॥ मु ॥
अर्थअनर्थनुमूलछेजी ॥ तेहमास्योप्रतिबध ॥ स्योप्रतिबधसुपनसमोजी ॥
सयणतणोसबधकें ॥ ५३ ॥ मु ॥ सयणविचिरसोटलवलेंजी ॥ रोगलसोज
बआप ॥ वहिचीनलीशरोगनेंजी ॥ सयणकरेंसतापकें ॥५४॥मु॥ मरीजाय
वलीएकलोजी ॥ सयणजोईरहेताम ॥ रोवेंनयणआंसुझरेंजी ॥ सयणकुटंब
नोयामकें ॥५५ ॥ मु ॥ बांधेंकर्मतेएकलोजी ॥ सोगवेंतसफलएक ॥ कुण
स्वजनपरजनकहोजी ॥ चितवेंधरीयविवेककें ॥ ५६ ॥ मु ॥ वैरीचायेंमा
वमीजी ॥ पुत्रतेवैरीथाय ॥ अनवस्थितएसावमांजी ॥ सयणमांकिंमसुझा
यकें ॥५७॥मु॥ इहादृष्टाततेंमाहरोजी ॥ सांसलयईसावधान ॥ इणहिजविज
यमांनीपनोजी ॥ लछिनिलयपूरजांणिकें ॥५८॥ मु ॥ सारथवाहनामेंतिहां
जी ॥ सागरदत्तसुजांण ॥ श्रीमतितेहनीसारयाजी ॥ कृतसपुत्रवस्थाणकें ॥
॥ ५९ ॥ मु० ॥ कुमरअवस्थाश्वर्त्ततोजी॥ गयोतेनगरआसन्न ॥ लक्ष्मीप
र्वतउपरेजी ॥ क्रीडाकरवामन्नकें ॥६० ॥ मु ॥ तिहांदीठोश्कथानकेंजी ॥
नालीएरीसुविशाला॥स्निग्धपत्रसचयमल्योजी ॥ दिश्कौतुकतेसालिकें॥६१॥
॥ मु ॥ एकपादतेनीकलीजी ॥ पेंठोप्रथवीमांहि॥ कौतुकथीजोतोथकोजी॥
चिंतेंतेमनमांहिकें ॥६२ ॥ मु ॥ एवमोटकूएवमेथकेंजी ॥ उतरीउएपाद ॥
धरतीमपिंठोवलीजी॥ कारणकोईअविवादकें ॥६३ ॥ मु॥ बीजेंसंकेईणीपरें
जी॥तेठोकरेंविचारा॥बीजीढालपदमकहेंजी ॥पुण्येंजयजयकारकें ॥ ६४॥मु॥
॥ डहा ॥ इणेंअवसरमुझउपनो ॥ मनमांअतिप्रमोद ॥ वायराहुरसिवाईया ॥

लोकजी ॥ लोसदोषथीरेनगण्योसाईनें ॥ करवोमोहतेफोकजी ॥ ७ ॥ ग० ॥
शुरुत्वसाधेरेतुमेतिहांथीमरी ॥ व्यतरमांथयादेवजी ॥ नागतेकरमथोरेगुणच
दनेंतिहां ॥ मरणलसोततषेवजी ॥ ८ ॥ ग० ॥ द्रव्यनसोगव्युरेकर्मबधाइ॥
रतनप्रसाइजायजी ॥ तुमेपणिदेशेउणकपल्यनु ॥ चवीयासोगवीआयजी ॥
॥ ९ ॥ ग० ॥ इणहिजविजयेरेढकणापुरवरें ॥ हरिनदीसद्धवाहोजी ॥ वसुम
तीसार्याकूर्येउपनो ॥ मातनेंहर्षअथाहोजी ॥१०॥ ग० ॥ देवदत्ततुझनामते
थापीउ ॥ हर्वेनारकगुणचदोजी ॥ कालथीउपनोनिहाणनेंहूकमो ॥ ना
गकषायनोवदोजी ॥११॥ ग० ॥ द्रव्यपरिग्रहकरीबेंठोतिहां ॥ तवतिहांउत्स
वथाइजी ॥ लषमीपर्वतवासिदेवीनो ॥ तुपणितेणेंसमेंजायजी ॥१२॥ ग० ॥
देवतापूजीरेदीनअनाथनें ॥ दीधुकरुणाइदानजी ॥ करीरसोईनीसामथीसवो॥
करीसोजनवलीपानोजी ॥१३॥ ग० ॥ पूरवसवनालेहथीजोयवा ॥ रमणी
कपर्वततेहोजी ॥ समतो२रेआव्योतिहांकिणें ॥दीठोनागेंतेहोजी॥१४॥ग०॥
लोसेंजाण्युरेद्रव्यएलेईजस्यें ॥ करमथोथरणनेंदेशजी ॥ विषअतिउपेरेपमि
डंधरणीइ ॥ नहीकोईसद्धाविशेशोजी ॥१५॥ग०॥ ताहरेलोकेरेमास्योनागनो॥
उपनोइणहिजठामोजी ॥ सीहपणेंतेरेपूर्वअभ्यासथी ॥ द्रव्यपरिग्रहतामोजी ॥
॥ १६ ॥ ग० ॥ तुपिणकालकरीएहविजयमां ॥ कयगलापुरीसारोजी ॥ सि
वदेवनामेरेकुलपुत्रकवसें ॥ यशोधरातसनारिजी ॥ १७ ॥ ग० ॥ तेहनीकू
षेरेइद्रदेवथयो ॥ पाम्योयोवनवेदोजी ॥ कालगयोकेइहवेंतुझसूपति ॥ वीर
देवनामेंनरेशोजी ॥१८॥ग०॥ लछिनिलयनोरेस्वामीजाणीइ॥ मानसगनामेंरा
योजी ॥ मोकलीउंतुझतेनरपतिकहें ॥ केईपुरिससमुदायोजी ॥ १९ ॥ग०॥
अनुक्रमेंआव्योरेइणहीजथानकें ॥ नीवपादपनेंहेठिजी ॥ जवतुबेंठोरेतवद
रीमुखरह्यो ॥ सिहतेसावजजेठजीरे ॥ २० ॥ ग० ॥ लोसथीसद्धारेधरीनें
मारीउ ॥ एहअनादीअभ्यासोजीरे ॥ तुम्हेपणिमास्योरेसिहनेंदोयमरी ॥ उप
नाएहजवासोजीरे ॥ २१ ॥ ग० ॥ श्रीपुलकपाटणमांहिवसें ॥ जरूदासच
मालोजीरे ॥ माईजरकाजसनारीचमालिनी ॥ तसकुर्येथयावालोजीरे ॥ २२ ॥

देशनामाहवेंसाषीउं ॥ एहअथिरससार ॥ मुझनेंपणितेपरिणम्यो ॥
र्षअपार ॥ ८४ ॥स०॥ पूछ्युमेंप्रणमीकरी ॥ साषोकरुणावंत ॥
जमुझमोटकु ॥ किमहोस्येंसगवंत ॥ ८५ ॥ स० ॥
किमउत्तरीयोएह ॥ एहनेहेठलद्रव्यछे ॥ केंनहीमुझसंदेह ॥ ८६ ॥
छेतोस्येंपरिमाणछें ॥ कोणेंघाल्युएह ॥ तेहनोकिस्योविपाकछें ॥
वेंजेह ॥ ८७ ॥ स० ॥ परमेश्वरसाषेंहवें ॥ उनरीउएहपाय ॥
जांणज्यो ॥ द्रव्यअछेंइणठाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ सोनइयासातलाषछें ॥
पादनोजीव ॥ बिहुजणेंमलीदाटीउ ॥ तासविपाकअतीव ॥ ८९ ॥ स०
रमसाधकविपाकछें ॥ इमबोल्याजबस्वामि ॥ तबमेंफरीनेंपूछिउ ॥
रीपरिणाम ॥ ९० ॥ स० ॥ किमम्हेंनेंनालीएरीइ ॥ दाटयुघनएईम ॥
मांअतरपम्यो ॥ एहयईगयुकेम ॥ ९१ ॥ स० ॥ प्रसुजीकहेंविस्तारथी ॥ एह
विपाकनिवाता ॥ देखीतुंहोयथोम्लु ॥ पणिबहुउदयेंआयात ॥ ९२ ॥ स०
दित्यनारासमां ॥ त्रीजेंखमेंएहाढालत्रीजीपदमेंकही ॥ मधुरसिताथीजेह ॥
॥स०॥ ढ्ढ॥ एहविजयमाअमरपुरा ॥ अमरदेवअसिधाना ॥ गाथापा
री ॥ सुदरीस्त्रीसुसवान ॥ ९४ ॥ दोयपुत्रतुमेदीपता ॥ आदिगुणचदएक ॥ ब
लचदबीजोवखि ॥ कहीनजाइटेक ॥ ९५ ॥ यौवनपाम्याजेतलें ॥ सरीकिम
णांसाय ॥ इणहिजदेशेंआवीया ॥ वेगेकरीव्यवसाय ॥ ९६ ॥ आव्योलालंब
नईछीउ ॥ इणेंअवसरइकराया ॥ विजयवर्मनामेंवडो ॥ आवेंरणकरणाय ॥
तेनगरिनोअधिपति ॥ सुरतेजनिजसाथ ॥ सार २ निजसाथिल्यें ॥ इणा
रवतकरीआय ॥ ९८ ॥ चढीउनरपतिचूपस्यु ॥ परबलनोसयपामि ॥ तुमेपणि
बिहुपोतातणो ॥ छोम्यालेइदाम ॥ ९९ ॥ इणेंथानकआवीकरी ॥
विचारा ॥ द्रव्यसूमिमांदाटीउ ॥ सुपरिकीधिसार ॥ १०० ॥ सर्वगाथा ॥ १०
अरणिकमुनिवरचाल्यागोचरी ॥ एदेशी ॥ कोइकदिनहवेगुणचदपंचितवो ॥ लोसवो
सथीइमजी ॥ सागएलेसेरेसाइमाहरो ॥ वरणलहेंकलंतेनजी ॥ ९९ ॥ मतिपरिवा
णेरेमतिइमउपजें ॥ एआंकणी ॥ ऊंरथयोमेरेवारवोथानमें ॥ स्वारथिवालंब

णीहोलाल ॥३८॥ सा० ॥ ताहरूसमुद्रदत्तनाम ॥ दाशनुमगलथापीउहोलाल ॥ सा०॥ अनुक्रमेंथयाकुमार ॥ अगेंजीवनव्यापीउहोलाल ॥ ३९ ॥ सा० ॥ इणिअवशरिअणगार॥अनगदेवसूरीमल्याहोलाल ॥सा०॥ तेहनीपासेंधर्म्मा पांम्योदूरवसवनांगल्यांहोलाल ॥ ४० ॥ सा० ॥ पांम्योदेशविरती ॥ श्राव कशुधथयोघणोहोलाल ॥ सा० ॥ लछीनिलयपुरठाम ॥ घरतिहाठेश्रावकत णोहोलाल ॥ ४१ ॥ सा० ॥ नामेंअचलसत्रवाह॥ जिनमतीनामतेहनीधूआ होलाल ॥ सा० ॥ परण्योतूंतेनारि ॥ मगलउठवबहुआहोलाल ॥ ४२ ॥ ॥ सा० ॥ एकदिनमगलसाथ ॥ जिनमतीनेमवानेंगयाहोलाल ॥ सा० ॥ आ व्याइणहीजठांम ॥ प्रयाणांकेईकथयाहोलाल ॥ ४३ ॥ सा० ॥ किधोतिहां विश्राम ॥ पत्रलताबहुलिमलीहोलाल ॥ सा० ॥ दिठोतवतिहापोआम ॥ दे षीलषमीअटकलीहोलाल ॥ ४४ ॥ सा० ॥ मंगलनेंबोलावि ॥ साप्युकौतक श्रीतूमेंहोलाल ॥ सा० ॥ कांयकहुयइणिठांमि ॥ होस्येनिश्चयकहुअमेहो लाल ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मगलबोल्योतांम ॥ जोउइणथानकजईहोलाल ॥सा० ॥ तेंकसुमकरिएकाम ॥ वातकौतिकथीएसईहोलाल ॥ ४६ ॥ सा० ॥ पिणि नहिमुझमनलोस ॥ तवमगलकहेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ कौतुकअधिकतेथा य ॥ तिणेंजोउवचतांहरेहोलाल ॥ ४७ ॥ सा० ॥ अणगमतूंतुझतोहि ॥ ति हुणकाटथीघोदिउहोलाल ॥ सा० ॥ तुरतदिठोकुसकठ ॥ मगलेंनिश्चयवेदि उहोलाल ॥ ४८ ॥ सा० ॥ महानीधानएएथि ॥ लेईसकुएहनेंठगीहोलाल ॥ ॥ सा० ॥ इणिअवशरेंतेंदिठ ॥ दृष्टिकलसकंठेलगीहोलाल ॥ ४९ ॥ सा० ॥ मगलनेंकहुइम ॥ चालिनगरमांजाईइंहोलाल ॥सा०॥ द्रव्यनीनकरतूकेमि॥ अरथथीअनरथपाईइहोलाल ॥ ५० ॥ सा० ॥ पूरीपामतिणठामि ॥ हरषि तपरेंथईचालीउहोलाल ॥ सा० ॥ तेंकसुकोईनेंएवात ॥ कहेस्योनहीजेंसालो उहोलाल ॥५१॥सा०॥ अधिकरणथाइएह ॥ कर्मबधाइतेहनुहोलाल ॥सा०॥ मंगलांचितवेतामा॥चित्तचल्युजुउएहनुहोलाल॥५२॥सा०॥मुझविणलेस्येएहा॥ नहितोइम किमसाथिइहोलाल ॥ सा० ॥ चिंतविबोल्योइम ॥ कोयनेंनहीअ

।ग० ॥ अनुक्रमेंजनम्यारेनामतेथापीआं ॥
हसेननालीएरीजीवनु ॥ अनुक्रमेंजीवनपायजीरे ॥ [illegible] ग० ॥
लडीरेपरवर्तेतेगया ॥ आहेमानेंकामजीरे ॥ क
ज्वलनेंपचाव्योतामोजीरे ॥ २४ ॥ ग० ॥ सक्षणकरवारेवेगलेविक
॥ अनरथदर्फेरेधरतीषोदतो ॥ चमसेनतेतिवारोजीरे
॥ ग० ॥ द्रव्यकलशनीकनारितेदेखतो ॥ गोपनलागोतेहजीरे ॥ तें
रपणिनूफमारीउ ॥ द्रव्यलोसएअढेहोजीरे ॥ २६ ॥ गति० ॥
त्रिजीनरगमां ॥ पांचसागरनेंआयजीरे ॥ तु
केनद्रव्यनोगायजीरे ॥ २७ ॥ ग० ॥ इमतिहांरहेतारिकेईवरसमयां ॥
द्रव्यनोनहिसोगजीरे ॥ वयरीचंमालेरेआवीमारीउ ॥
॥ २८ ॥ ग० ॥ अष्टादशसागरनेंआउषे ॥ ठठीनरगेजायजीरे ॥
खीरेश्रीमतीगांममां ॥ पुन्यनेंनरसवपायजीरे ॥ २९ ॥ ग० ॥
रासमांएकही ॥ त्रिजेंखमेंढालजीरे ॥ पद्मविजयकहेचोषीसांसलो ॥
लवातरशालजी ॥ ३० ॥ ग० ॥ दुहा ॥ सालिसद्रतीहांसेठीउ ॥ नवरीनारे
नारि ॥ सूततेहनोसोहामणो ॥ जनमतेथयोतिवार ॥ ३१ ॥ बालसुंदरनामें
वली ॥ जीवनपांम्योजाम ॥ सीलदेवसोहामणा ॥ मिलीआमुनीवरतामें
॥ ३२ ॥ सांसलीतेहनीदेशना ॥ तथासव्यपणतास ॥ पकथयुतिणेंपांमीजेम
सरधाधर्मसुवाश ॥ ३३ ॥ आवकिव्रतपणसेविआं ॥ अणसणविधीआरा
॥ उपनोलांतकअमरते ॥ अलगीगईउपाधि ॥ ३४ ॥ तेरसागरउणांमके
पुरणआयुपालि ॥ उपजेतेकहुआगलें ॥ सांसलज्योसतालि ॥ ३५ ॥
देशीसाहेलानी ॥ साहेलांहें ॥ इणहिजविजयमझार ॥ हथीणाउरनयरेंवसे
होलाल ॥ सा० ॥ सुहस्तिशणनाम ॥ नयरसेठसहुमनवसेंहोलाल ॥
॥ सा० ॥ कांतिमतीतसनारि ॥ तेहनीकूंखिउपनोहोलाल ॥ सा० ॥ ठठीनरग
चीआय ॥ विजोसाईहवेनीपनोहोलाल ॥ ३७ ॥ सा० ॥ तुफपीतानेंमेह ॥ सो
मिलादाशीसोहामणीहोलाल ॥ सा० ॥ तेहनीकूंखिपुत्र ॥ जनम्यातवकेंतिवार

नहीइमजाणक ॥ तिणेंहवेघरवासेमुझपोहतूं ॥ हवेप्रवज्याटाणक ॥ ६९ ॥
॥ जीन० ॥ स्नेहबधनाएहजठेमा ॥ तिणेंघरिपणिनवीजईइ ॥ अनगदेवगुरु
पासेंजईनें ॥ अमणघरमआदरीइ॥ ७० ॥ जीन० ॥ मगलघरिजाउंसूरवेंइ
हांथी ॥ क्रेशस्यानेंदिउएहनें ॥ इमविचारीमगलनेंकहे॥ ऊनहीदुखदेउकेंहनें
॥ ७१ ॥ जीन० ॥ तवमगलहवेचित्तविचारे ॥ मुझस्यूएकरेमाया ॥ पणि
मायाइऊनवचाउ ॥ ईमचितीकहेसाया ॥ ७२ ॥ जीन० ॥ तुमनेंनवीमुकुअ
धविचमां ॥ जिहांलगेंघेरनजाउ ॥ तवतेंकमूजोतुझआपहठे ॥ तोआलोघरे
आउ ॥ ७३ ॥ जीन० ॥ तिहांजईपुछीसकोईसाधूनें ॥ अनगदेवगुरूकेरी ॥
वातचितिचाल्याइमविझजण ॥ मगलजुइहवेहेरी ॥ ७४ ॥ जीन० ॥ केइक
दिनइमवहीगयावाटे ॥ आव्याअटवीमांहि ॥ सूम्यथानकदेषीमध्यान्हें ॥
चितेचित्तउछाहि ॥ ७५ ॥ जीन० ॥ महासाहसधरीकूडहृदयथी ॥ लोसदो
षचित्तधारी ॥ मगललेईछुरीपुठेथी ॥ कूरचित्तथीमारी ॥ ७६ ॥ जीन० ॥
मंगलनांमेंपणिअपमगल ॥ सावथकीएदीठे ॥ जिममगलमहतिमबलीसद्ध॥
शीतलिकाकहेजीसे ॥ ७७ ॥ जीन० ॥ टाढादिघाकणनीरहि ॥ आंषिआ
विवलीसाषे ॥ तिमएमंगलनाममात्रथी ॥ स्यूकिजेंगुणपावें ॥ ७८ ॥ जीन ॥
इणअवसरतिहांविहारकरता ॥ अनगदेवगुरूआव्या ॥ दिठोअपगांमीमुनी
राजें ॥ समतासगसोहाव्या ॥ ७९ ॥ जीन० ॥ मगलछुरीकामुकीनाठो ॥ तेम
नमांहिविचार्युचोरमाहरेस्युपुठेआव्या ॥ इमकरीपुठेधार्युछुरी ॥ ८० ॥ जीन० ॥
तवनासतोमगलदिठो ॥ चोरनदिठोकोई ॥ मनचितेंतूस्यूएअचरिज ॥ छुरीदी
ठीतवजोई ॥ ८१ ॥ जीन० ॥ रुधीरेंखरडीलिधीकरमां ॥ देषीचितेंएम ॥ चो
रनचीकोइएमहारणमां ॥ नासेमगलकेम ॥ ८२ ॥ जीन० ॥ छुरीपणिउलषी
पोताकेरी ॥ तवतेंनीश्चेंजाण्यु ॥ कांममगलीइकीधूतोपणि ॥ कारणनवीअ
पीठाण्यु ॥ ८३ ॥ जीन० ॥ तिणेंबोलावुमगलीआनें ॥ कहेस्येबातजेहोई ॥
इमकरीमगलनेंबोलाव्यो ॥ छोनेतवअतीशोई ॥ ८४ ॥ जी० ॥ तवसघलोवि
कल्पतेशमीउ ॥ कांमतेकिधुइएं ॥ जिनमंतिनीपणिबातकहीते ॥ नवीदीठी

मेदाषीइहोलाल ॥ ५६ ॥ सा० ॥ इमकहीषितवेमुऊ ॥
तांहोलाल ॥ सा० ॥ जाण्योमहनमकेम ॥
। ५७ ॥ सा० ॥ नलिइजबएदाम ॥ पहेलाषीहएएहनेंहोलाल ॥
गोहतानयरसमीप ॥ आरामेंतेंकसूतेहनेंहोलाल ॥ ५८ ॥ सा० ॥
गलवात ॥ जाउसासरेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ लाबोखबरतसगेह ॥
इवचताहरेहोलाल ॥ ५९ ॥ सा० ॥ चाल्योमंगलताम ॥
तोहोलाल ॥ सा० ॥ सज्जनमननहींकांय ॥
॥ सा० ॥ परिपहपापनुमुल ॥ पांचमुषानीकपापनुहोलाल ॥ सा० ॥
तिमांलेइजाय ॥ पणखोबरावेआपनुहोलाल ॥ ६० ॥ सा० ॥
जेह ॥ धन२तेहनीमातनेंहोलाल ॥ सा० ॥ पुत्रेविजयसिंहतांम ॥
वइजगतातनेंहोलाल ॥ ६१ ॥ सा० ॥ पांचमीभीजेस्वम ॥
कहीहोलाल ॥ सा० ॥ उत्तमगुरुसूपसाय ॥
॥ ६० ॥ ढुहा ॥ चाल्योमगलषितवे ॥ अहोएकपटअन्यास ॥
रहीनगरमां ॥ वेचिमुऊविसवास ॥ ६२ ॥ तिणेंकारणकहुतेहवु ॥
रमांगारि ॥ पाछांवलताऊपडे ॥ मारिसरणहमऊारि ॥ ६३ ॥
केतलो ॥ पेसीनयरप्राकार ॥ मायाचरिमेंमुऊीउ ॥ आव्योहर्षउतारि ॥
निसासोघूरिनांषीनें ॥ बोल्योएहवाबोल ॥ आचरीउअवलूअति ॥ मारि
नीटोल ॥ ६४ ॥ वासेंकोईनरस्यूवसी ॥ तिणेंसऊडरवीउतेह ॥ वलीआवे
आववु ॥ सांसलीउससनेह ॥ ६५ ॥ लाज्योंतिणेंलडालूआं ॥ अधीक
लोच ॥ तिणेंनघटेजावुतिहां ॥ करोइहांथीसंकोच ॥ ६६ ॥ ढाल ॥
आमपधारोपुज्यअमघरिबोहरणवेला ॥ एदेशी ॥ इमसांसलीतूमनवेदालो
चित्तमांषितवेएहवु ॥ आवककुलमांउपनीआवीका ॥
॥ ६७ ॥ जिनमतसुद्धजजांणीहोलाल ॥ नकरेकांमएएहवु ॥ एआंकणी ॥
नमतसारजाण्युजुवतीइ ॥ इहपरलोकविरुध ॥
जसवरसमकीतशुद्ध ॥ ६८ ॥ जिन० ॥ अपवाड करमोहीजिवनें ॥ कांय

नहीइमजाण ॥ तिणेंहवेघरवासेमुझपोहतूं ॥ हवेप्रवज्याटाण ॥ ६९ ॥
॥ जीन० ॥ स्नेहबधनाएहजठेमा ॥ तिणेंघरिपणिनवीजईइ ॥ अनगदेवगुरु
पासेंजईनें ॥ अमणघरमआदरीइ॥ ७० ॥ जीन० ॥ मगलघरिजाउंसूरवेइ
हांथी ॥ केशस्यानेंदेउएहनें ॥ इमविचारीमगलनेंकहे॥ झनहीइखदेउकेहनें
॥ ७१ ॥ जीन० ॥ तवमगलहवेचित्तविचारे ॥ मुझस्यूएकरेमाया ॥ पणि
मायाइझनवचाउ ॥ ईमचितीकहेसाया ॥ ७२ ॥ जीन० ॥ तुमनेंनवीमुकुअ
धविचमां ॥ जिहांलगेंघेरनजाउ ॥ तवतेंकमूजोतुझआपहठे ॥ तोवालोघरे
आउ ॥ ७३ ॥ जीन० ॥ तिहांजईपुछीसकोईसाधूनें ॥ अनगदेवगुरुकेरी ॥
वातचितिवाह्याइमविझजण ॥ मगलजुइहवेहेरी ॥ ७४ ॥ जीन० ॥ केइक
दिनइमवहीगयावाटे ॥ आव्याअटवीमांहि ॥ सूम्यथानकदेषीमध्यान्हें ॥
चितेचित्तउछाहि ॥ ७५ ॥ जीन० ॥ महासाहसधरीकूडहृदयथी ॥ लोसदो
षचित्तधारी ॥ मगललेईछुरीपुठेथी ॥ कूरचित्तथीमारी ॥ ७६ ॥ जीन० ॥
मंगलनांमेंपणिअपमगल ॥ सावथकीएदीठो ॥ जिममगलपहतिमवलीसद्धा॥
शीतलिकाकहेजीसे ॥ ७७ ॥ जीन० ॥ टाढादिधाकणनीवहि ॥ आंबिआ
बिवलीसापे ॥ तिमएमंगलनाममात्रथी ॥ स्यूंकिजेंगुणपापें ॥ ७८ ॥ जीन ॥
इणअवशरतिहांविहारकरता ॥ अनंगदेवगुरुआव्या ॥ दिठोअपगामीमुनी
राजें ॥ समतासगसोहाव्या ॥ ७९ ॥ जीन० ॥ मगलछुरीकामुकीनाठो ॥ तेम
नमाहिविचास्युचोरमाहरेस्युपुठेआव्या ॥ इमकरीपुठेधास्यु ॥८०॥जीन०॥
तवनासतोमगलदिठो ॥ चोरनदिठोकोई ॥ मनचितेंतूस्यूएअचरिज ॥ छुरीदी
ठीतवजोई ॥ ८१ ॥ जीन० ॥ रुधीरेंखरडीलिधीकरमां ॥ देषीचितेंएम ॥ चो
रनथीकोइएमहारणमां ॥ नासेमगलकेम ॥ ८२ ॥ जीन० ॥ छुरीपणिउलषी
पोताकेरी ॥ तवतेंनीश्वेंजाण्युं ॥ कांममगलीइकीधूतोपणि ॥ कारणनवीअ
पीगाण्यु ॥ ८३ ॥ जीन० ॥ तिणेंबोलावुमगलीआनें ॥ कहेस्येवातजेहोई ॥
इमकरीमगलनेंबोलाव्यो ॥ छोडेतवअतीशोई ॥ ८४ ॥ जी० ॥ तवसघलोवि
कल्पतेशमीउं ॥ कांमतेकिधुइणें ॥ जिनमतिनीपणिवातकहीते ॥ नवीदीठी

दाषीश्होलाल ॥ ५३ ॥ सा० ॥ इमकहीचितवेमुझ ॥
ांहोलाल ॥ सा० ॥ जाण्योपहनमेकेम ॥
५४ ॥ सा० ॥ नलिश्जवएदाम ॥ पहेलाचीहणंएहनेंहोलाल ॥
ोहतानयरसमीप ॥ आरामेंतेंकसूतेहनेंहोलाल ॥ ५५ ॥ सा० ॥
ालवात ॥ जाउंसासरेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ लावोस्वबरतसगेह ॥
खचताहरेहोलाल ॥ ५६ ॥ सा० ॥ चाल्योमगलतांम ॥
ोहोलाल ॥ सा० ॥ सद्धनमननहींकांय ॥
। सा० ॥ परिपहपापनुमुल ॥ पांचमुथानीकपापनुहोलाल ॥ सा० ॥
तिमांलेश्जाय ॥ पणरबोबरावेआपनुहोलाल ॥ ५८ ॥ सा० ॥
जेह ॥ धन२तेहनीमातनेंहोलाल ॥ सा० ॥ पुठेविजयसिंहतांय ॥
वेंजगतातनेंहोलाल ॥ ५९ ॥ सा० ॥ पांचमीबीजेस्वरु ॥
कहीहोलाल ॥ सा० ॥ उत्तमगुरुसुपसाय ॥ पंचविजयेंश्लिपरिलहीहोलाल
॥ ६० ॥ ढहा ॥ चाल्योमगलचितवे ॥ अहोएकपठअभ्यास ॥
रहीनगरमां ॥ वेचिमुझविसवास ॥ ६१ ॥ तिणेंकारणएकरूतेहवुं ॥ रहे
रमांठारि ॥ पाठांवलतांझपडे ॥ मारिसरणहमझारि ॥ ६२ ॥
केतलो ॥ पेसीनयरप्राकार ॥ मायाचरित्रेंमुझीउ ॥ आव्योहर्षअतारि
निसासोधूरिनांषीनें ॥ बोल्योएहवाबोल ॥ आचरीउअवलूअति ॥
नीटोल ॥ ६४ ॥ वासेंकोईनरस्यूंवसी ॥ तिणेंसझुरखीउतेह ॥ वलीआवेंवा
आनवु ॥ सांसलीउससनेह ॥ ६५ ॥ लाज्यांतिणेंलडालूआं ॥ अधीक
लोच ॥ तिणेंनघटेजावुतिहां ॥ करोश्हांथीसंकोच ॥ ६६ ॥ वाल ॥
आमपधारोपुज्यअमघरिबोहरणवेला ॥ एवेंथी ॥ इमसांसलीतूमनधेहालोन
चित्तमांचितवेएहवु ॥ आवककुलमांउपनीआवीका ॥ कांमकरेअठीनहवु
॥ ६७ ॥ जिनमतसुझजजाणीहोलाल ॥ नकरेकांमएएहवुं ॥
नमतसारजाण्युजुवतीश ॥ इहपरलोकविरुध ॥
जसवरसमकीतमुझ ॥ ६८ ॥ जिन० ॥ अंचवाडअरनोहीजिनमें ॥

करूआतमहित ॥ उत्तयलोकूअराधीइ ॥ चतुराचितेचित्त ॥ २ ॥ ढाल ॥ दे
शीहमीरीयानी ॥ ससवजीनेवरविनती ॥ एदेशी ॥ माततातनेंपुछिनें॥ आज्ञा
पामीताससनेही ॥ आवीखोलती २ ॥ सूदरीताहरीपास ॥स०॥ ३ ॥ जिनव
चनेंमनदृढकरो ॥ एआंकणी ॥ मोक्षमारगमांचालतो ॥ देखीलापेंइमा॥स०॥
आर्यपुत्ररुमुकस्यु ॥ मुकनेंतारीनेम ॥ स० ॥ ४ ॥ जी० ॥ छेदिमोहनीवेल
मी ॥ उत्तमपुरूषनोपथ ॥ स० ॥ आदरीउआदरकरी ॥ सावथीपयानीपथ
॥ स० ॥ ५ ॥ जी० ॥ सवसायरथीआतमा ॥ उतारयोतेपारि ॥ स० ॥ इम
प्रसशाकरीघणी ॥ आतमकीधोउधार ॥ स० ॥ ६ ॥ जी० ॥ दिक्षाइणीपरें
आदरी ॥ अनगदेवगुरूपास ॥ स० ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ चारीत्रनेंअ
भ्यास ॥स०॥ ७॥ जी०॥ चारीत्रपालीनूहवे ॥ कालक्रमेंकरीकाल ॥स०॥ प
चविसशागरआउपेसूरऊउसूखरसाल ॥ स० ॥ ८ ॥ जी० ॥ ग्रैवेयकेतेउप
नो ॥ हवेमगलगयोतह ॥ स० ॥ तिहाजईतेहनेंजालवे ॥ ढांकेशीलालेईह
उ ॥ स० ॥ ९ ॥ जी० ॥ तेधननेंममतेंकरी ॥ नविमुकेतेहठाए ॥ स० ॥
मांसआहारक्रेसेंकरी ॥ पाम्योतिहांयमठांए ॥ स० ॥ १० ॥ जी० ॥ मरीठ
ठीनरगेंगयो ॥ बाविससागरआय ॥ स० ॥ महाडखसहीतिहांथीवली ॥
आउपुरूजबथाय ॥ स० ॥११ ॥ जी० ॥ एहजविजयमांउपनो ॥ रथवे
रनपुरगाम ॥ स० ॥ वेश्रिकचमालनेंघरे ॥ ठगलपणेंथयोताम ॥ स० ॥१२॥
॥ जी० ॥ एकदिनरथवरनथकी ॥ वरूठगलस्युतेह ॥ स० ॥ लेईजातोंज
यथलपुरें ॥ द्रव्यथानिकआव्योएह ॥ स० ॥ १३ ॥ जी० ॥ पुरवअभ्यासें
करी ॥ जातिसमरणपामी ॥ स० ॥ वेश्रिगपेंचेंपणिनवी ॥ मुकेतेहजठामि॥
स० ॥ १४ ॥ जी० ॥ हांकेपणिपाठोवले ॥ फिरीफरीआवेठाय ॥ स० ॥
चमालेंकोधेंहण्यो ॥ पुरणकीधूआय ॥ स० ॥ १५ ॥ जी० ॥ उदरपणेंतेउ
पनो ॥ उंघसज्ञाइएए ॥ स० ॥ तेहद्रव्यपरीषहकस्यो ॥ पाल्यूकर्मवसेण ॥
॥ स० ॥ १६ ॥ जी० ॥ एकजुवटिउएकदिनें ॥ सोमचमजसनाम ॥ स०॥
समतो २ आवीउ ॥ सालीपादपनेंठाम ॥ स० ॥ १७ ॥ जी० ॥ वेठीपासेंनी

म्हेंनयणें ॥ ८५ ॥ जीन० ॥ जिणेंजिनवयणांसूधांजाण्यां ॥ मोहमतुक
मांआई ॥ उसयलोकनुविरूधकरेते ॥ किमससबीइसाई ॥ ८६ ॥ जीन०
मकरतांमुनीवरपणिपासें ॥ आविउलभ्योंतुझ ॥ तेंबधाधर्म्मलासविलोकेत
पुन्युताहरूगुझ ॥ ८७ ॥ जीन० ॥ इणिपानीकतुआअवरथाई ॥ किहांनी
आव्योकेहनें ॥ तवतेंमुलभीसघलोसाथ्यो ॥ आसासनाकरीतेहनें ॥ ८८ ॥
जीन० ॥ अनगदेवपणिगुरुजीआव्या ॥ आसासनाकरीसूधी ॥ अवरथ
रणगुरूतेसाचा ॥ आपेधर्मनीबुद्धी ॥ ८९ ॥ जीन० ॥ गुरुसाथेंहवेतिहांनी
चाल्यो ॥ चांणेसरपुरठाणेचामासकलपगुरुरहातिहांतारे ॥ महारपणिवाणे
॥ ९० ॥ जी० ॥ जिनमतिनीपणिवातलहीतें ॥ तवचिंत्यूतेंचित्तें ॥ अहो
कारमगलनोदेखा ॥ अहो २ मोहविचित्तें ॥ ९१ ॥ जीन० ॥ जोपणिहवे
अखमीतनारी ॥ तोपणिहवइणिपरीउ ॥ उसयलोकशाधनहवेकरस्यू ॥ ते
यलेंरुडुकरीउ ॥ ९२ ॥ जीनी० ॥ जिनमतीपणिजिनसारलसुडें ॥ परिहा
मुझसरधी ॥ माहरोव्यतीकरसांसलीएपणि ॥ दिक्षालेस्यूहरधी ॥ ९३ ॥ जी
न० ॥ इमकरीमेंतेहनेंतारी ॥ सवसायरथीनारी ॥ बहुउरकसरीउएसंसार
दिक्षासीवसूखकारी ॥ ९४ ॥ जीन० ॥ विणदिक्षाइजोघरिजाउ ॥ विषय
रणमांआवे ॥ इमचितीअनगदेवपाशें ॥ दिक्षालीधीसावें ॥ ९५ ॥ जीन०
भिजेरबमेठठीठालें ॥ कहेआचारजशिखनें ॥ तिर्थंकरकहेआचारजनें ॥
णिहवेजेथयुझषीने ॥ ९६ ॥ जीन० ॥ ॥ ९७ ॥ ॥
॥ ऊहा ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ जिनमतिइहवेजांम ॥ वातसूणीकोईव
थी ॥ तरुणीचितेताम ॥ ९७ ॥ अहो२कहुएहनें ॥ किधूमोहदुकांन
जीवनेंकांमनेंजितीइ ॥ मामनराषेकाम ॥ ९८ ॥ खेदगाभिस्वमीउ
ण ॥ मुक्योमाहरोमोह ॥ मंगलीठमाठोमल्यो ॥ विधोस्वामीद्रोह ॥ ९९ ॥
सवेगेचितेईस्यु ॥ आर्यपुत्रेंइणवार ॥ कारयकीधुकावनु ॥ सयलसंसा
रअसार ॥ २०० ॥ लेशायासबहुकसो ॥ ऊलहिमानवदेह ॥ सयोमहो
यविजोगस्यु ॥ सहितनिर्णेस्योसनेह ॥ १ ॥ विषयविपाकवारुनही ॥ निर्ने

अफोलीकाकरवासाव्योरे ॥ ३४ ॥ षोदेखाभितेकारणजाणीरे ॥ द्रव्यकलस नोकउपीठाणीरे ॥ पाठिषाभसलीपरिपुरीरे ॥ विजीषोदीपाभिसनुरीरे ॥ ३५॥ सोजनकरिहवेगयोनिजघेररे ॥ तवतेंचितवीउशणिपेररे ॥ पुठुभातनेंकेनवी पुठुरे ॥ जोनवीपुठुतोमानस्येउंठुरे ॥ ३६ ॥ इमजाणिनेंकहीसवीवातरे ॥ क खुएहनुकस्यूकहोमातरे ॥ तवतेवोलीमुझदेखाभोरे ॥ मुझदेष्याविएतुल्लेम तकाढोरे ॥ ३७ ॥ जोईनेंजुगताजुगतुकहेस्यूरे ॥ तेंपणिदाष्योजईनीजकर स्यूरे ॥ अन्नाणदोपेतेणेंइमधास्युरे ॥ कोईउपायकरीपुत्रनेंमाहूरे ॥ ३८ ॥ इमविचारीकहुसूणिपूत्तरे ॥ हमणांकाढवुंठेनहीजुत्तरे ॥ काढताजाणेजोनर रायरे ॥ तोउलटुघरमाथीजायरे ॥ ३९ ॥ अवसरेंलेस्युआपणजाईरे ॥ उता वलमतकरोतुम्हेसाईरे ॥ तवतूवोल्योइमप्रमांणरे ॥ इमकरीपोहततिनीजठां णरे ॥ ४० ॥ केईदीनकाढ्यातेंपठीसूखमारे ॥ तूझमाताइकाढ्याउ खमारे ॥ लोसदोसपुर्वसवअस्यासरे ॥ तूझमारणनोंचित्ततेतासरे ॥ ४१ ॥ तेहडखेंनी त २ रहेवलतीरे ॥ मनमाइमउपायचितवतिरे ॥ पोसहउपवासपारणजि हारेरे ॥ लोजनमाविषदेस्यूतिहारेरे ॥ ४२ ॥ तेंउपवासथीहोयलघुशरीररे ॥ शिघ्रहोइविषनीतिहापिररे ॥ दिघूविषपोतानीमायरे ॥ जेहनुशरणतेमारवा घायरे ॥ ४३ ॥ विषप्रयोगेंतूलेवाणोरे ॥ नदिणीनारीजाणेंतिणेंठाणोरे ॥ को लाहलकस्योतिणेंआवीरे ॥ मापिणरुइकपटइसावीरे ॥ ४४ ॥ लोकमल्याजो वासझकोयरे ॥ सिरुपुत्रएकतेहमांहोयरे ॥ आवकअश्रावतप्रमाणरे ॥ मत्र यत्रनातेहसूजाणरे ॥ ४५ ॥ सिरुपुत्रतेकहीइतेहरे॥ मनमांचितवेएहवुजेह रे ॥ जिवामुझमत्रनीशक्तिरे ॥ साधरमीकनीकरूइमसक्तीरे ॥ ४६ ॥ मत्रनी शक्तिजीष्योजेहरे ॥ चिताउपनीतूझनेंएहरे॥ मनुजजिवीतमावझअपायरे॥ घरिवासेंरसाहवेस्यूथायरे ॥ ४७ ॥ वलिकोईकदिनइमवनीजायरे॥ व्रतपच खाणविनासवजायरे ॥ तेकारणहवेलेउदिक्षारे ॥ पालुपामीगुरुनीशीक्षारे॥ ॥ ४८ ॥ देवशर्मागुरुपासेंलीधीरे ॥ उचितविधिदिक्षाहवेसूधीरे ॥ निरतीचा रतेचारीत्रपालीरे ॥ उपनोयैवेयकेंउ खगालीरे ॥ ४९ ॥ त्रीशशागरनेंआउपे

धाननें ॥ लोहअन्नांणनेंदोस ॥ स० ॥ मुसोसर्मेंअमरवसत्यो ॥ उपनोते
रोस ॥ स० ॥ १४ ॥ जी० ॥ मारयोतेमरीउपनो ॥ एहनीमारिनेंकुपि
डुरगिलानामछेतेहनु ॥ कुपिमांरहेबहुसूष ॥ स० ॥ १६ ॥ जी० ॥
कगयांजेहनां ॥ तेणीइजनम्योपुत्त ॥ स० ॥ अनुक्रमेंनामतेथापीउं
चमतेयुत्त ॥ स० ॥ २० ॥ जी० ॥ पाम्योजीवनअनुक्रमें ॥
खदाय ॥ स० ॥ विषदहनीपरेंवाधीउं ॥ सेवेअकार्यसदाय ॥ स० ॥
जी० ॥ चोरीकरतांएकदा ॥ पात्रमुखेपहेवाय ॥ स० ॥ समरसाहुरराज
तदा ॥ मारवाहुकमतेथाय ॥ स० ॥ २२ ॥ जी० ॥ सूलिइदियोतेहनेंि
कोटवालेंकरीसोर ॥ स० ॥ मरिवीजीनरगेंगयो ॥ वहुनाहुखघोर ॥ स०
॥ २३ ॥ जी० ॥ अणसागरकांयहीणमां ॥ आयुपालीकरीकाल ॥ स०
णविजइहवेउपनो ॥ लछीनिलइसूरसाल ॥ स० ॥२४ ॥ जी० ॥
जारवमां ॥ सासलोसातमीढाल ॥ स० ॥ पद्मविजयसाषीइसी॥
हुजजाल ॥ स० ॥ २५ ॥ जी० ॥ दुहा ॥ लछीनीलयनांहेंवसे ॥
कदत्तअसीधांन ॥ सेठघरेसोहामणी ॥ सुहकराहुसवांन ॥
तेहनीकूषेतेहवे ॥ उपनोनारकआय ॥ पुत्रीपणेंतसथापीउ ॥
सिरियातांय ॥ २७ ॥ जीवनपामीजेतले ॥ दिधीसागरदेव ॥
त्तसूतसूगुणनें ॥ विवाहवत्योहिव ॥ २८ ॥ सोगसलीपरिसोगवी ॥
स्युत्तलीसाति ॥ ग्रैवेयकसूरगरसमां ॥ आव्योआयुआति ॥ २९ ॥ पुत्रपणें
उपनो ॥ सागरदत्तअीकार ॥ नामठम्युनिरतूतदा ॥ यौवनपाम्योज्यार ॥
धर्माचारयधारीआ ॥ देवशरम्मदयाल ॥ आवकव्रतपालेसचर ॥ प्रांतीनोव
तिपाल ॥ ३१ ॥ इसरखधआवकअवल ॥ तेहनीपुत्रीतांम ॥ नदिनीमांनेंव
रणीउं ॥ कमनीयसोगवेकांम ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ सूणमेरीसजनीरजनीमांहे
रे ॥ एदेशी ॥ सोगसोगवतांसूतएकआयोरे ॥ सूतनोमोहउपकरवातायोरे ॥
सगांसबधीसेईपरीवारेरे ॥ उजाणीकरवासूखकारेरे ॥ ३३ ॥ सांसलमोसक
करमनीवातोरे ॥ कर्मथीबलीउंकोईनथातोरे ॥ तेहनीधाननीपासेंआव्योरे ॥ पु

म्रफोलीकाकरवासाध्योरे ॥ ३४ ॥ पोदेखाभितेकारणजाणीरे ॥ द्रव्यकलस नोकठपीठाणीरे ॥ पाछिपाम्सलीपरिपुरीरे ॥ विजीपोदीपाभिसनुरीरे ॥ ३५॥ सोजनकरिहवेगयोनिजघेररे ॥ तवतेंचितवीउशणिपेररे ॥ पुत्रुमातनेंकेनवी पुत्रुरे ॥ जोनवीपुत्रुतोमानस्येउंत्रुरे ॥ ३६ ॥ श्मजाणिनेंकहीसवीवातरे ॥ क रवुएहनुकस्यूकहोमातरे ॥ तवतेवोलीमुफदेखाभोरे ॥ मुफदेष्याविणतुह्मेम तकाढोरे ॥ ३७ ॥ जोईनेंजुगताजुगतुकहेस्यूरे ॥ तेंपणिदाष्योजईनीजकर स्यूरे ॥ अन्नाणदोपेतेणेंश्मधास्युरे ॥ कोईउपायकरीपुत्रनेंमाहूरे ॥ ३८ ॥ श्मविचारीकसुसूणिपूत्तरे ॥ हमणांकाढवुंठेनहीजुत्तरे ॥ काढताजाणेंजोनर रायरे ॥ तोउलटुघरमांथीजायरे ॥ ३९ ॥ अवसरेंलेस्युआपणजाईरे ॥ उता वलमतकरोतुम्हेसाईरे ॥ तवतूवोल्योश्मप्रमाणरे ॥ श्मकरीपोहततिनीजगां णरे ॥ ४० ॥ केईदीनकाढ्यातेंपछीसूखमारे ॥ तूफमाताश्काढ्याउ खमरि ॥ लोसदोसपुर्वसवअन्यासरे ॥ तूफमारणनोंचित्ततेतासरे ॥ ४१ ॥ तेहउखेंनी, त २ रहेवलतीरे ॥ मनमांश्मउपायचिंतवतिरे ॥ पोसहउपवासपारणफजि हारेरे ॥ सोजनमाविपदेस्यूतिहारेरे ॥ ४२ ॥ तेंउपवासथीहोयलघुशरीररे ॥ शिघ्रहोशविपनीतिहापिररे ॥ दिघूविपपोतानीमायरे ॥ जेहनुशरणतेमारवा घायरे ॥ ४३ ॥ विपप्रयोगेंतूलेवाणोरे ॥ नदिणीनारीजाणेंतिणेंठाणोरे ॥ को लाहलकस्योतिणेंआवीरे ॥ मापिणरुश्कपटश्सावीरे ॥ ४४ ॥ लोकमल्याजो वासफूकोयरे ॥ सिरुपुत्रएकतेहमाहोयरे ॥ श्रावकश्राविकप्रमाणरे ॥ मत्र यत्रनातेहसूजाणरे ॥ ४५ ॥ सिरुपुत्रतेकहीश्तेहरे॥ मनमांचिंतवेएहवुजेह रे ॥ जिवामुफमत्रनीशक्तिरे ॥ साधरमीकनीकरूश्मसक्तीरे ॥ ४६ ॥ मत्रनी शक्तिजीव्योजेहरे ॥ चिंताउपनीतूफनेंएहरे॥ मनुजजिवीतमावफूअपायरे॥ घरिवासेंरहाहवेस्यूथायरे ॥ ४७ ॥ वलिकोईकदिनश्मवनीजायरे॥ व्रतपच खांणविनासवजायरे ॥ तेकारणहवेलेउदिक्षारे ॥ पालुपामीगुरूनीशीक्षारे॥ ॥ ४८ ॥ देवशर्मागुरुपासेंलीधीरे ॥ उचितविधिदिक्षाहवेसूधीरे ॥ निरतीचा रतेचारीअपालीरे ॥ उपनोपैवेयकेंउ खगालीरे ॥ ४९ ॥ श्रीशशागरनेंआउपे

यानने ॥ लोहअन्नांएनेंदोस ॥ स० ॥ नुसोसनेंअवरचसरवो ॥
तोस ॥ स० ॥ १८ ॥ जी० ॥ मारयोतेमरीउपनो ॥
उरगिलानामठेतेहनु ॥ कुपिमांरहेवऊसूप ॥ स० ॥ १९ ॥ जी० ॥
कगयांजेहनां ॥ तेणीइजनम्योपुत्त ॥ स० ॥ अनुकर्मेनामतेथापीउ
चमतेयुत्त ॥ स० ॥ २० ॥ जी० ॥ पाम्योजीवनअनुकर्मे ॥
खदाय ॥ स० ॥ विषदरूनीपरेंवाधीउ ॥ सेवेअकार्यसदाय ॥ स०
जी० ॥ चोरीकरतांएकदा ॥ पात्रमुखेपहेवाय ॥ स० ॥
तदा ॥ मारवाऊकमतेथाय ॥ स० ॥ २२ ॥ जी० ॥
कोटवालेंकरीसोर ॥ स० ॥ मरिवीजीनरगेंगयो ॥ वशामाऊखघोर ॥ स०
॥ २३ ॥ जी० ॥ अणसागरकांयहीएमां ॥ आयुपालीकरीकाल ॥ स०
एविजइहवेउपनो ॥ लठीनिलइसूरसाल ॥ स० ॥२४ ॥ जी० ॥
आस्वरूमां ॥ सांसलोसातमीढाल ॥ स० ॥ पद्मविजयसाधीइसी॥
ऊजजाल ॥ स० ॥ २५ ॥ जी० ॥ ऊहा ॥ लठीनीलयमांहेंवसे ॥
कवत्तअसीधांन ॥ सेठघरेसोहामणी ॥ सुहकराशुसवांन ॥ २६
तहनीकूषेतेहवे ॥ उपनोनारकआय ॥ पुत्रीपणेंतसथापीउ ॥
सिरियाताय ॥ २७ ॥ जीवनपामीजेतले ॥ विधीसागरदेव ॥
त्तसूतसूगुणनें ॥ विवाहवत्योंहिव ॥ २८ ॥ सोगसलीपरिसोगवी ॥
रयुसलीसांति ॥ ग्रैवेयकसूरगरसमां ॥ आव्योआयुअति ॥ २९ ॥
उपनो ॥ सागरदत्तश्रीकार ॥ नामठव्युनिरतूतदा ॥ यौवनपाम्योउयार
धर्माचारयधारीआ ॥ देवशरम्मदयाल ॥ श्रावकअतपालेसघर ॥ प्राणीनेव
तिपाल ॥ ३१ ॥ इसरखंधश्रावकअवल ॥ तेहनीपुत्रीतांम ॥ नंदिनीनामेंव
रणीउ ॥ कमनीयसोगवेकांम ॥ ३२ ॥ ढाल ॥
रे ॥ एदेशी ॥ सोगसोभवतांसूतएकआयोरे ॥ सूतनोनोहउपकरवातायोरे॥
सगांसबधीलेईपरीवारेरे ॥ उजाणीकरवासूखकारेरे ॥ ३३ ॥ सांसलवोलड
करमनीवातोरे ॥ कर्मचीवलीउकोईनचालोरे॥ तेहनीवानगीपालेंआव्योरे ॥ सु

जिनवरसाषीतनाएंनुं ॥ दिधुदांनविशाल ॥ इहपरलोकनांसूखघणां ॥ दिधां तिणेसूरशाल ॥ ६५ ॥ धर्म० ॥ रागद्वेषमोहटालीनें ॥ पामेंकेवलनांण ॥ अनुक्रमेंसिद्धीवरेतिको ॥ जेदिइनाणनुदाण ॥ ६६ ॥ धर्म० ॥ दाणनाणइणिपरेंकहु ॥ सषेपेंकरीइंम ॥ दातापाहकएदोयनें ॥ एकतिहितप्रेमा॥६ ॥धर्म०॥ प्रथवीपांणीअगनीवली ॥ वायुवनसपतिकाय ॥ बितिचउपचदिजीवनें ॥ हणताहितनवीथाय ॥ ६८ ॥ धर्म० ॥ मनतनुवचनेंएजीवनें ॥ हणवोनांहीलगार ॥ दानअसयएहजांणीइ ॥ सेव्युमुनीजनेंशार ॥ ६९ ॥ धर्म० ॥ अतिइरवीयापणिजिववू ॥ ईछेसर्वसदाय ॥ तिणेंकारणमुनीराजीया ॥ राखेछेषटकाय ॥ ७० ॥ धर्म० ॥ यत ॥ सवेवीजीवाईछती ॥ जिवीउंनमरिछीउ ॥ तमापाणवहघोर ॥ निर्ग्रंथावछयंतिणं ॥ १ ॥-पूर्वढाल ॥ नरपतिपणिमरवापमद्यो ॥ आपेजिववाराज्य ॥ राज्यथकीपणिजिववु ॥ अधीकुंकहेजीनराज ॥ ७१ ॥ धर्म० ॥ जेसकुजिवनेंइष्टछे ॥ देवुंतेहजसार ॥ इहकिटकदोयजीववुं ॥ सरिषुइछेउदार ॥ ७२ ॥ धर्म० ॥ आयुदिरघपांमीइ ॥ रूपसरूपनीरोग ॥ परसवपणितेमससीइ ॥ असयदानीजेलोग ॥ ७३ ॥ धर्म ॥ यत ॥ आयुदिर्घतरवपुर्वरतरगोत्रगरीयस्तर ॥ वित्तसूरितरवलवकृतरस्वामित्वमुच्चैस्तरं ॥ आरोग्यविगतांतरांत्रिजगतीश्लाघ्यत्वमल्येतर ॥ ससाराबुनिधिकरोतीसूतरचेत कृपार्द्रांतर ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ असयदांनइणिपरिकहु ॥ सांसलश्रावकतूवाणि ॥ धर्मउपयहदानजे ॥ साधुतेहविन्नांण ॥ ७४ ॥ध०॥ अशनपांनषादिमवली ॥ स्वादिमनेंवस्त्रपात्र ॥ उपधसेषजजोग्यते ॥ दिजेमुनीवरपात्र ॥ ७५ ॥ धर्म० ॥ सकायध्यानमांमग्नजे ॥ जेवहेसजमसार ॥ कर्मेहलकातेमुनीतरे ॥ उतारेपरपार ॥ ७६ ॥ धर्म० ॥ कर्मेगुरुपोतेवुमतो ॥ किमतारेपरतेह ॥ तिणेंचउकारणशुद्धजे ॥ दिजीइघरीशसनेह ॥७७॥धर्म०॥ दायकपाहकशुद्धजे ॥ कालसार्वेकरीशुद्ध ॥ दायकशुद्धसाधुहवे ॥ सासलीथाउविवुध ॥ ७८ ॥ धर्म० ॥ दाताज्ञानीहोइसलो ॥ नहिअमदअहंकार ॥ सरधाआदरअतिघणो ॥ रोमांचित्तनेंउदार ॥ ७९ ॥ धर्म० ॥ न्याइआव्यो

जाणोरे ॥ ग्रैवेयकसुरथयोसपराणोरे ॥ तुझनाश्रकस्योकांनसुंनोरे
बांध्योधनउपरिरूझोरे ॥ ५० ॥
ीउद्धामरोद्रव्यनसोगव्युबाध्युंपापरे ॥ धूमप्रसाईपहोलीआपरे ॥
सागरतेहनुआयरे ॥ तिहाचीमरीतिर्यंचमाजायरे ॥ तिरयंचमांहिनाना
रियारे ॥ तिहांबहुसोगव्यांछ स्वनादरीयारे ॥ ५२ ॥
ाश्रे ॥ नालीएरीएहलोसविशेश्रे ॥ तूचवीसागरदसलेठपेररे ॥
ापुत्रश्रणिपेररे ॥ ५३ ॥ श्रणसवमांतुम्हनिहुश्रणीरीतरे ॥
ेश्रतीतरे ॥ वातसूणीमुझयथोवैरागरे ॥
रपतिश्रसूणीआणादीधीरे ॥ काढिलपमीतेहनहेंचीदिधीरे ॥ दिनश्रनाकोंन
ीउपगाररे ॥ विजयधर्मगणधरश्रणगाररे ॥ ५५ ॥ तेहनीपासेंदिक्षाली
ाहरीवातहतितेकीधीरे ॥ विचरतोआव्योहुआंहिरे ॥ तिणेंजगमांकोनको
नुनांहीरे ॥ ५६ ॥ शिरिबकूमरकहेसगवनशाचुरे ॥ जिणेतुम्हेंजाणुंछ
ुकाचुरे ॥ पणिविकालेवीप्रसूदोहेलीरे ॥ वातोकरवीसहुनेंसोहेलीरे ॥
भजेरवमेआठमीकालरे ॥ मुनिगुणगातांमगलमालरे ॥ श्रीगुरुउत्तमविजयको
णीसरे ॥ पद्मविजयकहेविशवाविसरे ॥ ५८ ॥ ढुहा ॥
णो ॥ साधोधर्मनासेव ॥ दानादिकजेदाधीआ ॥ सेवनावहुप्रसेव ॥ ५९ ॥
ब्यारसेवसांसलचतुर ॥ दानशीलतपदाधि ॥ सावनाचोथीसाधिइं ॥ सर्वहनें
ीशाष ॥ ६० ॥ श्रणिसेववानजतणा ॥ पहेलूज्ञानप्रधान ॥ श्रसयधर्मजगम
हश्रधीक ॥ नाणसूणोहवश्रदान ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ कर्मनकूटेरेकालीया ॥ एवे
शी ॥ ज्ञाननुदानवेतांचकां ॥ जाणेवधनेंमोष ॥ सिवसूखसपवविजठे ॥ ज
जेंश्रतिश्रसतोष ॥ ६२ ॥ धर्मएसेवोरेसवीजनां ॥ एश्रांकणी ॥ जेदानेंहवे
पुण्यनें ॥ जाणेपापश्रशेस ॥ जांणीपुण्यनेंश्रादरे ॥ पापनेंटालेविसेस ॥ ६३ ॥
॥ धर्म ॥ यत ॥ शुद्धाजाणईकल्याण ॥ सोचाजाणईपावमं ॥ उत्तमंपीलाव
ईसोचा ॥ जंठेयतसमायरे ॥ ६४ ॥ पुर्वढाल ॥ पुण्यकरंतोरेमाणीश ॥ वाले
नरसुरसुख ॥ पापथीदूरेंथातांचकां ॥ तिरीनारकठलेपूरुख ॥ ६५ ॥ धर्म ॥

ऊआलेजी ॥ ९७ ॥ सेवोरेसवीआंधर्मएवारु ॥ एआकणी ॥ जिमकालेजो करसणकीजें ॥ तोवऊफलतसथाइजी ॥ इमकालेंजोदानदिइतो ॥ फलवऊ लीइआमायोजी ॥ ९८ ॥ सेवो० ॥ तपपारणनेंउत्तरवारण ॥ वलिकीधो होयलोचजी ॥ थाकाविहारथकीवलीग्लानजे ॥ कारणनोआलोचजी ॥ ॥ ९९ ॥ सेवो० ॥ ज्ञानात्यासकरेवालसाधु ॥ एहवाकालविचारीजी ॥ आ हारघृतादिकवऊआपीजें ॥ तोहोइतससूखकारीजी ॥१००॥ सेवो० ॥ का लविनाजोविजवाविजें ॥ तोहोइविजनीहाणिजी ॥ दायकग्राहकनेंइमजा णो ॥ कालतेशुसगुणपाणीजी ॥१०१ ॥ सेवो० ॥ सावशुरुतेदानकहिज इ ॥ श्रद्धापूर्वकआपेजी ॥ रोमाचितथईमानेकतज्ञता ॥ तेसावशुरुपणथा पेजी ॥१०२ ॥ सेवो० ॥ आर्त्तवशेंनवीदांनदेईजें ॥ कलूषितचित्तनवीकीजें जी ॥ आससानवीकांईकरीइ ॥ सावशुरुएलीजेंजी ॥१०३ ॥ सेवो० ॥ यत अनादरोविलवश्च ॥ वैमुख्यमप्रियवच ॥पश्चात्तापश्चपचामी ॥ सद्दानदूषय त्यहो ॥ १ ॥ अत्यादरोऽविलवश्चौ ॥ दार्यंचप्रियवाक्यता ॥ सन्मुखत्वञ्चप चामी ॥ सद्दानसूपयत्यपी ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ मोकूनेंअरथेंदानजेदिजें ॥ तेहनोएविधीजाणोजी ॥ अनुकपाजेदानजसाप्यु ॥ तेहनोनिषेधचित्तमा णोजी ॥ ४ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यहाणिहोइदांनदेयता ॥ इममनमामतआणोजी॥ कूपआरामगवादिकदेपो ॥ देतांसपदठाणोंजी ॥ ५ ॥ सेवो० ॥ घरकुइसम कपणनीलपमी ॥ नगरवाविव्यवहारीजी ॥ अधीकारीनीसरोवरसरिपी ॥ नृपनीनदीअनुहारीजी ॥६ ॥ सेवो० ॥ दानसोगनेंनाशएत्रणिगती ॥ द्रव्य तणीजगसापिजी ॥ नविदिधीनवीसोगवीजिणें ॥ तसंघीजीगतिदापीजी ॥ ॥ ७ ॥ सेवो० ॥ यत ॥ मोरकत्रजदाण ॥ पइएसोविहीमुणेयव्वो ॥ अणुग पादाणपुण ॥ जिणेहिनकहिविपमीसिद्ध ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दानधरमसपेपें साप्यो ॥ शीलसूणोसवीप्राणीजी ॥प्राणीवधादीकपचमहादत ॥ पालवावऊ हितआणीजी ॥ ८ ॥ सेवो० ॥ क्रोधादिकनोनीपहकरवो ॥ अंऊवमद्दवप तिजी ॥ श्रद्धासवेगसतोपफरसन ॥निरीहचित्तवलीमैत्तीजी ॥ ९ ॥ सेवो० ॥

ाड्यते ॥ प्रासूकनेंशुद्धमांन ॥ अविरोधीजेहलोकमां ॥
॥ ८० ॥ धर्म० ॥ इहलोकनेंपरलोकनी ॥ नधरेकांयआसस ॥
वजनीपरे ॥ वद्धफलपामेंअसस ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥ न
प्रापेएहजदांन ॥ जेहवेशरधाविनादिइ ॥ जसकिरतिमनआंनि
ार्म० ॥ असिमानेंअथवादिइ ॥ एहदिइछेजोईम ॥
ाविआपुकहोकेम ॥ ८३ ॥ धर्म० ॥ सरधाजलविनुविजते ॥ न
ार ॥ दानवद्धपणिदूखिउ ॥ कलूपीतचित्तअपार ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥
ोवधकरीजेदीइ ॥ धर्मनीसरधामनरापि ॥ चदनबालीअगारनो ॥
गारनिजसापि ॥ ८५ ॥ धर्म० ॥ लोकविरुधजेआपतो ॥ धर्मवि
इ ॥ पोतेमाहकविद्धजणा ॥ पामेससारेंतेह ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥
वेसापीइ ॥ धारेमहाव्रतसार ॥ गुरुनीसुश्रुपाजेकरे ॥ जोगसमाधीमांसार
॥ ८७ ॥ धर्म० ॥ खत्तिमद्दवअद्धवा ॥ लोहनोकिधोरेत्याग ॥ अणगुपतिमुपके
रहे ॥ सझायध्याननोलाग ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ पचेंद्रीयनोनीग्रहकरे ॥ पा
साधूनोमग्ग ॥ चरणकरणनीरेसित्तरी ॥ परसावेंसूअलग्ग ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥
इहसवनेंवलीपरसवें ॥ होइअप्रतीबध ॥ मेरूपरिजेचलेनही ॥ उपसर्गबाधुनें
धध ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ एहवाजेमुनीराजनें ॥ रागेदिजेंजेदांन ॥ माहकशुद्ध
तेजाणीइ ॥ सेदएविजोअमान ॥ ९१ ॥ ध० ॥ नवमीत्रिजाएस्वमनी ॥ कालकहि
सूपवित्र ॥ उत्तमपत्रविजयेंसली ॥ समरादित्यचरीत्र ॥ ९२ ॥ धर्म० ॥
॥ डहा, सीलरहीतजेसाधुनें ॥ दिइकुपात्रेंदांन ॥ अशुसफलपामेअधीक ॥
सर्पनेंजीमविषपांन ॥ ९३ ॥ रुधीरपरम्युरुधिरथी ॥ वस्त्रधूइविणनिर ॥ ति
मकुपात्रेंआपतां ॥ सांजेंकिमतससीर ॥ ९४ ॥ भोगुपणिसूपात्रथी ॥
खसरपूर ॥ तरणांगीअहारेंतूरत ॥ डघज्युदिइअवीदूरि ॥ ९५ ॥ पात्रविशे
षेंआपीउ ॥ एकजदांनअमान ॥ एकजजलगाविउरग ॥
न ॥ ९६ ॥ डाल ॥ आदरजिवधीमागुणआदरि ॥ एकेणी ॥ कालशुद्धहवेदां
नकहिजें ॥ तपसीनेंदिइकालेंजी ॥ वेहनेंउपगारीजीमहोवे ॥ तोफलतसब

झआलेजी ॥ ९७ ॥ सेवोरेसवीआधर्मएवारु ॥ एआकणी ॥ जिमकालेजो करसणकीजें ॥ तोवझफलतसथाइजी ॥ इमकालेंजोदांनदिइतो ॥ फलवझ लीइआमायोजी ॥ ९८ ॥ सेवो० ॥ तपपारणनेंउत्तरवारण ॥ वलिकीधो होयलोचजी ॥ थाकाविहारथकीवलीग्लानजे ॥ कारणनोआलोचजी ॥ ॥ ९९ ॥ सेवो० ॥ ज्ञानात्यासकरेवालसाधु ॥ एहवाकालविचारीजी ॥ आ हारघृतादिकवझआपीजें ॥ तोहोइतससूखकारीजी ॥१००॥ सेवो० ॥ का लविनाजोविजवाविजें ॥ तोहोइविजनीहाणिजी ॥ दायकग्राहकनेंइमजा णो ॥ कालतेशुसगुणपाणीजी ॥१०१ ॥ सेवो० ॥ सावशुरुतेदानकहिज इ॥ श्रद्धापूर्वकआपेजी ॥ रोमाचितथईमानेकृतज्ञता ॥ तेसावशुरुपणथा पेजी ॥१०२ ॥ सेवो० ॥ आर्त्तवशेंनवीदांनदेईजें ॥ कलूषितचित्तनवीकीजें जी ॥ आससानवीकाईकरीइ ॥ सावशुरुएलीजेंजी ॥१०३ ॥ सेवो० ॥ यत' अनादरोविलवश्च ॥ वैमुख्यमप्रियवच ॥पश्चात्तापश्चपचामी॥ सद्दानदूपय त्यहो ॥ १ ॥ अत्यादरोऽविलवश्चौ ॥ दार्यंचप्रियवाक्यता ॥ सन्मुखत्वचप चामी ॥ सद्दानसूपयत्यपी ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ मोक्षनेंअर्थेदानजेदिजें ॥ तेहनोएविधीजाणोजी ॥ अनुकपाजेदानजसाप्यु ॥ तेहनोनिपेधचित्तमा णोजी ॥ ४ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यहांणहोइदांनदेयता ॥ इममनमामतआणोजी॥ कूपआरामगवादिकदेयो ॥ देतांसपदआणोजी ॥ ५ ॥ सेवो० ॥ घरकुइसम कृपणनीलपमी ॥ नगरवाविव्यवहारीजी ॥ अधीकारीनीसरोवरसरिपी ॥ नृपनीनदीअनुहारीजी ॥६ ॥ सेवो० ॥ दानसोगनेंनाअएत्रणिगती ॥ द्रव्य तणीअगसापिजी ॥ नविदिधीनवीसोगवीजिणें ॥ तसंत्रीजीगतिदापीजी ॥ ॥ ७ ॥ सेवो० ॥ यत ॥ मोक्खजदाण ॥ पइएसोविहीमुणेयव्वो ॥ अणुग पादाणपुण ॥ जिणेहिनकहिविपमीसिद्ध ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दानधरमसपेपें साप्यो ॥ शीलसूणोसवीप्राणीजी ॥प्राणीवधादीकपचमहाव्रत ॥ पालवावझ हितआणीजी ॥ ८ ॥ सेवो० ॥ क्रोधादिकनोनीग्रहकरवो ॥ अंक्लवमद्दवय तिजी ॥ अद्धासवेगसतोपफरसन ॥निरीहचित्तवलीमैत्तीजी ॥ ९ ॥ सेवो० ॥

जेप्रव्यते ॥ प्रासुकनेंशुद्धमांन ॥ अविरोधीजेहलोकमां ॥ करतोनिर्वाहपूर्व
न ॥ ८० ॥ धर्म० ॥ इहलोकनेंपरलोकनी ॥ नधरेकांयआसस ॥ [illegible]
विजनीपरे ॥ वक्रफलपांमेंअसस ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥ नरसुरशिवसुखसंपदा
आपेएहजदांन ॥ जेहवेशरधाविनादिइ ॥ जसकिरतिमनआंनि ॥ [illegible]
धर्म० ॥ अस्तिमानेंअथवादिइ ॥ एहदिइछेजोइंम ॥ कुकिमउंगोतुएहनी
नविआपुकहोकेम ॥ ८३ ॥ धर्म० ॥ सरधाजलविनुविजते ॥ नफलेतालाग
गार ॥ दानवक्रपणिदूखिउ ॥ कलूपीतचित्तअपार ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥ [illegible]
नोवधकरीजेदीइ ॥ धर्मनीसरधामनरापि ॥ चदनबालीअगारनो ॥ [illegible]
पारनिजसापि ॥ ८५ ॥ धर्म० ॥ लोकविरुधजेआपतो ॥ धर्मवीरुधकीजे
ह ॥ पोतेपाहकविक्रजणा ॥ पामेससारेंतेह ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥ पाहकशुद्ध
वेसापीइ ॥ धारेमहाव्रतसार ॥ गुरुनीसुश्रुपाजेकरे ॥ जोगसमाधीमासार ॥
॥ ८७ ॥ धर्म० ॥ खत्तिमद्दवअद्धवा ॥ लोहनोकिधोरेत्याग ॥ त्रणगुपतिगुपते
रहे ॥ सझायध्याननोलाग ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ पचेंद्रीयनोनीपहकरे ॥ [illegible]
साधूनोमग्ग ॥ चरणकरणनीरेसित्तरी ॥ परसावेंसूअलग्ग ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥
इहसवनेंवलीपरसवें ॥ होइअप्रतीबध ॥ मेरूपरिजेचलेनही ॥ उपसर्गबाधुनें
धध ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ एहवाजेमुनीराजनें ॥ रागेंदिजेंजेदांन ॥ पाहकशुद्ध
तेजांणीइ ॥ सेदएविजोअमान ॥ ९१ ॥ ध० ॥ नवमीविजाएखमनी ॥ [illegible]
सूपवित्र ॥ उत्तमपद्मविजयेंसली ॥ समरादित्यचरीत्र ॥ ९२ ॥ धर्म ॥
॥ ढहा ॥ सीलरहीतजेसाधुनें ॥ दिइकुपात्रेंदान ॥ अद्युसफलपांमेअधीक ॥
सर्पनेंजीमविषपांन ॥ ९३ ॥ रुधीरपरक्युरुधिरथी ॥ वस्त्रधूइविणनिर ॥ ति
मकुपात्रेंआपतां ॥ सांजेंकिमतससीर ॥ ९४ ॥ मोकुंपणिसूपात्रथी ॥ पामेसु
खसरपूर ॥ तरणांगीअहारेंतूरत ॥ ढुधज्युदिइअवीदूरि ॥ ९५ ॥ पात्रविजे
पेंआपीउ ॥ एकजदांनअमांन ॥ एकजजलगाविशरग ॥ जथापीइफलजा
न ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ आदरजिवपीमाणुकआवरि ॥ [illegible] ॥ कालशुद्धहवेदा
नकहिजें ॥ तपसीनेंदिइकालेंजी ॥ देहनेंउपगारीजीमहोवे ॥ तोफलतसव

कारजी ॥ सोसाग्यकल्पवृक्षएनामे ॥ एकादशीमनधारोजी ॥ २३ ॥ सेवो० ॥ चद्रायणतपआठिमचौदसिआविलवर्द्धमानमोहटोजी॥ अशोकवृक्षनेंमुकुटसप्तमी ॥ माणीक्यप्रसानहीघोटोजी ॥२४ ॥ सेवो० ॥ अखमदशमीवलीअमृततप ॥ तपवलीएकादशांगजी ॥ दवदतीतपदीहानोतप ॥ निर्वाणतपवलीचगजी ॥ २५ ॥ सेवो० ॥ गौतमपडघोनेंस्वर्गदमो ॥ पद्मोतरतपज्ञानजी ॥ जिनपुजानेंहारजतपवली ॥ उणोदरीअसीधानजी ॥ २६ ॥ ॥ सेवो० ॥ धर्मचक्रवालतपवलीसाध्यो॥ क्रमचक्रवालहोयजी ॥ बत्रिशवीजयनोतपघणसुदर ॥ मेरुमदरजोयजी ॥२७ ॥ सेवो० ॥ सूरायणनेंवलीपडवातपाघनतपकमलउदारजी ॥ अष्टापदपावडीआंनामे॥ वर्गतपस्याविचारजी ॥२८॥ सेवो० ॥ गुणरत्नसवछरजाणो ॥ सप्तोत्तरअवधारजी ॥ असीपहतपनोपारनलहीइ ॥ तेहअनेकप्रकारजी ॥२९ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यक्षेत्रनेंकालसावथी ॥ साध्यापथमऊारिजी ॥ तपावलीथीविधीसझजाणो ॥ इहाथाइंविस्तारजी ॥३० ॥ सेवो० ॥ इमतपधर्मसपेपेसाध्यो ॥ आराधीसवीप्राणीजी ॥ इहसवपरसवसुखलहीनें॥ परणेसिववधूराणीजी॥३१॥सेवो० त्रिजेखंडढालएदशमी ॥ पद्मविजयकहेइमजी ॥ सांसलीनेश्रोताजनधरमें॥ करज्योअवीहमप्रेमजी ॥ ३२ ॥ सेवो० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ दूहा ॥ सावधरमचोथोसलो ॥ सम्यगदर्शनसाच ॥ नाणचारित्रनीसावना॥ मतसाधनविनुमांच ॥ ३३ ॥ वैराग्यसावनातिमवली ॥ तिर्थसक्तिततकाल ॥ साधुजननीशेवना ॥ कदर्पजयविकराल ॥ ३४ ॥ अतिचारजोआवीओ ॥ निदागरहानाद ॥ मोकूनासूखमांमाचतो ॥ आयतनेंआल्हाद ॥ ३५ ॥ एहधर्मअरिहतनों ॥ साध्योचोथोसाव ॥ सवसयसाधसजणो॥ वलीउएहवनाव ॥ ३६ ॥ ब्यारप्रकारेंसूणिचतूर ॥ सेवीधर्मसूबुध ॥ जिवअनताजिहांगया ॥ साश्वतसुखसूविसुरू ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ सोनानीऊारीहे ॥ एदेशी ॥ इणिपरेंसांसलीहे ॥ साहिबाजीमारा ॥ जिनवरधर्म ॥ सिखिकूमरनेंताम ॥ बोधयोजिनधर्मनोजी ॥ बोलेइणिपरिहे ॥ सा०॥ साध्युसत्य ॥ एहमांनहीस

एहसीलमइधर्मआराधी॥मानवसद्गतिपामेजी ॥
मेतेआतमरामेंजी ॥ १० ॥ सेवो० ॥ बलीअविशेषजेब्रह्मचर्यपाले॥
शीलकहीजेंजी ॥ तेपणिआसवपरसवकेरां ॥
॥ ११ ॥ सेवो० ॥ यत ॥ व्याघ्रव्यालजलानलादि
कल्याणनिसमुल्लसतिविबुधा सान्निध्यमध्यासते ॥
त्युपचयधर्मप्रणश्यत्यघ ॥ स्वर्निर्वाणसुखा
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ शीलसषेपकमुहवेसाध्यु ॥ तपनामेंहवेशीजोजी
सेंदबाह्यप्रथमतिहा ॥ अन्यतरतपविजोजी ॥ १२ ॥ सेवो० ॥
षटसेदप्रकास्या ॥ अणसणपेहेलोसेदोजी ॥ अणोदरीवतीअपेपह॥
गेंनवीषेदोजी ॥ १३ ॥ सेवो० ॥ कायक्लेशनेसलीनताए ॥
हायजी ॥ अन्यतरप्रायछीसनेंविनयो ॥ वैयावच्चसझायजी ॥ १४ ॥
ध्याननेंउत्सर्गएषटलहीइ॥अन्यतरनिरमायजी ॥
सेदपचासकहायजी ॥ १५ ॥ सेवो० ॥ बलिअविशेषेंतपबहुसेदें ॥
आगममाहिंजी ॥ वर्द्धमानश्रेणीतपनामें ॥ परतरतपउछाहिंजी ॥
वो० ॥ कनकावलीरतनावलीजाणों ॥ मुगतावलीमनोहारजी ॥
दर्शसहनिक्कीमित ॥ जवमध्यवज्रमध्यसारजी ॥ १६ ॥ सेवो० ॥
सद्रमाहासद्रकहिइ ॥ सर्वतोसद्रमनआणिजी ॥ ने
क ॥ सिद्धचक्रगुणषाणिजी ॥ १८ ॥ सेवो० ॥ स
आ ॥ नवनवमीआहोयजी ॥ दशमीएकारसीबलीबारसी ॥
यजी ॥ १९ ॥ सेवो० ॥ इंद्रियजयनेसंसारतारण ॥
जी ॥ जोगजयनेंबलीकरमसूदण ॥ पचमीतपगुणधामजी ॥ २० ॥ सेवो०
दर्शनज्ञानचरणआराधन ॥ दशपच्चखाणनीठेलीजी ॥ समवसरणनेंनहिम
रतप ॥ करीइंद्रकतीनेंतोलीजी ॥ २१ ॥ सेवो० ॥
हिणीतप ॥ अधिकातपसुविचारोजी॥ सर्वसुखसपत्तीआसीषा ॥ परमसुखा
तपसारोजी ॥ २२ ॥ सेवो० ॥ अतदेवतातपसर्वीनसुंदर ॥ अडस्वदेवीजी

कारजी ॥ सोसाम्यकल्पवृक्षएनामें ॥ एकादशीमनधारोजी ॥ २३ ॥ सेवो० ॥ चद्रायणतपआठिमचौदसिआविलवर्द्धमानमोहटोजी॥ अशोकवृक्षनेंमुकुटसप्तमी ॥ माणीक्यप्रसानहीषोटोजी ॥२४॥ सेवो० ॥ अखमदशमीवलीअमृततप ॥ तपवलीएकादशांगजी ॥ दवदतीतपदीक्षानोतप ॥ निर्वाणतपवलीचगजी ॥ २५ ॥ सेवो० ॥ गौतमपडघोनेंस्वर्गदमो ॥ पद्मोतरतपज्ञानजी ॥ जिनपुजानेंहारजतपवली ॥ उणोदरीअसीधानजी ॥ २६ ॥ ॥ सेवो० ॥ धर्मचक्रवालतपवलीसाध्यो॥ क्रमचक्रवालहोयजी ॥ वत्रिशवीजयनोतपचएसुदर ॥ मेरुमदरजोयजी ॥ २७ ॥ सेवो० ॥ सूरायणनेंवलीपडवातपाघनतपकमलउदारजी ॥ अष्टापदपावडीआंनांमे॥ वर्गतपस्याविचारजी ॥२८॥ सेवो० ॥ गुणरत्नसवछरजाणो ॥ सप्तोत्तरअवधारजी ॥ असीपहतपनोपारनलहीइ ॥ तेहअनेकप्रकारजी ॥२९॥ सेवो० ॥ द्रव्यक्षेत्रनेंकालसावथी ॥ साध्यापथमझारिजी ॥ तपावलीथीविधीसझजाणो ॥ इहाथाइविस्तारजी ॥ ३० ॥ सेवो० ॥ इमतपधर्मसपेपेसाध्यो ॥ आराधीसवीप्राणीजी ॥ इहसवपरसवसूखलहीनें॥ परणेसिववधूराणीजी॥३१॥सेवो० त्रिजेखमेढालएदशमी ॥ पद्मविजयकहेइमजी ॥ सांसलीनेश्रोताजनघरमें॥ करज्योअवीहमप्रेमजी ॥ ३२ ॥ सेवो० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ दूहा ॥ सावधरमचोथोसलो ॥ सम्यगदर्शनसाच ॥ नाणचारित्रनीसावना॥ मतसावनविनुमात्र ॥ ३३ ॥ वैराग्यसावनातिमवली ॥ तिर्थसक्तितनकाल ॥ साधुजननीसेवना ॥ कदर्पजयविकराल ॥ ३४ ॥ अतिचारजोआवीओ ॥ निदागरहानाद ॥ मोक्षनासूखमांमाचतो ॥ आयतनेंआल्हाद ॥ ३५ ॥ एहधर्मअरिहतनों ॥ साध्योचोथोसाव ॥ सवसयसावछसजणो॥ वलीउएहवनाव ॥ ३६ ॥ ब्यारप्रकारेंसूणिचतूर ॥ सेवीधर्मसूबुध ॥ जिवअनताजिहागया ॥ साश्वतसुखसूविशुद्ध ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ सोनानीझारीहे ॥ एदेशी ॥ इणिपरेंसासलीहे ॥ साहिबाजीमारा ॥ जिनवरधर्म ॥ सिखिकूमरनेंताम ॥ बोधयोजिनधर्मनोजी ॥ बोलेइणिपरिहे ॥ सा०॥ साध्युसत्य ॥ एहमांनहीस

एहसीलमइधर्मआराधी॥मानवसदगतिपामेजी ॥
मेतआतमरामेंजी ॥ १० ॥ सेवो० ॥ वलीअविशेषजेब्रह्मचर्यपाले
शीलकहीजेंजी ॥ तेपणिआसवपरसवकेरां ॥
॥ ११ ॥ सेवो० ॥ यत॰ ॥ व्याघ्रव्यालजलानलादि
कल्याणनिसमुल्लसतिविबुधा सान्निध्यमभ्यासते ॥
त्युपचयधर्मप्रणइयत्यघ ॥ स्वर्निर्वाणसूखानि
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ शीलसषेपकहुहवेसाध्यु ॥ तपनामेंहवेसीजोजी ॥
सेंदबाह्यप्रथमतिहां ॥ अभ्यतरतपविजोजी ॥ १२ ॥ सेवो० ॥
षटसेदप्रकास्या ॥ अणसणपेहेलोसेदोजी॥ अणोदरीव्रतीशषेपछ ॥
गेंनवीषेदोजी ॥ १३ ॥ सेवो० ॥ कायक्लेशनेसलीनताए ॥
हायजी ॥ अभ्यतरप्रायछीत्तनेंविनयो ॥ वैयावच्चसझायजी ॥ १४ ॥
ध्याननेंउत्सर्गएषटलहीइ॥अभ्यतरनिरमायजी॥ विसेंषेंवझ
सेदपचासकहायजी ॥ १५ ॥ सेवो० ॥ वलिअविशेषेंतपवझसेदें ॥
आगममाहिजी ॥ वर्द्धमानश्रेणीतपनामें ॥ परतरतपउगाहिजी ॥
वो० ॥ कनकावलीरतनावलीजाणों ॥ मुगतावलीमनोहारजी ॥
दर्द्धसिहनिक्रीडित ॥ जवमध्यवज्रमध्यसारजी ॥ १६ ॥ सेवो० ॥
सप्तमाहासप्तकहिइं ॥ सर्वतोसप्तमनआणिजी ॥
क ॥ सिद्धचक्रगुणषाणिजी ॥ १८ ॥ सेवो० ॥ सतस
आ ॥ नवनवमीआहोयजी ॥ दशमीएकारसीवलीबारसी ॥
यजी ॥ १९ ॥ सेवो० ॥ इंद्रियजयनेसंशारतारण ॥
जी ॥ जोगजयनेंवलीकरमसूदण ॥ पचमीतपगुणधामजी ॥ २० ॥ सेवो०
दर्शनज्ञानचरणआराधन ॥ दशपच्चखाणनीउलीजी ॥ समवसरणनेंनंदिश्व
रतप ॥ करीशकतीनेंतोलीजी ॥ २१ ॥ सेवो० ॥ अक्षयनीधीपुंडरीकरो
हिणीतप ॥ अविकातपसुविचारोजी॥ सर्वसुखसपत्तीअसीधा ॥परमसूचवे
तपसारोजी ॥ २२ ॥ सेवो० ॥ अतदेवतातपसर्वांगसुंदर ॥ अडसठदेषीजी

करवोक्रोधजालवीजी ॥ ४९ ॥ प्रतिमावहेवीहे ॥ सा० ॥ मुनीनीअनेक ॥ विचीत्रअसीपहजेह ॥ द्रव्यादिकजेसापीआजी ॥ सूक्ष्मवुहे ॥ सा० ॥ केश नोलोच ॥ कायकिलेशअनेक ॥ करताशमरसचापीआजी ॥ ४९ ॥ नि प्र तिकर्महे ॥ सा० ॥ जाससरीर ॥ वहेवीगुरुनीआणि ॥ सर्वकालप्रसूआणि थीजी ॥ परिसहजितवावाविश ॥ सा० ॥ उपसर्गजेह ॥ दिव्यादिकबहुते द ॥ जयकरवोगुणषाणिथीजी ॥ ५० ॥ लार्घेअलार्घेहे ॥ सा० ॥ समचित राषि ॥ अढारसिलांगसहस ॥ सारतेवहेवोनीतपमेजी ॥ तिर्णेतरवोएसमुद्र ॥ ॥ सा० ॥ चरमकहेवाय ॥ वाहिकरिनेंतेह ॥ तोलवोमेरुनीजकरवमेंजी ॥ ५१ ॥ सपवोकोलीउहे ॥ सा० ॥ स्वादरहीत ॥ वेलूतणोजेअशार ॥ खडगधारापरें चालवुजी ॥ पीवीअगनिनीझाल ॥ सा० ॥ गगप्रवाह ॥ चालवुंशाहमेपुर ॥ निजआतमसूखेंमालवुजी ॥ ५२ ॥ कोथलोपवननोहे ॥ सा० ॥ सरवोहा थि ॥ चतूरगवलसघाति ॥ जितवुएकलेप्राणीश्जी ॥ साधवोराहवेध ॥ सा० ॥ जयनीपताक ॥ वहेवीअपहीपुर्व ॥ ऊ करमुनीपणकजाणीश्जी ॥ ५३ ॥ श्मसांसलीहे ॥ सा० ॥ हरष्योकूमार ॥ करजोमीकहेश्म ॥ गुरूसलूसाधूप णकहुजी ॥ ऊ करकहुतिमतेह ॥ सा० ॥ पणिनहीमुझ ॥ जाण्युशशारनु गुझ ॥ जाणहवेएहकवलझजी ॥ ५४ ॥ गुरूतवसापेहे ॥ सा० ॥ साचुएहा ॥ जाणेशसारस्वरूप ॥ पणिवझसवसावनाथकीजी ॥ मुझावेवझजीव ॥ सा० ॥ थाश्मुढ ॥ तिर्णेनविचारेस्वरुप ॥ नगर्णेअनागतवुधीथकीजी ॥ ५५ ॥ कुल नवीदेषेहे ॥ सा० ॥ नकरेधर्म ॥ नविमानेउपदेश ॥ मुरपनगणेगुरुप्रतिजी ॥ नकरेअपजसविहक ॥ सा० ॥ आचरेतेह ॥ आलोकनेंपरलोक ॥ क्रेशनुसा जनजिणगतीजी ॥ ५६ ॥ तिणकारणसूणिहे ॥ सा० ॥ हणवोमोह ॥ कुम रकहेप्रसूसाच ॥ पणिएउपायहणवातणोजी ॥ कारयसाधेतेह ॥ सा० ॥ कार णसेवाजेकरेप्रगटेतासा ॥ साध्यतणोपुरणपणोजी ॥ ५७ ॥ तेतूम्हपासेहो ॥ सा० ॥ तूझपसाय ॥ पामुसवजलपार ॥ जिमशायरनिरजामकेंजी ॥ अलपपुन्यहो श्जास ॥ सा० ॥ कूशलनवुद्धी ॥ गुणवतागुरुलास ॥ नहोश्नवीपामीशकेजी ॥

देह ॥ कूणकहेसेदमर्मनोजी ॥ ३८ ॥ पणिएकसांसलोहे ॥ सा० ॥ [illegible]
शेश ॥ नवीकरीसकीश्कोय ॥ दानविनाघरमांरहीजी ॥ तिणकारण[illegible]
सा० ॥ चारीत्रधर्म्म ॥ जोग्यहोश्तेकोण ॥ सापोसगवनमुऊसहीजी ॥ [illegible]
गुरुजीबोलेहे ॥ सा० ॥ सांसलिजोग्य ॥ उपनोआरयदेश ॥ कुलनेंजा[illegible]
शेपिउजी ॥ हलूकरमाहे ॥ सा० ॥ निरमलबुधि ॥ जाणेसशारस्वरुप ॥ [illegible]
णवुएहवोपेषीउजी ॥ ४० ॥ जनमतेमरणनीमित्त ॥ सा० ॥ चपलतेश्रम्य ॥
सजोगअतेविजोग ॥ मानवसवदूर्लसघणोजी ॥ विषयतेऽरकनुंहेतू ॥सा०॥
मरवुसऊनेंनीत्य ॥ दारुणतासविपाक ॥ कोईआधारनतेहतणोजि ॥ [illegible]
इमजाणीनेंविरक्त ॥सा०॥ थोमोकरवाया॥थोमीकरतोहासा॥जाणकरयानुएमी
वलीजी ॥ नहिकौतकीनेंविनीत ॥सा०॥ वऊजनमान्य ॥ दोषकारीनवीहोय
॥ सरधाकरेकहुकेवलीजी ॥ ४२ ॥ वलीथीरसरधावत ॥ सा० ॥ एहवोजी
ग्य ॥ जेउपसपन्नहोय ॥ तवकूअरइणिपरेंसणेंजी ॥ रुमोसाध्योहे ॥ सा०॥
साधूनेंयोग्य ॥ पणिउपसपन्नआज ॥ आव्योचरणेंतुम्हतणेंजी ॥ [illegible]
जयसिहगुरुहे ॥ सा० ॥ करेविचार ॥ एहमहासाम्यवत ॥ प्रष्णकरेजुउ[illegible]
वाजी ॥ ठेअतीशांतिस्वरुप ॥ सा० ॥ लखिश्तेण ॥ महाकुलेंउपनोएह ॥ [illegible]
चनबोलेतेजेहवांजी ॥ ४४ ॥ एहनेंकहिश्हें ॥ सा० ॥ एहवावयण ॥ [illegible]
णेउपसमहयाय ॥ इमचितीहवेगुरुकहेजी ॥ सुणितूश्रावकहे ॥ सा० ॥ तुंतु
णवत ॥ एससारअशार ॥ तेहमाकुणइणिपरिलहेजी ॥ ४५ ॥ ऊकरजा
णोहे ॥ सा० ॥ लेवुजेह ॥ अमणपणऊजगिसार ॥ शत्रुमीत्रसमजाणवाजी ॥
नवीहणवोकोईजीव ॥ सा० ॥ कहेवुशाच ॥ दतशोधनमात्रकांय ॥ पचस्व
वुअदत्तआणवाजी ॥४६॥ त्रिविधेपचखवुहे ॥सा०॥ अब्रह्मचर्य ॥ उपगर
णवस्त्रनेंपात्र ॥ उपरिपणमुरछानहीजी ॥ रात्रीसोजननोत्याग ॥ सा० ॥ लेवो
आहार ॥ बेंतालीशदोषशुद्ध ॥ आगममांसांभ्योसहिजी ॥४७॥ संजोज
नादिकहे ॥ सा०॥ टालवापचा॥मितकालेंलेवोआहार ॥ सुमती गुपतीवरपाल
वीजी ॥ ईर्यामुखपचविस ॥ सा० ॥ सावधीहोय ॥ बांसअभ्यंतरसेद ॥ तप

करवोक्रोधजालवीजी ॥४८॥ प्रतिमावहेवीहे ॥ सा० ॥ मुनीनीअनेक ॥ विधीअअसीपहजेह ॥ द्रव्यादिकजेसापीआजी ॥ सूश्रुवुहे ॥ सा० ॥ केश नोलोच ॥ कायकिलेशअनेक ॥ करताशमरसचापीआजी ॥४९॥ नि प्र तिकर्माहे ॥ सा० ॥ जाससरीर ॥ वहेवीगुरुनीआणि ॥ सर्वकालप्रसूआणि थीजी ॥ परिसहजितवाबाविश ॥ सा० ॥ उपसर्गजेह ॥ दिव्यादिकबहुसे द ॥ जयकरवोगुणषाणिथीजी ॥५०॥ लार्घेअलार्घेहे ॥ सा० ॥ समचित राषि ॥ अठारसिलागसहस ॥ सारतेवहेवोनीतपमेजी ॥ तिणेंतरवोएसमुद्र ॥ ॥सा०॥ चरमकहेवाय ॥ वाहिकरिनेंतेह ॥ तोलवोमेरुनीजकरवमेंजी॥५१॥ सपवोकोलीउहे ॥ सा०॥ स्वादरहीत ॥ वेलूतणोजेअशार ॥ खमगधारापरें चालवुजी ॥ पीवीअगनिनीझाल ॥ सा० ॥ गगप्रवाह ॥ चालवुशाहमेपुर ॥ निजआतमसूरवेंमालवुजी ॥५२॥ कोथलोपवननोहे ॥ सा० ॥ सरवोहा थि ॥ चतूरगवलसघाति ॥ जितवुएकलेप्राणीश्जी ॥ साधवोराधावेध ॥सा०॥ जयनीपताक ॥ महेवीअमहीपुर्व ॥ ६ करमुनीपणजाणीश्जी ॥५३॥ श्मसासलीहे ॥ सा० ॥ हरष्योकूमार ॥ करजोमीकहेश्म ॥ गुरूसलूसाधूप णकहुजी ॥ ६ करकहुतिमतेह ॥ सा० ॥ पणिनहीमुझ ॥ जाण्युशशारनु गुझ ॥ जाणहवेएहकवलझजी ॥५४॥गुरूतवसापेहे ॥सा०॥ साचुएहा॥ जाणेशसारस्वरूप ॥ पणिवहुसवसावनाथकीजी ॥ मुझावेवहुजीव ॥ सा०॥ थाश्मुढ ॥ तिणेंनविचारेस्वरुप ॥ नगणेंअनागतवुधीथकीजी ॥ ५५ ॥ कुल नवीदेषेहे ॥ सा० ॥ नकरेधर्म ॥ नविमानेउपदेश ॥ मुरपनगणेगुरुप्रतिजी॥ नकरेअपजसविहक ॥ सा० ॥ आचरेतेह ॥ आलोकनेंपरलोक ॥ क्रेशनुसा जनजिणगतीजी ॥ ५६ ॥ तिणकारणसूणिहे ॥ सा० ॥ हणवोमोह ॥ कुम रकहेमसूसाच ॥ पणिएउपायहणवातणोजी ॥ कारयसाधेतेह ॥सा०॥ कार णसेवाजेकरेप्रगटेतासा॥ साध्यतणोपुरणपणोजी ॥५७॥ तेतूम्हपासेंहे॥सा०॥ तूझपसाय ॥ पामुसवजलपार॥ जिमशायरनिरजामकेंजी ॥ अलपपुन्यहो श्जास ॥ सा० ॥ कूशलनवुश्री॥गुणवतागुरुलास ॥ नहोश्नवीपामीशकेजी ॥

॥ ५८ ॥ तिणेंमुझउपरिहे ॥ सा० ॥ करोउपगार ॥ गुरुबोलेतबवाही ॥ [illegible]
स्थीतिएआगमतणीजी ॥ सेंसलावीसवीमग्ग ॥ सा० ॥ केताकविच ॥ [illegible]
वीश्आवश्यक ॥ पढीदीपीजेंशीष्यसणीजी ॥ ५९ ॥ बोलेकूमरस्थीहे ॥
॥ सा० ॥ करयोउपगार ॥ दिक्षापिणलेईमुझ ॥ पालवीआगमस्थीतिसीखी
तिणेंश्मजहोस्वामी ॥ सा० ॥ इंमकमुजांम ॥ बहुपरीजनस्युनाहि ॥ [illegible]
पिताआव्योसासलीजी ॥ ६० ॥ हाथणीश्वेठोहे ॥ सा० ॥ तेब्रह्मदत्त ॥ [illegible]
रीप्रणमेपाय ॥ धर्मलासगुरुश्दिउंजी ॥ त्रिजेस्वमेढाल ॥ सा० ॥ [illegible]
र ॥ पद्मविजयकहेश्म ॥ बेठोचित्तसूणवाकिउंजी ॥ ६१ ॥ [illegible]
तनेंश्मकहे ॥ कांमकरोमुझएक ॥ तातकहेजेकहोतुम्हे ॥ करीश्लूल[illegible]
क ॥ ६२ ॥ एउसारस्वरुपश्म ॥ मानवत्तबमुसकल ॥ संगअनीत्य[illegible]
री ॥ एहमांनहीअवल ॥ ६३ ॥ जीवनजाश्जोपसू ॥ अनंगकरेअ[illegible]
मृत्युतोमुकेनही ॥ जाणोछोतुम्हेजाए ॥ ६४ ॥ बोआणालेउदिषमी ॥ [illegible]
करुंउउचार ॥ सूतस्नेहेंगदगदस्वरें ॥ पुत्रनेंकहेप्रकार ॥ ६५ ॥ बालकतूबोले
किस्यु ॥ कालनदिक्षाकोय ॥ कुअरकहेनवीकालछे ॥ जमनोश्णिपरिलो[illegible]
॥ ६६ ॥ बोल्योएकबसदत्तना ॥ परिवारमापुरुष ॥ पिंगकनामेंपापपुन्य[illegible]
विछेजुउनिरष ॥ ६७ ॥ बहुचर्चतिबोलीउ ॥ पणिगुरुबेठांप्राय ॥ नवीतोतु
एहानभी ॥ कुमरनबोल्याकाय ॥ ६८ ॥ समझाव्योशूलजुक्तिथी ॥ तेकहे
तांविस्तार ॥ पथवधेतिणेंनवीपस्यो ॥ परगटएहप्रकार ॥ ६९ ॥ समझ्योका
वकव्रतपहे ॥ सार्थेब्रह्मदत्तशुद्ध ॥ दिक्षानीअनुमतिदीश ॥ बसदत्तअतीघ[illegible]
॥ ७० ॥ ढाल ॥ तटजमुनानोरेअतिरलिआमणोरे ॥ एदेशी ॥ पुत्रनीआ[illegible]
आव्यानथरमारि ॥ घोषणापुरवकवान ॥ देतोकरतोजीनवरचैत्यमारि ॥ [illegible]
ईमहोछवज्ञान ॥ ७१ ॥ धन २ एहनेंरेजाण्युएहणेपरुरे ॥ एआंकणी ॥ [illegible]
सतिथीकरणेंरेमुहूर्त्तजोगेंसलेंरे ॥ शिबिकारुढतिवार ॥ महाहर्षेंकरीबहुपरी
वारस्यूंरे ॥ देतोदांनअपार ॥ ७२ ॥ धन ॥ मगलतूरवजावतेनिकट्योरे ॥ वि
रुदावलीरेबोलाय ॥ लोकप्रशसादेषीबहुकरेरे ॥ पोहतागुरुनेंरेपाय ॥ ७३ ॥

घन ॥ सीविकाथीउत्तरीगुरुवदियारे ॥ गुरुइंदिक्षारेदिध ॥ साधूवेषलीधोंहर षेंकरीरे ॥ आतमकारजकिध ॥ ७४ ॥ घन ॥ केईकदिनरहीमासकलपथइ रे ॥ गुरुआर्यकरेविहार ॥ लाषअनेकवरसइमवहिगयारे ॥ पालतानिरतीचा र ॥ ७५ ॥ घन० ॥ इणअवशरिजेजालिणीमावमीरे ॥ थयोतसपश्चारेताप ॥ कामहीणकरयुजिर्णेमारयोनहीरे ॥ गयोमुकदेईसताप ॥ ७६ ॥ घन० ॥ ते णिकारणकायमोकलुसेटणरे ॥ संदेसोमीठीवात ॥ जोकांईकरताफिरीआवे इहारे ॥ पछेंकरस्युसुखेंघात ॥७७॥ घन० ॥ जिमचित्यूंतिमकिधुतिणीइरें ॥ मोकल्युकवलरत्न ॥ संदेशोबकसीषवीमोकल्योरे ॥ सोमदेवकरीघणकजत्न ॥ ॥ ७८ ॥ घन० ॥ देशवीख्यातप्रवत्तिआचार्यनीरे ॥ पुठीपोहतोतेगाम ॥ सि खिकूमारसाधूनेंसणावतारे ॥ देखिवंधातेठाम ॥ ७९ ॥ घन ॥ धर्मलाभदेईपू छेउलषीरे ॥ किहाथीआववुंतूम ॥ तिणेंपणिव्यतीकस्सघलोसासीउरे ॥ जा लिणीमोकल्याअम ॥ ८० ॥ घन० ॥ पश्चातापेंदाधीदेहमीरे ॥ तूम्हप्रवत्ति निमीत्त ॥ रिषीकहेपश्चातापस्योएकनोरे ॥तवतेबोल्योसूचित्त॥८१॥घन०॥ तूम्हेदीक्षालीधीतेकारणेंरे ॥ सूणिचीतिमुनीराय ॥ स्नेहकायरपरमार्थदेखेन हीरे ॥ जुउंइमकिमकरेमाय ॥ ८२ ॥ घन० ॥ प्रत्युपकारनकरीसकीइंकिमें रे ॥ मातपितानोरेकोय ॥ इमचितिकहेसोमदेवनेंसूणोरे ॥ मुकसवनिरवेदहो य ॥ ८३ ॥ घन० ॥ तिणेंदिक्षालीधीइमजांणजोरे ॥ पणिनहीमायनिरषेद॥ तवतेकहेषरुपणितूममातनेंरे ॥ उपजेछेअतिषेद ॥८४॥घा॥कहेवराव्युछेइणिप रेंसासलोरे ॥ तूछहृदयहोयनारि ॥चपलस्वसावनेंअविवेकजघणोरे ॥ कामक रुअवीचार ॥ ८५ ॥ घन० ॥ होयकदापहस्त्रीमाअतिघणोरे ॥ पछेंहोइपश्चा ताप ॥ पुरुषतोमहागंसीरहोइघणारे ॥ कोयनेंनकरेसताप ॥ ८६ ॥ घन० ॥ माहरोसावजाण्याविणस्यूकस्यूरे ॥ आदस्योपरलोकमग्ग ॥ पणएकवारवदा वयाआवजोरे ॥ नहीतरकिमहोयसग्ग ॥ ८७ ॥ घन ॥ कंवलरत्नलेज्योमुक हितकरीरे ॥ बोल्याशिखीआणगार ॥ उत्तरम्हेतूकसयलोसापीउरे ॥ अनेगुरु आधीनविहार ॥ ८८ ॥ घन० ॥ कम्हारेआधीननहीकदारे ॥ पालवीश्रीगुरु

॥ ५८ ॥ तिणेंमुझउपरिहे ॥ सा० ॥ करोउपगार ॥ गुरुबोलेतबवाणी ॥ [illegible]
स्थीतिएआगमतणीजी ॥ सेंसलावीसबीभग्ग ॥ सा० ॥ केताकहिय ॥ [illegible]
वीश्आवश्यक ॥ पढीदीपीजेंशीष्यतणीजी ॥ ५९ ॥ बोलेकूलस्थीरे ॥ [illegible]
॥ सा० ॥ करयोउपगार ॥ दिक्षापिणलेईमुझ ॥ पाछवीआगमस्थीति[illegible]
तिणेंइमजहोस्वामी ॥ सा० ॥ इमकहुजांम ॥ बहुपरीजनस्युताहि ॥ [illegible]
पिताआव्योसासलीजी ॥ ६० ॥ हाथणीश्वेठोहे ॥ सा० ॥ तेब्रह्मदत्त ॥ [illegible]
रीप्रणमेपाय ॥ धर्मलाभगुरुइदिउंजी ॥ त्रिजेरबमेढाल ॥ सा० ॥ [illegible]
र ॥ पद्मविजयकहेइम ॥ बेठोचित्तसूणवाकिउंजी ॥ ६१ ॥ [illegible]
तनेंइमकहे ॥ कांमकरोमुझएक ॥ तातकहेजेकहोतूम्हे ॥ करीशूलाभि[illegible]
क ॥ ६२ ॥ एआसारस्वरुपइम ॥ मानवत्तवमुसकल्ल ॥ सगआनीत्यच[illegible]
री ॥ एहमानहीअवल्ल ॥ ६३ ॥ जीवनजाइजोपसू ॥ अनंगकरेअकाल्यां[illegible]
मृत्युतोमुकेनही ॥ जाणोछोतूम्हेजांण ॥ ६४ ॥ योआणालेउदिवसी ॥ [illegible]
करुअआर ॥ सूतरुलेहेंगदगदस्वरें ॥ पुत्रनेंकहेप्रकार ॥ ६५ ॥ बालकतूकोले
किस्यु ॥ कालनदिक्षाकोय ॥ कुअरकहेनवीकालछे ॥ जमनोशिपरिजो[illegible]
॥ ६६ ॥ बोल्योएकबलवत्तना ॥ परिवारमापुरुष ॥ पिगकनामेंपापपुण्य[illegible]
विछेजुउनिरष ॥ ६७ ॥ बहुचपतिबोलीउ ॥ पणिगुरुबेठांप्राय ॥ नवीलोपुं
एहानथी ॥ कुमरनबोल्याकाय ॥ ६८ ॥ समझाव्योशूलजुक्तिथी ॥ तेकहे
तांविस्तार ॥ पथवधेतिणेंनवीपसो ॥ परगटएहप्रकार ॥ ६९ ॥ समझ्योका
वकव्रतपहे ॥ सार्थेप्रलवत्तशुद्ध ॥ दिक्षानीअनुमतिदीइ ॥ बलदत्तअतीघ[illegible]
॥ ७० ॥ ढाल ॥ तटजमुनानोरेअतिरलिआमणोरे ॥ एदेशी ॥ पुत्रनीआर्ज
आव्यानयरमरि ॥ घोषणापुरवकदान ॥ देतोकरतोजीनवरचैत्यमरि ॥ [illegible]
ईमहोछवद्वान ॥ ७१ ॥ धन २ एहनेंरेजाण्युएहणेषरुरे ॥ एआंकणी ॥ [illegible]
सतिथीकरणेंरेमुहुर्त्तजोगेसलेंरे ॥ शिबिकारुढतिवार ॥ महाहर्षेंकरीबहुपरि
वारस्यूंरे ॥ देतोदानअवार ॥ ७२ ॥ धन ॥ मगलतूरबजावतेनिकट्योरे ॥ बि
रुदावलीरेबोलाय ॥ लोकभशसादेषीबहुकरेरे ॥ पोहतागुरुनेंरेपाय ॥ ७३ ॥

व्याधीज्वरदृढदातळेरेलो ॥ बहुजननेंकरेकाल ॥ ४ ॥ मा० ॥ एह० ॥ इम जाणीनेंआदरेरेलो ॥ धरमनाअरथीजीव ॥ मा० ॥ राज्यछांडीव्रतसारनेंरेलो पणिनविआदरेक्किव ॥ ५ ॥ मा० ॥ एह० ॥ तिणेंमातातुम्हनवीघटेरेलो ॥ मोहरूपविषपांन ॥ मा० ॥ धरमअमृतवरपीजीइरेलो ॥ जगतमासारनीधां न ॥ ६ ॥ मा० ॥ एह० ॥ मायावंतिमानिनीरेलो ॥ जालिणीकहेकरजोडि ॥ ॥ मा० ॥ पुत्रएघर्ममुकनेंगमेरेलो ॥ नहिजेहनीजगजोडि ॥ मा० ॥ ७ ॥ ॥ एह० ॥ म्हारीअवस्थादेखिनेंरेलो ॥ व्रतआपोमुकजोग ॥ मा० ॥ तवअ णगारआलोचीनेंरेलो ॥ काढवासवनोरोग ॥ मा० ॥ ८ ॥ एह० ॥ सर्वविर तिनीजोग्यतारेलो ॥ नविदीठीतेहमाहि ॥ मा० ॥ देशविरतीविस्तारथीरेलो ॥ ससलावेउछाह ॥ मा० ॥ ९ ॥ एह ॥ विधांअणव्रतमातनेंरेलो ॥ तिणीइक स्थाअगीकार ॥ मा० ॥ तसविसवासपमाणवारेलो ॥ कूडकपटसमार ॥मा० ॥१०॥ एह० ॥ यत ॥ अनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौच निर्दयत्वच ॥ स्त्रीणांदोषा स्वसावजा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनेंमारीतोशकूरे लो ॥ जोपामेंवीसवास ॥ मा० ॥ इमचितीअगीकस्यारेलो ॥ देखीइसक्तीआ वास ॥ मा० ॥ ११ ॥ एह० ॥ हवेमुनीवरजबउठिआरेलो ॥ तवविनवेमुनी माय ॥ मा० ॥ आजसोजनतूलेंइहाकरोरेलो ॥ तववोल्यारीपीराय ॥ मा० ॥ ॥१२॥एह०॥ मातजीअमनेंघटेनहीरेलो॥साप्योठेअणाचारा॥मा०॥मधूकरव त्तिछांडीनेंरेलो ॥ मुनीवरनविकरेआहार ॥ मा० ॥ १३ ॥ एह० ॥ तवजा लिणीबोलीतिहांरेलो ॥ तूलेजाणोवछएह ॥ मा० ॥ मुनीवरनिजथानिकग यारेलो ॥ इमप्रतीदिनआसनेह ॥ मा० ॥ १४ ॥ एह० ॥ हवेचितांचितवेजा लिणीरेलो ॥ मारवाएहनेंउपाय ॥ मा० ॥ सूक्ष्मनबीजमयोमुकनेंरेलो ॥ क रिइहवेकहोकांय ॥ मा० ॥ १५ ॥ एह० ॥ चउदसिदिनहवेआविउरेलो ॥ सहुइकस्याउपवास ॥ मा० ॥ गोचरीकोइनानिकल्यारेलो ॥ करताध्यांनअ स्यास ॥ मा० ॥ १६ ॥ एह० ॥ जालिणीजाणीचितवेरेलो ॥ मारुनहिजो कालि ॥ मा० ॥ तोहवेएहजास्येसहीरेलो॥पक्षसधीथयोकाल ॥मा० ॥१७॥

आंए ॥ मुनिनेंकबलरत्नघटेनहीरे ॥ वलीगुरुकहेतेप्रमांए ॥ [illegible]
तवकोईमुनिश्गुरुदेखावी प्रारे ॥ जईकसोसकलवृत्तांत ॥ कुमरतण्या[illegible]
थीवोहरीउरे ॥ कबलरत्नतेपांति ॥ ९० ॥ धन० ॥ [illegible]
स्येरे ॥ मान्युसएवाजेसूत्त॥ तेसपुरएपास्येजबसहिरे ॥ तवएआवस्येपु[illegible]
॥ ९१ ॥ धना॥ एसांसलीनेंघणराजीयथोरे ॥ भिजेस्वमिएढाल॥ [illegible]
नारासमांबारमीरे ॥ कहिपदमेंसूरशाज ॥ ९२ ॥ धन ॥ऽहासोरठी ॥ [illegible]
वगुरुपास॥ कालकेतोईकरहीकरी॥ आव्योनीजआवाश ॥ [illegible]
रतपे ॥ ९३ ॥ऽहा॥ अन्यदिनेंगुरुआवीआ॥ नयरकोसआशन्न ॥ [illegible]
नामुस्वचकी॥ सासलेगुरुचासन्ना॥ ९४ ॥परलोकेंपोहतोपिता॥ सिखिकूमरस्यो
साच ॥ मुनीसार्थेकेईमोकले ॥ सिखिकूमारशुसवाच ॥ ९५ ॥ पोहता[illegible]
नयरपढे॥ उतरीआउद्यानावातलोकमांविस्तरी॥ सासलज्योशावधांन[illegible]
सिखिकुमरसाधूजीके ॥ आव्याअहोअणगार ॥ रायनगरजनपरिवरया ॥
वधावारोवार ॥ ९७ ॥ ढाल ॥ हवेनहीआवुमहीवेचवारेलो ॥ एदेशी ॥ [illegible]
नाकरीगुरुरायनेंरेलो ॥ वेगासूणवाधर्म ॥ मारावाल्हाजीहो ॥ गुरुपहिआवे
पणीकथारेलो॥ कहेतांदिशशिवशर्म ॥ ९८ ॥ म्हा० ॥ एहवागुरुरेफिरीम
हिमीलेरेलो ॥ एआंकणी ॥ आवरज्यासवीलोकनेंरेलो ॥ गयासहुनिज २ गेह
॥म्हा० ॥ हवेबिजेदिनमुनीवरुरेलो ॥ सिखीकूमरसशनेह ॥ ९९ ॥ म्हा० ॥
एह०॥गयानीजमातपासेंहवेरेलो ॥ विधवारुपतेतास ॥ म्हा० ॥ [illegible]
रीगयारेलो ॥ अतिऊरवलऊरववास ॥ १०० ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ तिणेंनिज
मातनउलषीरेलो ॥ तिणेंउलष्योमुनीराय ॥ म्हा० ॥ मायास्वसावेंरोतीघणी
रेलो ॥ अश्रुपातबहुथाय ॥ १०१ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ आसासनामुनीवर
करेरेलो ॥ देशनादेवेतांम ॥ म्हा० ॥ मातजीखेदनकीजीइरेलो ॥ एसशारद
खधांम ॥ १०२ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ कर्म्येंसयणेंपराक्रमेंरेलो ॥ बलचतुरनेजो
य ॥ म्हा० ॥ देवअसुरपमुहामिलेरेलो ॥ मरणनजीतेकोय ॥ म्हा० ॥
॥ १०३ ॥ एह० ॥ मरणहरीजगमांसमेरेलो ॥ आपदाशतनखजाल ॥ म्हा० ॥

व्याधीज्वरदृढदातठेरेलो ॥ बहुजननेंकरेकाल ॥ ४ ॥ मा० ॥ एह० ॥ इम जाणीनेंआदरेरेलो ॥ धरमनाअरथीजीव ॥ मा० ॥ राज्यठांमीव्रतसारनेंरेलो पणिनविआदरेक्किव ॥ ५ ॥ मा० ॥ एह० ॥ तिणेंमातातूम्हनवीघटेरेलो ॥ मोहरूपविषपान ॥ मा० ॥ धरमअमृतवरषीजीशरेलो ॥ जगतमासारनीघांन ॥ ६ ॥ मा० ॥ एह० ॥ मायावंतिमानिनीरेलो ॥ जालिणीकहेकरजोमि ॥ ॥ मा० ॥ पुत्रएधर्ममुकनेंगमेरेलो ॥ नहिजेहनीजगजोमि ॥ मा० ॥ ७ ॥ ॥ एह० ॥ म्हारीअवस्थादेषिनेंरेलो ॥ व्रतआपोमुकजोग ॥ मा० ॥ तवअणगारआलोचीनेंरेलो ॥ काढवासवनोरोग ॥ मा० ॥ ८ ॥ एह० ॥ सर्वविरतिनीजोग्यतारेलो ॥ नविदीठीतेहमाहि ॥ मा० ॥ देशविरतीविस्तारथीरेलो ॥ ससलावेउगाह ॥ मा० ॥ ९ ॥ एह ॥ विधांअणव्रतमातनेंरेलो ॥ तिणीइकरयाअगीकार ॥ मा० ॥ तसविसवासपमाणवारेलो ॥ कूडकपटसमार ॥ मा० ॥ १० ॥ एह० ॥ यत ॥ अनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौच निर्दयत्वच ॥ स्त्रीणांदोषा स्वभावजा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनेंमारीतोशकूरेलो ॥ जोपामेंवीसवास ॥ मा० ॥ इमचितीअगीकर्यारेलो ॥ देखीइसक्तीआवास ॥ मा० ॥ ११ ॥ एह० ॥ हवेमुनीवरजबउठिआरेलो ॥ तवविनवेमुनीमाय ॥ मा० ॥ आजसोजनतूम्हेंइहाकरोरेलो ॥ तववोल्यारीषीराय ॥ मा० ॥ ॥ १२ ॥ एह० ॥ मातजीअमनेंघटेनहीरेलो ॥ साध्योठेअणाचारा ॥ मा० ॥ मधूकरवृत्तिठांमीनेंरेलो ॥ मुनीवरनविकरेआहार ॥ मा० ॥ १३ ॥ एह० ॥ तवजालिणीबोलीतिहांरेलो ॥ तूम्हेजाणोवछएह ॥ मा० ॥ मुनीवरनिजयानिकगयारेलो ॥ इमप्रतीदिनशसनेह ॥ मा० ॥ १४ ॥ एह० ॥ हवेचितचितवेजालिणीरेलो ॥ मारवाएहनेंउपाय ॥ मा० ॥ सूक्ष्मनवीजमयोमुकनेंरेलो ॥ करिइहवेकहोकांय ॥ मा० ॥ १५ ॥ एह० ॥ चउदसिदिनहवेआविउरेलो ॥ सहुइकरयाउपवास ॥ मा० ॥ गोचरीकोइनानिकल्यारेलो ॥ करताध्यांनअस्थास ॥ मा० ॥ १६ ॥ एह० ॥ जालिणीजाणीचितवेरेलो ॥ मारुनहिजोकालि ॥ मा० ॥ तोहवेएहजास्येसहीरेलो ॥ पहुसधीथयोकाल ॥ मा० ॥ १७ ॥

॥ एह० ॥ बिजोउपायइहानहीरेलो ॥ कालिकरुकश्यार ॥ मा० ॥ ताकपुट बिषजुतलामुउरेलो ॥ आपुकालिसवारि ॥ मा० ॥ १८ ॥ एह० ॥ मुनीवर सजमम्हालतारेलो ॥ नलहेदूरजमवात ॥ मा० ॥ परमतिपेलेमहीरेलो ॥ च रमेंरगाणीघात ॥ मा० ॥ १९ ॥ एह० ॥ श्रीजेरवमेंतेरमीरेलो ॥ पद्मविजय कहिढाल ॥ मा० ॥ मुनीगुणगातांमोदस्यूरेलो ॥ पामेंमगलमाल ॥ मा० ॥ ॥ २० ॥ एह ॥ ऊहा ॥ इमकरताजोनवीलीइ ॥ आपहथीदिउआहार ॥ हा थेंआपुहर्षजिम ॥ तेमोदिकतइयार ॥ २१ ॥ मारुइणिपरिमोदस्यू ॥ करतुं तेसघलुकाम ॥ सोजनलेईसलीसांतिस्यू ॥ जालिनीचालीजाम ॥ २२ ॥ मां मघसातपयोतिहा ॥ पोहतीउपवनपास ॥ दिठिमुनीइदृष्टिथी ॥ सणेंतेएहवी सास ॥ २३ ॥ माताकिमआव्यातुम्हे ॥ एकाकिएवार ॥ अणघटतोकांईआ हारनें ॥ लेईआव्यांछोल्हार ॥ २४ ॥ जटिणीबोलीजालिनी ॥ सांसलोसाचि वात ॥ पोतेपुण्यउपायवा ॥ सोजनलावीसांति ॥ २५ ॥ ढाल ॥ चिमोमारा जारे ॥ एदेवी ॥ सासलोतुमेमातरे ॥ अणाचारएस्यातरे ॥ निपजातएआ हारअहारेकारणेंरे ॥ २६ ॥ साहमोवलीआयोरे ॥ तिणेंअम्हनसोहायोरे ॥ ससलायोसघलोविधीमुनीरायनोरे ॥ २७ ॥ तवबोलीतेहरे ॥ देषाडेसनेहरे ॥ वलएहपरिमुकशातानवीहोइरे ॥ २८ ॥ जोनलीउआहाररे ॥ म्हारोधीनअ वतारे ॥ तूम्हविहारतेअमपुरेनिष्फलमनकूवेरे ॥ २९ ॥ तिणेअवश्यएकरवु रे ॥ बिजुवयणनथरवुरे ॥ मरवुअम्यथामुकताहरानेहथीरे ॥ ३० ॥ पर्नेप मीइमसाषीरे ॥ सकुमुनीवरसाषीरे ॥ माषीजिममधउपरतिमउठेनविकिनेरे ॥ ३१ ॥ मुनीसरलस्वसावेरे ॥ चित्तेइमताषरे ॥ जुउंसदसाषमातानोकेहवो रे ॥ ३२ ॥ धर्मसरधाकेहविरे ॥ पुत्रस्नेहीनएहवीरे ॥ रषेजेहवीएथायजाल विणपोयणीरे ॥ ३३ ॥ बोलेमुनीरायरे ॥ सांसलोतुम्हेमायरे ॥ नविथायए आहारदोषीलोअमथकीरे ॥ ३४ ॥ गुरुलाघवदोसरे ॥ चितवीगतरोसरे ॥ शुसपोसकारणकहेमातनेइणीपरिरे ॥ ३५ ॥ तुमआपहेंएहरे ॥ लेस्यूगत नेहरे ॥ मुनीमाटेरेहआरसनकिजीइरे ॥ ३६ ॥ जालिनीतवजपेरे ॥ कुंणमू

म्हनेंलूपेरे ॥ हमणांतोसपेंआहारकरोसहरे ॥ ३७ ॥ बोलेमुनीतुम्हेंआपोरे सहरूषीनेंथापोरे ॥ करिजापोनेहरुपिणलेस्यूआहारनेंरे ॥ ३८ ॥ जालीनी कहेवारुरे ॥ मातवाठ्यवारुरे ॥ कस्युकामदिदारुरापीमुरुजीषतीरे ॥ ३९ ॥ मुरुहाथेंकिजेंरे ॥ पारणमानीजेंरे ॥ सवनुफललीजेंमानीमुरुकह्युरे ॥४०॥ सिखिकूमरनेंवयणेंरे ॥ वेगासहरुमुनीजयणेंरे ॥ सायणेंसोजनकत्रारतेपीर स्योरे ॥ ४१ ॥ सहरुइकिघोआहारेरे ॥ हवेत्रीखीअणगारेरे ॥ साजनेकत्रार सेसतेपीरस्योरे ॥ ४२ ॥ तालपुटविषघाल्योरे ॥ तेलामुउआल्योरे ॥ सोजन मांचाल्योतेपणिअनुक्रमेंरे ॥ ४३ ॥ विषवेगेंघास्योरे ॥ सिखीकुमरेंविचा स्योरे ॥ किमएमुरुघास्योचित्तमांशंणपरेंरे ॥ ४४ ॥ मुनीवरसहरुजोयारे ॥ सावधांनपलोयारे ॥ अगीतआकारगोपायाएहवेरे ॥ ४५ ॥ थईवेलाजामरे गईवाचातामरे ॥ मनचिंतेआमहवेनवीजीवसुरे ॥ ४६ ॥ पम्याघरणीपीठरे मुनीइतवदीठरे ॥ देषीतवरीठआकुलव्याकूलथयारे ॥४७॥ जालिणीपणिइम रे ॥ मुनीचिंतेकेंमरे ॥ जननीथईप्रेममुकीकरेएहवुरे ॥ ४८ ॥ जांणीऊरधि त्रोसरे ॥ अणत्रणउद्देत्रारे ॥ करेलेत्रनखेदतेसिधिमुनीकोयस्यूरे ॥ ४९ ॥ म नचिंतेएहरे ॥ थईवातएकेहरे ॥ सत्रारसनेहधिगहोइमकहेरे ॥ ५० ॥ चि त्युहतुइमरे ॥ मातनेंजईनेंमरे ॥ घरीप्रेमनेंधर्मपमाडस्यूसलीपरेंरे ॥ ५१ ॥ क्रेत्रथीमुकावुरे ॥ सलीधर्ममांगावुरे ॥ इममनलावुपणिहवेस्यूकरुंरे ॥५२॥ अपजसवहुथास्येरे ॥ अकासहुलासेरे ॥ पणिइमनविमासेमाताएकिमकरेरे ॥ ५३ ॥ वातपूर्वलीजाणेरे ॥ लोककहेअन्नाणेरे ॥ धिगमुरुइणटांणेजननी डुरकदिजेरे ॥ ५४ ॥ सत्रारएरीतीरे ॥ नविकरीइअनीतीरे ॥ पणिअप्रितेंअप जसविस्तरेरे ॥ ५५ ॥ केईककरेदोसरे ॥ पणिजसनोपोत्रारे ॥ एहमांनही रोसकरयासहुसोगवेरे ॥ ५६ ॥ करयांकर्मतेआप्यारे ॥ एकारणसाप्यारे ॥ मुरुडुरकथीधाप्यांमाताकिणेंपरेंरे ॥ ५७ ॥ अथवास्योशोकरे ॥ शिवबिज तेरोकरे ॥ घरमजेउंकनोतेहपमाडीउरे ॥ ५८ ॥ तिणेंचितानकिजेंरे ॥ नव पदत्रामरीजेरे॥ सिजेंइमलाहोनरत्तवकेरमोरे॥ ५९॥ शुत्तसावनायुत्तरे ॥ नव

कारसजुत्तरे ॥ निजआतमगुत्तकरीकरीकालनेरे ॥ ६१ ॥ ब्रह्मलोकमांजा
योरे ॥ नवआगरआयोरे ॥ देवपायोलडीसमागमविमानमांरे ॥ ६२॥ जाडी
णिपणमुश्रोत्रनुकरमेंऊरे ॥ अधारीकुईसमसर्करानरगमांरे ॥ ६२ ॥ चणि
सागरआयोरे ॥ एतोमहाऊरुकपायोरे ॥ मुनीरायनेंहिआनुफलएहवुरे ॥ ६४॥
घिजोसवश्मरे ॥ सूरसवस्यूप्रेमरे ॥ नरसवसूखवर्षेमेंसमरादित्यनोरे ॥ ६ ॥
खमत्रीजेसापीरे ॥ ढालचौदमीदाषीरे ॥ श्हासारनीतेसमरादित्यचरीत्रजेरे ॥
॥ ६५ ॥ माहसूदिदिनत्रीजेरे ॥ सपूरणकिजेरे ॥ गामलिबमीमांहिबदिजेहे
जस्यूरे ॥ ६६ ॥ गुरुपीमाविजयोरे ॥ जिनविजयोसूजयोरे ॥ तससीश्य
योउत्तमवीजयमनोहरूरे ॥ ६७ ॥ सिद्धांतअभ्यासीरे ॥ तसअतेवासिरे ॥
वचनविलाशीपद्मविजयकहेरे ॥ ६८ ॥ इतिश्रीसविहपक्षीयपमीत्तप्रवर
श्रीमदूत्तमविजयगणि ॥ शिष्यप० ॥ पद्मविजयग० विरचितेश्रीसमरादी
त्यचरीत्रेप्राकृतबधेसिखिकुमारजालीएयोसगतयोद्वितियोनरसव समाप्त
सर्वगाथाद्वितियखमे ॥ ४६८ ॥ उक्तगाथा ॥ ८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ऊहा ॥ श्रीसीमधरसाहिबा ॥ विचरतावीतराग ॥ समवसरणमांसोहता ॥
सवलूजससोसाग ॥ १ ॥ श्रीगुरुनेंवलीशारदा ॥ प्रणमुप्रेमेंपाय ॥ समरादि
त्यनारासमां ॥ चोथोखमचितलाय ॥ २ ॥ धनकुमारनेंधनसिरी ॥ दपतीया
श्वोय ॥ सज्जनसूणज्योतेसवे ॥ हवेतेंकिणीपरेंहोय ॥ ३ ॥ सूणस्येंतेमुणस्ये
सखर ॥ समरादित्यनोस्वाद॥ जासप्रमादेंजायस्ये ॥ लहेस्येनतेआल्हाद॥४॥
वरजोविकथावेगस्यू ॥ सहुनेंटलेसताप ॥ विकथाथीवारुवमो ॥ उघ्योनसूणें
आप ॥ ५ ॥ ढाल ॥ प्रथमगोवालातणेंसर्वेजी ॥ एदेशी ॥ जुबुद्वीपनासरत
मांजी ॥ सूशर्मनयरउदार ॥ नित्यउत्सवआणदमांजी ॥ देवलोकअनुहार ॥
॥ ६ ॥ सवीकजनसूणीश्वरीअरशाल ॥ पापनियाणाटालि ॥ स० ॥ जे
होयजजाल ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ नित्यनाटिकतेनयरमांजी ॥ गुणिज
नगुणगवराय ॥ रुपवेसरतीआगलिजी ॥ ७ ॥ स० ॥
परउपगारपरायणोजी ॥ महाजन ॥

ी ॥ सूघणसूसरतार ॥ ८॥ स० ॥ नगरशोठतेनयरमाजी ॥ राज्यमानगु
ावत ॥ दिनअनाथजनवछलूजी ॥ वेसमणनामकहत ॥ ९ ॥ स० ॥ पणिवै
रमणविसर्वेकरीजी॥हलकोकउनिदाना॥ त्रणवरगनीतशाचवेजी॥ सारथवाह
ुजांण ॥ १० ॥ स० ॥ कुलरुपविसर्वेसारीपीजी ॥ सिरियानामेंनारि ॥ प
वविपयसूरवसोगवेजी ॥ स्नेहेंस्त्रीसरतार ॥ ११ ॥ स० ॥ लषमीनुलेषुनही
जी ॥ पणिसताननकोय ॥ आयउपायघणाकरेजी ॥ पणिनवीकारयहोय ॥
॥ १२ ॥ स० ॥ इणअवसरतेनयरमाजी ॥ जक्षनांमेंघनदेव ॥ सानिधकर
तोलोकनीजी ॥ इणिपणिकीधीसेव ॥ १३॥स० ॥ पुजाकरीइमसापीउजी ॥
जोमुझतुझअनुसाव ॥ पुत्रहोस्येंतोनयरस्यूजी॥पुजाकरुशूससाव ॥ १४ ॥
॥ स० नामतूम्हारुथापस्यूजी ॥ सूतनुझनिरधार ॥ मध्यमवइतेवर्त्तांजी ॥
दपतिइणिसमेसार ॥ १५॥ स० ॥ ब्रह्मलोकथीदेवताजी॥ चविलीघोअवता
र ॥ जिवसिखिकूमारनोजी ॥ सिरियाकूषिमझारि ॥ १६ ॥ स० ॥ सूपनें
गजवरपेषतीजी ॥ उज्वलउचिरेकाय ॥ मदझरतोमोहेघणाजी ॥ मधूकरने
समुदाय ॥ १७ ॥ स० ॥ सूमादमचपलघणोजी ॥ रक्ततालूचउदत ॥ कनक
शाकलेंसोहतीजी ॥ घटाजुगलमहत ॥ १८॥ स० ॥ लोचनजेहनांघुमतां
जी ॥ रक्तचमरेंसोहेवयण ॥ कुसस्थलेंअकूसरहीजी ॥ प्रातसमेनेंरयणि ॥
॥ १९ ॥ स० ॥ वदनेंउदरमापेसतोजी ॥ देखीजागीजाम ॥ ससलावेसरतार
नेंजी ॥ सूणीहरप्योतेतांम ॥ २० ॥ स० ॥ सयणसयलगणनायकोजी ॥ पु
त्रतेहोस्येरतन्न ॥ हरषेंसूणीआदरघणेंजी ॥ करतीगर्त्तजतन्न ॥ २१ ॥स०॥
शुसमुझरतेंअनुक्रमेंहवेजी ॥ जनम्योतेहकूमार ॥ दाशीइदिघवघामणीजी॥
सारथवाहनेंसार ॥ २२ ॥ स० ॥ सतोपीदाशीप्रतेंजी ॥ देवरावेमहादाण ॥
जनममहोठवतेकूमारनोजी ॥ करतोसेठसूजाण ॥ २३ ॥ स० ॥ एकमासइं
मवहीगयोजी ॥ हवेसझनयरसघाथ ॥ बझआमवरस्यूगयोजी ॥ वालकले
ईनिजहाथ ॥ २४ ॥ स० ॥ घनदेवजक्षनेंदेहरेजी ॥ उंठवकरीयअपार ॥
पायनमामीथापीउजी ॥ नामतेघनकुमार ॥ २५ ॥स०॥ कुमरसावअनुक्रमें

कारसजुत्तरे ॥ निजआतमगुत्तकरीकरीकालनेरे ॥ ६० ॥ ब्रह्मलोकमांजा
योरे ॥ नवशागरआयोरे ॥ देवपायोलछीसमागमविमानमारें ॥ ६१॥ जाली
णिपणमुश्रोअनुकरमेंकुंश्रे ॥ अधारीकुंश्समसर्करानरगमारे ॥ ६२ ॥ अणि
सागरआयोरे ॥ एतोमहाडुरकपायोरे ॥ मुनीरायनेंहिशानुफलएहवुरे ॥ ६३॥
त्रिजोसवश्मरे ॥ सूरसवस्यूप्रेमरे ॥ नरसवसूखवर्षेमेंसमरादित्यनोरे ॥ ६४ ॥
खमत्रीजेसापीरे ॥ ढालचौदमीदापीरे ॥ श्हासाखीतेसमरादित्यचरीत्रढेरे ॥
॥ ६५ ॥ माहसूदिदिनत्रीजेरे ॥ सपूरणकिजेरे ॥ गामलिबमीमांहिबदिजेहे
जस्थूरे ॥ ६६ ॥ गुरुपीमाविजयोरे ॥ जिनविजयोसूजयोरे ॥ तससीशय
योउत्तमवीजयमनोहरूरे ॥ ६७ ॥ सिद्धातअत्यासीरे ॥ तसअतेबासिरे ॥
वचनविलाशीपद्मविजयकहेरे ॥ ६८ ॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपमीत्तप्रवर
श्रीमदूत्तमविजयगणि ॥ शिष्यप० ॥ पद्मविजयग० विरचितेश्रीसमरादी
त्यचरीत्रेप्राकृतबधेसिरिबकुमारजालीण्योसगतयोवृतियोनरसव समाप्त
सर्वगाथावृतियरवमे ॥ ४६८ ॥ उक्तगाथा ॥ ८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ऊहा ॥ श्रीसीमधरसाहिबा ॥ विचरतावीतराग ॥ समवसरणमांसोसता ॥
सबलूजससोसाग ॥ १ ॥ श्रीगुरुनेंवलीशारदा ॥ प्रणमुप्रेमेंपाय ॥ समरादि
त्यनारासमां ॥ चोथोखमचितलाय ॥ २ ॥ धनकुमारनेंधनसिरी ॥ दपतीया
श्दोय ॥ सद्धनसूणज्योतेसवे ॥ हवेतेंकिणीपरेंहोय ॥ ३ ॥ सूणस्येंतेमुणस्ये
सखर ॥ समरादित्यनोस्वाव॥ जासप्रमादेंजायस्ये ॥ लहेस्येनतेआल्हादा॥४॥
वरजोविकथावेगस्यू ॥ सफुनेंटलेसताप ॥ विकथाथीवारुवमो ॥ उध्योनसूणें
आप ॥ ५ ॥ ढाल ॥ प्रथमगोवालातणेंसर्वेजी ॥ एदेशी ॥ जुबुद्वीपनासरत
मांजी ॥ सूशर्मनयरउदार ॥ नित्यउत्सवआणदमांजी ॥ देवलोकअनुहार ॥
॥ ६ ॥ सवीकजनसूणीश्वरीत्रश्याल ॥ पापनियाणाटालि ॥ स० ॥ जेहथी
होयजजाल ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ नित्यनाटिकतेनयरमांजी ॥ गुणिज
नगुणगवराय ॥ रुपवेसरतीआगलिजी ॥ नारीतणोसमुदाय ॥ ७ ॥ स० ॥
परउपगारपरायणोजी ॥ महाजननिवशेअपार ॥ अरीगजस्युकेशरीसवो

उचीत्तकरेजेहरे ॥ जिववुतेहवु ॥ सफलूसाध्युसास्त्रमांए ॥ ४९ ॥ त्रणवर्ग
नुमुलरे ॥ अर्थउपार्जस्यू ॥ तातनेंकहोकिरपाकरोए ॥ ५० ॥ नदेंविनव्योसे
ठरे ॥ सेठकहेतुम्हो ॥ साषोवठनेंशणिपरेंए ॥ ५१ ॥ सेठसकुथीअर्थरे ॥ व
कुताहरेघरे ॥ मनशठितथोवावरोए ॥ ५२ ॥ नदकहेसूणोतातरे ॥ एहकथुष
रू ॥ पणिएहनीश्मरूचिनहीए ॥ ५३ ॥ सेठकहेजिमसूरकरे ॥ उपजेतिमक
रो ॥ नदेंकथुसवोधनप्रतेंए ॥ ५४ ॥ आणापामीतायरे ॥ हरष्योधनहवे ॥
करेसामग्रीतेहनीए ॥ ५५ ॥ किरियाणावकुलीघरे ॥ उदघोषणाहवे ॥ नगर
माहितेकरावतोए ॥ ५६ ॥ सारथवाहसूतधन्नरे ॥ तामलिप्तिजस्यें ॥ जावु
होश्तोसाथठेए ॥ ५७ ॥ जेहनेंजोईश्तासरे ॥ देस्येरिकस्यू ॥ वस्त्रअन्नउंषध
सकुश्ए ॥ ५८॥ सांसलीसूंस्योलोकरे ॥ तामलिप्तीजवा॥ धनसिरीचितहरषी
घणुए ॥ ५९ ॥ जास्येधनपरदेशरे॥ तवरुमुथस्ये ॥ स्वेठाश्अमेवीचरस्यूए॥
॥ ६० ॥ गमनदिवसआशन्नरे ॥ आव्योतवसूण्यु ॥ नंदपणसार्थेजायस्येंए॥
॥ ६१ ॥ सूणोस्वामीपरदेशरे ॥ तुम्हेंतोजायस्यो ॥ मायाकरीधनवतीकहेए॥
॥ ६२॥ सिगतीयास्येमुझरे॥कहवेस्यूकरू॥ तवधनकूमरतेबोलीआए ॥६३॥
सासुसुसराशेवरे ॥ तूम्हेकरज्योश्हां ॥ कपणिवेहेलोआवस्यूए ॥ ६४ ॥ मा
याजलसरीनयणरे ॥ बोलीधनसीरी ॥ गुरुजनमुझहृदयेंवसेए ॥ ६५ ॥ प
णिमुझमुंकीजाउरे ॥ जोतुम्हेस्वामीजी ॥ तोकुमांणअवश्यतजुए ॥ ६६॥ न
हिमुझजीवनकांमरे ॥ तुम्हविजोगथी ॥ श्मकहीउच्चस्वरेंरूश्ए ॥ ६७॥ आ
वीजननीतांमरे ॥ धनकूमारनी ॥ आदरथीउसाथयाए ॥ ६८ ॥ धनसिरीग
ईनीजठामरे ॥ शिषामणदिश ॥ सावधकूनोजाणीजेए ॥ ६९ ॥ देशातरहोय
दिर्घरे ॥ सगमदोहिला ॥ सूलसविजोगतेनीपजेए ॥ ७० ॥ केशघणोहोश्पु
त्तरे ॥ अर्थउपार्जता ॥ मुलविषादनुंएहठेए॥ ७१ ॥सकलगुणेसपूर्णरे ॥ तूंठे
यथपी ॥ तोपिणतूझनेंसापीश्ए ॥ ७२ ॥ पिमातेकरज्योनित्यरे॥ खबरकहा
वज्यो ॥ वाटजोउबुताहरीए ॥ ७३ ॥ मातप्रमाणतुझआणिरे ॥ धनकूमरक
हे ॥ आशीसदेज्योरूअमीए ॥ ७४ ॥ धनसिरीपीहरपाशरे ॥ मागीआगना

ज्ञयोजी ॥ चोथेषंडेरेइम ॥ प्रथमढालपदर्मेकहीजी ॥
॥ २६ ॥ स० ॥ ढ्ढा ॥ नारकीमांथीनीकली ॥ जाखिणीनोहवेजीव ॥
तासंसारमां ॥ अनुसवेंदूखअतिब ॥ २७ ॥ अनतरसवेंअज्ञानथी ॥
कष्टअत्यत ॥ वसेतेनयरेंवांणीउ ॥ पुर्णसइपून्यबत ॥ २८ ॥
हनी ॥ तसकुरवेंअवतार ॥ पुत्रीपणेंतेप्रगटिउ ॥ जनमीतेहजीवार ॥
घणसीरीनामतेदीघलू ॥ जौवनपामीजाम ॥ दिठीधनकुमरेंतदा ॥ रतिरूपें
असीरांम ॥ ३० ॥ पुर्वमैत्रीनागुणपणें ॥ असिलापाइइम ॥ दृष्टीवीकारेंवेद
तो ॥ पुरणआणीप्रेम ॥ ३१ ॥ पुरबनामत्सरपणें ॥ घणसिरिजुइतेधन्य ॥
मदेवपुरोहीतसूतें ॥ तेहकुमरनुतन्न ॥ ३२ ॥ सावलप्योतिणेंसखीपरें ॥
मणेंजाणीवत्त ॥ पुरणसइनेप्रार्थिउ ॥ घणसीरीघणनीमित्ता ॥ ३३ ॥ जाणुंप
रस्परबिऊजणें ॥ वरत्योतिहांविवाह ॥ हरष्योधननिजहैयमझे ॥ घ
णसिरीवाह ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ मुनीवरआर्यसुहस्ती ॥ एदेशी ॥ इणिअवसर
एकदासरे ॥ घरदाखीजण्यो ॥ नदनांमेंसोहामणोए ॥ ३५ ॥ अगनीअर्नाम
वतेहरे ॥ मित्रतापसहतो ॥ गुरुवैयावचकारणोए ॥ ३६ ॥ घणसिरीस्यूंसम
वाभिरे ॥ थईतेनदनें ॥ स्त्रीसगेसूखअनुसवेए ॥ ३७ ॥ सोगविटवणापायरे ॥
सोगवतांथकां ॥ शरदसमयएकदिनहवेए ॥ ३८ ॥ रमवानेंउद्यानरे ॥ धन्य
कूमरगया ॥ सार्थेबऊपरीवारस्यूए ॥ ३९ ॥ सम्रूद्वत्तइणनांमरे ॥ सारथवा
हसुत ॥ विठोदांनदेतांथकांए ॥ ४० ॥ निजकरअरजितऋद्धिरे ॥ जेपरवेश
थी ॥ लावीनेंसफलीकरेए ॥ ४१ ॥ चिंतेथणधन्नएहरे ॥ परउपगारीउ ॥ इ
णीपरेंलषमीवावरेए ॥ ४२ ॥ आमणदूमणोइमरे ॥ नददेषीकहे ॥ स्येदूसा
णास्वामिजीए ॥ ४३ ॥ साभ्योनीजअसीप्रायरे ॥ नंदकहेतदा ॥ सिउणीमडे
तुम्हघरेए ॥ ४४ ॥ तुम्हघरिऋध्यअनतरे ॥ दानआपोतुम्हे ॥ एहथकीसूखी
सेषथीए ॥ ४५ ॥ धनकहेएसीवातरे ॥ पुर्वपुरुषरस्या ॥ तेंदेतांकिमसोसीइ
ए ॥ ४६ ॥ करीकमाईहाथरे ॥ जेदिइदानने ॥ तसकिरतीवाधेघणीए ॥ ४७ ॥
तिणेंविनवोतुम्हेतायरे ॥ परदेशेंजवा ॥ करूकमाईहाथस्यूए ॥ ४८ ॥ काल

॥ सू० ॥ चितवीबोलेंताम ॥ पु० ॥ कहोस्यूंकरीश्वूह्मनेंरे ॥ सू० ॥ तवनवी
बोलेजाम ॥ ९२ ॥ पु० ॥ चितवेघनकांईहारीउरे ॥ सू० ॥ मागीसकेनही
तेए ॥ पु० ॥ श्मजांणीकहेनदर्नेरे ॥ सू० ॥ पुठोजईएहकोए ॥ ९३ ॥ पु० ॥
बाहिरजुवटिआएफीरेरे ॥ सू० ॥ स्योएहनोअपराध ॥ पु० ॥ नदेनीकलोपु
ठीउरे ॥ सू० ॥ स्योअपराधअगाध ॥ ९४ ॥ पु० ॥ सोलसोनश्आहारिउरे॥
॥ सू० ॥ वचनेंअह्मस्यूएह ॥ पु० ॥ रोक्योपणिछिपामिनेंरे ॥ सू० ॥ आ
विपेठोश्हाजेह ॥ ९५ ॥ पु० ॥ नंदेंकह्युघनकुमरनेंरे ॥ सू० ॥ तववोल्याते
कूमार ॥पु०॥ सोलसूवन्नआपोएहनेंरे ॥ सू० ॥ तवआप्यातिणीवार ॥९६॥
॥ पु० ॥ गयाजुआरीतेसहूरे ॥ सू० ॥ कुअरसापेतास ॥ पु० ॥ मुकोविषाद
उठोतूम्हेंरे ॥ सू० ॥ उद्यमकरोसूवीलास ॥ ९७ ॥ पु० ॥ षेदकरेनारीबहूरे ॥
सू० ॥ किमकरेपुरुषप्रधान ॥ पु० ॥ उठोस्नानकरोतूह्मेंरे ॥ सू० ॥ तवला
ज्योअसमान ॥ ९८ ॥ पु० ॥ नाह्योधनसार्थेहवेंरे ॥ सू० ॥ खोमजुगलदि
उताश ॥ पु० ॥ सोजनकरीहवेउठीआरे ॥ सू० ॥ सापेवचनविलास ॥ ९९ ॥
॥ पु० ॥ एकवणीककूलउपनोरे ॥ सू० ॥ वलिश्रह्मनसिरदार ॥ पु० ॥ द्रव्य
साधारणजांणिश्रे ॥ सू० ॥ एहअथीरनिरधार ॥ १०० ॥ पु० ॥ एहमाथी
काईलीजीश्रे ॥ सू० ॥ करोव्यवशायउपाय ॥ पु० ॥ वुधनिंदितकिमकिजी
श्रे ॥ सू० ॥ जेहथीथायअपाय ॥ १ ॥ पु० ॥ श्हसवपरसवदूखदिश्रे ॥
॥ सू० ॥ तुह्मपणिनगमेएह ॥ पु० ॥ तेहजुहारीपणगांमीश्रे ॥ सू० ॥ सुणी
चितेहवेतेह ॥ २ ॥ पु० ॥ कुअधन्यएपीतासमोरे ॥ सू० ॥ करतोपरउपगार
॥ पु० ॥ वोल्योकरीपरणामनेंरे ॥ सू० ॥ धन्यमाहरोअवतार ॥ ३ ॥ पु० ॥ तुमद
रिशणदिठुजिणेरे ॥ सू० ॥ मानीतूमचीसीष ॥ पु० ॥ पामीसूरतरुपरगमोरे ॥
॥ सू० ॥ कुणमार्गेनरसीष ॥ ४ ॥ पु० ॥ करूहवेमुझकुलसारिपुरे ॥ सू० ॥
मुक्योअलगेंआज ॥ पु० ॥ तुमप्रसार्वेसफलकरूरे ॥ सू० ॥ तूम्हउपदेशम
हाराज ॥ ५ ॥ पु० ॥ तुम्हनेंमिलस्यूअवशेंरे ॥ सू० ॥ सह्मनश्मजणाय ॥
॥ पु० ॥ ढालत्रीजीचोथाखमनीरे ॥ सू० ॥ पद्मविजयगवराय ॥६ ॥ पु० ॥

धनसार्थेमोकलाववाए ॥ ७५ ॥ धनसिरीहरषीतामरे ॥ सामधीकरी ॥ [illegible]
रीधेंसरपुरीउए ॥७६॥ बीजीचोथेषडेरे ॥ ढालपदमेकही॥ उत्तमविजयकी[illegible]
थकीए ॥ ७७ ॥ दुहा ॥ साथसूरुयोहवेसामटो ॥ पहोतोनीत्यप्रयाण ॥ [illegible]
लिप्तिनगरेंतूरत ॥ मासदोयपरिमांण ॥ ७८ ॥ नरपतीमलीउनेहस्युं ॥ [illegible]
स्योसतकार ॥ वेचीसरवेवस्तुते ॥ पाम्योनईगीतपार ॥ ७९ ॥ चितेतवलेचि
त्तमां ॥ लक्षोनइठितलाह ॥ जाउघरिकिमजाणीनें ॥ अर्थवचदुअवाह [illegible]
॥८०॥ लषमीथीसकलोकमां ॥ आदरलहेअपार ॥ तेवीएजीवनतूछे ॥ चि
त्तइमकरेविचार ॥८१ ॥ नदनेंधनश्रीनारिस्यू ॥ इणपरिंकरीआलाप ॥ मा
हवावेलाजाणीनें ॥ उठेजवहवेआप ॥ ८२ ॥ ढाल ॥ पुण्यप्रगटथयो ॥ एदे
शी ॥ इणअवसरएकआवीउरे ॥ सूरीजन ॥ सयकायरयसकाय ॥ पुण्य
गटथयो ॥ दोयहाथनोपहिरिउरे ॥ सू० ॥ जिरणचिवरपाय ॥ [illegible] ॥
हाथघस्येथयाउजलारे ॥ सू० ॥ मस्तकेंकमलाणीमाल ॥ पु० ॥ नषचीसरी
रविसूरीउरे ॥ सू० ॥ अधरतबोलेंलाल ॥८४ ॥ पु० ॥ जुवटिइषणेंमेरीउरे ॥
॥ सू० आव्योजुवटिउएक ॥ पु० ॥ शरणेंआव्योताहरेरे ॥ सू० ॥ राषितूष
रीयविवेक ॥ ८५ ॥ पु० ॥ एहजुआरीइखदिइरे ॥ सू० ॥ धनकहेसांसम
वात ॥ पु० ॥ तूफउपइषस्येकारणेंरे ॥ सू० ॥ कहेताहरोअववात ॥ [illegible] ॥
॥ पु० ॥ तेकहेनवीबोलीसकूरे ॥ सू०॥ माहरूनीचचरीत ॥ पु०॥ धनकहेवे
दनकीजीइरे ॥सू०॥ नवीहोइसमवज्ञानीत्य ॥८७॥ पु० ॥ सइकहोतूलवात
मीरे ॥ सू० ॥ तवजलसरीयांनयण ॥ पु० ॥ गद२वयणेंबोलीउरे ॥ सू० ॥
सांसलिरेतूसयण ॥ ८८ ॥ पु० ॥ वाणीउनीजकुलफसणोरे ॥ सू० ॥ सेवुसो
कविरूघ ॥ पु० ॥ पमितजनवइनिदिउरे ॥ सू० ॥ नीत्यरइचित्तचीकुष ॥
॥ ८९ ॥ पु० ॥ महेसरदत्तमाहरूरे ॥ सू० ॥ नामकुलमपुरवास ॥ पु० ॥
दोशनीघानजेजुवटुरे ॥ शू० ॥ वर्जितपुण्यविलास ॥ [illegible] पु० ॥ तिणेंए
अवस्थापामीउरे ॥ सू० ॥ धनचितेअहोएह ॥ पु० ॥ आवेलापणिजाणतो
रे ॥ शू० ॥ निजअपराधअछेह ॥ ९१ ॥ पु० ॥ मोहटोपुरुषकोईएहउरे ॥

॥ सू० ॥ चितवीवोलेंताम ॥ पु० ॥ कहोस्यूंकरीश्वूल्लनेरे ॥ सू० ॥ तवनवी
वोलेजाम ॥ ९२ ॥ पु० ॥ चितवेधनकांईहारीउरे ॥ सू० ॥ मागीसकेनही
तेए ॥ पु० ॥ श्मजांणीकहेनदर्नेरे ॥ सू० ॥ पुछोजईएहकोए ॥ ९३ ॥ पु० ॥
वाहिरजुवटिआएफीरेरे ॥ सू० ॥ स्योएहनोअपराध ॥ पु० ॥ नदेनीकलोपु
छीउरे ॥ सू० ॥ स्योअपराधअगाध ॥ ९४ ॥ पु० ॥ सोलसोनश्आहारिउरे॥
॥ सू० ॥ वचनेंअल्लस्यूएह ॥ पु० ॥ रोक्योपणिछिद्रपामिनेंरे ॥ सू० ॥ आ
विपेठोश्हांजेह ॥ ९५ ॥ पु० ॥ नदिकह्युधनकुमरनेंरे ॥ सू० ॥ तववोल्याते
कूमार ॥पु०॥ सोलसूवन्नआपोएहनेंरे ॥ सू० ॥ तवआप्यातिणीवार ॥९६॥
॥ पु० ॥ गयाजुआरीतेसहरे ॥ सू० ॥ कुअरसापेतास ॥ पु० ॥ मुकोविषाद
उठोतूम्हेरे ॥ सू० ॥ उद्यमकरोसूवीलास ॥ ९७ ॥ पु० ॥ पेदकरेनारीबहरे ॥
सू० ॥ किमकरेपुरुषप्रधान ॥ पु० ॥ उठोस्नानकरोतूल्हेरे ॥ सू० ॥ तवला
ज्योअसमान ॥ ९८ ॥ पु० ॥ नाल्लोधनसार्थेहवेरे ॥ सू० ॥ खोमजुगलदि
उताश ॥ पु० सोजनकरीहवेउठीआरे ॥ सू० ॥ सापेवचनविलास ॥ ९९ ॥
॥ पु० ॥ एकवणीककूलउपनोरे ॥ सू० ॥ वलिश्रह्मनसिरदार ॥ पु० ॥ द्रव्य
साधारणजांणिश्रे ॥ सू० ॥ एहअथीरनिरधार ॥ १०० ॥ पु० ॥ एहमाथी
कांईलीजीश्रे ॥ सू० ॥ करोव्यवशायउपाय ॥ पु० ॥ वुधनिंदितकिमकिजी
श्रे ॥ सू० ॥ जेहथीथायअपाय ॥ १ ॥ पु० ॥ श्हसवपरसवदूखदिश्रे ॥
॥ सू० ॥ तुल्लपणिनगमेएह ॥ पु० ॥ तेहजुहारीपणहगांमीश्रे ॥ सू० ॥ सुणी
चितेहवेतेह ॥ २ ॥ पु० ॥ कुअधन्यएपीतासमोरे ॥ सू० ॥ करतोपरउपगार
॥ पु० ॥ वोल्योकरीपरणामनेंरे ॥ सू० ॥ धन्यमाहरोअवतार ॥ ३ ॥ पु० ॥ तुमद
रिशणदिठुजिणेरे ॥ सू० ॥ मानीतूमचीसीष ॥ पु० ॥ पामीसूरतरुपरगमोरे ॥
॥ सू० ॥ कुणमार्गेनरसीष ॥ ४ ॥ पु० ॥ कहुहवेमुझकुलसारिपुरे ॥ सू० ॥
मुक्योअलठेंआज ॥ पु० ॥ तुमअसार्वेसफलकरूरे ॥ सू० ॥ तूम्हउपदेशम
हाराज ॥ ५ ॥ पु० ॥ तुम्हनेंमिलस्यूअवशरेंरे ॥ सू० ॥ सहुनश्मजणाय ॥
॥ पु० ॥ ढालत्रीजीचोथाखमनीरे ॥ सू० ॥ पद्मविजयगवराय ॥६ ॥ पु० ॥

॥ ऊहा ॥ महेश्वरदत्तचितेमने ॥ लषमीविणनहीलाज ॥ कीरतीपणिमनीलो
करे ॥ सजननहीसमाज ॥ ७ ॥ परउपगारनसपजे ॥ तरीश्सायरतेण ॥
थवाजमजोरोअती ॥ घेरुकरेपणेण ॥ ८ ॥ धर्मकरुतिणेंघसमसी ॥ उत्तम
लोकशुखथाय ॥ सारथवाहसुतहरषस्ये ॥ सासलीएसुखदाय ॥ ९ ॥ इम
चितीनेंआदरे ॥ कापालीकव्रतकार ॥ जोगीश्वरनामेंजिके ॥ तिणीपासेंग्रह
सार ॥१०॥ ढाल ॥ देशीनारायणानी ॥ नदनेंधनसिरीआगळेरे ॥ साथेनीक
अतीपायरे ॥ साजनीआ ॥ तवतेकहेसूणोसाहेबारे ॥ नविकरीश्अतरायरे ॥
॥११॥ सा० ॥ कर्मकस्यांछुटेनहीरे ॥ तुममनशठितकीजीश्रे ॥ अम्हेतूम्ह
आणाकारे ॥सा० ॥ तवसवीसांमयसांहवेरे ॥ परतिरगामीशारे ॥ सा० ॥
॥१२॥ क० ॥ जिहाजगवेषीनेंसस्युरे ॥ तवनंदनेंकहेनारिरे ॥ सा० ॥ मारी
श्आपणएहनेंरे ॥ जईश्विजेठारे ॥ सा० १३ ॥ क० ॥ पापिणीनीसूणीवा
तमीरे ॥ बोल्योसहननदरे ॥ सा० ॥ अहोएहवुमतसाषजेरे ॥ एहतोहुरक
रूकदरे ॥ सा ॥ १४ ॥ क० ॥ एहतेस्वामीआपणोरे ॥ तूम्हउपरिवकरामेरे ॥
सा० ॥ मायावीनहीएकदारे ॥ एमोहटोवमसागरे ॥ सा० ॥ १५ ॥
सूपनेंपणिमतचितवोरे ॥ एहनीविरुईबातरे ॥ सा० ॥ तवचितेतेसूपणीरे ॥
एहतोनकरेघातरे ॥ सा० ॥ १६ ॥ क० ॥ कोयउपायकरीमारस्युरे ॥ एह
नेंकनिजहाथरे ॥ सा० ॥ नागदत्तापरीव्राजीकारे ॥ मेलकरयोतेसाथिरे ॥
॥ सा० ॥ १७ ॥क०॥ ५ स्वपामीकालांतरेरे ॥ मरणलहेएउपायरे ॥ सा० ॥
कामणयोगसिखितीहरि ॥ हिणाअध्यवशायरे ॥ सा० ॥ १८ ॥ क० ॥ जि
हाजतयारकस्युहवश्रे ॥ सांमसस्यतिअपारे ॥ सा० ॥ रूमेलगनेंकरीनीक
ल्यारे ॥ आव्याजलधीकनारिरे ॥ सा० ॥ १९ ॥ क० ॥ शायरनीपुजाकरी
रे ॥ दिर्घादानअनेकरे ॥ सा० ॥ यानपात्रपुजाकरीरे ॥ बेठायरीयविवेकरे ॥
॥ सा० ॥ २० ॥ क० ॥ नांगरहवश्उपमाबीआरि ॥ पुस्योसडपवणेणरे ॥
॥ सा० ॥ चाल्युवाहणवेगस्युरे ॥ वरणव्युजाश्केण ॥ सा० ॥ २१ ॥ क० ॥
नक्रचक्रकठसघणारे ॥ मगरनेंपाठीनपीठरे ॥ सा० ॥ जलचरतीहांवछजा

तिनारि ॥ सङ्गइंनयणेंदिठरे ॥ सा० ॥ २२ ॥ क० ॥ कामणकिधुइणिसमेरे सापिणिपापणीनारिरे ॥ सा० ॥ थोडादिनमाहिंमरोरे ॥ रोगतणेंतेवीकारेरे ॥ ॥ सा० ॥ २३ ॥ क० ॥ कांयउपायकरयोनहीरे ॥ व्याध्योअतीघणव्याधीरे ॥ सा० ॥ हाथसूकाजीमदोरमीरे ॥ जलोदरवधीउअगाधरे ॥ सा० ॥ २४ ॥ क० ॥ वदनसूजीथयुतुवमूरे ॥ जघाउंगलीजायरे ॥ सा० ॥ करपदफाटातेहनारे ॥ सोजनरुचीनवीथायरे ॥ सा० ॥ २५ ॥ क० ॥ तरथानीपीडाघणीरे ॥ पेटमांनटकेनीररे ॥ सा० ॥ खेदकरीघनचिंतवेरे ॥ एहअकालेंपीररे ॥ ॥ सा० ॥ २६ ॥ क० ॥ अथवापापविलाउनोरे ॥ कालतणोनहींनीमरे ॥ ॥ सा० ॥ स्यूकरीइणअवउरेरे ॥ कोईमिलेनहकीमरे ॥ सा० ॥ २७ ॥ क० परिजनदूहवाइघणोरे ॥ धनसिरीकरेउदवेगरे ॥ सा० ॥ मुखकमलायुनदर्नुरे करूरूपाअतिवेगरे ॥ सा० ॥ २८ ॥ कु० ॥ इमकरतांसङ्गडखधरेरे ॥ वलीकायरनुएकामरे ॥ सा० ॥ वेदनकरवोआपदारे ॥ तिणेवलींचितेआमरे ॥ ॥ सा० ॥ २९ ॥ क० ॥ एहउचीत्तठेमाहरेरे ॥ आध्युएपरकूलरे ॥ सा० ॥ द्रव्यघणोकरूनदर्नेरे ॥ एहिवणांअनुकुलरे ॥ सा० ॥ ३० ॥ क० ॥ विघीविलासविचित्रठेरे ॥ निपजस्येकिस्यूकालीरे ॥ सा० ॥ नदतेमुझसाईसमोरे ॥ सूपुसङ्गइसतालिरे ॥ सा० ॥ ३१ ॥ क० ॥ धनसिरीमुपुएहनेरे ॥ पोचामस्येंमुझगेहरे ॥ सा० ॥ चिंतवीनदबोलावीउरे ॥ घणसिरीपणिससनेहरे ॥ ॥सा०॥३२ ॥ क०॥ नदसूणोमुझवातमीरे ॥ म्हारीअवस्थाएहरे ॥ सा०॥ ६ जितकूलपणिकूकमुरे ॥ जिवितविजलीरेहरे ॥ सा० ॥ ३३ ॥ क० ॥ अत्मसरिपाजेरोगीआरे॥ तेहनेंतोसूविसेसरे ॥सा०॥ द्रव्यनायकतुम्हेआजथीरा॥जोग्यनहीकोईसेआरे ॥ सा० ॥ ३४ ॥ क० ॥ एहआयरपारिउतरीरे ॥ करज्योरोगउपायरे ॥ सा० ॥ जोजास्येतोरुअमुरे ॥ जोकदीरोगनजायरे ॥ ॥ सा० ॥ ३५ ॥ क० ॥ तोमुझसाईनालेहथीरे ॥ पोहचावज्योसङ्गआमिरे ॥ ॥ सा० ॥ धनसिरिएपतीवउलारे ॥ तातनेसूपज्योतामरे ॥ सा०॥३६ ॥क०॥ सूदरीसूणोएनदर्नेरे ॥ टालीपापविकाररे ॥ सा० ॥ मुझपरिजाणज्येएहनुंरे॥

॥ ऊहा ॥ महेश्वरदत्तचिंतेमनें ॥ लक्ष्मीविणनहीलाज ॥ कीरतीपणिमनीलो
करे ॥ सजननहीसमाज ॥ ७ ॥ परउपगारनसपजे ॥ तरीइसायरतेण ॥
थवाजमजोरोअती ॥ घेरुकरेपणेण ॥ ८ ॥ धर्मकरुतिणेंघसमसी ॥
लोकशुखथाय ॥ सारथवाहसुतहरपस्ये ॥ सांसलीएसुखदाय ॥ ॥
चिंतीनेंआदरे ॥ कापालीकव्रतकार ॥ जोगीश्वरनामेंजिके ॥ तिणीपासेंजा
सार ॥१ ०॥ ढाल ॥ देशीनारायणानी ॥ नदनेंधनसिरीआगळेरे ॥ सावेवीक
असीप्रायरे ॥ साजनीआ ॥ तवतेकहेसूणोसाहेबारे ॥ नविकरीइअतराबरे॥
॥१ १॥ सा० ॥ कर्मकस्याछुटेनहीरे ॥ तुममनशंतिकीजीइरे ॥ अम्हेतूम
आणाकारेरे ॥सा० ॥ तवसवीसामपसांहवेरे ॥ परतिरगामीशारे ॥ सा० ॥
॥१ २॥ क० ॥ जिहाजगवेषीनेंसस्युरे ॥ तवनंदनेंकहेनारिरे ॥ सा० ॥ मारी
इआपणएहनेरे ॥ जईशविजेठारे ॥ सा० १ ३ ॥ क० ॥ पापिणीनीसूणीवा
तमीरे ॥ बोल्योसहननदरे ॥ सा० ॥ अहोएहवुमतसावजेरे ॥ एहतोसूरव
रूकदरे ॥ सा ॥ १ ४ ॥ क० ॥ एहतेस्वामीआपणोरे ॥ तूम्हउपरिबहुरामरे॥
सा० ॥ मायावीनहीएकदारे ॥ एमोहटोवमसागरे ॥ सा० ॥ १
सूपनेंपणिमतचितवोरे ॥ एहनीविरुईबातरे ॥ सा० ॥ तवचितेतेसूपणीरे ॥
एहतोनकरेघातरे ॥ सा० ॥ १ ६ ॥ क० ॥ कोयउपायकरीमारस्युरे ॥ एह
नेंहनिजहायरे ॥ सा० ॥ नागदत्तापरीव्राजीकारे ॥ मेलकरयोतेसाथिरे ॥
॥ सा० ॥ १ ७ ॥क०॥ ५ खपामीकालांतरेरे ॥ मरणलहेएउपायरे ॥ सा० ॥
कामणयोगसिखितीहरि ॥ हिणाअभ्यवशायरे ॥ सा० ॥ १ ८ ॥ क० ॥ जि
हाजतयारकस्युहवइरे ॥ सांमसस्यतिअपाररे ॥ सा० ॥ रूमेलगनेंकरीनीक
ल्यारे ॥ आव्याजलधीकनारिरे ॥ सा० ॥ १ ९ ॥ क० ॥ शायरनीपुजाकरी
रे ॥ दिधांदानअनेकरे ॥ सा० ॥ यानपात्रपुजाकरीरे ॥ वेगाघरीयविवेकरे॥
॥ सा० ॥ २ ० ॥ क० ॥ नांगरहवइउपमाधीअरिं ॥ पुरयोसडपवणेणरे ॥
॥ सा० ॥ चाल्युवाहणवेगस्युरे ॥ वरणव्युजाइकेण ॥ सा० ॥ २ १ ॥ क० ॥
नकचक्रकठसघणारे ॥ मगरनेंपाठीनपीठरे ॥ सा० ॥ जलचरतीहांवहुजा

हउपायकेतिमनीपजावीउरेके ॥ तिम० ॥ रातिप्रहररहीसेवकेतवएहसा
वीउरेके ॥ तव० ॥ ५२ ॥ कालथोमोरहीतामकेवुवारवकरयोरेके ॥ वुवा० ॥
नदउठीकहेइमकेस्वामीनीथरहस्योरेके ॥ स्वा० ॥ त्रामतीहृदयसडकके अ
तीशयरोवतीरेके ॥ अ० ॥ हाआर्यपुत्रसणतीकेधरणीइसोवतीरेके ॥ धर० ॥
॥ ५३ ॥ नदशकालहीजामकेधनशय्याजुरेके ॥ धन० ॥ तवनवीदीठातेह
केपुठतोवडरुरेके ॥ पुठ० ॥ कहेघणसीरीपरमार्देकेपमीआशायरेरेके ॥ प० ॥
पमवामाम्युनर्देकेहृदयथीकायरेरेके ॥ हृद० ॥ ५४ ॥ परिजनसर्वमिली
घरीराप्योवडपरेरेके ॥ रा० ॥ वाहणरपाध्युतिणसमेयोलितेवडकरीरेके ॥ पो
लि० ॥ प्रातसमेउपमावीआनांगरडकधरीरेके ॥ नांग० ॥ सहनननदशमान
केकोईनुनहीचरीरेके ॥ कोई० ॥ ५५ ॥ दुर्जनधनसीरीजोमिकेजगमांनवी
जमेरेके ॥ जग० ॥ चित्तथीहर्षउमाहकेवाहिरइमरमेरेके ॥ वा० ॥ हवेधन
कूमरतेजेहकेपमीआजेतलेरेके ॥ पमी० ॥ फलकलहेएकतेहकेपुण्यथीते
तलेरेके ॥ पु० ॥ ५६ ॥ सातरातीरहित्याहिकेंकांठेनीकल्योरेके ॥ कांठें० ॥
लवणनीरसेवनथीकेपेटमापलसल्योरेके ॥ पेट० ॥ कामणनीकल्यांतामके
पुण्यउदयथयोरेके ॥ पु० ॥ जनमथयोफिरीमुझकेइणिपरिमनसयोरेके ॥
॥ इणी ॥ ५७ ॥ तिमिरपादपनेंपासकेवेठोचितवेरेके ॥ वेठो० ॥ अहोएहमा
यावडलकेस्यूकस्युंकैतवेरेके ॥ स्यूक० ॥ अहोनीरदयपणनारिकेवयरके
हेवुवहेरेके ॥ वय० ॥ अहोमुखिमीठीएहकेकुलपपणलहेरेके ॥ कुल० ॥ ५८ ॥
॥ यत० ॥ अनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौचनिर्दयत्वच ॥
स्त्रीणांदोपा स्वसावजा ॥१॥ जलमझेमछिपय ॥ आगासेपपीआणपयपती ॥
महिलाहियपाणमग्गो ॥ तिन्निविविरलापयासती ॥ २॥ यत सर्वेउ ॥ कवडु
विनीतामडवाचवदे ॥ कवडुतिनसूकदुवाचकहे ॥ कवडुमनरगविरगधरे ॥
कवडुजवीरागीनडईरहे ॥ कवडुइकवोलसहेनसलो ॥ कवडुकटुवोलअनेक
सहे ॥ मुनीघन्नकहेजगदिशविना ॥ त्रियकीकरनीकहोकोनलहे ॥१॥ कवडु
जपुसीविपुसीमनमें ॥ वडुसांतीकपटकरेतरुनी ॥ कवडुजदयारउदारचितें ॥ क

वयणनलोपज्येसाररे ॥ सा ॥ ३७ ॥ क० तेहसूणीबऊडखधरेरे ॥ सेमेनु
क्रीपोकरे ॥ सा० ॥ ३८ ॥ घणसिरीपणिकपर्टेरुइरे ॥ धनकहेनकरोकोप
रे ॥ सा० ॥ ३९ ॥ क० ॥ नहीअवचारएविषादनोरे ॥ अवसरउचितविचार
रे ॥ सा० ॥ क्लीवपणकीमआदरोरे ॥ आदरोपुरुषाकाररे ॥ सा० ॥ ४० ॥
॥ क० ॥ राजधानीरमणीरीदेरे ॥ करतोजेनीतशोकरे ॥ सा० ॥ तेहतणोनु
म्हेसूदरीरे ॥ हवेविलबोमतफोकरे ॥ सा० ॥ ४१ ॥ क० ॥ पुरुषनासीतेहण
परीरे ॥ जांणेकालअकालरे ॥ सा० ॥ उद्यमेआपदलघीरे ॥ पांमीईछपीकी
शालरे ॥ सा० ॥ ४२ ॥ क० ॥ धनशीक्षाअगीकरीरे ॥ मांग्युनदेएहरे ॥
॥ सा० ॥ महाकमाहघीपेंगयारे ॥ कुसलेषेमेंतेहरे ॥ सा० ॥ ४३ ॥ क० ॥
चोथीचोथाखमभारे ॥ तापीउत्तमढालरे ॥ सा० ॥ समरादीत्यनारासभरि ॥
पद्मकहेसूरशालरे ॥ सा० ॥ ४४ ॥ क० ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥
॥ दूहा ॥ नदलेइहवेसेटणा ॥ आव्योनरपतीपाय ॥ राइबऊआदरदिउ ॥ आ
प्योरहेवाठाय ॥ ४५ ॥ सांमउतारयांसलीपरें ॥ वैद्यबोलाव्यावार ॥ औषधसे
षजआदरे ॥ किधाकोमीप्रकार ॥ ४६ ॥ व्याधीगयोनहीवेगलो ॥ तवचिंते
तिहानद ॥ निजदेशेंपोहतावीना ॥ किमजाइडुरककद ॥ ४७ ॥ कालकेपक
रवोनही ॥ इमचितवतोएहा ॥ सांमवेचीप्रतीसांमले ॥ जानपात्रसजेजेहा ॥ ४८ ॥
सूपतीनेंमीलीउसलो ॥ तेपणिकरेसतकार ॥ निजदेशेंजावासणी ॥ तूरततेम
यातयार ॥ ४९ ॥ ढाल ॥ नदिजमुनाकेतीरउमेदोयपषीआरे ॥ उमे० ॥ एदे
शी ॥ बेठावाहणमाहिकेजलकीतूकजुइरेके ॥ जल० ॥ धननेंजीवतोदेषीके
धनसीरीमनरूइरेके ॥ धन० ॥ मरणलगोनहीएहकेचित्तइमचितवेरेके ॥ चि
त० ॥ पोहताजबनिजदेशकेतबपछेंकिमकूवेरेके ॥ त० ॥ ५० ॥ जीवतोसा
लसमानकेएमुझनीतदहइरेके ॥ एमु० ॥ नाषुसायरमांहिकेतोमनसूखलहेरे
के ॥ तो० ॥ उठेशीघनीभित्तकेरयणीइएजदारेके ॥ रय० ॥ अधकारमांए
हकेनापुझतदारेके ॥ नांषु० ॥ ५१ ॥ वाहणषपलखसावकेकिहांइबहीजस्ये
रेके ॥ किहां० ॥ एपिणमाहरेनदकेषीरसावेषस्येरेके ॥ षिर० ॥ षितवीए

हउपायकेतिमनीपजावीउरेके ॥ तिम० ॥ रातिप्रहररहीसेषकेतवएहसा
वीउरेके ॥ तव० ॥ ५२ ॥ कालथोमोरहीतामकेवुवारवकरयोरेके ॥ वुवा० ॥
नदउठीकहेइमकेस्वामीनीथरहस्योरेके ॥ स्वा० ॥ त्रामतीहृदयसडकके अ
तीशयरोवतीरेके ॥ अ० ॥ हाआर्यपुत्रसणतीकेधरणीइसोवतीरेके ॥ धर० ॥
॥ ५३ ॥ नदशकालहीजामकेघनशय्याजुरेके ॥ घन० ॥ तवनवीदीठातेह
केपुठतोवहुरुरेके ॥ पुठ० ॥ कहेघणसीरीपरमार्देकेंपमीआशायरेरेके ॥ प० ॥
पमवामाम्युनर्देकेंहृदयथीकायरेरेके ॥ हृद० ॥ ५४ ॥ परिजनसर्वमिली
घरीराप्योवहुपरेरेके ॥ रा० ॥ वाहणरपाव्युतिणसमेपोलितेवहुकरीरेके ॥ पो
लि० ॥ प्रातसमेउपमावीआनांगरडुरकधरीरेके ॥ नांग० ॥ सहुननदशमान
केंकोईनुनहीचरीरेके ॥ कोई० ॥ ५५ ॥ डुर्जनधनसीरीजोमिकेजगमांनवी
जमेरेके ॥ जग० ॥ चित्तथीहर्षउमाहकेवाहिरइमरमेरेके ॥ बा० ॥ हवेधन
कूमरतेजेहकेपमीआजेतलेरेके ॥ पमी० ॥ फलकलहेएकतेहकेपुण्यथीते
तलेरेके ॥ पु० ॥ ५६ ॥ सातरातीरहित्याहिकेंकांठेनीकल्योरेके ॥ कांठे० ॥
लवणनीरसेवनथीकेपेटमापलसल्योरेके ॥ पेट० ॥ कामणनीकट्यातामके
पुण्यउदयथयोरेके ॥ पु० ॥ जनमथयोफिरीमुझकेशणिपरिमनसयोरेके ॥
॥ शणी ॥ ५७ ॥ तिमिरपादपनेंपासकेवेठोचितवेरेके ॥ वेठो० ॥ अहोएहमा
यावहुलकेस्यूकस्युकैतवेरेके ॥ स्यूक० ॥ अहोनीरदयपणनारिकेवयरके
हेवुवहेरेके ॥ वय० ॥ अहोमुखिमीठीएहकेकुलपपणलहेरेके ॥ कुल० ॥ ५८ ॥
॥ यत० ॥ अनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौचनिर्दयत्वच ॥
स्त्रीणांदोषा स्वसावजा ॥१॥ जलमझेमछिपय ॥ आगासेपपीआणपयपती॥
महिलाहियथाणमग्गो ॥ तिन्निविविरलापयासती ॥ २॥ यत सवैउ ॥ कवहु
विनीतामृडुवाचवदे ॥ कवहुतिनसूकटुवाचकहे ॥ कवहुमनरगविरगधरे ॥
कवहुजवीरागीनहुईरहे ॥ कवहुश्कवोलसहेनसलो ॥ कवहुकटुवोलअनेक
सहे ॥ मुनीधन्नकहेजगदिशविना ॥ त्रियकीकरनीकहोकोनलहे॥१॥ कवहु
जपुसीविपुसीमनमें॥वहुसातीकपटकरेतरुनी॥ कवहुजदयारउदारचितें ॥ क

वङ्गलङ्गचित्तहोश्लरनी ॥ कबङ्गसबजानअजानहोवे ॥ कबङ्गदमनीरणरेक
रनी ॥ मुनीधन्नकहेजगदीशवीना ॥ कहोकोनलहेश्रीयकीकरनी ॥ ६ ॥ अ
लपूर्वनी ॥ कीधोएव्यवशायकेकहोकारणकस्येरेके ॥ कहो० ॥ अचवाणि
वेकरहीतकेकारणस्यूहस्येरेके ॥ कार० ॥ दोसनीवासनीमीत्तकेएसाहसन
एकरेके ॥ एसा० ॥ कपटनीउतपतीएहकेपेत्रमृपासएरेके ॥ पेत्र० ॥ ५९ ॥
उन्मारगनुद्वारकेआपदगेहठेरेके ॥ आप० ॥ नरकसोपाननेस्वर्गनीअर्गला
हठेरेके ॥अर्ग०॥अहवाएहवीचारकेकरणसमयनहीरेके॥कर०॥ हमणांउप
मसाहसकेकरेमाहरूसहीरेके ॥माह०॥५६० ॥ वस्तुअतीतनीचिंतकेमुफनेंनवी
घटेरेके ॥ मुफ० ॥ उठ्योश्मअवधारिकेचाल्योशायरतटेरेके ॥ चाल्यो ॥
शणिअवशरिशावशिकेनयरीनोघणीरेके ॥ नय० ॥सिंहलद्वीपेंजायकेदीकरी
तेहतणीरेके ॥ दिक० ॥ ६१ ॥ वाहणसागुतासकेदाशीतेहनीरेके ॥ दासी ॥
मरणलहीतेचेटीकेकातिघणदेहनीरेके ॥ कां० ॥ काठेंकाढीकल्लोलेकेदीठीति
णसमेरेके ॥ दीठी० ॥ रयणावलीतसठेहमेकेदिठांमनगमेरेके ॥दीठां० ॥
तिलोकशारानामकेहारतणकसलूरेके ॥ हार० ॥ लेवीघटेनहीमुफकेश्ममन
अटकलूरेके ॥ श्म० ॥ पणिशणिद्रव्यवशायकेकरीनेंआपस्यूरेके ॥ करी० ॥
वारवारउहेशेकेशूलपरिवथापस्यूरेके ॥ शूल० ॥ ६३ ॥ लीधीरयणावलीतेहके
चाल्योतबमल्योरेके ॥ चा० ॥ महेसरदत्तकपालिकेकूमरनेंअटकल्योरेके ॥
कूम० ॥ सायरकठिमत्रकेशाघनतेकरेरेके ॥ साघ० ॥ रेसवाहसूतनूफ
केआवबुंशणिपरेरेके ॥ आ० ॥ ६४ ॥ एहअवस्थातूफकेदेषीउ खदिशरेके॥
॥ दे० ॥ घरछिद्रनवीकङ्गश्मकेकुमरांचितेहैशरेके ॥ कु० ॥ कहेमुफसागुजी
हाजकेसयणविजोगीउरेके ॥ सय० ॥ तिणेंश्अवस्थाश्मकेवलीतनुरोगीउरे
के ॥ वली० ॥ ६५ ॥ कहेकापालीकतामकेएविधीवकठेरेके ॥ ए० ॥ चच
लसपमीअनीत्यकेशंसारचक्रठेरेके ॥ सं० ॥ कलपदृक्षसमतूफकेआपदएह
घीरेके ॥ आ० ॥ तोपामरज[illegible]एकेघाततेकेहषीरेके ॥ वा० ॥ ६६ ॥
पणिसुणिवातएमुफकेहृद[illegible]के ॥ हृ० ॥ इणसमेसयणकेदूष्टनो

आवेपटतरोरेके ॥ आ० ॥ साग्यतणीइमषवरकेनि संशयपमेरेके ॥ नि स ॥ अगरसुगंधनीषवरकेअनलेंजवचढेरेके ॥ अन० ॥ ६७ ॥ इमएहआपद जाणोकेवछउपगारणीरेके ॥ वछ० ॥ पणिहवेथोमोकालकेतूछसहचारणीरे के ॥ तूछ० ॥ लछणताहरादेपिकेजाणिइइणिपरेंरेके ॥ जाणी० ॥ साधारण तुछइककेमुछसंपदपरेंरेके ॥ मुछ०॥६८॥ तजीउंघणकणसंगकेस्युंतुछउ पगरुंरेके ॥ स्यु० ॥ पठितसीखदेउमत्रकेतूछनेंहीतकरुंरेके ॥ तूछ० ॥ तछ कजातीनासर्पकेतसपणिविषहरेंरेके ॥ तस०॥ एपिणहोयकेमत्रवछनेंसुपक रेंरेके ॥ वछ० ॥ ६९ ॥ चितेघनकुमारकेमुनीउपगारीओरेके ॥ मुनी० ॥ करीमुछनेंशूलदृष्टिकेमुछनेंतारीउरेके ॥ मुछ० ॥ कहोकेमलेउमत्रकेविण कायउपगरेंरेके ॥ वि० ॥ घनकहेमत्रनादेवकेगृहीनेंइरककरेंरेके ॥ गृ० ॥ ॥ ७० ॥ तवकापालीकवोलेकेनहीमंत्रआकरोरेके ॥ नही० ॥ घनकहेनही मुछकामकेमुछकिरपाकरोरेके ॥ मुछ० ॥ पाचमीचोथेरवमेकेढालएमनथ रोरेके ॥ढाल०॥ पद्मकहेउपगारकेइणिपरेंसछकरोरेके ॥ इणि०॥७१ ॥दुहा॥ महेसरदत्तमनथकी ॥ चितेइमविचार ॥ इणेमुछनेंनवीउलप्यो ॥ नलिइतिणें निरधार ॥ ७२॥ इमकहीप्रगटकसुइणि॥ सूणिसउवाहसूजाण ॥ जुवटीउंमु छजाणजे ॥ पुरवएपहीचाण ॥ ७३ ॥ अवरविकल्पनआदरो ॥ मत्रएल्यो महाराज ॥ नहितरपीमामुछघणी ॥ उपजस्येसूणिआज ॥ ७४ ॥ सघलुंते ससारीनें ॥ चितमांकरेविचार ॥ एहनेंपीमाउपजे ॥ तिणेंएलेउतयार ॥ ७५॥ कुमरकहेकिरपाकरो ॥ तवदियोतिणेंमंत ॥ लियोतवलाजेंकरी ॥ गयातपव नएगत ॥ ७६ ॥ खाधांफणसादिकखरा ॥ एकदिनरखाउछाह ॥ प्रणमीवछ लेप्रेमस्यू ॥ चाल्योनिजघरिचाह ॥ ७७ ॥ रतनावलीरापेगुपत ॥ जाइआ गलजाम ॥ सावछीनेंपरिसरें ॥ मारगपोहोंतोताम ॥ ७८ ॥ढाल ॥ लालसूर गारेभाणीआ ॥ एदेशी ॥ विचारधवलतीहाराजीउ ॥ फाम्योतासत्तमाररो। चो रेंचोरीकरताथकां ॥ पकमेलोकतिवाररे ॥ जोगीजगमजाररे ॥ कमीकापमी नीरधाररे ॥ ल्यावेमत्रीनेंद्वाररे ॥ ७९ ॥ कर्मनछूटेरेआतमा ॥ मत्रितेहनीपरी

वऊलऊंचित्तहोश्लरनी ॥ कबऊसबजानअजानहोवे ॥ कबऊंहगनीरऊरेक
रनी ॥ मुनीघन्नकहेजगदीशवीना ॥ कहोकोनलहेश्रीयकीकरनी ॥ ७ ॥ अ
लपूर्वनी ॥ कीघोएव्यवशायकेकहोकारणकस्येरेके ॥ कहो० ॥ अन्यवाणि
वेकरहीतकेकारणस्यूहस्येरेके ॥ कार० ॥ दोसनीवासनीभीत्तकेएसाहसव
णरेके ॥ एसा० ॥ कपटनीउतपतीएहकेषेत्रमृपासणूरेके ॥ षेत्र० ॥ ५ ॥
उन्मारगनुद्वारकेआपदगेहठेरेके ॥ आप० ॥ नरकसोपाननेस्वर्गनीअर्गल
हठेरेके ॥अर्ग०॥अहवाएहवीचारकेकरणसमयनहीरेके॥कर०॥ हमणांउव
मसाहसकेकरेमाहरूसहीरेके ॥माह०॥६०॥ वस्तुअतीतनीचिंतकेमुऊनेंनवी
घटेरेके ॥ मुऊ० ॥ उठ्योश्मअवधारिकेचाल्योशायरतटेरेके ॥ चाल्यो ॥
शणिअवशरिशावद्विकेनयरीनोघणीरेके ॥ नय० ॥सिंहलद्वीपेंजायकेदीकरी
तेहतणीरेके ॥ दिक० ॥ ६ ॥ वाहणसागुतासकेदाशीतेहनीरेके ॥ दाशी ॥
मरणलहीतेचेटीकेकातिघणदेहनीरेके ॥ कां० ॥ कठिंकाढीकल्लोलेकेंदीठीति
णसमेरेके ॥ दीठी० ॥ रयणावलीतसठेहमेकेदिठांमनगमेरेके ॥दीठां० ॥
तिलोकशारानामकेहारतणुसलूरेके ॥ हार० ॥ लेवीघटेनहीमुऊकेश्ममन
अटकलूरेके ॥ इम० ॥ पणिशणिद्रव्यवशायकेकरीनेंआपस्यूरेके ॥ करी० ॥
वारवारउद्देशेकेशूलपरिचापस्यूरेके ॥ शूल० ॥ ६३ ॥ लीधीरयणावलीतेहके
चाल्योतबमल्योरेके ॥ चा० ॥ महेसरवत्तकपालिकेकूमरनेंअटकल्योरेके ॥
कूम० ॥ सायरकठिमत्रकेशाघनतेकरेरेके ॥ साघ० ॥ रेसवाहसूतुऊ
केआवर्वुशणिपरेरेके ॥ आ० ॥ ६४ ॥ एहअवस्थातुऊकेदेषीछ खदिरेके॥
॥ दे० ॥ घरछिन्नवीकऊश्मकेकुमरचितेहैरेके ॥ कु० ॥ कहेमुऊसागुजी
हाजकेसयणविजोगीउरेके ॥ सय० ॥ तिणेंश्अवस्थाश्मकेवलीतनुरोगीउरे
के ॥ वली० ॥ ६५ ॥ कहेकापालीकतामकेएविधीवऊठेरेके ॥ ए० ॥ चच
लपमीअनीत्यकेशंसारचऊठेरेके ॥ सं० ॥ कलपवृक्षसमतुऊकेआपदएह
वीरेके ॥ आ० ॥ तोपामरजनअम्यकेषाततेकेहवीरेके ॥ षा० ॥ ६६ ॥
पणिसूणिवातएमुऊकेहृदयकठीनकरोरेके ॥ ह० ॥ ईणसमेसयणकेदूटनो

रयणावलीजोईसूपती॥तेम्योसमारीजांमरे॥तिणेंकश्युएहतेआपणी॥चितेसूपउ
द्धामरे ॥ मारीकुमरीनेंठामरे ॥ नहीतोएकीमआमरे ॥ क्रोधघणोथयोतामरे ॥
पणिन्याईअसीरामरे ॥ ए१ ॥ क० ॥ वारें रें पुठावीउ ॥ पणिनवीकहेफेर
फारे ॥ तेहनोतेहउत्तरदिश॥ चढिउंक्रोधअपारे ॥ क्रकमकस्योवधत्यारे॥
मिमिमवाजेअसारे ॥ चोपमीकामिसठारे ॥ए२ ॥ कर्म०॥ लोकजणावण
कारणें ॥ सार्थेरापीतेमालरे ॥ वधथानिकलेईजायतां ॥ हाटिसेरीसूवीआलरे॥
मालतेमासनीहालरे ॥ लावकपषीतिणतालरे॥हारलेईचाल्योततकालरे ॥ए३॥
॥ कर्म० ॥निजमालामांमालाधरी ॥ हवेधनकुमरमआणरे ॥ लाभ्यातिहावध
कारणे ॥बोलाव्योतिहापाणरे॥चमालपामेसमसाणरे॥राजपुरुषेंजमराणरे ॥ सू
पीवलीआतेठाणरे ॥ए४॥ कर्म०॥ थोमीसूमीतेलेईगयो ॥ जोयुतासनीहालरे॥
एहवुरुपनेंआकती ॥ दिठोपुण्यवीआलरे ॥ करेनअकारजवालरे ॥ किममा
रुक्रुअकालरे ॥ इणिपरेंचितेचमालरे ॥ ए५ ॥ कर्म० ॥ अथवाआणाकारीअ
ह्ले ॥ इमविचारेस्यूथायरे ॥कहेसाईबेसितूसमीपरे ॥ हवेतूकआवीउआयरे॥
सांसलिवाततूत्तायरे ॥ मुकआवकमीत्रथायरे ॥ तासससगतीसूरवदायरे ॥
॥ ए६ ॥ क० ॥ कूरदृष्टीनहीमाहरी ॥ पणिचाकरथयारायरे ॥ तिणेंअम्हेबि
नव्योरायनें ॥ मारीइजेहनेंजायरे॥शुत्तपरिणामीजोथायरे॥ तोसदगतीमाहि
जायरे ॥ तिणेंमारस्यूपमपायरे ॥ ए७ ॥ क० ॥ एकमुहुर्त्तपमखीकरी॥ प
ठेंकरस्यूतुम्हआणरे ॥ राइपत्रायअम्हनेंकस्यो ॥ तिणेंतुवोलिसूजाणरे ॥ क
हेतेकरीइविन्नाणरे ॥ घनचितेअहोपाणरे ॥ किणीपरेंवोलेठेवाणिरे ॥ ए८ ॥
क०॥चोथेपमेठठीकही ॥ इणिपरेंउत्तमढालरे ॥ पद्मविजयेंसोहामणी॥ उत्त
मविजयनोवालरे ॥ उत्तमजननोएढालरे ॥ सासलोवातरआलरे ॥ सूणतांम
गलमालरे ॥ ए९ ॥ क० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ढ्हा ॥ चितेधनइमचित्तमां ॥ परउपगारीपाण ॥ अनुकपाजुउंआकरी ॥
सगतीफलअसमाण ॥ २०० ॥ सद्धनसगतिसेवीइ ॥ कूमतीमोहकरेडुर ॥ नि
तीवीवेकनवनवहोइ ॥ पुण्यतणोहोयपुर ॥ १ ॥ श्रावकनीआगेसरवर ॥

प्याकरी ॥ मुकीदीश्ततकालरे ॥ धनतेसांसलीवातनें ॥ बली[illegible]
चोकीपुरसश्नीहालरे ॥ जातांपक्मयोसत्तालरे ॥ उपनीमनमतिकालरे ॥
॥ कर्म० ॥ कहेसद्धकिहांथीआव्यातुम्हे ॥ तवबोल्योतेहश्मरे ॥ सूसमयथ
थीआवीउ ॥ कहेकिहांजावानोप्रेमरे ॥ आगेंगयाझताजेमरे ॥ पाछाजा
घरितेमरे ॥ मुझपकमोतुम्हेकेमरे ॥ ८१ ॥ कर्म० ॥ रायविचारधवलघरे ॥
चोरीचोरेंतेंकीधरे ॥ तिणेंअमजोवानेंमुकीआ ॥ विजांकामनिषेधरे ॥
आणाएदिघरे ॥ तुम्हेतोपुण्यथीश्ढरे ॥ पणिपकमयाशणिविधरे ॥ ८२ ॥ कर्म०
मत्रीपासेंचालोतुम्हे ॥ कोपनकरस्योनिजचित्तरे ॥ धनकहेदोषनम्हेंकस्यो
झस्येआवुकहोमीत्तरे ॥ तवतेकहेकझहितरे ॥ अम्हेआणाकारीनितरे ॥
श्यजवानीछेरितीरे ॥ ८३ ॥ कर्म० ॥ विणश्ठापणिचालीउ ॥ दिठोमत्रीश्तेहरे ॥ पुछे
कीहाथीआव्यातुम्हे ॥ पुरवनीपरेंएहरे ॥ वातकहीसवीजेहरे ॥ मत्रीकहेतूम्हे
हरे ॥ सबलपासेंछेकेहरे ॥ ८४ ॥ क० ॥ तवतेहलोसअज्ञानथी ॥ बोल्याविगरवीचार
रे ॥ मुझपासेंतोकाईनथी ॥ मत्रिसाषेतिवाररे ॥ कहेजेहोयजेनिरधाररे ॥ धनकहे
नहीफेरफाररे ॥ जुठनोश्हानहीचाररे ॥ ८५ ॥ क० ॥ मत्रिसरकहेजाउंसूखें ॥
तवजातांघरबारिरे ॥ घोटकशालानेंघोमले ॥ ताण्युवस्त्रजेशाररे ॥ फाटुतेहली
वाररे ॥ मालापमीअतिवाररे ॥ समरीवीश्रेणिघारिरे ॥ ८६ ॥ क० ॥ दीठोम
त्रीश्तेतले ॥ लिधोरयणावलीहाररे ॥ उलषीमनमांरेंचितवे ॥ राजधूआवयोमा
रे ॥ पुछेहारअधीकाररे ॥ तवलज्जामनधारिरे ॥ बोलेधन्नकूमाररे ॥ ८७ ॥ क० ॥
महाकमाहधीपेंगयो ॥ जिहाजेबश्शीनेंजछरे ॥ लीधीरयणावलीमुलथी ॥ पा
छांवलतांमुझतछरे ॥ जिहाजसागुगयोअछरे ॥ एकरयणावलीहछरे ॥ निक
ल्योआव्योझश्छरे ॥ ८८ ॥ क० ॥ तुम्हेक्यारेलीधीमूलथी ॥ तवबोल्योधन
वाणिरे ॥ एकवरसमुझनेंथयु ॥ मत्रीचितेमूजाणरे ॥ लिधीआपणेंगुणषाणि
रे ॥ मासत्रणिथयाताणरे ॥ दिधीकूमरीनेंपाणिरे ॥ ८९ ॥ क० ॥ बेमासन
यांथयातेहनें ॥ एतोवोलेंछेश्मरे ॥ वातकहोएहकिममले ॥ बोलेजुठुएनेमरे ॥
कुमरोमारीएणेएमरे ॥ कसुंनृपनेंथयुजेमरे ॥ नृपकोधेंथयोसैमरे ॥ ९० ॥ क० ॥

गोरहो ॥ सू० ॥ तेहनेंमांगेतेआपे ॥ वलीप्राणजीवनतसथापेहो ॥ १८॥
॥ सू० ॥ कहेधनचमालनेंइम ॥ तुझआपहठेअतिप्रेमहो ॥ सू० ॥ तोएमुझ
किजेंकाम ॥ रायसुतसुमगलनामहो ॥ १९॥सू० ॥ करम्योजेएहनेंसाप॥
जईजीवामुझआपहो ॥ सू० ॥ पठेंमारज्योइमसुणीहरष्यो ॥ चमालचित्तेंम
नसरिषोहो ॥ २० ॥ सू० ॥ जेनरपतीसूतजीवाडे ॥ तसनृपतीकीमदू खप
मामेहो ॥ सू० ॥ सूपतीगुणनोपक्षपाती ॥ दाक्षीण्यसायरनहीघातीहो ॥सू॥
॥ २१ ॥ एजिव्योहवेअथवाएह ॥ किमइणिपरेंमरणलहेहहो ॥ सू० ॥ ते
पमहवादकर्नेतेम्यो ॥ कहोसर्ववृत्तांतरहीनेमोहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ तेकहेए
हसाचुकेम ॥ तवधनवोल्याधरीप्रेमहो ॥ सू० ॥ ठेमत्रतोजालीमजोर ॥ पठे
साग्यफलेइणेंठोरहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ एहमांनवीआपणचाले ॥ पणिजोउए
मत्रजोहालेहो ॥ सू० ॥ इमसांसलीसझइविचारे ॥ अहोगीरुउनिरहकारेहो॥
॥ २४ ॥ सू० ॥ एनिश्चयकुमरजीवावे ॥ नरपतीपासेंलेईआवेहो ॥ सू० ॥
सूपनेंसवीवातसूणावे ॥ नृपदेपीइणीपरेंसावेंहो ॥ २५॥ सू० ॥ परद्रव्यलीइ
कीमएह ॥ आकतीसौसाग्यनोगेहहो ॥ सू० ॥ करस्यूपठेंवातविचार ॥ वि
षमागतीविपनीधारिहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ रोवतोनरपतीबोले ॥ सइमस्तकतूम
चेंपोलेंहो ॥ सू० ॥ कहेधनमुकोविपवाद ॥ जुउमत्रशकतीअवीवादहो ॥
॥२७॥सू०॥ ससारेमत्रसूजाण ॥ चितामणीमत्रसमाणहो ॥सू०॥ निद्रामाथी
जीमजागे ॥ तिमवेठोथयोनृपसागेहो ॥२८॥सू० ॥ जसवादथयोठामि २ ॥
नृपपांम्योअतिविसरामहो ॥ सू० ॥ खमचोथेएसातमीढाल ॥ कहीपद्म
विजयसूरशालहो ॥ २९ ॥सू० ॥ डहा ॥ राइकदोरोदिउ ॥ अनेउरेंआसरण
॥ वरसेंतिहांवारुपरें ॥ कोईकूमलदीइकर्ण ॥ ३० ॥ धरणीपतीनेंधनकहे
एस्यूइणिवार ॥ रायकहेवलीकहेअपर ॥ करीइस्योउपकार ॥ ३१ ॥ कहे
चमालतेकिजीइ ॥ धनवोलेईमघन्न ॥ चितेरायअहोचरी ॥ अहोगुरुताएअ
गन्य ॥ ३२ ॥ कहोअकार्यएकीमकरे ॥ एहनेपुछूआम॥ पुठिसअथवाझप
ठे ॥ करीएहनुकांम ॥ ३३ ॥ पुठोकहेपमीहारनें ॥ कहोखपताहरेकाय ॥

किमएकर्मचमाल ॥ जातिचमालएजाणीइ ॥ केहबुदरीसअकाम ॥ [illegible]
निशासोहवेनांपीने ॥ बोलेइणीपरेंबोल ॥ रायशासनकरितूसुर्से ॥ करतुं[illegible]
कांईतोल ॥ ३ ॥ धीरजदेखीधनतणु ॥ परपीपुरुषप्रसाव ॥ निरअ[illegible]
धीनरअडे ॥ पणिमारणप्रस्ताव ॥४॥ चतुरचमालगदगदचवे॥ आंसुमेसरीअं
षि ॥ इष्टदेवशसारीइ ॥ पेदतेडरिनापि ॥ ५ ॥ धरजेध्यानतुधरमनुं ॥ सह[illegible]
खकरजेसग्ग ॥ धनचितेधिगमाहरो ॥ जनमगयोइणिजग्ग ॥६॥ जनजी[illegible]
सरिषीजुउं ॥ काढीइणिकरवाल ॥ वाहीनिजकरइसीवली ॥ वचनकहेविक[illegible]
राल ॥ ७ ॥ ढाल ॥ नणदलांबिदलीयें ॥ एदेशी ॥ सूणज्योसकलोकावांणी ॥
रायकुमरीवचीइणिप्रांणीहो ॥ सूणज्योसकलोका ॥ तिलोकसारारयणमा[illegible]
अपहरीइणिथईउजमालाहो ॥ ८ ॥ सूणज्योसकलोका ॥ तिणेएहतेमारयोजा
इ ॥ इमजेकरस्येतसथायहो ॥ सू० ॥ वाहिइमकहीकरवाल ॥ करुणाशून्य
सावविशालहो ॥ ९ ॥ सू० ॥ नवीलागोतेहप्रहार ॥ पम्योप्रथवीउपरिस्यार
हो ॥ सू० ॥ करवालतुटिततकाल ॥ धनकूमरकहेसूरसालहो ॥ १० ॥ सू०
करिआणितुसूपतीकेरी ॥ तूचाकरस्यूंकडूफेरीहो ॥ सू० ॥ नकरीसकुतूनच
रघाय ॥ चमालकहेसूणिसायहो ॥११॥ सू० ॥ कायककरुतूऊउपमार ॥
तूमुखथीसाषिप्रकारहो ॥ सू० ॥ इणअवशररायनोपुत्र ॥
अहो ॥ १२ ॥ सू० ॥ गयोतेहउद्यानमझारि॥
व्याप्यूतेसघलेअग ॥ थयोकाष्टपरेंतसरगहो ॥१३ ॥ सू० ॥ अ
तीपासें ॥ गारुडीबोलाव्याउछासेंहो ॥ सू० ॥ आव्यातेदेषीतास ॥ गारुडीच
यासर्वनिरासहो ॥ १४ ॥ सू० ॥ मघउषधकीधांतेणें ॥ पणिगुणनथयोकां
यइणेंहो ॥ सू० ॥ राजालहीषेदवीचारे ॥ अचिंत्यशकतीनीरधारेंहो ॥ [illegible]
॥ सू० ॥ सिरुगारुडमत्रकोहोय॥ आवीजीवाडेकोयहो॥ सू० ॥ इणिपरेंदमी
मवजमावे ॥ कोईआवीकुमरजीवावेहो ॥ १६ ॥ सू० ॥ तेजेमांगेतेदिजें ॥
अिकचोकचाचरेवदीजेंहो ॥ सू० ॥ एकदमीमफिरतोआयो ॥ जिहांधनक
धकेरोगायोहो ॥ १७ ॥ सू० ॥ सूण्योसब्दतेधनकुमारे ॥ कोईराजकुमरउ

गोरहो ॥ सू० ॥ तेहनेंमांगेतेआपे ॥ वलीप्राणजीवनतसथापेहो ॥ १८॥ ॥ सू० ॥ कहेधनचमालनेंइम ॥ तुझआपहठेअतिप्रेमहो ॥ सू० ॥ तोएमुझ किजेंकांम ॥ रायसुतसूमगलनामहो ॥ १९ ॥सू० ॥ करम्योजेएहनेंसापा॥ जईजीवामुझआपहो ॥ सू० ॥ पठेंमारज्योइमसुणीहरष्यो ॥ चमालचित्तेंम नसरिषोहो ॥ २० ॥ सू० ॥ जेनरपतीसूतजीवाडे ॥ तसनृपतीकीमदू खप मामेहो ॥ सू० ॥ सूपतीगुणनोपक्षपाती ॥ दाक्षीण्यसायरनहीघातीहो ॥सू॥ ॥ २१॥ एजिव्योहवेअथवाएह ॥ किमइणिपरेंमरणलहेहहो ॥ सु० ॥ ते पमहवादकर्नेतेम्यो ॥ कहोसर्ववृत्तातरहीनेमोहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ तेकहेए हसाचुकेम ॥ तवधनवोल्याघरीप्रेमहो ॥ सू० ॥ ठेमत्रतोजालीमजोर ॥ पठे साग्यफलेइणेंठोरहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ एहमांनवीआपणचाले ॥ पणिजोउए मत्रजोहालेहो ॥ सू० ॥ इमसांसलीसक्षइविचारे ॥ अहोगीरुउनिरहकारेहो॥ ॥ २४ ॥ सू० ॥ एनिश्चयकुमरजीवावे ॥ नरपतीपासेंलेईआवेहो ॥ सू० ॥ सूपनेंसवीवातसूणावे ॥ नृपदेपीइणीपरेंसार्वेहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ परद्रव्यलीइ कीमएह ॥ आकृतीसौसाग्यनोगेहहो ॥ सू० ॥ कररस्यूपठेंवातविचार ॥ वि षमागतीविपनीधारिहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ रोवतोनरपतीबोले ॥ सद्रमस्तकतूम चेंषोलेंहो ॥ सू० ॥ कहेधनमुकोविषवाद ॥ जुउमत्रशकतीअवीवादहो ॥ ॥२७॥सू०॥ ससारेमत्रसूजाण ॥ चिंतामणीमत्रसमाणहो ॥सू०॥ निद्रामांथी जीमजागे ॥ तिमवेठोथयोनृपसागेहो ॥२८॥सू० ॥ जसवादथयोठामि २ ॥ नृपपांम्योअतिविसरामहो ॥ सू० ॥ खमचोथेएसातमीढाल ॥ कहीपद्म विजयसूरशालहो ॥ २९ ॥सू० ॥ ढहा ॥ राइकदोरोदिउ ॥ अतेउरेंआसरण ॥ वरसेंतिहावारुपरें ॥ कोईकूमलदीइकर्ण ॥ ३० ॥ धरणीपतीनेंधनकहे एस्यूइणिवार ॥ रायकहेवलीकहेअपर ॥ करीइस्योउपकार ॥ ३१ ॥ कहे चमालतेकिजीइ ॥ धनवोलेईमधन्न ॥ चितेरायअहोचरी ॥ अहोगुरुताएअ गन्य ॥ ३२ ॥ कहोअकार्यएकीमकरे ॥ एहनेपुछूआम ॥ पुठिसअथवाकृप ठे ॥ करीएहनुकांम ॥ ३३ ॥ पुठोकहेपमीहारनें ॥ कहोखपताहरेकाय ॥

पमीहारेजईपुढीउ ॥ रेतूऊतूठोराय ॥ ३३ ॥ जिवाम्योरूपसूतजिएँ ॥
अथवातेह ॥ खगीलतूखांतिकरी ॥ मागिवुगाढेमेह ॥ ३४ ॥
मोरासाहिबा ॥ एदेशी ॥ खगिलचितेखांतिस्यूहोराजि ।
वारीमोरासाहिबा ॥ कामथयुनरराथनुहोराजि॥ दिसेठेनि सदेहा॥
पुढेकीमएजीविआहोराजि ॥ तववोलेप्रतिहार ॥वा० ॥ एहमांस्योदिहोरा
राजि ॥ कांयकमांगउदार ॥ ३७ ॥ वा० ॥ बोल्योखगीलहरषतोहोराज ॥
जोमुऊतूठोराय ॥ वा० ॥ तोएपापआजीवीकाहोराज ॥ उसयलोकदूखदा
य ॥ ३८ ॥ वा० ॥ तेहनीवारोमाहरीहोराज ॥ बोल्योतवप्रतिहार ॥ वा० ॥
स्युमांग्युएतेइहांहोराज ॥ मागितूइष्यविचार ॥ वा० ॥
एउपरेंहोराज ॥ नहीकोईजगमासार ॥ वा० ॥ सांसली
राशकिधविचार ॥ वा० ॥ ४० ॥ अहोविवेकअलोसताहोराज ॥ धनकहे
जातीचमाल ॥ वा० ॥ कर्मचमालनएहठेहोराज ॥ कहेतेकरोसूपाल
॥ वा० ॥ रायकहेएनिपनुंहोराज ॥ पणिएहनेंनिजहाथ ॥ वा० ॥ लावसेम
नआपोतुम्हेंहोराज ॥ तूम्हेअमचाथयानाथ ॥ ४२ ॥ वा० ॥
लकुटबजिकेहोराज ॥ विऊवासीवलीजेह ॥ वा० ॥ पाटणपढीमवाहिरेंहो
राज ॥ अपगामिकरोतेह ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सऊतनीपजावीउहोराज ॥ राय
नेंवचनेंथाया॥वा०॥कांममनेंदेवताकरेहोराजा॥सेउतेधनखरचाया॥
खगीलहरष्योचित्तथीहोराजा॥उगस्यावनकुमार॥वा०
होराजा॥ सज्जनएहआचार॥ ४४ ॥वा० ॥रायकहेधननेंहवेहोराजा॥देषीतूम्ह
चरीत्ता॥वा०॥जाण्योजनमसलेकुलेंहोराज॥पणिसाषोसुपवीत्त॥४५॥वा०
किहानावासीनांमस्यूहोराजा॥साषोउलषुआजा॥वा०॥ तवधनचित्तमांचितवे
होराज ॥ आणीअतीघणीलाज ॥ ४७ ॥ वा० ॥ म्हेंरयणावलीपारकीहोरा
ज ॥ लीधीतेसांसरीनांम ॥ वा० ॥ निशासोनाषीघणोहोराज ॥ चितेउत्तम
कूलआम ॥४८ ॥ वा० ॥ धनकहेस्यूपुढोतूम्हेहोराज ॥ माहराकुलनीवात
॥ वा० ॥ महाअकार्यम्हेंकस्युहोराज ॥ तेहनोस्योअवदात ॥वा०॥४९॥अ

थवाकुलनोदोषस्योहोराज ॥ कमलेतेलपमीनीवाश ॥ वा० ॥ तिहापणिकीमो उपजेहोराज ॥ पालकहरीकुलषास ॥ ५० ॥ वा० ॥ जातीमात्रेंझवाणीउंहो राज ॥ पणिवाणिकनआचार ॥ वा० ॥ सूसमनयरवासीवलीहोराज ॥ नाम तेघनकुमार ॥ ५१ ॥ वा० ॥ रायचितेघनझथयोहोराज ॥ एहवारतननोना श ॥ वा० ॥ नकस्योम्हेंतिणेंकारणेंहोराज ॥ हवेकहेसूपतितास ॥ ५२ ॥ ॥ वा० ॥ किस्यूअकारयआचरयुहोराज ॥ तेपरमारथसापि ॥ वा० ॥ किम रयणावलीपामीआहोराज ॥ ईणअवशरिसझसापि ॥ ५३ ॥ वा० ॥ उद्या नपालीकानामथीहोराज ॥ मनोरमाअसीराम ॥ वा० ॥ अरजकहेतूमचीधूआ होराज ॥ आवीवीनयवतीनांम ॥ ५४ ॥ वा० ॥ वातसूणीहरष्योघणहोरा ज ॥ सेनालेईचतूरंग ॥ वा० ॥ पेशारामोहडवकरेहोराज ॥ वाध्योअतीउछ रंग ॥ ५५ ॥ वा० ॥ घरिलावीनेंपुठीउंहोराज ॥ रयणावलीअवदात ॥ साकहेजीहाजमांचालताहोराज ॥ प्रचमवायरावात ॥ ५६ ॥ वा० ॥ दासीकरेम्हेआपीउंहोराज ॥ रयणावलीतवहार ॥ वा० ॥ तिणीश्वां ध्योठेमलेहोराज ॥ सायरमध्यमझारि ॥ ५७ ॥ वा० ॥ फुटुजिहाजति णेंसमेहोराज ॥ गुझहृदयजिमनारि ॥ वा० ॥ दैवयोगेएकपाटिउहोराज ॥ पाम्युजीवदातार ॥ ५८ ॥ वा० ॥ अनुक्रमेंआवीझहांहोराज ॥ तवचितें सूपाल ॥ वा० ॥ उठवउपरेंआवीउंहोराज ॥ उठवएसूरसाल ॥ ५९ ॥ वा० ॥ पुत्रपुत्रीजीव्याजुउंहोराज ॥ कूअरगयोअपराध ॥ वा० ॥ पुण्यवसेंआवीमि लेहोराज ॥ पामेसूखअगाध ॥ ६० ॥ वा० ॥ चोथेखमेएकहीहोराज ॥ अ चरीजआठमीढाल ॥ वा० ॥ श्रीगुरूउत्तमनोकहेहोराज ॥ पद्मतेवातरशाल ॥ ६१ ॥ वा० ॥ उहा० ॥ रायकहेघणकूमरनें ॥ परिकहोएरवांति ॥ लिधी किहारयणावली ॥ सापोतेसलीसांति ॥ ६२ ॥ सायरतिरेंम्हेंसही ॥ घनकहे म्हेंलीध ॥ नृपकहेशवदिठुकनें ॥ कुअरेंहातवकीध ॥ ६३ ॥ तेहजकारणआ तमा ॥ कझअकार्यकरनार ॥ पारकोद्रव्यमेंअपहरयो ॥ शोचकरूशसार ॥ ॥ ६४ ॥ नपलेएहगृहस्थनें ॥ मनथीमुकोपेद ॥ हवेस्यूकरीशतूम्हने ॥ सापोते

पमीहोरेजईपुढीउ ॥ रेतूऊतूठोराय ॥ २३ ॥ जिवाम्योमृपसूतजिएँ त
अथवातेह ॥ खगीलतूखांतिकरी ॥ मागिवुगढेमेह ॥ २४ ॥
मोरासाहिबा ॥ एदेशी ॥ खगिलचितेखांतिस्यूहोराजि
वारीमोरासाहिबा ॥ कामथयुनरायनुहोराजि॥ दिसेठेनि संदेहा॥ वा
पुढेकीमएजीविआहोराजि ॥ तवबोलेप्रतिहार ॥वा० ॥ १२
राजि ॥ कांयकमांगउदार ॥ ३७ ॥ वा० ॥ बोल्योखगीलहरषतोहोराज
जोमुऊतूठोराय ॥ वा० ॥ तोएपापआजीवीकाहोराज ॥ उसयलोकदूखी
य ॥ ३८ ॥ वा० ॥ तेहनीवारोमाहरीहोराज ॥ बोल्योतवप्रतिहार ॥ वा० ॥
स्युमांग्युएतेश्हांहोराज ॥ मागितूद्रव्यविचार ॥ वा० ॥ ॥ खा
एउपरेहोराज ॥ नहीकोईजगमासार ॥ वा० ॥ सासलीज
राशकिधविचार ॥ वा० ॥ ४० ॥ अहोविवेकअलोसताहोराज ॥
जातीचमाल ॥ वा० ॥ कर्मचमालनएहठेहोराज ॥ कहेतेकरोसूपाल
॥ वा० ॥ रायकहेएनिपनुंहोराज ॥ पणिएहनेंनिजहाथ ॥ वा० ॥ आपसौ
नआपोतुम्हेंहोराज ॥ तुम्हेअमचाथयानाथ ॥ ४२ ॥ वा० ॥ सहसचंम
लकुटबजिकेहोराज ॥ विऊवासीवलीजेह ॥ वा० ॥ पाटणपढीमवा
राज ॥ अपगामिकरोतेह ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सऊईतनीपजावीउहोराज ॥
नेंवचनेंथाया॥वा०॥कांममनेंदेवताकरेहोराजा॥सेठतेधनखरचाया॥ वा०॥
खगीलहरष्योचित्तथीहोराजा॥उगस्याधनकुमार॥वा०॥तेहवोधनेंहरष्योनही
होराजा॥ सद्धनएहआचार॥ वा० ॥रायकहेधननेंहवेहोराजा॥देषीतुम्ह
चरीत्ता॥वा०॥जाण्योजनमसलेकुलेंहोराज॥पणिसाषोसुपवीत्त॥ वा०
किहांनावासीनांमस्यूहोराजा॥साषोउलषुआजा॥वा०॥ तवधनचित्तमांचिंतवे
होराज ॥ आणीअतीघणीलाज ॥ ४७ ॥ वा० ॥ म्हेंरयणावलीपारकीहोरा
ज ॥ लीधीतेसांसरीतोम ॥ वा० ॥ निआसोनांषीघणोहोराज ॥ चितेउत्तम
कूलआम ॥ ४८ ॥ वा० ॥ धनकहेस्यूपुढोतुम्हेहोराज ॥ आहराकुलनीवात
॥ वा० ॥ महाअकार्यम्हेंकस्युहोराज ॥ तेहनोस्योअवदात ॥वा०॥ ॥ अ

तकहोएस्यूंछेजी ॥ क० ॥ तेकहेपोटुनवीकहीश्जी ॥ क० ॥ एहमांस्योज सभ्रम्हेलहीश्जी ॥ क० ॥ ७९ ॥ तवकारणिआनीजरायजी ॥ क० ॥ सस लावेनृपदूखथायजी ॥ क० ॥ जुउंसावछीनररायजी ॥ क० ॥ एचो रनाथांगुथायजी ॥ क० ॥ ८० ॥ घाल्यासझवदीषानेंजी ॥ क०॥ सघलूंज मस्येएब्यानेजी ॥ क० ॥ तिहादूखपामेंरहेतेहजी ॥ क० ॥ शणिसमेएकसू णोथईजेहजी ॥ क० ॥ ८१ ॥ एकपरीव्राजकवेषधारीजी ॥ क० ॥ तसप कमेनृपआणाकारीजी ॥ क० ॥ चोस्युतेद्रव्यवलीपासजी ॥ क० ॥ राति समश्लाव्यातासजी ॥ ८२ ॥ क० ॥ लिंगधारीमत्रीसरदेषीजी ॥ क० ॥ म नचिंतेसर्वउवेषीजी ॥ क० ॥ चोरीकरेजोलिंगधारीजी ॥ क० ॥ स्यूनकरेअ कार्यअवधारीजी ॥ क० ॥ ८३ ॥ तेकारणमारणआणाजी ॥ क० ॥ करता रायपुरुषनेंराणाजी ॥ क०॥ मिसगेरूविसूतिलगाईजी ॥ क०॥ कणयरमाला पहेराईजी ॥ क० ॥ ८४ ॥ त्रुटूसूपमुठत्रनेंगामजी ॥ क० ॥ससस्तवेसाम्यो वामजी ॥ क० ॥ मिमिमवाजेअतीविरसोजी ॥ क० ॥ लोकसांसलीआवेस रसोजी ॥ क० ॥ ८५ ॥ दक्षीणदिशनयरनेंवाहिरेंजी ॥ क० ॥ लाव्यानही कोईएहनीवाहरेंजी ॥ क० ॥ तवनांषीदीर्घनीसासजी ॥ क० ॥ जोईआमु अवलूपासजी ॥ क० ॥ ८६ ॥ लोकनामुखसाहमुजोईजी ॥ क० ॥ कहेमु नीवचअलीकनहोईजी ॥ क० ॥ हमणापणिजेहनुद्रव्यजी ॥ क० ॥ तेहनु छआपुसर्वजी ॥ क० ॥ ८७ ॥ रसुंप्रथवीमास्येलेपेजी ॥ क० ॥ नृपनरस नमुखतेहदेपेजी ॥ क० ॥ म्हेंनयरतेमुस्युएहजी ॥ क० ॥ विजेपुरुषेंनही रेहजी ॥ क० ॥ ८८ ॥ आरामगिरिनदीतीरजी ॥ क० ॥ प्रमुखेंदाट्युथईधी रजी ॥ क० ॥ तेलेईसझसझनुआपोजी ॥ क० ॥ पठेमारवामुझनेंथापोजी॥ ॥ क० ॥ ८९ ॥ कहीतेहमत्रीनेंवातजी ॥ क० ॥ मत्रिपणतिहाआयातजी ॥ क० ॥ जेजेकथुतेतेथानजी ॥ क० ॥ जोईनीकल्युंतेप्रमाणजी ॥ क० ॥ ॥ ९० ॥ सझहरप्याद्रव्यतेपामीजी ॥ क० ॥ चोर्थेपमेअसीरामीजी ॥ क०॥ ढालनवमीपदमेंसापीजी ॥ क० ॥ गुरुउत्तमविजयछेशापीजी ॥ क०॥ ९१॥

हनोसेद ॥ ६५ ॥ मनवळीतदिधुमनें ॥ करयुचमालनुकाम ॥ नृपकहेमोलाह
हने ॥ दिधाछेअमेंदाम ॥ ६६ ॥ कामविचारीएकरे ॥ एहनोबहुउपगार ॥
मागितूकायकमुळकनें ॥ नवबोल्योतेकुमार ॥ ६७ ॥ तुमदरीशणपाम्योजी
के ॥ अधीकुकायनअन्य ॥ राजातवनीजआसरण ॥ आपतबहुअमन्य ॥
॥ ६८ ॥ हवेजेविस्वासीहुइ ॥ तेहपुरुषसघात ॥ नयरसूसमसणीनरपती ॥
पेसवीआप्रख्यात ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ तुम्हेपिलांपीतांबरपहेरोजीमुखने
लमे ॥ एदेशी ॥ हवेकेईकदिवसेंपोहोताजी॥कर्मविटमणा॥ गिरीचलपाटपत्त
महोताजी ॥ कर्म० ॥ तिहाचमूसेननरपतीजी ॥ क० ॥ तेहनासमारमांची
चोरीथायजी ॥ क० ॥ ७० ॥ पोलेकोटवालतेचोरजी ॥ क० ॥ भिकचोक
एकांतवलीगोरजी ॥ क० ॥ कमीकापमीजोगीसन्यासीजी ॥ क० ॥ चरि
ष्याकरीदीइस्यावासीजी ॥ क० ॥ ७१ ॥ रायपुरुषेंपकमाएहजी ॥ क० ॥
कहेकोपनकरस्योरेहजी ॥ क० ॥ चोरीपइरायसमारजी ॥ क० ॥ तिहेंप
कमाछइंनीरघारजी ॥ क० ॥ ७२ ॥ तेकहेस्योकोपनोलागजी ॥ क० ॥
कहोतिहाजईइदाषोमागजी ॥ क० ॥ पंचातिथाइतिहांलावेजी ॥ क० ॥ चो
वटिआपुछेसावेंजी ॥ क० ॥७३॥ किहाथीआव्यातुम्हेसाईजी ॥ क० ॥ अ
व्यासावछीथीआईजी ॥ क० ॥ पचातीकहेकिहांजावोजी ॥ क० ॥ कहेसू
समनयरअमगावोजी ॥ ७४ ॥ क० ॥ पचोलीकहेस्यूकांमजी ॥ क० ॥ तव
तेनरबोल्याआमजी ॥ क० ॥ एकुमरनेंमुकवाकाजजी ॥ क० ॥ अमनरप
तीमोकल्यासाजजी ॥ क० ॥ ७५ ॥ कारणिआपुछेतासजी ॥ क० ॥ इम्य
कांयअछेतुम्हपासजी ॥ क० ॥ तवतेकहेछेअम्हपासेंजी ॥ क० ॥ कारणी
आकहेसूवीलासेंजी ॥ क० ॥ ७६ ॥ अलवेषामोहोयजेहजी ॥ क० ॥ त
वदेषामेहोयतेहजी ॥ क० ॥ अलराजाइतूसीनेंदीधांजी ॥ क० ॥ तवकार
णीइकरलीधांजी॥ क० ७७॥ समारीइछलष्यांतेहजी ॥ क० ॥ अम्हरायआसू
षणएहजी ॥ क० ॥ गयांकालबहुथयोएहनेंजी ॥ क० ॥ कोसनाथईतव
सहुकेहनेंजी ॥ क० ॥ ७८ ॥ कारणिआफिरि २ पुछेजी ॥ क० ॥ परीषा

तकहोएस्यूंठेजी ॥ क० ॥ तेकहेषोटुनवीकहीश्जी ॥ क० ॥ एहमांस्योज सभ्रम्हेलहीश्जी ॥ क० ॥ ७९ ॥ तवकारणिआनीजरायजी ॥ क० ॥ सस लावेनृपदूरवथायजी ॥ क० ॥ जुउंसावछीनररायजी ॥ क० ॥ एचो रनाथागुथायजी ॥ क० ॥ ८० ॥ घाल्यासङ्कवदीषानेंजी ॥ क०॥ सघलूंज मस्येएव्यानेजी ॥ क० ॥ तिहादूरवपामेंरहेतेहजी ॥ क० ॥ शणिसमेएकसू णोथईजेहजी ॥ क० ॥ ८१ ॥ एकपरीव्राजकवेषधारीजी ॥ क० ॥ तसप कमेनृपआणाकारीजी ॥ क० ॥ चोस्युतेद्रव्यवलीपासजी ॥ क० ॥ राति समश्लाव्यातासजी ॥ ८२ ॥ क० ॥ लिंगधारीमत्रीसरदेषीजी ॥ क० ॥ म नचिंतेसर्वउवेषीजी ॥ क० ॥ चोरीकरेजोलिंगधारीजी ॥ क० ॥ स्यूनकरेअ कार्यअवधारीजी ॥ क० ॥ ८३ ॥ तेकारणमारणआणाजी ॥ क० ॥ करता रायपुरुषनेंराणाजी ॥ क०॥ मिसगेरूविसूतिलगाईजी ॥ क०॥ कणयरमाला पहेराईजी ॥ क० ॥ ८४ ॥ त्रुटूसूपमुउत्रनेंगमजी ॥ क० ॥ससस्वेसामयो वामजी ॥ क० ॥ मिमिमवाजेअतीविरसोजी ॥ क० ॥ लोकसांसलीआवेस रसोजी ॥ क० ॥ ८५ ॥ दक्षीणदिशनयरनेंवाहिरेंजी ॥ क० ॥ लाव्यानही कोईएहनीवाहरेंजी ॥ क० ॥ तवनांषीदीर्घनीसासजी ॥ क० ॥ जोईआमु अवलूपासजी ॥ क० ॥ ८६ ॥ लोकनामुखसाहमुजोईजी ॥ क० ॥ कहेमु नीवचअलीकनहोईजी ॥ क० ॥ हमणांपणिजेहनुद्रव्यजी ॥ क० ॥ तेहनु ङआपुसर्वजी ॥ क० ॥ ८७ ॥ रसुप्रथवीमास्येलेषेजी ॥ क० ॥ नृपनरस नमुखतेहदेषेजी ॥ क० ॥ म्हेंनयरतेमुस्युएहजी ॥ क० ॥ विजेपुरुषेंनही रेहजी ॥ क० ॥ ८८ ॥ आरामगिरिनदीतीरजी ॥ क० ॥ प्रमुखेंदाट्युथईघी रजी ॥ क० ॥ तेलेईसङ्गसङ्गनुआपोजी ॥ क० ॥ पठेमारवामुफनेंथापोजी॥ ॥ क० ॥ ८९ ॥ कहीतेहमत्रीनेंवातजी ॥ क० ॥ मत्रिपणतिहाआयातजी ॥ क० ॥ जेजेकथुतेतेथानजी ॥ क० ॥ जोईनीकल्युंतेप्रमाणजी ॥ क० ॥ ॥ ९० ॥ सङ्गहरप्याद्रव्यतेपामीजी ॥ क० ॥ चोथेंपमेअसीरामीजी ॥ क०॥ ढालनवमीपदमेंसापीजी ॥ क० ॥ गुरुउत्तमविजयठेशापीजी ॥ क०॥ ९१॥

हनोसेद ॥ ६५ ॥ मनवळीतदिधुमनें ॥ करयुचमालनुकाम ॥
हने ॥ दिघाळेअमेंदाम ॥ ६६ ॥ कामविचारीएकरे ॥
मागितूकायकमुळकर्नें ॥ तवबोल्योतेकुमार ॥ ६७ ॥ ग
के ॥ अधीकुकायनअन्य ॥ राजातवनीजआसरए ॥ आपतवळअमाळ
॥ ६८ ॥ हवेजेविस्वासीळइ ॥ तेहपुरुषसघात ॥ न
पेसवीआप्रख्यात ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ तुम्हे
लमे ॥ एदेशी ॥ हवेकेईकदिवसेंपोहोताजी॥कर्मविटबए॥
महोताजी ॥ कर्म० ॥ तिहाचमसेननरराथजी ॥ क० ॥ तेहनासमरवांची
चोरीथायजी ॥ क० ॥ ७० ॥ पोलेकोटवालतेचोरजी ॥ क० ॥
एकातवलीठोरजी ॥ क० ॥ कमीकापमीजोगीसन्यासीजी ॥ क० ॥ जी
ष्याकरीदीश्स्याबासीजी ॥ क० ॥ ७१ ॥ रायपुरुषेंपकमयाएहजी ॥ क० ॥
कहेकोपनकरस्योरेहजी ॥ क० ॥ चोरीयश्रायसमारजी ॥ क० ॥ तिहेंप
कमयाठश्नीरघारजी ॥ क० ॥ ७२ ॥ तेकहेस्योकोपनोलागजी ॥ क० ॥
कहोतिहांजईश्दाषोमागजी ॥ क० ॥ पंचातिथाश्तिहांलावेजी ॥ क० ॥ चो
वटिआपुळेसावेंजी ॥ क० ॥७३॥ किहाथीआव्यातुम्हेसाईजी ॥ क०
ष्यासावळीथीआईजी ॥ क० ॥ पचातीकहेकिहांजावोजी ॥ क० ॥ कहेह
समनयरअमठावोजी ॥ ७४ ॥ क० ॥ पचोलीकहेस्यूकांमजी ॥ क० ॥ तव
तेनरबोल्याआमजी ॥ क० ॥ एकुभरनेंमुकवाकाजजी ॥ क० ॥ अमनरप
तीमोकल्यासाजजी ॥ क० ॥ ७५ ॥ कारणिआपुळेतासजी ॥ क० ॥ इम्य
कांयअळेतुम्हपासजी ॥ क० ॥ तवतेकहेळेअम्हपासेंजी ॥ क० ॥ कारणी
आकहेसूवीलासेंजी ॥ क० ॥ ७६ ॥ अलदेषामोहोयजेहजी ॥ क० ॥ त
वदेषामेहोयतेहजी ॥ क० ॥ अलराजाश्तूसीनेंदीधांजी ॥ क० ॥ तवकार
णीश्करलीधांजी॥ क० ७७॥ समारीश्जलष्यांतेहजी ॥ क० ॥
षणएहजी ॥ क० ॥ गयांकालषळथयोएहनेंजी ॥ क० ॥ कोसनाथईतव
सळकेहनेंजी ॥ क० ॥ ७८ ॥ कारणिआफिरिपुळेजी ॥ क० ॥ परीवा

त्तसूरितरबलबहुतरस्वामीत्वमुच्चैस्तर ॥ आरोग्यविगतातरत्रिजगतीश्लाघ्य त्वमह्येतर ॥ ससारावुनिधिकरोतिसुतरचेतःकृपाद्रीतर ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ जनमातरेआलजेदिघलू ॥ तेहनुफलछेहजीशेसरे ॥ तेसोगववुयोमाकालमां॥ आवस्येउदश्सुविशेसरे ॥ ७ ॥ क० ॥ तवपुछ्युम्हेंप्रसूकेहवु ॥ जनमांतरे दीधूआलरे ॥ केहवुतसफलमेंसोगव्यू ॥ मुनीवरवोल्याकिरपालरे ॥ ८ ॥ ॥ क० ॥ इणसरतेंउत्तरापथमां ॥ पाटणनगरजनकनांमरे ॥ आसाढनामेंवा मवतिहां ॥ रहुआसारयाअसीरामरे ॥ ९ ॥ क० ॥ पाचमेंसर्वेतेहनोसुतह तो ॥ चद्रदेवताहरुअसीधानरे ॥ शास्त्रसांसल्यांवेदपढावीउ ॥ तुरुनेंउपनो अतीमानरे ॥ १० ॥ क० ॥ विरसेनराजातेनयरनो ॥ तिणेंआजीवीकाघणी आपीरे ॥ नितनृपनीपासेंवेसीरहे ॥ मनगमतीवातआलापीरे ॥ ११ ॥ क० ॥ इमकरतांएकदिनतिणपुरे ॥ विनीतसेठनीधूआरे ॥ तसनामतेवीरमतीअछे ॥ तेहनासीलआचारतेजुआरे ॥ १२ ॥ क० ॥ अविवेकवहुलहोयनारीनें ॥ ब लीदूर्जयमोहवपाण्योरे ॥ जौवनतेविकारनुघरअछे ॥ तिणेंनीजकुलपणिन पिछाण्योरे ॥ १३ ॥ क० ॥ असीलापयोग्यविषयकह्या ॥ नवीचारयोअना गतकालरे ॥ सीहलनांमेंमालीसमागमें ॥ रमतांवहुकाढतीकालरे ॥ १४ ॥ क० ॥ विरमतीनोपुज्यएकजांणीइ ॥ पालेनीतनीजआचाररे ॥ परिव्राजकनामजो गातमा ॥ नि सगपणवलीधारेरे ॥ १५ ॥ क० ॥ थाणेआरगयोएकदिनहवो॥ लोकवादथयोइमचावोरे ॥ जोगातमास्यूविरमतिवशी ॥ तेसासल्योएहआ रावोरे ॥ १६ ॥ क० ॥ तेंपणिनीश्चयकरीराषीउ ॥ एकदिनराजकुलेंथइवा तरे ॥ सहुलोककहेएकिमहस्ये ॥ तेंकह्युएपरुअवदातरे ॥ १७ ॥ क० ॥ ए हवातहुजाणहुपुरी ॥ एहमानहीकांयसदेहरे ॥ निजकूलआचारलोपीकह्या॥ तबरायकहेसुणीएहरे ॥ १८ ॥ क० ॥ निजनारिनोत्यागकरयोइणि ॥ तव उत्तरतेंइमदिघोरे ॥ तेकारणपरस्त्रीखोलता ॥ पापमपणोतिणेंलीधोरे ॥ १९ ॥ ॥ क० ॥ एहमांकांयधरमनजाणज्यो ॥ इमसूणीकेईपाम्याअघमरे ॥ सहु परीव्राजकेंपणिसांसली ॥ काढ्योटोलेथीलहीमर्मरे ॥ २० ॥ क० ॥ बहुपा

॥ ऊहा ॥ दीठोसरवेद्रव्यते ॥ विणआसर्णीनरवेव ॥ .
विपरीतएहेव ॥ २१ ॥ कीमआसरणविजाकनें ॥ सबलोएसंदेह ॥
जकर्नेपायपमी ॥ तूरतजपुठेतेह ॥ २२ ॥ वेसस्वसावविरूधकिन ॥
कारीवात ॥ परिव्राजकवोल्योपर्ठे ॥ वेर्गेनीजआवदात ॥
स्युविरूध ॥ मत्रीवोलेताम ॥ नहोइज्ञानीजेनरा ॥ करेतेएहवांकांम
पणितूम्मसरिपापुरुपनें ॥ नघटेएहनीदान ॥ अवीतथमुऊनेंआवीइ ॥
करीमहेरवान ॥ २६ ॥ सावधांनथईनेंसुणो ॥ परीव्राजककहेप्रेम ॥
अवधिज्ञानीइ ॥ मुलथकीतेनेम ॥ २७ ॥ ढाल ॥
एदेशी ॥ इणइसरतेंपुरदेशमा ॥ पुरवरधनपुरनयरीनामरे ॥ सोमदेवनामें
ब्राह्मणवशे ॥ अग्नीवेशायणगोत्रअसीरामरे ॥ २८ ॥
णीआ ॥ एआंकणी ॥ तसपुत्रनारायणनामक ॥ हिशाइसरमतेसहुरे
कचोरनेंमारवालेईजता ॥ मारोचोरएकमुखिवदापुरे ॥ २९ ॥ क० ॥
घूस्तेवचसांसल्यू ॥ ताजुउपनुअवधीज्ञानरे ॥ तेढुकमेंथीसूणीवोलीआ ॥
होकष्टजेजीवनेंअज्ञानरे ॥ ३० ॥ क० ॥ सूणीचितामुऊनेंउपनी ॥
तस्वरूपीएहरे ॥ मुऊउद्देशीइमसापीउ ॥ जईपुछूकारणतेहरे ॥ ३१ ॥ क० ॥
म्हेंपायपमीनेंपुछीउं ॥ सगवन्नकहोस्यूअन्नाणरे ॥ तवमुनीकहेआउखेद
यवु ॥ वलीविरुद्धउपदेशदाणरे ॥ ३२ ॥ क० ॥ म्हेंपुछ्युआलकिस्यूकहे ॥
वलीवीरुधस्योउपदेशरे ॥ मुनीकहेएकर्मवीपाकथी ॥ लह्योनरआयदहुवी
शेषरे ॥ ३३ ॥ क० ॥ एनिरअपराधीपुरुषनें ॥
एअठतुआलपीडाकरे ॥ एहवुबोलवुनवीसाध्युरे ॥ ३४ ॥ क० ॥ अठतुआल
तोनवीदीजोइ ॥ पणिचोरनेंचोरनकहीइरे ॥ वलिजीवघातेस्वर्गबोलता ॥ वि
रुधउपदेशपणिलहिरे ॥ ३५ ॥ क० ॥ सघलेदर्शनमांसापीउ ॥
कीजेंप्राणीरे ॥ सुखसोसाग्यवलीआरोगता ॥ जनमांतरेहोइसुखधांणीरे ॥ ३६ ॥
॥ क० ॥ ध्यत ॥ सवेविजीवाइछती ॥ जिवीउनमरीछिउ ॥
र ॥ निग्गथावछयतिण ॥ १ ॥ आयुदीर्घतरवपुर्वरतरगोधगरीयस्तर ॥

त्तसूरितरबलवद्भुतरस्वामीत्वमुच्चैस्तर ॥ आरोग्यविगतांतरत्रिजगतीउलाभ्य त्वमल्येतर ॥ ससारावुनिधिकरोतिसुतरचेत,कृपार्द्रांतर ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ जनमातरेआलजेदिघलू ॥ तेहनुफलढेहजीश्रेसरे ॥ तेसोगवबुयोमाकालमां॥ आवस्येउदश्सुविश्रेसरे ॥ ७ ॥ क० ॥ तवपुढ्युम्हेंमसूकेहवु ॥ जनमांतरे दीघूआलरे ॥ केहवुतसफलमेंसोगव्यू ॥ मुनीवरवोल्याकिरपालरे ॥ ८ ॥ ॥ क० ॥ इणसरतेंउत्तरापथमा ॥ पाटणनगरजनकनांमरे ॥ आसाढनामेंवा मवतिहां ॥ रहुआसारयाअसीरामरे ॥ ९ ॥ क० ॥ पांचमेंसर्वेतेहनोसुतह तो ॥ चद्रदेवताहरुअसीधानरे ॥ शास्त्रसांसल्यावेदपढावीउ ॥ तुरुनेंउपनो अतीमानरे ॥ १० ॥ क० ॥ विरसेनराजातेनयरनो ॥ तिणेंआजीवीकाघणी आपीरे ॥ नितनृपनीपासेंवेसीरहे ॥ मनगमतीवातआलापीरे ॥ ११ ॥ क० ॥ इमकरतांएकदिनतिणपुरे ॥ विनीतसेठनीधूआरे ॥ तसनामतेवीरमतीअछे ॥ तेहनासीलआचारतेजुआरे ॥ १२ ॥ क० ॥ अविवेकवद्धलहोयनारीनें ॥ ब लीदूर्जयमोहवधाण्योरे ॥ जौवनतेविकारनुघरअछे ॥ तिणेंनीजकुलपणिन पिछाण्योरे ॥ १३ ॥ क० ॥ असीलापथोग्यविषयकश्या ॥ नवीचारयोअना गतकालरे ॥ सीहलनामेंमालीसमागमें ॥ रमतांवद्धकाढतीकालरे ॥ १४ ॥ क० ॥ विरमतीनोपुज्यएकजाणीइ ॥ पालेनीतनीजआचाररे ॥ परिव्राजकनामजो गातमा ॥ नि सगपणवलीधारेरे ॥ १५ ॥ क० ॥ थाणेशरगयोएकदिनहवे॥ लोकवादथयोइमचावोरे ॥ जोगातमास्यूविरमतिवशी ॥ तेसांसल्योएहआ रावोरे ॥ १६ ॥ क० ॥ तेंपणिनीश्वयकरीराधीउ ॥ एकदिनराजकुलेंथश्वा तरे ॥ सद्धलोककहेएकिमहस्ये ॥ तेंकसुएपरुअवदातरे ॥ १७ ॥ क० ॥ ए हवातद्धजाणहुपरी ॥ एहमानहीकांयसदेहरे ॥ निजकूलआचारलोपीकसुं॥ तवरायकहेसुणीएहरे ॥ १८ ॥ क० ॥ निजनारिनोत्यागकरयोशणि ॥ तव उत्तरतेंइमदिघोरे ॥ तेकारणपरस्त्रीखोलतां ॥ पापमपणोतिणेंलीघोरे ॥ १९ ॥ ॥ क० ॥ एहमांकांयधरमनजाणज्यो ॥ इमसूणीकेईपाम्याअधर्मरे ॥ सद्ध परीव्राजकेंपणिसांसली ॥ काढ्योटोलेथीलहीमर्मरे ॥ २० ॥ क० ॥ वद्धपा

न्योविटवणालोकमां ॥ तुझकर्मनिविर्मवधाणरे ॥
जेहथीलहेनरकनुठाणरे ॥ २२ ॥ क० ॥ दशमीएचोथाखमनी ॥
ढालरसालरे ॥ कहेपद्मविजयसुणताहोश ॥
। ढ्हा ॥ आउपयेहवेउपनो ॥ आरसकरीअनेक ॥
धरमआराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोलागसन्नीवेशेकसो ॥ एलगनोअवतारे
कालगयोतसकेतलो ॥ आव्यांकर्मअपार ॥ २४ ॥
आयुनोथयोअंत ॥ मरीसीआलतेकर्मथी ॥ उपनोकर्मअनंत ॥
हीजगामनीअटवीइ ॥ फिरतातूफलखाय ॥ तेहथीजीवसमीतथा ॥
रेनखवाय ॥ २६ ॥ अनुक्रमेंमरणतेआवीउ ॥ तेहजकर्मतहत्ति ॥
रस्वामीतणी ॥ विलासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुषिमां ॥
प्रगटाय ॥ जोवनपांम्योजेतले ॥ नृपवल्लतनीरमाय ॥ २८
णी ॥ श्रीसीमधरसाहिबआगेंविनतीरे ॥ एदेशी ॥
दोषेंकरीरे ॥ मदिरामत्तथयोतेह ॥ आईरे ॥ आईरे ॥ नृपमाईआकोसतोरे
वातसुणीनृपपुत्रेंतसवारयोघणरे ॥ तेहनेपणिआकोस
नेंक्रोधमारे ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसछेदावीनृपबरेरे ॥ मवउतरयोतवनुआ
वातेरे ॥ वातेरे ॥ निलअवदातेलाजीउरे ॥ ३१ ॥ अणसणकीधु
दारे ॥ उपनोमाहणअत्र ॥ तिहांथीरे २ ॥ किहांथीकर्मछूटेकरयारे ॥
वचनमुनीनांसांसलीसवेगउपनोरे ॥ वलीपुछ्युम्हेंतास ॥ शेषरे २ ॥
वस्यूआवस्येरे ॥ ३३ ॥ ज्ञानीगुरुतवबोल्याकुरुणआणिनेरे ॥
॥ लोकरे ॥ जोकरे ॥ थोकथोकतुझवेषस्येरे ॥ ३४ ॥
रे ॥ गुरुमरणतिमुझ ॥ आपीरे २ ॥ थापीबेवीआसलीरे ॥ ३५ ॥ गगनगामीनीता
लुग्धामणीनामथीरे ॥ गुरुकहेसासलिवात ॥ धर्मेरे २ ॥ करमहोयतोफोरवे
रे ॥ ३६ ॥ विषयअसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ वलिसुणिविजुंएह ॥ बीजुं
रे २ ॥ जुठुकदियनबोलजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुठूंजोबोलायतोरे ॥ क
रज्येतुएरीती ॥ पाणीरे २ ॥ नासीप्रमाणआणीतोहांरे ॥ ३८ ॥ उचीबांहिन

यणअनीमेषतिहांकरीरे ॥ एकसहसआठवार ॥ जपजेरे २॥खपजेपातीक आपणरे ॥३९॥ हवेएकदिनझुतुबोल्योपापथीरे॥ इहपरलोकविरुध॥ कि घूरे २॥ सीधूअवलूमाहरेरे ॥४०॥ कालिसध्याइवसतीपासआराममांरे॥बकु लटकूनेंहेठ ॥ बेठोरे २ ॥ हेगोतीहांजुतुलब्योरे ॥ ४१ ॥ मंत्रिकहेस्युबोल्या जुतुतेकहोरे ॥ तबबोल्योतीहांआय ॥ तरुणीरे २ ॥ मनहरणीटोलेमलीरे ॥ ॥ ४२ ॥ जलअवगाहनकरीनेंतुटेकेशथीरे ॥ देवदर्शननेंकाज ॥ आवीरे २॥ मनसावीमुझनेंकहेरे ॥ ४३ ॥ हेसगवनजोवनवयतूमचीदेषीइरे ॥ सारविष यसशार ॥ लोकेरे २ ॥ थोकेंसझसेष्यापरारे ॥ ४४ ॥ हरीहरब्रह्मासेवीतकि मढांम्यातुम्हेरे ॥ डकरब्रतकरोकेम ॥ स्वामीरे २ ॥ कामीवयणकसाघणां रे ॥ ४५ ॥ हासीगर्सितबयणसूणीनेंम्हेंतदारे ॥ हास्यतणोनहीसील ॥ तोहि रे २ ॥ मोहिझइमबोलीउरे ॥ ४६ ॥ दिरघनीश्वासोनापीम्हेंसापीउरे ॥ तेह कालनेंजोग्य ॥ सापुरे २ ॥ दापुअलीकजाणीकरीरे ॥ ४७ ॥ मनमाहरु महीलावीरहेसतापीउरे ॥ मांम्योतपम्हेंइम ॥ सापीरे२ ॥ गुरुदापीविधीनवी करीरे ॥ ४८ ॥ मध्यरातिझचोरीकरवानीसत्योरे ॥ सूतापुरनालोक ॥ ज्योरेरे २॥त्योरेंझपकमाईउरे ॥ ४९॥ सागरसेठनाघरथीएइव्यलिधलोरे ॥ जाण्यो नरसचार ॥सणतोरे२॥गणतोपणिनि फलथईरे ॥ ५० ॥तवनासतांपकम्योतू म्हदुर्ध्यरनरेरे॥ वातकहीरसोमीन ॥ तेहनेरे२॥नेहआणीमत्रीसर्णेरे॥ ५१॥चो थेपमेढालअग्यारमीएकहीरे॥सूणतांमगलमाल॥ थायरे२॥इणिपरेंगायपदम मुनीरे ॥५२॥ डहा॥ सूणोएकदिननोसहरयो ॥ अलकारनरराय ॥ दिठोनही कहोकिणदिशा॥ अमनेंअचरीजथाय ॥५३॥परिव्राजककहेआपीउ॥सावठी सीरदार॥ मत्रिकहेस्यानिमीत्तथी ॥ तवकहेतासवीचार॥ ५४ ॥सावठीनगरी वसे ॥जीवथीअधिकोजाणी॥मित्रगधर्ववत्तनांमथी॥माहरोतेमनआणि॥५५॥ इद्रदत्तसेठनीधूआ॥ कन्यानामकहत ॥ वासवदत्तावेगस्यू ॥ तातअन्यनेंदित ॥५६॥पगरणमाम्युपरणवा॥तवमाहरोतीहामीत्त॥कन्याविणकरीइकिस्यू॥ चिंतवतोइमचित्त ॥५७॥ मरवुअतेएवीना ॥ अपहरुचितीइम ॥ अपहरीपर

म्योविटबणालोकमां ॥ तुझकर्मनिविडंबधाणरे ॥ २
जेहथीलहेनरकनुठाणरे ॥ २१ ॥ क० ॥ दशमीएचोपाइनी ॥
ढालरसालरे ॥ कहेपद्मविजयसुणतांहोश।
॥ डुहा ॥ आउपयेहवेउपनो ॥ आरसकरीअनेक ॥
धरमआराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोलागसन्नीवेशेकसो ॥
कालगयोतसकेतसो ॥ आव्याकर्मअपार ॥ २४ ॥
आयुनोथयोअंत ॥ मरीसीआलतेकर्मथी ॥ उपनोकर्मअनंत ॥
हीजगामनीअटवीइ ॥ फिरतातूफलखाय ॥ तेहथीजीवसमीतचा ॥
रेनरखवाय ॥ २६ ॥ अनुकर्मेमरणतेआवीउ ॥ तेहजकर्मतहत्ति ॥
रत्वामीतणी ॥ विलासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुषिमां ॥
प्रगटाय ॥ जोवनपांम्योजेतले ॥ नृपवसतनीरमाय ॥ २८
णी ॥ श्रीसीमधरसाहिबआगेविनतीरे ॥ एदेशी ॥
दोषेंकरीरे॥मदिरामत्तथयोतेह॥आईरे॥आईरे॥नृपमाईआक्रोसतोरे
वातसूणीनृपपुत्रेंतसवास्योघणरे ॥ तेहनेपणिआक्रोस ॥करतोरे २॥धरतोरे
नेंक्रोधमारे ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसढेदावीनृपवरेरे ॥ मवउतस्योतवतूं
वातेरे ॥ वातेरे ॥ निजअवदातेंलाजीउरे ॥३१॥ अणसणकीपु
दारे ॥ उपनोमाहणअभ ॥ तिहांथीरे २॥ किहांथीकर्मटूटेकस्यारे ॥
वचनमुनीनांसांसलीसंवेगउपनोरे॥वलीपुछ्युम्हेंतास॥शेषरे २॥ कहे
वस्यूआवस्येरे॥३३
॥लोकरे॥लोकरे॥थोकथोकतुझदेषस्येरे॥३४॥मुनीवयणेंझविहनोदीक्षाआदरी
रे॥ गुरुमरणतिमुक ॥ आपीरे २॥ थापीवेषीआसलीरे ॥३५॥ गगनगामीनीता
सुग्घाभणीनामथीरे ॥ गुरुकहेसासलिवात ॥ धर्मेरे ३ ॥ करमहोयतोफोरवे
रे ॥-३६ ॥ विषयअसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ वलिसुणिविजुंएह ॥ मीठुं
रे २ ॥ जुठुकदियनबोलजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुठूंजोबोलायतोरे ॥ क
रज्येतुएरीती ॥ पाणीरे २ ॥ नासीप्रमाणआणीतोहांरे ॥ ३८ ॥ उचीवांहिन

ण्योआपथी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ [illegible]॥
होकेम ॥ इमचितीअवनीपती ॥ नयरथीकाढेनेम ॥[illegible]॥
त्रजे ॥ तेहनेंसाथेंताम ॥ आव्योमुझपासेअधीक ॥
॥ ढाल ॥ धणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुछ्युतेमीत्रनेंरे ॥
मननामान्या ॥ वातसवेधुरथीकहीरे ॥ सासलीतेसकेत ॥[illegible]॥
वो २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥ मन०॥
तेहनाऽ खर्नेकापवारे ॥ दिधोनृपअलकार ॥ म० ॥
ह्योरें ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२ ॥ देषीतेअलकारनेंरे॥
रञ्जनथाय॥ म० ॥ मोकलेमहर्द्धिकपुरुषनेंरे॥ हेतधरीनरराय ॥ म
उछवमोछवलावीआरे ॥ गधर्वदत्तपुरमाहि ॥ म० ॥
मिलियाधरीउछाह ॥ ६४ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमल्यारे ॥
॥ म० ॥ मभ्रिकहेरुडुकस्युरे ॥ एतूम्हगुणसदोह ॥ म० ॥[illegible]॥
मीत्रवछलूरे ॥ तूम्हसमपुरुषजेंहोय ॥ म०॥ चितेपुर्वपुरुषजीकेरे ॥
घीनकोय ॥ म० ॥ ६६ ॥ मुक्यांसझघनप्रमुखनेंरे ॥
॥ म० ॥ कहेमत्रीतूम्हेपालवुरे॥ आपविषेकसमनेंमा॥ म० ॥[illegible]
जकनेंविसर्जिउरे ॥हवेघनकुमरेंताम ॥ म०॥ विसर्ज्यांसावछीरे ॥
ह्यांनीजगाम ॥ म० ॥ ६८ ॥ वयराझनयरआव्यायदारे ॥
ताम॥ म० ॥ तेहमांपोतेपालीआरे ॥ सायरतिरनेंगांम ॥ म०
घणांगजराजनुरें ॥ उठ्युंतेमारणघाय ॥ म० ॥ कापमीसझदिशोदिशगयाभे
घनपुठेंगजथाय ॥ म० ॥ ७० ॥ पकम्योघनपाम्योघरारे ॥
वयोग ॥ म० ॥ उछाल्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म०
हंतुसलेझमपुहवेरे ॥ इणिअवसरिवमएक ॥ म० ॥ तसआपापमतापकरि॥
आलव्योघरीटेक ॥ म० ॥ ७२ ॥ इणअवसरिनिजहाथिणीरे ॥ अन्यमतंग
जआया॥ म० ॥ पीनाकरीतिणेरोवतीरे ॥ सांसलिगयोतिहांघाय ॥म० ॥[illegible]
वमशिपरेंचढ्योघनहवरे ॥ देषेतिहांएकतीम ॥ म० ॥ लावकमुकीरयणाव

ण्योआपथी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ [illegible] ॥ रुसीकन्याअपहरी
होकेम ॥ इमचितीअवनीपती ॥ नयरथीकाढेनेम ॥ [illegible] ॥
त्रजे ॥ तेहनेंसार्थेताम ॥ आव्योमुऊपासेअधीक ॥ [illegible]
॥ ढाल ॥ धणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुछ्युतेमीत्रनेंरे ॥
मननामान्या ॥ वातसवेघुरथीकहीरे ॥ सांसलीतेसकेत ॥ [illegible] ॥
वो २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥ मन० ॥
तेहनाऽ खनेंकापवारे ॥ दिधोनृपअलकार ॥ म० ॥ जि
ल्योरे ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२ ॥ देषीतेअलकारनेंरे ॥
रञ्जनथाय ॥ म० ॥ मोकलेमहर्द्धिकपुरुषनेंरे ॥ हेतधरीनरराय ॥
उछवमोछवलावीआरे ॥ गधर्वदत्तपुरमाहि ॥ म० ॥
मिलियाघरीउछाह ॥ ६३ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमल्यारे ॥
॥ म० ॥ मत्रिकहेरुडुकस्युरे ॥ एतुम्हगुणसदोह ॥ म०
मीत्रबछसूरे ॥ तुम्हसमपुरुषजेहोय ॥ म० ॥ चितेपुर्वपुरुषजीकेरे ॥
धीनकोय ॥ म० ॥ ६६ ॥ मुक्यासऊधनप्रमुखनेंरे ॥
॥ म० ॥ कहेमत्रीतुम्हेपालवुरे ॥ आपविवेकसमनेंमा ॥ म०
जकनेंविसर्जिउरे ॥ हवेधनकुमरेंताम ॥ म० ॥ विसर्ज्यासावछीरे ॥
ह्यानीजगाम ॥ म० ॥ ६८ ॥ वयराग्नयरआव्यायदारे ॥
तामा ॥ म० ॥ तेहमीपोतेचालीआरे ॥ सायरतिरनेंगाम ॥ म०
घणेंगजराजनुरे ॥ उछ्युतेमारणघाय ॥ म० ॥ कापमीसऊदिशोदिशगयाते
धनपुंठेंगजथाय ॥ म० ॥ ७७ ॥ पकम्योधनपाम्योघरारे ॥ मारयोनहीं
वयोग ॥ म० ॥ उछाल्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म० [illegible]
वंतुसलेऊमुपुहवेरे ॥ इणिअवसरिवमएक ॥ म० ॥ तसशापापमतोवकरि
आलंब्योघरटिक ॥ म० ॥ ७२ ॥ इणअवसरिनिजहाथिणीरे ॥ आव्यमतं
जआया ॥ म० ॥ पीनाकरीतिणेरोवतीरे ॥ सांसलिगयोतिहाथाय ॥ म०
वमशिपरेंचढ्योधनहवशेरे ॥ देषेतिहांएकतीम ॥ म० ॥ लावकमुंकीरथलाव

ख्योआपथी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ [illegible] ॥ रुसीकन्याअपहरी
ोकेम ॥ इंमचितीअवनीपती ॥ नयरथीकाढेनेम ॥ [illegible] ॥
राजे ॥ तेहनेंसाथेंताम ॥ आव्योमुऊपासेअधीक ॥
। ढाल ॥ धणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुछ्युतेमीत्रनेंरे ॥
ाननामान्या ॥ वातसवेधुरथीकहीरे ॥ सांसलीतेसकेत ॥ [illegible] ॥ मन०
ो २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥ मन०॥
ाहनाऽ खर्नेकापवारे ॥ दिधोनृपअलकार ॥ म० ॥ ।
ख्योरें ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२ ॥ देषीतेअलकारनेंरे ॥
ाअन्नथाय ॥ म० ॥ मोकलेमहर्द्धिकपुरुषनेंरे ॥ हेतधरीनरराय ॥
ंढवमोढवलावीआरे ॥ गधर्वदत्तपुरमाहि ॥ म० ॥
मलियाघरीउछाह ॥ ६४ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमल्यारें ॥ [illegible]
। म० ॥ मत्रिकहेरुडुकस्युरे ॥ एतुम्हगुणसदोह ॥ म० ॥
मीत्रवछलूरे ॥ तूम्हसमपुरुषजेहोय ॥ म० ॥ चितेपुर्वपुरुषजीकेरे
धीनकोय ॥ म० ॥ ६६ ॥ मुक्यासऊघनप्रमुखनेंरे ॥
। म० ॥ कहेमत्रीतूम्हेपालवुरे ॥ आपविवेकसमनेंमा ॥ म० ॥ [illegible]
जकनेंविसर्जिउरे ॥ हवेधनकुमरेंताम ॥ म० ॥ विसर्ज्यासावछीरे ॥ [illegible]
ख्यानीजगाम ॥ म० ॥ ६८ ॥ वयराऊनयरआव्यायवारें ॥
ताम ॥ म० ॥ तेहमांपोतेचालीआरे ॥ सायरतिरनेंगांम ॥ म० ॥ [illegible] ॥ जुन
वणगजराजनुरें ॥ उछ्युतेमारणधाय ॥ म० ॥ कापमीसऊदिशोदिशगयाते
धनपुंठेंगजथाय ॥ म० ॥ ७० ॥ पकमयोधनपाम्योघरारे ॥ मारयोनहीं
वयोग ॥ म० ॥ उछाल्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म० ॥ [illegible] ॥
हंतुसखेऊमपुंहवेरे ॥ इणिअवसरिषमएक ॥ म० ॥ तसआषापमतांचकरि ॥
आलंब्योघरटिक ॥ म० ॥ ७२ ॥ इणअवसरिनिजहाथिणीरि ॥ अम्यमतंग
जआया ॥ म० ॥ पीडाकरीतिणेरोवतीरे ॥ सांसलिगयोतिहधाय ॥ म० ॥ [illegible]
वमशिपरेंचढ्योधनहवइरें ॥ देषेतिहाएकतीम ॥ म० ॥ लावकमुकीरयणाव

स्यू ॥ नामसिद्धउद्यान ॥ १ ॥ [illegible]
अशोकतरुतले ॥ लालना ॥ लला हो ॥ बहुमुनीनेंपरिवार ॥ एगुरुवाकरे [illegible]
अठारसहससीलागना ॥ ला० ॥ ल० ॥ घोरीतेअणगार ॥ एगुरु० ॥ [illegible]
कोशलदेशनोनरपती ॥ ला० ॥ ल० ॥ विनयधरनरराय ॥ एगु० ॥ [illegible]
सुतजशोधरगुणी ॥ ला० ॥ ल० ॥ निरमभचित्तसदाय ॥ एगु० ॥ [illegible]
पसूमतेंसूमतारहे ॥ ला० ॥ ल० ॥ गुप्तइंद्रीनिभय ॥ एगु० ॥ [illegible]
ब्रह्मचारीअकिंचनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ साधताशिवपथ ॥ एगु० ॥ [illegible]
एसीहदेषीकरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ हैयमेहरषनमाय ॥ एगु० ॥ घरमें [illegible]
उल्लस्यू ॥ ला० ॥ ल० ॥ चितवेइमनिरमाय ॥ एगु० ॥ ९ ॥ अहो [illegible]
अहोचरी ॥ ला० ल० ॥ अहोलावण्यविलास ॥ एगु० ॥ अहोसौम्यता [illegible]
होउयसी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोजीवनसूप्रकाश ॥ एगु० ॥ ९ ॥ [illegible]
विजयअहोएहनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोअहोनिरहकार ॥ एगु० ॥ [illegible]
षवाजोग्यएहवे ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोसेवबाजोग्यसार ॥ एगु० ॥ [illegible]
सेंजईकरीवदना ॥ ला० ॥ ल० ॥ आचारयमुनीराय ॥ एगु० ॥ धर्म [illegible]
नीवरदिउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ बेठागुरुनेंपाय ॥ एगु० ॥ ९८ ॥ कइ [illegible]
जोमीपुछतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमउपनोनिरवेद ॥ एगु० ॥ रुपमनोहर [illegible]
रीषु ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमजीत्यातुम्हेवेद ॥ एगु० ॥ ९९ ॥ किमदिक्षा [illegible]
सूआदरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ तबबोल्यासुरीराय ॥ एगु० ॥ एसंसारअसार [illegible]
॥ ला० ॥ ल० ॥ निरवेदस्योपुछाय ॥ एगु० ॥ १०० ॥ धनकहेगुरु [illegible]
साचलु ॥ ला० ॥ ल० ॥ एहतोसहुनेंसमान ॥ एगु० ॥ पुछुविसेषकारणतिसें
॥ ला० ॥ ल० ॥ सापोएसगवान ॥ एगु० ॥ १ ॥ मुनीकहेभाइरुत्तरीमजे [illegible]
॥ ला० ॥ ल० ॥ तेनीरवेदनुहेत ॥ एगु० ॥ धनकहेप्रसूअनुग्रहकरो ॥ ला० [illegible]
॥ ल० ॥ कहेवेएसकेत ॥ एगु० ॥ २ ॥ तबजशोधरमुनीचितवे ॥ ला० ॥
॥ ल० ॥ दिसेसौम्यआकार ॥ एगु० ॥ पामेंवैराग्यकदापीजो ॥ ला० ॥ ल० ॥
सापुनीजअधीकार ॥ एगु० ॥ ३ ॥ सूरिकहेतुसांसले ॥ ला० ॥ ल० ॥ एक [illegible]

मनांसावधान ॥ एगु० ॥ इहांहीजविशालापुरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अमरदत्त राजान ॥४॥ एगु० ॥ सूरेंद्रदत्तनामेंऊहतो ॥ला०॥ल०॥ मातजशोधराजाणि ॥ एगु० ॥ नयणावलीमुकसारिया ॥ ला० ॥ल०॥ नवमेसर्वेसुप्रमाण॥एगु०॥ ॥ ५ ॥ तातेंचारीत्रआदर्यु ॥ ला० ॥ ल० ॥ राज्यसारमुकथापि ॥ एगु० ॥ रूपणिसमकीतपांमीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ अतरआतमव्यापि ॥ एगु० ॥ ६ ॥ नयणावलीस्यूमोहीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ पालूंराज्यमहत ॥ एगु० ॥ पलितउ लेंदूतआवीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ धर्मरायनोतत ॥ एगु० ॥ ७ ॥ नयणावलीनी दाखीइ ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारसीआइणनाम ॥ एगु० ॥ दापव्योदेषीचितवें ॥ ॥ ला० ॥ ल० ॥ पुद्गलनोपरीणाम ॥ एगु० ॥ ८ ॥ अहो २ चपलतालोक नी ॥ ला० ॥ ल० ॥ मनुष्यपणएअसार ॥ ए० ॥ अहो २ मोहपरासर्वे ॥ ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारनकांयससार ॥ एगु० ॥ ९॥ आउनीरउलेचता ॥ला०॥ ॥ ल० ॥ रातिदिवसघमिमाल ॥ एगु० ॥ चद्रमासूरजवलदिआ ॥ ला०॥ ल० फेरवेअरहटकाल ॥ १० ॥ एगु०॥ तिणेंहूवइपरमार्देअस्यु ॥ ला० ॥ ल० ॥ लेउचारीत्रउदार ॥ एगु० ॥ नयणांवलीनिजनारीनें ॥ ला० ॥ ल० ॥ संसला व्योएविचार ॥ एगु० ॥११॥ नयणांवलीकहेसांसलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ जेतूं म्हनेंमनसाय ॥ एगु० ॥ पणतुमसार्थेआदरु ॥ ला० ॥ ल० ॥ अमणपणेंसू खदाय ॥ एगु० ॥१२॥ मोंचित्युजुउकेतलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुकउपरिअनु राग ॥ एगु० ॥ अहोविवेकएहनोजुउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ चित्तअनूजाइअ थाग ॥ एगु० ॥ १३ ॥ सविसागीसूखदुखमा ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोएकप लीएह ॥ एगु० ॥ अहोउदेमुकचालती ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुकउपरिघणनेह ॥ ॥ एगु० ॥ १४ ॥ चोथेखमेतेंस्मी ॥ ला० ॥ ल० ॥ तापीपदमेंढाल ॥ एगु० गुरुकहेआगलिशासलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ मोहरीवातरशोल ॥ एगु० ॥ १५ ॥ ॥ दुहा ॥ अर्कअनुक्रमेंआथम्यो ॥ म्होंचित्युंमनमांहि ॥ एवमीआपदएहनें॥ अमसमस्योउगाह ॥ १६ ॥ सोमर्मलहवेसंचस्यो ॥ दिपकसुवनउद्योत ॥ वासंसूवनवेगेंसज्यूं ॥ जिहांमणीरयणनीज्योति ॥ १७॥ कस्तुरीकर्दमकरी॥

स्यू ॥ नामसिद्धउद्यान ॥ १ ॥ [illegible]
अशोकतरुतले ॥ लालना ॥ ललाहो ॥ बहुमुनीनेंपरिवार ॥ एगुरुवाकरेलाभ ॥
अठारसहससीलागना ॥ ला० ॥ ल० ॥ धोरीतेअणगार ॥ एगुरु० ॥ [illegible]
कोशलदेशनोनरपती ॥ ला० ॥ ल० ॥ विनयधरनरराय ॥ एगु० ॥ तेहना
सुतजशोधरगुणी ॥ ला० ॥ ल० ॥ निरममचित्तसदाय ॥ एगु० ॥ [illegible]
चसुमतेसुमतारहे ॥ ला० ॥ ल० ॥ गुप्तइंद्रीनिभय ॥ एगु० ॥ गुप्त
ब्रह्मचारीअकिंचनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ साधताशिवपथ ॥ एगु० ॥ [illegible]
एसीहदेषीकरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ हैयमेहरषनमाय ॥ एगु० ॥ घरमेंसकल
उल्लस्यू ॥ ला० ॥ ल० ॥ चितवेइमनिरमाय ॥ एगु० ॥ १५ ॥ अहो [illegible]
अहोचरी ॥ ला० ल० ॥ अहोलावण्यविलास ॥ एगु० ॥ अहोसौम्यता
होउसमी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोजौवनसूप्रकाश ॥ एगु० ॥ १६ ॥ [illegible]
विजयअहोएहतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोअहोनिरहकार ॥ एगु० ॥ अहोमे
षवाजोग्यएहवे ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोसेववाजोग्यसार ॥ एगु० ॥ [illegible]
सेंजईकरीवदना ॥ ला० ॥ ल० ॥ आचारयमुनीराय ॥ एगु० ॥ धर्मलाभ
नीवरदिउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ बेठागुरुनेंपाय ॥ एगु० ॥ १८ ॥ करकम
जोमीपुछतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमउपनोनिरवेद ॥ एगु० ॥ रुपमनोसवला
रीषु ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमजीत्यातुम्हेवेद ॥ एगु० ॥ १९ ॥ किमदिकाय
सूआदरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ तवबोल्यासूरीराय ॥ एगु० ॥ एसउचारअचारयं
॥ ला० ॥ ल० ॥ निरवेदस्योपुछाय ॥ एगु० ॥ २० ॥ धनकहेगुरुजी
साचसु ॥ ला० ॥ ल० ॥ एहतोसकलनेंसमान ॥ एगु० ॥ पुछविसेषकारणतिसें
॥ ला० ॥ ल० ॥ सापोएसगवान ॥ एगु० ॥ २१ ॥ मुनीकहेमाहरुवरीभवे ॥
॥ ला० ॥ ल० ॥ तेनीरवेदनुहेत ॥ एगु० ॥ धनकहेमसूअनुग्रहकरो ॥ ला०
॥ ल० ॥ कहेवेएसकेत ॥ एगु० ॥ २२ ॥ तवजशोधरमुनीचितवे ॥ ला० ॥
॥ ल० ॥ दिसेसौम्यआकार ॥ एगु० ॥ पामेंवैराग्यकदापीजो ॥ ला० ॥ [illegible]
सापुनीजअधीकार ॥ एगु० ॥ २३ ॥ सूरिकहेतुसांसले ॥ ला० ॥ ल० ॥ एक

म्यमनुष्यहृदयेनीघाय ॥ अन्यनरदृष्टीसिराङ्कयती ॥ अन्यस्यदत्वावचनाव
कास ॥ मन्येनसार्द्धरमयतीरामा ॥ १ ॥ जलमझेमछीपय ॥ आगासेपषीआ
णपर्यपती ॥ महिलाहियाणमग्गो ॥ तिन्निवीवीरलापयपती ॥ २ ॥ ऊहो ॥
स्त्रीप्राहिसवीवकमी ॥ केणपतीजेतास ॥ माथेघमोचढायकरी ॥ पढेदिश्गल
पास ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वालकालथीसोगवीनें ॥ सूतपणिएहनोकालिरे ॥ रा
ज्यवेश्यारवोमाहरे ॥ तिणेंहलकाईसूपालरे ॥ ३४ ॥ तूमे० ॥ अविवेकवङ्कल
नारीहोइ ॥ एहमाअचरीजकांयनाहीरे ॥ आदरवुचारीत्रनें ॥ अतरायथाइ
तेमाहीरे ॥ ३५ ॥ तूमे० ॥ प्राइजोतासरीतापरे ॥ कायनीचगामीहोइनारीरे ॥
एहनुवचनमानेंजेकोई ॥ तेहनामुखउपरिध्वारीरे ॥ ३६ ॥ तूमे० ॥ यत ॥
॥ सवइउ ॥ कामीनीकीवातमानेंताकेमोरेवूरज्यू ॥ कपटनीपटवोलेहियाकी
नवातपोले ॥ मनर्थेउठायकरकहेसवकुरज्यू ॥ जैसोहीपतगरगतेसोहीत्रिया
कोसगविदुरतवारनाहीजैसोनदीपुरज्यू ॥ कहेकवीमुनीचदसुणोहोसजन्न
जन्नाकामिनीकीवातमांनेंताकेमोरेघूरज्यू ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अविवेकवङ्कलना
रीतणएढे ॥ वलीकुमरतणीहलकाईरे ॥ विघनवलीचारीत्रमाहोस्ये ॥ नरप
तीइमचित्तमांलाईरे ॥ ३७ ॥ तू० ॥ मारवुनघटेमुझनेंएइम ॥ वाल्योनीज
परीणामरे ॥ म्यानकरीकरवालनेंआव्यो ॥ नीजसङ्काइतवठामरे ॥ ३८ ॥ तू०
उतरयुचित्तराणीथकी ॥ वलीवाध्योधर्मव्यापाररे ॥ शङ्काश्वेठोचितवें ॥ अ
होनारीशिरेंधिकाररे ॥ ३९ ॥ तू० ॥ सूमिवीनाविषवेलमी ॥ अगनीविङ्गणी
घूमेलरे ॥ सोजनविनविसूचिका ॥ अहोएतोनवोकोइखेलरे ॥ ४० ॥ तू ॥ स
चेतनामुरढाकही ॥ वलिविणउपसर्गमारीरे ॥ रासमीवीणएपासलो ॥ विणहेतू
मरणउवारीरे ॥ ४१ ॥ तू० ॥ वेमीविनागुमीकहीछे ॥ एनारीशसाररे ॥ अ
थवाचितासीकरु ॥ एछेशसारअसाररे ॥ ४२ ॥ तू० ॥ जाणिअसारएकार
णें ॥ ठांमूकुएपरीवाररे ॥ इमकांयकुसपरीणामथी ॥ रङ्गकरतोइमविचाररे
॥ ४३ ॥ तू० ॥ आवीराणीइणसमे ॥ ऊसूतोएहवुजांणीरे ॥ राणीपणिसू
तिपरी ॥ मनमांकांयभांतिनआणीरे ॥ ४४ ॥ तू० ॥ आलिगनमुझनेंकस्यु ॥

सितिलगाईसारे ॥ प्रवरतलाईपाथरी ॥ सय्याकरयोसिणगार
मदामवरलटकती ॥ धूमघटाथईधूप ॥ मयणपूजीनेंमाननी ॥
अतीचुप ॥ १ ॥ वासमूवनमांवेगथी ॥ आव्योअवनीपाल ॥
प्रगट ॥ काढ्योकांयककाल ॥ २ ॥ राणीनोपरीवारजे ॥
जथान ॥ राणीसूतीरगस्यू ॥ नरपतीमनशुसध्यांन ॥ २ ॥
नतो ॥ सर्वठामवुसेल ॥ पणिराणीपरीणामथी ॥ ठमाइकीमठयल
॥ ढाल ॥ एहनीगतीएहजुजाणें ॥ रषेकोईसंदेहआणेरे ॥
ज्योनारीचरीत्ररे ॥ जेहनांठेचरीत्रविचीत्ररे ॥ एआकणी ॥
णीनें ॥ उठीनयणावलीरांणीरे ॥ मुकीढोलीउउतरीहेठी ॥ सूपती
णीरे ॥ २ ३ ॥ तुमे० ॥ सकासहीतद्वारउघाडी ॥
म्हेंचित्युमुझवीरहनीकायर ॥ रषेजइनेंमरतीरे ॥ २ ४ ॥ तुमे० ॥
वानीआवेलानेंही ॥ लेइकरकरवालरे ॥ इमचितीनीकलीउपुठें ॥ २ज
आदपाजरे ॥ २ ५ ॥ तुमे० ॥ तेकुलकउठाव्योकरथी ॥ तवम्हेंचित्युइमरे
हनेंससलावीनेंमरस्यें ॥ नहीतोउठावेकेमरे ॥ २ ६ ॥ तुमे० ॥
वजउठ्यो ॥ पुठेकिमइणिवेलारे ॥ आवीआजतदामेंचित्यू ॥ आज
हेलारे ॥ २ ७ ॥ तुमे० ॥ अथवाआजउचीतनहीवेला ॥
रे ॥ पणिसांसलुएहनोहवेउत्तर ॥ स्योमनमांथीखोलेरे ॥ ॥ तुमे०
राणीकेहेनृपघातवीषमठे ॥ मोमासूतारायरे ॥ तिणेंएतलीवेलाथईमुझनें
जाणज्योएअतरायरे ॥ २ ६ ॥ तुमे० ॥ एतलेकुवजेंदेवीस्यूरे ॥ आलिंगन
दिकदिधरी ॥ चुवननेंविषयसीतकारादिक ॥ सझुपारे २ कीधारे ॥ तुमे०
क्रोधानलसधूकणमाहरु ॥ विषयसेवनइणेंमाम्युरे ॥ अविवेकपवन
मुझलागो ॥ खडगतेम्यानथीकाढ्युरे ॥ २ ९ ॥ तूमे० ॥ वलिमुझचिंताइ
थई ॥ जिणेंजित्यावझराजानरे ॥ तोकुसीलणीदेवीकुवजए ॥ ठेसारमेयजे
नरे ॥ ३ २ ॥ तूमे० ॥ अहोअहोनारीचरीत्रने ॥ जुउमुझकिणीपरेसाचरे ॥
आचरणाकेहवीठेएहनी ॥ एवमुकपटतेदाषेरे ॥ ३ ३ ॥ तूमे०

मुझ ॥ तिणेंरहेवायनइहांहोवलतीचयनीआगमां ॥ ६१ ॥ तिणेंकरूएहवी वात ॥ जिणेंमुझआणाआपेहोसूपनकरूतेरीतस्यू ॥ बोल्योइमवीचारी ॥ मातासूपनुलाधुहोसासलज्योपरतितस्यू ॥ ६२ ॥ कुमरनेंथापीराज्य ॥ म स्तकमुखमुझावीहोसयलसगत्यागिथयो ॥ श्रमणथइशुससग ॥ घरउपर जबबेठोहोतिहांथीवलीपडीगयो ॥ ६३ ॥ रातिनेंपाछीलेपोहर ॥ देषीनेंझजा ग्योहोतेसांसलीनेखलसली ॥ थुथुकारकरत ॥ झासापगस्यूचांपेहोपृथवी मडलवलीवली ॥ ६४ ॥ अपमगलथाउंदूरि ॥ चिरजीवोतूहेपुत्ताहोनिरवि घनेंमहीपालज्यो ॥ सूपननेंघातिनीमित्त ॥ सापेझोसीमुझनेंहोपुत्रवचनमु झपालजो ॥ ६५ ॥ सूपनआखनीजाए ॥कहेइमआपोसूतनेंहोराज्यतुहेघर मांरहो ॥ ह्योतुम्हेसाधुवेष ॥ इत्वरकालनीदिक्षाहो ॥ घरमावेगातूम्हेपहो॥ ॥ ६६ ॥ म्हेंकस्युवचनप्रमाण ॥ तवबलीबोलीपडीआहोतासउपायहवेसांस लो ॥ जलथलखहचरजीव ॥ हणीकुलदेवीपुजोहोविघनसवेडरिटलो ॥ ॥ ६७॥ आतिकरमकरोइम ॥ वेदमासाषीविधिथीहोम्हेंकसुढांकीकाननें ॥ मातासीकहोवात ॥ आंतीकरमहिसाइहोकरतांलेवाप्राणनें ॥ ६८ ॥ घरमअ हिसामुख ॥ साप्योछेसकसाखेंहोतेहनेंवाधाकीमकरो ॥ मनथीहणीइजीव ॥ तोपणिसवमासमीइहोसवआयरथाइइस्तरो ॥ ६९॥ जेकरेपरनेडरक ॥ पामे पोतेतेहवुहोअफलकर्मजाइनही ॥ आतिकरमपणितास ॥ परनेंपापनचितेहो इहपरसवसूखीउसही ॥ ७० ॥ यत ॥ तेणेजहासघीमुहेगहीए ॥ सकम्मु णाकिच्चइपावकारी ॥ एवपयापेच्चइहचलोए ॥ कमाणकम्माणनमुखअछी ॥ १ ॥ कृतकर्म्मक्षयोनास्ती ॥ कल्पकोटीसतैरपी ॥ अवस्यमेवसोक्तव्य ॥ कृतकर्मशुभाशुभ ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ निजपरआतमजीव ॥ जेसरीखाकरी जाणेंहोतेणेमोक्षमारगनेंसाधीइ ॥ माताबोलीताम ॥ पुण्यपापपरीणामेंहो होइवेदतेइमआराधीइ ॥ ७१ ॥ यत ॥ जस्सनलिप्पईबुद्धी ॥ हतुणइमजग निरवसेस ॥ पावेणसोनलिप्पइ ॥ पकयस्सोसोवसलिलेण ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अथवाजोहोइपाप ॥ तोपणिकीजेंतनुनेंहोनिरोगतानेंकारणें ॥ कारणेंकरी

म्हेंपणिनवीदाप्योविकारेरे ॥ पूर्वपरिवरित्योंतदा ॥ २
॥१४॥ तू०॥ रयणीअनर्घनीपांणीगई ॥ करेकरणीनिजपरसांतिरे ॥
स्थानीकामरूपें ॥ मिलीराजकचेरीविख्यातरे ॥ ॥१५॥ तू०॥
॥ कहीपद्मविजयइमढालरे॥
॥१७॥तूं०॥ढ्ढा ॥ मत्रीमडलसेलुमल्यूं ॥ वारुकरेवीचार॥
ली॥पसणनिजपरकारा॥४८॥ पसणेंमत्रीइणिपरे ॥ अवसरनहीमहाराय ॥ सु
णधरकूमरप्रगुणनही ॥ राज्यसारनेंगाय ॥ ॥ परजानेंजेपालवी ॥
णधर्मकहत ॥ कहेनरपतीअल्पकुलतणी ॥ एहवीस्थितिआवत ॥
धरमनोदेषीनें ॥ रहेवुनहीघरमांहि ॥ मत्रीकहेतुम्हमनरुचि ॥ आदरीवेउ
ग्राहि ॥ ५१ ॥ अनुक्रमेंदिवसगयोवही ॥ रातिपडीतवराय ॥ वासंसूकमनो
मनविगर ॥ सूतोचित्तसूखदाय ॥ ५२ ॥ सेजरमतांकवणगुण ॥ आ
न्नइमन्ना॥ प्रितीविकणोप्रेमरस ॥ जाणेंअलूणकघन्न ॥५३॥ नयणेंआवीनिद्र
ही ॥ जामिनीपाडिलेजाम ॥ आव्युसूपनुएहवो॥साधुतेअसीराम ॥
देखीसहिआणीनी ॥ देषेसूपनुइम ॥ ७ ५
रें ॥ आवीयशोधरामाय ॥ प्रतिकुलसाषीपाम्योहोगयोसातमीसूमीनेंपरा
रें ॥ ५५ ॥ आविपुछेमाय ॥ आलोटतीआलोटतीहोवलिक्रउठीमेरुचम्यो ॥
इणसमेजाग्योजामातवम्हेंमनमांचिंत्यूहोएसूपनोविषमआवीअम्यो
पणिपरीणामेंचार ॥ स्युनिपजस्येएहथीहोतेहनीषवरपमेनही ॥ पणसाधम
परलोक ॥ करवामाम्युरुमुहोवलीजेथानारथाउसही ॥५७॥ धरमध्यानधीरं
मारातगइहवेवेगोहोआस्थानेंजईनेंमुद॥जोमीकचेरीतांमाआवियशोधामाता
होविनइउठयोक्रतवा ॥ ५८ ॥ मुरुपुछेसूषसात॥म्हेंकिषोपरणामहोपीडीक
इवेचारीआं ॥ एहथयुसलूकांम ॥ कहेस्युनीजअसिपायहोमाताजिवेद
हांआवीआं॥५९॥नकरुसजमवांत॥ लेहेमुरुनेंमाताहोसजमलेवामधीर्दि
सूपनजणावेवात ॥ अवाषीअंतरायहोआज्ञाकामाहरेहिव ॥ ॥ वचन
नमातछेलाय ॥ ६ प्रतिकारतेसाप्याहोमातपीताजाणांगमां॥ विरम्युचित्तवली

सावीसाववलीउ ॥ एआकणी ॥ तुझमुझम्हइजीवबुकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त
रे ॥ प्रकारांतरेमातमारी ॥ एहतूझनेंजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो० ॥ वोल्योकुर्क
टइणिअवसरें ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्रश्रुतीमां ॥ साषी
उविप्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो० ॥ एहएहनोकल्पसाप्यो ॥ जोएअवसरजा
सरे ॥ शब्दसूणीइतेहनोअथ ॥ करीश्वघवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो० ॥ ते
हकारणएहकुर्कट ॥ मारितूझुसकाजरे ॥ तवकश्युमेंमातसूणज्यो ॥ नकरू
एहअकाजरे ॥ ८९ ॥ अ० ॥ जिवहिंसाकरूनांहि ॥ तूम्हआणाजोहो
यरे ॥ तोमरुझएहनीश्वय ॥ अवरनहर्णकोयरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ मातक
हेतूकहेजोइम ॥ तोसुणिमाहरीवाणिरे ॥ पिठमयकुर्कटवनावी ॥ मारितूनि
जपाणिरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥ एतलूमुझवचनमांने ॥ इमकहीतरवाररे ॥ कूटीलेईनें
पमीपाए ॥ मुझवीजीवाररे ॥ ९२ ॥ अ० ॥ इमसूणीमुझमातनेहें ॥ नाए
नेत्रविलीनरे ॥ मातनुम्हेंवचनमान्यू ॥ मतीथईमुझदिनरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥
ज्ञानवझपणिआत्मअरथें ॥ कायनावेकाजरे ॥ दूरदेपेनयनपिणनिज ॥ रुप
देपेंनआजरे ॥ ९४ ॥ अ० ॥ लेप्पकारनेंझुकमकिधो ॥ कूकमानोतामरे ॥
तेहपीठनोकरीकुर्कट ॥ लावीउतिणठामरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ मातकुलदेवी
समीपें ॥ लेईमुझनेंजायरे ॥ कूकमोआगलितेथापी ॥ कहेमुझनेंमायरे ॥
॥ ९६ ॥ अ० ॥ म्यानथीएखमगकाढो ॥ तवकरयुम्हेंतेमरे ॥ माताकहेकूल
देवीनेंहवें ॥ घरीमुझस्यूप्रेमरे ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सूपनमाटुंपूर्वेदिठु ॥ तसनी
वारणथायरे ॥ एहकूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥
इमकहीमुझसानकीधी ॥ एहकुर्कटमारिरे ॥ मारीउम्हेंकूकमोजव ॥ पुला
कीधीतीधारे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ सिद्धकर्मासूपकारनें ॥ कहेदेवनीसेपरे ॥ रा
धितूएमासलेई ॥ हरपीइजेहदेपीरे ॥ ५०० ॥ अहो ॥ म्हेंकश्युरेमातएस्यू ॥
मासपाधेथायरे ॥ दाणध्यानतपनियममत्रह ॥ उपघवीलइजायरे ॥ १ ॥
अ० ॥ ऊरपाधूरुअभुजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ मासतवतवनरकघाले ॥
ऊ खदोसाग्यअपाररे ॥ २ ॥ अ० ॥ वैद्यउपर्धेमासआपे ॥ तेपणिएहनी

इंपाप ॥ तोपिएदोषनलागेहोवलीहोइविघननीवारणे
हे मात ॥ किहाथीपरीणामरुमोहो ॥ अकारजकरवुंछेजीहां ॥
षषाय ॥ तेनरकिहाथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥
जगअन्य ॥ हिंसाउपरिंसाप्युहोजिणेंसहुइजीववुईछता ॥ ।
तेपणिषोंटुंजाणोहोवलीजेहथीदोषनप्रीछता ॥ ७४ ॥ यत ॥ न
परमद्विकछ ॥ नपाणहिंसापरमअकछ ॥ नपेमरागापरमद्वीबधो ॥
लासापरमद्विलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउषूंपामेहो
जेअसयदानदातासदा ॥ सोसागीसीरदार ॥ परसवप।एजोज
नपामेतेकदा ॥ ७५ ॥ यत ॥ दीहाउउंसूरुवो ॥ निरोगोहोइअसयदाणेण ॥
जम्मतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाहणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंव्रत
पालवुश्रेय ॥ देहआरोग्यनेंकाजेंहोवलीपापकरीदेहस्यूकरु ॥ तिणेंमुकी
विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेहिंसामांचित्तनहीधरु ॥ ७६ ॥ चोपेई
मेढाल ॥ पनरमीएसाषीहोपणिमोसीनीइममतीपसी ॥ घनघनएनरराय ॥
जिवहिंआनवीकीधीहोइमपद्मविजयमुनिइईसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥ मायक
हेसुणिमाहरु ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहामानवु ॥ नहितीहां
शास्त्रनोअर्थ ॥ ७८ ॥ इमकहीनेंमुकपाइपमी ॥ तवम्हेंचित्यूइम ॥ ईतडेवाच
नेइतनेंई ॥ कष्टयुकरुकेम ॥ ७९ ॥ एकदिशाअबावयण ॥ अन्यदिशा
वयसग ॥ गुरुविपाकव्रतसगये ॥ सूणिउछेगुरुसग ॥ ८० ॥ इमचितवतो
अबनें ॥ कहेसूणोइकवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएघात ॥
॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईइ ॥ तेकीमकरीइमात ॥ अथवाहुमुकआलनो
घणतोकरस्यूघात ॥ ८२ ॥ पठेंमुकमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ इम
कहीखमगतेकाढीउ ॥ लाव्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आस्थानमकपमांच
यो ॥ कोलाहलतिणेकाला ॥ हाहाकारसहुईकहे ॥ कांमनकरोवीकराल ॥
॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तूगीआगिरीशिषरसोहे ॥ एदेशीउठीअबाकहेमकरो ॥ ता
हसएवमुइमरे ॥ करुआलीकहेअहोतूकनें ॥ मातउपरिप्रेमरे ॥ ८५ ॥ अहो

सावीसावबलीउ ॥ एआकणी ॥ तुझमुझम्हइजीववुकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त
रे ॥ प्रकारातरेमातमारी ॥ एहतूझनेंजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो० ॥ वोल्योकुर्क
टइणिअवशरें ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्रश्रुतीमां ॥ साथी
उविप्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो० ॥ एहएहनोकल्पसाप्यो ॥ जोएअवशरजा
सरे ॥ शब्दसूणीइतेहनोअथ ॥ करीइवघवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो० ॥ ते
हकारणएहकुर्कट ॥ मारितूशुत्तकाजरे ॥ तवकसुमेंमातसूणज्यो ॥ नकरू
एहअकाजरे ॥ ८९ ॥ अ० ॥ जिवहिसाकरूनांहि ॥ तुम्हआणाजोहो
यरे ॥ तोमरुझएहनीश्वय ॥ अवरनहर्णकोयरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ मातक
हेतूकहेजोइम ॥ तोसुणिमाहरीवाणिरे ॥ पिठमयकुर्कटवनावी ॥ मारितूनि
जपाणिरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥ एतलूमुझवचनमांने ॥ इमकहीतरवाररे ॥ फूटीलेईनें
पगीपाए ॥ मुझवीजीवाररे ॥ ९२ ॥ अ० ॥ इमसूणीमुझमातनेहें ॥ नाए
नेत्रविलीनरे ॥ मातनुम्हेंवचनमान्यू ॥ मतीथईमुझदिनरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥
ज्ञानवझपणिआत्मअरथें ॥ कायनावेकाजरे ॥ दूरदेपेनयनपिणनिज ॥ रुप
देपेंनभाजरे ॥ ९४ ॥ अ० ॥ लेप्पकारनेझकमकिधो ॥ कूकमानोतामरे ॥
तेहपीठनोकरीकुर्कट ॥ लावीउतिणठामरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ मातकुलदेवी
समीपें ॥ लेईमुझनेंजायरे ॥ कूकमोआगलितेथापी ॥ कहेमुझनेंमायरे ॥
॥ ९६ ॥ अ० ॥ म्यानथीएखमगकाढो ॥ तवकरयुम्हेंतेमरे ॥ माताकहेकूल
देवीनेंहवें ॥ घरीमुझस्यूप्रेमरे ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सूपनमाहुंपूत्रेंदिठु ॥ तसनी
वारणथायरे ॥ एहकूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥
इमकहीमुझसानकीधी ॥ एहकुर्कटमारिरे ॥ मारीउम्हेंकूकमोजव ॥ पुला
कीधीतीवाररे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ सिद्धकर्मासूपकारनें ॥ कहेदेवनीसेपरे ॥ रा
धितूएमासलेई ॥ हरपीइजेहदेपीरे ॥ ५०० ॥ अहो ॥ म्हेंकसुरेमातएस्यू ॥
मासपाधेथायरे ॥ दाणध्यानतपनियममत्रह ॥ उपघवीलइजायरे ॥ १ ॥
अ० ॥ फेरपाधूरुअमुजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ मांसलवसवनरकघाले ॥
ड खदोसाग्यअपाररे ॥ २ ॥ अ० ॥ वैद्यउपर्धेमासआपे ॥ तेपणिएहनी

श्पाप ॥ तोपिएदोषनलागेहोवलीहोश्विघननीवारणे
हे मात ॥ किहाथीपरीणामरुमोहो ॥ अकारजकरवुंढेजीहां ॥
षषाय ॥ तेनरकिहांथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥
जगअन्य ॥ हिंसाउपरिसाष्युहोजिणेंसङ्गश्जीववुईछता ॥ [illegible]
तेपणिषोटुंजाणोहोवलीजेहथीदोषनप्रीछता ॥ ७४ ॥ [illegible] ॥
परमद्विकद्ध ॥ नपाणहिंसापरमअकद्ध ॥ नपेमरागापरमद्वीवधो ॥
लासापरमद्विलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउषूंपामेहो
जेअसयदानदातासदा ॥ सोसागीसीरवार ॥ परसवप[illegible]
नपामेतेकदा ॥ ७५ ॥ यत ॥ दीहाउउंसूरुवो ॥ निरोगोहोश्असयदाणेण
जम्मतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाङ्गणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंव्रत
पालवुश्रेय ॥ देहआरोग्यनेंकाजेहोवलीपापकरीदेहस्यूकरु ॥ तिणेंमुकी
विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेहिंसामांचित्तनहीधरु ॥ ७६ ॥ चोवेस
मेढाल ॥ पनरमीएसाषीहोपणिमोसीनीश्ममतीषसी ॥ घनधनएनरराय ॥
जिवहिंशानवीकीधीहोश्मपद्मविजयमुनिश्ईसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥
हेसुणिमाहरु ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहांमानवु ॥ नहितीहां
शास्त्रनोअर्थ ॥ ७८ ॥ श्मकहीनेंमुकपाश्पमी ॥ तवम्हेंचित्यूश्म ॥ ईतडेवाच
नेश्तनई ॥ कष्टयुकरुकेम ॥ ७९ ॥ एकदिशाअबावयण ॥ अन्यदिशां
व्रयसग ॥ गुरुविपाकव्रतसगये ॥ सूणिउडेगुरुसग ॥ ८० ॥ श्मचितवतो
अबनें ॥ कहेसूणोश्कवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएघात ॥
॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईश ॥ तेकीमकरीश्मात ॥ अथवाङ्गमुकआत्मनो
घणतोकरस्यूघात ॥ ८२ ॥ पडेंमुकमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ श्म
कहीखमगतेकाढीउ ॥ लाष्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आरथानमनपवांच
यो ॥ कोलाहलतिणेकाला ॥ हाहाकारसङ्गश्कहे ॥ कांमनकरोवीकराल ॥
॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तूंनीआगिरीशिवरलोहे ॥ [illegible] ॥ ता
हसएवमुश्मरे ॥ करङ्गालीकहेअहोतूकनें ॥ मातउपरिप्रेमरे ॥ [illegible] ॥ अहो

क ॥ १५ ॥ एहविचारइणिअवसरे ॥ करवोनघटेकोय ॥ इमचितवतोबोली उ ॥ इमहीजकरवुंहोय ॥ १६ ॥ ढाल ॥ रागरवसाती ॥ हवइश्रीपालकुमार ॥ एदेशी ॥ चितेराणीइम ॥ एहसूपतिदिक्षालीइजी ॥ ऊनवीजाउसाथि ॥ तोलों केनिदिजीइजी ॥ १७ ॥ मरणलहेंजोराय ॥ तोपछेंमुझचितानहीजी ॥ नम रुजोरायनेंपीठ ॥ तोपिणमिसकाकुंअहिजी ॥ १८ ॥ पालबुबालनुराज्य ॥ व लीमत्रीमुखनाकहेजी ॥ एहवांजेहनीमित्त ॥ तेहकलकसवेदहइजी ॥ १९ ॥ मारणकरुअउपाय ॥ विषसोजनमांआपीइजी ॥ बेठोसोजनकांम ॥ तवस वीआहारतेथापीइजी ॥ २० ॥ नासामुखनेंढाकिआहारकरावबाआवीआंजी ॥ चतूरपुरुषसूजांण ॥ राणिपणितेमावीआंजी ॥ २१ ॥ सोजनअतेजांम ॥ उठेरायचलूकरीजी ॥ वचीसऊनीदृष्टि ॥ तबोलमांतवविषधरीजी ॥ २२ ॥ सषीउतेतबोल ॥ वासस्वूवनमांहिगयोजी ॥ आववामांम्युघेन ॥ विषविकार सबलोथयोजी ॥ २३ ॥ जमथईजीसअत्यत ॥ लोचनमीचाणातदाजी ॥ न खथयासामलवान ॥ मुखकमलाणमुझजदाजी ॥ २४ ॥ डखअनुंसवतोता म ॥ पमीउंसिहासनथकीजी ॥ खेदलहेपमीहार ॥ जोबेमुझसाहमुंचकीजी ॥ २५ ॥ हाहास्यूथयुएह ॥ इमकहीडुकमोआवीउंजी ॥ स्यूथयुरेमहाराया ॥ तवमुझउत्तरनावीउंजी ॥ २६ ॥ जांण्योएझेरवीकार ॥ बुबारवतिणेंकस्योजी घाउरलोकोघाउ ॥ रायसिहासनथीपम्योजी ॥ २७ ॥ तेमोविथसूजाण ॥ वि षविकारउतारवाजी ॥ चितेराणीताम ॥ रायनेपुरोमारवाजी ॥ २८ ॥ जोआ बेंइहविथ ॥ तोजीवाम्हेंपसणीजी ॥ इमचितवतीतेह ॥ हाहाकारमुखेंस णीजी ॥ २९ ॥ ताणीघुघटपुर ॥ मुझउपरिआवीपमीजी ॥ करतीवझआक द ॥ आसूधारानवीअमीजी ॥ ३० ॥ गलूदाथ्युतिणिवार ॥ मर्मपीमाइमरीग योजी ॥ आथ्युआरतध्यांन ॥ सवसघलोअहिलेंथयोजी ॥ ३१ ॥ सिलिड नांमेंपाढ ॥ दक्षीणदिशिमोरमीतणीजी ॥ कुंपिउपनोमोर ॥ एकदिनमोरमी नेंहणीजी ॥ ३२ ॥ लेईथ्याघजुवान ॥ दिधोगामतलारनेजी ॥ नवीआवीमु झपांख ॥ वेदनासऊतेकारणेंजी ॥ ३३ ॥ खमतोसूखअपार ॥ किमारवाउ

दुहारे ॥ विसऊदूरगधइडीमलची,॥ उपनुएअशारे ॥ [illegible]
सवर्जेसांसलोगुण ॥ चोरशकुनपीशाचरे ॥ सूतपहनेंअनमीएसी [illegible]
समाहोयसाचरे ॥ ३ ॥ अ० ॥ सूर्लेजीवेसदगतीहोय ॥ एजिन [illegible]
तीरे ॥ सूणोपरदरसनेंसाष्यु ॥ तेहसघलीरीतीरे ॥ ५ ॥ अ० ॥ [illegible]
माशवर्जे ॥ स्वर्गलोकेंजायरे ॥ मुनीविशिष्टकहेइणिपरि ॥ महाभारतमाहरे [illegible]
॥ ६ ॥ अ० ॥ यत ॥ जावद्जीवचयोमांस ॥ विषवत्परिवर्जयेत् ॥ [illegible]
टोसगवाच्चाह ॥ स्वर्गलोकेस्यसंस्थिति ॥ ९ ॥ यावतिपशुरोमाणि ॥ [illegible]
भेपुसारत ॥ तावद्वर्षसहस्राणि ॥ पच्यतेनरकेनरा ॥ २ ॥ आकाशनि [illegible]
विप्रा ॥ पततीमांससक्षणात्॥ विप्राणांपतितदृष्ट्वा ॥ त्याज्यमांशविवेकिभी [illegible]
॥ ३ ॥ शुक्रशोणितससूत ॥ मासयोस्वादतेनर ॥ तेजन कुरुतेशौचं [illegible]
तितेनदेवता ॥ ४ ॥ किंजापहोमनीयमें ॥ तिर्थस्नानैश्वसारत ॥ यदिस्वादती
मांसानी ॥ सर्वमेतत्निरर्थक ॥ ५ ॥ तिलसर्षपमात्रतू ॥ योमांसंसक्षतेनर ॥
सयातीनरकघोर ॥ यावच्चद्रदिवाकरौ ॥ ६ ॥ इत्यादिमहाभारते ॥ [illegible]
अवाबोलीपुत्रनकरो ॥ एहमांकांयविचारे ॥ वचनमाहरुसर्वमांग्यूं ॥ करते
एहनोआहारे ॥ ७ ॥ अ० ॥ सत्यमांसनएहकल्पित ॥ तेहमांस्योवोरे ॥
इमकहेमेंवचनमांग्यू ॥ किधोपापनोपोषरे ॥ ८ ॥ अ० ॥ जेहसाभ्यूंतेहकी
घू ॥ अशुभकर्मबधायरे ॥ सानुबधीबंधतिणेंसमें ॥ पन्थोतनविणरायरे ॥ [illegible]
॥ अ० ॥ बिजेदिनहवेकुअरभाप्यो ॥ राजअसीवेककिधरे ॥ प्रवज्यांहवें
ग्रहणहेतें ॥ उद्यमसबलोलीधरे ॥ १ ॥ अ० ॥ स्वमचोथेसोलमीए ॥ पद्मावि
जइलाखरे ॥ साधीसमरादित्यकेरा ॥ रासमांसूरसालरे ॥ २ ॥ अ० ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ नृपनेंकहेनयणावली ॥ आर्यपुत्रसूणोएक ॥ पुत्रराज्यसूखपेखी
नें ॥ करस्यूंकालिविवेक ॥ १ ॥ जेंचित्यूंमनमांहिएव ॥ बातएकेमविरुध ॥
रातिनेंहमणांकेरमी ॥ अहो २ चरीअअशुध ॥ १ ॥ अचवाईवपछिदेवीयें
जिवतोमुंकेजाणिमुआसार्थेकोईकमरई ॥ मारिचरीवपीठाए ॥ [illegible] विष
गतिनारीहोइ ॥ विषहरगतीपरेंवक ॥ मुंडवजाणेवाहिओ ॥ तेहनेंसजोनिश्चं

विकराल ॥ ५१ ॥ जु० ॥ तेहप्रहारथीलोहीवम्यो॥ मुक्योमुऊनेंताम॥ जु०॥ धरणीपिठपम्यांबिऊ ॥ शोकलसोसूस्वामि ॥ ५२॥ जु० ॥ मरणसमयअ म्हबिऊतणो ॥ जाणिवोलेराय ॥ जु० ॥ आर्यिकानेंजिमतातनो ॥ शोकहो येतिमथाय ॥ ५३ ॥ जु० ॥ कृष्णागुरुचदनवली ॥ काष्टलविगनांआ णि ॥ जु० ॥ दहनदिउंदीउंदांननें ॥ सर्गपमाऊवाजाणि ॥ ५४ ॥ जु० ॥ सांसलीमोरतेंचितवइ ॥ अहोइणितातनेंकाज ॥ जु० ॥ दा नादिकदीधाघणां ॥ पणिमुऊवेलाएआज ॥ ५५॥ जु० ॥ कीमाषाउसूर्पे मरु ॥ वलीस्वानेंमुऊखध ॥ जु० ॥ कर्मगुरुताइकरी ॥ तिरजचनीगतीस्व ध ॥ ५६ ॥ जु० ॥ प्राणगयाइणिअवशरें ॥ हवेउतपतीनोगाम ॥ जु०॥सूवे लगनपठीमदिशें ॥ दू प्रवेशवननाम ॥५७॥ जु० ॥ कटकदृक्षवऊलजीहा ॥ तिहांएककपईजीव ॥ जु० ॥ तेहनीकुर्पेउपनो ॥ ऊखलहेतोसदेव ॥ ५८ ॥ जु० ॥ माकांणीवापकुटलो ॥ ऊखसहेतांमुऊजोय ॥ जु० ॥ कालप्रसवबि नाजनमीउं ॥ करमनेंशरमनहोय ॥ ५९ ॥ जु० ॥ सूपथकीनासीगयु ॥ ज ननीथणमादूध ॥ जु० ॥ ऊसूर्पेपाउगोपरु ॥ अनुक्रमेंथयोवध ॥ ६०॥ ॥ जु० ॥ इणिअवशरमायकुतरो ॥ मुउंआरतध्यांन ॥ जु० ॥ तिणहीजवन माउपनो ॥ नागतेवीपनुथान ॥ ६१ ॥ जु० ॥ विहुममणीपरिलोयणां ॥ अ धकारनीराशि ॥ जु० ॥ चपलजीसदोयलपलपे ॥ दिशतोकाउपास ॥ ६२ ॥ ॥ जु० ॥ दईरनुसरुणकरे ॥ तवमेंविगरविचारि ॥ जु० ॥ पकम्योपुउथी नागनें ॥ तसपणिकोपअपारि ॥ ६३ ॥ जु० ॥ मसीउंमुऊवदनेंतदा ॥ माहो माहिघरीपार ॥ जु० ॥ पाईशविऊपरस्परे ॥ इणिअवसरतिणिवार ॥ ६४ ॥ ॥ जु० ॥ आविरीउमुऊनेंपस्यो ॥ पावामांम्योताम ॥ जु० ॥ त्रटत्रटत्रोमेशि रातिहां ॥ चटचटफामेचाम ॥ ६५ ॥ जु० ॥ घटघटशोणीतपीवतो ॥ कम २ मरमेहाम ॥ जु० ॥ तिमपातां २ थकां ॥ पोहतीतासरुहामि ॥६६॥ जु०॥ तेसब्दथीमानुवीहतो ॥ नाठोकलेवरऊाम ॥ जु० ॥ जीवपपीउमीगयो ॥ ते हथानिकनेंगामि ॥ ६७॥ जु०॥ तेहविशालानयरीइ ॥ ऊटोदकानदीनाम ॥

नितप्रतेंजी ॥ तिणेंपापेंमुऊदेह ॥ पामीवीस्तारकालजजतेजी
तणोथयोसार ॥ नाटिकमुऊनेंसीषव्यूजी ॥ रुमोजांणीतेह ॥
दाषव्यूजी ॥ ३६ ॥ गुणघरजेमुऊपुत्र ॥ सेटिजाणीनेंराषीउंजी ॥ [illegible]
माय ॥ जिणेंप्रांणीवधदाषीउंजी ॥ ३७ ॥ तेमुऊमरणनेंदिन्न ॥ [illegible]
वशतेमरीजी ॥ करहाम्देशेंगांम ॥ धान्यपुरकनामेंपुरीजी ॥ ३
तरीगरसेंआय ॥ उपनीतेंकूतरापणेंजी ॥ जनमथयोजबतास ॥ मोठो[illegible]
तिहांकिणेंजी ॥ ३८ ॥ जाणेंमननीवात ॥ मोकल्योगुणघरसूपस[illegible]
सार्थेआव्यादोय ॥ आस्थानससासूपजतणीजी ॥ ३९ ॥ नयरीविश्वास[illegible]
हे ॥ रायनेंप्रीतीघणीथइजी ॥ प्रसस्याअम्हदोय ॥ [illegible]
॥ ४० ॥ चोथेखमेढाल ॥ सत्तरमीसोहामणीजी ॥ पद्मविजयकहेएह [illegible]
वीजनमनसूखकामणीजी ॥ ४१ ॥ डुहा ॥ अकालमृत्युनामेंअठे ॥ [illegible]
घीपसीरदार ॥ स्वानतेतेहनेंसुपीउ ॥ आंणीहर्षअपार ॥ ४२ ॥ निलकंठ[illegible]
रायनो ॥ पालकेंपषीजाती ॥ मुऊनेंआप्योमोदस्यू ॥ [illegible]
॥ ४३ ॥ प्रजापालणवलीपारघी ॥ अतीवल्लसमुऊएह ॥ स्वाननेंजतनेंसाच
वे ॥ जिवघातकरेतेह ॥ ४४ ॥ वचनप्रमाणकरीवल्यो ॥ केतोहिकगयोअ
ल ॥ पालताअम्हप्रेमस्यु ॥ वातसूणोषीकराल ॥ ४५ ॥ ढाल ॥
पमानी ॥ एकदिनप्राद्यादउपरें ॥ इन्द्रनिलजिहांगोप ॥ जुउंगतीकर्मनी ॥ [illegible]
यणावलीचित्रशालिमां ॥ करतिकूबजस्यूजोष ॥ ४६ ॥ जु० ॥ गोपषीको
रमाननी ॥ देषीउपनुज्ञान ॥ जु० ॥ जातीसमरणजेहनें ॥ आव्यूआरतध्या
न ॥ ४७ ॥ जु० ॥ क्रोधवसेंतिहांकलकल्यो ॥ चचुनखेंकरेचोट ॥ जु०
लोहलाठीलेईकूबजनी ॥ मुऊउपरिकरेदोट ॥ ४८ ॥ जु० ॥
ढलथयो ॥ पमीउमार्गसोपान ॥ जु० ॥ कुबटुखेलेराजीउ ॥ [illegible]
थान ॥ ४९ ॥ जु० ॥ राणीनाअनुचरआवीआ ॥ पहोंचकहेतावाषि
जु० ॥ तेहकोलाहलसांसली ॥ आव्योजननीस्थान ॥ ५० ॥ जु० ॥ पकडयो
मुऊनेंकूतरे ॥ देषीतेहसूपास ॥ जु० ॥ हाहारवकरतांहण्यो ॥ तेहस्थान

रथेंमातसोगवतां ॥ दिठोजुयपतीजोगवतरि ॥ जु० ॥ क्रोधइंमर्मदेशेंमुऊमा
स्यो ॥ निजवीरजमांअवतारयोरे ॥ ८४ ॥ जु० ॥ यत ॥ कम्ममलविनमी
एए ॥ तद्धमरतेणमदसंगोण ॥ अप्पाऊअप्पणवीय ॥ जणीउजणणीएगस्स
मी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दुकमोप्रसवकालजवआयो ॥ गयोआहेमेनररायोरे ॥
॥ जु० ॥ आहेमेथीवलीउराय ॥ तिहाषेत्रमांबकरीदेखायरे ॥ ८५ ॥ जु० ॥
गर्सथीहलकें २ चाले ॥ रायरवालीआव्यातेसालेरे ॥ जु० ॥ बाणनाष्युबकरीनें
वागु ॥ हरष्योनृपलहनेलागुरे ॥ ८६ ॥ जु० ॥ गर्सजाणीनेंपेटविदार्यु ॥
तिहाम्हेंतोजीवीतधार्युरे ॥ जु० ॥ मुष्योअजापालनेंतिहाराइं ॥ तेपणिबी
जीनुयणपाइरे ॥ ८८ ॥ जु० ॥ पारधीफलकाजेकुलदेवी ॥ पुजेमहीषतणी
बलदेवीरे ॥ जु० ॥ पनरपामासोजनकाजे ॥ मराव्यागुणधरराजेरे ॥ ८७ ॥
जु० ॥ ब्राह्मणअरथेंमांसरधाव्यो ॥ मुऊनेंबारणेंबधाव्योरे ॥ जु० ॥ मेपपवीत्र
मुखोकहेवाय ॥ काकशुनकबोट्यूनरववायरे ॥ ८९ ॥ जु० ॥ तिणेंमुऊनेंसु
घामीजिमीआ ॥ विप्रेंआचमनतेकरीआरे ॥ जु० ॥ अतेउरलेइराजाआव्योरे ॥
देषीमुऊमनमांसाव्योरे ॥ ९० ॥ जु० ॥ जातीसमरणउपनुंज्ञान ॥ थयुसर्व
वृत्तांतविज्ञानरे ॥ जु० ॥ ब्राह्मणबेठाहारोहार ॥ प्रणम्याम्हेंचित्तउदाररे ॥
॥ ९१ ॥ जु० ॥ विप्रकहेएतातनीपांति ॥ एआर्यिकानीवलीषांतिरे ॥ जु० ॥
एकुलदेवीनीपकतीजोणी ॥ तवम्हेंचित्युमनआणिरे ॥ ९२ ॥ जु० ॥ एमु
ऊपुत्रकरेमुऊअर्थे ॥ पणिसवीजाइष्यर्थेरे ॥ जु० ॥ सोजनेंबेठोसऊपरी
वार ॥ नवीदिठीनयणावलीनारिरे ॥ ९३ ॥ जु० ॥ इणिसमेदाशीपरस्पर
साथे ॥ कहोमांसऊर्गंधतादापइरे ॥ जु० ॥ महिषतोताजाहणीआसूपें ॥ तव
एकबोलीकरीचूपेरे ॥ ९४ ॥ जु० ॥ प्रेममजुपासुणितूवात ॥ मांसनोनवीगं
धआयातरे ॥ जु० ॥ नयणावलीइमहजेपाघो ॥ अजिरणेंथयोकोढतेबाधोरे
॥ जु० ॥ ९५ ॥ तासरीरनीदूर्गंधलावे ॥ वायरोजेफरसीनेंआवेरे ॥ जु० ॥
एककहेसुणिसुंदरीवीजु ॥ ताहरीवातसांसलीषीजुरे ॥ जु० ॥ ९६ ॥ रायनें
फेरदेशनेंमारयो ॥ तेपापव्याजेबधार्योरे ॥ जु० ॥ एककहेएमकरोवात ॥ प

॥ जु० ॥ मोटाइहमांमाळली ॥ कुरवेंउपनोतांम ॥ [illegible] ॥ जु० ॥ [illegible]
नीजातिमां ॥ हवेजेकालोसाप ॥ जु० ॥ एहनदिमांउपमो ॥ [illegible]
पाप ॥ ६ ए ॥ जु० ॥ चोथेखमेअढारमी ॥ ढालकहीमनोहार ॥ जु० ॥ [illegible]
विजयकहेसांसलो ॥ सूणतांजय २ कार ॥ [illegible] ॥ जु० ॥ [illegible]
॥ ढहा ॥ मळअनेंसूसमारते ॥ अनुक्रमेंमिलिआवोय ॥ पकमयोमुळतेमु[illegible]
थी ॥ सुसमारेघरीसोय ॥ ७२ ॥ इणिअवसरिआवीतीहां ॥ [illegible]
त ॥ चेमीनामचिलाईका ॥ देषीऊपावेत ॥ ७३ ॥ मुळनेमुकीतिहसतें [illegible]
कमयोदासीपाय ॥ नदीमांहेंनासीगयो ॥ ऊतोकरतोहाय ॥ [illegible]
रेवापमी ॥ पकमीराषीपाणि ॥ माठीआव्यामोकला ॥ [illegible]
॥ ७४ ॥ मुकावीतमानिनी ॥ मारयोतेसूसमार ॥ कालकेतोईकआतीकर्ते [illegible]
आगलिसूणोअधीकार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ म्हारीसहीरेसमाली ॥ [illegible]
कदिनमांठीइनांषीजाला।पकमयोमुळततकालरे ॥ जुउकर्मकमाणी ॥ [illegible]
ठजाणीनेंसेटणकिघू ॥ तेतोगुणधरराजाइलिधूरे ॥ ७६ ॥ जु० ॥ [illegible]
लीनेंपासेंलायो ॥ सूपतीमनहरषतेपायोरे ॥ जु० ॥ कहेनिजमातनेंपुळ[illegible]
आ। रघावोतातउहेसरो।७आजु०॥ वलीअद्धापणिमनमांधारो ॥ [illegible]
अवधारोरे ॥ जु० ॥ आपणमाटेउपल्योसाग ॥ पकतलीनेंरघावज्योपा[illegible]
॥ ७८ ॥ जु० ॥ एसांसल्यूवलीनयणेंदीठु ॥ उपनुजातीसमरणमीठुरे ॥ जु० ॥
इमसांसलीपुढखमतेमाहरो ॥ आप्योब्राह्मणनेंकरीप्यारोरे ॥ [illegible] ॥ जु० ॥
सेपसरीरतेढोलीकरीनें ॥ माहिंश्रिगमुहीगसरीनेंरे ॥ जु० ॥ सीध्योहमपरनें
वलीनीर ॥ उपजावीअतीमुळपीररे ॥ ८० ॥ जु० ॥ मांपछसरीतावमीमांस
लीउ ॥ सवीजाणक्षानेंखलसलीउरे ॥ जु० ॥ पणिधर्मध्यांनतोआव्यूमांही ॥
महातिव्रवेदनामाहीरे ॥ ८१ ॥ जु० ॥ इमदृढकर्मनीगळवधाणो ॥ मारकम
मवेदनटाणोरे ॥ जु० ॥ तोहीसरीरथीजीवनजाय ॥ इणिसमेंसूसमारजोआवो
॥ ८२ ॥ जु० ॥ चमालपाछेतेवकरीआई ॥ विद्याखानयरीमांआईरे ॥ जु० ॥
तेहनीकुषेअजऊऊउ ॥ पाम्योयौवनआगलिजुउरे ॥ ८३ ॥ जु० ॥ [illegible]

रथेंमातसोगवतां ॥ दिठोजुयपतीजोगवतारे ॥ जु० ॥ क्रोधइंमर्मदेशेंमुऊमा
स्थो ॥ निजवीरजमांअवतारयोरे ॥ ८४ ॥ जु० ॥ यत ॥ कम्ममलविनमी
एण ॥ तद्दमरतेणमदसगोण ॥ अप्पाऊअप्पणवीय ॥ जणीउंजणणीएगस्स
मी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दुकमोप्रसवकालजवआयो ॥ गयोआहेमेनररायोरे ॥
॥ जु० ॥ आहेमेयीवलीउंराय ॥ तिहांपेत्रमाबकरीदेखायरे ॥ ८५ ॥ जु० ॥
गर्सथीहलके२चाले ॥ रायरवालीआव्यातेसालेरे ॥ जु० ॥ बाणनाप्युबकरीनें
वागु ॥ हरष्योवृपलहनेलागुरे ॥ ८६ ॥ जु० ॥ गर्सजाणीनेंपेटविदारयु ॥
तिहाम्हेंतोजीवीतघास्युरे ॥ जु० ॥ सुप्योअजापालनेंतिहांराइं ॥ तेपणिवी
जीनुयणपाइरे ॥ ८८ ॥ जु० ॥ पारधीफलकाजेकुलदेवी ॥ पुजेमहीपतणी
बलदेवीरे ॥ जु० ॥ पनरपामासोजनकाजे ॥ मराव्यागुणधरराजेरे ॥ ८७ ॥
जु० ॥ ब्राह्मणअरथेंमासरघाव्यो ॥ मुऊनेंबारणेंबधाव्योरे ॥ जु० ॥ मेपपवीत्र
मुखोकहेवाय ॥ काकशुनकबोट्यूनखवायरे ॥ ८९ ॥ जु० ॥ तिणेंमुऊनेंसु
घामीजिमीआ ॥ विप्रेंआचमनतेकरीआरे ॥ जु० ॥ अतेउरलेश्राजाआव्योश्रा
देवीमुऊमनमांसाव्योरे ॥ ९० ॥ जु० ॥ जातीसमरणउपनुज्ञान ॥ थयुसर्व
वृत्तांतविज्ञानरे ॥ जु० ॥ ब्राह्मणवेठाहारोहार ॥ प्रणम्याम्हेंचित्तउदाररे ॥
॥ ९१ ॥ जु० ॥ विप्रकहेएतातनीपांति ॥ एआर्यिकानीवलीपांतिरे ॥ जु०॥
एकुलदेवीनीपकतीजांणी ॥ तवम्हेंचित्युमनआणिरे ॥ ९२ ॥ जु० ॥ एमु
ऊपुत्रकरेमुऊअर्थे ॥ पणिसवीजाइंव्यर्थेरे ॥ जु० ॥ सोजनेंबेठोसऊपरी
वार ॥ नवीदिठीनयणावलीनारिरे ॥ ९३ ॥ जु० ॥ इणिसमेदाशीपरस्पर
साथे ॥ कहोमांसऊंघतादापश्रे ॥ जु० ॥ महिपतोताजाइणीआसूपें ॥ तव
एकबोलीकरीचूपेरे ॥ ९४ ॥ जु० ॥ प्रेममजुपासूणितूवात ॥ मांसनोनवीग
धआयातरे ॥ जु० ॥ नयणावलीइमठजेपाधो ॥ अजिरणेंथयोकोढतेबाधोरे
॥ जु० ॥ ९५ ॥ तासरीरनीदूर्गंधलावे ॥ वायरोजेफरसीनेंआबेरे ॥ जु०॥
एककहेसुणिसूदरीबीजु ॥ ताहरीवातसांसलीपीजुरे ॥ जु० ॥ ९६ ॥ रायनें
फेरदेशनेंमास्यो ॥ तेपापव्याजेबधास्योरे ॥ जु० ॥ एककहेएमकरोवात ॥ पं

टकर्णमत्रसेदातरे ॥ ७ ॥ जु० ॥ उठोअन्यठेकाणेंजईई ॥
वीलहीरे ॥ जु० ॥ तेउठिचालीअन्यठांम ॥ तवम्हेंजोयुठांमठांमरे॥
॥ ६८ ॥ एकणपासेंवेठीदीठी ॥ नयणांवलीडुरकउकीठीरे ॥ जु० ॥
सहसगमेदूखदेती ॥ कर्मउदयथतांवारकेतीरे॥ [illegible]॥ जु०
साषी ॥ सलीउंगणीसमीचित्तराषीरे ॥ जु० ॥ पद्मा
कोईनकरज्योसाईरे ॥ [illegible] ॥ जु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ [illegible]
॥डहा॥ मेषपणेंचित्यूमनें ।केहषाकर्मवीपाकाउदइआव्याएहनें ।राणीकइवक
क ॥५१॥ नयणवयणथणजेहनां ॥ जितेंजुवतीजगत्त ॥ कमलचदनेंकुंत
नी ॥ उपमअघीकीवत्त ॥ २ ॥ तपसीपणिमुनीवरतणां ॥
चोर ॥ हवेकामीजनहैयमलू ॥ कठिणनसिजेंकोर ॥ ३ ॥
अवसरें ॥ रायकहेसूपकार ॥ महिषनुनरुचेमांसए ॥ आणोअन्यउदार ॥
॥ ४ ॥ आणारायनीआकरी ॥ सूपकारससाल ॥ कालक्षेपनासवच
की ॥ तेमुऊनेंततकाल ॥५॥ एकपासुढेषूशणि ॥ समधुसूपतीकाम ॥ वि
पजावीनररायनें ॥ मोकलीउघरीमांम ॥६॥ तातनेंपुण्यसणीतीहां॥
शविशेष ॥ कांयकनयणावलीकनें ॥ षाइआपजेशेष ॥ ७ ॥
मारु ॥ सागरीआतूममगर्वकरे ॥ एवेशी ॥ शणिअवसरेंमुऊमातजेवकरी ॥
मारीगुणघरराय ॥ तेहकलिगदेशेंथयोपाप्तो ॥ अनुक्रमेंमोहटोचायरे ॥
सूणोसवीकोमतकर्मकरो ॥ इमकिमसवजलधीतरोरे ॥ एआकणी ॥ सार
वहीआव्योतिणेंनयरी॥नदीउतरेजेते ॥ सूपतूरगआव्योजलपीवा ॥ मारवो
तसतेतेरे ॥ ६ ॥ सू ॥ रायनेंपवरकरीतेपुरषें ॥ रायकहेलावो ॥ तवलाव्या
तेपुरुपमहीपनें ॥ कोपथयोचावोरे ॥१०॥ सू ॥ रायकहेसूपकारनेंइहिप
रि ॥ एहदूटपाप्तो ॥ एहनेंजीवतांसमथुकरज्यो ॥ दूखदेवणगामोरे ॥[illegible]
सू० ॥ तिणेंपणिसयलदीशालोहकीला ॥ जोकीवांव्योतास ॥
लेंतरीमुकी ॥ कर्मतणोनहीनास ॥१२॥ सू ॥ तिमकुहींगलवणवाहिंमुंकी ॥
चोकफेरकरीआग ॥ खईरकाष्टहोमेंहवइअगनी ॥ वलतीनहीकोयवाल ॥

॥१३॥ सू० ॥ कठहोउतालूअतीसूकें ॥ तरपापणितेहवी ॥ उष्णक्षारजल पीतांवेदन ॥ पामेंनरकजेहवीरे ॥ १४ ॥ सू॥ देहमाहितवआगितेउठी ॥ मांसनीकल्युंवीअपास ॥ रायकहेंहवेमहिषनुसमथु ॥ लावोहमारीपासरे ॥ ॥ १५ ॥ सू॥ जिणें२दिठतेमाठजपाकू ॥ छेदीतेतेअठ ॥ सूपकारमोकले नरपतीनें ॥ तोहिजायनहीहठरे ॥ १६ ॥ सू॥ घीरेमीवलीलूणवाटीनें ॥ घा ल्यूदूखदेवा ॥ पीरसनारोरायनोआव्यो ॥ विजुमांसलेवारे ॥ १७ ॥ सू॥ सूपकारेंतससाहमुनीरष्यू ॥ तवतेणेंमरषाधो ॥ रोमकप्यांगलीउंतसगाढो ॥ हामवधवांधोरे ॥ १८ ॥ सू॥ समकालेंम्हेंसेसमेकिधो ॥ कालमरीनेदोय ॥ विशालापुरीश्चमालपामे ॥ कुकमीउदरेंजोयरे ॥ १९ ॥ सू० ॥ मार्जारश्रम मातापकमी ॥ उकरमेलेश्जाय ॥ खातांअमयुगलतिहांपमीउ ॥ गयोमार्जा रतेठायरे ॥ २० ॥ सू॥ अलउपरितिहासूपमुढांक्यू ॥ चमालिणीआवी ॥ तेहनीवाफथकीअमेजीव्यां ॥ एपणिजुउंसावीरे ॥ २१ ॥ सू॥ श्माफो मीअम्हेनिकल्यावाहिर ॥ चमालसूतपाले ॥ पिठसारचद्रचद्रीकासहस ॥ कुउंतरुणकालेरे ॥ २२ ॥ सू॥ अरघीचणोठीसरिपीचुला ॥ दिठांकोटवालें ॥ रायखेलणजोग्यजांणीमहियां ॥ नृपनेंदेपालेरे ॥ २३ ॥ सू ॥ राजाहरष लहीनेसूप्यां ॥ कोटवालनेंसापे ॥ जिहा२जाउतिहा२एहने ॥ लावजेमुझ सापेंरे ॥ २४ ॥ सू० ॥ तहतकरेकालदमकोटवालह ॥ हवश्एकदिनराजा ॥ अतेउरस्यूरमवाचाल्यो ॥ क्रिमावसतताजारे ॥ २५ ॥ सू ॥ कुसूमाकरउ यानेंपोहतो ॥ तवकोटवालअमलेय ॥ राजाकेलिघरेकरेक्रीमा ॥ राणिस्यु वक्रसेयरे ॥ २६ ॥ सू॥ अलनेंकोटवाललेईआव्यो ॥ अशोकदत्तपती ॥ तिहांससीप्रसआचारजदिठा ॥ मुनीवरवक्रउपांतिरे ॥ २७ ॥ सू॥ विसमी ढालेंएचोथेखमे ॥ समरादित्यरासें ॥ पद्मविजयकहेमुनीवरमिलीया ॥ स घलूसूखथास्येरे ॥ २८ ॥ सू ॥ उहा ॥ अलीकवदनाशंणिकरी ॥ धर्मलास दिश्साध ॥ तपसिरीदेपीतेहनी ॥ सूणितसवयणसमाधि ॥ २९ ॥ उपसम कायकआंणीनें ॥ पुठेधर्मप्रपच ॥ साधुकहेसाधारणो ॥ सर्वनोएकजस

च ॥ ३० ॥ प्रीछेतत्वनप्राणीआ ॥ मुढगणेमनसेय ॥ तेहधर्मसूणतांमकां ॥ उपजेनहीकोइषेय ॥ ३१ ॥ ढाल ॥ [illegible] ॥ त्रि विधेंहिंसावर्जवी ॥ अलिकनसाषवीवाणीरे ॥ विगरविधुकल्पेंनही ॥ एक तृणसलीअप्रमाणरे ॥ ३२ ॥ सासलोश्रीगुरुदेशना ॥ सावधरीसवीजीवरे ॥ त्रिविधेंअब्रह्मवर्जवुं ॥ अब्रह्मेंहोयकलीवरे ॥ [illegible] ॥ नवविधपरीग्रहवर्ज वो ॥ रात्रीसोजनटालीरे ॥ दोषबेंतालीसवर्जवा ॥ आहारतणासस्ताखिरे ॥ ॥ ३४ ॥ सा ॥ मृगवासीकबोल्योतदा ॥ एहतोमुनीवरधर्मरे ॥ पणिकहोसा गारीतणो ॥ मुनिकहेतेहनोमर्मरे ॥ ३५ ॥ सा ॥ श्रावकनांव्रतबारजे ॥ स सलावेमुनीरायरे ॥ सासलीकहेमुनीवरषरु ॥ पणिएम्हेंनकरायरे ॥ [illegible] ॥ सा ॥ वेदमांपसूवधसापीउ ॥ कुलकरमागतजेहरे ॥ पुरवपूरुषेंआचर्यो ॥ ढांमीनसकूतेहरे ॥ ३७ ॥ सां ॥ सूरीकहेजोनवीतजे ॥ तोएकुर्कटजोमिरे ॥ डुखपांम्यातिमपांमस्यो ॥ लहेस्योअनर्थनीकोमिरे ॥ [illegible] ॥ सा ॥ कोट वालकहेकिमप्रसू पाम्याअनर्थसमारे ॥ तवमुनीवरघुरथीकहे ॥ अमचू चरीत्रउदारे ॥ ३९ ॥ सा ॥ जिमपीउकुर्कटनेंहण्यो ॥ जिमदूखपाम्योअ त्यतरे ॥ श्रुतज्ञानीगुरुइतिहा ॥ सस्तलाव्योविरततरे ॥ [illegible] ॥ सां ॥ [illegible] ॥ सिहीसाणसप्पपसवा ॥ मिणोहरएअईअमेशाय ॥ महीसयकुकमपस्की ॥ जायासशारजलहिमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बुझ्योदमवासिकतिहां ॥ सांसली श्रीगुरुवाणिरे ॥ कहेगुरुजीमाहरेसस्यु ॥ हिंसाअनर्थनीखाणिरे ॥ [illegible] ॥ सा ॥ व्रतआपोश्रावकतणां ॥ तवगुरुजिनउपदेश्योरे ॥ पचनमस्कारआपी उ ॥ तेहनोमर्मप्रकास्योरे ॥ ४२ ॥ सा ॥ प्राणातीपातप्रमुखवली ॥ उचरा व्यांव्रतबारे ॥ हवेनिजचरीत्रतेसासली ॥ कुर्कटहर्षअपारे ॥ ४३ ॥ सा ॥ जातीसमरणपामीआ ॥ उपनोवझसतोपरे ॥ सूवनगुरुनाधर्मनी ॥ पाम्यावो धिनोपोपरे ॥ ४४ ॥ सा ॥ सानुवधीकर्मनीउव्या ॥ हरपनमायोअंगेरे ॥ ति णेंकूकमुकुवोलीआ ॥ राचतानाचतारंगेरे ॥ ४५ ॥ सा० ॥ इणिअमशरवर पतीतिहा ॥ राणीजयावलीसगरे ॥ सोगसोगवतासासल्यो ॥ कुर्कटशब्द

सूचगरे ॥ ४६ ॥ सा ॥ धनुषेंतिरचढावीउ ॥ राणिनेंकहेइंमरे ॥ देषितुअ
ब्दवेधीपण ॥ कुर्कटमारूएप्रेमरे ॥ ४७ ॥ सा ॥ षेंचीवाणनेंमुकीउ ॥ मा
स्याअमनेंतेणरे ॥ राणीजयावलीसोगवी ॥ ततषिणजेसूपेणरे ॥ ४८ ॥ सा० ॥
तसकुषेंअमेउपना ॥ वोधीतणेंपरसावेरे ॥ गर्भप्रसावेदोहलो ॥ उपनोतेसूणो
सावेरे ॥ ४९ ॥ सा० ॥ असयदानदेउजीवनें ॥ एहवाकुआपरीणामरे ॥ अ
सयदांनदीधूघण ॥ जनमथयोअमतामरे ॥ ५० ॥ सा० ॥ दोहदपरिमाणेंठ
वे ॥ नामहमारोतातरे ॥ कुसुतअसयरुचीठव्यो ॥ विजीअसयमतीजातरे ॥
॥ ५१ ॥ सा० ॥ हवेनरपतीमनचिंतवे ॥ पुत्रठवुजुवराजरे ॥ पुत्रीनोवलीवी
वाहकरू ॥ एदोयउठवकाजरे ॥ ५२ ॥ सा० ॥ इणिप्रवसरेंनृपनीकल्यो
आहेमेपुरवाहररे ॥ पोहतोवीशालाउद्यानमां ॥ सार्थेनीजपरीवाररे ॥ ५३ ॥
॥ सा० ॥ वायुकुसूमसूरसोतीहां ॥ जांणीजोयुउद्यानरे ॥ तिलकवृक्षनेंढुक
मा ॥ दिठामुनीगतध्यानरे ॥ ५४ ॥ सा० ॥ सूदत्तनामेंमुनीवरु ॥ देषीकोप्योसूपरे ॥
पारधीमांअसूकनथया ॥ पमीउंचिताकूपरे ॥ ५५ ॥ सा० ॥ करीउपद्रवए
हनेंहवे ॥ मानुंसूकुननिदानरे ॥ हूहूकारकरीमुकीआ ॥ मुनीउपरिमाहास्वान
रे ॥ ५६ ॥ सा० ॥ वेगेंजालिमजमसमा ॥ आव्यामुनीवरपासरे ॥ जाजुल्य
मानअगनीपरे ॥ मुनीवरदेहप्रकासरे ॥ ५७ ॥ सा० ॥ तपतेजतेनसक्यास
ही ॥ उषधीगधजीमनागरे ॥ निरविषतिमनिप्रसाथया ॥ तेहशुनकरेराग
रे ॥ ५८ ॥ सा० ॥ तपपरसावेंप्रदक्षिणा ॥ देईस्वाननोवदरे ॥ मस्तकधरतीइ
पोसीनें ॥ प्रणमेतेहमुणिंदरे ॥ ५९ ॥ सा० ॥ श्रीसमरादीत्यरासमां ॥ चोथेप
मेढालरे ॥ एकवीसमीपदमेंकही ॥ सूणतांमगलमालरे ॥ ६० ॥ सा० ॥ ढहा ॥
देषीअचरीजदूरथी ॥ उपनुचित्तमांश्म ॥ स्वानपुरुषएसमकणा ॥ नहीनर
स्वानकुनेम ॥ ६१ ॥ तपचरणेंमुनीततपरा ॥ अकूशलचित्यूआज ॥ इणिस
मेपुरीथीआवीउ ॥ केईजनवदनकाज ॥ ६२ ॥ जिनघरमेंसावीतजिके ॥
अरहदत्तइणनाम ॥ सेठपुत्रसोहामणो ॥ आव्योवदनआम ॥ ६३ ॥ मेदनी
पतीनोमीत्रते ॥ दिठोनृपअवदात ॥ मुनीउपसर्गतेमोटिको ॥ परलोकनोकरे

च ॥ २० ॥ प्रीठेतत्वनप्राणीआ ॥ मुढगणेमनसेय ॥ तेहधर्मसूणतांपकांत
उपजेनहीकोश्षेय ॥ ३१ ॥ ढाल-॥ [illegible] ॥ वि
विर्धेहिंसावर्जवी ॥ अलिकनसांपवीवाणीरे ॥ विगरदिधुकल्पेंनही ॥
तृणसलीअप्रमाणरे ॥ ३२ ॥ सांसलोश्रीगुरुदेशना ॥ [illegible]
त्रिविर्धेअब्रह्मवर्जवुं ॥ अब्रह्मेंहोयकलीवरे ॥ [illegible] ॥
वो ॥ रात्रीसोजनटालीरे ॥ दोपर्वेतालीसवर्जेवा ॥ आहारतणासस[illegible]रे
॥ ३४ ॥ सां ॥ मुनवासीकवोल्योतदा ॥ एहतोमुनीवरधर्म्मरे ॥ पणिकहोसा
गारीतणो ॥ मुनिकहेतेहनोमर्मरे ॥ ३५ ॥ सा ॥ श्रावकनांव्रतबारजे [illegible]
सलावेमुनीरायरे ॥ सासलीकहेमुनीवरवरु ॥ पणिएम्हेंनकरायरे
सा ॥ वेदमांपसूवधसाषीउ ॥ कुलकरमागतजेहरे ॥ पुरवपूरुषेंआचर्यो ॥
ढामीनसकूतेहरे ॥ ३७ ॥ सां ॥ सूरीकहेजोनवीतजे ॥ तोएकुर्कटजोमिरे ॥
डुखपांम्यातिमपामस्यो ॥ लहेस्योअनर्थनीकोमिरे ॥ [illegible] ॥ सा ॥ [illegible]
वालकहेकिमप्रसू पाम्याअनर्थसमारे ॥ तवमुनीवरधुरथीकहे ॥ [illegible]
चरीत्रउदारे ॥ ३९ ॥ सा ॥ जिमपीठकुर्कटनेंहण्यो ॥ जिमदूखपाम्योअ
त्यतरे ॥ श्रुतज्ञानीगुरुश्तिहा ॥ ससलाव्योविरततरे ॥ [illegible] ॥ सां ॥ [illegible] ॥
सिहीसाणसप्पपसवा ॥ मिणोहरएअईअमेशाय ॥ महीसयकुकमपस्की ॥
जायासशारजलहिमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बुझ्योदमवासिकतिहां ॥ सांसली
श्रीगुरुवाणिरे ॥ कहेगुरुजीमाहरेसस्यु ॥ हिंसाअनर्थनीखाणिरे
सा ॥ व्रतआपोश्रावकतणां ॥ तवगुरुजिनउपदेश्योरे ॥ पचनमस्कारआपी
उ ॥ तेहनोमर्मप्रकास्योरे ॥ [illegible] ॥ सा ॥ प्राणातीपातप्रमुखवली ॥ उचरा
व्यांव्रतवाररे ॥ हवेनिजचरीत्रतेसांसली ॥ कुर्कटहर्षअपाररे ॥ [illegible] ॥ सा ॥
जातीसमरणपामीआ ॥ उपनोवझसतोपरे ॥ सूषनगुरुनाधर्मनी ॥ पाम्यावो
धिनोपोपरे ॥ ४ ॥ सा ॥ सानुबधीकर्मनीउण्या ॥ हरषनमायोअंगेरे ॥ ति
णेंकूकमुकुवोलीआ ॥ राषतानाचतारगेरे ॥ [illegible] ॥ सा ॥ श्रणिअवशरवर
पतीतिहा ॥ राणीजयावलीसगरे ॥ सोगसोगषतांसांसल्यो ॥ कुर्कटशाव

सा० ॥ मेंकस्योमुनीवरघातहो ॥ प्रायछीतमुझनेंनही ॥ सा० ॥ विणनीजम स्तकपातहो ॥ ७८ ॥ स० स० मु० आत्मअकार्यकलकथी ॥ सा० ॥ दूषी तएकमुझत्तहो ॥ धारीनसकुतिणेंहवे ॥ सा०॥ निपजावुएहजुत्तहो ॥७९॥ स० स० मु० ॥ इणिसमेमुनीनेंउपनु ॥ सा० ॥ मणपछ्वववरनाणहो ॥ जा णीआशयसूपनो ॥ सा० ॥ मुनीवरकहेइमवांणिहो ॥ ८० ॥ स०स०मु० ॥ एतुझप्रायछितनही ॥ सा० ॥ जेतेंकल्पनाकीधहो ॥ आत्मघातपणिवारीउ॥ सा० ॥ तेपणिसमयप्रसिधहो ॥ ८१ ॥ स० स० मु० ॥ यत ॥ सावीयजी णवयणाए ॥ ममत्तरहियाणतछिझविशेसो ॥ अप्पाणमीपरमीय ॥ तोवछे पीमुसउंवी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कलकदूखीतनिजआतमा ॥ सा० ॥ जेचि त्तचितवेतासहो ॥ जैनक्रियाजलेंधोयतां ॥सा०॥ निरमलथाइषासहो॥८२॥ स० स० मु० ॥ सवअनुवधवधेघणो ॥ सा० ॥ करतांआतमघातहो ॥ सव कोमिपाम्योनही ॥ सा० ॥ जिनवरवयणवीख्यातहो ॥ ८३॥ स०स०मु०॥ तिणेंजिनआणिअगीकरो ॥ सा० ॥ सांसलीचितवेरायहो॥ अहोमनवातजा णेमुनी ॥ सा० ॥ मुझमनअचरीजथायहो॥ ८४॥स० स० मु०॥ प्रायछी तमुझपापनु ॥ सा० ॥ निश्चयलहेस्यूएपासहो ॥ आणदजलसरीनयणमां॥ सा० ॥ चरणेंपमेनृपतासहो ॥ ८५ ॥ स० स० मु० ॥ प्रायछितप्रसूसापीश। सा० ॥ मुझकहेसूणिमहारायहो ॥ एकमीथ्यातअज्ञानजे ॥ सा० ॥ तासअ सावजोथायहो ॥ ८६॥ स० स० मु० ॥ चितववुविपरीतजे ॥ सा० ॥ ते मिथ्यापरीणामहो ॥ तेंपणिविपरीतचितव्यु ॥ सा० ॥ मुनीअपशकुननोठाम हो ॥ ८७ ॥ स० स० मु० ॥ करीअकदर्थनावारीइ ॥ सा० एअपशकुनांनि दानहो ॥ तूझमनइणिपरेंउपजे ॥ सा० ॥ नवीकरेएकदीलानहो ॥८८ ॥ ॥ स० स० मु० ॥ तुमुमुमुमीतवली ॥ सा० ॥ सिपथीजीवेजेहहो ॥ वली पापमवीरुधए ॥ सा० ॥ पावननकरेतेहहो ॥ ८९ ॥ स० स० मु० ॥ मध्य स्थसावकरीसूणो ॥ सा० ॥ उत्तरएहरशालहो ॥ षोथेखमेषाविसमी ॥ सा०॥ पद्मविजयकहीढालहो ॥ ९०॥ स० स० मु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

पात ॥ ६५ ॥ प्रणमीसूपसणीकहे ॥ कस्युएहस्यूकांम ॥ कहेनरपतीनरकु
तस्या ॥ सरीषुकिघूस्यांम ॥ ६६ ॥ अरहदत्तकहेइणिपरें ॥ पुरुषसिंहकुमा
न ॥ अश्वथीहेठाउतरो ॥ वदोएसगवान ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ [illegible]
साहिबो ॥ एदेशी ॥ देशकलिंगनोअधीपती ॥ साहिबाम्हारा ॥ अमरकुमा
जानहो ॥ पुत्रसूदत्तनामेंतेहना ॥ सा० ॥ नरपतीनिरमलवानहो ॥ [illegible]
सवेगसीनोम्हारो ॥ समतास्यूलीनोम्हारो ॥ मुनिमानगीनोम्हारोसाहिबो ॥
साहिबाम्हारा ॥ वदोमुनीवरपायहो ॥ एआंकणी ॥ प्रथमजोवनमांहिवस्त
ता॥सा०॥ एकदिनआव्योतलारहो ॥ चोरसार्थेएकह्यावीउ ॥ सा० ॥ बिमवे
नृपनेंतिवारहो ॥६८॥ स० स० मु०॥ परघरपेंसीनेंइणें ॥ सा० ॥ लीधोद्रव्य
अपारहो ॥ मास्योमहर्द्धिकनेंवली ॥ सा० ॥ यहीउनिसरतीवारहो ॥ [illegible]
॥ स० स० मु० ॥ हवेजीमकहोतिमकीजीइ ॥ सा०॥ सांसलीतेनरराय
धरमशास्त्रसणनारेंनें ॥ सा० ॥ तेमीसूणावेप्रकारहो ॥ [illegible] ॥ स० स० मु० ॥
स्योदंडएहनेंदिजीइ ॥ सा० ॥ तवनरबोल्योतेहहो ॥ घातकस्योचोरीकरी ॥
॥ सा० ॥ किघूकर्मअछेहहो ॥ ७१ ॥ स० स० मु० ॥ त्रिकचोकचाचरेंपे
रवो ॥ सा० ॥ सहुजननेंसंसलाविहो ॥ नेत्रउपाडोएहनां ॥ सा० ॥ कानने
नाककपाविहो ॥ ७२ ॥ स० स० मु० ॥ हाथनेंपगवलीछेदीइ ॥ सा० ॥ इ
णिपरेंजीवनोनाशहो ॥ करवोइमरीषीवयणछे ॥ सा० ॥ सांसलीवयणविष्या
सहों ॥ ७३ ॥ स० स० मु० ॥ चितवेअहो २ नृपकुलें ॥ सा० ॥ करवांए
हवापापहो ॥ तिणेएराज्यसूखेंसरयु ॥ सा० ॥ जेहथीवहुसतापहो ॥ [illegible]
॥ स० स० मु० ॥ आणदनांमसाणेजनें ॥ सा० ॥ सूपीराज्यनोसारहो ॥ [illegible]
धर्मगुरुपासेंथया ॥ सा० ॥ गेहतजीअणगारहो ॥ [illegible] ॥ स० स० मु० ॥
मुनीवदनकरीनीस्तरो ॥ सा० ॥ सांसलिश्रावकवाणिहो ॥ मुनीवचाजवतिर्थे
सर्मे ॥ सा० ॥ थयुंमुनीपुरणकाणहो ॥ [illegible] स० स० मु० ॥ धर्मशास्त्रने
ईसापीउ ॥ सा० ॥ वेसतूनीरवथगाणहो ॥ पश्चात्तापनृपउपनो ॥ सा० ॥
जाणीअकल्पअप्पाणहो ॥ [illegible] ॥ स० स० मु० ॥ रायवेसीमनचिंतवें ॥

ष ॥ कहोमहादेवमर्नेएतुम्हें ॥ जिमनि सदेहजाणफअम्हे ॥ ७॥ दमकवल यहेशुद्धआहारा।अजारोमप्रमार्जनधारा।तूविफलसाजनहोयकरो। सिक्षासोज नकोपनधरे ॥८॥ स्वेतवस्त्ररापेंकरेदया ॥ मुक्तिजैनधरममाश्रया ॥ पापनीक दनर्नेअवतार ॥ जुग २ किधाम्हेंअणगार ॥ ९ ॥ एहप्रसासपुराणेंकथा ॥सां सलीबोलोममुखथीवथा॥सूरनेंपणिएअमणनुरुप॥ मगलरुपकथासूणिसूप ॥ ॥१०॥ यत ॥ प्रसासपूराणे॥अन्यलिगपरीभटो॥जैनलिगेनसिध्यति।जैनलि गपरीभटो ॥ वज्रलेपोसवीप्यती ॥१ ॥ कीदृशा स्वेतावरा ॥ तेकीदृशा किमा कारा ॥ कर्म्मकूर्वंतीकीदृश ॥ अवतार कथतेपा ॥ महादेवनीगथता ॥ २ ॥ दमकवलसयुक्त ॥ अजारोमप्रमार्जन ॥ गृह्णतीशुद्धमाहार ॥ शास्त्रदृष्टा चरतीच ॥३ ॥ तुविफलकरासीक्षा ॥ सोजनस्वेतवाससा ॥ नकुर्वंतीकदा कोप॥ दयाकुर्वंतीजतूपु ॥ ४ ॥ मुक्तिजैनधर्माय ॥ पापनीष्कदनायच ॥ अवतार कृतमेपा ॥ मयादेवीयुगेयुगे ॥ ५ ॥ पूर्वढाल ॥ महासारतमासा प्युश्म ॥ जसकुलजतीनथाश्रेम ॥ अवगतीआतसपुरवजथाय ॥ तेनरमो र्हेकीमेनजाय ॥ ११ ॥ शिवशासनमाजैनप्रमाण ॥ केतासापूतासवपाण॥ सासलीनृपनुगयुमीथ्याताकहेतुम्हज्ञानअहोसाक्षात ॥१२॥ श्मकरतोमुनी चरणेंनमें ॥ गुरुजीकोपनकरस्योतूम्हें ॥ म्हेंअज्ञानपणेंकर्युकर्म ॥ तेपम ज्योप्रसूतूमचोधर्म ॥ १३ ॥ मुनीकहेमुनीसमतापरधान ॥ उठिमकरिसभ्रम कोईठाण ॥ सर्वजीवनुखमीश्रमे ॥ तिणेंअमकोपनचित्तमागमे ॥ १४ ॥ आक्रोशतर्जनाघातनाकरे ॥ धर्मभ्रशवलीऋदश्वरे ॥ अपिम २वीरहतेसाव॥ लासतेहोश्शुद्धस्वसाव ॥१५ ॥ वलोमुनीसार्वेकर्मवीवाग ॥ सूपतीहरप्यो धर्मतिराग ॥ एऊनाज्ञानथीठानुनही ॥ पुत्रूतातनेंआर्यिकाकही ॥ १६ ॥ श्मचितीनेंपुठ्यूजदा ॥ मुनीवरेंसाप्युसघलूतदा ॥ पीठकूर्कटवधमाभीकरी ॥ जयावलीसूतनेंदीकरी ॥ १७ ॥ तिहांलगेंसासलीरायविचार ॥ चितवेअहो सद्यारअपार ॥ अहोसवनाटिककिणिपरेंलहे ॥ ज्ञानीगुरुविणकहोकुणकहे॥ ॥ १८ ॥ श्मचोथेखमेएकही ॥ ढालत्रेवीसमीपदमेंसही ॥ समरादित्यनरप

॥छहा॥ पलकएकहोयपवीत्रता ॥ मनमांहोयअसीमान ॥ करेप्रारचनाकाने
नी॥शुचिहुएहवीसान ॥[illegible] ॥ जीवविराधनाजलतणा ॥ नहीकोशवर्ण
नान ॥ सदगतीजोस्नानेंहोइ ॥ मछदेमकबहुमान ॥[illegible] ॥ जइदिहाइजोवे
थी ॥ विप्रेंपणिवमरीती ॥ अस्नानव्रतसलूआदस्यू ॥ नविजाणेंएनीती ॥
॥[illegible]३॥ढाल॥ चौपईनीदेशी॥ सूणितूमस्नाननीवातजकहुं ॥ पाचशौचपुराण
मांलहु ॥ सत्यसौचतपशौचजवली ॥त्रिजुइंद्रीयनिग्रहमलि ॥[illegible]॥ चौथुं
सर्वजीवनीदया ॥ जलनुशौचपाचमुकहीगया ॥ वलीआरसेवरतेजेह ॥ मै
थुनसेवेरहेतोगेह ॥[illegible] ॥ शौचपणतेब्राह्मणसणी ॥ नकहुजुघीष्टरमेंपाप
गणी ॥ ह्योमाटीनासारहजार ॥ शतकूसावलिलीजेंवारि ॥[illegible]॥ तिरथ
तगमेकरेसनान ॥ पणिजोदूष्टाचारनीदान ॥ तेहपवीत्रब्राह्मणनहीकदा ॥
पापप्रमादेंवरतेसदा ॥ [illegible] ॥ जिममदिरानुसाजनहोय ॥ सहसवारजोधो
वेतोय ॥ पवित्रनथाइतिणिपरिजांणि ॥ दूष्टअतरगतचीत्तनुन्हाण ॥[illegible]॥
आत्मनदीसजमजलसरी ॥ सत्यप्रवाहशीलतटकरी ॥ दयानदीपांमवकरो
स्नान ॥ जलथीशुद्धनआत्मनीदान ॥[illegible] ॥ इत्यादिकशीवशास्त्रेघणा ॥
साष्यासेदतेस्नानजतणा ॥ सर्वसास्त्रमाप्राणीदया ॥ न्हातांनरहेतेहनीमया
॥[illegible] ॥ वलीदातणनोकह्योविचार ॥ आरुतथाउपवासमझारि ॥ दत
काष्टसजोगनीवारि ॥ सजोगेंसातकूलसहार ॥[illegible]॥ महाभारतमावातएक
ही ॥ वलीमार्कंडपुराणेंलही ॥ सक्रांतीदिनपडवेप्रतीपदा ॥ नोमीबारसिव
लीवरजीसदा ॥[illegible]॥ तेकारणदातणनोदोस ॥ मकरोकरीइमनसतोस ॥ वली
अपडव्रतनीयमनाधार ॥ विषयकषायजीत्याअणगार ॥[illegible]॥ सझायध्यान
मांरातानीत्य ॥ एहवामुनीवरनीत्यपवीत्त ॥ वलिसिरतूमुमुनजेकरयु ॥ प्र
थमव्रतरापणनेंधरयु ॥[illegible]॥ पापमपणिएमगलकरे ॥ जोचित्तमांमुनी
मगलघरे ॥ सझनेंशास्त्रेंसीक्षाकही ॥ मगलजोपालेव्रतवही ॥[illegible] ॥ अन्यलि
गथीभ्रष्टजेथया ॥ जैनलिंगेजेमोक्षेंगया ॥ जैनलिंगथीभ्रष्टजोथाय ॥ तोल
सवअलेपकहेवाय ॥[illegible]॥ स्वेतांबरकेहवास्येवेष ॥ किमअवतारकरेस्यूंबीते

॥ ३६ ॥ न० ॥ जोकरेतासउपाय ॥ अमृतसमसकांतिकरी ॥ न० ॥ कालकू टविषहोय ॥ तोपणितसलीइसहरी ॥३७॥न०॥विखलवनोस्योसारा॥तिमसव सावअनादीमा ॥न०॥ सेवीपापअघोरा॥प्रतिपक्षसेवेआल्हादमां ॥३८॥न०॥ बहुसवसचितपाप ॥ क्षयकरचारीत्रआदरी ॥ न० ॥ एकसवनोस्योसार ॥ गुरुवचसूणीहरषेंकरी ॥ ३९ ॥ न० ॥ पुढेचरणपरीणाम ॥ स्यूकहीइतवगु रुकहे ॥ न० ॥ सम्यगज्ञानथीतीव्र ॥ रुचिथीपापनीटतिलहे ॥ ४० ॥ न०॥ तूम्हदरीसणेंथयोधन्य ॥ आजमहानिधीम्हेंलह्यो ॥ न० ॥ आणिकरुतूम्ह एह ॥ जोतूम्हेअमणयोग्यकह्यो ॥ ४१ ॥ न० ॥ भृत्यनेंकहेनरनाथ ॥ जई कहोमत्रीप्रमुखसणी ॥ न० ॥ असयरुचीउवोराज्य ॥ आणिकरोएअमतणी ॥ ४२ ॥ न० ॥ मतकरज्योमुझखेद ॥ जैननीदीक्षाहुवरू ॥ न० ॥ अगीकरीतेभृत्य ॥ जईससलाव्यूंतिणेंपरू ॥ ४३ ॥ न०॥ सासलीझपणिते ह ॥ असयमतीसाथेंयही ॥ न० ॥ अतेउरसवीपाद ॥ पोहतानृपपासेंवही ॥ ॥ ४४ ॥ न० ॥ दिठोमुनीनेंपास ॥ सवेगरससावितमती ॥ न० ॥ वेठोधरती हेठि ॥ उत्रचामरढल्याजती ॥ ४५ ॥ न० ॥ होयनहोयएराज ॥ जय २ शब्दथीप्रणमती ॥ न०॥ सीहपजरगतरीती ॥ किमवेठाकरेविनती ॥ ४६ ॥ ॥ न० ॥ गतदाढाजिमसर्प्प ॥ राज्यभटनरनीपरें ॥ न० ॥ वेठासोकमझारि॥ तवसूपतिइमउचरे ॥ ४७ ॥ न० ॥ मुनीसाप्योसवध ॥ वातकहीतेसासली ॥ ॥ न० ॥ इहापोथयोताम ॥ अमचीमतीवहुखलसली ॥ ४८ ॥ न० ॥ जाती समरणज्ञान ॥ उपनुअमविहुनेंतदा ॥ न० ॥ मुर्छागतथयादोय ॥ अमेधरती ढलीआंयदा ॥ ४९ ॥ न० ॥ अतेउरपरीवारातेहदेपीनेंरुदनकरे ॥ न० ॥ ए वलीविजुदूरुक ॥ माननीनयणआसूझरे ॥५० ॥ न० ॥ मुर्छालहीअम्हमाया॥ अनुक्रमेंचेतनपामीआं ॥ न० ॥ मातआस्वासनाकीध ॥ रायनेंचरणेंनांमी आ ॥ ५१ ॥न० ॥ कहेससारअसार ॥ देपीअममनउत्सगु ॥ न० ॥ अमए पणतूमसापि ॥ लिजीइइमअम्हेंउलगु ॥ ५२ ॥न० ॥ रायकहेजिमसूस्क ॥ एहमाभतीवधमतकरो ॥न०॥ साणेजनेंदिउराज्य ॥ विजयधरमअसीधाधरो

तीनोरास ॥ सांसलोआगलवातविलास ॥ १९ ॥ दूहा ॥
ता ॥ अवलाअथीरसनेह ॥ अहोगुरुतामोहरायनी ॥ -
॥ २० ॥ कुर्कटपोठनोवधकरयो ॥ देवतादिधूदाए ॥ तेहि
परणम्योकार्डेप्राए ॥ २१ ॥ मेंतोजीवमारयाघणा ॥ आलेंधरीअवाह
नरकविनामुऊर्नेनही ॥ होस्येहीणठाए ॥ २२ ॥ पुहुअवामुनीमनि
मुनीलहीमननीवात ॥ कहेनृपनेंचिताकीसी ॥ वलीसांसलिअवदात ॥ . .
जैनधरमजोपमीवजे ॥ पापनोपश्चाताप ॥ त्रिविधेंआरसनेंतजी ॥ आदरे
चारीत्रआप ॥ २४ ॥ ढाल ॥ देशीफतमलनी ॥ नरपती ॥ चारीत्रलेईआप ॥
जीवसवेमैत्रीकरे ॥ न० ॥ राषीमध्यस्थसाव ॥ वैराग्यसावनाआदरे ॥ न० ॥
न० ॥ पालीनीरतीचार ॥ पुरवदू कृतषेपवे ॥ न ॥ कारणविणनवकर्म ॥
अशुसनवांधेंतेहवे ॥ २६ ॥ न ॥ षयकरीकर्मनीजाल ॥ पुण्यपरपराला
धतो ॥ न ॥ आराधकथईतेह ॥ शुसगुणठाणेंवाधतो ॥ २७ ॥ न ॥ श्रेणी
रूपकचढीजीव ॥ घातीकरमनोषयकरी ॥ न ॥ पामीकेवलज्ञान ॥ शाश्व
तशिवलढीवरी ॥ २८ ॥ न ॥ जिहांनहीरोगनेंशोग ॥ जनमजरामरणनही ॥
न ॥ अव्याबाधअरुप ॥ अशरीरीपदवीलही ॥ २९ ॥ न ॥ बोल्योतेसूधा
ख ॥ तातआर्यिकाशणिपरि ॥ न ॥ पाम्याकर्मविपाक ॥ एहवेअलपऽकृत
करें ॥ ३० ॥ गणपतीम्हेकर्याकर्मअघोर ॥ सीगतीहोस्येमाहरी ॥ न ॥
लोगव्याविणकिमजाय ॥ एहमांकुणतूऊवाहरी ॥ ३१ ॥ ग ॥ सद्गतीपा
मुकेम ॥ तवगुरुकहेसुणिसूपती ॥ न ॥ एकचरणपरिणाम ॥ काढेकर्मनीसं
तती ॥ ३२ ॥ न० ॥ पातीकविषपरीणाम ॥ अमृतसमचारीत्रकसु ॥ न० ॥
कर्मगिरीपवीरुप ॥ चिंतामणीदूर्विधलसु ॥ ३३ ॥ न० ॥ शिवसूखफलसूर
रूप ॥ चरणपरीणामकसोसही ॥ न० ॥ विषलवषाइकोयातासउपायकरेन
ही ॥ ३४ ॥ न० ॥ पामेंआपदतेह ॥ कृत्याकृत्यमुऊरहे ॥ न० ॥ नरसूख
सघलांगंमी ॥ जिवितषयततविणलहे ॥ ३५ ॥ न० ॥ तिमएजिवप्रमाद ॥ व
सयीपापकरमकरी ॥ न० ॥ नवीकरेतसप्रतिकार ॥ जनमजरणकरेसवफरी

रिपुगफलादीमदथी ॥ होस्येतिणेंसीचावीउ॥ चदनपाणीप्रमुखथीतव ॥ तासचे
तनआवीउ ॥ तातपुढेपुत्रस्यूए ॥ कसुम्हेंतवश्मए ॥ ससारविलसीततातएढे
तातकहेतेकेमए ॥ ६७ ॥ एहवचननोरेअवसरनहीतवम्हेंकसु ॥ वातमो
हटीरेसखेपेंकिमजाश्कसु ॥ सङ्गतेमोरेबेसोएकर्तिससाकरी ॥ सङ्गतेमथारेबे
ठासुणवाचित्तधरी ॥ ६८॥ ध्रु०॥ चित्तधरीपुढेवातस्यूढे ॥ तिणसमेम्हेंसाधी
उ ॥ संसारनिर्गुणमोहमुकीत ॥ प्राणिश्मजीनदाषीउ ॥ चित्तचितवेआलोच
अवला ॥ प्रवर्त्तेअहीतेसदा ॥ अनागतनवीकालपेषे ॥ वर्त्तमानजुश्तदा ॥
॥६९॥ साधारणेस्जनमजरारोगसोगमा ॥ एकमरणनेरेबलीवाहलानावीजोग
मा ॥ प्रमादनीरेचेष्टायोमीवङ्कदूखदीई ॥ सूरअसूरनेरेनरतिरीनेंजाणोहिई ॥
॥ ७० ॥ ध्रु० ॥ पीठमयकुर्कटहण्योतिणें ॥ जुउपरीएम्योकेतलो ॥ श्मक
हीसूरेंदत्तनासवथी ॥ साप्योसोगव्योजेतलो ॥ ७१ ॥ सङ्गसांसलीरेकहे
अकारयकर्मना ॥ लहेसवेगरे सूणीअविपाकविहामणा ॥ माततातनेरेपरी
जनसङ्गवेरागीआ ॥ देषीसाधुरेसांसलोचीतलयलागीआ ॥ सवथीमुकरेचि
त्तविरक्तथयुंघणा ॥ आपोआणारेसफलकरुनरसवपणा ॥ ७२ ॥ ध्रु० ॥ मो
हवशतवतातवोले ॥ पुत्रतुकुणनाकहे ॥ ताहरोसवसफलढेतिणें ॥ एहक
न्याकिमजरहे ॥ परणीनेंएप्रजापालो ॥ पुण्यवाधोशणिपारि ॥ म्हेंकसुघुरथी
तातनूम्हनें ॥ पाणीग्रहणनेकूणकरे ॥ ७३॥ तातसासेरेपरणवामांस्योदोषढे॥
म्हेंसाध्युरेपाणीग्रहणसूपसोपढे ॥ उपधवीनुरेव्याधीमोहनुगेहढे ॥ शुरुध्यान
नोरेवयरीनविधृतीरेहढे ॥ ७४ ॥ ध्रु० ॥ विक्षेपनोएमोत्रसाध्यो ॥ शातिनो
प्रतीपक्षए ॥ मदसवनडखउदयकारण ॥ पापआवासलक्षए ॥ नरसवसाध
ननेंहोयसमरथ ॥ तोहिपणिसीदायए ॥ सिंहपजरमापमथोतीम ॥ मोक्षकिमें
नसघायए ॥ ७५ ॥ रयणकचनरेथालमाहिविष्टासरी ॥ कुणनांपेरेतिमएन
रसवलहीकरी ॥ कुणसेवेरेविषयवचनजीननालही ॥ तिणेंदिजेरेआणातात
जीमुकवही ॥ ७६ ॥ ध्रु० ॥ नयनमातवनीरआंणी ॥ कहेतातअम्हनेहए ॥
पीमेअतीसयतेहकारण ॥ रहोअमचेगेहए ॥ म्हेंकसुस्नेहनकीजीश्एह ॥

॥५३॥ न० ॥ जिनवरचैत्यमझारि ॥ अठाईमहोछवकरी ॥ न० ॥ [illegible]
मनेंसाथावलिपरधानअतेउरी ॥ ५४ ॥ न० ॥ लिइविक्रागुरुपास ॥ [illegible]
मेंमनघरी॥न०॥चोविसमीवरढाल ॥ पद्मविजयकहीसुखकरी॥[illegible]
म्हेंकसुगुरुनेंपायनमी ॥ नयणावलीनेंनाथ ॥ ससलाबोसुखेशना ॥ [illegible]
हेसवपाथ ॥५६॥ जोग्यनहीजीनधर्मनें ॥ किधूघणुअकाज ॥ [illegible]
ततषिणें ॥ जास्येकहेगुरुराज ॥ ५७ ॥ ऋषीअनुसयतबवडुकरे ॥ [illegible]
मतकरोइम ॥ चारीत्रतुम्हेचोषुकरो ॥ मान्युगुरुवचप्रेम ॥ [illegible]
रणआराधीनें ॥ कालकरीततकाल ॥ उपनादेवलोकआठमे ॥ सुखसोवेनि
शाल ॥५८॥ ढाल ॥ देशीएकवीशानी ॥बूठकनी ॥कोसलदेशेरे ॥ साकेतप
यरीइनरपती ॥ विनयधररेतेहनीराणीसुठीमती ॥ तेहनोसुतरेनामजसोधरकु
यो ॥ पामलीपुरेरेजीवअसयमतीआवीयो ॥ [illegible] ॥ आविठईसा
सेनरूपनी ॥ राणीवीजयानामए ॥ विनयमतीतसनांमयाप्यु ॥ कलासीप्यां
तामए ॥ स्वयवरातेआवीवरवा॥वडुआडबरयकी ॥ नयरबाहीरआवासआ
प्या ॥ म्हेंपणिसांसलीतेवकी ॥५९॥ मनहरप्योरेतातेंलगनजोवामीउ ॥ अ
तुंकमेरेवरघोडेमुकचामीउ ॥ वाजतेरेवडुविधतूरवगसतणां ॥ नाचतेरेपाय
गेपगेंअतीघणां ॥६२॥ चु० ॥ अतिघणांमगलविरुदबोले ॥ साढचारणसो
कए ॥ माताप्रमुखसवीनारीगावे ॥ धवलमगलथोकए ॥ आडबरवडुकरी
चाल्यो ॥ राजहदेपरिवर्यो ॥ धवलगजशीरउपरिक ॥ मस्तकवलीउभजय
र्यो ॥६३॥ नरनारिइरेप्रशावतलरसादेषीइ ॥ अनुक्रमेरेराजमार्गमांविचे
षीइ ॥ इणिअवसरिरेदाहीणलोचनफूरकीउ ॥ हरषेंकरीरेचित्तमांम्हेंआलोकी
उ॥६४॥ चु०॥ आलोचिउकांयहरषथास्ये ॥ एहथीपणिअसीनवो ॥ इ
अवशरिदिगाफिरता ॥ गोचरीइसाहथो ॥ कल्याणसेठनेंसवनआंगण ॥ [illegible]
अत्यासेंकरी॥ उपनुमुनीराजदेषी ॥ जातीसमरणचितधरी ॥६५॥ मुरजा[illegible]
रेपमतांगजसीरथीऊल्यो ॥ नामेंरामसफरेपुरुषेंपासेंवेगांकल्यो ॥ तूरादिकवे
वदकस्यातिणेंअवसरें ॥ पेदलहीनृपरेआवीचितेइणिपरें ॥६६॥ चु० ॥ इ

नावरे ॥ ९० ॥ सां० ॥ कहेकुमरनेंपुत्रमात्रनहीमाहरोरे ॥ धर्मपमाम्यो तिणेंगुरुमाहरोहोयरे ॥ तिणेंससारमांरहेवुसरीउमाहरेरे ॥ दिक्षालेस्यूअम्हे पणिदपतीहोयरे ॥ ९१ ॥ सा० ॥ म्हेंसाप्युतवतातजीतुम्हइमजघटेरे ॥ नविकीजेंकांयएहवातेंप्रतिवधरे ॥ तवतिहदिवराव्युमहादानवलीकरेरे ॥ स घलेदेहरेजिनपुजासवधरे ॥९२॥सा०॥ कुलकमातामुझजसवर्द्धननामथीरे॥ तेहनेंथाप्योराज्यनोसारविशेपरे ॥मायपीतापरधानलोकवलीकईस्युरे ॥ विन यवतीस्युलिधोसाधूवेपरे ॥ ९३॥सा० ॥ इहसूतीआचारयपासेंपुन्यथीरे॥ लि धोसजमसहइशुत्तपरिणामरे ॥ एनिर्वेदकारणमुझचरीत्रकसुसवेरे ॥ सांसल रेतुधन्नकूमरअसीरामरे ॥ ९४ ॥ सां० ॥ धनकहेरुमुनिर्वेदकारणदाषीउरे ॥ साषोमुझनेंकरवानेजेजोग्यरे॥ गुरुकहेचरणसामथीजगमादोहिलीरे ॥ पांमी नेंकुणहोरेमुरखलोगरे ॥ ९५ ॥ सा० ॥ विस्तारेंसूणीइलसवातचरीत्रनीरे ॥ हरष्यो२धन्नकूमरकहेप्रेमरे॥लेउचारीत्रगुरुजीतूम्हआणाथकीरे ॥ मायता यनेंसमझावुजईइमरे ॥९६ ॥ सा०॥ गुरुकहेजीमसूखउपजेतिमकीजेंतुम्हे रे॥ आप्योमातपीतानेंपासेंधन्नरे ॥ परमसवेगेंवातकहीमुनीवरतणीरे ॥ प्रति बुध्यामायतायकरेव्रतमन्नरे ॥९७॥ सा०॥ योग्यपुत्रढेगेहसारसूपुहवशरे ॥ इमकरीधनकुमरनेंसापेनेहरे ॥ मणीमोतीमुखसारइव्यतूम्हेंआदरोरे ॥ अ म्हेप्रवज्यालिस्यूशिवसूखगेहरे ॥ ९८ ॥ सा० ॥ धनकहेसारपणहस्यूदिवु इव्यमारे ॥ जनमजरानेंमरणनरापेकोयरे ॥ अरथीमनोरथपुरापणिनक रीसकूरे ॥ अथवापुन्यगइपणिसचीतजायरे ॥ ९९ ॥ सा० ॥ परलोकेप णिनहोइसरवाइकोइनेंरे ॥ तातकहेतेंएतोसाप्युसाचरे ॥ धनकहेआणाआ पोसार्थेव्रतपहुरे ॥ तातकहेएसाचुपणिसूणिवाचरे ॥ ८०० ॥ सा० ॥ जीवनें इहीयदमवाकदरपहुर्दमोरे ॥ धनकहेअवीवेकतेजीवनजाणिरे ॥ नहीतरु णनइघरढोजीवअनादीनोरे ॥ गरढापणिवहुविषयपीपासवपाणिरे ॥ १ ॥ सा० ॥ यत ॥ गलीतअगपलीतमुम ॥ दशनविहीनजाततूम ॥ दृष्टोयाती गृहित्वादम ॥ तदपीनमुचत्याशापिम ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ निदानगणेंनविचा

निमीत्तमुख्यससारए ॥ दिपपरेंहणउपजेवीएसें ॥
बोलेसूपतीरेईसानसेनतपनीधुआ ॥
हेवरावोरेतेहनेंएहविचारए ॥ जोबुझेरेसासलीमुझअधीकारए ॥
अधीकारसांसलीकहेराजा ॥
मचोयेसूखकरी ॥ विबुधउत्तमवीजयकेरो ॥ सीसपद्मवीजयकहे ॥
मरादित्यकेरे ॥ सूणतजयलढीलहे ॥ [illegible] ॥
शषवर्द्धनसूणिवात ॥ जिमनिपनीतिमजईतुम्हें ॥
कुमरीपासेंजइकरी ॥ आव्योसूपतीपाय ॥ कहेसीहाएकुमरना ॥
सूणोमहाराय ॥ ८१ ॥ जईसाध्युम्हेंजतनथी ॥ कांयककहेनृपकांव
सनथीतेउतरी ॥ अजलीकरीकहेआम ॥ ८२ ॥
साध्युतवइम ॥ इहाकूमरनेंआवतां ॥ राजमारगमांप्रेम ॥ ८३ ॥
थीसषर ॥ जातीसमरणजाम ॥ उपनाथीनवसवअवल ॥
ध्याताम ॥ ८४ ॥ ससलाध्यासरवेअम्हे ॥ जसोधरामुखजाम ॥
णावलीसूतनीवधू ॥ इणअवसरथयुआम ॥ ८५ ॥
णगावामुझनेंहीरनारे ॥ एवेत्री ॥ इमसांसलतांमुढीपामीनृपधूआरे ॥
यझउ २ आकूलसवीपरिवाररे ॥ चदनसीचेचेतनपामीतवपडेरे ॥
यपुढयो३ म्हेंतसएअधीकाररे ॥ ८६ ॥ सांसलज्योअहोकर्मवीपाकविचित्र
तारे ॥ कायसाध्युइणिपरेंराजकुमरीइतांमरे ॥ मेसाध्युकिमतेहविचित्र
तवकहेरे ॥ तेहजजोधरामाहरुजाएजेनामरे ॥ ८७ ॥ सवमांसमतो
कर्मनाटिकस्युनवीहोयेरे ॥ तवम्हेंसाध्युसांसलोकुमरीवातरे ॥ एहचरीतें
राजकुमरमनउत्सगुरे ॥ कांयदिक्षाईछेजिनवरसाषीध्यातरे ॥ [illegible]
रायकहेवरावेंकहोहवेअम्हेंकरीशकिस्युरे ॥
यरे ॥ एहसज्ञारसरुपदेपीकहोकूणनेंरे ॥ नविवैराग्यकरेजिणेंशिवसुख
यरे ॥ ८९ ॥ तिणेसज्ञारतणापतीवधथकीसस्युरे ॥ किजेंजेमनउपजेकु
मरनेंसावरे ॥ मुझनेंआणाथोजिमझदिक्षापडुरे ॥

द ॥ १५ ॥ समुद्रदत्ततेसेठीउ ॥ नामठत्रेनीजनद ॥ गोचरीफिरतानगरमां ॥ मातगजेममुणद ॥ १६ ॥ ढाल ॥ केंततमाकूपरीहरो ॥ एदेशी ॥ फिरता आव्यागोचरी ॥ नदतणेंघरिवार ॥ मेरेलाल ॥ धनसीरीश्तवउलप्या ॥ उप नोतससोकअपार ॥ मुनीराज ॥ १७ ॥ नारीकुकर्म्मज्योज्योतुम्हे ॥ उघें सीध्योलीवमो ॥ नवीमीठोयायलगार ॥ मे० ॥ किमनबीएहमुउहजी ॥ क हेमुझअवतारघीकार ॥ मे ॥ १८ ॥ ना० ॥ किममुझनजरेंएचमयो ॥ हवेकरीइ एहउपाय ॥ मे० ॥ जिमजीवेनहीमुलगो ॥ शणिअवशगितेऋषिराय ॥ मे ॥ ॥ १९ ॥ ना० ॥ जाचनासमयअतीक्रम्यो ॥ जाणिनेंवलीआतेह ॥ मे० ॥ द्वेपलही धनसिरीघणाउलपीमुर्फचितेएह ॥ मे० ॥ २० ॥ ना० ॥ शीघ्रगयोकीमएकहो ॥ बोलावीदासीताम ॥ मे० ॥ जईजुउकिहांजश्एरहे ॥ होयतिममुझनेंकहेठाम ॥ मे० ॥ २१ ॥ ना० ॥ दासीआणिअगीकरी ॥ चालीमुनीवरनेंमाग ॥ मे० ॥ मुनी वरआहारमल्योनही ॥ पणिअवसरनोनहीलाग ॥ मे० ॥ २२ ॥ ना० ॥ पुरदेवीउद्यानमां ॥ पोहतातवचोथोजाम ॥ मे० ॥ लागोतिणेंविचस्यानही ॥ काउसग्गरह्यातिणेंठाम ॥ मे० ॥ २३ ॥ ना० ॥ जईधणसीरीनेंतकहु ॥ धणसिरीकहेनदनेंश्म ॥ मे० ॥ म्हेंपुरदेविनेंमानिउ ॥ तूमरोगहतोनवप्रेम ॥ मे० ॥ २४ ॥ ना० ॥ करिउपवासवदिआठमें ॥ तूम्हआयतनेकरूवास ॥ मे० ॥ आठमगईपरमादथी ॥ सूपनेंतवप्रेरीपास ॥ मे० ॥ २५ ॥ ना० ॥ विहाणेंतुम्हेजातारह्या ॥ तिणेंसाधीनसकीवात ॥ मे० ॥ किधोछेउपवासम्हें ॥ तिणेंजाउतिहांसाक्षात ॥ मे० ॥ २६ ॥ ना० ॥ पु जापोआणीदिउ ॥ नंदेपणिआणीदीध ॥ मे० ॥ तवचाकरदूगसाथिले ॥ दासीपणसाथेंलिध ॥ मे० ॥ २७ ॥ ना० ॥ तिहाजईदीठामुनीवरू ॥ श्ण अवसरआव्योएक ॥ मे ॥ काटतणीसरीगाफली ॥ कठिआरोधरतविवेक ॥ मे ॥ २८ ॥ ना० ॥ सागोअरूतिहांकिणें ॥ आथमवालागोसूर ॥ मे० ॥ कठी आरोमनचितवें ॥ मुझनेंथयुअतीहिअसूर ॥ मे ॥ २९ ॥ ना० ॥ काटपहेनही कोश्हां ॥ तिहांमुकीश्पस्ततेलीध ॥ मे० ॥ निजघरिपोहतोवेगस्यू ॥ धनसि

रेपरमार्थनेरे ॥ द्रव्यसजोगेकेशकरेवलीशामरे ॥ पारदमर्द्दनसेवीअनेकजीव
करेरे ॥ हिमेटेकथकीवलीरापीमामरे ॥ २ ॥ सा० ॥ [illegible]
जनमकालांतरेरे ॥ दाषेपणिनवीदेषेआयुषीणरे ॥ केईपरलोकनाआरंभा
वनवयढतेरे ॥ विजचपलपरेजीवीतजांणेहीणरे ॥ ३ ॥ सा० ॥ [illegible]
वेकआशारविषयढांमीकरीरे ॥ हरिणपरेवलीमरणथीबीहतातेहरे ॥ [illegible]
धर्मसेवेजेपरलोकसाधवारे ॥ जीवनदधतणनहीहेतुएहरे ॥ ४ ॥ सा० ॥
इद्रीयदमीआंआतमदमीउमुलथीरे ॥ तेहथीसूरनरसूखवलीमोकनांसूख
रे ॥ इमजांणीकूंणइद्रीयनदमेंमुरखोरे ॥ अशुससकल्पमुलतेअनंतजी
स्कर ॥ ५ ॥ सा० ॥ जिनवयणेंसावीत्तसकल्पकरेनहीरे ॥ समताधरतेरे
नित्तगुरुनेंपायरे ॥ निरवेदीसावनथीकदरपस्युकरेरे ॥ सारकिस्युएपुदगल
नोसमुदायरे ॥ ६ ॥ सा० ॥ शब्दादीकशुसथईनेअशुसहोयेंवलीरे ॥ अशुस
होइतेपरीणमेशुसपरीणामरे ॥ एजमआतमचेतननेंसबधकीस्योरे ॥ द्रव्यो
तरसजोगेसूखनोनठामरे ॥ ७ ॥ सा० ॥ अन्यसजोगेआत्मिकसूखनहोइ
कदारे ॥ तिणेंमुकनगमेविषयप्रमादनोसंगरे ॥ तातपसावेंविचनजस्येसवी
माहरारे ॥ माण्युतातेंकूमरवचनमनरगरे ॥ ८ ॥ सा० ॥ करीअठाईमहो
छवदिईदाननेरे ॥ मातपीतानेंबीजोपरीजनसगरे ॥ तेहजशोधरगुरुनेंपासे
आदरेरे ॥ धनकुमारअधीकमनवीछारंगरे ॥ ९ ॥ सा० ॥ चोथेषमेढालके
हीछवीसमीरे ॥ श्रीगुरूउत्तमविजयपशाइएहरे ॥ पद्मविजयेंश्रीसमरा
त्यनारासमारे ॥ सूणतांमगलमालाश्रोतागेहरे ॥ १० ॥ सा० ॥ दुहा ॥ धनकुम
रेंदीक्षाधरी ॥ किधोक्रियाकलाप ॥ सूत्रअस्यासकरीसवे ॥ जपतोगी
नथीजाप ॥ ११ ॥ एकविहारअगीकरे ॥ सावनासावेसर्व ॥ मामेएकवि
शागमें ॥ नगरेंपचनीगर्व ॥ १२ ॥ कोसबीपुरेअनुकमें ॥ आव्याते अविराय
नदनेंहवेधनसीरीतणो ॥ कहुसबधकषाय ॥ १३ ॥ सघलेपोह्यासमुझमें
जमत्यानहितेजाम ॥ उलघ्याअर्णवहवे ॥ तरुणीवयणेंताम ॥ १४ ॥ कंचन
नेंवलीकामीनी ॥ देषीचुक्योनद ॥ कोसंबीआवीकरी ॥ मनसूखधरीरलीयं

कीउ ॥ तिणवेलाततकाल ॥ अहोमुझएहअनर्थमा ॥ कारणकरीवीकराल ॥ ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ जगतगुरुहीरजीरे ॥ एदेशी ॥ गामलानोघणीआवीउरे ॥ व्यतिकरदीठोतेह ॥ फरीयावीगयोरायनेरे ॥ अहोमुझपापअठेह ॥ ४८ ॥ रीषीकिणेमारीउरे ॥ मुझकाष्ठथीवलीउजेह ॥ माहराधीगजन्मनेरे ॥ एआकणी॥ मुझगाठीगतीहोयस्येरे ॥ सुणिकोप्योराजान ॥ झकमकरयोकोटवालनेरे ॥ ऋषिघातककरोजाण ॥ ४९ ॥ रीषी० ॥ चमीकादेहरेचालीउरे ॥ कोपघरीकोटवाल ॥ पुठेपुजारीप्रतेरे ॥ रातिरमूकुणकालि ॥ ५० ॥ रीषी० ॥ चोरलाठकोईनवीरह्योरे ॥ पुजारीकहेइम ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ एकरहीघरीनेम ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥ कहेतलारस्येहेतूरे ॥ रातिरहीएनारि ॥ पुजारीकहेनवीलहूरे ॥ तवचितेतेतलार ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ आठिमनौमीचौदसीअठेरे ॥ वसवाकेरोदिन्नातेहमांआजएकेनहीरे ॥ वातथीथईषणपण ॥ ५३॥रीषी०॥ मगलवारहतोवलीरे ॥ पाठिलेपोहरेदृष्टि ॥ जोगनीपातमल्योषरोरे ॥ स्त्रीविणनहीकोईठुष्ट ॥ ५४ ॥ रीषी० ॥ जाउएहनेंघरिहवेरे ॥ पामस्यूसघलीवात ॥ इमचितीपोहतोघरेरे ॥ द्वारेचेटीआयात ॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ पुठेशार्थपनीगेहनीरे ॥ घरमाठेकेनाहि ॥ क्रोसनालहीकहेकामस्यूरे ॥ कहेकोटवालउगाह॥ ॥ ५६ ॥ रीषी०॥ ईर्ष्याघरीक्रोधेंकरीरे ॥ परअसीप्रायनोजाण ॥ कहेरेपापणीविसस्योरे ॥ मुनिवृत्तांतअजाण ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ नीजकरमेअकीघणीरे ॥ चेटिवोलीताम ॥ मुझसेठाणीइमोकलीरे ॥ जोवामुनीवरठाम ॥ ५८ ॥ रीषी० ॥ झविजुजाणनहीरे ॥ सुणीउपनोसदेह ॥ अहोगवेषणाकेरेमुरे ॥ कारणनहीएकरेह ॥ ५९ ॥ रीषी ॥ फरितेपुठेसुदरीरे ॥ मधरोसयमनमाहि ॥ मोकल्यांतुम्हस्येकारणेरे ॥ तेसांपोतुम्हेआहि ॥ ६०॥ रीषी ॥ साकहेसीक्रालेअवारे ॥ कालेंथिजेजाम॥ आव्याविणलिघेवल्यारे॥ तवमुझमोकलीआम ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ जोईआवीनेंम्हेंकहूरे ॥ रिषीरहेवानुठाम ॥ कारयतोजाणनहीरे ॥ कहेकोटवालतेताम ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ तिहाजईनेंस्युकिघलूरे ॥ तववोलीसानारि ॥ चमीकानीपुजाकरीरे ॥ मुनीनमीआनल

रीचितेसलूकिघ ॥ मे ॥ ३० ॥ ना० ॥ एहजकार्टेबालस्यू ॥
कापाय ॥ मे ॥ पुजाकरीचाकरसणी ॥ सोजनआपेमनसाय ॥ मे० ॥
ना०॥ सूतासङ्गइअनुक्रमें ॥ एकाकिणीनीकलीनारि ॥ मे० ॥
ष्टनो ॥ पमर्केतिहांअतीससार ॥ मे ॥ ३२ ॥ ना० ॥
लहे ॥ अज्ञानेंभजालीआगि ॥ मे० ॥ ज्वालाफरसेंमुनितनु ॥ चितेंमुनिवरनी
हासाग ॥मे०॥३३॥ना०॥अनुकपाइंमुनीवरु॥बलताकाउसग्गअमम्म ॥मे०॥
अहोएजीवनेंकथयो ॥ कारणदूरगतीनेंमग्ग ॥ मे० ॥ ३४ ॥ ना० ॥ धर्म
जेनरमुगतंगया ॥ नहोइकर्मबधनुहेत ॥ मे० ॥ मुकउद्देशीनरमर्मा ॥ एपो
होचस्येंडुखसकेत ॥ मे० ॥ ३५ ॥ ना० ॥ कारणेंकारयनीपजें ॥ ईमे
साषेश्रीजगनाथ ॥ मे० ॥ नवीसोचुमुकजीवनें ॥ शोचुंएजीवअनाथ ॥
मे० ॥ ३६ ॥ ना० ॥ बाहिरमतीजीनवयणथी ॥ पमीडंदूखसायरएह ॥
मे०॥ मोहिक्लिष्टप्राणीसणी ॥ अथवानहीदूखएरेह ॥ मे०॥३७॥ना०॥ विनू
ससारअचारनें ॥ इमसावतोशुसपरीणाम ॥ मे० ॥ पापणिइमास्योहुवी ॥
एहनेंकिहांसदगतीठांम ॥ मे० ॥ ३८ ॥ ना० ॥ पन्नरसागरआउषे ॥ उ
पनाहुषीशुक्रविमान ॥ मे० ॥ सातमेदेवलोकेंसही ॥ सूखसोगवेंतेअसमा
न ॥ मे० ॥ ३९ ॥ ना० ॥ चोथेखडेएकही ॥ वरसत्तावीसमीढाल ॥ मे० ॥
पद्मविजयसोहामणी ॥ सूणतांहोयमगलमाल ॥ मे० ॥ ४० ॥ ना० ॥
॥ डुहा ॥ चमीकादेहरेचपलथी ॥ दासीइपेसतांदिठ ॥ धनसीरिनेंपुछेघसी ॥
स्वामीनीकहोविसीठ ॥ ४१ ॥ किहांजईआथ्यातिकहो ॥ मानिनीकहेमध्य
राति ॥ परदषणापुछेंकरो ॥ सगवतीनेंसलिसाति ॥ ४२ ॥ इणिअवसरअवलो
कीउ ॥ अगनीनोउद्योत ॥ स्युएइमसोचीकरी ॥ सूतीशकसहोत ॥ ४३ ॥
विहाणेंदेवीपुजीहवे॥ चालीकरीअतीचुप॥ पचत्वलसोपथेरीषी॥ आसोक्यो
तेअनुप ॥ ४४ ॥ चाकरनेंचेटीकहे ॥ अहोएकुपअपराध ॥ एहस्युजाणी
इआपणें ॥ सीझयोकिणीपरेंसाध ॥ ४५ ॥ चेटीमनमांचितवें ॥ मोकलीका
लेंमुक॥जोवावलीमध्यजामिनी ॥ गईतेहनुएगुक ॥ ४६ ॥ अजुआलुंआलो

कीउ ॥ तिणवेलाततकाल ॥ अहोमुझएहअनर्थमा ॥ कारणकरीवीकराल ॥ ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ जगतगुरुहीरजीरे ॥ एदेशी ॥ गामलानोवणीआवीउरे ॥ व्यतिकरदीगेतेह ॥ फरीयादीगयोरायनेरे ॥ अहोमुझपापअछेह ॥ ४८ ॥ रीषीकिणेमारीउरे ॥ मुझकाष्ठथीवलीउजेह ॥ माहराधीगजन्मनेरें ॥ एआकणी॥ मुझगाठीगतीहोयस्येरे ॥ सूणिकोप्योराजान ॥ झकमकरयोकोटवालनेरे ॥ ऋषिघातककरोजाण ॥ ४९ ॥ रीषी० ॥ चमीकादेहरेचालीउरे ॥ कोपघरीकोटवाल ॥ पुछेपुजारीप्रतेरे ॥ रातिरहूंकुणकालि ॥ ५० ॥ रीषी० ॥ चोरलाउकोईनवीरह्योरे ॥ पुजारीकहेइम ॥ समुझदत्तनीगेहनीरे ॥ एकरहीघरीनेम ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥ कहेतलारस्येहेतूरे ॥ रातिरहीएनारि ॥ पुजारीकहेनवीलहूरे ॥ तवचितेतेतलार ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ आठिमनौमीचौदसीअछेरे ॥ वसवाकेरोदिन्नातेहमांआजएकेनहीरे ॥ वातथीथईपणपण ॥ ५३॥रीषी०॥ मगलवारहतोवलीरे ॥ पाठिलेपोहरेदृष्टि ॥ जोगनीपातमल्योपरोरे ॥ स्त्रीविणनहीकोईइष्ट ॥ ५४ ॥ रीषी० ॥ जाउएहनेंघरिहवेरे ॥ पामस्यूसघलीवात ॥ इमचितीपोहतोघरेरे ॥ द्वारेचेटीआयात ॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ पुछेशार्थपनीगेहनीरे ॥ घरमाछेकेनाहि ॥ कोसनालहीकहेकामस्यूरे ॥ कहेकोटवालउगाह॥ ॥ ५६ ॥ रीषी०॥ ईर्ष्याघरीक्रोधेंकरीरे ॥ परअसीप्रायनोजाण ॥ कहेरेपापणीविसस्योरे ॥ मुनिदत्तांतअजाण ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ नीजकरमेशकीघणीरे ॥ चेटिवोलीताम ॥ मुझसेगणीइमोकलीरे ॥ जोवामुनीवरठाम ॥ ५८ ॥ रीषी० ॥ झविजुजाणनहीरे ॥ सूणीउपनोसदेह ॥ अहोगवेषणाकेरेमुरे ॥ कारणनहीएकरेह ॥ ५९ ॥ रीषी ॥ फरितेपुछेसुदरीरे ॥ मघरोसयमनमाहि ॥ मोकल्यातुम्हस्येकारणेरे ॥ तेसांपोतुम्हेआहि ॥ ६०॥ रीषी ॥ साकहेसीहालेअवारे ॥ कालेंत्रिजेजाम॥ आव्याविणलिघेवल्यारे॥ तवमुझमोकलीआम ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ जोईआवीनेंम्हेंकहूरे ॥ रिषीरहेवानुठाम ॥ कारयतोजाणनहीरे ॥ कहेकोटवालतेताम ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ तिहांजईनेस्युकिघलूरे ॥ तववोलीसानारि ॥ चमीकानीपुजाकरीरे ॥ मुनीनमीआनल

ीचितेसलूकिध ॥ मे ॥ ३० ॥ ना० ॥ एहजकाष्टेबालस्यू ॥
कापाय ॥ मे ॥ पुजाकरीचाकरसणी ॥ सोजनआपेमनसाय ॥
ना०॥ सूतासङ्गश्रुनुक्रमें ॥ एकाकिणीनीकलीनारि ॥ मे० ॥
ष्टनो ॥ षमकेंतिहांअतीससार ॥ मे ॥ ३२ ॥ ना० ॥
लहे ॥ अज्ञानेंप्रजालीआगि ॥ मे० ॥ ज्वालाफरसेंमुनितनु ॥ चितेंमुनिवरनें
हासाग ॥मे०॥ ३३॥ना०॥अनुकपाईमुनीवरु॥वलताकाउसग्गअक्रम्म ॥मे०॥
अहोएजीवनेंङ्कयथो ॥ कारणदूरगतीनेंमग्ग ॥ मे० ॥ ३४ ॥ ना० ॥ धर्मे
जेनरमुगतंगया ॥ नहोश्कर्मबधनुहेत ॥मे० ॥ मुकउहेशीनरगमां ॥ एषो
होचस्येंङ्खवसकेत ॥ मे० ॥ ३५ ॥ ना० ॥ कारणेंकारयनीपजें ॥ इमे
साषेश्रीजगनाथ ॥ मे० ॥ नवीसोचुमुकजीवनें ॥ शोचुएजीवअनाथ ॥
मे० ॥ ३६ ॥ ना० ॥ बाहिरमतीजीनवयणथी ॥ पमीउंदूखसायरएह ॥
मे०॥ मोहिक्लिष्टप्राणीतणी ॥ अथवानहीदूखएरेह ॥ मे०॥३७ना०॥ चिनू
ससारअचारनें ॥ इमसावतोशुसपरीणाम ॥ मे० ॥ पापणिइमास्योहुवी ॥
एहनेंकिहांसदगतीठाम ॥ मे० ॥ ३८ ॥ ना० ॥ पन्नरसागरआउषे ॥ उ
पनाहुषीशुक्रविमान ॥ मे० ॥ सातमेदेवलोकेंसही ॥ सूखसोगवेंतेअसमा
न ॥ मे० ॥ ३९ ॥ ना० ॥ चोथेखमेएकही ॥ वरसत्तावीसमीडाल ॥ मे० ॥
पद्मविजयसोहामणी ॥ सूणतांहोयमगलमाल ॥ मे० ॥ ४० ॥ ना० ॥
॥ ढुहा ॥ चमीकावेहरेचपलथी ॥ दासीइपेसतांदिठ ॥ धनसीरिनेंपुठेधसी ॥
स्वामीनीकहोविसीठ ॥ ४१ ॥ किहांजईआथ्यातिकहो ॥ मानिनीकहेमध्य
राति ॥ परदपणापुठेंकरो ॥ सगवतीनेंसलिसाति ॥ ४२ ॥ इणिअवसरअवसो
कीउ ॥ अगनीनोउद्योत ॥ स्युएइमसोचीकरी ॥ सूतीअकसहोत ॥ ४३ ॥
विहाणेंदेवीपुजीहवे॥ चालीकरीअतीचुप॥ पद्मत्वलसोपथेरीषी ॥ आलोक्यो
तेअनुप ॥ ४४ ॥ चाकरनेंचेटीकहे ॥ अहोएकुपअपराध ॥ एहस्युजाणी
इआपणें ॥ सीक्योकिणीपरेंसाध ॥ ४५ ॥ चेटीमनमांचितवें ॥ मोकलीका
लेंमुक॥ जोवावलीमध्यजामिनी ॥ गईतेहमुएगुक ॥ ४६ ॥ अजुआलुंआवो

पूरोबीसलनगरमांरे ॥ चोथोखंडप्रमाण ॥ ८० ॥ श्रोता ॥ अगाविसढालेंक
रीरे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ साहवावदितेरसदिनेंरे ॥ सपुरणसुवीलास ॥८१ ॥
॥ श्रो० ॥ विजयदेवसूरीपटधरूरे ॥ श्रीविजयसिंहसूरीस ॥ सत्यविजयग्रो
हामणारे ॥ सोलागीतिससीस ॥ ८२ ॥ श्रो० ॥ तासकपुरविजयकवीरे ॥ पि
माविजयवरतास ॥ जिनविजयसीसतेहनारे ॥ जेहनेंग्रालअभ्यास ॥ ८३॥
श्रो० ॥ गीतारथगीरुआघणारे ॥ सहकसमतावत ॥ उत्तमविजयसोहामणा
रे ॥ तेहनाशीष्यमहत ॥-८४-॥ श्रो० ॥ तसपदपद्मभ्रमरसमोरे ॥ पद्मविज
यइणनांम ॥ गायाश्महरषेंकरीरे ॥ गुणीजननागुणग्राम ॥ ८५ ॥ श्रो० ॥
पुन्यउपार्जनजेकरीरे ॥ तेहथीसवीजनलोक ॥ सकलदूखनोक्षयकरीरे ॥
पामोशिवफलरोक ॥ ८८६ ॥ श्रो० ॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपमीत्तप्रवरश्रीम
दूत्तमविजयग० शिष्यप० पद्मवीजयग० विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राक
तप्रवर्धेधनकूमारधनश्रीदपत्यो-सगतयोचतूर्थोनरसव समाप्त ॥ सर्वगाथा
चतूर्थखंडे ॥ ८८६ ॥ उक्तगाथा ॥काव्य ॥ सर्वईउंथइ ॥२८॥ ॥ छ ॥
॥ डुहा ॥ प्रगटप्रतापीपासजी ॥ प्रणमुप्रेमेंपाय ॥ समरीसाचीसारदा ॥ क
रेजेहकवीराय ॥ १ ॥ पचमखंडप्रारंसीइ ॥ सूणोसघसमुदाय ॥ सूण
तांसमतारसवधइं ॥ पातिकदूरिपलाय ॥ -२ ॥ जबुद्वीपनुत्तरतजे ॥
नयरकाकदीनाम ॥ समुद्रदेशपरेंशोसती ॥ ततूस्यूखांतीकाताम ॥ ३ ॥
पतीव्रताजनमनपरें ॥ परपुरसेंप्रकार ॥ उलघाइनहीअधीक ॥ उज्व
लघनआगार ॥ ४ ॥ द्वारतोरणअतीदिपता ॥ सीहवालस्यूसाच ॥ गि
रीवरकेरीज्युगुफा ॥ तरतोदिसेताच ॥ ५ ॥ ढाल ॥ लाटलदेमातमल्हार ॥
एदेशी ॥ सूरतेजनृपनांम ॥ सूरतेजरीपुगाम ॥ आजहोराणीरेलीलावती
जाणीतिहनीरे ॥ ६ ॥ पुरणकरीसूरआय ॥ घनसूरउपनोआय ॥ आ० ॥
तेहनीरेकूखेंतवचद्रसूपनेंलसोरे ॥ ७ ॥ सतलावेसरतार ॥ तवतेकरेउच्चार ॥
आ० ॥ सामतमंमलमांशसीसमसूतहोयस्येरे ॥-८ ॥ प्रसवसमयथयोजा
म ॥ सूतजोगेंसाताम ॥ आ० ॥ प्रसव्योरेतिणेंपुत्ररतनसमपरगमोरे ॥ ९ ॥

गार ॥ ६३ ॥ रीषी० ॥ कोटवालतवचितवेरे ॥ पुजानेंमीसएह ॥ परीजाय
त्रचामारीउरे ॥ मुनीवरनहीसदेह ॥ ६४ ॥ रिषीइणेंमारीउरे ॥ इणांनें
ग्री ॥ बोलावीघरमांजइरे ॥ तवषोसाणीतेह ॥ सावलषीनेंसांषीउरे ॥
सूणोमुझएह ॥ ६५ ॥ रीषी० ॥ रीषीघातकनेखोलवारे ॥ मुझनेंमोकल्यो
राय ॥ पगलूतुम्हघरिआवीउरे ॥ तिणेंचालोनृपपाय ॥ ६६ ॥ रीषी० ॥
सांसलीनेंघरणीढलीरे ॥ तवचितेकोटवाल ॥ निश्चयकर्म्मइणिकस्युरे ॥ ब
हितोसयकिमसाल ॥ ६७ ॥ रीषी० ॥ नाठोनदवाहीरयकीरे ॥ बालसुणीनें
तेकान ॥ घनसीरिलाव्यानृपकइरे ॥ जोईचितेंराजान ॥ ६८ ॥ रीषी० ॥
इणआकारेंएहवुरे ॥ कर्मकरेकिमसाय ॥ स्येकारणतूतिहांगइरे ॥ पुछेइणि
परेंराय ॥ ६९ ॥ रीषी० ॥ कोसलहीबोलीनहीरे ॥ तवराजानृपपाय ॥
फरिपुछेकेहनीघुआरे ॥ किहांथीआवेरहाय ॥ ७० ॥ रिषी० ॥ पुरहत
इनीऊघुआरे ॥ सूसम्मनयरथीआय ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ तवतराजो
घीकराय ॥ ७१ ॥ रिषी० ॥ नजम्योसत्तातिहनोरे ॥ तवकीधोविआम ॥
सूपपासेंनबोलीसकेरे ॥ एहवोघरीमनस्राम ॥ ७२ ॥ रीषी० ॥ पुर्णसइपा
सेंमोकल्योरे ॥ लेषवाहकततकाल ॥ एहनेंपुछावेतदारे ॥ एहजवातसूपाल ॥
॥ ७३ ॥ रीषी० ॥ लेखवाहकलेखलावीउरे ॥ वांचेनरपतीइम ॥ धणसीरी
नामेंअमघुआरे ॥ अमकूलखपणनेंम ॥ ७४ ॥ रीषी० ॥ रायविचारेइणि
इरे ॥ निश्चयकीधूकांम ॥ पापिणिनीअहोमुर्खतारे ॥ अहोकुरकृदयावाम ॥
॥ ७५ ॥ रीषी० ॥ नारीअवध्यकहीतिणेंरे ॥ दिधोदेशनिकाल ॥ जातांसा
ऊसमयतदारे ॥ सूषतरसअसराल ॥ ७६ ॥ रीषी० ॥ देवलमांसूतीजइरे ॥
एहवेकरमथोनाग ॥ महाकेशेंमरीउपनीरे ॥ वालूप्रसादूखसाग ॥ ७७ ॥
रीषी० ॥ उपपापतूरतजफलेरे ॥ एहमांनहीसंदेह ॥ सातसागरनारकपडे
रे ॥ डखसोगवेनीजदेह ॥ ७८ ॥ रीषी० ॥ इणिपरिचोचोसवकहोरे ॥
दपतीनोअधीकार ॥ हवेजयविजयभ्रातातणोरे ॥ साधुसचरवीचार ॥
॥ ७९ ॥ भोताजनसांसलोरे ॥ आसाढवदिएकादशीरे ॥ व्याखिसेंमाह ॥

ऊहा ॥ रुठालोकनयरतणा ॥ कहेनृपनेंकोटवाल ॥ नृपकहेकुमरजाणेनही ॥ तिमकरज्योततकाल ॥ ३० ॥ तस्करपहीतुम्हेपुरतणा ॥ नरनेंकरीवी न्नाण ॥ मारज्योसूणितिणेंमारीआ ॥ जवमुकनेथयुजांण ॥ ३१ ॥ रीसाणो महारायथी ॥ चाल्योचतुरसूजाण ॥ तामलिनीआव्योतूरत ॥ मनमांआणी माण ॥ ३२ ॥ यत ॥ त्रय स्थाननमुचति ॥ काका कापुरपा मृगा ॥ अपमानेत्रयोयांति ॥ सिंहा सत्पुरुषा गजा ॥ १ ॥ ॥ ऊहा ॥ ईशा नचदअवनीपती ॥ साहमोजईसनमान ॥ देईकहेसूदरकस्यु ॥ आव्या आपणठाण ॥ ३३ ॥ जाणोएनिजराज्यठे ॥ नयरमांकस्योनिवेस ॥ आपेमुकआवासतीम ॥ रहेवातेहनरेश ॥ ३४ ॥ जिवनल्योतूम्हजेगमे ॥ इमकहेवरावेराय ॥ मेतोतेनवीमानीउ ॥ तसहीतजिणेंपरेंताय ॥ ३५ ॥ढाल॥ रागधमाल ॥ पासजीहो ॥ अहोमेरेललना ॥ एदेशी ॥ वसतसमयएकदिन हवेआव्यो ॥ रहेतांतिहांसूरवमाहि ॥ ललना ॥ अवीवेकीजनआणदकारी ॥ दिन२अधिकउछाह ॥ ३६ ॥ मनमोहनमेरेदिलवश्योहो ॥ अहोमेरेललनां ॥ दिलवश्योमनवश्योमुक ॥मन०॥एआकणी ॥मलयवायुतिहांवायामनोहरा॥ फूल्यावनउद्यान ॥ ललनां ॥ लोकथोकतिहाजोवाचाल्या ॥ कोकिलरवसू णेंकांन ॥ ३७ ॥ मन० ॥ मित्रेंपरिवृत्तकुपणिचाल्यो ॥ करीतनुशोसावीशेश ॥ल०॥ अनगनदनउद्यानमांजाता ॥ आव्योराजपथनेंदेश ॥ ३८ ॥ मन०॥ नामविलासवतीनृपपुत्री ॥ गोपथीदिठोमूक ॥ल०॥ कोईसवातरनेंअत्यासें॥ रागथीअतिशेंअलूक ॥ ३९॥मन० ॥ वकुलमालागुथीनीजहाथें ॥ नापीमुक शिरतेह ॥ल०॥ दिठीमुकवसूसूतीमित्रें ॥ थापीकठदेशेंमेंएह ॥४०॥ मन०॥ उरधजोयुतवतिहांदिठु ॥ वदनकमलअदसूत ॥ल०॥ हर्षलह्योकुतेपणिकुई ॥ तोपवीपादसयुत ॥४१॥ मन० ॥ कुतनुथीतिहाआगलिचाल्यो ॥ चित्तमुकी तसपास ॥ ल० ॥ तेहनुध्यानकरतघरिआयो ॥ पणिनहीक्रिमाविलाश ॥ ॥४२॥ मन० ॥ शीसडुख्यानामिसथीवीसरज्यो ॥ मित्रादिकपरीवार ॥ल०॥ अननुंसूतडुखनेंअनुसवतो ॥ क्षणनिद्राकरीतिणवार ॥ ४३ ॥ मन० ॥ रा

निवृत्तीनामेंनारि ॥ पाश्वघामणीसार ॥ आ० ॥
रे ॥ २० ॥ इमकरताथयोमास ॥ जयकुमारतेतास ॥ आ० ॥
अनुक्रमेंवाधतोरे ॥ १० ॥ करतोकलाअभ्यास ॥ पुरवधरमनीवास
चारीत्रेंघणोरागथयोतसजन्मथीरे ॥ १२ ॥ एकदिनरमवाउद्यान ॥
सिघान ॥ आ० ॥ दिठारेतिहासनतकूमारसूरीसरुरे ॥ १३ ॥
उतस्याप्रासूकथान ॥ आ० ॥ उदधीपरेंगसीरशीतलजीमचइमारे ॥
तनपरेंबहुमुल ॥ सहजननेंअनुकुल ॥ आ० ॥
सीवपरेंरे ॥ १ ॥ नयरीस्वेतविकाराय ॥ जसवर्मसूतमुनीराय ॥
स्वपरसमयमहोसारबहुमुनीपरिवस्योरे ॥ १६ ॥ देषीलहोसवेग ॥
तेअतीवेग ॥ आ० ॥ एहसशारअशारएहवापणिठांमतारे ॥ ॥
एएकिमकस्योत्याग ॥ पुबुजईमाहासाग ॥ आ० ॥ ज
सनेरे ॥ १८ ॥ वेठोगुरुनेंपाय ॥ करकजजोमीगाय ॥ आ० ॥
शारवैराग्यहेतूखरोरे ॥ १९ ॥ तोपणिबाहनिमित्त ॥ विणनविउसगेचित्त
आ० ॥ तेकारणविशेषहेतूतुमचुकहोरे ॥ २० ॥ चितेसूरीबरश्म ॥
अहोकेंमे ॥ आ० ॥ एहनोरेएविवेकदेषीमनरजीउरे ॥ २१ ॥
धार ॥ तेपिणठेसेंशार ॥ आ० ॥ सूरीकहेजोसूणवाईठातोसूणोरे ॥
अल्पनिदानविवाग ॥ मोहटासूणीमहासाग ॥ आ० ॥ चित्रांगदविद्याधर
पासेंव्रतलीउरे ॥ २३ ॥ इणहीजसारहवास ॥ स्वेताबीकापुरीषास ॥
जसवर्मानृपतेहनोपुत्रहुजाणजेरे ॥ २४ ॥ ज्योतीसीकहेतवश्म ॥
मात्रथीनेम ॥ आ० ॥ विद्याधरनरपतीपास्येएबालकोरे ॥ २५ ॥
छसतात ॥ एकदिनतस्करघात ॥ आ० ॥ करवारेलेईजाताविठामेंतवारे
॥ २६ ॥ चोरघणाकहेश्म ॥ अमतूमसरणहनेंम ॥ आ० ॥
तसमुकावीआरे ॥ २७ ॥ रमवागयोहुवार ॥ सघलोएअधीकार
आ० ॥ निपनोरेतिहांबाहरीपचमस्वहमारे ॥ २८ ॥ पहेलीठासरशास
सूणतांमगलमाल ॥ आ० ॥ समरादित्यनारासमांपचभविजयेंकहीरे ॥

सखिजनकरमहीउपरितलचढी ॥ मारगेंनीरपेतेह ॥ ल० ॥ वातससारीअश्रु पातकरे ॥ जिमआसाढनोमेह ॥ ५८ ॥ म० ॥ इमकरतातेमुर्छापामी ॥ त वमुझसभमथाय ॥ ल० ॥ उठिकसुम्हेंकिहाछइदेषावो ॥ रषेतसजिवीत जाय ॥ ५९ ॥ म० ॥ कहेयसूसूतिवग्यूएकालें ॥ पणिसूणोआगलिवात ॥ ल० ॥ सांसलताउपजस्येज्ञाता ॥ सूणिइआगलिअवदात ॥ ६० ॥ म० ॥ बिजीढालएपचमखंमे ॥ समरादित्यनेंराश ॥ ल० ॥ पद्मविजयकहेगुणी गुणगाता ॥ होवेनीतलीलवीलाश ॥ ६१ ॥ मन० ॥ दुहा ॥ क्रपाधरीअवन तकरी ॥ वदनसूणेंहवेवात ॥ वसूसूतीकहेवेगस्यू ॥ वीज्याशीतलवात ॥ ॥ ६२ ॥ चदनशीतलचरचिआं ॥ जिववल्योतसजाम ॥नयनउघामीनिरष ती ॥ तसपुछ्युमेंताम ॥ ६३ ॥ सीपीमाइमसामटी ॥ तेकहेदर्शनतास ॥ न थयुतिणकारणमदन ॥ पीमेंदेतोपास ॥ ६४ ॥ धारणतेहनेंधारवा ॥ म्हें कहुराजिकुमार ॥ चितानकरोचित्तमां ॥ कहुतेहनोपरकार ॥६५ ॥ लाध्यो तेलक्षणथकी ॥ ढोगालोतेउयस्त ॥ कटीसूत्रकसतोषकरी ॥ आप्योमुझअव स्त ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ घोमीतेआईथारादेशमामारूजी ॥ एदेशी ॥ इणिसमेंआ वीतिहाकणें ॥ साहवजी ॥ विलासवतिनीमातहो ॥ सूणोसाहिबकामएनीप नु ॥ साहिबजी ॥ कहेराइफरमावीउ ॥ सा० ॥ वीणासस्तारोख्यातहो ॥ ६७॥ ॥ सु० ॥ विणावजाववीनृपकनें ॥ सा० ॥ सासलीकस्युपरमाणहो ॥ सु० ॥ विणाचार्यणीतेमीनें ॥ सा० ॥ नविलोपेगुरुआणिहो ॥ ६८ ॥ सु० ॥ कुतोति हाथीआवती ॥ सा० ॥ विगरकहेनीजगेहहो ॥ सु० ॥ घणुअविसेषें खोलीउ ॥ सा० ॥ पणिनवीलाघोतेहहो ॥ ६९ ॥ सू० ॥ चितापिशा चणीइपही ॥ सा० ॥ तिणेंमुझउद्वेगथायहो ॥ सु० ॥ तवम्हेंकसु चितातजो ॥ सा० ॥ कुउलपुतेसायहो ॥ ७० ॥ सु० ॥ मेलवस्यूसजो गए ॥ सा० ॥ अनगसूदरीकहेतामहो ॥ सु० ॥ कुणजुवानतेसापीइ ॥ सा० ॥ तवकसुसघलुकांमहों ॥ ७१ ॥ सु० ॥ उलपाव्योम्हेंसलीपरें ॥ सा० ॥ सापीनामनीसानहो ॥ सू०॥ अनगसूदरीतवकहे सा० ॥ एहवीवात

तिगईकस्युकुत्यगोसनु ॥ आव्यामीत्रतेपास ॥ ल० ॥
करतां ॥ लिश्तबोलसूवास ॥ ४४ ॥ मन० ॥ शून्या
केमवासरससीवान ॥ ल० ॥ रूणमाध्यानीमुनीपरेंदिशो ॥
न ॥ ४५ ॥ मन० ॥ जीत्याजुहारीपरेंरूणहरषो ॥ त
। ल० ॥ मीत्रकहेम्हेंजाण्युसघलू ॥ चितातूरूनारीनीथाय ॥ ल० ॥
नेत्रबांणेंकरीविध्योसघलो ॥ तिणेंकरीदिर्घनीसास ॥ ल० ॥
रूनेंईछे ॥ मालतेदूतितूरूपास ॥ ४७ ॥ मन० ॥ एकपषीप्रीतेंबरूचिता
रूचितानलिगार ॥ ल० ॥ तूम्हसयोगउपायमावरतू ॥
॥ ४८ ॥ मन० ॥ धाविविलासवतीनीपुत्री ॥ अनगसूदरीइणनाम ॥
तासघातेप्रसगकरयोतिणें ॥ गमनागमनथयुताम ॥ ४९ ॥ मन० ॥
सवहिगयाजबबरूतेरा ॥ तवमनचितेइम ॥ ल० ॥
रू ॥ कहोहवेकरीइकेम ॥ ल० ॥ मन० ॥ मारवडेंशज्याजईसूतो ॥
ठितमृतमूढजेमाल० ॥ पहआवेशयथयोअथेबिहनो ॥ आपवडेंनहीतेमा ॥ ५१
मन० ॥ एकदिनआव्योमीत्रहरषस्यू ॥ कहेसीधुतूल्लकांम ॥ ल० ॥
केमसीधूतवतेसाषे ॥ रूगयोधाविधूआधाम ॥ ५२ ॥ मन० ॥
म्हेंपुछ्यू ॥ अनगसूदरीकहोवात ॥ ल० ॥ सीचितातवप्रेमेंबोली ॥
रोअवदात ॥ ५३ ॥ मन० ॥ साकहेआदर्शपरेंदूखजेहनें ॥
तसवात ॥ ल० ॥ कहितोपणिस्यूलेखेलागे ॥ विरलापरदू खेडखात
मन० ॥ यत० ॥ विरलाजाणतिगुणा ॥ विरलाजाणतिलल्लीयकवाइ ॥
मणघणाविरला ॥ परड खेंडरिकयाबीरला ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ म्हें सु
स्याकरुपुरी ॥ तवबोलीसानारि ॥ ल० ॥ रायघुआमुरूसहीअतीड स्वषी
तेहनोकस्योसर्वविचार ॥ ५५ ॥ मन० ॥ मवनमहोत्सवमांनरदिठो ॥
मपचबाण ॥ ल० ॥ तेहथीअतअवस्थासोगवे ॥ मालापरमुखअहीनाथ
॥ ५६ ॥ मन० ॥ पणिनवीउलथ्योकोणहतोए ॥ म्हेंपणिकरीबरूशोधि
ल० ॥ सर्वव्यापारतज्योतिणीसरवीइ ॥ मुरूपणितेनविलध ॥ ल०

वृक्षदेषीहोयमोहहो ॥ ८६ ॥ सु० ॥ अनगसुदरीआवीकहे ॥ सा० ॥ एह चदनलतागेहहो ॥ सु० ॥ तिहांआवीनेंबेसीइ ॥ सा० ॥ तवअम्हेगयातिहांने हहो ॥ ८७ ॥ सु० ॥ दिठीविलासवतीतिहा ॥ सा० ॥ सखीइपरीवृतजेह हो ॥ सु० ॥ कूर्मोन्नतपदजेहना ॥ सा० ॥ निरमलनखससनेहहो ॥ ८८ ॥ सु० ॥ उरुजुगरसाउपमा ॥ सा० ॥ सिहलकीझुसवानहो ॥ सु० ॥ कटी मेखलाखलकीरही ॥ सा० ॥ सवननितवपचवाणहो ॥ ८९ ॥ सु० ॥ ला वण्यजलनीकुपीका ॥ सा० ॥ नासीमझलगसीरहो ॥ सु० ॥ कमलनाल सीवांहिमी ॥ सा० ॥ नाशिकाचचउयुकीरहो ॥ ९० ॥ सु० ॥ चदलावय णीविराजती ॥ सा० ॥ चपकवरणीधारिहो ॥ सु० ॥ कोटउरेंघणसोहतो ॥ सा० ॥ मुक्ताफलनोहारहो ॥ ९१ ॥ सु० ॥ आंपमीपकजपारवमी ॥ सा० ॥ अ रधससीसमसालहो ॥ सु० ॥ कामधनुषसमुहावनी ॥ सा० ॥ अधरप्रवा लालालहो ॥ सु० ॥ ९२ ॥ जिनध्यानानलेंदाझतो ॥ सा० ॥ मदनधुमभा नुंकिसहो ॥ सु० ॥ अथवाशेपवेणेंवस्यो ॥ सा० ॥ दतदाडिमकलीवेसहो ॥ ॥ ९३ ॥ सु० ॥ रुपदेषीरीझ्योघणक ॥ सा० ॥ चित्तमांसनतकूमारहो ॥ ॥ सु० ॥ नेत्रकटाक्षेंनिरषीउ ॥ सा० ॥ विस्मयपांमीनारिहो ॥ ९४ ॥ सु० ॥ त्रीजीपाचमाखमभा ॥ सा० ॥ पद्मवीजयकहीढालहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनारासमां ॥ सा० ॥ आगलिवातरचालहो ॥ ९५ ॥ सु० ॥ दुहा ॥ आ दरदेईउसीथई ॥ विलासवतीतिणीवार ॥ सनमानीवेसारतो ॥ कामनीनेंते कुमार ॥ ९६ ॥ अनगसुदरीकहेअमप्रतें ॥ आसनवेसोएथि ॥ वेठातवअ म्हेंबिहुजणा ॥ तवोलआण्योतेथि ॥ ९७ ॥ मित्रसूतीइणनामथी ॥ कन्या रत्नाकार ॥ आवीप्रणम्योआदरें ॥ किधोम्हेंशातकार ॥ ९८ ॥ विलासवती तुम्हनेंवदे ॥ नरपतीएहवीवात ॥ विणातुम्हनेंविसरी ॥ कालेंकोपकरात ॥ ॥ ९९ ॥ आजवजाववीअवलथी ॥ ससारोकरीसान ॥ आणातवअगी करी ॥ निकलीअवसरजान ॥ १०० ॥ धीठीआपिताकती ॥ सवनगईस यसीत ॥ मारवाणविधीमनें ॥ कपेजेमचकीत ॥ १ ॥ वसुंसूतिकहेवाल

नीदानहो ॥ ७२ ॥ सू० ॥ तोनीरूयमकिमथईरसा ॥ सा० ॥
तासहो ॥ सु० ॥ नहीनिरुयमपणिचिंतवु ॥ सा० ॥
॥ ७३ ॥ सू ॥ साकहेसमरुपकुलकनी ॥ सा० ॥ हर ।
सु० ॥ आठप्रकारविवाहना ॥ सा० ॥ शास्त्रमांसाष्याजोषहो ॥ ७४
सु० ॥ ब्राह्मा१प्राजापत्य२आर्षठइ३ ॥ सा० ॥ ऋत्विज४
सु० ॥ गधर्व५असूर६राक्षस७वली ॥ सा० ॥ पैसाच-
॥ ७५ ॥ सु० ॥ कन्यासूषीतकरिदीइ ॥ सा० ॥ तेविवाहकसोआलहो ॥
सु० ॥ निजविसवोचितधनदिइ ॥ सा० ॥ तेप्राजापत्यनामहो ॥७६॥ सु०
गायदांनपूर्वकदिइ ॥ सा० ॥ तेतोआर्षकहायहो ॥ सु० ॥ सर्वजातीचे
दक्षिणा ॥ सा० ॥ तेतोवेदसुगायहो ॥ ७७ ॥ सु० ॥ वरकन्याराजीपर्ने
सा० ॥ नहिकोईअवरनुकामहो ॥सु०॥ तेगधर्वकसोवली ॥सा०॥ परठ
ऐजामहो ॥ ७८ ॥ सु० ॥ जेपणबधइपरणिइ ॥ सा० ॥ ते
॥ सू० ॥ बलात्कारथीपरणवु ॥ सा० ॥ तेराक्षसपहिचाणहो ॥ ७९ ॥ सु०
सुतीरमतीहोयजे ॥ सा० ॥ अणजाणेंलेईजायहो ॥ सु० ॥ तेपैशाचिक
जाणिइ ॥ सा० ॥ हरणमांदोषनकोयहो ॥ ८० ॥ सु० ॥ म्हेंकसुवालवसी
कही ॥ सा० पणिरागीनररायहो ॥ सु० ॥ अप्रतीहतगतीकुमरनें ॥ सा०
वलीजीवनसुपसायहो ॥ ८१ ॥ सु० ॥ परणावेराजाकदी ॥ सा० ॥ त
नहीबीजोउपायहो ॥ सु० ॥ दर्शनवेऊनेंजीमहोइ ॥सा०॥ चितवोतेहसुग
हो ॥ ८२ ॥ सु० ॥ अनगसूवरीतवसणें ॥ सा० ॥ लावोतूम्हेकूमारहो ॥
सु० ॥ ऊपणिसूवनउद्यानमां ॥ सा० ॥ लावुराजकुमारिहो ॥ ८३ ॥ सु०
म्हेंएवातअगीकरी ॥ सा० ॥ चालोकारणतेहहो ॥ सु० ॥ वचनसुणीवसु
सूतीनां ॥ सा० ॥ परमआणंदलसोदेहहो ॥ ८४ ॥ सु० ॥
मांनतो ॥ सा० ॥ सवीऊखनोलसोपारहो ॥ सु० ॥
एकं ॥ सा० ॥ वचननकरूनाकारहो ॥ ८५ ॥ सु० ॥
गया ॥ सा० ॥ जिहांपटरीतुनीसोहहो ॥सु०॥ जातीअनेकनापूलिआ

रे ॥ तिणेंसकल्पतजेह ॥ १७ ॥ वी० ॥ तूम्हतनुसोगनोखपनहीमाहरेरे ॥ शक्तीवतानरतेह ॥ जेनीजघरमनछमेसत्वथीरे ॥ नविखंमेशीलरेह ॥ १८ ॥ ॥ वी० ॥ नवीउलघेनीजआचारनेंरे ॥ नकरेनिंदितकाम ॥ निजकरणीमांमुझाइनहीरे ॥ तेहनेंकिस्युकरेकाम ॥ १९ ॥ वी० ॥ यत ॥ तेपमीआजेविरयाविरोहे ॥ तेसाहणोजेसमयचरती ॥ तेसत्तीणोजेनचलतीधम्मे ॥ तेबधवाजेवसणेहवती ॥ १ ॥ ॥ पूर्वढाल ॥ पहेरोवीवेकसन्नाहतूम्हेप्रेमस्यूंरे ॥ जेहथीअनगसयजाय ॥ जोतुम्हवक्षसहुमातजीरे ॥ तोकिमइमकहाय ॥ २० ॥ वी० ॥ हणसूरवअरथेवहुदूरवनरगमारे ॥सोगववांवहुकाल॥ अवीवेकीजनअसीलापाकरेरे ॥ ढांमोएहजजाल ॥ २१ ॥ वी० ॥ यत ॥ खिणमीत्तसूरवावहुकालदूरका ॥ पगामदूरकाअनीकामसूरका ॥ सचारमुकस्सविपरकसूआ ॥ खाणिअणवाणउकामसोगा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ लाजकरातवअणगवतीकहेरे ॥ सलू २ कसुरिकूमार ॥ म्हेंतेमाव्योपरीक्षाकारणेंरे ॥ पणिघनतुम्हअवतार ॥ २२ ॥ वी० ॥ जाउसूरवेंनीजथानिकइमसूणीरे ॥ चाल्योकरीपरीणाम ॥ घरिआव्योकांयवेलाअतीकमीरे ॥ निपनुतिणेंसमेआम ॥ २३ ॥ वी० ॥ विनयघरकोटवालतेआवीउरे ॥ जसनरपतीघणहेत ॥ तेकहेकुमरएकांतआणाकरोरे ॥ कहेवीवातसकेत ॥ २४ ॥ वी० ॥ तवसहमीअगयानीजथानिकेरे ॥ हवेकहेस्येकोटवाल ॥ पद्मविजयकहोपचमखमरि ॥ चोथीढालरशाल ॥ २५ ॥ वी० ॥ डहा ॥ तुम्हराज्येंशक्तीमती ॥ सन्नीवेसठेसार ॥ विरसेनकूलपुत्रवमो ॥ दयावतदातार ॥ २६ ॥ शरणागतरापणसपर ॥ असीमाधीआधार ॥ सूरगसीरसोहामणो ॥ सफलजनमसचार ॥ २७ ॥ जाणिगरसजायातणो ॥ लेइनारीनेंहार ॥ सूसटपरीदत्तसामटो ॥ चाल्योचतूरविचार ॥ २८ ॥ जातानयरजयरथलें ॥ जिहास्वसुरजनवास ॥ वाहिरस्येतांवीवनें ॥ वेगेंकिघोवास ॥ २९ ॥ ढाल ॥ देवतणीरीधीसोगविआव्यो ॥ एदेशी ॥ शीणअवशरिएकचोरतेआव्यो ॥ मुहमेसासनमाइ ॥ सयकायरनयणांनहीमाइ ॥ कठप्राणतसआयके ॥ ३० ॥ साईउसूणो

हा ॥ जईइआपणीजाग ॥ स्येकारणबेसीरहा ॥ .
उठ्याबेऊइहाथकी ॥ आव्याद्वारउद्यान ॥ अनगवतीनृपराणीई ॥
मुऊदिलआणि ॥२॥ ढाल ॥ माहसुमनमोहुरेबाबदेवकेरेकेवली ॥
देषीरेरागतेउपनोरे ॥ कामनराषेरेमाम ॥
विङ्गलथईतेहवाम ॥ ३ ॥ विषयपिपासारेविषमीजगतमरि ॥
निजथानिकआलेपोहताप्रेमस्यूंरे ॥ चितवतातेहथान ॥
नोरे ॥ तेहनेंतसबऊमान ॥ ४ ॥ वी० ॥ कूसूममालतबोलविलेपणरि ॥
विलासवईसखिसाथ ॥ पुर्वलतांपणितेअगीकरयारे ॥
॥ वी० ॥ अनेंगसूइरीनेंआप्योकठथरि ॥ हारतेसूवनमासार
नीत २ आवज्योरे ॥ खेदमकरज्योलगार ॥ ७ ॥ वी० ॥
तेप्रतेंरे ॥ इमकरतांकोईकाल ॥ एकदिनघरथीनीकलतांमनेंरे ॥
माल ॥ ८ ॥ वी० ॥ अनगवतीनृपराणीइमोकलीरे ॥ तु
पइठाइकुमरपधारीइरे ॥ माउधारोतूम्हेराज ॥ ९ ॥ वी० ॥
रवुमाहरेरे ॥ कूमरकरेरेविचार ॥ राइंसघलेप्रवेशआणाकरीरे ॥
ज्योतिवार ॥ १० ॥ वी० ॥ वामनयनफूरक्युतवमाहरुरे ॥ न
हि ॥ जईदिठीशोकातूरविङ्गलारे ॥ प्रणमीधरीयउछाह ॥ ११ ॥ वी०
णिकहेशरणागतताहरइरे ॥ कदरपनोसयजोर ॥ दिर
रें ॥ दिठातूम्हतिणठोर ॥ १२ ॥ वी० ॥ तेदिनथीपचबाणपणमाहरेरे ॥
दशकोमीतेबाण ॥ तूम्हगुणथीमुऊहृदयतेबांधीउरे ॥
॥ १३ ॥ वी० ॥ तुलसयोगेंमुऊतनुठारीइरे ॥ शक्तीवंतजेहोय ॥
नासगकरेनहीरे ॥ दिनउठारकरेसोय ॥ १४ ॥ वी० ॥
चित्तेमरि ॥ पुरेपरअसीलाप ॥ उलटीप्रार्थनाऊतुऊनेंकरुरें ॥
थीराषि ॥ १५ ॥ वी० ॥ वयणसुणीवजघातपरेंभयोरे ॥
मातस्युबोल्यारिईमनथीबोलीइरे ॥ एतोमहाअनाचार ॥ १६ ॥ वी० ॥
रलोकेंदूरवदायकघणरे ॥ कूलआचारनएह ॥

तायनें ॥ मुझउपगारीआमके ॥ ४६ ॥ सा० ॥ मातपीतापासेम्हेंसूणीउ ॥ स घलोएअधीकार ॥ गुणकीरतनकरतादीनकाढे ॥ मानेबझउपगारके ॥ ४७ ॥ ॥ सा० ॥ कारणएहकह्यानुसूणीइ ॥ इशानचदजेराय ॥ रहवामीरमीअनग वतीघरें ॥ हरपधरीजवआयके ॥४८॥सा० ॥ पचमखमेपद्मवीजयेंकही ॥ पचमीरुमीढाल ॥ समरादित्यनारासमांसूणीइ ॥ सूणतांमगलमालके ॥ ४९॥ सा०॥ढ्ह॥ अनगवतीदीठीईसी ॥ विलखितकररुहवयण ॥ नयणेंआसूनाप ती ॥ नरपतीपुछेवयण ॥ ५० ॥ एस्यूतवकहेअगना ॥ शीलराख्यानोंस्वाद॥ रायकहेकीमउच्चरो ॥ अंगेधरीआल्हाद ॥ ५१ ॥ पुर्वेकरतांप्रार्थना ॥ वास रघणाव्यतीत ॥ सनतकूमारएसूखीइ ॥ आजएकीधअनीति ॥ ५२॥ राजा तवरीसेंचढ्यो ॥ कहेमुझनेंकरिकाम ॥ मारोसनतकूमारनें ॥ नवीजाणेकोई नांम ॥५३॥मेंपणितेंतिहांमानीउ ॥ मनमांचित्युआम ॥ जोम्यामुझअकार्य मां ॥मुझनरगेंनहीगाम ॥ ५४ ॥ निचसेवानरपतीतणी ॥ इमचितचितनमा य ॥ किमहीकदीर्घायुथकी ॥ नमरेतोहोइन्याय ॥५५॥ ढाल ॥ सारदवुधदा इक ॥ एदेशी ॥ नरपतीनीआणातोपणिकिमलघाय ॥ पगलुसरेजेहवेंते हवेठीकतेथाय ॥ करेवीलबतेएहवइतवएकनिमीत्तीउवोले ॥ ढीलनकरोह मणानहीएठीकनेंतोले ॥ ५६ ॥ त्रुटक ॥ सोमानामएठीकतेसापीआगे ग्यफलनेआपे ॥ पुर्वरूपीइणिपरेंसाप्युंठेतिणेंदूखदोहगकापे ॥ वलीनिमी त्तेंतरथीजाणनिर्दोषवस्तुमांआणि ॥ राजाइकीधीठेतोपणितूझमनमांअप मांण ॥ ५७ ॥ यत ॥ पमीसेहमजत्तवा ॥ हाणिवुढीखयअसिद्धिच ॥ आ रोग्गमडलात्त ॥ ढीयमिपयाहिणदिशासू ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ पणिजिमतूझ चित्तमाठेतीमथास्येएह ॥ पणिजातूवहीलोनहींतोविपरिततेह ॥ तव म्हेंमनचित्यूसिरुदेशएनांम ॥एहनावझप्रत्ययदिगठेकेईकांम ॥ ५८ ॥ ॥ त्रु० ॥ इमचितीगयोजननीपासेंपुछेजननीमुझ ॥ देखुतुउद्वेगसरीपु म्लानवदनतेतूझ ॥ माताथीनवीगानुकरीइइमविचारीसाप्यु ॥ माताकहे एकूमरनेंतातेंताहरूंकूलसवीराप्यु ॥ ५९ ॥ एकाममकरज्येइमसूणी

होऊरेअनाथी ॥ नहीश्हांमाहरोसाथीके ॥ साइ ॥ एआंकणी
रेआव्योशणिपरें ॥ तबबोलेतेहवाणी ॥ सयमकरेमुऊबेगतारो
णिके ॥ २१ ॥ सा० ॥ घरिणीकहेअन्याईहोस्ये ॥
लपुत्रकहेजोनाईहोवे ॥ तोआवेस्येकामके ॥ [illegible] ॥ सा० ॥
वोम्हेंराष्योकहेवेशितूश्हांसाशीतेकहेसयकायरजिमहरणो
राईके ॥ २२ ॥ सा० ॥ नारीहृदयसयथीपरहरतू ॥
सज्जननेंपरनिंदावाणी ॥ तिमनवीगतीविस्तरतीके ॥ २३ ॥ सा० ॥
चनपरेंपगखलता ॥ जमपरेंएनरनाह ॥ तेहनाचाकरपुठेंआवे ॥
अथाहके ॥ २४ ॥ सा० ॥ षेदमकरिकूलपुत्रेंसाष्यु ॥
रायपुरसआविश्मसाषे ॥ आपोचोरएकातेंके ॥ २५ ॥ सा० ॥
केंजलघीउलघे ॥ शक्रनेंशरणेंजाइ ॥ तोपणिनवीछोडीजेंएहनें ॥ [illegible]
२ जाइके ॥ २७ ॥ सा० ॥ कुलपुत्रकहेचोरराषवोनघटे ॥ शरणांगत[illegible]
पाय ॥ जिमकहोतिमकरीश्तबबोल्या ॥ आपोअमएसायके ॥ [illegible]
सा० ॥ रायकोपानलमांहिपतगसम ॥ मतथाउतूम्हकहीश
मअपाइ ॥ शरणागतजेलहीश्के ॥ २९ ॥ सा० ॥
एहनें ॥ बलषीलहेस्यूएह ॥ कुलपुत्रकहेमुऊप्राणघरतइ ॥
॥ ३० ॥ सा० ॥ इमकहीखडगलीधुनीजकरमां ॥ सनद्धहोयपरीवार ॥ [illegible]
जपुरुषपोहताचूपपासें ॥ साष्योसर्वविचारके ॥ ३१ ॥ सा० ॥ मुऊ[illegible]
लोपकनुसरणक ॥ जेहकरेतसमारो ॥ इमकहीनृपेंबऊसैन्यमोकलीउ ॥ [illegible]
तावऊहोकाराके ॥ ३२ ॥ सा० ॥ लागुजुधपरस्परेबेऊनें ॥ इणअवसरतिहां
आयो ॥ राजकुमरजशोवर्मरमीनें ॥ बऊअशवारेंगायोके ॥ [illegible] ॥ सा०
पुठेतवसरवेससलाष्यू ॥ बोल्योसूतनरराय ॥ मुऊमास्यावि
बठलनवीअमरायके ॥ ३४ ॥ सा० ॥ जुधसम्यूसूपतिश्जाण्यू ॥ राश्मांही
वात ॥ चोरबोलावीसऊनिजथानिक ॥ पेमेंकुसलेंआयातके ॥ [illegible] ॥ सा
अनुक्रमेंजयथलनगरेंपोहता ॥ प्रजाव्योपुत्रऊनाव ॥ इमतूऊतायमुऊबाल

तायनें ॥ मुझउपगारीआमके ॥ ४६ ॥ सा० ॥ मातपीतापासेम्हेंसूणीउ ॥ स
घलोएअधीकार ॥ गुणकीरतनकरतादीनकाढे ॥ मानेवझउपगारके ॥ ४७॥
॥ सा० ॥ कारणएहकहानुसूणीइ ॥ इशानचदजेराय ॥ रहवाभीरमीअनग
वतीघरें ॥ हरपघरीजवआयके ॥४८ ॥सा० ॥ पचमखमेपद्मवीजयेंकही ॥
पचमीरुमीढाल ॥ समरादित्यनारासमांसूणीइ ॥ सूणतांमगलमालके ॥४९॥
सा०॥इह॥ अनगवतीदीठीईसी ॥ विलखितकररुहवयण ॥ नयणेंआसूनाप
ती ॥ नरपतीपुछेवयण ॥५० ॥ एस्यूतवकहेअगना ॥ शीलराख्यानोंस्वादा
रायकहेकीमउच्चरो ॥ अगेघरीआल्हाद ॥५१ ॥ पुर्वेकरतांप्रार्थना ॥ वास
रघणाव्यतीत ॥ सनतकूमारएसूखीइ ॥ आजएकीघअनीति ॥५२॥ राजा
तवरीसेंचल्यो ॥ कहेमुझनेंकरिकाम ॥ मारोसनतकूमारनें ॥ नवीजाणेकोई
नांम ॥५३॥मेंपणितेंतिहामानीउ ॥ मनमांचित्युआम ॥ जोम्यामुझअकार्य
मा ॥मुझनरगेंनहीगांम ॥ ५४ ॥ निचसेवानरपतीतणी ॥ इमचितचितनमा
य ॥ किमहीकदीघायुथकी ॥ नमरेतोहोइन्याय ॥५५॥ ढाल ॥ सारदबुधदा
इक ॥ एदेशी ॥ नरपतीनीआणातोपणिकिमलघाय ॥ पगलुसरेजेहवंते
हवेठीकतेथाय ॥ करेवीलवतेएहवइतवएकनिमीत्तीउवोले ॥ ढीलनकरोह
मणानहीएठीकनेंतोले ॥ ५६ ॥ त्रुटक ॥ सोमानामएठीकतेसापीआगे
ग्यफलनेआपे ॥ पुर्वरूपीइणिपरेंसाप्युंठेतिणेंदूखदोहगकापे ॥ वलीनिमी
त्ततरथीजाणनिर्दोपवस्तुमांआणि ॥ राजाइकीधीठेतोपणितूझमनमांअप्र
मांण ॥५७ ॥ यत ॥ पमीसेहमजत्तवा ॥ हाणिवुढीखयअसिद्धिच ॥ आ
रोग्गमइलास ॥ ठीयमिपयाहिणदिशासू ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ पणिजिमतूझ
चित्तमांठेतीमथास्येएह ॥ पणिजातूवहीलोनहीतोविपरिततेह ॥ तव
म्हेंमनचित्यूसिद्धदेशएनांम ॥एहनावझप्रत्ययदिठाठेकेईकाम ॥ ५८ ॥
॥ शु० ॥ इमचितीगयोजननीपासेंपुठेजननीमुझ ॥ देखुबुउदवेगसरीपु
म्लानवदनतेतूझ ॥ माताथीनवीठानुकरीइइमविचारीसाप्यु ॥ माताकहे
एकूमरनेंतातेंताहरूंकूलसवीराप्यु ॥ ५९ ॥ एकाममकरज्येइमसूणी

ऊश्हाआव्यो ॥ माहरोवृत्तांतएतूम्हनेंसर्वसूणाव्यो ॥
सासलीएम्हेंविचारयु ॥ स्त्रीचरीत्रअहोजुउविषनेंबलीअवधारयु
॥ ४० ॥ अहोपापिणीएसापिणीसरीषीकुटरीदयजुउराषे ॥
दीलमांजुठीप्रेमविजज्युदाषे ॥ सरीतापरेंउसयकूलहरण
हवी ॥ सगीनीदिक्षापरेंनलहेधर्मवाततेकेहवी ॥ ४१ ॥
मकहोउश्माहरे ॥ पणिराजाकिणीपरेंवातएहअवधारे ॥
यमाहरीदेषीमानेाखरीवातसंसलाषुजईराजानेंकानें ॥ ४२ ॥ ४०
अथवाराणीमारीजाशतिणेंएपणिकिमकरीश ॥
बलिसकटमाघरीश ॥ राजानेंजोखरुनसाषुतोकुलकलकतेआवे ॥
एहवुकामतेनकरुजिणेंपरपिमाथावे ॥ ४३ ॥ कहेवीनयधरसूणोकुमर
नेंस्यूफरमावो ॥ कुमरकहेतूम्हेंतोरायकुकमबजावो ॥ मुऊजीवेस्यूं
एहवुसाषेजाम ॥ श्रीहरनामेब्राह्मणमारगेंठीक्योताम ॥ ४४ ॥ ४०
ब्राह्मणबकुमोहटेशब्दें ॥ वातोकरताचाले ॥ स्यूकहीश्घणकोशनएहनें ॥ क
मकरीईजेआले ॥ सूणीविनयधरबोल्योशणिपरें ॥ तूममांनहीकोश्दोश ॥ क
वादेशठीकएशब्दें ॥ काढ्योसघलोसोस ॥ ४५ ॥ केहेस्यूबकुसांकुं
जेहवुहोयतेह ॥ विनवीसूपतीनेंदेवराबुर्दमदेह ॥ कसुम्हेंस्यूंसांकुं
बाकहेतेभमांण ॥ तबकहेविनयधरमुऊनेंपयुविन्नाण ॥ ४६ ॥ ४०
मुऊनेंपयुविन्नाणएवचनें ॥ एहजदूषठेराणी ॥ जईराजानेंकरुंविनती ॥ क
रेसकुसमऊाणी ॥ श्मकहीउठ्योतेजेहवे ॥ तेहवेम्हेंवेसास्यो ॥ म्हेंकसुं
बाउपरिएवमु ॥ नकरोकोपवकास्यो ॥ ४७ ॥ एहचचलजीवितकाजेकीय
ऊखदीजें ॥ कहेवीनयधरसूणिएवमीवातकीमषीजें ॥ मुकोमुऊजा
तबम्हेंश्मसाषीजें ॥ एहवातेंआपहअशमाप्रनवीकीजें ॥ ४८ ॥ ४०
श्मकरतांजोबलषीकरस्यो ॥ तोऊतजस्युप्राण ॥ श्मसांसलीनेंरोवालामो ॥
विनयधरअसमान ॥ अहोअवीचारसुंकारजअपनुं ॥ एहवापुरुषवांछका
म्हेंकसुतातनेंश्मनकहिश ॥ कर्मपरणतीमुऊर्वका ॥ ४९ ॥ तबविनयधरक

हेकृपापीसीरदार ॥ कस्यूकरुसापोम्हेंकसुतूआणाकार ॥ करिनृपनी आणातववोल्योतेतलार ॥ जिमतिमस्यूबोल्योकिमतूमकर्मविकार ॥ ॥७० ॥ ध्रु० ॥ धन्यतुम्हेंकल्यपुन्यगुणाकर ॥ सूरतरुसरीपोदाता ॥ जोनें वीविनवुराजानें ॥ अनुकपाश्राता ॥ उगारवीराणीनेंजाणो ॥ तोंचितवोउपाय ॥ तूम्हनेंउगारीआणउ ॥ कोपनकरेवलीराय ॥ ७१ ॥ म्हेंकसुविचारी जोनकरेनृपआणि ॥ तोवसुसूतीस्यूजाउदेशांतरठाण ॥ तेमाग्यूतलारे बोलेतवकोटवाल ॥ आजसुवरणसूमीजाश्ल्याजततकाल ॥ ७२ ॥ ध्रु० ॥ सध्यासमयेंविझनीकलीआ ॥ सार्थेवलीकोटवाल ॥ प्रवहणस्वामीसमुद्रदत्तनें ॥ सुप्यार्थईउजमाल ॥ घणीसलामणदेईमुकप्रणमी ॥ कहेमुकोपनकरज्यो ॥ नेत्रेंनीरकरतावलतां ॥ कहेतनुजतनतेकरज्यो ॥ ७३ ॥ चाल्युहवे प्रवहणउपयोगीकर्णधार ॥ वसूसूतीपुठेमीत्रएकिस्योवीचार ॥ तवस कसतजावेअनगवतीअधीकार ॥ नृपनेंनवीसाप्युअनगवतीउपगार ॥ ॥ ७४ ॥ ध्रु० ॥ सुवर्णसूमीपोहताअनुक्रमें ॥ दोयमाश्नेंकाल ॥ उतरीश्री पुरनगरेंपहोता ॥ पचमेरवमेढाल ॥ पद्मविजइंठेठीसापी ॥ समरादित्यनेंराश ॥ गुणवतागुणगाताहोवे ॥ घरि२लिलवीलास ॥ ७५ ॥ ॥०॥ ॥०॥ ॥०॥ ऊहा ॥ स्वेतावीकावासीमिल्यो ॥ सम्रधदत्तसूतसार ॥ वाणिक्कअरथेंआवीउ ॥ मनोरथदत्तमनोहार ॥ ७६ ॥ माहरोवालथीमीत्रते ॥ संबमपाम्योसोय ॥ निश्चयउलपीप्रणमीउ ॥ हर्षवीपादमनहोय ॥ ७७ ॥ नृपनेंकुसलपुछ्युमनें ॥ निजघरलाव्योनेह ॥ सोजनउत्तरश्मसणें ॥ कारणआगमकेह ॥ ॥ ७८ ॥ रायनिवेदनवीरसो ॥ आव्योआणेंगाम ॥ माउलथायेमाहरो ॥ सीहलद्वीपनोस्वामि ॥ ७९ ॥ तिहांजावुमुकततपिणें ॥ जोग्योजातूजिहाज ॥ मनोरथदत्तेंमानीउ ॥ जिमसापोमहाराज ॥ ८० ॥ मित्रवीजोगनामान्यथी ॥ काल्योवकतिणेंकाल ॥ उतावलसहीएकदीन ॥ मुकनेंकहेमयाल ॥ ८१ ॥ जावुतुमारेजोपस्यूं ॥ तोप्रवहणजाश्नित ॥ तुम्हविजोगनेंकातरे ॥ एतलादिवसअतीत ॥ ८२ ॥ आजजमाहरेजायवु ॥ म्हेंसाप्यु

कइहांआव्यो ॥ माहरोवृत्तांतएतुम्हनेंसर्वसूणाव्यो ॥
सासलीएम्हेविचारयु ॥ स्त्रीचरीअअहोजुउंविषनेंवलीअवधारयु
॥ ३ ॥ अहोपापिणीएसापिणीसरीषीकुटरीदयजुउंराषे ॥
दीलमांजुठीप्रेमविजज्युदाषे ॥
हवी ॥ सगीनीविक्षापरेंनलहेधर्मवातनेकेहवी ॥ ६१ ॥
मकहोउइमाहरे ॥ पणिराजाकिणीपरेंवातएहअवधारे ॥
यमाहरीदेषीमानेाखरीवातससलावुजईराजानेंकानें ॥ ६२ ॥ ३
अथवाराणीमारीजाइतिणेंएपणिकिमकरीइ ॥
वलिसकटमाथरीइ ॥ राजानेंजोखरुनसाषुतोकुलकलकतेआवे ॥
एहवुकामतेनकरुजिणेंपरपिमाथावे ॥ ६३ ॥ ३
नेंस्यूफरमावो ॥ कुमरकहेतुम्हेंतोरायझकमवजावो ॥ मुझजीवेस्यूं
एहवुसाषेजाम ॥ श्रीहरनामेब्राह्मणमारगेंठीक्योताम ॥ ६४ ॥ ३ ॥ वली
ब्राह्मणवझमोहटेशब्दें ॥ वातोकरताचाले ॥ स्यूकहीइषणदोशनएहनें ॥ क
मकरीइजेआले ॥ सूणीविनयधरबोल्योइणिपरें ॥ तूममांनहीकोइदोश ॥ वि
शदेशठीकएशब्दें ॥ काढ्योसघलोसोस ॥ ६५ ॥ केहेस्यूवझसाधुंकहो
जेहवुहोयतेह ॥ विनवीसूपतीनेंवेवरावुदम्देह ॥ कहुम्हेंस्यूंसाधुं
वाकहेतेप्रमांण ॥ तवकहेविनयधरमुझनेंषयुविन्नाण ॥ ६६ ॥ ३
मुझनेंषयुविन्नाणएवचनें ॥ एहजदूठठेराणी ॥ जईराजानेंकरुंविनती ॥ क
रेसझसमझाणी ॥ इमकहीउठ्योतेजेहवे ॥ तेहवेम्हेंवेसाख्यो ॥ म्हेंकमुंभ
वाउपरिएवमु ॥ नकरोकोपवकास्यो ॥ ६७ ॥ एहचचलजीवितकाजेकीद
डखदीजें ॥ कहेवीनयधरसूणिएवमीवातकीमषीजें ॥ मुकोमुझभा
तवम्हेंइमसाषीजें ॥ एहवातेंआपहअशमाप्रनवीकीजें ॥ ६८ ॥ ३
इमकरतांजोवलषीकरस्यो ॥ तोझतजस्युप्राण ॥ इमसांसलीनेंरोवाल्यो ॥
विनयधरअसमान ॥ अहोअवीचारयुंकारजमषनुं ॥ एहवापुरुषमोझका ॥
म्हेंकमुतातनेंइमनकहिइ ॥ कर्मपरणतीमुझवंका ॥ ६९ ॥ तवविनयधरक

तसअधीपतीउठीउ ॥ आप्युआशनसार ॥ करीअप्रणामनेंवेगतेसङ्ग ॥ सूप्याअमनेंसतार ॥ ९७ ॥ पुण्य० ॥ मनोरथदत्तकहेमुझवाधवा ॥ स्वामीएवलीमीत्त ॥ जिवीतमाहरूरेएहनेंजाणज्यो ॥ जालवज्योवङ्गरी ति ॥ ९८ ॥ पु० ॥ पोतपतीकहेझाझूस्यूकहो ॥ मुझपणिएहवारेएह ॥ वेगाझ्याझेरेंमनमोर्देकरी ॥ दरीयानेंवलीदेह ॥ ९९ ॥ पु० ॥ पवनेपुस्योरे सढउचोकरी ॥ मनोरथदत्तपरिणाम ॥ करीउसोरसोवाहणचलाविआ ॥ नि रजामकेंसङ्गताम ॥२००॥ पु० ॥ तेरसमेदिनसायरमाजतां ॥ चढिउमेघअ काल ॥ वीजझवुकेरेगरजारवकरे ॥ अधकारअसराल ॥ १ ॥ पु० ॥ साय रकपेरेकल्लोलउछले ॥ वायुविषमारेवाय ॥ मदमत्तगजपरेंवसनहीजीहाज ते ॥ निरजामकतेषेदाय ॥ २ ॥ पु० ॥ तिणेसमेढेधारेमेंघीरजधरी ॥ सढ नादोरससालि ॥ सढसकेल्योरेनांगरमुकीआं ॥ मणिसागरविकराल ॥ ३ ॥ पु० ॥ सारगुरूतिणेंकर्मविपाकथी ॥ सागुजिहाजतिवार ॥ सघलाअलगा रेथयाविजोगीआ ॥ पाम्याङ्गकअपार ॥ ४ ॥ पु० ॥ फलकलसुम्हेरेआयु सबधथी ॥ दिवसथयातिहात्रणि ॥ तटदेषीनेरेनिकलीउहवें ॥ जाणपु न्यअगन्य ॥ ५ ॥ पु० ॥ पचमखंडेरेसातमीढालए ॥ पुरणङ्गईसूअमाण ॥ पद्मविजयकहेसवआयरतरो ॥ जिमहोयकोडिकल्याण ॥ ६ ॥ पु० ॥ दूहा ॥ जवुदरूतलेजइ ॥ चितवेइणिपरेंचित्त ॥ वसुसूतीरसोवेगलो ॥ मा हरोवल्लसमित्त ॥७॥ पडीउएहवेपयोनीधी ॥ कहोजीव्योझकेम ॥ मित्रविना हवेमाहरे ॥ नवीजिववुएनेम ॥ ८ ॥ अथवामुझपरेंएहपणि ॥ जिवतो होयजोय ॥ तोमिलवुथायतेहस्यू ॥ हवेंजोसावीहोय ॥ ९ ॥ जवजोयु तवजाणिउ ॥ पलल्योनहीतेपट्ट ॥ विस्मयपाम्योवेगस्यू ॥ प्रेमथकीपरग ट्ट ॥ १० ॥ उत्तरसनमुखआवीउ ॥ सूपनीवेदनीसालि ॥ गिरिनदीनेंकठि गयो ॥ फनसफलादीससालि ॥ ११ ॥ आहारकरीअवनीतलें ॥ रुडोराज कूमार ॥ वेगोतवजोमेंविङ्ग ॥ सारसदिगांसार ॥ १२ ॥ ढाल० ॥ घनदिन वेलाघनघडीतेह ॥ एदेशी ॥ दिगरेसारसआरसिदोय ॥ कीडारेकरतालट

इमजाम ॥ पटएकलावीआपीउ ॥ उतपतीसाषेआम ॥ [illegible] ॥ [illegible]
लीमारेहआरेविषयनराचिइ ॥ एवेशी ॥ कौतूकसहीतएपटस्वामीसूणो ॥ [illegible]
जेजवएह ॥ कोइनदेषेरेआपणनेंतदा ॥ तवम्हेंपुछ्युसनेह ॥ [illegible] पुण्यप्रभा
णेरेसवीसुखसपजे ॥ एआंकणी ॥ म्हेंतवउठ्योरेतीमहीजनीपनु ॥ उतपती
पुछीम्हेंताम ॥ तवतेसाषेरेइहाआव्यापछी ॥ सिरूसेनएकनांम ॥ [illegible]
पुन्य० ॥ आणदपुरनोवासीतेहछे ॥ बहुवीधाजससिरू ॥ तेसोरूपुभस्पूंजी
तिषईघणी ॥ इकदिनम्हेंतेसकीध ॥ ८६ ॥ पुन्य ॥ चमतकारकोईविद्यामां
अछे ॥ केनहीकौतूकमुझ ॥ तवतिणेंसाष्यूंरेदेषामुतने ॥ विद्याशाधनमुझ ॥
॥ ८७ ॥ पुन्य ॥ सरसवप्रमुखनीसामपीकरो ॥ जावुछेशमसांन ॥ तेया
रीकरीअमेविद्याचालीआ ॥ आषमीउतवसान ॥ ८८ ॥ पुन्य ॥ अषकार
मारेचूकगुहमकरे ॥ जइतिणेंमम्लकीध ॥ अगनीकूमकरीमुझअमनसक
स्यो ॥ मुझकंरखमगतेदीध ॥ ८९ ॥ पुन्य० ॥ चोमीवेलारेमत्रजापकरयो ॥
तवजक्षकन्यारेएक ॥ चद्रमुखीमृगनयणीराजती ॥ कलशस्तनीवरटेक ॥
॥ ९० ॥ पुन्य० ॥ सुरतरुकूसूमेरेवेणासोसती ॥ गगनथीउतरेतेह ॥ मेंमन
चिंत्यूंरेमत्रसकतीगुरू ॥ सिरूनेंप्रणमीरेएह ॥ ९१ ॥ पुण्य० ॥ मुझसमर
णनुरेकारणसाषीइ ॥ सिरूसेनकहेताम ॥ मिश्रनेंदिव्यदर्शननारागची ॥
एहअमारेरेकाम ॥ ९२ ॥ पुण्य० ॥ तवतेदेवीरेमुझनेंजोईकरी ॥ कहेंतूंगी
तुझआज ॥ मागितूकायकतवम्हेंसाषीउ ॥ तुम्हदरशनइसस्युकाज ॥
॥ ९३ ॥ पुण्य० ॥ चालीनजाइरेदेवदर्शनकदा ॥ जक्षकन्याकहीइम ॥
नयनमोहनपटरयणतेअपीउ ॥ प्रणमीलीधोरेप्रेम ॥ ९४ ॥ पुण्य० ॥
यत ॥ अमोघावासरेविद्युत् ॥ अमोघनीसीगर्जित ॥ अमोघाउत्तमावाणी
अमोघदिवदर्शन ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ गइनिजथानिकतेजक्षकन्यका ॥ विहा
णेअम्हेपुरमांहि ॥ आव्याइणिपरेंउतपतीएकही ॥ लिधोतेहउगांहि ॥ ९५ ॥
पुण्य० ॥ मनोरथदत्तस्यूंरेसायरतटगया ॥ देवविमानपरेंदिठ ॥ ध्वजमाला
सोलीतवरजीहाजते ॥ अतीसयतेहविशिठ ॥ ९६ ॥ पुन्य० ॥ इश्वरदत्त

रयुंपणवांकलूपहेरयुरेफेर ॥ वाऊकरीउचीअगनेंमरमतीरे ॥ २७ ॥ आवे
बगासाकामवीकार ॥म्हेंमनचिंत्युएस्यूइमकरेरे ॥ अथवारेविरूघविचारस्यो
मुऊ ॥ इमकरीचाल्योगिरीनदीपरीसरेरे ॥ २८ ॥ प्राणवृत्तीकरीदिवसग
माय ॥ सूतोरेरयणीइसूपनुतवलयुरे ॥ दिव्यस्त्रीइएककुसूमनीमाल ॥ आवी
नेंइणिपरेंमुऊनेंतिणेंकयुरे ॥ २९ ॥ पुर्वेनीपजावीएढेरेमाल ॥ आपीरम्हें
तूऊनेंतिणेंलिजीरे ॥ म्हेंपणिलेईथापीकउदेश ॥ पाढिलेपहोरेदेपीजागीजी
रे ॥ ३० ॥ मनमांहरपीचितवुइम ॥ कन्यानोलासूपनएसूचवेरे ॥ अट
वीमांकेमहोस्येमुऊलास ॥ चितव्युरेदक्षिणनेत्रनेंफरकवेरे ॥ ३१ ॥ सूपन
मुकनअनुसारेरेइम ॥ चितवुअन्यपरीचयमुऊनहीरे ॥ म्हारेरेविलासवती
नुरेकाम ॥ पुर्वेनिपनीमालादेवेंकहीरे ॥ ३२ ॥ तापसणीदीठीतसअनुहार ॥
विधीरेविचित्रप्रकारेघटेउदारे ॥ कोणजाणेंतेहजहोइतोहोय ॥ नहितोकि
ममदनविकारएकरेतदारे ॥ ३३ ॥ यत ॥ अघटीतघटितानीघटयती ॥
सूघटितघटितानींजर्जरीकुरुते ॥ विधीरेवतानीघटयती ॥ यानीपुमानेंवचि
तयती ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तोपणिव्रतणीसार्थेरेसोग ॥ नघटेपणएहनुदर्श
नपामीउरे ॥ इणिकरयुमाहरेकरवुढेतेह ॥ उग्योरवीपुर्वदिशावधुकामीउ
रे ॥ ३४ ॥ चक्रवाकनाटल्यारेविजोग ॥ पचमरवमेंसासलज्योगुणीरे ॥
समरादित्यनारासमाएह ॥ आठमीढालतेपद्मविजयसणीरे ॥ ३५ ॥ ॥छा
॥ डुहा ॥ रागघणोरमणीतणो ॥ रमणीकदेपीरान ॥ कामज्वरथीकाननें ॥
जोवालागोजान ॥३६॥ रमणीजोतांकूमरनें ॥ क्रेउंगयोवऊकाल ॥ आवात
लेआवीकरी ॥ बेठोऊनृपवाल ॥ ३७ ॥ सूकापत्रतणोसूण्यो ॥ इणिअवसरि
आराव ॥ वालिकोटिविस्तारीनें ॥ दृष्टिजोयुदाव ॥ ३८ ॥ मध्यवर्येआवीम
हा ॥ तापसणीएकताम ॥ सूतितिलकसालेंकरयु ॥ कमफलकरवाम ॥ ३९ ॥
पुत्रजीवमालाप्रगट ॥ जमणाकरमाजोय ॥ जटाकलापवाध्योजकम ॥ वक्क
लवस्त्रवरहोय ॥ ४० ॥ तपतापीतकउतनुथयो ॥ अठीचर्मअवउेश ॥ देपी
गोपव्योमदननें ॥ प्रणम्यापादविशेस ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ रागगोमी ॥ देशीआ

पटीअतीघणीरे ॥ चितूरेमनमांएरेस्वाधीन ॥ जायारेनवीरहेवेमलीनीअ
णीरे ॥ १३॥ सूखमांरेकाढेकालेनिचित ॥ इमविचारतांसहसकिरणमयोरे ॥
सध्यानीकरणीकरीतेकूमार ॥ देवगुरुप्रणमीवामपासेंथयोरे ॥ [illegible]
ऊदिनखेदथीआवीरेनींद ॥ रातगईनेंजाग्योऊतदारे ॥ प्रणमीरेदेवगुरुनाम
य ॥ चाल्योवनवननीशोसाजोउयदारे ॥ १४॥ गिरिनदिकांठेजाउरेंजाव ॥
दिठीरेपदपतीसोहामणीरे ॥ चक्रांकूशरेषाशोसीततेह ॥ लघुनेंसूकमाश्री
जाणीस्त्रीतणीरे ॥ १६॥ चाल्योरेपगलेपगलेतेह ॥ दिठीरेदूरथीतापसनीकरी
रे॥ वांकलांपहिरयाचस्त्रनेंगाभि ॥ सोवनवरणीदेहतेअतीघनीरे ॥ [illegible]
लतेरेरंजीतचरणसरोज ॥ रसनारेजोग्यनीतबसोहामणारे ॥ सजनचितपरें
नासीगसीर ॥ सूकृतपरीणामपरेंउन्नतकूचघणारे ॥ [illegible] ॥ तपथीविवि
जितमोहअधार ॥ हृदयमांपेंशणवेंणभिसेंथयोरे ॥ रक्तअशोकपरेंकरजास ॥
नयनतेहरणीनेत्रसागसयोरे ॥ १९ ॥ गलस्थलचद्रमडलपरेंजास ॥ अ
घरतेपांडलकूसूमशोणीतपरेंरे ॥ गावडीवामकरेंरहीजास ॥ फूलरेवेलीमे
हदक्षीणकरेरे ॥ २० ॥ देषीनेंचितव्यूम्हेंशणिसार्ति ॥ वनदूखसहेपणिस्त्र
वण्यकेहवुरे ॥ आघोजईजालांतरेंजोयुजांम ॥ देषुरेरुपवीलासवतीजेह
वुरे ॥ २२ ॥ वनवासेंरहेतीएतलोफेर ॥ सूमरणपवनेंकांमसघूकीउरे ॥ फू
लतीगावडीलेईजबजाय ॥ तबऊविकारगोपवीढूकीउरे ॥ [illegible] ॥ प्रणमी
म्हेंसाध्युतपनीथाउंटडि ॥ तामलीमीनगरीथीआवीउरे ॥ स्वेतांबीनगरीआवी
ऊजाणि ॥ सीहलद्वीपसणीऊधावीउरे ॥ २३ ॥ एआजसागुथयोएकाकीमं
म ॥ कहोकूणथानिकएकिहांरहोतुम्हेरे ॥ सभांतथईकरीत्रीठीरेदृष्टि ॥ व
चननोउत्तरनवीदीधोकीमेरे ॥ २४ ॥ चालीरेनीजआश्रमसणीतेह ॥ नव
मांम्हेंचित्युनारीनेंएकलीरे ॥ वलिअतापसणीएहस्पूस्यूकाम ॥ वलीरेपुछी
सकोईनरनेंअटकलीरे ॥ २५ ॥ वलीउरेपाछोआव्योतेगाम ॥ वलीरेविचा
स्युजोउएजाश्कीहरि ॥ जोतरिदिठीमथरचालि ॥ चालतीपाछलजोतीतेतिहां
रे ॥ २६ ॥ नवीरेदिठोकोईप्राणीताम ॥ मुकीरेगावडीवेणिसमारतीरे ॥ पहे

ष्युंपणवांकलूपहेरघुरेफेर ॥ वाऊकरीउचीअंगनेंमरूतीरे ॥ २७ ॥ आवे बगासाकामवीकार ॥म्हेंमनचित्युएस्युश्मकरेरे ॥ अथवारेविरूघविचारस्यो मुऊ ॥ श्मकरीचाल्योगिरीनदीपरीसरेरे ॥ २८ ॥ प्राणदत्तीकरीद्विवसग माय ॥ सूतोरेरयणीश्सूपनुतवलघुरे ॥ दिव्यस्त्रीश्एककुसूमनीमाल ॥ आवी नेंशणिपरेंमुऊनेंतिणेंकछुरे ॥ २९ ॥ पुर्वेनीपजावीएढेरेमाल ॥ आपीरेम्हें तूऊनेंतिणेंलिजीरे ॥ म्हेंपणिलेईथापीकउदेश ॥ पाढिलेपहोरेंदेपीजागीजी रे ॥ ३० ॥ मनमांहरपीचितवुश्म ॥ कन्यानोलालसूपनएसूचवेरे ॥ अट वीमाकेमहोस्येमुऊलास ॥ चितच्युरेदरूणनेत्रनेंफरकवेरे ॥ ३१ ॥ सूपन सुकनअनुसारेंरेश्म ॥ चितवुअन्यपरीचयमुऊनहीरे ॥ म्हारेरेविलासवती नुरेकाम ॥ पुर्वेनिपनीमालादेवेंकहीरे ॥ ३२ ॥ तापसणीदीठीतसअनुहार ॥ विधीरेविचित्रप्रकारेघटेउदारे ॥ कोणजाणेंतेहजहोइतोहोय ॥ नहितोकि ममदनविकारएकरेतदारे ॥ ३३ ॥ यत ॥ अघटीतघटितानीघटयती ॥ सूघटितघटितानीजर्ज्जरीकुरुते ॥ विधीरेवतानीघटयती ॥ यानीपुमानैर्वचि तयती ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तोपणिव्रतणीसार्थेरेसोग ॥ नघटेपणएहनुदर्ज्ज नपामीउरे ॥ शणिकरघुमाहरेकरघुढेतेह ॥ उग्योरवीपुर्वदिशावघुकामीउ रे ॥ ३४ ॥ चक्रवाकनाटल्यारेविजोग ॥ पचमरवर्मेसासलज्योगुणीरे ॥ समरादित्यनारासमाएह ॥ आठमीढालतेपद्मविजयसणीरे ॥ ३५ ॥ ॥ ॥ ॥ दुहा ॥ रागघणोरमणीतणो ॥ रमणीकदेपीरान ॥ कामज्वरथीकाननें ॥ जोवालागोजान ॥३६॥ रमणीजोतांकूमरनें ॥ क्रेजेंगयोवझकाल ॥ आवात लेआवीकरी ॥ वेगोझनृपवाल ॥ ३७ ॥ सूकापत्रतणोसूण्यो ॥ शणिअवसरि आराव ॥ वालिकोटिविस्तारीनें ॥ दृष्टिजोयुदाव ॥ ३८ ॥ मध्यवर्येआवीम हा ॥ तामसणीएकताम ॥ सूतितिलकत्तालेंकरघु ॥ कमलकरवाम ॥ ३९ ॥ पुत्रजीवमालाप्रगट ॥ जमणाकरमांजोय ॥ जटाकलापवाध्योजकड ॥ वक्क लवस्त्रवरहोय ॥ ४० ॥ तपतापीतकृशतनुथयो ॥ अगीचर्मअवशेश ॥ देपी गोपव्योमदननें ॥ प्रणम्यापादविशेस ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ रागगोडी ॥ देशीआ

देसरनीवीनतीनी ॥ मुऊनेंदेषीतासरे ॥ आंसुआवीआं ॥ बेठिपीरंजीनकरी
ए ॥ ४२ ॥ एस्यूउलपेमुऊरे ॥ इमर्मेंचितव्यु ॥
॥ ४३ ॥ स्यूनवीजाणेंएहरे ॥ इणअवसरकहे ॥ बेसोकूमरएमूलगेंद
पुजीधरतीतेहरे ॥ बेठीतापसी ॥ कहेऊकऊतेसांसलोए ॥ ४४ ॥ इतिसंबंधे
ताढ्यरे ॥ पर्वतमध्यछे ॥ उचोपचविसजोअणांए ॥ ४६ ॥ जोजबपहोंचे
चासरे ॥ तेहरजततणो ॥ पूर्वापरआयरअम्योए ॥ ४७ ॥ विद्याधरनीबेटी
रे ॥ दक्षीणउत्तरे ॥ धरतीथीदसजोअणांए ॥ ४८ ॥ दक्षीणनगरफणाले
ताठिउत्तरदिशे ॥ गघसन्दघपुरतेहमाए ॥ ४९ ॥ सहेसबल
सासारया ॥ मदनमंजरीऊसूताए ॥ ५० ॥ जौवनपांमीजामरे ॥
मने ॥ पवनगतीराजाप्रतिए ॥ ५१ ॥ रमतांतेहस्यूरगेरे ॥ कालगयोअ
गगनमारगएकदिनहचेए ॥ ५२ ॥ क्रिमाकरवाकाजरे ॥ नदनवनमांबे
ठाकनकशिलातलेए ॥ ५३ ॥ सहसापमीउहेठिरे ॥ मरणलसोतदा ॥
अथीरथीमुऊपतीए ॥ ५४ ॥ मुऊनेंउपनोशोकरे ॥ स
नलहीए ॥ ५५ ॥ उमवाजाउजांमरे ॥ उमाइनही ॥
॥ ५६ ॥ दाधाउपरिलूणरे ॥ एस्यूबलीथयु ॥ इणिअवशरितिहाआवीए
॥ ५७ ॥ देवानदइणिनामरे ॥ मित्रमुऊतातनो ॥
कसोमाहरोवृत्तांतरे ॥ सरतामरीगयो ॥ गगनगामीनीतिमगईए
लआसूसरीनयणरे ॥ मुऊनेंइमकहे ॥ बळससारएएहवोए ॥
गुरसजोगरे ॥ इद्रियचपलछे ॥ जिवलोकअसाश्वतोए ॥ ६१ ॥
रेंधर्मरे ॥ उत्तमप्राणीआ ॥ अणिलोकबांधवसमोए ॥
म्हेंइणिपरेंकसु ॥ तापसबोल्यातेहवेए ॥ ६२ ॥ विद्याकिमगईतूऊरे ॥
सुनवीलऊ ॥ तवज्ञानेंकरीबोलीआए ॥ ६३ ॥ शोकेंकरीसीकूटरे ॥
घ्योतूम्हे ॥ कुसूमदामशीपरेंपमीए ॥ ६५ ॥ विद्यागईतूऊइमरे ॥
थकी ॥ तवम्हेंसाप्युसांसलोए ॥ ६६ ॥ उपगारीइहलोकरे ॥ विद्याइसरसुं
व्रतआपीअनुग्रहकरोए ॥ ६७ ॥ तवपुत्रीमुऊतातरे ॥ आचारसस्कारी

लावीश्हांमुझव्रतदीउंए ॥ ६८ ॥ इकदिनपुजणदेवरे ॥ सायरउपकठे ॥ गई तवदिठुपाटिउए ॥ ६९ ॥ कन्यावलगीएकरे ॥ जलकल्लोलमा ॥ चद्रलेखाप रेंनिरमलीए ॥ ७० ॥ आचारजकहेतामरे ॥ झहरपितथयो ॥ मनोरथतरुफू लउगीआंए ॥ ७१ ॥ तापसणीकहेतामरे ॥ जोयुन्हेंजई ॥ जाणितवएजीव तीए ॥ ७२ ॥ कमलजलघटिरे ॥ नेत्रउघाडीआ ॥ लावण्यथीकूलवतीस हीए ॥ ७३ ॥ घीरीयातुवठरे ॥ अम्हेतापसअछु ॥ ईमकहीफलआणीदिआ ए ॥ ७४ ॥ पवराव्युम्हेप्रांणेरे ॥ लईआश्रमगई ॥ देपाडीकुलपतीसणीए ॥ ॥ ७५ ॥ कुलपतीनेंपरणामरे ॥ करीनेंतेरही ॥ तवआशीशदिइकुलपतीए ॥ ॥ ७६ ॥ पचमेखमेढालरे ॥ नवमीएकही ॥ पद्मविजयएहरासमांए ॥७७॥ ॥ डुहा ॥ किहांथीआव्यांतेकहो ॥ म्हेंपुछ्युइमजांम ॥ तामलिप्तीथीतेकहे ॥ म्हेंपुछ्युफिरीताम ॥ ७८ ॥ किहांजाईनेंकुलकिस्यू ॥ तवनवीबोलीतेह ॥ नांपीदिर्घनीशासनें ॥ तवम्हेंचित्यूएह ॥ ७९ ॥ उत्तमकुलमाउपनी ॥ आ पइनहीतिणेंआप ॥ पुछिसकूलपतीनेंपठें ॥ पामीसतिहाजवाप ॥ ८० ॥ कु लपतीआवश्यककरी ॥ सध्यासमयसमाधी ॥ पासेंकूलपतीपुछिउ ॥ वेशीनें निरावाध ॥ ८१ ॥ कन्याएकुणकिमलही ॥ एहअवस्थाआज ॥ आगलिके हवुएहनें ॥ कहोनीपजस्येकाज ॥ ८२ ॥ ढाल ॥ सांसलिरेतूसजनीम्हारी रजनीकिहेणिपरेंरमीइजी ॥ एदेशी ॥ मुझनेंकहेकूलपतीसासलितू ॥ तपप रसावेंजाणुजी ॥ तामलिप्तीनरपतीनीपुत्री ॥ रुपतणुजेठाण ॥ ८३ ॥ नृप सूतसूणीइजी ॥ एआंकणी ॥ सरतालेहेंएमअवस्था ॥ पामीठेनिरधारजी ॥ म्हेंपुछ्युकिमकन्यानहीए ॥ कूलपतीकहेतीवार ॥ ८४ ॥नृप० ॥ द्रव्यथीक न्यासावेपरणी ॥ म्हेंपुछ्युकिमइमजी ॥ तवसघलूघुरथीसस्लाव्यु ॥ पतीजा वानीसीम ॥ ८५ ॥ नृप०॥ एकदिनसूणीउंलोकवयणथी ॥ कूमरनेंमास्योरा इजी॥इणिइचित्युमोहेंकरीने ॥ सिगतीहवेमुझथाय ॥ ८६ ॥ नृप० ॥ तेहज समसानेंजईजोई ॥ करवोप्राणवीजोगजी ॥ प्राणअधीकमुझवल्लसकेरी ॥ वातकरेइमलोग ॥ ८७ ॥ नृप० ॥ अरधीरातितेएकाकीणी ॥ घरमाथीतेचा

लिजी ॥ तस्करलूटीअचलसार्थपनें ॥ बेचाथीतिर्थेआली ॥ [illegible]
ऊयाजबेंशारीबबरकूलें ॥ जातासागुऊयाजजी ॥ एकपाटिउंएहना[illegible]
आप्युजिवीतकाज ॥ ८ ॥ नृ० ॥ त्रणेदिवसेएतटपामी ॥ [illegible]
वातजी ॥ सरतालहेस्येसोगसोगवस्ये ॥ थास्येजगतबीख्यात ॥ [illegible]
परसवशाधीमानवनोसव ॥ सफलोकरस्येएहजी ॥ इमसांसलीनेंऊ[illegible]
षी ॥ रातिगईजबतेह ॥ ९१ ॥ नृ० ॥ सूरजउदइम्हेंकसुकूमरी ॥ एस[illegible]
अनीत्यजी ॥ जौवनचचलअथीरएलषमी ॥ धैर्यधरेसुषीदित्त ॥ [illegible]
साकहेस्वामीनीसाचुसाषो ॥ व्रतआपोउपगारीजी ॥ म्हेंकसुजीवनवमठेपहे
ली ॥ मदननसकीश्वारी ॥ ९२ ॥ नृ० ॥ ज्ञानसूरयकूलपतीनेपुछ्यो ॥ तुम्ह
वृत्तातमनआणीजी ॥ अतीतअनागतसघलूसाप्यु ॥ तूऊपतीमिलनप्र[illegible]
॥ ९३ ॥ नृप० ॥ सर्त्तातूऊजीवेछेकूशले ॥ सासलीविस्मयधारीजी ॥ [illegible]
ऊतापणिकटकयुगलदिशाकलपनाश्उतारी ॥ ९४ ॥ नृ० ॥ हारलतावेबाजब[illegible]
हाथनाप्योतवनांहिजी ॥ चित्तगामिआप्युतवविलषी ॥ थईअतीसभवबा
ही ॥ ९६ ॥ नृ० ॥ म्हेंसाप्युसभममतकरतू ॥ ताहरूचित्तउदारजी ॥ व्रत
नोअवशरहिमणांतुऊनही ॥ सांसल्योएहविचार ॥ ९७ ॥ नृ० ॥ ता[illegible]
कन्यावेषेंविचरे ॥ इमकरतांगयोकालजी ॥ एकदिनकूलपतीसीरूपवंतें ॥ न
यादर्शनकिरपाल ॥ ९८ ॥ नृ० ॥ एतोफूलविणवाचाली ॥ मोमीतीहाथीआवी
जी ॥ पाछलजोतीपरस्वेदेकरी ॥ देहमीसीनीलावी ॥ ९९ ॥ नृ० ॥ म्हेंपुछ्युतुं
किमरवेदाणी ॥ तवतेबोलिइमजी ॥ म्हारांबांधवसांसस्यामुऊनें ॥ तेहनोतु
ऊघणोप्रेम ॥ १०० ॥ नृ० ॥ म्हेंसाप्युकुलपतीआवणदइ ॥ तुऊबांधवमेलव
स्येजी ॥ इमसूणीमौनकरीतेदिनथी ॥ निजआतमनहीवस्ये ॥ १ ॥ नृ० ॥ अ
तिथीनवीबऊमानेदेवनु ॥ पुजनपणिनवीकरतीजी ॥ फूलविणवापणिनवीजा
इ ॥ नविअऊतासननमती ॥ २ ॥ नृ० ॥ विद्याधरनांजुगलआलेषे ॥ सारल
जुगलतेजोवेजी ॥ त्रिसरतारपुराणीवातो ॥ सूणवातत्परहोवे ॥ ३ ॥ नृ० ॥ म्हेंमन
चित्युजौवनआप्यु ॥ जौवनेंमदबऊवाधेजी ॥ मदथीमदनविलासमदनथी ॥

केमविकारनवाघइ ॥ ४॥ नृ० ॥ यत ॥ नविअछिणवियहोही ॥ पाएणती
कुअणमीसोजीवो ॥ जोजोवणमणुपत्तो ॥ विआररहीउसयाहोई ॥ १ ॥
॥ पूर्वढाल ॥ दशमीढालएपचमखमे ॥ मदनपराजयकरस्येजी ॥ प
वविजयकहेतेसवीप्राणी ॥ सवशायरलघुकरस्ये ॥ ५ ॥ नृप० ॥ दुहा ॥
वलगीनागरवेलमी ॥ वृक्षअसोकअवघारि ॥ हसलीकीमाहसस्यू ॥ जो
मेदीठजीवार ॥ ६ ॥ नापीनीसासोनिकली ॥ तपोवनवाहिरतेह ॥ देषीजा
तीदृष्टिथी ॥ सलक्योमुकसनेह ॥ ७ ॥ आजनदेषुएहनो ॥ अवलतनुआ
कार ॥ जोउकीहाएजायछे ॥ चालिकइमविचार ॥ ८ ॥ छटकीलईनेठावमी ॥
गईजीहाकूसूमनीजागि ॥ चपलतारापीचूपस्यू ॥ लषतीचिकदिशलागि ॥
॥ ९ ॥ अशोकवृक्षतलेअवनीइ ॥ जईउसीरहीजाम ॥ कदलिवनअतर
करी ॥ रहिकपुठेराम ॥ १० ॥ ढाल० ॥ उठिकलालणिसरघमोहे ॥ दारू
मारोमुलबतावी ॥ एदेशी ॥ मोहटेश्वरथीरोवतीहे ॥ वोलेइणिपरेंवाणि ॥
सासलज्योवनदेवताहे ॥ एहतेतेहजठाण ॥ ११ ॥ म्हाराकर्मवीपाकनीहे ॥
गतीनवीसाषीजायाप्राणवल्लसविणमाहरीहे॥गतीतेसीपरेंथाय १२॥ म्हारा ॥
आरजपुत्रमिल्याइहाहे ॥ तापसणिमुकजाणि ॥ प्रणम्योनेउलपावीउहे ॥ ना
मअनेंनीजठाणि ॥१३॥म्हा० ॥ म्हेंउत्तरनवीवालीउहे ॥ नारीमतिथीरेऊण॥
मदनसेदाणीवोलीनहीहे॥हषेकहोगतिमुकूकूण॥१४॥म्हा०॥ पुठेमेंजोयूचक
हे ॥ पणिनविदीठोकोयाआर्यपुत्रतेकेंनहीहे॥ देववेषधरहोय ॥१५॥म्हा०॥
हवेतोजेहोयतेकज्योहे ॥ पणिनवीजोगरवमाय ॥ मदनअनलवलतीथकीहे ॥
कोईरीतेंनजीवाय ॥१६॥म्हा० ॥ अयमत्तालतावेलमीहे ॥ वांधीनेंगलपासा॥
मरवुमाहरेइणिपरेंहे ॥ जिवननीनहीआस ॥ १७॥म्हा०॥ सारकरेज्योमुक
पतीहे ॥ तापसणीमुकमात ॥ सरिपीनेंसलावज्योहे ॥ एमाहरोअवदात ॥
॥ १८ ॥ म्हा०॥ लाजथीकुनवीकहीसकुहे ॥ इमकहीदीधोपासादेवगुरुप्रण
मीकरीहे ॥ कूलाव्योतेनीरास ॥ १९ ॥ म्हा० ॥ इणेअवशरकुद्रोमतीहे ॥ ज
ईठेथोतसपास ॥ परलोकेपणिजायतांहे ॥ नवीपुठेस्यावासि ॥ २० ॥ म्हा०

तवसाचितेधिगूमनेंहें ॥ सासल्यूसघलूएण॥ [illegible]
ह्युलङ्गाविशेण ॥ [illegible] ॥ म्हा० ॥ करस्योमकोपमोउपरिहे
स ॥ तपसीकोपकरेनहीहे ॥ धिरजधरीसुविलास ॥ [illegible] ॥ म्हा०
तीवचनअमोघठेहे ॥ तुरतजमिलस्येतेहा॥ चालिआश्रमप्रतिजाईहे ॥
अहेश्मकरीनेह ॥२३॥ म्हा० ॥ तापसकुमरजोवासणीहे॥
णीवार ॥ कथाविनोदकरतांथकाहे ॥ वेगीपार्सेनारि ॥ [illegible] ॥ म्हा०
कूमरआवीकहेहे ॥ अम्हेनवीदीगोकोय ॥ कुमरीसङ्गनेंसलाविनेंहे ॥
खोलवासोय ॥२५॥ ॥ म्हा० ॥ सवितव्यताश्देपाझीउहे ॥
तुझ ॥ आश्रमपदचालोतूम्हेहे ॥ जिवाझोएहगुझ ॥२६॥ म्हा०
सासलीङ्गचालीउहे ॥ आगलिगईतिणिवार ॥ आसनमुझनेंआपीउहे ॥
गीतिणग्रमेनारि ॥२७॥ म्हा० ॥ विलासवतीमुझदेषीनेंहे ॥
य ॥ सखिउसार्थेमोकलेहे ॥ अर्थ्यतेशीघनेंजाय ॥२८॥ म्हा० ॥
मध्याङ्गसमयजदाहे ॥ फनसादिकफलआंणि ॥ प्राणवृत्तिकराविनेंहे
आवीतापसणितेगण ॥२९॥ म्हा० ॥ राजपुत्रसूणोवारताहे ॥
पोहताआय ॥ सिप्राङ्गणागतितूम्हकरूहे ॥ वसतवाकलफलखाय
म्हा० ॥ पणिएविलासवतीअठेहे ॥ अधिकीजीवितपाहि ॥
घलीहे ॥ फिरीअलेविघउगाहि ॥३१॥ म्हा० ॥ ईमकहीनें
वारिम्हेंतिणीवार ॥ सगवतीश्मनकीजीश्हे ॥ जाणोस्वरुपसंग्रार ॥
म्हा० ॥ अगनीग्रार्खिपरणाविआंहे॥ फेराफरीआरेताम ॥ सगवतीवी
णालहीहे ॥ गयासूदरखननाम ॥३३॥ म्हा० ॥ सर्वरीतूराडामलीहे ॥ दे
षीपाम्याउल्लास ॥ सूतापल्लवसाथरेहे ॥ किधोकामविलास ॥ [illegible] ॥ म्हा०
शणिपरिरजनीनीगमीहे ॥ श्मअनुकर्मेकोईकाल ॥ एकदिनशोसावनतणी
हे ॥ देपेस्त्रीअसराल ॥३५॥ म्हा० ॥ श्मएपचमखमांहें ॥ सावीअ
रमीढाल ॥ पद्मविजयएरासमांहें ॥ सूणताभगलमाल ॥ [illegible] ॥ म्हा०
ऊहा ॥ विनितासोंसावनतणी ॥ जोतीनपसेजांम ॥ कुसुमविणतीकिमहीके

उत्तरनदिश्राम ॥ ३७ ॥ उंदुपटझएटले ॥ नविदेपेमुझनारि ॥ अचरीजथी इमउंढिउं ॥ तरुणीनदेषेतिवार ॥ ३८ ॥ आर्यपुत्रहाइमलवे ॥ पमीतेमुर्छा पामि ॥ मनचित्यूमेंमाहरें ॥ किधूअवजूकाम ॥ ३९ ॥ पठउंठयोपाछोकरी ॥ सिच्योजलेंशरीर ॥ सद्धपईकहेशब्दथी ॥ नयणेंझरतीनीर ॥ ४० ॥ नविदि ठातुम्हनयणथी ॥ तवम्हेंसाष्युतास ॥ झस्यूजाणएहमा ॥ साषेनारिविसा स ॥४१॥ किमनविजाणोकहोतुम्हे ॥ सर्वकह्युतवसाच ॥ कामीनीपणिपरि हाकरे ॥ वस्त्रनीवातअवाष्य ॥ ४२ ॥ कालगमावीकेतलो ॥ इकदिनम्हेंक हुइम ॥ हुणिसुंदरीनिजदेशमा ॥ पोहचीइतिमकरोप्रेम ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देशीअढीआनी ॥ पुछेसगवतिताम ॥ जईइनिजपुरठांम ॥ जोआणाकरोए ॥ महिरनीजरघरोए ॥ ४४ ॥ तेणीइआंणादिध ॥ सिन्नपोतध्वजकीध ॥ के ईकदीनगयाए ॥ केलीकरेसयाए ॥ ४५ ॥ इणिअवशरतिहांआय ॥ नि रजामकचितलाय ॥ नावमेवेसीनेंए ॥ पामीमांपेशीनेंए ॥ ४६ ॥ मुझनेंक हेइमवात ॥ द्विपकमाहविख्यात ॥ रहेतेवाणिउंए ॥ सार्थपजांणीउंए ॥ ॥ ४७ ॥ मलयदेशसणीजाय ॥ तुम्हएध्वजदेपाय ॥ मोकलीआअम्हेए ॥ चालोतिहातुम्हेए ॥ ४८ ॥ म्हेकह्युम्हारेनारि ॥ कहोतोआविश्लहारि ॥ ते कहेचालीइए ॥ विलवनसालीइए ॥ ४९ ॥ पोहतामोहटेजीहाज ॥ सारथ वाहसमाज ॥ तिणेंआदरकरयोए ॥ शुसस्थानकघरयोए ॥ ५० ॥ एकदिन पाछलोजाम ॥ रातिशेपरहीताम ॥ लघुशकाथईए ॥ उठयोझतईए ॥ ५१ ॥ तिणसमेसारथवाह ॥ जाग्योदेपीलाह ॥ चिंतेएरूअमीए ॥ नारीनकुअमी ए ॥५२॥ रातीसमयठेएहा॥कोईनजाणेंरेहा॥दरिआमाधरुए॥नारिअंगीकरूए ॥५३॥ लघुशकानेंकांमा॥वेठोजवतिणेंठांम॥नाप्योझपमयोए ॥ पुन्येफलक जम्योए॥५४॥पचरातीरह्योमाहि॥मलयकूलउठांहि॥जलनिचीउतरयोए॥ सवनवेअवतरयोए ॥ ५५ ॥ मेंमनचित्यूइम ॥ सार्थवाहेंकरयुकेम ॥ ना रीलोसेंकरीए ॥ नहिप्रयोजनवरीए ॥ ५६ ॥ एहविलासवतीनारि ॥ मुझवि योगचित्तधारि ॥ नहिजीवितघरेए ॥ आपघातकरेए ॥ ५७ ॥ नविजाणे

तवसाचितेधिगूमनेंहें ॥ सासल्यूसघलूएण॥मुखनीचुकरीनेंकहेहे ॥ [illegible]
सुलक्षाविशेण ॥ [illegible] ॥ म्हा० ॥ करस्योमकोपमोउपरिहे ॥ तवम्हेंस[illegible]
स ॥ तपसीकोमकरेनहीहे ॥ धिरजधरीसुविलास ॥ [illegible] ॥ म्हा० ॥ [illegible]
तीवचनअमोघठेहे ॥ तूरतजमिलस्येतेहा॥ चालिआश्रमप्रतिजाईहे ॥ [illegible]
अलेश्मकरीनेह ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ तापसकुमरजोवासणीहे॥ मोक[illegible]
णीवार ॥ कथाविनोदकरताथकाहे ॥ बेठीपासेंनारि ॥ [illegible] ॥ म्हा०॥ [illegible]
कूमरआवीकहेहे ॥ अम्हेनवीदीठोकोय ॥ कुमरीसकूनेंसलाविनेंहे ॥ [illegible]
खोलवासोय ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ सवितव्यताइदेषाडीउहे ॥ मुकनेंदर्श[illegible]
तुफ ॥ आश्रमपदचालोतूम्हेहे ॥ जिवाडोएहगुफ ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ [illegible]
सासलीकूचालीउहे ॥ आगलिगईतिणिवार ॥ आसनमुफनेंआपीउहे ॥ [illegible]
ठीतिणशमेनारि ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ विलासवतीमुफदेषीनेंहे ॥ उठीउ[illegible]
य ॥ सखिउसायेंमोकलेहे ॥ अर्थ्यतेशीचनेंजाय ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ [illegible]
मध्याकसमयजदाहे ॥ फनसादिकफलआंणि ॥ प्राणवृत्तिकराविनेंहे [illegible]
आवीतापसणितेठाण ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ राजपुत्रसूणोवारताहे ॥ [illegible]
पोहताआय ॥ सिप्राकूणागतितूम्हकरूहे ॥ घसतवाकलफलखाय ॥ [illegible]
म्हा० ॥ पणिएविलासवतीअठेहे ॥ अधिकीजीवितपाहि ॥ विधिइूरकें[illegible]
घलीहे ॥ फिरीअलेविघउठाहि ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ ईमकहीनेंरोवेघणहे ॥
वारिम्हेंतिणीवार ॥ सगवतीइमनकीजीइहे ॥ जाणोस्वरुपेसशार ॥ [illegible]
म्हा० ॥ अगनीआखिपरणाविआंहे ॥ फेराफरीआरेताम ॥ सगवतीवी[illegible]
णालहीहे ॥ गयासूदरवननाम ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ सर्वरीतूराढामलीहे ॥ दे
षीपाम्याउल्लास ॥ सूतापल्लवसाथरेहे ॥ किधोकामविलास ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥
इणिपरिरजनीनीगमीहे ॥ इमअनुकमेंकोईकाल ॥ एकदिनशोसावनतणी
हे ॥ देषेस्त्रीअसराल ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥ इमएपचमखमांहें ॥ साथीअम्ब
रमीढाल ॥ पद्मविजयेंएरासमांहें ॥ सूणतांमगलमाल ॥[illegible] ॥ म्हा० ॥
डहा ॥ विनितासोसावनतणी ॥ जोतीनपसेजांम ॥ कुसुमविणतीकिमहीके ॥

युतोफानअथाह ॥ ७८ ॥ ऊयाजसागुजनसङ्गगयां ॥ म्हेतूमपून्यप्रमाण ॥ पाम्युतिहाएकपाटिउ ॥ जलनीघीलघीजाण ॥ ७९ ॥ ढाल ॥ ढोलारहोतोऊ रांघुषीचमी ॥ एदेशी ॥ तिहामेंमनिशणिपरेंचितव्यू ॥ अहोमायावीशीरदार ॥ साजनसूणोहे ॥ अध्यवशायहीणाघणा ॥ एसारथवाहअशार ॥ ८० ॥ सा० ॥ जुउजुउकर्मविटवणा ॥ कांयकर्मकरेतेहोय ॥ सा० ॥ एआकणी ॥ अथवाएअचरीजकोनही ॥ कायकारणथीहोयकाज ॥ सा० ॥ पणिविण कारणनवीहोय ॥ कायपापथीकीमहोयराज ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जु० ॥ पुढे विलासवतीतूम्हेंकिमपम्या ॥ तवमेंमनकिधविचार ॥ सा० ॥ दोपनकहि ईपारका ॥ इमचितवीवोल्योतिवार ॥ सा० ॥ ८२ ॥ जु० ॥ परमादेऊपमी गयो ॥ जम्युफलकतेतूऊपरेमुऊ ॥ सा० ॥ उतर्योजलनीघीअनुक्रमें ॥ फ स्तातूऊमलीउएगुऊ ॥ सा० ॥ ८३ ॥ जु० ॥ कहेनारीऊतरसीबुघणी ॥ त वमेंकशुसासलवात ॥ सा० ॥ सरोवरढुकमुश्हांथकी ॥ चालोतिहांजईशुख शात ॥ सा० ॥ ८४ ॥ जु० ॥ कायनारिनीतवनासारथी ॥ वलीसमुद्रमांउप नोथाक ॥ सा० ॥ थोमुचालीतवथाकती ॥ नविचालीशकुसूणोवाक ॥ सा० ॥ ॥ ८५ ॥ जु० ॥ तवम्हेंकशुएवमतले ॥ तूबेसिलेईआवुनीर ॥ सा० ॥ नलि नीपत्रदमीउंकरी ॥ तववोलीथईतेघीर ॥ सा० ॥ ८६ ॥ जु० ॥ तूम्हदर्शन नाशूखआगलें ॥ मुऊतरसनपीमेंकांय ॥ सा० ॥ म्हेंकशुघीरजधारीश ॥ जा णजेजललेईनेंआय ॥ सा० ॥ ८७ ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटउंढतू ॥ जिमअ टविमाविघननथाय ॥ सा० ॥ पल्लवशङ्काथाथरी ॥ न्यघोघहेठलितेठाय ॥ ॥ सा० ॥ ८८ ॥ जु० ॥ वातमनावीवलथकी ॥ गयोजललेवातिणीवारि ॥ ॥ सा० ॥ जलफनसादीकफलप्रतें ॥ लेईआव्योवरआहार ॥ सा० ॥ ८९ ॥ ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटमुकितू ॥ पीउंपाणीलाव्योतेह ॥ सा० ॥ तोहीउत्तरनवी दिश ॥ म्हेंकशुहासीकरोकेह ॥ सा० ॥ ९० ॥ जु० ॥ तोपणिजववोलीनही ॥ तवम्हेंइमचितनकीध ॥ सा० ॥ श्हांतोएरमणीनथी ॥ अन्यथाकिमवोलन दीध ॥ सा० ॥ ९१ ॥ जु० ॥ साथरेफरस्योकरजदा ॥ तोपणिनवीआवीहा

एसेठ ॥ कीधीकेवलवेठ ॥ नारिविनासहीए ॥ [illegible]
नीवपादपतिहांदिपि ॥ गयोझसर्वउवेषी ॥ मरवामनकरीए ॥
रीए ॥ ५९ ॥ दीवुदूरथीताम ॥ सरोवरएकअसीराम ॥
मानुएरोवतूए ॥ ६० ॥ भ्रमरगुजारवेंगाय ॥ मानुंवलोनाठिकपाय
लमीसघरीए ॥ उंचिवाहकरीए ॥ ६१ ॥ दिठोहंसतिहांएक ॥
ठेक ॥ कलूणस्वरेंरूइए ॥ आंपिआसूंचुइए ॥ ६२ ॥ षणरोवेपछताम ॥
यहंसीजोईघाय ॥ विभमआणतोए ॥ निजस्त्रीमानतोए ॥ [illegible] ॥
रीअन्य ॥ षेदकरेतेविपिन्न ॥ मरवामन्नकरेए ॥ शोकघणोधरेए ॥ [illegible]
पुरछापामेतेह ॥ वलिचेतनलहेजेह ॥ इत्यादिकसकूए ॥ दि०।
।६५ ॥ करयोविचारमेंताम ॥ ऊपीउएपणिआम ॥ एमजाहीकरीए ॥
पमीतेंपरिहरीए ॥ ६६ ॥ इणिपरेंचितवुजाम ॥ फिरतोहसतेताम ॥ [illegible]
लेनेमिल्योए ॥ दैवेंविरहटल्योए ॥ ६७ ॥ सापणदूरवलअंग ॥
नकरेचग ॥ शोकेंशकतीनहिए ॥ विऊहरण्यांसहीए ॥ [illegible] ॥ [illegible]
चितायाय ॥ जिवतांसंपदपाय ॥ विरहदूरेंटलेए ॥
॥ ६९ ॥ कुलपतिश्कछुनारि ॥ सुखसोगवीससार ॥ परसवसाबस्येए ॥ [illegible]
वसफलोथस्येए ॥ ७० ॥ तिणेंमरस्येनहीनारि ॥ कर्मविचित्रअवधारि ॥ [illegible]
हनेंषोलविए ॥ नविजाइसोलविए ॥ ७१ ॥ नारिंगफलनोआहार ॥ [illegible]
फिरेअपार ॥ सायरनेंतटेंए ॥ ऊखजिणथीमिटेए ॥ [illegible] ॥ पचमस्वप्नेदाखा [illegible]
धारमीएहरसाल ॥ पद्मविजयेंकहीए ॥ सविजनेंसहीए ॥ [illegible] ॥
॥ ऊहा ॥ अर्द्धजोजनगयोआगलें ॥ आवतूफलकतेएक ॥ दिवुतेमेंदृष्टि [illegible]
तिरेंगयोअतिरेक ॥ ७४ ॥ तिरेंआव्यूतेतूरत ॥ विलासवतीविलग्ग ॥
दिठिनेहस्यू ॥ उपनोअतीउमग ॥ ७५ ॥ अवलाइमुकउंसव्यो ॥
म्हेंआपि ॥ पुठ्युएस्यूनिपनुं ॥ पसर्णेतेमुकपाप ॥ [illegible] ॥
यरें ॥ जाण्युसघलेजांम ॥ सार्थवाहधरीशोकनें ॥ कहेमुकपमवाकोच [illegible]
॥ ७७ ॥ परिजनस्यूकुपरिवरी ॥ वास्योसारथवाह ॥ रातगईउग्योरवी

युतोफानअथाह ॥ ७८॥ ऊयाजसागुजनसङ्गगया ॥ म्हेतूमपून्यप्रमाण ॥ पाम्युतिहाएकपाटिउ ॥ जलनीघीलघीजाण ॥७९॥ ढाल ॥ ढोलारहोतोऊ रांधुषीचमी ॥ एदेशी ॥ तिहामेंमनिशणिपरेंचितव्यू ॥ अहोमायावीशीरदार ॥ साजनसूणोहे ॥ अध्यवशायहीणाघणा ॥ एसारथवाहअशार ॥ ८०॥ सा० ॥ जुउजुउकर्मविटवणा ॥ कांयकर्मकरेतेहोय ॥ सा० ॥ एआंकणी ॥ अथवाएअचरीजकोनही ॥ कायकारणथीहोयकाज ॥ सा० ॥ पणिविण कारणनवीहोय ॥ कांयपापथीकीमहोयराज ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जु० ॥ पुढे विलासवतीतूम्हेंकिमपमया ॥ तवमेंमनकिधविचार ॥ सा० ॥ दोपनकहि ईपारका ॥ इमचितवीवोल्योतिवार ॥ सा० ॥८२॥ जु० ॥ परमादेऊपमी गयो ॥ जमयुफलकतेतूऊपरेमुऊ ॥ सा० ॥ उतरयोजलनीघीअनुक्रमें ॥ फ स्तातूऊमलीउएगुऊ ॥ सा० ॥८३॥ जु० ॥ कहेनारीऊतरसीवुघणी ॥ त वमेंकसुसांसलवात ॥ सा० ॥ सरोवरढुकमुइहांथकी ॥ चालोतिहांजईइसुख शात ॥ सा० ॥ ८४ ॥ जु० ॥ कायनारिनीतवनासारथी ॥ वलीसमुद्रमाउप नोथाक ॥ सा० ॥ योमुचालीतवथाकती ॥ नविचालीशकुसूणोवाक ॥सा०॥ ॥८५॥ जु० ॥ तवम्हेंकसुएवमतले ॥ तूवेसिलेईआवुनीर ॥ सा० ॥ नलि नीपत्रदमीउंकरी ॥ तववोलीथईतेधीर ॥ सा० ॥ ८६ ॥ जु० ॥ तूम्हदर्शन नासूखआगलें ॥ मुऊतस्सनपीमेंकांय ॥ सा० ॥ म्हेंकसुधीरजधारीइ ॥ जा एजेजललेईनेंआय ॥ सा० ॥८७॥ जु० ॥ नयनमोहनपटउंढतू ॥ जिमअ टविमांविधननथाय ॥ सा० ॥ पल्लवशाखापाथरी ॥ न्यपोयहेठलितेठाय ॥ ॥ सा० ॥८८॥ जु० ॥ वातमनावीवलथकी ॥ गयोजललेवातिणीवारि ॥ ॥ सा० ॥ जलफनसादीकफलप्रतें ॥ लेईआव्योवरआहार ॥ सा० ॥८९॥ ॥ जु०॥नयनमोहनपटमुकितू ॥ पीउपाणीलाव्योतेह ॥सा०॥ तोहीउत्तरनवी दिइ ॥ म्हेंकसुहासीकरोकेह ॥ सा० ॥९०॥ जु० ॥ तोपणिजववोलीनही ॥ तवम्हेंइमचितनकीध ॥ सा० ॥ इहांतोएरमणीनथी ॥ अन्यथाकिमवोलन दीध ॥ सा० ॥९१॥ जु० ॥ साथरेफरस्योकरजदा ॥ तोपणिनवीआवीहा

एसेउ ॥ कीधीकेवलवेउ ॥ नारिविनासहीए ॥ जिवबुमुऊनहीए
नौवपादपतिहांदिपि ॥ गयोऊसर्वउवेषी ॥ मरवामनकरीए ॥
रीए ॥ ५९-॥ दीठुदूरथीताम ॥ सरोवरएकअसीराम ॥
मानुएरोवतूए ॥ ६०-॥ भ्रमरगुजारवेंगाय ॥ मानुंवलोनाठिकपाय
लमीसधरीए ॥ उंचिवाहकरीए ॥ ६१-॥ दिठोहउतिहांएक ॥
ठेक ॥ कलूएश्वरेंरूइए ॥ आंपिआसूंचुइए ॥ ६२ ॥ पणरोवेपहगाय ॥
न्यहंसीजोईघाय ॥ विभमआणतोए ॥ निजस्त्रीमानतोए ॥ ॥
सीअन्य ॥ षेदकरेतेविपिन्न ॥ मरवामन्नकरेए ॥ शोकघणोधरेए ॥
मुरछापामेतेह ॥ वलिचेतनलहेजेह ॥ ईत्यादिकसऊए ॥ दिठांलकएवऊए
।६५ ॥ करयोविचारमेंतांम ॥ ऊपोउएपणिआम ॥ एमजाणीकरीए ॥
पमीतेंपरिहरीए ॥ ६६ ॥ झणिपरेंचितवुजाम ॥ फिरतोहसतेताम ॥
लिनेमिल्योए ॥ दैवेंविरहटल्योए ॥ ६७ ॥ सापणदूरवलअंग ॥
नकरेचग ॥ शोकेंअकतीनहिए ॥ विऊहरप्यासहीए ॥ ॥ ॥
चिताथाय ॥ जिवतांसंपदपाय ॥ विरहदूरेंटलेए ॥ कांताआवोमलेए ॥
॥६९-॥ कुलपतिश्कछुनारि ॥ सुखसोगवीससार ॥ परसवसाचस्येए ॥
वसफलोथस्येए ॥ ७० ॥ तिणेंमरस्येनहीनारि ॥ कर्मविचित्रअवधारि ॥
हनेंषोखविए ॥ नविजाइसोलविए ॥ ७१ ॥ नारिंगफलनोआहार ॥
फिरेअपार ॥ सायरनेंतटेंए ॥ ऊखजिणथीमिटेए ॥ ॥ पचमस्वप्नेआ
बारमीएहरसाल ॥ पद्मविजयेंकहीए ॥ सविजनेंसहहीए ॥ ॥
॥ ऊहा ॥ अर्ईजोजनगयोआगलें ॥ आवतूफलकतेएक ॥ दिठुतेमेंदृष्टिथी
तिरेंगयोअतिरेक ॥ ७३ ॥ तिरेंआव्यूतेतूरत ॥ विलासवतीविलग्ग ॥
दिठिनेहस्यू ॥ उपनोअतीउमग ॥ ७४ ॥ अवलाश्मुऊऊलप्यो ॥
म्हेंआपि ॥ पुछ्युएस्यूनिपनुं ॥ पसर्णेतेमुऊपाप ॥ ॥
यरें ॥ जाण्युसघलेजांम ॥ सार्थवाहघरीशोकनें ॥ कहेमुऊपमबाकांम
॥ ७७ ॥ परिजनस्यूऊपरिवरी ॥ बाल्योसारथवाह ॥ रातगईउग्योरवी

॥ ७॥ चेतनापांमीचितवु ॥ अहोनमुउआज ॥ तापसनेंकसुएतूम्हे ॥ किधू स्यानेंकाज ॥ ८ ॥ ढाल० ॥ सोनानेंकरुमाहुंबेमलूरेलो ॥ रुपलाइडोणीहाथ ॥ म्हारावाहलाजीरे ॥ हवेनगेमुतोरीचाकरीरेलो ॥ एदेशी ॥ तापसकहेसुणिवा तमीरेलो ॥ दूरथीदीगेतूझ ॥ म्हारावालाजीरे ॥ कूसुमलेवाझआवीउरेलो॥करु णाउपनीमुझ ॥ म्हा० ॥ ९ ॥ इममरणनवीकीजीइरेलो ॥ एआंकणी॥ कोई उत्तमजनआचरेरेलो ॥ नदितमारगएह ॥म्हारा० ॥ कारणपुढीनीवारीइरेलो॥ चितध्यूइमघरीनेह ॥ म्हा० ॥१० ॥ इम० ॥ उतावलांआवताथकारेलो ॥ तेंतोकीधूएकांम ॥ म्हा० ॥ मासाहसेइमवोलतोरेलो ॥ ड्रोमीआव्योआम ॥ म्हा० ॥११॥ इम० ॥ ताहरोपासत्रुटिगयोरेलो ॥ तूपमीउतवहेठि ॥ म्हा०॥ म्हेंसिध्योजलथीतूनेरेलो ॥ आयुप्रमाणेंहोयनेठ ॥ म्हा० ॥१२ ॥ इम ॥ एहवुतूकिमआचरेरेलो ॥ तापसपूछेइम ॥ म्हा० ॥ लाजेंउत्तरनवीम्हेंदि उरेलो ॥ तापसकहेंघरीप्रेम ॥ म्हा० ॥१३ ॥ इम० ॥ तपसीमातपीतासमारे लो ॥ कहोमुकीखलपच ॥ म्हा० ॥ अणजाण्योतेस्यूकरेरेलो ॥ कारजनो परपच ॥ म्हा० ॥१४ ॥ इम० ॥ तवम्हेंधूरथीसाथीउरेलो ॥ निपनोजेह त्तांत ॥ म्हा० ॥ तवशसारअसारतारेलो ॥ सापेतेहमहांत ॥ म्हा० ॥१५ ॥ इम० ॥ शरदमेघसमआउपुरेलो ॥ कुसुमिततरुसमऋद्धि ॥ म्हा० ॥ विषय सूपनसमसाथीआरेलो ॥ सजोगविजोगस्यूगिद्ध ॥ म्हा० ॥१६ ॥ इम ॥ गांमितूएव्यवसायनेंरेलो ॥ धर्मवीनाकिमसूरक ॥ म्हा० ॥ म्हेंकसुसाचुरी पीकहोरेलो ॥ पणिमुझप्रेयसीदूरक ॥ म्हा० ॥१७ ॥ इम० ॥ तिणेंनवी वीरहपमीसकुरेलो ॥ मरणअधीकमुझडरक ॥ म्हा० ॥ तिणेंमुझमुआंजिमए मिलेरेलो ॥ तिमसाथोकरोसूरक ॥ म्हा० ॥१८ ॥ इम० ॥ तपसीकहेतूम्हे सांसलोरेलो ॥ मलयपर्वतएनाम ॥ म्हा० ॥ मनोरथपुरकटुकडेरेलो ॥ म नचिंतितकरेंकांम ॥ म्हा० ॥ १९ ॥ इम० ॥ तेहउपरिचढीचितवोरेलो ॥ जेमनमांअसीप्राय ॥ म्हा० ॥ कृपाकरीतेहपामीइरेलो ॥ सुणिप्रणम्योरि पीपाय ॥ म्हा० ॥२० ॥ इम० ॥ चाल्योझतेपर्वतेरेलो ॥ पोहतोत्रिजेदि

थि ॥ सा० ॥ वलिभावुलोचनफरकीउ ॥ पभीउकरमांचीपाच ॥ सा०
॥ जु० ॥ पेदलस्रोत्रकायई ॥ खोलवामांमीतेनारि ॥ सा० ॥
पतो ॥ किहांगईमुऊंप्राणआधार ॥ सा० ॥ ॥ जु० ॥
अजगरघसणीदूरवदाय ॥ सा० ॥ तेअनुशारेऊचालीउ ॥
य ॥ सा० ॥ जु० ॥ कृष्णछवीनेत्ररातमा ॥
महाकायाअजगरतिहा ॥ देषीथईमुऊचटपट ॥ सा० ॥ ॥ जु०
रीवीलासवतीएणें ॥ तिणेंअवसरमुऊगईसांन ॥ सा० ॥
नें ॥ नलऊवशतीकेरान ॥ सा० ॥ ॥ जु० ॥
लीचालतोकेरस्रोगाय ॥ सा० ॥ कायमरणजीवितपणिनवीछऊ ॥
कायनकहाय ॥ सा० ॥ ॥ जु० ॥ मुरछाइघरणीढल्यो ॥
तिहांमुऊप्राण ॥ सा० ॥ वलिशायरनीलहेरेंकरी ॥
सा० ॥ ॥ जु० ॥ एदेहसुपुत्रअजगरप्रतें ॥ पाइउदरमांदिवीसन ॥
जबअजगरपासेंऊगयो ॥ तिणेंसकोच्यूनीजअग ॥ सा० ॥ ॥ जु०
मेंजाण्युंमुआंपणिदोहिलू ॥ एनारीनुभिलवुथाय ॥ सा० ॥
पमाभवा ॥ करयोमस्तकउपरिघाय ॥ सा० ॥ ॥ जु० ॥
हपाछोवम्यो ॥ लेईनारीतणेंवऊमांन ॥ सा० ॥ हृदयेंदेईमनचिंतवे ॥
फांसेंतजुप्राण ॥ सा० ॥ ॥ जु० ॥ प्रेमविलूघोएप्राणीउ ॥
आलपपाल ॥ सा० ॥ सूषीआनीसनेहीमुनी ॥ जिणेंछोडीसयलजजाल
सा० ॥ ॥ जु० ॥ पचमखंडएतेरमी ॥ कहीछालअतीसुरशाल ॥ सा०
कविपद्मकहेश्रोतासुणो ॥ सूणतांहोयमगलमाल ॥ सा० ॥ ॥ जु०
॥ ढहा ॥ सुतिजीहांस्यामाहती ॥ तिहांवमतलेततकाल ॥
उ ॥ करवानेमेंकाल ॥ ॥ फूलायोऊजेतले ॥ रुधायोतिणेंराम ॥
काननसम्यु ॥ सघलीगईतषशान ॥ ॥ पेंसेंगगनपातालमां ॥
नीकलीयाह ॥ अननुसूततेअनुसम्यू ॥ मुऊाणोमभमाहि ॥ ॥
नेंपांतरे ॥ सूपनपरेंसूरवबास ॥ दिगोरिषीएकदृष्टिची ॥

स्येकहो ॥ दपतीनी सदेह ॥ ३६ ॥ जुक्तिरहीतजाणीकरी ॥ कूणकरेएहअ
काज ॥ सूणीजाण्यूमेंसयणए ॥ एहवुसापेआज ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ योगमा
यागरवेरमेजो ॥ एदेशी ॥ अजगरनीजेवातमीजो ॥ म्हेंसंसलावोतसकानि
जो ॥ त्रिजोदिनआजतेहनेंजो ॥ कहेपेचरसूणोसुप्रमाणजो ॥ ३८ ॥ धीर
जथीसवीसपजेजो ॥ एआकणी ॥ केतलेवेगलूतेवग्युजो ॥ म्हेंकमुदग्रजो
जनथायजो॥ तवविद्याधरवोलीउंजो ॥ तूपेदमकरिमनसायजो ॥ ३९॥धी०॥
जीवेंठेंतूऊपेयसीजो॥तेहनोसासलअधीकारजो॥ विद्याधरनोअधीपतीजो ॥
चक्रसेननामेंअवधारजो ॥ ४० ॥ धी० ॥ तिणेंअप्रतीहतचक्रासीधाजो ॥
महाविद्यासाधवाहेतजो ॥ पूर्वशेवावारमासनीजो ॥ हवेउत्तरनेंसकेतजो ॥
॥ ४१ ॥ धी० ॥ अमतालीसजोजनतणीजो ॥ कायपेत्रशुद्धिकरीसारजो ॥
असयदेईसङ्गजीवनेंजो ॥ महाउद्यमथीतिणवारजो ॥ ४२ ॥ धी० ॥ निज
समजेविद्याधराजो॥ तेहनेंइमङ्गकमतेकीधजो॥ सातदिवशलगीसासलोजो॥
सङ्गजीवनीहिंसानिपिरुजो ॥ ४३ ॥ धी० ॥ मलयगीरीगुफानामथीजो ॥
सिद्धिनिलयाअसीधानजो ॥ फटकमणीजपमालिकाजो ॥ एकाकीरह्योतिणें
थानजो ॥ ४४ ॥ धी० ॥ सातलाखमाझयोजापनेंजो ॥ पुराथयादिवसतेसा
तजो ॥ सिद्धिसवारेथायस्येजो ॥ तिणेंजाणकुशलनीवातजो ॥४५ ॥ धी०॥
एतलापेत्रमामरेनहीजो ॥ एकामर्मासङ्गसावधानजो ॥ सासलीम्हेंपाणचित
ध्यूजो ॥ एवातयुक्तपरधानजो ॥ ४६ ॥ धी० ॥ पटउंड्योहतोशणिश्जो ॥
किमएकलोपटगलेतेहजो ॥ मनुष्यगल्युहोयजोएणेंजो ॥ तोसकोचाईकिम
देहजो ॥ ४७॥ धी० ॥ म्हेंकमुपेचरनेंतिहांजो ॥ मुऊआशासनातूम्हेदिध
जो ॥ थाउमनोरथतूमतणाजो ॥ मुऊअकुसलपक्षनिपिरुजो ॥ ४८॥ धी०॥
पोलीलावुमाहरीप्रीयाजो ॥ मुऊवोलेपेचरतामजो ॥ स्यानेंकलेशकरोतूम्हे
जो ॥ आजतोअमनेंएहकामजो ॥ ४९ ॥ धी० ॥ कालिसङ्गसेलामिलेजो ॥
पामीस्यूपवरितेतासजो॥ मेलवस्यूअमेतूम्हनेंजो॥ तूम्हेंरहोश्हासूखवासजो
॥ ५० ॥ धी० ॥ मान्युवचनम्हेंतेहनुजो ॥ अर्द्धपहोररातिरहीसेसजो ॥ गगं

न ॥ म्हा० ॥ तिहाचमीम्हेंचिंतव्यूरेलो ॥ प्रियाउपरिमुऊमन्न ॥ [illegible]
॥२१ ॥ इम० ॥ ऊपाकस्योम्हेंजेतलेरेलो ॥ अहोअहोएहप्रमाद ॥ [illegible]
विद्याधरेंइमवोजतरेलो ॥ ऊमप्योधरीविपवाद ॥ म्हा० ॥ [illegible]
चदनलतानागेहमरेलो ॥ लाविआस्वास्योतेण ॥ म्हा० ॥ रेमहापुरु[illegible]
तूकरेरेलो ॥ उत्तमआकारेण ॥ म्हा० ॥ [illegible] ॥ इम० ॥ कहेतूऊकार[illegible]
अढेरेलो ॥ तवम्हेंकस्योसवध ॥ म्हा० ॥ रिपीइएहबतावीउरेलो ॥ [illegible]
तपमणनिर्यध ॥ म्हा० ॥२७ ॥ इम० ॥ तवकायकहशीनेंकहेरेलो ॥ [illegible]
आधरइमवांणि ॥ म्हा० ॥ स्नेहकायरअहाम्मनवीरेलो ॥ स्नेहतेदूसनी
खाणि ॥ म्हा० ॥२५॥ इम० ॥ स्नेहेंविवेकरहेवेगलोरेलो ॥ दूरगतीपा
धवस्नेह ॥ म्हा० ॥ कुशलपक्षशत्रुकस्योरेलो ॥ निर्वत्तिअर्गलाएह ॥ म्हा० ॥
॥ २६ ॥ इम० ॥ स्नेहेंपरालव्यापाणिआरेलो ॥ नगणेंआयतीकाल ॥
म्हा० ॥ कालोचितनवीतेजुउरेलो ॥ धर्मनसेवेरशाल ॥ म्हा० ॥ [illegible] इम०
सिहपजरगतनीपरेरेलो ॥ समरथथकोसीदाय ॥ म्हा० ॥ तिणेंतजीइएको
हनेरेलो ॥ विवेकदिपकेंजुउसाय ॥ म्हा० ॥२८॥ इम० ॥ कर्मविचित्र
सविजीवनारेलो ॥ किमगतीहोवइएक ॥ म्हा० ॥ मनवछितफलसाधकने
लो ॥ चउविहधर्म्मविवेक ॥ म्हा० ॥ २९ ॥ इम० ॥ पचमरखेंमेंचौदमीरे
लो ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ म्हा० ॥ समरादित्यनारासमरेलो ॥ धर्मची
मगलमाल ॥ ॥ म्हा० ॥३०॥ इम० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ [illegible]
॥ढहा॥ सूणोदृष्टांतसोहामणो ॥ एहतणेअधीकार ॥ मलयदेशमांगांमडु ॥ क
णिकारश्रीकार ॥३१॥ सऊलसेठनीसुदरि ॥ सिहानामसूजाण ॥ पतिउपरिप्रे
मजघणो ॥ पतिनेंनअशप्रमाण ॥३२॥ विऊनेंवातबणीइसी॥ एकदिनसूणीजो
इम ॥ कामीतपमणकरीमरे ॥ पामेवछीतप्रेम ॥ [illegible] ॥ पतिचाल्योप्रेमेंकरी ॥
चितवेंइणिपरिचित्त ॥ सार्थाएहसवातरें ॥ नवीपामुएप्रीती ॥ [illegible] ॥ इवक
रीऊपातिणेंदीउ ॥ सासलेंसिहाकानि॥ इणिधारयुमनइणिपरि ॥ मुऊपतीएहंब
माण ॥ ३४ ॥ विरहमयाउसवांतरे ॥ पतीरागेपमीतेह ॥ कूणएहमांसह

स्येकहो ॥ दपतीनी सदेह ॥ ३६ ॥ जुक्तिरहीतजाणीकरी ॥ कूणकरेएहअ
काज ॥ सूणीजाएयूर्मेसयएए ॥ एहवुसापेआज ॥ ३७॥ ढाल ॥ योगमा
यागरवेरभेजो ॥ एदेशी ॥ अजगरनीजेवातमीजो ॥ म्हेंसत्तलावोतसकानि
जो ॥ त्रिजोदिनआजतेहनेंजो ॥ कहेपेचरसूणोसूप्रमांणजो ॥ ३८॥ धीर
जथीसवीसपजेजो ॥ एआकणी ॥ केतलेवेगलूतेवन्युजो ॥ म्हेंकस्युदशजो
जनथायजो॥ तवविद्याधरवोलीउंजो ॥ तूपेदमकरिमनसायजो ॥ ३९॥धी०॥
जीवेंतूफ्रेयसीजो॥तेहनोसासलअचीकारजो॥ विद्याधरनोअधीपतीजो ॥
चक्रसेननामेंअवधारजो ॥ ४० ॥ धी० ॥ तिणेंअप्रतीहतचक्रासीधाजो ॥
महाविद्यासाधवाहेतजो ॥ पूर्वशेवावारमासनीजो ॥ हवेउत्तरनेंसकेतजो ॥
॥ ४१ ॥ धी० ॥ अडतालीसजोजनतणीजो ॥ कांयपेत्रशुद्धिकरीसारजो ॥
अस्तयदेईसङ्गजीवनेंजो ॥ महाउद्यमथीतिणवारजो ॥ ४२ ॥ धी० ॥ निज
समजेविद्याधराजो॥ तेहनेंइमङ्गकमतेकीधजो॥ सातदिवशलगीसासलोजो॥
सङ्गजीवनीहिंसानिपिरुजो ॥ ४३ ॥ धी० ॥ मलयगीरीगुफानामथीजो ॥
सिद्धिनिलयाअसीधानजो ॥ फटकमणीजपमालिकाजो ॥ एकाकीरसोतिणें
थानजो ॥ ४४ ॥ धी० ॥ सातलाखमाम्योजापनेंजो ॥ पुराथयादिवसतेसा
तजो ॥ सिद्धिसवारेथायस्येजो ॥ तिणेंजाणकुशलनीवातजो ॥ ४५ ॥ धी०॥
एतलापेत्रमांमरेनहीजो ॥ एकाममासङ्गसावधानजो ॥ सांसलीम्हेंपांणचित
व्यूजो ॥ एवातयुक्तपरधानजो ॥ ४६ ॥ धी० ॥ पटउंब्योहतोइणिइजो ॥
किमएकलोपटगलेतेहजो ॥ मनुष्यगल्युहोयजोएणेंजो ॥ तोसकोचाइकिम
देहलो ॥ ४७॥ धी० ॥ म्हेंकस्युपेचरनेंतिहांजो ॥ मुझआशासनातूम्हेदिध
जो ॥ थाउमनोरथतूमतणाजो ॥ मुझअकुसलपक्षनिपिरुजो ॥ ४८॥ धी०॥
पोलीलावुमाहरीप्रीयाजो ॥ मुझवोलेपेचरतामजो ॥ स्यानेंकलेशकरोतूम्हे
जो ॥ आजतोअमनेंएहकामजो ॥ ४९ ॥ धी० ॥ कालिसङ्गसेलामिलेजो ॥
पामीस्यूपवरितेतासजो॥ मेलवस्यूअमेतूम्हनेंजो॥ तूम्हेंरहोइहासूखवासजो
॥ ५० ॥ धी० ॥ मान्युवचनम्हेंतेहनुजो ॥ अईपहोररातिरहीसेसजो ॥ गग

नेंउद्योतथयोतदाजो ॥ गायेमगलगीतविशेशजो ॥ [illegible] ॥ धी० ॥ देवविद्या
नपरेंदिपतूजो ॥ आव्यूविद्याधरनुविमानजो ॥ कहेखेचरमुऊदेवज्योजो ॥
विद्यासिरुस्वामिनिसानजो ॥ ५२ ॥ धी० ॥ गयुविमानतिहांकर्णेजो ॥ वळी
विद्याधरपरीवारजो ॥ विहाणेमुऊनेंतेमीगयोजो ॥ चक्रशेनशमीपऊवारजो ॥
॥ ५३ ॥ धी० ॥ करीयप्रणामउसारसाजो ॥ वरआसनदिधूतांमजो ॥ बात
सूणावीवेशीनेंजो ॥ तवबोल्योपेचरस्वामिजो ॥ ५४ ॥ धी० ॥ मतसतापक
रोतूम्हेंजो ॥ तूम्हमेलवस्यूआजनारिजो ॥ इर्णेसमेदोयविद्याधराजो ॥ प्रश्न
मिकहेएकतिवारजो ॥ ५५ ॥ धी० ॥ तुमआणाथीवनांतरेजो ॥ समतांएक
दिठीनारिजो ॥ अजगरसयथीनासतीजो ॥ आर्यपुत्रहाकरतिपोकारजो ॥
॥ ५६ ॥ धी० ॥ वस्त्रलिधुतिर्णेअजगरेंजो ॥ लाव्यामलयशिषरअम्हेनारि
जो ॥ सुन्यकुदयकुएरहीकरीजो ॥ उठिकुएनयनमावारिजो ॥ [illegible] धी० ॥
अम्हेकसुसयनकरोतूम्हेजो ॥ तूऊकिहांगयोसरतारजो ॥ साकहेपाखिलेवा
गयोजो ॥ तवअम्हेकरीशोधिअपारजो ॥ ५८ ॥ धी० ॥ पणिनवीअमनेंते
मल्योजो ॥ सानवीलीईअन्नर्नेपांनजो ॥ हाहाआर्यपुत्रराषीइजो ॥ इमकहे
तीरहेतिर्णेथानजो ॥ ५९ ॥ धी० ॥ खेचरपतीमुऊनेंकहेजो ॥ तूम्हेजुउंतूम
चीकेनांहिजो ॥ सार्थेपेचरऊतिहांगयोजो ॥ जोईपाम्योअतिउगांहजो ॥
॥ ६० ॥ धी० ॥ देईआसासनातिहाकिर्णेजो ॥ लाविदिश्वेचरआहारजो ॥
खेचरपतीनेंआवीकसुजो ॥ महाराजएमाहरीनारिजो ॥ ६१ ॥ धी० ॥ बात
घणीरुअमीयइजो ॥ तूम्हसागादूखवियोगजो ॥ कहोतेवलीतूम्हस्यूकरुंजो ॥
तुम्हेदीसोउत्तमकोश्लोगजो ॥ ६२ ॥ धी० ॥ समरादित्यनारासमांजो ॥ क
हीपचमखंडरचालजो ॥ पद्मविजयसोहामणीजो ॥ रुडीपनरमीएहडालजो
॥ ६३ ॥ धी० ॥ ऊहा ॥ देषीलकुएदेहनां ॥ इणिपरेंचित्युआप ॥ विद्याधर
पतीवल्लहो ॥ पामीसप्रबलप्रताप ॥ ६४ ॥ अजितबलाविद्याअछे ॥ तेआपु
कुतूऊ ॥ उत्तमपुरुषम्हेउलषी ॥ मोदथयोइमसुऊ ॥ ६५ ॥ प्राइअविध
नपामस्यो ॥ परगटजासप्रसाव ॥ बालपणेंबतलावीउं ॥ जोसीइएहजमाव ॥

॥ ६६ ॥ उदयतेहनोआवीउ ॥ इमविचारीआप ॥ विद्यालीधीवेगस्यू ॥ उत्त
मसूणीआलाप ॥ ६७ ॥ विद्याधरगयावेगस्यू ॥ आपीसाधनआम ॥ साधन
पेत्रसीरोमणी ॥ किमकरूविकटएकांम ॥ ६८ ॥ उत्तरसाधकनहीश्हां ॥
ससास्योवसूसूति ॥ शणिअवसरिआवीमीले ॥ आपुतेअदसूत ॥ ६९ ॥ ढा
ल ॥ वावाकिसनपुरीतूमविनामठीआंउऊरपमी ॥ एदेशी ॥ विद्यासिद्धिसूच
वेतेह ॥ आव्योवसूसूतीससनेह ॥ मनहरषनमाय ॥ आव्याजीसलेरेतूम्हेअ
होजीअहो ॥ तापसनोपहेस्योठेवेस ॥ आलिंगनकस्योहर्षवीशेश ॥ ७० ॥
॥ मन० ॥ म्हेंमनचिंतव्यूतापसआम ॥ आलिंगनदिश्स्यानेंकाम ॥ मन० ॥
देवीसहीतङ्कप्रणम्योतास ॥ चिरजीवकहेमुऊनेंसास ॥ ७१ ॥ मन०॥ अवि
धवाथाउंनारीआसीस ॥ शब्देंउलपीघुण्युम्हेंशीश ॥ मन० ॥ आणदआं
सुनयणेनमाय ॥ आसनआप्युवेगगाय ॥ मन० ॥ ७२ ॥ चरणपपाले
नारीतिवार ॥ वृत्तातपूठेकरावीआहार ॥ मन० ॥ किहांथीआव्यानेंशायरत
स्याकेम ॥ तेकहेफलकलसुथयुषेम ॥ ७३ ॥ मन० ॥ पांचेदिवसेंपाम्योपा
र ॥ मलयतटेंउतरयोतिणीवार ॥ मन० ॥ आव्योतापसजोवातिर ॥ आस्वा
स्योमुऊदेपीपीर ॥ ७४ ॥ मन० ॥ कुलपतीपासेंमुऊलेईजाय ॥ म्हेंवधातव
आशीसदाय ॥ मन० ॥ आहारकरावीपुठीवात ॥ म्हेंपणिकहोसघलोअव
दात ॥ ७५ ॥ मन० ॥ म्हेंकहुतापसकीजेस्वामि ॥ मित्रविजोगीनेंएअसीरा
म ॥मन०॥ कुलपतीकहेकर्त्तव्यठेएह ॥ पणिनवीत्रुटेततूशनेंहा॥७६॥मन०॥
ऽ करकर्मतणारेविवाग ॥ ऽ करसाप्योविषयनोत्याग ॥ मन०॥ मुनीनोमारग
दोहीलोजाणी ॥ पालवुदोहिलूवलीअपीगाणी ॥ ७७ ॥ मन० ॥ समऊिनेंत
जीशसशार ॥ पणिएकसासलीवीजोप्रकार ॥ मन० ॥ ज्ञानेंकरीजाणतुइमा।
मित्रताहरोमिलस्येसूखपेम ॥ ७८ ॥ मन० ॥ सेवाकरतोरहेअमपासा।मुनीव
चनेंथईमिलवानीआस ॥ मन० ॥ तिहांरहेताथयोएतलोकाज ॥ कुलपतासे
वाकरतोविशाल ॥ ७९ ॥ मन० ॥ आजथीत्रीजेदिवसअतीत ॥ एकतापस
कहेवातप्रतीत ॥ मन० ॥ कुलपतीआगलिहरपधरेह ॥ मुऊसांसलतासर्वक

हेह ॥ ८० ॥ मन० ॥ ताहरोदसीतम्हेसूणीठकानि ॥ म्हेंकलुमांपर[illegible]
ठीनें ॥मन०॥ कुलपतीनीआणालहीनीम ॥ कालिकुआव्योतानिर[illegible]
॥ मन० ॥ खेचरकसोमुकतूकअधीकारा॥ पोलतोआव्योश्रीहीजार [illegible]
तवमेंविद्याप्रापतीवात ॥ ससलावीतसहायतेवात ॥८१॥ मन० ॥ [illegible]
वचनमीध्यानवीथाय ॥ अहोसावीसकवणतूंजाय ॥ मन० ॥ [illegible]
नशितएतुम्हेंकाम ॥ थास्योअवस्यविद्याधरस्वामि ॥ ८२ ॥ [illegible]
वसेवाकरवीषटमास ॥ मांमीमलयसीखरअभ्यास ॥ मन० ॥ [illegible]
ब्रम्हचारीथाय ॥ परिमितआहारफलादिकराय ॥ ८३ ॥ मन० ॥ [illegible]
विलासवतीथयुकाम ॥ षटमासदू करगयामुकआम ॥ मन० ॥ [illegible]
होरातीनुकांमठेजोय ॥ कहेविलासवतीसूणीसोय ॥ ८४ ॥ मन० ॥ [illegible]
म्हमनोरथपुराथाउ ॥ वहेला२ थाउपेचरराउ ॥ मन० ॥ काथरहेस्यजा[illegible]
म्हेतेह ॥ मलयगिरीदरामाठवीएह ॥ ८५ ॥ मन० ॥ मांमीप्रथमसेवा[illegible]
वेतह ॥ देवताठवीकरीकूसूमनोजह ॥ मन० ॥ दिशापालकरयोवसूनी[illegible]
पद्मासनवीध्यूंअवसूत ॥ ८७ ॥ मन० ॥ मुद्रामंडलकीधाआप ॥ [illegible]
कनोमांमीजाप ॥ मन० ॥ कांइकवेलावीतीजाम ॥ आकीसहसवा[illegible]
तोम ॥ ८८ ॥ मन० ॥ गाजअकलिकेसायरकोस ॥ पृथवीकपकेस[illegible]
अथोस ॥ मन० ॥ मदमातोमयगलसकषाय ॥ जलकणीआशीतल[illegible]
॥ ८९ ॥ मन० ॥ विलासवतीनेआकमेतेह ॥ कोधेकूमलीतसूंडकरेह ॥
मन० ॥ गुलगुलकरतोअकुसकान ॥ सनमुखआवतोदेषतेथान ॥ ९० ॥
॥ मन० ॥ हाआर्यपूत्रअमकरतीनारि ॥ नेविअधोसाणीधीरजधारि ॥
मन० ॥ एहविसीतिकागईअसराल ॥ आषिपिशाचिणीअतीवीकराल ॥
॥ मन० ॥ वरणेकोलीरातीनयण ॥ अटाटयहेस्यकरमीजवयण ॥ मन० ॥
रपदनीगलेमालाधारि ॥ गगनउद्योतकरतिणीवार ॥ ९२ ॥ मन० ॥
वरमथूंचरमतेजाणि ॥ वलतेपहेस्युंदूःखनीषीणि ॥ मन० ॥ [illegible]
अनकपास ॥ विलासवतीवामकरसंसाल ॥ ९३ ॥ मन० ॥ रेरेदूटविद्याधर[illegible]

ग ॥ दूरविदग्धथयोमनरंग ॥ मन० ॥ किहांजाईसमुखकहेतीश्म ॥ क्लेस ताकरतीआवीतेम ॥ ६ ॥ मन० ॥ तेहथीनवीखोताणोधीर ॥ हवेकाकि णआविकरेपीर ॥ मन० ॥ विणवादलगरजारवथाय ॥ नाचेधमवेतालबहुधा य ॥ ६५ ॥ मन० ॥ वरसेरूधीरधाराअपराल ॥ नगनउरघकेशअतीवीक राल ॥ मन० ॥ बोलेशिवाकरतीफेतकार ॥ तोपणिनवीपोल्योफलगार ॥ ॥ ६६ ॥ मन० ॥ हवेचोथोउपसर्गतेथाय ॥ रापसणीआवीलेईजाय ॥ मन० कुपमांनांप्योजेमपाताल ॥ चद्रसूरयनाठागसमकाल ॥ ६७ ॥ मन० ॥ दाढा जेहनीअतीवीकराल ॥ मनुष्यमस्तकनीपहेरीमाल ॥ मन० ॥ नासिलगेघण लटकेजास ॥ मनुजकलेवरकापेविलास ॥ ६८ ॥ मन० ॥ मारि २ कहेमु खेआलाप ॥ महाविकरालतणनहीमाप ॥ मन० ॥ तोपणिनवीवीहनोफल गार ॥ ध्यारघमीरहेसातिनिवार ॥ ६९ ॥ मन० ॥ मत्रथयोसमापतप्राय ॥ सुगंधतववायराहवेवाय ॥ मन० ॥ फुलवृष्टीजयजयथाय ॥ किनरीउति हांमगलगाय ॥ ७० ॥ मन० ॥ थयोउद्योतआकासेंजाम ॥ अजीतबलाआ व्यांहवेताम ॥ मन० ॥ देवदेवीवफपरीवर्त्यातेह ॥ स्तवनाकरेसूसमाहरीएह ॥ २ ॥ मन० ॥ पंचमखंडेसोलमीढाल ॥ सांसलतांहोयमगलमाल ॥ मन० ॥ समरादित्यनारासमासार ॥ पद्मविजयकहेजय २ कार ॥ २ ॥ मन० ॥ ॥ दुहा ॥ अहोताहरोउपयोगए ॥ अहोव्यवशायअनत ॥ अहोपुरूषात्तम पणअती ॥ सिधथईकसत ॥ १ ॥ विरमितूएव्यवशायथी ॥ तवम्हेंचित्यूद्र म ॥ मत्रअघुरोमाहरे ॥ कहोछलमापकुकेम ॥ २ ॥ मत्रपुरोकरीप्रणमीउ ॥ शणिअवसरितिहांआय ॥ विद्याधरनाथदजे ॥ रूपमनोहरराय ॥ ५ ॥ सुणि देवीकहेएसक ॥ प्रेमेंतूफप्रणमत ॥ समसीहप्रमुखाचतूर ॥ भृत्यसावसावत ॥ ॥ ६ ॥ तूमपशायइमकहीतूरत ॥ अंगीकरेअतीरेक ॥ कहेदेवीतूफक्रिजीइ ॥ वेचरपतीअसीवेक ॥ ७ ॥ ढाल ॥ सीरोहीरोसालूहोकेउपरिजोधपूरी ॥ एदेशी ॥ म्हेंकहुमुफमीघनेंहोकेवलिनारीदेपे ॥ तववोलाव्योतसहोकेनविमोलेरेपे ॥ तसजोयोजईनेहोकेनवीदीठोजाम ॥ वफविद्याधरस्यूहोकेगगनगयोताम ॥

हेह ॥ ८४ ॥ मन० ॥ ताहरोहस्तांतम्हेंसूणीउकामि ॥ [illegible]
गांन ॥मन०॥ कुलपतीनीआणालहीतांम ॥ [illegible]
॥ मन० ॥ खेचरकेसोमुझतूझअधीकारी॥ [illegible]
तवमेंविद्याप्रपतीवांति ॥ ससलावीतसहायतेयांत ॥ [illegible]
वचनमोध्यानवीथाय ॥ अहोसावीसझबणतूंजाय ॥ मन० ॥ [illegible]
नशिंतएतुम्हेंकाम ॥ थास्योअवस्यविद्याधरस्वामि ॥ [illegible]
वसेवाकरवीषटमास ॥ मांमीमलयसीखरअत्यास ॥ मन० ॥ [illegible]
ब्रम्हचारीथाय ॥ परिमितआहारफलादिकराय ॥ ८४ ॥ मन० ॥ [illegible]
विलासवतीथयुकाम ॥ षटमासदू करगयामुझआव ॥ मन० ॥ [illegible]
होरातीनुकांमठेजोय ॥ कहेविलासवतीसूणीसोय ॥ ८६ ॥ मन० ॥ [illegible]
म्हमनोरथपुराथाउ ॥ वहेली२ थाउषेचरराउ ॥ मन० ॥ कायरहस्यजाणी
म्हेतेह ॥ मलयगिरीदरामांठवीएह ॥ ८६ ॥ मन० ॥ मांमीप्रथमसेवा
वेतह ॥ देवताठवीकरीकूसूमनोजह ॥ मन० ॥ दिशापालकरयोवसतूती ॥
पदमासनवांध्यूअदसूत ॥ ८७ ॥ मन० ॥ मुद्रामंडलकीधाआप ॥ [illegible]
कनोमांम्योजाप ॥ मन० ॥ कांइकवेलावीतीजाम ॥ आकासहसवा
तांम ॥ ८८ ॥ मन० ॥ गाजअकलिकेसायरकोस ॥ [illegible]
अघोस ॥ मन० ॥ मदमातोमयगलसकषाय ॥ जलकणीआशीतल [illegible]
॥ ८९ ॥ मन० ॥ विलासवतीनेआकर्षतेह ॥ कोधेकूमलीतसहकरेह ॥
मन० ॥ गुलगुलकरतोअंकुसकान ॥ सनमुखआवतोवेषतेयान ॥ [illegible]
॥ मन० ॥ हाआर्यपुत्रइमकरतीनारि ॥ नेविअघोसाणीधीरजधारी ॥
मन० ॥ एहविसीतिकांगईअसराल ॥ आविपिशाचिणीअतीवीकराल ॥
॥ मन ॥ वरणेकालीरातीनयण ॥ अटाटहहस्यकरेनीजवयण ॥ मन० ॥ [illegible]
रपदनीगलेमालाधारि ॥ गगनउद्योतकरतीणीवार ॥ ९२ ॥ मन० ॥ [illegible]
वरमहूंचरमतेजाणि ॥ वलतेपहेरयुदू खनीवीणि ॥ मन० ॥ [illegible]
अनकपाल ॥ विलासवतीवामकरसंसाल ॥ ९३ ॥ मन० ॥ रेरेदूष्टपापकरत

रासवें ॥ तवम्हेंकम्रूआगलिहोकेवातकहोहवइ ॥ २०॥ ऊवेगेतिहारेहो
केवातकहेआगें ॥ असमजसदेषीहोकेशीलतणेंरागें ॥ महाकालीदेवीहोकेइ
हाउपसर्गकरे ॥ भूमीकपनेंवीजलीहोकेवऊनीर्घातघरे ॥ २१॥ आवीकहे
नृपनेंहोकेउत्तमपुरुषथई ॥ किमनिचनुकारयहोकेकरेंतूऊमतिगई ॥ तवअ
लगोउसोहोकेकायाइकरी ॥ पणिनहीकांयमनथीहोकेएहवीवातधरी ॥
॥ २२॥ पुरदेवजोकोपेहोकेनगरवीनासकरे ॥ तेकारणमांम्यांहोकेशातीक
रमनगरें ॥ तवम्हेंतसपुछ्युहोकेकहोसाकिहारहे ॥ नृपसूवनउद्यानेंहोकेआ
मतलेंतेकहे ॥ २३ ॥ हवेऊतिहांपहोतोहोकेगगनतलेरह्यो ॥ तेहनेंऊदे
षीहोकेमनमांगहगह्यो ॥ विद्याधरदेहोकेपरवरीतेरही ॥ करदेईगलोथोहो
केसूपतरससही ॥ २४ ॥ तुमचीविणआणाहोकेऊनगयोपासें ॥ तिहांथीतू
म्हपासेंहोकेआव्योउल्लासें ॥ हवइतुम्हमनगमतूहोकेकामतेकीजीइ ॥ पुढेव
सूसूतीनेंहोकेतवतेवदिजीइ ॥२५॥ देवताउपदेशेंहोकेलाज्योतेहघणूं ॥ तिणे
दूतनेंमुकीहोकेकिजेजाणपणूं ॥ ढालपचमखंडेहोकेसत्तरमीगणी ॥ सम
रादित्यरासमाहोकेपद्मविजयसणी ॥ २६॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ भमदत्तपेचरसणे ॥ एस्युवोल्याआम ॥ रमणीनिजकोईरापता ॥
स्योतिहावचननोसाम ॥ २७ ॥ समरसेनकहेसाचलू ॥ एहनपमाइआज ॥
वायुवेगमनवांछिउ ॥ कहेनसीऊथुकाज ॥ २८ ॥ वायुभीत्रकहेवेगस्य ॥
जाणोतुम्हेसूजाण ॥ चमसिहहसीउंचतुर ॥ एहवातअप्रमाण ॥ २९ ॥ सु
सटवीररससामटा ॥ समऊाव्याहविसेश ॥ राज्यस्थितीएरापवी ॥ दूतमु
कोतसदेश ॥ ३० ॥ पवनगतीतेहपेपीउ ॥ दूरसीकरीनेंदूत ॥ समऊावोस
घलीस्थिती ॥ आपीनीजआकूत ॥३१॥ ढाल ॥ रागवगलिनीदेशी ॥ अनगर
तीठेतिहामाहाराय ॥ दुतकहेंजईइमनिरमाय ॥ साजनसासलो ॥ अपज
सकेरुकारणजेह ॥ उत्तमपुरुषनआचरेतेह ॥ सा० ॥ ३२ ॥ लोकनेंहा
सीनुकारणथाय ॥ अरीअणमनमांआणदपाय ॥ सा० ॥ धीरजजेहथीना
सीजाय ॥ इमअवगुणनोहोयसमुदाय ॥ सा० ॥ ३३ ॥ इहसवपरसवदोय

॥ ॥ तिहाएकनीकुजमांहोकेअरहोपरहोसमतो ॥ अमदेवीकोपेहोके
सयधमधमतो ॥ दोयकरमारूषनीहोकेशाषालेइकहे ॥ मुझ
केदूष्टोकेमरहे ॥ ॥ तेसासलीचिंतव्यूहोकेदेवीअपहरी ॥ मुझ
महोकेपुत्रुवातषरी ॥ रेवसूसूतीकहोहोकेदेवीकीहागई ॥ वसूसूतिन
केवचनतेथीरथई ॥ ॥ पेचरनीमायाहोकेएमनमाधरी ॥ करयोवा
परिहोकेतिणेंआकर्षकरी ॥ वंचावीघातनेंहोकेशाषाअपहरी ॥
साषुहोकेदेवीकिणेंहरी ॥ ॥ फिरी२ जबपुत्रुहोकेतबउपयोगकरी ॥ मुझ
लषीबोल्योहोकेसासलिवातषरी ॥ तुझविद्यासाधतांहोकेरातीतेदोयजा
बाधरटोलूहोकेआव्यूएकतांम ॥ ॥ उपसर्गनीशकाहोकेम्हेंमन
णी ॥ थोमीथईवेलाहोकेतववोलेराणी ॥ हाहाआरजसूतहोकेमुझनेंलेई
य ॥ राषि २ वसूसूतिहोकेमुझआपदथाय ॥ ॥ सुणीमुझआशकाहो
सभ्रमथीथई ॥ तवतेहगुफामांहोकेमेंजोयूजई ॥ नवीदीठीज्यारेंहोकेषाथो
मानपुठे ॥ नविजाएकीहागईहोकेतवचितूंरुठे ॥ ॥ हरिषेचरदेवी
होकेपणिएकिहांजास्ये ॥ मुझक्रोधअगनीमांहोकेएहपतगथास्ये ॥ किसी
फकरमकरस्योहोकेअजीतबलासीधी ॥ कहेदेवीतीणेंसमेहोकेसीचिंता
॥ ॥ कहिवातसवेतसहोकेदेवीक्रोधेंचढी ॥ दिशदिशतिणेंमुकीहोके
षेचरश्रेणीवमी ॥ एकषेचरआवीहोकेपवनगतीसाषे ॥ एस्त्रीम्हेंदिठीहोके
गरतीराषे ॥ ॥ सूणोनगवैताढ्येहोकेतुम्हअणाइगयो ॥ रहनेउरचक
होकेनयरतिहांसयो ॥ उदवेगघणोकरेहोकेतिहांनासऊलोका ॥ ग
जावलीहोकेहोमहवनथोका ॥ ॥ एकषेचरनेंम्हेहोकेपुछ्योअवदात
कहेतेअम्हस्वामीहोकेअनगरतीथात ॥ कंदरपनाषसथीहोकेएकदीनअ
री ॥ विद्यासाधकनीहोकेनारीतेसूचरी ॥ ॥ नविश्ठेनारीहोकेतबतेहअ
री ॥ सेवापरवर्त्योहोकेसूणीक्रुद्धेपधरी ॥ कहुछेकोईपासेंहोकेलावोषमनमु
श्रमकरीनेंउठ्योहोकेक्रोधघरीतदा ॥ ॥ कहेपवनगतीतबहोकेप्रसन्न
ईसूणो ॥ एवातकऊंहुंहोकेनहीप्रत्यक्षमुणो ॥ सिहणिनश्वामजहोके

रासवें ॥ तवम्हेंकम्यूआगलिहोकेवातकहोहवइ ॥ २० ॥ ऊबेगोतिहारेहो केवातकहेआगें ॥ असमजसदेषीहोकेशीलतणेंरागें ॥ महाकालीदेवीहोकेइ हाउपसर्गकरे ॥ सूमीकपनेंवीजलीहोकेवऊनीघातधरे ॥ २१ ॥ आवीकहे नृपनेंहोकेउत्तमपुरुषथई ॥ किमनिचनुकारयहोकेकरेंतूऊमतिगई ॥ तवअ लगोउसोहोकेकायाइकरी ॥ पणिनहीकायमनथीहोकेएहवीवातधरी ॥ ॥ २२ ॥ पुरदेवजोकोपेहोकेनगरवीनासकरे ॥ तेकारणमांम्याहोकेशांतीक रमनगरें ॥ तवम्हेंतसपुछ्युहोकेकहोसाकिहांरहे ॥ नृपसूवनउद्यानेंहोकेआ घतलेंतेकहे ॥ २३ ॥ हवेऊतिहांपहोतोहोकेगगनतलेरह्यो ॥ तेहनेंऊदे षीहोकेमनमागहगह्यो ॥ विद्याधरवदेहोकेपरवरोतेरही ॥ करदेईगलोथोहो केसूपतरससही ॥ २४ ॥ तुमचीविणआणाहोकेऊनगयोपासें ॥ तिहांथीतू म्हपासेंहोकेआव्योउल्लासें ॥ हवइतुम्हमनगमतूहोकेकामतेकीजीइ ॥ पुढेव सूसूतीनेंहोकेतवतेवदिजीइ ॥२५॥ देवताउपदेशेंहोकेलाज्योतेहघणुं ॥ तिणे दूतनेंमुकीहोकेकिजेजाणपणु ॥ ढालपचमखंडेंहोकेसत्तरमीगणी ॥ सम रादित्यरासमाहोकेपद्मविजयसणी ॥२६॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ भमदत्तपेचरसणे ॥ एस्युवोल्याआम ॥ रमणीनिजकोईरापतां ॥ स्योतिहावचननोसाम ॥ २७ ॥ समरसेनकहेसाचलू ॥ एहनपमाइआज ॥ वायुवेगमनवांछिउ ॥ कहेनसीऊयुकाज ॥ २८ ॥ वायुमीत्रकहेवेगस्यू ॥ जाणोतुम्हेसूजाण ॥ चमसिहहसीउंचतूर ॥ एहवातअप्रमाण ॥ २९ ॥ सु सटवीररससामटा ॥ समऊाव्यासुविसेश ॥ राज्यस्थितीएरापवी ॥ दूतमु कोतसदेश ॥ ३० ॥ पवनगतीतेहपेषीउ ॥ दूरसीकरीनेंदूत ॥ समऊावोस घलीस्थिती ॥ आपीनीजआकूत ॥३१॥ ढाल ॥ रागेवगालनीदेशी ॥ अनगर तीऊतिहांमाहाराय ॥ ऊतकहेजईइमनिरमाय ॥ साजनसांसलो ॥ अपज सकेरूकारणजेह ॥ उत्तमपुरुषनआचरेतेह ॥ सा० ॥ ३२ ॥ लोकनेंहा सीनुकारणथाय ॥ अरीअणमनमांआणदपाय ॥ सा० ॥ धीरजजेहथीना सीजाय ॥ इमअवगुणनोहोयसमुदाय ॥ सा० ॥ ३३ ॥ इहसवपरसवदोय

॥ ॥ तिहाएकनीकुजमाहोकेअरहोपरहोसमतो ॥ अमदेवीकोधहोके
सयधमधमतो ॥ दोयकरमारूषनीहोकेशाषालेश्कहे ॥ मुऊ
केदूटोकेमरहे ॥ ॥ तेसासलीचितव्यूहोकेदेवीअपहरी ॥ मुऊ
महोकेपुत्रुवातषरी ॥ रेवसूसूतीकहोहोकेदेवीकीहागई॥ वसूसूतिन
केवचनतेथीरथई ॥ ॥ पेचरनीमायाहोकेएमनमांधरी ॥ कर
परिहोकेतिणेंआकर्षकरी ॥ वचावीघातनेंहोकेशाषाअपहरी ॥
सापुहोकेदेवीकिणेंहरी ॥ ॥ फिरी २ जबपुत्रुहोकेतबउपयोगकरी ॥ मु
लषीबोल्योहोकेसासलिवातषरी ॥ तुऊविद्यासाधतांहोकेरातीतेदोयजा
बाधरटोलूहोकेआव्यूएकताम ॥ ॥ उपसर्गनीशंकाहोकेम्हेंमनमां
णी ॥ थोमीथईवेलाहोकेतबबोलेराणी ॥ हाहाआरजसूतहोकेमुऊनेंजे
य ॥ रोषि २ वसूसूतिहोकेमुऊआपदथाय॥ ॥ सुणीमुऊआशंकाहोके
सभ्रमथीथई। तबतेहगुफामाहोकेमेंजोयूजई ॥ नवीदीठीज्यारेंहोके
मानपुठे ॥ नविजाणकीहागईहोकेतवांचितूरुठे ॥ ॥ हरिषेचरेंवी
होकेपणिएकिहाजास्ये ॥ मुऊक्रोधअगनीमांहोकेएहपतगथास्ये ॥ किसी
फकरमक रस्योहोकेअजीतवलासीधी ॥ कहेदेवीतीणेंसमेहोकेसीचिता
॥ १५ ॥ कहिवातसवेतसहोकेदेवीक्रोधेचढी ॥ दिशदिशतिणेंमुकीहोके
पेचरश्रेणीवमी ॥ एकपेचरआवीहोकेपवागतीसाषे ॥ एसीम्हेंदिठीहोके
गरतीराषे ॥ १६ ॥ सूणोनगवैताढ्येहोकेतुम्हअणाशगयो ॥ रहनेउरचक
होकेनयरतिहासयो ॥ उदवेगघणोकरेहोकेतिहांनासऊलोका ॥ ग
जावलीहोकेहोमहवनथोका ॥ ॥ एकपेचरनेंम्हेहोकेपुछ्योअवदा
कहेतेअम्हस्वामीहोकेअनगरतीथात ॥ कंदरपनावसथीहोकेएकवीम
री ॥ विद्यासाधकनीहोकेनारीतेसूचरी ॥ नविश्लेनारीहोकेतबतेह
री ॥ लेवापरवर्त्योहोकेसूणीऊद्वेपधरी ॥ कमुठेकोईपासेंहोकेलाबोबम
श्मकरीनेंउठ्योहोकेक्रोधघरीतदा ॥ ॥ कहेपवनगतीतबहोकेप
ईसूणो ॥ एवातकऊंहुंहोकेनहीप्रत्यक्षमुणो ॥ सिहणिनश्स्वामजहोके

बलातीहोआय ॥ ४७ ॥ सा० ॥ मोहरेकाजेंरचिउविमान ॥ मित्रसहीतबे ठोतिणेंथान ॥ सा० ॥ वांगासमरनामंगलतूर ॥ चाल्याविमानचढ्याबलसू रि ॥ ४९ ॥ सा० ॥ जयजयहोवेतिणीवार ॥ गामनगरपूरजोताउदार ॥सा० ॥ पोहतावैताढ्यपर्वतपास ॥ देवीआदेशेंकरयाहेठिआवास ॥ ५० ॥ सा० सर्वविद्यावसकरवाकाज ॥ अठमकरीकरेपुजोसमाज ॥सा०॥ ससबीयांध रआव्यापास ॥ वातपोहतीअम्हसत्रुसकासि ॥ ५१ ॥ सा० ॥ डुर्मुखनाम सेनापतीजेह ॥ मोकलीउअमसनमुखतेह ॥ सा० ॥ पांचमेंखंडेअढारमी ढाल ॥ सापिएंवररागवगाल ॥ ५२ ॥ सा० ॥ समरादित्यनारासमासार ॥ पद्मविजयकहीजय २ कार ॥ सा० ॥ कायरतेथरहरकपाय ॥ सूरवीरस न्नहतेथाय ॥ ५३ ॥ सा० ॥ डुहा ॥ सनमुखआव्योवलसवल ॥ सांसली यथोवडुओर ॥ खडगमेंलीधुखांतिस्यूजोलिमकरवाजोर ॥ ५३ ॥ डुतआ व्योडरमुखतणो ॥ बोल्योआवीवाणी ॥ अनगरतीनोआवीउ ॥ सेनानीसप राण ॥ ५४ ॥ सांसलज्योएकमनसवे ॥ सूमीचरनाभृत्य ॥ कहेवराव्यूति णेंकोमिस्यूं ॥ सक्षयाउशुसरीती ॥ ५५ ॥ अनंगरतीस्यूंआवीआ ॥ जुध करणजयकाज ॥ पणिमुऊंकरतूम्हेंपामिज्यो ॥ परीउताहूपाज ॥ ५६ ॥ अनंगरतीनवीआवीउ॥सांसलीसनतकुमार॥ मुक्युंखडगतेमांनथी॥ पेचरवो ल्यापार ॥ ५७ ॥ चमसिहउठ्योचटक ॥ सेनानीथईसार ॥ आणाआपोअ म्हसणी ॥ वलतीमकरोवार ॥ ५८ ॥ आणाआपीआदिरें ॥ कुसूममालतसकं उ ॥ नापीसेनानीकीउ ॥ आव्योलहीउलउ ॥५९॥ढाल॥ कमपानीदेशी ॥ सूर रसपुरमुखनूरआणीघणो ॥ चालीआसमरवरकरणदेश ॥ सिद्धगधर्वसूरअसु रजीवामिल्या ॥ सूरवरेंगगनसरीउविशेस ॥६०॥सू०॥ पेचरेंसयलोडविमानें रह्यो ॥ सरितरवारपरहारपडंता॥माहोमांहिसटलमेंवेडनायकअडे ॥ करतवे डहतमहतरोसेंचढता ॥ ६१ ॥ सू० ॥ चमसीहोअवीहोकहेएहनें ॥ डम्मुहो संमुहोआहीआयो ॥ रेडुराचारपरहारकरीआगलें ॥ तुऊपराक्रमेंमनेंसयन लायो ॥६२॥सू०॥ करेगदाजुधमांमीतदातेंकरो॥चमसिहउपरेंघातविरसो ॥ ते

विरुध ॥ कुणआचरेकहोमहामतीमुक्त ॥ सा० ॥ परदारसहस्रीकरणा
चित्तविचारोराजनआप ॥ सा० ॥ ३३ ॥ मुक्तोएमाठोव्यवहार ॥
वरावेसनतकुमार ॥ सा० ॥ आपोमुक्तजायातुम्हेआप ॥ स्वामेंकरणा
ताप ॥ ३४ ॥ सा० ॥ बोल्योतेहनअनगरतीराय ॥ कहेजेतुतुक्तमाकेंपा
नारीनापीइ ॥ एतोपटराणीकरीघरिस्थापीइ ॥ सूचरमुक्तमनावेआप
सद्व्यवहारनोएजाणि ॥ नारी ॥ ३६ ॥ जिणेआगीकरीतेहनीनारि
नारीअमनहीअलगार ॥ ना० ॥ पापपुन्यतोतिहागणाय ॥ घरमुकीनेंसाथ
जाय ॥ ३७ ॥ नारी ॥ कहेबुहोयतसकहेजेजाय ॥ आविसकंसणमनमुक
घाय ॥ नारी ॥ सासलीकतेवलीउखिप्र ॥ पोहतोवीलासवतीनेंसनीप
नारीसासलो ॥ खेदमकरज्योमनमारेह ॥ सोधीलाधीतेतूमचीरह
॥ योमादिनमांटलस्येविजोग ॥ मतकरज्योमनमांकांयसोग ॥ नारी ॥
बोलीविलासवतीहवेताम ॥ आर्यपूत्रघरणीमुक्तनाम ॥ सा० ॥ तिणेमुक्तेंब
लीखेदतेकांय ॥ पूछज्योआर्यपूत्रनेंसूखसाय ॥ ४० ॥ सा० ॥ वलीआ
दूतवीजेदिन्न ॥ सप्तलावेसनतकुमारनेंकन्न ॥ सा० ॥ कटुकवयणाकीधा
ग्योक्रोध ॥ पयाउजमालतेसघलाजोध ॥ सा० ॥ ४१ ॥ अमरवधरतोमुक
कार ॥ ब्रह्मदत्तनेंरणरसवकसार ॥ सा० ॥ समरसेनकरेसूजआस्फाल
रोसेंनयणकरयांविकराल ॥ सा० ॥ ४२ ॥ भृकुटीचढावीनांखेदृष्टी ॥ वायुवे
गखड्गेंकरीमुष्टि ॥ सा० ॥ रिपुहृदयेंकरेतिहांचीप्रहार ॥ वायुमीअनेहवा
सिरदार ॥ ४३ ॥ सा० मुखअधारकरेचमसिह ॥ कोधानलजलतोअधिह
सा० ॥ पिंगलगधारउठालेबाहि ॥ मतगधरतीकंपावेत्यांहि ॥ ४४ ॥
प्रतीमेघहरष्योमनमांहि ॥ सगरआवतजाणीउगाह ॥ सा० ॥ गिरिदरीमांहि
उंदाथाय ॥ तेमोसहहसीउतिमसाय ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मरणआव्यूहवेंकुमरे
तास ॥ तुम्हेकोप्यासपामनीवास ॥ सा० ॥ तुम्हेरहोकुजाउस्वकगसहास ॥
आवुसूभरनुवीरयदेखाय ॥ ४६ ॥ सा० ॥ सकुकहेतूमचाकरजोआय ॥ ते
हनुतेजतेहपीनस्त्रमाय ॥ सा० ॥ तोतूमत्रीसीवातकहाय ॥ एणसमेंअनीक

गयोदेवोसहोजीमर्णेसायो ॥ पिंगलगधारविचर्मारस्योषेचरो ॥ गगनमामग नपर्णेझरहायो ॥ ७७ ॥ सू० ॥ शत्रुबलसयलतिहानिकटदेपीवीकट ॥ वेगें वायुवेगनेंपुत्रुश्म ॥ नामनेंगामशत्रुतणासापीश ॥ तेहकहेगहगहेसूणोप्रेम ॥ ॥ ७८ ॥ सू० ॥ कचनदाढएशगमुहआगलें ॥ वामपासेंअशोकोशशो को ॥ कालजीहदपिर्णेलप्यणेहीणमो ॥ मध्येविरुपनयर्णेविलोको ॥ ७९ ॥ ॥ सू० ॥ पुठेंअनगरईगयमईदेखज्यो ॥ समरवरकरणमाहोमाहिलागा ॥ सू रीरणतूरपुरेंलमेसूरतिम ॥ जेहकायरतिकेजायसागा ॥ ८० ॥ सू० ॥ सीसस कुलमहीवझलरुधीरेंसरी ॥ नायकासायकादोचलावश ॥ कूतअसीसक्तिवझ हेतिनाषतिते ॥ सिहसीआलपरेंवीहलावश ॥ ८१ ॥ सू० ॥ लेईकरवालतस सालमाहिदिउ ॥ कचनदाढजमदाढसरिसें ॥ सोरमहाघोरथयोअनगरतीसै न्यमां ॥ सैन्यमहादैन्यथईतासविरसें॥८२॥सू०॥उठिउंरुठीउंअनगरईदूठमई॥ समरसेनप्रमुखवरसाथिलेई ॥ तासतनमुखधस्योसमरेझनवीखस्यो ॥ सुत्त टअप्रतीवीकटलेईसाथिकेई॥८३॥सू०॥ म्हेंकमुखेचरासैन्यवझरुयलह्यु॥वाद तूझसाथिअवीवादलागो ॥ सूलढनेंकीमहणेंपापपुन्यनवीगणें ॥ केममुझस्यू जाइझरसागो ॥ ८४ ॥ सू० ॥ केहवोतूझस्यूझूझमुझएहवो ॥ पेचरासूचरा वादकेहो ॥ समरमांवोलवुमकरतूएहवु ॥ जयविजयसापीआकहेस्येएहो ॥ ॥ ८५ ॥ सू० ॥ एहसीयालसीहवालएदेपीश ॥ असनानोमेहमुझदेहमाथे ॥ वरसीउंकरसीउंचर्मरयणेंकरी ॥ सगवतीगुणवतीमुझहाथें ॥ ८६ ॥ सू० ॥ केमभायावलेंश्मतूझूझतो ॥ आविनीजसूजवलसवलकीजें ॥ श्ममेंसापीउ सिरुसूरसापीउ ॥ श्मकहीमाहोमाधाकरीजें ॥ ८७॥ सू० ॥ मारीउसक्तीश्व रणीमुझपामीउ ॥ सयविदूरसैन्यमुझदैन्यकीधु ॥ हर्षसरउठलेसोरवझतेकरे॥ जाणेंअमेएहनुराज्यलीधु ॥ ८८ ॥ सू० ॥ उठिम्हेंलेईगदामारीशिरमाजदा॥ तेपम्योरमवम्योधरणीपीठें ॥ कलसरवकारीउतेहनेंवारीउ ॥ झगयोतेहनेंपा सदिठे ॥ ८९ ॥ सू० ॥ उठ्योतेहनेंदेईआसासना ॥ जुझवाझजुझकरता नथाकू ॥ पवनहतजलहरामत्तजीमगयवरा ॥ तेमएकएकनोठलहताकू ॥

हवचावीउंक्रोधयीचाविउ॥घातपमीहवेजमरायसरीसो॥६ [illegible]
दिउंरगेपरहारतोमा॥ रुधीरवमनोमहादूखखमतो॥जय २ रवमयो[illegible]
रिगयो॥दलसयलजायदशदिशिसमतो ॥६ ४॥सू०॥ कुसुमवुष्टिसईवुष्टि[illegible]
हनें॥ चढिउंवेयदहवश्कूमरनीरतो ॥ रथनेउरचक्रवालथालपोहतावही ॥ दो
यपेचरतसपासधरतो॥६ ५॥सू०॥ तेहजईनेंकहेंतूहजीकिमरहे॥ [illegible]
जपोदेवऊाण ॥ अहवमुऊकोहअनलोहपतगसम ॥ थाहवेआहवेकरतनाथ
॥६ ६॥सू० ॥ सांसलीतिहाबलीदेहलीतेहनी॥ धरणीआस्फालतोबयपमपे॥
एहसूगोयरोपोयरोस्थूलहो॥ आणिमुऊमाणिश्मकिमपयपे॥६ ७॥सू०॥ मुऊ
करवायानलेंएबलेकिमनही ॥ देपिअतरहवेरेपनाही ॥ सूमीअतिआवोउंकर
मुऊनावीउ ॥ तुम्हेंपणिकेमअन्नाणमाहि ॥ ६८॥ सू० ॥ श्मकहीकोपय
हीसैन्यनीजमांतदा ॥ तुरीवजमावतासमरसेरी ॥ पडमरणदेषवासक्तिनीजले
पवा॥ सद्धहोयसूसटसऊकवचपहेरी ॥६ ९॥सू०॥केईकरवालमहाकालजम
जीहसो ॥ सुहमवररुहीरपीवाअतित्ती ॥ करपहीमहागयाजाणऊअसणीव
या ॥ घणकुटीलषलपरेंघरेंअमीत्ती॥ ७०॥सू० ॥ केईनीजनारिस्तनफरसव
ष्यपयी ॥ विगरसन्नाहउग्राहकीनो ॥ केईरमणीमृगनयणीआंसूऊरे ॥ पणि
सूसटविकटतिहांमननदीनो ॥ ७१ ॥ सू० ॥ केईरमणीरमणविघनजावाक
रे ॥ किमऊरेमनघरेतूरतआयो ॥ अपररमणीजलपानकरतासरे ॥ सायपसन
यणआंसूऊरायो ॥ ७२ ॥ सू० ॥ काईमुग्धाअतूगालहीरागलो ॥ दापवेनारी
सरतारआगें ॥ श्मतिहदिषीउषेषीफरीआवोआ ॥ सनतकुमारपुरकहतरागें॥
॥ ७३ ॥ सू० ॥ कटुककर्णेसूणीरक्तवर्णेथयो ॥ सेरीवजमावतोसमरकेरी ॥
प्रलयनोजलयजिमशब्दतिमसऊकरो॥सजकरेसऊएकएकप्रेरी ॥७४॥ सू०॥
पीवतांआसवाअमलआरोगता॥ शत्रुसत्राकरीफरीजगावे॥ उच्चामरध्वजा
प्रगुणकरीसऊसज्या ॥ केईचदनादीअगेलगावे ॥ ७५ ॥ सू० ॥ शब्दजय २
करेअमरपवऊधरो॥चलतबीमानमनमांनधारी॥पद्मव्यूहेंरच्योसैन्यशुसपरेंम
ध्यो ॥ वामपासेंसमरसेनसारी ॥ ७६ ॥ सू० ॥चमसीहोअबीहोरसोआगलो॥

गयोदेवोसहोजीमणेंसायो ॥ पिंगलगधारविचमारसोपेचरो ॥ गगनमामग नपणेंझरहायो ॥ ७७ ॥ सू० ॥ शत्रुबलसयलतिहानिकटदेपीवीकट ॥ वेगें वायुवेगनेपुवुश्म ॥ नामनेंगामशत्रुतणासापीश ॥ तेहकहेगहगहेसूणोप्रेम ॥ ॥ ७८ ॥ सू० ॥ कचनदाढएशगमुहआगलें ॥ वामपासेंअशोकोशशो को ॥ कालजीहदपिणेंलप्यणेहीणमो ॥ मध्येविरुपनयणेंविलोको ॥ ७९ ॥ ॥ सू० ॥ पुठेंअनगरईगयमईदेखज्यो ॥ समरवरकरणमाहोमांहिलागा ॥ सू रीरणतूरपुरेंलमेसूरतिम ॥ जेहकायरतिकेजायसागा ॥ ८० ॥ सू० ॥ सीसस कुलमहीवझलरुधीरेंसरी ॥ नायकासायकादोचलावश ॥ कूतअसीसक्तिवझ हेतिनापतिते ॥ सिंहसीआलपरेंवीहलावश ॥ ८१ ॥ सू० ॥ लेईकरवालतस सालमांहिदिउ ॥ कचनदाढजमदाढसरिसें ॥ सोरमहाघोरथयोअनगरतीसै न्यमां ॥ सैन्यमहादैन्यथईतासविरसें॥८२॥सू०॥उठिउरुठीउअनगरईदूठमशी॥ समरसेनप्रमुखवरसाथिलेई ॥ तासतनमुखघस्योसमरेझनवीखस्यो ॥ मुस ष्टअतीवीकटलेईसाथिकेशी॥८३॥सू०॥ म्हेंकमुखेचरासैन्यवझरूयलह्यु॥वाद तूझसाथिअवीवादलागो ॥ सूसटनेंकीमहणेंपापपुन्यनवीगणें ॥ केममुझस्यू जाइश्वरसागो ॥ ८४ ॥ सू० ॥ केहवोतूझस्यूझूझमुझएहवो ॥ पेचरासूचरा वादकेहो ॥ समरमावोलवुमकरतूएहवु ॥ जयविजयसापीआकहेस्येएहो॥ ॥ ८५ ॥ सू० ॥ एहसीयालसींहवालएदेपीश ॥ असनानोमेहमुझदेहमाथे ॥ घरसीउकरसीउचर्मरयणेंकरी ॥ सगवतीगुणवतीमुझहाथें ॥ ८६ ॥ सू० ॥ केममायावलेंश्मतूझूझतो ॥ आविनीजसूजवलसवलकीजें ॥ श्ममेंसापीउ सिरुसूरसापीउ ॥ श्मकहीमाहोमांघाकरीजें ॥ ८७॥ सू० ॥ मारीउसक्तीश्थ रणीमुझपामीउ ॥ सयविदूरसैन्यमुझदैन्यकीधु ॥ हर्षसरउछलेसोरवझतेकरे॥ जाणेंअमेएहनुराज्यलीधु ॥ ८८ ॥ सू० ॥ उठिम्हेंलेईगदामारीशिरमांजदा॥ तेपम्योरमवम्योधरणीपीठें ॥ कललरवकारीउतेहनेंवारीउ ॥ झगयोतेहनेंपा सदिठे ॥ ८९ ॥ सू० ॥ उठ्योतेहनेंदेईआसासना ॥ जुझवाझजुझकरता नथाकू ॥ पवनहतजलहरामत्तजीमगयवरा ॥ तेमएकएकनोउलहताकू ॥

॥ ९० ॥ सू० ॥ जीतीउतेहवीयावलेपेचरो ॥ जयजयशब्दआकाशतणो ॥
सुरअसुरसिद्धविद्याहरासङ्गमिली ॥ कुसुमवृष्टीकरेवज्रअनोखे ॥
खमुएपचमेढालउगणीसमी ॥ सरसरससमरनीएहसाषी ॥ समरआदिकला
रासमाएसली ॥ पद्मविजयधरीचित्तराषी ॥ ९२ ॥ सू० ॥ ॥ ९३ ॥
॥ दूहा ॥ जयवाजातिहावाजीआ ॥ अनगरतीतबआप ॥ आपतांजिहां
ठ्युनही ॥ जाणीराज्यसताप ॥ ९२ ॥ गयोतपोवनगेलिस्यू ॥ विद्याधरनेंव
द ॥ परीवरीउपरीवारस्यू ॥ आणिहर्षअमेंद ॥ ९४ ॥ पुरप्रवेशकीधापछे ॥
दिठीदूरवलन्प्रग ॥ नारीनयणेनिरसर ॥ हृदयउपनोरंग ॥ ९५ ॥ विद्याधर
विस्मयलह्या ॥ देषीरुपनीधान ॥ प्रणम्यातेहनापदकजे ॥ पटराणीपहेचाना
॥ ९६ ॥ मुकनेंदोयकटकमिली ॥ थाप्योराज्यनेथान ॥ न्यायविती
मु ॥ वारुवधतेवान ॥९७॥ ढाल ७॥ वैणमवाज्योरेविठलवारुतुकनें ॥
श्रमकरतांकोईकालगयोतव ॥ इकदिनपाछलीरातें ॥ विलासवतीइसूपनेंसूतो
गजदिठोवरगातें ॥ ९८ ॥ सवीतूम्हेंजोज्योरेपुण्यतणांफलभीगो ॥ एआंक
णी ॥ ऐरावणसरिषोचउदतो ॥ घनअंजनसमस्याम ॥ मेरुगीरीसमवमर्ड
पेठो ॥ जागीतेहवेताम ॥९९ ॥ सवी० ॥ हरषवर्सेमुकनेंसंसलावे ॥ म्हेंपहि
साप्युतास ॥ सयलवीयाधरपुजीतथास्ये ॥ सूततूकगुणनीरासि ॥ ९
सवी० ॥ सासलीहर्षलहीतेदीनथी ॥ त्रिणेवर्गसाधेंती ॥ अनुक्रमेंशुसदिने
जायोसूतनें ॥ हरषतेहीयमेधरती ॥ १ ॥सवी०॥ मजरीकाढसीइसूतनें॥ ज
नमेंरायवधाप्यो ॥ दांनदेईतेहनेंसतोषी ॥ बालिप्रदूरेंगमाप्यो ॥ २ ॥ सवी० ॥
अजीतवलापरसावेंपाम्यो ॥ राज्यलषमीसूतएह ॥ मासथयोतवर्षितीअजी
तवल ॥ नामठप्यूगुणगेह ॥ ३ ॥सवी० ॥ अनुक्रमेंकुमरसावतेपाम्यो ॥ इस
अवसरम्हेंविचारयु ॥ बहुदिनमातपीतामिलीयांथया ॥ तिणेंमिलबुश्रमथा
स्यु ॥ ४ ॥ स० ॥ माविजइ प्रतीकारजसाध्यां ॥ रीझिलहीस्येलेषे ॥ सह
नस्यूसोगवीनहीजेवली ॥ दूरजननयणेनदेषे ॥ ५ ॥ सवी० ॥ अजीतवला
देवीनेंआसय ॥ साप्योतिणेंतेजाणी ॥ विकूरव्यूविमानतेतेहमां ॥ बेठोलेई

सूतराणी ॥ ६ ॥ सवी० ॥ पोहतोस्वेतविकाउद्यानें ॥ पवनगतीमोकलिउ ॥ वातसूणीजवतेहनामुखथी ॥ नृपसाहमोनिकलीउ ॥ ७ ॥ सवि० ॥ नृप देषीसाहमोजईप्रणम्यो ॥ झनिजबझूपरीवारें ॥ माहरीरीधीदेषीनेंमावोत्र ॥ अतीआणददीलधारे ॥ ८ ॥ स० ॥ नयरप्रवेशआम्हवरेंकीधो ॥ रहिति हांकेईकदिन्न ॥ तामलिप्तिनयरीइपोहतो ॥ स्वसूरनेमीलवामन्न ॥ ९ ॥ ॥ स० ॥ विलासवतीजेंदिनथीगईछे ॥ तेदीनथीखेदाणो ॥ सिद्धादेशवचनथी सघलो ॥ परमारथजिणेंजाण्यो ॥ १० ॥ स० ॥ अनगवतीउपरिवझरीसें ॥ धमधम्योईशानचद ॥ तेहनेंवझप्रणिपत्यकरीनें ॥ उपजाव्योप्राणद ॥ ११ ॥ स० ॥ तातपासेंआव्यावलीफिरीनें ॥ केईकदिनतिहारहीआ ॥ कालक्रमें मुझमाततातनें ॥ धरमसूपतीइपहीआ ॥ १२ ॥ स० ॥ मुझलघुसाईजश कीर्त्तिनिलयनें ॥ थापीराज्यनोसार ॥ वेअढगीरीपोहतोरथनेउर ॥ चक्रवाल पुरसार ॥ १३ ॥ स० ॥ सूखमांतिहांझराज्यपालतो ॥ इणअवसरतिहांआ व्या ॥ अमणगुणेंशोसीतचउनाणी ॥ बझशिष्येंसोहाव्या ॥ १४ ॥ स० ॥ चित्रागदनामेंआचारय ॥ मुझनेंकसुपरीवारें ॥ जईआम्हवरस्युम्हेंवद्या ॥ ध र्मलासदिउत्यारें ॥ १५ ॥स०॥ मुनीकहेमुझनेंसांसलिसूपती ॥ पुण्यकस्यांति पांम्या ॥ इमजाणीनेंपुण्यकरोतुम्हे ॥ सूणीम्हेंपदकजनाम्या ॥ १६ ॥स०॥ पुण्यकहोकीमकरीइगुरुजी ॥ इमम्हेंपुछ्युजाम ॥ समसवेगमुलजिनदरशी त ॥ धर्मकहेगुरुताम ॥ १७ ॥ स० ॥ धरमपरिणम्योपाम्योसमकीत ॥ अ णुव्रतलीधांवार ॥ चरणनमीनेंम्हेंफरीपुछ्यु ॥ कहोप्रसूकरोउपगार ॥ १८ ॥ ॥ स० ॥प्रियाविरहदूखजनीतसतापह ॥ किमउपनोएस्वामी ॥ पूर्वसवेंसी करणीकीधी ॥किमफिरीरीझिप्रीयापामी ॥ १९ ॥स० ॥ वीशमीढालएपचमे खडे ॥ समरादित्यनेंराश ॥ सांसलोगुरुमुखपद्मथीसापे ॥ पुरवसवसूवीला स ॥ २० ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥७॥ ॥ दुहा ॥ सरतपेत्रइणमेंसलु ॥ नयरकपिलपुरनाम ॥ चद्रगुप्तराजाचतूर ॥ वारूतेहनेंवाम ॥ २१ ॥ जयासुदरीजगजाणीइ ॥ रामगुप्तअसीराम ॥ नांमें

सूततुगुणनीलो ॥ रुपवतजोमराम ॥ २२ ॥ उत्तरापथभवनीपती ॥ [illegible]
सगुणधाम ॥ हाग्प्रसाजिमहरप्रीया ॥ धारुतेकरीवाम ॥ २३ ॥ आव्योपसंग
तेअन्यदा ॥ सवनदिर्घिकासालि ॥ नरनारीनिरतांविङ्ग ॥ क्रिडाकरेतिर्वेकाल
॥ २४ ॥ वाविकठिरसाघनें ॥ कुकुमरागकृतअग ॥ वेगाजववेऊजलां ॥ [illegible]
सरतारसुसग ॥ २५ ॥ ढाल ॥ साबरमतीइआवीलांसरपुरजो ॥ एदेशी ॥ ई
णअवसरिएकहसजुगलतिहाआवीउरे ॥ तेकरलीधीहथलीकीतूककामजो॥
हथतेलीधोनारीइकरमारगस्यूंरे॥ कुकुमरगथीफसल्याहाथथीतामजो॥२६॥
॥ सासलज्योतुम्हेअल्पनीदानफलेघणरे ॥ एआंकणी ॥ एकएकनेंठलवेन
हीकुकुमरागथीरे ॥ विरहेंपिमीतमरवानापरिणामजो ॥ करेतेरूधीसाअनइंसा
णीमांपम्यारे ॥ पणिकोईविचित्रजाणोकर्मपरिणामजो ॥ २७ ॥ सा० ॥ क
ठगतप्राणथयातवडखउपनुघणरे ॥ वलीतेनीरेंकुकूमरगधोवायजो ॥ स
वीसावथीउचुजोइतवधिरे ॥ तवअन्योन्येंरागथकीउलपायजो ॥ स
॥ सा० ॥ एहकरमतुम्हेबांध्यूविरहनुआकरूजो ॥ एहतेजाणोतूमचोकर्मप
रीणामजो ॥ म्हेंचित्युअहोअल्पनिदानवडफलेरे॥तिणेंहवेमाहरेपरब्रज्यास्यू
कामजो॥२९॥सा०॥म्हेंकक्षुसगवनमुझउपरिकिरपाकरीजो॥सांसलतानिज
चरीत्रथयोंवैरागजो॥सवअटवीउतारोदिक्षाआपिनेंजो ॥ गरुकहेजिमसुखउ
पजेतिममहासागजो॥३०॥सां०॥देईराज्यअजीतबलकूमरनेंमेंतदाजो॥ करी
उदघोषणापूर्वकदिधुदानजो॥ वसूसूतीराणीपरीजनपरीवारस्युंरे ॥लिधीदिक्ष
सूणिजयकुमरनिदानजो॥३१॥सा०॥एहविशेषकारणम्हेम्हारूसाधीउजो॥
जयकहेशोसनकारणएहवीशेसजो॥ सवअटविथीउतरीइमसूकिणीपरेंजो॥
उतरीनेंकहोजावुकिणेंदेशजो ॥ ३२ ॥ सां० ॥ गुरुकहेअटवीद्रव्यसावडसे
दथीजो॥ द्रव्यअटवीनोसांसलितुदृष्टांतजो॥ कोईनगरथीनगरांतरआवास
णीजो ॥ कोईसार्थपउदघोषणाइणिवृत्तांतजो ॥ ३३ ॥ सा० ॥ मुझसाथेंजे
आवेतेहनेंपोहचवुरे ॥ इमसांसलीवडसाथथयोतससाथिजो ॥ मारगनाहु
णदोषतेसाथनेंदाषवेरे ॥ सांसलज्योईणमारगठेदोयपाथजो ॥ ३४ ॥ सां० ॥

एकसरलनेंवीजोवक्रतेजाणीश्जो ॥ पणितेवक्रेंबहुकालेंपोहचायजो ॥ सू
खथीजाताअतेंऋजुमांअवतरेजो॥ लहीश्शिवपुरसूखनोसमुदायजो॥२५॥
॥ सा० ॥ रीजुमारगबहुपार्सेपणिअतिसाकमोजो ॥ बहुकष्टेंपोहचाश्शि
तसहेरजो ॥ अतीवीषमतीहांउतरताबीहामणोजो ॥ वाटेंवीघनकारीहरीवाघ
नमहेरजो ॥ २६ ॥ सां० ॥ मारगमांपणिउतरवातेनवीवीश्जो ॥ तेहनेंआप
पराक्रमथीकरीध्वंशजो ॥ जईस्युपणिपूठि२ आवस्येजो ॥ पुरमापोहची
शतिहालगेएहनोअसजो ॥ २७ ॥ सां० ॥ उनमारगेंपगमुकेतोलेमुलथी
जो ॥ मारगेंहीमेंतेउपरिनहीजोरजो ॥आगलिजातांरुपमनोहरआवस्येजो ॥
स्निग्धसुगधीपत्रकुसूमबहुमोहोरजो ॥ २८ ॥ सा० ॥ शीतलछायाशोलेजे
हनीरुअमीजों॥ पणितिहांवेठापामेंजीवविणासजो ॥ तोपावानीवाततोजाणो
वेगलीजो ॥ तिहांनवीवेसज्योजोघरोजीवनआसिजो ॥ २९ ॥ सा०॥ वली
वीजापणिऊमडशम्यांपमथाआवस्येजो ॥ पांमुपत्रकूसूमफलवर्जिततेहजो॥
नहिमनोहरवीसामोकरवोपमेजो ॥ मुहूर्तमात्रतोकरज्योशुसमनरेहजो ॥
॥ ३० ॥ सां० ॥ मारगकांठेबेठापुरुषघणाहस्येजो ॥ रूपमनोहरनेवली
मीठांवयणजो ॥ तुम्हनेंतेमस्येआवोश्हापणिमार्गठिजो ॥ तेहनुवचननसू
णवुनजोवुनयणजो ॥ ३१ ॥ सा० ॥ रूणपणसाथथीमतरहेज्योकोईवे
गलारे ॥ एकाकीनेंसयनीश्वयहोयभायजो ॥ दावानलथोमोपणिअप्रमादी
थईरे ॥ उलववोअन्यथावहुअनरथथायजो ॥ ३२ ॥ सा० ॥ उचोपर्वत
उपयोगेंउलघवोजो ॥ तेउपयोगवीनाजाश्प्राणतेठामजो ॥ वज्रजालअतीगहु
रगुपीलउलघवीजो ॥ उपद्रवहोयतिणेंनवीकरवोविश्रामजो ॥ ३३ ॥ सा०॥
एकपामिलघुमारगजातांआवस्येजो ॥ नाममनोरथसटवेठोनीतपासजो ॥
तेकहेस्येएपामलगारेकपुरज्योजो ॥ पणिनवीपुरज्योमनमाआणीतासजो ॥
॥ ३४ ॥ सा० ॥ जोपुरस्योतोमोहटीवघतीतेजस्येरे ॥ तिणेंअवगणनाकरी
नेंजावुसायजो॥ फलकिपाकनांपचजातीनांमनोहरूजो ॥ नवीजोवानवीपा
वांस्वादवणायजो ॥ ३५ ॥ सा० महावीकरालपिशाचतेवाघीसवाटिमाजो॥

पण२ उपद्रवक्रतागणवानाहिजो ॥ निरसविरससालपाणीतेपणिदोहीकूजो॥
पेदनकरवोवाव्रतांतेमाहिजो ॥ ४६ ॥ सा० ॥ नित्यप्रयाणतेकरवुकुकप्रा
णावहीजो ॥ वहेवुनियमारातेंपणिदोयजांमजो ॥ इमजातांअटवीचेनेंठलघो
इजो ॥ निवृत्तिपुरपामीजेंसुखनोधामजो ॥ ४७ ॥ सा० ॥ केशउपद्रवतिह
नगरीथीवेगलाजो ॥ एदृष्टांतहवेउपनयकहुसारजो ॥ सारथवाहतेजाणिजे
कसूरमणीसमोजो ॥ अरीहादेवनोदेवकरेउपगारजो ॥ ४८ ॥ सा० ॥ आहे
पणी १ विक्षेपणी २ सवेगणी ३ तथाजो ॥ निरवेदनी ४ एधर्मकथाचउ
सेयजो ॥ तेउदधोपणामोकुनाअरथीजीवमाजो ॥ साधनाजोकतेसार्थेपथ्या
अमेयजो ॥ ४९ ॥ सा० ॥ अटवीविहुगतीभमणकरणनीजाणीइजो ॥ सा
धुधर्मतेसूधोमारगहोयजो ॥ श्रावकधर्मतेवाकोमोकुपोहोचवुजो ॥ पणिअते
मुनीधर्ममांआवेसोयजो ॥ ५० ॥ सा० ॥ इहितपुरतेजीवनगरीसोहामणी
जो ॥ जिहानहीजनममरणनेंरोगनसोगजो ॥ वाधासिधदोयरागद्वेषबहुउपद्र
वेजो ॥ जेहथीनवीलेवाइसजमजोगजो ॥ ५१ ॥ सा० ॥ अमणपणकलीधेपणिके
मिमुकेनहीजो ॥ जिनवरमारगचुकातेंगलीजायजो ॥ नारीपशुपन्नगसजुत
वसतीयकाजो ॥ तेहजरुपजाणोजसमनोहरठायजो ॥ ५२ ॥ सा० ॥ निरवद्य
वसतीअमितपमुरदलरूपमाजो ॥ पासठादीकजेउपदेशविरुधजो ॥ दायकतेमा
रगतटवेंगावहुजनाजो ॥ तेवयरीसमबोलावेथईशुरुजो ॥ ५३ ॥ सा० ॥ साधीजन
तेंअमणशीलगरथधारकूजो ॥ क्रोधदावानलपर्वततेमहामानजो ॥ वंशजालमा
यालघुधामीतेलोसनीजो ॥ मनोरथसदृतेईशारूपअमानजो ॥ ५४ ॥ सा० ॥
थोडीपणिपुरीइतोपारनपामीइजो ॥ शब्दादिकनाविषयतेफलकिपाकजो ॥
जेहवावीसपीशाचतेजाणोपरीसहाजो ॥ सजमजीवितहरेएहनोएविपाकजो
॥ ५५ ॥ सा ॥ मधुकरवृत्तिइअरसविरसमुनीआहारजेंजो ॥ नीत्यप्रयाणतें
जाणोअप्रमादजो ॥ वेपहोररातेंपणिसकायतेनीतकरेजो ॥ इणिपरेंअटवीउ
लघेआल्हादजो ॥ ५६ ॥ सा ॥ पोहचेंअनुक्रमेजीवनगरीसुखशाश्वतेंजो ॥
सांसलीशमकीतदेशवीरतीपरीणामेंजो ॥ जयकूमरेंगुरुपासेंतेअगीकरयां

जो ॥ पेठोनयरीमापोहतोनीजगामजो ॥ ५७ ॥ सा ॥ जुवराज्येंथाप्योनि जतातेतेहनेंजो ॥ नीत २ सेवेमुनीवरसनतकुमारजो॥ तापीपद्मविजयएप चमखमांजो ॥ ढालश्गवीसमीसूणताजयंजयकारयो ॥ ५८ ॥ सा० ॥ ॥डहा॥ मासकलपकरीमुनीवरू ॥ विचस्याश्रीसगवंता॥ आवेंघणसिरीश्हाकि ऐ ॥ तेसूणज्योवीरतत ॥५९ ॥ नारकमांथीनीकली ॥ ससरीवरूसचार ॥ अ नतरसवेअनुसव्यो ॥ अज्ञानकष्टअपार ॥ ६० ॥ मरणलहीजयकूमर नो ॥ अनुजथयोघणईठ ॥ विजयनामतसगावीउ ॥ कूमरथयोउकीठ ॥ ॥ ६१ ॥ विजयनेंजयवल्लसनही ॥ कालगयोइमकांय ॥ कर्मविचित्रथकी लह्यो ॥ मरणेतेहमहाराय ॥ ६२ ॥ जयकुमारराज्येंठव्या ॥ सरूशमिली सामत ॥ विजयद्वेषलहीविलपिउ ॥ सरूथईनमसंन ॥ ६३ ॥ सामतम मलेंसमझिनें ॥ वाध्योमरमीवाहि ॥ वारवटिउजेवाहिरे ॥ दूखदेवेदिलमाहि ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ थाहरामोहलाउपरिमेहझवुकेवीजलीहोलाल ॥ झवु० ॥ एदेशी ॥ इणिअवसरिप्रतीहारीआवीइमवीनवेहोलाल ॥ आव० ॥ द्वार वेशेंतुमजननीआवीछेहवश्होलाल ॥ आवी० ॥ कोयककार्यउद्देशीदरीशण अतीलपेंहोलाल ॥ दरि० ॥ तवनृपसभमपामीगयोतससनमुखेंहोलाल ॥ ॥ ६५ ॥ गयो० ॥ कहेमातातुम्हेकेमपधास्यांश्हालगेंहोलाल ॥ प० ॥ तवरो तीकहेसुतशोकानलवरूजगेंहोलाल ॥ शो० ॥ सूतनेंजीवीतदानआपोतब नृपवदेंहोलाल ॥ आ० ॥ कुणथीसयएकूमारनेंतवराणीवदेहोलाल ॥ त० ॥ ॥ ६६ ॥ प्रतीपक्षीनेंजतनथीरापवोनृपथितीहोलाल ॥ रा० ॥ अन्यसामतप्रे स्याथीउपद्रवनीततीहोलाल ॥ उ० ॥ मतकरोइमवीचारीराज्यचिंतकनरेंहो लाल ॥ रा० ॥ किधुकामतेमुझपणिगमतूआदरेंहोलाल ॥ ग० ॥ ६७ ॥ पणि एहनेंतनुवाघानथाशतिमकरोहोलाल ॥ न० ॥ तवनृपकहेजोमातप्रतीपक्षी एपरोहोलाल ॥प्रति०॥ तोकूणनिजपक्षीकहोमातजीमाहरेहोलालके ॥ मा०॥ किमकरोवातउसांश्हांआवीपादरेंहोलाल ॥ इ० ॥ ६८ ॥ मांहिलात्रीदेईआ शनवेठोइणिपरेहोलालके ॥ वे० ॥ रेरेलात्रोकुमारनेंरोक्योजिणघरेंहोलालके॥

पंण२ उपद्रवकरतांगणवानाहिजो ॥ निरसविरससातपाणीतेपणिदोहीसूजो॥
पेदनकरवोवावरतांतेमाहिजो ॥ ४६ ॥ सा० ॥ नित्यप्रयाणतेकरवुमुक्तणा
णावहीजो ॥ वहेवुनियमारातेंपणिदोयजांमजो ॥ श्रमजातांअटवीवेमेंउलघा
श्जो ॥ निवृत्तिपुरपांमीजेंसूखनोधामजो ॥ ४७ ॥ सा० ॥ केशउपद्रवतिण
नगरीथीवेगलाजो ॥ एदृष्टांतहवेउपनयकहुसारजो ॥ सारथवाहतेप्रणिहो
कसूरमणीसमोजो ॥ अरीहादेवनोद्रवकरेउपगारजो ॥ ४८ ॥ सां० ॥ आहे
पणी १ विक्षेपणी २ सवेगणी ३ तथाजो ॥ निरवेदनी ४ एधर्मकथाचउ
सेयजो ॥ तेउदघोपणामोहुनाअरथीजीवमाजो ॥ साधनालोकतेसार्थेपया
अमेयजो ॥ ४९ ॥ सां० ॥ अटवीचिहुगतीभमणकरणनीजाणीश्जो ॥ सा
धुधर्मतेसूधोमारगहोयजो ॥ श्रावकधर्मतेवांकोमोहुपोहोंचवुजो ॥ पणिअंते
मुनीधर्ममांआवेसोयजो ॥ ५० ॥ सां० ॥ श्रीतपुरतेश्रीव्रतनगरीसोहामणी
जो ॥ जिहानहीजनममरणनेंरोगनसोगजो ॥ वाधासिघदोयरागद्वेषबहुउपद्र
वेजो ॥ जेहथीनवीलेवाश्सजमजोगजो ॥ ५१ ॥ सा० ॥ श्रमणपणलीधेपणिके
मिमुकेनहीजो ॥ जिनवरमारगचुकांतेगलीजायजो ॥ नारीपशुपमगसजुत
वसतीयकाजो ॥ तेहजरुपजाणोजसमनोहरथायजो ॥ ५२ ॥ सा० ॥ निरवद्य
वसतीश्रमितपमुरदखरूपमाजो ॥ पासत्थादीकजेउपदेशविरुधजो ॥ दायकतेमा
रगतटवेंठावहुजनाजो ॥ तेवयरीसमबोलावेथईशुद्धजो ॥ ५३ ॥ सा० ॥ साधीजन
तेंश्रमणशीलगरथधारकूजो ॥ क्रोधदावानलपर्वततेमहामानजो ॥ वशजालमा
यालघुषामीतेलोसनीजो ॥ मनोरथसटतेईशरूपअमानजो ॥ ५४ ॥ सा० ॥
योगीपणिपुरीश्तोपारनपामीश्जो ॥ शब्दादिकनाविषयतेफलकिपाकजो ॥
जेहवावीसपीशाचतेजाणोपरीसहाजो ॥ सजमजीवितहरेएहनोएविपाकजो
॥ ५५ ॥ सा ॥ मधुकरवृत्तिश्अरसविरसमुनीआहारजेंजो ॥ नीत्यप्रयाणतो
जाणोअप्रमादजो ॥ वेपहोररातेंपणिसझायतेनीतकरेजो ॥ इणिपरेंअटवीउ
लघेआल्हादजो ॥ ५६ ॥ सा ॥ पोहचेंअनुक्रमेश्रीवनगरीसुखशाश्वतेंजो ॥
सांतलीशमकीतदेशवीरतीपरीणामजो ॥ जयकुमरेंगुरुपासेंतेअगीकरयां

पाघरूहोलाल ॥ ए० ॥ ७७ ॥ पालोप्रजाजुवराज्यठवोकुमरप्रतेंहोलाल ॥ ठ० ॥ सूपकहेएहवातवीरुघर्तेसांप्रतीहोलाल ॥ वि० ॥ करीराज्यनोअत्ती पेकहवेकिमपालटेहोलाल ॥ ह० ॥ चित्तविरक्तसञ्चारथीतिर्णेमुऊएघटेहो लाल ॥ति०॥७८॥योआणमुऊश्रमणपणुजिमलीजीश्होलाल॥प०॥इमकही मातनेंचरणविर्चेशिरदिजीश्होलाल॥ वि०॥मातकहेजीमतूममनमांनेंतीमकरो होलाल ॥मा०॥ पिणमुऊनेंतुमेंसाथिलेश्नेंसचरोहोलाल ॥ले०॥७९॥ नृपकहे जीवीतमरणसजुत्तवपाणीश्होलाला॥स०॥सूकृतकरयाविणदूरकसल्लांश्णेंशां णिश्होलाल ॥स०॥ऊरलसनरसवधर्मजीणदनोदोहीलोहोलाला॥ जि०॥ सव २ एससारसजोगतेसोहिलोहोलाल ॥ स० ॥८०॥तिर्णेअंबातुम्हेजुक्तविचारयु चित्तस्यूहोलाल ॥ वि० ॥ हवेतेविजयकुमारनेंशिषयेनीतिस्यूहोलालके ॥ शी० ॥ एहप्रजाप्रतीपालणकरज्योहेजस्यूहोलालके ॥ क० ॥ जिमनससा रेतातनेंलहीउदवेजस्यूहोलाल ॥ ल० ॥ ८१ ॥ पूर्वपुरुषअर्जितजसमलिनन कीजीश्होलालके ॥ म० ॥ राजरीपीनुचरीप्रसदाश्घरीजीश्होलाल ॥ स० ॥ जिमनरसवसफलोहोश्तेमकरीजीश्होलालके ॥ ते० ॥ हवेसामतनेंशीषयेंइं मचरीजीश्होलालके ॥ इ० ॥ ८२ ॥ तुमचोएराजानतातपरेंलेपज्योहोलाल॥ ॥ ता० ॥ कूमरप्रजानेंहीतकरमतउवेपज्योहोलाल ॥ म० ॥ उत्तयलोकसूख कारकतूमेवरतावज्योहोलाल ॥ तू ॥ इमकरीकुलअनुरुपसदाजसपावज्योहो लाल॥ स० ॥ ८३ ॥ केईकहेतुमविरहेंअम्हेंऊखआंणीआहोलाल ॥ अ० ॥ पणितूमशिवविघकरेकुणप्रांणीआहोलाल ॥ क० ॥ वलिपरलोकसाधनस णीनरपतीउठीआहोलालके ॥ न० ॥ तवतसवचनप्रससकरेनृपपूठीआहोला ल ॥क०॥८४॥सनतकुमारआचार्यसमीपेंजायवाहोलाला॥स०॥ जिणेसमेउ ठीयाआतमतत्वनीपायवाहोलाल ॥त०॥ पद्मविजयकहेतिर्णेसमेजेवण्युतेक ऊहोलालके ॥ जे० ॥ पचमखमाढालवावीसमीश्मलऊहोलाला॥वा०॥८५॥ ॥ ऊहा ॥ प्रवृत्तिमुनीनीपेपवा ॥ मुक्योमाहणजेहा॥सीरारथनामेंसरवर ॥ तव तिहांआव्योतेह ॥ ८६ ॥ स्वामीमनोरथसीघला ॥ सनतकुमारसूरीस ॥ आ

रो० ॥ तेहनेतेमवापुरसगयातबमृपमर्मेहोलालके ॥ ग० ॥ चितवेराज्यएकहवुजेहथीश्रमवनेहोलालके ॥ जे० ॥ ६९ ॥ राज्यमहतनरेंजुठ्वातएतीकरीहोलालके ॥ मा० ॥ बधुजननेराज्यलठीएदूरवकरीहोलालके ॥ ग० ॥ [illegible] प्रमादहेतुफलकमुआजेहनांहोलालके ॥ क० ॥ विदितसंसारस्वरूपनेंकिममानेंमनांहोलालके ॥ कि ॥ ७० ॥ राज्यदेईकुमारनेंमातनेंसूखकरुंहोलालके ॥ मा० ॥ एहराज्यबकुदोपनीधाननेंपरीहरुहोलालके ॥ नी० ॥ इहवसरपूरवकृतकर्मनादोपथीहोलालके ॥ क० ॥ बधपरीणामबध्योमृपउपरिरोपथीहोलालके ॥ उ० ॥ ७१ ॥ आव्योसूपतीपाससिंहासणेंबापीठहोलालके ॥ सि० ॥ कनककलससरीनीरसूगधेव्यापीठहोलालके ॥ सू० ॥ एकमिश्रनिजहाथिविजासामतनेंहोलालके ॥ वि० ॥ करीअसीषेकनमीपदपुत्रेमातनेंहोलालके ॥ पु० ॥ ७२ ॥ मातगयोशोकानलतबजननीकहेहोलालके ॥ त० ॥ इणथीकहोअनलतेकिमहानिलहेहोलालके ॥ की० ॥ सूपतीकहेकारणकिस्यूनवीजाणुअम्होहोलालके ॥ न० ॥ मातकहेनरकांतएराज्यजाणोतूम्होहोलालके ॥ रा० ॥ ७३ ॥ नगणेंसूकृतकापुरुषउचितजाणेंनहीहोलालके ॥ उ० ॥ कालअनागतदेषेनवीपयमुक्योसहीहोलाल ॥ न० ॥ स्वर्गतथाअपवर्गस्वाधीनजेसूखअछेहोलालके ॥ स्वा० ॥ तेतेआचरेराज्यांथपुण्यजीमसवीगढेहोलाल ॥ पु० ॥ ७४ ॥ अचिंतचिंतामणीरत्नसमानएनरतनवोहोलाल ॥ स० ॥ हारीनेंएराज्यथकीनरगेंजवोहोलाल ॥ ग० ॥ तूतोराज्यनेंयोग्यजाणतूकलकणेंहोलाल ॥ जा० ॥ राज्यमांपापपुण्यतुझअनुजनेंहीगणेंहोलालके ॥ अ० ॥ ७५ ॥ मित्रकुमीत्रमलेतिणेंपापतेआचरेहोलालके ॥ पा० ॥ तेहवुपापनहीजगजेएहनवीकरेहोलालके ॥ जे० ॥ तिणेंआवकतीएहनेंतेतूझनीपजेहोलालके ॥ ते० ॥ किमसोकामलबुझेनेंठाडिकरतीजेहोलालके ॥ टा० ॥ ७६ ॥ सूपतिकहेसूणोमातस्यानेंतुम्हेंदूरथकरोहोलालके ॥ स्या० ॥ कुमरविचकणनेंलेउचरणतेझपरोहोलालके ॥ च० ॥ [illegible] णामुझमातजीआतमहीतकरुंहोलालके ॥ आ० ॥ मातकहेसूणोपुत्रजीए[illegible]

ईकमुनीपरीवार ॥ स० ॥ स्वजनआलोकनकारणेरे ॥ आव्यापुरनेंबार ॥ ॥ ४ ॥ स० सुणिकोप्योघातकप्रतेरे ॥ तेमाव्यानरतेह ॥ स० ॥ पुठेकहो कीममारिउरे ॥ कुणथानीकअरीजेह ॥ ५ ॥ सं० ॥ मुनीआव्याजाणीकरी रे ॥ बोल्यातेनस्ताम ॥ स० ॥ केशअलकारविणअम्हेरे ॥ नविउलपीआ जाम ॥ ६ ॥ सं० ॥ नंदिवर्द्धनपुरेपूछिउरे ॥ कोईदेपीअणगार ॥ स० ॥ जय मुनीकहोतूमेकिहांअछेरे॥ तिणेदिमाम्योंठार ॥ स० ॥ भानागदेहरेएरहोरे ॥ क रतोनीश्वलध्यान ॥ स० ॥ शून्यअरन्यजाणीकरीरे ॥ मारयोअमेतिणेथान ॥ ॥ ८ ॥ स० ॥ नृपकहेकोईकमारिउरे ॥ पणिपापीरहोइम ॥ स० ॥ नहितो आवेकिहाथकीरे ॥ आपणीनयरीसीम ॥ ९ ॥ स० ॥ पणिहजीकांयगयुन थीरे ॥ मारस्यूहवइणठाम ॥ स० ॥ मान्युतेपुरसेंतिहारे ॥ हवेवदननेंकांम ॥१०॥ स० ॥ जईमुनीचरणनेंवदिआरे ॥ धर्मलाभदिउताम ॥ स० ॥११॥ करुणाइसतलावीउरे॥जिनवरसापीतधर्म ॥ स० ॥ नविविरम्योसंसारथीरे ॥ मुनीजाण्योतसमर्म ॥ स०॥ १२॥ पंचमखंडेएकहीरे ॥ त्रेवीसमीवरढाल ॥ स० ॥ पद्मविजयकहेरासमारे ॥ सुणतांमंगलमाल ॥ १३ ॥ स० ॥ ॥छ॥ ॥ दुहा० ॥ मुनीकहेसुणोमहारायजी ॥ सूखदुखकर्मपसाय ॥ संसारीसहु सत्वनें ॥ निरतोजाणेन्याय ॥ १४ ॥ सूखइछेप्राणीसयल ॥ सूखनुमुलसूध र्म्मातेहनुफलतेसुरुपता ॥ प्रियसजोगपरम्म ॥१५ ॥सोगवीपुलसोभाग्यता॥ निरोगतानिरधार ॥ अवलबनकरीआकरु ॥ धर्मतेसयलआधार ॥ १६ ॥ सहुस्यूंमैत्रीसमाचरे ॥ दिजेंअढलकदान ॥ करुणाजीवनीकीजीइ ॥ सयल धर्मसावधान ॥ १७ ॥ ढाल० ॥ देशीहमचमीनी ॥ सांसलीसूपतीइणिपरेंचि तें ॥ मरणनोसयइणेंलागो ॥ तिणेइमबोलेठेपणिसासलो ॥ हवइकिहांजास्यें सागोरे ॥ १८ ॥ हमचमी ॥ इमचिंतीकहेस्वामीसाचू ॥ पणिसुणज्योमुझ वात ॥ जेदिनथीतूम्हेंदिक्षालीधी ॥ तेदिनथीविख्यातरे ॥१९॥ ह० ॥ धर्मक रवामाम्योस्वामी ॥ गुरुकहेरुडुंकीघु ॥ रहीयोमीवेलापछीचाल्यो ॥ गेहसणी दीखदीधुंरे ॥ २० ॥ ह० ॥ एहडराचारीनेंमारु ॥ आजजहार्थेरातें॥ साईमुनी

व्यातिडकवनइहां ॥ उठेसणीअवनीत्र ॥ [illegible] ॥ [illegible]
रोमांचितजईराय ॥ वदिचाल्योवादवा ॥ साथेसङ्घसमवाय ॥ [illegible]
सामंतादिकसङ्घमिली ॥ विजयनेंकहीवीरतत ॥ [illegible]
दिनादिकनेंदित ॥ [illegible] ॥ पुजाविधीघमकारनी ॥ [illegible]
देहरेसर्वजीणदनें ॥ आदरधरीअपार ॥ [illegible] ॥ [illegible]
रथबेसीमहाराय ॥ परवरिउपरीवारस्यू ॥ जुगतीघकीनृपजाय ॥ [illegible]
ल ॥ दुकअनेंटोलाविचेरे ॥ एदेशी ॥ चारित्रलेवाचुपस्यूरे ॥ नरपती[illegible]
जाय ॥ सजमरगलागो ॥ वरवरीआकहेवरावतोरे ॥ अरचीइछितदाय ॥ [illegible]
॥ स० ॥ लोकअठेहूदेपतोरे ॥ अहोउत्तमआचार ॥ स० ॥ काल[illegible]
तणोरे ॥ अहोलघुवयसुविचार ॥ ९३ ॥ सं० ॥ आजअनाथथईपुरीरे ॥ [illegible]
रकधरेवङ्गलोक ॥ स० ॥ अगुलीइदेपावतारे ॥ लोकघरेवनशोक ॥ [illegible]
स० ॥ तूरसबदयाइंघणारे ॥ केईकहर्षघरत ॥ सं० ॥ घन२ एहनीमातनीरे [illegible]
२ तातकहत ॥ ९४ ॥ स० ॥ वदिबोलेविरुदावलीरे ॥ इमबोठेमनाथ ॥ सं० ॥
गुरुचरणेंतेआवीउरे ॥ तिदूकवनउद्यान ॥ ९५ ॥ स० ॥ सनतकुमारस[illegible]
कनेरे ॥ मातसहीतसूपाल ॥ स० ॥ मुख्यमघांनेंपरवरघोरे ॥ चारित्रलिइलक
काल ॥ ९७ ॥ स० ॥ रायनयरनाजनतसङ्गरे ॥ वदिनिजघरिजाय ॥ स० ॥
मासकलपपुरेयथेरे ॥ गुरुविचरेअन्यठाय ॥ ९८ ॥ सं० ॥ सूत्रसप्यावक
पांतिस्यूरे ॥ मुनीवरजयअणगार ॥ सं० ॥ अमणपणांतेपालतारे ॥ निर्म
नीरतीचार ॥ ९९ ॥ स० ॥ विजयसूपतीहवेंचितवेरे ॥ अहोनवीमास्यो
ह ॥ स० ॥ जातोरहोएहाथिथीरे ॥ हवेकरुंकारणकेह ॥ [illegible]
निजविश्वासीनरप्रतेरे ॥ घातकमुकेराय ॥ स० ॥ घातकनरचितविचि
वेरे ॥ न्यायकेएअन्याय ॥ स० ॥ १ ॥ निष्कारणकिमसारीइरे ॥ इमकरी
पाठाजाय ॥ स० ॥ नृपनेंकहेअमेमारीउरे ॥ तवसुपहरधीतजाय ॥ [illegible]
स० ॥ हवेजयमुनीइमचितवेरे ॥ जईप्रतिबोधूंसाय ॥ स० ॥ [illegible]
वसबधथीरे ॥ सजमसनमुखथाय ॥ ३ ॥ स० ॥ आज्ञायागीगुरुतणीरे ॥ [illegible]

पवदिविजेंएपुरो ॥ विसलनगरेंकिघो ॥ श्रीवीजयसिंहसूरीसरकेरो ॥ सत्य
वीजयसूप्रसीद्धोरे ॥ ३८ ॥ ह० ॥ तासकपुरविजयवरकोविद ॥ षिमावि
जयतससिस ॥ गितारथगुणवंतसोसागी॥ जिनविजयसुजगीसरो॥ ३९॥ह०॥
उत्तमउत्तमविजयकहाया ॥ तासिसमतिवनो ॥ गीतारथसमतानासाग
र ॥ जेमहिमाइमहतोरे ॥ ४० ॥ ह० ॥ श्रीकल्याणपासमूपसाइ ॥ समरा
दित्यनोरास ॥ पद्मविजयगणीसाषेसूणतां ॥ घरि २ लिलवीलासरे ॥ ४१ ॥
॥ ह० ॥ इतिश्रीसविज्ञपक्रियपमीतप्रवरश्रीमउत्तमविजयग० शिष्यप० पद्म
वीजयग० विरचित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबधेजयविजयसहोदरयो
सगतयो पचमोनरसव समाप्त ॥ सर्वगाथापचमरवमे ॥ ७४१ ॥ उक्तगा
थाकाव्य ॥ १८ ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥
॥ ढहा ॥ श्रीकल्याणप्रसूपासजी ॥ करतासवीकल्याण ॥ पादपद्मतसूप्रण
मीइ ॥ महीमाजसमगाण ॥ १ ॥ सरसतीगुरुप्रणमुसदा ॥ समरादित्यसरूप॥
वर्णवतांमुझवदनमां ॥ आवीवद्योअनुरुप ॥२ ॥ पचमरवमप्रेमेंकरी ॥ पुर
णकरयोप्रमाण ॥ हवेछठोखमझसिथी ॥ श्रोतासूणोसूजाण ॥ ३॥ जबुद्वी
पलषजोयणो ॥ तेहमांसारतपेत ॥ माकदिपुरीमोटिकी ॥ सिरीदेवीसकेत ॥
॥ ४ ॥ अधरमजीहांआवेनही ॥ न्यायतणोजनिवास ॥ कालदोषथीनीक
ली ॥ उपद्रवरहीतआवास ॥५॥ प्रियवोलेसझप्राणीआ ॥ सरलस्वसावीसार॥
धर्मनेहीव्रतधणी ॥ परजावसेअपार ॥ ६ ॥ कालमेघनरपतीकस्यो ॥ वैरी
नेंविकराल ॥ सज्जननयननेंससीसमो ॥ करुणावतकृपाल ॥ ७॥ ढाल ॥
सावआवकेनासापीइ ॥ एदेशी॥ नगरसेठचुडामणी ॥ बधुदत्ततिहांबझगुणी॥
परतणी ॥ नारिथिउपरांगोरहइए ॥८ ॥ पणिप्रारथनाइनही ॥ परधनेंनीरलो
सीसही ॥ पणिअही ॥ धर्मउपारजणमांनहीए ॥ ९ ॥ असतूटपरउपगारें ॥
धनआगममांनहीक्यारें ॥ तेप्यारें॥ दलिद्रीनहीवीसवथीए ॥ १० ॥ सूरतरुप
रिखधउपरि ॥ पादमुकीफलबझपरें ॥ तिणिपरें॥ अर्थिनिवहफलसोगवेए ॥
॥ ११ ॥ हारप्रसातससामिनी ॥ कुलरुपसमसोहामणी ॥ कामिनी ॥ सांथें

उपरिदेमउपजे ॥ शिष्टकरमनीवातेरे ॥ २१ ॥ हु० ॥ पुरवचा[illegible]
तेमया ॥ रयणीइकरयोविचारा॥ चाल्योआपणमारीइएहनें ॥ [illegible]
॥ २२ ॥ हु० ॥ चद्रआथम्योजिणीवेलाइ ॥ तबतेपुरुषनेलेई॥ [illegible]
समीपेपोहतो ॥ दिठोचितमुंदेशेरे ॥ २३ ॥ हु० ॥ पवनरहितथानीकलि[illegible]
यो ॥ तिममुनीझाणमांलीनो ॥ तिव्रकरवायउदयथीतिणें ॥ मरणें[illegible]
नोरे ॥ २४ ॥ हु० ॥ अधीककरवाइखमगतेकाढ्यु ॥ [illegible]
करमपरिणतेआपोगलीउ ॥ कोपअनलचढीसाठीरे ॥ २५ ॥ हु० ॥ [illegible]
शेएकप्रहारें ॥ मस्तकदूरेंनाख्यु ॥ विजयरायनाएहअकारज ॥ [illegible]
नीइआप्युरे ॥ २६ ॥ हु० ॥ अहो२कर्म्मतणीगतीजुउ ॥ [illegible]
च ॥ इमकहीसहमुनीवरखसीआ ॥ जयअणगारपवित्ररे ॥ २[illegible]
प्रीतावसयलजीवउपरि ॥ ध्यानथकीनवीचलीआ ॥ निजतनुउपरि[illegible]
आण्यो ॥ हिलीमिलीसमतामिलीआरे ॥ २८ ॥ हु० ॥ [illegible]
मठे ॥ लेश्याशुद्धस्वभाव॥ सजमथिरताधीरजघोरी ॥ आसनसीद्धि[illegible]
॥ २९॥हु०॥शुभपरीणामेंकायतजीनें॥सूरलोकआनतनामें ॥नवतेदेवतणो[illegible]
पहोता ॥ सूखसागरनेंधामेंरे ॥ ३० ॥ हु० ॥ सिरिप्रसनाभविमानेंआयु[illegible]
सागरतासअढार ॥ सासलज्योहवेविजयरायनो ॥ जेकहूंअधीकारेरे ॥[illegible]
॥ हु० ॥ महापुरुषनोघातकरीनें ॥ आत्मकुतारथमानें ॥ निजमदिरआवीनें
नीत२ ॥ वरतेपापसथानेरे॥३२॥हु०॥ साधुविहाणेंविहारकरीनें ॥ [illegible]
पासें॥ सहवृत्तांतसुणाव्योगुरुनें ॥ तिमसमताआन्यासेरे ॥ ३३ ॥ हु० ॥ [illegible]
पश्चात्तापघणोगुरुकीधो ॥ अहोसीससूसीसो ॥ तेदिनथीतिवीजयरायनें ॥
पापउदयसूजगीसोरे ॥ ३४ ॥ हु० ॥ व्याधीवेदनाबहुअनुसवतो ॥ [illegible]
नुमोदतो ॥ आयुषइतेचोथीनरगें ॥ पकप्रसाइपोहतोरे ॥ ३५ ॥ हु० ॥ [illegible]
सागरआयुसोगवतो ॥ जयविजयएदोय ॥ साईनोअधीकारकसोहवे ॥ [illegible]
पतीजिणीपरेहोयरे ॥ ३६ ॥ हु० ॥ ढालचोविसमीइणिपरेंसाधी ॥ [illegible]
मेपुरी ॥ पचमखडसपुरणकरी ॥ वातनरहीअधुरीरे ॥ ३७ ॥ हु० ॥ [illegible]

चवदिविजेंएपुरो ॥ विसलनगरेंकिधो ॥ श्रीवीजयसिंहसूरीसरकेरो ॥ सत्य
वीजयसूप्रसीद्धोरे ॥ ३८ ॥ ह० ॥ तासकपुरविजयवरकोविद ॥ पिमावि
जयतससिस ॥ गितारथगुणवंतसोभागी॥ जिनविजयसुजगीसरो॥ ३९॥ह०॥
उत्तमउत्तमविजयकहाया ॥ तासिसिसमतिवनो ॥ गीतारथसमतानासाग
र ॥ जेमहिमाश्महतोरे ॥ ४० ॥ ह० ॥ श्रीकल्याणपासप्रसाइ ॥ समरा
दित्यनोरास ॥ पद्मविजयगणीसापेसूणतां ॥ घरि २ लिलवीलासरे ॥ ४१ ॥
॥ ह० ॥ इतिश्रीसविज्ञपक्रियेपमीतप्रवरश्रीमउत्तमविजयग० शिष्यप० पद्म
वीजयग० विरचितेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबधेजयविजयसहोदरयो
समतयो पचमोनरसव समाप्त ॥ सर्वगाथापचमखमे ॥ ७४१ ॥ उक्तगा
थाकाव्य ॥ १८ ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥
॥ ढहा ॥ श्रीकल्याणप्रसूपासजी ॥ करतासवीकल्याण ॥ पादपद्मतसूप्रण
मीइ ॥ महीमाजसमकाण ॥ १ ॥ सरसतीगुरुप्रणमुसदा ॥ समरादित्यसरूप॥
वर्णवतांमुझवदनमां ॥ आवीवशोअनुरुप ॥ २ ॥ पचमखमप्रेमेंकरी ॥ पुर
णकरयोप्रमाण ॥ हवेछठोखमझसिथी ॥ श्रोतासुणोसूजाण ॥ ३ ॥ जबुद्वी
पलपजोयणो ॥ तेहमांसारतपेत ॥ माकदिपुरीमोटिकी ॥ सिरीदेवीसकेत ॥
॥ ४ ॥ अघरमजीहांआवेनही ॥ न्यायतणोजनिवास ॥ कालदोषथीनीक
ली ॥ उपद्रवरहीतआवास ॥५॥ प्रियबोलेसझप्राणीआ ॥ सरलस्वसावीसार॥
धर्मिनेहीव्रतधणी ॥ परजावसेअपार ॥ ६ ॥ कालमेघनरपतीकह्यो ॥ वैरी
नेंविकराल ॥ सज्जननयननेंससीसमो ॥ करुणावतकृपाल ॥ ७ ॥ ढाल ॥
सावआवकनासापीइ ॥ एदेशी॥ नगरसेठचुडामणी ॥ बधुदत्ततिहावझगुणी॥
परतणी ॥ नारिथिउपरांगोरहइए ॥ ८ ॥ पणिप्रारथनाइनही ॥ परधनेंनीरलो
सीसही ॥ पणिअही ॥ धर्मउपारजणमांनहीए ॥ ९ ॥ असतूटपरउपगारें ॥
धनआगममांनहीक्यारें ॥ तेप्यारें॥ दलिद्रीनहीवीसवथीए ॥ १० ॥ सूरतरुप
रिखघउपरि ॥ पादमुकीफलवझपरें ॥ तिणिपरें ॥ अर्थिनिवहफलसोगवेए ॥
॥ ११ ॥ हारप्रसातससामिनी ॥ कुलरुपसमसोहामणी ॥ कामिनी ॥ सार्थे

सुखनेंसोगवेए ॥ १२ ॥ आनतकल्पथीअवतर्यो ॥ सुरआउषोपुरो[illegible]
उरधर्यो ॥ हाग्रसाइमुपनलहोए ॥ १३ ॥ उज्वलकरिवरेंकमकर्ने [illegible]
सेंजेसीचतीरे ॥ सोहतीरे ॥ मुक्ताफलहारेंकरीए ॥ १४ ॥ दिव्य[illegible]
रहि ॥ चिवरधवलधरतीरे ॥ पहेरंतीरे ॥ विविधरतनकटिमेखलाए ॥ [illegible]
उत्तरबसेढांकीआ ॥ स्तनजुगकमलकरेंरसा ॥ वक्रमहमसा ॥ [illegible]
बनिहांकरेए ॥ १५ ॥ एहवीलपमीदेवता ॥ उदरपेसतीदीठीरे ॥ [illegible]
लागीजागीहरपस्यूंए ॥ १६ ॥ सत्तलाख्युंसरतारनें ॥ तवसरतात[illegible]
स्यरे ॥ लपमीनीवाससुतताहरेए ॥ १७ ॥ सांसलीधर्मकरेसदा ॥ [illegible]
मयक्रमेंआयोरे ॥ जायोरे ॥ बालकपुरणदिहामलेए ॥ १८ ॥ सेठबधाव्योस[illegible]
सीइ ॥ दिधुदानसतोसरे ॥ पोसरे ॥ किधोहरपतणोघणोए ॥ १९ ॥ बाल[illegible]
जबतेहनें ॥ तवनामधरणतसदीधुंरा ॥ सिधूरो ॥ पीतामहकुंजेहतूए ॥ २० ॥ कुमरसा
बपाम्योजदा ॥ कलाग्रहीतिणेंबहुतदा ॥ एसवा ॥ लब्धिपदानुसारीनीपनोए ॥
॥ २२ ॥ विजयजिवहवेनारकी ॥ नरकमांथीनीकलीउरे ॥ रुलिउरे ॥ [illegible]
सचारमाअनुक्रमेए ॥ २३ ॥ लगतेसर्वेकायतपकरी ॥ इणपुरेकार्तिकनामेरे ॥
शुसधामेंरे ॥ जयालार्याकूपेंउपनोए ॥ २४ ॥ पुत्रीपणेंतेअनुक्रमें ॥ [illegible]
णेंअसीधांनेंरे ॥ शुसवांनेंरे ॥ जीवनपांमीबालीकाए ॥ २५ ॥ कर्मपरीक्षा
अचितथी ॥ बलिसाबीसावनाजोगथी ॥ कर्मसोगथी ॥ महाआडबरेपरणीपांच
॥ २६ ॥ रागघणोलडीउपरि ॥ धरणनेंपणिनहितासरे ॥ मुकपासरे ॥ [illegible]
वेइमचितवेए ॥ २७ ॥ इमविषयविटबणासारीषा ॥ सोगवतांगयोकोईका
लरे ॥ सूरसालरे ॥ मदनमोहउवआव्योअन्यदाए ॥ २८ ॥ मलयसुदरकुमा
नमा ॥ क्रिमाकरवाहेतेरे ॥ सूसकेतेरे ॥ रथवेशीधरणोगयोए ॥ [illegible]
तोदरबाजेहवे ॥ इणिअवशरेदेवनदीरे ॥ पंचनदीरे ॥ सेठनोपुत्रसोहामणोए
॥ ३० ॥ क्रीमाकरीउद्यानमां ॥ रथवेसीबह्योपाछोरे ॥ आछोरे ॥ तेवरकाले
आवीउए ॥ ३१ ॥ आमोसाहमाविक्रमिह्या ॥ उठेस्वमेंजोगाखारो ॥ [illegible]
ढालप्रथमपदमेंकहिए ॥ ३२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ढाल ॥ भारगलधुरथमोटिका ॥ समकालेनआमाय ॥ देवनंदीकहेदावथी ॥ धरणनेंसाहमोधाय ॥ ३३ ॥ उंसारोरथइंहाथकी ॥ आवेमुझरथआम ॥ कहे धरणसकमासिमां ॥ नफरेमुझरथनाम ॥ ३४ ॥ तिणेंउंसारोतूमतणो ॥ रथ जिमथाइराह ॥ तवदेवनदीआमीउ ॥ आणीअगउगाह ॥ ३५ ॥ कहोतूमथी उणिमकीसी ॥ अममांढइकांइआज ॥ रथतिणेंझंकिमफेरवु ॥ धरणकहेधरी लाज ॥ ३६ ॥ एतोसमविझनेंअढे ॥ विझथाकाबलवंत ॥ राजपथरोक्योर थें ॥ कोईकोईनेंनकहंत ॥ ३७ ॥ वातनगरमांविस्तरी ॥ कारणिआनेंकानि ॥ पोहतीतवपंचेमली ॥ न्याइंकरतान्यान ॥ ३८ ॥ ढाल ॥ अढोरगलाज्योरेमां णिगरमहाराजा ॥ एदेशी ॥ आढोन्यांयकरज्योरेचातूरचोवटीआ ॥ एआं कणी ॥ अलोचकरतारेनयरीमहर्द्धिका ॥ एतोदोयशेठमहंतमहत ॥ आ ॥ ढोरु नेहनारेअतिउढांउला ॥ वारीनसकीइएहनेंतता ॥ ३९ ॥ आ० ॥ जेईनिभढोरेदोयकु मारनें ॥ इमसीधामणअतीघणीदेह ॥ आ ॥ ब्यारजणमुक्यारेवयथीपरणम्या ॥ धरमारथमांविचारदतेह ॥ ४० ॥ आ० ॥ वचनविन्यासकुसलसमताघणी ॥ धरमीधरमसहाय ॥ आ० ॥ इहपरलोकअपायदेपायवा ॥ निपुणघणाकेत न्याय ॥ ४१ ॥ आ० ॥ वझमतजननेंरेतेब्यारेजणा ॥ आब्यांतेकुअरपासा ॥ आ० ॥ उसाथईनेंरेआदरदेघणो ॥ हवेशिक्षादिइतास ॥ ४२ ॥ आ० ॥ पुरव जकेरारेघनथीमानस्यो ॥ नविअकमायातूमेंकोय ॥ आ० ॥ केणेंकमाईनेरे दानदिधुंघणक ॥ जिणेंजसजगतमांहोय ॥ ४३ ॥ आ० मातपीतानेंरेकेणेंश तोषीआ ॥ केकरयोदिनडखीनोउधार ॥ आ० ॥ केकायधर्मनुरेकाजकरावी उ ॥ फोकटस्योरेअहकार ॥ ४४ ॥ आ० ॥ वुधजनतूमचीरेहासीकरेशदा ॥ उंसरोतूमेंइणगाम ॥ आ० ॥ निज २ गामथीरेरथपाछाकरो ॥ तूमचोवकर जाइआम ॥ ४५ ॥ आ० ॥ हरष्योसापेरेदेवनदिपरु ॥ लीज्योधरणकूमार ॥ आ० ॥ कहेतूम्हेंअमनेंरेशीपदीधीपरी ॥ मुझनेंपमोरेधीकार ॥ आ० ॥ ४६ ॥ हासीझईरेएहचरीत्रथी ॥ कांचागरससमान ॥ आ० ॥ मानुमाहरोरेआतमइणिपे रो ॥ तूम्हेतोवुधीनीधांन ॥ ४७ ॥ आ० ॥ रथउंशारोरेजईदेशातरें ॥ पांमीइम्य

अपार ॥ वरसेंदिवसेंरेंजेकरस्ये घणे॥ दिनअनाथउधारा॥ [illegible]
तेहनोरेरथआगलिथकी ॥ तबतेबोल्यामहत ॥ एहहठाघहरेस्यानेंतूम्हें [illegible]
नवतिहांधरणबोलत ॥ ४ ॥ आ० ॥ भ्राताअमनेंरेतेविणनवीहोयं ॥ [illegible]
ल्यातेहथ्यार ॥ एतोजाणेंरेनयरमहर्द्धिका ॥ धरणकहेधरीप्यार ॥ [illegible]
जणवोतेहनेंरेअमेंजास्यूंपरा ॥ देवनदीकहेआम ॥ दोघनएहमरिहूंनें [illegible]
करो ॥ ससलावेतसतांम ॥ ५१ ॥ आ० ॥ सेठनयरनारेमिलीबोलावीआ ॥
तेहनामातनेंतात ॥ वातसूणावीरेतबअगीकरे ॥ सगदिधासूवीस्याम ॥ [illegible]
आ० ॥ साहाज्यनकरवुरेनीजसूतनुतूम्हें ॥ बोलाध्यातिहादोय ॥ दिवारात्र
लखरेविझनेंजुजुआ ॥ आपेमहाजनसोय ॥ ५३ ॥ आ० ॥ पत्रलिखान्यो
रेविझनाहाथनो॥ वरसेंदिवसेंजेकोईआया॥ अधीकपराक्रमरेनिजअम्येंकरी
फोरवस्येजेहसाया॥५४॥आ०॥तेहनोरथवररेआगलिचालस्ये॥ बुझिलिधो
तेहनोपत्त ॥ मुक्योकागलरेपुरसमारमां ॥ हवश्चालेतेहजस्त ॥ ५५ ॥ आ०
सांमतेलीधारियोग्यजेहनेंहतां ॥ उत्तरापथेंचाल्योएक ॥ विजोपुरवरेदीसत
णीचालीउ ॥ मनमाधरतोतेटेक ॥ ५६ ॥ आ० ॥ चितवेलछिरेनयोरेआंतरें॥
मलस्येकहोहवेकेम ॥ मारीनसकीरेहवेकिममारीइ ॥ उपनोपेबतेइम ॥ [illegible]
आ० ॥ एकप्रयाणतेहवेपोहचीआ ॥ तबतसमातनेंतात ॥ पुत्रतनुनीरेचिंता
करणनें ॥ पुछिमहर्द्धिकनेंसवीवात ॥ ५८ ॥ आ० ॥ वझरोविझनीरेबोलावी
पुछिथि ॥ सार्थेसवलपरीवार ॥ निज २ पतिनेंरेतेआवीमिली ॥ पाम्याहरष
अपार ॥ ५९ ॥ आ० ॥ उठेरवमेंरेढालविजीकही ॥ एतोसलीसमराधिस्यनेंस
स ॥ पद्मकहेरेसूणोआगलें ॥ सूणतांलीलवीलास ॥ ६० ॥ आ० ॥ [illegible] ॥ ७ ॥
॥ ऊहा ॥ नितप्रयाणनवनवु ॥ एकदिनविटूइम, ॥ साथबहुतेसामटे ॥ [illegible]
ऐधारीप्रेम ॥ ६१ ॥ वनमांएकविद्याधरो ॥ सौम्यरुपसीरदार ॥ [illegible]
नेअवनीपमे ॥ पासगयोघरीप्यार ॥ ६२ ॥ पत्रविझणोपवित्र ॥ उपमेकमे
अपार ॥ तिणिपरेंकेमकरोतूमे ॥ पुछेएहप्रकार ॥ ६३ ॥ [illegible]
गगनेंघणा ॥ पणिनजवाइआय ॥ वातकहोवहेलाचई॥ कहेवाजेहवीकांम॥

॥ ६४ ॥ आकृतिदेषीएहनी ॥ वलिवचनविन्यास ॥ चमत्कारलहीचित्तमा॥ सर्णेतिएहवीसास ॥ ६५ ॥ ढाल० ॥ वीरवपाणीराणीचेलणाजी ॥ एदेशी ॥ अमरपुरवैताढ्यपरवर्तेजी ॥ तिहाऊवीद्याधरपुत्त ॥ हेमकुमलश्णनामथी जी ॥ नांहिवीद्याधरसूत ॥ ६६ ॥ अमर ॥ एकदिनएकविद्याधरुजी ॥ वि द्युनमालेतीहाआय ॥ तातनोमीत्रतिर्णेपुछिउंजी॥ आमणडमणाकीमसाय ॥ ॥ ६७॥ अम० ॥ तेहपगकहेमुझतातनेंजी ॥ विझथीआवीउंएथ॥ वाटिमा उजेणीनयरीश्जी ॥ सिरिप्रसनामनृपतेथ ॥ ६८ ॥ अम० ॥ जयसीरीनामते हनेंधुआजी ॥ कोकणनृपसूतनाम ॥ नवीअशिसूपालनेंदिघलीजी ॥ जाच तापणितिर्णेताम ॥ ६९ ॥ अम०॥ वडनृपपुत्रश्रीवीजयनेंजी ॥ आपतोतेह नोतात ॥ क्रोधचढीउंशिशुपालनेंजी ॥ आवीउंचितवीघात ॥ ७० ॥ अ० ॥ विवाहअवसरेंनीकलीजी ॥ मयणनीपुजनीमीत्त ॥ तेहविचमाथीहरीगयो जी ॥ पामीआसझतिहासीत ॥ ७१ ॥ अम० ॥ श्रीवीजश्केमीकीधीघणी जी ॥ युद्धलागुतेअपार ॥ ठोमविजयसिरीलेईवल्योजी ॥ पणितसगाढपरहा र ॥ ७२ ॥ अ० ॥ वेदनाथीघणाव्याकूलोजी ॥ नारीदेपीकहेश्म ॥ एहजी मस्येंतवजीमस्यूजी ॥ अन्यथामाहरेनेम ॥ ७३॥ अम० ॥ तेहमहाडखमा हिपमीजी ॥ तासदूखदेपीझएम ॥ तातसशारकहेएहवोजी ॥ ड खदायकन हिखेम ॥ ७४ ॥ अम० ॥ खेदमकरोएहवातमांजी ॥ सांसल्युम्हेतवते ह ॥ चितव्युकाजिहिमवतगयोजी ॥ उपधीनोनगगेह ॥ ७५ ॥ अम० ॥ गधर्वरतीमुझमीत्रस्यूजी ॥ तेहगाधर्वकूमार ॥ उपधीवलयउग्युतीहांजी ॥ एकवरगुफामझारि ॥ ७६ ॥ आ० ॥ तेकहेमुझनेंसांसलोजी ॥ लोकनीसा चलीवात ॥ मत्रमणीउंपधीकेरमोजी ॥ मोटोप्रसावकहेवात ॥ ७७ ॥ अ० ॥ एहउंपधीनोमहीमासूणोजी ॥ खडगप्रहारेंकरीजास ॥ हामजोकापीआंहो यतोजी ॥ जिवीतनीनहीआस ॥ ७८ ॥ अ० ॥ नीरमांएहपपालीनेंजी ॥ ठांटिश्एहजोवारि ॥ वेदनानेंवणरुझवेजी ॥ ततपीणदिठप्रतीकार ॥ ७९ ॥ अ० ॥ तेसणीतिहांजईलावीश्जी ॥ टालिशसिरीवीजयदूरक ॥ विद्याससारी

किमहीककरीजी ॥ गगनगामीनीजसोमरक ॥ ८० ॥ [illegible] ॥ उपरीजे
तिहांथीवल्योजी ॥ रपेश्रीविजयदूरवभाय ॥ तिणेकरीवेगथीचालतांजी ॥
आवीउइणहीजठाय ॥८१ ॥ अह० ॥ विश्रामतिमीतइहांउतरयोजी ॥ [illegible]
चकस्युचरणनुताम ॥ रूणेकरहीघालवामनकरयुजी ॥ विद्यासंसारीनेआम
॥ ८२ ॥ अम० ॥ असीनवसएयोतिणेवीसरयुजी ॥ वलीगमनसंयमनुक ॥
पदएकसांसरयुनहीमुनेंजी ॥ तिणेपफुएकमुतुक ॥ ८३ ॥ [illegible] ॥ परवक
हेस्यूकरस्योहवेजी ॥ खगकहेनांहिउपाय ॥ जिणेंकरीनृपसुतविणससेजी ॥
एमुऊडरकवऊथाय ॥ ८४ ॥ अम० ॥ वेदवऊउपजेचित्तमांजी ॥ नवीन
योपरउपगार ॥ पुण्यहीणोनसमीहितलहेजी ॥ हवेकहेधरणकूमार ॥ [illegible]
अम० ॥ कल्पसस्तलाववानोहोइजी ॥ तोमुऊआगलेंसाधि ॥ तेहपदजोकरी
मुऊजमेजी ॥ तोमानुपामीआलाप ॥ ८६ ॥ अम० ॥ तेहविद्यासस्तलावतो
जी ॥ तुरतपदपुरीउतेए ॥ हरपीउहेमकुमलघणूजी ॥ नृपसूतजीवीउजेए ॥
॥ ८७ ॥ अम० ॥ स्यूतुऊउपगरीइकहोजी ॥ बोलीउधरणकूमार ॥ आउइ
ठितकरोसीघ्रथीजी ॥ तिणेंथयोमुऊउपगार ॥ ८८ ॥ अम० ॥ हेमकूमलक
हेसांसलोजी ॥ तुम्हेतोमोहटामहासाग ॥ उपधीवलयषमआपीउंजी ॥ कर
ज्योउपगारधरीराग ॥८९॥अम०॥ प्रार्थनासगकीमकीजीइजी॥ लीधीउपधी
तिणेंतांम ॥ साथसेलाथयाधरणतेजी ॥ हेमकूमलगयोठाम ॥ [illegible] ॥
खमढठेत्रीजीकहीजी ॥ पद्मविजइएढाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमांजी ॥
सूणतांहोयमगलमाल ॥९१॥अ०॥ ॥७॥ ॥७॥ ॥ ॥
॥ डुहा ॥ केईकवासरव्यतीकम्या ॥ एकदिनगिरीनेंतीर ॥ साथसऊआवासीउ॥
धरणोसाहसधीर ॥९२॥ इणिअवसरिआमाजतां॥ दिठांसीलतेदीन ॥ वलवक
नीठालिनां ॥ जलविनुहोयजिममीन ॥ ९३॥ कृष्णवरणकोदमकरे ॥ शुनकम
दवलीसाथ ॥ रोतानरहेरानमा ॥ हैयुनरहेहाथ ॥ ९४ ॥ पासतेमीनेंपुछिउ ॥
कारणरोवोकेह ॥ तेकहेस्वामीअमतणो ॥ जमपरेंअरीनेजेह ॥ ९५॥ काम्रते
नकलीउंअती ॥ केसरीनोतेकाल ॥ केसरीनामसुणेंकदा ॥ फोकटवनरे

फाल ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ श्रीताहोप्रीयाश्रीतारामप्रसाती ॥ एदेशी ॥ एकदिन होप्रसूएकदिनसूणिउकानि ॥ केसरीहोश्हाकेसरीआव्योउद्यानमाजी ॥ एकलोहोतेहएकलोनीकल्योवाहारी ॥ सरघनुहोलेश्सरघनुपुरयोमानमांजी ॥ ९७ ॥ अतरेंहोरसोअतरेंवमनेंसीह ॥ दिगोहोनवीदीगोतिणेंपासेंगयोजी ॥ सीहेंहोकरयोसीहेंपुठिथीघात ॥ लेईहोसीललेईकटारीसाहमोथयोजी ॥ ९८॥ मारयोहोतेहसीहनेंमारयोताम ॥ मस्तकहोखमनमस्तकखमत्रोमेहरीजी ॥ चितवेंहोतवचितवेंअमचोस्वामि ॥ निश्चयहोअमेनीश्चयथीजास्यूमरीजी ॥ ॥ ९९ ॥ बलस्यूहोअमेवलस्युअगनीमांपेसि ॥ नारीहोसूणेंनारीतासगरसवतीजी ॥ वारीहोपणिवारीनरहेतेह ॥ वलवाहोहवश्वलवानेंआवीउतीजी ॥ ॥ १०० ॥ तातनेंहोतसतातनेंतिमवाअम्ह ॥ मुक्याहोतिणेंमुक्यानारीउगारवाजी ॥ थास्येंहोकिमथास्येंअमपतीसुर ॥ शकतीनहोअमशकतीनतेहउगारवाजी ॥ १ ॥ डखीआहोअम्हेदूपीआनहीउपाय ॥ स्त्रीपरेंहोअम्हेंस्त्रीपरेंकेवलरोईश्जी ॥ वोल्याहोतववोल्याधरणकूमार ॥ नरनुहोश्मनरनुपत्यसवीपोईश्जी ॥ २ ॥ दापवोहोमुझदापवोपत्नीनाथ ॥ जीवेहोकदीजीवेतोजीवामीश्जी ॥ पमीआहोतेहपमीआचरणेंताम ॥ चालोहोप्रसूचालोतूम्हनेंदेपामीश्जी ॥ ३ ॥ जोतूम्हहोप्रसूजोतूम्हअनुपहवुद्धि ॥ तोतूम्हेहोप्रसूतोतूम्हेचालोउतावलाजी ॥ रखेहोप्रसूरखेथायवीनाश ॥ उपधोहोमहीउपधीनेंघस्यांपावलांजी ॥ ४॥ परवस्योहोनीजपुरपेंपरवस्योतेह ॥ वेसरहोवरवेसरअसवारीकरीजी ॥ पोहतोहोतीहापोहतोदिगोतेह ॥ वमनेहोतलेंवमनेंपासेंचयधरीजी ॥ ॥ ५ ॥ रुधीरेंहोतसरुधीरेसीचीदेह ॥ स्नेहेंहोवलीस्नेहेंनारीतीहांरुश्जी ॥ सवरेहोकहीसवरेंस्वामीनेंवात ॥ उठवाहोजायउठवातवसूश्सूश्जी ॥ ६ ॥ घरणेंहोतवघरणेंमाग्यूनीर ॥ आण्यूहोजलआण्यूनलिनीपानमाजी ॥ उपधीहोतिहांउपधीनापीमाहि ॥ शिरनोहोखमशिरखमजोमयोसांनमांजी ॥ ७ ॥ पांणिहोगाट्युपांणीगाट्युतच ॥ व्रणनवीहोतवव्रणनवीतिहांदिशेजराजी ॥ महीमाहोतसमहीमाअगमअपार ॥ उठिहोतेहउठीनेंवेगोघराजी ॥ ८ ॥ अ

किमहीककरीजी ॥ गगनगामीनीजसोसुरक ॥ [illegible] ॥ [illegible]
तिहांथीवल्योजी ॥ रपेश्रीविजयदूरवथाय ॥ तिणेकरीवेगथीचाल्यांजी ॥
आवीउभणहीजगाय ॥८१ ॥ अह० ॥ विश्रामनिमीत्तइहांउतरयोजी ॥ [illegible]
चकस्युचरणनुताम ॥ रूपेकरहीचालवामनकस्युजी ॥ विद्यासंसारीनेजांव
॥ ८२ ॥ अम० ॥ असीनवसएयोतिणेवीसस्युजी ॥ बलीगमनसचमनुक ॥
पदएकसांसरयुनहीमुनेंजी ॥ तिणेपमुएकमुतुक ॥ [illegible] ॥ [illegible]
हेस्यूकरस्योहवेजी ॥ खगकहेनांहिउपाय ॥ जिणेकरीनृपसुतविणससेजी ॥
एमुझडुरकवझथाय ॥ ८४ ॥ अम० ॥ पेदवझउपजेचित्तमांजी ॥ [illegible]
योपरउपगार ॥ पुण्यहीणोनसमीहितलहेजी ॥ हवेकहेधरणकूमार ॥ [illegible]
अम० ॥ कल्पसस्तलाववानोहोइजी ॥ तोमुझआगलेंसाधि ॥ तेहपदजोकरी
मुझजमेजी ॥ तोमानुपामीआलाप ॥ ८६ ॥ अम० ॥ तेहविद्याससलावतो
जी ॥ तुरतपदपुरीउतेण ॥ हरपीउहेमकुमलघणुजी ॥ नृपसुतजीवीउजेण ॥
॥ ८७ ॥ अम० ॥ स्युतुझउपगरीशकहोजी ॥ बोलीउधरणकूमार ॥ आउ
ठितकरोसीघथीजी ॥ तिणेथयोमुझउपगार ॥ ८८ ॥ अम० ॥ हेमकूमलक
हेसासलोजी ॥ तुम्हेतोमोहटामहासाग ॥ उपधीवलयपमआपीउजी ॥ [illegible]
ज्योउपगारधरीराग ॥८९॥अम०॥ प्रार्थनासगकीमकीजीइजी॥ लीधीउपधी
तिणेतांम ॥ साथसेलाथयाधरणतेजी ॥ हेमकूमलगयोठाम ॥ [illegible] ॥
खमठठेत्रीजीकहीजी ॥ पद्मविजइएकाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमांजी ॥
सूणतांहोयमगलमाल ॥९१॥अ०॥ ॥[illegible]॥ ॥[illegible]॥ ॥ [illegible] ॥
॥ दुहा ॥ केईकवासरव्यतीक्रम्या ॥ एकदिनगिरीनेंतीर ॥ साथसझआवासीउ ॥
धरणोसाहसधीर ॥९२॥ इणिअवसरिआमाजतां ॥ दिठांसीलतेदीन ॥ [illegible]
नीठालिनां ॥ जलविनुहोयजिममीन ॥ ९३ ॥ कृष्णधरणकोवंमकरे ॥ शुनकद
दषलीसाथ ॥ रोतानरहेरानमां ॥ हैयुनरहेहाथ ॥ ९४ ॥ पासतेमीनेंपुछिउ ॥
कारणरोवोकेह ॥ तेकहेस्वामीअमतणो ॥ जमपरेंअरीनेजेह ॥ ९५ ॥ काल
नकलीउअती ॥ केसरीनोतेकाल ॥ केसरीनामसुणेंकदा ॥ फोकाटवनरे

साथ ॥ सहसहोदश्यसहसदीनारनीतेसलीजी ॥ सेटीहोनृपसेटीनेंकहेदत्ता त ॥ किघोहोनृपेंकिघोपसायनरअटकलीजी ॥ २१ ॥ आवीहोतिहांआवी मुकाव्योचोर ॥ जिवितहोतूम्हेजिवीतदिधूशुसपरेंजी ॥ सापिहोश्मसापीतल वरनेंवाणि ॥ पाणनेंहोतेहपाणनेंआसासनाकरेजी ॥ २२ ॥ ढठेंहोखमेढठे चोथीढाल ॥ साषीहोएहसाषीअतीसोहामणिजी ॥ जाणोहोसवीजाणोदया लूश्म ॥ वाणीहो एहवांणीपद्मविजयतणीजी ॥ २३ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ सवलतसदेईसषर ॥ वोलाव्योतेताम ॥ एहअवस्थाआर्यतूम ॥ मत होजीणेंमुझकाम ॥ २४ ॥ गयोचमालगुणगावतो ॥ करेप्रयाणकुमार ॥ उ त्तरापथअचलपुरे ॥ सूखमांपहोतासार ॥ २५ ॥ आदरराश्आपीउ ॥ वेचि सघलीवस्त ॥ अठगुणलासआसादिउ ॥ सघलूकरतोसस्त ॥ २६ ॥ पुण्यउद यतसपाथरो ॥ चातुरच्यारेमास ॥ करताकोमिकमाईउ ॥ वाणीज्यतणोवि लास ॥ २७ ॥ माकदीपुरमोपनु ॥ सरीउतिणेंसम ॥ साथकरीतेसामटो ॥ चा ट्योतेजप्रचम ॥ २८ ॥ प्रतीदिनकरतप्रयाणते ॥ अनुचरसाथिअपार ॥ का दवरीअटवीकर्ने ॥ तवुकस्यातयार ॥ २९ ॥ ढाल ॥ जाउ २ रेरुठमानाथतू मस्यूनहीवोलू ॥ एदेशी ॥ दपसतमुकेतिणेंवर्ने ॥ कांयसोरकरेसीआलरे ॥ कायवनसेंसामाहोमाहिलमो। कांयवानरदेताफाला।३०॥सासलोवातमीआं॥ जोज्यो२रेकर्मनीदान ॥ सा० ॥ रीघीचचलकुजरकांन ॥ सा० ॥ जेहवुक पटीनुध्यांन ॥ सां० ॥ नरपतीनुजेहवुमान ॥ सा० ॥ एआंकणी ॥ सीहना दकेसरीकरे ॥ वलिकिहांयकगजवरदरे ॥ तालतमालचदनघणा ॥ क्याहि दरूवलीमाकद ॥ ३१ ॥ सां० ॥ अजगरफणीधरमणीधरा ॥ कायसीमअ टवीमहाघोररे ॥ त्रणदिनसाथवह्योतिहा ॥ कायफिरताचिहुदिशचोग।३२॥ सा०॥ जलथानिकआव्युयदा॥कांयउतरयातेहनेतीररे ॥ नाहीघोईजीमीआ सहु ॥ कांयसागीतननीपीर ॥ ३३ ॥ सा० ॥ चोकीमुकीचीहुदिशे ॥ कां यसूतासघलालो करे ॥ चरमजामथयोरातिनो ॥ तवसवरनाआव्याथोक ॥ ॥ ३४ ॥ सा० ॥ मारि २ करताथका ॥ कांयवरसेतीरअपाररे ॥ जाग्या

धीकुहोयपुत्रधीकूपूर्वधीरूप ॥ घरणीहोबलीघरणीहरपीत्रतीघणीजी ॥ ८
गोहोहवेलागोपत्नीपतीपाय ॥ सापेहोतूम्हेसापेजीवीतदीउमुक्तसणीजी ॥
नारीहोप्रसूनारीसगर्साएह ॥ उगरीहोप्रसूउगरीत्रमत्रासाफलीजी ॥ करीहोह
वश्करीश्जेकहोतेह ॥ बोलेहोतवबोलेधरणकरीमतीसलीजी ॥ १० ॥ किजे
होदयाकीजेंदयासवीजीव ॥ बोल्योहोतवबोल्योकालसेनत्राणीमयाजी ॥ पा
रधीहोकर्मपारधीनकरुकांम ॥ जिवुहोजिहाजिवुतिहापालुंदयाजी ॥ ११ ॥
घरणहोकहेधरणकरयुसवीकांम ॥ श्मकहीहोतेहश्मकहीनीजथानिकमया
जी ॥ नवनवाहोतेहनवनवाकरताप्रयाण ॥ जाताहोहवेजातांकेश्कदिनव
याजी ॥ १२ ॥ पोहताहोतेहपोहताआयामुहीगाम ॥ सूषमांहोहवेसूषमां
साथतेउतस्योजी ॥ पापीनोहोकस्योपापीनोकस्योउपवास ॥ घरणेंहोनिजघ
रणेंत्रातमउधस्योजी ॥ १३ ॥ तिणेंसमेहोतिहातिणेंसमेंएकचमाल ॥ तिवी
होतसतिपीपघेशूलीघरीजी ॥ गेरुहोतसगेरूश्लीप्योंगात्र ॥ चोरनहोपणिचो
रनचोरपंसोकरीजी ॥ १४ ॥ विरसुहोवलीविरसुमिमिमवाय ॥ जायेहोलेई
जायेंजुवाननेंमारवाजी ॥ देपीहोतेहदेषीमोहटोसांथ ॥ बोलेहोनहीबोलेमुक
ऊखवारवाजी ॥ १५ ॥ सुणज्योहोसऊसुणज्योमहासरंगाम ॥ वासीहोनामे
वासीनामेमोरीउंजी ॥ कामेंहोजताकामेंकूसस्थलगाम ॥ तलवरेंहोमुक्तल
वरेंश्णीपरेंघोरीउंजी ॥ १६ ॥ दोषहोमुक्तदोषनथीश्हाकांय ॥ ठोमवोहोमुक्त
ठोमवोसरणांगतप्रतेंजी ॥ सुणज्योहोवलीसुणज्योएकमुक्तवात ॥ मरणथीहो
बऊमरणथीऊखबऊसांप्रतेंजी ॥ १७ ॥ पुरवजहोमुक्तपुरवजथ्यानीकस
क ॥ मेंलूहोकस्युमेंलूकूलमेंमाहरुजी ॥ ठोमवोहोतिणेठोमवोदिनदयाल ॥ बी
रूवहोकायबीरूददयानुताहरूजी ॥ १८ ॥ सांसलीहोतवसांसलीघरणकूमा
र ॥ चितवेंहोचितचितवेचोरनएहठेजी ॥ वचनेंहोकरीवचनेंजाणश्म ॥ त
लवरहोकहेतलवरनेंकहेजेहठेजी ॥ १९ ॥ खमज्योहोतूम्हेंखमज्योमुक्तसं
मात्र ॥ सूपनेंहोद्रव्यसूपनेंद्रव्यदेश्करीजी ॥ ठोमवुहोकदीठोमवुसाग्यजोहोया
तेकहेहोजाउतेकहेजाउसीघजचरीजी ॥ २० ॥ मालाहोलीश्मालामुक्ताफल

साथ ॥ सहसहोदशसहसदीनारनीतेसलीजी ॥ सेटीहोनृपसेटीनेंकहेदत्ता त ॥ किघोहोनृपेंकिघोपसायनरअटकलीजी ॥ २१ ॥ आवीहोतिहांआवी मुकाव्योचोर ॥ जिवितहोतूम्हेजिवीतदिधूशुसपरेंजी ॥ सापिहोश्मसापीतल वरनेंवाणि ॥ पाणनेंहोतेहपाणनेंआसासनाकरेजी ॥ २२ ॥ ढंढेंहोखमेढंढे चोथीढाल ॥ सापीहोएहसापीअतीसोहामणिजी ॥ जाणोहोसवीजाणोदया लूश्म ॥ वाणीहो एहवांणीपद्मविजयतणीजी ॥ २३ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ सवलतसदेईसपर ॥ वोलाव्योतेताम ॥ एहअवस्थाआर्यतूम ॥ मत होजीणेंमुझकाम ॥ २४ ॥ गयोचमालगुणगावतो ॥ करेप्रयाणकूमार ॥ उ त्तरापथअचलपुरे ॥ सूखमापहोतासार ॥ २५ ॥ आदरराइआपीउ ॥ वेचि सघलीवस्त ॥ अठगुणलासआसादिउ ॥ सघलूकरतोसस्त ॥ २६ ॥ पुण्यउद यतसपाधरो ॥ चातुरव्यारेमास ॥ करताकोमिकमाईउ ॥ वाणीज्यतणोवि लास ॥ २७ ॥ माकदीपुरमोपनु ॥ सरीउतिणेंसम ॥ साथकरीतेसामटो ॥ चा व्योतेजप्रचम ॥ २८ ॥ प्रतीदिनकरतप्रयाणते ॥ अनुचरसाथिअपार ॥ का दवरीअटवीकनें ॥ तवुकस्यातयार ॥ २९ ॥ ढाल ॥ जाउ २ रेरुठमानाथतू मंस्यूनहीवोलू ॥ एदेशी ॥ दपसतमुकेतिणेंवनें ॥ कांयसोरकरेसीआलरे ॥ कांयेवनसेंसामाहोमांहिलमो। कायवानरदेताफाल॥३०॥सांसलोवातमीआ॥ जोज्यो२रेकर्मनीदान ॥ सां० ॥ रीधीचचलकुजरकांन ॥ सां० ॥ जेहवुक पटीनुध्यांन ॥ सां० ॥ नरपतीनुजेहवुमान ॥ सा० ॥ एआकणी ॥ सीहना दकेसरीकरे ॥ वलिकिहायकगजवरदरे ॥ तालतमालचदनघणा ॥ क्याहि दरुवलीमाकद ॥ ३१ ॥ सां० ॥ अजगरफणीधरमणीधरा ॥ कायसीमअ टवीमहाघोररे ॥ त्रणदिनसाथवह्योतिहा ॥ कायफिरताचिहुदिशचोरा॥३२॥ सा०॥ जलथानिकआप्युयदा॥कायउतरयातेहनेतीररे ॥ नाहीघोईजीमीआ सह ॥ कायसागीतननीपीर ॥ ३३ ॥ सा० ॥ चोकीमुकीचीहुदिशे ॥ कां यसूतासघलांलो करे ॥ चरमजामथयोरातिनो ॥ तवसवरनाआव्याथोक ॥ ॥ ३४ ॥ सा० ॥ मारि २ करताथका ॥ कायवरसेतीरअपाररे ॥ जाग्या

सङ्गजनसाथना ॥ तवजुझेजोधकुमार ॥ ३५ ॥ सा० ॥ मारयाछुसर्वेबाल
ने ॥ कांयनागलीलतेजायरे ॥ वलिसेजामिलीआवीआ ॥ कांयकरतांपक
जनघाय ॥ ३६ ॥ सा० ॥ सुसटयोमातेसाथमा ॥ कायसबरसेनानहीपाछो
सेलिपाछीनेंलूटिउं ॥ कांयत्रासवेवङ्गनरनारि ॥३७॥ सा० ॥ वदिपकमयाके
ईनें ॥ वलिद्रव्यलेईगयातेहरे ॥ पल्लिपतीनेंसूपता ॥ सवीसूक्ष्मबादरजेह ॥
॥ ३८ ॥ सा० ॥ कालसेनपल्लिपती ॥ कांयपुछेवदिवानरे ॥ किहांथीसाथ
एआवीउं ॥ वलिकोहनोसाथनिदांन, ॥ ३९ ॥ सा० ॥ इणअवसरतिहांउ
लप्यो ॥ भूतसगमनामेंतासरे ॥ साथेसङ्घवाहपुत्रनें ॥ तेहआव्योहतोमुख
राखि ॥ ४० ॥ सा० ॥ सीहप्रहारनेंटालवा ॥ कांयसस्तारीतेवातरे ॥ पुछे
हीदीठोहतो ॥ तेकहेनवीजाणकव्यात ॥ ४१ ॥ सा० ॥ कालसेनकहेसांभ
लो ॥ मुझप्रांणदीआङ्गताजेणरे, ॥ उत्तरापथसणीचालता ॥ पणिनवीजाक
नामेंण ॥ ४२ ॥ सा० ॥ तवतुम्हनेंदिठाहता ॥ एगयावरसनीवातरे ॥ जमप
रेंसीहमनेंमल्यो ॥ मुझकिधोहतोप्राणात ॥ ४३ ॥ सा० ॥ उत्तरापथजाता
थका ॥ मुझकिधोतिणेउपगाररे ॥ किमजिवाम्योमुझनें, ॥ कांयनलसोंतास
प्रकार ॥ ४४ ॥ सा० ॥ ससारीसगमकहे ॥ एसघलीसाचीवाणिरे ॥ काल
नतवबोलीउं ॥ कहोतेहगयाकिणठाण॥४५॥सा०॥ सगमआंसूरेमतो॥ कहे
बनेंपुछेएहरे ॥ पल्लिपतीकहेतेहकीम ॥ तवसगमबोल्योतेह ॥ ४६ ॥सा०॥
साथतेङ्गनोजाणज्यो ॥ इहांथाकिपमोअमजामरे ॥ दिठासरधनुलेईनें॥कांय
दोमतांसाहमातास ॥ ४७ ॥सा० ॥ तेहनीषवरिहवेंनही ॥ तेसांसलीपल्लिना
हरे॥ मुर्छालहीधरणीढल्यो॥कायधरतोदूखआथाह॥४८ ॥सा०॥ बलकलबाध
रेविजतां ॥ कायचेतनालाधीजामरे ॥ मारयोकेनविमारीउं ॥ कोईपुछेसबरनें
तामा॥४९॥सा०॥ सबरकहेनवीमारीउं॥ पणिएकनेंकिधप्रहाररे ॥ तवबदिजो
यातिणे॥पणिनलसोतेहमझारि॥५०॥सा०॥ तेघनसङ्गएकप्रकरीनें॥ आस्ता
स्योसङ्गसाथरे ॥ व्रणकारयकरेलोकनां॥ तेसाथनापल्लिनाथा॥ ५१ ॥ सा० ॥
दसदिवसबरनेंमोकल्या ॥ कांयषोलबाधरणकुमाररे ॥, आपमयोतसबोल

वा ॥ कायघरतोदूखअपार ॥ ५२ ॥ सा० ॥ उठेखर्मेपांचमी ॥ रुमीपद्मवि
जयकहीढालरे ॥ समरादित्यनारासमा ॥ कायसूणतांमगलमाल ॥ ५३ ॥सा॥
॥ढ़ह॥ नविलाधाकोईथानिर्के ॥ आव्योफिरीआवास ॥ सवरआव्यादशोदिशी
थकी॥ सङ्कइथईनीरास ॥५४॥ शोकलशोकालशेनतव ॥ वोलेइमजवाप ॥ ढर
जनर्नेजोसूखदिश ॥ सङ्कनहोइसताप ॥ ५५ ॥ पन्नगनेंपयपानजे ॥ तेविष
शक्तिनुहेत ॥ दूखदायकङ्कदेपज्यो ॥ तिणीपरेंमुझसकेत ॥ ५६ ॥ स्यूवङ्कबो
लेसङ्कसूणो ॥ एहप्रतिज्ञाआज ॥ पाचदिवसमांएपुरुष ॥ सपदमेलवुसाज
॥ ५७ ॥ इमकरताजोएनही ॥ मीलेतोकरस्यूइम ॥ अगनीमांपेसीआपणा ॥
प्राणतजेस्यूप्रेमा॥५८॥ कुलदेवीकादवरी ॥ अटवीनीआधारा॥ दशनरनीवली
देयस्यू ॥ लहीइजोएलिगारा॥५९॥ढाल ॥ हरीयांमनलागो ॥ एदेशी॥एहवीमा
नीमानता॥ वङ्कदिनसवलविघरे ॥ कूअरमतीवतो ॥मोकल्यासवरदिशोदिशों।
पोलवाकेमितेकीघरे ॥ ६० ॥ कु० ॥ पोलकरणनेंनीकल्यो ॥ आमणदूमणो
आपरे ॥ कु० ॥ जिम २ तेहजमेंनही ॥ तिम २ घरेसतापरे ॥ ६१ ॥ कु०
धरणोपणिहवइसाथथी ॥ नाठोलठीलेयरे ॥ कु० ॥ द्रव्यमांउपधीवलयठे ॥
पासेंपथेंएयरे ॥ ६२ ॥ कु० ॥ दिगमुढचालताथका ॥ दिवसरसोघमीदोय
रे ॥ कु० ॥ सिणिधनिलयगिरीगयो ॥ सयस्थानकवङ्कहोयरे ॥ ६३ ॥ कु०
हस्तिकलेवरवङ्कजिहा ॥ सीहकरेसीहनादरे ॥ कु० ॥ दावानललागेघणा ॥
वनसेंसाउनमादरे ॥ ६४ ॥ कु० ॥ अजगरवाघअहिघणा ॥ कात्यायनीहं
रेभाणरे ॥ कु० ॥ थाकलपमीवाटिमां ॥ वयणप्रस्वेदपीठाणरे ॥ ६५ ॥
कु० ॥ अहो २ माहराकर्मनी ॥ परिणतीविचित्रप्रकाररे ॥ कु० ॥ प्राणप्रि
यादूखइमलहे ॥ चितवेधरणकुमाररे ॥ ६६ ॥ कु० ॥ लखमीपणिचितचि
तवें ॥ ढ़खपणिएमुझसूखकरे ॥ कु० ॥ जिहांएआपदपामीउ ॥ घरणलशो
महाढ़खकरे ॥ ६७ ॥कु० ॥ उदकफलादिकनवीमल्यां ॥ जिणेंहोयलपमीनें
प्राणरे ॥ कु० ॥ सूतापालवसाथरे ॥ अस्तथयोजवसाणरे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
रातिगईविजेदिनें ॥ दिवसरसोएकजामरे ॥ कु० ॥ वमठायाहेठलिपमी ॥

मुर्छानोपरीणामरे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ मुझाणीतसचेतना ॥
कु० ॥ धरणविचारेएहवु ॥ जिवलोकदूखदायरे ॥ ७० ॥ कु० ॥
पुछतेहने ॥ सद्धकरेकोयएनारिरे ॥ कु० ॥ अंगेतसकरफेरवे ॥
आंसुधारेरे ॥ ७१ ॥ कु० ॥ चेतनावलीतवश्मकहे ॥
कु० ॥ जललावुवीरीथजे ॥ रहेजेश्णहिजठारे ॥ ७२ ॥ कु० ॥
रिचढिजोईउ ॥ पणिनवीजलकहिलहरे ॥ कु० ॥
लेश्नसातिणेंविरहरे ॥ ७३ ॥ कु० ॥ तुवरीवनसपतीरसें ॥
रे ॥ कु० ॥ निजसाथलनुमांसजे ॥ वनदर्वेपचव्युजामरे ॥
नारीमाटेएसवीकस्यु ॥ नारीवीनानजीवायरे ॥ कु० ॥
आव्योनारीनेंठायरे ॥ ७५ ॥ कु० ॥ पाणीपीउंएलावीउ ॥
रे ॥ कु० ॥ शशकमासएलावीउ ॥ श्णिपरेंकुअरेंकीधरे ॥ ७६ ॥ कु० ॥
आहारकस्योतिणीश्हवश ॥ कायककालगमायरे ॥ कु० ॥ दिनकरनाअनुसं
नथी ॥ उत्तरसनमुखथायरे ॥ ७७ ॥ कु० ॥ पोहताएकसरोवरें ॥
गतथायरे ॥ कु० ॥ नवीपेठांतिणेंनयरमा ॥ जरूदेउलमांठायरे ॥
पहोररातिगईतवश्मकहे ॥ लठिअलठीअवतारे ॥ कु० ॥
घणा ॥ तवबोल्योतेकुमारे ॥ ७९ ॥ कु० ॥ आणउदकनदीथकी ॥
सूखसायरे ॥ कु० ॥ घटलेईपाणीलावीउ ॥ लषमीनेंतेपायरे ॥ ८० ॥ कु० ॥
सूतांधरणलठीहवें ॥ रातिचरमएकजामरे ॥ कु० ॥
बेमनमांआमरे ॥ ८१ ॥ कु० ॥ एहअवस्थापामीउ ॥
कु० ॥ एहथीअधीकलहेआपदा ॥ तोहोयअतीमजुलरे ॥ ८२ ॥ कु० ॥
ठिठगारवमनमां ॥ पद्मविजयकहीडालरे ॥ कु० ॥
सवीसूवीसालरे ॥ ८३ ॥ कु० ॥ ढ्ढा ॥ श्णअवसरतिहांआवीउ ॥
कचोर ॥ रयणसांमलेईरयणीश ॥ किधुकर्मकठोर ॥ ८४ ॥
नासीनसक्योनेम ॥ देहरामांहिवमनमी ॥ पेठोजीवनप्रेम ॥ ८५ ॥
बारणां ॥ आरूकनरआय ॥ बइठाबोलेवारणें ॥ अमनाहीहोसाथ ॥

सांसल्यूंलढिश्तेसवे ॥ तस्करपगरवतेम ॥ चितवेनारीचित्तमा ॥ कारणएठे
केम ॥ ८७ ॥ पुत्रजोपुगेकदा॥मनहमनोरथमुझ ॥ तासनीकटगईतेहवे ॥ पु
त्रेंशणिपरेंगुझ ॥ ८८ ॥ ढाल ॥ झीणामारुजीनीकरहलमीनीदेशी ॥ नृपकहे
नीजपुत्रीसणी ॥ फीटपापिणीहुतीआरी ॥ मुखमुकांयदेषामेहोराजि ॥ एदे
शी ॥ लषमीकहेतूंकुलअठे ॥ बारणेहालकल्लोलएवमोकेहनोथाश्होराज ॥
तेहकहेकहेस्यूपर्ठे ॥ पणिमुझआपेपाणीमाहरूकाजसधाश्होराज ॥ ८९ ॥
साकहेजलदेस्यूअम्हे ॥ कारणमुझनेंसाषोतवतेचितमांचिंतेहोराजि ॥ कुं
सवरावरठीकरी ॥ माहरेजोग्यएदीसेसापेतेशणिसतिहोराजि ॥ ९० ॥ चमरु
झझचोरतु ॥ कझसषेपेवातबीस्तारेनकहाश्होराजि ॥ रूपनोरतनकरमीउ ॥
चोरीनेंझलाव्योतलवरजाणजथाश्होराज ॥ ९१ ॥ तेमुझपुठेआवीआ ॥ तेह
वझझएकषीणशकतीबलीजावाहोराजि ॥ जिबीतनीआसावमी ॥ रयणीएअं
धारीआव्योएमुझरावाहोराजि ॥ ९२ ॥ बोलेबाहिरतेनरा ॥ तवलठीमनांचि
तेमुझविधीजोअनुकूलहोराजि ॥ तोईठितमुझनीपनु ॥ श्मचितीकहेसूणजेतू
झनहीहोश्मंगुलहोराजि ॥ ९३ ॥ पांणीनूस्यूकांमठे ॥ तुझजीवामुमाहरूंव
चनकरेजोप्यारेहोराजि ॥ तेकहेदाषिउतावली ॥ साकहेपुरीमाकदीकार्ति
कसेठघनधारेहोराजि ॥ ९४ ॥ नांमेंलषमीझतसघूआ ॥ पुरवनेंजीमवेरी
चरणेंमुझनेपरणीहोराजि ॥ मुझअनिष्टसूतोश्हां ॥ मुकितूंएघनचोरयूझथा
उतूझधरणीहोराज ॥ ९५ ॥ एएहनुकस्युपामस्ये ॥ पुठस्येजोकदीराजाते
हनेउत्तरदेस्यूहोराज ॥ आमाहरोसर्त्तारठे ॥ एतोनवीउलषीश्श्मकरीजममु
खदेस्यूहोराजि ॥ ९६ ॥ चोरकहेसाचूकसु ॥ पणिएपुरीनोवासीमुझउ
लषेसझमाणिहोराजि ॥ साकहेतासउपायस्यो ॥ तस्करकहेचोरगुटीकामाह
रीपासवपाणीहोराजि ॥ ९७ ॥ दिठोप्रत्ययजेहनो ॥ चितामणिनेंसरिषी
आजुउदकसजोगेंहोराजि ॥ नविदेषेकोईमुझनें ॥ सहसनयनजोश्दोजोवा
आवेंरगेहोराजि ॥ ९८ ॥ षधरुझसगवाननी ॥ आपीतेठेनरनीवाततोक
हिश्केहीहोराजि ॥ अलाठिजलतसआपीउ ॥ अजनकीधुबिझश्गांनीरापीदेही

मुर्गानोपरीणामरे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ मुऊाणीतसचेतना ॥ त
कु० ॥ धरणविचारेएहवु ॥ जिवलोकदूखदायरे ॥ ७० ॥ कु० ॥
पुऊतेहने ॥ सङ्कुकरेकोयएनारिरे ॥ कु० ॥ अगेतसकरफेरवे ॥
आंसुधारेरे ॥ ७१ ॥ कु० ॥ चेतनावलीतवश्मकहे ॥
कु० ॥ जललावुधीरीथजे ॥ रहेजेश्णहिजगारे ॥ ७२ ॥ कु० ॥
रिचढिजोईउ ॥ पणिनवीजलकहिलऊरे ॥ कु० ॥
लेश्नसातिणेंविऊरे ॥ ७३ ॥ कु० ॥ तुवरीवनसपतीरसें ॥ किधुउ[illegible]
रे ॥ कु० ॥ निजसाथलनुमांसजे ॥ वनदर्वेपचव्युजामरे ॥
नारीमाटेएसवीकस्यु ॥ नारीवीनानजीवायरे ॥ कु० ॥
आव्योनारीनेंगायरे ॥ ७५ ॥ कु० ॥ पाणीपीउएलावीउ ॥
ऊरे ॥ कु० ॥ अग्नकमांसएलावीउ ॥ श्णिपरेंकुअरेंकीधरे ॥ ७६
आहारकस्योतिणीश्हवश ॥ कांयककालगमायरे ॥ कु० ॥ दिनकरनाअ[illegible]
नथी ॥ उत्तरसनमुखथायरे ॥७७ ॥ कु० ॥ पोहताएकसरोवरें ॥
गतथायरे ॥ कु० ॥ नवीपेगांतिणेंनयरमा ॥ जक्षदेउलमांगायरे ॥ [illegible]
पहोररातिगईतवश्मकहे ॥ लढिअलढीअवतारे ॥ कु० ॥ आम
घणा ॥ तवबोल्योतेकुमारे ॥ ७९ ॥ कु० ॥ आणउदकनदीथकी ॥
सूखसायरे ॥ कु० ॥ घटलेईपाणीलावीउ ॥ लषमीनेंतेपायरे ॥ ८० ॥ कु० ॥
सूतांधरणलढीहर्षे ॥ रातिचरमएकजामरे ॥ कु० ॥ लढीजागी
वेमनमांआमरे ॥८१॥ कु० ॥ एहअवस्थापामीउ ॥
कु० ॥ एहथीअधीकलहेआपदा ॥ तोहोयअतीमजुलरे ॥ ८२ ॥ कु० ॥
ठिठगारवमनमां ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥ कु० ॥ ऊरजनसजन पंटतरे ॥ [illegible]
सवीसूखीसालरे ॥ ८३ ॥ कु० ॥ ऊहा ॥ श्णअवसरतिहांआवीउ ॥ [illegible]
कचोरे ॥ रयणसांमलेईरयणीश ॥ किधुकर्मकठोर ॥८॥
नासीनसक्योनेम ॥ वेहरामांहिदमवमी ॥ पेठोजीवनप्रेम ॥ ८५ ॥
वारणां ॥ आरकुकनरआय ॥ वइगावोलेवारणें ॥ अपमानीहोसाथ ॥

आर्सेहोराजि ॥ श्रीसमरादित्यनारासमा ॥ सांसलज्योहवेआगेंमगलमाला
आस्येहोराजि ॥ १२ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढ्ढ ॥ आवीकीमएआपदा ॥ मोरीउकहेमहाराज ॥ पूछोंदेवनेसांप्रतें ॥ कहे
वानुनहीकाज ॥ १३ ॥ मनमांचिंतेमोरीउ ॥ नहिबोलेएनाथ ॥ कचपचनु
कामजनही ॥ हमणांबाजीहाथि ॥ १४ ॥ पाणकहेप्रणमीकरी ॥ निश्चयइ
हांथीनास ॥ कालक्षेपकरतायका ॥ पछीश्कोइकपास ॥ १५ ॥ धरणकहेधी
रजधरी ॥ मुझनेंसूखेथीमारि ॥ आणिकरोअवनीपती ॥ दिलमांडखनधा
रि ॥ १६ ॥ पणितूझकर्षेप्राणमुझ ॥ नहिराषुनीरधार ॥ मोरीउकहेमुझप्राण
नी ॥ बातनकांयविचार ॥ १७ ॥ सातपेढिनोसूसरो ॥ अमचोअवनीपाल ॥
शतअवगुणअमचासहे ॥ कोपेंनहीकोईकाल ॥ १८ ॥ नवीजाइजेनाशीनें ॥
मरवुतोमुझनेंम ॥ सज्जनस्नेहईस्याहोइ ॥ जलपयमिलीआंजेम ॥ १९ ॥
॥ यत ॥ क्षीरेणात्मगतेदकायसूगुणादत्तापुरातेखिला॥खीरेतापमवेक्ष्यतेनप
यस्वात्माकृशानौकृत ॥गतुपावकमुन्मनस्तदसवदृष्ट्वाचमित्रापद ॥ युक्तेतेन
जलेनशाम्यतिसतांमैत्रीपुनस्त्वीदृशी॥१ ॥ ढ्ढ ॥ इमविचारीआत्मस्यूं ॥ धर
णकहेसूणिधीर ॥ तूमवयणेंजाउतूरत ॥ पाणकहेगईपीर ॥ २० ॥ पथदेपा
मयोपाधरो ॥ प्रणमीधरणनापाय ॥ पाछोवलीउप्रेमस्यू ॥ जलदिधरणोजाया॥
॥२१॥ ढाल ॥ सोनानेकेरूमारुवेमलू ॥ मारूजीवाविपोदावि ॥ एदेशी ॥ जा
तांइणिपरिचितवें ॥ किहांगईमाहरीनारि ॥ लघुनीतीकरवाकामउठिनज
गामीउ ॥ मुझरागेरितिणीवार ॥२२ ॥ मुसीकोईकतस्करें ॥ लेईगयानीरधार॥
बोलीनहीमुझघातविचारीचित्तमां ॥ रागघणोरेमुझनारी ॥ २३ ॥ नवीदेषु
जोनारीने ॥ तोमुझअफलसशार ॥ इमचिंतवतोनेहजोवालागोहवे ॥ रेमतो
आंसूरेधार ॥ २४ ॥ रीजुवालिकामान्हाईउ ॥ इणअवसरतेहचोर ॥ रिजु
वालीकाश्आवीविचारेइणिपरि ॥ नारीएकर्मकठोर ॥ २५ ॥ तुरतठाम्योनी
जघवप्रतें ॥ महाआपदमानाथि ॥ निजकूलनकरयोविचारआविमुझ
सांप्रति ॥ नवीउलपतिरेसाथि ॥२६॥ एहनीसगिझरहीजिवुकेतोकाल ॥ ढ्ढर

होराजि ॥ ९९ ॥ रतनकरमकमुकीउ ॥ धरणनीपासेंनेर्ह[illegible]
ग्रेहोराजि ॥ विहाणेंधरणतेउठीउ ॥ कोटवालेतवदिगोरयण[illegible]
जि ॥ २०० ॥ देवकुलमांहिथीकाढिउ ॥ बांधीकीधोआर्मेंचितेर[illegible]
होराजि ॥ अथवाविधीप्रतीकुलथी ॥ अमृततेविषहोयमोषयसाथर[illegible]
जि ॥ १ ॥ रजुकृष्णसरपहोय ॥ परमाणुपणिनेकसुतपणिकम[illegible]
होराज ॥ मुषकबिवररसातल ॥ होयप्रकाशअधारुसापिसतिपी[illegible]
होराजि ॥ २ ॥ खतीकोहमहवमाए ॥ आर्यवमायाधायतोवतेक्षेत्र[illegible]
राजि ॥ सत्यतेअलीकसमोवमे ॥ बाधिणसरिषीनारिकाकूस्यूं[illegible]
राजि ॥ ३ ॥ अथवाएहथीनतुटीइ ॥ पणिएपिमाकरतांअधीकीतु[illegible]
सालेहोराजि ॥ नवीदिसेलठीकिहा ॥ सीगतीहोस्येएहनीविरहव[illegible]
लेंहोराजि ॥ ४ ॥ अथवाकुएथयु ॥ एपणिआपदलहेतीजोहोतीतु[illegible]
होराजि ॥ अनुक्रमेंरायकुलेंलावीआ ॥ अवशरेंरूपनेंविनव्योपक[illegible]
सूजगहोराजि ॥ ५ ॥ मायाविवाणीगवेसें ॥ चोरथापनमीसार्मेंजेह[illegible]
करीइहोराजी ॥ सूपोएचमालनें ॥ कहेज्योरूपनीआणिएहनेंजनवर्ते[illegible]
इंहोराजि ॥ ६ ॥ तिमजकस्युतेतसवरे ॥ कहेमहत्तरचमालकेहनो[illegible]
रोहोराजि ॥ कहेचमालमोरीआतणो ॥ महत्तरेंतवतेमाग्योआग्योतस[illegible]
मारोहोराजि ॥ ७ ॥ पहोरदिवसरसोपाडिलो ॥ जोएहनेंनवीवारोमा[illegible]
जाइकिवारेंहोराजि ॥ रूपनीआणिवूकरघणी ॥ लेईजाउंमसार्मेंमोरि[illegible]
माग्यूत्यारेहोराजि ॥ ८ ॥ मोरीउलेईचाल्योतिहां ॥ मुझजिवीतवोमा[illegible]
वाहसूतएहहोराजिआउलग्योतेहनेंसलीपरें ॥ अहोअहोकर्म्यवीचीचरह[illegible]
स्याकेहहोराजि ॥ ९ ॥ तिहांजईवधनठोमीआं ॥ चरणेंस्वामीवोल्योतु[illegible]
उंसवोस्वामीहोराजि ॥ चरणकहेनवीसांसरें ॥ तवधुरमीसवीसाम्युतु[illegible]
ऊंसवोस्वामीहोराजि ॥ १० ॥ द्रव्यदेईरूपनेंवऊ ॥ विणआपराधीतुमनें[illegible]
स्योसवीसतिंहोराजि ॥ चरणकहेएकेतसू ॥ मोरीउंवोलेतामगावहीर[illegible]
तेंहोराजि ॥ ११ ॥ उठेस्वनिसातमी ॥ चमवीजयएसवोआ[illegible]

जेएकांत ॥ ४१ ॥ कामथयुनहिपणिदेवी ॥ बलितेदेवीनेंकाज ॥ तेहप्रति
ज्ञाकिघतेकरस्यूतवपर्ठे ॥ माम्योतेहनोरेसाज ॥ ४२ ॥ उठेरवमेआठमी
पद्मबीजयकहीढाल ॥ सङ्घनकतगुणजाण होश्जुउएहवा ॥ होस्येरेमग
लमाल ॥ ४३ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढ्ढा ॥ पुरुषबलीनेंपाठव्या ॥ कादबरीनीकीध ॥ पुजाविविधप्रकारनी ॥
आमबरथीश्ध ॥ ४४ ॥ स्नानकरयुसरीतातटें ॥ बलकलपहेरयांवास ॥ कण
वीरमालकरीसीरें ॥ चयविरचावेपास ॥ ४५ ॥ चमीकादेहरेतेचल्यो ॥ घ
रतोघरणनुध्यान ॥ इणिअवसरितेअटवीइ ॥ जातोधरणसूजाण ॥ ४६ ॥
सबरेंदीठसूरोदइं ॥ लडिघरणनेंल्हारि ॥ बांधीसबरेंतेविक्र ॥ आण्यातेहउदा
र ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ दक्षिणदोहिलोहोराजि ॥ एदेशी ॥ आवश्जेतेहोराजि ॥
वेपेतेतेहोराजि ॥ तेहनेंखेतेरे ॥ दक्षेरुधीरप्रियूलकरयां ॥ समीआपमीआहो
राजि ॥ दक्षेघमीआहोराजि ॥ उदेहीजमीआरे ॥ शिपरमासर्प्पजुगलघ
स्यां ॥ ४८ ॥ जिववधथायहोराजि ॥ रुधीरसींचायहोराजि ॥ नृपतीपा
यरोपहसूतजक्षरापसघणा ॥ आघोजायहोराजि ॥ वेपेतिहांयहोराजि॥ स
बसमुदायरेकोटवणायोनहीमणा ॥ ४९ ॥ मस्तकमालाहोराजि ॥ घमविक
रालाहोराजि ॥ तोरणशालारेकीधीतिहाबीहामणी ॥ गजवरदनाहोराजि ॥
दिसेमहनाहोराजि ॥ महासयदितारे ॥ हामचामडरगधघणो ॥ ५० ॥ सबर
जुवानहोराजि ॥ रसातिर्णेथानहोराजि ॥ खड्गलेईपाणिरे ॥ सिलमीरोवेडखध
री॥नरनेंकपालेंहोराजि ॥ दिपेविशालहोराजि ॥ तिहाततकालरे ॥ मगलदिप
श्रेणीकरी ॥ ५१ ॥ चामरलटकेहोराजि ॥ पुडमेंझटकेहोराजि ॥ किधासट
केरेगजमुक्ताफलसाथीआ॥गुगलगधहोराजि॥होयसबधहोराजि ॥ मदवरगध
रेदिशेफिरताहाथीआ ॥ ५२ ॥ खड्गकोदमहोराजि ॥ करधरयोघटहोराजि ॥
पुडमहीपरवमरे ॥ शोसेकात्यायनीकरे ॥ देखीवीचारेहोराजि ॥ घरणतिवारें
होराजि ॥ सीहनीवारेरे ॥ वलीउकोईकतत्परें ॥ ५३ ॥ पणिपुन्यपापहोरा
जि ॥ जेकरईगापहोराजि ॥ तससतापरे ॥ टालिशकिशकिणीपरें ॥ इणिपरें

गतीद्वारएनारीअनर्थनीवांछिले ॥ सापएसमवीकराल ॥ [illegible]
पलानीपरें ॥ मुखिमीठीअसराल ॥ एहनाचरीअनोपारमहीर्ष्यनीले [illegible]
तीमवोलेरेआल ॥ २८ ॥ यत ॥ सवईउ ॥ जिनुमेंहसतीजिनुमेंरुदती [illegible]
बहुबोलकटुकसहे ॥ जिनुमेंअतिरगविरगजिनु ॥ जिनुमेंदृगनीरसुभरहे ॥
जिनुमेंकटुवातसहेअपनी ॥ जिनुमेमधुरोपणिनांहीसहे ॥ कवीकव्यकोयल
दिसविनात्रियकीकरनीकहोकोनलहे ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिहांएकारिमनी
सस्यु ॥ जिणीवातेंजाइमांण ॥ अगआसूपणलेईगयोतसमेमीनें ॥ [illegible]
विचारीरेजाण ॥ २ ॥ लगीविचारेएहवु ॥ रुमीचईएहवात ॥ धरणसुवीर
मुझजाउअन्यस्थलें ॥ रहेस्यूरेहवेसूखशात ॥ ३ ॥ कांठरचाकांठ
हवें ॥ दिठीधरणकूमार ॥ रोमरायउल्लासकरीनेंपुछतो ॥ किमरेमिलीतूबाई ॥
॥ ३१ ॥ तवरोवालागीघण ॥ धरणकहेएससार ॥ आपदसाजनजांणिमो
ईइशिपरि ॥ आपदगईइणवार ॥ ३२ ॥ तूझमिलीउडुंधन्यचयो ॥ तवो
तेहवाम ॥ पकमीतसकरेंमुझउठीलघुनीती ॥ करवाकेरेरेकांय ॥ [illegible]
सिलसंगकरवातिणें ॥ किधाघणारेप्रकार ॥ म्हेंनवीमाग्यूतेहमयोतुम्ह
सीनें ॥ वलयीकिमरेलेनारि ॥ ३४ ॥ चोरकदर्यनाथीमुनें ॥ उपनुदूलभ
र ॥ जेतूम्हदिठाइमअवस्थादूखकरी ॥ सूणिचितेरेकूमार ॥ ३५ ॥
चितचितव्युतिमयु ॥ कहेनारीनेंरेइम ॥ फिकरनकरीइकांयचालोतूम्हे
वलठी ॥ चितेरेथईगयुकेम ॥ ३६ ॥ आव्योकतांतनामुखचकी ॥ पाव
रणतीएह ॥ गयांविचारपुरगामसूरजतवआथम्यो ॥ रयणिरेगईपणिनेह
॥ ३७ ॥ नविरहेवुईणथानिकें ॥ जईइर्दतपूरगाम ॥ तिहांमुझमाउलमेहुंमी
तूझनेंपडोकरस्यूरेकांयकर्काम ॥ ३८ ॥ माग्यूलगिइतवजवा ॥ माग्युवलमु
दोय ॥ इणअवशरहवेवातपछिपतीनीसूणो ॥ जोज्योरेकिणीपरेहोय
॥ ३९ ॥ सारथवाहसूतनवीजमयो ॥ चितउपनोरेसंताप ॥ निजनरनेंतेहव
चसलावीसलीपरें ॥ इणिपरेंकरेरेआलाप ॥ ४० ॥ एहनामावापनेंतूम्हे
पोहचावज्योघरिपांति ॥ हवइचिंतेईमचित्तकादवरीदेवीतेह ॥ माग्युदे

जेएकांत ॥ ४१ ॥ कामथयुनहिपणिदेवी ॥ बलितेदेवीनेंकाज ॥ तेहप्रति
ज्ञाकिघतेकरस्यूतवपर्टे ॥ मामयोतेहनोरेसाज ॥ ४२ ॥ उठेरवमेआठमी
पमबीजयकेहीढाल ॥ संद्धनकतगुणजाण - होश्जुउएहवा ॥ होस्येरेमग
समाल ॥ ४३ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ पुरुषबलीनेंपाठव्या ॥ कादबरीनीकीध ॥ पुजाविविधप्रकारनी ॥
आमबरथीश्य ॥ ४४ ॥ स्नानकरयुसरीतातटें ॥ वलकलपहेर्यांवास ॥ कण
वीरमालकरीसीरें ॥ चयविरचावेपास ॥ ४५ ॥ चमीकादेहरेतेचल्यो ॥ ध
रतोधरणनुध्यांन ॥ श्णिअवसरितेअटवीइ ॥ जातोधरणसूजाण ॥ ४६ ॥
सबरेंदीठसूरोदइं ॥ लठिधरणनेंहारि ॥ बांधीसबरेंतेविक्र ॥ आण्यातेहउदा
र ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ दक्षिणदोहिलोहोराजि ॥ एदेशी ॥ आवश्जेतेहोराजि ॥
देषेतेतेहोराजि ॥ तेहनेंखेतेरे ॥ दक्षेरुधीरथिशूलकर्यां ॥ समीआपमीआहो
राजि ॥ दक्षेघमीआहोराजि ॥ उदेहीजमीआरे ॥ शिपरमासर्प्पजुगलध
र्यां ॥ ४८ ॥ जिववधथायहोराजि ॥ रुधीरसींचायहोराजि ॥ नृपतीपा
यरोपहसूतजक्षरापसघणा ॥ आधोजायहोराजि ॥ देषेतिहांयहोराजि ॥ स
बसमुदायरेकोटबणायोनहीमणां ॥ ४९ ॥ मस्तकमालाहोराजि ॥ धमविक
रालाहोराजि ॥ तोरणथालारेकीधीतिहांबीहामणी ॥ गजघरदंताहोराजि ॥
दिसेमहताहोराजि ॥ महासयदिंतारे ॥ हामचामडुरगधघणी ॥ ५० ॥ सबर
जुवानहोराजि ॥ रक्षातिर्णेथानहोराजि ॥ खड्गलेईपाणिरे ॥ सिलमीरोवेडुरवध
री॥नरनेंकपालेंहोराजि ॥ दिपेविशालहोराजि ॥ तिहातनकालरे ॥ मगलदिप
श्रेणीकरी ॥ ५१ ॥ चामरलटकेहोराजि ॥ पुठमेंझटकेहोराजि ॥ किधासट
केरेगजमुक्ताफलसाथीआ॥गुगलगधहोराजि॥होयसबधहोराजि ॥ मदवरगध
रेदिशेफिरताहाथीआ ॥ ५२ ॥ खड्गकोदमहोराजि ॥ करधरचोघटहोराजि ॥
पुठमहीपरवमरे ॥ शोसेकात्यायनीकरे ॥ देखीवीचारेहोराजि ॥ धरणतिवारें
होराजि ॥ सीहनीवारेरे ॥ वलीउकोईकतत्परें ॥ ५३ ॥ पणिपुन्यपापहोरा
जि ॥ जेकुईशापहोराजि ॥ तससतापरे ॥ टालिशकिशकिणीपरें ॥ श्णिपरें

करतांहोराजि ॥ जईनेंघरतांहोराजि ॥ जिहांघरघरतारे ॥
घरे ॥ ५७ ॥ पाइलागीहोराजि ॥ कामतोमलागीहोराजि ॥
आवीगदगदउघरे ॥ मेलव्योनमुऊनेंहोराजि ॥
इमबुऊीनेंरे ॥ जनमांतरेंहवेंमतकरे ॥५८ ॥ मेंऊस्वादिपुंहोराजि
होराजि ॥ तेऊखसीधुरे ॥ जाणेंतूहीकात्यायनी ॥ चितिचनहोराजि
कुरलहोराजि ॥ बोलावेंसगरे ॥ लावोवलिसुसायनी
जि ॥ कालिदलावेंहोराजि ॥ काल्योतामेरे ॥ पकडीकेलवाचालाल
धुजेहोराजि ॥ कांयनसूऊेहोराजि ॥ रतांजणीपुजेरे ॥
सण्या ॥ ५७ ॥ लोकएजोयहोराजि ॥ मनमांजेहोयहोराजि ॥
मरे ॥ जिवितविणतूऊहिजीइ ॥ सयथीतेहहोराजि ॥
फिरीनेंएहरेबोलाव्योनविबोलीजीइ ॥५८॥पलिनाहहोराज ॥
जि ॥ मननोलाहरे ॥ पुरुषाविणकिमवारीइ ॥ चितेधरणोहोराजि ॥
णोहोराजि ॥ उपगारकरणोरे ॥ कूणइकमाप्रउगारीइ ॥ ५९ ॥
राजि ॥ बोलाव्योरगहोराजि ॥ जईनेंवगरे ॥ तूम्हस्वामीनेंवीनवो
नमारोहोराजि।सयथीतारोहोराजि
॥६०॥परदूखनजरेंहोराजि।देषीसूपरेंहोराजि।स्वमीइकिणिपरेंरे
लषीमुऊनें ॥ पलिपतिनयणहोराजि।जलसरीवयणहोराज ॥
णएहबुकहेगुऊने ॥ ६१ ॥ मुर्गनमीठहोराजि ॥
जमीठरे ॥ तवइणिपरेंबोलावतो ॥ जुउतिहांजाईहोराजि ॥
जि ॥ कूणएसाइरेसडवाहसूतपरेंचालतो ॥ ६२ ॥ जुइतेगोरहोराजि ॥
किशोरहोराजा।कोईनउरेतेहजनरएइमकहे ॥ पोतेनीरषेहोराजी ॥
षेहोराजी॥ठोकेपरषीरेवधनतेहनांगहगहे ॥६३
धरणहोराजी ॥ ताहरूउरणरे ॥स्वमिअपराधतूंमाहरो
अपराधआवेंहोराजि।एकसरावेंरेदोषनहिजेताहरो॥६४॥
अपराधठामहोराजि ॥पलिपतीतामरे ॥कहेस्युकांमकस्युअमें

स्योहोराजि॥मुऊवचधारयोहोराजि॥कामसुधारयोरे॥मुऊमनोरथपुरतांतमे॥
॥६५॥ पक्षिपतीचितेहोराजि॥उलषेनततेहोराजि॥सयनीभांतेरबोलेढेएशणिप
रें॥पुढेतासहोराजि॥साथितूसासहोराजि॥मरणअम्यासरेस्याडखयीतूआदरे
॥६६॥ कहेकुमारहोराजि॥ वातविस्तारहोराजि॥ स्योअधीकाररे॥कामक
रोतुम्हेनिजतणक॥ कालसेनजाणिहोराजि॥करेउलषाणहोराजि॥ कृतगुण
हाणिरेकरनारोकुंअतीघणक॥ ६७॥ तुम्हेजिवाम्योहोराजि॥ तुऊविण
साम्योहोराजि॥ डखयीकाढ्योरेनागबालपरेंमुऊनें॥ ऊमहापापीहोराजि॥
तुऊसतापीहोराजि॥ इमविलापीरेकृतघ्नशेपरऊपयोतुऊनें॥६८॥ कुअरजां
णीहोराजिलाजतेआणीहोराजि॥ कहेमुपवाणीरे॥ जिव्यानीजपुर्न्येकरी॥
ढेरशालहोराज॥ खर्मेविशालहोराजि॥ नवमीढालरेपद्मविजयपुरीकरी॥
॥ ६९ ॥ ढहा॥ कृतघ्नकिमतुऊनेंकर्ज॥ सज्जनमासीरदार॥ अक्षा
नेंकरीशणिपरि॥ पश्चात्तापप्रकार॥ ७० ॥ पणितेस्यूप्रारसीउं॥ एहकहोअ
वदात॥ पक्षिपतीतवकहेपढे॥ वारुधुरयीवात॥ ७१ ॥ सारथवाहसूतसांस
ली॥ अहोयीरत्नेहअपार॥ कृतज्ञताकऊकेतली॥ वर्णवश्वारवार॥ ७२ ॥
पणिसांसलोपक्षिपती॥ देउतूऊउपदेश॥ पूजोदेवगुरुप्रतें॥ वलिपुष्पादिक
वेश॥ ७३॥ ढाल॥ वेबेमुनीवरविहरणपांगस्यांजी॥ एदेशी॥ धर्मनहोइ
जीवहण्याथकीजी॥ जलथकीअनलनहोयरे॥ गायनाश्टगथीदूधनसस्वे
जी॥ विषथकीअमृतकिमजोयरे॥ ७४ ॥ धर्म॥ यत॥ सकमलवनमग्ने
बीसरंसारस्यदस्तादं॥मृतमुरगवक्रात्साधुवादविवादात्॥ रुगपगममजीर्णात्
जिवितकालकूटात्॥ अस्तिसखतिवधात्य प्राणिनांधर्ममिछेत्॥ १ ॥ पूर्व
ढाल॥ नरगेंतेपोहचेजिवहिंसाथकीजी॥ तिर्णेएपापथकीरहोडरे॥ महिष
नेमेपप्रमुखहणताथकाजी॥ पार्पेपिमतेहोवेपुरे॥ ७५॥ धर्म०॥ कहेका
लसेननकरस्यूएहवुजी॥ अन्नमलस्येंअमनेंजामरे॥ तोअमेअन्नविनाले
स्यूनहीजी॥ इणअटवीमेंआव्याकेरुनामरे॥७६॥ धर्म०॥ जिवनीहिंसाजी
वुतिहांलगेंजी॥ नहिकरुतूमकेरेउपगारे॥ फूलवलीगधचदनस्यूदेवताजी॥

पुजीनेंकीधोअतीसतकारेरे ॥ ७७ ॥ धर्म० ॥
निजघरिकीधोउचितआहारेरे ॥ सोजनकीधांमनमेंसावतांजी ॥
जेद्रव्यअपारेरे ॥७८॥ धर्म० ॥ तेसबीलावी
फलमीकारेरे ॥ गजवरदतनेंचामरआपीआंजी ॥
रे ॥७९॥ धर्म० ॥ वरिनेंकांयकरेउविसांज
आणिलहीनेंनिजनगरेगयाजी ॥ जाणेंमाबीअनेंबलीमहाजम्परे
हर्षधरीनेंसाहमाआवीआंजी ॥ सांभनामुलनीसख्याकिपरे ॥
नीसख्याथईजी ॥ मननामनोरथसघलासीद्धरे ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥
कपरवपडेंआवीउंजी ॥ साहमाजईजोयुतेहनुसम्परे ॥
पनुजी ॥ मनमातेखेदलसोपरचम्परे ॥ ८२ ॥ धर्म० ॥ स
लगुजी ॥ शेषधनेंकरेदाननेपुन्यरे ॥ मदनतेरसीआवीइणभवशरिजी ॥
वीमहाततेम्याइपुन्यरे ॥८३॥धर्म०॥ कहेरथतूमचोकाढोआगलेंजी ॥
कहेएकीनाबालरे ॥ कुणकरेतेसुणीपरससीउंजी ॥
रे ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥ कोनीसवातेमाइपरचिआजी ॥
रे ॥ चितेमनमांआणिवर्गसाध्यावीनाजी ॥ जाइअफलअवतारेरे ॥८५॥
धर्म० ॥ तेहमांपणिगृहीनेंअर्थतेमुख्यछेजी ॥जेहथीसधाइधर्मनेंकांमरे ॥
पवक्रमानसोसाग्यतेअर्थछेजी ॥ द्रव्येंहोइसबीपरनुकांमरे ॥ ८६ ॥ धर्म०
यत ॥ वयोरक्षास्तपोरक्षा ॥ येचरक्षा वक्रक्षता ॥ सर्वेतेधनरक्षस्य ॥
तिष्टतिकिंकरा ॥ १ ॥ बुसुक्तिर्व्याकरणनसुज्यते ॥ पिपा॥
नपीयते ॥ नउंदशाकेनचिऽघृतकुल ॥ हिरण्यमेवार्जयनिष्फलाकला ॥ २
॥ पूर्वछाल ॥ तेपणितातनीमातपरेंनहीजी ॥ बुऊनेंसोमवबीकिणहीरीतिरे
मातपीतानीआणाथीहवेजी ॥ चाल्योवक्रसाचलेईशुसनितरे ॥
लषमीपणिसाथिलेईनेंआविउंजी ॥ सायरकांठेनगरीनामरे
रपतीनेंमल्योजी ॥ विधुवक्रमाननेंआप्युगांमरे ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥
विधनथयोचितवेंजी ॥ जाउंपरतिरेंपामुरीछीरे ॥ ऊपाजकरीनेंकिरियाकर्मे

सरयांजो ॥ लगनमुहूर्त्तजोईपरसीरे ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥ सायरकांठेआवीपू
जीउजी ॥ दिधांवहूअरथीजननेंदानरे ॥ देवगुरुप्रणमीवेठाम्याजमांजी ॥
उपाम्यांनांगरजलअसमांनरे ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ पुरयातेसिढनेंवाहणचाली
आजी ॥ ठठेतेखर्मेदशमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेचिनद्वीपेंजवाजी ॥ धरणो
जीचित्तमाअतीउजमालरे ॥ ९१ ॥ धर्म० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ वाहणतीरवेगेंवहे ॥ केईकदिनअतिक्रांत ॥ मध्याह्नेमारुतघणो ॥
इकदिनअतिउद्भ्रांत ॥ ९२ ॥ गाजेशायरगजपरें ॥ सकेल्यासढताम ॥ जि
वितनीआशाजथा ॥ नागरमुक्यानाम ॥ ९३ ॥ अथमातूतेअनुक्रमें ॥ वाह
णसागुवेग ॥ आउसवधइअनुक्रमें ॥ आव्युफलगतेएग ॥ ९४ ॥ तिणेंकरी
एंकअहोरातिमां ॥ पोहतोसोवनदिव ॥ मनचिंतेमुझमानिनी ॥ डखदिठुहा
देव ॥९५॥ परिजनपणपरहोगयो ॥ करीविलापतिणेंकाल ॥ कदलीफलकेरो
करे ॥ रुमोआहाररसाल ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ प्रणमीसद्गुरुपाय ॥ गायस्यूरा
जिमतीसतिजी ॥एदेशी॥ सूरजआथम्योजाम ॥ पल्लवसाथरोपाथरीजी ॥ ता
ढिउमावणकाजि ॥ अरणीथीअगनीपेदाकरीजी ॥९७॥ प्रणमीश्रीगुरुनेंदेव ॥
सूतोनेंप्रातसमयथयोजी ॥ जाग्योजामप्रसात ॥ सूरयरायजवजगजयोंजी
॥ ९८॥ अगनीफरसीतसूमि ॥ दिठिकनकमयीथईजी ॥ देपिचितेश्म ॥ धातु
पेत्रएशुसमईजी ॥ ९९॥ किधीईट्योताम ॥ धरणनामअंकितकरीजी ॥ कि
धासपुटथाई ॥ कनककस्युअग्रीमांधरीजी ॥ ३०० ॥ करयांदससहससपु
ट ॥ सिन्नपोतध्वजवांधीउजी ॥ चिनथकीएकेंजीहाज ॥ पुन्येंलावीसांधीउ
जी ॥ १ ॥ सूवचनसारथवाहासांझअसागतिहासस्याजी ॥ कोईकद्वीपथीपां
मि ॥ लढीस्यूंदेवपुरेंसचस्यांजी ॥ २ ॥ आव्याजवतिणेंठाम ॥ सिन्नपोत
ध्वजनीरपीउजी ॥ मुक्यानागरताम ॥ मुक्यानिर्जामकहरपीउजी ॥ ३ ॥
दीठाधरणकूमार ॥ वातसूणावेतेहनेंजी ॥ सूवचनसारथवाह ॥ नामेंदयाव
ऊएहनेंजी ॥ ४ ॥ चिनद्वीपजसवास ॥ देवपुरजावामनकरेजी ॥ तूम्हकहे
वरावेश्म ॥ आवोतोम्याजमाहिंघरेजी ॥ ५ ॥ वोल्याताम्कूमार ॥ साम्स

रणुरयूएहनांजी ॥ निर्जामककहेतांम ॥ [illegible]
विधीवसेंपयोनिरद्रव्य ॥ पणिम्यवसायनलभीउंजी ॥ [illegible]
रणकहेतवमभीउंजी ॥ ७ ॥ एहनीईछाजोहोय ॥ एतलीसूनी[illegible]
तेमीलाभ्योतेह ॥ धरणकहेकोपस्योनहीजी ॥ ८ ॥ [illegible]
पुहुंतुम्हनेंइणिपरेंजी ॥ ऊयाजनांकेतलोद्रव्य ॥ साथोमुकनेंहुतरेंजी [illegible]
तवतेबोल्यासाय ॥ कर्मनीघातबाहरीसूणोजी ॥ द्रव्यनयोमुकर्म ॥ [illegible]
धनकरूदूगगुणोजी ॥ १० ॥ सोवनटकहजार ॥ लेईनेसांकडांमांजी [illegible]
धरणकहेसूणोवात ॥ हुतुम्हनेंसलेंपावीउंजी ॥११ ॥ काडीनांपोतांम [illegible]
सोवनचीवाहणसरोजी ॥ पोहचीस्युजवतिर ॥ लाभद्रव्यदेस्युपरोजी ॥ [illegible]
कहेसूवचनतवसेठ ॥ सारकिस्योसोवनतणोजी ॥ तूंबडूनांनठेमुक ॥ [illegible]
लकरूजेमुरिवसणोजी ॥ १२ ॥ काढिनांप्युसांम ॥ वाहणकनकनीसरु[illegible]
जी ॥ बेठोवाहणजाम ॥ तवलठीदरसणकस्युजी ॥ १३ ॥ हरष्योचितवल[illegible]
रि ॥ दूसाणीलपमीघणीजी ॥ एठेमाहरीनारी ॥ धरणकहेसूवचनसवीजी [illegible]
॥ १५ ॥ आणयोतवसेठ ॥ वाहणचालेअनुक्रमेंजी ॥ पचजोअनमवा[illegible]
म ॥ एकअचरीजहोयतिणसमेजी ॥ १६ ॥ सुवर्णद्वीपनीस्थ[illegible] ॥ सुवर्ण[illegible]
नामावाणमतरीजी ॥ कपावेतेसमुद्र ॥ मानुअकालनीबीजरीजी ॥ [illegible]
रेरेसारथवाह ॥ कांयउपचारकरयोनहीजी ॥ मुकआणाविणएह ॥ [illegible]
लेईजाईसकहीजी ॥ १८ ॥ धरीउतेणीईजिहाज ॥ निर्जामकमेंईवकहेजी [illegible]
बलियोपुरुषनीमुक ॥ तेविणद्रव्यएकुणलहेजी ॥ १९ ॥ अचवानांहुं[illegible]
धरणवीचारेइमसूणीजी ॥ नांषीदेवामयोद्रव्य ॥ लषनीमुकआपीमुणीजी [illegible]
॥ २० ॥ उपगारीमुकएह ॥ देषितोईणिपरेंसणेंजी ॥ बलियाउंकआज ॥ [illegible]
णआअवचारकुणगणेंजी ॥ २१ ॥ देषिनेंकहेवांणि ॥ एहअजाणपणें[illegible]
जी ॥ प्रसन्नथईस्योमुक ॥ बलितुमेकांयनबीमयुंजी ॥ [illegible] ॥ देषिवोलेतांम[illegible]
सायरमांकपादिउंजी ॥ लषनीषितेईम ॥ देषिईमुकअनुंपहकिउंजी ॥ [illegible]
सारथवाहनेंईम ॥ लठिसलाबीईमकहेजी ॥ सूपज्योअमभायताय ॥ इमकरे[illegible]

सायरमांवहेजी ॥ २४ ॥ विंध्योतामत्रिसूल ॥ देवीसोवनद्वीपेंलावतीजी ॥ देवीथइउपशात ॥ बाहणनेनवीबोलावतीजी ॥ २५ ॥ बाहणबाल्यांजाय ॥ हेमकुमलइणअवसरेंजी ॥ रयणद्वीपेंतेंजाय ॥ दिठोनेंउलष्योसलीपरेंजी ॥ ॥ २६ ॥ देविपरीचीतनास ॥ मागीउपधीइसजकरयोजी ॥ पुण्यप्रमाणेंताम॥ जिवितशेसेंआयुघरयोजी ॥ २७ ॥ यत ॥ वनेरणेशत्रुजलाग्निमध्ये ॥ महा र्णवेपर्वतमस्तकेवा ॥ सुप्तप्रमत्तविषमस्थितवा ॥ रक्षतिपुण्यानिपुराकृतानि ॥ ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अग्यारमीएढाल ॥ ढठेखमेसोहामणीजी ॥ समरादित्यनें रास ॥ पद्मवीजयसार्वेसणीजी ॥ २८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ हेमकुमलउलष्योहवे ॥ पुढेधरणपवित्त ॥ सिरीविजयसबधकहो ॥ तवकहेतेहत्वरित ॥ २९ ॥ जिवाम्योम्हेंतिहांजई ॥ सूणीधरणसतूष्ट ॥ घर णलेईवीआघरो ॥ गुणससारीगरीष्ट ॥३०॥ रयणसाररलिआमणो ॥ द्विपअती उद्दाम ॥ रतनगीरीअतीरुअडो ॥ नानाविधतरूनाम ॥ ३१ ॥ विद्याधरकि न्नाविषे ॥ तत्परतरूणीगीत ॥ सूरसीवासनादसदिसें ॥ आवेपणनहिश्त ॥ ॥३२॥ सरोवरतिरेंसुहकरू। हंसादिकनीहारिदक्षश्रेणीवारूपरें ॥ शोसेअती श्रीकार ॥ ३३ ॥ वाविकांठेंरूणविसम्या ॥ सपहेफलसहकार ॥ वाविमां नाहिवावरे ॥ पुढेवातप्रकार ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ एडिमीकिहांराषिरे ॥ एदेशी ॥ हेमकुमलपुढेधरणानें ॥ किमतुमनेंमलीएह ॥ तबधुरयीमाडीतेसघली ॥ वा तकहीहतीजेहरे ॥ ३५ ॥ प्राणीपुन्यतणांफलजोज्यो ॥ डरजनसद्धनदोयप दंतर ॥ अणमेरुसमहोज्योरे ॥ प्राणी ॥ अहो २ दूटताभ्यतरीकेरी ॥ किधुं मोहदुअकाज ॥ हवेतूम्हेकहोतेकरीइतवकहे ॥ किधुसघलूकाजरे ॥ ३६ ॥ ॥ प्रा० ॥ पणिमुझजायाडखणीहोस्ये ॥ किजेंतासससजोग ॥ हेमकुमलमन मांहिविचारे ॥ रयणतणोकरूसोगरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ हेमकुमलकहेमेलवु रमणी ॥ पणिएकसांसलोवात ॥ रतनगीरीनामेंइहांपरवत ॥ सूलोचनसूर रयातरे ॥ ३८ ॥ प्रा० ॥ किन्नरतेमुझमीत्रवखाण्यो ॥ तेहनेंमिलवुमाहरे ॥ तुम्हनेंदेवपुरेंपढेंमुकीस ॥ मिलस्येनारीतीहारेंरे ॥ ३९ ॥ प्रा० ॥ धरणकहे

जिमतुममनजाणे॥तयनेधरणनेंलेई॥पहोतोग्यणगीरीतससेत्ता॥ [illegible]
केइरे॥४०॥प्रा०॥ तिलकसमानरतनगीरीउपरि॥ रुधिरसवनअतिदिपे॥ [illegible]
तीत्तिप्राकाग्नीजोस॥एगधिमाननेजीपेरे ॥४१॥प्रा०॥ उसोपईनिआदरि [illegible]
फिधोउचितउपचार ॥ किहांथीआव्यानेकुणउ ॥ कहोवलीहेतूविचारे [illegible]
॥ ४२ ॥ प्रा० ॥ आउयनीजविद्याधरसापे ॥ रयणअपावचाल्यो ॥ [illegible]
पीतपईनेसांसनीराख्यो ॥ केईकदिनमनसाख्योरे॥ प्रा० ॥४३॥ रयण [illegible]
धरणनेंलाख्यो ॥ देवपुरनयरनेंवारी ॥ रतनआपीनेंइणिपरसापे ॥ सोपच्चो [illegible]
हानिजनारीरे ॥ ४४ ॥प्रा०॥ हेमकुमजनीजथानीकपोहतो ॥ धरणगयाकु [illegible]
मांहि ॥ टोपसेठहवेंदेपेतेहनें ॥ मनमांलहेउठाहरे ॥ ४५ ॥ प्रा० ॥ [illegible]
आकारअपुरवदिठो ॥ एकाकीकिमएहा॥हरयजातापुढिघरिलाख्यो॥ [illegible]
हवेतेहरे ॥ ४६ ॥ प्रा० ॥ किहांथीआव्यातुम्हेंइणनयरें॥ तवतेधरणेंसा [illegible]
माकदीनिकल्याथीमामी ॥ देवपुरपर्यंतदाख्योरे ॥ ४७ ॥ प्रा० ॥ रतनसेठनें [illegible]
रापवाआप्यां ॥ रापज्योगोपवीएह ॥ वाहणनीहवेवातसूणेज्यो ॥ धरण [illegible]
म्यापठीजेहरे ॥ ४८ ॥ प्रा० ॥ आसासनालपमीनेंकरतो॥ सूवचनसा [illegible]
ह ॥ एसचारअचारठेसुदरी ॥ सङ्गनेएहजराहरे ॥[illegible]०॥ जिहांसजो [illegible]
वियोगत्यादिठो ॥ पेदमकरस्योनारी॥ ताहरीआथिगईनहीएहमां ॥ जा [illegible]
गईठेमाहरीरे ॥५०॥प्रा०॥ एलपमीतूलपमीविछूनें ॥पोचाडुतूमगेहा॥तवनयनें [illegible]
आसूसरीबोली॥लपमीमायागेहरे॥[illegible]०॥तुमजिवतामुझनेंसीचिंता॥ [illegible]
दिनसेठविचारे॥एहद्रव्यनेंसुदरीसुदर ॥हाथिआवीकुणहारेरे ॥[illegible]
हतोमरणतपश्चीपांम्यो ॥ एहनुमनमुझसार्थे॥ कुणमुरखकरआव्युअंमे [illegible]
त्तकरूमुझहाथेंरे ॥५२॥ प्रा० ॥ हास्यकरतानीजवआकीधी॥ लपटनें [illegible]
वार ॥ घरणीकरीनेंराखीघरमां ॥ घनपणिराख्युंआरे॥ ५३ ॥प्रा० ॥ के [illegible]
कदिनपोहतूअनुकरमें॥ देवपुरेंतेजिहाज ॥ सेठणेंलेईराजानेंमिलिउ ॥ [illegible]
तेनसराजरे ॥ ५५॥ प्रा०॥ तेहनुवाणमुक्युनरराइ॥ पोहतोजीहाजमझारि [illegible]
उठेखमेंवारमीढालें ॥ पद्मकहेअधीकारेरे ॥ ५६ ॥ प्रा० ॥ [illegible]

॥ ऊहा ॥ चिनथीआव्युचालतू ॥ जिहाजएसासल्यूजाम ॥ निकल्योधरणतें नीरखवा॥दोयजणदिठाताम ॥ ५७ ॥ हरष्योहैयमेहेजस्यू ॥ दूसाणातेदोया। पणिआसनदेश्पुछिउ ॥ पूर्ववृत्तांतपलोय ॥ ५८ ॥ ससलाव्योतिणेंसामठो ॥ सूवचनचितेसेठ ॥ अहो २ कर्मनीगतीअजव ॥ हैंहैंदैवथीहेठि ॥ ५९ ॥ केवलकिधअकाजम्हें ॥ समीहितपणिनवीसीद्ध ॥ चितिआपवेंचनथी ॥ कारजसुदरकीध ॥ ६० ॥ जिवतातूम्हजोईआ ॥ ल्योतूम्हसघलीलाठि ॥ कहेधरणतूम्हेसवीकस्यु ॥ पाछिनरापीपाछि ॥ ६१ ॥ मुझनेंजायामेलवी ॥ किधुसघलूकांम ॥ जायानेंकहेजाईश ॥ आवोपुरमाआम ॥ ६२ ॥ ढाल ॥ बापमलीरेजीसमलीतूकांनवीवोलेमीठु ॥ एदेशी ॥ सांसलज्योसाईनारीचरीत्र हकामकरेछेकेहवा ॥ लपमीकहेकालिनयरीमां ॥ आपणजास्यूरहेवारे ॥ ॥ ६३ ॥ सा० ॥ आजतूम्हेपणिश्हांरहेवु ॥ धरणेंमानीवात ॥ स्नानकरावि नेंदोयांचितें ॥ करवोएहनोघातरे ॥ ६४ ॥ सा० ॥ मदिरापाईनें प्राहारकरा व्यो ॥ आवीजेहवेरयणी ॥ सद्मासूदरपाथरीसूतां॥ धरणतथानीजधरणीरे ॥ ॥ ६५ ॥ सा० ॥ मुझाणोमदिरानेंजोरें ॥ तेहवेअवसरजाणी ॥ फांसोदिधो पणितेफसल्यो ॥ लपमीहर्षसराणीरे ॥ ६६ ॥ सा० ॥ मुउंजाणीवेझमिलीनें ॥ सायरकांठेगाम्यो ॥ तेथानिकगयातिहवेशीतल ॥ वायरोआववामांम्योरे ॥ ॥ ६७ ॥ सा० ॥ चेतनलाधुतवतेचितें॥स्यूएसूपनुदेपु ॥ इद्रजालअथवामति विभम ॥ अथवासत्यएपेपुरे ॥ ६८ ॥ सा० ॥ सायरतटदेपीनेंविचारे ॥ नि श्चयसाचुएह ॥ उठिनेंचितेलठीनु ॥ चरीत्रअहोदूखरेहरे ॥ ६९ ॥ सा० ॥ उनमार्गेएकेंमप्रवर्त्या ॥ दुखदायकएसोग ॥ मुखिमिठीवलीदिलथीजुठी ॥ महिलाचालतोरोगरे ॥ ७० ॥ सा० ॥ अगनीपवननेंसूजगपहेवाश ॥ नारीचि त्तनकलाश॥ दोखनीपाणिकलेसनुकारण ॥ मोहेंजगतछलाशरे ॥ ७१ ॥ सा० ॥ ॥ यत ॥ अनृतसाहसमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौचनिर्दयत्वच ॥ स्त्रीणांदोपास्वसावजा ॥ १ ॥ सवस्यवीजंनरक ॥ द्वारमार्गस्यदिपीका ॥ ऊ चांकद कलेर्मूल॥ दुखानाखानीरगना॥२॥ जलणोविघेप्पश्सूहा। पवणोसूय

जिमतूममनजाणे॥तपनेधरणनेंसेईपहोनोग्यणगीरीनससोस॥ [illegible]
केंईरे॥ [illegible] ॥ तिलकसमानरतनगीरीउपरि॥ रुचिरसबनअतिदिपे॥ [illegible]
नीत्तिप्राकारनीशोभा॥ग्रथिमाननेंजीपेरे ॥ [illegible] ॥ उसोपईनिपाद [illegible]
फिपोउपितउपचार ॥ किहांथीआव्यानेएकुणछे ॥ कहोबलीहेतूविचारे [illegible]
॥ ४२ ॥ प्रा० ॥ आगयनीजविद्याधरसापे ॥ रयणअपावबाप्यो ॥ [illegible]
पीतपईनेसांसमीराप्यो ॥ केईकदिनमनसाध्योरे॥ प्रा० ॥ ४३ ॥ रयणपेटी
धरणनेंलाध्यो ॥ देवपुरनयरनेंबारी ॥ रतनआपीनेइणिपरसापे ॥ [illegible]
हानिजनारीरे ॥ ४४ ॥प्रा०॥ हेमकुमलनीजथानीकपोहतो ॥ धरणगयापुर
मांहि ॥ टोपसेठहवेंदेपेतेहनें ॥ मनमांलहेउछाहरे ॥ ४५ ॥ प्रा० ॥ [illegible]
आकारअपुरवदिशे ॥ एकाकीकिमएहा॥सुखशातापुछियरिलाध्यो॥ [illegible]
हवेतेहरे ॥ ४६ ॥ प्रा० ॥ किहाथीआव्यातूम्हेंइणनयरें॥ तवतेमरतेंस [illegible]
माकदीनिकल्याथीमांही ॥ देवपुरपर्यंतदाप्योरे ॥ ४७ ॥ प्रा० ॥ रतनसेठनें
रापवाआप्या ॥ रापज्योगोपवीएह ॥ वाहणनीहवेवातसूणेज्यो ॥ धरण
भ्यापठीजेहरे ॥ ४८ ॥ प्रा० ॥ आसासनालपमीनेकरतो॥ सूवचनसार [illegible]
ह ॥ एसचारअचारठेसुदरी ॥ सकुनेंएहजराहरे ॥ [illegible] प्रा० ॥ जिहांसजोग
वियोगत्यादिशे ॥ पेदमकरस्योनारी ॥ ताहरीआथिगईनहीएहमां ॥ जाणजे
गईछेमाहरीरे ॥ ५० ॥प्रा०॥ एलपमीतूलपमीविकुनें ॥पोचाहुतुमगेहा॥तवनयनें
आंसूसरीवोली॥लपमीमायागेहरे॥ [illegible] ॥तुमजिवतांमुकुनेंसीचिंता॥ एक
दिनसेठविचारे॥एहद्रव्यनेंसुंदरीसुवर ॥हाथिआवीकुणहारेरे॥ [illegible] ने
हतोमरणतपश्चीपांम्यो ॥ एहनुमनमुकुसाथें॥ कुणमुरखकरआव्युगांमे॥ [illegible]
त्तकरूमुकुहाथेंरे ॥ ५३ ॥ प्रा० ॥ हास्यकरतानीजवशकीधी॥ लपठनेंस
वार ॥ घरणीकरीनेंराषीघरमां ॥ घनपणिराष्युंशारे ॥ ५४ ॥ प्रा० ॥ के
कदिनपोहतूअनुकरमें॥ देवपुरेंतेजिहाज ॥ सेठणकलेईराजानेंमिलिउ ॥ तू
तेनसराजरे ॥ ५५॥ प्रा०॥ तेहनुदाणमुंमुक्युनरराई ॥ पोहतोजीहाजमझारि
उठेखमेंवारमीढालें ॥ पद्मकहेअधीकारेरे ॥ ५६ ॥ प्रा० ॥ [illegible]

॥ ऊहा ॥ सूवचनउपरिसेठजी ॥ कोप्याजेमकत्तात ॥ धरणघरीनिजधाम मां ॥ आव्योरायउपाति ॥ ८७ ॥ बातसयलतिहांविनवी ॥ नरपतीकरवा न्याय ॥ तेमाव्योसूवयणतदा ॥ प्रणमेंआवीपाय ॥ ८८ ॥ पुछेनृपपरगटक हो ॥ सूणीश्रीधीसफार ॥ केमकमाणतवकहे ॥ हरषीहैयामझार ॥ ८९ ॥ आविरीक्षिकुलअनुक्रमें ॥ नृपकहेकिहांथीनारि ॥ मातपीताश्मुझनें ॥ परणा वीबहुप्यारि ॥ ९० ॥ सनमुखनरपतीसेठवें ॥ जोवेसांसलीजाम ॥ सेठक हेंसूणिसाहिबा ॥ अलिककहेएआंम ॥ ९१॥सुवचनकहेसाचुंकिस्यू ॥ सेठ कहेतवआर ॥ कंचननेंएकांमिनी ॥ धरणतणिअवधारी ॥ ९२ ॥ साचुएह जसासलें ॥ सांसलीउपनीआक ॥ पणिबोलेपरगटपणें ॥ मानुमननिआक ॥ ॥ ९३ ॥ ढाल ॥ श्रीनमिजिननीसेवाकरतां ॥ एदेशी ॥ अहोअपुरवतूहीनि मीचित ॥ कहोईहांप्रत्ययतासससाचोजी ॥ राजद्वारएछेतवबोले ॥ सेठसा धारणपासवाचोजी ॥ ९४ ॥ अहो० ॥ एहप्रत्ययजेतेहजजीवे ॥ सु वचनबोलेतामरायाजी ॥ धरणनामकानेंनवीसुणीउ ॥ एतोकहेछेआमसा याजी ॥ ९५ ॥ अहो० ॥ परषोतुम्हेंतवतेनरराइ ॥ धरणतेमाव्योपासते हजी ॥ निजनरमुकिनारितेमावी ॥ आवितिहांउल्लासएहजी ॥ ९६ ॥ ॥ अहो० ॥ श्रावीनसेठनेंउपरोधें ॥ आव्योरायहजुरआमजी ॥ पुछेरनारी एनरनो ॥ दिठोकेनहीनुरतामजी ॥ ९७ ॥ अहो० ॥ नारीकहेकहींइंन वीदीठो ॥ पुछेधरणनेंरायहेजेंजी ॥एतूमचीघरणीकेनांही॥तवकहेधरणतेठाय तेजेंजी ॥ ९८ ॥ अहो० ॥ जेहएणेंकहुतेसवीसूणीउ ॥ हवेपुछ्यानुंकांम स्युछेजी ॥ नृपकहेतेहजमाटेपुछु ॥ वचनकेनारोसामतूछेजी ॥ ९९ ॥ अ हो० ॥ धरणकहेतूमआपहेंसाषु ॥ नारीहतीमुझएहआगेंजी ॥ नृपकहेध रणतणीएसूवचन ॥ उलपेकेनहीकेहमागेजी ॥ १०० ॥ अहो० ॥ धर णकहेनृपएहनेंपुछो ॥ एहकहेतेप्रमाणमाहरेजी ॥ तवसुवयणनेंपुछेसूपती ॥ छेकाईश्उलपांणताहरेजी ॥ १ ॥ अहो० ॥ सूवचनकहेएकुणनेंझकुण ॥ रा यकहेएवातरहीजी॥ वाहणमांप्रव्यकिस्योछेदापो ॥ सूवचनकहेनरतातअही

यगोयकेएश्नएएं ॥ नहीआमणोनपेप्पई ॥ बऊएहिविनयवहत्तोहि
॥ पूर्वढाल ॥ अपवाद्यवचनसेठनेंनघटे ॥ पणएहनोस्योबोल ॥
वासोनारीस्यू ॥ तेकारणएरोसरे ॥ ७२ ॥ सा० ॥
ठना ॥ पुरसरवोजताआम्या ॥ देखिनयणेंआसूरीभी ॥
॥ ७३॥ सा० ॥ रातेपणिनुम्हेकिमनवीआम्या ॥ सेठनेंउपनीचिंता ॥
जोवामोकस्यासेठ।आम्याश्हांरवोजतारे॥७४ ॥सा० ॥
पो ॥ सेठनीचिंतासागो ॥ अहोपुरुषनोअतरदेषो ॥
॥७५॥सा०
चाअतरमहदतर ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
जाम ॥ एकांतेबेठारीसेठें ॥ वाततेपुछीतामरे ॥ ७६ ॥ सा० ॥
एश्नकिमदिठो ॥ होयतेसाषोसाचु ॥ तवतेषरएविचारेमनमां ॥
फाटेनाचुरे ॥ ७७ ॥ सा० ॥ वातलछामणीनवीकहेवानी ॥
य ॥ कहेकांईश्नहीसेठकहेसूणो ॥ चिनषीऊयाजजेआषरे ॥
तेतूमनेंमलिउकेनांही ॥ तवतेगदगदवाणी ॥ मिलिउकुमरकहीनेंरेमे ॥
धारवहाणीरे ॥ ७८ ॥ सा० ॥ मानुनारीमरणलहीएहनी ॥
शोक ॥ शेठकहेठेकुसलप्रीयानें ॥ जिहाजतेहजकेफोकरो॥ [illegible] ॥
हणतेहजनेंनारीजीवें ॥ सेठकहेंतवश्म ॥ तुमनेंशोककहोहवेस्योठें ॥
सऊनेंठेपेमरे ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जिमतिमउत्तरनेंपमउत्तर ॥
रें ॥ सेठकहेसूनेंमनेंसाषे ॥ मनमांतुस्यूंधारेरे ॥ ८२ ॥ सा० ॥
वेंपमिवजिउ ॥ किमगुरुआणाषमे ॥ नविकहेवानुंपणितेधरणो ॥
कहेवामनेरे ॥ ८३ ॥ सा० ॥ जिवितथीनारीजीवेठे ॥ पणिशीलेंनवीजीवें
सेठकहेकिमआण्युतवकहे ॥ कारयथीजिमदिवेरे ॥ ८४ ॥ सा० ॥
परेंनीपनुतवतेधरणें ॥ सोजनजिमणथीमांही ॥ सयलकमुजिमठेहलीवाले
सायरतटगयांठांमरि ॥ ८५ ॥ सा० ॥ अनुक्रमेंजीवतोतूमनेंमिलीउ ॥
तसर्वप्रकासी ॥ ठठेसंमेतेरमीढाले ॥ पर्वेवाततेसासीरे ॥८६॥ सा० ॥ ॥

तुझमनमानेंतिमकरतवते ॥ वोल्योकिवपशायवयणेंजी ॥ १७ ॥ अहो०॥ ढेखझेढालचौदमी ॥ समरादित्यनेंरासतापीजी ॥ पमीत्तउत्तमविजयसू सेवक ॥ पद्मविजयसूविलासराषीजी ॥ १८ ॥ अहो० ॥ ऽहा ॥ सझप चातीसेठीआ ॥ सूवचनलेईसाथि ॥ धरणलेईप्रथवीधणी ॥ सझगयासरीता नाथ ॥ १९ ॥ सपुढधरणनेंसूपीआ ॥ सेंठेंगणीनेंसर्व ॥ धरणसूवयणनेंधी रता ॥ आपेइमनीगर्व ॥ २० ॥ कुणनेंदेववर्त्तेंकहो ॥ वातखलीतनवीहोय ॥ षेदमुकिनेंपांतिस्यू ॥ साहसधरीइसोय ॥ २१ ॥ लाखसोवनतूमेनवीलष्या॥ आदरमुझनेंआप ॥ इममुझनेंतूमेआषीउ ॥ लाषनोस्योआलाप ॥ २२ ॥ ए हसभमवयणेंअम्हें ॥ साषुतूमईणिसाति ॥ तुममनमांनेतेतलु ॥ सोवनढ्यो थईआति ॥ २३॥ लाज्योसूवचननविलष्यो॥ धरणथईतवधीर ॥ अठलखआ वनआपीआ ॥ परनीसांजेपीर ॥ २४ ॥ ढाल ॥ गम २ झांझाजसनोंबति वाजइ ॥ एदेशी ॥ नृपनेंदेईआनमांन ॥ टोप्पसेठस्यूआव्याथानरे ॥ जसनो वतिजगमावाजी ॥ एआकणी ॥ करीस्नाननेंसोजनकिधां ॥ बहुदानजाचक नेंदिधारे ॥ २५ ॥ जस० ॥ टोप्पसेठनेंचरणेंलागो ॥ टोपसेठकहेस्यूमागो रे ॥ जस० ॥ कहेधरणजोनकहोनाकारो ॥ तोमागुएकजवारोरे ॥ जस० ॥ ॥२६॥ हरपेंकरीचितेसेठ ॥ झुधन्यसझमुझहेठिरे ॥जस०॥ सूरतरुंचितामणी सुत ॥ मुझपासमागेअदसूतरे ॥ २७ ॥ जस० ॥ कहेसेठसूणोसुविनीत ॥ पुत्रक लत्रनेंएसविवित्तरे ॥ ज० ॥ दासत्वनिमीत्तेंजाचो ॥ तोहीमुझमननवीकाचो रे ॥ २८ ॥ जस० ॥ कहेधरणजोइमविचारो ॥ त्रणिवचनआपोसूखकारो रे ॥ जस० ॥ त्रणवचनदियातवमागे ॥ मुझसहसरतनघोरागेरे ॥ जस० ॥ ॥ २९ ॥ दिधांतिहांरयणहजार ॥ तेहमाथीधरणकुमाररे ॥ जस० ॥ लेई आठरतनकरीपुजा ॥ सेठजीतुमसमनहीऽजारे ॥ ३० ॥ जस० ॥ इणिपरें गुणस्तवनाकरतो ॥ पगविचमांनिजशिरधरतोरे ॥ जस० ॥ मुझएहप्रारथ नाजाणो॥सेठचितेतवसमझाणोरे ॥ ३१॥जस० ॥ ठलिउंमुझवचनेंएणें ॥ कि मनाकहेवाइश्णेंतिणेंरे ॥ जस०॥ सेठेंवहुआदरकरीउ॥ निजनयरसणीसचरी

जी॥२॥आ०॥ कनकघटयोदससहससपुटजे॥
यकहेतसनोयकहोतुम्हे॥कहेनवीजाणनेमकरणोजी॥[illegible]॥
तोजनजाणे॥ तयकहेश्रमजएहकिधांजी ॥ सूवचननेंसांभलतवयोले॥
एवचनकसांजेहसिधांजी ॥४॥आ०॥नरपती
एविचारीरगेंजी ॥ अलिकयादिकुएहनेंआपो ॥ एधननेएनारीसर्वेजी
॥ आ० ॥ सूवचनकहेमुझआनदेईनें ॥ बोलेठेजुठकेमसाईजी ॥
ठतवघटकीगोज्यो॥ रेपापीकहेश्रमकांईजी॥[illegible]॥
सेठकहेवलीरोसआणीजी ॥ स्यूबकुवोलेजोएनारी ॥
णीजी ॥ ७ ॥ अहो० ॥ कहुएहमांजोजुठुहोवे ॥
जी ॥ धीजकरावोतेअम्हेंकरीइ ॥ पणिएहनेंअम्हेंखीवनापुजी
धरणविचारएमुझलेहें ॥ बोलेइणिपरेंतेणमाहरेजी ॥ नथ[illegible]
जपे ॥ सूणोहपसस्युदिव्येणवारेजी ॥ ९ ॥ अहो० ॥
पुटजेठे ॥ तेहमांधरणमुझनामहोस्येजी ॥ जोसूवचननिकलेतोएहनु ॥
यकहेयुकामतोस्येंजी ॥ १० ॥ अहो० ॥ पचोलीलेवामोकलिआ
लाव्यासपुटतांमनीरप्याजी ॥ धरणनामदिठुनहीजीहारे ॥ लोक
मविलपाजी ॥ ११ ॥ आ० ॥ रायकहेनवीअसीधादिशे ॥ सूवचनकहेमर
रायजाणोजी ॥ पणितुमआगलिअलिककहीनें ॥ किमधारेएठायप्राणोजी
१२॥आ० ॥ घरवारनेंजीवकबुलकस्योठे ॥ धरणनेंकहेएकेमरायजी ॥
रणकहेजुठुनवीबोलू ॥ फोमोसपुटनेंश्रमतायजी॥१३॥आ०॥ [illegible]
मतेदीठु ॥ कोप्योरायअपारतामजी ॥ महाचोरएवाणीगवेसें ॥
प्रकारकामजी ॥ १४ ॥ आ० ॥ जमघरिसुवचनसेठपोधावो ॥
नीकालदिजेंजी ॥ धरणनेंद्रव्यसर्वएसूपो ॥ बलिकहोकांयतनतकालकें
॥ १५ ॥ आ० ॥ धरणकहेमसूद्रव्येंसरीउ ॥ [illegible]
जी ॥ चितेरायअहोनरअतर ॥ स्युएहनेंउपमानधरीइजी ॥ १
॥ आ० ॥ नृपकहेधरणएवातअघटती ॥ पणितुझवचनलंघायतिणेंजी

पुबअनग ॥ पणिइहेअनगसूखरगरे ॥ जस० ॥ ४७ ॥ तपसोषीतजाससरीर ॥ जोईधरणविचारेधीररे ॥ जस० ॥ पनरमीढेखमे ॥ पदमेंकहीढालअखमेरे ॥ जस० ॥ ४८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ आचारजअवलोकिनें ॥ धरणविचारेधन्या॥ जिवितसफलूंजगतमांगुणगणजासअगन्य ॥४९ ॥ कचननेंवलीकामिनी ॥ सयणकुटंबसकलोकाइहजालपरेंउलषे ॥ फिरीकरेपापजफोक ॥ ५० ॥ उपगारीमुझएहवे ॥ पालुजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानआधार ॥ ५१ ॥ नियमाकरीसकीइनही ॥ धरमतेरहेताधाम ॥ आरसेहिंसाअती ॥ नहितिहांधर्मनुनाम ॥ ५२ ॥ अतेत्यजवोआपणें ॥ कांमनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरीचारीत्रनें ॥ समझूआव्यूशोय ॥ ५३ ॥ चरणकमलनमीचूपस्यू ॥ वारुसाथिवयस ॥ धरमलासदिघोधुरे ॥ आचारयअवतस ॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ जीरेजीरेस्वामीसमोसरया ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजवउपविसे ॥ गुरुकहेकिहांथकीआव्यारे ॥ धरणकहेआव्याइहांथकी ॥ चारीत्रस्यूअम्हेसाव्यारे॥ ॥ ५५ ॥ श्रीगुरुराजकृपाकरो ॥ एआकणी ॥ अहो २ आकृतीएहनी ॥ एहनोजुउविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ वोल्यामुनीवरढेकरे ॥ ५६ ॥ श्री० ॥ इहीयलालचिढामवी ॥ नविकरवोतेकरवायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंकरी ॥ सजमपालवुथायरे ॥ ५७ ॥ श्री० ॥ विषयअनादिनीवासना ॥ तजवीदोहिलीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ ढांम्युनढांम्युंसमाणरे ॥ ५८ ॥ श्री० ॥ कर्मदोषेंनपालीसके ॥ असदालंबनकरतारे॥ संजमढांमेतेनवीगृहि ॥ मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ५९ ॥ श्री० ॥ वेत्तवनि फलतसगया ॥ तिणेंतूलणाकस्यापापेरे ॥ नघटेघस्तूझढांम्वु ॥ धरणोतवइमसापेरे ॥६० ॥ श्री०॥ सगवनतूमेसाचुकह्यु ॥ त्यजवाजोग्यएधामरे ॥ उपादेयचारीत्रढे ॥ तूलनाविवेकनुकामरे ॥ ६१ ॥ श्री० ॥ आचारयमनचितवे ॥ जाण्योजथार्थसचारे ॥ वोधिलहेंजीनधर्मनी ॥ करुंप्रशसावीस्तारे ॥ ६२ ॥ श्री० ॥ वुझेजिममीत्रएहना ॥ वोलेईमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउ ॥ वढधन्यमाता

छीरे ॥ ३२ ॥ जस ०॥ निजनयरनेंबाहिरआवी ॥ [illegible] ॥
नरपतीतवसाहमोआवइ॥ महामहोछवस्यूंपधरावेरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
जसूवनेंलावेराया ॥ स्नानसोजनकरतपसायारे ॥ जस० ॥ [illegible]
लीमांन ॥ पोहचाम्यानिजघरियानरे ॥ ३४ ॥ जस० ॥ मायतायनें[illegible]
माय ॥ सहूचैत्यंपुजाविरचायरे ॥ जस० ॥ तेमयाबलीरायमेंघेर ॥ [illegible]
करयोबहूपेररे ॥ ३६ ॥ जस० ॥ परधांनपागीआजेह ॥ सहूसतकारला
शुसरेहरे ॥ जस० ॥ पुछेहवेमायनेंताय ॥ तुमघरणीकहोकिहांजायरे ॥
॥ ३६ ॥ जस० ॥ कहेघरणसूणोतूमेवात ॥ एमतपुछोअवदातरे ॥ जस० ॥
जेनारीनेंउचिततेकिघु ॥ जनकादीवीचारेएसीघुंरे ॥ जस० ॥ [illegible]
देउएहनेंआज ॥ इमचितवीतेपुरराजरे ॥ जस०॥ आव्योघरिउठिराय ॥ तव
घरणउचितकरेतायरे ॥ ३८ ॥ जस० ॥ आगमनप्रयोजनकहीइ ॥ [illegible]
हेमुझतूमेलहोइरे ॥ जस० ॥ कहेघरणनमुझकाम ॥ एकवातसूणोगुणकार
रे ॥ ३९ ॥ जस० ॥ कहेरायकहेतेकरीइ ॥ कहेघरणजोमुझआदरीइरे ॥
॥ जस० ॥ तोमुकोवदिवान ॥ तुमराज्यमाअसयनुदानरे ॥ [illegible] ॥
रायेंदीधीतवआणि ॥ मुझराज्यमांकिजेंजाणरे ॥ जस० ॥ हिस्यानविकर
ज्योकोय ॥ नहितरनृपदमतेहोयरे ॥ ४१ ॥ जस० ॥ नरपतीनिजधानिके
आव्या ॥ गुणघरणतणाचितलाव्यारे ॥ जस० ॥ बहूकालेंमीअजेमलीआ ॥
तेहस्यूंकीमामांहलीआरे ॥ जस० ॥ ४२ ॥ गयामलयसूदरउद्यान ॥ तिहां
नागलतानेंथानरे ॥ जस० ॥ नामेरेविलगकहायो ॥ तेकुपीतनारीनेंसायोरे ॥
॥ जस० ॥ ४३ ॥ बहूलालिपालिकरेतास ॥ देषीनेंघरणउदासरे ॥ जस० ॥ सी
सरीलषमीतिठाम ॥ चितेअहोहूंजयकामरे ॥ ४४ ॥ जस० ॥ कामीपरमार्थनदि
षे ॥ वैराग्यथकीइमलेषेरे ॥ जस० ॥ जायआगलिघरणकुमार ॥ अशोकअशो
तिणीठारे ॥ ४५ ॥ जस० ॥ आसुकथानिकतिहांदिठा ॥ हैयमांलागामीठारे
॥ जस० ॥ बहूशीसतणोपरीवार ॥ गयोचित्तथीकामविकारे ॥ अ० [illegible]
अर्हदत्तआचारयनाम ॥ नाणीशुसचित्तपरीणामरे ॥ जस० ॥ जित्योजिणे

षुबअनग ॥ पणिइहेअनगसूखरगरे ॥ जस० ॥ ४७ ॥ तपसोषीतजाससरीर ॥ जोईघरणविचारेधीररे ॥ जस० ॥ पनरमीढेखमे ॥ पदमेंकहीढालअखमेरे ॥ जस० ॥ ४८ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ऊहा ॥ आचारजअवलोकिनें ॥ घरणविचारेघन्या॥ जिवितसफलूंजगतमां गुणगणजासअगन्य ॥४९ ॥ कचननेंवलीकामिनी ॥ सयणकुटंबसऊलोका॥ इंद्रजालपरेंउलषे ॥ फिरीकरेपापजफोक ॥ ५० ॥ उपगारीमुझएहवे ॥ पालुजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानआधार ॥ ५१ ॥ नियमाकरीसकीइनही ॥ घरमतेरहेताघाम ॥ आरसेंहिसाअती ॥ नहितिहांधर्मनुनाम ॥ ५२ ॥ अंतेत्यजवोआपणें ॥ कामनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरीचारीत्रनें ॥ समझूआव्यूशोय ॥ ५३ ॥ चरणकमलनमीचूपस्यू ॥ बारुसाथिवयस ॥ घरमलासदिघोधुरे ॥ आचारयअवतस ॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ जीरेजीरेस्वामीसमोसरया ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजवउपविसे ॥ गुरुकहेकिहांथकीआव्यारे ॥ घरणकहेआव्याइहाथकी ॥ चारीत्रस्यूअम्हेसाव्यारे॥ ॥ ५५ ॥ श्रीगुरुराजकृपाकरो ॥ एआकणी ॥ अहो २ आकतीएहनी ॥ एहनोजुउविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ वोल्यामुनीवरढेकरे ॥ ५६ ॥ श्री० ॥ इंद्रीयलालचिढामवी ॥ नविकरवोतेकखायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंकरी॥ सजमपालवुथायरे ॥ ५७ ॥ श्री० ॥ विषयअनादिनीवासना ॥ तजवीदोहिलीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ ढांम्युनढामधुंसमाणरे ॥ ५८ ॥ श्री० ॥ कर्मदोषेंनपालीसके ॥ असवालंबनकरतारे॥ संजमढांमेतेनवीगहि ॥ मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ५९ ॥ श्री० ॥ वेसवनि फलतसगया ॥ तिणेंतूलणाकस्यापापेरे ॥ नघटेघस्तूकढांमवु ॥ घरणोतवश्मसापेरे ॥६० ॥ श्री० ॥ सगवनतूमेसाचुकसु ॥ त्यजवाजोग्यएघामरे ॥ उपादेयचारीत्रढे ॥ तूलनाविवेकनुकामरे ॥ ६१ ॥ श्री० ॥ आचारयमनचितवे ॥ जाण्योजथार्थसशारे ॥ वोधिलहेंजीनधर्मनी ॥ करुंप्रशसावीस्तारे ॥ ६२ ॥ श्री० ॥ वुझेजिममीत्रएहना ॥ वोलेईमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउ ॥ धढधन्यमाता

ताहरीरे ॥ ६३ ॥ श्री० ॥ डरलसबोधितेंतेलही ॥ करीसफलोअ[illegible]
हरुकारयसीऊस्ये ॥ सेतुसजमसारे ॥ ६४ ॥ श्री० ॥ विषयम[illegible]
धमा ॥ परमारथनवोदेपरे ॥ दृहांदृष्टांततेमाहरो ॥ सांसलोचित्तविचारे[illegible]
॥ श्री० ॥ इणहीजपेअमांहिवसे ॥ अचलपुरीनामेंनयरीरे ॥ जित[illegible]
रपती ॥ जिणेंजीत्यासऊवयरीरे ॥ ६६ ॥ श्री० ॥ अपराजीतसुतनेहवें ॥ [illegible]
मरकेतुविजोजाणीरे ॥ अपराजितजुवराजिउ ॥ विजोकूमरनेंगाहरे ॥ [illegible]
॥ श्री० ॥ कुमरनेआप्यूउजेणीनु ॥ सोगववासलुराजरे ॥ समरकेसरीनामें[illegible]
जीउ ॥ थयोउल्लउतेकाजरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ अपराजितनेउपरें ॥ [illegible]
कदिनतेहरे ॥ जयकरीजामपाछोवल्यो ॥ आवणनेंनिजगेहरे ॥ [illegible]
घरमिरामसन्निवेसें ॥ आव्योदेपनोतामरे ॥ पुण्यउदयमानुपरगमो ॥ सुरीस्व[illegible]
रोहनामरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ देपीसवेगतेउपनो ॥ पुछेधर्मविचाररे ॥ देशनी[illegible]
श्गुरुतेहनें ॥ ॥ पमीधुक्ल्योतेकूमाररे ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ चारीत्रथयउपसमा[illegible]
इद्रजालसमजाणीरे ॥ सविसचारदिक्षालिइ ॥ तपसजमकरेनाणीरे ॥ [illegible]
॥ श्री० ॥ गुरुचरणेंहवेविचरता ॥ पोहतानगरागामेंरे ॥ तिहांउजेणीचीत्य[illegible]
वीआ ॥ साधुवदनकामेंरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥ रोहसूरीनाशिष्यजे ॥ आर्यरक्ष[illegible]
गुणगेहरे ॥ तेहनामुनीवरएहवे ॥ वंदेगुरुससनेहरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ पुछेगु[illegible]
उल्लेणीमा ॥ निरूपमसर्गविहाररे ॥ मुनीकहेसूदरविहारवे ॥ पणिएकवाणि[illegible]
चारे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ छठेखमिसोलमी ॥ पद्मविजयकहीडालरे ॥ [illegible]
नसूणज्योसवे ॥ आगलिवातरचालरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ [illegible] ॥ ५ ॥ [illegible]
॥ दुहा ॥ पणिनृपपुरोहीतपुत्रदोय ॥ सद्रकनहीतससाव ॥ मुनीउपसर्गा[illegible]
हाकरे ॥ देषीनेंनिजदाव ॥ ७७ ॥ अपराजीतमुनीइमसुणी ॥ चित्तमांकरे[illegible]
विचार ॥ समरकेतूसमऋिणविना ॥ अहोभमादअपार ॥ ७८ ॥ पुत्रनेंपणि[illegible]
नवीपालवे ॥ आणालहीगुरुआज ॥ जाउऊउल्लेणीइ ॥ समऊावुसुससाथ[illegible]
॥ ७९ ॥ साधुद्वेषयीसुसनही ॥ बोधविजबलिजाय ॥ सकतीअछेसमऊा[illegible]
वा ॥ एहविचारीउपाय ॥ ८० ॥ आणिलहीआचार्यनी ॥ आव्यातेउल्लेणी[illegible]

आर्यराङ्गगढअनुसरी ॥ वसीआकार्यवसेण ॥ ८१ ॥ ढाल ॥ मुजरोल्योनें जालिमजाटणी ॥ एदेशी ॥ गोचरीवेलाश्मुनीवरवोलीआ ॥ तूम्हेप्राङ्गणाअणगार ॥ आहारआणीतूम्हनेंअमेआपीश ॥ अपराजीतकहेतेवार ॥ ८२ ॥ मुनिवरस्याद्वादिसमझेसङ्ग ॥ एआकणी ॥ कहेङ्गआत्मलब्धिकवुतिणेंकरी ॥ देषामोतूमजेह ॥ थापनाकुलतिहांजावुनवीघटे ॥ मुकेंचेलोएकतेह ॥ ८३ ॥ ॥ मु० ॥ कुलदेपामीनेंवलीवारीआ ॥ एहप्रत्यनीकनुगेह ॥ श्मकहीनेंचेलोपा गेवल्यो ॥ पेगातिहाहिजतेह ॥ ८४ ॥ मु० ॥ मोहटेशब्देधर्मलासदिउ ॥ दे षीअतेउरताम ॥ अहोमुनीनेंकरस्येंकदर्थना ॥ जाणस्येकूमरतेजाम ॥ ८५॥ मु० ॥ सङ्गाकरेजेजाउवहेलाफरी ॥ वधीरपरेमुनीराय ॥ धर्मलासकरयोतेह थीआकरो ॥ जिमतेकूमरसूणाय ॥ ८६ ॥ मु० ॥ आव्यादोयकुमरदोन्या तिहा ॥ मनमाहरपनमाय ॥ देईद्वारनेंअतीसयमुनीतणें ॥ वधामुनीतणापा य ॥ ८७ ॥ मु० ॥ धर्मलासदिधोतववोलीआ ॥ नाचोतूम्हेअमपास ॥ मुनी कहेगीतवाजित्रविणनाचवुं ॥ किमसोसेहुविलास ॥ ८८ ॥ मु० ॥ कुमर कहेअमेगीतवाजीत्रकरु ॥ मुनीकहेतामश्रीकार ॥ विषमतालगीतवाजित्रश ऐंकरयु ॥ कृत्रिमकोपअणगार ॥ ८९ ॥ मु० ॥ कहेरेमुरपगोपनाढोकरा ॥ नविजाणोरेविन्नाण ॥ अमनेंनचाववाङ्गसिघणीकरो ॥ सूणिकोप्यातेअजा ण ॥ ९० ॥ मु० ॥ मुनीमारणनेंसाहमादोमीआ ॥ तवमुनीकरुणारेवत ॥ अ वरउपायनहिश्हाकामनो ॥ चितवेशणिपरेंचित ॥ ९१ ॥ मु० ॥ कुसलघ णनिजुघव्यापारमां ॥ हलूश्एकनेंझालि ॥ सांध्योसर्वउतारीअगनी ॥ बि जोआव्योतसढाल ॥ ९२ ॥ मु० ॥ तेहनेपणितिमहीजमुनिश्करयो ॥ उघा मीहवेवार ॥ निजठामेंजईएकातेकरे ॥ सझायध्यानअणगार ॥ ९३ ॥ कु मरपमयाहवेहालेचालेनही ॥ दिठासङ्गपरीवार ॥ पांणीश्सीचेंतनुउलासता ॥ बोलेनजामलगार ॥ ९४ ॥ मु०॥ रायपुरोहीतनेंससलावता ॥ सूणोशणिव्यति करेएह ॥ साधुश्कुमरकरयाशणविघथकी ॥ सूपतिखबरिकरेह ॥ ९५ ॥ मु० ॥ सूपसूरीपासेंजईप्रणमीआ ॥ सगवनखमोअपराध ॥ कहेबालक

ताहरीरे ॥ ६३ ॥ श्री० ॥ डरलसबोधितेंतलही ॥ करीसफलोप्रकाशरे ॥
हरुकारयसीऊस्ये ॥ सेतूसजमसारे ॥ ६४ ॥ श्री० ॥ विषयवा
धमा ॥ परमारथनवोदेपरे ॥ इहांदृष्टांततेमाहरो ॥ सांसलोचिंतविवेरे ॥
॥ श्री० ॥ इणहीजपेत्रमांहिवसे ॥ अचलपुरीनामेंनयरीरे ॥ जितशत्रु
रपती ॥ जिणेंजीत्यासऊवयरीरे ॥ ६६ ॥ श्री० ॥ अपराजीतसुतेहवें ॥
मरकेतूविजोजाणीरे ॥ अपराजितजुवराजिउ ॥ विजोकूमरनेंगाहरे ॥
॥ श्री० ॥ कुमरनेआप्यूउजेणीनु ॥ सोगववालवुराजरे ॥ समरकेसरीनामें
जीउ ॥ थयोउछवतेकाजरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ अपराजिततेउपरें ॥
कदिनतेहरे ॥ जयकरीजामपाछेवल्यो ॥ आवणनेंनिजगेहरे ॥
घरमिरामसन्निवेसें ॥ आव्योदेपतोतामरे ॥ पुण्यउदयमानुपरगमो ॥
रोहनामरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ देपीसवेगतेउपनो ॥ पुछेधर्मविचाररे ॥ देशना
श्रगुरुतेहनें ॥ ॥ पमीवुकयोतेकूमाररे ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ चारीत्रथयउपसमभ
श्रजालसमजाणीरे ॥ सविसआरदिक्षालिइ ॥ तपसजमकरेनाणीरे ॥
॥ श्री० ॥ गुरुचरणेंहवेविचरतां ॥ पोहतानगरागामेंरे ॥ तिहांउजेणीचीला
वीआ ॥ साधुवदनकामेंरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥ रोहसूरीनाशिष्यजे ॥ आर्यदा
गुणगेहरे ॥ तेहनामुनीवरएहछे ॥ वंदेगुरुससनेहरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ पुछेगु
उछेणीमा ॥ निरूपमसर्गविहाररे ॥ मुनीकहेसूदरविहारछे ॥ पणिएकवातमि
चारेरे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ छठेखमसोलमी ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥
नसूणज्योसवे ॥ आगलिवातरशालरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ ॥ ५ ॥
॥ दूहा ॥ पणिनृपपुरोहीतपुत्रदोय ॥ सद्रकनहीतससाव ॥ मुनीउपसर्ग
हाकरे ॥ देषीनेंनिजदाव ॥ ७७ ॥ अपराजीतमुनीइमसुणी ॥ चित्तमांकरे
विचार ॥ समरकेतूसमऊिणविना ॥ अहोप्रमादअपार ॥ ७८ ॥ पुछनेंपुछि
नवीपालवे ॥ आणालहीगुरुआज ॥ जाउछउछेणीइ ॥ समऊावुसुससाव
॥ ७९ ॥ साधुद्वेषयीशुसनही ॥ बोधविजबलिजाय ॥ सकतीआछेसमऊा
वा ॥ एहविचारीउपाय ॥ ८० ॥ आणिलहीआचार्यनी ॥ आव्यातेउछेणी

आर्यराङ्गगछअनुसरी ॥ वसीआकार्यवसेण ॥ ८१ ॥ ढाल ॥ मुजरोल्योनें जाखिमजाटणी ॥ एदेशी ॥ गोचरीवेलाश्मुनीवरबोलीआ ॥ तूम्हेप्राङ्गणाअणगार ॥ आहारआणीतूम्हनेंअमेआपीश ॥ अपराजीतकहेतेवार ॥ ८२ ॥ मुनिवरस्याद्वादिसमझेसङ्ग ॥ एआकणी ॥ कहेङ्गआमलब्धिकतुतिणेंकरी ॥ देषामोतूमजेह ॥ थापनाकुलतिहाजावुनवीघटे ॥ मुर्केचेलोएकतेह ॥ ८३ ॥ ॥ मु० ॥ कुलदेपामीनेंवलीवारीआ ॥ एहप्रत्यनीकनुगेह ॥ श्मकहीनेंचेलोपाछोवल्यो ॥ पेगतिहाहिजतेह ॥ ८४ ॥ मु० ॥ मोहटेशब्देंधर्मलासदिउ ॥ देषीअतेउरताम ॥ अहोमुनीनेंकरस्येंकदर्थना ॥ जाणस्येकूमरतेजाम ॥ ८५॥ मु० ॥ सङ्गाकरेजेजाउंवहेलाफरी ॥ वधीरपरेमुनीराय ॥ धर्मलासकरयोतेह थीआकरो ॥ जिमतेकूमरसूणाय ॥ ८६ ॥ मु० ॥ आव्यादोयकुमरदोम्या तिहा ॥ मनमांहरपनमाय ॥ देईद्वारनेंअतीसयमुनीतणें ॥ वधामुनीतणापाय ॥ ८७ ॥ मु० ॥ धर्मलासदिघोतववोलीआ ॥ नाचोतूम्हेअमपास ॥ मुनी कहेगीतवाजित्रविणनाचवुं ॥ किमसोसेमुविलास ॥ ८८ ॥ मु० ॥ कुमर कहेअमेगीतवाजीत्रकरु ॥ मुनीकहेतामश्रीकार ॥ विषमतालगीतवाजित्रश्रणेंकरयु ॥ कत्रिमकोपअणगार ॥ ८९ ॥ मु० ॥ कहेरेमुरषगोपनाछोकरा ॥ नविजाणोरेविन्नाण ॥ अमनेंनचाववाङ्गसिघणीकरो ॥ सूणिकोप्यातेअजाण ॥ ९० ॥ मु० ॥ मुनीमारणनेंसाहमादोमीआ ॥ तवमुनीकरुणारेवत ॥ अवरउपायनहिश्हांकामनो ॥ चितवेशणिपरेंचित ॥ ९१ ॥ मु० ॥ कुसलघणनिजुघव्यापारमां ॥ हलूश्एकनेंकालि ॥ सांध्योसर्वउतारीअगनी ॥ बिजोआव्योतसढाल ॥ ९२ ॥ मु० ॥ तेहनेपणितिमहीजमुनिश्करयो ॥ उघामीहवेवार ॥ निजगमेंजईएकतिकरे ॥ सझायध्यानअणगार ॥ ९३ ॥ कुमरपम्याहवेहालेचालेनही ॥ दिगासङ्गपरीवार ॥ पांणीश्सीचेंतनुउलासतां ॥ बोलेनजामलगार ॥ ९४ ॥ मु० ॥ रायपुरोहीतनेंसस्लावता ॥ सूणोशणिव्यतिकरेएह ॥ साधुश्कुमरकरयाशणविघथकी ॥ सूपतिखवरिकरेह ॥ ९५ ॥ मु० ॥ सूपसूरीपासेंजईप्रणमीआ ॥ सगवनखमोअपराध ॥ कहेवाउक

नोतबसूरीबोलीआ ॥ अमेजाणूंनहीसाध ॥ [illegible] ॥
ऊराश्कसो ॥ तबबोल्यासूरीराय ॥ अवतीबधीनिजतनुउपरें ॥
माय ॥ ९७ ॥ मु० ॥ नितपरलोकथीबिहेमुनीवरा ॥
प्राणनासयथीऊखदेवेनही ॥ एउत्सर्गस्वसाव ॥ [illegible] ॥
रीउअपवादथी ॥ होयतोपुछुंरेसाध ॥ इमकरीपुछेसघलासाधनें ॥
हेनिराबाध ॥ ९९ ॥ मु० ॥ एहवातमाअमेंजाणूंनही ॥
एअमसुनीश्तोकिघुनही ॥ नृपकहेजुठनथाय ॥ ५०० ॥ मु० ॥
हेएकमुनीवरप्राझणा ॥ किघुहोयजोतेए ॥ रायकहेतेसाधुकिहांअछे ॥
ईनेंपुछुंजेए ॥ १ ॥ मु० ॥ एकमुनीवरेंजईतेहनेंदाषव्या ॥
म ॥ ध्यानधरमनुमुनीवरधारता ॥ देषेनरपतीजाम ॥ २ ॥ मु० ॥
नीवरनेंचितलाजिउ ॥ प्रणम्योसायनापाय ॥ धर्मलासदेईनेइमकहे ॥
लिरेमहाराय ॥ ३ ॥ मु० ॥ ढेरखमेसत्तरमीकही ॥ ऊत्तमएहवीढाल ॥
अविजयकहेश्रोतासांसलो ॥ आगलिवातरसाल ॥ [illegible] मु० ॥ ॥
॥ ढहा ॥ जुगतूकारजजालव्यु ॥ मुनीउपसर्गमहत ॥
हि ॥ निजराज्येंनिरपत ॥ ५ ॥ कुमरअनाथतेकिघला ॥ तबजलसी
आंनेत ॥ नृपकहेलाज्योमुनीवरु ॥ अधीककरयुअमहेत ॥ [illegible] ॥
कीजेंअमसणी ॥ दोपतेखमोदयाल ॥ कुमरअगसाजांकरो ॥ २
आल ॥ [illegible] ॥ सध्योतोसाजीकरू ॥ मुनिवरकहेमहाराय ॥
दरे ॥ नकरेफरीअन्याय ॥ [illegible] ॥ नृपकहेम्हेंआज्ञाकरी ॥
णाम ॥ मुनीकहेपुछोकुमरनें ॥ सूपतीपसणेंताम ॥ [illegible] ॥
साधुश्करयोपसाय ॥ अवनीपतीस्यूआवीआ ॥ ठावाकुमरनेंगाय ॥ [illegible]
जोगीसरध्यानेंजिस्यो ॥ दिठाकाष्टदशाय ॥ बोलेप्राणेंबलयकी ॥
बाकीधाआय ॥ [illegible] ढाल ॥
एदेशी ॥ मुनिवरकहेसूणोवाणीरेमुनीकदर्थनारे ॥ तेतरुफूलएफलतोनरगणी
वेदनारे ॥ तेहनोपश्चातापजोहोय ॥ तोसासकारीथाउपरलोय ॥ [illegible] ॥

णनीसेवासारीरेसवऽखकापस्येरे ॥ उपऽवसघलाटालीरेऋीवसूखऋापस्ये
रे ॥ कुमरकहेप्रसूकरोउपगार ॥ लाज्याऋम्हेऋमचेऋाचार ॥ १२ ॥
॥च० ॥ लेस्यूदिक्षापामीरेमातपीतातणीरे ॥ ऋाणातवतेवोल्यारेदिघागुरुतणी
रे ॥ जोम्यांऋगनेंगुणसघात ॥ लिधीप्रव्रज्याकरीप्रणीपात ॥ १४ ॥ च० ॥
दिक्षापालतासार्वेरेविऊजणनेंतदारे ॥ केईकदिनगयाजामरेहवेसूणोएकदारे॥
कर्मउदइपुरोहीतकुमार ॥ जाण्यूजथपीधर्मनुसार ॥ १५ ॥ च ॥ प्राणेंदिक्षा
दिधीरेइममनऋाविउरे ॥ गुरुउपरिद्वेषजाग्योरेपणिनखमावीउरे ॥ इऋानदे
वलोकेंउपनोदेव ॥ रतिसागरमांपम्योततषेव ॥ १६ ॥ च ॥ एकदिनऋप्स
रासार्थेरेवेगाउपनोरे ॥ दिनसाववलीनीद्वारेकामरागनीपनोरे॥ कप्याकलपद
क्षदेपाय ॥ सूरसीकुसूममालाकमलाय ॥ १७ ॥ च ॥ लाजनेंसोसानाठीरेदे
वडुप्यजषस्यारें ॥ कोपकरेघणोऋरतीरेनयनसम्याजीस्यारे ॥ हैइउपनोषेद
तिवार ॥ देविउविलपेतिमपरीवार॥१८ ॥ च ॥ इमऋज्ञानेंविलपुरेसातासीइ
हारे ॥ तिर्छकरपंऋनासरेपुत्रजईतिहारे ॥ किहांउपजीसऊचितेदेव ॥ सूलस
ऊलसबोधीजीनदेव ॥ १९॥ च० ॥ ऋाम्योपूर्वविदेहेरेजिनवरनेंनम्योरे ॥ पु
छ्यापछीकहेजिनजीरेउपजस्योतूम्होरे ॥ जबुधीपनासरतमऊारि ॥ कोसबी
नगरीऋवघार ॥ २० ॥ च०॥ थाईसतुऊलसबोधीरेगुरुद्वेषेंकरीरे ॥ इत्यादिक
सवपहीलोरेसाप्योतसचरीरे ॥ सासलीकहेऋहोगुरुप्रत्यनीक ॥ ऋल्पेंएवमां
उदयनीसीक ॥ २१ ॥ च० ॥ ऋालोकनोउपगारीरेजिनकहेजाणीइरे ॥ स्यो
तसंप्रत्युपकारेंरेकहोनेंवपाणीइरे ॥ परलोकउपगारनीसीधात ॥ टालेऋन्नाण
नेंमीथ्यात ॥ २२ ॥ च० ॥ सूवीहीतकिरियाऋापेरेथापेगुणसणिरे ॥ जनम
जरानेंमरणरेरोगसोगऋवगुणीरे ॥ टालेजेसऋारऋावास ॥ ऋाश्वतसूखपामें
सूविलास ॥ २३ ॥ च० ॥ एहवागुरुनेद्वेषेंरेगुणद्वेषीथयोरे ॥ पूर्वथीविपरी
तथाइरेऋतीसऋारसयोरे ॥ देवकहेप्रसूसाचुएह ॥ किहारेएकहोकर्मनोठेह
॥ २४ ॥ च० ॥ प्रसूकहेलगतासवमारेऋतएहनोथस्येरे ॥ मुगोविजुनामरे
तुऊभ्रातावस्येरे ॥ देवकहेपहेलूस्यूनाम ॥ जिणेंवीजुएसापोस्वामि ॥ २५ ॥

च० ॥ पहेलुनामअशोकरेजिनजीकहेहतूरे ॥ [illegible]
मपतूरे ॥ कोसबीएहजपुरसार ॥ अतितकाननीशातविचार ॥ [illegible]
तापसनामेंसेठरेदानादिककरेरे ॥ पणिपरमादितेहरेइम्यपणोधरेरे ॥ [illegible]
नीत २ बहुव्यापार ॥ आरतध्यानधरेतेअपार ॥ २७ ॥ च० ॥ [illegible]
योमरीनेरेनिजघरदेषीनेरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेतासविशेषीनेरे ॥ एकदिवस
पनोदिवशतेआय ॥ सोजननीवेलाजबथाय ॥ २८ ॥ च० ॥ पीरसवानेरे
जामरेआवीहुकमीरे ॥ मांशलेईमार्जारेचाट्योदुकमीरे ॥ तबसूपकारीपिते
मन्न ॥ वेलाअतिक्रमचढ्योवहुदिन्न ॥ २९ ॥ च० ॥ गृहपतीनालवस्तव
रेसूअरमारीउरे ॥ मांशतेराध्युतामरेक्रोधेहकारीउरे ॥ उपनोमरीनेतेहजवे
ह ॥ सूअरनागपणेंथयोतेह ॥ ३० ॥ च० ॥ एहघरनेंसूपकारीरेदेषीउपनु
रे ॥ जातिसमरणज्ञानरेनागनेंनिपनुरे ॥ कर्म्मविचित्रथीनथयोकोध ॥ [illegible]
कपाउपनीथयोबोध ॥ ३१ ॥ च० ॥ रांधिणसापनेंदेषीरेकोलाहलकरयोरे ॥
सहुतिहादोमीआव्यारेअहीजमघरिधस्योरे ॥ तिहांतसनीजराथईअकाय ॥
मनुजआयुबाध्युअसीराम ॥ ३२ ॥ च० ॥ नागदत्तशणिनामेंरेनीजसूतकां
मिनीरे ॥ बधुदत्ताउरेआयोरेजनम्योजामिनीरे ॥ अशोकदत्तादिषुअसीथा
न ॥ वरसएकवोलेथईसान ॥ ३३ ॥ च० ॥ मातपितासूपकारीरेदेषीनेंबली
रे ॥ जातिसमरणपाम्योरेइमकहेकेवलीरे ॥ कर्मअचिंत्यनीशक्तिनिहालि ॥
पुत्रबधुतेमातासालि ॥ ३४ ॥ च० ॥ सूतनेंतातनीहालीरेमहावैरागीउरे ॥
मातापीताकिमसाधुरेइममनसागीउरे ॥ मौनपणघरयुजाणीजाम ॥ मुनोला
मप्रसीधथयोताम ॥ ३५ ॥ च० ॥ ढालअढारमीएहरेउगस्वमभारे ॥
समरादित्यनेरासेरेरगअखमभरि ॥ श्रीगुरुउत्तमवीजयनोसीस ॥ पद्मविजय
कहेसुणतजगीस ॥ ३६ ॥ च० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ केवलज्ञानीइमकहे ॥ बोल्याबारवरीस ॥ चौनाणीचारीश्रीउ ॥ मे
घनादसमुनीश ॥ ३७ ॥ आव्यातेउद्यानमां ॥ वारुवयणविन्यास ॥ सुर
गलसाधुशीरे ॥ सिषविआसूससास ॥ ३८ ॥ नागदत्तघरिनिरषज्यो ॥ [illegible]

गणेंवेठोआय ॥ अशोकदततसश्मकहे ॥ चेतनसूणिचितलाय ॥ ३९ ॥ गु
रुजितुऊनेंग्यानथी ॥ कहेसुणितापसकाम ॥ मौनघरेस्यूमनथकी ॥ धर्मक
रोगुणघाम ॥ ४० ॥ सूअरसापनेंपुत्रसुत ॥ मरीनेंकरमपशाय ॥ तहत्तीक
रीमुनीतिहागया ॥ ससलाव्योसदसाव ॥ ४१ ॥ यत ॥ तावसकिमिमिणा
मुणवएण ॥ पमीवछजाणिउधम्म ॥ मरीउणसुअरोरग॥ जाउंपुत्तसपुत्तोत्ति
॥ १ ॥ ढाल ॥ मनमोहनाजिनराया ॥ एदेशी ॥ कहेमुगोकरीपरिणाम ॥ क
होतेंगुरुठेकिणठामरे ॥ गुरुवदिश्शुत्तसावे ॥ जिमसवसयऊखमानावेरे ॥
॥गुरु०॥ एआंकणी ॥ इहाचैत्यठेशक्रावतार ॥ मुनीकहेतिहागुरुगुणधारेरे॥
॥ ४२ ॥ गु० ॥ मुगोकहेचालोजईश ॥ गुरुप्रणमीनेंसूखपईशरे ॥ गुरु० ॥
विस्मीतमुगानोपरीवार ॥ जाणेंजायतोअवलविचाररे ॥ ४३ ॥ गु० ॥ जई
प्रणम्योगुरुनापाय ॥ धर्मलासदिश्गुरुरायरे ॥ गु ॥ पुछेतवमुगोस्वामी ॥ कि
मअतितवाततुमेपामीरे ॥ ४४ ॥ गु ॥ गुरुकहेअमेनाणथीजाणु ॥ नाणअ
तिसयएहवपाणुरे ॥ गु० ॥ प्रतिबोधथस्येश्मजाणी ॥ गुरुसार्पेधर्मनीवाणी
रे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ मुगोप्रतीबोधतेपाम्यो ॥ पणिमुगोनामनवाम्योरे ॥ गु०॥
श्मविजुनामतेजाणो ॥ सांसलीकहेहर्षसराणोरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ प्रतिबोधल
हीससीरीतें ॥ प्रसूपद्मनासकहेनीतेंरे ॥ गु० ॥ वैताढ्यमाहितूम्हेदेषी ॥ निज
कुमलजुगलवीशेषीरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥ प्रतिबोधतीहातूमथास्ये ॥ मीथ्यामत
दूरपलास्येरे ॥ गु० ॥ सुणीवदनाप्रसूनेंकीधी ॥ गयोकोसवीसुप्रसीद्धीरे ॥
॥४८॥ गु० ॥ मुगानेंदेषीसाषे ॥ तूऊषीप्रतीबोधप्रसूदापेरे॥ गु० ॥ मुऊवुऊ
वजेनिरधार ॥ तववोल्योमुकविचाररे ॥ ४९ ॥ गु० ॥ उद्यमकरूसक्तिप्रमा
णें ॥ सुरलेईगयोवेअठगणेंरे ॥ गु० ॥ कुटसीरायतनदेषाव्यो ॥ वलिवाततेश
मसुणाव्योरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ रयणावतशकनाम ॥ एकुमलजुगलउद्धामरे ॥
गु० ॥ कुमलवलीकुटएदोय ॥ मुऊअतीसयवक्षसजोयरे ॥ ५१ ॥ गु० ॥
शक्षासमुहविवरनेंदेशें ॥ तिहाकुमलदेवनीवेशेंरे ॥ गु० ॥ आपेंचितामणीर
यण ॥ पठेंतापेंएहवुवयणरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ जेंचिताकरीश्तेह ॥ एकदिनें

च० ॥ पहेलुनामअशोकरेजिनजीकहेहतूरे ॥
मथतूरे ॥ कोसबीएहजपुरसार ॥ अतितकाजनीबातविचार ॥
तापसनामेंसेठरेदानादिकक्करेरे ॥ पणिपरमादितेहरेइम्यपलोकरेरे
नीत २ बहुव्यापार ॥ आरतध्यानधरेतेअपार ॥ २७ ॥ च० ॥
योमरीनेरेनिजघरदेषीनेरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेतासविशेषीनेरे
पनोदिवशतेआय ॥ सोजननीवेलाजवथाय ॥ २८ ॥ च० ॥
जामरेआवीढुकडीरे ॥ मांशलेईमार्जारेचाट्योदूधडीरे ॥
मन्न ॥ वेलाअतिक्रमचढ्योवहुदिन्न ॥ २९ ॥ च० ॥
रेसूअरमारीउरे ॥ मांशतेराध्युतामरेक्रोधेंहकारीउरे ॥
ह ॥ सूअरनागपणेथयोतेह ॥ ३० ॥ च० ॥
रे ॥ जातिसमरणज्ञानरेनागनेंनिपनुरे ॥ कर्म्मविचित्रथीनथयोकोध ॥
कपाउपनीथयोवोध ॥ ३१ ॥ च० ॥ रांधि
सहुतिहादोमीआध्यारेअहीजमघरिधस्योरे ॥
मनुजआयुवाध्युअसीराम ॥ ३२ ॥ च० ॥ नागदत्तइणिनामेंरेनीजसुतकी
मिनीरे ॥ वधुदत्ताउरेंआयोरेजनम्योजामिनीरे ॥ अशोकदत्तदिवुअसीधी
न ॥ वरसएकवोलेथईसान ॥ ३३ ॥ च० ॥ माता
रे ॥ जातिसमरणपाम्योरेइमकहेकेवलीरे ॥ चित्यन
पुत्रवधुतेमातासालि ॥ ३४ ॥ च० ॥ सूतनेंतातनीहालीरेमहावैरागीउरे ॥
मातापीताकिमसाधुरेइममनसागीउरे ॥ मौनपणुधस्युजाणीजाम ॥ मुनोमा
मप्रसीधथयोताम ॥ ३५ ॥ च० ॥ ढालअठारमीएहरेठगस्वमभारि ॥
समरादित्यनेंरासेंरेरगअखमभारि ॥ श्रीगुरुउत्तमवीजयनोसीस ॥ पद्मविजय
कहेसुणतजगीस ॥ ३६ ॥ च० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७
॥ दूहा ॥ केवलज्ञानीइमकहे ॥ वोल्यावारवरीस ॥ चौनाणीचारीजीउ ॥
घनादसूमुनीश ॥ ३७ ॥ आध्यातेउद्यानमां ॥ वारुवयणविख्यात ॥
गलसाधुशीरें ॥ सिषविआसूससास ॥ ३८ ॥ नागदत्तचरिनिरपज्यो ॥

केमकरोछो ॥ एदेशी ॥ पगसूझिर्नेथासाझआ ॥ वाहितेजेहवीदोरमी ॥ लोचनमीचाणांजमजीहा ॥ पेटजीसिगागरमी ॥ ६९ ॥ श्रीगुरुआशातन फलएहप्राणीकिमहीनबुझे ॥ एआकणी ॥ निद्रानाठिआवीअरति ॥ वेदना थीलसोषेद ॥ वैद्यतेमावीद्रव्यसझघरनो ॥ आपीकहेतससेद ॥७०॥ श्री० ॥ टालोवेदनतिर्णेपणिमाम्या ॥ उषधनाउपचार ॥ कायविशेषथयोनहीतेह थी ॥ वैद्येकस्योपरीहार ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ तिव्रवेदनथीशणिपरेवोले ॥ इक दिनपणिनरहाइ ॥ तिर्णेझअगनीमापेसीमरस्यू ॥ सूणिबाधवरखेदाय ॥ ७२॥ श्री० ॥ मुर्छापामीपलीरोवे ॥ रोवेसझपरीवार ॥ शणिसमेंसवरवैद्यनेरूपें ॥ आव्योसुरअवतार ॥ ७३ ॥ श्री ॥ षार्धेकोथलोअरहदत्तना ॥ घरपासेंजई बोले ॥ सवरवैद्यझविद्यासागर ॥ कोईनहीमुझतोले ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ सी सवेदनाटालुषसनें ॥ वहिरतिमिरवलीटालू ॥ शूलनेंउदरव्यथामलव्याधी ॥ टालूकझतेपालू ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ बोलाव्योसूणीनेंवझमांनें ॥ परीजनकहेसू णिवैद्य ॥ मुहमाग्युतुमनेंआपीस्यू ॥ जलोदरटालोएसद्य ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ तेहकहेझघरमवैद्यनु ॥नहिझद्रव्यनोलोही ॥ कष्टसाध्यएव्याधीछेसुणज्यो॥ति र्णेसूपथीनवीसोही ॥ ७७ ॥ श्री० ॥ इहसवनेंपरसवनीआण ॥ त्यजवुप रस्येसाई ॥ इहलोकेंकुपथ्यआहारादिक ॥ धातूकोपजिर्णेवाइ ॥७८॥ श्री० ॥ परसवनुजेपापनकरवु ॥ तेहनियाणटालो ॥ इहलोकपणिपरलोकसवधे ॥ तिर्णेइहलोकअजुआलो ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ तेहमामुख्यमोथ्यातनीवारो ॥ समकीतस्यूचितलावो ॥ ज्ञानक्रीयाअभ्यासकरावो ॥ आरससझवरजावो ॥ ॥ ८० ॥ श्री० ॥ प्रथमचरमपोरसीइकरवो ॥ चितमलशोधनकारी ॥ जिन वरवयणसझायसलेरो ॥ विजोपोरसीअर्थकारी ॥ ८१ ॥ श्री० ॥ हिसाअ लिकअदत्तनेंअब्रम्ह ॥ मूर्छापरीयहवारो ॥ करवुनहीवलीरात्रिसोजना॥ सम तामाईवधारो ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ मायाटालीलोसनकरवो ॥ वसवुवनसमशां नें ॥ चित्तनीरीहपणेंवलीरहेवु ॥ अप्रतीवधविधानें ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ साव जलोदरटालूइणिपरि ॥ तोद्रव्यनोस्योसार ॥ सांसलिपरिजनइमविचारे ॥ मर

एकपुरेतेहरे ॥ गु० ॥ एहनीशकतेवेतांडेआजे ॥
॥ ५३ ॥ गु० ॥ मानीएणेएयान ॥ कोसबिगयासुखतानरे ॥ गु० ॥
योआपवीमान ॥ अनुक्रमेंचवीशतिएथानरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥
आयो ॥ एकदोहदनासमुहायोरे ॥ गु० ॥ सरदकालेंसहकारनीश्र
नीपजेनवीतसयगारे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ गरसपीडापाम्योतात ॥ [illegible]
रीनीरासरे ॥ गु० ॥ मरस्येंएनीश्वयनारी ॥ इमलोकेवातविचारीरे ॥ [illegible]
मुगोचितेमायस्नेह ॥ जिनवाणीनअन्यथारेहरे ॥ गु० ॥ [illegible]
जवाइ ॥ इमचिताचित्तमांलायरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ चितामणीपार्लेमांगी ॥
हदपुरेयमतागीरे ॥ गु० ॥ अनु [illegible]
॥ गु० ॥ अशोकदत्तगुरुनेंचरणें ॥ वालकनेंलगावेशरणेंरे ॥ गु० ॥ तवपा
करावामांहि ॥ नित २ इमकालगमाडेरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ कुमरपक्षपाम्यो
जिहारें ॥ नितधर्मसुणावेनिहारेरे ॥ गु० ॥ गयोकालकेतोइकइंम ॥ नवीला
गोधर्मनोप्रेमरे ॥ ६० ॥ गु० ॥ एकदिनवलीअशोकदत्त ॥ पुरबसवनीकरे
वत्तरे ॥ गु० ॥ पणिअरहदत्तनेंअग ॥ नवीलागोधरमनोरगरे ॥ [illegible]
उलटुकहेमुकनेंइम ॥ विलापकरेठेकेंमरे ॥ गु० ॥ अहोकरमपरणतीनीव
क्ती ॥ अशोकदत्तकरेव्यक्तीरे ॥ ६२ ॥ गु० ॥ इमचितवविराग्यपामी ॥ [illegible]
परीषहवामीरे ॥ गु० ॥ लिधोइणिसजमसार ॥ [illegible]
॥ ६३ ॥ गु० ॥ सोगसोगवताकेईकाल ॥ थयोदूरलसवोधीनिहालरे ॥
चारित्रनीरतीचारपाली ॥ अशोकदत्तपापनेंगालीरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥
करीनेंदेवताथाय ॥ अशोकदत्तमुनीरायरे ॥ गु० ॥ पर्वतेउगए
कहीठठेषमेरशालरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ ॥ ऊहा ॥ पंचत्वभातापामीउ ॥
हदतेंसूण्युंइम ॥ शोकथयोतेहनेंसबल ॥ पामीवकुलोप्रेम ॥ [illegible] ॥
कल्पतेपामीउ ॥ आव्योतसउपयोग ॥ अरहदत्तनोअवधिथी ॥ ज
लोजोग ॥ ६७ ॥ करूंउपायहवेआकरो ॥ जिमबुझेएजीव ॥
विवेगरस्यू ॥ आण्युदूरवअतीव ॥ ६८ ॥ ढाल ॥

पाय ॥ मा० ॥ कायकटलिउहोकेहवेनवीजाय ॥ मा०॥ ४४ ॥ शेपटालवा होकेऊअजोग ॥ मा० ॥ वरतूश्णीपरेंहोकेमाहरासोग ॥ मा० ॥ तूपणिउत्तम होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुऊपरेंहोकेंचालोसाय ॥ मा० ॥ ६ ० ॥ लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सबरवैद्यकहेहोकेसूणोउग्राह ॥ मा० ॥ जिनशासनमांहोकेदिक्षालेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥मा० ॥ १ ॥ अनुक्रमेंसघलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुऊजातिनोहोके बाकतेथाय ॥ मा० ॥ सजममुऊथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम होकेजातिथीथाय ॥ मा० ॥ २ ॥ तिणेंल्योसजमहोकेअथवाचालो ॥ मा०॥ माहरीसार्थेहोकेंमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूऊहोकेंसाईशलिधी ॥ मा०॥ दिक्षातुऊपणिहोकेलेंवीसीधी ॥मा०॥३॥ अरहदत्तेंतवहोकेंमान्युएह ॥मा०॥ कोईकमुनीवरहोकेपासेंलेह ॥ मा० ॥ द्रव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसावें ॥ मा० ॥ सबरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा० ॥ ४ ॥ केईकदिवसेंहोकेंथई तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेंनिंद्याहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिंगतेगांमीहो केआव्यांगेह ॥ मा० ॥ देवेंजाणीहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पूरवरीतेंहोकें व्याधीकीधो॥मा०॥लोकेंनथोहोकेऊखवऊदिधो॥मा०॥विद्यनेंपोलेहोकेतसप रीवारा॥मा०॥ लाधोतेहहोकेंदेवविचारा॥मा० ॥६॥विद्यनेंसापेहोकेफिरीरोगआ व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणोहोकेकुप थ्यकिधु ॥ मा० ॥ परीजनकहेपरुहोकेऊखशणिलीधु ॥ मा० ॥ ७ ॥ शणेंच रित्रेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा०॥ पणिउपगारीश्होकेमोहटातुम्हे ॥ मा०॥ सब रकहेएहहोकेलेवेदिक्षा ॥ मा० ॥ करीप्रपचहोकेसूरदिशसीक्षा ॥ मा० ॥८॥ व्रतश्ठाविणहोकेलीधुफेरी॥मा०॥शांतीकरीगयोहोकेंवैद्यतेमेरी ॥मा०॥वलीघ रिआव्योहोकेचारीत्रमुकी ॥ मा० ॥ देवताश्जाण्यूंहोकेगलिउमुकी ॥ मा० ॥ ९ ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिवरसावें ॥मा० ॥ वांधवचोल्याहोकेकिमफिरी आवे ॥ मा० ॥ अवगुणथाअम्होकेकिमनवीजाणें ॥ मा० ॥ एहनुवयणतेहो केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजावुदिशें ॥ मा० ॥ के

वाणीएसार ॥ ८४ ॥ श्री० ॥ अरहदत्तनसापेपरीजन ॥ [illegible]
रु ॥ अरहदत्तचितेएमरणथी ॥ अधिकीबानविचारु ॥ [illegible]
णिउपायनहिवीजोएहनो ॥ निणेहाकारकहायो ॥ [illegible]
दपो ॥ मोहनपेसेसायो ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ निश्चयमनकरज्योतुम्हें [illegible]
कुमीत्रवयणमतसूणजे ॥ कुसीलसगत्यजजेइहसबनी ॥ [illegible]
॥ ८७ ॥ श्री० ॥ मुझनेंमतमुकेतूमाहरु ॥ कमुतेकरज्येसाई ॥ [illegible]
मत्रममलआलेप्यु ॥ अरहदत्तनिहागई ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नमरसो [illegible]
लिउजोवा ॥ उपघमत्र्यांतिणे ॥ उज्वलवस्त्रउठामकरीनें ॥ [illegible]
णें ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ देवशकतिथीकोलाहलकरे ॥ सेरवशबतेमुके
पृथवीआलोटीनेंउठे ॥ देवशकतीनवीचुके ॥ [illegible] ॥ श्री० ॥ [illegible]
एठठेखमे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पमीतउत्तमवीजयनोजपे ॥ [illegible]
विलास ॥ ९१ ॥ श्री० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ ढ्ढा ॥ रुपधरीव्याधीरसो ॥ वझकलीमलजबाल ॥ ढरसीमधदयामयो
सीसणअतीसयसाल ॥ ९२ ॥ आपसरीसअठएकसत ॥ व्याधीरूपपरीवार
॥ पापविपाकमानुपरिवस्यो ॥ देवनीशक्तिउदार ॥ [illegible] ॥ अचरिजजनदेखी
इस्यू ॥ कहेअपुरवकोय ॥ दितुनहीनहीदेपस्यू ॥ जोपेंएहवुजोय ॥ [illegible]
रोगरूपकुणेंनिरपीउ ॥ सबरवैद्यसूरवकार ॥ आविउघअवसपरें ॥ पां[illegible]
ढरवनोपार ॥ ९५ ॥ वैद्यपमीवोसोवली ॥ सासेइणिपरेंसास ॥ पापव्याधीहूंपेज
ज्ये ॥ काढितुझसकासि ॥ ९६ ॥ [illegible] केसरमरणोहोकेकाढिकसूवोनेराम
ल ॥ एदेशी ॥ हवेंइमकरजेहोकेजिमएव्याधी ॥ [illegible] ॥
लगेहोकेढुष्टउपाधी ॥ मा० ॥ आरोग्यसूरवनोहोकेदेशतूपाम्यो ॥ मा० ॥
रमनिहोकेव्याधीतेवाम्यो ॥ मा० ॥ [illegible] हवेतुझरजेहोकेइणिपरेंकाम ॥ मा०
मुलउठेंदेहोकेंपापनुगाम ॥ मा० ॥ जेहथीपामेंहोकेसूरवअनत ॥ मा० ॥
नमजरानेंहोकेमरणनझत ॥ मा० ॥ [illegible] ॥ तुझपरेंमुझनेंहोकेइणिइपहीउ ॥
मा० ॥ पापएव्याधीथीहोकेढुरवबझसहीउ ॥ मा० ॥

पाय ॥ मा० ॥ कांयकटलिउंहोकेहवेनवीजाय ॥ मा०॥ ९९॥ शेषटालवा होकेऊअजोग ॥ मा० ॥ वरतूश्णीपरेंहोकेमाहरासोग ॥ मा० ॥ तूपणिउत्तम होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुऊपरेंहोकेंचालोसाय ॥ मा० ॥ ६ ० ० ॥ लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सबरवैद्यकहेहोकेसूणोउछाह ॥ मा०॥ जिनशासनमांहोकेदिक्षालेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥मा० ॥ १ ॥ अनुक्रमेंसघलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुऊजातिनोहोके वाकतेथाय ॥ मा० ॥ सजममुऊथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम होकेजातिथीथाय ॥ मा० ॥ २ ॥ तिणेंल्योसजमहोकेअथवाचालो ॥ मा०॥ माहरीसाथेंहोकेंमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूऊहोकेंसाईशलिधी ॥ मा०॥ दिक्षातुऊपणिहोकेलेंवीसीधी ॥मा०॥३॥ अरहदत्तेंतवहोकेंमाग्युएह ॥मा०॥ कोईकमुनीवरहोकेपासेंलेह ॥ मा० ॥ द्रव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसार्वे॥ मा० ॥ सबरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा० ॥ ४ ॥ केईकदिवसेंहोकेंथई तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेंनिथाहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिंगतेछांमीहो केआव्योगेह ॥ मा० ॥ देवेंजाणोहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पूरवरीतेंहोकें व्याधीकीधो॥मा०॥लोकेंनथोहोकेऊखवऊदिधो॥मा०॥वैद्यनेंपोलेहोकेतसप रीवारा॥मा०॥ लाधोतेहहोकेदैवविचारा॥मा० ॥६॥वैद्यनेंसापेहोकेफिरीरोगआ व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥वैद्यकहेसूणोहोकेकुप थ्यकिवु ॥ मा० ॥ परीजनकहेपरुहोकेऊखशणिलीधु ॥ मा० ॥ ७ ॥ इणेंच रित्रेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा०॥ पणिउपगारीश्होकेमोहटातूम्हे ॥ मा०॥ सब रकहेएहहोकेलेवेदिक्षा ॥ मा० ॥ करीप्रपचहोकेसूरदिशसीक्षा ॥ मा० ॥८॥ व्रतशगविणहोकेलीधुफेरी॥मा०॥शातीकरीगयोहोकेवैद्यतेप्रेरी ॥मा०॥वलीघ रिआव्योहोकेचारीत्रमुकी ॥ मा० ॥ देवताशजाण्यूहोकेगलिउथुकी ॥ मा० ॥ ९ ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिवरसार्वे ॥मा० ॥ वाधववोल्याहोकेकिमफिरी आवे ॥ मा० ॥ अवगुणथाशहोकेकिमनवीजाणें ॥ मा० ॥ एहनुवयणतेहो केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजाखुदिजें ॥ मा० ॥ वो

वाथीएसार ॥ ८४ ॥ श्री० ॥ अरहदत्तनेसापेपरीजन ॥ मरणथीएहवा
रु ॥ अरहदत्तचिंतेएमरणथी ॥ अधिकीवातविचारु ॥ [illegible] ॥ ८
णिउपायनहिवीजोएहनो ॥ तिणेहाकारकहायो ॥ वैद्यकहेमुझकीतो
देपो ॥ मोहनपेसेसायो ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ निश्चयमनकरज्योतुम्हेंउपाय ॥
कुमीत्रवयणमतसूणजे ॥ कुसीलसगत्यजजेइहसबनी ॥ वस्तुनमनवांछुकरजे
॥ ८७ ॥ श्री० ॥ मुझनेंमतमुकेतूमाहरु ॥ कमुतेकरज्येसाई ॥ इमकही
मत्रममलआलेप्यु ॥ अरहदत्तनिहाठाई ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नगरलोकसहु
लिउजोव ॥ उपघमत्र्यांतिणें ॥ उज्वलवस्त्रउठाडकरीनें ॥ मत्रजप्योहर्षें
णें ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ देवशकतिथीकोलाहलकरे ॥ सेरवशब्दतेमुकें ॥
पृथवीआलोटीनेंउठें ॥ देवशकतीनवीचुके ॥ ९० ॥ श्री० ॥ विसमीकर्मे
एठठेरवमे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पमीतउत्तमवीजयनोजपे ॥ पद्मविजयह
विलास ॥ ९१ ॥ श्री० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ ढहा ॥ रुपधरीव्याधीरह्यो ॥ बहुकलीमलजबाल ॥ डरसीगधदयामणो ॥
सीसएअतीसयसाल ॥ ९२ ॥ आपसरीसअठएकसत ॥ व्याधीरुपपरीवर्ते
॥ पापविपाकमानुपरिवर्त्यो ॥ देवनीशक्तिउदार ॥ [illegible] ॥ अचरिजजनदेखी
इस्यू ॥ कहेअपुरवकोय ॥ दिठुनहीनहीदेपस्यू ॥ जोपेंएहवुजोय ॥ [illegible] ॥
रोगरूपकुणेंनिरपीउ ॥ सबरवैद्यसूरवकार ॥ आविउघअवलपरें ॥ पाम्यो
डुखनोपार ॥ ९५ ॥ वैद्यपमीबोह्योवली ॥ सासेशणिपरेंसास ॥ पापव्याधीतूंपेच
ज्ये ॥ काढितुझसकासि ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ केसरमरणोहोकेकाढिकसूबोमेराला
ल ॥ एदेशी ॥ हवेइमकरजेहोकेजिमएव्याधी ॥ मासलाल ॥ फिरीनवीव
लगेहोकेडुष्टउपाधी ॥ मा० ॥ आरोग्यसूरवनोहोकेदेशतूपाम्यो ॥ मा० ॥ पापक
रमनिहोकेव्याधीतेवाम्यो ॥ मा० ॥ [illegible] ॥ हवेतूकरजेहोकेशणिपरेंकाम ॥ मा० ॥
मुलउठेवेंहोकेंपापनुठाम ॥ मा० ॥ जेहथीपामेंहोकेसूरवअनत ॥ मा० ॥ ज
नमजरानेंहोकेमरणनडुत ॥ मा० ॥ ९८ ॥ तुझपरेंमुझनेंहोकेशणिश्यहीउ ॥
मा० ॥ पापएव्याधीथीहोकेडुखबहुसहीउ ॥ मा० ॥ करतांमुझनेंहोकेतासठ

पाय ॥ मा० ॥ कांयकटलिउहोकेहवेनवीजाय ॥ मा०॥ ४४॥ ग्रेपटालवा होकेझअजोग ॥ मा० ॥ वरतूश्णीपरेंहोकेमाहरासोग ॥ मा० ॥ तूपणिउत्तम होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुझपरेंहोकेंचालोसाय ॥ मा० ॥ ६० ॥ लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सबरवैद्यकहेहोकेसूणोउगाह ॥ मा०॥ जिनशासनमाहोकेदिक्षालेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥मा० ॥१॥ अनुक्रमेंसघलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुझजातिनोहोके वाकतेथाय ॥ मा० ॥ सजमसुझथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम होकेजातिथीथाय ॥ मा० ॥२॥ तिर्णेव्योसजमहोकेअथवाचालो ॥ मा०॥ माहरीसार्थेहोकेंमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूझहोकेंसाईशलिधी ॥ मा०॥ दिक्षातुझपणिहोकेलेंवीसीधी ॥मा०॥३॥ अरहदत्तेंतवहोकेंमान्युएह ॥मा०॥ कोईकमुनीवरहोकेपासेंलेह ॥ मा० ॥ द्रव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसावें॥ मा०॥ सबरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा०॥४॥ केईकदिवसेंहोकेंथई तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेंनिबाहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिंगतेगांमीहो केआव्योगेह ॥ मा० ॥ देवेंजाणोहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पूरवरीतेंहोकें व्याधीकीधो॥मा०॥लोकेंनथोहोकेडखवझदिधो॥मा०॥विद्यनेंपोलेहोकेतसप रीवारा॥मा०॥ लाधोतेहहोकेवैवविचारा॥मा० ॥६॥विद्यनेंसापेहोकेफिरीरोगआ व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणोहोकेकुप थ्यकिधु ॥ मा० ॥ परीजनकहेपरुहोकेडखवशणिलीधु ॥ मा० ॥ ७ ॥ इणेंच रित्रेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा०॥ पणिउपगारीश्होकेमोहटातूम्हे ॥ मा०॥ सब रकहेएहहोकेलेवेदिक्षा ॥ मा० ॥ करीप्रपचहोकेसूरदिशसीक्षा ॥ मा० ॥८॥ व्रतशगाविणहोकेलीधुफेरी॥मा०॥शांतीकरीगयोहोकेवैद्यतेप्रेरी ॥मा०॥वलीघ रिआव्योहोकेचारीत्रमुकी ॥ मा० ॥ देवताशजाण्यूहोकेगलिउथुकी ॥ मा० ॥ ९ ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिवरसावें ॥मा० ॥ वांधववोल्याहोकेकिमफिरी आवे ॥ मा० ॥ अवगुणथाशहोकेकिमनवीजाणें ॥ मा० ॥ एहनुवयणतेहो केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजावुदिशें ॥ मा० ॥ बो

ल्योतवतेहोकेविद्यावाविर्से ॥ मा० ॥ लावोंवियनेहोकेकहेस्येजेह ॥ मा० ॥
करस्यूप्रेमेंहोकेसाचुतेह ॥ मा० ॥ ११ ॥ बधवेयोलतांहोकेविठोआना ॥ मा० ॥
कहेमुखनीचुहोकेकरीनेंताम ॥ मा० ॥ मातुकीधुहोकेकिरीयानकरीना ॥ मा० ॥
रोगउपनाहोकेकायाविफरी ॥ मा० ॥ १२ ॥ कहोउपायहोकेसवरतेवोले ॥
मा० ॥ विषयलोलपं होकेएहअतोलें ॥ मा० ॥ उपमहीणोहोकेनहीउपाय ॥
मा० ॥ थास्येआगलिहोकेवडुअपाया ॥ मा० ॥ १३ ॥ नरकतिरीनाहोकेदूखवडु
खमस्यें ॥ मा० ॥ पुठोएहनेंहोकेजुउंकायगमस्यें ॥ मा० ॥ तूमआपहुंहीहोके
करुवलीसाजो ॥ मा० ॥ मुकस्यूहिमेंहोकेतोरहेताजो ॥ मा० ॥ १४ ॥ जईसस
ब्युहोकेमान्युप्रांणें ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसुणिहोकेहवेममभाणें ॥ मा० ॥ जेजे
ढंकडुहोकेतेतेकरज्ये ॥ मा० ॥ मुकथीअलगोहोकेपणमतरहेज्ये ॥ [illegible] ॥
मा० ॥ हाहासणतोहोकेकीउंनीरोगी ॥ मा० ॥ लोकेंसाप्योहोकेमचएसोगी ॥
मा० ॥ वैद्येंआप्योहोकेकोयलोहार्थे ॥ मा० ॥ नयरथीनीकल्योहोकेलेईनें
सार्थे ॥ मा० ॥ १६ ॥ ढठेखमेंहोकेसापीढाल ॥ मा० ॥ एएकवीसमीहोके
वातरसाल ॥ मा० ॥ दोहिलोवुकेहोकेडरलसबोही ॥ मा० ॥ पणितसदेवताहो
केकरस्येसोही ॥ मा० ॥ १७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ गांमांतरहवेतेगया ॥ सूरमायाकरेसार ॥ धुवतणाअधारथी ॥ द
ष्टिडखदातार ॥ १८ ॥ वसफूटेज्वालावली ॥ मुकचलेअसमांन ॥ वलतुमा
मबताबीनें ॥ चाल्योतेहअचान ॥ १९ ॥ तृणसारोशिरतोलीनें ॥ अरहदत्त
कहेआंम ॥ उंहाश्वणथीअगनी ॥ कहोकिमकरोएकाम ॥ [illegible] ॥ सूरक
हेतूइमसमझणो ॥ अगनीनबुकेइम ॥ देहइथणलेईदाहमां ॥ कहोघरिजाइके
म ॥ २१ ॥ क्रोधअनलजिहांकिणघणी ॥ आवेपवनअन्नाण ॥ वडुप्राणीवं
लतातीहां ॥ नवीआवेतूकनाण ॥ २२ ॥ बोलीनसक्योवापडो ॥ पणिनबीदु
ख्योपहाण ॥ आगलिचालीआविआ ॥ महोकमकरीमडाण ॥ २३ ॥ [illegible] ॥
बलीहारीरेतूकवेषनीरे ॥ एवेशी ॥ हारे२देवतारे ॥ उनमारगतिहांचालीउरे ॥
कटकाकुलसूगमरेलाल ॥ किमपथथीकुपर्वेवजोरे ॥ अरहदत्तकहेतामरेला

ल ॥ २४ ॥ गुरुआज्ञातनमतकरोरे ॥ एआंकणी ॥ हरि२देवकहेतूजाणेंइम
षरूरे ॥ नविजाईइउनमग्गरेलाल ॥ तोकिममोक्षमारगतजीरे ॥ किमसंसार
मालग्गरेलाल॥२५॥गु०॥हरि२दे०॥इमसूणीमौनकरयुतिणेंरे॥पणिनवीबुझयो
तेहरेलाल ॥ आगलिजायतवदेखतोरे॥ सूअररूपकरेहरेलाल॥२६॥गु०॥ हा
रे२दे० ॥ विविधजातिकणकूमनेंरे ॥ ठामीअशुचीदुर्गंधरेलाल ॥ विष्टास्यूरा
चिरसोरे ॥ करीगाढोप्रतिबधरेलाल ॥ २७ ॥ गु०॥ हरि२दे०॥ अरहदत्तदेषी
वदेरे ॥ अहोएहनोअविवेकरेलाल ॥ कणमुकीविष्टासषेरे ॥ सूरकहेसूणितू
ठेकरेलाल ॥ २८ ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ कहेतूजाणेंठेपरोरे ॥ तेकहेस्यूझअ
जाणरेलाल ॥ सुरकहेमुनीसुखठामीनेंरे ॥ तूकिमथयोअन्नाणरेलाल ॥ २९॥
॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ अशुचिविषयदुर्गंधीआरे ॥ तेहमातूझबहुमानरेलाल॥
सांसलीमौनकरीरसोरे ॥ पणिनवीबुझयोअज्ञानरेलाल ॥ ३० ॥ गु० ॥ हा
रे २ चालतारिएकगामेंजईनेंरसारे ॥ देवकूलमांधरीप्रीतीरेलाल ॥ तेवत
रहेठोपमेरे ॥ लोकदेखेविपरीतरेलाल ॥ ३१ ॥ गु०॥ हारे२दे० ॥ लोकवेश्या
रेथानीकेरे ॥ वलितेपमतोहेठरेलाल ॥ वली२पमेमुकेवलीरे ॥ एहनीतिहांगई
हेठरेलाल ॥ ३२ ॥ गु० ॥ हरि २ बोलतोरेअरहदत्तएमुरखोरे ॥ किम
पमेहेठोएहरेलाल ॥ अर्चापुजानवीआदरेरे ॥ तवसूरबोलेतेहरेलाल ॥ ३३ ॥
॥ गु० ॥ हरि२तूकिमरेजाणेठेएहवुखरुरे ॥ तेकहेएहमांकायरेलाल ॥ सुर
कहेतोतूविचारजेरे ॥ सजमठोमीपलायरेलाल ॥ ३४ ॥ गु० ॥ हरि२सुरशि
वरेगतीपूजनीकतेठोमीनेंरे ॥ नरकादिकनोउपायरेलाल ॥ करतोकिमजाणेंन
हीरे ॥ सांसलीमौनतेथायरेलाल ॥३५॥ गु०॥ हरि२देवतारेमायाएकविकुर्व
तोरे ॥ झीझूउचारीअनंतरेलाल ॥ पेअसरयुठेतेहनुरे ॥ कुपकएकतसअतरे
लाल ॥-३६-॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ सुकोविषमजग्याघणीरे ॥ तिहांएकलेस
प्रवालरेलाल ॥ एकवलदतिहापायवारे ॥ चारिमुकिअसरालरेलाल ॥ ३७ ॥
गु० ॥ हरि२दे० ॥ जातांलमथमीनेंपम्योरे ॥ सागांअगउपांगरेलाल ॥ देषी
अरहदत्तवोलीउरे ॥ अहोएवेलविरगरेलाल ॥३८॥गु०॥हरि२दे०॥ झीझूआ

चारीनेंगामिनेरे॥ किहांपावाएजायरेलाल ॥ सुरकहेजाणेंतूंवरोरे ॥ तेकहेएत लूनगायरेलाल ॥ ३९ ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ किमतूसूरसुखगामिनेरे ॥ जेह ऊंझूमईचारिरेलाल ॥ एकप्रवाललवचारीपारे॥ माणससुखअवधारेलाल ॥ ॥ ४० ॥ गु० ॥ हरि२दे० ॥ तसअसीलाखाइआतमारे ॥ किमपामेइरमती कुपरेलालातेसूणीकर्मसंचयगल्योरे॥चितवेइमसरुपरेलाल॥४१॥गु०॥हरि२ जाणिइरेएहमाणसनहीदेवतारे॥मुझकहेइमवारवाररेलाल ॥ बालरुंगीसस्खाम तोरे ॥ साइपणएहविचाररेलाल ॥ ४२ ॥ गु० ॥ हरि २ पुडुंएरेनासप रमारथएहनेंरे ॥ चितवीपुछ्युतामरेलाल ॥ तूकुंणछेमुझसाईपरेंरे ॥ बालसूख वेआमरेलाल ॥ ४३ ॥ गु० ॥ हरि २ देवतारेकहेझूपरजायांतरेरें ॥ अरहे कदत्ततूजाणिरेलाल ॥ अरहदत्ततवबोलीउरे ॥ कहोप्रत्ययअहीनाणरेलाल॥ ॥ ४४ ॥ गु० ॥ हरि २ दे० ॥ कहेआपणविझइमलिरे ॥ वैताढ्यपर्वतगाम रेलाल ॥ कुमलजुगलजेथापीउरे ॥ प्रतीबोधननेंकामरेलाल ॥ ४५ ॥ गु० ॥ हरि २ देवतारेकहेदेषामुतुझनेंरे ॥ मानीअरहदत्तेंवाणिरेलाल ॥ दिव्यसरुप करीलेईगयोरे ॥ देषाम्यातिणेंगाणिरेलाल ॥ ४६ ॥ गु० ॥ हरि २ तेहनेंरेकु टकूमलसझदेषीनेंरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेलाल ॥ उपनुकर्मविचित्रथीरे ॥ जा ग्युसाम्यप्रधानरेलाल ॥ ४७ ॥ गु० ॥ हरि २ तेहवेरेसावथीदिक्षाआदरेरे ॥ देषषमावीतामरेलाल ॥ निजथानिकगयोदेवतारे ॥ करीनीजसघलूकामरेला ल ॥ ४८ ॥ गु० ॥ हरि २ तेहमरिपुरोहीतसूतझजाणजेरे ॥ धरणसूणोमुझ बातरेलाल ॥ विराधकप्राणीतणारे ॥ नहीतूझसमअवदातरेलाल ॥ ४९ ॥ गु० ॥ हारे २ जेहोइरेअविराधकप्राणीसलारे ॥ तेसूरवेंकरेंनिरवाहरेलाल ॥ विषेसं जमतुम्हेआदरीरे ॥ तरोसचारअगाहरेलाल ॥ ५० ॥ गु० ॥ हरि २ रुअमीरे ठगेरवमिएकहीरे ॥ वाविसमीवरडालरेलाला॥ पद्मकहेमोताघरेंरे ॥ होयोमंगल मालरेलाल ॥ ५१ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ढ्ढा ॥ करजोडीधरणोकहे ॥ आणिकरूअणगार ॥ ससलावुंमाबीमसबे ॥ उत्तमतूमअधीकार ॥ ५२ ॥ बुझेजोपुण्यजबलें ॥ मुनीकहेसूर्वेमहासाम ॥

बुझ्यामीत्रलेईबझ ॥ वहेलोतेवमसाग ॥५३ ॥ आविमावीत्रआगलें ॥ आला प्योअधीकार ॥ बुझ्यांवझमानेंनही ॥ सारोएसआर ॥ ५४ ॥ जननीमीत्र जनकवली ॥ विधीपूर्वकवमवीर ॥ व्रतसझसार्थेसपहे ॥ धरणोसाहसधीर ॥ ॥ ५५ ॥ अरहदत्तगुरुआदरें ॥ सिपाव्यावझसूत्त ॥ किरीयापणिवझविधक रे ॥ गितारथगुरुगुत्त ॥ ५६ ॥ ढाल ॥ गोवाठरुआचारति ॥ आहिरनोअव तार ॥ रूमुगोकलीउ ॥ एदेशी ॥ एकलमलपमीमासणी ॥ जोग्यथयारीषीरा य ॥ ड करतपकारी ॥ श्ठाकरतांतेहनी ॥ आणागुरुनीथाय ॥ ५७ ॥ ड० ॥ सावीतेहनीसावना ॥ तपसूत्रादिकजेह ॥ ड० ॥ एकल्लविहारअगीकस्यो ॥ विहारकरेरीपीतेह ॥ ५८ ॥ ड० ॥ एकरातिगामेंवसे ॥ नयरेंवसेपचराति ॥ ड० ॥ तामलीप्तिपुरीआविआ ॥ काउसग्गेमुनीठात ॥ ड०॥५९॥ वातसूणो लषमीतणी ॥ काढिदेवपुरवाहर ॥ड०॥ सूवचनेंपोलीतदा ॥ करीप्रयत्नअपार ॥ ६० ॥ ड० ॥ नदिवर्द्धनगामझे ॥ थयोबिझनोसजोग ॥ ड० ॥ निजरूपे लेईगयो ॥ सोगवतोसूखसोग ॥ ड० ॥ ६१॥ कोईककालव्यतीक्रमें ॥ सार्थि लेईतिनारि ॥ ड० ॥ तामलिप्तिपुरवाहिरें ॥ उतरीउपरीवार ॥ ६२॥ ड० ॥ फि रति२तिहागई ॥ लठीजिहांमुनीराय ॥ ड० ॥ उलपीयारीपीराजनें ॥ मनमांवझषेदाय ॥ ६३॥ड० ॥ पापकरमनाजोरथी ॥ क्रोधलहीमनमांहि ॥ ॥ड०॥वज्रघातपरेंतेथई ॥ चितेकिमएआहि ॥६४॥ड०॥ दिठोमेंमुझपापथी॥ कांयकदेउकलक ॥ ड० ॥ कठासर्णत्रोमीठवु ॥एहनीपासनी सक ॥ ६५ ॥ ड० ॥ कोलाहलकरस्यूपठी ॥ ठरस्येंतवएचोर ॥ ड० ॥ चमसासनठेसूपती॥ हणस्येंएश्णठोर ॥ ६६ ॥ ड० ॥ सिक्षुरूपेंपहीचोरने ॥ लोप्रसहितहण्याका ल ॥ ड० ॥ लिंगीपणचोरीकरे ॥ एहप्रसिद्धीसालि ॥ ६७ ॥ ड० ॥ जिममन चिंत्यूतिमकस्यु ॥ आव्योघाईकोटवाल ॥ ड० ॥ आविमुनीवोलाविआ ॥कां यकउत्तरआलि ॥ ६८ ॥ ड०॥ नविवोलेजवतेरीपी ॥ सूपणपोलेंताम ॥ड०॥ छिन्नकेंककर्णपासेंपम्यु ॥ दिठुदूरनठाम ॥ ६९ ॥ड०॥ नयरीजनवोलावीआ॥ वातदेपामीतेह ॥ ड० ॥ नरपतीनेंजईविनव्यो ॥ चोरअपुरवएह ॥ ७० ॥

ऽ० ॥ विस्मितवोलेसूपती ॥ पोलिकरीपरीरिति ॥ऽ० ॥ नारीएहमेंतवतिहां ॥ पुढेपुरवनीती ॥७१॥ऽ०॥ नविबोल्याजवतेमुनी ॥ तवउपनोतसकोप ॥ऽ०॥ अहोकपटवेसेंरसो ॥ नवीबोल्येकरीलोप ॥ ७२ ॥ ऽ० ॥ नारएचानकला वीआ ॥ शुलीइदिधोसाध ॥ ऽ० ॥ करेचमालउदघोषणा ॥ सूणोपापअनाथ ॥ ७३ ॥ ऽ० ॥ साधुवेसेंचोरीकरी ॥ तिणेएमारयोजाय ॥ ऽ० ॥ बलिको ईकरस्येइणिपरें ॥ तसपणिवधइमथाय ॥ ७४ ॥ऽ० ॥ तपपरसार्वेमुनीत णें ॥ शूलीधरतीमांहि ॥ ऽ० ॥ पेठीमुनिविध्यानही ॥ कूसूमवृष्टीथईत्यांहि ॥ ७५ ॥ ऽ०॥ धर्मतेजयवतोअछे ॥ इमथईलोकमांवाणि ॥ ऽ० ॥ रायनेंमई वधामणी ॥ आव्योनृपतेगाण ॥ ७६ ॥ऽ० ॥ हरषेंकरतोवदना ॥ पुछेविस्म यवाता॥ऽ० ॥ किमएस्वामीनीपनु ॥ सापोमुझअवदात ॥ ७७ ॥ऽ० ॥ नवि बोल्याजवतेमुनी ॥ तवनरकहेपरधान ॥ ऽ० ॥ व्रतविशेषवतारीषी ॥ नक रेउत्तरदान ॥ ७८ ॥ ऽ० ॥ ढेरखमिएकही ॥ त्रेवीसमीवरढाल ॥ दू० ॥ स मरादित्यनारासमां ॥ पद्मनेंमगलमाल ॥ ७९ ॥ऽ० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ऽहा ॥ पुछोतेनारीप्रतें ॥ तवनृपमुकेतलार ॥ नाठीलोकवचनसूणी ॥ नवि लाधीतेनारि ॥ ८० ॥ नृपनेंकहेतेनवीजमी ॥ सूपतीकहेतवसास ॥ सोवि करोसम्यगपरें ॥ तवपोलणगयातास ॥ ८१ ॥ आरामशून्यउद्यानमां ॥ दे वकूलेंनवीदीठ ॥ पणितससर्त्तापिषीठ॥ नासतोयोनीठ ॥ ८२ ॥ कोढवालेंप कमीकरी ॥ नृपनेंआण्योनयण ॥ पकम्योनारीतणोपती ॥ सेठएलहोसुबय ण ॥ ८३ ॥ नारितोइणिनगरीनथी ॥ नासतापकम्योनाथ ॥ तुममनमामें तिमकरो ॥ हेंसऊतुमचेहाथि ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ साहिबामोतिथोमेंहमा रो ॥ एदेशी ॥ सूपकहेतुझकिहांछेनारि ॥ तेकहेऊनजाणनीरघार ॥ साहिबा तुम्हेंसूणज्योसाचु ॥ मोहनांतुमेसूणज्यो ॥ एआंकणी ॥ रायकहेतोनाठो केंम ॥ तेकहेसयलहीनाठोइम ॥ ८५ ॥ सा० ॥ विणअपराधेंसयकिमला गो ॥ सूपपुछ्यापछीकहेएकआगो ॥ सा० ऽष्टनारीमहीदूखनुमुल ॥ तेहज मुझअपराधअतूल ॥ ८६ ॥ सा० ॥ असयदिउंतुझनेंनृपसाथे ॥ जोमुझ

ष्यतीकरसघलोदापे ॥ सा० ॥ कोणरीषीएकोणवलीनारी ॥ सूवयणदेपेतव
अणगार ॥ ८७ ॥ सा० ॥ उलषीआसूनयणेंसरीआं ॥ मुनीवरचरीतदेपीचि
तउरीआं ॥ सा० ॥ विस्मयलहीकहेरायनेंइम ॥ नविकहेवाजेहवुप्रसूनेम ॥
॥ ८८ ॥ सा० ॥ रायकहेसचारएएहवो ॥ एहमाअचरीजलहेवोकेहवो ॥
सा० ॥ सूवयणकहेएकांतकरीजें ॥ तवनृपपरीजनदूरिधरीजें ॥ ८९॥सा०॥
मुनीदिषीनेंघणुपउतायो॥ नृपनेंकहेकृपापेंसरायो॥ सा०॥ पुरषस्वानकुपुरुष
मजाणो ॥ सत्यसंधामुनिपुरषवषाणो ॥९०॥सा०॥ कृतगुणजाणअपरउपगा
री ॥ व्रतधरयुसर्वअकारजवारी ॥ सा०॥ एहमासर्ववातमुझसापी ॥ रायआग
लिपुरीनवीदापी ॥ ९१ ॥ सा०॥ तुझसमपुरुषतेस्वाननकहिइ ॥ प्रस्तुतवातक
होजिमलहिइ ॥ सा० ॥ वातकहीतवसघलीजाम ॥ नरपतितूटमांनथयोता
म ॥ ९२ ॥ सा० ॥ मुक्योसूवयणमुनीनमीचाल्यो ॥ आर्यमगुपासेंमीथ्यात
टाल्यो ॥ सा० ॥ धर्मसांसलीकरयोपश्चाताप ॥ घरणनेंरागेंश्रमणथयोआप
॥ ९३ ॥ सा० ॥ नरपतीप्रणमीमुनीवरपाय ॥ हरषेंनीजसूवनेंतेआया॥सा०॥
सयपांमीतीहांनाठीलपमी ॥ जातावाटिपमीतीहांविपमी ॥ ९४ ॥ सा० ॥
लुटयांवस्त्रासरणतेचोरें ॥ रातिपाठिलीएकजपोहरें ॥ सा० ॥ पोहतीनामकुस
स्थलगाम ॥ तसनरपतीमाम्युएककाम ॥ ९५ ॥ सा० ॥ राणीनेंविघननिवा
रणमाटे ॥ पुरोहितगामवाहिरइणवाटें ॥ सा० ॥ अगनीकरीचोवटेचरूरांधें ॥
चोकिमुकीचिहुदिशवांधें ॥ ९६ ॥सा०॥ नखसेदिततडलकरीमुक्या ॥ मत्र
जापकरतांनवीचुक्या ॥ सा० ॥ इणअवशरदेपीतेज्वाला ॥ इणमारगआवी
सावाला ॥ ९७ ॥ सा० ॥ उतरयोसाथजाणीनेंआवी ॥ दिठीदिशापालेंतवठा
वी ॥ सा० ॥ सीवारुतनेंलगतीदेषी ॥ सयपाम्यारापसणीलेषी ॥ ९८ ॥सा०॥
यत्न्यापगनेंपमीकरवाल ॥ करकप्यामानुजिवितसाल ॥ सा० ॥ पमीआधर
तीतवनेनारी ॥ वोलेमतविहोमनहारी ॥ ९९ ॥ सा० ॥ हुबुमनुष्यणीइमकही
आवे ॥ पुरोहितपासनगननेंसार्वे ॥ सा० ॥ देपीधीर्यधरीतसकेश ॥ पकमी
कहेविहोमतलेश ॥ ७०० ॥ सा० ॥ दिशापालतवउठीआया ॥ बाधीनयर

ऽ० ॥ विस्मितबोलेसूपती ॥ पोलिकरीपरीरिति ॥ऽ० ॥ नारोएहनेंतवतिहां ॥ पुढेपुरवनीती ॥७१॥ऽ०॥ नविबोल्याजवतेमुनी ॥ तवउपनोसकोप ॥ऽ०॥ अहोकपटवेसेंरसो ॥ नवीबोल्येकरीलोप ॥ ७२ ॥ ऽ० ॥ नारएकानकला वीआ ॥ शुलीइदिधोसाध ॥ ऽ० ॥ करेचमालउदघोषणा ॥ सूणोपापअनाथ ॥ ७३ ॥ ऽ० ॥ साधुवेसेंचोरीकरी ॥ तिणेंएमारयोजाय ॥ ऽ० ॥ बलिको ईकरस्येइणिपरें ॥ तसपणिवधइमथाय ॥ ७४ ॥ऽ० ॥ तपपरसावेंमुनीस णें ॥ शूलीधरतीमांहि ॥ ऽ० ॥ पेठीमुनिविध्यानही ॥ कूसूमवृष्टीवर्ष्यांहि ॥ ७५ ॥ ऽ०॥ धर्मतेजयवतोअढे ॥ इमथईलोकमावाणि ॥ ऽ० ॥ रायनेंगई वधामणी ॥ आव्योनृपतेठाण ॥ ७६ ॥ ऽ० ॥ हरषेंकरतोवदना ॥ पुढेविस्म यवाताऽ० ॥ किमएस्वामीनीपनु ॥ सापोमुकअवदात ॥ ७७ ॥ऽ० ॥ नवि बोल्याजवतेमुनी ॥ तवनरकहेपरधांन ॥ ऽ० ॥ व्रतविशेषवतारीथी ॥ नक रेउत्तरदान ॥ ७८ ॥ ऽ० ॥ ठठेरखेएकही ॥ चेवीसमीवरढाल ॥ दू० ॥ स म्मरादित्यनारासमा ॥ पद्मनेंमगलमाल ॥ ७९ ॥ ऽ० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ऽहा ॥ पुढोतेनारीप्रतें ॥ तवनृपमुंकेतलार ॥ नाठीलोकवचनसूणी ॥ नवि लाधीतेनारि ॥ ८० ॥ नृपनेंकहेतेनवीजमी ॥ सूपतीकहेतवसास ॥ सोवि करोसम्यगपरें ॥ तवबोलणगयातास ॥ ८१ ॥ आरामशून्यउद्यानमां ॥ दे वकूलेंनवीदीठ ॥ पणितससर्त्तापिषीउ॥ नासतोयोनीठ ॥ ८२ ॥ कोटवालेंप कडीकरी ॥ नृपनेंआण्योनयण ॥ पकड्योनारीतणोपती ॥ सेठएलहोसुबय ण ॥ ८३ ॥ नारितोइणिनगरीनथी ॥ नासतापकड्योनाथ ॥ तुममनमामें तिमकरो ॥ हेंसऊतुमचेहाथि ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ साहिबामोतिमोनेंहवा रो ॥ एदेशी ॥ सूपकहेतुऊकिहांछेनारि ॥ तेकहेऊनजाणनीरधार ॥ साहिबा तुम्हेंसूणज्योसाचु ॥ मोहनांतुमेसूणज्यो ॥ एआंकणी ॥ रायकहेतोनाठो केंम ॥ तेकहेसयलहीनाठोइम ॥ ८५ ॥ सा० ॥ विणअपराधेंसयकिमला गो ॥ सूपपुछ्यापछीकहेएकआगो ॥ सा० ऊटनारीयहीदूस्वनुमुल ॥ तेहज मुकअपराधअतूल ॥ ८६ ॥ सा० ॥ असयविउतूकनेंनृपसाथे ॥ जोमुक

॥ दि०॥ ढ़ा ॥ शांतिकरणश्रीशांतिजी॥समरूसूखदातारा॥प्रणमुसखेसरप्रभू ॥ अमवमीआआधार ॥ १ ॥ सातमोखमसोहामणो ॥ समरादित्यसबध ॥ से नविसेनदोयभ्रातृसूत ॥ पीतराईपरवध ॥ २ ॥ जवुधीपलंखजोअणो ॥ बा रुसारहवास ॥ तिहांचपानयरीतणो ॥ उत्तमठेआवास ॥ ३ ॥ सेसफणासो गजसमो ॥ पोढोठेप्राकार ॥ हिमगिरीशिखरहरावता ॥ सूवनतणोसंसार ॥ ॥४॥ नदनवनवनेंजीतीउ ॥ सरोवरेंमानकासार ॥ महाजनजिहांअमत्सरी॥ दरुघणदातार ॥ ५ ॥ रुपवतरलिआमणी ॥ सूदरघणसुकमाल ॥ लक्षावत महिलातिहां ॥ विनयवतसूविशाल ॥ ६ ॥ अमरसेनअवनीपती ॥ साधीत दिशीवधुसार ॥ ईर्ष्याइआवीवरी ॥ लषमीपणितसहार ॥ ७ ॥ जायातस जयसूदरी ॥ सयलअतेउरसीइ ॥ अनुसवतोतेहस्यूअवल ॥ विषयसोगसू विशिउ ॥ ८ ॥ ढाल ॥ क्रीडाकरीघरिआविउ ॥ एदेशी ॥ इणिअवसरदेवलो कथी ॥ चविउपालीआयरे ॥ धरणजीवतिहाउपनो ॥ स्वपनलहेंसुखदायरे॥ ॥ ९ ॥ इणि ॥ दमकनकमयदिपतो ॥ रयणविसूपीततूगरे ॥ देवदुष्यध्वज लहकतो ॥ गयणसूषणमानुचगरे ॥ १० ॥ इणि ॥ वदनेंउदरमांपेसतो ॥ वि स्मयकारीविचित्तरे ॥ सूर्यउदइदेषीकरी ॥ जागीनीदअतीतरे ॥ ११ ॥ इणि ॥ हर्षेपतिससलावती ॥ कहेतवनरपतीइमरे ॥ सकलनरिंदकेतुशमो ॥ पुत्रथ स्येंतुझनेमरे ॥ १२ ॥ इणि ॥ सांसलीतेहअगीकरे ॥ अनुक्रमेंसाधेत्रिवर्ग रे ॥ उचितसमयसूतप्रसविउ ॥ सूखमातेहनिसर्गरे ॥ १३ ॥ इणि ॥ हरषम तीदासीतदा ॥ दिघवधाइरायरे ॥ दानसतोषनुनृपदिइ ॥ मासएकवहिजाय रे ॥ १४ ॥ इणि ॥ सेनकुमरनामथापीउ ॥ वरसएकथयूजामरे ॥ नरकथ कीहवेनिकल्यो ॥ जिवलढीनोतामरे ॥ १५॥ इणि० ॥ समीउतेहसंसारमां॥ अनतरसर्वेनरथायरे ॥ कांयककष्टकरीतिहां॥नरपतीकुलमाआयरे ॥१६ ॥ इणि ॥ अमरसेननरपतीतणो ॥ साईलघुहरीसेणरे ॥ हारप्रसातससारया ॥ त सकुपेंगर्सेणिरे॥ १७ ॥ इणि० ॥ जवजनम्योतवथापीउ ॥ नामविसेनकुमा ररे ॥ सेनकुमारपहेकला ॥ करतोविसेनस्युप्यारे ॥ १८ ॥ इणि० ॥ पणि

मांलेईसिघाया ॥ सा० ॥ सूपतिनेजणप्युकहेत्यारें ॥ [illegible]
प्रकारें ॥ १ ॥ सा०॥ एहनुमांगएहनेंखवराप्यु ॥ लेईअमुचीमुखमांधराप्यु
॥ सा० ॥ करीयविटवणाअतिहिनिभठी ॥ गांममांचीकाढीनेअपठी ॥ सा०
॥ २ ॥ पेसवानवीपामीकोईगांमे ॥ अटवीमांफिरतीगामगामें ॥ सा० ॥ पुर्व
कर्मनेउदइमारी ॥ गजवरेंपापकरीअतीसारी ॥ ३ ॥ सा० ॥ पुनमसाईअव
नीतेह ॥ घोरपापनांफलछेएह ॥ सा० ॥ सत्तरसागरतेहनुआय ॥ सज्जनपा
लेधरणमुनीराय ॥ ४ ॥ सा० ॥ करीसलेषणाशुसपरीणाम ॥ पादपोपकरेअ
णसणताम ॥ सा० ॥ कालकरीउपनाअणगार ॥ आरणदेवलोकमांअवतार॥
॥ सा० ॥ ५ ॥ चद्रकांतीवीमानेंएह ॥ एकविससागरआयुधरेह॥ [illegible]॥
घरणलछीदपतीनोसाप्यो ॥सवछठेखमेंचीतराप्यो ॥ सा० ॥ चोवीसमीअर्ज
एपुरो ॥ किधोछठोखमसनुरो ॥ ७ ॥ सा० ॥ साद्रवावददशमेंगुरुवारें ॥ वि
सलनगरचोमासुतिवारें ॥ सा० ॥ अढारसेंएकतालावरषें॥ शांतीजीनेस्वरसा
क्षीहरषें ॥ ८ ॥ सा० ॥ विजयसिहसूरीसीशसवायो ॥ सत्यविजयगुरुज
गमागवायो ॥ सा० ॥ श्रीगुरुकपुरविजयतसशीसो ॥ षीमावीजयतसशीस
जगीसो ॥ ९ ॥ सा० ॥ पमीतजीनविजयजयवतो ॥ विद्याविचक्षणसुक्ष
वतो ॥ सा० ॥ उत्तमविजयसुशीससोभागी ॥ तत्वज्ञानमांजसमतीस्वामी ॥
॥ १० ॥सा०॥ उत्तमसमरादित्यनोरास ॥ पद्मविजयकहेलीलविलास ॥सा०॥
सांसलतांहोयमगलमाला ॥ पुण्यमहोदयसुखसुवीशाला ॥ [illegible] ॥
इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपंमीतप्रवरमहत्तमविजयग० शिष्यप० पद्मविजय
ग०विरचितेसमरादित्यचरीत्रेप्राकृत्यप्रबधेधरणलक्ष्मीवधुवरयो सगतयोर्व
ष्टोनरसव समाप्त सर्वगाथाषष्टषमे ॥ ७१२ ॥ उक्तगाथा काव्य ॥ १० ॥
सवइ ॥ १ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७

॥ ६० ॥ ढ्ढा ॥ शांतिकरणश्रीशांतिजी॥समरूसूखदातारा॥प्रणमुसखेसरप्रसू ॥ अमवमीआंआधार ॥ १ ॥ सातमोखमसोहामणो ॥ समरादित्यसबध ॥ से नविसेनदोयभातृसुत ॥ पीतराईपरवध ॥ २ ॥ जबुद्वीपलंखजोअणो ॥ वा रुसारहवास ॥ तिहाचपानयरीतणो ॥ उत्तमठेआवास ॥ ३ ॥ सेसफणासो गजसमो ॥ पोढोठेप्राकार ॥ हिमगिरीशिखरहरावता ॥ सूवनतणोसत्सार ॥ ॥ ४ ॥ नदनवनवनेंजीतीउ ॥ सरोवरेंमानकासार ॥ महाजनजिहाअमत्सरी॥ दकुघणदातार ॥ ५ ॥ रुपवतरलिआमणी ॥ सूदरघणकुकमाल ॥ लज्जावत महिलातिहा ॥ विनयवतसूविशाल ॥ ६ ॥ अमरसेनअवनीपती ॥ साधीत दिशीवधुसार ॥ ईर्ष्याइआवीवरी ॥ लपमीपणितसल्हार ॥ ७ ॥ जायातस जयसूदरी ॥ सयलअतेउरसीउ ॥ अनुत्तवतोतेहस्यूअवल ॥ विषयसोगसू विशिउ ॥ ८ ॥ ढाल ॥ क्रीडाकरीघरिआविउ ॥ एदेशी ॥ इणिअवसरदेवलो कथी ॥ चविउपालीआयरे ॥ धरणजीवतिहांउपनो ॥ स्वपनलहेंसुखदायरे॥ ॥ ९ ॥ इणि ॥ दमकनकमयदिपतो ॥ रयणविसूपीततूगरे ॥ देवदुप्यध्वज लहकतो ॥ गयणसूषणमानुचगरे ॥ १० ॥ इणि ॥ वदनेंउदरमांपेसतो ॥ वि स्मयकारीविचित्तरे ॥ सूर्यउदइदेपीकरी ॥ जागीनींदअतीतरे ॥ ११ ॥ इणि ॥ हर्षेपतिसतलावती ॥ कहेतवनरपतीइमरे ॥ सकलनरिंद्रकेतुशमो ॥ पुत्रथ स्येंतुझनेमरे ॥ १२ ॥ इणि ॥ सांसलीतेहअगीकरे ॥ अनुक्रमेंसाधेत्रिवर्ग रे ॥ उचितसमयसूतप्रसविउ ॥ सूखमातेहनिसर्गरे ॥ १३ ॥ इणि ॥ हरपम तीदासीतदा ॥ दिधवधाइरायरे ॥ दानसतोपनुनृपदिइ ॥ मासएकवहिजाय रे ॥ १४ ॥ इणि ॥ सेनकुमरनामथापीउ ॥ वरसएकथयूजामरे ॥ नरकथ कीहवेनिकल्यो ॥ जिवलठीनोतामरे ॥ १५ ॥ इणि० ॥ समीउतेहसचारमां॥ अनतरसर्वेनरथायरे ॥ कांयककष्टकरीतिहा॥नरपतीकुलमाआयरे ॥ १६ ॥ इणि ॥ अमरसेननरपतीतणो ॥ साईलघुहरीसेणरे ॥ हारप्रसातसत्सारया ॥ त सकुपेंगर्सेणिरे ॥ १७ ॥ इणि० ॥ जवजनम्योतवथापीउ ॥ नामविसेनकुमा ररे ॥ सेनकुमारपहेकला ॥ करतोविसेनस्युप्यारे ॥ १८ ॥ इणि० ॥ पणि

नहिसेनस्युंतेहनें ॥ इमकरतांकेईकालरे ॥ इकदिनजय २ रवचयो ॥ कुल
मट्टीसुविशालरे ॥ १ ॥ इणि० ॥ सूरसिंहविद्याधरचक्री ॥ व्यापीरसोआ
कासरे ॥ रायपुठेनिजपुरुषनें ॥कहोएकिस्योंप्रकासरे ॥ २० ॥ इणि० ॥ स
बरकरीप्रतीहारते ॥ सापेतासनीदानरे ॥ इणनयरीमांपांमीआं ॥ साधकीकेव
लज्ञानरे ॥ २१ ॥ इणि० ॥ जाणेंलोकालोकना ॥ प्रणिकालनासावरे ॥ सूर
विद्याधरवंदनथुणें ॥ सांसलीनरपतीतावरे ॥ २२ ॥ इणि० ॥ हरषीचाल्योवां
दवा॥ आव्योउपाश्रयद्वारे ॥ तोरणथंभनेपुतली॥ज्यूंविद्युतझातकारे॥२३॥
॥ इणि० ॥ किहांयकफटिकविद्रुमकिहां ॥ किहांयकचामरस्वेतरे ॥ ध्वज
शिरउपरफरकतो॥कनकांकिकिणीसमवेतरे ॥ २४॥ इणि०॥ वंदनामणिइपर
वस्यां ॥ तिमआवीकासमुदायरे ॥ श्रीसमकुपेंसोसता ॥ गुरुणीतिहांदेषायरे
॥ २५ ॥ इणि० ॥ सवसायरतरियाजिके ॥ गुणमणीरयणसमारे ॥ ससीज
मवयणओसामली ॥ नासीततमअंधकारे ॥ २६ ॥ इणि० ॥ स्वेतांबर
थीसाझणी ॥ स्तवनासुपतीतामरे ॥ कुसुमवरसीकरेधुपनें ॥ करेपचांमप्र
णामरे ॥ २७ ॥ इणि० ॥ वेठोधर्म्मश्रवणसणि ॥ धर्मकथाकहेजामरे ॥ आ
व्यादोयतिणेंसमे ॥ सारथवाहसूततामरे ॥ २८॥इणि०॥ बधुदेवआगरनामें॥
लेईनीज २ नारिरे॥परमगुरुप्रणमीकेरी॥साझणीप्रणमेआरे॥२९॥इणि०॥
मेरवमेढालपापहेलीपापनीवारेरे॥पद्मविजयकहेसांसलो॥सुणतांजय २ कारे
॥ ३० ॥ इणि० ॥ ढहा ॥ सागरकहेनृपसांसलो ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ अ
दसूतएकदिठुअम्हे ॥ सांसलज्योतससेद ॥ ३१ ॥ सांसलताविस्मयथस्ये ॥
रहिनसकुंकराज्य ॥ विस्मयप्रेरयोविसमी ॥ अर्थनजाणकआज ॥ ३२ ॥
पुछुएसगवतीप्रतें ॥ ठावोनृपकहेठीक ॥ असंसाध्यअद्भुतकिस्यू ॥ तेसा
षोतहकीक ॥ ३३ ॥ सागरकहेमुझसहचरी ॥ हार्येषोयोहार ॥ अतितकाल
कोईउपरें ॥ विसरीउइणवार ॥ ३४ ॥ आजसोजनकरीआवीउ ॥ चित्रसा
लीचीत्रकार ॥ एकथयुअचरीजइहां ॥ साषुतेअधीकार ॥ [illegible] ॥ ढाल ॥
अरज २ सुणोनेंरूमाराजीआहोजी ॥ एवेशी॥ एहवे २ [illegible]कचिप्रमा

होजी ॥ लेवेउचोरेसाथ ॥ पिएमां२कोटिहलावतोहोजी ॥ किघोपिढविला
स ॥ ३६ ॥ एह ॥ पाष २ पपेरीउतरयोहोजी ॥ रातांवस्त्रमाहार ॥ मुकि २
गयोनिजथानिकेंहोजी ॥ झंउचित्रप्रकार ॥ ३७ ॥ एह ॥ देषी २ विस्मय
उपनोहोजी॥कहोएस्यूकहेवाय॥ एहवे २ जय २ रवथयोहोजी ॥ कुसुम
दृष्टितेथाय ॥ ३८ ॥ एह ॥ सूरवर२विद्याधरमल्याहोजी ॥ सासलीलोकनी
वाणि॥ पाम्यांपाम्यांकेवलसाझणीहोजी ॥ आव्योझइणठाण ॥ ३९ ॥ एह॥
बोले २ नरपतीसासलोहोजी ॥ साचुअचरीजएह ॥ एहवु २ ससवीश्नही
होजी ॥ पुछेसगवतीनेह ॥ ४० ॥ एह ॥ साषे २ तवतेहसाधवीहोजी ॥ ए
हमांअचरीजकाय ॥ करमें २ स्यूनवीससवेहोजी ॥ नियमासफलांतेथा
य ॥ ४१ ॥ एह ॥ जेहवा २ शुसाशुसवाधीआंहोजी ॥ तेहवाउदश्रेथाया॥
अशुसें २ जलअगनीहोश्हेजी ॥ न्यायतेथायअन्याय ॥ ४२ ॥ एह॥
चद २ तिमीरहेतूहोश्हेजी ॥ धरमाथीमरीजाय ॥ अर्थ २ अनर्थमीत्रवेरी
उहोजी ॥ नसथीअगनीवरयाय ॥ ४३ ॥ एह ॥ शुसथी २ विषअमृतहो
श्हेजी ॥ डरिजनसज्जनहोय ॥ अपजस २ तेजसनीपजेहोजी ॥ नहएे
जुधमांकोय ॥ ४४ ॥ एह ॥ पामें २ आंचितीसपदाहोजी ॥ सूणीबोलेनर
नाह ॥ कोहना २ कर्मनीपरणीतीहोजी ॥ बोलेसाझणीराह ॥ ४५ ॥ एह ॥
माहरा २ कर्मनीपरणतीहोजी ॥ बोलेतामसूपाल ॥ किमते २ स्यूनिमीत्तक
होहोजी ॥ साझणीसापेरयाल ॥ ४६ ॥ एह ॥ जबु २ द्वीपनालरतमांहो
जी ॥ सुखवर्द्धननाम ॥ नयर २ सपपालसूपतीहोजी ॥ धनसार्थपउद्दाम ॥
॥ ४७ ॥ एह ॥ धन्या २ तेहनेंसारजाहोजी ॥ दोयपुत्रछेतास ॥ धनपती २
धनावहनामथीहोजी॥पुत्रीधनसिरीपास ॥ ४८ ॥ एह ॥ जाणो २ तेझराजी
आहोजी ॥ परणावीपुरमांहि ॥ तातें २तिहांसोमदेवनेहोजी ॥ सरताउपरत
ताहि ॥ ४९ ॥ एह ॥ सोग २ नीवातलहीनहीहोजी ॥ उपनोमुझनीरवेद ॥
चद २ कांतासीधसाझणीहोजी ॥ पाउधास्यांगतपेद ॥ ५० ॥ एहा॥सपीश२
मुझजणव्युजंदाहोजी ॥ गईझंवदनकाम ॥ जिनघरे २ दिठातेगुणीहोजी ॥

सुदरपणिदसोकाम ॥ ५१॥ एह ॥ कला२कुसलमांनीनहीहोजी ॥ [illegible]
परेजेह ॥ धरम २ कहेतीश्रावीकासणीहोजी ॥ विस्मयपयोमुणमेह [illegible]
एह ॥ पेठी २ जीनघरमांतवाहोजी ॥ घटाचालीमेहाथि ॥ दिवो २ करी
फूलवरसीआंहोजी ॥ पुजीपमीमाजीननाथ ॥ ५३ ॥ एह ॥ धुप २ करीम
सूवदिआहोजी ॥ आविगुरुणीनेपास ॥ प्रणमी २ धर्मलाससतिणेंदिउहोजी ॥
बेठीताससकास ॥ ५४ ॥ एह ॥ पुछे २ मुझतूम्हेंकिहांथकीहोजी ॥ म्हेंक
हुश्हाथीआय ॥ साप्यो २ सपीश्माहरोहोजी ॥ जनकजननीगाय ॥५५॥
एह ॥ करमें २ परणीतपीणेंहोजी ॥ सरतामरणतेपामी ॥ नियम २ उपवा
सबहुकरेहोजी ॥ मनवैराग्यप्रकाम ॥ ५६ ॥ एह० ॥ देह २ मीगालेंशिपरें
होजी ॥ सांसलीतुमवीरतत ॥ सक्ति २ आवीवदवाहोजी ॥ माविताश्रावि
लहत ॥ ५७ ॥ एह ॥ खम २ सातमेवीजीकहीहोजी ॥ उल्लासेंएहडाल ॥
पमीत२उत्तमवीजयनोहोजी ॥ सापेपद्मएबाल ॥ ५८ ॥ एह ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढहा॥साधवीकहेसारुकस्यु ॥आव्यांतूम्हेंईहांआज॥वलीवैराग्यघणोवहो ॥
करतांआतमकाज ॥ ५९॥ एससारअसारछइ ॥ दुखसाजनदुखदाय॥ धर्म
कहेतेघरमिणी ॥ परिणम्योतासपसाय ॥ ६० ॥ विरतीदेशथीपमीवजी ॥
केतोकवितोकाल ॥ जननीजनकजमघरिगयां ॥ चितव्यूचित्तविचाल ॥
६१ ॥ साधुपणलेउसखर ॥ पुछुभातनेप्रेम ॥ तेकहेघरमांहितमे ॥ नवोचाई
किमनेम ॥ ६२ ॥ जिनवरघरनीपजाविउ॥ रहिनेघरआवास ॥ प्रतीमासरा
वीपरवमी ॥ करुनिजज्ञानप्रकास ॥ ६३ ॥ फूलवलीचदनगधफल ॥ द्रव्य
नोव्ययतेदेषि ॥ सोजाईमनसावेनही ॥ करकरकरेअतीरेष ॥ ६४ ॥ ढाल ॥
पीउजी२नामजपुदिनरातीआं ॥ एदेशी॥ म्हेंमनचितव्यूसाईचित्तजोउषरो॥
स्यूमूकएहस्यूकामहवेरयणीपरी ॥ पोहररातेतेवाससूवनआगलिरही ॥ धन
पतीआव्योवाससूवनमांगहगही ॥ ६५ ॥ जिमसाईसासलेंसोजाईनेंतिमक
हे ॥ धर्मदेशनामिसथीजीमशसयलहे॥ सामीराषज्येआपणीस्यूकहिश्घणक॥
सांसलीचितवेतासपतिकुशीलपणक ॥ ६६ ॥ सुगनीजुउनसासेतिणेंएहवीस

स्यु ॥ आवीजवतेनारिवदनअवलूकस्यु ॥ पायउंलासीदिवोसमारीतबोलघरें॥ नारीनीवारीमतशय्यापरपगघरे ॥ ६७ ॥ मनाचिंतेंस्त्रीहासीमुऊकरताहस्यें ॥ जवसूतीतवसरतारउठ्योघसमस्ये ॥ नारीकहेस्यूकारणतवकहेंइणिपरें॥ कां यनहीपणिनीसरमुऊघरबाहिरे ॥ ६८ ॥ साचिंतेमेऊष्कृतकांयकिधूपरू ॥ चितविउठिशय्याथीचित्तआलोचकरू ॥ बऊचिंताअतेपतीनीइावशथयो ॥ सापणिसंसारेमुऊदोषनकोईसयो ॥ ६९ ॥ शोकातूरथईचिंतवेमुऊजिवबुन ही ॥ जिणथीपतिऊहवाश्रअथवाश्रमसही ॥ मरतांसरतानुहोयलघुताईपणू ॥ लोककरेविकल्पआमुंअवलूघणू ॥ ७० ॥ एऊखसहेवाश्रनहीकहोस्यूकी जीइ ॥ अहवानणवमुऊमाहीकामएविजीइ ॥ बुद्धिघणीजुगताजुगतुमुऊसा पस्यें ॥ करस्यूपढेंतेकामनणवलेआपस्यें ॥ ७१ ॥ मनऊखनेंवलीआंपि आंसूधाराबहे ॥ रातिमाहिंपिणमाश्रनानिद्रातेलहे ॥ वाससूवनथकीआमण ऊमणीनीकली ॥ म्हेंपुछ्युतसइणिपरेंकिमरहेटलवली ॥ ७२ ॥ रोतेवदनेकहे अपराधजाणूनही ॥ रुठोसरतारकहेमुऊनिकलतूबही ॥ मेंकसुघोरीथाकरु कामऊताहरु ॥ ईमकरीसाईनेंकऊसूणिवचनतेमाहरु ॥ ७३ ॥ स्योअपराध करयोतूऊनारीतेकहो ॥ तेकहेऊष्टशीलानोनामतेमतलहो ॥ एहथीसततीविग मेंअपजसबीस्तरे ॥ मलिनकरेवलीकुलनेंसरतासहरे ॥ ७४ ॥ उसयलोकवि गमेंतिणेंकामनएहनु ॥ म्हेंकसुकिमजाण्युतवचरीकहेतेहनु ॥ सांसल्युतूम पासेदेशनामीसकसु ॥ तवम्हेंकसुतूऊपमीतपणूरुमुलसु ॥ ७५ ॥ अहोतुऊ माहपणनेंमुऊस्यूस्नेहजघणो ॥ म्हेंकसोसामान्येंएहमादोषजघणो ॥ पणि नविएहनोदोषदेषाऊवाजाणजे ॥ एतलेतूतुऊनारीमांदोषमलावजे ॥ ७६॥ स रमायोनेपश्चातापकरेअती ॥ अहोमातुकस्युकाममनावीतेसती ॥ म्हेंइमघा स्युमानस्येंकष्णघवलसऊ ॥ एहसाईहवेंविजानीपणजेवऊ ॥ ७७ ॥ इणि परेंसाप्युहाथठेकाणेंरापज्यो ॥ बिजुसर्वपूरबपरेंएहनेंसापज्यो ॥ कपटेंक रमवधाणूमुऊनेंतिणेंसमें ॥ अन्यवादिकामेंलहीजिणेंसवनवीसमें ॥ ७८ ॥ साईसोजाईस्यूव्रतपालूऊसदा ॥ आयुपश्सूरलोकेंथयाअमेंअन्यदा ॥ आ

सुदरपणिदसोकाम ॥ ५१॥ एह ॥ कला २ कुसलमांनीनहीहोजी ॥ [illegible]देवी परेजेह ॥ धरम २ कहेतीश्रावीकासणीहोजी ॥ विस्मयपयोबुझेह [illegible]॥ एह ॥ पेठी २ जीनघरमांतदाहोजी ॥ घटाचालीमेहाथि ॥ दिवो २ करी फूलवरसीआंहोजी ॥ पुजीपमीमाजीननाथ ॥ ५३ ॥ एह ॥ धुप २ करीय सूवदिआहोजी ॥ आविगुरुणीनेपास ॥ प्रणमी २ धर्मलासतिणेंदिउहोजी ॥ बेठीतासकास ॥ ५४ ॥ एह ॥ पुछे २ मुझनूम्हेंकिहांथकीहोजी ॥ म्हेंक हुइहाथीआय ॥ साप्यो २ सपीइमाहरोहोजी ॥ जनकजननीगाय ॥५५॥ एह ॥ करमें २ परणीतनपीणेंहोजी ॥ सरतामरणतेपामी ॥ नियम २ उपवा सबहुकरेहोजी ॥ मनवैराग्यप्रकाम ॥ ५६ ॥ एह० ॥ देह २ मीगालेंइणिपरें होजी ॥ सांसलीतुमवीरतत ॥ सक्ति २ आवीवदवाहोजी ॥ मावितआणि लहत ॥ ५७ ॥ एह ॥ खम २ सातमेवीजीकहीहोजी ॥ उल्लासेंएहढाल ॥ पमीत २ उत्तमवीजयनोहोजी ॥ सापेपद्मएवाल ॥ ५८ ॥ एह ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ढहा॥साधवीकहेसारुकस्यु ॥आव्यांतूम्हेंईहांआज॥वलीवैराग्यघणोवहो ॥ करतांआतमकाज ॥ ५९॥ एससारअसारछइ ॥ दुखसाजनदुखदाय॥ धर्म कहेतेघरमिणी ॥ परिणम्योतासपसाय ॥ ६० ॥ विरतीदेशथीपमीवजी ॥ केतोकवितोकाल ॥ जननीजनकजमघरिगयां ॥ चितव्यूचित्तविचाल ॥ ६१ ॥ साधुपणफलेउसखर ॥ पुलुभातनेप्रेम ॥ तेकहेघरमांहितमे ॥ नवीथाई किमनेम ॥ ६२ ॥ जिनवरघरनीपजाविजा॥ रहिनेघरआवास ॥ प्रतीमासरा वीपरवमी ॥ करुनिजज्ञानप्रकास ॥ ६३ ॥ फूलवलीचदनगधफल ॥ द्रव्य नोव्ययतेदेषि ॥ सोजाईमनसावेनही ॥ करकरकरेअतीरेष ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ पीउजी २ नामजपुदिनरातीआं ॥ एदेशी॥ म्हेंमनचितव्यूसाईचित्तजोउषरो॥ स्यूमूझएहस्यूकामहवेरयणीपरी ॥ पोहररातेतेवाससूवनआगलिरही ॥ धन पतीआव्योवाससूवनमांगहगही ॥ ६५ ॥ जिमसाईसासलेंसोजाईनेंतिमक हे ॥ धर्मदेशनामिसथीजीमशसयलहे॥ सामीराषज्येआपणीस्यूकहिइघणक॥ सांसलीचितवेतासपतिकुशीलपणक ॥ ६६ ॥ सगनीजुठनसासेतिणेंएहवीस

सर्वांगसुंदरीसग ॥ जोग्यलसोहवेजीमतुम्हे ॥ मनमानेसोठमग ॥ ९३ ॥ पर
णावेतवमुऊपीता ॥ काढ्योकेईककाल ॥ निजघरिआव्योनारिस्यूं ॥ करेउ
ज्वततकाल ॥ ९३ ॥ वासरगयोवेलाथई ॥ मगलदिपमगाए ॥ कुसुमवृष्टी
कीधीतीहां ॥ वासआवासवपाए ॥ ९४ ॥ धुपघमीतिहांघगघगी ॥ लटका
वीफूलमाल ॥ आव्योसर्त्ताइणसमे ॥ सूणोवातसमकाल ॥ ९५ ॥ ढाल ॥
जिनवचनेंवैरागीउहोधन्ना ॥ एदेशी ॥ इणिअवसरउदश्थयुहोप्राणी ॥ वां
ध्यूंप्रथमजेकर्म ॥ सोगव्याविणछुटेनहीहोप्राणी ॥ कर्मनरापेसर्मरेहो ॥ सू
णज्योप्राणीकर्मनकिर्जेवे ॥ ९६ ॥ पेत्रपालफिरतोथकोहोप्राणी ॥ आव्यो
तीणहीजदेश ॥ कर्म्मपरिणामअचित्यछेहोप्राणी ॥ दिगादपतीनवबेशरेहो ॥
सू० ॥ कर्म० ॥ ९७ ॥ कौतिकजोउएश्हांहोप्राणी ॥ जिमनवीथायसजोगा॥
रुपकरीअन्यपुरुषनुहोप्राणी ॥ पामवातासविजोगरेहो ॥ सू० ॥ क०॥९८ ॥
गोषमांवदनकरीकहेहोप्राणी ॥ सर्वांगसुंदरीकाम ॥ वधुदेवेंतेनिरपीउहोप्रा
णी॥ आव्योकपायनेंधामरेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ ९९ ॥ अरतिथईमुऊउप
रिहोप्राणि ॥ जाण्युकुसीलछेनारि ॥ कोईकवोलावीकिमगयोहोप्राणी ॥ इणि
परेंकरतविचाररेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ १०० ॥ स्नेहवंधनत्रुटीगयोहोप्राणी ॥
ऊआवीतीहांताम ॥ चेष्टाकीधसूवातणीहोप्राणी ॥ सपीउगईनिजठामरेहो ॥
सू० ॥ क० ॥ १ ॥ द्वारदेईशय्यातणेंहोप्राणी ॥ वेठीएकजदेश ॥ पतीउठ्यो
सहसातदाहोप्राणी ॥ ऊपणिउठीविशेषरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ २ ॥ म्हेंअपरा
धनपुठीउहोप्राणी ॥ पतितवसूतोतेथी ॥ करतोविकल्पकोम्योगमेंहोप्राणी॥
निद्राआवीएथीरेहो ॥ सू० ॥ क०-॥३॥ ऊपणिमहाशोकेंयहीहोप्राणी ॥ ध
रतिश्वेठीताम ॥ रातिगईदुखणीघणीहोप्राणी ॥ जाणेंत्रिसूवनस्वामीरेहो ॥
सू० ॥ क० ॥ ४ ॥ सहिउंआवीसरतागयोहोप्राणी ॥ पुठेसहोउवात ॥ कि
मतुमेआमणडमणांहोप्राणी ॥ तवनवीवोल्युजातरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ५ ॥
वातकहेवाजेहवीनहीहोप्राणी ॥ शोकथीकठनीरुद्ध ॥ सुद्धिबुद्धिपणनासीग
ईहोप्राणी ॥ फिरीपुठेसखिवधुरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ६ ॥ व्यतीकरसर्वसू

गलिपीमुझसाईचवीश्हांआवीआ ॥ सेठपुरणवनपुत्र [illegible]
॥ ७९ ॥ सागरनेबधुदेवबधताअनुक्रमें ॥ [illegible]
में ॥ ग्रापशेठनीशुसकांतानारीउरे ॥ पुत्रीपणेंथईनांमसर्वांनहरीपरे ॥ [illegible]
सोजाईउपणिदेवलोकमांथीचवी ॥ कोसलापुरमांनवमतेठघरेहवी ॥ [illegible]
कूपेंनारीपणेंविझंभवतरी ॥ श्रीमतिकांतिमतीअसीथाअनुक्रमेंवरी ॥ [illegible]
जैनधर्मिहुआवककुलउपनाथकी ॥ जौवनवयसहीतिणेंमुझदेखेसकी ॥ [illegible]
बधुदेवगजपुरमांएकदिनआविउ ॥ मुझनेंदेखीकामनांहिचितलाविउ ॥ [illegible]
॥ ८२ ॥ पुछ्योमुझवृत्तातवर्द्धननरनेंजदा ॥ सर्वांगसुंदरीएआपुत्र [illegible]
दा ॥ तासपीताकनेंमागीतवतेइमकहे ॥ जोग्यतुम्हेजोपणिएसाधर्मिकछहे ॥ [illegible]
॥ ८३ ॥ श्रावकविणजोगनकरुसूतनेंदिकरी ॥ म्हेंइमगुरुनेंपासेंहुस्थ [illegible]
धरी ॥ तवतेकहेमुझनेंपणिसाधर्मिककरो ॥ तातकहेसूणोजीनवाणीहृदयें
धरो ॥ ८४ ॥ तावथीश्रावकथांउतवतेशांतली ॥ मुझलोसेगयोसापुत्र [illegible]
पेंतेवली ॥ धर्मसूणीनेंकपटेंश्रावकतेथयो ॥ क्रियाकरेदानादीदिइएनक [illegible]
लगयो ॥ ८५ ॥ एकदिनतातनीपासेंआविवीनवे ॥ धन्यथयोहुंतातजी [illegible]
कहेकेतवे ॥ तुम्हेउपदेसदिधोहुंपणिपामीउं ॥ जैनधर्मनेंमिथ्यामतसी
वामीउं ॥ ८६ ॥ मुझपरलोकनोबांधवदेवगुरुसमो ॥ तुमसमभवरनहोय
अहोतूझनेंनमो ॥ विदितसचारत्वसावहुतिणेंमुझथपनही ॥ कन्यामोतिणेंवि
जदेशेंजास्यूसही ॥ ८७ ॥ आसनरागेंमुझनेंमतवीचारज्यो ॥ उचितकाननु
झलिखज्योदृढधर्मधारज्यो ॥ पोतानोगणज्योइमकहीपाइपमे ॥ सुरुत्वस
वथीतातसत्यचितमांघमे ॥ ८८ ॥ वहुमानेंवलीतातकहेधन्यछोतुम्हें ॥ जि
णेंलाधोजैनधर्मघणास्यूकहीइम्हें ॥ सातमेखमेडालएथीजीनवरो ॥ [illegible]
कहेसवीलोकनेसहुजाय२करो ॥ ८९ ॥ [illegible] ॥ ९० ॥ [illegible] ॥ ९१ ॥
॥ दुहा ॥ परमारथतुम्हेपामीआ ॥ मतकरज्योपरमाद ॥ इमकहीनीकलीउंद
स्यें ॥ नवीकीधोकांयनाद ॥ ९२ ॥ सजनमेलावोसर्वनो ॥ करीनेंपूजेंकांन
परणावुकहोतोपणें ॥ तुमवचनकर्नेंताव ॥ ९३ ॥ सहुकहेभावकसाचवो ॥

॥ सू० ॥ कर्म ॥ १९ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ऊहा ॥ इणअवसरिआव्यूउदय ॥ कर्मजेविजुकिध ॥ रागघणोविछूनारी नो ॥ सासनसक्तीशीध ॥ २० ॥ व्यतरआश्रितसूवननो ॥ चितइशणिपरेचि त्त ॥ साधवीउपरसाचलो ॥ सक्तिसावसलीरीति ॥ २१ ॥ जोउरागजोपेंकरी॥ इणअवसरएकदिन्न ॥ गईछूएहनागेहमां ॥ वारूवासस्तवन्न ॥ २२ ॥ हारप रोवेहर्षस्यू ॥ कांतिमतीनिजकाम ॥ उलीथइआदरदिई ॥ आसनदेवेआम ॥ २३ ॥ साहणीउवेठीसखर ॥ मुझपुछेमहाराय ॥ दिचीधर्मनीदेशना ॥ उठी अवसरठाया॥२४॥ढाल ॥ नदसलूणानदनारेलो ॥ एदेशी ॥ जावामाहयुजेतले रेलो ॥ कांतिमतीकहेतेतलेरेलो ॥ आजतूमारेपारणरेलो ॥ असनलीउदेहधा रणरेलो ॥ २५ ॥ आणिकरीसाहणीसणीरेलो ॥ म्हेंतिहाआहारलेवातणीरेलो॥ कांतिमतिस्यूगयांहवेरेलो ॥ आहारनाघरमांएहवेरेलो ॥२६॥ चित्रमोरमां अवतरयोरेलो ॥ व्यतरमोरतेउतरयोरेलो ॥ हारगलीथानिकेंगयोरेलो ॥ मुझनें विससमवझथयोरेलो ॥२७॥ पुछस्यूगुरुणीनेंजईरेलो ॥ इमचितवीआलयगई रेलो ॥ वोहरावीनेंकांतीमतीरेलो ॥ वाससूवनमांआवतीरेलो ॥ २८ ॥ हार जोयोदिठोनहीरेलो ॥ मनचितेएस्यूसहीरेलो ॥ कौतूकमोहदुउपनुरेलो ॥ क होताईएस्यूनीपनुरेलो ॥२९॥ पुछेतवपरीवारनेंरेलो॥दिठोकोईइहांहारनेंरेलो॥ परीजनकहेजाणनहीरेलो ॥ पणिकोईआव्युनहीरेलो ॥ ३० ॥ इहांआर्या आव्यांहतारेलो ॥ तूम्हेतीहांजाउजोयतारेलो ॥ कांतिमतीकहेस्युकहोरेलो॥ एझनेंतूणमणीसमलहोरेलो ॥ ३१ ॥ असबझकहोतेहनेरेलो ॥ कनकपथरस मजेहनेंरेलो ॥ वातचालीपुरमांघणीरेलो ॥ कंसुमेंआवीगुरूणीसणीरेलो ॥ ॥ ३२ ॥ गुरुणीकहेमुझनेंइस्यूरेलो ॥ 'कर्मनिपजेसझकिस्यूरेलो ॥ तपचारी अअधीकाकरोरेलो ॥ मतइणघरिपगलूधरोरेलो ॥ ३३ ॥ प्रवचनलाघवजाणी इरेलो ॥ तेतोप्रयत्नथोनाणीइरेलो ॥ शरदचदशाशनतणरेलो ॥ मलिनपणथा इघणरेलो ॥ ३४ ॥ अधर्मलहेघरमीनवारेलो ॥ सद्धहोइदूरगतीजवारेलो ॥ लथेजिनआणावलीरेलो ॥ सशारहेतूसझनेंसलीरेलो ॥ ३५ ॥ गुणठांमीअगु

णावीउहोप्राणी ॥ तवाचितेसरिवश्म ॥ स्वामीनीमांऽस्वरूपनहीहोप्राणी ॥ [illegible]
पणिनीपुण्यगेनेमरेहो ॥सू०॥क०॥७॥ कर्मदोषपरसवतणोहोप्राणी ॥ [illegible]
कारणएह ॥ स्वजनपुत्र्याविणपतिगयोहोप्राणी॥आव्योचपार्श्वेहरेहो॥सू०॥
॥ क० ॥ ८ ॥ मातपीतापतीउपरेंहोप्राणी ॥ कोप्यांमाहरेरेराम ॥ [illegible]
टाल्योतेहस्यूहोप्राणी ॥ मुझउपनोवैरागरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ९ ॥ एसंसार
असारमांहोप्राणी ॥डरवतोसोहिलुहोय॥चारीत्रधर्मतेदोहिलोहोप्राणी॥ [illegible]
जीवीतजोयरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥१० ॥ गृहआश्रमथीहवेसरयुहोप्राणी॥[illegible]
हथीवझजजाल ॥ चारित्रलेवुमाहरेहोप्राणी ॥ जिणचीसूत्रअसराम्रेहो ॥
॥ सू०॥क० ॥ ११॥ इणअवसरतिहांआवीयांहोप्राणी ॥ मुक्तीजाव
तीनाम ॥ मातपीताआणालहीहोप्राणी ॥ दिक्षापहीअसीरामरेहो ॥ सू० ॥
॥ क० ॥ १२ ॥ वसुदेवपरण्योहवेहोप्राणी ॥ श्रीमतीनामेंनारि ॥ कोसलपु
रेंनदसेठनीहोप्राणी ॥ धुयागुणसमाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १३ ॥ सागरपर
ण्योतेहनीहोप्राणी ॥ सगनीकांतीमतीनाम ॥ तेवसुविझलेईआवीआहोप्राणी
॥ इणहिजचंपागामरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १४ ॥ गुरणीसाथिविचरतांहोप्रा
णी ॥ आव्यातुमपुरेराय ॥ फिरतागोचरीगाममांहोप्राणी ॥ वसुदेवचरित्रकथ
रेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १५॥ मुनीनेंवयरनरावसुहोप्राणी ॥ दिगंतेविझनारि ॥
पुरवसवअत्यासथीहोप्राणी ॥ प्रितीचईतेअपाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १६ ॥
यत ॥ जअत्यसेईजीवो ॥ गुणचवोसचईइजम्मभी ॥ ॥ तपावईपरलोए ॥
तेणयअसासजोएण ॥ १ ॥ अत्यासेनकीया सर्वा ॥ अत्यासात्सकलाःक
ला ॥ अत्यास्याध्यानमौनादी ॥ किमत्यासस्यदुष्कर ॥ २ ॥ पुर्वजा
पमीलात्यांअन्नपाणीइहोप्राणी ॥ आव्यांउपाअइतेह ॥ धर्मसूणाम्यदोय
नेंहोप्राणी ॥ परणम्योविकसीवेहरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १७ ॥ आविकाचई
हवेवीनत्रेहोप्राणी ॥ किजेंअमउपगार ॥ धर्मकहोघरआविनेंहोप्राणी ॥ धुके
अमपरीवारेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १८॥ आणालहीगुरुणीतणीहोप्राणी ॥ मन
नागमनकरेय ॥ सातमेस्वमेचोथीकहीहोप्राणी ॥ पर्वेडाअतेभेयरेहो ॥

तवकस्युमौनजतेए ॥ ५१ ॥ एकदिनसूरजआथमें ॥ फूल्याअकालेंफार ॥ सवनउद्यानमासूपना ॥ वनपालकतिणीवार ॥ ५२ ॥ आवीप्रधानर्नेउलगें ॥ तिमजदिठातिणेंताम ॥ पाठामुलप्रकतिथया ॥ जाणीचितेजाम ॥ ५३ ॥ अं वमअटागनिमित्तिउ ॥ सिरपुअसूवीचार ॥ एकतिआदरकरी ॥ पुछेप्रधान प्रकार ॥ ५४ ॥ कुसूमविचारसावीकहो ॥ तववोल्योततकाल ॥ कोपनक रस्योकोपरें ॥ आखवचनससाल ॥ ५५ ॥ ढाल ॥ चउसहहणातीलिगढे ॥ एदेशी ॥ कोपकिस्योदैवपरिणती ॥ साषेश्मप्रधानोजी ॥ कहोजेहवुहोयते हवु ॥ तववोल्योतेविज्ञानजी ॥ ५६ ॥ ध्रु० ॥ विज्ञानथीकहेकुसूमउग्या ॥ अकालेफलतासए ॥ राज्यउलटपलटयास्यें ॥ सांसलोसुविलासए॥ तुरतसह जस्वसावकआ ॥ तिणेंयोगोकालए ॥ षीणवेलाबलयकीवली ॥ प्रसूतकालनि हालए ॥ ५७ ॥ कहेपरधानकरवुकिस्यू ॥ साषोतासउपायजी ॥ दानप्रमु खशांतीकर्मथी ॥ विघनविमारणथायजी ॥ ५८ ॥ ध्रु० ॥ थायशणिपरेंनीमी त्तीउकहे ॥ देवगुरुपुजाकरो ॥ जावजीवकांयपापठांमो ॥ गुणअधीकआ गिधरो ॥ पमीहारनृपनोशणिअवशरे ॥ आवीकहेमहारायए ॥ बोलावेतूमेशी अआवो ॥ तवप्रधानकहायए ॥ ५९ ॥ कहोनृपनेंजईशणिपरें ॥ आव्यो आणिप्रमाणजी ॥ पुछेतामनीमीत्तीउ ॥ स्येकारणनृपआणिजी ॥ ६० ॥ ध्रु० ॥ नैमितीउकहेराजपुरथी ॥ आव्योनृपनरएकए ॥ कल्याणकारीतिणें तूम्हनें ॥ तेमाव्याछेछेकए ॥ सक्रेपथीकुएहजाण ॥ तवकहेपरधानए ॥ क ल्याणकारीकहोस्यूंछे ॥ बोलेतववरज्ञानए ॥ ६१ ॥ उचरोकांयकमुख थकी ॥ तवतेशणिपरेंसासेजी ॥ जयश्जयसछीनीलय ॥ सूणीनीमीत्तीउ विमासेजी॥६२॥ ध्रु०॥विमासीकहेनृपकुमरनें ॥ कन्यादेवाकाजएआव्यो तिणेंआणदहेतू ॥ वलिसूणोएकआजए ॥ जेहपरणस्येएहकुमरी ॥ तेहथा स्येरायए ॥ एहतूमचाराज्यकेरो ॥ वलिअन्यनोथायए ॥ ६३ ॥ नैमित्तीउ विसर्जिउ ॥ पुजीहर्षलहीनेंजी ॥ शांतीकर्मआणाकरी ॥ गयोनृपपासेवही नेंजी ॥ ६४ ॥ ध्रु० ॥ रायउठीआशनआप्यु ॥ दिठोनयणेंडुतए ॥ नृपकहे

णीपईरेलो ॥ धरमनीवातनोवहीगईरेलो ॥ बोधीबाह्रीतंतारपरिलो ॥ एम्ये
ग्युपारावारमांरेलो ॥ ३६ ॥ सांसलीसबेगसाधनारेलो ॥ उपनीआनंदपाव
नोरेलो ॥ तपकरेसुविसेपेंहबेरेलो ॥ नसघरबरजेविणजबेरेलो ॥ ३७ ॥ परी
जनमनशकाघणीरेलो ॥ आवीकानेंनहीएककणीरेलो ॥ आविकाचितवेंहि
परेरेलो ॥ गुरणीईवातजाणीपरेरेलो ॥ ३८ ॥ सकटजाणीनभाषीआरेलो ॥
घरमेंआपणसाधीआरेलो ॥ दोषअनेकपरघरजतारेलो ॥ इहलोकनानिरहे
षतारेलो ॥ ३९ ॥ आव्यांनहीतेकारणेरेलो ॥ अम्हेजस्यूंगुरुणीवारणेरेलो ॥
केइककालश्रमवहीगयोरेलो ॥ एकदिनचित्तनीरमलथयोरेलो ॥ ४० ॥ कर्मरा
शिपातलीपडीरेलो॥शुकलध्यानमांहिचढीरेलो॥ जिवबीरजउलस्यूंजदारेलो ॥
अपुर्वकरणथयुतदारेलो ॥ ४१ ॥ रूपकमेणिमांहिलहीरेलो ॥ केवलज्ञानउ
नुनहीरेलो ॥ कर्मचुटुजबमाहरूरेलो ॥ व्यतरचित्तथयुपाधरूरेलो ॥ ४२ ॥ प
श्चातापेंहारनेंरेलो ॥ मुक्योकर्मनीवारणेंरेलो ॥ कर्मविपाकमुऊदाणीउरेलो ॥
सांसलीसऊजनहरषीउरेलो ॥ ४३ ॥ विस्मितथईकहेएहवुरेलो ॥ अहोएत
लाथीऊखकेहवुरेलो ॥ राजादिककहेस्वामिनीरेलो ॥ बऊदूरबनीस्वमीजामिनी
रेलो ॥ ४४ ॥ चिऊगतीभासमतांथकरिलो ॥ ऊखतेकहोकीमकहीसकारेलो॥
नरकतिरीदूखतोरह्यारिलो॥मनुष्यनांपणिकिमजाइसह्यारेलो ॥ ४५ ॥ नरसनें
जनममरणजरारेलो ॥ प्रियविरहादिकदूहकरारेलो ॥ मैथुनसुखमानेंजिकेरे
लो ॥ खरजखननसमउतिकेरेलो ॥ ४६ ॥ मुखमीठाविरसापडेरेलो ॥ चर्म
थकीसऊअघगडेरेलो ॥ बुऊीससातवसूपतीरेलो ॥ वधुदेवकहेसूसमतीरेलो ॥
॥ ४७ ॥ धरमअमेअगीकरुंरेलो ॥ तुमआणाअमेशीरधरुरेलो ॥ जिमसूख
देवाणप्रियारेलो ॥ विलपनकीजेंएकीयारेलो ॥ ४८ ॥ अगाईमहोछवकरेरे
लो ॥ दानदेईनेंउधरेरेलो ॥ हरीसेननेंराज्येंठविरेलो ॥ दिक्षालिइज्यूसूरमथी
रेलो ॥ ४९ ॥ पुरुषचद्रसूरीनेंकनेंरेलो ॥ सार्थेप्रधाननेपरीजनेंरेलो ॥ पांचमी
ढालपदमेंकहीरेलो ॥ सातमेरखमेएसहीरेलो ॥ ५० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ वेदधरीउलषोलतो ॥ सेनतणांबीसेण ॥ जिमलाधुंउलचकी ॥

नस्यू ॥ परवस्योजबनीशरे ॥ खमशातमेपद्मविजइ ॥ कहिछठीढालए ॥ स
मरादीत्यनारासमाहि ॥ सूणतांमगलमालए ॥ ७७॥ ॥७॥ ॥७॥
॥ डुहा ॥ ऐरावणपरिइंद्रजिम ॥ सूरपरीवततिमशेनाशांतिमतीपणिसोहती ॥
सूपणवझसरणेए ॥ ७८ ॥ रसणामणीनेउरवर ॥ हारकुमलशोहत ॥ चद्रमु
षीचतुराघण ॥ माननीजनमोहत ॥ ७९ ॥ जमीतरतनजपानमां ॥ वेठी
बालातेह ॥ डुहवाणेदेषीइस्यू ॥ जमोविसेनोजेह ॥ ८० ॥ पुरवकर्मविपाक
स्यू ॥ अवलूंसूफेआम ॥ मारूएहनेंमुलथी ॥ गावोफेमुठाम ॥ ८१ ॥ अमर
नदनउद्यानमां ॥ आव्योकुमरआराम ॥ वाविसरोवरवहनें ॥ देषीहर्षउछाम
॥ ८२ ॥ उतरीउंअवनीतलें ॥ किमाविविधप्रकार ॥ करतांदिगसवीनिक
ल्यो ॥ आव्यानीजआगार ॥ ८३॥ इमनितरमवाआवतो ॥ सेनकुमरसुहम
न ॥ मारापुठेंमुकतो ॥ विसेनकुमरविषिन्न ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ लोहारणीजायो
दिकरो ॥ लोहारीहोतेहनुफूलणीउदिउनामकोलालसूरगीहे ॥ एदेशी ॥ इम
करतांवहदिनगया ॥ सूणोप्राणीहे ॥ एकदिनथयामध्याह्न ॥ लालगुणपाणी
हे ॥ परीजनसहविरलाथया ॥ सू० ॥ रहोनिजसवननेंथान ॥लाल० ॥८५॥
निज २ कार्मेचरगया ॥ सु० ॥ हवेघरीतापसवेस ॥ लाल० ॥ आव्याविसे
णकुमारना ॥ सु० ॥ कपटकरीकायक्लेश ॥ लाल० ॥ ८६ ॥ नलीकाप्रयो
गेंपमगघरी ॥ सु० ॥ देषेसेनकुमार ॥ला० ॥ झकमकरयोआववातणो ॥सु०॥
आव्याजामतिवार ॥ ला० ॥ ८७ ॥ स्येकारणतूमेआवीआ ॥ सु० ॥ इमपुछे
सेवकुमार ॥ ला० ॥ तेकहेगुरूआणाथकी ॥ सु० ॥ आवोएकांतेठार ॥ला० ॥
॥ ८८ ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ सु० ॥ तपसीगुरूवचकार ॥ ला० ॥ थोमो
इदोपएहमांनही ॥ सु० ॥ शुरूहृदयइमधारि ॥ ला० ॥ ८९ ॥ गयाएकां
तेंजेतले ॥ सु० ॥ बुरीफूटावीलीध ॥ ला० ॥ काढिपमगपघदेशमां ॥ सु० ॥
गाढप्रहारतेकीध ॥ ला० ॥९०॥ कोप्योकुमरचितेंस्यूथयु ॥सु०॥वलिआमावे
पास ॥ ला०॥ अचलीतवीर्यकूमरघणूं ॥ सु० ॥ पमीआतेहनेंपास ॥ला०॥
॥९१॥ घातकपोसायाघण ॥ सु० ॥ जित्याएकेंच्यार ॥ ला०॥ खमगफूंटा

रायपुरसूपनरए ॥ सुणोतसआकुतए ॥ अंधमरपतीइंमकहावे ॥ [illegible]
तीमती ॥ आपीतूम्हसुतगमेतेहनें ॥ बाहलीजिवीतचीआती ॥ [illegible] ॥ कहेवं
घीअनुकूलए ॥ किजेंतासवचनजी ॥ रायकहेमानोसूर्खे ॥ सेमकुमारजेंनि
नजी ॥ ६६ ॥ ध्रु ॥ सामतनयरीजननेंजणवे ॥ मंत्रीवर्द्धपनकरे ॥ [illegible]
गलतूरनाचे ॥ अंतेउरीआणदधरे ॥ आणदसहुनेंउपनोपछि ॥ [illegible]
सेणए ॥ सुणिनसकुएहव्यतीकर ॥ देषीसकीइकेणए ॥ ६७ ॥ केइकदिवस
छीमोकलोपरणवासेनकुमारोजी ॥ बहुआडंबरेंपरवरयो ॥ मंत्रीमंडलपरीवा
रोजो ॥ ६८ ॥ ध्रु ॥ परीवारसेतीगयोतीहारें ॥ सामईउतेनृपकरे ॥ [illegible]
सहुवदिजननें ॥ दानदेवेशुसपरें ॥ राजमारगशुद्धकीधो ॥ पाखनावेंपनपनें
॥ इत्यादिकपरवेशमहोछव ॥ आडंबरथीऊगमगे ॥ ६९ ॥ अंतरेकपदसुन
नमां ॥ लगनदिवसवरतावेजी ॥ अनुक्रमेगजशीरवेशीनें ॥ विवाहमांडवे
आवेजी ॥ ७० ॥ ध्रु ॥ बहुपरिशिणगारकरीनें ॥ पहेरीवस्त्रअलंकारए ॥
रुपअदसूतदेषीचिते ॥ तामसेनकुमारए ॥ सवअनादिअभ्यासदोषें ॥ जा
म्योप्रेमअंकुरए ॥ अहोएहवासावजगमां ॥ उपजेसरपुरए ॥ ७१ ॥ पाणि
पहणथयुतीहां ॥ फेराफरतांतामजी ॥ दानदिइबहुनरपती ॥ सुखसोमवेछ
सधामोजी॥७२॥ध्रु ॥ बोलावीआकेईदीवसरहीनें ॥ आव्यानिजपुरीउमही॥
नरपतीअंतेउरनगरजनसहु ॥ आव्याशनमुखगहगही ॥ पेशारामहोछवक
रीनें ॥ लाव्यानीजआवासए ॥ तवविसेनकूमरउसाणो ॥ पुरबवैरअभ्यास
ए ॥ ७३ ॥ कालगयोषलीकेतलो ॥ आव्योमासवशतोजी ॥ कामिनीजनमु
दनाकूली ॥ मलयअनीलवायतोजी ॥ ७४ ॥ ध्रु० ॥ कोकीलरवेंकरीपचीक
असव्या ॥ केसूमाफूलिरह्यां ॥ अषमजरीतणेंपरीमल ॥ भमरअतीआणंदल
ह्यां ॥ राढामिलीतिहांअतीअनोपम ॥ तामसेनकुमारए ॥ वस्त्रउज्वलअंगें
आभूषण ॥ साथेंबहुपरीवारए ॥ ७५ ॥ अमरनवनउद्यानमां ॥ कनककठ
कधरयांहायोजी ॥ बाजुबधनेंकुंडल ॥ केमेकटीसूत्रतेसाथोजी ॥ ७६ ॥
ध्रु० ॥ तीणेंसाथिमाथेमुगटपहिरयो ॥ बेठोगजवरउपरें ॥ बाजतेबाजेवडीज

॥ सु० ॥ अहोहिणकरयुकांम ॥ ला० ॥ इमअपजसविसेननो ॥ सु० ॥ सेनसूणीडखधाम ॥ ला० ॥ ७ ॥ विणअपरार्धेअहोजुउ ॥ सु० ॥ अपजससाजनथाय ॥ ला० ॥ निंदितडुर्जनआचरे ॥ सु० ॥ तेएहथीनकराय ॥ ॥ ८ ॥ ला० ॥ लोकनीरकुसनवीचारे ॥ सु० ॥ जुक्ताजुगतूजेह ॥ ला० ॥ अथवापुरवकर्मथी ॥ सु० ॥ निपजेसघलुएह ॥ ला० ॥ ९ ॥ डुहवाणो सेनइंणीपरें ॥ सु० ॥ हवेरुकाणोपरहार ॥ ला० ॥ शुसदिवसेंन्हायोवली ॥ ॥ सु० ॥ दानदिइअपार ॥ ला० ॥ १० ॥ मुक्यावंदिलोकनें ॥ सु० ॥ पूज्या नयरीनादेव ॥ ला० ॥ मंगलतूरवजावीआं ॥ सु० ॥ वधामणकरेहेव ॥ ॥ ला० ॥ ११ ॥ सातमेंखमेसातमी ॥ सु० ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ ला० ॥ श्रीसमरादित्यरासमां ॥ सु० ॥ धर्मथीमगलमाल ॥ ला० ॥ १२ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ डुहा ॥ नरपतीदर्शननवीलहे ॥ कुमरविशेनकिवार ॥ नविमनाचिंतेनीपनु ॥ ईछितकामएवार ॥ १३ ॥ उचितकरेनहीएकपणि ॥ परिजनपरीचयत्याग ॥ उछवमानवीआवीउ ॥ किमहंशामाकाग ॥ १४ ॥ सेनकुमरतेसांसली ॥ चित्तमांकरेवीचार ॥ अछतुआलदिइजना ॥ नसहाइनीरधार ॥ १५ ॥ तिहांजईनेंकहितातनें ॥ लावुचरणलगाय ॥ जगतिपतीजईवीनव्यो ॥ कहेमुझकरोपसाय ॥ १६ ॥ कुमरविनाआणदकीस्यो ॥ नृपकहेसांसलन्याय ॥ कुलकलकनीवातकीम ॥ करताजसकहेवाय ॥ १७ ॥ सेनकहेसाचोनही ॥ विकलपतणोविचार ॥ आचरेनहीअकार्यनइ ॥ आणिकरोएवार ॥ १८ ॥ सोलोतूसोलायछे ॥ देषेसघलूडुध ॥ पणिएकूटिलपराक्रमी ॥ लागेमुझमनलूध ॥ १९ ॥ कहेकुमरसापोकिस्यू ॥ गुणथीअतीगस्तीर ॥ वालससावधाहिरकस्यो ॥ पणिधरेअपजसपीर ॥ २० ॥ रायकहेतूझमनरूचे ॥ तिमकरिसूरवेंतिमावि ॥ तवस्वयमेवतिहागयो ॥ आपेंइणिपरेआवि ॥ २१ ॥ ढाल ॥ मालाकिहांठिरे ॥ एदेशी ॥ आमणडुमणनेंवलीडुर्वला ॥ वाल्हामारा ॥ आसूपएनहीअगरे ॥ वदनकमलकमलाणजेहनु ॥ देषेशेनविरगरे ॥ २२ ॥ उत्तमएहवारे ॥ अपराधीस्यूनेह ॥ करेसुखदेवारे ॥ एआकणी ॥ त्रुटीजुनीखाटे

वीनेंसीआं ॥ सु० ॥ देपीएहप्रकार ॥ ला० ॥[illegible] ॥ [illegible]
॥ सु० ॥ तवआप्याचोकीआत ॥ ला० ॥ स्वरुगयीमारवामांगीला ॥ सु० ॥
नवकुमरनिपेधकरात ॥ ला० ॥९३॥ कोसलसानवलाचया ॥ सु० ॥ जीवी
तनीनहीआस ॥ ला० ॥ मारेमुआनेंसुहोई ॥ सु० ॥ आस्याअकलवर्ईवाद
॥ ला० ॥९४॥ रायसुणीतीहांआवीआ ॥ सु० ॥ वधाप्यातेचोर ॥ ला० ॥
सूपकहेएस्युथयु ॥ सु० ॥ कुमरकहेतिणेंगोर ॥ ला० ॥९५॥ कांयअनेला
एकनही ॥ सु० ॥ घातकनेंकहेताम ॥ला०॥ स्युएकस्युंकोणेंमोकल्या॥ सु०॥
निमीत्तविनानहीकाम ॥ ला० ॥९६॥ नवीबोल्यातेतवफिरी ॥ सु० ॥ पुर्वे
मत्रणिवार ॥ ला० ॥ तोपणिजवनवीबोलीआ ॥ सु० ॥ तवतसदिषोमाह ॥
ला० ॥ ९७ ॥ नवीअपमाणाकोरमा ॥ सु० ॥ जिवीतनीवलीआस ॥ ला० ॥
सूपकोपनखमीसक्या ॥ सु० ॥ वातकहीसवीतास ॥ ला० ॥९८॥ कुमरवि
सेनेंमोकल्या ॥ सू० ॥ किधुएहअकाज ॥ ला० ॥ कोप्योवीसेनकुमरसखी
॥ सु० ॥ सेनकहेसुणोराज ॥ ला० ॥९९॥ कुमरवीसेनएनवीकरे ॥ सु० ॥
स्वजनतणोहीतकार ॥ ला० ॥ तातनोसुतजसअरथीउ ॥ सु० ॥ नकरेविरुद्ध
कूमार ॥ ला० २०० ॥ जीवीतईछकश्मकहे ॥ सु० ॥ तिणेंकिजेंसुपशाय
॥ ला० ॥ घातकमुकोतातजी ॥ सु० ॥ तामगवेषेराय ॥ ला० ॥ १ ॥ कुमर
विशेननानीश्वयें ॥ सु० ॥ कोप्योरायअपार ॥ ला० ॥ काढीमुकोमुझराज्य
थी ॥ सु० ॥ कुलडुषकएकुमार ॥ ला० ॥२ ॥ काढोएघातकजीवथी
॥ सु० ॥ तवपमीउसेनपाय ॥ ला० ॥ साषेजोएश्मकरो ॥ सु० ॥ तोमुझ
खअतीथाय ॥ ला० ॥ ३ ॥ थास्येअवस्थामुझतणी ॥ सु० ॥ जिणेंतूमउ
पजेशोक ॥ ला० ॥ तेहसुणीरूपचिंतवे ॥ सु० ॥ अहोअतरजुउखोक ॥ला०॥
॥ ४ ॥ रूपकहेतुझनेंजेगमे ॥ सु० ॥ पणिनहीजुगतीवात ॥ ला० ॥ कुम
रकहेअनुपहकरयो ॥ सु० ॥ करतांएअवदात ॥ ला० ॥ ५ ॥ मुक्याघा
तकजीवता ॥ सु० ॥ कुमरराज्योजिणेंपास ॥ ला० ॥ ब्रणकर्मनीआ
णाकरी ॥ सु० ॥ सूपगयोनीजवास ॥ ला० ॥ ६ ॥ लोकवादएहवोचपो

कार्मे ॥ कामअकारजकिधुरे ॥ ३७ ॥ ऊ० ॥ करमरमीनेंतेहफूटावी॥वा०॥ लीधीसेनकुमारें ॥ तेहनीपीमाइपम्योहेठो ॥ उठावेशेनत्यारेरे ॥ ३८॥ ऊ० ॥ हाथफालीसज्याइवेशारी ॥ वा० ॥ पुढेसभमवातो ॥ कठरुघाणोउत्तरनदि घो ॥ उठ्योचित्तथीहारीरे ॥ ३९ ॥ ऊ०॥ नीकलीउहवेतीहाथीत्यारे ॥वा०॥ शांतीमतीपतीपुढे ॥ सीएवातकहेतवमुफनें ॥ खबरनहीएस्यूढेरे ॥ ४० ॥ ऊ० ॥ पणिसामान्यपेहवुजाणफ ॥ वा० ॥ राज्यअरथेंकोईप्रेस्यो ॥ इणेथा निकरहेवुमुफनघटे ॥ जिणेंसाईडुषथीघेरयोरे ॥ ४१ ॥ ऊ० ॥ जोकदी नृपजाणेंकोईलिगें ॥ वा० ॥ तोघरमांथीकाढे ॥ अबाशोकधरेकुललांघव ॥ कुपुरुषकलकएचाढेरे ॥ ४२॥ ऊ० ॥ कुलनिंदारापेतेसुपुरिस ॥ वा०॥ इमसु णीबोलेनारी ॥ तूम्हनेंकिमनृपजावादेस्ये ॥ कुमरकहेसुणिप्यारीरे ॥ ४३ ॥ ऊ० ॥ गुरुनेंसाप्याविणजावुंठे ॥ तेहमांगुणवफुजाणी ॥ शांतीमतीकहेहे स्वामीजी ॥ परमाणतूमचीवाणीरे ॥ ४४ ॥ ऊ० ॥ सेनकूमारकहेचालोहव इ ॥ वा० ॥ रषेकूमारतेनासेलक्षापरीसहनांहिषमाई ॥ तिणेंनवीरहेएवासे रे ॥ ४५ ॥ऊ० ॥ सातमेरखमेआठमीढालें ॥ वा ॥ सद्धनवातएजोज्यो॥पद्म विजयकहेउरजनसरीपा ॥ सविकाकोईमतहोयोरे ॥ ४६ ॥ ऊ० ॥ ॥अ॥ ॥ ढहा ॥ सद्धनशेलमीशारीपा ॥ आपेरसअसराल ॥ पीम्यापणपिमेनही ॥ मोहटातेहमयाल ॥ ४७ ॥ अर्कहवइतिहाआथम्यो ॥ परीजननेंकहेप्रेम ॥ आजइहांवसवुअठे ॥ जाउसफुइजेम ॥ ४८ ॥ सज्याहवेतिहासजकरी ॥ मस्तकदूखेमुफ ॥ इमकहीसफुअलगाकस्यां ॥ गांठिचित्तमागुफ ॥ ४९ ॥ उठ्यासफुइएतले ॥ अवलानेंकहेइम ॥ देशांतरदिरघघणां ॥ निकलवुतोने म ॥ ५० ॥ आपदपणिआवेकदा ॥ कर्मवीचित्रनाकाम ॥ अवलानोअवस रनही ॥ नपमेसुफिनुनाम ॥ ५१ ॥ शांतीमतीकहेस्वामीजी ॥ फिकरनकरी इफोक ॥ तूमसाथेंमुफवर्त्तता ॥ स्योमुफनेंठेशोक ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ घन २ सप्रतीसाचोराजा ॥ एदेशी ॥ शांतिमतिस्यूचाल्योतिहांथी ॥ नकहीकोईनें घातरे ॥ चपावासगामम्हाहिआव्या ॥ चालिरातोरातिरे ॥ ५३ ॥ सद्धनपरी

सूतो ॥ वा० ॥ देपीविसेननेंचितेरे ॥ अनाअवगुणजनजनवस्ताने ॥ [illegible]
किणीरीतेरे ॥ २३ ॥ ऊ० ॥ अन ॥ सतगुणविप्पणासो ॥ [illegible]
जडख ॥ तसोसेईसमुद्द ॥ किपुणहियममणरसाए ॥ १ ॥ [illegible]
ठगोनृपपासें ॥ वा० ॥ बालचेटानवीकीजे ॥ पापचितानकरोपडांहि ॥ [illegible]
त्तउगाहधरीजेरे ॥ २४ ॥ ऊ० ॥ ईगाविणअलकारकराबे ॥ वा० ॥ [illegible]
रचेअंगेरे ॥ क्षोमजुगलपहिराव्युसेनें ॥ दिउंतबोलउमर्मेरे ॥ [illegible]
लाविनृपनेंपायलगाम्यो ॥ वा० ॥ हवेउंगवर्त्ताव्यो ॥ अनुक्रमेंकेईक[illegible]
गयाथी ॥ सेनविश्वासेलाव्योरे ॥२५॥ऊ० ॥ एकदिनकौमुदीमहोत्सवकरता ॥
वा० ॥ नृपचाल्याउद्यानें ॥ नगरलोकक्रीडामांमग्या ॥ जुउंअवरीअश्व[illegible]
रे ॥ २७ ॥ उ० ॥ मत्तमतगजतुटोथसथी ॥ वा० ॥ आसानवंसउवेमी ॥
पादपसाजतोलोकनेंसनमुख ॥ चाल्योमीठठेमीरे ॥ २[illegible] ॥ [illegible]
णीसांजेथयोकलकल ॥ वा० ॥ लोकनेचिहुदिशनाठा ॥ रायजाणीकहेपक
मोएहनें ॥ किमवलथीसहुघाठारे ॥ २९ ॥ ऊ० ॥ आणाखहीतवशेनकुवा
रह ॥ वा० ॥ तेहनेंसनमुखधायो ॥ सिहकिसोरपरेंगजदेषी ॥ मदखबीअ
पलायोरे ॥ ३० ॥ ऊ० ॥ करीअसवारीअकुशपहीतें ॥ वा० ॥ कुसल
लेंतेदीधी ॥ गुल२शब्दकरयोगजराजें ॥ जसकिरतीवहुलीधीरे ॥ ३१ ॥
उसाणोएजससांसलीनें ॥ वा० ॥ चितेविसेनकुमार ॥ एउखतोमेंखम्युनवी
जाइ ॥ करीशकिस्योप्रकाररे ॥ ३२ ॥ ऊ० ॥ जेथानारतेथाज्योपणछावा०
मारूमाहरेहाथे ॥ एकदिनशेनकुमरउद्यानें ॥ रसाशातीमतीशाथेरे ॥ [illegible]
॥ ऊ० ॥ सध्यासमयेंकेईनरसाथें ॥ वा० ॥ सेनसकतीनवीचारी ॥ कोधवसें
नीजबलअणतोली ॥ चाल्योमारबुधारीरे ॥ ३४ ॥ ऊ० ॥ [illegible]
हिपेठो ॥ वा० ॥ दिठोकुमरएकाकि ॥ शांतिमतीसुतदेषीनें ॥ क्रोधधूषमतें
ताकीरे ॥ ३५ ॥ ऊ० ॥ शांतिमतीदेषीकहेपीउनें ॥ वा० ॥ तवसथांततेपामी
घातकरयोतेवचाषीलीधो ॥ कलबलअलनहीषामीरे ॥ ३६ ॥ ऊ० ॥ एस्पूम
शुन्यहृदयेंकरीनें ॥ वा० ॥ खडगतेअपहरीलीधु ॥ [illegible]

स्यूकुमरनेंआपे ॥ बेसवानेंजपानरे ॥ मारगजातांमेरादेईनइ॥उतरीयाकोईथा
नरे॥७०॥स०॥ इमनीतनीतप्रयाणकरता॥ वोल्याकेईकदीन्नरे॥ एकदिनदन्त
रतीअटवीमा ॥ उतर्योसाथतेवन्नरे ॥ ७१ ॥ स० ॥ सयजाणीचोकीचिहु
पासें ॥ मुकीयईसावधानरे ॥ प्रातसमयचोकीसहुउठी ॥ सहुगयानीज २
थानरे ॥ ७२ ॥ स० ॥ चाकरसर्वेलादवालागा ॥ आवीसिलनीधाभिरे॥ बा
णतणोवरसातवरसावे ॥ सिगनासब्धवजाभीरे ॥७३॥स०॥ मारि-२ करताते
आव्या ॥ खेदलह्याकर्मकाररे ॥ आम्हहथीआराआगलिदोम्या ॥ लागोजुद्ध
अपाररे ॥ ७४ ॥ स० ॥ शांतिमतीनेंधीरजआपी ॥ चाल्योसेनकूमाररे ॥
केसरीहरणजुयज्यूंत्रसव्या ॥ सबरसेन्यपभीहारिरे ॥७५ ॥ स०॥ बिजीदिस
थीसाथनेंसेल्यो ॥ लुट्युसांभजसाररे ॥ आम्हहथीआरापाम्यासघला ॥ नाठी
सघलीनारीरे ॥ ७६ ॥ स० ॥ कुमरआव्योजवएहवीशाइ ॥ सिक्षतणीपभी
नासिरे ॥ एकाकीदेषीपक्षिपती ॥ आव्योतासतकासिरे ॥ ७७ ॥ स० ॥ ना
प्युपभगकुमरवचावे ॥ कुमरेंदिघप्रहाररे ॥ मुर्छालहीपक्षिपतीपभेउ ॥ वीजें
कूमरतिवाररे ॥ ७८ ॥ स० ॥ दुकभासरथीकमलिपत्रें ॥ लाविसिचेंनीररे ॥
नयनउघाभीतामविलोके ॥कुणएसाहसधीररे॥ ७९॥स०॥ रुपेंमयणपराक्रमें
केसरी ॥ दयाश्मुनीकुमाररे ॥ ठेसूकमालपणिदृढप्रहारी ॥ सत्रुनेंमीत्रअनु
हाररे ॥ ८० ॥ स० ॥ परमेसरएदीसेसाचो ॥ कामअजुक्तूकीधुरे ॥ एहवा
पुरूषनेंआपणेंइणिपरें ॥ साथलूटिदुखदिधुरे ॥८१ ॥ स० ॥ सातमेखमे
समरादित्यना ॥ रासमानवमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेसांसलोश्रोता ॥ आग
लिवातरशालरे ॥ ८२ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढहा ॥ कुमरकहेमतआकूला ॥ सद्यपाउंसाम्यवत ॥ कहेपक्षिपतीकेहवु ॥
स्वस्थपणाक्रमसत ॥८३ ॥सीलसेन्यंआवीसर्णे ॥ इणअवशरकोईइम॥पक्षि
पतीनेंपामीउ ॥ करस्यूकहोहवेंकेम ॥ ८४ ॥ मार २ करतामनुज ॥ तिहां
सवरनाताम ॥ आव्यादेपीआफणी ॥ सानकरेपक्षिस्वामि ॥ ८५ ॥ मुझजी
त्योएमहापुरुष ॥ मतकरज्योपरमाद ॥ सिआलीकरीतेसुणी ॥ उपनोवझआ

क्षाइणीपरेंकीजें ॥ एआंकणी ॥ अर्कभग्योनेंथाकीअवला ॥ वेगीएकवनवो
हिरे ॥ रायपुरवासीसारथवाहसुत ॥ सानुदेवआव्योत्यांहिरे ॥ [illegible] ॥
उलपीनेंचित्तमांइमचिंते ॥ किहाथीरतीनेंकामरे ॥ रायतोकाढिनमुकेएहनें ॥
एहमहागुणधामरे ॥ ५५ ॥ स० ॥ गुणपक्षपातीहरीषेणराजा ॥ निर्हेकारण
कोईअन्यरे ॥ कोईसमर्थनकाढवाएहनें ॥ पणकोईउद्वेगमन्मरे ॥ ५६ ॥
॥ स० ॥ प्रणमीपुछुइमवीचारी ॥ पुछेकरीपरणामरे ॥ खेदमकरज्योआजो
ण्योपुछु ॥ कूआरबोलेतामरे ॥ ५७ ॥ स० ॥ पेदतणोअवशरनहीसाथो ॥ त
वबोल्योसानुदेवरे ॥ तूम्हसुसरापुरनोछवासी ॥ तामलीप्रीजाउहेवरे ॥ ५८ ॥
स० ॥ माहरोसाथइहाउतरीउ ॥ आव्योआचमननेंकाजरे ॥ पासेसरोवरछे
अतीसूदर ॥ आव्योतेहनीपाजिरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एहनीकुजमांपेसताउप
नो ॥ मुछनेंप्रतीआणदरे ॥ म्हेंजाण्युइहांहरषतेथास्ये ॥ दिगोतूममुखचदरो
॥ ६० ॥ स० ॥ रायपुरेंम्हेंदिगातूमनें ॥ उलप्याकारणतेणरे ॥ हरषलहोप
णिषेदउपनो ॥ दिगाएकाकीजेणरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ कहेवाजेहवीहोयतोसा
थो ॥ चितेतामकुमारे ॥ अहोअनुरागवचनचतुराई ॥ साषेइमउदारे ॥ ६२ ॥
॥ स० ॥ सासलिकारणपुछेकहेस्यू ॥ पणितामलीप्रीइजावुरे ॥ सार्थपकहेमु
छसार्थेआवो ॥ कूमरकहेतेनावुरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ तातणाअसवारजोआ
वे ॥ तोमुछनेंलेइजावेरे ॥ सानुदेवकहेरहेस्यूइहां ॥ जबतेआवीनेजावेरे ॥
॥ ६४ ॥ स० ॥ नानाकरतांपणितेरहीजा ॥ तवत्रीनकूमरतेसासेरोजाउसाथमांकोई
नेंमकहेज्यो ॥ मतआवज्योइणवासेरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ सार्थपचाल्योआप
साथमां ॥ आव्यातेअसवारोरे ॥ पुछेसाथनेंनरनारीकोई ॥ दिगोइणहीप्रकारो
रे ॥ ६६ ॥ स० ॥ साथकहेइहांकोईनआव्यु ॥ तवकहेमाहोमांहिरे ॥ कूमर
नोएहनमारगजावो ॥ म्हेंसाथ्युहतूत्यांहिरे ॥ ६७ ॥ स० ॥ रायपुरमारगचा
लोइहांथी ॥ इमकहीगयाअसवारोरे ॥ थोडीवेलाईमोकलेसार्थप ॥ दंपतीनें
आहारोरे ॥ ६८ ॥ स० ॥ बातकहेसार्थपआवीनें ॥ सूर्यआथम्योजावरे ॥
लाव्योसाथमांपाछलीरांति ॥ किंपमयाणतेतामरे ॥ ६९ ॥ स० ॥ प्रांतिमती

शवपालनामेंराय ॥ तेहनीसुताआकुमरनी ॥ शांतीमतीरेघरणीथाय ॥३॥
कु० ॥ पक्षिपतीकहेकिमबन्धु ॥ तबकहेतेसूपकार ॥ सघाममांसाहमोग
यो ॥ जबघाईरेशेनकूमार ॥ ४ ॥ कु० ॥ बिजीदीशाथीसेलीउ ॥ लुटिउ
सघलोसार ॥ आमहथीआरापामीआ ॥ तबबिहनीरेशांतिमतीनारि ॥ ५ ॥
कु० ॥ निकलीपटआवासथी ॥ हाआर्यसुतगयाक्यांहि ॥ मुझसलावीहती
तीणेंकरी ॥ पुठेचाल्योरेतेहनीराहि ॥ ६ ॥ कु० ॥ अटवीसणीजातांथकां ॥
एकसबरमुझनेंआय ॥ लकुटमारयोचरणमां ॥ झतोपडयोरेतिणहीजठाय ॥
॥ ७ ॥ कु० ॥ मुर्छालहीबलीचेतना ॥ लाधीतेउठ्योताम ॥ खोलिघणीपणि
नबीजमी ॥ हवेकरोरेतूमेएकांम ॥ ८ ॥ कु० ॥ हादेवीदेवीइमसणी ॥ मु
र्छालहोतेकुमार ॥ पक्षिपतीइआसासीउ ॥ मतकरोरेखेदलगार ॥ ९ ॥ कु० ॥
बेलाथईछेयोमली ॥ अटवीतेनाहीदूर ॥ देखिनबझुहीमीसको ॥ मुझसीलरेसेनासू
रि ॥ १० ॥ कु० ॥ पवनवेगेंचालतां ॥ नहीअजाण्युकोईठाम ॥ हिमणाला
बीनेंमेलवु ॥ इमकहीरेमुक्यांताम ॥ ११ ॥ कु० ॥ सार्थपनेंपक्षिपतीकहे ॥
झंजाईसरबोलवानारि ॥ निजपुरूषकेईकसुपीनें ॥ धिरजदेज्योरेसेनकूमार ॥
॥ १२ ॥ कु० ॥ सार्थपपिणकहेकूमरनें ॥ धीरजकरोतूम्हेआज ॥ हिव
णोखोलीलावीइ ॥ जिहांहोस्येरेपुत्रीराज ॥ १३ ॥ कु० ॥ इमकरीसहुश्चा
लीआ ॥ केईसूसटलेईसग ॥ सातमेखमिदशमीकही ॥ ढालपर्वेरेचढतेरग ॥
॥ १४ ॥ कु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ ससरतांशांतिमती ॥ आर्यपुत्रकिहांआज ॥ दिशामुढदिनआथम्यो ॥
पोहतीगीरिनदीपाज ॥ १५ ॥ मनचिंतेमाहरोपती ॥ आवीनमील्योआंहि ॥
विरहेंकहोकीमजीवीइ ॥ मरवुआवनमांहि ॥ १६ ॥ अशोकवृक्षअवल
बीनें ॥ दिठपासडुपरासी ॥ वनदेवीवाणीसूणी ॥ एहवीमाहरीआशि ॥ १७ ॥
आर्यपुत्रमुंकीअवर ॥ नवीचीत्योमनमांहि ॥ जोजनमांत्तरेआर्यसूत ॥ तो
पतीथाज्योत्याहि ॥ १८ ॥ इमनीआणआदरी ॥ आतमअघरकरेअ ॥ पा
सडुटोधरणीपडी ॥ मुर्छाताममलेय ॥ १९ ॥ ढाल० ॥ ढेमोनाजी ॥ एदेशी ॥

त्हाद ॥ ८६ ॥ हाथजोडीमुकीहवे ॥ धनुंपतीरथरीकथ ॥ [illegible]
नें ॥ आव्यांअजलीबंधि ॥ ८७ ॥ असयतेआपोअमतणी ॥ [illegible]
चार ॥ आयुधरहीतनेंअसयडे ॥ इणअवसरअवधारि ॥ ८८ ॥ [illegible]
सूणोहोनेकुअनाथी ॥ एवेत्री ॥ पक्षिपतीपाएपडे ॥ कहेखमोमुजअपराध ॥
साथतूमारोलूटिउ ॥ तिणेंकिधुरेपापअगाध ॥ ८९ ॥
उपगार ॥ तूमसरीपाजगमांदूष्यार ॥ कु० ॥ एआंकणी ॥
घोषणा ॥ सपामकीघोदूर ॥ जिणेंजेलीघुहोइंते ॥ लावोरेमुजहजुर ॥ [illegible]
कु० ॥ कोईकनेंकांईरहेस्येकदा ॥ तोटालूतेहनोगाम ॥ ततकालसजसेमूंक
री ॥ कहेजुउरेएदाम ॥९१॥ कु० ॥ कहेकुमरनहीस्वामीअम्यो ॥
तजोआय ॥ तोउलपीनेंसघलूलहे ॥ सूणीतेहनेंरेपोलवाजाय ॥ ९२
एकवननें कूजेंतेलहो ॥ लाविआतेहनेंताम ॥ कहेपक्षीपतीनवीजाणीउ
एहवारुमारेपुरुषएठाम ॥ ९३ ॥ कु० ॥ इणेंजीत्याअमनेंएकले ॥ अम्हेप
मीवज्योएनाथा ॥ एकुनातुम्हेअम्हेतूमतणो ॥ लूटिलीघोरेइणिपरेंसाथ ॥ [illegible]
कु० ॥ चिजसावएतूमतणी ॥ लेज्योसत्तालीसाथ ॥ सार्थपवीचारेचित्तवां ॥
इणिएकेंरेंकिधपशाय ॥ ९५ ॥ कु० ॥ सार्थपकहेसकुआवीउ ॥ हरष्योतेप
क्षीस्वामि ॥ कूमरविचारेएहनी ॥ सद्धनतारेजुउआम ॥ ९६ ॥ कु० ॥ पहा
रतसत्तजावीआ ॥ दिधोकदोरोआप ॥ जाणीप्रशादअंगीकरयो ॥ पक्षिनाथ
रेमोहटानीछाप ॥९७॥ कु० ॥ अणकर्मबीजापुरुषना ॥ वलीकरावेतेकूमार ॥ क
हेपक्षीछेदुकमी ॥ मुकपालिरेचालोएवार ॥ ९८ ॥ कु० ॥ उपगारकीजेंमुजस
णी ॥ बोलेतेशेनवीचार ॥ सार्थपप्रमाणएवातमां ॥ सानुदेवरेसाषेतीवार ॥
॥ ९९ ॥ कु० ॥ तुमदरीसणेंदिठीअम्हें ॥ तूमचीमनोहरपालि ॥ इणसमेंसा
नुदेवनो ॥ सूपकाररेआव्योतेकालि ॥१००॥ कु० ॥ आंसूनीधारषचेनही ॥
कहेगयुसर्वजेसार ॥ नृपसूताकहींदिसेनही ॥ सूणीकुउरेआकुलोकूमार ॥
॥ १ ॥ कु० ॥ सानुदेवविलषोथयो ॥ पक्षिपतीथयोमुंढ ॥ कहेराजपुत्री
कुणआठे ॥ मुकसाषोरेतेहनुगुढ ॥ २ ॥ कु० ॥ कहेसानुदेवराजपुरतणो ॥

शबपालनामेंराय ॥ तेहनीसुताआकुमरनी ॥ शांतीमतीरेघरणीथाय ॥ ३ ॥ कु० ॥ पक्षिपतीकहेकिमबन्धु ॥ तवकहेतेसूपकार ॥ सभाममांसाहमोगयो ॥ अबघाईरेशेनकूमार ॥ ४ ॥ कु० ॥ बिजीदीशाथीसेलीउं ॥ लुटिउं सघलोसार ॥ आमहथीआरापामीआ ॥ तवबिहनीरेशांतिमतीनारि ॥ ५ ॥ कु० ॥ निकलीपटआवासथी ॥ हाआर्यसुतगयाक्याहि ॥ मुझसलावीहती तीणेंकरी ॥ पुठेचाल्योरेतेहनीराहि ॥ ६ ॥ कु० ॥ अटवीसणीजातांथकां ॥ एकसबरमुझनेंआय ॥ लकुटमारयोचरणमां ॥ झतोपमयोरेतिएहीजठाय ॥ ॥ ७ ॥ कु० ॥ मुर्छालहीवलीचेतना ॥ लाधीतेउठ्योताम ॥ खोलिबणीपणि नवीजमी ॥ हवेकरोरेतूमेएकांम ॥ ८ ॥ कु० ॥ हादेवीदेवीइमसणी ॥ मुर्छालसोतेकुमार ॥ पक्षिपतीइआसासीउं ॥ मतकरोरेखेदलगार ॥ ९ ॥ कु० ॥ बेलाथईछेयोमली ॥ अटवीतनांहीदूर ॥ देविनबझहीमीसकोमुझसीलरेसेनासूरि ॥ १० ॥ कु० ॥ पवनबेगेंचालता ॥ नहीअजाण्युकोईठाम ॥ हिमणालावीनेंमेलवु ॥ इमकहीरेमुक्याताम ॥ ११ ॥ कु० ॥ सार्थपनेंपक्षिपतीकहे ॥ झजाईसखोलवानारि ॥ निजपुरूपकेईकसुपीनें ॥ धिरजदेज्योरेसेनकूमार ॥ ॥ १२ ॥ कू० ॥ सार्थपपिणकहेकूमरनें ॥ धीरजकरोतूम्हेआज ॥ हिवणांखोलीलावीइ ॥ जिहांहोस्येरेपुत्रीराज ॥ १३ ॥ कु० ॥ इमकरीसहुइचालीआ ॥ केईसूसटलेईसग ॥ सातमेखमिदशमीकही ॥ ढालपद्येरेचढतेरग ॥ ॥ १४ ॥ कु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ऊहां ॥ ससरतांशांतिमती ॥ आर्यपुत्रकिहांआज ॥ दिशामुढदिनआथम्यो ॥ पोहतीगीरिनदीपाज ॥ १५ ॥ मनचिंतेमाहरोपती ॥ आवीनमील्योआंहि ॥ विरहेंकहोकीमजीवीइ ॥ मरवुआवनमांहि ॥ १६ ॥ अशोकवृक्षअवलवीनें ॥ दिउंपासऊपरासी ॥ वनदेवीवाणीसूणी ॥ एहवीमाहरीआशि ॥ १७ ॥ आर्यपुत्रमुंकीअघर ॥ नवीचीत्योमनमांहि ॥ जोजनमांत्तरेआर्यसूत ॥ तोपतीपाज्योत्यांहि ॥ १८ ॥ इमनीआणकआदरी ॥ आतमअधरकरेअ ॥ पासभुटोधरणीपमी ॥ मुर्छाताममलेय ॥ १९ ॥ ढाल० ॥ ठेमोनांजी ॥ एदेशी ॥

तापसकुमरआयोइणिअवसरि ॥ सभ्यासेवनकाज ॥ देवीचितवेसतिमनहुं
एए ॥ रूपेंरतीशिरताज ॥ २० ॥ अलगारहिई ॥ वनदेवीनेंएकाज ॥
अलगा ॥ ऐआंकणी ॥ अथवास्यूमुझनारीतुकाज ॥ आउंकरठेकांई ॥
शास्त्रमांवारयुनारिनुंदरसण ॥ पमीतइमवचाणें ॥ २१ ॥ अ० ॥ नयणेंदो
हग्यलाकाताती ॥ अजनकरवीठमी ॥ पणिजेअंगोपांगसंगाहइ ॥ नारीनीरव
वीसूनी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विषसपीइपणितोगनसजीइ ॥ रसवाटेवलीजे
मो ॥ पणनवीअलिकवचनजपीजें ॥ नहिविसवासीकुमो ॥ २३ ॥ अ० ॥
मुनीजननोअधीकारएनांही ॥ अथवादिनउशर ॥ करवोतेपणिशास्त्रेंबोल्यो
जिवदयाविस्तार ॥ २४ अ० ॥ यत ॥ नधम्मकज्जापरवडिकज्जं ॥ नधम्म
हिंसापरमअकज्ज ॥ नपेमरागापरमत्थिबंधो ॥ नवोहीवासापरमत्थीआसो ॥
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमाएकाकी ॥ सूतितिणेंएहीन ॥ विषम
रीठेकेएकुणठे ॥ देपीपासविरिवन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इणिरूपेंनेपाखनलेंस्वो
वातविरोधीएह ॥ अथवाकर्मेस्यूनवीथाइ ॥ कर्मविचित्रकरेह ॥ २६ ॥
अ० ॥ क्रमेंकलजलेदिधआसूपो ॥ आउषेचेतनआव्यू ॥ आंचिउथाकेतवमु
नीतापस ॥ देपीचितमराव्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेमुनीवर ॥
हूंतापसकुमार ॥ सुणीप्रणमीतवआसीससापे ॥ अविधवाहोनारी ॥ २८ ॥
अ० ॥ तुम्हेंइहांकिहांथितवमुनीसापे ॥ तपोवनमनुखविचार ॥ किवएका
कीकिमइहांआवी ॥ किमएहवोव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ इंवसांसलीजाति
मतीचितें ॥ किमकहिइनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेंवा ॥ नहिनीजउ
णिमयात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इमचितीकहेरायपुरराजा ॥ शास्त्रपाखनीवे
टी ॥ साथलुटाणोतिणेंएकाकीनी ॥ सर्त्तागयोमुझमेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ तो
सविजोगेंएव्यवसाय ॥ कहिनेंरोवालायी ॥ तपसीकहेमतरोसोसागिण ॥
नहीसंसारसोसागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिवनाटकीआकेरोवाजी ॥ पिणनांहो
यविजोगा ॥ पिणसयोगकणेकमांमोदज ॥ पिणसांहोवतशोगा ॥ ३३ ॥
अल० ॥ पिणमांआपदक्षिणनांसपद ॥ बुकीवंतेइमजाणी ॥ नकरेविचालवे

षमबेलामां॥अनुचिन्तनकरेप्राणी ॥३४॥ अल०॥ धीरजधरतांआपदजाइ ॥ तिणेतूठोमिवीषाद ॥ वलीतूझलक्षणथीझंजाणं ॥ सूणिकझकरीप्रसाद ॥३५॥ अल० ॥ तुझसरतानवीमरणलसोठें ॥ कहेंतूझसोवनकाती ॥ कोकीलस्वरसू प्रतीष्टीतचरणां ॥ नासीदक्षणवर्त्तवती ॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितबफलकसुवी शालविराजे ॥ शारदशसिसमवयण ॥ नविकमलाणीछवीमधुगुलीका ॥ श रीषांताहरांनयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूपीतसालमझलसोहे ॥ कुटिल केशवलीकाला ॥ स्नेहालाघणतिणेतूझसाषु॥तुठेंसाग्यवीशाल॥३८॥अल०॥ अवीघकातूठेवलीवीजु ॥ पुत्रवतीनीरधार ॥ कुलपतीनेंतूम्हेआवीवदो ॥ सू णीचालीतसद्दहार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवदेआशीशदिधी ॥ मुनीश्व्य तीकरसाप्यो ॥ कुलपतीकहेमतत्तपज्येवठे ॥ हवेदूखडरेंनाप्यो ॥ ४० ॥ अल० ॥ योगादिनमांपतीतूझमिलस्यें ॥ इणहिजजाणिउथान ॥ ज्ञानेंकरी जाणकुंएहवुं ॥ साकहेवचनप्रमाण ॥अल० ॥४१॥ तापसणीपासेंतेरहेतां॥ वितोकेतोककाला॥सातमेखमेपद्मविजयकहे ॥ एहअग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥ अल० ॥ डुहा ॥ अटविमांइणअवसरि ॥ सवरपल्लीपतीसेन ॥ खोलिंकरीब ऊषांतिस्यु ॥ किमेनलाधीकेण ॥ ४३ ॥ वासरतोवोलीगयो ॥ नमलीतेहनी नारि ॥ पेदलहीविलपामया ॥ मिल्याअरण्यमझारि ॥ ४४ ॥ कहेपल्लिपती कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्चयमानिनी॥सणतेसांतलिसेद ॥४५॥ सझनेंदिवसनसारीपा ॥ कालक्षेपपणिकांय ॥ आहारकरोतुमेअ म्हतणा ॥ प्राणरहेजीमप्राय ॥ ४६ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आपहथी करयोआहार ॥ शय्यापाथरीसोवतो ॥ मानिनीमनमांधारि ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ महाविरजगमांजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुक्याचोकी दार ॥ तिणेसमेसवरआवीनेंइणिपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४८ ॥ सूणो हमवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिउठिधनुखलीउंताणीजी ॥ पुठे २ वातसूजाए कहोकीसीकाणीजी ॥ एआंकणी ॥ तेकहेपवरपझेनहीअमनें ॥ पणिसामा न्येंजाण्यो॥साथआव्योअटवीमाजाणी ॥ विश्वपुरकेरोराणो ॥४९॥ सुणी०॥

तापसकुमरआयोइणिअवसरि ॥ सभ्यासेवनकाज ॥ देवीचितवेसतिमनहुं
एए ॥ रूपेंरतीथिरताज ॥ २० ॥ अप्रगारहिई ॥ वनदेवीनेंएआज ॥
अलगा ॥ ऐआंकणी ॥ अथवास्युमुझनारीतुकारज ॥ आउंअवरठेकांहि ॥
शास्त्रमांवारयुनारिनुंदरसण ॥ पडीतइमवचाणें ॥ २१ ॥ अ० ॥ नयणेंदो
इशलाकातानी ॥ अजनकरवीछडी ॥ पणिजेअंगोपांगसंगाइ ॥ नारीनीरव
वीसूडी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विषसपीइपणिसोगनसजीइ ॥ रखवाडेवडीछे
डो ॥ पणनवीअलिकवचनजपीजें ॥ नहिविसवासीकुडो ॥ २३ ॥ अ० ॥
मुनीजननोअधीकारएनांही ॥ अथवादिनउदार ॥ करवोतेपणिशास्त्रोवोद्योत
जिवदयाविस्तार ॥ २४ अ० ॥ यत ॥ नधम्मकहापरवडिकहा ॥ नपाव
हिंसापरमअकहा ॥ नपेमरागापरमडिबधो ॥ नबोहीलाभापरमडीआसो ॥
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमाएकाकी ॥ सुतितिणेंएदीन ॥ विचार
रीठेकेएकुणठे ॥ देवीपासविखिन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इणिरुपेंनेपासनलेंस्वो
वातविरोधीएह ॥ अथवाकर्मेस्यूनवीथाइ ॥ कर्मविचित्रकरेइ ॥ २६ ॥
अ० ॥ क्रमेंकलजलेदिधआसूपो ॥ आउषेचेतनआव्यू ॥ आंचिउपाकेतवसु
नीतापस ॥ देवीचितमराव्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेमुवीवर ॥
हुंतापसकुमार ॥ हुणीप्रणमीतवआसीसस्तावे ॥ अविधवाहोनारी ॥ २८ ॥
अ० ॥ तूम्हेंइहांकिहांचितवमुनीसाथे ॥ तपोवनप्रमुखविचार ॥ किमएका
कीकिमइहांआवी ॥ किमएहवोव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ इवसांसलीआंति
मतीचिंतें ॥ किमकहिइनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेंवा ॥ नहिमीजउ
णिमथात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इमचितीकहेरायपुरराजा ॥ शस्त्रपासलेंवे
टी ॥ साथलुटाणोतिणेंएकाकीनी ॥ सर्त्तागयोमुझमेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ तो
सविजोगेंएव्यवसाय ॥ कहिनेंरोवालावी ॥ तपसीकहेमतरोसोसागिए ॥
नहीससारसोसागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिवमाठकीआकेरीवाजी ॥ पिणमांहो
यविजोगा ॥ पिणसयोगकणेकमांसोदज ॥ पिणमांहोवतशोगा ॥ ३३ ॥
अ० ॥ पिणमांआपदकिणमांसपद ॥ दुकीवंतेइमजाणी ॥ नकरेविचारवि

पमबेलामांअनुचित्तनकरेप्राणी ॥३४॥ अल०॥ धीरजधरतांआपदजाइ ॥ तिणेतूठोमिवीपाद ॥ वलीतूझलक्षणथीझंजाणं ॥ सूणिकझकरीप्रसाद ॥३५॥ अल० ॥ तुझसरतानवीमरणलसोढें ॥ कहेंतूझसोवनकांती ॥ कोकीलस्वरसू प्रतीष्टीतचरणां ॥ नासीदक्षणवर्त्तवती ॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितबफलकसूवी शालविराजे ॥ शारदशसिसमवयण ॥ नविकमलाणीछवीमधुगुलीका ॥ श रीपांताहरानयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूपीतसालमझलसोहे ॥ कुटिल केशवलीकाला ॥ स्नेहालाघणतिणेतूझसापुंतुढेंसाग्यवीशाला॥३८॥अल०॥ अवीघकातूंढवलीबीजु ॥ पुत्रवतीनीरधार ॥ कुलपतीनेंतूम्हेआवीवदो ॥ सू णीचालीतसल्हार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवंदेआशीशदिधी ॥ मुनीइव्य तीकरसाध्यो ॥ कुलपतीकहेमतत्तपज्येवढे ॥ हवेदूखडुरेंनाध्यो ॥ ४० ॥ अल० ॥ योमादिनमांपतीतूझमिलस्यें ॥ इणहिजजाणिउथान ॥ ज्ञानेंकरी जाणतुंएहवुं ॥ साकहेवचनप्रमाण ॥अल० ॥४१॥ तापसणीपासेंतेरहेतां ॥ वितोकेतोककाला॥सातमेखमेपद्मविजयकहे ॥ एहअग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥ अल० ॥ दुहा ॥ अटविमाइणअवशरि ॥ सवरपल्लीपतीसेन ॥ खोलिकरीब झुषांतिस्यु ॥ किमेनलाधीकेण ॥ ४३ ॥ वासरतोबोलीगयो ॥ नमलीतेहनी नारि ॥ पेदलहीविलपाथया ॥ मिल्याअरण्यमझारि ॥ ४४ ॥ कहेपल्लिपती कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्चयमानिनी॥सणतेसांसलिसेद ॥ ४५ ॥ सझनेंदिवसनसारीपा ॥ कालक्षेपपणिकाय ॥ आहारकरोतुमेअ म्हतणा ॥ प्राणरहेजीमप्राय ॥ ४६ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आपहथी करयोआहार ॥ शय्यापाथरीसोवतो ॥ मानिनीमनमांधारि ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ महाविरजगमांजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुक्याचोकी दार ॥ तिणेसमेसवरआवीनेंइणिपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४८ ॥ सूणो हमवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिउठिघनुखलीउंताणीजी ॥ पुठे २ वातसूजाण कहोकीसीकाणीजी ॥ एआंकणी ॥ तेकहेपवरपमेनहीअमनें ॥ पणिसामा न्येंजाण्यो॥साथआव्योअटवीमाजाणी ॥ विश्वपुरकेरोराणो ॥४९॥ सुणी०॥

तापसकुमरआयोइणिअवसरि ॥ संध्यासेवनकाज ॥ [illegible]
एए ॥ रूपेंरतीशिरताज ॥ २० ॥ अलगारहिइं ॥ [illegible]
अलगा ॥ ऐआंकणी ॥ अपवारयुमुझनारीतुकारज ॥ [illegible]
शासमांवारयुंनारिनुंदरसए ॥ पमीतइमवचाणें ॥ २१ ॥ अ० ॥ [illegible]
हइलाकाताती ॥ अजनकरवीरुमी ॥ पणिजेअंगोपांगसंगाइ ॥ [illegible]
बीसूमी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विषसपीइपणिसोगनसजीइ ॥ [illegible]
मो ॥ पणनवीअलिकवचनजपीजें ॥ नहिविसवासीकुमो ॥ २३ ॥ अ० ॥
मुनीजननोअधीकारएनांही ॥ अपवादिनउदार ॥ [illegible]
जिवदयाविस्तार ॥ २४ अ० ॥ यत ॥ नधम्मकहापरवडिकहा ॥ [illegible]
हिंसापरमअकहा ॥ नपेमरागापरमइबधो ॥ नवोहीलासापरमइलासो ॥
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमाएकाकी ॥ सूतितिणेएदीन ॥ [illegible]
रीठेकेएकुणठे ॥ देपीपासविखिन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इणिरुपेंनेपाखनजेस्वो
वातविरोधीएह ॥ अपवाकर्मेस्यूनवीथाइ ॥ कर्मविचिअकरेह ॥ २६ ॥
अ० ॥ क्रमेंमलजलेदिधआतूपो ॥ आउषेचेतनआव्यू ॥ [illegible]
नीतापस ॥ देपीचितमराव्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेमुवीवर ॥
ऊंतापसकुमार ॥ सुणीप्रणमीतवआसीसलाषे ॥ अविधवाहोनारी ॥ २८ ॥
अ० ॥ तूम्हेंइहांकिहांचितवमुनीसाषे ॥ तपोवनप्रमुखविचार ॥ किमएकी
कीकिमइहांआवी ॥ किमएहवोव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ इंवसोसलीजांनि
मतीचिंतें ॥ किमकहिइनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेंवा ॥ नहिमीजउ
णिमवात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इमचितीकहेरायपुरराजा ॥ शस्त्रपाखनोवे
टी ॥ साथसुटाणोतिणेएकाकीनी ॥ सर्त्थगयोमुझभेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ तो
सविजोगेएव्यवसाय ॥ कहिनेंरोवालावी ॥ तपसीकहेमतरोसोसांमिष्ट ॥
नहीससारसोसागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिवसाहकीआकेरोवाजी ॥ पिणसांहो
यविजोगा ॥ पिणसयोगकणेकर्मांसोदज ॥ पिणसांहोवतयोगा ॥ ३३ ॥
अ० ॥ पिणमांआपदकिणमांसपद ॥ बुद्धीवंतेइमजाणी ॥ नकरेविचाविचे

षमबेलामांआनुचिन्तनकरेप्राणी ॥३४॥ अल०॥ धीरजधरतांआपदजाइ ॥ तिणेतूढोमिवीषाद ॥ वलीतूझलक्षणथीझंजाणे ॥ सूणिकझकरीप्रसाद ॥३५॥ अल० ॥ तुझसरतानवीमरणलसोढें ॥ कहेंतूझसोवनकाती ॥ कोकीलस्वरसू प्रतीष्टीतचरणां ॥ नासीदक्षणवर्त्तवती ॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितबफलकसुवी शालविराजे ॥ शारदशसिसमवयण ॥ नविकमलाणीछबीमधुगुलीका ॥ श रीषांताहरांनयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूपीतसालमझलसोहे ॥ कुटिल केशवलीकाला ॥ स्नेहालाघणतिणेतूझसापु॥तुढेसाग्यवीशाला॥३८॥अल०॥ अवीधवातूढेवलीवीजु ॥ पुत्रवतीनीरधार ॥ कुलपतीनेंतूम्हेआवीवदो ॥ सू णीचालीतसल्हार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवदेआशीशदिधी ॥ मुनीश्व्य तीकरसाप्यो ॥ कुलपतीकहेमतत्तपज्येवढे ॥ हवेदूखडुरेंनाप्यो ॥ ४० ॥ अल० ॥ योगादिनमापतीतूझमिलस्यें ॥ इणहिजजाणिउद्यान ॥ ज्ञानेंकरी जाणंतुंएहवुं ॥ साकहेवचनप्रमाण ॥अल० ॥४१॥ तापसणीपासेंतेरहेतां॥ वितोकेतोककाला॥सातमेखमेपद्मविजयकहे ॥ एहअग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥ अल० ॥ डुहा ॥ अटविमांइणअवशरि ॥ सवरपल्लीपतीसेन ॥ खोलिंकरीन झुषांतिस्यु ॥ किमेनलाधीकेण ॥ ४३ ॥ वासरतोवोलीगयो ॥ नमलीतेहनी नारि ॥ पेदलहीविलपाथया ॥ मिल्याअरण्यमझारि ॥ ४४ ॥ कहेपल्लिपती कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्चयमानिनी॥सणतेसांसलिसेद ॥ ४५ ॥ सझनेंदिवसनसारीपा ॥ कालक्षेपपणिकाय ॥ आहारकरोतुमेअ म्हतणा ॥ प्राणरहेजीमप्राय ॥ ४६ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आपहथी करयोआहार ॥ शय्यापाथरीसोवतो ॥ मानिनीमनमांधारि ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ महाविरजगमांजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुक्याचोकी दार ॥ तिणेसमेसबरआवीनेंइणिपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४८ ॥ सूणो हमवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिउठिधनुखलीउंताणीजी ॥ पुछे २ वातसूजाण कहोकीसीकाणीजी ॥ एआकणी ॥ तेकहेषवरपझेनहीअमनें ॥ पणिसामा न्येंजाण्यो॥साथआव्योअटवीमाजाणी ॥ विश्वपुरकेरोराणो ॥४९॥ सुणी ०॥

जाण्यूपद्मिपतीनीकलस्ये ॥ मोकलीनिजेपाडि ॥ [illegible]
पोहतीनांहिरुहाडी ॥ ५० ॥ दू० ॥ स्वामीकारयतांध्युनांही ॥ [illegible]
तउ ॥ रपेसाथएआवीदुटें ॥ पाइनोअतीअभनउ ॥ [illegible]
घनेंतेहसूणावी ॥ कुमरनीकरज्योसार ॥ डरचीकुमरनेंघडवीपाल्यो ॥ [illegible]
ऐंतेहकुमार ॥ ५२ ॥ दू० ॥ जुउंगुरुतापद्मिपतीकेरी ॥ [illegible]
खडगलेईकहेसानुदेवनें ॥ पणएसगनहीकांय ॥ ५३ ॥ दू० ॥ [illegible]
ताइईहारहेज्यो ॥ अथवाकरज्योपयाण ॥ ऊंपद्मिपतीसवरकरेवा ॥ [illegible]
सुणिजाण ॥ ५४ ॥ दु० ॥ सानुदेवनवीउत्तरआपे ॥ सेनकुमरकहेताय ॥
बोलवाजेहवीवातनहीउ ॥ इमघरीचाल्योहाय ॥ ५५ ॥ दु० ॥ [illegible]
जुधलागुतिहांसचडू ॥ गगनांगणसरसुबांणें ॥ पद्मिपतीकहेसेनकुमरनें ॥
जुउंमुऊशक्तीवीन्नाण ॥ ५६ ॥ दु० ॥ सेनकुमरपणिसवमनधेईनें ॥ [illegible]
सबुसाहमो ॥ सिंहपरेंतिहांकरेपराक्रम ॥ हरपपद्मिपतीपांम्यों ॥ [illegible]
अनुक्रमेंजुधकरतांहारया ॥ पद्मिपतीकुमार ॥ पकडीनेंजेईचाल्याद्मिपपुर ॥
आव्याहरपअपार ॥ ५८ ॥ दु० ॥ पणिएककुमरनुदेषीपराक्रम ॥ [illegible]
क्याचित्तमांहि ॥ समरकेतूराजानेंसघलो ॥ कहेअधीकारउमांहि ॥ [illegible]
दु० ॥ रुपपराक्रमदेषीराजा ॥ विस्मयपाम्योचितें ॥ कूणएपुरुषलोकोत्तरदि
शे ॥ करुगवेपणातते ॥ ६० ॥ दु० ॥ नरपतीसूतहोस्येसहीनीश्चें ॥ [illegible]
नृपबोलोमारोपद्मिपतीएतस्कर ॥ डरनहीइणतोलें ॥ ६१ ॥ दु० ॥ कुमरकहेमुक
सीमोटाई ॥ एहमरेरुजीवु ॥ तिणेंमुऊनेंमारोईमसार्थे ॥ महीतरअलनवीपीडु
॥ ६२ ॥ दु० ॥ रायविचारेस्युमुखबोले ॥ एहमहानुंसाल ॥ अथवाएहनेंई
मजजुगतू ॥ रायकहेघरीराग ॥ ६३ ॥ दू० ॥ आतीवशसाथेनूपकेरां ॥ म
वतिहासेनकूमार ॥ पासेंआकुअवसूजोतो ॥ उत्तमघरीआचार ॥ [illegible]
सानुदेवइणअवसरेंआव्यो ॥ सेठणसाथेंलाव्यो ॥ [illegible]
केईकनरेंसोहाव्यो ॥ [illegible] ॥ नृपआणाईपेसणदेवे ॥ समरकेतूपकीहार ॥
जईनरपतिनेंसेठणआव्युं ॥ सुपविईसतकार ॥ ६६ ॥ दू० ॥ आसनदेचआ

पीबेसारयो ॥ दिठोसेनकूमार ॥ पिमीतअनेकप्रहरेंदेषी ॥ शोकधरेतिणीवार ॥ ६७ ॥ सु० ॥ मुर्छालहीनेधरणीढलीउ ॥ स्यूषयुरायविमासो॥शितलउपचारेंलसोचेतन ॥ पुढेनृपतसपासें ॥ ६८ ॥ सु० ॥ तुमनेंएहयुस्यूसाषो ॥ तबबोल्योसउवाह ॥ एहससारमांसारनहीकांय ॥ आपदहोयअथाह ॥ ६९॥ ॥ सु० ॥ चपाधीपसुतएहवीआपद ॥ पाम्योतिणेंमुझशोक ॥ तबनृपचिंतेजेहकलपना ॥ किधीतेनहीफोक ॥ ७० ॥ सु० ॥ पुढेसहकहोएकिणीपरें ॥ अटविमांएकाकी ॥ सानुदेवकहेमिलीउवाटें ॥ वातनजाणुवाकी ॥ ७१ ॥ सु० ॥ वननीकुजमांनारीस्यूदिठो ॥ ईत्यादिकसहुसाप्यु ॥ कुमरनीपवरलहीहुआव्यो ॥ जेहवुषयुतेहदाप्यु ॥ ७२ ॥ सु० ॥ रायकहेएहुकिधु ॥ सातमेंखंमेढाल ॥ पद्मविजयकहेबारमीसाषी ॥सुणतांमगलमाला॥७३॥सु०॥ ॥ ढहा ॥ रायकहेनीजनरमनें ॥ एहनेंकरोअवल्ल ॥ सांसलितेपणिसहुहुआ ॥ निरताकरणनवल्ल ॥ ७४ ॥ विजाधरमांषेहुनें ॥ सज्याकिधीसार ॥ वैषबोलाव्यावेगस्यू ॥ व्रणकर्म्मकरेतिणीवार ॥ ७५ ॥ शांतिमतीनेंसोधवा ॥ निजनरनेंनरराय ॥ मुकिनेंमहिपतीहवे ॥ सार्थपनेंसमझाय ॥ ७६ ॥ साथतुमारोविसमथल्ल ॥ हुरेंजाबुदेश ॥ अवशरमेघनोआविउ ॥ सांसलज्योसुविशेष ॥ ७७ ॥ राजकुअरठेमुझघरे ॥ चितानकरोचित्त ॥ जाउसूपेंजिमसुखहोइ ॥ सार्थपदूखथीसित्त ॥ ७८ ॥ पगनवहेपार्थिवसूणो ॥ कुमरविनामुझकोय ॥ ससलावेतेसेननें ॥ सार्थपआवीसोय ॥ ७९ ॥ सेनकहेसार्थपसूणो ॥ नरपतीकहेठेम्याय ॥ कायरपणनविकिजीइं ॥ नरपतीवयणनजाय ॥ ८० ॥ नकरोवयणजोनृपतणु ॥ निवृतिअमनवीथाय ॥ वचनप्रमाणकरीवदे ॥ नवीतुमवचनलोपाय ॥ ८१ ॥ ढाल० ॥ अवशरपामीनेंरेकिजेंनवआविलनीउली ॥ एदेशी ॥ अवसरदेषीनेंरेचाल्योसारथवाहसूजाण ॥ वर्षाकालआव्योतिणसमें ॥ निपनांसघलांधान ॥ अनुक्रमेंवर्षाथयोव्यतीक्रम ॥ निरमलथयानिवाण ॥ ८२ ॥ अव० ॥ कुमरपल्लिपतीसाजाझुआ ॥ करयांवधामणांमार ॥ रायकुमरनेंकहेमेमुक्या ॥ पोलवा

जाण्यूपल्लिपतीनीकलस्ये ॥ मोकलीतिणेंवाणि ॥ [illegible]
पोहतीनांहिरुहाणी ॥ ५० ॥ सु० ॥ स्वामीकारयसाध्युंमांही ॥ [illegible]
तउ ॥ रपेसाधएआवीलुटें ॥ पाइतोअतीअजनउ ॥ [illegible]
मनेंतेहसुणावी ॥ कुमरनीकरज्योसार ॥ डरचीकुमरनेंवहमीपाडयो ॥ [illegible]
एंतेहकुमार ॥ ५१ ॥ सु० ॥ जुउंगुरुतापल्लिपतीकेरी ॥ [illegible]
खमगलेईकहेसानुदेवनें ॥ पणयसगनहीकांम ॥ ५२ ॥ सु० ॥ तुम्हेंरहा[illegible]
ताईहारहेज्यो ॥ अथवाकरज्योपयाण ॥ ऊपल्लिपतीसवरकरेवा ॥ [illegible]
सुणिजाण ॥ ५४ ॥ सु० ॥ सानुदेवनवीउत्तरआपे ॥ सेनकुमरकहेताव ॥
बोलवाजेहवीवातनहीउ ॥ इमघरीचाल्योहाव ॥ ५५ ॥ सु० ॥ [illegible]
जुधलागुतिहांसबलू ॥ गगनांगणसरयुबांणें ॥ पल्लिपतीकहेसेनकुमरनें ॥
जुउंमुऊशक्तीवीन्नाण ॥ ५६ ॥ सु० ॥ सेनकुमरपणिसज्जनवेईनें ॥ [illegible]
सत्रुसाहमो ॥ सिंहपरेंतिहांकरेपराक्रम ॥ हरषपल्लिपतीपांम्यों ॥ [illegible]
अनुक्रमेंजुधकरतांहाल्या ॥ पल्लिपतीकुमार ॥ पकडीनेंलेईचाल्याविजयपुर ॥
आव्याहरषअपार ॥ ५८ ॥ सु० ॥ पणिएककुमरनुदेषीपराक्रम ॥ [illegible]
क्याचित्तमांहि ॥ समरकेतूराजानेंसघलो ॥ कहेअधीकारउमांहि ॥ [illegible]
सु० ॥ रुपपराक्रमदेषीराजा ॥ विस्मयपाम्योचितें ॥ कूणएपुरुषलोकोत्तरवि
शे ॥ कहुगवेषणातते ॥ ६० ॥ सु० ॥ नरपतीसुतहोस्येसहीनीश्चें ॥ ईचिंतो
नृपबोलो ॥ मारोपल्लिपतीएतस्कर ॥ डटनहीइणतोलो ॥ ६१ ॥ सु० ॥ कुमरकहेमुक
सीमोटाई ॥ एहमरेऊजीवुं ॥ तिणेंमुऊनेंमारोईमसार्थे ॥ नहीतरजलवबीपीवुं
॥ ६२ ॥ सु० ॥ रायविचारेस्युमुखबोले ॥ एहमहानुंसाव ॥ अथवाएहनेंई
मजजुगतू ॥ रायकहेघरीराग ॥ ६३ ॥ सु० ॥ आतीवशसाधेतूमकेरा ॥ [illegible]
वतिहांसेनकुमार ॥ पासेंआकुअवसूजोतो ॥ उत्तमघरीआचार ॥ [illegible]
सानुदेवइणअवसरेंआव्यो ॥ सेटणकसार्थेलाव्यो ॥ बालकुमरनीकहेवासाव
केईकनरेंसोहाव्यो ॥ ६ ॥ सु० ॥ नृपआणाईपेसणदेवे ॥ समरकेतूकीहार ॥
आईनरपतिनेंसेटणआव्यु ॥ सुपदिइसतकार ॥ ६६ ॥ सु० ॥ आसनसुपचा

सुआकहेस्यूथयुएआम ॥ ४ ॥ अ० ॥ सखिउंकहेएईसरखधनी ॥ पुत्रीनीलु आनाम ॥ तुम्हनेंदिधीपणिनवीपरणी ॥ मोहेमुंठितआम ॥ १ ॥ अ० ॥ सांसलीशोकातुरथयोतेहवे ॥ स्नेहवध्योगयुध्यान ॥ पाणीकमलनुगांटीने ॥ आणीतेहनेंसान ॥ २ ॥ अ० ॥ रागघणोनारीनोदेषी ॥ बलीकटाकुनांबाण ॥ अगउपांगजोतांनारीनां ॥ वींधाणातसप्राण ॥ ३ ॥ अ० ॥ मदनविकारअ तीदुर्जयछे ॥ रमणीकतरुणीविलास ॥ एकांतथानिकवननुजाणी ॥ चित्तवि ह्वलथयुतास ॥ ४ ॥ अ० ॥ गुरुवचलोपुकेएहछाडु ॥ दुष्करवातएदोय ॥ अथवाव्रतपालूतोएमुझ ॥ जनमातरेंपणिहोय ॥ ५ ॥ अ० ॥ मनइछितपा मेंव्रतपाखें ॥ एहविगुरुनीवाच ॥ व्रतरहस्येनेंएपणिमलस्ये ॥ एहबुधास्युसा च ॥ ६ ॥ अ० ॥ सातमेंखमेंतेरमोसापी ॥ पर्वेंढालरशाल ॥ समरादित्य नारासवारुनी ॥ सुणतांमंगलमाल ॥ ७ ॥ अ० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ वलिविनीतानावसथकी ॥ चलिउएहनुचित्त ॥ बोलावुंअबलाप्रते ॥ जोउजपणरीती ॥ ८ ॥ इमचितीआपेंइस्यू ॥ मतदुखआणेंमन्न ॥ तूझसे हेंकतमफरु ॥ कहुतेसांसलिकन्न ॥ ९ ॥ व्रतलीधुकिमवरजीइ ॥ गुरुवच किमनगणाय ॥ पणिसांसल्युगुरुपासथी ॥ व्रतथीवछीतथाय ॥ १० ॥ उत्त यवातव्रतथीअछे ॥ एहलोकेंगुरुआण ॥ परसवतूझसगमपणु ॥ मिलस्येए हप्रमाण ॥ ११ ॥ निलुआकहेनिरतूकरो ॥ माहरेतूमेप्रमाण ॥ अणसणवि हुइआदरयु ॥ स्नेहपरस्परआण ॥ १२ ॥ सरताआसयसामिनी ॥ नरआसय घरेनारी ॥ जनमांतरहेज्योअमे ॥ इणिपरिचितअवधारि ॥ १३ ॥ ढाल ॥ सूरतीमहिनानो ॥ चैत्रेंचतूरसूजनाव्या ॥ रायाजीकरेरेविचार ॥ एदेशी ॥ ट हुआशोकनेंहेवलिअणसणकिधउदार ॥ बहुवारतीसखीजनपणितेमननवि चारि ॥ तेकोलाहलसांसलीआव्यागुरुनागदेव ॥ लाज्योप्रियमीत्रउर्ध्यइव यातनपेव ॥ १४ ॥ मनवछिततुमनिपजोइणिपरेंदिइआशीश ॥ मनचितेकुण नारीएरुपसमानवरीस ॥ रागघणोप्रियमीत्रनेंउपरिलपीइइम ॥ तवसखी इकसोमामीधुरथीजिणीपरेंप्रेम ॥ १५ ॥ नागदेवतवचितवेअहो२मदनवी

नरतूऊनारी ॥ ८३ ॥ अव० ॥ केईकआम्यानेकेईनाम्या ॥ [illegible]
नरदोय ॥ सोमसुरनामेंदमजपे ॥ सांसलोबातनेमोय ॥ ८४ ॥ [illegible] ॥ पु
मरनारीसजोगनुकारण ॥ रायकहेकहोतेह ॥ सोमसुरकहेकार्यपरीया ॥
प्रियमेलकतिर्थजेह ॥ ८५ ॥ अव० ॥ तेहनीउपपतीसांसलोनें ॥
अटवीमांहि ॥ विद्यापवर्द्धननामेंनगरें ॥ सूपअजीतबलत्यांहि ॥ ८६ [illegible]
सेठवसुधरनामेंरुडो ॥ प्रियमित्रसुतताम ॥ ईश्वरस्वधसेठनीछेपुत्री ॥ निसुणो
कन्याबास ॥ ८७ ॥ अव० ॥ तेहनेंदिधीपणिनविपरण्या ॥
ल ॥ यौवनपाम्यांएहवेवरना ॥ बापनुधनवीसराज ॥ ८८ ॥ अव० ॥
सुधरपोहतोपरसव ॥ हवेप्रियमीत्रकूमार ॥ मानेंनहिकोईदलीद्रपहाची ॥ प
रीजनकरेअपकार ॥ ८९ ॥ अव० ॥ जेजेकरेतेनीफलजाई ॥ पाम्योवर्ष
विषवाद ॥ निकलिउतेनयरनेंमुकी ॥ मुकितिहांआह्लाद ॥ ९० ॥ अव० ॥
शून्यसमुद्रिमनीपरेंचाल्यो ॥ उत्तरपथसूजाण ॥ पमरसीक्षुनागदेवनामें ॥ म
लिउमीत्रप्रमाण ॥ ९१ ॥ अव० ॥ सिक्षुइउलषीनेंबोलाम्यो ॥ एहअवस्था
तुझ ॥ किमठेनेंकिहाजायएकाकी ॥ सापेतूमुझनेगुझ ॥ ९२ ॥ अव० ॥ मी
यमित्रकहेदेवनेंपुछो ॥ सघलीमाहरीवात ॥ नागदेवकहेताहरातातनें ॥
हीसुखज्ञात ॥ ९३ ॥ अ० ॥ प्रियमीत्रकहेपरसवपोहता ॥ तेहनेंनितसूखता
त ॥ पणिप्रियमीत्रजघन्यपुरुषना ॥ देषोएअवदात ॥ ९४ ॥ अ० ॥ इहपर
लोकएकेनसधाइ ॥ एहवोअवसरआज ॥ नागदेवकहेशोकनधरोइ ॥ अव
राजानेंराज ॥ ९५ ॥ अ० ॥ तासनीधारककोईनलहीइ ॥ धर्मरायविणजाण ॥
इत्यादिकउपदेशदेईनइ ॥ दिक्षादिइतिणठाण ॥ ९६ ॥ अ० ॥ गोरसत्यागमधु
खकरेकिरीया ॥ केईकदिनगयाजाम ॥ निसुआनारीवातसूणीनें ॥ मनमांकि
तेताम ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सरताभारगवालेनारी ॥ ईमचिंतीकरेधर्म्म ॥ विषयथी
पासाविणसरतानु ॥ दर्शनमनथयुरम्य ॥ ९८ ॥ अ० ॥ विरहथकीतेऽर्वलऊभी
अनुकमेंतेविचरत ॥ तिणेनयरेंआव्योतससर्त्ता ॥ निसुआजइप्रणमंता ॥ ९९ ॥
अ० ॥ ध्यानयोगमांदिठोतेहनें ॥ मुर्छाआवीताम ॥ ध्यानयोगमुंकीतेसी

जोजाय ॥ तोतेससक्तिअचित्यथीनारीनुमिलवुथाय ॥ रायकुमरमनहरण्या
वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुनिजनरस्युशुसवाच ॥ २७ ॥ पछिप
तीनेंपुछेसूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांसल्यूतपवनकुकमुथानीकएह ॥ राय
कहेतूमेंपरीकरलेईनश्जाउंत्तह ॥ पणितुम्हेघरणीलहीनश्निश्चयआववुश्ह ॥
॥ २८ ॥ सांसलीवयणतेचालीउंकरतोनीत्यप्रयाण ॥ अनुक्रमेंतपोवनकुक
मोपहोतोतेहसूजाण ॥ तापसनाउपरोघथीथोमोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेंव
दिआदिश्आशिसतिवार ॥ २९ ॥ पछिपतीतेहथानीकलाध्योराजकुमार ॥ व
ऊपादपउपशोसीततेदेउलनेंद्वार ॥ कल्पपादपनवीउंलषुपणिसामान्येंएठा
यं ॥ पछिपतीवचसांसलीचित्तनीरासतेथाय ॥ ३० ॥ ससारेशांतिमतीना
पीदीर्घनीशासासापणिफुलपहीनेंजातीनीजआवास ॥ सावीसावनाजोगथी
कर्मतणेंपरीणाम ॥ वेठीवीसामेतिहाप्रियमेलकनेंठाम ॥ ३१ ॥ नागरवेलि
आलिंगीतदिठोतीहांअशोक ॥ ससारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
मलोचनश्णअवशरेफूरक्युतामकुमार ॥ समतो २ आवीउंतेप्रीयमेलकठार ।
॥ ३२ ॥ देषीसरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ वऊकालेंमल्योतिणेंउतकठीतप
नज्यूमोर ॥ विरहमांजिवतीरहीतिणेंपामीलक्षाताम ॥ परीक्षाकरुश्मउद्विज्ञ
होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहाथीआव्याश्मकरतीविचारअनेकप्रकार ।
सूपनहस्येकेकिमएपामीपेदअपार ॥ परीप्रतितथीस्वस्थथईतिणेंवऊरससावा
वेदतीमुर्छापामतीदेषीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युथयुरेमतीआंसु
धार ॥ पाणिश्सीचीपणिनवीवोलेतेहलगार ॥ तवषऊआक्रदकरीनेंरोवालागीते
ह ॥ दोम्योकुमरआवीकहेविहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेसयसशारनो
वोलेतामकुमार ॥ किमआक्रदकरयोतववातकहेघरीप्यार ॥ सातमेखमेएप
दर्मेसापीचीदमीढाल ॥ वातसुणतांहोस्येसऊनेंमगलमाल ॥ ३६ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढहा ॥ रायपुरपतीशखरायनी ॥ पुत्रीपावनअग ॥ सांतीमतीएसोहामणी ॥
आरतिविरहएकाग ॥ ३७ ॥ प्राणत्यागपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदिठ ॥
कुलपतीनेंलाव्योनोकट ॥ श्णेपणिश्मआईठ ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

कार ॥ मदनसेदाणापाणीआसर्वकरेपरकार ॥
नोलाग ॥ चिनवीकहेप्रीयमीमनेंतांसअनुमहासाग ॥ १६ ॥
छनतिणेंनेंएकरणूकांम ॥ पणस्यामासठेतूऊनेंमतनवीलंघुंआम ॥
करजेकरजेसावनातत्वविचार ॥ इमकही
॥ १७ ॥ नरनारीनृपवदतांदोयमासवहीजाय ॥
किन्नरथाय ॥ जोईपुरवसवअवधिथीआव्योतेहउथान ॥ पुजाकरीउथान
नीकरयुदेउलतिणथान ॥ १८ ॥ देवअनगनेंनिर्हतीदेवीथापीतांहि ॥
नगयातिहांथीहर्षधरीउछाहि ॥ तिहांएकदिठिवी
ग ॥ तिणेंअतीडवलीसमतीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुछेतेहनेंतूंकुलकिनर
काकीइंम ॥ साकहेमदनमजुपापेचरीऊनुनेम ॥ मितमरागथीविद्याहेवीनिपु
जानकीध ॥ सर्त्तविजोगसरापउमासनोतेणीइदिध ॥ २० ॥
ऊपतीकेरोथास्येविजोग ॥ तिणएकाकीणीवनमांसवीसतूअरतीसजोग ॥ प
रणेंपनीतवमेंकसूस्वामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेप्रेमथीनवीआपदहेपा
य ॥ २१ ॥ तिणेंतेरुमुकासुनकीधलूपणिसुणिवाता। नदनवनतूजायज्येउपज
स्येसुखवशात ॥ प्रीयमेलकरूंपउपरेंधवलजमलफूलथाय ॥ स्निग्धमाधवीव
ताआलिंगीतहेठलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूऊमीलस्येसरताइमसुणीआवीएच ॥
पणिनवीलासेंथानिकनविजाणकठेकेच ॥ किनरकहेधीरीथाऊतूऊदासुंतेह ॥
अमुंकमेंपोलीदेषाम्युंथानिकतिहांगईनेह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्यथीनी
लीउंतससरतार ॥ निजपतीआगलिधुरथीसर्वकसोअधीकार ॥ विद्याधरकि
नरनेंप्रीतीपईतेअपार ॥ कांयककालगमावीगयासऊनीज२ उार ॥ २४ ॥
किंनरीकहेनिजस्वामीनेंएडखतोनरखथाय ॥ निजप्रीयविरहतणुंतिणेंकिजें
तासउपाय ॥ जनमलसानुफलजेकरीइपरउपगार ॥ तिणेंएवकहउवोजीहांथा
पणमिलीआसार ॥ २५ ॥ सांसलिप्रीयमेलकउम्योनीजकतदेवलपासाउवि
२ जणव्युईमविरहीनीपुरेआस ॥ केईकविरहीलोकमीआशापुरणकीध ॥
णेंप्रीयमेलकतिरथमानथयुंमत्रीरू ॥ २६ ॥ तेकारणऊजाणकूमरएतिहां

जोजाय ॥ तोतससक्तिअधित्यथीनारीनुमिलवुथाय ॥ रायकुमरमनहरप्या
वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुनिजनरस्युशुसवाच ॥ २७ ॥ पल्लिप
तीनेंपुढेसूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांसल्यूतपवनदुकमुथानीकएह ॥ राय
कहेतूमेंपरीकरलेईनश्जाउंत्तह ॥ पणितुम्हेघरणीलहीनशनिश्चयआवबुश्ह ॥
॥ २८ ॥ सांसलीवयणतेचालीउंकरतोनीत्यप्रयाण ॥ अनुक्रमेंतपोवनदुक
मोपहोतोतेहसूजाण ॥ तापसनाउपरोधथीथोमोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेंव
दिआदिश्आशिसतिवार ॥ २९ ॥ पल्लिपतीतेहथानीकलाव्योराजकुमार ॥ ब
ह्मपादपउपशोसीततेदेउलनेंद्वार ॥ कल्पपादपनवीउंलषुपणिसामान्येंएग
य ॥ पल्लिपतीवचसासलीचित्तनीरासतेथाय ॥ ३० ॥ ससारेशांतिमतीनां
षीदीर्घनीशासासापणिफुलपहीनेंजातीनीजआवास ॥ सावीसावनाजोगथी
कर्मतणेंपरीणाम ॥ बेठीवीसामेतिहाप्रियमेलकनेंगाम ॥ ३१ ॥ नागरवेलि
आलिंगीतदिठोतीहांअशोक ॥ ससारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
मलोचनश्णअवशरेफूरक्युतामकुमार ॥ समतो २ आवीउंतेप्रीयमेलकगार ॥
॥ ३२ ॥ देषीसरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ बहुकालेंमल्योतिणेंउतकठीतघ
नज्यूमोर ॥ विरहमाजिवतीरहीतिणेंपामीलह्लाताम ॥ परीक्षाकरुश्मउद्विज्ञ
होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहाथीआव्याश्मकरतीविचारअनेकप्रकार ॥
सूपनहस्येकेकिमएपामीपेदअपार ॥ परीप्रतितथीस्वस्थथईतिणेंवहुरससावा
वेदतीमुर्छापामतीदेषीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युथयुरेमतीआंसू
धार ॥ पाणिश्सीचीपणिनवीबोलेतेहलगार ॥ तवबहुआक्रदकरीनेंरोवालागीते
ह ॥ दोम्योकुमरआवीकहेविहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेसयसआरनो
बोलेतामकुमार ॥ किमआक्रदकरयोतववातकहेघरीप्यार ॥ सातमेरवमेएप
दर्मेसापीचौदमीढाल ॥ वातसुणताहोस्येसहुनेंमगलमाल ॥ ३६ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढहा ॥ रायपुरपतीआखरायनी ॥ पुत्रीपावनअग ॥ सातीमतीएसोहामणी ॥
आरतिविरहएकाग ॥ ३७ ॥ प्राणत्यागपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदिठ ॥
कुलपतीनेंलाव्योनोकट ॥ श्णेंपणिश्मआईठ ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

कार ॥ मदनसेदाणाप्राणीआसर्वकरेपरकार ॥ उत्तरीइहवेइहांचीनहीउपीच
नोलाग ॥ चिनवीकहेप्रीयमीमनेंसांसपनूमहासाग ॥ १५ ॥ तेहाकुहोनेंच
ह्मनतिणेंनेंएकरयूकांन ॥ पणस्यावासलेतूऊनेंमतनवीलमनुंआन ॥ तेवन
करजेकरजेसावनातत्वविचार ॥ इमकहीनागदेवगयोहवइंप्रियमीमनेंनारि ॥
॥ १७ ॥ नरनारीनृपवदतांदोयमासवहीजाय ॥ तेहजपरीणांनेंकरीकाल
किन्नरथाय ॥ जोईपुरवसमअवधिथीआव्योतेहउपाव ॥ पुजाकरीउपाव
नीकरयुदेउलतिणथान ॥ १८ ॥ देवअनगनेनिर्हतोदेवीचापीतांहि ॥ मंदमव
नगयातिहांथीहर्षधरीउगाहि ॥ तिहांएकदिठिवीयाधरीतासप्रीतमनोविजो
ग ॥ तिणेंअतीउवलीसमनीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुछेतेहनेंतूंकुणकिंपड
काकीइंम ॥ साकहेमदनमजुपायेचरीऊनुनेम ॥ प्रितमरागथीविद्यादेवीनीतु
जानकीध ॥ सर्त्तविजोगसरापउमासनोतेणीइंदिध ॥ २० ॥ एहनिमीतेंतू
ऊपतीकेरोथास्येविजोग ॥ तिणेंएकाकीणीवनमांसमीसतूअरतीसजोग ॥ च
रणेंपमीतवमेंकहूस्वामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेप्रेमथीनवीआपवदेवा
य ॥ २१ ॥ तिणेंतेरुमुकासुनकीधलूपणिसुणिवाता ॥ नदनवनतूजायज्येउपज
स्येसुरवज्ञात ॥ प्रीयमेलकरूपउपरेंधवलजमलफूलथाय ॥ स्निग्धमाधवीस
ताआलिगीतहेगलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूऊमीलस्येसरताइमसुणीआवीएच ॥
पणिनवीलासेंथानिकनविजाणकेकेच ॥ किनरकहेघीरीचाऊंतूऊदाचुतेह ॥
अमुकमेंषोलीदेषाम्युथानिकतिहागईनेह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्यथीनी
लीउंतससरतार ॥ निजपतीआगलिधुरथीसर्वकलोअधीकार ॥ विद्याधरांक
नरनेप्रीतीथईतेअपार ॥ कांयककालगमावीगयांसऊनीज२ठार ॥ २४ ॥
किनरीकहेनिजस्वामीनेंएऊस्वतोनस्वमाय ॥ निजप्रीयविरहतणुंतिणेंकिजें
तासउपाय ॥ जनमलक्षानुफलजेकरीइपरउपगार ॥ तिणेंएवकहउवोजीहांआ
पणमिलीआसार ॥ २५ ॥ सांसलिप्रीयमेलकउम्योनीजकतदेवलपासोगमि
२ जणव्युईमविरहीनीपुरेआस ॥ केईकविरहीलोकनीआशापुरणकीध ॥ ति
णेंप्रीयमेलकतिरथनामेंचर्युमत्रीद ॥ २६ ॥ तेकारणऊजाणकूमरएतिहां

अमचीआसरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ सवरपासमगावीआरे ॥ फूलचदनर्नेनीरे ॥ पु० ॥ तिर्णेविधिपुर्वकपूजीउरे ॥ कल्पवृक्षनेंधीररे ॥ ५६ ॥गु० ॥ आवरजी एहनेंगुर्णेरे ॥ षेत्रदेवीआशन्नरे ॥ पु० ॥ कहेतूठीतुझउपरेंरे ॥ मांगितुजेहोय मन्नरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ यत ॥ अमोघावासरेंविद्युत् ॥ अमोघनिशीगर्जित ॥ अमोघाउत्तमावाणी ॥ अमोघदेवदर्शन ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तुमदर्शनथीस्यु पठेरे ॥ अघीकूढेमुझआजरे ॥ पु० ॥ देवीमनमांचितवेरे ॥ नविमागेंकाई काजरे ॥ ५८ ॥ गु० ॥ पणिआयहकरीआपीइरें ॥ रयणएकअसीरामरे ॥ पु० ॥ विषसघलाअपहरीलीइरे ॥ रोगहरेगुणकामरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ इम चितीकहेदेवतारे ॥ तुनीरलोसीसाररे ॥ पु० ॥ मुझवझमानेंलिजीइरे ॥ करवा परउपगाररे ॥ ६० ॥ गु० ॥ मणीरयणएमाहरुंरे ॥ सांसलीकरेविचाररे ॥ गु० ॥ देवतामान्यहोइसदारे ॥ इमकरीपहेअवीकाररे ॥ ६१ ॥ गु० ॥ करेप्रणामत वइमकहेरे ॥ चिरजीवआशीसरे ॥ पु० ॥ अदृशथईतेदेवतारे ॥ वाधीकूमरज गीसरे ॥६२ ॥ गु० ॥ तापसणीवीस्मयलहीरे ॥ कहेजास्यूअमेठायरे ॥पु० ॥ थयामध्याह्नसमयहवइरे ॥ तिर्णेअमथीनरहायरे ॥ ६३ ॥ गु० ॥ कुलपती नेंझवदवारे ॥ आविसतुमचेसगरे ॥ पु० ॥ जईकुलपतीनेंवदिआरे ॥ दिइ आशीशसुचगरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ आसनदेईवेशामीउरे ॥ परीजनस्युतेसेनरे ॥ पु० ॥ तापसणीकहेतेहनोरे ॥ सविवृत्तांतरसेणरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ देईउप योगनेंउलषीरे ॥ कुलपतीआदरकिघरे ॥ पु० ॥ सारयासूपीतेहनीरे ॥ वली शीक्षाश्मदिघरे ॥ ६६ ॥ गु० ॥ गेहआश्रमठाम्योअठेरे ॥ पणिएहस्युप्र तिवघरे ॥ पु० ॥ तिर्णेअनुरुपथीदेपज्योरे ॥ स्योकहीइपरवघरे ॥ ६७ ॥ गु० ॥ वचनप्रमाणकरेतदारे ॥ सातमेखडेढालरे ॥ पु० ॥ पनरमीपदमेंकहीरे ॥ सु णतांमगलमालरे ॥ ६८ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ कुलपतीहवेमीलस्येकदा ॥ अवलाविलपेइम ॥ कुलपतिसमझावी कहे ॥ प्राणिनकरीइप्रेम ॥ ६९ ॥ तुझहवइझनीतवसू ॥ नितपासेंवसूनारि ॥ तेहसुणिकुलपतीप्रतें ॥ प्रणमेवझलेंप्यार ॥ ७० ॥ पुछीतापसणीप्रतें ॥ दपती

रे ॥ तपोवनमाततपेव ॥ कुहुमकारणइहांअनुंकर्मे ॥ वजतीआवीहेव ॥
॥ ३९ ॥ वेठीतवविहामणी ॥ मुर्छापांमीइम ॥ कारणतोकलीइवही ॥ पांच
अमनेअतीप्रेम ॥ ४० ॥ आकरतिणेंकिपोअमें ॥ सांसलीसेनकुमार ॥ ए
रपविपादनेंअणहवइ ॥ ॥ पामीदुखनोपार ॥ ४१ ॥ मुर्छावलीहवेनाविनी ॥
स्नेहेंजोवेस्वामि ॥ कुलपतीवयणकुमुनही ॥ तरुणीसाथेताम ॥ ४२ ॥ का
लोकुलपतीचरणने ॥ पामेपरमाणद ॥ कारणविनतेकुलपती ॥ उपनारीतेम
मद ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देशीपारधीआनी ॥ मनवसीआरदेशी ॥ तापसणी
उंचितवेरे ॥ एएहनोसरतारे ॥ पुण्यवतो ॥ नहितोइमकीमवोलतीरे ॥ सुं
दरअगआकारेरे ॥ गुणवतो ॥४४॥ अहोविधातामेलवेरे ॥ जेहनेंजुगतूजेहरे ॥
पु० ॥ आणदआंसूसरहवेरे ॥ उठेआतिमतीनेहरे ॥ ४५ ॥ कु० ॥ पक्षिपती
जोईरीऊडरे ॥ अहो २ रूपनीधानरे ॥ पु ॥ पुरुषरतननेंएहवीरे ॥ नारीत्त
नघटमानरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ वीनयकरीपक्षिपतीरे ॥ नारीनेंकरेपरणामरे ॥
पु० ॥ स्वामिनीतूम्हपतीभृंत्यतुरे ॥ पहणयोग्यनहीनामरे ॥ ४७ ॥ कु० ॥
सूदरीकहेस्वामीतणोरे ॥ पामोतूमेसूपशायरे ॥ पु० ॥ इमकहीजोयुपतीस
णीरे ॥ सेनकहेतिणेंगायरे ॥ ४८ ॥ गु० ॥ एहनेंपशायकरीजीरे ॥ एहनु
नहीकायशारेरे ॥ पु० ॥ लाज्योपक्षिपतीघणरे ॥ हवेमनचिंतेकुमारेरे ॥
४९ ॥ गु० ॥ अणचिंतव्युएकिमथयुरे ॥ पादपदिठोतामरे ॥ पु० ॥ अपुर
वअतीसोहामणोरे ॥ हरष्योलहीविसरामरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ पुछेपक्षिनाथ
नेरे ॥ स्यूएवहनुनामरे ॥ पु० ॥ तेकहेहुजाणनहीरे ॥ एहअपुरवस्वामी
रे ॥ ५१ ॥ गु० ॥ पुछेतापसणीप्रतेरे ॥ तिणेपणिसाथ्युतेमरे ॥ पु० ॥ कुमरकहे
तूमतुकमोरे ॥ एहनजाणोकेमरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ तापसणीकहेआविआरि ॥
थोमोकालथयोतासरे ॥ पु० ॥ एहहस्येवहुकाजमोरे ॥ कुमरनेंथयोविस
वासरे ॥ ५३ ॥ गु० ॥ निश्चयप्रीयमेलकपरोरे ॥ चवलकुसूमजुगदीठरे ॥
पु० ॥ पक्षिपतीनेंदाषव्योरे ॥ तिणेपणिदिठउकीठरे ॥ ५४ ॥ कु० ॥ पुजाक
रूएहवहनीरे ॥ लावोउपगरणतासरे ॥ पु० ॥ शक्तिआचित्यठेएहमीरे ॥ पुणी

अमचीआसरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ सवरपासमगावीआरे ॥ फूलचदननेंनीरे ॥ पु० ॥ तिणेंविधिपुर्वकपूजीउरे ॥ कल्पवृक्षनेंधीररे ॥ ५६ ॥गु० ॥ आवरजी एहनेंगुणेंरे ॥ षेत्रदेवीआशन्नरे ॥ पु० ॥ कहेतूठीतुझउपरेंरे ॥ मागितुजेहोय मन्नरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ यत ॥ अमोघावासरेंविद्युत् ॥ अमोघनिशीगर्जित ॥ अमोघाउत्तमावाणी ॥ अमोघदेवदर्शन ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तुमदर्शनथीस्यु पढेरे ॥ अधीकूढेमुझआजरे ॥ पु० ॥ देवीमनमांचितवेरे ॥ नत्रिमांगेंकाई काजरे ॥ ५८ ॥ गु० ॥ पणिआपहकरीआपीइरें ॥ रयणएकअसीरामरे ॥ पु० ॥ विषसघलाअपहरीलीइरे ॥ रोगहरेगुणकामरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ इम चितीकहेदेवतारे ॥ तुनीरलोसीसाररे ॥ पु० ॥ मुझवझमांनेंलिजीइरे ॥ करवा परउपगाररे ॥ ६० ॥ गु० ॥ मणीरयणएमाहरुंरे ॥ सासलीकरेविचाररे ॥ गु० ॥ देवतामान्यहोइसदारे ॥ इमकरीमहेअवीकाररे ॥ ६१ ॥ गु० ॥ करेप्रणामत वइमकहेरे ॥ चिरजीवआशीसरे ॥ पु० ॥ अदृशथईतेदेवतारे ॥ वाघीकूमरज गीसरे ॥६२ ॥ गु० ॥ तापसणीवीस्मयलहीरे ॥ कहेजास्यूअमेठायरे ॥पु० ॥ थयामध्याह्नसमयहवइरे ॥ तिणेंअमथीनरहायरे ॥ ६३ ॥ गु० ॥ कुलपती नेंहुवदवारे ॥ आविसतुमचेसगरे ॥ पु० ॥ जईकुलपतीनेंवदिआरे ॥ द्विइ आशीशहुचगरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ आसनदेईवेशामीउरे ॥ परीजनस्युतेसेनरे ॥ पु० ॥ तापसणीकहेतेहनोरे ॥ सविवृत्तांतरसेणरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ देईउप योगनेंउलषीरे ॥ कुलपतीआदरकिधरे ॥ पु० ॥ सारयासूपीतेहनीरे ॥ वली शीक्षाइमदिधरे ॥ ६६ ॥ गु० ॥ गेहआश्रमठामयोअठेरे ॥ पणिएहस्युप्र तिवघरे ॥ पु० ॥ तिणेंअनुरुपथीदेपज्योरे ॥ स्योकहीइपरवघरे ॥ ६७ ॥ गु० ॥ वचनप्रमाणकरेतदारे ॥ सातमेरवफेढालरे ॥ पु० ॥ पनरमीपदमेंकहीरे ॥ सु णतांमगलमालरे ॥ ६८ ॥ गु० ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ डहा ॥ कुलपतीहवेमीलस्येकदा ॥ अवलाविलपेइम ॥ कुलपतिसमझावी कहे ॥ प्राणिनकरीइप्रेम ॥ ६९ ॥ तुझहृदइहुनीतवसू ॥ नितपासेंवसूनारि॥ तेहसुणिकुलपतीप्रतें ॥ प्रणमेवहुलेंप्यार ॥ ७० ॥ पुछीतापसणीप्रतें ॥ दपती

रे ॥ तपोवनमांततपेव ॥ कुसुमकारणइहांअनुक्रमे ॥ वेलतीअवहिव ॥
॥ ३९ ॥ वेठीतवविहामणी ॥ मुर्गापांमीइम ॥ कारणतोकलीइवही ॥ पांच
अमनेंअतीप्रेम ॥ ४० ॥ आकरतिणेंकिधोअमे ॥ सांसलीसेनकूमार ॥ ए
रपविपादनेंअणहवइ ॥ ॥ पामीडखनोपार ॥ ४१ ॥ मुर्गावलीहवेनविनी ॥
स्नेहेंजोवेस्वामि ॥ कुलपतीवयणकूमुनही ॥ तरुणीसावेताम ॥ ४२ ॥ पा
लोकुलपतीचरणने ॥ पामेपरमाणद ॥ कारणविनतेकुलपती ॥ उपनारीतेअ
मद ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देशीपारधीआनी ॥ मनवसीआरदेशी ॥ तापसनी
उचितवेरे ॥ एएहनोसरतारे ॥ पुण्यवतो ॥ नहितोइमकीनवोलतीरे ॥ सुं
दरअगआकारे ॥ गुणवतो ॥४४॥ अहोविधातामेलवेरे ॥ जेहनेंजुगतूंजेहरे ॥
पु० ॥ आणदआंसूसरहवेरे ॥ उठेआतिमतीतेहरे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ पक्षिपती
जोईरीझीउरे ॥ अहो २ रूपनीघानरे ॥ पु ॥ पुरुपरतननेंएहवीरे ॥ नारीस्त
नघटमानरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ वीनयकरीपक्षिपतीरे ॥ नारीनेंकरेपरणामरे ॥
पु० ॥ स्वामिनीतूम्हपतीभृत्यतुरे ॥ पहणयोग्यनहीनामरे ॥ ४७ ॥ पु० ॥
सूदरीकहेस्वामीतणोरे ॥ पामोतूमेसूपशायरे ॥ पु० ॥ इमकहीजोयुपतीस
णीरे ॥ सेनकहेतिणेंठायरे ॥ ४८ ॥ गु० ॥ एहनेंपशायकरीजीइरे ॥ एहवु
नहीकांयशारे ॥ पु० ॥ लाज्योपक्षिपतीघणरे ॥ हवेमनचितेकुमारे ॥
४९ ॥ गु० ॥ अणचितव्युएकिमथयुरे ॥ पादपडिठोतामरे ॥ पु० ॥ अपुर
वअतीसोहामणोरे ॥ हरष्योलहीविसरामरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ पुछेपक्षिनाथ
नेरे ॥ स्यूएहछनुनामरे ॥ पु० ॥ तेकहेहुजाणनहीरे ॥ एहअपुरवस्वामी
रे ॥ ५१ ॥ गु० ॥ पुछेतापसणीप्रतेरे ॥ तिणेपणिसाभ्युतेमरे ॥ पु० ॥ कुमरकहे
तूमहुकमोरे ॥ एहनजाणोकेमरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ तापसणीकहेआविआरे ॥
योगीकालथयोतासरे ॥ पु० ॥ एहहस्येषहुकालथोरे ॥ कुमरनेंथयोविस
वासरे ॥ ५३ ॥ गु० ॥ निश्चयप्रीयमेलकपरोरे ॥ थवलकुसूमजुगदीठरे ॥
पु० ॥ पक्षिपतीनेंदाषव्योरे ॥ तिणेपणिदिठउकीठरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ पुजाक
रूएहछनीरे ॥ लावोउपगरणतासरे ॥ पु० ॥ शक्तिअविस्यठेएहमीरे ॥ पुणी

रनेंतेमवाकोयतोमुऊविणसापेरे ॥ मतकहेज्योकुमरनेंवातसऊनेंश्मदापेरे ॥ एकदिनआव्योमत्रीपुत्रअमरगुरुनामरे ॥ थईखबरसूपतिनेंतामतेमयोनीज ठामरे ॥८४॥ कहेतेहनेंनरपतीश्मवाल्होमुऊएहरे ॥ श्णपमीवजीउमुऊपास रहेवुतुम्हगेहरे ॥ श्मजाणीकरज्योतेमसऊसुखपामेंरे ॥ कहेअमरगुरूध न्यएतूमसरीपाकामेंरे ॥ ८५॥ जिमऊकमकरोछोदेवकरीस्यूतेमरे ॥ जणवेह वेकूमरनेंसूपअधीकघरीप्रेमरे ॥ जातांहवश्कूमरनीपासअमरगुरूचितेरे ॥ नवीमुकेकुमरनेंरायअधिकगुणसतेरे ॥८६॥ करयुनिजवशराज्यविशेंनेंतिणें नउपायरे ॥ नृपदीक्षालेतांमुऊकहीगयातायरे ॥ राज्यहारस्येएहविसेनउऊ रस्येसेनरे ॥ नैमितीआनोआदेशअछेवलीतेणरे ॥८७॥ सामतनेंदश्अपमान उलघेआचाररे ॥ वऊवाध्योलोसअशारविशेंनकुमाररे ॥ तिणेंरहेवुजुगतूनअ अविचारएकीधरे ॥ चरपुरुषेंकुमरनेंतामवधाईदीधरे ॥८८॥ आववानोऊक मतेकीधअनुक्रमेंआव्यारे ॥ सेनकूमरेउठीताममाहिपघराव्यारे ॥ पुछेश्मकु सलछेतातकूमरनेंदापोरे ॥ कहेकूसलछेसऊनेंतोयकऊतेचित्तरापोरे ॥ ८९ ॥ सूपतीश्तूमनेंनदिठयोवैराग्यरे ॥ तवसजमस्यूमनलायमहासोसागरे ॥ नि जसुतनेंआपीराज्यसार्थेपरघांनरें ॥ परिजनस्यूसजमलीधघरीशुसध्यानरे ॥ ॥९० ॥ तवचितेसेनकुमारअहोमुऊरागरे ॥ साईअमकुलनीस्थितिएहअतेवै रागरे ॥ कहेकुमरअजानेंतेहकेहवांछेसापोरे ॥ तवअमरगुरुकहेवातथोमामा लापोरे ॥ ९१ ॥ नृपेंलिधीप्रव्रज्याजामथयुऊखएहरे ॥ तुम्हेंपरदेशेंगयातास विजुऊखतेहरे ॥ मनमांनेंछेश्मतेहनहीअमनाथरे ॥ कहेसेनवीसेनछेतेकेमअ जाअनाथरे ॥ ९२ ॥ एहवेंछिक्योपमीहारअमात्यसुततामरे ॥ कहेचिरजी वोवलीआपफुरक्युनेअवामरे ॥ थईचिंताकुमरनेंतामअहोस्युथास्येरे ॥ अथ वासलूकरस्येदेवविघनसऊजास्येरे ॥ ९३ ॥ कहिसातिमतीनेंतासस्तोजननें स्नानरे ॥ सुखथीदिश्निजअधीकारचढतेनीतवानरे ॥ नित्यखबरिमगावेरा ज्यतणीनीजसाररे ॥ एकदिनआंतिमतीनारीनेंसुपनउद्धाररे ॥ ९४ ॥ कहिसातमेखमेंढालतेसोलमीसारीरे ॥ एतोसमरादित्यनेंरासलागेंघणप्या

मिलीयांदोय ॥ दानादिकबहुदेईने ॥ सरक्योतिहांथीसोय ॥ ७१ ॥ [illegible]
आवीउ ॥ सस्तलावेसवीवात ॥ नरपतीनेंतेनारीनी ॥ [illegible]
॥ ७२ ॥ वधामणांकीधांवली ॥ करीआदरसतकार ॥ [illegible]
सेनरसातीहांसार ॥ ७३ ॥ पितृराज्यपरेंप्रेमस्यू ॥ सांतीमतीस्यूंसोल ॥ [illegible]
सतांवासरगया ॥ शुसअनुकूलसयोग ॥ ७४ ॥ ढाल ॥ तूनेंगोकुलगोवालनेरे
काहगोवालनागोपीरे ॥ एदेशी ॥ हवेकर्म्मविचीत्रथी,रोगसूपतीनेंथावेरे ॥ [illegible]
यणेंआवेवहुशूलसध्योकपावेरे ॥ व्यापीसीरवेदनजामदांतसवीहालेरे ॥ [illegible]
सासवचननिरोधनयणेंनवीसालेरे ॥ ७५ ॥ तेमाध्यांवैद्यबहुजाणउपचारकी
कीधारे ॥ पणिगुणनथयोतेलगारवठीतनवीसीधारे ॥ वैद्यरवेदलसानेंप्रतिउरी
घणकरूरे ॥ पमीखवरकूमरनेंतांमसूखेंनवीसूरे ॥ ७६ ॥ मुझउपगारीहरा
यलहेदूखएहवुरे ॥ किमजीवतांएखमायकरूहवेकेहवुरे ॥ धीगजीवीतमा
हरूजेणनहीउपायरे ॥ इमकरतांसेनकूमारनेमुर्छायायरे ॥ ७७ ॥ करीवाय
आशासनाशांतीमतीइमसासेरे ॥ आरोग्यमणीवररयणअछेतूमपासेरे ॥ [illegible]
ससारयुतेनारीहरपथीलेईरे ॥ मणीरयणचाल्योतवतासस्तकुनशुसदेईरे ॥ [illegible]
कोईककहेरहोचिरजीवशीघ्रचाल्योरे ॥ नरपतीपासेजईहाथनेंपायपखाल्यो
रे ॥ उज्योमणीरयणेंरायसम्यूतवशूलरे ॥ थिरदांतथयागईशीशनीवेदनामुलरे ॥
॥ ७९ ॥ सम्योसासनेंउघम्यांनयणसध्योथईसाजीरे ॥ बोलवालागोपूपजा
मसंकथयाराजीरे ॥ आविशक्तिनेंउठयोरायकुमरपरसस्योरे ॥ राणीउमधि
लसामोदकिणेंनवीखीस्योरे ॥ ८० ॥ नृपपुछेमुझनेंकांयखबरनहीएहरे ॥ उ
पगारकस्योकिणेंमुझसापोतूमेतेहरे ॥ कहुजिवाणदेसर्वबोल्यातबरायरे ॥
अमृतसमएहकुमारमरणकीमथायरे ॥ ८१ ॥ देवगुरुसुपसाइएहकहेतेकु
मारे ॥ नृपपसणेंप्राणएतूझकहस्यूवारवारे ॥ कहेकुमरगुरुतूमेतामनृपती
कहेसाचुरे ॥ जोगुरुतोवचनप्रमाणकरोधर्मेराचुरे ॥ ८२ ॥ कहेकुमरकरूतू
मआणकहेतवसूपरे ॥ जावुनहीमुझथीदूरकहुअनुरुपरे ॥ करेकूमरप्रमाण
तेतामविसरजेकुमारे ॥ तेमांबीपरीजनलोककहेनीरथारे ॥ ८३ ॥ आवेकुम

मपीबऊसजकरी ॥ अमरपधरीरे ॥ शकुनमुऊरतशुसजोग ॥ १७ ॥ वा०
चाल्योअनुक्रमेआवीउ ॥ सुखपावीउरे ॥ देशसीमाढेजल ॥ १८ ॥ वा० ॥
मुक्तापीठनेंमोकल्यो ॥ दूतएकसलोरे ॥ बोलेवीचऊणबोल ॥ १९ ॥ वा० ॥
कहेवराव्युएमुऊतणऊ ॥ स्यूकऊघणऊरे ॥ आपोराज्यउदार ॥ २० ॥ वा० ॥
इमतूंमप्रीतमीवाघस्ये ॥ नवीवाघस्येरे ॥ नहितोकरज्येजुध ॥ २१ ॥ वा० ॥
सांसलीकोपेंकलकल्यो ॥ कहेमतीचल्योरे ॥ मुकवालीघुनराज्य ॥ २२ ॥
वा० ॥ जुधथीअप्रीतीउपजे ॥ वऊनीपजेरे ॥ उत्तमसूसटसहार ॥ २३ ॥
वा० ॥ तोपणिजुरुकरूअमे ॥ सूणज्योतूम्हेरे ॥ दूतकहेतवइम ॥ २४ ॥ वा० ॥
जमलोकेंजावासणी ॥ मतीतूम्हतणीरे ॥ दिसेठेनीरधार ॥ २५ ॥ वा० ॥
आवीकुमारनेंविनवे ॥ जिमतेलवेरे ॥ जईएकातेदूत ॥ २६ ॥ वा० ॥ सास
लितेपणिकोपीउ ॥ चित्तरोपीउरे ॥ अमरपवीरसअपार ॥ २७ ॥ वा० ॥ ढाल
सत्तरमीएसली ॥ सवीसासलीरे ॥ सातमेखमेरशाल ॥ २८ ॥ वा० ॥ ॥४॥
॥ दुहा ॥ भृकुटीचढावीनेंसणें ॥ कोपेंभईवीकराल ॥ सौम्यवयणपणिसहज
थी ॥ सीपणनसकेसालि ॥ २९ ॥ करनेंआस्फालीकरे ॥ वरणखलातेवाणि ॥
एहमनोरथअमअढे ॥ हमचीनहीकोईहाणि ॥ ३० ॥ विऊवलमांवीजेदीनें ॥ शोर
करेसपाम ॥ सुसटनेंदिघासामठा ॥ सिरपाविऊसीरठाम ॥ ३१ ॥ दानवऊप
रेंदिघलां ॥ जाचकपाम्याजोर ॥ रातिगईरवीउगीउ ॥ सवलोमांम्योसोर ॥
॥ ३२ ॥ मयगलगाजेमलपता ॥ तुरगघणातेजाल ॥ रथआरोह्याराजवी ॥ कर
लेईकरवाल ॥ ३३ ॥ सुसटथयातिहासजघण ॥ कुततिरकरलेय ॥ विरुदावली
बोलीजते ॥ वाजीत्रवऊवाजेय ॥ ३४ ॥ अमरपवर्सेआवीमिल्यां ॥ वागेवी
रनीहाक ॥ केईककायरकपता ॥ वारुसासलीवाक ॥ ३५ ॥ ताकीमुकेतीर
नें ॥ खमेकेईकरुप्प ॥ छत्रध्वजाकेईछेदता ॥ साचुसूरसरुप्प ॥ ३६ ॥ सूस
टकवघतिहांसामठा ॥ रुधीरलित्तवरगात ॥ नाचेनाटिकनीपरें ॥ विस्मयज
नविख्यात ॥ ३७ ॥ आमीपलोलुपआवीआ ॥ ककगृध्रनेंकाक ॥ गगनतेछायो
विहगस्यू ॥ छलतीवऊलीगाक ॥ ३८ ॥ वलवतीसेनावऊ ॥ सेनतणीसपरा

रीरे ॥ गुरुउत्तमविजयनोशीसशुकोमलवांणीरे ॥ कहेपद्मविजयपरीवार सुणोसवीप्राणीरे ॥ ९५ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ अजनभमरनेंअनुसरें ॥ पद्मतणोनहीपार ॥ अवकमनअनंदक रू ॥ कल्पवृक्षसरवकार ॥ ९६ ॥ सुपनेंघणसोहामणो ॥ चितितचिंतापुर ॥ पेपेउदरमांपेसतो ॥ ज्ञातिमतीससनुर ॥९७॥ जागीपतीनेंजणावती ॥ तसफ लदापेतह ॥ सोसागीसुतहोयस्ये ॥ जगतनमावेजेह ॥ ९८॥ सांसलीवर्धमा सजहोइ ॥ कांयकवितोकाल ॥ पुरेमासेसुतप्रसवीउ ॥ करेउछवतनकाल ॥ ॥ ९९ ॥ रायकुमरसङ्गरिऊीआ ॥ अमरसेनअसीधांन ॥ उबिउतेहनुंगाउं कु ॥ सुणोहवश्यईसावधांन ॥५००॥ ढाल ॥ तिरथतेनमुरे ॥ एदेशी ॥ चंपा नयरथीआवीउ ॥ वातलावीउरे ॥ एकदिनअनुचरएक ॥ वाततेसांसलीरे ॥ ॥ १ ॥ जोवाप्रवृत्तिराज्यनी ॥ सुखकाजनीरे ॥ मुक्योअमरगुरुतास ॥ ॥ २ ॥ वा ॥ हालीमुहालीविरचिआ ॥ नविअरचिआरे ॥ जाणीअचलपुर नाथ ॥ ३ ॥ वा० ॥ मुक्तापीठेबलकरी ॥ चपापुरीरे ॥ लिधीचोमादिनमां हिं ॥ ४ ॥ वा० ॥ हाथकरयोतमारनें ॥ अधिकारनेंरे ॥ हवेजाणोकरोते म ॥ ५ ॥ वा० ॥ विद्योननाशीनेंगयो ॥ दूरवबङ्गयोरे ॥ तेहनीषबरिनही कोय ॥ ६ ॥ वा० ॥ कोप्योअमरगुरुसांसली ॥ आवीवलीरे ॥ कुमरनेंक हेअवदात ॥आवा०॥ बोलेअमर्पथीइणिपरें ॥ कुणइमकरेरे। साईपरासत्रइम ॥ ८॥ वा० ॥ निजपर्नेउबुविद्योननें ॥ अरीसेननेंरे ॥ सांजवुतोषरीवात ॥ ॥ ९ ॥ वा० ॥ दाहीणकरफूरक्योतदा ॥ जयकहेसवारे ॥ बोल्योतदागज राज ॥ १० ॥ वा० ॥ कुमरकहेएजीतीउ ॥ दूरबितीउरे ॥ नृपनेंकरावेजा ण ॥ ११ ॥ वा० ॥ म्हारेतिहांजावुलङ्क ॥ तुमनेंकङ्करे ॥ कोप्योरायअपारा॥ ॥ १२ ॥वा०॥ एनहीकुमरनेंपरिसव्यो ॥ मुऊनेंहवोरे ॥ पणिमुऊसेनासाथ्य ॥१३॥वा०॥अमरगुरुकहेसाचलु ॥साथ्युसखुरे ॥ पणिकुमरेंनस्वमाय॥ १४॥ वा०॥समरकेतुनरपतीकहे॥चितगहगहेरे॥असकरल्योअमसाथि॥वा०॥१५॥ छत्रचामरमुगटेंकरी ॥ खडिउंकरीरे ॥ कूडलहारसोहत ॥१६ ॥ वा० ॥ वा

तव्यताएहवीरे ॥ इर्माचितवीकहेतेहरे ॥ परजा ॥ अमपुण्येंअमेएहवाजसर जा ॥ ५९ ॥ नगरबाहिरआवासीआरे ॥ केईकदिनगयातामरेआया ॥ विसे नपासेंनरजेपठाया ॥६०॥ अमरगुरुनेंतेकहेरे ॥ कयगलानयरीइतेहरेदिठो॥ तिणेंपणिसांसल्योसेनजेउकीठो ॥ ६१ ॥ अम्हेपणिजईनइसाषीउरे ॥ तूम चोजेसमाचारतेआगें ॥ सासलीतेअगोअगथीरे ॥ सागे ॥ ६२ ॥ उसाणोमन थीघणरे ॥ कमलाएकमुखतासरेपापें ॥ मठरथीमहोतेहसूणोआपें ॥ ६३ ॥ बोलीनसक्योवयणथीरे ॥ किमकिमकरीकहेइमरे ॥ वात ॥ परसूजवलथी राज्यएआयात ॥ ६४ ॥ तेनविसोगवुझकिमेरे ॥ जाउंतुमेनीजठामिस्यानें आया ॥ फिरीमतआवज्योस्यूकहसाया ॥ ६५ ॥ हवेजिमजाणोतिमकरो रे ॥ चितवेतामअमात्यरे ॥ चित्तें ॥ राज्यजोग्यनहीएहअनीत्यें ॥ ६६ ॥ आवीकुमरनेंकहुरे ॥ कुमरबोल्यातामरेवाणी ॥ तातसाईवीनावातमीविराणी ॥ ६७ ॥ अधकारमांनाचीआरे ॥ स्योगुणराज्यमाआजरे ॥ धारो ॥ अमर गुरुकहेबुधीनोसमारो ॥ ६८ ॥ परजापणिजेपालवीरे ॥ महापुरुषनोधर्मएह सारो ॥ कुमरकहेएनीजपुण्यथीवीचारो ॥ ६९ ॥ सातमेखमेसोहामणीरे ॥ एहअढारमीढालरेसाषी ॥ पर्वेश्रोतासूणोचित्तथीरराषी ॥ ७० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ हरीसेनराजकृपीहवे ॥ काकासेनकुमारा सघलोव्यतीकरसांसली॥ चित्तमांकरेविचार ॥ ७१ ॥ जोग्यसजमनेंजाणीइ ॥ अधीकरणकरयुइण॥ उरीइएहआतमा ॥ करूणातसकरणेण ॥ ७२ ॥ सार्थेसाधुअनेकथी ॥ आ व्यातिणेंउद्यान ॥ वनपालकेंअवनीपती ॥ विनवीउघरीवान ॥ ७३ ॥ दानदे ईवदनसणी ॥ अमरगुरुस्यूआय ॥ नष्टशोकउद्यानमा ॥ दिठामुनीसूखदाय ॥ ७४ ॥ ब्रह्मचारीवमसागीआ ॥ सजतसकसीरदार ॥ आणाश्रीअरीहतनी ॥ निरवहेतानिरधार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ जवुधाईपुष्करा ॥ एदेशी ॥ रत्नत्रयी आराधता ॥ मोहतीमीरसरनासहो ॥मुनीवर ॥ निरतीचारचरणधरे ॥ नविपम तामोहपासहो ॥७६॥मुनी०॥एहवामुनीनीतूवदीशाएआंकणी॥जेहनीरजनद्य पज्यु ॥ सावनासावतावारहो ॥ मु० ॥ शारदजलज्यूहृदयथी ॥ प्रणमुतेअए

ण॥पणिमुक्तापिढेप्रथमा॥जित्योसेनसुजाण॥३ [illegible]
दसगजफाटोचिररे ॥ ऊभो॥ आवोरेओलगाणाताहरीकांकणीरा॥ [illegible]
सेनप्रससीसुसटनेंरे ॥ उगावेसपामरे ॥ करवा ॥ जाणेंजमराजाउठ्योनीकरे
रघरवा ॥ ४० ॥ कुंततिरतरवारनारे ॥ घालेघातअपाररे ॥ तिणें॥ [illegible]
तकालआयोसमएणें॥४१॥ रणतूरवाजेवेगस्यूंरे ॥ करीकुंसस्यसेवरेचाई॥
कायरलोककेईडरयीपलाइ ॥४२ ॥ मुक्तापीढलस्करतणारे ॥ [illegible]
रे ॥ ताकी ॥ मुगटछेदेकेईमदीरास्यूंताकी ॥ ४३ ॥ इमकरतांविटीछीरे ॥ मु
क्तापीढनेंसेनरे ॥ राजा॥ तोहेप्रहारकरेसुरयईझाजा ॥४४॥ सूरसीरूपछि
त्तचमकीआरे ॥ देपीएसपामरे ॥ वारु ॥ एहवेसेनहणेंखडगेंदीधा ॥ [illegible]
पमीउप्रथवीउपरेरे॥ जय२रवकरेलोकरे ॥ मिलीआ ॥ सेनकुमरजसबोलवा
रेहेलीआ ॥ ४६ ॥ मगलतूरवजावीआरे॥सेनआव्योतसपास ॥ गुणराणो॥
मुक्तापीढदेपीचित्तहरपाणो ॥ ४७॥ विजणेंवायरोवीजीउरे ॥ चदनसीच्यां
तासरेअगें ॥ चेतनावलीथईस्वस्थतारगे ॥४८ ॥ कुमरकहेरुडुकरयूंरे ॥ सूप
नेंघटतूजेहरे॥किधु॥दिनपणतूम्हेचित्तमांनलीधु॥४९॥पूर्वपुरुषतेअजुआवी
आरे ॥ म्हेंलीधमुझराज्यरे ॥ साई ॥ ताहरुतूझकुसलूरहोसदाई ॥ ५० ॥ तू
मुझसाईसमोवडेंरे ॥ लाव्योनीजआवासरे ॥ मानें ॥ करीवधाईवोलावीउव
झमानें ॥ ५१ ॥ अमरगुरुनेंकुमरकहेरे ॥ लावोविसेनसूपालरे ॥ स्वोली ॥
थापोचपाइचित्तमांहितोली ॥ ५२ ॥ अमरगुरुकहेतिमकरूंरें॥ पणिरहेज्यो
तुम्हेचपरे ॥ स्वामी ॥ सेनकहेतववातअसीरामी ॥ ५३ ॥ रहेस्यूचपाइघरा
रे ॥ पणिनृपतोविसेनरे ॥ जाणो ॥ नरपतीइजिणेंकीधलोछेराणो ॥ ५४ ॥
वातप्रमाणकरीहवइरे ॥ मोकलेनीजनरइमरेसाथी ॥ इमकहेछेतुमदेवहितरा
थी ॥ ५५ ॥ पुरवजनुंएराज्यछेरे ॥ सोगवोआविएघरे ॥ साई ॥ तेपणगयात
सपासमुखदाइ ॥ ५६ ॥ सेनगयाचपासणीरे ॥ महाजनआव्यूतामरे ॥ साह
मु ॥ पाउधारोअमेजेमसूखपामु ॥ ५७ ॥ सेनकहेकिमआवीइरे ॥ विनावी
शेनसूपालरे ॥ अम्हे ॥ महाजनकहेमसूस्युकहोछोतुम्हें ॥ ५८ ॥ अमसवि

तव्यताएहवीरे ॥ इमांचतवीकहेतेहरे ॥ परजा ॥ अमपुण्येंअमेएहवाजसर जा ॥ ५९ ॥ नगरवाहिरआवासीआरे ॥ केईकदिनगयातामरेआया ॥ विसे नपार्सेनरजेपठाया ॥६०॥ अमरगुरुनेंतेकहेरे ॥ कयगलानयरीइतेहरेदिठो॥ तिणेंपणिसांसल्योसेनजेउकीठो ॥ ६१ ॥ अम्हेपणिजईनइसापीउरे ॥ तूम चोजेसमाचारतेआगें ॥ सासलीतेअगोअगथीरे ॥ सागे ॥ ६२ ॥ उसाणोमन चीघणुरे ॥ कमलाएकमुखतासरेपार्थे ॥ मठरथीपह्योतेहसूणोआर्थे ॥ ६३ ॥ वोलीनसक्योवयणथीरे ॥ किमकिमकरीकहेइमरे ॥ वात ॥ परसूजवलथी राज्यएआयात ॥ ६४ ॥ तेनविसोगवुझकिमेरे ॥ जाउंतुमेनीजठामिस्यानें आया ॥ फिरीमतआवज्योस्यूकहुसाया ॥ ६५ ॥ हवेजिमजाणोतिमकरो रे ॥ चितवेतामअमात्यरे ॥ चित्तें ॥ राज्यजोग्यनहीएहअनीत्यें ॥ ६६ ॥ आवीकुमरनेंकहुरे ॥ कुमरवोल्यातामरेवाणी ॥ तातसाईवीनावातमीविराणी ॥ ६७ ॥ अधकारमांनाचीआरे ॥ स्योगुणराज्यमाआजरे ॥ घारो ॥ अमर गुरुकहेवुधीनोसमारो ॥ ६८ ॥ परजापणिजेपालवीरे ॥ महापुरुषनोधर्मएह सारो ॥ कुमरकहेएनीजपुण्यथीवीचारो ॥ ६९ ॥ सातमेखमेसोहामणीरे ॥ एहअढारमीढालरेसापी ॥ पद्मेंश्रोतासूणोचित्तथीरराषी ॥ ७० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ हरीसेनराजकुपीहवे ॥ काकासेनकुमारा॥ सघलोव्यतीकरसांसली॥ चित्तमांकरेविचार ॥ ७१ ॥ जोग्यसजमनेंजाणीइ ॥ अवीकरणकरयुइण॥ उद्धरीइएहआतमा ॥ करूणातसकरणेण ॥ ७२ ॥ सार्थेसाधुअनेकथी ॥ आ व्याति्णेंउद्यान ॥ धनपालकेंअवनीपती ॥ विनवीउघरीवान ॥ ७३ ॥ दानदे ईवदनसणी ॥ अमरगुरुस्यूआय ॥ नष्टशोकउद्यानमां ॥ दिठामुनीसूखदाय ॥ ७४ ॥ ब्रह्मचारीवमसागीआ ॥ सजतसकुसीरवार ॥ आणाश्रीअरीहतनी ॥ निरवहेतानिरधार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ जवुधाईपुष्करा ॥ एदेशी ॥ रत्नत्रयी आराधता ॥ मोहतीमीरत्नरनासहो ॥मुनीवर ॥ निरतीचारचरणधरे ॥ नविपम तामोहपासहो ॥७६॥मुनी०॥एहवामुनीनीतूवदीशाएआंकणी॥जेहनीरजनद्य पज्यु ॥ सावनासावतावारहो ॥ मु० ॥ शारदजलज्यूहृदयथी ॥ भणमुतेअए

गारहो ॥ ७७ ॥ मु० ॥ एह० ॥ सीसनेंचितामणीसमा ॥ [illegible]
तहो ॥ मु० ॥ शांतीसुधारसजलनीधी ॥ [illegible]
धर्मलाभदिधोधुरे ॥ रोमांचितनेकुमारहो ॥ मु० ॥ [illegible]
मुनीकहेसुणिनेकुमारहो ॥ मु० ॥ ७८ ॥ एह० ॥ [illegible]
तसुदरसुवीचारहो ॥ मु० ॥ तुझनीरवेदेमुनीपणक ॥ [illegible]
॥ ८० ॥ एह० ॥ एहअसारसंसारमां ॥ सजनतेहअसारहो ॥ मु० ॥ [illegible]
तएहमानवतणक ॥ केवलक्षेत्रआधारहो ॥ मु० ॥ ८१ ॥ एह० ॥ [illegible]
र्जनक्षेत्रजे ॥ नवीलहीशतसपारहो ॥ मु० ॥ देवदानवनेंपणिसदा ॥ [illegible]
णोशिरमारहो ॥ मु० ॥ ८२ ॥ एह० ॥ करवोप्रमादजेमोक्षो ॥ तेपणिक्षण
रयमुलहो ॥ मु० ॥ गुरुसापीतकहुतेहनो ॥ सवधआमलचुलहो ॥ मु० ॥
॥ ८३ ॥ एह० ॥ एहजजबुसरतमां ॥ उत्तरपथअपारहो ॥ मु० ॥ वर्द्धन
पुरमांराजीउ ॥ अजीतवर्द्धनअवधारिहो ॥ मु० ॥ ८४ ॥ एह० ॥ सकलना
मगाथापती ॥ चदातेहनीनारिहो ॥ मु० ॥ सर्गनामेंसुततेहनो ॥ निरधनतेह
अपारहो ॥ मु० ॥ ८५ ॥ एह० ॥ सरूमरणलसोहवे ॥ किधांमरणनांकाम
हो ॥ मु० ॥ आजीवीकाहेतेंकरे ॥ चदापरघरकामहो ॥ मु० ॥ ८६ ॥ ए० ॥
अटवीमांहिथीलावतो ॥ इधणसागप्रमुखहो ॥ मु० ॥ विकयथीआजीवी
का ॥ इमदिनकाढेदुखहो ॥ मु० ॥ ८७ ॥ ए० ॥ एकपाडोसीतेहनें ॥ पासगना
मेसेठहो ॥ मु० ॥ आव्योजमाईतसघरे ॥ तेहनीकरवावेठहो ॥ मु० ॥ ८८ ॥ ए० ॥
बोलावीचदातदा ॥ पाणीसरणनीमीत्तहो ॥ मु० ॥ पुत्रसुप्योघरिआवस्ये ॥
चिंतनधारीचीत्तहो ॥ मु० ॥ ८९ ॥ ए० ॥ सोजनासिकेथापीनें ॥ कठीकाढेई
डुवारहो ॥ मु० ॥ स्वानादिकनासयथकी ॥ चदाचालीजिवारहो ॥ मु० ॥ ९० ॥
ए० ॥ सर्गतुरतआव्योतदा ॥ मुक्योइधणसारहो ॥ मु० ॥ मातपोसीपणिव
बीजमी ॥ करतोकोपअपारहो ॥ मु० ॥ ९१ ॥ ए० ॥ कामकरतां
हवेसेठनुं ॥ पणनवीविधूकांयहो ॥ मु० ॥ आवीनिजघरजेतले ॥ कर
तीमहाविसायहो ॥ मु० ॥ ९२ ॥ ए० ॥ दिनमुखनिपीकरी ॥ कोपचीमोक्ष्यो

सग्गहो ॥ मु० ॥ किमसूलीशूलदीधली ॥ सूषपीमाअमलग्गहो ॥ ॥ मु० ॥ ९३ ॥ए०॥ तेकीमतूकर्नेविसर्युं॥तवतसवोलीमातहो॥ मु० ॥ हाथ कपाणाताहरा ॥ एहसीकेंरसुसातहो ॥ मु० ॥ ९४ ॥ ए० ॥ लेईनेंकेमपाधु मही ॥ एहवांवचनउच्चारहो ॥ मु०॥ करताकर्मबांध्यातिणें ॥ जासविपाक अपारहो ॥ मु० ॥ ९५ ॥ ए० ॥ एकदिनकर्मवीचित्रथी ॥ सावीसावनेंजो गहो ॥ मु० ॥ बोधिविजपाम्यातीहां ॥ मानतुगसूरीसजोगहो ॥ मु० ॥९६॥ ए० ॥ श्रावकपणकपाम्यावली ॥ चढतेशुसपरीणामहो ॥ मु० ॥ चरणधरम बलीपमिवज्यां ॥ गुणगणकेराधामहो ॥ मु० ॥ ९७ ॥ ए० ॥ करीयसलेष णाठेहमे ॥ आगमउक्तविधानहो ॥ मु० ॥ कालकरीनेंउपना ॥ दोयतेस्वर्ग विमानहो ॥मु०॥९८॥ए०॥ समरादित्यचरीत्रमां ॥ पद्मबीजयकहीढालहो ॥ ॥ मु० ॥ सातमेखमेसोहामणी॥ उंगणीसमीसूविशालहो ॥ मु० ॥९९॥ ए० ॥ दुहा ॥ तामलीतीशणसरतमां॥नयरीद्रव्यनीधान ॥कूमारदेवशल्यकामिनी॥ जुजीआनामजुवान ॥६००॥ सर्गदेवहवेस्वर्गथी॥ आविलीशअवतार ॥ तेह नीकूषेंततषिणें ॥ जनमथयोकर्मेज्यार ॥ १ ॥ अरूणदेवअसीधाउव्यु ॥ क र्मे २ थयोकुमार ॥ चदाशणअषचारिचवी ॥ सूरवरथीसूवीचार ॥ २ ॥ नामें पामलापथनयर ॥ सेठजसादित्यसार॥ अ वसूतनारीशलूआ॥ तसकुषेंअवता र ॥३ ॥पुत्रीअनुक्रमेंप्रसवती ॥ देशणिनामतेदीध ॥ अनुक्रमेंदीधीअरूणनें ॥ सघलूसांवीसीरु॥ ४ ॥ढाल॥विधातावैरणरेढगीमांस्यूंरेलीष्यूंरे॥एदेशी ॥वि धातावाकोजाणोरे ॥ जुउस्युंस्यूंरेथाशरे ॥परंण्याविणचढिउक्याजेंरे ॥ अरु णदेवद्रव्यनेंध्याशरे ॥ ५ ॥ कमाहधीपेंगयाकमावारे ॥ कमाशतेरेवलीउरे ॥ क्याजतेवाटिमांसागुरे ॥ कर्मेजुउस्युंरेथयुरे ॥ आव्यूएकपाटिउहाथेरे॥ ति णेंदूखसहशगयुरे ॥ ६ ॥ महेसरसार्थेविजोरे ॥ तेपणितीहासायरतरीउरे ॥ आव्याजवसायरकांठेरे ॥ पामलावहवाहिरचरीउरे ॥ ७ ॥ महेसरतिहां वोल्योरे ॥ तूमारेसासरेजईशरे ॥ कुअरतवशणिपरिसायेरे ॥ शणिवेलाशम किमकहीशरे ॥ ८ ॥तवतेकहेवेसोवाहिररे ॥ नयरमाहरेजास्युंरे ॥ सोजन

झजईनश्आणरे ॥ कहेतेसुपमांगास्यूरे ॥ ९ ॥ देवकूलमांजईनेसूतोरे ॥ [illegible]
करीउघ्योसारोरे ॥ महेसरतोलेवागयोआहारेरे ॥ हाटिसेरीइकिरतोजपतीरे
। १० ॥ इणअवसरउदश्आव्यूरे ॥ देश्णीनेकर्मबधाणरे ॥ निजसवनउ[illegible]
नेविठीरे ॥ तस्करनुथयुरेटाणरे ॥ ११ ॥ कटकजुगलबऊमुलारे ॥ तस्क[illegible]
हांलेवाआव्योरे ॥ गाढातिणेनवीनिकलीआरे ॥
। १२ ॥ तिणेकापीहाथनेलीधारे ॥ लेईनासवारेमाम्युरे ॥
मीरे ॥ जाणेआव्युरेधाभुरे ॥ १३ ॥ कोटवालसूणीउजाणोरे ॥ चोरतोआ[illegible]
रेनासेरे ॥ नासताहवश्याकोचोररे ॥ जाण्यूहवेकिहारेजास्येरे ॥ [illegible] ॥ चे
गेदेवकूलमाहिरे ॥ अरुणदेवजीहरिसूतोरे ॥ उदेतसकर्मआव्यूरे ॥
नकर्मेपूतोरे ॥ १५ ॥ चोरेचित्तमांहिचितीरे ॥ कर्मांमुक्यांतेहनीपासेरे ॥ चो
तेशीपरअघारेउपायोरे ॥ छुरीमुकीहीणेआसेरे ॥ १६ ॥ उठ्योअरुणदेवतवी
ठीरे ॥ जाण्युदेवतारेतूठोरे ॥ लेईफांटिमाहिसगोपेरे ॥ [illegible]
॥ १७ ॥ तेवआव्योतिहांतलारे ॥ मनमांकोसनारेथईरे ॥ कहेकिहांजाउ
सदूराचारीरे ॥ छुरीकापमीरेगईरे ॥ १८ ॥ पकम्योतवबोलेतेहरे ॥
स्योरेकीधोरे ॥ तेकहेयोकटकनोजोमोरे ॥ कहेअरुणनम्हेरेलीधोरे ॥ [illegible]
आणीक्रोधनेआम्योतीणेरे ॥ तवपमीआंकटकसूपीठेरे ॥ उलम्यांकोटवाल
तामरे ॥ सूपतीपुरघरीउनीठेरे ॥ २० ॥ ससलाव्योव्यतीकररायरे ॥ विठोइम्य
स्यूरेतेहरे ॥ कहेयोसूलीइएचोररे ॥ तलवरपणिसासलीएहरे ॥ २१ ॥ लाव्योजीहां
सूलीनुठामरे ॥ सुलीईएरेदिघोरे ॥ इणअवसरस्तोजनलाव्योरे ॥ देवकूलमांएरेस
घोरे ॥ २२ ॥ महेसरेपोलिघणीकीधीरे ॥ नविठोकोईरेठामेरे ॥ तवआसनदे
शेजोयोरे ॥ नलसोकोईरेनामेरे ॥ २३ ॥ मालिवनवासीनेंपुठेरे ॥ एहवोकी
हरिसाल्योरे ॥ तेकहेनवीविठोकोईरे ॥ पणिएकचोरआल्योरे ॥ २४ ॥ हम
णांतसमारयोसाईरे ॥ कदातिहारेगयोरे ॥ कौतुकनोलिघोजायरे ॥ सुणीसो
करेययोरे ॥ २५ ॥ आकुलव्याकुलघणोथाइरे ॥ साईएरेस्यूकसुरे ॥ साईमु
झनेंठामवेषामोरे ॥ मारूहईकुरेवसुरे ॥ २६ ॥ तवठामवेषाम्योतिणेरे ॥ तिहां

खोसाणोआयोरे ॥ सूलीइसेठपूत्रनेंदिठोरे ॥ अरूणदेवरेसायोरे ॥ २७ ॥ इम कर्मविचित्रताजुउरे ॥ सातमेखमेरेसूणोरे ॥ कहेपद्मवीसमीढालेंरे ॥ करया कर्मएरेमुणोरे ॥ २८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ढ्हा ॥ कर्मविपाककमुआघणा ॥ मूर्खापार्मेमन्न ॥ पमीउप्रथवीउपरें ॥ तम फमतोतेतन्न ॥ २९ ॥ प्रेक्षकलोकआव्यापढें ॥ पुठेझालीपाणि ॥ स्योएकहो सवघढे ॥ आषोउत्तरआणि ॥ ३० ॥ महेसरवझलेमोहथी ॥ वोलेगद्गदवो ल ॥ वाटिउठिएवातमी ॥ अवलोथयोअतोल ॥ ३१ ॥ तामलिमीइतिलकसमा॥ कुमारदेवकहेवाय ॥ तेहनोसूततूमेजाणजो ॥ अरूणदेवअसीवाय ॥ ३२ ॥ इणनयरीवासीअवल ॥ जसादित्यजगजाण ॥ जामातातसजाणज्यो ॥ आ व्योइणहीजगाण ॥ ३३ ॥ जिहाजसागुप्रीयजनगया ॥ मनमांघरतोमाम ॥ नगयोसूसरानेंघरे ॥ अवशरजाणीआम ॥ ३४ ॥ वेसास्योम्हेंवाहिरें ॥ पुर मागयोपीगाण ॥ आहारलेईनइआवीउ ॥ गाबोपोल्योगाण ॥ ३५ ॥ पापउद यपरगटथयो ॥ आव्योखोलतोआहि ॥ दिठोइणीपरेंदृष्टिथी ॥ किहांएसूली क्याहि ॥ ३६ ॥ ढाल ॥ इमम्हाराघणसवाईढोला ॥ एदेशी ॥ इमकहेतांमु रढानमीउ ॥ प्रथवीउपरितेपमीउरे ॥ सवीकाकर्मतणीगतीन्यारी ॥ नसकेको ईकर्मनेंवारीरे॥स०॥पुरानीपरेंतमफमतो ॥ उठ्योकीमहीकलमथमतोरे ॥३७॥ सवि० ॥ निजवधकरवानेंमर्मि॥ लेईपथरसीरस्यूपढामेरे॥सवि०॥ प्रेक्षकलो केंधरीराप्यो ॥ इणिपरेजेसवघदाप्योरे ॥ स० ॥ ३८ ॥ नगरीमाथयोविस्ता र ॥ जसादित्येंसूण्योअधिकाररे ॥ स० ॥ नीजपुत्रीलेईतीहांआयो॥ दिठोअ रुणदेवमनसायोरे ॥ ३९॥सवि०॥ अहोअहोएवाततेकेहवी ॥ सेठपुत्रनीजो वाजेहवीरे ॥ सवी० ॥ मुर्खालसांडहीतानेंतात ॥ ढांटयाचदनविजणेंवातरे ॥ ॥ ४० ॥ स० ॥ काढोमुझकटरेसाय ॥ नवीशोकसतापखमायरे ॥ स० ॥ मरस्यूनीश्वयततकाल ॥ सूणीवातएप्रथवीपालरे ॥ स ॥ ४१ ॥ कोटवाल स्यूकरतोरीस ॥ कोटवालकहेसूणोईसरे ॥ स० ॥ चोरीतवस्तुस्यूएह ॥ पक म्योअमेकरीइकेहरे ॥ ४२ ॥ स० ॥ जसादित्यपासेंवधगाम ॥ नरपतीआ

ऊजईनश्आणरे ॥ कहेतेसुपमांगास्यूरे ॥ ९ ॥ देवकूलमांजईनेसूतोरे ॥ [illegible]
करीउघ्योसारोरे ॥ महेसरतोलेवागयोआहारे ॥ हाटिसेरीशिकरतोअमोरे
॥ १० ॥ इणअवसरउदश्आव्यूरे ॥ देशणीनेंकर्मबधाणरे ॥ निजसमनउ[illegible]
नेंवेगीरे ॥ तस्करनुथयुरेटाणरे ॥ ११ ॥ कटकजुगलबऊमुजरे ॥ तस्क[illegible]
हालेवाआव्योरे ॥ गाढातिणेंनवीनिकलीआरे ॥ सार्थेतुरीकारेलाव्योरे
॥ १२ ॥ तिणेंकापीहाथनेंलीधारे ॥ लेईनासवारेमाभयुरे ॥ वनपालीश्रुंबकाम
मीरे ॥ जाणेंआव्युरेघाभुरे ॥ १३ ॥ कोटवालसूणीउजाणोरे ॥ चोरतोआ[illegible]
रेनासेरे ॥ नासतांहवश्थाकोचोररे ॥ जाण्यूहवेकिहांरिजास्येरे ॥ [illegible] ॥ वे
गेदेवकूलमाहिरे ॥ अरुणदेवजीहरिसूतोरे ॥ उर्वेतसकर्मआव्यूरे ॥ [illegible]
नकर्मेपूतोरे ॥ १५ ॥ चोरेंचित्तमाहिंचितीरे ॥ कर्मांमुक्यातेहनीपासेरे ॥ वो
तेशीपरअघारेउपायोरे ॥ तुरीमुकीहीणेंआसेरे ॥ १६ ॥ उठ्योअरुणदेवतवली
गीरे ॥ जाण्युदेवतारेतूगोरे ॥ लेईफांटिमाहिसगोपेरे ॥ तुरीदेषीचितेंअपुगोरे ॥
॥ १७ ॥ तवआव्योतिहांतलाररे ॥ मनमांहोसनारेथईरे ॥ कहेकिहांजाई
सदूराचारीरे ॥ तुरीकापमीरेगईरे ॥ १८ ॥ पकमयोतबबोलेतेहरे ॥ मेंअपराध
स्योरेकीधोरे ॥ तेकहेयोकटकनोजोमोरे ॥ कहेअरुणनम्हेरेलीधोरे ॥ [illegible]
आणीक्रोधनेंआम्योतीणेंरे ॥ तवपमीआंकटकसूपीठेंरे ॥ उलव्यांकोटवाले
तामरे ॥ सूपतीपुरधरीउनीठेंरे ॥ २० ॥ ससलाव्योव्यतीकररायरे ॥ दिठोअम्य
स्यूरेतेहरे ॥ कहेयोसूलीइएचोररे ॥ तलवरपणिसासजीएहरे ॥ २१ ॥ लाव्योजीहां
सूलीनुठामरे ॥ सुलीइएरेदिधोरे ॥ इणअवसरसोजनेलाव्योरे ॥ देवकूलमांएरेस
घोरे ॥ २२ ॥ महेसरेंषोलिघणीकीधीरे ॥ नदिठोकोईरेठामेरे ॥ तवआसनदे
शेजोयोरे ॥ नलसोकोईरेनामेरे ॥ २३ ॥ मालिवनवासीनेंपुछेरे ॥ एहवोकी
हरिसाव्योरे ॥ तेकहेनवीदिठोकोईरे ॥ पणिएकचोरकाव्योरे ॥ २४ ॥ हम
णांतसमारयोसाईरे ॥ कवातिहारिगयोरे ॥ कौतूकनोलिघोजायरे ॥ सुणीसो
करेथयोरे ॥ २५ ॥ आकुलव्याकूलघणोथाईरे ॥ साईएरेस्यूकसुरे ॥ साईमु
ऊनेंठामदेषामोरे ॥ मारूहईमुरेवसुरे ॥ २६ ॥ तवठामदेषाम्योतिणेंरे ॥ तिहां

ल ॥ मैत्रीसङ्गस्यूअनुंकुलरे ॥ स० ॥ पुरवऽकृतऽगढो ॥ एकरलत्रयीनेंवं
गोरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकरेसूप्रकारोरे ॥
स० ॥ इणअवशरकहेसूपाल ॥ सवेगथकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतला
नांएफलबतलावो ॥ तोअमनेंकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवसेंअमेपमी
आ ॥ अम्हेकर्म्मजजीरस्यूजमीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीथीती
एहवी ॥ फलेंअधीक २ वमजेहवीरे ॥ स० ॥ जोअधीकअधीकवलीबांधो॥
तोनरकतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांऽखवघणांसोगवस्ये ॥ बऽका
लसगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेषेएथोमुजांणो ॥ तिणेंसार्षेश्रीसूवनराणो
रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषव्याधीजलणनेंसाप ॥ शत्रुसगदिइऽखव्यापरो॥स० ॥
इहसवऽखपणिपरमाद ॥ इहपरसवआपेविषादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद
थीकरतअकाज ॥ गुरुलाघवनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥
गुरुउपरिनकरेप्यारेरे ॥ ६४ ॥ स० ॥ इमसचीवऽलांपापा ॥ सहेवेदननरकेंआपरे
॥ स० ॥ पुछेनृपतासउपाय ॥ तवसम्यग्कहेगुरुरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इम
सांतमेखमेजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमशणिपरेंसापो॥
नृपपद्मवीजयचित्तराषेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दूहा ॥ सर्वआरसतजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादनें ॥ ना
णदृढीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुकेनही॥वर्ईमानसवेग ॥ पुंग्वसचीत
पेपवे ॥ वलिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निमीत्तवीनाबाधेनही ॥ नवांकर्मनी
रधार ॥ अनुकर्मेकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखश्रीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी
सनें ॥ करयोनकीमअप्रमाद ॥ इणेंअप्रमादआराधीउ ॥ पणवऽलोंपरमाद
॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणो ॥ करेकर्मनोअंत ॥ पणिथोमाअप्रमादथी ॥
मोम्यांकर्ममहत ॥ ७१ ॥ आदरीउंअप्रमादनें ॥ अशुसटल्योअनुबध ॥
विजअप्रमादनुबोईउ ॥ स्तविइएसवध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिआवेज्यो
रेरसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीसापो॥ करवोनहीपरमादसरापे॥ऽकृ
तनिंदारेकरीइ ॥ शीणपरेंसवशायरसुखेंतरीइ ॥ ७३ ॥ तिणें० ॥ आलोईइ

बीसणेंआमरे ॥ स० ॥ साईंदेवनोएअपराध॥ अमनुकीनपोवहोवा[illegible]
स० ॥ कोईसावीसावविचार ॥ ईमबोलेसूसरतारे ॥ स० ॥ [illegible]
रयोतेह ॥ पणिवेदनअतीसयदेहरे ॥ ४४ ॥ स० ॥ मनिबोधमोक्षमरग[illegible]
णी ॥ आप्यासूरीचउनाणीरे॥ स० ॥ अमरेसरगणधरनाम ॥ [illegible]
असीरामरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ सूरवरपुजीतगतपाप ॥ सहुनामयाशोकअंताव
रे॥ स० ॥ देवताइंपथवीसमारी ॥ गधोदकवरसेधारीरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
कनककमलपणिवीरचे॥ फूलवरसेनेंमुनीनेंअरचेरे॥स०॥ तिहांबेसीनेंदेसना
देतां ॥ उपदेशमाहिइमकहेतारे ॥ ॥ ४७ ॥ स० ॥ मोहनीशामकरोवाली[illegible]
धर्मजागरणेंजागोजाणीरे ॥ स० ॥ तजोपापथानिकअढारो ॥ [illegible]
धर्मनइधारोरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ तजीइवयरीअतरग ॥ डखदिईपरवाहपसन
रे ॥ स० ॥ थोडोपणिकरइपमाय ॥ तेहथीबहुकर्मबधायरे ॥ [illegible] ॥
डखदायकतासविवाग॥ मानसतनुडखअतागरे ॥ [illegible] ॥ देइलीनेंअहुएवे
बजेम ॥ तवपुठेनरपतीकेमरे ॥ ५० ॥ स० ॥ तवसूरीपूर्वसबध ॥ [illegible]
थीकहेपरबधरे ॥ स० ॥ जोएतलाडकृतकेरो ॥ विपाकआप्योअथीकेरो
रे ॥ ५१ ॥ स० ॥ इमसांसलीकेईप्रतीबुझ्या ॥ सवेगथीकर्मस्युझुझ्यारे ॥
स० ॥ अरुणदेवदेईणीदोय ॥ मुर्छागतततपीणहोयरे ॥ ५२ ॥ स० ॥ चेत
नालहीपाम्यांज्ञान ॥ जातीसमरणशुसध्यानरे ॥ स० ॥ आदाननिदानसहु
जाण्यो ॥ शुसपरीणामेंपरमाण्योरे ॥ ५३ ॥ स० ॥ प्रसूजेतुम्हेसाथ्युतेम ॥
अमेंज्ञानेंदिठुइमरे ॥ स० ॥ अमेपाम्याजीनवरबोध ॥ अणसणदेईकरो
अम्हशोधिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ जराजनममरणरोगसोग ॥ टालोक
सारसंजोगरे ॥ स० ॥ गुरुकहेएजुगतीवात ॥ दुर्गतीजाइसदगतीजातरे
॥ ५५ ॥ सवी० ॥ सूरनरसूखसाधेएह ॥ निरवांणदिइवलीजेहरे ॥ [illegible] ॥
अणसणदिइठपसेठसार्थे॥ सहुधम्य २ मुखिसाथेरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ कहेथि
हुजणगुरुनेंस्वामी ॥ वलिकहोकांयअंतरजामीरे ॥ स० ॥ गुरुकहेतुम्हेसर्व
पलूंकिधु ॥ मानवसवनुफलसीधुरे ॥ स० ॥ ५७ ॥ वलीअमोमनतडखेनु

ल ॥ मैत्रीसङ्गस्यूअनुंकुलरे ॥ स० ॥ पुरवड कंतडुगढो ॥ एकरलत्रयीनेंव
ढोरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकरेसूप्रकारोरे ॥
स० ॥ इणअवशरकहेसूपाल ॥ सवेगथकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतला
नांएफलबतलावो ॥ तोअमनेंकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवसेंअमेपमी
आ ॥ अम्हेकर्म्मजजीरस्यूंजमीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीचीती
एहवी ॥ फलेंअधीक २ वमजेहवीरे ॥ स० ॥ जोअधीकअधीकवलीबांधो।
तोनरकतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांडुखघणांसोगवस्ये ॥ बडुका
ललगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेषेएथोडुजांणो ॥ तिणेंसाधेंत्रीसूवनराणो
रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषव्याधीजलणनेंसाप ॥ शत्रुसगदिइडुखव्यापरो॥स० ॥
इहसवडुखपणिपरमाद ॥ इहपरसवआपेविपादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद
चीकरतअकाज ॥ गुरुलाघवनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥
गुरुउपरिनकरेप्याररे॥ ६४॥स०॥इमसचीवडुलापापा। सहेवेदननरकेंआपरे
॥ स० ॥ पुढेनृपतासउपाय ॥ तवसम्यग्कहेगुरुरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इम
सांतमेरवमेजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमइणिपरेंसापो।
नृपपद्मवीजयचित्तराषेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ० ॥ ॥ ० ॥
॥ उहा ॥ सर्वआरसतजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादनें ॥ ना
एदशीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुकेनही॥वर्द्धमांनसवेग ॥ पुंग्वसचीत
षेपवे ॥ वलिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निमीत्तवीनाबाधेनही ॥ नवांकर्मनी
रधार ॥ अनुक्रमेंकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखश्रीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी
सनें ॥ करयोनकीमअप्रमाद ॥ इणेंअप्रमादआराधीउ ॥ पणवडुलोंपरमाद
॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणो ॥ करेकर्मनोअत ॥ पणिथोडाअप्रमादथी॥
मोक्यांकर्ममहत ॥ ७१ ॥ आदरीउंअप्रमादनें ॥ अशुसटल्योअनुबध ॥
बिजअप्रमादनुवोईउ ॥ स्तधिइएसबध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिआवज्यो
रेरसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीतापो॥ करवोनहीपरमादसरापे॥उ क
तनिदारेकरीइ ॥ इणिपरेंसवशायरसुखेंतरीइ॥ ७३ ॥ तिणें० ॥ आलोईइं

वीसणेंआमरे ॥ स० ॥ साईंबनोएअपराधा॥ [illegible]
स० ॥ कोईसावीसावविचार ॥ ईमबोलेसूसरतारेरे ॥ स० ॥ [illegible]
स्योतेह ॥ पणिवेदनअतीसयदेहरे ॥ ४४ ॥ स० ॥ प्रतिबोधनोअवसरआ
णी ॥ आव्यासूरीचउनाणीरे॥ स० ॥ अमरेसरगणधरनाम ॥ [illegible]
असीरामरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ सूरवरपुजीतगतपाप ॥ सङ्घनामयाजोकर्मनाम
रे॥ स० ॥ देवताइमयवीसमारी ॥ गधोदकवरसेधारीरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
कनककमलपणिवीरचे॥ फूलवरसेनेंमुनीनेंअरचेरे॥स०॥ तिहांबेसीनेंदेसना
देता ॥ उपदेशमाहिइमकहेतारे ॥ ॥ ४७ ॥ स० ॥ मोहनीडामकरोमोहीड
धर्मजागरणेंजागोजाणीरे ॥ स० ॥ तजोपापथानिकअडारो ॥ [illegible]
धर्मनइधारोरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ तजीइवयरीअतरग ॥ डुखदिइंपरमादपसग
रे ॥ स० ॥ थोडोपणिकरिइपमाय ॥ तेहथीबङ्ककर्मबधायरे ॥ [illegible] ॥
डुखदायकतासविघाग॥ मानसतनुडु खअतागरे ॥ [illegible] ॥ देइणीनेंअकरवरे
बजेम ॥ तवपुछेनरपतीकेमरे ॥ ५० ॥ स० ॥ तवसूरीपूर्वसबध ॥ विस्तर
थीकहेपरबधरे ॥ स० ॥ जोएतलाडुकतकेरो ॥ विपाकआव्योअथीकेरे
रे ॥ ५१ ॥ स० ॥ इमसांसलीकेईप्रतीबुझ्या ॥ सबेगथीकर्मस्युडुझ्यारे ॥
स० ॥ अरुणदेवदेईणीदोय ॥ मुर्छागतततथीएहोयरे ॥ [illegible] ॥ चेत
नालहीपाम्याज्ञान ॥ जातीसमरणशुसध्यानरे ॥ स० ॥ आदाननिदानसङ
जाण्यो ॥ शुसपरीणामेंपरमाण्योरे॥ ५३ ॥ स० ॥ प्रसूजेतुम्हेसाथ्युतेम ॥
अमेंज्ञानेंदिठुइमरे ॥ स० ॥ अमेपाम्याजीनवरबोध ॥ अणसणदेईकरो
अम्हशोधिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ जराजनममरणरोगसोग ॥ टालोंक
सारसंजोगरे ॥ स० ॥ गुरुकहेएजुगतीवात ॥ डुर्गतीजाईसदगतीजातरे
॥ ५५ ॥ सबी० ॥ सूरनरसूखसाधेएह ॥ निरवाणदिइवलीजेहरे ॥ [illegible] ॥
अणसणदिईनृपसेउसार्थे॥ सङ्घधन्य २ मुखिसाथेरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ कहेथि
डुजणगुरूनेंस्वामी ॥ वलिकहोकांयअंतरजामीरे ॥ स० ॥ गुरुकहेतुम्हेस
घलूकिधु ॥ मानवसवनुफललीधुरे ॥ स० ॥ ५७ ॥ वलीअंमोमवतडुखेंनु

ल ॥ मैत्रीसङ्गस्यूअनुंकुलरे ॥ स० ॥ पुरवड कतडगळो ॥ एकरलत्रयीनेंव
गोरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकरेसूप्रकारोरे ॥
स० ॥ इणअवसरकहेसूपाल ॥ सवेगथकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतला
नीएफलबतलावो ॥ तोअमनेंकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवसेंअमेपडी
आ ॥ अम्हेकर्म्मजंजीरस्यूंजडीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीथीती
एहवी ॥ फलेंअधीक २ वडजेहवीरे ॥ स० ॥ जोअधीकअधीकबलीबांधो॥
तोनरकतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांडुखघणांसोगवस्ये ॥ बडुका
ललगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेषेएथोडुजाणो ॥ तिणेंसापेंश्रीसूबनराणो
रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषव्याधीजलणनेंसाप ॥ शत्रुसगदिइडुखव्यापरो॥स० ॥
इहसवडुखपणिपरमाद ॥ इहपरसवआपेविषादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद
थीकरतअकाज ॥ गुरुलाघवनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥
गुरुउपरिनकरेप्यारे॥ ६४॥स०॥इमसचीवडुलांपापा॥ सहेवेदननरकेंआपरे
॥ स० ॥ पुछेनृपतासउपाय ॥ तवसम्यग्कहेगुरूरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इम
सांतमेखमेजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमइणिपरेंसापो॥
नृपपद्मवीजयचित्तराषेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सर्वआरसतजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादनें ॥ ना
णदर्शीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुकेनही॥वर्ईमानसवेग ॥ पुरवसचीत
षेपवे ॥ बलिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निमीत्तवीनाबाधेनही ॥ नवांकर्मनी
रधार ॥ अनुक्रमेंकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखश्रीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी
सनें ॥ कस्योनकीमअप्रमाद ॥ इणेंअप्रमादआराधीउ ॥ पणवडुलोंपरमाद
॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणो ॥ करेकर्मनोअंत ॥ पणिथोडाअप्रमादथी॥
मोमथांकर्ममहत ॥ ७१ ॥ आदरीउअप्रमादनें ॥ अशुसटल्योअनुबध ॥
विजअप्रमादनुबोईउ ॥ स्तविइएसबध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिआवज्यो
रेरसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीसापो॥ करवोनहीपरमादसरापे॥ड क
तनिदारेकरीइ ॥ इणिपरेंसवशायरसुखेंतरीइ॥ ७३ ॥ तिणें० ॥ आलोईइ

गुरूपासें ॥ प्रायश्चीत्तविधिपूर्वकअभ्यासें ॥ इंमसूणीतुज्यांरेराय ॥ [illegible]
रविमुक्तीकराय ॥ ७४ ॥ तिणे० ॥ जसादित्यमाहेश्वरसार्थे ॥ [illegible]
नृपसदगुरूहार्थे॥ एहसूणीअधीकार॥कटकचोरआव्योतिर्णेठाय॥ [illegible]
पश्चातापरेकरंतो ॥ गुरूनेइणीपरेंतेहवदतो॥म्हेंपापीइएकाम॥किधुंनीं[illegible]
रिणाम ॥ ७६ ॥ ति० ॥ धर्मजत्रेपीरेसार ॥ अधरमनोकीधोअधीकार ॥ [illegible]
नवसवएअहेलेंपोयो ॥ डुखपरपरानोमुखजोयो ॥ ७७॥ ति०॥ स्योवडा[illegible]
नविन्यास ॥ प्राणत्यागकरवोतूमपास ॥ कहोप्रसूजोग्यजेमाहरे ॥ [illegible]
गुरुउपयोगतिवारे ॥ ७८ ॥ ति० ॥ लौकिकसुदरतासाम्यो ॥ पछिमवीत[illegible]
राग्यतेआव्यो ॥ इमवीचारीरेतास ॥ दिधुअणसणशुसअभ्यास॥ ७९॥ ति०॥
दिधोवलिनवकार ॥ चोरेपिणकरयोअगीकार ॥ निधोआतमआर्थ ॥ गुरूव[illegible]
दीनेधोयापाप ॥८० ॥ ती० ॥ अरूणदेवेंकरयोकाल ॥ देईणीतस्करपछि[illegible]
तकाल ॥ त्रणेंसूरवररेयाय ॥ तिणेंसुणीसेनकुमरजीराय ॥ ८१ ॥ ती० ॥ रा[illegible]
ज्यअसारनेंकाम ॥ किधोस्येकामेंसग्राम ॥ जुगतूकामनकिधुं ॥ सेनकुमर
पणिबोल्योंसीधु ॥ ८२ ॥ ती०॥ कुलपरासवनसहाणो ॥ तिणेंअसूदरकार्य
कराणो॥ जाण्यूहवश्तूमपास ॥ दिक्षाधीउपसमहोयतास ॥८३॥ ती०॥ अ[illegible]
पोजोग्यजोजाणो॥गुरूकहेयोग्यतणेंशिरठाणे॥बजबाजोग्यसशार ॥किजेंल[illegible]
घुकारयनीरघार॥८४॥ति०॥सेनकुमरकहेसार्थी सूणोअमात्यगुरुनुंवार्था॥अ[illegible]
नुमतीघोतुम्हेंसारी॥बोल्योतामअमात्यविचारी॥८५॥ति०॥ विघनमहोयोरेहू
मनें॥आठदिवसयोमाग्याअमनें॥अठाईमहोछवरेकीधो॥दानअतुलजाचकनें
दीधो॥८६॥ती०॥राज्यठव्योनिजपुत्रा॥अमरसेनराषेघरसूत्रा॥शुसलगनेशुसवा
रा॥शांतिमतीपणिसार्थेनारि॥८७॥ती०॥अमरगुरूमुखमती ॥शकुनसवेअनुकु
लनीपंती॥हरीसेनगुरुनेंरेपासें॥दिक्षालेईनेंअतअभ्यासे ॥८८॥ती०॥अनुंकने
सुघनेंकिरीया ॥ अर्थधरयोऊआगुणदरीआ ॥ तुलनाजिनकटपकेरी ॥ करेगु
रुआणलहीयसलेरी ॥८९॥ ती० ॥ पांचप्रकारनीतेह ॥ तपनें १ सूध २ अ
र्थे ३ गुणगेह ॥ एकांत ४ बल ५ पंचजाणो॥ पाठांतरविजोपरमाणो ॥९०॥

ती० ॥ यत ॥ तवेणसूत्तेणअत्थेण ॥ एगतेणबलेणय ॥ तूलणापचहावुत्ता ॥ जिणकप्पपडीवज्जउ ॥ १ ॥ अत्रपाठांतरविशेषावश्यके॥ तवेणसूत्तेणसत्ते एगत्तेणबलेणय ॥ इत्यादी ॥ तत्रसावनापचधा ॥ पूर्वढाल ॥ पहेलीउपा सरामांहि ॥ विजीवाहिरधरतउगांहि ॥ त्रिजीचोकमांरहेता ॥ चोथीसुनाघर मांसहेतां ॥ए १॥ ती० ॥ पांचमीसमशानेजाशासत्वसावनाइणीपरिथाय॥ दृ हतकलपमांविस्तार ॥ जोज्योइहांथायपंथअपार ॥ए २॥ ती० ॥ यत ॥ पढ माइवस्सयमी॥ बियावाहितईयाचउकमी॥ सुन्नहरमीचउत्थी ॥ तहपचमीया मसाणमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ किधीतूलनारेइम ॥ टालेसंगसङ्गस्थूप्रेम ॥ ग्रामे एकजरातिानगरेपचरातीविख्याता॥ए ३ ॥ ति०॥इकदिनविचरताआया॥ को ल्लागसन्निवेसेंमुनीराया ॥ काउसग्गरह्याएकठामें ॥ प्रणमोएमुनीनीत्यसीरना मि ॥ ए४ ॥ ती० ॥ सातमेखमेरेढाल ॥ वावीसमीसापीसूरचाल ॥ समरादि त्यनेंरास ॥ पद्मवीजयकहेचरीउल्लास ॥ ए५ ॥ तिणे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ डहा ॥ राज्यविनाहवेरमवमे ॥ नामविसेनकुमार ॥ इणअवचरतिहाआवी उ ॥ धरतोद्वेपअपार ॥ ए६ ॥ मुनीवरदीठामोटिका ॥ पणिकोईकर्मप्रमाण॥ कोपेंचित्तमाकलकट्यो ॥ वोलेइणिपरेवाणि ॥ ए७ ॥ दिठोवलिदृष्टिकरी ॥ नहिमुझपापनोपाराअथवाआअवसरसलो ॥ एकाकीअवधारि॥ ए८ ॥ ए कातेआयुधनही ॥ पोचामुजमपाणि ॥ मनोरथपुरुमनतणा ॥ अथवामुझइ महाणि ॥ ए९॥ निजकुलपुत्रनेंनिरपता ॥ कहोमाहुकिणरीती ॥ वधकरस्यू वलीअवसरें॥ चाल्योइमघरीचित्त ॥७०॥ढाला॥पटोधरपाटीइपधारो ॥ एदे शी ॥ नवीकोईनेंव्यतीकरसाप्यो ॥ एद्वेपहैयामांराप्यो ॥ मुनीसमतारसचि त्तधाप्यो ॥ १ ॥ सवीजनवदिइमुनीसावें ॥ जिमसव२ पातिकजावे ॥ स धि ॥ एआंकणी ॥ देवकुलपीठीकाइसुतो ॥ सूरजपेत्रांतरेंपोहोतो ॥ थयोरा तिनेंसागनिचतो ॥ २ ॥ स० ॥ गयोखमगलेईमध्यरातें ॥ मुनीवरपासेएका तें ॥ ध्याननीश्वलमुनीवरध्याते ॥ ३ ॥ स० ॥ एकअरतीनेंबीजुअज्ञान ॥ ज्वल्योक्रोधनेंदिप्योमान ॥ काढ्युखगसूजंगासमान ॥ ४ ॥ स० ॥ कहे

सांसलिरेऊराचार ॥ जिवलोकनयणेंअवधारि ॥ ऊंबारीसतूऊंनीरधार ॥ स॰ ॥ ५ ॥ ध्यांनमांनसूर्णेमुनीराय ॥ पणिपेभदेवीतिणेंगाय ॥ तूहेमुखरांनी णीचितलाय ॥ ६ ॥ स॰ ॥ विसेनकूमारनेंकोपी ॥ स्वप्नमांहिजवाळांलो लोपी ॥ अपहरीलीइदोषआरोपी ॥ ७ ॥ स॰ ॥ पत्योवसतिहजगांम ॥ कहेधिगूसळकेसपरीणाम ॥ अनार्यपणानोधाम ॥ ८ ॥ स॰ ॥ समतसुनि त्रमुनीएह ॥ वासीचंदनसमदेह ॥ तेउपरिकीमकरेएह ॥ ९ ॥ स॰ ॥ तूंमे मुखनवीजोवुआर ॥ दयाआणीनेंमुक्योतिवार ॥ पणितिव्रकरमचयांहार ॥ ॥ १० ॥ स॰ ॥ नगणेंतेदेववचन्न ॥ फिरीमारणधाइतन्न ॥ देवतांइजाणीऊ सपन्न ॥ ११ ॥ स॰ ॥ लोहीवमतोनाप्योतास ॥ मुनीअवपहजाण्योपास ॥ क्रोसनालहीउठ्योतास ॥ १२ ॥ स॰ ॥ अवपहपीकाढ्योबाहिरें ॥ मुक्यो वनमाजईत्यारें ॥ अदृश्यथयादेवताज्यारे ॥ १३ ॥ स॰ ॥ पापनीपरणती जुउंमाहरी ॥ नविसकीउएहनेंमारी ॥ विसेनतेइमवीचारी ॥ १४ ॥ स॰ ॥ ईमकरतोरुद्रतेध्यान ॥ अमरषधरतोअज्ञान ॥ थयुनारकआयुबधाण ॥ स॰ ॥ ॥ १५ ॥ असिनिवेशथीदृढथाय ॥ कर्मेकोईकाकालगमाय ॥ परीजनसऊ नीजघरिजाय ॥ १६ ॥ स॰ ॥ पीनावऊसूषनीपमतो ॥ एकाकीमारगचलं तो ॥ चोप्पीलाअटवीमांसमतो ॥ १७ ॥ स॰ ॥ सीलगुप्तआवणनेंकाज ॥ मांससेलूकरेतसव्याज ॥ मारयोतिणेंविसेणराज ॥ १८ ॥ स॰ ॥ मरीउठीन रगेंजायो ॥ मुनीआसातनफलपायो ॥ बावीससागरतसआयो ॥ १९ ॥ स॰ ॥ हवेसेनरायअणगार ॥ पालीसजमनीरतीचार ॥ करीसलेषणातजेआहार ॥ ॥ २० ॥ स॰ ॥ प्रणमीवीतरागनापाय ॥ आदरेअणसणशुसठाया ॥ प्रतीबधरहीत नीरमाय ॥ २१ ॥ स॰ ॥ साधनाआराधीसार्वे ॥ देहपजरमुकीजावे ॥ नवमे ग्रैवेयकेंआवे ॥ २२ ॥ स॰ ॥ बीससागरआयुतास ॥ ईमसत्तमसवसुविला स ॥ पितराईसाईपणेंजास ॥ २३ ॥ स॰ ॥ सातमोकसोखमरशाल ॥ सवत अठारबेताल ॥ जेठवदिठेंभेवीसडाल ॥ २४ ॥ स॰ ॥ विजयसिंहसुरी ससवाया ॥ सत्यविजयसुसीसगवाया ॥ तससीसकपुरकहाया ॥ २५ ॥

स० ॥ तसषीमावीजयगुरूराय ॥ जिनविजयवीबुधतसपाय ॥ सोसामीज
नसूषदाय ॥२६॥ स० ॥ तससिसमांउत्तमवीजयो ॥ जगमाहिजसजसवी
जयो ॥ जसनामप्रसार्तेलीजयो ॥ २७ ॥ स० ॥ समरादित्यनोएरास ॥ कहे
पद्मविजयसूप्रकाश ॥ पुरेपासकल्याणजीआस ॥ २८ ॥ स० ॥ इतिश्री
सविज्ञपक्षीयपमीत्तप्रवरश्रीमदुत्तमविजयग० शिष्यप० पद्मवीजयग० विर
चितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसेनवीसेनपिवृव्यभात्रौसप्तमोनरसव
समाप्त ॥ तत्समाप्तोचसमाप्तोयंसप्तम खम ॥ सप्तमखमेसर्वगाथा ॥
॥ ७२८ ॥ श्लोक ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥दो॥ छंद॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ समरीसरसतीमाय ॥ [illegible]
तणा ॥ प्रेमेंप्रणमुपाय ॥ १ ॥ सातमोस्वप्नसोहामणो ॥ पुरखकरीसूचनाय ॥
अद्भुतरवमहवेआवमो ॥ सांसलोसर्वसूजाण ॥ २ ॥ जंबुद्वीपजयजोयणो ॥
सरतपेत्रअसीराम ॥ सुरपुरीसमसोहामणी ॥ नयरीअयोध्यानाम ॥ ३ ॥
वनवाडीविहारेंकरी ॥ नित्यउछवआणंद ॥ जुवतीअद्भुतछेजिहां ॥ [illegible]
तीसूरवकंद ॥ ४ ॥ लावन्यउतपतीलेषिइ ॥ सूरूसीलशांगाचार ॥ [illegible]
शाल्यप्रकर्षबली ॥ विस्मयठाणवीचार ॥ ५ ॥ पुरुषगर्वपुरावसे ॥ [illegible]
चरीतउदार ॥ गुणपक्षपातीनेगुणी ॥ वचनतेवदेविचार ॥६॥ [illegible] ॥ [illegible]
ईनी ॥ दाननाव्यसनीलोकछेजेह ॥ लोसीजसलेवानेंतेह ॥ परधनलेवानेंपां
गला ॥ परस्त्रीदेषणनेंआंधला ॥ ७ ॥ विकणकरवातेहआकाज ॥ मूलपरवां
गणनेंकाज ॥ गुणमहवानोनहीसतोष ॥ मुगापारकालेवादोष ॥ ८ ॥ जि
हांवधनतेधम्मीलेंहोय ॥ अथवाफूलवधाइजोय ॥ दमलभनेंकेप्रशाद ॥ [illegible]
हनोक्यदिपकेंअवीवाद ॥ ९ ॥ मारसवदसोगठीनेंकहे ॥ निरदयपक्षति
हांस्वर्गेलहे ॥ लुहियांमदिरदिशेघणां ॥ गजसालाइकव्वहनहीमणां ॥ १०॥
कोरणीमदिरमाहिघणी ॥ पणितिहांलोकनहीकोरणी ॥ मैंभीवलनामेंतिहांरा
य ॥ राज्यलक्ष्मीपरेंकिर्तिसुहाय ॥ ११ ॥ नितीपरेंनहीदयाविहीन ॥ चाप
नेंकिधाछेदिन ॥ पद्मावतीपटराणीतास ॥ सूरवसोगवेतेहस्युसुवीश्वास ॥ १२॥
नवमापैवेयकवासीदेव ॥ उपनोतेहनीकूखेंहेव ॥ दितुसूपनतिणेंपरसाम ॥ ए
कसरोवरतिणहीजराति ॥ १३ ॥ कमलसहीततेराजेघणा ॥ वृत्यकरेमानु
विचीतणा ॥ भमरसमुहगुजारवकरे ॥ काठेंपषीरसांपरपरे ॥ १४ ॥ तरूअ
रमेणीचिहुदिशफरी ॥ एहउदरपेतुसचरी ॥ जागीससलाभ्युसरतार ॥ सु
नेंपणिथयोहर्षअपार ॥ १५ ॥ पुत्रथास्येरायहससमान ॥ सूपकमलाकर
सोगअमान ॥ सांसलीसतोषपामीनारी ॥ अणवरगसाधेसूखकार ॥ १६ ॥
अनुक्रमेंसुतसुकुरतशूलयोग ॥ सूखचीप्रसवेपुत्रनीरोग ॥ कमलपरेंकरपद
सूकमाल ॥ दाशीशविनवीअंसूपाल ॥ १७ ॥ रायतणेंमनहर्षनमाय ॥ [illegible]

वधामणीकरीयपशाय ॥ ठोमीदीश्तीहांकारागार ॥ हरष्योजनपदचित्तउदा
र ॥ १८ ॥ आणदध्वजकिर्धांघरसिरें ॥ पुजावीरचावेपरपरें ॥ घरिघरि
वाजेमगलतूर ॥ रमणीगीतगाइससनुर ॥ १९ ॥ वधामणांलावेवहुलोक ॥
नाचेतरुणीजननाथोक ॥ रायदीश्वहुआदरतास ॥ कहेतूमकेरीदीएघास ॥
॥२०॥वहुआणदमांगयोएकमाश॥विविधउछवकरतांउल्लास॥ नामठवेगुणच
दकूमार ॥ अनुक्रमेंकुमरसावलहेशार ॥ २१ ॥ सिखिकलाउअनेकप्रकार ॥
लेखगणीतआलेखवीचार ॥ नाटिकगीतनेंवाजित्रयुत ॥ होराकाव्यनेंआर्या
जुत्त ॥ २२ ॥ प्रहेलीकामागधीकाश्लोक ॥ देपीअचरीजपामेलोक ॥ शय
नविधीवीधीअन्ननेंपांन ॥ अष्टापदसमतालनुमांन ॥ २३ ॥ रमणीप्रतीक
र्म्मलक्षणनारी ॥ पुरुषतणांलक्षणअवधारि ॥ हयगयगोणनेंकूकमतणां ॥ मेढ
लक्षणवलीजाणेंघणां ॥ २४ ॥ चक्रदमणीअसीनेंछत्र ॥ कागिणीचर्म्मल
क्षणकहेवत्त ॥ चंद्रसूरराहुनाचार ॥ ग्रहनाचारअनेंप्रतिचार ॥ २५ ॥ मंत्र
तंत्रयत्रकेरीवात ॥ व्युहप्रतीव्युहतणाअवदात ॥ खधाचारनांजाणेंमान ॥
नगरनीवेशजाणेतसथाना॥२६॥ हयगयसीक्षानेंधनुर्वेद॥धातुवादवलीमणीना
सेदाबाहुदमुठिअठिजुद्धावलितेजाणेंयुद्धनीयुद्धासजीवनेंनीजिवउपाया॥ना
लिकारवेमशकुनरुतथाया॥२७॥ विषयप्रसगसमयआविउ॥पणिकलासणवा
चित्तसावीउ॥वलीआसनठेसिद्धिनांसूरका॥क्लिष्टकर्मउपसमीआंडरका॥ २८ ॥
कन्यारुपप्रकर्षनदिठ ॥ तिणेंतसविषयप्रसगअनीठ ॥ गुरुनेंउपजावलोआ
णद ॥ सार्थेचाकरनावहुवद ॥ २९ ॥ नदनवनउपमवनमांहि ॥ क्रिडाकरतो
अतीउछाहि ॥ पुण्यतणफलइमसोगवे ॥ दानयाचकनेंवहुउछवे ॥ ३० ॥
समरादित्यतणोएरास ॥ आठमेखंडेलिलवीलास ॥ पमीत्तउत्तमविजयनो
बाल ॥ पद्मविजयकहेपेहेलीढाल ॥ ३१ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढुहा ॥ जिवविसेणनारकजिके ॥ उदवर्त्योइणकाल ॥ ससरीउससारमां ॥
सहेतोदुखअसराल ॥ ३२ ॥ अनतरसर्वेतिणेंआचरयु ॥ कष्टतथाविघकांया॥
वैताढ्यवारुपरवर्ते ॥ अवतरीउतेआय ॥ ३३ ॥ रथनेंउरचक्रवालरम्य ॥ वि

॥६०॥ ॥ दूहा॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ समरीसरसतीमाय ॥ [illegible]
तणा ॥ प्रेमेंप्रणमुपाय ॥ १ ॥ सातमोस्वंमसोहामणो ॥ पुरक[illegible]
अद्भुतरवमहेवआठमो ॥ सांसलोसर्वसूजाण ॥ २ ॥ जंबुद्वीपजो[illegible]
सरतपेत्रअसीराम ॥ सूरपुरीसमसोहामणी ॥ नयरीअयोध्यामान ॥ [illegible]
वनवाडीविहारेंकरी ॥ नित्यउछवआणद ॥ जुवतीअद्भुतछेजिहां ॥ [illegible]
तीसूरवकंद ॥ ४ ॥ लावण्यउतपतीलेषिइ ॥ सूरूसीलशणागार ॥ [illegible]
वाल्यप्रकर्षवली ॥ विस्मयठाणवीचार ॥ ५ ॥ पुरुषगर्वपुरावते ॥ [illegible]
चरीतउदार ॥ गुणपरूपातीनेगुणी ॥ वचनतेवदेविचार ॥ ६ ॥ [illegible]
ईनी ॥ दाननाव्यसनीलोकछेजेह ॥ लोसीजसलेवानेंतेह ॥ परधनलेवानेंपा[illegible]
गला ॥ परस्त्रीदेषणनेंआंधला ॥ ७ ॥ विकणकरवातेहअकाज ॥ मूलपरवा[illegible]
गणनेंकाज ॥ गुणग्रहवानोनहीसतोष ॥ मुगापारकालेवादोष ॥ ८ ॥ [illegible]
हांवचनतेधम्मीलेंहोय ॥ अथवाफूलवधाइजोय ॥ दमछमनेंकेमशाद ॥ [illegible]
हनोरूयदिपकेंअवीवाद ॥ ९ ॥ मारसवदसोगठीनेंकहे ॥ निरवयपक्ष[illegible]
हांखमगेंसहे ॥ बुहियांमदिरदिजेघणां ॥ गजसालाअकलहनहीमणां ॥ १० ॥
कोरणीमदिरमाहिघणी ॥ पणितिहांलोकनहीकोरणी ॥ मैत्रीबलनामेंतिहांरा[illegible]
य ॥ राज्यलक्ष्मीपरेंकिर्तिसुहाय ॥ ११ ॥ नितीपरेंनहीदयाविहीन ॥ [illegible]
नेंकिधाछेदिन ॥ पद्मावतीपटराणीतास ॥ सूरवसोगवेतेहस्युसुवीलास ॥ १२ ॥
नवमापैवेयकवासीदेव ॥ उपनोतेहनीकूखेंहेव ॥ दिठुसूपनतिणेपरसाल ॥ [illegible]
कसरोवरतिणहीजराति ॥ १३ ॥ कमलसहीततेराजेचणक ॥ नृत्यकरेमानु[illegible]
विचीतणकं ॥ भमरसमुहगुजारवकरे ॥ कांठेंपषीरसांपरपरे ॥ १४ ॥ तरूअ[illegible]
रभेणीचिहुदिशफरी ॥ एहउदरपेवुसचरी ॥ जागीससलाभ्युसरतार ॥ [illegible]
नेंपणियथोहर्षअपार ॥ १५ ॥ पुभचास्येरायहससमान ॥ सूपकमलाकर[illegible]
सोगअमान ॥ सांसलीसतोषपामीनारी ॥ अणवरगसाधेसूखकार ॥ १६ ॥
अनुक्रमेंशुसमुहूरतशूसयोग ॥ सूखथीप्रसवेपुभनीरोग ॥ कमलपरेंकरपद[illegible]
सूकमाल ॥ दाडीशविनवीजेसूपाल ॥ १७ ॥ रायतणेंमनहर्षनमाय ॥ [illegible]

झरयणेंसरीजी ॥ ५५ ॥ निजनरसवलसूजाए ॥ जोवारूपविन्नाए ॥ सू० ॥ पुरषदिशोदिशमोकल्याजी ॥ ५६ ॥ सिषविउशणिरीति ॥ रूपकलापरतीत ॥ सू० ॥ रतनवतीसमदेषज्योजी ॥ ५७ ॥ तेतेराजकूमार ॥ करीचित्रांमस फार ॥ सू० ॥ लावीमुऊदेषामीश्जी ॥ ५८ ॥ अद्भुतकोईविज्ञान ॥ पत्रछे दादीसमान ॥ सू० ॥ तेकौशल्यपणिदाषज्योजी ॥ ५९ ॥ तेपणिकरीयप्र माए ॥ गयादिशोदिशजाए ॥ सू० ॥ दिठानृपसुतवऊतिणेंजी ॥ ६० ॥ प णिनहीनारीनेंजोग ॥ पणिकायकजेलोग ॥ सू० ॥ तेचिन्याचित्रामभाजी ॥ ॥ ६१ ॥ फिरताआव्यातेह ॥ नयरीअयोध्यानेह ॥ सू० ॥ दिठोगुणचदकू मरनेंजी ॥ ६२ ॥ राधावेधविचार ॥ धनुरवेदप्रकार ॥ सू० ॥ कलाअत्या सतोदेपीउंजी ॥ ६३ ॥ विस्मयपाम्याचित्त ॥ रूपकलासूपवीत्त ॥ सू० ॥ कुअरनयरमांआविआजी ॥ ६४ ॥ राजकन्याअनुरुप ॥ पणिनलखाइ सरूप ॥ सू० ॥ एकजवारवलीदेपीउंजी ॥ ६५ ॥ आठमेरवमेढाल ॥ वि जीअतिहिरशाल ॥ सू० ॥ पद्मकहेश्रोतासुणोजी ॥ ६६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ चित्रमतीबोल्योचतूर ॥ सूपणअदसूतसालि ॥ तेकहेदिठुतोपरु ॥ एहमांनहीकोईआल ॥ ६७ ॥ पणिराणिउपदेशमो ॥ करीसकीशकहोकेम ॥ पमठदोनवीनिपजे ॥ अमनेंखेदठेंश्म ॥ ६८ ॥ चित्रमतीकहेसाचलू ॥ अ मनेंपणिएखेद ॥ पणिएहनीपासेंरही ॥ सणस्यूएहनोसेद ॥ ६९ ॥ रयणव तीपरेंनित्यरही ॥ प्रतिठदकरूपाए ॥ सूपणकहेएसावतू ॥ जोपणिऊ करजा णि ॥ ७० ॥ चित्रमतीकहेचित्रकर ॥ रतनवतिनुरुप ॥ आलेपीनेंआपणे ॥ अद्भुतएहअनुप ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ कालिनेपीलीवादली ॥ एदेशी ॥ चित्रका रसूतमिसथई ॥ जईमीलीशराजकुमार ॥ सूपणकहेरुमोकह्यो ॥ मिलवानो एहप्रकार ॥ ७२ ॥ सलोसाप्योरे ॥ चित्तराप्योरे ॥ तुम्हवुधीतणोनवीपामीश वरपार ॥ एआंकणी ॥ इमकरतांमालिमथस्ये ॥ रतनवतिउपरिकेहेवोराग ॥ नयरमांपेठाशमकरी ॥ पटआलेपीलेईपाग ॥ ७३ ॥ सलो० ॥ द्वारदेशेंगया जेतले ॥ तवरोक्यातसप्रतिहार ॥ ऊकमलहीमांहिमोकल्या ॥ तवआवीकरे

धाधरवरधाय ॥ असीधावाणमतरईस्यु ॥ किधुअनुकर्मेताय ॥ [illegible] ॥ [illegible]
ध्योवयेवीधाधरो ॥ रमतोरमतोरान ॥ मयणनदननानेंसहू ॥ [illegible]
उद्यान ॥ ३३ ॥ तिहांआव्योतेनतपीऐ ॥ इणअवसरआवत ॥ मुनि[illegible]
गुणीघणा ॥ चित्रकरणनिर्चित ॥ ३६ ॥ डाल० ॥ देखीआवेआलगी ॥ [illegible]
गेकूमरनेंजाम ॥ पापउदयथयोताम ॥ सूदरलाल ॥ ततवीणकोपे[illegible]
जी ॥ ३७ ॥ चितवेचित्तस्युइम ॥ एपापीइहांकेम ॥ सू० ॥ कुणउत्पन्न
यकदेषीइजी ॥ ३८ ॥ इहांकरवोस्योविचार ॥ माहुएदूष्टआचार ॥ सु० ॥ [illegible]
ध्योनिकटकूमरनेंजी ॥ ३९ ॥ कुमरनीहदिमांतेह ॥ आवीनआक्योएह ॥
सू० ॥ तवांचितेइहारहीहणकजी ॥ ४० ॥ रहीअदृश्यप्रकार ॥ विद्यासकिउ[illegible]
र ॥ सू० ॥ सीपणसर्वेसेपवुजी ॥ ४१ ॥ सहजेंतजस्येप्रांण ॥ इमकरीने
इअजाण ॥ सु० ॥ शब्दकरयोसैरवघणोजी ॥ ४२ ॥ वज्रप्रहारेंजेम ॥ फू
टेगिरीवरतेम ॥ सू० ॥ तोहिकुमरकोत्यानहीजी ॥ ४३ ॥ मित्रलसति
हांकोस ॥ तेहनेंकरीधीरयोस ॥ सू० ॥ कोप्योअतीवाणमतरोजी ॥ [illegible] ॥
अहोधीरजइणिकिध ॥ पापीदुष्टप्रसीद्ध ॥ सू० ॥ फेरीपराक्रमदाषवुजी ॥
॥ ४५ ॥ कचनपाद्पनाम ॥ करीनाष्योसिरठांम ॥ सू० ॥ कुमरपुण्येंदूरे
पम्योजी ॥ ४६ ॥ वाणमतरदूसाय ॥ चिताइणिपरेंथाय ॥ सू० ॥ अहो
पापीशकतीघणीजी ॥ ४७ ॥ अधीककरेमनषेद ॥ इणअवशरिथयोसेव ॥
सू० ॥ खेत्रपालतिहदिवताजी ॥ ४८ ॥ वाणमतरएदेव ॥ गमनरतीशुसठे
व ॥ सू० ॥ तेदेषीवीहनोघणकजी ॥ ४९ ॥ विद्यानुबलअल्प ॥ नाठोतेहओ
जल्प ॥ सु० ॥ विद्याधरवाणमतरोजी ॥ ५० ॥ आव्यानयरमझारि ॥ तेमुख
चदकूमार ॥ सू० ॥ इणिअवसरिउत्तरापथेंजी ॥ ५१ ॥ पाटणसंषपुरथाय ॥
आपायनतिहांराय ॥ सू० ॥ कांतिमतीतससारयाजी ॥ ५२ ॥ धुआसत
नवतीतास ॥ मुनीपणपामेपास ॥ सू० ॥ रुपमनोहररतीसमीजी ॥ ५३ ॥
कलालावण्यनिधान ॥ वरांचिताअसमान ॥ सू० ॥ विधीइषम्योकेनवीय
म्योजी ॥ ५४ ॥ चितवेइणीपरेंमाय ॥ पोलावुशुसगाय ॥ सू० ॥ पचवीव

झरयणेंसरीजी ॥ ५५ ॥ निजनरसबलसूजाए ॥ जोवारूपविन्नाए ॥ सू० ॥ पुरषदिशोदिशमोकल्याजी ॥ ५६ ॥ सिषविउशणिरीति ॥ रूपकलापरतीत ॥ सू० ॥ रतनवतीसमदेषज्योजी ॥ ५७ ॥ तेतेराजकूमार ॥ करीचित्रांमस फार ॥ सू० ॥ लावीमुकदेषामीश्जी ॥ ५८ ॥ अद्भुतकोईविज्ञान ॥ पत्रछे दादीसमान ॥ सू० ॥ तेकौशल्यपणिदाषज्योजी ॥ ५९ ॥ तेपणिकरीयप्र माण ॥ गयादिशोदिशजाए ॥ सू० ॥ दिठानृपसुतवकृतिणेंजी ॥ ६० ॥ प णिनहीनारीनेंजोग ॥ पणिकांयकजेलोग ॥ सू० ॥ तेचिन्याचित्राममाजी ॥ ॥ ६१ ॥ फिरताआव्यातेह ॥ नयरीअयोध्यानेह ॥ सू० ॥ दिठोगुणचदकू मरनेंजी ॥ ६२ ॥ राधावेधविचार ॥ धनुरवेदप्रकार ॥ सू० ॥ कलाअत्या सतोदेषीउंजी ॥ ६३ ॥ विस्मयपाम्याचित्त ॥ रूपकलासूपवीत्त ॥ सू० ॥ कुअरनयरमाआविआजी ॥ ६४ ॥ राजकन्याअनुरुप ॥ पणिनलखाइ सरूप ॥ सू० ॥ एकजवारवलीदेषीउंजी ॥ ६५ ॥ आठमेरवमेढाल ॥ वि जीअतिहिरशाल ॥ सू० ॥ पद्मकहेश्रोतासुणोजी ॥ ६६ ॥ ॥ छ ॥ ॥ डहा ॥ चित्रमतीबोल्योचतूर ॥ सूषणअदसूतसाखि ॥ तेकहेदिठुतोपरु ॥ एहमांनहीकोईआज ॥ ६७ ॥ पणिराणिउपदेशमो ॥ करीसकीश्कहोकेम ॥ पमछदोनवीनिपजे ॥ अमनेंखेदछेश्म ॥ ६८ ॥ चित्रमतीकहेसाचलू ॥ अ मनेंपणिएखेद ॥ पणिएहनीपासेंरही ॥ सणस्यूएहनोसेद ॥ ६९ ॥ रयणव तीपरेंनित्यरही ॥ प्रतिछदकरूपांण ॥ सूषणकहेएसावतू ॥ जोपणिड करजा णि ॥ ७० ॥ चित्रमतीकहेचित्रकर ॥ रतनवतिनुरुप ॥ आलेपीनेंआपणे ॥ अद्भुतएहअनुप ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ कालिनेपीलीवादली ॥ एदेशी ॥ चित्रका रसूतमिसथई ॥ जईमीलीश्राजकुमार ॥ सूपणकहेरुमोकह्यो ॥ मिलवानो एहप्रकार ॥ ७२ ॥ सलोसाभ्योरे ॥ चित्तराभ्योरे ॥ तूम्हवुधीतणोनवीपामीश वरपार ॥ एआंकणी ॥ श्मकरतांमालिमथस्ये ॥ रतनवतिउपरिकेहेवोराग ॥ नयरमांपेठाश्मकरी ॥ पटआलेपीलेईपाग ॥ ७३ ॥ सलो० ॥ द्वारदेशेंगया जेतले ॥ तवरोक्यातसप्रतिहार ॥ कुकमलहीमाहिमोकल्या ॥ तवआवीकरे

नमस्कार ॥ ७४ ॥ सलो० ॥ आणाचीवेसीहवे ॥
देषाडीकहेइणिपरें ॥ अपपुरथीआव्याअम्हेसयण ॥ ७५ ॥ सलो० ॥
गुणसांसलीआवीआ ॥ दिठाजेहवासूण्याकान ॥ पृथवीनाचतूम्हेकाजे ॥
अमचानाथराजान ॥ ७६ ॥ सलो० ॥ चित्रनोलवअमेजाणीइ ॥ तेतूनचव
सत्तिप्रसाद ॥ चित्रनोपटदेषीकहे ॥ गुणचद्रकुमारतेताव ॥ ७७ ॥ सलो० ॥
एहकलानोलवकहो ॥ केहवीसपूरणहोय ॥ चित्रकर्म्मएहउपरि ॥ जनमांच
वीदिशेकोय ॥ ७८ ॥ सलो० ॥ कोईइनदिठोएहवो ॥ रेखाकेरोविन्यास ॥
मृगनयणीएदक्षिणकरे ॥ छतपत्रधरयुसुविलास ॥ ७९ ॥ सलो० ॥ नमस
घरिणीमानुचित्रमां ॥ रहेतीहरतिअमचित्त ॥ दानवमानवदेवमां ॥ एहवी
नारीहोइकिमभित्त ॥ ८० ॥ सलो० ॥ रूपलावण्यरतीसमु ॥ तूमेनीपुण्य
एकंकरयुजोर ॥ कलाअधीकथीमाहराए ॥ चितमातएकठेषोर ॥ ८१ ॥ स
लो० ॥ तेहकहेनीपजावीउरे ॥ विधीइजेतेलिखाय ॥ तोअमनीपुण्याइपक्षं ॥
कहोकेहीपरेंवषणाय ॥ ८२ ॥ सलो० ॥ कुमरकहेमुखहरषते ॥ तूमेकिहां
दिठुएरूप ॥ त्रिभुवनविस्मयउपजे ॥ तेसाषोतासंसरूप ॥ ८३ ॥ सलो० ॥
तेकहेसांसलोकूमरजी ॥ सरवपुरेंसरवायनराय ॥ तेहनीएकुंअरी ॥ रंभा
पणिहारीजाय ॥ ८४ ॥ सलो० ॥ रतनवतीनामेंकरी ॥ कदर्पमहोटवमांदि
ठ ॥ अपानेंबेठीथकी ॥ शिरछत्रधरयुसुविसीठ ॥ ८५ ॥ सलो० ॥ वडसत्री
उइपरीवरी ॥ दक्षिणकरकमलविशेष ॥ जोईनेंपोहोताघरे ॥ किधोसंसारी
आलेख ॥ ८६ ॥ सलो० ॥ पणितसरूपसुदरपणा ॥ विश्वकर्म्माइनविस्वा
र्थ ॥ तोमुरषजनेंवचनथी ॥ कहोकिणीरीतेंकहेवाय ॥ ८७ ॥ सलो० ॥ मद
नवसेंगुणचद्रजी ॥ थयापणिगोपविआकार ॥ कहेकांयप्रष्णउत्तरकहो ॥
तवबोल्यातेहविचार ॥ ८८ ॥ सलो० ॥ स्यूदिइकामिनीकूणनम्या ॥
विषधरकरेकांय ॥ चद्रमानीजकीरणेंकरी ॥ स्यूथवलकरेकहोराय ॥ ८९ ॥
॥ सलो० ॥ एकेंशब्देंच्यारनो ॥ उत्तरकरवोकहोतेह ॥ नहगणासोयंकहे ॥
गुणचंदकुमरपरीनेह ॥ ९० ॥ सलो० ॥ चित्रमतिकहेसाहिबा ॥ तूमअहण

वेगअतीआर ॥ कुमरकहेविजुकहो ॥ कांयप्रष्णतेअतिहिउदार ॥ ९१ ॥
॥ सलो० ॥ बोल्योविलासबुद्धीतदा ॥ स्थूरथमांहोयप्रधान ॥ बुद्धीबलेंकुणलो
कमां ॥ जितेघरतोअसीमांन ॥ ९२ ॥ सलो० ॥ स्थूकरतीबालाकहो ॥ ने
उरनोशब्दकरंत ॥ हसीतवदनकुमरतदा ॥ चक्रमतीइमवदत ॥ ९३ ॥ स० ॥
अहोअतीसयतूमबुद्धीनो॥ इत्यादिकप्रष्णजबाप॥सूपणप्रमुषनावालीआ॥स
कुरीकयानीजचित्तआप ॥ ९४ ॥ सलो० ॥ पथविस्तारनासयथकी ॥ नवी
कीधोइहांपरपच ॥ कुअरपणिपरमोदथी ॥ अग२थयोरोमांच ॥ ९५ ॥
॥ सलो० ॥ धनदेवनामसमारीनें ॥ करेकुकमतेलाखदिनार ॥ आपोइणिपरें
सासली ॥ करीतहत्तिनेंकरेविचार ॥ ९६ ॥ सलो० ॥ सोलाकुमरदानेसरी ॥
नविलाखविनादिइंदांन ॥ पणिनवीजाणेंकेहवु ॥ लाखकेरूहोस्येंमान ॥
॥९७ ॥ सलो० ॥ कुमरनेंआगेंढगकरुं ॥ तवजाणेंलाखप्रमाण ॥ फिरीथो
स्येककाममां ॥ नवीसापेएहवीआणि ॥ ९८ ॥ सलो० ॥ इमविचारीढग
करयो ॥ तवपुछेएस्थूकुमार ॥ तेकहेचित्रकरसूतसणी ॥ देवराव्युदानतेसा
र॥ ९९ ॥ सलो० ॥ कुमरविचारेएहनें ॥ सासेछेदानअपार ॥ तिणेंढगमुक
देषावीनें ॥ कहेछेजेदाननीवार ॥ १०० ॥ सलो० ॥ जाणेछेइमधनतणो ॥
हलुइ २ होइनास ॥ पणिएहनीजुउंमुढता ॥ एकांतिवासनीआशि ॥ १ ॥
सलो० ॥ त्रिजीआठमाखमनी ॥ कहीपद्मविजयवरढाल ॥ वलिकुमरनांच
थणमां ॥ सूणज्योसवीरगरसाल ॥ २ ॥ सलो० ॥ ॥ ४ ॥ ॥श्रा॥
॥ दुहा ॥ जिवसार्थेजार्थेनही ॥ अगनिचोरअवनीस ॥ साधारणएसपदा ॥
कहोनवीदीजेंकिस ॥ ३ ॥ अंतेदिइअपकारए ॥ तिणेंदिवुंतेतथ्य ॥ लापअल
पएलेषीइ ॥ परसवनुनहीपथ्य ॥ ४ ॥ आसवमांपणिएहनें ॥ दानलापएदो
य ॥ पोहचेनहीपुरुतिणें ॥अपरआपवुहोय ॥ ५ ॥ उंतुनहोइअर्थमा ॥देता
थकुपरेंदान ॥ पुण्यवधेप्राणीतणा ॥ एहजगुणअसमांन ॥ ६ ॥ दानसो
गनदाटिइ ॥ करीइअनेकप्रकार ॥ रापिपणिरहेस्येनही ॥ पापतणेंपरकार ॥
॥ ७ ॥ प्रतिबोधीस्यूंएपढें ॥ अथवाएहउपाय ॥ समझावणनोसर्वथा ॥ ग

नमस्कार ॥ ७४ ॥ सलो० ॥ आणाधीवेसीहवे ॥ पटकाव्योहरपीतवस्त्र
देषामीकहेइणिपरें ॥ आपपुरथीआव्याअम्हेसयण ॥ ७५ ॥ सलो० ॥ तुम्ह
गुणसांसलीआवीआ ॥ दिठाजेहवासूण्याकान ॥ पृथवीनाथतुम्हेअछो ॥ अ
अमचानाथराजान ॥ ७६ ॥ सलो० ॥ चित्रनोलवअमेजाणीइं ॥ तेतूनव
सत्तिप्रसाव ॥ चित्रनोपटदेषीकहे ॥ गुणचद्रकुमारतेताव ॥ ७७ ॥ सलो० ॥
एहकलानोलवकहो ॥ केहवीसपूरणहोय ॥ चित्रकर्म्मएहउपरि ॥ जनमांत
वीदिशेकोय ॥ ७८ ॥ सलो० ॥ कोईइनदिठोएहवो ॥ रेखाकोरेचित्रात ॥
मृगनयणीएदक्षिणकरे ॥ शतपत्रधरयुसुविलास ॥ ७९ ॥ सलो० ॥ चमर
घरिणीमानुचित्रमां ॥ रहेतीहरतिअमचित्त ॥ दानवमानवदेवमां ॥ एहवी
नारीहोइकिमभित्त ॥ ८० ॥ सलो० ॥ रूपलावण्यरतीसमु ॥ तूमेनीपुरुष
एकंकरयुजोर ॥ कलाअधीकथीमाहराए ॥ चितमातणछेचोर ॥ ८१ ॥ स
लो० ॥ तेहकहेनीपजावीउरे ॥ विधीइजेतेलिखाय ॥ तोअमनीपुण्याईपणां ॥
कहोकेहीपरेंवषणाय ॥ ८२ ॥ सलो० ॥ कुमरकहेमुखहरषते ॥ तूमेकिहां
दिठुएरूप ॥ त्रिभुवनविस्मयउपजे ॥ तेसाषोतासरूप ॥ ८३ ॥ सलो० ॥
तेकहेसांसलोकूमरजी ॥ सखपुरेंसखायनराय ॥ तेहनीएछेकुअरी ॥ रंभा
पणिहारीजाय ॥ ८४ ॥ सलो० ॥ रतनवतीनामेंकरी ॥ कदर्पमहोछवनांदि
ठ ॥ जपानेंबेठीथकी ॥ शिरछत्रधरयुसुविसीठ ॥ ८५ ॥ सलो० ॥ वडुसखी
छइपरीवरी ॥ दक्षिणकरकमलविशेष ॥ जोईनेंपोहोताधरे ॥ किधोससारी
आलेख ॥ ८६ ॥ सलो० ॥ पणितसरूपसुदरपणा ॥ विश्वकर्म्माइमशिखा
य ॥ तोमुरषजनेंवचनथी ॥ कहोकिणीरीतेंकहेवाय ॥ ८७ ॥ सलो० ॥ मह
नवसेंगुणचद्रजी ॥ थयोपणिगोपविआकार ॥ कहेकांयप्रश्नउत्तरकहो ॥
तवबोल्यातेहविचार ॥ ८८ ॥ सलो० ॥ स्यूदिइकामिनीकूणनम्या ॥ हरनें
विषधरकरेकांय ॥ चद्रमानीजकीरणेंकरी ॥ स्यूथवलकरेकहोराय ॥ ८९ ॥
॥ सलो० ॥ एकेंशब्देंध्यारनो ॥ उत्तरकरवोकहोतेह ॥ महगणासोयकहे ॥
गुणचदकुमरधरीनेह ॥ ९० ॥ सलो० ॥ चित्रमतिकहेसाहिबा ॥ तूवलहव

तामकुमार ॥ जननीजनकनाचरणनेरे ॥ प्रणम्याविनयप्रकारेरे ॥ २५ ॥ प्रा० ॥ माविर्त्रेवद्धमानीउरे ॥ गयानीजवाससुवन्न ॥ आविनिद्राअवसरेरे ॥ रतनवतीस्युंमन्नरे ॥ २६ ॥ प्रा० ॥ प्रातसमयदिठुसूपनमारे ॥ दिव्यकुसुमनीमाल ॥ आपीकोईकर्मकहेरे ॥ ह्योएअतीशुकमालरे ॥ २७ ॥ प्रा० ॥ तुममनगमतीएहठेरे ॥ सासलीधरीनीजकठ ॥ तूरप्रसातनावाजिआरे ॥ जाग्योधरीउतकठरे ॥ २८ ॥ प्रा० ॥ कालनीवेदीवोलीउरे ॥ करतोतिमीरविनास ॥ चक्रवाकडुखटालतोरे ॥ करतोरवीसूप्रकासरे ॥ २९ ॥ प्रा० ॥ इत्यादिकसुणीहरषीउरे ॥ रतनवतीनोलाह ॥ अन्यथासुपननप्रीणमेरे ॥ मगलशब्दशनाहरे ॥ ३० ॥ प्रा० ॥ तुरतमीलीजोईइहवेरे ॥ एहनीमीत्तप्रसाव ॥ गुरुपदवदनप्रमुखजेरे ॥ आवश्यककरेतावरे ॥ ३१ ॥ प्रा० ॥ जनकादिकप्रणमीकरीरे ॥ वेठाजवनिजठाय ॥ आव्यामित्रवलिएहवेरे ॥ गोटिचतूर्यगुढथायरे ॥ ३२ ॥ प्रा० ॥ विशालबुद्धिवोल्यो ॥ अत ॥ सुरथरमणस्सरईहरे ॥ णिवंबसमिरवधुधूयकरगा ॥ तरकणवत्तविवाहा ॥ पूर्वढाल ॥ कुमरकहेफिरीसाबीरे ॥ फिरीसाप्युतिणेंजाम ॥ ततषीणपदतिहांपुरीउरे ॥ रमणनीवारेआमरे ॥ ३३ ॥ प्राणी ॥ चतुर्थपदंयथा ॥ रमणस्सकरनिवारेई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ विशालबुद्धिकहेरुयकुरे ॥ पुस्थूपदतुमेस्वामी ॥ चित्रमतीकहेमाहरुरे ॥ पुरोपदईणठामिरे ॥ ३४ ॥ प्राणी ॥ यत ॥ साबियरईसाररसा ॥ समाणितुमुकबहलसिकारा ॥ नतरइविवरीयरय ॥ कुमरवोल्यायथा ॥ णियवसारालसासामा ॥ २ ॥ सूपणवोल्यो ॥ विउलमीमउलियठी ॥ घणविस्ससस्ससामिणीसूचिर ॥ विवरीयसूरयसहीया ॥ कुमरवोल्या ॥ विसमईउरम्मिरमणस्स ॥ ३ ॥ पूर्वढाल ॥ इमकरतांतिहांआवीउरे ॥ कहेइणिपरेंप्रतिहार ॥ सूपवोलावेतुम्हसणीरे ॥ रहेंवामीपरीवाररे ॥ ३५ ॥ प्रा० ॥ अनुक्रमें कुमरगयातिहारे ॥ अश्वखेलाव्याजोर ॥ आव्यानीजआवाशमारे ॥ शेषकृत्यकरेठोररे ॥ ३६ ॥ प्रा० ॥ इमविनोदकरताथकारे ॥ केईदिवसवहीजाया ॥ एकदिनरतनवतितणेंरे ॥ रुपआलेखकरायरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ चोथीआठ

वुश्मगराय ॥ ८ ॥ एस्युलाषतेएतला ॥ अहपजाहिशेआम ॥ दोय[illegible]
दिजीइ ॥ तहत्तिसणेंतेताम ॥ ९ ॥ चित्रमतिसूषणचिंते ॥ चितवांकेसि[illegible]
र ॥ अहोउदारताएहनी ॥ अहोबुद्धिअवधारि ॥ १० ॥ उहासोरठी॥ [illegible]
एमीकुमरनापाय ॥ धनमोकलेधारीकरी ॥ जोरआवासेंआय ॥ चि[illegible]
मतीसूषणचतूर ॥ ११ ॥ ढाल ॥ कपुरहोइअतीउजलोरे ॥ [illegible]
कालनिवेदीवयणथीरे ॥ श्रीगुणचंदकुमार ॥ जाणिमध्याह्ननेउठीआरे ॥ [illegible]
यमह्मनघरद्वारिरे ॥ १२ ॥ प्राणीपुण्यतणांफलजोय ॥ पुण्यथीसवीसुखहो[illegible]
यरे ॥ प्राणी० ॥ एआंकणी ॥ कनककलसगघोदिकेरे ॥ [illegible]
स ॥ कामकरेचित्तईछतोरे ॥ रतनवतीसुवीशेपरे ॥ १३ ॥ [illegible] ॥ एकनि
शाखारखोरे ॥ चितवेअहोसानारि ॥ कन्याछेएकारणेंरे ॥ करवोएहस्यूआ[illegible]
रे ॥ १४ ॥ प्राणी० ॥ तेहमांउपणकोनहीरे ॥ इणेंअवसरेंसहमीत्र ॥ वि[illegible]
लवुद्धिप्रमुषआवीआरे ॥ मांग्योविनोदसुचित्तरे ॥ १५ ॥ [illegible] ॥ विद्याधर
विद्याधरीरे ॥ आलेप्यांअद्भुत ॥ नवनवांआसूषणरच्यारे ॥ देषाभेआकुवरे
॥ १६ ॥ प्रा० ॥ असीनवनेहनेंसूचवेरे॥ दृष्टिपरस्परस्नेह॥ प्रेमआरोसोआ[illegible]
मारे ॥ दिसेपरगटतेहरे ॥ १७ ॥ प्रा० ॥ चित्रमतीसूषणतदारे॥ आव्यातेह
जगाम ॥ दिठाकुमरनीरषतारे ॥ षेचरयुग्मअसीरामरे ॥ १८ ॥ [illegible] ॥ पुत्री
इषरमध्यमकरवलीरे ॥ देषीप्रणमीतेह ॥ कहेएस्युमहाराजीआरे ॥ कुमरकहे
जुउएहरे ॥ १९ ॥ प्रा० ॥ देषीचमक्याचित्तमांरे ॥ सर्वकलासावधान॥ चि
त्रमांसावदेषाभवोरे ॥ मुसकलछेतेहतानरे॥२० ॥ प्रा० ॥ चित्रसालमांइमक
हेरे ॥ जासनलहीइचरीत्र ॥ वातकसाविणचित्रनोरे ॥ जाणीइसावपवीचरे॥
॥ २१ ॥ प्रा० ॥ तेहजचित्रकरधुरकहोरे ॥ इणसमेंभयोवीयाल ॥ कालनी
वेदीबोलीउरे ॥ सध्यासमयससालिरे ॥ २२ ॥ प्रा० ॥ सध्याउपरिनेहथीरे॥
अस्ताचलरवीजाय ॥ सकेतथानकनीपरेरे ॥ सुरगीरीगुजमांगायरे ॥ [illegible]
॥ प्रा० ॥कुसुमसुगधतेविस्तरयोरे ॥ पुजेरमणीअनग॥ दिपज्योतीपरगटथई
रे ॥ सांसलीतेहसूरंगरे ॥ २४ ॥ प्रा० ॥ गुरुपदनमनसमयथयोरे ॥ [illegible]

तामकुमार ॥ जननीजनकनाचरणनेंरे ॥ प्रणम्याविनयप्रकाररे ॥ २५ ॥ प्रा० ॥ माविर्भवक्रमानीउरे ॥ गयानीजवाससूवन्न ॥ आविनिद्राअवसररे ॥ रतनवतीस्युंमन्नरे ॥ २६ ॥ प्रा० ॥ प्रातसमयदिठुसूपनमारे ॥ दिव्यकुसुम नीमाल ॥ आपीकोईकश्मकहेरे ॥ ह्योएअतीशुकमालरे ॥ २७ ॥ प्रा० ॥ तुममनगमतीएहउरे ॥ सांसलीधरीनीजकठ ॥ तूरप्रसातनांवाजिआरे ॥ जा ग्योधरीउतकठरे ॥ २८ ॥ प्रा० ॥ कालनीवेदीवोलीउरे ॥ करतोतिमीरविना स ॥ चक्रवाकडखटालतोरे ॥ करतोरवीसूप्रकासरे ॥ २९ ॥ प्रा० ॥ इत्यादि कसुणीहरषीउरे ॥ रतनवतीनोलाह ॥ अन्यथाशुपननप्रीणेंरे ॥ मगलशब्द शनाहरे ॥ ३० ॥ प्रा० ॥ तुरतमीलीजोईइहवेरे ॥ एहनीमीत्तप्रसाव ॥ गुरुप दवदनप्रमुखजेरे ॥ आवश्यककरेंतावरे ॥ ३१ ॥ प्रा० ॥ जनकादिकप्रणमी करीरे ॥ वेठाजवनिजठाय ॥ आव्यामित्रवलिएहवेरे ॥ गोष्टिचतूर्थगुढ्याय रे ॥ ३२ ॥ प्रा० ॥ विशालबुद्धिवोल्यो ॥ यत ॥ सुरथरमणस्सरईहरे ॥ णि यंबसमिरवघुघूयकरगा ॥ तरकणवत्तविवाहा ॥ पूर्वढाल ॥ कुमरकहेफिरी साषीरे ॥ फिरीसाष्युतिणेंजाम ॥ ततपीणपदतिहांपुरीउरे ॥ रमणनीवारेआ मरे ॥ ३३ ॥ प्राणी ॥ चतुर्थपदंयथा ॥ रमणस्सकरनिवारेई ॥ १ ॥ पूर्व ढाल ॥ विशालबुद्धिकहेकुयकुरे ॥ पुस्यूपवतुमेस्वामी ॥ चित्रमतीकेहेमाहरु रे ॥ पुरोपदशणठामिरे ॥ ३४ ॥ प्राणी ॥ यत ॥ साविथरईसाररसा ॥ समा णितूमुकवहलसिकारा ॥ नतरशविवरीयरय ॥ कुमरवोल्यायथा ॥ णियव सारालसासामा ॥ २ ॥ सूपणवोल्यो ॥ विउलमीमउलियठी ॥ घणचिस्सस स्ससामिणीसूचिर ॥ विवरीयसूरयसहीया ॥ कुमरवोल्या ॥ विसमईउर म्मिरमणस्स ॥ ३ ॥ पूर्वढाल ॥ श्मकरतांतिहांआवीउरे ॥ कहेशणिपरेंप्रति हार ॥ सूपवोलावेतूम्हसणीरे ॥ रहेंवामीपरीवाररे ॥ ३५ ॥ प्रा० ॥ अनुक्रमें कुमरगयातिहांरे ॥ अश्वखेलाव्याजोर ॥ आव्यानीजआवाशमरि ॥ शेषकृ त्यकरेठोरे ॥ ३६ ॥ प्रा० ॥ श्मविनोदकरताथकरि ॥ केईदिवसवहीजाया ॥ एकदिनरतनवतितणेंरे ॥ रुपआलेखकरायरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ चोथीआठ

माखमुमारे ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ समरादित्यनारासमारि ॥ [illegible]
लमालरे ॥ ३८ ॥ प्रा० ॥ [illegible] ॥ ७ ॥ [illegible] ॥ ७ ॥ [illegible]
॥ दूहा ॥ रतनवतीनाहूपमां ॥ परवसथयोअपार॥ [illegible]
नयनेंतिनीरधार, ॥ [illegible] ॥ हेठिलिखीगाहावली ॥ [illegible]
आय ॥ सूपणचित्रमतीसला ॥ चित्रजुश्चितलाय ॥ [illegible]
चीतदा॥गाहागुणसमारा॥धन्यकुअरीनृपनीधुआ॥करेजसचाहकुमार ॥ [illegible]
अचरीजअथवानहीश्हा ॥ जेवडुमानवाजोग ॥ देवीनेंजईदाखीई ॥ [illegible]
लीउंसजोग ॥ [illegible] ॥ बुद्धिवततववोलीउं ॥ चित्रमतीचीतलाय ॥ [illegible]
अपूर्वछे ॥ अहोमुझअचरीजथाय ॥ [illegible] ॥ दिठाविणएदाखवी ॥ सूपणनो
ह्योसाय ॥ एतादृशछेएहमां ॥ कूमनविलिखीउकांय ॥ [illegible]
हनमनमोहनपावनदेहमीजी ॥ [illegible] ॥ इणेंअवसर २ अतिहारआवीउंजी ॥
नृपसाष्यु २ तेसुणीश्कुमारहो ॥ विश्वसूती २ अधरवआवीउंजी ॥ तूमनी
सण २ नोधरेप्यारहो ॥ [illegible] ॥ स्वामीअरज २ सूणोएकअमतणीजी ॥ [illegible]
आंकणी ॥ कहेकुअर २ तेमोकलोवेगस्यूजी ॥ तिणेंमुक्यो २ [illegible]
हो ॥ करीमुजरो २ नेंपासेंउपविसेजी ॥ कहेसूणिइ [illegible] तातनेआमहो ॥ [illegible]
स्वा० ॥ नृपसाषे २ इणिपरेंतूम्हसणीजी ॥ गधर्व २ विचारसंदेहहो ॥ [illegible]
उं २ तेगुणचडटालस्येजी ॥ सूणिहसीआ २ कूमारतेरेहहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० ॥ [illegible]
सूतनोजुउं २ रागतेकेतलोजी ॥ विश्वसूती २ बोलेतवइमहो ॥ गुणआ[illegible]
जाणोपणिनहीजी॥सूतमाझे २ नृपनोंप्रेमहो ॥ [illegible] स्वा० ॥ चित्रमतिनें [illegible]
षणदोयकहेजी ॥ परीवात २ कहीछेएणहो ॥ कहेकुमर २ चालोआणं[illegible]
जी ॥ उठिचाल्या २ विनश्जेणहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० ॥ विद्रहरप्या [illegible] निज
सवनेंगयाजी ॥ नवीकेहेवु २ कुमारनेंकांयहो ॥ विद्यान २ कुमरनुआ[illegible]
धीनेंजी ॥ कहेसूपण २ चालोठायहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० ॥ चित्रमतिकहे [illegible]
कहीनेंजायतांजी ॥ स्युआइ २ तवकहेनेहहो ॥ नवीजावा २ दिइंतूनवें [illegible]
नेंजी ॥ चित्रमईकहे २ साचुएहहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० ॥ आवेप्युं [illegible]

मारनुजी ॥ कुमरेजे २ लिखिउहाथिहो॥ अयोध्या३मांहिथीनीकल्याजी ॥
लेईबिरुइ २ पहिकासाथिहो ॥ ५२ ॥ स्वा० ॥ ऋषपुरीइ २ पोहताअनुं
क्रमेजी ॥ कसोधुरथी २ कूमरवर्त्तांतहो ॥ सुणीराणी२बिरुरूपवेषीनेंजी ॥
चित्तहरषी२तेहएकांतिहो ॥ ५३ ॥ स्वा० ॥ दानविधु२तासंतोषनुजी ॥
रुपजोई२करयविचारहो ॥ अहोरूप२अवस्थानकेहवुजी ॥ अहोअतीअ
य२देहआकारहो ॥ ५४ ॥ स्वा० ॥ रत्नवतीना२रुपहेठलिलिखीजी ॥ जे
हगाहा२वांचीतेहहो ॥ मनचिते२माहरीधुआजी ॥ इमईठे २ चित्तस्थूएहहो
॥ ५५ ॥ स्वा० ॥ मोकलीउ२रुपकुमारनुजी ॥ कूमरी२नेंपासेंतामहो ॥ स
खीमयण२मजुपातिहागईजी ॥ चित्रपहिका२दापीजामहो॥ ५६ ॥स्वा०॥
कहेकुमरी२एस्युठेकहोजी ॥ मोकल्यु २तूममाइएहहो ॥ कहेबराल्यु२ठेए
सीपज्योजी ॥ कहेकूमरी२कोहनोएलेहहो ॥ ५७ ॥स्वा० ॥ तेबोली२कांय
जाणनहीजी ॥ एइ५२होस्येइमजाणिहो ॥ सहसनेत्र२कहेसातेहनेंजी ॥
तेबोली२होस्येंनाराणीहो ॥ ५८ ॥ स्वा० ॥ कृष्णवरणें२तेठेतवकहेजी ॥ स
खिबोली२त्यारेंहोस्येंचदहो ॥ सासापे२कलकठेतेहनेंजी ॥ सपिसापे२कद
र्पअमदहो ॥ ५९ ॥ स्वा० ॥ बोलीरयण२वतितेहवालीठेजी ॥ महादेवइ२
कहोकीमहोयहो ॥ सपीसापे२कहोतूमेआपथीजी ॥ अपुरव२दरसणकोय
हो ॥ ६० ॥ स्वा० ॥ कहेरयण२वतीएनरअठेजी ॥ चढतीवय२रूपसम
रहो ॥ निकलकी२सोवनकांतीठेजी ॥ नेहालां२नयणअपारहो ॥ ६१ ॥
॥ स्वा० ॥ बोलीमयण२मजुपासलूकल्यूजी ॥ एहमांनही२कांयसदेहहो ॥
ऊतोजाणक२एतूम्हवरकस्येंजी ॥ कोईएहवे२कहेनि संदेहहो ॥ ६२॥स्वा०॥
हरषीते२सांसलीआकुननेंजी ॥ आलेख्यो२प्रतिठदनेहहो ॥ कहेसखीनें२
मातनेंदापवोजी ॥ सीपीके२नहीकहोएहहो ॥ ६३ ॥ स्वा० ॥ जईदाख्यू२
तवघणहरषतीजी ॥ निजघुआ२ धन्यविन्नाणहो ॥ आलेपी २ कूमरेंजे
कूमरीजी ॥ लावीमुकी २ तिणेंतसठाणहो ॥ ६४ ॥ स्वा० ॥ अनुरूप २ युग
लदेषीकरीजी ॥ मनहरषी २ राणीकहेइमहो ॥ कहोरतन २ वतीनेंएठीकठे

मारवमभारे ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ समरादित्यमहाराजनरि ॥ [illegible]
समालरे ॥ ३४ ॥ प्रा० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ [illegible]
॥ डहा ॥ रतनवतीनारूपमां ॥ परवसथयोअपार॥ उत्कुकजो[illegible]
नयनेंतेनीरधार ॥ २४ ॥ हेगिलिखीगाहावली ॥ [illegible]
आय ॥ सूपणचित्रमतीसला ॥ चित्रजुश्चितलाय ॥ [illegible]
चीतदा॥गाहागुणसमारा॥धन्यकूअरीनृपनीधुआ॥करेजसवाहकुमार ॥[illegible]
अचरीजअथवानहीइहां॥ जेवडमानवाजोग ॥ देवीनेंजईदाखीई ॥ [illegible]
लीउसजोग ॥ ४३ ॥ बुद्धिवततवबोलीउ ॥ चित्रमतीचीतलाय ॥ [illegible]
अपूर्वछे ॥ अहोमुझअचरीजथाय॥ ४३ ॥ दिठाविणएदाखवी ॥ सूपणनो
ल्योसाय ॥ एतादृशछेएहमां॥ कूमनविलिखीउकांय॥ [illegible]
हनमनमोहनपावनदेहमीजी ॥ देशी ॥ इणेंअवसर २ अतिहारआवीउजी [illegible]
नृपसाष्यु २ तेसुणीइकुमारहो॥ विश्वसूती २ नघरवआवीउजी ॥ तुमसी
सण २ नोधरेप्यारहो ॥ ४४ ॥ स्वामीअरज २ सूणोएकअमतणीजी ॥ [illegible]
आंकणी ॥ कहेकुअर २ तेमोकलोवेगस्यूजी ॥ तिणेंमुक्यो २ [illegible]
हो ॥ करीमुजरो २ नेंपासेंउपविसेजी ॥ कहेसूणिइ [illegible] बातनेआमहो ॥ [illegible]
स्वा० ॥ नृपसाषे २ इणिपरेंतूम्हसणीजी ॥ गर्भ २ विचारसंदेहहो ॥ [illegible]
उ २ तेगुणचइटालस्येजी ॥ सूणिहसीआ २ कूमारतेरेहहो ॥ [illegible] स्वा० [illegible]
सूतनोजुउ २ रागतेकेतलोजी ॥ विश्वसूती २ बोलेतवइमहो ॥ गुणआहस
जाणोपणितहीजी॥सूतमात्रे २ नृपनोंप्रेमहो ॥ [illegible] स्वा०॥ चित्रमतिनें [illegible]
षणदोयकहेजी ॥ घरीवात २ कहीछेएणहो ॥ कहेकुमर २ चालोआ[illegible]
जी ॥ उठिचाल्या २ विनइजेणहो ॥ [illegible] ॥ स्वा० ॥ विद्रहरप्या [illegible]
सवनेंगयाजी ॥ नवीकेहेवु २ कुमारनेंकांयहो ॥ विज्ञान २ कुमरपुआ[illegible]
धीनेंजी ॥ कहेसूषण २ चालोगायहो ॥ [illegible] स्वा० ॥ चित्रमतिकहे [illegible]
कहीनेंजायतांजी ॥ स्युथाइ २ तवकहेमहहो ॥ नवीजावा २ दिइंतूवनेंजि
नेंजी ॥ चित्रमईकहे २ साधुएहहो ॥ [illegible] स्वा० ॥ आवेप्युं [illegible]

मुझकहेराणीजाउंकुमरी ॥ पाससाषोशणिपरें ॥ महारायमैत्रीबलतनुजजे ॥ कुमरगुणचदगुणसीरे ॥ ८१ ॥ दिधीतूनेंढेप्रार्थनाथी॥ रतनवतीकहेतामए ॥ किमअसबरूएहसाषे ॥ सषीकहेसूणोआमए ॥८८२॥ राणीकहेआ राधीउंतीएं ॥ प्रजापतीतूंगोघणु ॥ तिणेंजोगमिल्योएसूणीनें ॥ दिश्आ सरणआपणुं ॥ ८३ ॥ परमोदसरथीचित्तवेसा ॥ एहनीघरणीथई ॥ एह सब्दसूणीसतापह ॥ आपदासघलीगई ॥८४ ॥ देवगुरुनेंवदीआवली ॥ दा नदिश्महारायए ॥ श्मनित्यकरणीकरतकेईक ॥ दिवसहरषेंजायए ॥८५॥ अजोध्यापुरीमोकलेंहवे ॥ विवाहकारणनरपती॥ एकमासेंतेहपोहती ॥ जा णेंअयोध्यासूपती ॥ ८६ ॥ काराबधनकरेमोचन ॥ नगरसणगारेतथा ॥ पा मनाचेदानदेवे ॥ जनमेंनवीषुदेयथा ॥ ८७ ॥ वांचिपत्रसमारमाथी ॥ काढे आसूषणघणां ॥ घोटकशालातिमसणगारे ॥ रथध्वजामझीततणा ॥ ८८ ॥ लगनशुसजोवराव्युसलेल्यादेवगुरुप्रणमेवली ॥ गीतमगलवाजीत्रसूणतो ॥ ब दिजनविरुदावली ॥ ८९ ॥ श्मरवमआठमेढालठठी ॥ समरादित्यनेंरासए ॥ प्रद्मविजयेंकहीरुडी ॥ सूणतांलीलविलासए ॥९० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ दूहा ॥ सोरठो ॥ करीवरचढ्योकुमार ॥ सहसनयनपरेंसोहतो ॥ दिपेतस दिदार ॥ आदित्यअसीनवउपनो ॥ ९१ ॥ ढाल ॥ केसरीयाचढोवरघोडे ॥ सासनपतिवदनजईश ॥ एदेशी ॥ उज्वलकरीवरवेठोसोहे ॥ लोकतणा चित्तमाअतीमोहे ॥ चदसूरकामरामकेंकोहेंके ॥ ९२ ॥ केसरीश्वागेवि राजे ॥ वागेंविराजेनेंषुपस्यूठाजेके ॥ के० ॥ एआंकणी ॥ मीत्रविशालवु ध्मिुखजेह ॥ चालेपुठिधरीससनेह ॥ जानणीमगलगीतकहेहके ॥ ९३ ॥ ॥ के० ॥ नयररामाआसीनदनाकरती ॥ चोकि २ जोवेसचरती ॥ गु णचदनागुणगावेफीरतितो ॥ ९४ ॥ के० ॥ आव्यातोरणमडपमाहि ॥ उतरीआकरीवरथीउठाहि ॥ सासुकरेपुपणाविधीत्याहितो ॥ ९५ ॥ के० ॥ दिठिचित्रतणेंअणहार ॥ रतनवतीनुरुपअपार ॥ अधरवीवीफलसममनो हारतो ॥ ९६ ॥ के० ॥ चक्रवाकयुगज्युकुचराजे ॥ विस्तीरणनितवजठा

जी ॥ नीत्यकरज्यो २ एहस्युप्रेमहो ॥ ६५ ॥ स्वा० ॥ तुझनेंपणि[illegible]
परेंकुअरेंजी॥ आराधी २ ज्ञेअनुरुपहो ॥ चित्रपही २ [illegible]
तिणेंपणीजइ २ कहुंतेसरुपहो ॥ ६६ ॥ स्वा० ॥ सखीबोली [illegible]
सुजी ॥ राजकुमर २ तूमारेजोग्यहो ॥ कलाआगर २ गुणनीधीदेवीइजी ॥ [illegible]
हजोगें २ कोनवीशोगहो ॥ ६७ ॥ स्वा० ॥ पद्मावती २ देवीतूमतणोजी ॥ [illegible]
उंकेही २ रितेंकस्युरुपहो॥ जाणनीश्चय २ मिलस्येंएहस्युजी ॥ पाणीग्रहणें
२ जोगअनुपहों ॥ ६८॥ स्वा०॥ पांचमीकही २ डालएआठमेंजी॥ [illegible]
२ समरादित्यरासहो ॥ गुरुउत्तम २ विजयकृपाथकीजी ॥ पद्मविजयें २ [illegible]
र्षउल्लासहो ॥ ६९ ॥ स्वा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ [illegible]
॥ ढहा ॥ कुमरीचिंतेंकिहाथकी ॥ मीलवुएहस्युमुझ॥ मदसांभ्यजेमांनथी ॥
सुरमणीनवीहोइसुझ ॥ ७० ॥ अबकपूरक्यूइणिसमें ॥ वामाकेहूं
म ॥ तूष्टमांनथइतेतदा ॥ कहेमुझसरीउकाम ॥ [illegible] ॥ मातझकमथी
माननी ॥ करेआवश्यककर्म्म ॥ सोजनकरीचित्तसावतू ॥ हरषेंरहेतीहर्म्म
॥ ७२ ॥ पद्मीअदोलईपाणिमां ॥ वदेअहोअगवीन्यास ॥ नयननेहअहोनि
रषीइ ॥ अहो २ सर्वअभ्यास ॥ ७३ ॥ इमकेश्वासरअतीक्रम्या ॥ गुणवंत
पणिइमम्यान ॥ करतांदिवसकेतागया ॥ धरतपरस्परध्यान ॥ [illegible] ॥
सुरपतीसेवीतत्रीभुवनधणी ॥ एदेशी ॥ जाणेंमैत्रीबलनरवरु ॥ परस्परेंवात
मनोहरु ॥ मनांचितवेतवसुपाल ॥ एयोग्यवातसुरशाल ॥ ७४ ॥ [illegible] ॥
योग्यवातरसालजाणी ॥ कुसलनरवृपमुंकीआ ॥ रत्नवतीपणिकुमरकेरुं ॥
ध्यांनकबझनचुकीआ ॥ ७५ ॥ राजकन्याउचीतकरणी ॥ सर्वगांमीतेणि
इ ॥ रातिदीनउद्वेगकरती ॥ शून्यताकरीजेणीइ ॥ ७६ ॥ पायवगासांझं
गमरमे ॥ आवीतीहांमदनमजुआ ॥ चिरजीवतूस्वामीनीहे ॥ सफलमनोरथ
सजुआ ॥ ७८ ॥ जिमकसुम्हेतिमनीपनुछे ॥ वरतुम्हारोएथस्ये ॥ कटिसूत्र
आपीसांसलीनें ॥ कहेवातएकीमहस्ये ॥ [illegible] ॥ कहेमयणमंजुआतूमकर्मे
थी ॥ गईदेवीपासए ॥ तवचित्रमतीसूणविझनें ॥ विठातासकासए [illegible]

मुझकहेराणीजाउंकुमरी ॥ पाससापोशणिपरें ॥ महारायमैत्रीबलतनुजजे ॥ कुमरगुणचदगुणसीरे ॥ ८१ ॥ दिघीतूनेंढेप्रार्थनाथी ॥ रतनवतीकहेतामए ॥ किमअसबद्धएहसाषे ॥ सषीकहेसूणोआमए ॥ ८२ ॥ राणीकहेआराधीउंतीएं ॥ प्रजापतीतूंगोघणा ॥ तिणेंजोगमिल्योएसूणीनें ॥ दिश्आसरणआपणुं ॥ ८३ ॥ परमोदसरथीचित्तवेसा ॥ एहनीघरणीथई ॥ एहसब्दसूणीसतापह ॥ आपदासघलीगई ॥ ८४ ॥ देवगुरुनेंवदीआवली ॥ दानदिश्महारायए ॥ इमनित्यकरणीकरतकेईक ॥ दिवसहरषेंजायएं ॥ ८५ ॥ अजोध्यापुरीमोकलेंहवे ॥ विवाहकारणनरपती ॥ एकमासेंतेहपोहती ॥ जाणेंअयोध्यासूपती ॥ ८६ ॥ काराबधनकरेमोचन ॥ नगरसणगारेतथा ॥ पाअनाचेदानदेवे ॥ जनमेंनवीपुटेयथा ॥ ८७ ॥ वांचिपत्रसमारमांथी ॥ काढेआसूषणघणां ॥ घोटकशालातिमसणगारे ॥ रथध्वजामझीततणा ॥ ८८ ॥ लगनशुसजोवराव्युसलेलादेवगुरुप्रणमेवली ॥ गीतमगलवाजीत्रसूणतो ॥ बदिजनविरुदावली ॥ ८९ ॥ इमखमआठमेढालछठी ॥ समरादित्यनेंरासए ॥ प्रद्मविजयेंकहीरुडी ॥ सूणतांलीलविलासए ॥ ९० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ सोरठो ॥ करीवरचढ्योकुमार ॥ सहसनयनपरेंसोहतो ॥ दिपेतसदिदार ॥ आदित्यअसीनवउपनो ॥ ९१ ॥ ढाल ॥ केसरीयाचढोवरघोडे ॥ सासनपतिवदनजईइ ॥ एदेशी ॥ उज्वलकरीवरवेठोसोहे ॥ लोकतणांचित्तमाअतीमोहे ॥ चदसूरकामरामकेंकोहेंकें ॥ ९२ ॥ केसरीश्वागेविराजे ॥ वागेंविराजेनेंषुपस्यूठाजेके ॥ के० ॥ एआंकणी ॥ मीत्रविशालबुद्धिमुखजेह ॥ चालेपुठिधरीससनेह ॥ जानणीमगलगीतकहेहके ॥ ९३ ॥ ॥ के० ॥ नयररामाआसीनदनाकरती ॥ चोकि २ जोवेसचरती ॥ गुणचदनागुणगावेफोरतितो ॥ ९४ ॥ के० ॥ आव्यातोरणमझपमाहि ॥ उतरीआकरीवरथीउछाहि ॥ सासुकरेपुपणाविधीत्याहितो ॥ ९५ ॥ के० ॥ दिठिचित्रतणेंअणहार ॥ रतनवतीनुरुपअपार ॥ अधरवीवीफलसममनोहारतो ॥ ९६ ॥ के० ॥ चक्रवाकयुगज्यूकुचराजे ॥ विस्तीरणनितवजठा

ज ॥ मुपदपाशसधरपणिलाजेतो ॥ ९७ ॥ के० ॥
रांता ॥ सर्वअंगगुणजगविख्यात॥ लूंगणमांकरेलोकविधाताते॥ [illegible] के० ॥
सर्वअंगेघणदेपणजोग ॥ चित्तवालीजुइमुनीवरलोग ॥ देपतांजाइंतपबल
शोगके ॥ ९९ ॥ के० ॥ देपीहरष्योचित्तमझारि ॥ पाणिपहणकरेंसुतना
र ॥ मंगलसमीआंहर्षअपारके ॥ २०० ॥ के० ॥ दिनकरआवमीठससी
गो ॥ लेईवधुवाससुवनेंपुगो ॥ सार्थेवधुसखीपरीवतरुगोके ॥ १ ॥ के० ॥
कालथोमोरहीसहीसहजाइं ॥ अगअंगिमलिकीमाकराइ ॥ सूपसंशारतसी
विलसायके ॥ २ ॥ के० ॥ सुखनिद्राकरतांमईराति ॥ मंगलतूरवाजेपरसा
ति ॥ कमलिनीतामवीकश्वरथातके ॥ ३ ॥ के० ॥ प्रातआवश्यकक्रियांकी
म ॥ चाल्याउद्यानजोवाअसीराम ॥ क्रिमाकरीआव्यानिजठामके ॥ [illegible]
के० ॥ देवपुजासोजनवीधीशारी ॥ सार्थेरतनवतीनीजनारी ॥ सोमवेसूत्रव
रुखनीवारीके॥५॥के० ॥इमकरतांकेईदिनवहीजाया॥एकदिनहवेवलमैत्रीरा
या॥विपहरायनीजसेवकमायके॥६॥के० ॥आणिनमानेंतेनीजस्वामी॥सेनाको
कलेतामउद्दाम ॥ जित्योविपहकरीसमामके ॥ ७ ॥ के० ॥ जाणीकोप्योव
लमैत्रीसूप ॥ स्वयमेवचढवाकीधीचुप ॥ जाण्युकुमरेंतेहस्वरूपके ॥ ८ ॥
के० ॥ सीहउपरीनवीढाजेसीआलातेहसीआलसमोसूपाल॥ कहेनृपनेंइमव
यणरशालके ॥ ९ ॥ के० ॥ तिणेंतुमेतानजीथोमुझआणि ॥ जिमतुमकोप
अगनीनेंगाण ॥ थायपतगतेरायअजाणके ॥ १० ॥ के० ॥ रायदिइतबल
सकरसाथी॥कुमरकहेसांसलोनरनाथा॥खोसाणोविपहसहजसाथके॥११के०॥
जबलगेंजीतुंनएहनरिंद ॥ तबलगेंतातपरासवदंद ॥ किमकरूविषयसगसु
खकवके॥१२॥के०॥ इमचितीमुंकीतोहांनारी॥ लेईलसकरकिधीअसवारी ॥
एकमासेंपोहोतोअवधारिके ॥ १३॥ के० ॥ आव्योकुमरविपहइमजाणी॥
गडरूहोकरीबेठोताणी ॥ कुमरेंविटयोजिमद्वीपनेंपाणीके ॥ १४ ॥ के० ॥
विणससलावेतामकुमार ॥ विपहउपरिरोसअपार ॥ एहचाकरनोस्योजेसा
रके ॥ १५ ॥ के० ॥ बलीउनाथअठेमीजपास ॥ तिणेंसहसेनाधरीअउला

स ॥ मांम्योजुरुअसमसंरासके ॥ १६ ॥ के० ॥ ऊर्वलेंतेनवीजीताइ ॥ तो हिमानथीअधीकसराइं ॥ महासयामकरेचित्तलायके ॥ १७ ॥ के० ॥ जा णीकूमरहवेकहेवरावे ॥ मतकरोजुरुतूमेंइणदावें, ॥ एहनोयत्नविनाजयथावे के ॥ १८ ॥ के० ॥ जाणीअशाध्यपेठोकोटमांहि ॥ विट्योठेचोकफेरएप्रां हि ॥ नाससेएकहोकेणेराहेंके ॥ १९ ॥ के० ॥ वाहलाप्राणथकीतूमोराय ॥ तेहविनाससहजमांथाय ॥ एपणिसूपनेंसेवकगायके ॥ २० ॥ के० ॥ नीती मांपहेलीसामवपाणो ॥ जुधकरणनोनहीएहटाणो ॥ स्वामीसेवकसवधपी ठाणोके ॥ २१ ॥ के० ॥ अविनयनाशनोकीधोउपाय ॥ तिणेंपराक्रमएह स्यूनवीथाय ॥ माहरासमतूम्हनेंदेईसायके ॥ २२ ॥ के० ॥ हवेमतकरज्यो एहवुकांमातेहकहेजिमतूम्हेकहोस्वामि ॥तिमहीजकरस्यूप्रसूसिरनामीके ॥ ॥ २३ ॥ के० ॥ आठमेखमेएसातमीढाल ॥ पद्मविजयकहेपुण्यविशाल ॥ सांसलताहोयमगलमालके ॥ २४ ॥ के० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ दुहा ॥ विशालबुद्धिनामेवली ॥ इणिपरेंकरेउपाय ॥ राजपुत्रनेरीझिस्यू ॥ वेहेंचीदीश्वताय ॥ २५ ॥ चोकिमुकीचिहुदिशें ॥ रूधेंआहारनेंनीर ॥ केई कदिनइमकाढिआ ॥ धरतोसाहसधीर ॥ २६ ॥ इणअवशरतिहाआवीउ ॥ वाणमतरवनमांहि ॥ रहवामीरमतोकुमर ॥ देपीउपनोदाह ॥ २७ ॥ अहो गुरुताएहनी ॥ विर्यवतविशेस ॥ मुझशरिपोपणिमारवा ॥ अवशरनलहे अशेस ॥ २८ ॥ पणिइखदेवापाधरो ॥ एअवसरठेआज ॥ इमविचारीआ वीउ ॥ विपहपासेव्याज ॥ २९ ॥ प्राशादतलेंवेठोप्रगट ॥ विपहकरेवपाण॥ किमआव्यापुठेकहो ॥ वलतीवोलेवाणि ॥ ३० ॥ मलयजावाअमेंमांमीउ ॥ दिठोविचमांदाव ॥ गुणचदवयरीमुझगणो ॥ तुझपणतेहजमाव ॥ ३१ ॥ उ दयखमायनएहनो ॥ साहाज्यकरूतूझसाच ॥ नयणेंआजएनिरपीउ ॥ मन मांतुहवइमाच ॥३२ ॥ ढाल ॥ तुम्हेंतोसलेंविराजोजीसरवेसरकेवासीशाहिव सलेंविराजोजी ॥ एदेशी॥ तुमेतोसलेंपधारयाजी॥देवासीकोईदीशो॥तुमेंतोस लेंपधारयाजी ॥ एआकणी॥ एहवुजाणोसाहाज्यजकीजें ॥ तोकरीइमका

जे ॥ मुपदेपीशसधरपणिलाजेतो ॥ ९७ ॥ के० ॥ करपदनखोहीनजप
रोता ॥ सर्वअंगगुणजगविख्यात॥ लूंगणमांकरेलोकविचातातो॥ [illegible] के० ॥
सर्वअगेघणदेपणजोग ॥ चित्तवालीजुइमुनीवरलोग ॥ देपतांजाईतपला
शोगके ॥ ९९ ॥ के० ॥ देपीहरष्योचित्तमझारि ॥ पाणिग्रहणकरेंहुतमा
र ॥ मंगलसमीआंहर्षअपारके ॥ २०० ॥ के० ॥ दिनकेरआवनीठसीठ
गो ॥ लेईवधुवाससूवर्नेपुगो ॥ सार्थेवधुसखीपरीवतरूगोके ॥ १ ॥ के० ॥
कालथोडोरहीसहीसझजाई ॥ अगअगिमलिकीमाकराइ ॥ सूपसंधारतथी
विलसायके ॥ २ ॥ के० ॥ सुखनींद्राकरतांगईरांति ॥ मगलतूरवाजेपरस
ति ॥ कमलिनीतामवीकश्वरथातके ॥ ३ ॥ के० ॥ प्रातआवश्यकक्रियांकी
म ॥ चाल्याउद्यानजोवाअसीराम ॥ क्रिमाकरीआव्यानिजगामके ॥ [illegible]
के० ॥ देवपुजासोजनवीधीशारी ॥ सार्थेरतनवतीनीजनारी ॥ सोमवेसूत्रथ
रडखनीवारीके॥५॥के० ॥इमकरतांकेईदिनवहीजाया॥एकदिनहवेवलमेंभीरा
था॥विपहरायनीजसेवकप्रायके॥६॥के० ॥आणिनमानेंतेनीजस्वामी॥सेनाभी
कलेतामउद्दाम ॥ जित्योविपहकरीसपामके ॥ ७ ॥ के० ॥ जाणीकोप्योव
लमेंत्रीसूप ॥ स्वयमेवचढवाकीधीचुप ॥ जाण्यूंकूमरेंतेहस्वरूपके ॥ ८ ॥
के० ॥ सीहउपरीनवीठाजेसीआज्ञातेहसीआलसमोसूपाल॥ कहेहपनेंइमव
थणरशालके ॥ ९ ॥ के० ॥ तिणेंतुमेतातजीथोमुझआणि ॥ जिमतुमकोप
अगनीनेंगांण ॥ थायपतंगतेरायअजाणके ॥ १० ॥ के० ॥ रायादिइंतवल
सकरसाथीकूमरकहेसांसलोनरनाथाखोसाणोविपहसझसाथके॥११के०॥
जबलगेंजीतूंनएहनारिव ॥ तबलगेंतातपरासवदंद ॥ किमकरूविषयसंगसु
खवकवके॥१२॥के०॥ इमचितीमुंकीतोहांनारी॥ लेईलसकरकिधीअसवारी ॥
एकमासेंपोहोतोअवधारिके ॥ १३॥ के० ॥ आव्योकूमरविपहईमजाणी॥
गढरूहोकरीबेठोताणी ॥ कूमरेंविटयोजिमद्वीपनेंपाणीके ॥ १४ ॥ के० ॥
विणसंसलावेतामकूमार ॥ विपहउपरिरोसअपार ॥ एहचाकरनोस्योहेसा
रके ॥ १५ ॥ के० ॥ बलीउनाथअनेभीजपास ॥ तिणेंसझसेनापरीअउला

माहरोसत्व ॥ कुमरकहेतूमसरिषानरनें ॥ इमजघटेएतत्व ॥ ५० ॥ तूमे० ॥ विपहकहेस्यूमुझवषाणो ॥ कृपापीसीरदार ॥ झाझूसाषेस्यूकहोहोवे ॥ सा सलोइकइणिवार ॥ ५१ ॥ तूमे० ॥ कुकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजि णीपरेमुझ ॥ मुझकापुरुषनीचेष्टादेषो ॥ घणा२स्यूकहुतुझ ॥ ५२ ॥ तू० ॥ कुमरकहेकापुरुषठोरुडा ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुताशत्रुनेंनवीमास्यो ॥ बलिअजगाम्योआम ॥ ५३ ॥ तू० ॥ असवधवोलोनहीमुखथी ॥ मुझनें दिधाप्राण ॥ तिणेंसूखथिपणिमेतूमसूक्या ॥ तववोल्योतेजाण ॥ ५४ ॥ तू० ॥ करीप्रशायनेंशेवककिजें ॥ वोल्योतामकुमार ॥ तातनणासेवकतूमेतिणें ॥ ज्येष्टभ्रातामुझसार ॥ ५५ ॥ तू० ॥ इमकरतांजोतूममनमानें ॥ चालोतातस कास ॥ विपहकहेचालोतिहाजइश ॥ सिकनहीतूमपास ॥ ५६ ॥ तू० ॥ व धांमणाविहाविपहेंकिधा ॥ चाल्योकुअरसाथि ॥ विजयधर्म्मआचारयइ णिसमें ॥ पाउधारयामुनीनाथ ॥ ५७ ॥ तू० ॥ तृणमणीलेष्टुकचनसमव रु ॥ षटजीवनाप्रतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीकिरपाल ॥ ५८ ॥ तूमे० ॥ गुणचदनेंप्रतिबोधनोअवशर ॥ जाणीलासअपार ॥ राज्यतजीमिथीलानयरीनु ॥ लिघोसजमसार ॥ ५९ ॥ तूमे० ॥ गुणसत्तवउद्यानेंउतस्या ॥ लब्धिवतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवात सुणीनें ॥ हरष्योपृथिवीनाथ ॥ ६० ॥ तूमे० ॥ लेईपरीजनविग्रहसघातें ॥ वद्यागुरुनापाय ॥ सायरसमगसीररवीपरें ॥ तमटालेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तू० ॥ जिनवाणिपरेंजेनीकलकि ॥ देषीशुसपरीणाम ॥ उपनोसर्वसगत्यागीना ॥ वंदूपदअसीराम ॥ ६२ ॥ तूमे० ॥ साधुनुदरीसणतेपावन ॥ चितीप्रणम्यापा य ॥ विपहसहितसझसाधुपणि ॥ धर्मलासदेवराय ॥ ६३ ॥ तूमे० ॥ आठ मेरवमेआठमीढालें ॥ गुरुवेशारेपास ॥ पद्मविजयपसणेंइणअवसरि ॥ वात सुणोउल्लास ॥ ६४ ॥ तूमे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ इणअवशरएकआवीउ ॥ विद्याधरवररूप ॥ वदनाकरीनेंवीनवे ॥ सां सलोप्रसूत्वरुप ॥ ६५ ॥ कनकपुरेंदृढप्रसकरो ॥ राज्यनिहांगुरुराय ॥ तेहनेंआग

म ॥ विषहकहेमुझतीहांजईमुको ॥ गुणचंदनुजीहांगेम ॥ [illegible] तू० [illegible]
यणीमाहिंकरवुएहवुं ॥ वाणमंतरकहेताम ॥ एतोआयतमाहरेवीसे ॥ [illegible]
जवदोजाम ॥ ३४ ॥ तू० ॥ ध्यारजणास्यूसङ्घमईनें ॥ विषहरहीछजा[illegible]
विद्यापरसावेंपणजणनें ॥ लेईचाल्योघरीमाम ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ गुण[illegible]
ज्यापासेंमुक्या ॥ दिठोतामकुमार ॥ गुणचंदनेंबोलावेएहवे ॥ विषहपति[illegible]
हंकार ॥ ३६ ॥ तू० ॥ मुझसाथेंतूवयरकरीनें ॥ किमसूतोसूत्वमांहि ॥ [illegible]
करवालकरेंउठीने ॥ सुणीजाग्योउठाहि ॥ [illegible] ॥ तू० ॥ उठिनेंकुंअरतवो[illegible]
ह्यो ॥ सलो२ व्यवशाय ॥ खमगलीश्करमांइणेंअवसर ॥ अमरकुमारे[illegible]
गाय ॥ ३८ ॥ तू० ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहनें ॥ वारेतामकुमार ॥ [illegible]
परहारकरेज्योकोई ॥ माहरासमइणवार ॥ ३९ ॥ तू० ॥ रहेज्योतांतुमेंई[illegible]
णसमइ ॥ ऊकरस्युसंग्राम ॥ इणिअवशरवाणमंतरषमगें ॥ दिइपरहारजतां[illegible]
॥ ४० ॥ तू० ॥ मारि२ करतोतिमविषह ॥ उठ्योलेईपरीवार ॥ नांस्यो[illegible]
खऊमोऊमतिणें॥पणिवचावेकुमार॥ ४१॥तू०॥ पुन्यप्रबलनेकलाकुशलवली[illegible]
उतकटबलपरीणाम ॥सिंहकिसोरपरेंकरीवरनें॥किधासऊविणघाम [illegible]
॥तू०॥ उपगारीविषहनेंजाणी ॥ नवीकिधोपरीहार॥ऊलीकेशनेंनाख्योहेजो[illegible]
ऊजतेजयजयकार ॥४३॥ तूमे०॥ विषहनोपरीवारनेंजीते ॥ कुमरतणोपरीवा[illegible]
र ॥ कोलाहलउपनोतवनाठो ॥ वाणमंतरविणमार ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ वाणमं
तरचितेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजाणेंकेहवो ॥ इ
णिपरेंपणिनमराय ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ पणिअयोध्यानयरेंजाई ॥ ससमाबु
परीवार ॥ गुणचंदतोपरलोकेंपोहोतो ॥ इमपणिथस्येंअपकार ॥ [illegible] ॥तू०॥
इमविचारीचाल्योतीहाथी ॥ इणसमेकहेकूमार ॥ उठि२महापुरिसकरेले ॥
हरषधरीहथीआर ॥ ४७ ॥ तूमे० ॥ इमकहिनेंमुक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
ठ्योतेह ॥ कहेमुखथीवलीइणिपरेंवाणी ॥ सांसलेज्योगुणिगेह ॥ [illegible] तू०॥
तूमसाथेंहवेमुझनेंनघटे ॥ हांथेंलेवाहथीआर ॥ पूर्वेस्वामीहवणांजीत्यो ॥
बऊतूमचोउपगार ॥ ४९ ॥ तूमे० ॥ तुमबंसतुंपणितूमेनवीमारयो ॥ मारयो

माहरोसत्व ॥ कुमरकहेतूमसरिपानरनें ॥ इमजघटेएतत्व ॥ ५०॥ तूमे० ॥ विपहकहेस्यूमुझवपाणो ॥ झपापीसीरदार ॥ झाझूसाषेस्यूकहोहोवे ॥ सा सलोइकइणिवार ॥ ५१ ॥ तूमे० ॥ झकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजि णीपरेमुझ ॥ मुझकापुरुषनीचेष्टादेषो ॥ घणा२स्यूकझतुझ ॥ ५२ ॥ तू० ॥ कुमरकहेकापुरुषठोरुम्ह ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुताशत्रुनेंनवीमास्यो ॥ बलिअजगाम्योआम ॥ ५३ ॥ तू० ॥ असबघवोलोनहीमुखथी ॥ मुझनें दिधाप्राण ॥ तिणेंसूरवथिपणिमेतूममूक्या ॥ तववोल्योतेजाण ॥ ५४ ॥ तू०॥ करीपशायनेंशेवककिजें ॥ वोल्योतामकुमार ॥ तातनणासेवकतूमेतिणें ॥ ज्येष्टभ्रातामुझसार ॥ ५५ ॥ तू० ॥ इमकरतांजोतूममनमानें॥ चालोतातस कास ॥ विपहकहेचालोतिहांजइ ॥ सिकनहीतूमपास ॥ ५६ ॥ तू० ॥ व घामणांविहांविपहेंकिधां ॥ चाल्योकुअरसाथि ॥ विजयधर्म्मआचारयइ णिसमें ॥ पाउधारयामुनीनाथ ॥ ५७ ॥ तू० ॥ तृणमणीलेष्टुकचनसमव म ॥ षटजीवनाप्रतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीकिरपाल ॥ ५८ ॥ तूमे० ॥ गुणचदनेंप्रतिवोधनोअवशर ॥ जाणीलासुअपार ॥ राज्यतजीमिथीलानयरीनु ॥ लिधोसजमसार ॥ ५९ ॥ तूमे० ॥ गुणसुसवउद्यानेंउतस्या ॥ लब्धिवतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवात सुणीनें ॥ हरष्योपृथिवीनाथ ॥ ६०॥ तूमे० ॥ लेईपरीजनविग्रहसघातें ॥ वद्यागुरुनापाय ॥ सायरसमगसीररवीपरें ॥ तमटालेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तू० ॥ जिनवाणिपरेंजेनीकलकि ॥ देषीशुसपरीणाम ॥ उपनोसर्वसगत्यागीना ॥ वंदूपदअसीराम ॥ ६२ ॥ तूमे० ॥ साधुनुदरीसणतेपावत्त ॥ चितीमणम्यापा य ॥ विपहसहितसझसाधुपणि ॥ धर्मलासदेषराय ॥ ६३ ॥ तूमे० ॥ आठ मेरवमेआठमीढालें ॥ गुरुवेशारेपास ॥ पद्मविजयपसणेंइणअवसरि ॥ वात सुणोउल्लास ॥ ६४ ॥ तूमे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥उह॥ इणअवशरएकआवीउ ॥ विद्याधरवररूप ॥ वदनाकरीनेंवीनवे॥ सां सलोप्रसूत्वरुप ॥६५॥ कनकपुरेंदृढप्रसकरो॥राज्यतिहागुरुराय ॥ तेहनेंआग

म ॥ विपहकहेमुझतीहांजईमुको ॥ गुणचदनुजीहांमेंम ॥ [illegible] तू० [illegible]
यणीमाहिंकरवुएहवुं ॥ वाणमतरकहेतांम ॥ एतोआयतमाहरदीते ॥ [illegible]
जवदोजाम ॥ ३४ ॥ तू० ॥ ध्यारजणास्यूंसङ्घर्यईनें ॥ विपहरहीउलाम [illegible]
विद्यापरसार्वेपणजणनें ॥ लेईचाल्योघरीमाम ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ गुण[illegible]
ज्यापासेंमुक्या ॥ दिठोतामकुमार ॥ गुणचदनेंबोलावेएहवे ॥ विपहरीत[illegible]
हंकार ॥ ३६ ॥ तू० ॥ मुझसार्थेतूवयरकरीनें ॥ किमसुतोसूत्वमांहि ॥ [illegible]
करवालकरेंउठीनें ॥ सुणीजाग्योउठाहि ॥ [illegible] ॥ तू० ॥ उठिनेंकुमरतपो[illegible]
ट्यो ॥ सलो २ ध्यवशाय ॥ खमगलीइकरमोइणेंअवसर ॥ अमर[illegible]
ठाय ॥ ३८ ॥ तू० ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहनें ॥ वीरतामकुमार ॥ [illegible]
परहारकरेज्योकोई ॥ माहरासमइणवार ॥ ३९ ॥ तू० ॥ रहेज्योसावीतुपेई
णसमइ ॥ झुकरस्युसंग्राम ॥ इणिअवशरवाणमंतरषमर्गे ॥ विइपरहारउलाम
॥ ४० ॥ तू० ॥ मारि २ करतोतिमविपह ॥ उठ्योलेईपरीवार ॥ नांख्योच
खझनोझमतिणें॥पणिवचावेकुमार॥ ४१॥तू०॥ पुन्यप्रबलनेकलाकुशलबली
उतकटबलपरीणाम ॥सिहकिसोरपरेंकरीवरनें॥किधासझविणाम [illegible]
॥तू०॥ उपगारीविपहनेंजाणी ॥ नवीकिधोपरीहार॥ झालीकेशनेंनाख्योहेजो
झउतेजयर२कार ॥४३॥ तूमे०॥ विपहनोपरीवारनेंजीते ॥ कुमरतणोपरीवा
र ॥ कोलाहलउपनोतवनाठो ॥ वाणमंतरविणमार ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ वाणमं
तरचितेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजाणेंकेहवो ॥ इं
णिपरेंपणिनमराय ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ पणिअयोध्यानयरेंजाई ॥ सस्सलाबुं
परीवार ॥ गुणचदतोपरलोकेंपोहोतो ॥ इमपणिथस्येंअपकार ॥ [illegible] ॥तू०॥
इमविचारीचाल्योतीहाथी ॥ इणसमेकहेकूमार ॥ उठिरमहापुरिसकरेले ॥
हरषधरीहथीआर ॥ ४७ ॥ तूमे० ॥ इमकहिनेंमुक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
ठ्योतेह ॥ कहेमुरखचीवलीइणिपरेंवाणी ॥ सांसलज्योगुणिगेह ॥ [illegible] तू०॥
तूमसार्थेहवेमुझनेंनघटे ॥ हार्थेलेवाहथीआर ॥ पूर्वेस्वामीहवणांजीत्यो ॥
वझतूमचोउपगार ॥ ४९ ॥ तूमे० ॥ तुमवसतुंपणितूमेनवीमारयो ॥ मारयो

माहरोसत्व ॥ कुमरकहेतूमसरिषानरनें ॥ इमजघटेएतत्व ॥ ५० ॥ तूमे० ॥ विग्रहकहेस्यूमुझवयाणो ॥ कृपापीसीरदार ॥ झाझूसाषेस्यूकहोहोवे ॥ सा सलोश्कश्णिवार ॥ ५१ ॥ तूमे० ॥ कुकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजि णीपरेमुझ ॥ मुझकापुरुषनीचेष्टादेषो ॥ घणा२स्यूकहुतुझ ॥ ५२ ॥ तू० ॥ कुमरकहेकापुरुषठोरुमा ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुताशत्रुनेंनवीमास्यो ॥ ग्रलिअजगाम्योआम ॥ ५३ ॥ तू० ॥ असवघवोलोनहीमुखथी ॥ मुझनें दिधाप्राण ॥ तिणेंसूखथिपणिमेतूमभूक्या ॥ तववोल्योतेजाण ॥ ५४ ॥ तू० ॥ करीपशायनेंशेवककिजें ॥ वोल्योतामकुमार ॥ तातनणासेवकतूमेतिणें ॥ ज्येष्टभ्रातामुझसार ॥ ५५ ॥ तू० ॥ इमकरतांजोतूममनमानें ॥ चालोतातस कास ॥ विग्रहकहेचालोतिहाजश्श ॥ सिकनहीतूमपास ॥ ५६ ॥ तू० ॥ ब घांमणातिहाविग्रहेंकिधां ॥ चाल्योकुअरसाथि ॥ विजयधर्म्मआचारयश णिसमें ॥ पाउधास्यामुनीनाथ ॥ ५७ ॥ तू० ॥ तृणमणीलेष्टुकचनसमव म ॥ षटजीवनाप्रतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीकिरपाल ॥ ५८ ॥ तूमे० ॥ गुणचवर्नेप्रतिबोधनोअवशर ॥ जाणीलासअपार ॥ राज्यतजीमिथीलानयरीनु ॥ लिघोसजमसार ॥ ५९ ॥ तूमे० ॥ गुणससवउद्यानेंउतस्या ॥ लब्धिवतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवात सुणीनें ॥ हरप्योपृथिवीनाथ ॥ ६० ॥ तूमे० ॥ लेईपरीजनविग्रहसघातें ॥ वद्यागुरुनापाय ॥ सायरसमगसीररवीपरें ॥ तमटालेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तू० ॥ जिनवाणिपरेंजेनीकलकि ॥ देषीशुसपरीणाम ॥ उपनोसर्वसगत्यागीना ॥ वंदूपदअसीराम ॥ ६२ ॥ तूमे० ॥ साधुनुदरीसणतेपावन ॥ चितीप्रणम्यापा य ॥ विग्रहसहितसझसाधुपणि ॥ धर्मलासदेवराय ॥ ६३ ॥ तूमे० ॥ आठ मेखमेआठमीढालें ॥ गुरुवेशारेपास ॥ पद्मविजयपसर्णेश्णअवसरि ॥ वात सुणोउल्लास ॥ ६४ ॥ तूमे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७

म ॥ विग्रहकहेमुझतीहांजईमुको ॥ गुणचदमुंजीहांठीम ॥ [illegible] तू० [illegible]
यणीमाहिकरवुएहवुं ॥ वाणमतरकहेताम ॥ एतोआयतमाहरेदीसे ॥ [illegible]
जवदोजाम ॥ [illegible] ॥ तू० ॥ ब्यारजणास्यूसङ्गमईनें ॥ विग्रहरहीउजाम ॥
विद्यापरसार्वपणजणने ॥ लेईचाल्योघरीमाम ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ गुण[illegible]
ज्यापासेंमुक्या ॥ दिठोतामकुमार ॥ गुणचदनेंबोलावेएहवे ॥ विग्रह[illegible]
हंकार ॥ ३६ ॥ तू० ॥ मुझसाथेंतूवयरकरीनें ॥ किमसूतोसूस्वमांहि ॥ [illegible]
करवालकरेंउठीनें ॥ सुणीजाग्योउगांहि ॥ [illegible] ॥ तू० ॥ उठिनेंकुमरतवको
ल्यो ॥ सलो[illegible] ब्यवशाय ॥ खडगलीइकरमांइणेंअवसर ॥ अमर[illegible]
ठाय ॥ ३८ ॥ तू० ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहनें ॥ वीरतामकुमार ॥ [illegible]
परहारकरेज्योकोई ॥ माहरासमइणवार ॥ ३९ ॥ तू० ॥ रहेज्योसाथीतुमेई
णसमइ ॥ झकरस्युसंग्राम ॥ इणिअवशरवाणमंतरषमगें ॥ दिइपरहारउठाम
॥ ४० ॥ तू० ॥ मारि२ करतोतिमविग्रह ॥ उठ्योलेईपरीवार ॥ नांस्यांचि
[illegible]पणिबचावेकुमार॥ ४१॥तू०॥ पुन्यप्रबलनेकलाकुशलबली
[illegible]टबलपरीणाम ॥सिंहकिसोरपरेंकरीवरनें॥किधासझविणधाम ॥[illegible]
४२तू०॥ उपगारीविग्रहनेंजाणी ॥ नवीकिधोपरीहार॥ झालीकेशनेंनाष्योहे[illegible]
झतेजयर२कार ॥४३॥ तूमे०॥ विग्रहनोपरीवारनेंजीते ॥ कुमरतणोपरीवा
रं ॥ कोलाहलउपनोतवनाग्रो ॥ वाणमंतरविणमार ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ वाणमं
तरचितेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजाणेंकेहवो ॥ इं
णिपरेंपणिनमराय ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ पणिअयोध्यानयरेंजाई ॥ संसमाणु
परीधार ॥ गुणचदतोपरलोकेंपोहोतो ॥ इमपणिपस्यें[illegible]पकार ॥ [illegible] ॥तू०॥
इमविचारीचाल्योतीहांथी ॥ इणसमेकहेकूमार ॥ उठि२महापुरिसकरेसे ॥
हरषधरीहथीआर ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ इमकहिनेंमुक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
ज्योतेह ॥ कहेमुखथीवलीइणिपरेंवाणी ॥ सांसलज्योगुणगेह ॥ [illegible] तू०॥
तुमसाथेंहमेमुझनेंनघटे ॥ हांथेलेवाहथीआर ॥ पूर्वेस्वामीहवणांजीत्यो ॥
बहुतुमथोउपगार ॥ [illegible] ॥ तूमे० ॥ तुमबसतुंपणितुमेनवीमारयो ॥ मारयो

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरहकिमसहीसकूहोजी ॥ थोप्रतीवचनतेप्रेम ॥कु०॥
॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकह्याहोजी ॥ तेतेकरुआलाप ॥कु०॥
कु० ॥ राज्यतज्यूकायनवीगर्मेहोजी ॥ निशीदीनकरुविलाप ॥ कु० ॥ ८१
॥ कु० ॥ कु० ॥ रूए २ मांमुरठालहुहोजी ॥ डुखलहुनरकसमान ॥कु०॥
॥ कु० ॥ पचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पचपल्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुहोजी ॥ माहरूडुखअशराल ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ अगोअगआणदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ हुमुहचित्तमांचितवुहोजी ॥ कहोस्यूकारणहेव ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ वहामणीआवीतदाहोजी ॥ आख्यातिहकरदेव ॥ कु० ॥
॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम२हरष्योघणहोजी ॥ सासलीतेहनीवांणी ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रसूसनमूषगयोहोजी ॥ सतोपीदेईदाण ॥ कु० ॥ ८५
॥ कु०॥ कु०॥ वदनाकरीनृपवदस्यूहोजी ॥ दिधीसहुनेंआणि॥ कु०॥ कु०॥
हयगयरहसहुसजकरोहोजी ॥ जिनवरवदनटाण ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
कु० ॥ वस्त्रसूषणपहेरोसहुहोजी ॥ सोसाकरोसूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
मवसरणरचेदेवताहोजी॥ साधुकायकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नदनवननेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
जनलगेंहोजी ॥ अपहरेतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
मारतिहावरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋतूसुरवरसेफू
लनेंहोजी ॥ पचवरणनांरुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
वेमाणीआहोजी ॥ विजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीपीसूरविरचे
तिहाहोजी ॥ हवेत्रीजोगढशार ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोसव
नपतीकरेहोजी ॥ हवेव्यतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणठवेहो
जी ॥ मध्येंअशोकअसीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भमरखचा
णालोसस्युहोजी॥ कुसूमसरेनमीमाल ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिहासणभामी
आहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रणिछत्रवर

लितिणेंपुरें ॥ हिमणावातकहाय ॥ ६[illegible] ॥ मार्गपाम्याथीमांमीमें ॥ आस्त[illegible]
गेंअधीकार ॥ वारुतूमेवरवाणीउ ॥ तिहांऊगयोतिवार ॥ ६[illegible] ॥ जमनुस्त[illegible]
म्हेंजाणीउ ॥ सपेपेंसवध ॥ अचरीजसासलवाअढे ॥ पसणोसऊपस्वंध
॥ ६८ ॥ अतरायन्प्रन्यलोकनें ॥ नहोइजोनीरधार ॥ अनुपहकिजेंअमल
णी ॥ कहेतातामकूमार ॥ ६[illegible] ॥ अमनेंपणिअनुपहहोस्ये ॥ एहकहेअव
दात ॥ एइठाअमनेंअढे ॥ वलिजिमतूममनवात ॥ [illegible] ॥ गुरुजीकहेमुणवं
दनें ॥ सासलथईसावधान ॥ विकथानिद्रावरजजे ॥ कऊतेसुणिदेईकान ॥
॥ ७१ ॥ ढाल ॥ साहिबजीश्रीविमलाचलसेटिइहोजी ॥ एदेशी॥ कुअरजी॥
एहसरतमांजाणिइहोजी ॥ मिथीलानयरीविख्यात ॥ कुअरजी ॥ कुअ० ॥
विजयधर्मतिहांराजीउहोजी ॥ राज्यकरूअवदात ॥ कु०॥[illegible]॥ कुअरजी॥
वातसोहामणीसांसलोहोजी ॥ एआंकणी ॥ कु०॥ अपमहीषीमाहरेहोजी ॥
चद्रधर्मावाहलीनारी ॥ कुअ० ॥ कु० ॥ किणहिकअपहरीतेहनेंहोजी ॥ इ
द्वीरयणमनधारि ॥ कु०॥ ७३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥
मत्रसीद्धनांकांम ॥ कुअ० ॥ कुअ० ॥ विजयदेवीइमुऊंसांषीउहोजी ॥ सां
सलीमुरठाऊपांमी॥ कु०॥[illegible]॥ कु०॥कु०॥शीतलचदनसीचीआंहोजी ॥ कि
धाविजणेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ चेतनालहीडखीउघणहोजी ॥ देषीपिहन
शकूकांय ॥ कु० ॥ ७५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ इमेंकरतांत्रिणदिनगयाहोजी ॥
आव्योचोथेदिन्न ॥ कु० ॥ कु० ॥ एकजटाधरमानवीहोजी ॥ तिप्रतेपेपरी
खिन्न ॥ कु० ॥ ७६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सूतिलगावीअगमेंहोजी ॥ मघशीरु
कहेआय ॥ कु० ॥ कु० ॥ स्येकाजेतूमेआकुलाहोजी ॥ नारीहरीमेंराय ॥
कु० ॥ ७७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥ तेहनोएहवोजीत
॥ कु० ॥ कु० ॥ विणसाषेलेईजायवीहोजी ॥ पणिशीलेंसूपवीत्त ॥ कु० ॥
॥ ७८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पीडापणिनहीउपजेहोजी ॥ तिणेंमतकरसताप ॥
राजनजी ॥ रा० ॥ मासठएमिलस्येसहीहोजी ॥ कहीनेंअदृशथयोआप ॥
॥ कु० ॥ ७९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मूर्छालहीपुरषपरेंहोजी ॥ चितषलेकऊइंम ॥

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरहकिमसहीसकूहोजी ॥ योप्रतीवचनतेप्रेम ॥कु०॥
॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकह्याहोजी ॥ तेतेकरुआलाप ॥कु०॥
कु० ॥ राज्यतज्यूकांयनवीगर्मेहोजी ॥ निशीदीनकरुविलाप ॥ कु० ॥ ८१
॥ कु० ॥ कु० ॥ रूण २' मामुरठालझुहोजी ॥ डुरकलझुनरकसमान ॥कु०॥
॥ कु० ॥ पचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पचपल्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुहोजी ॥ माहरूडुखअशराल ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ अगोअगआणदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ झमुझचित्तमांचितवुहोजी ॥ कहोस्यूकारणहेव ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ वक्षामणीआवीतदाहोजी ॥ आख्यातिछकरदेव ॥ कु० ॥
॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम२हरष्योघणहोजी ॥ सासलीतेहनीवाणी ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रसूसनमूपगयोहोजी ॥ सतोपीदेईदाण ॥ कु० ॥ ८५
॥ कु०॥ कु०॥ वदनाकरीनृपवदस्यूहोजी ॥ दिधीसझनेंआणि॥ कु०॥ कु०॥
हयगयरहसझसजकरोहोजी ॥ जिनवरवदनटाण ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
कु० ॥ वस्त्रसूपणपहेरोसझहोजी ॥ सोसाकरोसूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
मवसरणरचेदेवताहोजी॥ सापुकायकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नदनवननोवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
जनलगेंहोजी ॥ अपहरेतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
मारतिहांवरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋतूसुरवरसेफू
लनेंहोजी ॥ पचवरणनांरुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
वेमाणीआहोजी ॥ विजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीपीसूरविरचे
तिहाहोजी ॥ हवेत्रीजोगढशार ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोसव
नपतीकरेहोजी ॥ हवेव्यतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणठवेहो
जी ॥ मध्येंअशोकअसीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भमरखचा
णालोसस्युहोजी॥ कुसूमसरेनमीमाल ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिहासणभामी
आहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ अणिठत्रवर

लितिणेंपुरें ॥ हिमणावातकहाय ॥ ६[illegible] ॥ मार्गपाम्याथीमांमीमें ॥ आसवा
गेंअधीकार ॥ वारुतूमेवरवाणीउ ॥ तिहांऊगयोतिवार ॥ ६[illegible] ॥ जनमुखथी
म्हेंजाणीउ ॥ सपेपेंसवध ॥ अचरीजसासलवाअढे ॥ पसणोसऊपरबंध
॥ ६८ ॥ अतरायअन्यलोकनें ॥ नहोइजोनीरधार ॥ अनुपहकिजेंअनस
णी ॥ कहेतातामकूमार ॥ ६[illegible] ॥ अमनेंपणिअनुपहहोस्ये ॥ एहकहेअव
दात ॥ एइढाअमनेंअढे ॥ वलिजिमतूममनवात ॥ [illegible] ॥ गुरुजीकहेगुणवं
दनें ॥ सांसलथईसावधान ॥ विकथानिद्रावरजजे ॥ कऊतेसुणिदेईकान ॥
॥ ७१ ॥ ढाल ॥ साहिवजीश्रीविमलाचलसेटिइहोजी ॥ एदेशी॥ कुअरजी ॥
एहसरतमाजाणिइहोजी ॥ मिथीलानयरीविख्यात ॥ कुअरजी ॥ कुअ० ॥
विजयधर्मतिहाराजीउहोजी ॥ राज्यकरूअवदात ॥ कु०॥[illegible]॥ कुअरजी॥
वातसोहामणीसासलोहोजी ॥ एआकणी ॥ कु०॥ अमहीषीमाहरेहोजी ॥
चऊधर्मावाहलीनारी ॥ कुअ० ॥ कु० ॥ किणहिकअपहरीतेहनेहोजी ॥ ६
छीरयणमनधारि ॥ कु०॥ ७३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥
मत्रसीद्धनाकांम ॥ कुअ० ॥ कुअ० ॥ विजयदेवीइमुझेसांषीउहोजी ॥ सां
सलीमुरढाऊपांमी॥ कु०॥७४॥ कु०॥कु०॥शीतलचदनसीचीआहोजी ॥ कि
धाविजणेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ चेतनालहीऊखीउघणहोजी ॥ देषीपिशन
शकूकांय ॥ कु० ॥[illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ इमकरतांत्रिणदिनगयाहोजी ॥
आव्योचोथेदिन्न ॥ कु० ॥ कु० ॥ एकजटाधरमानषीहोजी ॥ तिव्रतपेपरी
खिन्न ॥ कु० ॥ ७६॥ कु० ॥ कु० ॥ सूतिलगावीअगमेंहोजी ॥ मत्रशीद
कहेआय ॥ कु० ॥ कु० ॥ स्येकाजेतूमेआकुलाहोजी ॥ नारीहरीमेंराय ॥
कु० ॥ ७७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥ तेहनोएहवोजीत
॥ कु० ॥ कु० ॥ विणसापेलेईजायवीहोजी ॥ पणिशीलेंसूपवीत्त ॥ कु० ॥
॥ ७८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पीडापणिनहीउपजेहोजी ॥ तिणेंमतकरसताप ॥
राजनजी ॥ रा० ॥ मासढएमिलस्येसहीहोजी ॥ कहीनेंअदृशथयोआप ॥
॥ कु० ॥ ७९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मूर्खलहीपुरवपरेंहोजी ॥ चितवलेकऊइम ॥

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरहकिमसहीसकूहोजी ॥ योप्रतीवचनतेप्रेम ॥कु०॥
॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकह्याहोजी ॥ तेतेकरुआलाप ॥कु०॥
कु० ॥ राज्यतज्यूकांयनवीगर्मेहोजी ॥ निशीदीनकरुविलाप ॥ कु० ॥ ८१
॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋण २' मामुरढालऊहोजी ॥ डुरकलऊनरकसमान ॥कु०॥
॥ कु० ॥ पचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पचपल्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुहोजी ॥ माहरूडुखअशराल ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ अगोअगआणदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ ऊमुऊचित्तमांचितवुहोजी ॥ कहोस्यूकारणहेव ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ वशामणीआवीतदाहोजी ॥ आख्यातिहकरदेव ॥ कु० ॥
॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम२हरप्योघणहोजी ॥ सासलीतेहनीवाणी ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रसूसनमूषगयोहोजी ॥ सतोपीदेईदाण ॥ कु० ॥ ८५
॥ कु० ॥ कु० ॥ वदनाकरीनृपवदस्यूहोजी ॥ दिधीसऊनेंआणि॥ कु० ॥ कु० ॥
हयगयरहसऊसजकरोहोजी ॥ जिनवरवदनटाण ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
कु० ॥ वस्त्रसूषणपहेरोसऊहोजी ॥ सोसाकरोसूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
मवसरणरचेदेवताहोजी ॥ साधुकायकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नदनवननोवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
जनलगेंहोजी ॥ अपहरेतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
मारतिहांवरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋतूसुरवरसेफू
लनेंहोजी ॥ पचवरणनांरुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
वेमाणीआहोजी ॥ विजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीषीसूरविरचे
तिहांहोजी ॥ हवेत्रीजोगढशार ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोसव
नपतीकरेहोजी ॥ हवेव्यतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणठवेहो
जी ॥ मध्येंअशोकअसीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भमरखचा
णालोसस्युहोजी॥ कुसूमसरेनमीमाल ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिंहासणमांमी
आहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रणिछत्रवर

उजलाहोजी ॥ मुक्ताफलनीजालि ॥कु० ॥ कु० ॥
जी ॥ विकसीतकुदज्यूसालि ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ [illegible]
हामणोहोजी ॥ पवर्नेनाचतोजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ सीहचक्रध्वजपेखो
होजी ॥ गगनलिहनकरेतेह ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ चामरगनकेंप
लताहोजी ॥ उज्वलजिणीपरेंहस ॥ कु ॥ कु० ॥
सज्जनकरेपरसज्ञ ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ रविमंडलपरेंदिपूरो
जी ॥ धरमचक्रपुरजास ॥ कु० ॥ कु० ॥ सामंडलतेजेंतपेहोजी ॥ [illegible]
कतसवीपास ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिभुवननायकनुरचेहोजी ॥
समवसरणइमज्ञार ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनककमलपगलाठवेहोजी ॥
णिनवसुविचार ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ सातकमलपुठेंरहेहोजी ॥
दोयउपरिठवेपाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ पुरवद्वारेपेसीनेंहोजी ॥ तिरथनाथेंसी
नराय ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ कु० ॥ बेठाप्रदक्षिणादेईनेंहोजी ॥
नमुखनाथ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पादपीठपगथापीनेंहोजी ॥ जोगमुद्राइथरीहा
थ ॥ कु० ॥ [illegible] ॥ कु० ॥ अत. ॥ संघाचारसाथ्यें ॥ सिंहासथेंसी
सन्नो ॥ पाएठविठणपायपिठमी ॥ करधरीयजोगमुद्रो ॥ जिणनाहोदेशनं
कुणई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कु० ॥ त्रिछदिशेंजिनज्ञारीपाहोजी ॥ प्रतिबिंब
धरेविख्यात ॥ कु० ॥कु०॥ धुपघटितिहांमहमहेहोजी ॥ आवश्यकेंसुणीजा
त ॥ कु० ॥ २०० ॥ कु०॥ कु० ॥ कुमतीमदजेहथीगलेहोजी ॥ जि
मदेपाय ॥ कु० ॥ कु०॥ चामरढालेबिछदिशेंहोजी ॥ निरमलतिहासूरराय
कु० ॥१॥ कु० ॥ कु० ॥ अगनीकूणेंप्रसूजीयकीहोजी ॥ सिंहासनरचेताम
॥ कु० ॥कु०॥ बेसेंजेष्टगणधरतिहांहोजी ॥ गुणगणकेराधाम ॥ कु०
कु० ॥ कु० ॥ पेसेपुरवद्वारणेंहोजी ॥ मुनीविमानीकनारी ॥ कु० ॥ कु० ॥
साधवीतीमप्रणमीकरीहोजी ॥ बसेअगनीकुणेंगारी ॥कु०॥३॥ कु०॥ कु० ॥
सवणपतीवणजोतिपीहोजी ॥ तेहनीदेवीजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसेदक्षिण
द्वारणेंहोजी ॥ बेसेंनैरतिकूणेंतेह ॥ कु० ॥ ४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सवणपती

वणजोतीषीहोजी ॥ पेसेपछीमद्वार ॥ कु० ॥ कु० ॥ वावकुर्णेतेउपविसें होजी ॥ जिननेंकरीनमस्कार ॥ कु० ॥ ५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ वैमानी कसुरतिमवलीहोजी ॥ नरनेंनरनीनारि ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसीउत्तरबारणें होजी ॥ बेठेईशानकुर्णेगारि ॥ कु० ॥ ६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सापनकुलमृगमृ गपतिहोजी ॥ कुकडनेमार्जार ॥ कु० ॥ कु० ॥ जातिवैरविशारीनेहोजी ॥ बेसेबिजेप्राकार ॥ कु० ॥ ७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ यानविमाननरदेवनाहोजी ॥ रहेत्रीजागढमाहि ॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीदायककहेहोजी ॥ सांत्तलोवलीउठा हि ॥ कु० ॥ ८ ॥ कु० ॥ राजनजी ॥ दीठीराणीतीहांकिर्णेहोजी ॥ सांत लीलसोउल्लास ॥ कु० ॥ कु० ॥ आठमेरवमेनवमीकहीहोजी ॥ ढालप दमेंएरास ॥ कु० ॥ ९ ॥ कु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ सामग्रीसकलसजकरी ॥ गजवरवेठोगेलि ॥ वाजीत्रवकुपरेंवाजते ॥ करतापरें२केलि ॥ १० ॥ नयरबाहिरजवनीकल्यो ॥ परीवतवकुपरीवार ॥ समवसरणसोहामणा ॥ दिठुदरिसउदार ॥ ११ ॥ उत्तरद्वारेंआविउ ॥ पुल कीतथईपवीउ ॥ जगविख्यातजीनेसरु ॥ दरिसणनयणेंदिउ ॥ १२ ॥ प्रण मीजीनवरपाउले ॥ स्तवनाकरेरशाल ॥ सावधानथईसांत्तले ॥ स्वरपदवर्णवि शाल ॥ १३ ॥ ढाल ॥ लावो २ नेंराजिमुघामुलामोती ॥ एदेशी ॥ सवीतूमें वदोरेअरीहादेवजिणंदा ॥ गुणगणकदोरेनमताजाश्तवफदा ॥ एआकणी॥ जयपरमेश्वरजगदानदन ॥ जयजगवल्लसनाथ ॥ जयत्रीसूवनएकमगलरू पी ॥ जयतूशीवपुरसाथ ॥१४॥ सवी० ॥ जयजोगीसरसेवीतपदकज ॥ ज यशक्रियगर्जासिह ॥ जयकुर्जयनिर्जितकदर्प्पह ॥जयतूअकलअवीह ॥१५॥ स० ॥ जयसवीकमलवीकाशनदिनकर ॥ जयसूरनरनतपाय ॥ जयमनव छीतपुरणसूरगवी ॥ जयतूअमलअमाय ॥१६॥ स० ॥ जयपारगतजयनी कलकी ॥ जयस्याद्वादसरुप ॥ जयगुणरहीतगुणाकरस्वामी ॥ जयअसरो रअरुप ॥१७॥ स० ॥ जयपरीसहफोजेंऐरावण ॥ जयअजरामरदेव ॥ ज यसवसयसंजनअविनाशी ॥ जयसूरतरूसमसेव ॥ १८ ॥ स० ॥ जय

उजसांहोजी ॥ मुक्ताफलनीजालि ॥कु० ॥ कु० ॥ त्रिसूवननाथ[illegible]
जी ॥ विकसीतकुदज्यूसालि ॥ कु० ॥[illegible]॥ कु० ॥ कु० ॥ [illegible]
हामणोहोजी ॥ पवनेंनाचतोजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ सीहचक्र[illegible]
होजी ॥ गगनलिहनकरेतेह ॥ कु० ॥ ९५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ चामरग[illegible]
लताहोजी ॥ उज्वलजिणीपरेंहस ॥ कु ॥ कु० ॥ देवदुंदुभीघनगाजतीहोजी
सहजनकरेपरसद्य ॥ कु० ॥ ९६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रविमंडलपरेंदिपतूं[illegible]
जी ॥ धरमचक्रपुरजास ॥ कु० ॥ कु० ॥ सामंडलतेजेंतपेहोजी ॥ [illegible]
कतसवीपास ॥ कु० ॥ ९९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिसूवननायकनुरचेहोजी ॥
समवसरणइमचार ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनककमलपगलांठवेहोजी ॥ तेम
णिनवसूविचार ॥ कु० ॥ ९७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सातकमलपुठेंरहेहोजी ॥
दोयउपरिठवेपाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ पुरवद्वारेपेसीनेंहोजी ॥ तिरथनाथ[illegible]
नराय ॥ कु० ॥ ९८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ बेठाप्रदक्षिणादेईनेंहोजी ॥ पुरव[illegible]
नमुखनाथ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पादपीठपगथापीनेंहोजी ॥ जोगमुद्राइसरीहा
थ ॥ कु० ॥ ९९ ॥ कु० ॥ मत. ॥ संघाचारसाध्यें ॥ सिंहासणेबी
सन्नो ॥ पाएठविठणपायपिठमी ॥ करधरीयजोगमुद्रो ॥ जिणनाहोवेठ्यां
कुणई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कु० ॥ त्रिभुदिशेंजिनआरीपाहोजी ॥ प्रतिबिंब
घरेविष्यात ॥ कु० ॥कु०॥ धुपघटितिहांमहमहेहोजी ॥ आवश्यकेंघणीआ
त ॥ कु० ॥ ३०० ॥ कु०॥ कु० ॥ कुमतीमदजेहथीगलेहोजी ॥ जिनवरस
मदेषाय ॥ कु० ॥ कु०॥ चामरढालेबिभुदिशेंहोजी ॥ निरमलतिहासूरराय ॥
कु० ॥१॥ कु० ॥ कु० ॥ अगनीकूणेंप्रसूजीथकीहोजी ॥ सिंहासनरचेताम
॥ कु० ॥ कु०॥ बेसेंजेष्टगणधरतिहांहोजी ॥ गुणगणकेराधाम ॥ कु० ॥
कु० ॥ कु० ॥ पेसेपुरषबारणेंहोजी ॥ मुनीविमानीकनारी ॥ कु० ॥ कु० ॥
साथवीतीमप्रणमीकरीहोजी ॥ बसेअगनीकुणेंगारी ॥कु०॥२॥ कु०॥ कु० ॥
सवणपतीवणजोतिषीहोजी ॥ तेहनीदेवीजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसेदक्षिण
बारणेंहोजी ॥ बेसेंनैरतिकुणितेह ॥ कु० ॥ ४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सवणपती

र्मअशुद्धरे ॥ ३३ ॥ तेढे० ॥ तोजनपरघरजायवु ॥ वलिपमगादीकघरेजेह
रे ॥ तेहघर्मउछेदवो ॥ जुक्तिनवीथापेतेहरे ॥ ३४ ॥ जु० ॥ जीवादिकस्याद्वा
दथी ॥ घटेबधादिकसदसावरे ॥ तेजुगतिवलीथापवु ॥ एशुद्धघरमढेतावरे ॥
॥ ३५ ॥ ए० ॥ एहजुक्तीनरवमीसके ॥ तेतापअशुद्धविचाररे ॥ तिणेंनी
त्यानीत्यजाणीइ ॥ जीवअस्तीनास्तीपरकाररे ॥ ३६ ॥ जीव० ॥ धर्मअने
कइमजीवना ॥ ठरेसूखडुखवधर्नेमोखरे ॥ धर्मअनेकनमानीइ ॥ तोउलटा
होइदोषरे ॥ ३७ ॥ तो० ॥ अस्तीस्वरुपेंजाणीइ ॥ पररुपेंनास्तीस्वसावरे ॥
नहीतोवीसीष्टअसावथी ॥ सवीएकरुपहोयसावरे ॥ ३८ ॥ स० ॥ नित्यए
कांतेसाधीइ ॥ तोकिमडुखक्षयनेंहेतरे ॥ अनुष्टानकरेलोकए ॥ सूखलहेवा
नेंसकेतरे ॥ ३९ ॥ सु० ॥ कहिइएकतिअनीत्यजो ॥ तोसवनअनतरनाशरे॥
जिवपरिणामीअसावथी ॥ केहनेंसूखडुखनीआशिरे ॥ ४० ॥ के० ॥ सेदा
सेदइमजाणीइ ॥ तिमएकअनेकवीचाररे ॥ स्याद्वादरीतेंकरी ॥ उलपोआत
मनीरधाररे ॥ ४१ ॥ उ० ॥ मिथ्यात्वादिकवधना ॥ हेतूइकरीबांधइकर्मरे ॥
सम्यक्तादिकसावथी ॥ क्षयकरीलहेशाश्वतसर्मरे ॥ ४२ ॥ क्ष० ॥ सेदासे
दजीवनेंतनु ॥ रुपीनेंअरुपीतेमरे ॥ कर्त्तासोक्ताउसयढे ॥ बधादिकपणिघटे
इमरे ॥ ४३ ॥ ब० ॥ जीवशरीरपणिसिन्नढे ॥ जेकारणइणसवपापरे ॥ अन्य
शरीरेंआतमा ॥ परसवसोगवेसतापरे ॥ ४४ ॥ प० ॥ अन्यकरेअन्यसोगवे ॥ ते
तोनघटेसर्वप्रकाररे ॥ तिणेंअसेदकोईरीतीढे ॥ इमसेदासेदउदाररे ॥ ४५ ॥
इ० ॥ बधअनादीप्रवाहथी ॥ कचनपत्थरसमतेहरे ॥ नहितोशुद्धस्वरुपनें ॥
कर्मवलगेइटनएहरे ॥ ४६ ॥ क० ॥ तेहनोअतपणिसव्यनें ॥ होइपुत्रपीता
परेंजाणिरे ॥ कुकमीअमपरेंवली ॥ असव्यनेंनीत्यवपाणिरे ॥ ४७ ॥ अ० ॥
तासवीनासउपायनें ॥ सेवीवरीआसीइअनतरे ॥ तेहतणोनवीअतढे ॥ प्रध्व
शअसावपरेंततरे ॥ ४८ ॥ प्र० तेहकारणसवीकीजीइ ॥ तेहकर्मविनाशउपा
यरे ॥ समकितधुरिअगीकरो ॥ जिमसवीगुणथीरताथायरे ॥ ४९ ॥ जि० ॥
देवगुरुनेंधर्मनी ॥ रुचीतेसमकीतकहेवायरे ॥ वितरागसर्वज्ञजे ॥ तेदेवपणें

गतरागद्वेषगतवेदा ॥ जयगतरोगनेंशोग ॥
जयगतजोगविजोग ॥१ ॥ स० ॥ जयसर्वज्ञतथासर्वदर्शी ॥
अनंत ॥ जयअपुनर्भवजयजयनीरुपम ॥ जयसगवतसवत
जयतूअचलअनंतअखंड ॥ जयअक्षयअवीकार ॥ जयनं
अयोगी ॥ जयतूमार्गदातार ॥२ १॥ स० ॥ जयज अ
जयनीरंहनि सग ॥ जयशाश्वतसूखअव्याबाधह ॥ ज
ग ॥२ २॥ स० ॥ जयपुरणानदीपरमातम ॥ जयचिदअमृतपानि ॥
जगुणकर्त्तातहसोक्ता ॥ जयतूअकहकहानी ॥२ ३ ॥ स० ॥
णानतअलपमुझबुद्धी ॥ जयजीनवरकिमकहीइ ॥
यकहे ॥ प्रगटेतोसवीलहीइ ॥२ ॥ स० ॥ ॥ ५ ॥
॥ ढ्ढा ॥ जनपतीइमजिनराजनी ॥ स्तवनाकरीशनाह ॥ प्रणमेगणधरमुनी
पती ॥ इमअणगारउगाह ॥ २ ॥ उचितथानिकेंउपविसे ॥
वार ॥ दिइप्रसूजीपणिदेशना ॥ सवसयसजणहार ॥ ३ ॥ ढाल ॥
पाचेंवादतांमनमोहुरे ॥ एदेशी ॥ प्राणीजीनवाणीसूणो ॥ तूमेंगांमीमोहज
जालरे ॥ पामीनरसवदोहिलो ॥ मतखोवोआलपपालरे ॥ २ ७ ॥ मतखोवो
आलपपाला॥ फिरी २ दोहिलोजीनधर्मरे॥जिनधर्मनोमर्मलहीकरोजिणीपरेपा
मीइशीवशर्मरे ॥ एआंकणी ॥ जिवअनादीअनतछे ॥ कर्मेसजुत्तपरवाहरे ॥
पापथीडरवीउधर्मथी ॥ सूखीउसवीदर्शनराहरे ॥ २ ८ ॥ सूख० ॥ चारीत्र
श्रुतदोयसेदथी ॥ धर्मपरषीजेंअणिसेयरे ॥ एककसनेंबीजोछेदथी ॥ तापक
नकपरेंपरषेयरे॥२ ॥ ताप० ॥ जिहांसावद्यनीषेधछे॥ टालेरागादिकजिहां
ध्यानरे॥एहकशोटीइसूद्धछे॥जिमकनककशोटीइदानरे॥३ ०॥जीम०॥सूक्ष्मबा
दरजीवनी॥जिहांहिंसानोनहीत्यागरे॥तेहअशुधधर्मजाणीशावलिरागादीकन
हीत्यागरे ॥३ १॥वले॥ जिहासयमअप्रमत्तता ॥ लिइआहारादीकजीहांशुद्ध
रे ॥ छेदशुद्धतेधर्मछे ॥ इणिपरेंसासेस्वयबुधरे॥ ३२ ॥ इणी० ॥ पचसुमतिच
णिगुपतीजे ॥ सदाकालपालेसवीशुद्धरे ॥ एहथीविपरीतजेहोइ ॥ तेछेदथीच

पहेरेवल्कलवस्त्रजो ॥ रुडीरेतरुआनीत्रोटीकानमांरेलो ॥ होसु० ॥ तेहनी सार्थेनीत्यजो ॥ गिरीनीकुजमांसुपसोगवतोमांनमांरेलो ॥ ६५ ॥ होसु० ॥ बीपमरीतूतिणीवारजो ॥ आव्योरेएकगढमुनीवरनोतिहांकिणेरेलो ॥ होसु० ॥ पंचमष्टपरीखीन्नजो ॥ देषीनेंअनुकपाआवीतूऊमनेंरेलो ॥ ६६ ॥ होसु० ॥ तुऊमनमांथईचिंत्तजो ॥ विषमगीरीकतारमांकिमश्णीपरेस्तमेरेलो ॥ होसु० ॥ जईपुछ्युंततकालजो ॥ मुनीकहेसूलापथथीतिणेंसमीश्अमेरेलो ॥ ६७ ॥ होसु० ॥ श्रीमतीकहेसरतारजो ॥ एहतपस्वीफलमुलादिकआपीशरेलो ॥ होसु० ॥ विंध्यनीअटवीसीमजो ॥ पारिउतारीएहतणाऊखकापीशरेलो ॥ ६८ ॥ ॥होसु० ॥ एहनीधानसमानजो ॥ किधीरेतूऊसेटिबीधाताश्खरीरेलो ॥ होसु० ॥ श्मसांसलीतसवाणिजो ॥ उठ्योरेरोमांचितअतीहरपेंसरीरेलो ॥ ६९ ॥ होसु० ॥ लाव्योमुलनेंकदजो ॥ अदसूतफललाव्योतवश्ममुनीवरसणेरेलो ॥ होसु० ॥ नवीकलपेअम्हएहजो ॥ जिणवरेंकीधनीपेघनवीलेउतिणेंरेलो ॥ ॥ ७० ॥ होसु० ॥ बोल्योसवरसूपालजो ॥ अमउदवेगहोशतिणेंकारणलीजीशरेलो ॥ होसु० ॥ मुनीवरजाणीसावजो ॥ लासालासविचारीश्मवदिजीशरेलो ॥ ७१ ॥ होसु० ॥ लावोफलमुलकंदजो ॥ वरणगधपलटाणांहोशजेहनारेलो ॥ होसु० ॥ जेवऊकालनांलीधजो ॥ सबरायतेसुसलीवयणांतेहनांरेलो ॥ ॥ ७२ ॥ होसु० ॥ परीणतफलमुलकंदजो ॥ लाव्योगिरीगुफाथीमुनीपमीलासीआरेलो ॥ होसु० ॥ पथचढाव्यातामजो ॥ नारीसहीतशुसस्तावथीधन्यनीजमानीआरेलो ॥ ७३ ॥ होसु० ॥ मुनीशेपणकसोधर्मजो ॥ सांसलीकर्म्मबीवरथीतूमेंअगीकरयोस्लो ॥ होसु० ॥ दिधोतूमनवकारजो ॥ शिवसुखकारणेतूमेंसक्तिहृदेंधरयोरेलो ॥ ७४ ॥ होसु० ॥ अतिशयज्ञानीतेहजो ॥ जाणीरेउपगारकहेवलीशणिपरेरेलो ॥ होसु० ॥ पछमाएकदिनसारजो ॥ सावयआरंसवरजीनेंशणीपरेंकरेरेलो ॥ ७५ ॥होसु० ॥ एकांतेंरहीतामजो ॥ नवपदनेंतूंससारेदृढमनकरीरेलो ॥ होसु० ॥ तुऊनेंमारेकोयजो ॥ तोपणितेरहेवुसमताशुसआदरीरेलो ॥ ७६ ॥ होसु० ॥ श्मपालीजीनधर्म्मजो ॥ पामस्यो

ठहेरायरे ॥ ५० ॥ ते० ॥ परीषहआरसजिणेंतज्या ॥
रे ॥ उपगरणधर्मनाजेहछे ॥ तेचारीत्ररक्षणअछरे ॥ [illegible] ते० ॥
जेसाधीउ ॥ तेधर्मकहिजेंसतरे ॥ एसमकीतव्यवहारची ॥
तमततरे ॥ ५२ ॥ नी० ॥ इमसमझीअगीकरो ॥
देशनासासलीइणीपरें ॥ लहीपरषदाहर्षअपारे ॥ ५३ ॥ ल० ॥ हाथजोडी
प्रणमीकरी ॥ कहेप्रभुतुम्हवचनप्रमांणरे॥ तुमसमदेशककोनही ॥ परिखा
इमकरतीवषाणरे ॥ ५४ ॥ घ० ॥ केईकसमकीतपामीआ ॥ केईदेशवीरती
लहेसत्वरे ॥ सकलसंगछांडीकरी ॥ केईचारीत्रलीइलहीतत्वरे ॥ [illegible]
केईसद्धकसावीथया ॥ कहीआठमेखमेढालरे ॥ पद्मवीजयेंदशमीसही ॥
णोआगलवातरसालरे ॥ ५६ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८
॥ ढहा ॥ नयणेंदिठीनारीनें ॥ समवसरणमांसार ॥ चिंताचईमुझचित्तमां ॥
निश्चयएमुझनारि ॥ ५७ ॥ किमएईहांआवीकहो ॥ बलीससारयुवयण ॥
मत्रसिरेंसाष्युमनें ॥ राणीदेषीरयण ॥ ५८ ॥ पुहुजीनवरनेप्रसू ॥ परसक
स्युकस्युपाप ॥ राणीवीरहथीरोवतां ॥ सबलपयोसताप ॥ ५९ ॥ इतिपरें
धारीआदरे ॥ कुमरजीपुछयुंकेम ॥ पूर्वकर्मविपाकजे ॥ अरीहासमवेंइम
॥ ६० ॥ ढाल० ॥ होपीउपातलीआनारीगुणावलीतांमजो ॥ पजरीछंकरली
थोऊरतेलोयणेरेलो ॥ एदेशी ॥ होसूणिराजनीआ ॥ जबुद्वीपमझारीजो ॥
विध्याचलइणनामेंपरवतसोहतोरेलो ॥ होसू० ॥ उंचपीउंचणीतछजो ॥ जा
जुल्यमांनदिपकपरेंतिणेंमनमोहतोरेलो ॥ ६१ ॥ होसू० ॥ चदनप्रमुखवृ
गधजो ॥ बहुपषीगणशब्दकरेसोहामणारेलो ॥ होसू० ॥ सिहरसेणतुझना
मजो ॥ शबरतणोतूरायबलमांनहीमणारेलो ॥ ६२ ॥ होसू० ॥ बहुजीव
नोकरेघातजो ॥ विषयमुर्छितनुअतीसयचरणीस्युरहेरेलो ॥ होसू० ॥ रोझ
हरिणनेंरीछजो ॥ करेविजोगजुगलनोमनमांसूस्वलहेरेलो ॥ ६३ ॥ होसू० ॥
सुखअसीलाषतिहजो ॥ बनमरितेवीहतातूझचीचरहेरेलो ॥ होसू० ॥ भी
मतीताहरेनारिजो ॥ गुंजाफलमालानांआसरणांचरेरेलो ॥ ६४ ॥ होसू० ॥

पहेरेवल्कलवस्त्रजो ॥ रुमीरेतरुआनीओटीकांनमांरेलो ॥ होसु० ॥ तेहनी सार्थेनीत्यजो ॥ गिरीनीकुजमांसुषसोगवतोमांनमांरेलो ॥ ६५ ॥ होसु० ॥ षीषमरीतूतिणीवारजो ॥ आव्योरेएकगजमुनीवरनोतिहांकिणेरेलो ॥ होसु० ॥ पंथभष्टपरीखीन्नजो ॥ देषीनेंअनुकपाआवीतूकमनेंरेलो ॥ ६६ ॥ होसु० ॥ तुकमनमांथईचिंत्तजो ॥ विषमगीरीकतारमांकिमइणीपरेसमेरेलो ॥ होसु० ॥ जईपुछ्युततकालजो ॥ मुनीकहेसूलापथथीतिणेंसमीइअमेरेलो ॥ ६७ ॥ होसु० ॥ श्रीमतीकहेसरतारजो ॥ एहतपस्वीफलमुलादिकआपीइरेलो ॥ होसु० ॥ विंध्यनीअटवीसीमजो ॥ पारिउतारीएहतणाडखकापीइरेलो ॥ ६८ ॥ ॥होसु० ॥ एहनीधात्रसमानजो ॥ किधीरेतूकसेटिवीधाताइखरीरेलो ॥ होसु० ॥ इमसांसलीतसवाणिजो ॥ उठ्योरेरोमांचितअतीहरषेंसरीरेलो ॥ ६९ ॥ होसु० ॥ लाव्योमुलनेंकदजो ॥ अदसूतफललाव्योतवइमुनीवरसणेरेलो ॥ होसु० ॥ नवीकलपेअम्हएहजो ॥ जिणवरेंकीधनीषेधनवीलेउतिणेंरेलो ॥ ॥ ७० ॥ होसु० ॥ बोल्योसबरसूपालजो ॥ अमउदवेगहोइतिणेंकारणलीजीइरेलो ॥ होसु० ॥ मुनीवरजाणीसावजो ॥ लासालासविचारीइमवदिजीइरेलो ॥ ७१ ॥ होसु० ॥ लावोफलमुलकदजो ॥ वरणगधपलटाणाहोइंजेहनारेलो ॥ होसु० ॥ जेवडकालनांलीधजो ॥ सबरसयतेसासलीवयणांतेहनारेलो ॥ ॥ ७२ ॥ होसु० ॥ पसीणतफलमुलकंदजो ॥ लाव्योगिरीगुफाथीमुनीपमीलासीआरेलो ॥ होसु० ॥ पथचढाव्यातामजो ॥ नारीसहीतअुसासावथीधन्यनीजमानीआरेलो ॥ ७३ ॥ होसु० ॥ मुनीइंपणकसोधर्मजो ॥ सांसलीकर्म्मबीवरथीतूमेंअगीकरयोरेलो ॥ होसु० ॥ दिधोतूमनवकारजो ॥ शिवसुखकारणतेतूमेंसक्तिहृदेंधरयोरेलो ॥ ७४ ॥ होसु० ॥ अतिशयज्ञानीतेहजो ॥ जाणीरेउपगारकहेवलीइणिपरेरेलो ॥ होसु० ॥ पछमांएकदिनसारजो ॥ सावधआरंसवरजीनेंइणीपरेंकेरेरेलो ॥ ७५ ॥होसु० ॥ एकांतेंरहीतामजो ॥ नवपदनेंतूंससारेदृढमनकरीरेलो ॥ होसु० ॥ तुकनेंमारेकोयजो ॥ तोपणितेरहेवुसमताअुसआदरीरेलो ॥ ७६ ॥ होसु० ॥ इमपालीजीनधर्म्मजो ॥ पामस्यो

सुरसुखथोमाकालमांहितूमेरेलो ॥ होसु० ॥ अगीकारकरेदोयजो ॥ साधुवा
एएछेतिर्णेनीस्तरीयांअमेरेलो ॥ ॥ होसु० ॥ मुनीईकिधविहारजो
एहअसीपहपालेविकुजिममुनीकसोरेलो ॥ होसू० ॥ वर्द्धमानसंवेगजो
एकदिनपडीमापोसहतिहादपतीपसोरेलो ॥ ॥ होसू० ॥ तिहांअन्यो
एकसीहजो ॥ गजकुसस्थलदारणनेरसीउघणरेलो ॥ होसू० ॥ श्रीमतीवी
हनीतामजो ॥ देषीनेंसीलउठ्योघरीसाहसपणरेलो ॥ ॥ होसू० ॥
धनुषतिरलिश्हाथिजो ॥ कहेमतबिहेनारीतूएकसरेहणरेलो ॥ होसू० ॥
श्रीमतीबोलेतामजो ॥ एहमानहीसंदेहपराक्रमतूमतणरेलो ॥ ॥ होसू० ॥
पणिगुरुवयणपलायजो ॥ गुरुश्कसूप्राणातकरेकोईवधप्रतेरेलो ॥ होसू० ॥
तेरवमज्योचित्तमांहिजो ॥ किमगुरुवयणटथाकरीइसमरणअंतेरेलो ॥ ॥
होसू० ॥ परसवबधुसूतजो ॥ तेगुरुवयणरसायणकरीनेंजाणीइरेलो ॥ होसू० ॥
नारीनेंकहेइमसीलजो ॥ सत्यकसुतेवयणगुरुबहुमानीइरेलो ॥ ॥
होसू० ॥ तूझमोहेंकरयुइमजो ॥ मुक्युधनुषतीरम्हेंगुरुवयणेंरसोरेलो ॥ होसू० ॥
इणिअवसरतेसीहजो ॥ उठालीलांगुलनेंतिसनमुखथयोरेलो ॥ ८३ ॥ होसू० ॥ नें
चित्युमनमांहिजो ॥ गुरुआणापरीपालणकसवटिएषरोरेलो ॥ होसू० ॥ उप
गारीएहसीहजो ॥ इमचिंतनथूसकरताआव्योउहकरोरेलो ॥ ८४ ॥ होसू० ॥
दपतीदोयविनासजो ॥ किधोरेउपसर्गतितूमेअहीआसीअरिलो ॥ होसू० ॥
सोहमदेवलोकमांहिजो ॥ दपतीउपनाऋद्धीवतआवासीअरेलो ॥ ॥
होसू० ॥ पल्योपमएकआयजो ॥ सोगवतांअग्यारमीढालसोहामणीरेलो ॥
होसू० ॥ आठमेखमेएहजो ॥ पद्मविजयकहेवातसूणोआगेंघणीरेलो ॥ ८६ ॥
॥ ढुहा ॥ जबुद्वीपमांविकुजणां ॥ अपरवीदेहअनुप ॥ नयरचक्रपुरनिरखी
इ ॥ सलोगुरुमृगांकसूप ॥ ८७ ॥ कामिनीबालषदाकही ॥ तसकूषेंअव
तार ॥ समरमृगाकठवेसूरवें ॥ नामगुरुनिरधार ॥ ८८ ॥ सालोनृपनोसोह
तो ॥ सुतूपणसिरदार ॥ कुरूमतीनारीकूषमां ॥ तूकनारीअवतार ॥ ८९ ॥
अशोकदेवीएहवु ॥ थाप्युनामथीरथाव ॥ कलामहणकरताविकु ॥ जौवन

पाम्यांजाव ॥ ९७ ॥ तुमविवाहथयोविक्रतणो ॥ परण्यादिनसुपसत्त ॥ सु
खसोगवतांस्वर्गनां ॥ जाणेकालनजत्त ॥ ९१ ॥ रागघणोत्तीरमणनें ॥ इम
करतांएकदीन्न ॥ पलिदेषीप्रथवीपती ॥ परसंवेगप्रपन्न ॥ ९२ ॥ राज्यदेई
तूक्रराजीउ ॥ देवीस्थूलिश्रदिष ॥ राज्यपालेतुरगस्यु ॥ सक्रअरीनेंदिश्री
ष ॥ ९३ ॥ मास्यानीरदयमनकरी ॥ वलितीर्यंचवीजोग ॥ हवेविपाकसु
णितेहना ॥ सघलाकटुकसयोग ॥ ९४ ॥ ढाल० ॥ पहेलीनेंवामेंहोजीवि
रजीनवरकहे ॥ एदेशी ॥ तिणहीजविजश्होजीगगानयरीश ॥ सिरीवलरा
जारेराज्यकरेतीहाजी ॥ तेहस्युसहजेंहोजीविषहतूक्रथयो ॥ सूसटसनुरा
रेगयासिरिवलजीहांजी ॥ ९५ ॥ तोपणितेहस्युहोजीसग्रामर्मांमीउ ॥ शेष
सैन्यपणितिणेंमारयुयदाजी ॥ तुक्रपणिमास्योहोजीकालकरीतीहा ॥ रौद्र
ध्यानथीरेगयोनरगेंतदाजी ॥ ९६ ॥ सत्तरसागरहोंजीआउषुनाहरु ॥ ता
हरीराणीरेमरणतेसांसलीजी ॥ मुरछापामीहोजीचेतनावलीलही ॥ करेनिया
णरेश्णिपरेंतेवलीजी ॥ ९७ ॥ जिहामुक्रस्वामीहोजीहोश्उपना ॥ तिहांमुक्र
होज्योरेउपजवुपरुजि ॥ इमकहीपेठीहोजीबलतीअगनीमा ॥ क्लिष्टचित्तथी
रेकष्टसहुआकरूजी ॥ ९८ ॥ सत्तरसागरहोजीआउपेउपनी ॥ महाडख
सहेतारेअनुक्रमेंविक्रजणांजी ॥ तिहांथीनीकलीहोजीपुरकराअर्ईमां ॥ सरत
षेत्रमांरेनिरधनजेघणांजी ॥ ९९ ॥ तेविक्रउपनाहाजीसीन्न २ घरें ॥ वि
क्रजणपरण्यारेअनुक्रमेंदपतीजी ॥ आजिविकानुहाजीदूखतूमेंअनुसवो ॥
सिक्षाश्आप्यारेएकदिनमहासतिजी ॥ ७ ० ० ॥ देषीतेहनेंहोजीसरधावाधर्ते ॥
प्रासुकसीक्षारेरोमांचितथईजी ॥ आपीनेंपुछयूहोजीकिहांरहोछोतुम्हे ॥ त
षतेबोलीरेमुख्यजेसजईजी ॥ १ ॥ वसूसेठघरनेहोजीपासेउपासरें ॥ नयरमा
रहीश्रेश्मसूणीहरषीआंजी ॥ सांकेलेईहोजीफूलतिहांगया ॥ सुव्रतागु
रुणीरिनामेंनीरषीआंजी ॥ २ ॥ पुस्तकसाहमीहोजीदृष्टीठवीकरी ॥ तनु
जसनालारेसमरतेलोयणांजी ॥ सुवयणकमलाहोजीसोहेज्युकमलिनी ॥ ह
रषेंवधारेविस्मीतदोयजणांजी ॥ ३ ॥ अगअग्यारेहोजीजीसनेंटेरुश ॥ धर्म

लासदिधोरेकरउचोकरीजी ॥ प्रसूजीवदोहोजीकुसुमबुठिकरी ॥ संथारसो
गरसुरवेंजाउतरीजी ॥ ४ ॥ इमसुणीजिनवरहोजीवदिदेहरे ॥ गणिणीतणी
पेरेआवीउपवीसजी ॥ गणिणीपुत्रेहोजीकिहांतुमवासछई ॥ गोचरीआवीछे
एकुतोइहांवसेजी ॥ ५ ॥ अम्हेंगयांगोचरीहोजीएहतणेघरे ॥ छस्वामी
तपणाठेसामीनीजी ॥ सर्वेआव्याहोजीजिनवरवांदवा ॥ गणिणीबोल्यारि
वातकरीकामनीजी॥६ ॥ धर्मतेजगमांहोजीसरणआधारछे ॥धर्मनेमुंकीरेकरम
टालनहीजी ॥ इंद्रजालसमहोजीकेसुपनासमो ॥ चलनेअशारेनरसवरह
हीजी ॥ ७ ॥ धर्मकरेनहीहोजीविषयनोलोखपी ॥ चंदनबालीरेपं
गाराकरेजी ॥ धर्मथीलहीइहोजीशाश्वतसुखघणां ॥ योमेकालेरेकुशनजी
नवरेंजी ॥ ८ ॥ तिणेंतुमेआव्यांहोजीतेहुमुकरयु ॥ जिनमुनीदरीशणप
तीपावनकसूजी ॥ इमतुमेसांसलीहोजीशुद्धहृदयथकी ॥ मांसनेंमधुनुरे
पचखाणतुमेलसुजी ॥ ६ ॥ उठवावेलाहोजीगणिणीइंकसुं ॥ नित २ आव
ज्योरेसुणवाधर्मनइजी ॥ डखसकुजास्येहोजीतूमचाअगची ॥ वचनतेवा
म्यरेजाणीसमनेंजी ॥ १० ॥ घरेहवेआव्यांहोजीधर्मतेनीतकरो ॥ अनुंक
मेंतुम्हनेंरेशुद्धश्रावकपणकजी ॥ विषयविसुखथीहोजीपाछीधर्मनें ॥ क
रीब्रह्मलोकेरेलसुसुखसुरतणकजी ॥ ११ ॥ सातसागरनुहोजीआकेरुआउषुं ॥
तिहांथीचवीनेंरेआव्यांनृपघरेजी ॥ सवरजतममांहोजीकर्मकरयांतुम्हें ॥
डखतसनरगेरेसहीयांपरपरेंजी ॥१२॥ मनुजनासवमांहोजीडखकांयसोल
म्यां॥उदयेंआव्यूरेशेषरसूतिकेजी॥इमजाणिनेंहोजीकर्मनकीजीशातासउदय
थीनरविहेजीकेजी ॥ १३ ॥ लाकनाथनीहोजीसांसलीवाणीनें ॥ परमर्ष
वेगेरआतमसाधीउंजी ॥ कहेजीनवरजीहोजीधर्मसलोकसो ॥ प्रसूजीपशाई
रेवैरागआवीउंजी ॥ १४ ॥ दिक्षालेस्युहोजीप्रसूजीपाउखे ॥ जगगुरुबोलेरे
प्रतीबधमतकरोजी ॥ लिघीदीक्षारेसूवनगुरुकर्नें ॥ एहवृत्तांतरेकसोनेंगाइ
रोजी ॥ १५ ॥ कनकपुरेंम्हेंहोजीतेतुम्हनेंकसो ॥ संवेगउपनोरेसांसलीवा
तमीजी ॥ गुणचद्रांचितेहोजीडुटवीपाकठे ॥ [illegible] कहिइरेमोहनीजान

मीजी ॥१६॥ आठमेखंडहोजीढालबारमी ॥ साषीइमम्हेंरेपद्मवीजयकहेजी॥ समरादित्यनेंहोजीरासेंसोहामणी ॥ सुणतामंगलमालसवीलहेजी ॥ १७ ॥ ॥ डुहा ॥ गुणचंदकुमरकहेगुणी ॥ अम्हनेकरयोउपगार ॥ कहेतांआपकथातू म्हे ॥ प्रगटउतास्यापार ॥ १८ ॥ धरमअमेधारयोषरो ॥ पामीतुम्हपशाय ॥ मिथ्यावीकल्पसवीमिटया ॥ अम्हनेंवतश्शाय ॥ १९ ॥ पणिगिहीधरमपशा यकरि ॥ विपहकहेतववाणि ॥ महेरकरीतूम्हेमुझनें ॥ आपोअनुवत्तजाणि ॥ २० ॥ विधीश्रावकव्रतलीआं ॥ वधागुरुवझमान ॥ गुरुधर्मलासदेईगदो॥ सूणितूवातसयान ॥ २१ ॥ आव्याअवसरउलषी ॥ अमेतूझबोधनआज ॥ रतनपुरीचीराजीआ ॥ कहेसीधुअमकाज ॥२२ ॥ पाछुतिहांजईपोहचवु ॥ मुनीवरतिहांवझमुझ ॥ वाटिजोतांहोस्येंवली ॥ तिणेंसांसलिकझतूझ ॥२३॥ अयोध्यामांअमतणो ॥ मिलवुपस्येकुमार ॥ दृढव्रतहोज्येदाषवी ॥ अदसूं तहवेअणगार ॥ २४ ॥ सझसाधुस्युसत्वरया ॥ गगनपथगुरुराय ॥ वंदेकुम रविपहविझ ॥ अनुक्रमेंअदृशथाय ॥ २५ ॥ हवेअयोध्याहर्षस्यूचाल्याच तुरविचारि ॥ बाणमतरनीवातनो ॥ पसणहवेप्रकार ॥२६॥ ढाल॥झवारीरगढो जनां ॥ एदेशी ॥ तेहजदिवसेंतिहागयोहोराजि ॥ बाणमतरपगजेहरे ॥ उमा वेएहवीवातमी ॥ कुमरनापरीजनआगलेहोराजि ॥ कुमप्रपचकरेतेहरे ॥ ॥ २७ ॥ उ० ॥ विपहराश्मारीउहोराजि ॥ सपामेंगुणचंदरे ॥उ०॥ अवणपर परासांसलेहोराजि ॥ मैत्रीबलजेनरिंदरे ॥ २८ ॥ उ० ॥ नरपतीतेनवीसरद हेंहोराजि ॥ रतनवतीसूणेजामरे ॥ उ० ॥ मुर्छालहीधरणीढलीहोराजि ॥ आ श्वासेपरीजनतामरे ॥ २९ ॥ उ० ॥ रायसूणीतीहांआवीउहोराजि ॥ नयणें नीरनमायरे ॥ उ० ॥ रतनवतीचरणेंनमीहोराजि ॥ कहेसूणीश्महारायरे ॥ ॥ ३० ॥ उ० ॥ झमवसाग्यसीरोमणीहोराजि ॥ पेसूअगनीमझारिरे ॥ उ०॥ आणायोजीवीततजुहोराजि ॥ गयोमुझप्राणआधाररे ॥ ३१ ॥ उ० ॥ प्रा णनिठोरहजीरसाहोराजि ॥ योआणमुझआजरे ॥ उ० ॥ सूरलोकेंसगमहो श्होराजि ॥ आर्यपुत्रस्यूकाजरे ॥ ३२ ॥ उ० ॥ सोहागणसूणिवातमीहोरा

जि ॥ वृपक हेमकरोएशोकरे ॥ उ० ॥ सत्सवनहीएहवातनोंहोराजि ॥ [illegible]
कोईनलोकरे ॥ ३३॥ उ० ॥ सिंहनेंमारेसीआलीउंहोराज ॥ एहमनाइ[illegible]
रे ॥ उ० ॥ सीहादेखेंसाषीउंहोराजि ॥ पुत्रजनमश्मनेमरे ॥ [illegible] ॥ [illegible]
घनअलीकनतेहनुहोराजि ॥ नहीमुकआकुलचित्तरे ॥ उ० ॥ सूपनदिठुंखे[illegible]
सोहामणहोराजि ॥ अविधवातूकदित्तरे ॥ ३५ ॥ उ० ॥ जनमांतरकोडी[illegible]
रीश्होराजि ॥ कुमकपटकस्युएहरे ॥ उ० ॥ तिणेएवातनकीजीश्होराजि ॥
जिणीवातेंजाश्गेहरे ॥३६॥उ०॥ दैवनीवातअचित्यछेहोराजि ॥ वातहोस्येएह[illegible]
साचरे ॥ उ० ॥ तोअम्हेपणिकीमजीवस्यूहोराजि ॥ मानितूसाचिवाचरे ॥
॥ ३७ ॥ उ० ॥ पवनगतीकाशिदमतेंहोराज ॥ मोकलीउंछेआजरे ॥ उ० ॥
पांचदिवसमांआवस्येहोराजि ॥ पछेजुक्तकरेस्यूंकाजरे ॥ [illegible] ॥ उ० ॥
तिणेमतथाउतावलिहोराजि ॥ मतकरज्येसतापरे ॥ उ० ॥ रत्नवतिक
हेतानजीहोराजि ॥ जिमतूमचोहोयछापरे ॥ ३९ ॥ उ० ॥ पणिजो
तूम्हआणाहोश्होराज ॥ तोदेउनीतदानरे ॥ [illegible] ॥ शांतिकरमवलीति
मकरुंहोराजि ॥ देवपुजाबहुमानरे ॥ ४० ॥ उ० ॥ कुसलवातआर्यपुत्रनी
होराजि ॥ सांसलीश्त्यांसीमरे ॥ उ० ॥ माहरुमनछेएहवुहोराजि ॥ आहारत
णोकरूनेमरे ॥ ४१॥ उ० ॥ रायकहेकरीश्सूर्येंहोराजि ॥ एहमांकोईनंदोशरे
॥ उ०॥ रतनवतीहवेतिमकरेहोराजि ॥ धर्मतणोवरपोसरे॥४२॥ उ०॥ सूपती
निजथानिकगयोहोराजि ॥ सागरईपुजनहेतरे ॥उ०॥ इणेंअवशरितिणेंनीरवी
आंहोराजि ॥ पुरवपुण्यसकेतरे ॥ सजमवतीसाधवी ॥ एआंकणी ॥ [illegible] ॥
विचारसूमीथीआवतांहोराजि ॥ नहिकोईचित्तवीकाररे ॥ स०॥ ज्ञानीतपसी
उपसमीहोराजि ॥ सूवरअगआकाररे ॥ ४४ ॥ स० ॥ साधनासार्वेपरिष
म्यांहोराजि ॥ साझणीनेंपरीवाररे ॥ स० ॥ श्वेतांबिकानृपनीधुआहोराजि ॥
कोसलानृपनीनारीरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ चरणसिरीशविपहधस्युहोराजि ॥ सुस
गताजसनामरे ॥ स० ॥ देपतांरतनवतीतणोहोराजि, ॥ नाठोशोकउद्दामरे ॥
॥ ४६ ॥ स० ॥ मनमांआणदउपनोहोराजि ॥ आतमविर्यउल्लासरे ॥ स० ॥

चितवेअहोसगवतीतणोहोराजि ॥ रुपनेंविषयउदासरे ॥ स० ॥ ४७ ॥ अ
होकुसलताएहनीहोराजि ॥ कृतारथअहोएहरे॥ स० ॥ मुझनेंदरीसणएथयु
होराजि ॥ धन्यथईमुझदेहरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ दरीसणमात्रेंजेहनाहोराजि ॥
पापपडलजाइदूररे ॥ स० ॥ साधवीपासेंतेगईहोराजि ॥ शुसध्यानेंसपुररे॥
॥ ४९ ॥ स० ॥ विनयथीगणिणीवांदियांहोराजि ॥ धर्मलाभदिउतामरे ॥
स० ॥ फिरीवदिनेंबोलतीहोराजि ॥ विनतिसूणोएकआमरे ॥ ५० ॥ स० ॥
डुखीजनवडलगेतूमेहोराजि ॥ किजेएकपसायरे ॥ स० ॥ मुझघरिआवो
स्वामीनीहोराजि ॥ जोनवीरोधकोईथायरे ॥ ५१ ॥ स० ॥ डुखउपसमका
यकथयोहोराजि ॥ तूम्हदरीसणथीआजरे ॥ स० ॥ सफलाबोमुझधर्मनेंहो
राजि ॥ जिमहोवेमुझकाजरे ॥ ५२ ॥ स०॥ धर्मशीलाशुणीवातमीहोराजि॥
एहमांकांयनवीरोधरे ॥ स० ॥ गुरुणीकहेअमेआवस्यूहोराजि ॥ जेहथी
होयतूमवोधरे ॥ ५३॥स०॥ कोईनेंअप्रीतीनउपजेहोराजि ॥ रतनवतीकहेता
मरे ॥ स० ॥ धरमीमुझगुरुजनअछेहोराजि ॥ नहिकोईअप्रीतीछामरे ॥५४॥
॥ स० ॥ गणिणीकहेतोआवस्युहोराजि ॥ साकहेकिधपसायरे ॥ स० ॥
चाल्यासङ्गसार्थेहवेहोराजि ॥ रतनवतीघरिजायरे ॥ ५५ ॥ स० ॥ आउमे
खमेएकहीहोराजि ॥ तेरमीढालरसालरे ॥ स० ॥ पद्मविजयकहेसासलोहो
राजि ॥ शुणतांमगलमालरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ विनयकरीविधिस्यूवली ॥ उत्तमआसनआपि ॥ अलवेंआगलिउ
पविसे ॥ सूणवानेसलाप ॥ ५७ ॥ परिवारपणिवेठोपढे ॥ शुणवाधर्मसकेत ॥
ज्ञानीतवगुरुणीकहे ॥ हवेकरवातसहेत ॥ ५८ ॥ एससारअसारमां ॥ जन
ममहाडुखखाण ॥ जरावलीजीरणकरे ॥ मरणडुखअसमाण ॥ ५९ ॥ मोह
विषयनेंमांनतिम ॥ मठरकोधनेंमाय ॥ लोससायरलषडुखदिइ ॥ इद्रियवि
षयउजाया॥६०॥ सूपीउंनहीसचारमां ॥परमारथथीपेष॥ मुनीवरमुकीमानि
नी ॥ दक्षपणेंतूंदेषी ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ सूदरपापथानिकतजोसोलमु ॥ एदे
शी ॥ सूदररोगीजिमवरवैद्यनें ॥ करीयगवेषणासारहो ॥ सू० ॥ निजडुष

जि ॥ नृपक हेमकरोएशोकरे ॥ उ० ॥ ससवनहीएहवातनोंहोराजि ॥ [illegible]
कोईनलोकरे ॥ २[illegible] ॥ उ० ॥ सिंहनेंमारेसीआलीउंहोराज ॥ एहमनाश[illegible]
रे ॥ उ० ॥ सीआदेशेंसापीउंहोराजि ॥ पुत्रजनमइमनेमरे ॥ [illegible]
चनअलीकनतेहनुहोराजि ॥ नहीमुझआकुलचित्तरे ॥ उ० ॥ सूपनतिहुंखे[illegible]
सोहामणुहोराजि ॥ अविधवातूझदित्तरे ॥ २५ ॥ उ० ॥ जनमांतरकोजो[illegible]
रीइहोराजि ॥ कुमकपटकस्युएहरे ॥ उ० ॥ तिणेएवातनकीजीइहोराजि ॥
जिणीवातेंजाइगेहरे ॥२६॥उ०॥ दैवनीवातअचित्यछेहोराजि ॥ बालहोस्येएह[illegible]
साचरे ॥ उ० ॥ तोअम्हेपणिकीमजीवस्यूहोराजि ॥ मानितूसाचिवाचरे ॥
॥ २७ ॥ उ० ॥ पवनगतीकाशिदमतेंहोराज ॥ मोकलीउंछेआजरे ॥ उ० ॥
पांचदिवसमांआवस्येहोराजि ॥ पछेजुक्तकरेस्यूंकाजरे ॥ [illegible] ॥ उ० ॥
तिणेमतथाउतावलिहोराजि ॥ मतकरज्येसतापरे ॥ उ० ॥ रत्नवतिक[illegible]
हेतानजीहोराजि ॥ जिमतूमचीहोयछापरे ॥ २९ ॥ उ० ॥ पणिजो
तूम्हआणाहोइहोराज ॥ तोदेउनीतदानरे ॥ उ० ॥ शांतिकरमबलीति
मकरुंहोराजि ॥ देवपुजाबहुमानरे ॥ ३० ॥ उ० ॥ कुसलवातआर्यपुत्रनी
होराजि ॥ सांसलीइत्यांसीमरे ॥ उ० ॥ माहरुमनछेएहवुहोराजि ॥ आहारत
णोकरूनेमरे ॥ ३१ ॥ उ० ॥ रायकहेकरीइसूर्षेहोराजि ॥ एहमांकोईनदोशरे
॥ उ० ॥ रतनवतीहवेतिमकरेहोराजि ॥ धर्मतणोवरपोसरे ॥ ३२ ॥ उ० ॥ सूपती
निजथानिकगयोहोराजि ॥ सागरपुजनहेतरे ॥ उ० ॥ इणेंअवशरितिणेंनीरखी
आहोराजि ॥ पुरवपुण्यसकेतरे ॥ सजमवतीसाधवी ॥ एआंकणी ॥ [illegible] ॥
विचारसूमीचीआवतांहोराजि ॥ नहिकोईचित्तवीकाररे ॥ स० ॥ ज्ञानीतपसी
उपसमीहोराजि ॥ सूदरअगआकाररे ॥ ३४ ॥ स० ॥ साधनासार्वेपरिष
म्यांहोराजि ॥ साझणीनेंपरीवाररे ॥ स० ॥ श्वेतांबिकानृपनीधुआहोराजि ॥
कोसलानृपनीनारीरे ॥ ३५ ॥ स० ॥ चरणसिरीइविपहधस्युहोराजि ॥ सुस
गताजसनामरे ॥ स० ॥ देषतांरतनवतीतणोहोराजि ॥ नागोशोकउद्दामरे ॥
॥ ३६ ॥ स० ॥ मनमांआणदउपनोहोराजि ॥ आतमविर्यउल्लासरे ॥ सं० ॥

॥ सु० ॥ तिणेंनवीथाइएअन्यथा ॥ वलिप्रत्ययकरूतेहहो ॥ ७६ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ तुझउतावलेंसापीइ ॥ मतकरज्येमनरीसहो ॥ सु० ॥ गुरूप्रदेशेंमसहोस्ये ॥ जाणज्येविसवाविसहो ॥ ७७ ॥ सुं० ॥ घ० ॥ सु० ॥ हवे तूताहरुजाणज्ये ॥ साकहेसाचिवाणिहो ॥ सू ॥ म्हेंआकुलपणेंसापीउ ॥ गणिणीकहेनहीहाणिहो ॥ ७८ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ म्हेहिहोइउतावला ॥ पणिमुझपमज्येएहहो ॥ सु० ॥ तुझउतावलेंजेकशु ॥ अणघटतूम्हेजेहहो ॥ ७९ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सू० ॥ साकहेशोकनीवारीउ ॥ किघोमुझउपगारहो ॥ सुं० ॥ पुडुतूम्हएकवातमी ॥ एकुणकर्म्मप्रकारहो ॥ ८० ॥ सू० ॥ ॥ घ० ॥ सु० ॥ गणिणीकहेएयोमलो ॥ ठेअज्ञानविवागहो ॥ सु० ॥ पणिएरुडताकेतली ॥ सांसलिमाहरीवागहो ॥ ८१ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ योमेकर्मेम्हेंलह्यो ॥ जेहविपाकअपारहो ॥ सु० ॥ साकहेसावधांनअडु ॥ किजेंमुझउपगारहो ॥ ८२ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सुं० ॥ आठमेरवमेचौदमी ॥ पद्मविजयकहीढालहो ॥ सु ॥ गणिणीकहेहवेनीजतण ॥ सांसलोचरीत्रसालहो ॥ ८३ ॥ सु० ॥ घ० ॥ ऊहा ॥ नयरीकोसलानोधणी ॥ नरसूदरनरनाह ॥ अदसूतइणहीजविजयमां ॥ अगेंघरेंउछाह ॥ ८४ ॥ आसवपर्याइअडु ॥ धर्मपत्नीतसधारि ॥ एकदिनगयोअवनीपती ॥ रमवारानमझारि ॥८५॥ अपहरीउंअश्वेंतदा ॥ मुक्योअटवीमाहिं ॥ मध्याह्नेंतिहामाननी ॥ ततपिणदिठ्ठिल्याहि ॥ ८६ ॥ तवआदरतेअनिकरे ॥ आवोअवनीपाल ॥ बेशोतूम्हेइणवेसणें ॥ सेवाकरूसस्नालि॥८७॥ ढाल॥ देशीवटाउनी ॥एदेशी॥ रायकहेतूकुंणठेरे ॥ कुणएथानिकसार ॥ तवतेकहेजखणीअडु ॥ मनोहरानामउदारे ॥ एतोविध्यनुंरणअवधारीरे॥ तवनरपतिकहेसुणिनारिरे ॥ तूएकलीकिमइणिठारिरे॥८८॥वलिहारीशीलवतनीमेरेलाला॥एआंकणी॥जरिकणीकहेअमेदपतीरे॥ नदनवनथीआज ॥मलयाचलजईआवतां॥ इणिथानिकआव्यासमाजरे॥पतीकोंप्योवीणकोईकाजरे ॥ एकाकिणीकीधीत्याजरे ॥ तववोल्योइमनरराजरे ॥ ८९ ॥ व० ॥ विझइंकांमहिणकरयुंरे ॥ तुझमुकीगयोएह ॥ तूप

तासनिवेदिनें ॥ करेतेहनोउपचारहो ॥ [illegible] ॥ सूवरधर्मचीसचीहुस्वसंकहे
एआंकणी ॥ सु० ॥ वैद्यवचनअंगीकरे ॥ सेवेकिरीयातेहहो ॥ सुं० ॥
करेपथ्यसेवतां ॥ आरोग्यअरथीजेहहो ॥ ६[illegible] सु० ॥ [illegible] ॥
डुखपणबाह्यगणेनही ॥ नविमुक्यापणिव्याधिहो ॥ सु० ॥ [illegible]
लपीडजिणें ॥ अनुकमेथायअबाधहो ॥ सु० ॥ घ० ॥ ६[illegible] सु० ॥ [illegible]
मुनीवरससारमा ॥ जनमजरानेंमरणहो ॥ सू० ॥ व्याधेंपीडयाबैद्यनुं ॥ वि
तरागकरेसरणहो ॥ ६[illegible] ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ तेहनुकथनतेआचरे ॥ वि
धासजमसारहो ॥ सु० ॥ किरीयाकष्टकरेघणुं ॥ सहेउपसर्गअपारहो ॥
॥ ६६ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सू० ॥ अंतरसमसतोखना ॥ सूखचीनगणेडुखहो
॥ सु० ॥ अंतरअव्याबाधनें ॥ जाण्युनीश्चयसुखहो ॥ [illegible] ॥ सुं० ॥ घ०
सू० ॥ वितरागसुखीआघणुं ॥ सावरोगनहीजासहो ॥ सु० ॥ मोहतिमीरड
रेंगयु ॥ ज्ञानसूरयपरकासहो ॥ ६८ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सू० ॥ त्रुटिसवनीवे
लमी ॥ ढूकमुडेजीवसुखहो ॥ सु० ॥ सुखिआतिणेंथोमाहोइ ॥ बडुडुखीअ
लहेडुखहो ॥ ६९ ॥ सू० ॥ घ० ॥ सू० ॥ पणिससारीजीवनें ॥ सूखडुख
नोविपर्यासहो ॥सू० ॥ अगनाआह्मरादिकथकी॥ वानेंसुखविश्वासहो॥ [illegible]
सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ तुझडुखकारणअमकहे ॥ तवकहीसघलीवातहो॥सु०॥
परमारथेंजीमतूमेंकहु ॥ तिमसाचोअवदातहो ॥ [illegible] ॥ सु० ॥ [illegible] ॥
पणिपतीबीरहसालेघणो ॥ गुरुणीबोल्यांतामहो ॥ सु० ॥ कुसलअछेजतेह
नें ॥ धीरजधरिधिरयावहो ॥ परमाणदेमिलावहो ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
सु० ॥ साकहेकिमजाणोतूमे ॥ गुरुणीकहेस्वरबूझहो ॥ सु० ॥ सोहागणि
नेंजोईइ ॥ एहवोछेएगुझहो ॥ ७३ ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ रतनवतीकहे
सांसलो ॥ मतकरज्योतूम्हेकोधहो ॥ सु० ॥ गुरुणीकहेमुनीलोकनें ॥ कोप
तणोहोइरोधहो ॥ [illegible] ॥ सु० ॥ घ० ॥ सुं० ॥ साकहेमत्सयदोषथी ॥ गुरु
णीकहेस्युकामहो ॥ सु० ॥ वितरागनांवयणमां ॥ नचलेसुणिअसीरामहो ॥
॥ ७[illegible] ॥ सु० ॥ घ० ॥ सु० ॥ स्वरमनलमांसाचीउ ॥ तेहकेमुम्हेंएहहो

ऊफेमुठामरे ॥ जोमुऊकरआवेएवामरे ॥ एकदिनवलीनृपअसीरामरे ॥ वास
सवनमाहिंगयोजामरे ॥ ५ ० ० ॥व०॥ तवऊवाससूवनगईरे ॥ दिठोतीहांम्हें
राय ॥ मुऊसमरूपेंनारीस्यू ॥ दिठोमुऊमनसकायरे ॥ उसरवामाहुपायरे ॥
सूपनेंथयोतामकपायरे ॥ पापिणीमायाकरीआयरे ॥ १ ॥ व० ॥ रेदेवी
एपापिणीरे ॥ केहवीआवीआज ॥ इमकहीदोम्योपूठिथी ॥ केसपकमेतेन
रराजरे ॥ मेंकहुस्यूकरोएकाजरे ॥ नववोलावेतेस्त्रीपाजिरे ॥ आवीजोतूमस
मवेसव्याजरे ॥ २ ॥ व० ॥ मायास्त्रीकहेरायनेंरे ॥ एदरीसणनहीलाग ॥ पा
पिणीकाढीमुकीइरे ॥ सूणीपसणेनरपतीवागरे ॥ चोकीआततेमोमुऊपागरे ॥
आव्यातवसूपीअसागरे ॥ एहनोकरोरणमातागरे ॥ ३ ॥ व० ॥ करज्योक
दर्थनावऊपरेरे ॥ किधीआणाप्रमांण ॥ पुरववयरीनीपरें ॥ पापिणी २ कहे
वाणीरे ॥ केईपकमेकेसनेंपाणिरे ॥ केईताणेंवस्त्रअन्नाणरे ॥ केईताणेंहाथपी
ठानरे ॥ ४ ॥ व० ॥ नयरवाहिरलावीकरीरे ॥ किधीकदर्थनाफेर ॥ मुकीरण
मांएकली ॥ इणिपरेंसापेथईसेररे ॥ फरीपकमीसजोएसेररे ॥ तोहणस्यूएस
मसेररे ॥ वलिआइमकहीतिणीवेररे ॥ ५ ॥ व० ॥ म्हेंमनमाइमचिंतव्युरे ॥
अहोएपापवीकार ॥ विणअपराधेंएवमा ॥ प्राणीलहेदुखअपाररे ॥ पुरवक
तकर्मविचाररे ॥ हवेजीववुकेहीप्रकाररे ॥ मरवुनीश्चयएधारीरे ॥ ६ ॥ व० ॥
ऊपापर्वतथीकरुरे ॥ ईमनश्चयकरीठीक ॥ पोहतीपर्वतेंक्लेशथी ॥ चढवामां
म्युतहकीकरे ॥ मुनीवरदेपेगतसीकरे ॥ दरीमांरसातेहनजीकरे ॥ कलपांते
नवोलेअलिकरे ॥ ७ ॥ व० ॥ नामसूगृहीनसूरीअढेरे ॥ सार्थेवऊपरीवार ॥
सचारणसार्थपसमो ॥ चितामणीसमहीतकाररे ॥ तपतेजेजीमदिनकाररे ॥
गुणरयणतणोसमारेरे ॥ डुपीआर्तेतेआधाररे ॥ ८ ॥ व० ॥ देपतांदिव्यज्ञानी
मुनीरे ॥ नाठोसर्वकिलेस ॥ वद्याविनइमुनीवरु ॥ धर्मलासदिइसूवीशेसरे ॥
कहेवठशासलिउपदेशरे ॥ मनमामतकरिसक्लेसरे ॥ तूशिलवतोशुसवेशरे ॥
॥ एपा व० ॥ आठमेखमेएकहीरे ॥ वरपनरमीढाज ॥ समरादित्यनारासमा ॥
गुरुउत्तमवीजयनोवालरे ॥ हवेगुरुजीवयणरसालरे ॥ कहेस्यें सविजिवदयाल

णिसार्थेनवीगई ॥ सुणिबोलीजक्षणीतेहरे॥ होइअभ्यनुरागीजेहरे ॥ [illegible]
नहीकारजरेहरे ॥ तवसूपकहेगुणगेहरे ॥९० ॥ ब० ॥ धर्मसतीनोएमहीस[illegible]
बोलेजक्षणीताम ॥ दोषविनातजेरागीने ॥ तेहनेंसतिअपणानोस्योगारे[illegible]
नृपसापेतवअसीरामरे ॥ कुणदोषवीनातजेआमरे ॥ साकहेमुरषनांकामरे[illegible]
॥ ९१ ॥ ब० ॥ इमकहीनांपेकटाक्षनेंरे ॥ उवेषेतेहराय ॥ लाजमुकीमोहे[illegible]
कहे ॥ निजवोऽयुइमनपलायरे॥ अनुरागीनेंकुणतजेसायरे॥ अनुरागीतजो[illegible]
मुझकांयरे ॥ नृपकहेपरस्त्रीतूथायरे ॥ ९२ ॥ ब० ॥ पुरुषनेसघलीपरअ[illegible]
रे ॥ निजघरिनजणीकोय ॥ रायकहेइममतकहो ॥ जेविरोधीपरलोयरे ॥ क[illegible]
हेनारीअलिकवचतोयरे ॥ परलोकविरुद्धएजोयरे ॥ कसुअनुरागीतजेकोय[illegible]
रे ॥ ९३ ॥ ब० ॥ रायकहेरागिणीकीसीरे ॥ डरगतीमोकलेइम ॥ दोषसरीमे[illegible]
कारणें ॥ परलोकअपेक्षानकेमरे ॥ तवबोलीदेषामतीप्रेमरे ॥ मुझवचनकरे[illegible]
जोनेमरे ॥ नहितोतूझनेंनहीषेमरे ॥ ९४ ॥ ब० ॥ रायकहेअमेनवीगणनें ॥[illegible]
रमाकेरोसार ॥ कोपचढ्योथईसामुही ॥ सूपतिश्हकारीतिवारेरे ॥ तवअदृ[illegible]
थईतेनारिरे ॥ चाल्योनीजनयरविचाररे॥ हवेजोज्योमार्गमझारिरे ॥ ९५ ॥
ब० ॥ कचनपादपमारवारे ॥ नाष्योपमीउंदूर ॥ नृपजुश्उपरीजिस्ये ॥ तव
दिठीजक्षणीक्रूररे ॥ साषेसाक्रोधनेंपुररे ॥ भृकुटीकरीगगनेंसूरीरे ॥ क्रनांषी
सतुझनेंचुरीरे ॥ ९६ ॥ ब० ॥ त्रुटिसतुवारकेतलीरे ॥ तववोल्योराजान ॥ रे
पापिणीगोचरनही ॥ नहीतोतुझफेमुथानरे ॥ घटिजिमचुरेघानरे ॥ इमजक्ष
णीसांसलीकानरे ॥ दिव्यजोगेअदृश्यपहिचानरे ॥ ९७ ॥ ब० ॥ सैन्यमल्यु
नीजरायनुरे ॥ हरष्यासघलांलोक ॥ करेवधामणांसऊजना ॥ सेटणालाभे
थोंकेंथोकरे ॥ नृपसावधानगतशोकरे॥ नविविश्वसेंचित्तएटोकरे ॥ रषेआवे
गलामांतोकरे ॥ ९८ ॥ ब० ॥ साघवीकहेम्हेंपुछिउंरे ॥ किमनघरोविसवा
स ॥ रायकहेएसहजथी ॥ तवपुछ्युफिरीनृपपासरे ॥ मुझप्रजलेचित्तवेषाव
रे ॥ अतीआग्रहेपुछ्युतासरे ॥ तवसर्वकसुसूत्रकासरे ॥ ९९ ॥ ब० ॥ बाल
मनोहरानीकहीरे ॥ म्हेंसाष्युसुणोस्वामी ॥ किमएद्वेषणीतुमतणी ॥ कहेराय

साइणीपेंर ॥ करोसगवतीमुझपरिमेररे ॥ ३० ॥ श्री० ॥ शसलाव्योनीजद
त्तांत ॥ परीव्राजीकाकहेएकांत ॥ तूधिरजघरिमनशांतिरे ॥ ३१ ॥ श्री० ॥
मदिरावतीउपरिपेद ॥ थाशतिमकरस्युसेद ॥ निश्चयकरीनेंतूवेदरे ॥ ३२ ॥
श्री० ॥ साकहेकिघोउपगार ॥ गईपरीव्राजिकाआगार ॥ करेविझनेंविजो
गप्रकाररे ॥ ३३ ॥ श्री० ॥ केईउषधीशकतीअर्चीत ॥ बलिकर्मविचीप्रता
सति ॥ थयुकारजनिश्चयततरे ॥ ३४ ॥ श्री० ॥ मदिरावतीगामीसेंठे ॥ श्री
केपहितेजुइहेंठे ॥ तुझकर्म्मवधाणतेनेंठेरे ॥ ३५ ॥ श्री० ॥ आउपुतेअनु
क्रमेंपाली ॥ थईहाथिणीतूमतवाली ॥ युथाधीपनेंनहीवाहलीरे ॥ ३६ ॥
श्री० ॥ लहिमरणनेंवानरीथाय ॥ युथाधीपनेंनसुहाय ॥ करयांकर्म्मतेक
होकिहांजायरे ॥ ३७ ॥ श्री० ॥ जुथाधीपेंदूरेंकीधी ॥ जरठाकूरेंपकमी
लीधी ॥ साकलवांधीइखेदीधीरे ॥ ३८ ॥ श्री० ॥ तिहामरीनेंकुतरीजाई ॥
सविस्वाननेपणिनसुहाई ॥ रीतूकालेंपणइसगाईरे ॥ ३९ ॥ श्री० ॥ ऋतबं
झलनेंविणठीदेह ॥ पनीआकीमाअतीरेह ॥ वझकेशसोगवतीजेहरे ॥ ४० ॥
श्री० ॥ तिहांथीमरीथईमार्जारी ॥ कोईमार्जारनेंनहीप्यारी ॥ घरअनलें
बलीतिणीवारीरे ॥ ४१ ॥ श्री० ॥ मरीचक्रवाकीथईजाम ॥ सरतारविझणी
नाम ॥ महाउखणीथईअवीरामरे ॥ ४२ ॥ श्री० ॥ तिहांथीचमालणीझई ॥
पनीअलपामणीरहेजुई ॥ अनुकरमेंतीहांथीमुईरे ॥ ४३ ॥ श्री० ॥ हवेसील
मीनोसवआयो ॥ कोईसवरनेंसगनसुहायो ॥ सक्केशेंजेकर्म्मवधायोरे ॥
॥ ४४ ॥ श्री० ॥ पालिमांथीकाढीमुकी ॥ कोईनजुइसाहमुथुकी ॥ हवेकर्म
थीतेथईटुकीरे ॥ ४५ ॥ श्री० ॥ समतितिहांविषमप्रदेश ॥ शहेतीवझलास
केश ॥ दिगामुनीवरशुसलेशरे ॥ ४६ ॥ श्री० ॥ आठमेंखमेएढाल ॥ गुरु
उत्तमविजयनोवाल ॥ सोलमीकहेरगरशालरे ॥ ४७ ॥ श्री० ॥ ॥ ५ ॥
॥ डहा ॥ मारगमाथाकामुनी ॥ सूलापथसयाल ॥ तेमुनीइदिठितूनें ॥ करुणाव
तकृपाल ॥ ४८ ॥ मोदथयोताहरेमनें ॥ पुठेमुनीवरपथ ॥ कुणएथानिकते
कहो ॥ अलीकनएहमांअथ ॥ ४९ ॥ सझकतारएसाधुजी ॥ पठिमदिशतु

रे ॥ जेहथीहोस्येमगलमालरे ॥ १० ॥ ॥ ॥

जोस्ये ॥ आ० ॥ तिणेंमतकरज्येमनसताप ॥ म्हेंकसूप्रसूगयांमाहरांपाप ॥
॥ ६४ ॥ आ० ॥ तुम्हदरीसणथीसवसयटलीउ ॥ सयोगवियोगथकीमली
उ ॥ आ० ॥ नृपआवेपणिमुऊनहीरंग ॥ जूरामरणपिमीतकिमसूखसग ॥
॥ ६५ ॥ आ० ॥ गुरुकहेअत्यतसुखीकहिइ ॥ नवीलोकनीतीनुएलहीइ ॥
॥ आ ॥ जरामरणदोषजेहथीजास्ये ॥ वितरागवचनतुम्हथीरथास्ये ॥ ६६॥
॥ आ० ॥ तिणेंतत्वथीलहेस्योसुखसात ॥ इमकहीरह्याजबगुरुविख्यात ॥
॥ आ० ॥ म्हेंजाण्युंघन्यनरपतीएह ॥ गुरुकहेसांसलितुससनेह ॥ ६७ ॥
॥ आ० ॥ पंचपरमेष्टीनोनवकार ॥ तेपरममत्रचित्तमांधार ॥ आ० ॥ सवि
सवटालेशोवसुखआपे ॥ गुणगणआवीअगेव्यापे ॥ ६८ ॥ आ० ॥ तवम्हें
कसूंकिरपाकरोसारी ॥ कुजाउतुमचीबलीहारी ॥ आ० ॥ पुरवसाहमीमुऊ
वामदीशे ॥ गुरुकहेतुरहेशोसनवेसें ॥ ६९ ॥ आ० ॥ कुविनईनमतीइमजर
ही ॥ जिनवरसंसारेगुरुजीसही ॥ आ० ॥ अखलीतादीकगुणस्यूदिधो ॥
उपयोगेम्हेंअमीकीधो ॥ ७० ॥ आ० ॥ मुऊसयजाणसवीदूरगयो ॥ मानु
मोहतेमुऊशनमुखथयो ॥ आ० ॥ रातिकाढिजेएसमरणकरतां ॥ गिरीदरी
मांएकपासेंरहेतां ॥ ७१॥ आ० ॥ मतघरजेसयमनमांकांइ ॥ हवेअमदरी
सणविहाणेथाइ ॥ आ० ॥ इमकहीगुरुपोहसानीजठामि ॥ कुहरषीउपनोवि
श्राम ॥ ७२ ॥ आ० ॥ रयणीगईएकपलकपरें ॥ नृपखोलतोआव्योपरपरें॥
॥ आ० ॥ कहेकोपनकरस्योरेराणी ॥ अपराधकरेस्योनअलाणी ॥ ७३ ॥
॥ आ० ॥ म्हेंकसुतवकोपसमयनांहि ॥ पूरवकृतशेषकरमआंहि ॥ आ० ॥
नृपकहेकुनिमीत्तथयोताहरो ॥ म्हेंसाध्युकर्मवीपाकमाहरो ॥ ७४ ॥ आ०॥
बकुसथसोगवीउबकुरीत ॥ तिहांतोतुम्हेंनाहीनीमीत्त ॥ आ० ॥ तिणेंसर्वथा
मुऊकर्मनोदोष ॥ इहांकरवोनहीकोईस्यूरोष ॥ ७५ ॥ आ० ॥ नृपकहे
सामान्येंकुजाण ॥ तुऊनाणविशेषकुपरमाण ॥ आ० ॥ तवघुरथीकहीमें
सवीवात ॥ नृपविस्मयपाम्योसुविख्यात ॥ ७६ ॥ आ० ॥ गुरुजिकिहांछे
तेदेपावो ॥ म्हेंकसुपासेंछेतुमेआवो ॥ आ० ॥ गयोपरीजनसहीततिहांराया॥

मपथ ॥ न्प्रथवादेपामुन्प्रमे ॥ एहमाप्रलीकनप्रथ ॥ ५० ॥ मार्गदेपामेंसीं
नी ॥ चितेविस्मीतचित्त ॥ प्रहोप्रणगारप्रमढरी ॥ प्रियसाधीतुपविन्न
॥ ५१ ॥ सगकरेएहसाधुनो ॥ तेहनोधन्यन्प्रवतार ॥ शुसपरीणामेंइंमसुपन्न
कर्म्मपप्यांइकतार ॥ ५२ ॥ धर्मलाससुणीधर्मिणी ॥ प्रणमीमुनीवरपाय ॥
प्रारसपरीपहतसप्रलप ॥ मार्द्दववलीप्रमाय ॥ ५३ ॥ तेकारणवांप्युतिहां ॥
मनुजप्रायुमहासाग ॥ विहारकरयोतिहामुनीवरें ॥ मुनीवरएहजमान ॥
॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ प्राजप्राणदथयोप्रेमनावाइलवरस्यादिहामासोहला ॥ ए
देशी ॥ प्राजप्राणदथयोमुनीवरदरीसणदिवुधन्यदिनप्राजनो ॥ एकांकली ॥
मुनीवरविचस्यापणिनारीतणो ॥ शुससावनटुटोजेहघणो ॥ प्रा० ॥ स्वेता
विकानयरीरायतणें ॥ लहीमरणनेंउपनीपुत्रीपणें ॥ ५५ ॥ प्रा० ॥ कोसम्ब
नयरीसूपर्पेरणी ॥ यौवनवयप्रावीतसकरणी ॥ प्रा० ॥ तेकर्म्मरसुजेतूक
शेश ॥ जखिणीतसकारणसुविसेस ॥ ५६ ॥ प्रा० ॥ तूफरूपेंकरीनेंनृपठ
लीउ ॥ तूफकर्म्मशेषजेरसोवलीउ ॥ प्रा० ॥ तसउदइकदर्थनावरूपामी ॥
परीव्राजिकालाव्याथीपामी ॥ ५७ ॥ प्रा० ॥ इमप्रांसलीमोहतिमीरगयो ॥
तवजातीसमरणमुफथयो ॥ प्रा० ॥ सवेगथीगुरुप्रणमीकरु ॥ कवएहकर्म
जप्रतलरु ॥ ५८ ॥ प्रा० ॥ गुरुकहेएएकजप्रहोराते ॥ तवपुछ्युमेंवलिसुप
सातें ॥ प्रा० ॥ नृपजक्षणीकहोजाणस्येक्यारे ॥ वलतूगुरुजीबोल्यात्यारे ॥
॥ ५९ ॥ प्रा० ॥ रातेंजवजक्षणीपासें ॥ नरपतीजासेंप्रतीउल्लासें ॥ प्रा० ॥
पणितूफस्वसावथीफेरफार ॥ देषीसकासेसुवीचार ॥ ६० ॥ प्रा० ॥ मंत्री
श्वरनेंतेकहेवात ॥ तवपरीक्षाकरवाप्रवदात ॥ प्रा० ॥ उलघीजिनप्रतीमा
जाम ॥ जग्कणीनुकपटलसुताम ॥ ६१ ॥ प्रा० ॥ मारिमारिकरेलेईकरवा
ल ॥ प्रदृशजक्षणीथईततकाल ॥ प्रा० ॥ पछेनृपकरस्येपश्चात्ताप ॥ प्रहो
राणीकदर्थिम्हेंप्राप ॥ ६२ ॥ प्रा० ॥ म्हेंकसुसगवननहीनृपदोष ॥ एकर्म्म
करयांतेहनोरोष ॥ प्रा० ॥ गुरुकहेसाधुपणिमोहवसें ॥ प्रावसेंइहांविहाकं
धायतीसें ॥ ६३ ॥ प्रा० ॥ तूफदेषीतुफस्यूसुपीहोस्ये ॥ तेपिणसफइनयणें

जोस्ये ॥ आ० ॥ तिणेंमतकरज्येमनसताप ॥ म्हेंकसूप्रसूगयांमाहरांपाप ॥
॥ ६४ ॥ आ० ॥ तुम्हदरीसणथीसवसयटलीउ ॥ सयोगवियोगथकीमली
उ ॥ आ० ॥ नृपआवेपणिमुझनहीरग ॥ जरामरणपिमीतकिमसूखसग ॥
॥ ६५ ॥ आ० ॥ गुरुकहेअत्यतसुखीकहिइ ॥ नवीलोकनीतीनुएलहीइ ॥
॥ आ ॥ जरामरणदोषजेहथीजास्ये ॥ वितरागवचनतुम्हथीरथास्ये ॥ ६६॥
॥ आ० ॥ तिणेंतत्वथीलहेस्योसुखसात ॥ इमकहीरसाजबगुरुविख्यात ॥
॥ आ० ॥ म्हेंजाण्युधन्यनरपतीएह ॥ गुरुकहेसांलखितुससनेह ॥ ६७ ॥
॥ आ० ॥ पंचपरमेष्टीनोनवकार ॥ तेपरममत्रचित्तमांधार ॥ आ० ॥ सवि
सवटालेशीवसुखआपे ॥ गुणगणआवीअगेव्यापे ॥ ६८ ॥ आ० ॥ तवम्हें
कसूंकिरपाकरोसारी ॥ झजाउतुमचीबलीहारी ॥ आ० ॥ पुरवसाहमीमुझ
वामदीजे ॥ गुरुकहेतुरहेजोसनवेसें ॥ ६९ ॥ आ० ॥ झविनईनमतीइमजर
ही ॥ जिनवरससारेगुरुजीसही ॥ आ० ॥ अखलीतादीकगुणस्यूदिधो ॥
उपयोगेम्हेंअगीकीधो ॥ ७० ॥ आ० ॥ मुझसयजाणसवीदूरगयो ॥ मानु
मोक्षतेमुझशनमुखथयो ॥ आ० ॥ रातिकाढिजेएसमरणकरतां ॥ गिरीदरी
मांएकपासेंरहेतां ॥ ७१॥ आ० ॥ मतधरजेसयमनमांकांइ ॥ हवेअमदरी
सणविहाणेथाइ ॥ आ० ॥ इमकहीगुरुपोहतानीजगमि ॥ झहरषीउपनोवि
आम ॥ ७२ ॥ आ० ॥ रयणीगईएकपलकपरें ॥ नृपखोलतोआव्योपरपरें॥
॥ आ० ॥ कहेकोपनकरस्योरेराणी ॥ अपराधकरेस्योनअन्नाणी ॥ ७३ ॥
॥ आ० ॥ म्हेंकसुतवकोपसमयनांहि ॥ पूरवकृतजोपकरमआंहि ॥ आ० ॥
नृपकहेझनिमीत्तथयोताहरो ॥ म्हेंसाध्युकर्मवीपाकमाहरो ॥ ७४ ॥ आ०॥
वझसवसोगवीउवझरीत ॥ तिहांतोतुम्हेंनाहीनीमीत्त ॥ आ० ॥ तिणेंसर्वथा
मुझकर्मनोदोष ॥ इहाकरवोनहीकोईस्यूरोष ॥ ७५ ॥ आ० ॥ नृपकहे
सामान्येंझजाण ॥ तुझनाणविशेषझपरमाण ॥ आ० ॥ तवघुरथीकहीमें
सवीवात ॥ नृपविस्मयपाम्योसुविख्यात ॥ ७६ ॥ आ० ॥ गुरुजिकिहांजे
तेदेपावो ॥ म्हेंकसुपासेंतुमेआवो ॥ आ० ॥ गयोपरीजनसहीततिहांराया॥

हरपीवयागुरुनापाय ॥ ७७ ॥ आ० ॥ गुरुईपणिधर्मज्ञानदिवो ॥
गेंसवीअवदातकीधो ॥ आ० ॥ अहोदुकृतभोगुविपाकपहो ॥
गतीयास्येतेसणो ॥ ७८ ॥ आ० ॥ तिर्णेजेमुऊकरवुंतेहकहो ॥ गुरु[illegible]
वयसर्वजहो ॥ आ० ॥ करोअतीतकालनुपमीकमणं ॥ [illegible]
सवरणं ॥ ७९ ॥ आ० ॥ धरोअनागतकालनुपञ्चरखाण ॥ इमठ[illegible]
र्म्मनुवधाण ॥ आ० ॥ इमसीवसुखयास्येकरतलें ॥
सलें ॥ ८० ॥ आ० ॥ ईमकरीइंगुरुजीतुमआणि ॥ मुऊनेंकहेसांसंतु[illegible]
वाणि ॥ आ० ॥ गुरुधर्म्मसारयीसमनहीमले ॥ एहवीसव २ पातिकळे ॥
॥ ८१ ॥ आ० ॥ म्हेंकसूजुगतुतवनरराय ॥ महादानदिनमेंदेवराय ॥ [illegible]
वलितीहांअगाईमहोछवथाय ॥ सुरसुंदरसुतराज्येंगाय ॥ ८२ ॥ आ० ॥
सार्थेवऊसामत ॥ मुऊस्युसऊअतेउरवत ॥ आ० ॥ व्रतलीधांअम्हेंगुरु[illegible]
पासें ॥ विधीश्वरूमानतेयुत्तआसें ॥ ८३ ॥ आ० ॥ इमआठमेसंमेतुपि[illegible]
ल ॥ कहीरुमीसत्तरमीढाल ॥ आ० ॥ एसमरादित्यतणेरासें ॥ वरपद्मवि[illegible]
यथुसअम्यासें ॥ ८४ ॥ आ० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ ईणिपरेंगुरुणीआषवे ॥ करमविपाकएमुऊ ॥ तिर्णेभोगुकर्मतें
स्युं ॥ तसवीपाकएतुऊ ॥ ८५ ॥ सोगवेवऊसयकारीउ ॥ नरकतिरीयांदि
ख ॥ रतनवतीसुणिरगस्युं ॥ कर्मकस्यांजाईकेम ॥ ८६ ॥ दुकृतभिजनेभो
गए ॥ जाणीनतपीईतेण ॥ सम्यगदेखविरतीआषिका ॥ साधवीवचनअवले
ण ॥ ८७ ॥ तुम्होधम्यांजिर्णेघरतण्यु ॥ ऊखदलिद्रकस्यांडरि ॥ ऊपणिधन्य
थईहवे ॥ पामीदरसणपुर ॥ ८८ ॥ ढाल ॥
एकबातमली ॥ एदेशी ॥ गुरुणीजीमांहरारे ॥ खरनीबातमली ॥ तुम्हेसाधोकेम
धीरसीहेसांतमली ॥ परमाणंदजोगेरेकेसरतातुऊमले ॥ इमसाभ्युंतुंमुऊनें
केसंदेहकीमटले ॥ ८९ ॥ गु० ॥ स्युंपाम्यातेपिणरेकेजिनवरधर्मप्रतें ॥ गुरु
णीकहेजाणरेकेएहवुसांप्रतें ॥ ईणिअवसरहाथिरेकेगुलगुलशब्दकरे ॥
सध्यामगलनरिकेतुरवाज्यांहुपरें ॥ ९० ॥ गु० ॥ बंदीजनबोल्यारेकेधर्मच

स्यूनहोइ ॥ नदासमारिणीरेकेलावीकटकदोई ॥ उज्वलफूललाव्योरेकेपुरोही तइमकहे ॥ गुरुवदनअवसररेकेसूणीचितगहगहे ॥ ९१ ॥ गु० ॥ सहसकू नतेरुमारेकेदेषीनेंचितवे ॥ लसाजिनवरवयणरेंकेस्वामीइंमसस्तवे॥ श्रुतदेवी शरीषारेकेसगवतीइंकहु ॥ परमाणंदयोगेरेकेतेपणिसहहु ॥९२॥ गु० ॥ क रीबीनयनेंसाषेरेकेरातिइहारहो ॥ गुरुणीकहेकल्पेरेकेपणिएवातलहो ॥ आ लयछेपासेंरेकेतिणेंअमेजास्यूतिहां॥ फिरीअवसरेंआवस्यूंरेकेहोज्योधर्मला सइहा ॥ ९३ ॥ गु० ॥ सावदेपायारेउपासरेतेहगया ॥ करिरातिनीकरणीरे वलीपरसातिथया ॥ उठीनेंपोहतारिकेगुरणीनेंपासें ॥ देशनादीकसूणीनेरेकेग ईथरिउल्लासें ॥ ९४ ॥ गु० ॥ इंमवोल्यादिहामारेकेध्यारतेअनुकरमें ॥ पांच मेंदिनआवीरेवधामणीइमघरमें ॥ गुरुणीस्यूषेगरेआवीचंदसूदरी ॥ कहेताह रोसरतारेआव्योउवीकाजकरी ॥ ९५ ॥ गु० ॥ सगवतीनुंअन्यथारेकेवयण होइनही ॥ स्तनवतीहरषीरेकेदिघुद्यनउमही ॥ गुणचदजीआव्यारेमिल्याती हांरायनें ॥ विप्हनीवातोरेकहीनमीपायनें ॥ ९६ ॥ गु० ॥ नृपेंसनमानदी धोरेगयोहवेधसमसी ॥ आवेरतनवतीनेंरेपासेंजबउल्लसी ॥ तवदिगांगुरुणीरे केनमेंहरषेंकरी ॥ धर्मलासतेदिधोरेकुमरकहेचीत्तधरी ॥ ९७ ॥ गु० ॥ मुझ पुन्यनाउदयनोरेकेपाइनपामीइं ॥ सुगहीतगुरुपासेंरेमीथ्यात्वमेंवामीइ ॥ तू मपासेंदेवीरेधरमपामीअछे ॥ तुम्हदरीसणइरलसरेपाम्योइअघगछे ॥ ९८ ॥ गु० ॥ कुशलानुंवंधीरेपुन्यवीनाप्राणी ॥ एहवासावनलहेरेगुरणीकहेइमवा णी ॥ अनुंकरमेंपामेंरेसूखतेमुक्तितणा ॥ विजानुस्यूकेहेवुरेकुमरकहेतववव यणां ॥ ९९ ॥ गु० ॥ पुन्यपापनाक्षयथीरेयथपिमोक्षलहे ॥ पणिकारणपु न्यानुरेवधीपुन्यकहे ॥ तेवीणनवीलहीइरेआराधकपणा ॥ गुरुणीकहेरुडुरे तूंमचुजाणपणा ॥ ६०० ॥ गु० ॥ इमकरीधर्मचरचारेगुरणीगामगया ॥ दपती होइधरमीरेमनमामगनसया ॥ हवेविक्रजणसासलेंरेदेशनानीत्यतिहां ॥ जा इंधर्मआराधतरिकोईककालइहां ॥ १ ॥ गु० ॥ रत्नवतीनेंउपनोरेसूतएकसो सागी ॥ राज्येंठवेराजारेगुणचंदवमसागी ॥ मैत्रीवलराजारेदिक्षाआदरे॥ धर्म

चीसङ्गसामतरेआणारायनीघरे ॥ २ ॥ गु० ॥ निकंटकपालेरे[illegible]
णें ॥ त्रिणवर्गनइसाधेरेअन्योन्यअबाधपणें ॥ सङ्गजनसुप्रसंतेरे[illegible]
इंमराज्यपालतरिंदानअतूलदेवे ॥ ३ ॥ गु० ॥ इणेअवसरेअम्होरे[illegible]
रुमो ॥ हसनाठादूरेरेवीरहीनेंअतिसूझे॥ मोरमातिहांनाचेरे[illegible]
रप्याबप्पईयारेविजलीचमकाय ॥ ४ ॥ गु० ॥ दाडरवङ्गबोलेरे[illegible]
हे ॥ नदिउथईमातीरेसरोवरलहेरलहे॥ बगलानीपतीरेपचीपरिचाह्यां ॥ [illegible]
चीनेंगायोरेटाढिकलहीमाहल्यां ॥ ५ ॥ गु० ॥ सरीतापुरजोवारेनिकली[illegible]
जा ॥ निजपरीवारसार्थेरेअवलबेसताजा ॥ तृणकाष्टतणांणांरेसरीमां[illegible]
कलूषितबङ्गपाणीरेकाष्ठेंनवीमावे ॥ ६ ॥ गु० ॥ विङ्गतटतिहांपामेरे[illegible]
रघणो ॥ आरामविनासेरेपारनपुरतणो ॥ जलचरबङ्गदिशेरेसमरीजल[illegible]
मरजादामुकीरेबालनेंविहावे ॥ ७ ॥ गु० ॥ इमदेषीतमासोरेआम्यानीजनेह
ढालआठमेखमेरेअढारमीएह ॥ गुरुउत्तमविजयनोरेपद्मविजयसीस[illegible]
सज्योश्रोतारेसूणतांछुजगीश ॥ ८ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ केईकदिनवलीव्यतीक्रम्या ॥ शरदसमयससालि ॥ अम्बवाहन
आवीउ ॥ सूपतेसरितासालि ॥ १ ॥ मुलस्वसावेंनीरमली ॥ कुरनजल[illegible]
य ॥ बुधजनसेवीतत्तेबङ्ग ॥ सांसस्युदेषीसोय ॥ २ ॥ सवेमेंहपसवरी ॥ [illegible]
त्तमांकरेवीचार ॥ रीधीआमवरनवीरहे ॥ करेनीजपरअपकार ॥ [illegible]
विदृष्टतिनीरषीइ ॥ पुरुषनोएहप्रकार ॥ सावनतटपामेसली ॥ आतमसषी[illegible]
अपार ॥ ४ ॥ वलिआरसपरीपहवधे ॥ करेउनमादकल्लोल ॥ [illegible]
बामीचसे ॥ तजेकस्यसीमआजोल ॥ [illegible] ॥ मोहतणीसमरीमहा ॥ परमार
थअणपांमि ॥ अबुद्धलोकघणाअभवमे॥ देषीअवसूतदामा॥ [illegible] ॥ सरिता
रेस्वसावची ॥ अलगीआइउपाधि ॥ अनुक्रमेंतारीआतमा ॥ अनुसर्वेअप्पा
बाध ॥ १५ ॥ ढाल ॥ सूझोमनसमरारेंकांयसमे ॥ [illegible] ॥ आपस्वसावको
हिरमे ॥ आवेजोरेवीवेक ॥ पापमीघनेंपरीहरे ॥ [illegible]
गुणचदरायसंवेगीउ ॥ एआंकणी ॥ अध्यवशायससाहोइ ॥ [illegible]

कार ॥ अतरायपरलोकनो ॥ मिथ्यासीमानविस्तार ॥ १७ ॥ गु० ॥ क्रेशहो यजेहचीघणो ॥ ज्ञाननीपरणतीनाश ॥ कपटकरेवलीआकरू ॥ लोसचीसर्व विनास ॥ १८ ॥ गु० ॥ कर्मादानव्यापारनें ॥ सेवेपापअनेक ॥ कुसलजोग जाईवेगलो ॥ पापमतीअतीरेक ॥ १९ ॥ गु० ॥ द्रव्यउपगारछेयथपी ॥ प णिअल्पकालिकएह ॥ परपीडाहोइघणी ॥ किमआदरीइतेह ॥२० ॥ गु०॥ द्रव्यसाधउपगारमां ॥ साधतेजाणिप्रधांन ॥ इमचिंतवतांवाधीउ ॥ शुसपरी णामनीदान ॥ २१ ॥ गु० ॥ आवीमदिरनरपती ॥ ससलावेतेहवात ॥ रतन वतीमत्रीप्रतें ॥ बोलेतेअवदात ॥ २२ ॥ गु० ॥ जिमसाध्युतुम्हेस्वामीजी ॥ कीजेंईछीतकाज ॥ कालरूपइहांनवीघटे ॥ चचलजीवीतराज ॥ २३॥गु० ॥ जाइघरममांजेधमी ॥ तेहप्रशसवालाग ॥ सांसलिउदघोषणाकरी ॥ देतोदा नअथाग ॥ २४ ॥ गु० ॥ सर्वदेहरेविरचावतो ॥ पुजाअनेकप्रकार ॥ ज्ञाता कल्पसूत्रेंकही ॥ रायपसेणीमझारि ॥२५॥ गु० ॥ जिवाभिगममांहिवली ॥ पुजाकहेजिनराय ॥ तेहउवेपेजेप्राणीआ॥मुढाइरगतीजाय ॥ २६ ॥ गु० ॥ धृतीबलपुअराज्येंठवी ॥ सइनेंदेईसनमांन ॥ पबरिगुरुनीकढावतो ॥ जाणी तेहनुथान ॥ २७ ॥ गु० ॥ रतनवतीसार्थेलेई ॥ सामतनेंपरधांन ॥ चाल्या काशीदेशमां ॥ सयमनुधरीध्यांन ॥ २८ ॥ गु० ॥ वाणारसीनयरीवसे ॥ विजयधर्मसूरीराय ॥ धर्मलाससूरीसरदिइं ॥ जववचागुरुपाय ॥२९॥ गु०॥ पुछ्यापछीसघसूकहे ॥ आगमकारणसार ॥ वाणारसीपतोवझकरे ॥ द्रव्यथ कीउपचार ॥ ३० ॥ गु० ॥ सइसार्थेमहामहोछवें ॥ वधतेशुसपरीणाम ॥ सजमलेवेनरवरू ॥ विचरेथामानुथामा॥३१॥गु०॥सुत्रसप्याक्रीयाअल्यसी॥ समइंपयाअसीप्राय ॥ एकक्षवीहारअगीकरू ॥ पुछ्याश्रीगुरुराय ॥ ३२ ॥ गु० ॥ आणाजवगुरुजीकरे ॥ तवसूआदिकजेह ॥ तुलनापचप्रकारनी ॥ करेपुरवेंकहीतेह॥ ३३॥गु०॥यत॥ सूत्तेएअत्तेए॥इत्यादीतथापढमाउवस्सय मी ॥ विहावाहीतईतईयाचउक्कमी ॥ सूतघरमीचउत्ती ॥ तहपचमीआमसा णमी ॥१॥ पूर्वढाल ॥ इणिपरेंसत्वतोलीकरी॥एकलमल्लविहार ॥ सूत्रविधिअ

गीकरे ॥ पालेनीरतीचार ॥ ३७॥ बु०॥ कालगयोईमकेतले ॥ [illegible]
विहार ॥ कोलागसनीबेसेंगया॥ रहिआएकांतठारा॥ ३[illegible]
नेरस्य॥आठमेंरवमडाला॥उगणीसमीपदमेंकही॥[illegible]
॥ ऽहा ॥ मलयजातावाणमतरो ॥ मिलीयामुनीमाहत ॥ [illegible]
लकह्यो ॥ चितमांइमचितत ॥ ३७ ॥ पापीदिठोपापची ॥ [illegible]
केंम ॥ मुकुशिलाइहांमोटिकी ॥ तूरतमरेएतेम ॥ ३८ ॥ मारेएहनेंमाहत[illegible]
सफलवीयाकुलशार ॥ रौद्रध्यानेंअतीरोसची ॥ वंछितकरेविकार ॥ [illegible]
डाल० ॥ नवमीवामेंनीवारयोरे ॥ साधुजीसणमार ॥ एदेशी ॥ पासेंपरवा[illegible]
चीशिलारे ॥ विद्यावलथीरेलीध ॥ मुकेगगनथीमुनीसिरेंरे ॥ पिमाअतीसक्रि[illegible]
ध ॥ ४० ॥ पणिनवीसावथीपीडीआरे ॥ जोवेषेचरतेह ॥ [illegible]
पीडरे ॥ चितवेअहोजुउएह ॥ ४१ ॥ जिवनशक्तिअहोपणीरे ॥ अहोपरत
वपक्षपात ॥ अवज्ञामुझउपरेंरे ॥ एहनीअपुरववात ॥ ४२ ॥ मुंकीमोहनी
शिलावलीरे ॥ तेहथीपीडीरेकाय ॥ पणिनवीसावपीडाईउरे ॥ देवीकोपस
राय॥ ४३ ॥ त्रिजीवारतूरततिणेंरे ॥ मुकीएकमहत ॥ पणितिमहीजदेवीक
रीरे ॥ अतिसयषेदलहत ॥ ४४ ॥ चितवेमारीनवीशकु ॥ [illegible]
राय ॥ [illegible]कनुंघरमुझीनें ॥ मुकुएहनेपाय ॥ ४५ ॥ लोकनेंकर्मंहापाची
उ ॥ [illegible]केहवांकरकाम ॥ लोकतेकरस्येकदर्थना ॥ आपदालहेस्येरेतांच ॥
॥ ४६ ॥ जिमचिंतव्यूतिमहीजकरयुरे ॥ सप्तलावेकोटवाल ॥ आव्योतस
रदिठामुनी ॥ परमदयालमयाल ॥ ४७ ॥ तपशोषीततनुएहनुरे ॥ दिठोपुर
तिशांति ॥ चित्तआकुलनहीएहनुरे ॥ सोगरहीतएकांति ॥ [illegible] ॥ एहिज
करस्येएहवु ॥ अपवाकपटविचीत्त ॥ करूपरीक्षाएहनी ॥ यथपीडीजेप
वीत्त ॥ ४९ ॥ जामनीकुजेनीहालीउ ॥ उपनीशकारेताम ॥ पूछ्युपणिनवी
बोलीआ ॥ तर्जनाकरतामकाम ॥ ५० ॥ तोपणिनवीबोलेयदा ॥ तवषेच
रहरषत ॥ अध्यवशायनीकुरता ॥ नरकआयुबंधत ॥ ५१ ॥ रौद्रध्यानें
निकाचीउ ॥ हवेंचितवेकोटवाल ॥ कहिइष्टपनेंजेगमे ॥ तेहकरोमरपाल ॥

॥ ५२ ॥ ससलाभ्युसूपालनें ॥ आभ्योवीश्वसेनराय ॥ दिठातवतिर्णेउलभ्या ॥ प्रणम्यासगर्तेरेपाय ॥ ५३ ॥ पुढेकोटवालनेंतुम्हे ॥ किधुढेप्रतीकुल ॥ तेक हेतेहवुकांयनही ॥ तवनृपकहेअनुकूल ॥ ५४ ॥ राजऋषीएअम्हतणारे ॥ स्वामीगुणचदराय ॥ निरुपसरगसूपालिनेंरे ॥ नरसवसफलकराय ॥ ५५ ॥ सयलसगत्यागीगुरु ॥ वरतेढेएहध्यांन ॥ अप्रतीबधपर्णेरहे ॥ किधाढेअनु ष्टान ॥ ५६ ॥ एकल्लविहारअंगीकस्यो ॥ बोल्योतामतलार ॥ धन्य २ करी षामीउ ॥ नृपकहेस्योएविचार ॥ ५७ ॥ कोटवालकहेजिर्णेकस्यु ॥ तेनरढेश्णी गार ॥ नृपकहेकिहांढेदाषवो ॥ अदृशयथयोतेणीवार ॥ ५८ ॥ नजम्योतव सूपतीसर्णे ॥ कोईकउपसर्गकार ॥ सुरपचरहोस्येसही ॥ डुष्टतणोएप्रकार ॥ ५९ ॥ कहोअतेउरनेतुम्हे ॥ जनपदनेंसूवीशेस ॥ आभ्यास्वामीतुमतणा ॥ गुणचदजेहनरेश ॥ ६० ॥ धरममुरतिधरीआषीउ ॥ दिठेपापपजाय ॥ शि वसूखकारणस्वामीजी ॥ नि सगीमुनीराया ॥ ६१ ॥ विसवशक्तीसक्तिघणी ॥ वदो नीजउपगार ॥ कोटवालेंजणभ्युसवे ॥ सहुनेंहर्षअपार ॥ ६२ ॥ आविसहुइ वदिआ ॥ पुजाकरीविस्तार ॥ गुणस्तवनावलि २ करे ॥ दरीसणविस्मयका र ॥ ६३ ॥ आठमेखमेएकही ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पद्मवीजयएविसमी ॥ सुणतालीलवीलास ॥ ६४ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ डहा ॥ आभ्योकवामीश्णसमे ॥ सुणोकहेवातसरुप ॥ एअणगारनेंउपरें ॥ नांषीशिलाअनुप ॥ ६५ ॥ आवीमार्गआकाशथी ॥ नवीदीठोनयणेना ॥ नवी नाठानेनविचल्या ॥ कोणजाणेंकस्युकेण ॥ ६६ ॥ तसनीघातेंआसोउ ॥ मु ठीलसोमहाराय ॥ आगलिनवीजाणअवर ॥ किधुमुनीनेंकांय ॥ ६७ ॥ एहशिलाडुगअपरजे ॥ तेपणिनाषीतेण ॥ महापापीविणमानवी ॥ जुउनेन करेजेण ॥ ६८ ॥ शोकातुरथयासासली ॥ राणीपूरजनराय ॥ अहो२ऋषीरा यनें ॥ डुष्टमहाडुखदाय ॥ ६९ ॥ अहोक्लिष्टकर्म्माअहो ॥ अहोअलीकी कएह ॥ अहोनीरदयताएहनी ॥ नहिविवेकनेंनेह ॥ ७० ॥ अहोगुणद्वेषीआ करो ॥ मुनीवरमहाव्रतवत ॥ अज्ञानीस्यूनआचरे ॥ मोहेसहुमुकत ॥ ७१ ॥

प्रथवीपतीइमविलपतो ॥ जाणिमुनीवरजाए ॥ पुरेध्यानेंधरीइ ॥ [illegible]
ग्गइमकेहवाए ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ सरतनृपसावस्युंए ॥ एदेशी ॥ मुनीवरक
हेसूणिराजिआए किधांकर्मनजाय ॥ आपोआपसोगवेए ॥ एहअवपकाल
राय ॥ ७३ ॥ नमोमुनीरायनेंए ॥ धन२एहनीमाय ॥ नमो० ॥ एकांकलीक
एहअनादिससारमांए ॥ कर्म्मशतानअनादि ॥ डखेव्यापीरसोए ॥ निजनु
एकुहिआढादि ॥ ७४ ॥ नमो० ॥ जनमजरामरणेंसत्योए ॥ दिनताइटवी
जोग ॥ शोगबहुउपजेए ॥ बलितनुमांअतीरोग ॥ ७५ ॥ नमो० ॥ इंनजा
णीविराग्यथीए ॥ समकीतमुलव्रतधार ॥ बलीचारीत्रलिइए ॥ जंमीनीजपा
गार ॥ ७६ ॥ नमो० ॥ उठअठमादिकतपकरेए ॥ सीलनसहस्सअढार ॥
पालिसूरसवलहेए ॥ शिवसुखअनुक्रमेंशार ॥ ७७ ॥ नमो० ॥ केईकलीक
पुरुषबलीए ॥ कामसोगलपटाय ॥ बहुडखसोगवेए ॥ निचनीसेवकराय ॥
॥ ७८ ॥ नमो० ॥ सीमसयाममांहेअमेए ॥ पेसेसमुद्रमझारि ॥ निधादिकर्मे
ठगेए ॥ विषयासीलाषप्रकार ॥ ७९ ॥ नमो० ॥ परसवनरगेंसंचरेए ॥ जं
मीचचलआय ॥ लक्षाम्हेंडखघणांए ॥ वारअनतीप्राय ॥ ८० ॥ नमो० ॥
सिन्न२सातेंघरीइ ॥ डखतणोनहीपार ॥ कुंसीपाकेंपच्योए ॥ तिहशर्मेलसो
मार ॥ ८१ ॥ नमो० ॥ करवतथीवेहरयोबलीए ॥ काष्टनेंजिमसूत्रधार ॥ से
थोभिशुलेंकरीए ॥ जर्मेपिल्योअपार ॥ ८२॥ नमो० ॥ बजतुमपचीचईए ॥
बाधोकरतोरीव ॥ तातांजोतरकरीए ॥ मुक्यामाहरीचीव ॥ ८३ ॥ नमो० ॥
इमकरीरयबहेबराविउए ॥ तिल २ थमकरयोकापि ॥ दिशोदिशबलीकरेए ॥
हिसानांएपाप ॥ ८४ ॥ नमो० ॥ जिसतालूचीकाढतांए ॥ एअलीकबोल्या
नोसेद ॥ बलिपरद्रव्यलिउए ॥ काननाककरेछेद॥ ८५ ॥ नमो०॥ धगधगती
लोहपुथीकाए ॥ आलिंगनदिइदेव ॥ वैतरणीमांठवेए ॥ उष्णनीरभितमेव ॥
॥ ८६ ॥ नमो० ॥ डायजाणीसामलीतलेंए ॥ वेसवाजउंजाम ॥ पडेतलपथ
जेए ॥ काननाकछेदेताम ॥ ८७ ॥ नमो० ॥ ताडि १ ताप २ सूष ३ तर
स ४ नीणाथरजनें ५ परवसताप ६॥शोगसय ८ ज्वर ९ घणोए॥दाह१०

अतीसयथाय ॥८८॥ नमो० ॥ एदशवेदनानरगमांए ॥ वलिककशुनक नेंकाक ॥ रोताचुटेंघणएए ॥ पापकरमपरीपाक ॥८९ ॥ नमो० ॥ आंपिमि चीउघामीइए ॥ नहिसुखतेतीवार ॥ तिरीगतीमावलीए ॥ पाम्योऽखन्प्रपार ॥९०॥ नमो० ॥ मुहणलगननेंवधहोइए ॥ बहुवहेवरावेसार ॥ पमीसूषतरस नेंए ॥ नवीकरेकोइसूसार ॥ ९१ ॥ नमो० ॥ नरसवमांपरवशपणएए ॥ नि रधननेंवलीक्कीव ॥ तिणेंनरपतीसूणोए ॥ शोकनकरीइअतीव ॥ ९२ ॥ न मो० ॥ रायकहेतुमेस्वामीजीए ॥ किघोसफलअवतार ॥ कस्योथीरआतमा ए ॥ अतररिपुजयकार ॥ ९३ ॥ नमो० ॥ शोचणयोग्यतुम्हेनहीए ॥ ठा म्योप्रमादप्रसग ॥ अगितपसिरीकरीए ॥ प्रामप्रायशीवसग ॥९४ ॥ नमो०॥ शोचवायोग्यतेतेथयोए ॥ जिणेंकीघोउपसर्ग ॥ गुरुकहेतवसूणोए ॥ एहवो सशारससर्ग ॥ ९५ ॥ नमो०॥ परचितातूस्युकरेए ॥ करिनीजआतमाचित ॥ सुणिनृपउच्चरेए ॥ आणाकरोसगवत ॥ ९६ ॥ नमो० ॥ कोपासेंव्रतआदरु ए ॥ विजयधर्म्मगुरुपास ॥ मुनिइणीपरिकहेए ॥ करयुप्रमाणवचतास ॥ ॥९७॥ नमो० ॥ गुणचदमुनीहवेविचरीआए ॥ वाणमतरहवेतेह ॥ करी महाकर्मनेंए ॥ रोगेंथईपीणदेह ॥९८॥नमो०॥ इद्रियहाणीलहाघणएए ॥अशु सउदयथयोतास ॥ स्वसावफस्योवलीइ ॥ करेआकदवेपास ॥ ९९॥नमो०॥ वैद्यनीपुणउपदेशथीइ ॥ विप्टाप्रमुखमुपदिघ ॥ कटकशज्याकरीए ॥ इमकां यकसूखसीद्ध ॥७००॥ नमो० ॥ रौद्रध्यांनदोषेंकरीए ॥ तेत्रीससागरआ य ॥ सातमीनरगेंगयोए ॥ महाऽखनोसमुदाय ॥ १ ॥ नमो० ॥ गुण चद्रपणिरीपीराजीउए ॥ पालीसजमशुद्ध ॥ करीसंलेषणाए ॥ सावनासावी वीवुद्ध ॥ २ ॥ नमो० ॥ करमराशीवद्धपयकरीए ॥ स्वामीसचलाजीव ॥ नमीवितरागनेंए ॥ थानिकजोईनिरजीव ॥ ३ ॥ नमो० ॥ पादपोपगमअण सणकरीए ॥ पालीनीरतीचार ॥ रुधीचेष्टाप्रतेंए ॥ बहुवदेअणगार ॥ ४ ॥ नमो० ॥ गाइदेवांगनागीतमांए ॥ स्तवनाकरेनरदेव ॥ त्यजिनीजदेहनेंए ॥ थयासरवारथेंदेव ॥ ५ ॥ नमो० ॥ तेत्रीससागरआउषेंए ॥ सुखशागरऊी

लत ॥ एनरसवआठमोए ॥ आठमोखंडएकुत ॥ ६ ॥ नमो॰ ॥ एकविधि
ढालेसोहामणोए ॥ समरादित्यनेरास ॥ अढारबेंतालीसेंए ॥ [illegible]
माश ॥ ७ ॥ नमो॰ ॥ श्रीविजयसिंहसूरीसनाए ॥ अतेवासीमुख्य ॥ [illegible]
याउद्धारकरयोए ॥ सत्यविजयसूसीष्य ॥ ८ ॥ नमो॰ ॥ कपुरविजयगणि
पाटवीए ॥ पीमावीजयतससीस ॥ पिमगुणचीसरयाए ॥ जिनवीजयवंत
जगीस ॥ ९ ॥ नमो॰ ॥ उत्तमविजयजीतेहनाए ॥ सीष्यश्रीरोमलीधार ॥
पमीत्तगुणेंआगलाए ॥ समतारसलंमार ॥ १० ॥ नमो॰ ॥ कल्याणपासपंडा
यथीए ॥ पद्मविजयकहेश्म ॥ विसलनगरेंरहीए ॥ समरादित्यमुणवेक ॥
॥ ११ ॥ नमो॰ ॥ इतिश्रीसविझपक्षीयपंमीतप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणि
शिष्यपं॰ पद्मवीजयगणि ॥ विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेगुण
प्रत्तपवाणमतरासिधानविद्याधरयो॰ अष्टमभवरसव समाप्त ॥ सर्वगाथा ॥
॥ ७११ ॥ उक्तगाथा ॥ ५ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ६० ॥ डुहा ॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ शांतीसदासुखकारा ॥ समरीसरसती
सामिनी ॥ गुरुगुणज्ञानदातार ॥ १ ॥ आठस्वप्नकहाशेणिपरें ॥ दिन २ चढतेदा
व ॥ नवमोखम्हेवेनीरमलो ॥ साधुआणीसाव ॥ २ ॥ समरादित्यसोहामणा ॥
गुणवेषीगीरीसेण ॥ नृपसुतनेंचमालनर ॥ सांसलीइसयणेस ॥ ३ ॥ [illegible]
बुद्धिपेंअठ ॥ संरतपेत्रसरीरि ॥ उद्धेणीनयरीअवल ॥ पृथिवीमांहिमली
ह ॥ ४ ॥ मंदिरगढमढमालीआ ॥ विहारआरामविशेष ॥ पोलीपागारमारवद
यु ॥ अमरजुइअनीमेष ॥ ५ ॥ ढाल ॥ उसीनावसदेराणीअरजकरेछे ॥ [illegible]
कोवरसालोघरिकिजेंहो ॥ गढवुदीरहाकामाहाचलअवेरमूं ॥ एदेशी ॥ [illegible]

मीचलजाणीपरीषामीसविधीइ ॥ रजुपरेंमानुबाधीहो ॥ सूणोसवीअणसाव
इ ॥ गुणगुणवतकेरा ॥ सज्जनगुणरयणेंकरीसूपीत ॥ रुपकलासज्जइसाधी
हो ॥ ६ ॥ सु० ॥ जेहनीसमासरोवरसोहे ॥ नलिनीवनेंसरसोहेहो ॥ कम
लेंनलीनीनेंकमलतेभमरें ॥ भमरगुंजारवेंमोहेहो ॥ ७ ॥ सु० ॥ नामेंपुरीस
सिहतेहनोराणो ॥ सुंदरीराणीजाणोहो ॥ त्रिणवर्गआधतांकालगमावे ॥ दपती
दोयवपाणोहो ॥ ८ ॥ सु० ॥ इणसमेसुरसरवरथवासी ॥ तिहांथीचव्याआयु
पालीहो ॥ सुंदरीकुखेंउपनोजीहारे ॥ जागीसुपनेंरवीसालीहो ॥ ९ ॥ सु० ॥
पतीनेंकहेम्हेंसूरयसूपने ॥ दिठोआजप्रसालेंहो ॥ कमलाकरविकस्वरकरतो ॥
किन्नरतसमुणमातेहो ॥ १० ॥ सु० ॥ गगनविसूपेतिमीरविणासे ॥ लोकक
रेपरणामहो ॥ अतपेंसौम्यतेपेसदोउदरें ॥ तेहनुफलकहोस्वामीहो ॥ ११ ॥
सु० ॥ नृपहरषीकहेतूंकसूतहोस्ये ॥ त्रिभूवनमांविख्यातहो ॥ तहतीकरीप
तीवचनप्रमाणी ॥ अनुंकमेंजनमतेजातहो ॥ १२ ॥ सु० ॥ रुमेनपेतरेंकर
शमुहूर्त्ते ॥ विणसक्रेर्शेआयोहो ॥ सिद्धिमतिदासीइवधायो ॥ नृपमनहरपन
मायोहो ॥ १३ ॥ सु० ॥ दासीनेंदानदेईनेंकरावे ॥ बंदिमोचनरायहो ॥ अ
नीवारीतदाननेंदेवरावे ॥ ॥ नयरम्होछवमहायहो ॥ १४ ॥ सु० ॥ पद्मरायप्र
मुखजेनरदेवा ॥ तेहनेंकरताजाणहो ॥ वहुउछवनित २ प्रतेंकरतां ॥ छउ
मासप्रमाणहो ॥ १५ ॥ सु० ॥ सुपनप्रमाणेंपीतामहकेरु ॥ समरादित्यदिइ
नामहो ॥ इणअवसरजीववाणव्यतरनो ॥ नारकनीकल्योतामहो ॥ १६ ॥
सु० ॥ नानासवतिरीगतिमासटकी ॥ वहुदुखपमतोतेहहो ॥ करमवसेंसी
आलीउछउ ॥ परणखहीवलीएहहो ॥ १७ ॥ सु० ॥ इणिहिजनयरीइच
मालपामे ॥ गठीगनामचमलहो ॥ जक्षदेवानामेंतसनारी ॥ तासकुखेंततका
लहो ॥ १८ ॥ सु० ॥ गिरीसेननामेंपुत्रजछउ ॥ जमयतीदुखीउदीनहो ॥
कुरूपीपणेंकालगमावे ॥ पापराशिधनहीनहो ॥ १९ ॥ सु० ॥ समरादि
त्यपुण्यफलअनुसरता ॥ पुरवसुकृतअभ्यासेंहो ॥ सयलकलाबालकालेंजी
प्यो ॥ सापीमात्रगुरुपासेंहो ॥ २० ॥ सु० ॥ कुमरपणेंपणिपुरवअभ्यासें ॥

शास्त्रचिंतनघणुरातोहो ॥ तत्वजुक्तिश्वातठरावे ॥ सावेसावमाश्रवदातोहो ॥
॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोलोकप्रत्यहो ॥ पुण्य
नुवधीपुन्यउदयथी ॥ कुसलसावमामन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ नाहनीरथ
नेंत्याज्यविषयथी ॥ आसन्नसिद्धिसपत्तिहो ॥ उतकटजीववीरयनहीउक
त ॥ तिणेंएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलक्ष्मीउपरिनहीआदर ॥
नकरेशरीरसत्कारहो ॥ चित्रक्रीडानेंविषयनसेवे॥महावैरागीकुमारहो ॥२४॥
सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चितवेमनमांसूपहो ॥ रुपेंकदर्प्पनेंबीसम
तूलठे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंइंद्रीयप्रबला ॥ सो
यकन्याघणुइठेहो ॥ मुनीदरसणनलसोपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीकारनेंभी
ठेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहेरे ॥ भूषणनकरेमानोहो ॥ सो
जुतानमुकेधर्म्मनचुके ॥ पुण्यससारअमानोहो ॥ २७ ॥ सू० ॥ जेदिन
थीउपनोतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुकचीजहो ॥ नृपकहेसवीसुखमुकनेंहो
स्ये ॥ एहकल्याणनुबिजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेस्वर्गे ॥ स
मरादित्यनेंरासेंहो ॥ सीशउत्तमविजयनोजपे ॥ आगलिवातविलासेंहो ॥
२९ ॥ सू० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ उज्जलितगोष्टीदिषीइ ॥ सुपुतेहनेंसग ॥ कलावतकिमानीपुण ॥ बंदन
विशीष्टमत्तग ॥ ३० ॥ उत्तमकुलमांउपना ॥ तससगेततकाल ॥ अतिप्रेमो
दउपजावस्ये ॥ मुकनेंतेहमयाल ॥ ३१ ॥ अशोकक्रामाकुरअठे ॥ ललिता
गनामलहत ॥ चतूरचुडामणीचितवी ॥ कहेतेमीसूकत ॥ ३२ ॥ जतनकरी
तुम्हेजोपस्यू ॥ समरादित्यसूजाण ॥ लोकमारगमांलावीइ ॥ एउइअमची
आणि ॥ ३३ ॥ आणप्रमाणकरीअधीक ॥ केतोकवीतोकाल ॥ सकुसेलावि
चरेसदा ॥ खेलेनवरख्याल ॥ ३४ ॥ दोहा ॥ विकाजीहोरतमकूकनेंमुखसो
कमुंहोवीऊ ॥ किमकरीकरुप्रवेशीवेयणवीहहातयणरुऊ ॥ एवेशी ॥ वा
लाजीहो ॥ चालोनेंरमवाजाईइहोमित्ता ॥ इमकरीचाल्यातेह ॥ ठेलवाहेहा ॥
सयणरुऊ ॥ वा० ॥ विणाप्रयोगेंदिरवावताहोमीत्ता ॥ काव्यविनोदकरेह ॥

॥ ढै० ॥ ३५ ॥ वा० ॥ जलक्रीडाकरेमोदस्यूहोमीत्ता ॥ जोवेसरोवरसोह ॥
॥ढै०॥वा०॥ कामशास्त्रबोलेघणांहोमीत्ता ॥ जेसूणीउपजेमोह ॥ ढै० ॥३६॥
॥वा०॥ बांधेंहिंचोलाकूपस्यूहोमीत्ता ॥ हिंचेतिहाघरीप्रीति ॥ढै०॥वा०॥ गित
गाइअतिरुअडाहोमीत्ता ॥ कामशास्त्रविरचित्त ॥ ढै० ॥ ३७ ॥ वा० ॥ कु
सुमसायरापाथरेहोमीत्ता॥वरणवतापचवाण ॥ ढै०॥वा०॥ तेदेषीचित्तचितवे
होमीत्ता ॥ समरादित्यसुजाण ॥ ढै० ॥ ३८ ॥ वा० ॥ वधतेसवेगेंकरीहोमी
त्ता ॥ अहोएकीमवोधाय ॥ ढै० ॥ वा० ॥ मुढदशाअतीआकरीहोमीत्ता ॥
किमउपगारतेथाय ॥ ढै० ॥ ३९ ॥ वा० ॥ पणितेहनाउपरोधथीहोमीत्ता ॥
नवीकहेकांयप्रतीकूल ॥ ढै० ॥ वा० ॥ तसप्रतीबोधनकारणेंहोमीत्ता ॥ आ
चस्यूतसअनुकुल ॥ ढै० ॥ ४० ॥ वा० ॥ प्रीतीपरमउपजावतोहोमीत्ता ॥
उपजाव्योविसवास ॥ ढै० ॥ वा० ॥ एकदिनसकुमीत्रेंमीलीहोमीत्ता ॥ मा
न्योवातविलास ॥ ढै० ॥ ४१ ॥ वा० ॥ बोलेअशोकशणिपरेंहोमीत्ता ॥ का
मशास्त्रसमनाहि ॥ ढै० ॥ वा० ॥ अवरकिस्यूतवबोलीउंहोमीत्ता ॥ कामांकु
रउगाहि ॥ ढै० ॥ ४२ ॥ वा० ॥ एहमाकांयनपुठवुहोमीत्ता ॥ एहथीत्रिवर्ग
सधाय ॥ ढै० ॥ वा० ॥ चित्तआराधेनारीनुहोमीत्ता ॥ तेहथीसरकूणथाय ॥
॥ ढै० ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सुरूसततीतेहथीहोयहोमीत्ता ॥ तेहथीदानादीकधर्म्म
॥ ढै० ॥ वा० ॥ दारासुतसूरथीलहेहोमीत्ता ॥ अर्थकामनांसर्म ॥ ढै० ॥
॥ ४४ ॥ वा० ॥ विपरितेंविपरीतनीपजेंहोमीत्ता ॥ तिणेंत्रणवरगनुहेत ॥
॥ ढै० ॥ वा० ॥ कहेललीतांगत्सलुकसुहोमीत्ता ॥ एहमादोसनदेत ॥ ढै० ॥
॥ ४५ ॥ वा० ॥ पणिएकअतीसलुजाणज्योहोमीत्ता ॥ धरमअरथफलकां
म ॥ ढै० ॥ वा० ॥ कामविनांतेनिष्फलाहोमीत्ता ॥ मोक्षनोनहीफलठाम ॥
॥ ढै० ॥ ४६ ॥ वा० ॥ तेहलोकोत्तरमार्गठेहोमीत्ता ॥ ज्ञानध्यानफलतेह ॥
॥ ढै० ॥ वा० ॥ अशोककहेश्हासाखीआहोमीत्ता ॥ होयकुमरजोएह ॥
॥ ढै० ॥ ४७ ॥ वा० ॥ कामाकुरकहेएपरुहोमीत्ता ॥ ललितागकहेश्म
ताम ॥ ढै० ॥ वा० ॥ करीश्पशायकुमारजीहोमीत्ता ॥ शोसनतरजेउद्दाम ॥

शास्त्रचिंतनघणरातोहो ॥ तत्वजुक्तिश्वातउरावे ॥ सावेसावनाभावदानोहो ॥
॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोलोकमझ्यहो ॥ मुनथी
नुवधीपुन्यउदयथी ॥ कुसलसावमांमन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ नाणमीन्न
नेंत्याज्यविषयथी ॥ आसन्नसिद्धिसपत्तिहो ॥ उतकटजीवधीरयनहीक
त ॥ तिणेंएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलषमीउपरिनहीआदर
नकरेशरीरसत्कारहो ॥ चित्रकीमानेंविषयनसेवे॥महावैरागीकुमारहो ॥२४॥
सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चितवेमनमासूपहो ॥ रुपेंकदर्प्पनेंवीसम
तूलछे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंइंद्रीयप्रबला ॥ सौ
यकन्याघणाश्छेहो ॥ मुनीदरसणनलसोपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीकारनही
छेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहेरे ॥ भूषणनकरेमानोहो ॥ सौ
जुतानमुकेधर्म्मनचुके ॥ पुण्यसत्तारअमानोहो॥ २७ ॥ सू० ॥ जेदिव
थीउपनोतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुझचीजहो ॥ वृपकहेसवीसुखमुझनेंहो
स्ये ॥ एहकल्याणनुबिजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेखंडे ॥ स
मरादित्यनेंरासेंहो ॥ सीशउत्तमविजयनोजपे ॥ आगलिवातविलासेंहो ॥
२९ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ इक्षलितगोष्टीविषीइ ॥ सुपुतेहनेंसग ॥ कलावतकिमानीपुण ॥ वंदन
विशीष्टमत्तग ॥ ३० ॥ उत्तमकुलमांउपना ॥ तससगेततकाल ॥ अतिप्रेमो
दउपजावस्ये ॥ मुझनेंतेहमयाल ॥ ३१ ॥ अशोककामांकुरअछे ॥ लसिता
गनामलहत ॥ चतुरचुडामणीचितवी ॥ कहेतेमीसूकत ॥ ३२ ॥ जतनकरी
तुम्हेजोपस्यूं ॥ समरादित्यसुजाण ॥ लोकमारगमांसावीइ ॥ एउइअमची
आणि ॥ ३३ ॥ आणप्रमाणकरीअधीक ॥ केतोकषीतोकाल ॥ सहुसेलावि
चरेसदा ॥ खेलेनव२ख्याल ॥ ३४ ॥ काव्य ॥ विकाजीहोरतनकूडनेंमुखमा
कमुहोवीआ ॥ किमकरीकरुप्रवेशवयणवाहलतयणरुआ ॥ एवेशी ॥ वा
लाजीहो ॥ चालोनेंरमवाजाईइहोमित्ता ॥ इमकरीचाल्यातेह ॥ जैसवाहहा ॥
सयणरुआ ॥ वा० ॥ विणाप्रयोगेंदिरवावताहोमीत्ता ॥ काव्यविनोदकरेह ॥

॥ ढे० ॥ ३५ ॥ वा० ॥ जलक्रीडाकरेमोदस्यूहोमीत्ता ॥ जोवेसरोवरसोह ॥
॥ढे०॥वा०॥ कामशास्त्रबोलेघणाहोमीत्ता ॥ जेसूणीउपजेमोह ॥ ढे० ॥३६ ॥
॥वा०॥ बार्धेहिंचोलारूपस्यूहोमीत्ता ॥ हिंचेतिहाधरीप्रीति ॥ढे०॥वा०॥ गित
गाइअतिरुअडांहोमीत्ता ॥ कामशास्त्रविरचित्त ॥ ढे० ॥ ३७ ॥ वा० ॥ कु
सुमसायरापाथरेहोमीत्ता॥वरणवतापचबाण ॥ ढे०॥वा०॥ तेदेषीचित्तचितवे
होमीत्ता ॥ समरादित्यसुजाण ॥ ढे० ॥ ३८ ॥ वा० ॥ वधतेसवेगेंकरीहोमी
त्ता ॥ अहोएकीमवोधाय ॥ ढे० ॥ वा० ॥ मुढदशाअतीआकरीहोमीत्ता ॥
किमउपगारतेथाय ॥ ढे० ॥ ३९ ॥ वा० ॥ पणितेहनाउपरोधथीहोमीत्ता ॥
नवीकहेकांयप्रतीकूल ॥ ढे० ॥ वा० ॥ तसप्रतीबोधनकारणेंहोमीत्ता ॥ आ
चरयूतसअनुकुल॥ ढे० ॥ ४० ॥ वा० ॥ प्रीतीपरमउपजावतोहोमीत्ता ॥
उपजाव्योविसवास ॥ ढे० ॥ वा० ॥ एकदिनसझमीत्रेंमीलीहोमीत्ता ॥ मां
म्योवातविलास ॥ ढे० ॥ ४१ ॥ वा० ॥ बोलेअशोकशणिपरेंहोमीत्ता ॥ का
मशास्त्रसमनांहि ॥ ढे० ॥ वा० ॥ अवरकिस्यूतवबोलीउंहोमीत्ता ॥ कामांकू
रउगांहि ॥ ढे० ॥ ४२ ॥ वा०॥ एहमांकायनपुढवुहोमीत्ता ॥ एहथीत्रिवर्ग
सधाय ॥ ढे० ॥ वा० ॥ चित्तआराधेनारीनुहोमीत्ता ॥ तेहथीसरक्षणथाय ॥
॥ ढे० ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सुरूसततीतेहथीहोयहोमीत्ता ॥ तेहथीदानादीकधर्म्म
॥ ढे० ॥ वा० ॥ दाराछुतसूरथीलहेहोमीत्ता ॥ अर्थकामनासर्म ॥ ढे० ॥
॥ ४४ ॥ वा० ॥ विपरितेंविपरीतनीपर्जेहोमीत्ता ॥ तिणेंअणवरगनुहेत ॥
॥ ढे० ॥ वा० ॥ कहेललीतांगसलुकसुहोमीत्ता ॥ एहमांदोसनदेत ॥ ढे० ॥
॥ ४५ ॥ वा० ॥ पणिएकअतीसलुजाणज्योहोमीत्ता ॥ घरमअरथफलकां
म ॥ ढे० ॥ वा० ॥ कामविनांतेनिष्फलाहोमीत्ता ॥ मोक्षनोनहीफलठांम ॥
॥ ढे० ॥ ४६ ॥ वा० ॥ तेहलोकोत्तरमार्गढेहोमीत्ता ॥ ज्ञानध्यानफलतेह ॥
॥ ढे० ॥ वा० ॥ अशोककहेइहांसाखीआहोमीत्ता ॥ होयकुमरजोएह ॥
॥ ढे० ॥ ४७ ॥ वा० ॥ कामांकुरकहेएपरुहोमीत्ता ॥ ललितागकहेइम
ताम ॥ ढे० ॥ वा० ॥ करीइपशायकुमारजीहोमीत्ता ॥ शोसनतरजेउद्दाम ॥

॥ ३० ॥ ४८ ॥ वा० ॥ कुमरकहेमतकोपज्योहोमीत्ता ॥ [illegible]
॥ ३० ॥ वा० ॥ सङ्कहेकोपश्हांकिस्योहोमीत्ता ॥ [illegible]
॥ ३० ॥ ४९ ॥ वा० ॥ कुमरकहेकामशास्त्रजेहोमीत्ता ॥ [illegible]
॥ ३० ॥ वा० ॥ प्रगटकरेअन्नाणनेंहोमीत्ता ॥ तेसूणज्योअधीकार ॥ [illegible]
॥ ५० ॥ वा० ॥ प्रकृतिअशारविटवणाहोमीत्ता ॥ परसवविषउ[illegible]
॥ ३० ॥ वा० ॥ मोहदोषेदेषेनहीहोमीत्ता ॥ कृत्याकृत्यअज्ञान ॥ ३० [illegible]
वा० ॥ रुधीरमांसअशुचीसरीहोमीत्ता ॥ रमणिकेरीकाय ॥ ३० [illegible]
र्त्ताशुकरनीपरेंहोमित्ता ॥ रहेनित्यतिहांलपटाय ॥ ३० ॥ ५२ ॥ वा० [illegible]
दबुद्धीदेषेनहीहोमीत्ता ॥ परमारथनीवात ॥ ३० ॥ वा० ॥ गुरुजनमरहीन
जाणिश्होमीत्ता ॥ प्रकृतीचपलनरहात ॥ ३० ॥ ५३ ॥ वा० ॥ बालजीव
मानेंघणहोमीत्ता ॥ कामसपाणहेत ॥ ३० ॥ वा० ॥ क्लेशकरेअकृत्य
रेहोमीत्ता ॥ ध्याश्कुध्यानसकेत ॥ ३० ॥ ५४ ॥ वा० ॥ कुशलमार्गमुकेल
लीहोमीत्ता ॥ पामेअतिउनमाद ॥ ३० ॥ वा० ॥ गुरुजननीनिंदाकरेहोमीत्ता
लोकथीलहेअपवाद ॥ ३० ॥ ५५ ॥ वा० ॥ अनुक्रमेंजाइनरकमांहोमीत्ता
वलीएहसवडुखदाय ॥ ३० ॥ वा० ॥ बधबधनपामेंघणांहोमीत्ता ॥ इ[illegible]
कुलघरथाय ॥ ३० ॥ ५६ ॥ वा० ॥ सयविषादनुषेअजेहोमीत्ता ॥ क्रोधम
णोरिनीवाय ॥ ३० ॥ वा० ॥ धर्मशास्त्रनिंदेतिणेंहोमीत्ता ॥ रुमानकामवीलास
॥ ३० ॥ ५७ ॥ वा० ॥ मध्यस्थपणेविचारज्योहोमीत्ता ॥ किमसाधेमणिकर्म
॥ ३० ॥ वा० ॥ द्रव्यउपाजकिणीपरेंहोमीत्ता ॥ किमवलीसाधेसर्म ॥ ३० [illegible]
॥ वा० ॥ कामकुशलप्राणीतणीहोमीत्ता ॥ कुलटादिशेनारि ॥ ३० ॥ वा० ॥
कामकुशलनहीतेहनीहोमीत्ता ॥ शिलवतीसुविचार ॥ ३० ॥ ५९ ॥ वा० ॥
तिणेंकारणशुससततीहोमीत्ता ॥ इत्यादिकनएकांत ॥ ३० ॥ वा० ॥ काम
कुशलप्राणीतणाहोमीत्ता ॥ पुत्रतेअतिउर्दंत ॥ ३० ॥ ६० ॥ वा० ॥ वधित
स्करपणतेहमांहोमीत्ता ॥ इमअसमजसघात ॥ ३० ॥ वा० ॥ धरमअरचणा
पणिनहिहोमीत्ता ॥ कामतेडुखअपवदात ॥ ३० ॥ ६१ ॥ वा० ॥ स्वरजस्वन

नसुखजेहवाहोमीत्ता ॥ करतासावअधकार ॥ ढे० ॥ वा० ॥ अशुसकरमफ
लसूतळेहोमीत्ता ॥ किमधर्मअर्थफलशार ॥ ढे० ॥ ६२ ॥ वा० ॥ शोकवधे
लाघवहोइहोमीत्ता ॥ बलिअविस्वासनोठाम ॥ ढे०॥वा० ॥ शरीरस्थीतीहोइ
कामथीहोमीत्ता ॥ मुनीवरसरीरउद्दाम ॥ ढे० ॥ ६३ ॥वा० ॥ बहुसेवेजो
विषयनेंहोमीत्ता ॥ तोहोइक्षयीमुखरोग ॥ ढे० ॥ वा० ॥ मोहीनेंएमनोहरु
होमीत्ता ॥ मिथ्यासीमाननेंयोग ॥ ढे० ॥ ६४ ॥ वा० ॥ नवमेखमेविजीक
हीहोमीत्ता ॥ मित्रवोधननीढाल ॥ ढे० ॥ वा० ॥ पद्मवीजथकहेआगलेहो
मीत्ता ॥ दिइउपदेशरशाल ॥ ढे० ॥ ६५ ॥ वा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ऊहा ॥ मोहअलोकीकमानीइ ॥ तेपणिनांहितहत्ति ॥ वरमुनीलोकलौकी
कवधो ॥ सयलविरयनीसत्ति ॥ ६६ ॥ सपूरणकारयसवे ॥ अव्याबाधअ
नुप ॥ जनमजरानहीजेहनें ॥ सूखउतकृष्टसरुप ॥ ६७ ॥ ज्ञानध्यानपणि
गुणअढे ॥ धर्म्मरुपतेधारि ॥ क्षयोपशमक्षायकहोइ ॥ सफलतदासशार ॥
॥ ६८ ॥ कांमअनिदितकोइकहे ॥ पणितेनाहिप्रकार ॥ तिरिपणिसोगवता
तूरत ॥ निंदितढेनीरधार ॥ ६९ ॥ कामशास्त्रतेंकारणे ॥ करेअनाणप्रका
स ॥ अदत्तापहणअवलोकीइ ॥ सार्पेजीनवरसास ॥ ७० ॥ यत ॥ तना
महोइसद्ध ॥ जहियमद्धजणस्सदसेइ ॥ जपुणअहियतिसया ॥ तणएकत्तो
च्चयसद्ध ॥ १ ॥ ताजकामुद्दिरण ॥ समद्धसउनतवुहजणेण ॥ सुमीणेविजपी
यच्च ॥ पससियवचउवयण ॥ २ ॥ ऊहा ॥ सुखदाईसहुसत्वनें ॥ उपजावेउ
पसम्म ॥ परससवुनेजपवु ॥ ऋदइजाणोरम्म ॥ ७१ ॥ यत ॥ पसमाईसाव
जणय ॥ हियमेगतेसत्ताण ॥ निउणेणजपीयव ॥ पससियवचसुवीसुद्ध॥३॥
॥ऊहा॥ सांसलीवीस्मयसहुलसा॥ चित्तमाकरेविचार॥ अहोविवेकअहोसाव
ना॥अहोवैराग्यअपार ॥ ७२॥ कृतज्ञगुणअहोकेहवो॥ एहवाअध्यवशाया॥
नविहोईमुनीवरमनें ॥ इमचित्तअचरीजथाय ॥७३॥ ढाल॥ आवोहरीलाहरी
आवाहला ॥ मीठु२बोलतासारा ॥ दिठाएहवाफेरथकीघुतारा ॥ आवो०॥एवे
शी ॥ करेसहुमीअमिलिवातो ॥ तेहमाअशोककहेख्यातो ॥ सुणोकुमारकहु

अवदातो ॥ ७४॥ करे० ॥ तुम्हेंकसुलोकोत्तरएह॥
लौकिकमाकांमशास्त्रगुणगेह ॥ ७५ ॥ करे० ॥
अशोकेंअवधारु ॥ कहेललितागलागेप्यारु ॥ ७६ ॥ करे० ॥
मरसूणोवाणी ॥ लहेनहीतत्ववातप्राणी ॥ घणाकंदर्पिपवासअघाणी
करे० ॥ होइकर्म्मबधहेतूकाम ॥ नहितेहस्यूमाहरेकाम ॥
होकुणआम ॥ ७८ ॥ करे० ॥ देवाणोनउत्तरतिहांकेंणे ॥
सङ्गतिणे॥गयाकेईदिननेहसरनयणें ॥ ७९ ॥ करे० ॥ सङ्गमलीइमविचारि
धो ॥ एकुमारतोतपसीसमसीधो ॥ आपणनोएकीनजाइलीधो ॥
करे० ॥ अवेउपायइहाएक ॥ दाखिण्यवतएवेवेक ॥ आपणमिवस्तुकि
धाविवेक ॥ ८१ ॥ करे० ॥ पाणिग्रहणकरोकहीइंम ॥ मानेजोवचनकी
प्रेम ॥ सङ्गइधारीएहवोनेम ॥ ८२ ॥ करे० ॥ वेशीएकदिनशिष्परेंसाथें
अशोकसुणोमीत्रसङ्गसाथे ॥ एकपुहुघरीमनअसीलाथे ॥ ८३ ॥ करे०
मानविकेनहीमीत्रनीवाच ॥ कहेकुमरमिन्ननाअणिताच ॥ अधममध्यमउ
त्तमसाच ॥ ८४ ॥ करे०॥ एकमीत्रघणकलाल्यापाल्या॥ कोईवातचीनवीत्र
लगाटाल्या ॥ पणिआपदाइदूरेंचाल्या ॥ ८५ ॥ करे०॥ एतोतुम्हेअधमनीच
जाणो ॥ हवइसूणोपर्वमीत्रइयांणो ॥ मिलेकोईपर्वउवटाणो ॥८६॥ करे०॥
नविहावसावकरवोतास ॥ पणिकष्टेंतेकरेवेपास ॥
विलास ॥ ८७ ॥ करे० ॥ कांयविलपीवीलबकरीमुके ॥ एतोमध्यमनी
भनवीचुके ॥ हवेउत्तमरुधीरेरेमुके ॥ ८८ ॥ करे० ॥ एकलटकसलामहो
इतिहा॥मुकावेड खयकीएह ॥ गौरवपणदाषवेवङ्गजेह ॥ ८९ ॥ करे० ॥ जो
मेउपगारतेवङ्गमांनें ॥ सपदपणितेतसघरिआणें ॥ आपदाइपणिराषेउमनें ॥
॥ ९० ॥ करे० ॥ एहमांउत्तमसरीषुभावु ॥ कहेकामांकुरमरहस्यपावु ॥
एतोजगतजीवजाणेंगावु ॥ ९१ ॥ करे० ॥ ललितांगकहेकसुगसीर ॥ कहो
हवेज्युलहिइतिर ॥ कहेकुमरसणोसङ्गयइथिर ॥ ९२ ॥ करे० ॥ परमार्थ
मीत्रनाअणिसेय ॥ देहसजनधर्मजाणेय ॥ जघन्यमित्रदेहनेंवेय ॥ ९३ ॥

करे० ॥ देहनीषीए २ करोसंसाल ॥ सूषतरसनेंटाढितापकाल ॥ ससालतां पणिहोयविकराल ॥ ९४ ॥ करे० ॥ निरालवनमुकीनेंजाई ॥ हवेंमध्यम मिश्रसजनथायें ॥ मायतायकलत्रसगनीसाय ॥ ९५ ॥ करे० ॥ क्लेशअ वशरेंकरतांविलाप ॥ प्रस्तावेंतेससारेआप ॥ जाइपरसवपुण्यतथापाप ॥ ॥ ९६ ॥ करे० ॥ हवेधर्ममीत्रउत्तमजाणो ॥ तेतोकोईकअवसरमनआ णो ॥ पणिथायसखाईसपराणो ॥ ९७ ॥ करे० ॥ तेतोसघलासयसार्थेटा लें ॥ फिरि २ तेपुरुषनेंससालें ॥ अनुकरमेंशाश्वतसूखआले ॥ ९८॥ करे०॥ इमजांणीविषयनासूखढांमो ॥ एअसारस्युमततूम्हेरढिमांमो ॥ एआतमसू खकरेखांमो ॥ ९९ ॥ करे० ॥ पामीमानवनोसवश्रीकारो ॥ मोक्षमारग पांमीमतहारो ॥ वितरागवयणचित्तअवधारो ॥ १०० ॥ करे० ॥ उत्तमन रसेवितधर्म्मकरो ॥ सव २ नापातिकदूरिहरो ॥ ससारसायरसूखमाहित रो ॥ १ ॥ करे० ॥ नवमेखमेत्रीजीढाल ॥ कहीपद्मवीजयन्प्रतीसूरशाल ॥ आगलिहोस्येमगलमाल ॥ २ ॥ करे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ढ्हा ॥ समरादित्यनांसांसली ॥ वारुरशालांवयण ॥ तेहअशोकादीकत णां ॥ नेहेंसरीयांनयण ॥ ३ ॥ तथासभ्यतातेहवी ॥ शुरुवलीसयोग ॥ क र्म्मविचित्रकहातिणें ॥ उतकटवियअसोग ॥ ४ ॥ समरादित्यनीशक्तिथी ॥ कर्म्मराशीकतपीण ॥ उपसमभिद्धुतआवीउ ॥ परिणतीशुसथईपिण ॥ ५ ॥ मोहवासनाभिटिगई ॥ अशुसतुटोअनुवध ॥ गुणवतगठीसेदतां ॥ शुरुसम कीतसवध ॥ ६ ॥ अशोककहेपरुएहछे ॥ नहिसदेहनुनांम ॥ शोसनथीप णिशोसन ॥ कामांकुरकहेकाम ॥ ७ ॥ अथवाशोसनएहजछे ॥ निश्चयकां यनअन्य ॥ ललितांगकहेसखलोकमां ॥ अमचापुन्यअगन्य ॥ ८ ॥ अ न्नाणनिद्राउघीआ ॥ अमनेंजगव्याआज ॥ हेतुवादअमहीतकरी ॥ कुमरें किधुकाज ॥ ९ ॥ आतमहितअम्हेआदरू ॥ शिष्यातूम्हससालि ॥ अशो ककहेएअतीसलू ॥ साप्यूअवशरसालि ॥ १० ॥ कुमरकहोकरवुजिके ॥ ततपीणवोल्याताम ॥ सपेपेंसूणज्योतूम्हे ॥ साधुसगविसराम ॥ ११ ॥ विष

यरागवलीवर्जवो ॥ सवसरूपनेंसाबि ॥ कुसगत्यागनीतकीजीइ ॥ [illegible]
चउदाव ॥ १२ ॥ साधु २ इमशक्रकहे ॥ करतुअमेअगीकार ॥ [illegible]
कृतपुन्यछो ॥ सफलजनमतूमसार ॥ १३ ॥ धरमीयथातिणेंपन्यछे ॥ [illegible]
हवोल्यातिणीवार ॥ आपनुदरीसनअधन्यनें ॥ नहोइइमनीरवार ॥ [illegible]
कुमरप्रशशाइमकरी ॥ गयातेनिज २ गेह ॥ केईकदिनइमअतीकम्या ॥ [illegible]
णिअवशरजुउएह ॥१५ ॥ ढाल ॥ कउमाराआयागुरुजीपाछणा ॥ [illegible]
आईवसंतरीतूअन्यदा ॥ वनसिरीअतिविलसत ॥ म्हारासाजनवाहला ॥ [illegible]
लोवसतजोवाजईइ ॥ आंवेमजरीउलई ॥ अतिमुक्तकउल्लसत ॥ [illegible]
म्हा० ॥ तिलकादिकफूल्याघणा ॥ मलयाचलवायावाय ॥ म्हा० ॥ [illegible]
रगुजारवकरीरहा ॥ कोकिलशब्दसूणाय ॥ १७ ॥ म्हा० ॥ मदनपा[illegible]
दहनें ॥ विकसीतकमलिणीभाय ॥ म्हा० ॥ काननसेवेवझजना ॥ [illegible]
दपतीखमाय ॥ १८ ॥ म्हा० ॥ नगरमहर्द्धिकआवीआ ॥ इणिसमेसूणी
पास ॥ म्हा० ॥ विनवेइणिपरेंरायनें ॥ पुरोअम्हारीआस ॥ १९ ॥ म्हा० ॥
नित्यउंवढेयथपी ॥ तोपणिआजवीसेस ॥ म्हा० ॥ उंवउपरिहोयस्ये ॥
उंवजननेंअसेश ॥ २० ॥ म्हा० ॥ पाउधारोतिणेंराजीआ ॥ तवचितेम
हाराय ॥ म्हा० ॥ मोकलुसमरादित्यनें ॥ देषेविचित्रसमवाय ॥ [illegible]
म्हा० ॥ तोसमीछीतअम्हनिपजे ॥ उपजेकामविकार ॥ म्हा० ॥ इमवि
चारीतेहनें ॥ साषेसूणोपरकार ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ उंववझदेषावीआ ॥ [illegible]
लक्षोपरमाणद ॥ म्हा० ॥ हवेदेषावोकुमरनें ॥ तुमचोएहनरिद ॥ [illegible]
म्हा० ॥ कहेमहर्द्धिकरायनें ॥ किधोअमसूपसाय ॥ म्हा० ॥ इमकहिते
निजघेरगया ॥ तेमाषेकुमरनेराय ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ वउस्थितीएआपणी ॥
मधुउंवथाशआज ॥ म्हा० ॥ जोवाजाइनरपती ॥ इमसापेंमहाराज ॥ [illegible]
म्हा० ॥ एमारगतुम्हेआचरो ॥ म्हेंजोयुवझवार ॥ म्हा० ॥ हर्षयस्येप्रजा
लोकनें ॥ तिमस्वजनपरीवार ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ कुमरप्रमाणकरेहवे ॥ हर
ष्योरायअत्यत ॥ म्हा० ॥ आणीकरेप्रतीहारनें ॥ जईससलाषोतत ॥ [illegible]

म्हा० ॥ ज्ञानगरगमुखमत्रीनें ॥ रथवरप्रमुखतयार ॥ म्हा० ॥ करीनेंकुम
रस्यूनिकलो ॥ एहआणाअवधारि ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ प्रतिहारेंजईहर्षथी ॥
संसलाध्योअवदात ॥ म्हा० ॥ तेपणिहरर्षेतिमकरे ॥ रथवरतेहविख्यात ॥
॥ २९ ॥ म्हा० ॥ यत्रयोधथाप्यातिहा ॥ वलिवैजयतीपताक ॥ म्हा० ॥
घुघरीचिङ्गदिशरणऊणें ॥ पुण्यतणापरिपाक ॥ ३० ॥ म्हा० ॥ छत्रचाम
रघणुंसोहता ॥ लटकेरयणनीदाम ॥ म्हा० ॥ आसनमाम्युतिहांकिणें ॥
इणिअवसरतिणेंठाम ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ कुकमवस्त्रपहेरीकरी ॥ पात्रलोक
तिहाआय ॥ म्हा० ॥ विविधयानवेशीवली ॥ आवेसूजगनप्राय ॥ ३२ ॥
म्हा० ॥ कुमरजोवानेंकारणें ॥ वहुतिहाराजकुमार ॥ म्हा० ॥ गोषेंरहिअ
तेउरी ॥ कुमरदर्शननेंशार ॥३३॥ म्हा०॥ सूपआणाथीपरिवस्यो ॥ निकल्यो
तामकुमार ॥ म्हा० ॥ मीत्रअशोकादिकसङ्ग ॥ चाल्याकुमरनीछार ॥ ३४ ॥
म्हा० ॥ वेठारथवरउपरि ॥ मीत्रनीसार्थेतेह ॥ म्हा० ॥ रथचाल्योहवेजे
तले ॥ जय २ शब्दकरेह ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ पात्रतेनाचेपगि २ ॥ पुठेराज
कुमार ॥ म्हा० ॥ कौतूकविविधप्रकारनां ॥ देपतांअतिवीस्तार ॥ ३६ ॥
म्हा० ॥ राजमारगतिहांआविआ ॥ निज २ लेईसमुदाय ॥ म्हा० ॥ रीद्धिवि
शेंसेंसोहेघणुं ॥ अचरीजवीबुधनेंथाय ॥ ३७ ॥ म्हा० ॥ वाजित्रविविधप्र
कारनां ॥ देपतालहेवैराग ॥ म्हा० ॥ सावनासावेएहवी ॥ अहो २ मोहअ
ताग ॥ ३८ ॥ म्हा० ॥ अहोअकार्यमाधीरता ॥ अहोचेटापरमाद ॥ म्हा० ॥
अहोदिरघदरसीनही ॥ अहोअणालोचितवाद ॥ ३९ ॥ म्हा० ॥ अहोसव
नीअशुरुता ॥ अहोसंशारनोसंग ॥ म्हा० ॥ इमचितवताचालतां ॥ वाधेंवै
राग्यतरग ॥ ४० ॥ म्हा० ॥ तासस्वरुपविचारतो ॥ सारथीदार्पेतासा ॥ म्हा० ॥
सिन्न २ कौतूकप्रति ॥ वाघतेहर्षउल्लास ॥ ४१ ॥ म्हा० ॥ नवमाखण्डतणी
कही ॥ चोथीढालरसाल ॥ म्हा० ॥ पद्मविजयएहरासमां ॥ सुणतांमगल
माल ॥ ४२ ॥ म्हा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ऊहा ॥ आगलिजातांशणसमें ॥ देउलपीठेंदिठ ॥ रोगेंपिड्योरगरगें ॥ नरए

कवेगोनीउ ॥ ४३ ॥ दिठोहाथउ्यूदोरमी ॥ परगटसूऊ्यापाय ॥ [illegible]
अशुचीअती ॥ मांपीदेहनमाय ॥ ४४ ॥ निकलीआंरालांनयण ॥ [illegible]
हीनाश ॥ कुमरदेपीमनकर्मनी ॥ परिणतीचितेपास ॥ [illegible] ॥ [illegible]
कुमरजी ॥ बुऊववावऊलोक ॥ सारथीनेंपुठेसथर ॥ रहोएसापोरोक ॥ [illegible]
नाटिकस्यूएनीरपीइ ॥ तवशारथीकहेतेह ॥ नहिएनाटिकनाचजी ॥ [illegible]
व्याधेंपस्योएह ॥ ४७ ॥ कुमरकहेव्याधीकवण ॥ सारथीकहेसूजाय ॥ [illegible]
रसूदरअसूदरकरे ॥ विणकालेंएवियाण ॥ ४८ ॥ कुमरकहेएकापुरिस ॥ [illegible]
तातसहेकिमताम ॥ सारथीबोल्योसांसलो ॥ एहवध्यनहीआम ॥ [illegible] ॥ कु
मरकहेवध्यकिमनही ॥ मागेरवमगमहत ॥ व्याधीरहेतूवेगलो ॥ [illegible]
तूऊअत ॥ ५० ॥ अथवाजुऊनेंआवितू ॥ उष्टतूथेउखलोक ॥ इमआपीनेंज्ञा
स्यो ॥ सघलोमुकीशोक ॥ ५१ ॥ चाल्योसनमुखतेचतूर ॥ तेदेपीनेंताय ॥
मिलिआलोकमहाजना ॥ कुअरस्यूकरेकांम ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ [illegible]
रीनावीरसूधीरसामलीआजीरे ॥ एदेशी ॥ सारथीकहेसुणिसाहिबा ॥ म्हारा
वाहलाजीरे ॥ हणवायोग्यनएह ॥ उखरेह ॥ म्हा० ॥ व्याधीनामेंननरअ[illegible]
म्हा० ॥ कर्मनीपरिणतीजेह ॥ सऊदेह ॥ ५३ ॥ म्हा० ॥ साधारणसऊजी
वनें ॥ म्हा० ॥ समरथनहीराणाराज ॥ जयकाज ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेपुर
जनसूणो ॥ म्हा० ॥ एकिमठेकहोआज ॥ अतीभाज ॥ ५४ ॥ म्हा० ॥ पु
रीजनकहेइमजप्रसू ॥ म्हा० ॥ सारथीनेंकहेसारकुमार ॥ म्हा० ॥ तोकिम
एवेसीरसो ॥ म्हा० ॥ बलनवीफोरवेलगार ॥ इणीवार ॥ ५५ ॥ म्हा० ॥ सा
रथीकहेइणिपस्यां ॥ म्हा० ॥ बलशवीनाशीजाय ॥ नउगाय ॥ म्हा० ॥ जो
रएहनुचालेनही ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेतेकुणथाया ॥ सुषगाया ॥ ५६ ॥ म्हा० ॥ सारथी
कहेधरमीसणी ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेसूणोलोक ॥ सऊशोक ॥ म्हा० ॥ धर
मतेकरवोश्रेयठे ॥ म्हा० ॥ परमार्थेएहशोक ॥ सऊफोक ॥ ५७ ॥ म्हा० ॥
पुरीजनकहेसाचुकसु ॥ म्हा० ॥ पणिउठवनोहोयसग ॥ एकग ॥ म्हा० ॥
लोकस्थितिनेंपालवा ॥ म्हा० ॥ नाटिकजोवोरग ॥ सूचग ॥ म्हा० ॥ ५८ ॥

सारथीकहेएसाचलू ॥ म्हा० ॥ इमकहेचाल्याजाय ॥ त्यांदेषाय ॥ म्हा०॥ एकनरनिजसबर्नेरसो ॥ म्हा० ॥ मुखमांसासनमाय ॥ शिथिलाय ॥५९॥ म्हा० ॥ केशगयाशीरनावली ॥ म्हा० ॥ नयणगलेआवेपास ॥ नहिकोपास ॥ म्हा० ॥ दातपडयापरीजनसवे ॥ म्हा० ॥ करेउपद्रवतास ॥ डखवास ॥ ६० ॥ म्हा० ॥ सेठसेठाणीएहवां ॥म्हा० ॥ देषिलहेवैराग्य ॥ महासाग्य ॥ म्हा० ॥ सारथीनेंकहेएकिस्यू ॥ म्हा० ॥ नाटिकअसीनवलाग ॥ अथाग ॥ ६१ ॥ म्हा० ॥ सारथीकहेनाटिकनही ॥ म्हा० ॥ एजरापीडीतसेठ ॥ ॥डषवेठ ॥म्हा०॥कुमरकहेजराकुणठे॥म्हा०॥डखदेवेइमनेठ॥सलीपेठ॥६२ ॥ म्हा० ॥ तेकहेनवजीरणकरे ॥म्हा० ॥ लोकनेंअहीतनीकारकुमार ॥म्हा०॥ कहेकिमतातउवेषता ॥ म्हा० ॥ सारथीकहेचित्तधारि ॥ तिवार ॥ ६३ ॥ म्हा० ॥ तातनेंआयत्तएनही ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेतवइमधरीप्रेम ॥ म्हा०॥ लावोखमगहणअमो॥म्हा०॥नविआयतहोइकेम ॥ जुउनेमा॥ ६४ ॥म्हा० ॥ कहेरेपापिणीतूजरा ॥ म्हा० ॥ मुकितूएहनोख्याल॥ सत्तालि॥म्हा०॥ तुजाते अबलाअठे ॥ मा० ॥ जोमाहरीकरवालविकराल ॥ ६५ ॥ मा० ॥ सनमुख उठ्योतेहनें ॥ मा० ॥ लोकमिल्यांवझताम ॥ स्यूआम ॥ मा० ॥ सारथीक हेअबलानही ॥ मा० ॥ उदारीकपरीणामएठाम ॥ ६६ ॥ मा० ॥ कालवसें एनीपजे ॥ मा० ॥ उखसोस्योतास ॥ विमासि ॥ मा० ॥ सहुसाधारणएहठे ॥ मा० ॥ कुमरकहेसाचीसास ॥ केनास ॥ ६७ ॥मा० ॥ पुरिजनकहेसाचु कहे ॥ म्हा० ॥ तवकहेकुमरविचार ॥ धरीप्यार ॥ मा० ॥ खेदनकरस्यो कोतूम्हे ॥ मा० ॥ एहकरेअपकार ॥ जनवार ॥ ६८-मा० ॥ एहथीपरास वउपजे ॥ मा० ॥ हसवाजोग्यतेथायसुखजाय ॥ मा० ॥ धर्म्मरसायणठां मीनें ॥ मा० ॥ कुणविजोसूखदाय ॥ कहोसाय ॥ ६९ ॥ मा० ॥ सासलीस हुकहेइणिपरें ॥ मा० ॥ अहो२कुमरविवेक ॥ जगएक ॥ मा० ॥ अहोपर मार्थदरसीपणा ॥ मा० ॥ अहो२धर्म्मनीटेक ॥ अतिरेक ॥ ७० ॥ मा० ॥ नयरीलोकस्यूसारथी ॥ मा० ॥ लसासवेगमहत ॥ कहेतत ॥ मा० ॥ अति

अदसूततूम्हेंकहु ॥ मा० ॥ पणिअम्हमोहअनत ॥ नहीसति ॥ [illegible]
सवअनादिअत्यासथी ॥ मा० ॥ मोहवासनानतजाय ॥ महाराय ॥ मा० ॥
कुमरकहेजेतजेनही ॥ मा० ॥ परिसवकरेजराय ॥ जमराय ॥ [illegible]
श्णसमेंदिठुएहवु ॥ मा० ॥ दरिद्रपुरुषमृतकोय ॥ खोटेसोय ॥ मा० ॥ [illegible]
जीरणउंढ्यूतिणें ॥ मा० ॥ दिनपुरुषेंलिउंजोय ॥ वझरोय ॥ ७६ ॥ मा० ॥
स्त्रीजनडुखणीरोवती ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवदेखि ॥ सझपेखि ॥ मा० ॥ [illegible]
तामोहवासनातणी ॥ मा० ॥ रहेवाशोसुविशेष ॥ स्यूएष ॥ ७७ ॥ मा० ॥
एनाटिकअचरीजजस्यू ॥ मा० ॥ सारथीकहेअवदात ॥ विख्यात ॥ मा० ॥
मनचितेतेसारथी ॥ मा० ॥ सवेगकारणव्रात ॥ आयात ॥ ७८ ॥ मा० ॥
अहोसचारअचारता ॥ मा० ॥ प्रतिवोधननिमीत्त ॥ धरीहित ॥ मा० ॥ [illegible]
जाण्यापरेपुढतो ॥ मा० ॥ सापुयथारथरीति ॥ लहीप्रीति ॥ ७९ ॥ मा० ॥
कुमरसुणोकहेसारथी ॥ मा० ॥ एमृत्युश्पसोआज ॥ करेताज ॥ मा० ॥
वधुपणिरापेनही ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोस्यूकाज ॥ कहोराज ॥ ७[illegible] ॥
किमरापेपुरीमांपीता ॥ मा० ॥ कहेसारथीनहीएह ॥ कोईदेह ॥ मा० ॥
मारीकीमसकीश्प्रसू ॥ मा० ॥ खमगलावोकहेतेह ॥ हणजेह ॥ ७८ ॥
॥ मा० ॥ रेरेमृत्यूउसोरहे ॥ मा० ॥ जुझकरेमुझसग ॥ धरीरग ॥ मा० ॥
श्मकहीसाहमोदोमीउ ॥ मा० ॥ सारथीकहेतवचग ॥ एकंग ॥ ७९ ॥ मा० ॥
हणवायोग्यनएहछे ॥ मा० ॥ साधारणसझजिव ॥ अतीव ॥ मा० ॥ आयु
करमनेंवससवे ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवखीव ॥ अझीव ॥ ८० ॥ मा० ॥ नय
रीजनपुछेकहे ॥ मा० ॥ सत्यप्रसूछेएह ॥ नसदेह ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोसा
रथी ॥ मा० ॥ वांधवछमेकेह ॥ तसदेह ॥ ८१ ॥ मा० ॥ सारथीकहेजीव
तोगयो ॥ म्हा० ॥ रघुकलेवरतास ॥ डुखवास ॥ मा० ॥ गुणससारीतेहना ॥
मा० ॥ रोवेसझनीश्वास ॥ डुखराशि ॥ ८२ ॥ मा० ॥ नवमेखमेएकही ॥
मा० ॥ रुडीपचमीढाल ॥ रसाल ॥ मा० ॥ पद्मविजयएरासमां ॥ म्हा० ॥
सुणतमंगलमाल ॥ विशाल ॥ ८३ ॥ मा० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

॥ ऊहा ॥ अतीवक्षसजोएहवे ॥ किमनवीजाईकेमि ॥ कुमरकहेजाइएककि
म ॥ तेसङ्गनवीगयोतेमि ॥ ८४ ॥ सारथीकहेसूणिसाहिवा ॥ कहिनजाइका
य ॥ कर्मविचित्रकथाकही ॥ जिवविचित्रगतीजाय ॥ ८५ ॥ कुमरकहे
जोइमकहो ॥ अहोहवेकिस्योउपाय ॥ सारथीकहेतूम्हेसासलो ॥ जोगीग
म्यजणाय ॥ ८६ ॥ अम्हेनजाणएअरथ ॥ समरादित्यकहेशार ॥ कहो
लोकोएकिमअवे ॥ सङ्गकहेकहेश्रीकार ॥ ८७ ॥ तवकहेकुमरततपीर्ये ॥
एजोइमअधीकार ॥ सङ्गएनाटिकथीसस्यु ॥ वारुकृदयविचार ॥ ८८ ॥
सासलीसङ्गसवेगीआ ॥ पाम्याकेईप्रमाण ॥ समकितकेईशिवपथनें ॥ जा
णीकुअरजाण ॥ ८९ ॥ माहणदेवसेनमुखें ॥ सासल्योव्यतीकरसर्व ॥ अव
नीपतीविहतोअती ॥ गयोतेचितथीगर्व ॥ ९० ॥ ढाल ॥ सखीचैत्रजमहिनें
चाल्या ॥ एदेशी ॥ तेमवामोकलेहवेराय ॥ वहेलाघरिआवोसाय ॥ सूणिकु
मरआव्यानिजठायहोराजि ॥ ९१ ॥ मानोवचनहमारो ॥ एआकणी ॥ आ
विबेसेरायनीपास ॥ सूपसापेतवसुविलास ॥ मागवुकांयतूझसकासिहोरा
जि ॥ ९२॥मा०॥तुझमानवुपमस्येतेहा॥कहेकुअरतवशसनेह ॥ गुरुवयणलो
पेकुणरेहहोराजि ॥ ९३ ॥ मा० ॥ नृपकहेतुझठेपरतीत ॥ पणितूझउपरि
घणिप्रीती ॥ तिर्णेकहिइएइणिरितीहोराजि ॥ ९४ ॥ मा० ॥ जाउंकहेस्यूअ
वसरपामी ॥ उठ्याकुअरनृपशीरनामी ॥ निजउचितकरेनवीपामीहोराजि ॥
॥९५॥मा०॥ वेगमित्रस्यूवलीएकदिन्ना॥ करेधर्मकथाघनधन्या॥प्रतिहारआ
वीकहेकन्नहोराजि ॥ ९६ ॥ मा० ॥ तुम्हमाउलपासथीआया ॥ कोईकामें
महतसोहाया ॥ तिर्णेतुम्हतेमेनरराजाहोराजि ॥ ९७ ॥ मा० ॥ सूणिमीत्र
स्युकुमरतेआया ॥ प्रणमीवेगानीजठाया ॥ नृपवोलेसासलोजायाहोराजि
॥ ९८ ॥ मा० ॥ खड्गसेनमाउलतुझजेह ॥ कहेवरावेतुम्हनेंतेह ॥ दोयक
न्यामुझरूपरेहहोराजि ॥ ९९ ॥ मा० ॥ विभमवतीविभमआणें ॥ कामल
ताकामीकरेप्राणें ॥ जीवथीअधिकितेवपाणेहोराजि ॥ २०० ॥ मा० ॥
स्वयवरातेदोयआई ॥ वरतोसङ्गनीअनुजाई ॥ परणोतूम्हेचित्तमांलाईहोरा

जि ॥ १ ॥ मा० ॥ तिर्णेलहेस्यूअमेसतोस ॥ तेनृपनेंमोदनोपोस ॥ गुरुवयणें तुम्हनहीदोशहोराजि ॥ २ ॥ मा० ॥ कन्यापणिलहेआणंद ॥ इमसाध्यूंआ मनरिंद ॥ चिंतेकुमरसूखकदहोराजि ॥ ३ ॥ मा० ॥ पुर्वेतातेंपणिकुंजाणें ॥ साध्यूतेएहजटाण ॥ तातबोलेछेअतीशांणहोराजि ॥ ४ ॥ मा० ॥ गुरुवय णतेकिमलोपाय ॥ गुरुवयणथीमगलथाय ॥ तवबोलेइमनरायहोराजि ॥ ॥ ५ ॥ मा० ॥ नविकीजेंकांयविचार ॥ प्रार्थनापणिएहउदार ॥ करविआव स्यनिरधारहोराजि ॥ ६ मा० ॥ कुमरेंतेहमानीवात ॥ नृपहरष्योसातेथात ॥ कहेउचितएतुझअवदातहोराजि ॥ ७ ॥ मा० ॥ तुझधर्मतणोपक्षपात ॥ प णिलोकमारगविख्यात ॥ अनुसरतांहोयसूखसातहोराजि ॥ ८ ॥ मा० ॥ उ पजेवलीजवसतान ॥ वयअतिक्रमेंजामजुवान ॥ तवसेवबुद्धतअसमानहो राजि ॥ ९ ॥ मा० ॥ कुअरकहेरुडुआस्ये ॥ इणिअवशरिघरनेंपासें ॥ सिद्धा र्थपुरोहीतसासेहोराजि ॥ १० ॥ मा० ॥ एहमांनहीकांयसंदेह ॥ गजगुल गुलशब्दकरेह ॥ वाजेमगलतुरसनेहहोराजि ॥ ११ ॥ मा० ॥ बदिबोलेज य २ वाणि ॥ अनुकुलशकुनसहुजाणि ॥ हरष्योनरपतीगुणषाणिहोराजि ॥ ॥ १२ ॥ मा० ॥ बोल्योकालनिवेदिताम ॥ मध्याह्नसमयथयोआम ॥ सूर यआव्योमध्यगामहोराजि ॥ १३ ॥ मा० ॥ केईप्राणीकरतास्नान ॥ केई देवपूजाकेईदान ॥ गुरुसूश्रुषासनमानहोराजि ॥ १४ ॥ मा० ॥ केईध्यान मुकीअणगार ॥ करवाजननेंउपगार ॥ गयागोचरीनेंअधीकारहोराजि ॥ ॥ १५ ॥ मा० ॥ सूणीकुमरनेंआणाआपे ॥ करोकरणीउचितेआपे ॥ प्रण मेकुमरसूखव्यापेहोराजि ॥ १६ ॥ मा० ॥ राश्वरूदिधांदांन ॥ नयरीशो साअसमांन ॥ सूरलोकसरीसोवानहोराजि ॥ १७ ॥ मा० ॥ देवतानीपुजा उकिधी ॥ नाचेपगें२पात्रप्रसीधी ॥ अतेउरीहरषमांगिरिहोराजि ॥ १८ ॥ मा० ॥ मगलवाजांबहुवाजे ॥ नृपतेमेगणकसमाजें ॥ पुछेलगनविवाहनेंका जेंहोराजि ॥ १९ ॥ मा० ॥ कहेपचमीआजप्रधान ॥ नहिअवरकोएहस मान ॥ वधावीलिइराजानहोराजि ॥ २० ॥ मा० ॥ खरूनवमेउठीडाल ॥

सूणतांहोयमगलमाल ॥ कहेउत्तमवीजयनोबालहोराजि ॥ २१ ॥ मा० ॥
॥ ऊहा ॥ आणाकरीअमात्यनें ॥ सामग्रीकरोसद्ध ॥ तहतिकरीतेपणितूरत ॥
करतातीमहिजकद्ध ॥ २२ ॥ शुसटनेंआपेसामटा ॥ आयुधअतिअवल्ल ॥
अतेउरीनेंआपतां ॥ नानाआसरणनवल्ल ॥ २३ ॥ रथवरशोसारूअमी ॥
गाजेवलीगजराज ॥ अवाजीअवरअमी ॥ सिंदूरादिकसाज ॥ २४ ॥ तुरग
तयारकरयाअती ॥ करणीउचीतकरेय ॥ तोरणवांध्यांमणितणां ॥ ध्वजप
टकनकघरेय ॥ २५ ॥ सयलविधीकरयोसहजमां ॥ करीपुजाकुलदेव ॥
प्रणमीमावीत्रपाउलें ॥ मीत्रमानीस्वयमेव ॥ २६ ॥ रथवरवेगकुअरजी ॥
सार्थेमीत्रनोसाथ ॥ परगटपरणवाचालीउ ॥ समरादित्यसनाथ ॥ २७ ॥
ढाल० ॥ कोमीसोनईश्कासीदी ॥ म्हारावाहलाजीरे ॥ करनारोनहीकोय ॥
जईनेंकेज्यो ॥मा०॥एदेशी॥ परणवावरघोमेचढया ॥ वरराजाजीरे॥ नाचेप
गिं २ पात्र ॥ जोवाचालोवरराजाजीरे ॥ मगलतूरवजावते ॥ वर ॥ लोकमि
ल्यातेअमात्र ॥ २८ ॥ जोवा० ॥ अतेउरीरथमारही ॥ वर ॥ गावेमगलगी
त ॥ जोवा ॥ नयरीलोकआणदिउ॥ व ॥ रायनेंहरषनमाय ॥२९॥ जोवा॥०
सवेगेसावीतमती ॥ वर ॥ वरमनअचरीजथाय ॥ जोवा० ॥ सवस्वरु
पचितचितवे ॥ वर ॥ लोककरेपरसश ॥३०॥ जोवा० ॥ विवाहसवनेंआवी
आ ॥वर॥ उपनाउत्तमवशा॥जोवा॥ माहिरामांहिआविआ॥वर०॥दिठीकन्या
दोय॥ ३१ ॥जोवा०॥गजदतमयीजिमपुतली॥वर०॥विभमवतीतिहाजोय॥
॥जो०॥वरआसरणेंदेहमी॥वर०॥कुकुमविलेपनहोया॥३२॥जो०॥कामलताव
लीशोसती॥वर०॥इद्रनिलमणीवाना॥जोवा०॥हरीचदनविलेपीउ॥वर०॥राजेअ
तीअसमांन ॥ ३३ ॥ जो० ॥ कुमरदेपीमनचितवे ॥ वर० ॥ अहोसुदरआ
कार ॥ जो० ॥ अहोलावण्यनिकलकता ॥ वर० ॥ अहो २ विनयप्रकार॥
॥ ३४ ॥ जो० ॥ मुरतिशातिघणीअछे॥ वर० ॥ जाणहोस्येजोग्य ॥जो०॥
करीशापीअगनीतणी॥वर०॥करेकशारआरोगा॥ ३५ ॥ जो० ॥ पाणिपहणइ
मनीपनो ॥ वर० ॥ फेराफरिआताम ॥ जो० ॥ उचितदानसवीदीघलां ॥

जि ॥ १ ॥ मा० ॥ तिर्णेलहेस्यूअमेसतोस ॥ तेरूपनेंमोहनोपोस ॥ गुरूवयणें तूम्हनहीदोशहोराजि ॥ २ ॥ मा० ॥ कम्यापणिलहेआणंद ॥ इवसाध्यूंजा मनरिंद ॥ चिंतेकुमरसूखकदहोराजि ॥ ३ ॥ मा० ॥ पुर्वेतातेंपणिकुंजाणें ॥ साध्यूतेएहजटाण ॥ तातबोलेछेअतीशांणहोराजि ॥ ४ ॥ मा० ॥ गुरुवय णतेकिमलोपाय ॥ गुरुवयणथीमगलथाय ॥ तवबोलेइमनरायहोराजि ॥ ॥ ५ ॥ मा० ॥ नविकीजेंकायविचार ॥ प्रार्थनापणिएहउदार ॥ करविअव स्यनिरधारहोराजि ॥ ६ मा० ॥ कुमरेंतेहमानीवात ॥ रूपहरष्योसातेवात ॥ कहेउचितएतुझअवदातहोराजि ॥ ७ ॥ मा० ॥ तुझधर्मतणोपक्षपात ॥ प णिलोकमारगविख्यात ॥ अनुसरतांहोयसूखसातहोराजि ॥ ८ ॥ मा० ॥ उ पजेवलीजवसतान ॥ वयअतिक्रमेंजामजुवान ॥ तवसेवबुव्रतअसमानहो राजि ॥ ९ ॥ मा० ॥ कुअरकहेरुमुथास्ये ॥ इणिअवशरिघरनेंपासें ॥ सिद्धा र्थपुरोहीतसासेहोराजि ॥ १० ॥ मा० ॥ एहमांनहीकांयसंदेह ॥ गजनुझ गुलशब्दकरेह ॥ वाजेमगलतुरसनेहहोराजि ॥ ११ ॥ मा० ॥ बदिबोलेज य २ वाणि ॥ अनुकुलशकुनसझजाणि ॥ हरष्योनरपतीगुणषाणिहोराजि॥ ॥ १२ ॥ मा० ॥ बोल्योकालनिवेदिताम ॥ मध्याह्नसमयभयोआम ॥ सूर यआव्योमध्यगामहोराजि ॥ १३ ॥ मा० ॥ केईप्राणीकरतास्नान ॥ केई देवपूजाकेईदान ॥ गुरुसूश्रुषासनमानहोराजि ॥ १४ ॥ मा० ॥ केईध्यान मुकीअणगार ॥ करवाजननेंउपगार ॥ गयागोचरीनेंअधीकारहोराजि ॥ ॥ १५ ॥ मा० ॥ सूणीकुमरनेंआणाआपे ॥ करोकरणीउचिततेआपे ॥ प्रण मेकुमरसूखव्यापेहोराजि ॥ १६ ॥ मा० ॥ राश्वझदिधांदांन ॥ नयरीशो साअसमांन ॥ सूरलोकसरीसोवानहोराजि ॥ १७ ॥ मा० ॥ देवतानीपुजा उकिधी ॥ नाचेपगें २ पात्रप्रसीधी ॥ अंतेउरीहरषमांगिरिहोराजि ॥ १८ ॥ मा० ॥ मगलवाजांवझवाजे ॥ नृपतेमेगणकसमाजें ॥ पुछेलगनविवाहनेंका जेंहोराजि ॥ १९ ॥ मा० ॥ कहेपचमीआजप्रधान ॥ नहिअवरकोएहस्त मान ॥ वधावीलिश्राजानहोराजि ॥ २० ॥ मा० ॥ खमनवमेउठीडाल ॥

वर० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ जोवा० ॥ पद्मविजयसोहामणी ॥ वर० ॥ ढा
लअधीकउल्लास ॥ ५१ ॥ जोवा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ढुहा ॥ सूणोदृष्टातसोहामणो ॥ कामरुदेशकहत ॥ नामेंमदनपुरवरनय
र ॥ प्रद्युम्ननृपपसणत ॥ ५२ ॥ रतिराणीरतीरुपथी ॥ विषयनोसूखविलस
त ॥ नृपरमवानेंनीकल्यो ॥ रहवामीसूरमत ॥ ५३ ॥ राणीतवगोपेंरही ॥
राजमारगनीरपत ॥ विमलमतीसउवाहसूत ॥ शुलकरनामसोहत ॥ ५४ ॥
जौवनवयतसजाणीनें ॥ उपनोअतिअविवेक ॥ अवलोकेंआदरकरी ॥ अ
सीलापाअतीरेक ॥ ५५ ॥ तसदृष्टीथईतेहपणि ॥ गिरवरथयोगमार ॥ चित्त
जाणएअतीचतूर ॥ राणिहृदयविचार ॥ ५६ ॥ एकदेशेंउसोरह्यो ॥ जाणी
जालनीनाम ॥ दाशीनेंदेपावती ॥ आणितुएहनेंआम ॥ ५७ ॥ कामीहृदय
होयअतीकठीन ॥ लेईआवितेल्हार ॥ पल्यकेवेठोपठें ॥ वासगृहेतिणिवार ॥
॥ ५८ ॥ विधुदिशतवोलनु ॥ अर्धपमुशणेएह ॥ सुणिउंशब्दशणिसर्मे ॥ कल
यलवदिकरेह ॥ ५९ ॥ ढाल ॥ आजगईतीहुसमवसरणमा ॥ एदेशी ॥ राणी
वीचारेएसूपतीआव्यो ॥ हवेनहीअन्यउपायरे ॥ घाल्योवाहिरजवानेंथानी
क ॥ आव्योहवेनररायरे ॥ ६० ॥ शीलपालोसविसावधरीनें ॥ शिलेंशदग
तीहोयरे ॥ शीलविराधननाफलएहवां ॥ इहसवमापणिजोयरे ॥ ६१ ॥ शी० ॥
रायकहेवारकनरतेमो ॥ शौचकरेवाजावुरे ॥ शुलेंकरसूणीचीत्तविचारे ॥ मर
णअवस्यइहापावुरे ॥ ६२ ॥ शी० ॥ मरणविकलहीपम्योसमासे ॥ महाउर
गघनअधकारोरे ॥ विष्टाकूपकृमीकूलेंव्यापीत ॥ पमीउंतेहमाकिनारोरे ॥
॥ ६३ ॥ शी० ॥ अशुचिसरीउंकृमीशपाधो ॥ दृष्टीप्रशाररोकाणोरे ॥ अग
शकोच्युवेदनपाम्यो ॥ आकुलहोयतिणटाणोरे ॥ ६४ ॥ शी० ॥ अगरक्ष
कनृपनेंतिहाजोयु ॥ आव्योनृपतिणठायोरे ॥ शरीरस्थीतीकरीनेंफीरीआ
यो ॥ राणीस्यूकालगमायोरे ॥ ६५ ॥ शी० ॥ साझेरायससामापोहतो ॥
राणीतवजोवरावेरे ॥ नविदीठोतवकहेश्मराणी ॥ कहोसाईउंकिहांजावेरे ॥
॥ ६६ ॥ शी० ॥ दाशीकहेएमरणनासयथी ॥ पमीउंकूपमझारोरे ॥ चि

वर० ॥ किधासघलाकाम ॥ ३६ ॥ जो० ॥ इणिअवशररवीआभिम्यो॥
वर० ॥ उग्योनहगणचंद ॥ जो० ॥ वाससूवनसजिउतिहां ॥ वर० ॥ मणि
दिपकनाटद ॥ ३७ ॥ जो० ॥ कुसुमसज्यातिहापाथरी ॥ वर० ॥ लठकेचं
पकदाम ॥ जो० ॥ भमरावलीवलीरणझणे ॥वर०॥ पमवासेगधवाम ॥[illegible]॥
जो० ॥ दोयवधुवेठीजीहा ॥ वर० ॥ आव्यातिहांकुमार ॥ जो० ॥ मित्रअ
शोकादिकेंकरी ॥ वर० ॥ परवरीउपरीवार ॥ ३९ ॥ जो० ॥ उसीअइतेदोय
वधु ॥ वर० ॥ कुमरसज्याइनिष्पन्न ॥ जोवा० ॥ उचितथानिकवेठांसकु ॥
वर० ॥ मित्रनारीवझपन्न ॥ ४० ॥ जो० ॥कुदलताप्रमुखाजीके ॥ वर० ॥
सखीउवेठीपास ॥ जो० ॥ विभ्रमवतीनीकुदलता ॥ वर० ॥ कामलतामानि
नीषास ॥ ४१ ॥ जो० ॥ कुदलतालावीदीइ ॥ वर० ॥ तबोलकुसुमनीमाल॥
जो० ॥ विभ्रमवतीइमोकली॥वर०॥ ल्योतुमेकूमररशाल ॥४२ ॥जो०॥निज
करथीगुथीअठइ ॥ वर० ॥ धरतिरागअत्यत ॥ जो० ॥ मानिनीमाधवीकुसु
मनी ॥ वर० ॥ मालामनमोहत ॥ ४३ ॥ जो० ॥ कुमरनेंआपीइमकहे ॥
वर० ॥ करोसफलअनुराग ॥ जो० ॥कुमरकहेकिमरागछे॥ वर० ॥ तवसा
कहेलहीलाग ॥ ४४॥ जो० ॥ हरषविषादेबोलती ॥ वर० ॥ कुमरगसीरसु
णीवाणी ॥ जो० ॥ नामतुमारुसांसल्यू ॥ वर० ॥ तेदिनथीतूम्हफाए ॥४५॥
जो० ॥ थाइदिन २ ऊवली ॥ वर० ॥ करेनीततूमचीवात ॥ जो० ॥ एहवी
वातसूणीहवइ ॥ वर० ॥ चितवेकन्यातात ॥ ४६ ॥ जो० ॥ जुगतोरागए
जाणीनें ॥ वर० ॥ मोकलीतूमनेंपाणि ॥ जो० ॥ सफलमनोरथनीपनो ॥
वर० ॥ आव्युंसघलुगणि ॥ ४७ ॥ जो० ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ वर० ॥
छेमुझउपरिराग ॥ जो० ॥ रागीकहिइंतेकरे ॥ वर० ॥ कार्यअकार्यविसागा॥
॥ ४८ ॥ जो० ॥ धर्मदेशनाकीजीइ ॥ वर० ॥ अवसरहिमणांएहा॥ जोवा॥
इमसमरादित्यचितवी ॥ वर० ॥ कहेजोअमपरिनेह ॥ ४९ ॥ जो० ॥ तो
अहिनेवरतावतां ॥ वर० ॥ किमलहिइअनुरागा॥जो० ॥मानिनीकहेईमकिम
कहो ॥ वर० ॥ कुमरकहेसुणोवाग ॥ ५० ॥ जो० ॥ सातमीनवमारवममां॥

अतीसूविनीतरे ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ विभमवतीकहेमोहगयोभ्रम ॥ उपनुस म्यगनाणरे ॥ विषयरागटलीउंसवसयथी ॥ पीउतूम्हवचनप्रमाणरे ॥ ८४ ॥ श्री० ॥ कामलतापणिइमहीजसापे ॥ तवसमरादीत्यसासेरे ॥ सर्लेतूमेमानव नोसवपांम्यां ॥ कुशलबुद्धीजिणेंपासेंरे ॥ ८५ ॥ श्री० ॥ तिणेंतूम्हविषय त्यागघटेकरवो ॥ मोहजनीतमोहहेतूरे ॥ मोहस्वरुपमोहानुवधी ॥ सक्लेश तिमशमघेतूरे ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ संक्लेशजनीतनेशक्लेशहेतू ॥ तिमसक्लेशभ्र नुवधेरे ॥ जावजीवशमोमोहचेष्टा ॥ कुशलबुद्धीनेशंधेरें ॥ ८७ ॥ श्री ०॥ इत्यादिकवयणांसूणीश्रवणें ॥ बोलेवधुटीदोयरे ॥ जावजीवपच्चख्यूभर्मेभ्र भ्रम्ह ॥ हरष्योकुमरतेसोयरे ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नवमेखमेढालभ्रनोपम ॥ ॥ आठमीभ्रदसूतसाषीरे ॥ पद्मविजयकहेधन्यएदपती ॥ जिणेंएहवीमतिरा षीरे ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ऽहा ॥ हरष्योकुमरहैयाथकी ॥ कहेअहोहलूआंकर्म ॥ धन्यताउपसम घीरता ॥ धारकअहोपतिघर्म ॥ ९० ॥ इहलोकनीइहानही ॥ अहोगसिर अपार ॥ इमचितिआर्षेइस्यु ॥ साधुकरयुसुखकार ॥ ९१ ॥ मेंपणिजाव जीवमुणो ॥ चोथुव्रतकरयुचित्त ॥ अहो २ शोसनआदरयु ॥ मुखथीकहे सङ्गमीत्त ॥ ९२ ॥ कुसूमदृष्टिदेवेंकरी ॥ उत्तमअध्यवशाय ॥ चितेकुमरवि चारइम ॥ शुत्तपरिणामसुहाय ॥ ९३ ॥ तदावरणपइतेहनें ॥ अवधीज्ञानउ प्पन्न ॥ त्रिकुकालजाणेंतदा ॥ प्रगटसवेगप्रपन्न ॥ ९४ ॥ व्यतिकरसूणिप्र थवीपती॥प्रतीहारनेंपासा॥सांसलीराणीपणिसवे॥चलतोकरेविपासा॥९५॥ अण घटतुअवनीपती॥कहेकामएकीधाराणीकहेरोतीथकी ॥लाहविषयनविलीधा॥ ॥९६॥ढाल ॥पूछेप्यारीनेंघन्नोप्रेमस्यूहोनारी ॥ सूकुलीनी॥ एदेशी ॥ इणसमे आवीदेवांगनाहो ॥ सूणोसूपती॥हैइविराजेहार ॥ सङ्गमनमोहेजिहोराजि ॥ मुगटकुमलकटकेंकरीहो ॥ सु० ॥ कटिमेखलाखलकार ॥९७॥ सङ्गा॥ देवड प्यथीसोहतीहो ॥ सु० ॥ मणिनेउररणकार ॥ स० ॥ वावनाचदनलिपीउहो ॥ सु० ॥ सूरतरुकुसूमनेघारि ॥ ९८ ॥ स० ॥ मणिदिवापरेंदिपतिहो॥ सु०॥

तातितथईतवराणी ॥ मृतजाण्योनीरधारोरे ॥ ६७ ॥ श्री० ॥ तेहथुसंकरड खथीपीम्यो ॥ सवितव्यतानेंजोगेंरे ॥ आयुबलेंकोईकालगमावे ॥ अशुची रसपानसोगेंरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ विष्टाकुपशोधननेंकाजें ॥ उघाम्योतेहर रे ॥ अशुचिनिर्गममारगेंनीकल्यो ॥ रातिसमयतिणीवारेरे ॥ ६९ ॥ श्री० ॥ देहछवीविणठीनेंनाठा ॥ नखनेंकेशवीरुपरे ॥ किमहीकअगपषालीनिजघ रि ॥ पोहतोकटसरुपरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ बीहनोपरीजनसयथीकूणए ॥ ते हकहेमतबीहोरे ॥ शुसकरऊंपितातवपुछे ॥ विमलमतीमतीलीहोरे ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ स्यूंतेंकीधुजिणेंइमकुउं ॥ तवकहेपुत्रविचारोरे ॥ मरणलसोमतजा णोपीताजी ॥ तेहजकुअवधारोरे ॥ ७२ ॥ श्री० ॥ पणिजेकरणीथीइमकुउंतेस सलावुअसागरोकरीएकांतनेंसाष्यूसघलू ॥सासलीतातविरागोरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥ वातरहीतघरमांतसथापे ॥ सहस्रपाकादिकतेलेंरे ॥ परीमर्दनकरीनेंतसतातें ॥ मुलस्वरुपकरीमेलेरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ एकदिनदेवतायतनेंजातां ॥ रतिराणीइ दिठोरे ॥ पुरवनीपरिजालणीमुकी ॥ तेमावेकहीमीठोरे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ मो हदोषेंकरीतेपणिआव्यो ॥ थयुवलीपुरवरीतेंरे ॥ कुपथीनीकल्योवलीसद्ध कुउं ॥ केईककालव्यतीतेंरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ वलिशणिरीतेंकस्युफरीजीव्यो ॥ इमबकुधारगयोआव्योरे ॥ एदृष्टातकसोहवेपुछु ॥ कहोचित्तमाजोसाव्योरे ॥ ७७ ॥ श्री० ॥ रतीनेंरागहतोकेनांही ॥ मानिनीकहेपरमार्थेंरे ॥ रागनही वलीबुद्धीरहीतसा ॥ कुमरकहेतसअर्थेंरे ॥ ७८ ॥ श्री ॥ रागनहीमुकउपरि एहनो ॥ परमार्थेंबुद्धीहीनरे ॥ इर्ष्याकारणचपलस्वसावे ॥ सोगवाठेएवीन रे ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ वस्तुतत्वनसमझेकांई ॥ डरलसनरअवतारेरे ॥ सवसमु द्रमांपांमीनकरे ॥ धर्म्मतेमुढगमारेरे ॥ ८० ॥ श्री० ॥ सहरेत्रणिसूवननेंम त्यू ॥ सहेजेकूरस्वसावरे ॥ नविचारेएहनेंवशआपण ॥ किमधरेविषयबी सावरे ॥८१॥श्री०॥ अहितेवरतावेतेकारण॥ मुकउपरिनहिरागरे ॥ इमसांस लीवकुउंदोयबुझी ॥ लहेसवेगविरागरे ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ शुद्धसावनाश्रकर्म खप्यांवकु ॥ पामीदिशचारीत्तरे ॥ अशआतीशयेंकुमरनापदजुग ॥ प्रणमे

नुकहांए ॥ १३ ॥ स० ॥ केईकच्यारपुरुपहताहो ॥ सु० ॥ द्रव्यश्रुकतिहा
दोय ॥ स० ॥ दोयविपयनालोलपीहो ॥ सु० ॥ मारगपमीवज्यासोय ॥
॥ १४ ॥ स० ॥ कोईकथानिकपेपिउहो ॥ सु० ॥ मणिरत्नकनकनीरा
शि ॥स० ॥ नारीदोयरत्नासमीहो ॥सु०॥ करतीअतीसूविलास॥१५॥ स० ॥
जेपामवुतेपामीआहो ॥ सु० ॥ सनमुखचाल्याताम ॥ स० ॥ वाणियईशीए
अवसरेंहो ॥ सु० ॥ मासाहसकरोआम ॥ १६ ॥ स० ॥ मस्तकउपरिपेप
ज्योहो ॥ सु० ॥ परवतपमस्येएह ॥ स० ॥ उचुजोतादेपीउहो ॥ सु० ॥ रौ
द्रदर्शनथीजेह ॥ १७ ॥ स० ॥ व्यापीरसोआकाशनेंहो ॥ सु० ॥ वारीनश
कीश्तेह ॥ स० ॥ तेपणिपमतोपेपीउहो ॥ सु० ॥ तासउपायनरेह ॥ १८ ॥
स ०॥ शणिसमेवाणीसूणीतिहांहो ॥ सु० ॥ जेश्रेअउकाम ॥ स० ॥ मरण
लहेतेशणिपरेंहो ॥ सू० ॥ वलीलहेडखठाम ॥ १९ ॥ स० ॥ जेहनीरीहएदो
यथीहो ॥ सू० ॥ सावेन्प्रसारतातास ॥ स० ॥ तोकर्मे२दूरेंपसेहो ॥ सू० ॥
कालेउपद्रवनाश ॥ २० ॥ स० ॥ तवएकेकतेंचितवेहो ॥ सू० ॥ जेथानार
तेथाय ॥ स० ॥ पणिएतोनवीठोमीश्हो ॥ सू०॥ सिद्धतेलेवाजाया॥२१॥स०॥
विजापणिमनचितवेहो ॥ सु० ॥ अर्थविपयस्यूनकाज ॥ स० ॥ जेहनाकटू
कविपाकठेहो ॥ सू० ॥ श्मकरीकरताताज ॥ २२ ॥ स० ॥ ड करकारकेहा
कहोहो ॥ सू० ॥ तातविचारोचित्त ॥ स० ॥ रायकहेजेप्रदत्तिआहो ॥ सू०
लेवाविपयनेंवित्त ॥ २३ ॥ स० ॥ ड करकारीतेघणाहो ॥ सू० ॥ नविचारे
जेविवाग ॥ स० ॥ विजानुडकरकिस्यूहो॥सु०॥ जुक्तकरेजेतागा॥२४॥स०॥
नवमीनवमाखमाहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ स० ॥ पद्मविजयसो
हामणीहो ॥ सु० ॥ ढालअधीकउल्लास ॥ २५ ॥सड० ॥ ॥ ७ ॥
॥ डहा ॥ पर्वतपमतोपेपीउ ॥ तेआयुअसराल ॥ सूरअसूरांनहिआसरो ॥
सिपणअतीसयाल ॥२६ ॥ असमजसकारकअती ॥ विपसमजासविपाका॥
विपयनोत्यागवपाणीउ ॥ अमृतसमआपाक॥ २७॥ क्लेशरहीतकुअरकहे ॥
सूखथीएसेवाय ॥ अर्थत्यागपणिशणिपरें ॥ स्यूड करसमकाय ॥ २८ ॥ रा

सोमवदनप्रत्यत ॥ स० ॥ देपीवीस्मयपामीआहो ॥ सु० ॥ हरषविषादेनमं
त ॥ ९९ ॥ स० ॥ बोलेतामदेवागनाहो ॥ सु० ॥ मकरोचीत्तवीषाद ॥स०॥
कुमरेंघणुजुगतूकस्युहो ॥ सु० ॥ टाल्योत्सवविपवाद ॥ ३० ॥ स० ॥ मो
कुमारगशणिसाधीउहो ॥ सु० ॥ अमृतपस्तुतज्यूफेर ॥ स० ॥ आपदाडरेंक
रीशणेंहो ॥ सु० ॥ पुरुपातमशणिपेर ॥२॥ स० ॥ कूडताटालीउदारताहो
॥ सु० ॥ किधीअगीकार ॥ स० ॥ तिणेंकतारथएहवेहो ॥ सु० ॥ धन्यतूम
कुलअवतार ॥२॥ स० ॥ राणितुम्हेंपणिगोमियोहो ॥ सु० ॥ नहिसो
चवायोग्यजेह ॥ स० ॥ शाश्वतसूखशणिआदरयुहो ॥ सु० ॥ धन्यतूफकु
खजिहांएह ॥३॥ स० ॥ बहुजननेंशिवसूखतणहो ॥ सु० ॥ कारणतूफ
सूतनेम ॥ स० ॥ तिणेंवेपासडरेंकरोहो ॥ सु० ॥ नरपतीकहेतवशम ॥४॥
स० ॥ कुणतूमेगोतेकहोहो ॥ सु० ॥ देवीकहेसूणिवाणि ॥ स० ॥ खमगग्रह
रणेंउलपीहो ॥ सु० ॥ सूदरीसणाअसीहाण ॥ ५ ॥ स० ॥ तुफसूतगुणअ
नुरागिणीहो ॥ सु० ॥ रहतूफसवनमफार ॥ स० ॥ रायराणीसुणीहरषीआं
हो ॥ सु० ॥ धन्यगुणवतकुमार ॥६॥ स० ॥ देवतापणिरागीहोशहो॥ सु०॥
देवताबोलेतांम ॥स० ॥ कुमरप्रसावघणोअछेहो ॥ सु० ॥ चालोजईशतेग
म ॥७॥ स० ॥ धरमपिमनिहालिशहो ॥ सु० ॥ कहेतेकरीशकांम ॥ स० ॥
देवीप्रणमीनेंचालीआहो ॥ सु० ॥ कुमरसमीपेंजाम ॥८॥ स० ॥ अवधि
कुमरेंजाणिउहो ॥ सु० ॥ हरषेउसाथाय ॥ स० ॥ प्रणम्यामावीत्रपाउलेंहो॥
सु० ॥ वेगाआसणठाय ॥ ९ ॥ स० ॥ प्रणमीपुछेतातनेंहो ॥ सु० ॥ किमआ
व्यातूमेएथ ॥ स० ॥ अणघटतूएकिधसूहो ॥ सु० ॥ मुफनवीतेम्योतेथ ॥
॥१०॥ स० ॥ नृपकहेदेवीशसापीउहो ॥ सु० ॥ तूमवृत्तातअशेप॥स० ॥ रा
णिकहेगुणवततूहो ॥ सु० ॥ किमदिर्जेआदेश ॥११॥ स० ॥ कुमरकहेतुमे
गुरुजनाहो ॥ सु० ॥ तूमआणाकरूजेह ॥ स० ॥ गुणवतपणफमुफतोरहेहो
॥ सु० ॥ रायकहेसुणोएह ॥१२॥ सु० ॥ ऽ करकामतूम्हेंकस्युहो ॥सु० ॥
समरादित्यकहेवाणि ॥ स० ॥ नहीऽ करशहांसांसलोहो॥ सु० ॥ च्यारपुरुष

नुकहांण ॥ १३ ॥ स० ॥ केईकच्यारपुरुपहताहो ॥ सु० ॥ द्रव्यश्रुकतिहा
दोय ॥ स० ॥ दोयविपयनालोलपीहो ॥ सु० ॥ मारगपमीवज्यासोय ॥
॥ १४ ॥ स० ॥ कोईकथानिकपेपिउंहो ॥ सु० ॥ मणिरत्नकनकनीरा
शि ॥स० ॥ नारीदोयरत्नासमीहो ॥सु०॥ करतीअतीसूविलास॥१५॥ स० ॥
जेपामवुतेपामीआंहो ॥ सु० ॥ सनमुखचाल्याताम ॥ स० ॥ वाणिथईशिए
अवसरेंहो ॥ सु० ॥ मासाहसकरोआम ॥ १६ ॥ स० ॥ मस्तकउपरिपेप
ज्योहो ॥ सु० ॥ परवतपमस्येएह ॥ स० ॥ उचुजोतादेपीउंहो ॥ सु० ॥ रौ
द्रदर्शनथीजेह ॥ १७ ॥ स० ॥ व्यापीरह्योआकाशनेंहो ॥ सु० ॥ वारीनश
कीशतेह ॥ स० ॥ तेपणिपमतोपेपीउंहो ॥ सु० ॥ तासउपायनरेह ॥ १८ ॥
स ०॥ शणिसमेवाणीसूणीतिहाहो ॥ सु० ॥ जेश्रेअउकाम ॥ स० ॥ मरण
लहेतेशणिपरेंहो ॥ सू० ॥ वलीलहेडखगाम ॥ १९ ॥ स० ॥ जेहनीरीहएदो
यथीहो ॥ सू० ॥ सावेअसारतातास ॥ स० ॥ तोक्रमें२दूरेंपसेहो ॥ सू० ॥
कालेउपद्रवनाश ॥ २० ॥ स० ॥ तवएकेकतेंचितवेहो ॥ सू० ॥ जेथानार
तेथाय ॥ स० ॥ पणिएतोनवीठोमीश्हो ॥ सू०॥ सिद्धतेलेवाजाया॥२१॥स०॥
विजापणिमनचितवेहो ॥ सु० ॥ अर्थविपयस्यूनकाज ॥ स० ॥ जेहनाकटू
कविपाकउेहो ॥ सू० ॥ श्मकरीकरताताज ॥ २२ ॥ स० ॥ ड करकारकेहा
कहोहो ॥ सू० ॥ तातविचारोचित्त ॥ स० ॥ रायकहेजेप्रवृत्तिआहो ॥ सू०
लेवाविपयनेंवित्त ॥ २३ ॥ स० ॥ ड करकारीतेघणाहो ॥ सू० ॥ नविचारे
जेविवाग ॥ स० ॥ विजानुडकरकिस्यूहो॥सु०॥ जुक्तकरेजेतागा॥२४॥स०॥
नवमीनवमाखमर्माहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ स० ॥ पद्मविजयसो
हामणीहो ॥ सु० ॥ ढालअधीकउल्लास ॥ २५ ॥सक० ॥ ॥ ७ ॥
॥ डहा ॥ पर्वतपमतोपेपीउ ॥ तेआयुअसराल ॥ सूरअसूरांनहिआसरो ॥
सिपणअतीसयाल ॥ २६ ॥ असमजसकारकअती ॥ विपसमजासविपाका॥
विपयनोत्यागवपाणीउ ॥ अमृतसमआपाक॥ २७॥ क्लेशरहीतकुप्रकहे ॥
सुखथीएसेवाय ॥ अर्थत्यागपणिशणिपरें ॥ स्यूड करसमझाय ॥ २८ ॥ रा

यकहेरुनुकह्यु ॥ मोहमांपणिमुकाय ॥ कुमरपीतानेंतवकहे ॥ डरवंतएहु
दाय ॥२९ ॥ मरणदेपेनिजमस्तकें ॥ व्यापेजराविशेश ॥ वीर्यगलेवाहूपरी
दिश्वलीगुरूउपदेश ॥ ३० ॥ दोपनआणेंदृष्टिमां ॥ करेअकारयकांमा॥ जि
नवरदेपाम्योजीके ॥नधरेधर्मनुनांम ॥ ३१ ॥ इमसांसलीअवनीपती ॥ सर्व
घरीशुसस्साव ॥ जेंमकह्युतेतिमजळे ॥ देविपणिइणिदाव ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ मा
षीनागीतनी ॥ साहिबसासलिवीनती ॥ एदेशी ॥ मायकहेवळसांसळो ॥ अ
मवमपणिठेप्राय ॥ कुअरजी ॥ तूमउपदेशसुण्योवळी ॥ चितानहीतिणेंकांया॥
कु० ॥ ३३॥ मा० ॥ पणिउदवेगएउपजे ॥ बालायौवनवेस ॥ कु० ॥ मनवं
छिततसनवीथयु ॥ तिणेंउदवेगवीशेश ॥ कु० ॥ ३४ ॥ मा० ॥ कुअरकहे
नकरोतूम्हे ॥ मनउदवेगलिगार ॥ माताजी ॥ मनवांछीतएहनुथयु ॥ धन्यए
हनोअवतार ॥ मा०॥३५॥मा०॥ मोहविजएणिश्लह्यु ॥ सासलीएहवीबात ॥
माताजी ॥ वळमुखसाहमुदेषीउ ॥ तवबोलीसूणोमात ॥ मा० ३६ ॥ मा० ॥
तुम्हेस्नेहेंकरीइमकहो ॥ पणिसरीउअम्हकाज ॥ मा० ॥ आर्यपुत्रघरणीत
णो॥सब्दलक्षोअमेआज ॥ मा० ॥ ३७ ॥ मा० ॥ तुम्हप्रसावथीनीपनु ॥ अ
ममनवछीतजेह ॥ मा० ॥ धर्मकह्योवीतरागनो ॥ उपदेस्योपीउतेह ॥ मा० ॥
॥ ३८ ॥ मा० ॥ तिणेंउदवेगनकीजीइ ॥ राणिवीचारेताम ॥ कु० ॥ अहोक
पनेंउपसमघणो ॥ जाणेपरमार्थतेआम ॥ कु० ॥३९ ॥ मा० ॥ गुरूसक्ति
अहोकेहवी ॥ अहो २ वयणविन्यास ॥ कु० ॥ अहोगसीरताएहनी ॥ इम
चितीकहेतास ॥ कु० ॥ ४० ॥ मा० ॥ खमगसेनपुत्रीतएह ॥ उचिततेघटतूं
इम ॥ कु० ॥ इणिपरिकरतांवातमी ॥ वातसूणोएकप्रेम ॥ कु० ॥ ४१ ॥
मा० ॥ विप्रपुरदरनांमथी ॥ रायसूवननेंपास ॥ कु० ॥ कोलाहलतिहांवळ्य
यो ॥ जेहसूणीहोयत्राश ॥ कु० ॥ ४२ ॥ मा० ॥ रायकहेनिजपुरूषनें ॥
जाउपवरकरोएहा॥ कु०॥ कुअरकहेमतजायजो ॥ जांणकुछेजेह ॥ पीताजी
॥४३॥ कुअरकहेतूमेंसांसलो॥एआंकणी॥एसचारविलासछो॥रायकहेतेकेम ॥
कु०॥ कुमरकहेएसहजो॥अरधमुउंजवनेमा॥पिताजी॥४४॥कु०॥ तिणेंसकुस

द्धनरोवता ॥ नृपकहेदिठोआज ॥ कु० ॥ कुअरकहेकारणनही ॥ मरणध
र्मिनरराज ॥ पिता ॥ ४५ ॥ कु० ॥ एहनेंरोगहतोनही ॥ नृपकहेकिममुउइ
म ॥ कु० ॥ कुमरकहेअवाच्यछे ॥ निदितछेवलीतेम ॥ पिता ॥ ४६ ॥ कु०॥
सूपकहेसज्ञारमां ॥ स्यूंनहीनिंदितहोय ॥ कु० ॥ पणिकौतिकमुझएअछे ॥
ससलावोतूम्हेशोय ॥ कु० ॥ ४७ ॥ कु० ॥ कोईविस्तारनहीलहे ॥ नहिदू
रजनकोएय ॥ कु० ॥ कुअरकहेमतइमकहो ॥ सूणोजेनीपनुतेय ॥ पीता०॥
॥ ४८ ॥ कु० ॥ नर्मदानारीछेएहनें ॥ तिणेंविधूछेझेर ॥ पीता ॥ मोकलोवैद्य
उतावला ॥ आंणीमनमामहेर ॥ पीता ॥ ४९ ॥ कु० ॥ उंषधेजीवेतेजथा ॥
वलीएहनीजेपोलि ॥ पीता ॥ नैऋतकूंणेंकूतरो ॥ एपणिएहनेंतोल ॥ पिता ॥
॥ ५० ॥ कु० ॥ एहजझेरतेदिघलू ॥ एहजविधीकरोतास ॥ पीता ॥ जिव
स्येतिणेंएविझजणां ॥ रायनेंथयोउल्लास ॥ पीता ॥ ५१ ॥ कु० ॥ अहोज्ञान
जुउंकुमरनु ॥ इमकहीविद्यनेंतेमि ॥ पीता० ॥ सीषवीनेंतीहामुकीआ ॥ नि
जनरनेंतेकेमि ॥ पी० ॥ ५२ ॥ कु० ॥ सूपपुछेहवेकुमरनें ॥ स्यूंइणमारणहे
त ॥ पीता ॥ कुमरकहेअवीवेकछे ॥ तोपणिएसंकेत ॥ पीता ॥ ५३ ॥ कु० ॥
वाहलीपुरदरनेघणी ॥ तोपणिनारीअज्ञान ॥ पी० ॥ अर्जूनदासजेनीजघरें ॥
तेहस्यूलागोतान ॥ पी० ॥ ५४ ॥ कु० ॥ श्रवणपरपरासांसल्यूं ॥ मान्यू
नविप्रेंतोहि ॥ पी० ॥ इमकेईकालवहीगयो॥मातकहेहवेमोहि॥पी०॥५५॥
कु० ॥ पुत्रनसुदरवझअछे ॥ उवेपेछेकेम ॥ पी० ॥ थायसतानानाशवली ॥
सांसल्यूविप्रेंइम ॥ पी० ॥ ५६ ॥ कु० ॥ सासलीवामवांचितवे ॥ इमसापेछे
मात ॥ पी० ॥ प्राणप्रियाएनारीछे ॥ किमहोस्येएवात ॥ पी०॥५७॥ कु०॥
दशमीनवमाखमर्मा ॥ पथवीजयकहीढाल ॥ पी० ॥ समरादित्यनारासमा॥
आगलिवातरसाल ॥ पी० ॥ ५८ ॥ कु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सासवझनेंसपनही ॥एहवोपणिअवदात ॥ वलीविशेषथीगुणवती ॥
मत्सरनहीमुझमात ॥ ५९ ॥ एतलाकाललगेंअही॥सेदनजाण्योसाय ॥ नारीप
णिछेनीरमली ॥ स्योकीजेंव्यवसाय ॥ ६० ॥ चचलनारीतेचीत्तथी ॥ इमसा

यकहेरुकुकसु ॥ मोहमांपणिमुकाय ॥ कुमरपोतानेंतबकहे ॥ डरदंतएकुल दाय ॥२९ ॥ मरणदेपेनिजमस्तकें ॥ व्यापेजराविशेश ॥ वीर्यगळेवाकूपर्ते दिश्वलीगुरूउपदेश ॥ ३० ॥ दोपनआर्णेदृष्टिमां ॥ करेअकारयकांमा। जि नवरदेपाम्योजीके ॥नधरेधर्मनुनाम ॥ ३१ ॥ श्मसांसलीअवनीपती ॥ सर्वे घरीशुतसाव ॥ जेंमकसुतेतिमजठे ॥ देविपणिशणिदाव ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ मां पीनागीतनी ॥ साहिबसासलिवीनती ॥ एदेशी ॥ मायकहेवळसांसलो ॥ अ मवमुपणिठेभाय ॥ कुअरजी ॥ तूमउपदेशसुण्योवली ॥चितानहीतिर्णेकांया। कु० ॥ ३३॥ मा० ॥ पणिउदवेगएउपजे ॥ बालायौवनवेस ॥ कु० ॥ मनव ठिततसनवीथयु ॥ तिर्णेउदवेगवीशेश ॥ कु० ॥ ३४ ॥ मा० ॥ कुअरकहे नकरोतूम्हे ॥ मनउदवेगलिगार ॥ माताजी ॥ मनवाळीतएहनुथयु ॥ धन्यए हनोअवतार ॥ मा०॥३५॥मा०॥ मोहविजएणिश्लसु ॥ सांसलीएहवीवात ॥ माताजी ॥ वळुमुखसाहमुदेपीउ ॥ तवबोलीसूणोमात ॥ मा० ३६ ॥ मा० ॥ तुम्हेस्नेहेंकरीश्मकहो ॥ पणिसरीउअम्हकाज ॥ मा० ॥ आर्यपुत्रघरणीत णो॥सब्दलक्षोअमेआज ॥ मा० ॥ ३७ ॥ मा० ॥ तुम्हप्रसावथीनीपनु ॥ अ ममनवळीतजेह ॥ मा० ॥ धर्मकक्षोवीतरागनो ॥ उपदेस्योपीउतेह ॥ मा० ॥ ॥ ३८ ॥ मा० ॥ तिर्णेउदवेगनकीजीइ ॥ राणिवीचारेताम ॥ कु० ॥ अहोरु पनेंउपसमघणो ॥ जाणेपरमार्थतेआम ॥ कु० ॥३९॥ मा० ॥ गुरूसक्ति अहोकेहवी ॥ अहो २ वयणविन्यास ॥ कु० ॥ अहोगसीरताएहनी ॥ श्म चितीकहेतास ॥ कु० ॥ ४० ॥ मा० ॥ खमगसेनपुत्रीतण ॥ उचिततेघटतू श्म ॥ कु० ॥ शणिपरिकरतांवातमी ॥ वातसूणोएकप्रेम ॥ कु० ॥ ४१ ॥ मा० ॥ विप्रपुरदरनामथी ॥ रायसूवननेंपास ॥ कु० ॥ कोलाहलतिहांवळ्य यो ॥ जेहसूणीहोयत्राश ॥ कु० ॥ ४२ ॥ मा० ॥ रायकहेनिजपुरूषनें ॥ जाउषबरकरोएहा। कु०॥ कुअरकहेमतजायजो ॥ जांणकुढेजेह ॥ पीताजी ॥४३॥ कुअरकहेतूमेंसांसलो॥एआंकणी॥एसचारविलासळो॥रायकहेतेकेंम ॥ कु०॥ कुमरकहेएसहजो॥अरधमुउजबनेमा॥पिताजी॥४४॥कु०॥ तिर्णेसळुस

कदिनइणिपरेंजता ॥ देषेपुजानीतजार ॥ ७७ ॥ नारी० ॥ चितवेअहोएमु
ढतारे ॥ अहोकेहवोढेराग ॥ अथवाएहवीसाखमां ॥ सापीढेनारीअताग ॥
॥ ७८ ॥ नारी० ॥ पणिसूधाधारनारीकहीरे ॥ रूपीइसाखमझार ॥ तिणेम
नमानेंतेकरो ॥ मुझकाजनतासलगार ॥ ७९ ॥ नारी० ॥ इमचितवीपुरवप
रेंरे ॥ सोगवेतेहस्यूसोग ॥ वारवरसइमवहीगया ॥ एतोमोहनीकर्मनाजोग
॥ ८० ॥ नारी० ॥ इमकरतांगतपाचमेंरे ॥ दिवसेंराध्यूंअन्न ॥ ब्राह्मणनेजी
मामवा ॥ पणिनारिनुजारमांमन्न ॥ ८१ ॥ नारी० ॥ ब्राह्मणजिमवापुरवेंरे ॥
तिहांकस्युबलीनुदान ॥ तवपुरदरदेपीकरी ॥ हसीनेंकहेइणिपरेंवाणि ॥८२॥
नारी० ॥ हजीअएस्यूकरोसूदरीरे ॥ सासलीकरेंवीचार ॥ निश्चयमारयोमु
झपती ॥ तिणेंवोलेएइणेंपरकार ॥ ८३ ॥ नारी० ॥ जोमारूएहाथस्यूरे ॥
तोलेवाइवेर ॥ इमचितीनेंआपीउरे ॥ सोजनमाहिझेर ॥ ८४ ॥ नारी० ॥ ए
व्यतीकरसूणीपुठीउरे ॥ सूपेंइमकुमारा॥ स्वाननेंस्येकारणदीउरे ॥झेरकहोतेवी
चारा॥८५॥ नारी०॥कुमरकहेएकुतरोरे॥आवीवेसेतेठामा॥निजप्रियउपद्रवजा
णीनेंरे ॥ एहनेंपणिदिउताम ॥ ८६ ॥ नारी० ॥ सातवारअर्जुनसणीरे ॥ मा
स्योइणिनारि ॥ तेसूणज्योहवेप्रथमथी ॥ क्रमीउपनोदेहमझारि ॥ ८७ ॥
नारी० ॥ तिहाथीगृहकोकिलथयोरे ॥ उदरनेंवलीसेक॥ वलीअलसीउंउपनु॥
तिमसरपपणेंअवीवेक ॥ ८८ ॥ नारी० ॥ सातमेसवतेंकुतरोरे ॥ मारेसघले
नारि ॥ विषयथकीइमदूखलहे ॥ अहोधिग् २ ऐइशार ॥ ८९ ॥ नारी० ॥
रागेंरागीनेंमारतीरे ॥ तेपणिनीजअन्नाण ॥ थानिकनवीमुकेकिमें ॥ अहोमो
हइशकतीअप्रमांण ॥ ९० ॥ नारी० ॥ स्वानतणोव्यतीकरसूणीरे ॥ सूपताल
सोसवेग ॥ अहोसशारअशारता ॥ कर्मवीचीत्रपणअतीरेगा॥ ९१ ॥ नारी०॥
नवमाखमाएकहीरे ॥ अगीआरमीएढाल ॥ पद्मविजयेंएहरासमां ॥ सू
णतांहोयमगलमाल ॥ ९२ ॥ नारी० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ वैयआव्यांइणिअवशरें ॥ जिवाम्योकहेजाम ॥ उयोतथयोइणि
अवशरि ॥ देवडुदूसीनदेंताम ॥ ९३ ॥ सासलेगीतसोहामणा ॥ कहेक

पेऊणगार ॥ तेपणिनवीपाइवितथ ॥ विषमाकामवीकार ॥ ६१ ॥ [illegible]
करुतिणेंपाधरी ॥ इमचितीएकांत ॥ सापेनर्मदासंभिनी ॥ [illegible]
रीखांति ॥ ६२ ॥ महिपतीआणाइमाहरे ॥ जबुमाहेसरजाम ॥ [illegible]
स्यूसुदरी ॥ केईकदिनठेकांम ॥ ६३ ॥ रहेज्योहुमीरीतीस्यू ॥ [illegible]
तघनारि ॥ आर्यपुत्रहुआवस्यू ॥ नहिरहुहुनिरधार ॥ [illegible] ॥ [illegible]
तमस्यूएकवारसहुणीबोलोहो ॥ एकेत्री ॥ तुमवीनहुनवीरहीसकुरें ॥ इमक
हीहुदनकरेय ॥ पुरदरकहेसुदरी ॥ स्नेहेंकामरतामधरेय ॥ [illegible] ॥ चरीक
हीहुमोहो ॥ अहोकोईनलहेएहनोपार ॥ चरि० ॥ माहरेतिहांकांयडुलवी
रे ॥ तवकहेवचनप्रमांण ॥ पणिजोमोमाआवस्योतो ॥ माहराजास्यैंप्राण ॥
॥ ६६ ॥ चरि० ॥ विजेदिवसेनिकल्योरे ॥ बाहिरदिवसगमाय ॥ रजनीदे
ठोगेहमां ॥ करीमायारहोएकठाय ॥ ६७ ॥ चरी० ॥ मध्यरातिवासनेहमां
रे ॥ सुतादिठांदोय ॥ सूरत्तप्रयासनाखेदथीरे ॥ निद्रामांआव्यांसोय ॥ ६८॥
चरी० ॥ कोपेंअतीघणुकलकल्योरे ॥ नाठोदूरिवीवेक ॥ चितवेजलस्यूप
लवी ॥ नारिनेंतेआपनीटेक ॥ ६९ ॥ च० ॥ पणिअर्जुनएऊटठरे ॥ तोमवे
माहरीनारि ॥ मारूएहनेंचितवी ॥ कस्योसूतानेंप्रहार ॥ ७० ॥ चरी० ॥ का
रीनेवासनागेहथीरे ॥ रहीउघरएकवेश ॥ जोउनारीहवेस्यूकरे ॥ तिहांकथीर
फरसथयोलेश ॥ ७१ ॥ चरी० ॥ तेहथीजागीजोईउरे ॥ मरणलसोतेजा
र ॥ चितवेहाहामरीगयो ॥ मुझजेहस्यूअतिशयप्यार ॥ ७२॥ चरी० ॥ नंद
सागिणीहुघणीरे ॥ किणेंमारयोमुझस्वामि ॥ मारिनमुझनेंपापिइ ॥ किमजी
वतीरहुइणठामि ॥ ७३ ॥ चरी० ॥ गईहवेरतीसूखनीकथारे ॥ इमचितीचर्ये
षामि ॥ घाल्योअर्जुननेतिहां ॥ दुखधरतीअतीगाढ ॥ ७४ ॥ चरी० ॥ जोइ
नेंहवेनीकल्योरे ॥ पोहतोशठितठाण ॥ सापणितिणथानिककरे ॥ वेदिकाल
सतनुअहीनांण ॥ ७५ ॥ चरी० ॥ नारीनहीहुमीहो ॥ एआंकणी ॥ विषक
रेनेंबलीदीइरे ॥ पुजेअतीदीनतास ॥ आलिगनवलीतीहांकरे ॥ इमस्नेहेंअन्यो
ण्यवीलास ॥ ७६ ॥ ना० ॥ आव्योपुरदरअन्यदारे ॥ देषामओनवीकार ॥ केइ

कदिनइणिपरेंजता ॥ देषेपुजानीतजार ॥ ७७ ॥ नारी० ॥ चितवेअहोएमु
ढतारे ॥ अहोकेहवोठेराग ॥ अथवाएहवीसाखमा ॥ साषीठेनारीअताग ॥
॥ ७८ ॥ नारी० ॥ पणिसूधाधारनारीकहीरे ॥ ऋषीइसाखमकार ॥ तिणेंम
नमानेंतेकरो ॥ मुझकाजनतासलगार ॥ ७९ ॥ नारी० ॥ इमचितवीपुरवप
रेंरे ॥ सोगवेतेहस्थूसोग ॥ वारवरसइमवहीगया ॥ एतोमोहनीकर्मनाजोग
॥ ८० ॥ नारी० ॥ इमकरतांगतपाचमेंरे ॥ दिवसेंराध्यूंअन्न ॥ ब्राह्मणनेंजी
मामवा ॥ पणिनारिनुजारमामन्न ॥ ८१ ॥ नारी० ॥ ब्राह्मणजिमवापुरवेंरे ॥
तिहाकस्युबलीनुदान ॥ तवपुरदरदेपीकरी ॥ हसीनेंकहेइणिपरेंवाणि ॥८२॥
नारी० ॥ हजीअएस्यूकरोसूदरीरे ॥ सासलीकरेवीचार ॥ निश्चयमारयोमु
झपती ॥ तिणेंबोलेएइणेंपरकार ॥ ८३ ॥ नारी० ॥ जोमाहूएहायस्यूरे ॥
तोलेवाइवेर ॥ इमचितीनेंआपीउरे ॥ सोजनमाहिझेर ॥ ८४ ॥ नारी० ॥ ए
व्यतीकरसूणीपुठीउरे ॥ सूपेंइमकुमारा। स्थानेंस्येकारणदीउरे ॥झेरकहोतेवी
चारा।८५॥ नारी०॥कुमरकहेएकुतरोरो॥आवीवेसेतेठामा॥निजप्रियउपद्रवजा
णीनेंरे ॥ एहनेंपणिदिउंताम ॥ ८६ ॥ नारी० ॥ सातवारअर्जुनसणीरे ॥ मा
स्योइणिनारि ॥ तेसूणज्योहवेप्रथमथी ॥ क्रमीउपनोदेहमझारि ॥ ८७ ॥
नारी० ॥ तिहाथीगृहकोकिलथयोरे ॥ उदरनेंवलीसेक॥ वलीअलसीउंउपनु॥
तिमसरपपणेअवीवेक ॥ ८८ ॥ नारी० ॥ सातमेसवतेंकुतरोरे ॥ मारेसघले
नारि ॥ विषयथकीइमदूखलहे ॥ अहोधिग् २ ऐशशार ॥ ८९ ॥ नारी० ॥
रागेंरागीनेंमारतीरे ॥ तेपणिनीजअन्नाण ॥ थानिकनवीमुकेकिमें ॥ अहोमो
हशकतीअप्रमाण ॥ ९० ॥ नारी० ॥ स्थानतणोव्यतीकरसूणीरे ॥ सूपतोल
सोसवेग ॥ अहोसशारअशारता ॥ कर्मवीचीत्रपणअतीरेगा॥ ९१ ॥ नारी०॥
नवमाखमांएकहीरे ॥ अगीआरमीएढाल ॥ पद्मविजयेंएहरासमा ॥ सू
णतांहोयमगलमाल ॥ ९२ ॥ नारी० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ऊहा ॥ वैद्यआव्यांइणिअवशरें ॥ जिवाम्योकहेजाम ॥ उद्योतथयोइणि
अवशरि ॥ देवऊदूसीनदेंताम ॥ ९३ ॥ सासलेगीतसोहामणा ॥ कहेक

होरायकुमार ॥ एहकिस्यूअद्सूतअहे ॥ वलिकहेकुमरवीचार ॥ [illegible]
गुणधर्मसेठनोसूतगुणी ॥ जिनधर्मनामेंजाण ॥ आजजसूरमांअवतरो
निश्चयअवधीनाण ॥ ९८ ॥ मीत्रनारीसमझावुवा ॥ इहतिआव्योएह ॥
तिवोधीपाछाजतां ॥ रिद्धीवेपामीरेह ॥ ९९ ॥ सूरपदपाम्योकिमतक्ष
प्रतिबोध्याकेणीपेर ॥ कुमरकहेएकीमकरु ॥ वाध्यनहीएघेर ॥ १०० ॥
म्हआपहथीतातजी ॥ पसणताअप्रकार ॥ जिनमतसाधितजिनधरम ॥
सेंनविषयविकार ॥ १०८ ॥ ढाल ॥ जबुसरतसूसामीनी ॥ एदेशी ॥
वनासावेंसावस्यू ॥ नगमेंमनमांसआरे ॥ धनदत्तमीत्रएकतेहनें ॥ बधुव
नांमेंनीजनारीरे ॥ १०९ ॥ पणितेधनदत्तस्यूरमें ॥ वहुकालगमायोइम्मरे ॥
जिनधर्मतोइहलोकनी ॥ नविरापेअपेक्षापेमरे ॥ ११० ॥ विणसत्तआवेकूड
वने ॥ सून्यघरमांकाउसग्गरातेरे ॥ रहिआहवेजेवधुला ॥ धनदत्तसेकमक
रयोवातेरे ॥ १ ॥ तेसून्यघरमाआवीआ ॥ एकपल्यकलेइतिदूठरे ॥ पडे
ईपीलालोहना ॥ ढाल्योपल्यकपार्पेपुठरे ॥ २ ॥ जिनधर्मनापमउपरें ॥
आव्योपीलोपगविधाणोरे ॥ तेउपरिविहुजणचढ्या ॥ करेआलिंगनअन्ना
णोरे ॥ ३ ॥ मैथुनसेवेंमोहस्यू ॥ तसत्तारेंसेयोअत्यतरे ॥ विलोपेगोपुधिवी
मां ॥ जिनधर्मनेंवेदनाअनतरे ॥ ४ ॥ कुशलबुद्धीतीहांचितवे ॥ अहोवीषय
मुझावेजीवरे ॥ शीलजाइदूरगतीपमे ॥ तिहांदूखसहेअतीवरे ॥ ५ ॥ धन्य
मुनीसमसूखवरया ॥ दूरिठम्याानारीनासगरे ॥ कृतोनतजुएसगनें ॥ चरमो
रत्नोराषुरगरे ॥ ६ ॥ मीत्रनेंनीजसार्यासणी ॥ नकरीसकुसावउपगारे ॥
तोबीजानीसीवारता ॥ आलसरीथाउअआरोरे ॥ ७ ॥ अहो २ इस्कहेतुप
यो ॥ अहोमुझसगतीपणिएहरे ॥ क्रिष्टचेष्टाकरेएहवी ॥ इहलोकेपणिदुख
जेहरे ॥ ८ ॥ परसवजाइदुरगती ॥ कुस्यानोकल्याणमीत्रोरे ॥ कल्याणवी
घमगलकरे ॥ तेतोकुथयोइमअमीत्तोरे ॥ ९ ॥ चारनहीमुझएहमां ॥ तिणें
समरूपचनवकाररे ॥ इमकरीसमरेतेहनें ॥ वलीससारेदेवअणगाररे ॥ १० ॥
पढमहवईमगल ॥ कहेतांबुटातसप्राणरे ॥ ब्रह्मलोकमांउपनो ॥ प्रजुजतो

अवधिनाणेरे ॥ ११ ॥ देवकृत्यकिधावीनां ॥ आव्योकरूणामनआणेरे ॥ मित्रनारीप्रतीबोधवा ॥ करेइमवीचारसूजांणेरे ॥ १२ ॥ रागअतीएहनेंअ ढइ ॥ तसत्यविणनहिप्रतीबोधरे ॥ इमकरीमायामुकतो ॥ वेदनाअतीसु खविरोधरे ॥ १३ ॥ महेवाणीवीशूचिकाइ ॥ अशूचीचीकणकजबालरे ॥ डुरगधअशुचिसरूकसणी ॥ पणिलागेअतीवीकरालरे ॥ १४ ॥ दोयपासा सेदाईआं ॥ हाहामरणलहूइमरे ॥ वलगेघनदत्तनेंवली ॥ जवालेपरमाइ तेंमरे ॥ १५ ॥ पापपरेंलीपाईउ ॥ महाअरतीउपनीअंगेरे ॥ अहो२एस्युवनी गयु ॥ इमचितवेमननेंसगेरे ॥ १६ ॥ उसरवाकांयमांमीउ ॥ साचितवेनेह स्युएतोरे ॥ वोलेमरूवडूवेदना ॥ अगसागेंडुरकसमेतोरे ॥ १७ ॥ तेकहेक स्युकरूइहां ॥ माहरोनहीकाईचारोरे ॥ साकहेसरीरउलांसीइ ॥ उलांसेंतव तिणीवारोरे ॥१८॥ कहेमुझहाथचालेनही ॥ कोईमुरतीवतएपापरे॥ एसरीपु तोदीठुनही ॥ अरतिपहेवाणोआपरे ॥ १९ ॥ साचितेमुझपापथी ॥ एउदइ आव्यारोगरे ॥ देवसमोपतीवचीउ ॥ कस्युविरूरूउसयलोगरे ॥ २० ॥ पा मीसवेगनेरोवती ॥ हाआर्यपुत्रइमकहेतीरे ॥ धनदत्तपणिइमचितवे ॥ अ होइखसमुदायवहेतीरे ॥ २१ ॥ एसआरअसारछे ॥ एहकायाअशूचीसमा रे ॥ प्रियमित्रवयणतेसांसल्यां ॥ सूखसोगव्यातसउपगारे ॥ २२ ॥ जे हवीम्हेंचेटाकरी ॥ तेहनाफलहूएपाम्योरे ॥ रेमीत्रम्हेंमाठुकरयु ॥ इमकहे तांमोहकांईवाम्योरे ॥ २३ ॥ जांणीसमयप्रतीबोधनो ॥ शवपुजणमिसक रीआयोरे ॥ सूरनिजरूपप्रगटकरी ॥ पुजाकरेशवनीरमायोरे ॥ २४ ॥ दरी सणविठुदोयजणें ॥ वेदनाथईउपशांत्तरे ॥ देपीदेपीदोइवदीआ ॥ अहोसक्ति रूपनेंकांतीरे ॥ २५ ॥ पुछेंस्वामीतूम्हेंकोणछो ॥ किमआव्याआणेंगामरे ॥ ते कहेहूसूरआवीउ ॥ जिनधर्म्मीविवपुजाकामरे ॥ २६ ॥ तेकहेकिहांजीनध र्म्मनी ॥ प्रतीमातवतिणेंदेषामीरे ॥ देपीचीत्तमांचितवे ॥ एजीवरहीतमानुग मीरे ॥ २७ ॥ म्होसलहीकहेएकीस्यू ॥ इहांस्योपरमार्थवपाणोरे ॥ सूरपरमा र्थकहेतांथकां ॥ पायप्रणमेधरीवहूमानोरे ॥२८॥ नवमेखमेवारमी ॥ कही

पद्मविजयइमढालरे॥समरादित्यनारासमां ॥ सुणोआगलबातरशालरे ॥२ ॥
॥ डुहा ॥ पुछेसुरनेइणिपरे ॥ जिनधर्मकिहांसूजाए ॥ देवकहेचयोदेवता ॥
विध्योंकिलविआंए ॥ ३० ॥ दिठोतीमहीजदकथी ॥ कहेअहोकीपक्षक
ह्ल ॥ मूर्खविकुजणपांमीआ ॥ सुरकरतोवलीसङ्ग ॥ ३१ ॥ लघुतापाम्याज
जथी ॥ मरवानेंउजमाल ॥ देपीनीवारेदेवता ॥ स्येंकरोमरणसमालि ॥ ३२॥
तेकहेजाणोसवीतूम्हे ॥ अमस्यूपुछोआम ॥ सुरकहेमरणथकिसरयू ॥ करो
तसउपदेशकाम ॥३३ ॥ उपदेशयोग्यअमेनही ॥ तेकहेगयातेमीत्र ॥ सुर
कहेयोग्यअछोसरवर ॥ पश्चात्तापपवित्त ॥ ३४ ॥ पापकरेपणिपापीआ ॥
पश्चात्तापनप्राय ॥ क्लिष्टकर्म्मतिहजकह्या ॥ शास्त्रेंसङ्गसमझाय ॥ ३५ ॥
जिनधर्मगयानजाणज्यो ॥ तेहजङ्गतूमपास ॥ परिणतीकर्मनीपामीनें ॥ ब
रतेमोहविलास ॥३६ ॥ धर्मसरणकरोधसमसी ॥ जिमनवीहोइजजाल ॥
तेकहेकरस्यूतोहिपणि ॥ करस्युकालअकाल ॥ ३७ ॥ आजथीतूमवचनें
अम्हें ॥ जाण्यूअकारयजाम ॥ किमजीवनधरीइकहो ॥ निर्जरलहीपरिणा
म ॥ ३८ ॥ जिनवरेंसाप्योजिणीपरें ॥ दिधोतिमउपदेश ॥ सर्वविरतिकरी
सामठी ॥ अणसणकीधअसेश ॥ ३९ ॥ सवसरुपतिहांसावतो ॥ सवेगेंकरी
शुद्ध ॥ डुकतनिंद्यादापतां ॥ अतिशयतेअवबुध ॥ ४० ॥ अमरइहांथीउत
पत्यो ॥ कस्यूजेधारयूकाज ॥ सासलीलहोसवेगनें ॥ कुमीपरेंमहाराज ॥
॥ ४१ ॥ ढाल ॥ सेठसेनापतीवार्धिको ॥ पुरोहीतनेंपरधानवे ॥ केमिनमुकें
कामिनी ॥ सहेसवत्रीसराजानवे ॥ प्राणजीवनधरेआउनां ॥ आउनांवेदील
ह्याउनांवे ॥ प्रा० ॥ एदेशी ॥ रायकहेवठसाचसू ॥ सवचेष्टाअसरालवे ॥
जलकल्लोलपरेंदेषीइ ॥ साचिएइहजालवे ॥ ४२ ॥ कुमरसवेगेंपुरीउ ॥ पुरी
उबेडखचुरीउबे ॥ कु० ॥ एआंकणी ॥ कल्याणमीत्रतेदोहिला ॥ एहवा
नेंपणिकीधबे ॥ एहवागुणनीयोग्यता ॥ शिवसुखकरतलदिधबे ॥ ४३ ॥
॥ कु० ॥ सङ्गकहेसत्यकमुतूमें ॥ सङ्गइलसावेरागबे ॥ नृपकहेउपजस्येकि
हां ॥ कहोकुअरवमसागबे ॥ ४४ ॥ कु० ॥ सौधरमेंसुरवरथस्ये ॥ नृपकहे

अणाचारवे ॥ कुमरकहेतोस्युथयु ॥ पश्चात्तापअपारवे ॥ ४५ ॥ कु० ॥ विरतीपरीणामएहनाथया ॥ तिणेंउरगतीनवीजायवे ॥ जोअप्रमादथीआचरे ॥ तोशुसपरपराथायवे ॥ ४६ ॥ कु० ॥ रायकहेएहवासणी ॥ किमएहोइ जोगवे ॥ कुमरकहेविचित्रता ॥ कर्मपरीणामआसोगवे ॥ ४७ ॥ कु० ॥ एहनीप्रवृत्तीअकुसलतणी ॥ नहीअतीसकिलेससारवे ॥ एकप्रवृत्तिमात्रजहतां ॥ अनुवधरहीतविचारवे ॥ ४८ ॥ कु० ॥ आगमरीतेंचालीआ ॥ लागोनहीअतीचारवे ॥ नृपकहेसाचुतेवीना ॥ किमसवढेदनसारवे ॥ ४९ ॥ कु० ॥ कुमरकहेधारयुपरू ॥ विनतीकरूवलीएकवे ॥ एसशारअनर्थमा ॥ आपदढेअतीरेकवे ॥ ५० ॥ कु० ॥ मननरूचेइहांमाहरू ॥ हरपइआपोआणिवे ॥ गुरूआणाइप्रवृत्ततां ॥ कामचढेपरमाणवे ॥ ५१ ॥ कु० ॥ तिणेंआणामुझआपीइ ॥ इमकहीपमीउपायवे ॥ रायकहेवढसांसलो ॥ आसघलोसमुदायवे ॥ ॥ ५२ ॥ कु० ॥ सहुनाएहपरीणामढे ॥ तिणेंअम्हेंदिधीआणिवे ॥ अथवा अमगुरूढोतूम्हे ॥ अदसूतनीरमलनाणवे ॥ ५३ ॥ कु० ॥ कामनपुढणनुरसू ॥ अम्हतूम्हकीजेंउचीतवे ॥ किधप्रशादतेतातजी ॥ कुमरकहेसूवीदितवे ॥ ५४ ॥ कु० ॥ तूम्हेपणिजुगतूआदरयु ॥ इमकहेताथयोसोरवे ॥ वाज्यांतूरप्रसातिनां ॥ बदीजनकरेसोरवे ॥ ५५ ॥ कु० ॥ तमगयुनेरवीउगीउ ॥ मायाप्रसातनावायवे ॥ विरहटल्योचक्रवाकनो ॥ मिलीआअमात्यसमवायवे ॥ ५६ ॥ ॥ कु० ॥ कुमरचरीत्रसलावीउ ॥ नृपेंकसोनीजअसीप्रायवे ॥ तेपणिहरप्यासासली ॥ घटतूकीधुरायवे ॥ ५७ ॥ कु० ॥ कुमरचितामणसारिपा ॥ सूपकहेएइमवे ॥ विलवनकीजेंएहमां ॥ उचितकरोघरीप्रेमवे ॥ ५८ ॥ कु० ॥ आणिप्रमाणकरीतीणें ॥ वरवरीआथोपायवे ॥ सहुदेहरेपूजारची ॥ दानमहादेवायवे ॥ ५९ ॥ कु० ॥ पुरजननेंसनमांनीउ ॥ वदिवांनमुकायवे ॥ राज्यढवेसाणेज्यनें ॥ मुनीचदनामसूहायवे ॥ ६० ॥ कु० ॥ गुरूजननीपुजाकरी ॥ शुसदिनकरणमुहूत्तवे ॥ रायराणीमीत्रवृदस्यु ॥ नारीविहुसजुत्तवे ॥ ॥ ६१ ॥ कु० ॥ सहपुरदरस्यूवली ॥ पुरीजननेंपरधांनवे ॥ वेठासीवीकारं

सङ्ग ॥ वलीसामतराजानवे ॥ ६२ ॥ कु० ॥ मंगलतूरवजावते ॥ मार्वतेवरपा
घवे ॥ वदिवीरुदवोलीजते ॥ लोकनेंहर्षअमात्रवे ॥ ६३ ॥ कु० ॥ पाप्यव
शायवधतेथके ॥ विस्मयपामेंलोकवे ॥ पापरासीनेंपपावतो ॥ जोवेजनमो
केंथोकवे ॥ ६४ ॥ कु ॥ वङ्गआमवरेंनीकल्यो ॥ नयरीवाहीरकुमारवे ॥ पु
ष्पकरमउद्यानमा ॥ आवेवङ्गपरीवारवे ॥ ६५ ॥ कु० ॥ मानप्रसाससूरीस
दा ॥ पाउधारयातिणेंवारवे ॥ चौनाणीचारीत्रीआ ॥ वंदतीहांअणगारवे ॥
॥ ६६ ॥ कु० ॥ सूरवरतसपुजाकरे ॥ विधीपुर्वकतसपासवे ॥ दिक्षाजिनमी
आदरे ॥ पामीगुरुनोवासवे ॥ ६७ ॥ कु० ॥ ईहतीहांपुजाकरी ॥ तिमनुनी
चदराजानवे ॥ पुरमासङ्गदेहरेकरे ॥ अठाईमहोछवतानवे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
पमहआमारिवजावीआ ॥ हरप्यापुरीजनसाथवे ॥ समरादीत्यप्रमुखसङ्ग ॥
आणिपालेजगनाथवे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ नवमेरवमितेरमी ॥ डालअधीकउल्ला
सवे ॥ तापीपद्मविजइइसी ॥ समरादित्यनेंरासवे ॥ ७० ॥ कु० ॥ ॥
॥ डहा ॥ लोकप्रसशालखकरे ॥ सांसलीतेगीरीसेण॥ कलूषीतचितक्रोधेंचयो॥
जाणेंइणिपरेंजेण ॥ ७१ ॥ मुढलोकमाटुकरे ॥ मुरषनुंवङ्गमांन ॥ डरा
चारएदेपीनें ॥ अधीकोहोइअतीमांन ॥ ७२ ॥ मारूएहनेंमुलथी ॥ तोहु
खसाताथाय ॥ हार्थेमाहरेएहवइ ॥ निश्चयआवस्येम्याय ॥ ७३ ॥ ढांनांखो
लेढीइनें ॥ गिरीसेनतेहगमार ॥ मुनीवरसंजमम्हालता ॥ गुरुचरणेंगुणधार
॥ ७४ ॥ पुर्वास्यासपणेकरी ॥ अलपकालेंअवसूत ॥ सणिआहावशांगीस
ला ॥ पुरवचौदप्रसूत ॥ ७५ ॥ क्रियाकलापसङ्गकरया ॥ वाचकपदगावत ॥
विहारकरतामुनीवरू ॥ यामानुपांमगमत ॥ ७६ ॥ साधुनासमुदायथी ॥ क
रतासवीउपगार ॥ अयोध्यापुरीआवीआ ॥ आवकसार्थेसार ॥ ७७ ॥ डाला
टेकरहीरसहेरसरूअधिकेमेंदान ॥ एदेशी ॥ मुनीवरआयारेनयरीअयोध्या
मेंदान ॥ सघसङ्गलायारेनमवाचैत्यनीदान ॥ एआकणी ॥ शक्रावतारचैत्य
मनोहार ॥ रीषसदेवप्रतीमाअवधारि ॥ विटुंतेउद्यानमझार ॥ नयरीसोहेरेइ
णदेहरेंनीरधार ॥ उज्वलदीपेरेशषकुदअनुहार ॥ गगनेंअमीआरेध्वजपंढअ

तिहिंविस्तार ॥७८॥ मुनि० ॥ दिशोमानुदेववीमान ॥ तोरणमणीमयथलसूवा
न ॥ शालिसजीकाकरतीतान ॥ रयणसमुहेरेंवाध्यूकोष्टिमतास ॥ सोहेगसा
रोरेरयणनादिवप्रकास ॥ सूरतरूफूलेंरेपुज्याजिनवरपास ॥ ७९ ॥ मुनी ॥
सेवाकरवासूरवरआय ॥ तिमचारणजाणोरीपीराय ॥ नारीमधुरस्वरेंगीतगा
य ॥ कृष्णागरनारेधूपअतीशयथाय ॥ दशदीसव्यापेरेमुनीकरेस्तवनाजीन
राय ॥ सिरुजनसुणतारेपरमारथनिरमाय ॥ ८० ॥ मुनी ॥ देषीमणीमयति
हांसोपान ॥ चढिनेवंदेजिनसगवान ॥ लोकालोकजाणेंजेहज्ञांन ॥ वदिवेठा
रेसमरादीत्यएकदेश ॥ चारणमुनीरेविद्याधरसुवीसेष ॥ आवीनमीयारेमुनीव
रचरणअशेस ॥ ८१ ॥ मुनी ॥ इणअवशरिपरसन्नचदराय ॥ स्वामीअयो
ध्यानोतेथाय ॥ समरादित्यआव्यामुनीराय ॥ जाणीराजारेलेईनीजपरीवार ॥
वदवाआवेरेहैयमेहरपअपार ॥ प्रसूजीपुजीरेआव्योजीहांअणगार ॥ ८२ ॥
॥ मुनी० ॥ प्रणमीवेठोमुनीवरपास ॥ पुछेप्रश्नधरीउल्लास ॥ नासीनदनश्हांसू
णीश्वास ॥ धरमनाचक्रीरेप्रथमकस्यापथेतेह ॥ तोस्यूपहेलारेधरमहनोनही
एह ॥ जोहतोपहेलारेतोकीमप्रथमकहेह ॥ ८३ ॥ मुनी० ॥ मुनीकहेसरत
षेत्रमाजोय ॥ इणिअवसर्प्पिणीपहेलांहोय ॥ पणिधर्मनहोतोमतलहोकोय ॥
ठेअनादीरेतीर्थंकरसगवत ॥ तेहनोसाष्योरेधर्म्मअनादिवहत ॥ सूपतीसापेरे
सापोकरूणारेवत ॥ ८४ ॥ मुनी० ॥ सरूपेत्रेंअवसर्प्पिणीश्म ॥ मुनीकहेए
हवुकहिश्केम ॥ सरतऐरवतेपचेनेम ॥ महाविदेहेरेठे प्रवस्थितकाल ॥ जि
नपतिनीर्त्थेरेपटजीउनाप्रतीपाल ॥ अतरनाहीरेचक्रीवासुवलसालि ॥ ८५ ॥
॥ मुनी० ॥ सरतऐरवतेअनीयतकाल ॥ वारआरेकालचक्रवीशाल ॥ चढतो
पमतोहोयनरपाल ॥ सागरवीसरेहोश्तासप्रमाण ॥ अवशर्प्पिणीरेठआरेकरी
जाण ॥ उत्सर्प्पिणीरेतेहजरीतीवषाण ॥ ८६ ॥ मुनी० ॥ अवसर्प्पिणीमाप
हेलोजेह ॥ ष्यारकोमाकोमिसागरतेह ॥ सूसमसूसमानामेंएह ॥ सूसमवीजो
रेत्रणिकोमाकोमीमान ॥ सूसमडुसमारेवेकोमाकोमीमांन ॥ त्रिजाआरारेकेरू
एअसीघान ॥ ८७ ॥ मुनी०॥ उणांवेंतालीसहजार ॥ वरससागरकोमाकोमी

धार ॥ ऊपमसुषमाइणपरकार ॥ पांचमोआरोरेवरससहसएकवीस ॥ [illegible]
मानांमेरेछेपणएवरीस ॥ ऊखमऊखमारेमहाऊखवतमनीस ॥ [illegible]
पहेलेआरेत्रणिपल्यआयात्रणिगाउउचीतसकाय॥ [illegible]
दसछेजातिरेपहीलामत्तगतछ ॥ मदिरासघलिरेतिणहीजगांमेंपसछ ॥ [illegible]
दिसेरेलाजननीवीधीजछ ॥ ८९ ॥ मुनी० ॥ त्रुटितांगेवाजीत्रअनेक ॥ दिप
शिपानामेंवलीएक ॥ दिपपरेंदिपेसूवीवेक ॥ जोईसनामेरेकरतातेहउद्योत ॥
चित्रागदर्छेरेफूलमालसवीहोत ॥ चित्ररसेंजाणोरेसोजनवीधीसुखसोत ॥
॥ ९० ॥ मुनी० ॥ मणिअगमाहोइअलकार ॥ सवनरूपमांगेहप्रकार ॥ अ
नीगणमांसछवत्रवीचार ॥ सज्ञानांहीरेधर्माधर्मविशेष ॥ आरानीआदिरेजा
णोएहअशेष ॥ घटतूजाइरेनिहांचीसछलवलेश ॥ ९१ ॥ मुनी० ॥ दिजेअ
रेदोयपल्यआय ॥ दोयगाउनुसरीरतेथाय ॥ लक्षणवतानेंनीरमाय ॥ घडवां
आयुरेवलीप्रमाणशरीर ॥ त्रिजानीआदेरेसांसलितूनरवीर ॥ एकपल्यआयु
रेएकगाउतनुधीर ॥ ९२ ॥ मुनी० ॥ तेहनेंअतेपेहेलोराय ॥ जगततणीथि
तीसछवतलाय ॥ सुरअसुरांसछपुजनीकथाय ॥ धरमनाचक्रीरेपहेलाअरी
हाजीएद ॥ चिछविधेधर्मरेउपदेशेसुखकद ॥ अनुक्रमेंपामेरेशिवसुखपरम
आणद ॥ ९३ ॥ मुनी० ॥ नवमेखमेचौदमीढाल ॥ साषेउत्तमविजयनोबा
ल ॥ समरादित्यनोरासरशाल ॥ सुणतांहोवशेरेघरघरिमगलमाल ॥ सांसलो
आगेरेसवीकाथईउजमाल ॥ जिमतूम्हेंपामोरेलीलालछीवीशाला॥ ९४॥ मुनी०॥
॥ दुहा ॥ आरोचोथोआदिते ॥ पचसेधनुषप्रमाण॥ कायाआयुपुरवकसु॥
चुलसीलरकपहीचाण ॥ ९५ ॥ वावरताअलवारिनें ॥ धर्म्माधर्मतिधारि ॥
तिर्थंकरचक्रीतथा ॥ वलवासुदेवतिवार ॥ ९६ ॥ पचमआरोपामतां ॥ आ
युवरससतएक ॥ सातजहाथसरीरछइ ॥ वारूधर्मवीवेक ॥ ९७ ॥ तिरयअ
तिमजिनतणा ॥ चालेरूडीचालि ॥ छठेआरेछटकीउ ॥ सरीरआयुससालि ॥
॥ ९८ ॥ वरससोलआयुषथू ॥ उछुंकरतनुएक ॥ मांसाहारीअतीमलीन ॥
वलिनहीधर्मवीवेक ॥ ९९ ॥ ढाल ॥ सरोवरसूकावेलाल ॥ हसकुकपरे ॥

सरोवरउरेवेलाल ॥ जाईचित्तघरे ॥ एदेशी ॥ उलटिजाणोवेलाल ॥ उत्सर्पि णीवली ॥ कालचक्रजाणोवेलाल ॥ इणिपरेदोयमली ॥ ५०० ॥ त्रुटक ॥ दो यमीलीधारोमतवीचारो ॥ धरमनहतोपुरवे ॥ मोहटाल्योकस्योअनुपह ॥ सू पइणीपरेवीनवे ॥ १ ॥ इणसर्मेआयोवेलाल ॥ माहणएकसलो ॥ इ ह्सर्मानामेंवेलाल ॥ मऊहगुणनीलो ॥ २ ॥ त्रु० ॥ गुणनीलोगरढोवुद्धी वंतो ॥ वदिपुढेइणीपरें ॥ सगवांनतूमचाशास्त्रमाहि ॥ कर्मसाप्याजीनवरें ॥ ॥ ३ ॥ तेकर्मवेलाल ॥ वार्धेकीमकहो ॥ गुरूकहेसूणज्योवेलाल ॥ सू णीनेंसरदहो ॥ ४ ॥ त्रु० ॥ सरदहोनाणनीप्रत्यनीकता ॥ उलवेकरेअतराय ए ॥ आशातनाकरेज्ञानीउपरि ॥ द्वेषकरतोधायए ॥ ५ ॥ सापेअव लूंवेलाल ॥ ज्ञानावरणनें ॥ वांधेकर्मवेलाल ॥ नवीलहेकरणनें ॥ ६ ॥ त्रु० ॥ दरसनतणीप्रत्यनीकताइम ॥ जावअवलूसापतो ॥ दर्शनावरणीकर्मवांधे ॥ चित्तथीरनविरापतो ॥ ७ ॥ करेअनुकपावेलाल ॥ दुखनवीआपतो ॥ सोक सतापवेलाल ॥ परनांकापतो ॥ ८ ॥ त्रु० ॥ कापतोपरनीवलीपीमा ॥ वाधे शातासुखसणी ॥ विपरीतथीअशातवांधें ॥ वातसांसलोमोहणी ॥ ९ ॥ क्रोधनेंमांनवेलाल ॥ मायालोहनें ॥ मिथ्याचरणवेलाल ॥ तिव्रकरेमोहनें ॥ ॥१०॥ त्रु० ॥ वांधेमोहनीकर्मइणिपरे ॥ हवइपांचदीवधकरे ॥ आरसपरी ग्रहमहामेलें ॥ मांशवलीजेवावरे ॥ ११॥ नारकआयुवेलाल ॥ वाधेतेनरा ॥ मायाअलिकवेलाल ॥ वचवातत्परा ॥ १२ ॥ त्रु० ॥ तत्पराकूमामानकरवा ॥ कूमातोलकरेघणां ॥ आयुतिरयचकेरूवार्धे ॥ दुखतणीजीहानहीमणा ॥ ॥ १३ ॥ प्रकृतिविनीतवेलाल ॥ पश्चातापीउ ॥ मठरनकरेवेलाल ॥ मनुजआउथापीउ ॥ १४ ॥ त्रु० ॥ वालतपअकामनीर्जर ॥ सरागसजमजा णिइ ॥ देशवीरतीथकीवार्धे ॥ देवआयुगणिइ ॥ १५ ॥ कायनेंसाववेलाला ॥ ऋजुताजेहनें ॥ अवीसवादनवेलाउ ॥ योगहोइतेहनें ॥ १६ ॥ त्रु० ॥ तेहनें वचशुसनांमकेरो ॥ अशुसवीपरीतएहथी ॥ आठजातीनामदजेनिच ॥ गोत्र वांधेतेहथी ॥ १७ ॥ जातीकुलनेंवेलाल ॥ रूपनेंतपतणो ॥ श्रुतवल

लासवेलाल ॥ ऐश्वर्यमदघणो ॥ [illegible] ॥ ध्रु० ॥ मदएहमोजोकरेनांही ॥ उच्च
गोत्रबांधेसही ॥ दानादिकअंतरायकरतो ॥ अंतरायबांधेवही ॥ [illegible] ॥
इणिपरेंबांधेवेलाल ॥ जिववीजेपथी ॥ आठप्रकारेंवेलाल ॥ कर्मअबोधथी ॥
॥ २० ॥ ध्रु० ॥ इमसूणीकहेइंद्रसर्मा ॥ स्वामिजीसाचुकसु ॥ हवेमो
हनुवीजसापो ॥ तेहकिमजाइलसु ॥ २१ ॥ पाठकबोलेवेलाल ॥ वि
जकहीजीइ ॥ सूरमणीसरीपुवेलाल ॥ सम्यक्तलहीजीइ ॥ [illegible] ॥ध्रु० ॥ वि
गतेहनुसमसवेगा ॥ दिकतेटालेकर्मनें ॥ हवेलहीइतेहसूणज्यो ॥ सांसलेजीव
धर्मनें ॥ २३ ॥ गुणिनीसगतीवेलाल ॥ गुणपक्षपातीउ ॥ [illegible]
तावेलाल ॥ जोगेंअघातीउ ॥ २४ ॥ ध्रु० ॥ अनूकपादीकसाबनाकरे ॥ कर्म
खयउपशमेंलहे ॥ इंद्रसर्माकहेसाचु ॥ जेहपाठकजीकहे ॥ [illegible] ॥ पणिव
सूत्तापोवेलाल ॥ मोक्षमासूखघणा ॥ सजमडुखथीवेलाल ॥ किमलहेतेपणा
॥ २६ ॥ ध्रु० ॥किमलहेतवगुरूकहेसासलि ॥ जिमउषधथीनीरोगता ॥ अव
वापरमारथेंसजम॥डुखनीनहीजोगता॥२७॥शुसपरिणामवेलाल ॥ शुसलेस्या
वली॥ शास्त्रेंसापेवेलाल॥सजमसूखकेवली॥२८॥ध्रु०॥केवलीसापेबारमासह॥
चरणकउंजेहनु ॥ अनुत्तरविमानसूरजे ॥ सूषउंलघेतेहनु ॥ [illegible] ॥जेइमे
अद्धताएसमणानिमथा ॥एएणकस्सतेउलेसा॥विइवयती॥मासपेरियाएसमणे
निमथे ॥ वाणमतराणदेवाण ॥ तेउलेसविईवयती ॥ एवडुमासपरीआएसम
णेनीमथे ॥ असूरिंदवज्जिआणसवणवासीणतेउलेसविईवयती ॥ तिमासपरी
आए ॥ समणेनिमथे ॥ असूरकुमाराणदेवाण ॥ तेउलेसविईवयती ॥ चउमास
परीपरीआए ॥ समणेनिमथे ॥ गहगणनक्कत्ततारारूवाण ॥ जोईसीयाण ॥
तेउलेसविईवयती ॥ पचमासपरीआएसमणेनिमथे ॥ चदिमसूरीयाण ॥
जोईसीदाणजोईसरायाण ॥ तेउलेसविईवयती ॥ छमासपरीयाएसमणे
नीमथे ॥ सोहम्मीसाणदेवाण ॥ तेउलेसवीईवयती ॥ सत्तमासपरीआ
एसमणेनीमथेसणकुमारमाहिदाहिदाणदेवाणतेउलेसवीईवयई ॥ अठमास
परीयाए ॥ समणेनीमथे ॥ बसलोगलतगाण ॥ तेउलेसवीईवयई ॥ नव

मासपरीयाएसमणेनिग्रथे ॥ महासुक्कसहस्साराणदेवाण ॥ तेउलेसाद्दसमास परीयाएसमणेनिग्रथे ॥ आरणच्चुआणदेवाण ॥ तेउलेसाएक्कारसमासपरीआ एसमणेनिग्रथेगेविज्जाणदेवाण ॥ तेउलेस ॥ बारमासपरीआएसमणेनिग्रथे ॥ अणुत्तरोववाइण ॥ देवाणंतेउलेसवीईवयई ॥ तेणपरसुक्केसुक्कासीजाईसवी त्ता ॥ सिज्झईबुज्झईमुच्चईसवदुक्काणमतकरेई ॥ इतिसर्गवतीसूत्रे ॥ पूर्वढाल ॥ तेहउपरिवेलाल ॥ शुक्कसुखसापीउ ॥ शुक्कासीजात्यवेलाल ॥ सुखश्मदापीउ ॥३०॥बु०॥ दापीउतिणेमुनीराजसूपीआ॥ परमार्थेश्मधारजे ॥ कहेश्रुअरमा तहत्तिस्वामी ॥ किघोअमउपगारजे ॥ ३१ ॥ शणिअवसरवेलाल ॥ पुरवेआ वीउ॥ नामचित्रांगदवेलाल ॥ प्रणमेसावीउ॥३२॥बु० ॥ सावीउकहेश्मखमन वमें ॥ ढालपन्नरमीसली ॥ पद्मकहेएसासलीनें ॥ बुद्धिकिजेनीरमलि ॥३३॥ ॥ दुहा ॥ कुणप्राणीथीतीकेतली ॥ बाधेकतीविधबध ॥ पुछेप्रष्णशणीपरें ॥ सयलकहोसबध ॥ ३४ ॥ समरादित्यकहेसूणो ॥ आयुवीनाअवधारि ॥ सातकरमबांधेसदा ॥ आठबाधेजठआय ॥३५ ॥ बार्धेमोहआयुवीना ॥ सूक्ष्मजेसपराय ॥ बधछनोबाकीरह्यो ॥ एकबधहवेआय ॥३६ ॥ शाताव धउपशांतनें ॥ मुनीवरजेपोणमोह ॥ संयोगीपणिशातनें ॥ बांधेश्मपमीबोहा॥ ॥ ३७ ॥ दापीसमयथीतीजेहनी ॥ नहिकपायजसनाम ॥ शैलेसीगतसाधु जी ॥ अवधीअसंरीराम ॥ ३८ ॥ इत्यादिकबहुदापीउ ॥ कर्मपयमीअधीका र ॥ जाणोसूत्रथकीजीके ॥ वधतोथाइविस्तार ॥३९ ॥ चित्रागदलहीचीत्र नें ॥ मोहटल्योमहाराय ॥ अमनेप्रसूअनुपहकस्यो ॥ शिक्षाधरूशिरगाय ॥४० ॥ कालवेलाथईअनुक्रमें ॥ प्रणमीगुरूनापाय ॥ रायप्रमुखवहुरिझि थी॥ गावापोहताशाय ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ प्रीतीनीवातछेन्यारीउंघवजी ॥ प्रीत० एदेशी ॥ जीनसासनगतीन्यारी ॥ सवीकजनजिन० ॥ समरादित्यमुनीराज उचीतनीज ॥ क्रियाकरेअतीशारी ॥ सवि० ॥ तेहजचैत्यमांवीजेदिवशें ॥ वेठाआसनधारी ॥ ४२ ॥ स० ॥ अग्नीसूतीब्राह्मणतिहाआयो ॥ विधीस्यूव दनकारी ॥ स० ॥ चैत्यवादिपाठकजीप्रणम्या ॥ वेठोनीजडखवारी ॥४३॥

स० ॥ विनयवीजोपथीकहेमुझसापो ॥ देवविजोपनीरधारी ॥ स० ॥ वली
हनीसेवाविधीदापो ॥ तसफलकहोसुखकारी ॥ ४४ ॥ स० ॥ गुरुकहेदेवद
णोतूम्हेपहेलां ॥ सर्वज्ञपरमोपगारी ॥ स० ॥ रागद्वेषवर्जितसुरपुजीत ॥ कलक
त्यअनीयतचारी ॥ ४५ ॥ स० ॥ जनमजरानहीमहिमाअधिकित ॥ देखा
घनअनुकारी ॥ सवी० ॥ जसवयणेसवशायरउतरे ॥ शरधावतनरनारी ॥
॥ ४६ ॥ सवी० ॥ तेहनीसेवानीवीधीसुणज्यो ॥ अध्यवशायशुसधरिइ ॥
सविकजनजिनसेवाइमकरीइ ॥ एआकणी ॥ यथासकतीनिस्पृहताचित्ते ॥
जिमआणास्यूमरीइ ॥ ४७ ॥ सवि ॥ तपकरीइवलीसाविइसावन ॥ निरती
चारव्रतचरिइ ॥ सवि ॥ आणाखमनकवर्द्धनकिर्जे ॥ तसफलकर्मविचरीइ ॥
॥ ४८ ॥ सवि ॥ देवमहर्द्धिकमहावीमानें ॥ अपूठरास्यूपरवरीइ ॥ सवि ॥ दि
व्यसोगसोगवीउत्तमकूल ॥ आविर्नेअवतरीइ ॥ ४९ ॥ सवी ॥ रूपसुदरवि
सीटसोगवली ॥ अनुक्रमेंधर्मआदरीइ ॥ सवि ॥ केवलज्ञानसहीहवे
करमें ॥ शैलेसीइचरीइ ॥ ५० ॥ सवी ॥ पणलघुअक्षरउच्चरणकाले ॥ शिव
सुदरीवरवरीइ ॥ सवी ॥ सांतलिपाठकजोनांवयणां ॥ हर्षेअग्रीसुतीसरीइ ॥
॥ ५१ ॥ सवि ॥ वलिपुछेतेमध्यस्थहोवइ ॥ जेहथयावितराग ॥ सविकजन
सांसलोतूम्हेमहासाग ॥ एआंकणी ॥ तेउपगारकरेनहीकोयनें ॥ किमसवी
जीवहीतलाग ॥ सवि ॥ ५२ ॥ गुरुकहेसुणोप्रसुदेशनादेवे ॥ तेहथीहोइमोह
त्याग ॥ सवि ॥ एहथीउपगारकोईनमोहटो ॥ कोईजीवनोनहीजाग ॥ ५३ ॥
॥ स० ॥ अग्रिसुतीकहेकिमउपगारह ॥ उपदेशनीएकवाग ॥ सवि ॥ गुरुकहे
जोउपदेशकरेतो ॥ फलसहेतेमझसाग ॥ ५४ ॥ सवि ॥ चितामणीमत्रनेंवली
अगनी ॥ सेवनजोकरेराग ॥ सवि ॥ जतनाइसेवेफलेतेहनें ॥ पणिनवीहीइते
सराग ॥ ५५ ॥ सवि ॥ पणिनविधुइमनवीकहेवाइ ॥ इमसुणीलसोवेराम ॥
॥ सवि ॥ कहेस्वामीमुझमोहगयोहवइ ॥ वाध्योअधीकसोसाग ॥ ५६ ॥
॥ सवि ॥ इणअवशरएकअसीनमश्रावक ॥ सार्थेसरवरपरीवार ॥ सविकज
नजिनशासनसोहकार ॥ एआंकणी ॥ धनरिद्धिनामकरेमसुपुजा ॥ द्रोपदी

परेंनीरधार ॥ ५७ ॥ सवि ॥ बेठोवाचकजीनेंप्रणमी ॥ पुछेप्रश्नउदार ॥सवि॥ मुनित्रिविधत्रिविधेंव्रतपचखे ॥ अनुमतिपणिपरिहार ॥ ५८ ॥ सवी ॥ जब श्रावकनेंकरावेथुलथी अणव्रतनोउच्चार ॥ सवि ॥ तबमुनीनेंअनुमतीकिम नावे ॥ सापेतवअणगार ॥ ५९ ॥ सवि ॥ विधिदेतांअनुमतीनवीआवे ॥ अ विधीअनर्थसमार ॥ सवि ॥ सेठकहेविधीकहोगुरूमुझनें ॥ जिमहोइमुझउप गार ॥ ६० ॥ सवि ॥ गुरूकहेसुणिसवेगसारतु ॥ स्वरूपकहेइसार ॥ सवि ॥ डुरकपरपरकारणसवढे ॥ तेड खटालणहार ॥ ६१ ॥ सवि ॥ अरूपेंसी वसुरववलीलहीइ ॥ सजमएहप्रमाण ॥ सविकजनजिनशासनममाण ॥ एआंकणी ॥ प्रथमथीसुसतावनथीकरीइ ॥ इणिपरेंचरणवखाण ॥ ॥ ६२ ॥ सवि ॥ असमरथजोकदितेहनोहोइ ॥ कर्मउदयपरीमांण ॥ सवि ॥ अणव्रतउच्चरवाउजमालह ॥ जाणिअवसरजाण ॥ ६३ ॥ सवी ॥ उच्चरावे अणव्रततेजननें ॥ जोईप्रसस्तखेत्रठाण ॥ सवी ॥ आगारादिकसुरूधरावे ॥ आपमध्यस्थवीनाण ॥ ६४ ॥ सवी ॥ सुणीकहेसेठतोहिकिमनावे ॥ अनुम तीकहोमहेरवाण ॥ सवि ॥ तवगाथापतीचोरदृष्टांतें ॥ गुरूकरेउत्तरदाण ॥ ॥ ६५ ॥ सवी ॥ नवमेखंडसोलमीढालें ॥ नाणउत्तमजिमसाण ॥ सवी॥ पद्म विजयकहेसूणतांहोवे ॥ श्रोताघरिकल्याण ॥ ६६ ॥ सवि ॥ ॥ ७ ॥ ॥ डुहा ॥ वसतपुरवारूवसे ॥ जितसत्रुरायसूजाण ॥ धारणीशीलनीधारणी ॥ मनहरणीमहेराण ॥ ६७ ॥ नाटीककलानीरपीनृपें ॥ वरदिधोसुवीशेष ॥ राणीकहेरूमीपरें ॥ लपीआपोवरलेष ॥ ६८ ॥ करीइमहोउवकौमुदी ॥ अ तेउरइगाय ॥ आणादिइअवनीपती ॥ अनुक्रमेंसोदीनआय ॥ ६९ ॥ ईला पतीउदघोषणा ॥ करेसूणयोसङ्कोय ॥ नरजेरहस्येनयरमां ॥ जमघरि जासेसोय ॥ ७० ॥ डुरलसआणादेपीनें ॥ पुरुषवर्गपुरवाहरि ॥ निरणय करिनेंनीकल्यो ॥ इणअवसरअवधारि ॥ ७१ ॥ ढाल० ॥ मीठामिठुबोली नेस्युरीझवोरे ॥ एदेशी ॥ सूणोसेठजीवातसोहामणीरे ॥ तेहनयरमांसेठशि रोमणीरे ॥ सू० ॥ पटपुत्रतेहनेंलायकघणारे ॥ व्यवहारकरेसोहामणारे ॥

॥ ७२ ॥सू०॥ नविनीकली प्रातेव्यपतारे ॥ दरबाजादिश्वलीशीप्रतारे ॥ ॥ नृपसयथीतेठांनारहारे ॥ उठवकरयोरयणीइउमहारे ॥ ७३ ॥ सू० ॥ बिजे दिननृपआणाकरेरे ॥जुउरहोकोइठेठांनोघरेरे॥सू०॥जोइनेंतेपणिआवीकहेरे॥ सेठनापटपुत्रघरमारहेर ॥७४॥सू०॥ नृपकोपेंवधआणादिइरे॥ नरआविइंग वदिजीइरे ॥ सू०॥ वधथानिकलेईगयाहवइरे ॥ तसतातविहनोनृपविनवेरे॥ ॥ ७५ ॥ सू० ॥ अपराधखमोएस्वामीतूम्हेरे ॥ मुकोपुत्रनफीरीकरीइअम्हे रे ॥ सू० ॥ वलिदूजोपणिकरेइणिपरेरे ॥ तिणेनृपनवीमुकेकरगरेरे ॥ ॥ सू० ॥ सेठवार २ इमलापतारे ॥ वमोपुत्रमुक्योबहुआषनारे ॥ सू० ॥ ब हुमान्योसेठतेहनेंरे ॥ बिजानेंतोनरपतीहणेंरे ॥ ॥ सू० ॥ सेठनेंतोसुतमा रयातणीरे ॥ अद्योपणिअनुमतिनवीसुणीरे ॥ सू० ॥ दृष्टांतकहोउपनयसु णोरे ॥ सूपतीसमश्रावकनेंमुणोरे ॥ ७८ ॥ सू० ॥ पटपुत्रसमाषटकायठे रे ॥ सेठतूल्यमुनीवरथायठेरे ॥ सू० ॥ नृपविनतीसममुनीदेशनारे ॥ नवि मुनीपणकलिइशुसवेशनारे ॥ ७९ ॥ सू० ॥ तवश्रावकव्रतउच्चरावनारे ॥ न विअसजमअनुमतीसावतारे ॥ सू० ॥ कहोअवधीदोषइणिपरेरे ॥ तिणेंहा नपुर्वककिरीआकरेरे ॥८०॥ सू० ॥ यत ॥ पढमनाणतउदया ॥ एवविठईसव्वसजए ॥ अन्नाणीकिंकाही ॥ किंवानाहीछेयपावग ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ धणऋद्धिसेठहरषीनेकहेरे ॥ उपदेशतुमसुणीचित्तगहगहेरे ॥ सू०॥ एक अशोकचदनामेंवलीरे ॥ पुरवेंआव्योनमेललीलेलीरे ॥ ८१ ॥ सू० ॥ पुछे प्रश्नयोफेपरमादथीरे ॥ दारूणविपाकविखादथीरे ॥ सू० ॥ स्वामीतेतिमकेंव लिअन्यथारे ॥ सुणिइठिइलोकमाहियथारे ॥ ८२ ॥ सू० ॥ गुरुकहेजेआग ममांकहारे ॥ तेतिमहिजाणोप्राणीलहारे ॥ सु० ॥ जेआगमवाहकहेघणा रे ॥ तेतोपादठिकप्राणीसुण्यारे ॥ ८३॥ सू० ॥ पणिजीनवरजुठबोलेनहिरे ॥ कहेअशोकचदसूणज्योअहीरे ॥ सु० ॥ केईजीवघणीहिंसाकरेरे ॥ पापथा निकसघलांआदरेरे ॥८४॥ सू० ॥ तेहनेंधनसपदासुदरूरे॥ वलीसोगआयुदी रघधरूरे ॥सु०॥ नविअनुषघअुटेतेहनारे ॥ सद्गुवचनतेमानेंजेहनोरे ॥८५॥

सू०॥ अपराधअलपएकप्राणीआरे॥ सङ्गविपरितवातडुखपाणीआरे ॥सू०॥ गुरूकहेसूणिकर्मविचित्रतारे ॥ जसपापानुबधीकर्मजुक्ततारे ॥८६ ॥सू० ॥ डुरगतिगामीक्षुद्रसत्वढेरे ॥ सञ्चारमाहिएकत्वढेरे ॥ सू० ॥ अनरथसाजन करीपापनेरे ॥ पापेंसरेपुरणआपनेरे ॥ ८७ ॥ सू० ॥ तिणेईष्टलाभलही जायढेरे ॥ डुरगतिमाडुखवङ्कथायढेरे ॥ सू० ॥ विपरीतनेंविपरीतजाणीश्रे ॥ अशोकचदभमनाणीश्रे ॥८८॥ सू० ॥ कहेअशोकचदस्वामीपरूरे ॥ तूम्हें साध्यूतेअगीकरूरे ॥ सू० ॥ अज्ञानगयुभसूमाहरूरे ॥ नहिअणजाण्युका इताहरूरे ॥ ८९ ॥ सू० ॥ श्रणिअवशरिपुरविआविउरे ॥ त्रिलोचनप्रणमें साविउरे ॥ सू० ॥ करजोमीनेंप्रश्नपुछेहवेरे ॥ प्रसूसापोमुझसशयजवेरे ॥ ॥ ९० ॥ सू० ॥ ढालसतरमीखमनवमेकहीरे ॥ समरादित्यरासमाहिलहिरे ॥ सू० ॥कहेपद्मविजयसूणज्योसवेरे ॥ जेपुछेतसउत्तरहवेरे ॥ ९१ ॥सू० ॥ ॥ डुहा ॥ असयदानएकआपीउ ॥ उपटसवलीअन्य ॥ एहमाकोंणकहु अवल ॥ पाठककहोकयपुन्य ॥ ९२॥ वाचकजीकहेपरवमु ॥ प्रथमअस यपरधांन ॥ चोरदृष्टातसूणोचतूर ॥ कहिश्तेदेईकान ॥ ९३ ॥ ढाल० ॥ उधवमाधवनेंकहेज्यो ॥ एदेशी ॥ ब्रह्मपुरनयरेंनरराय ॥ कूलध्वजनामेवि ख्याताकमलूआपटराणीथायके ॥९४॥ सवितूम्हेअसयदानदेज्यो ॥ महणो महणोश्मकहेज्यो ॥ स० ॥ एआकणी ॥ तारावलीप्रमुखाराणी ॥ विजीपण रूपनीखाणि ॥ क्रिमेंज्यूश्रुश्रुश्राणीरे ॥ ९५ ॥ सवि ॥ सङ्गराणिस्यूएकदिन्ना॥ वेठोगोपेंधरीमन्न ॥ सोगठपासेंरमेधन्नके ॥ ९६ ॥ सवी ॥ चोरलाव्योतिहां कोटवाल ॥ वांध्योगाढबधनजाल ॥ कसप्रमुखेअतीडुरकाजरे ॥ ९७॥सवि॥ विनतीकरेनृपनेंश्म ॥ परधनलिघुशणनेम ॥ करीश्स्वामीकहोतेंम ॥ ९८ ॥ ॥ सवि ॥ सूपतीकहेएहनेंमारो ॥ चाल्योतलारतिणीवारो ॥ तेसकररोयोडुख सारोरे ॥ ९९ ॥ सवि ॥ प्रथमचोरीमाग्योजाउ ॥ मननामनोरथनविपाउ ॥ श्मजअवन्यजाश्आउरे ॥ ६०० ॥ सवि ॥ सूणिकहेराणउसूणोराय ॥ चोर नामनोरथनविथाय ॥ पणिजोकरोतूम्हेसूपशायरे ॥ ६१ ॥ सवि ॥ एकरा

॥ ७२ ॥सू०॥ नविनीकलीआनेव्यथनारे ॥ दरवाजाविईवलीजीवतारे ॥
नृपसपथीनेगांनाग्सारे ॥ उगयकरयोरयणीइउमसारे ॥ ७३ ॥ सू० ॥ विजे
दिन नृपआणाकरेरे ॥ नुगरसोकोइनेगांनोवरेरे ॥ सू० ॥ ओइनेंतेपणिआवीकहेरे ॥
सेठनापटपुत्रघरगोरहेरे ॥ ७४ ॥ सू० ॥ नृपकोपेंयथआणादिइरे ॥ नरआविईव
पदिजीइरे ॥ सू० ॥ वधपानिकनेईगयाहवइरे ॥ तसतातविहनोनृपविनवेरे ॥
॥ ७५ ॥ सू० ॥ अपराधखमोएस्वामीतुम्हेरे ॥ मुकोपुत्रनफीरीकरीइअम्हे
रे ॥ सू० ॥ घलिदूजोपणिकरेईणिपरेरे ॥ तिणेनृपनवीमुकेकरगरेरे ॥ ७६ ॥
सू० ॥ सेठवार २ इमसापतारे ॥ वमोपुत्रमुक्योवझआपतारे ॥ सू० ॥ व
झमान्योसेठतेहनेंरे ॥ विजानेंतोनरपतीहणेंरे ॥ ७७ ॥ सू० ॥ सेठनेंतोसुतवा
रयातणीरे ॥ अवोपणिअनुमतिनवीसुणीरे ॥ सू० ॥ दृष्टांतकसोउपनयसु
णोरे ॥ सृपतीसमश्रावकनेंमुणोरे ॥ ७८ ॥ सू० ॥ पटपुत्रसमापटकायठे
रे ॥ सेठतुल्यमुनीवरथायठेरे ॥ सू० ॥ नृपविनतीसममुनीदेशनारे ॥ नवि
मुनीपणकलिइशुसवेशनारे ॥ ७९ ॥ सू० ॥ तवश्रावकव्रतउच्चरावतारे ॥ न
विअसजमअनुमतीसावतारे ॥ सू० ॥ कसोअवधीदोपइणिपरेरे ॥ तिणेंज्ञा
नपुर्वककिरीआकरेरे ॥ ८० ॥ सू० ॥ यत ॥ पढमनाणतउदया ॥ एवचि
ठईसव्वसजए ॥ अन्नाणीकिकाही ॥ किवानाहीछेयपावग ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
घणऋद्धिसेठहरपीनेकहेरे ॥ उपदेशतुमसुणीचित्तगहगहेरे ॥ सू० ॥ एक
अशोकचदनांमेंवलीरे ॥ पुरवेंआव्योनमेललीलेलीरे ॥ ८१ ॥ सू० ॥ पुछे
प्रश्नयोमेपरमादथीरे ॥ दारूणविपाकविखादथीरे ॥ सू० ॥ स्वामीतेतिमकेंव
लिअन्यथारे ॥ सुणिइछिइलोकमाहियथारे ॥ ८२ ॥ सू० ॥ गुरुकहेजेआग
ममाकसारे ॥ तेतिमहिजाणोप्राणीलसारे ॥ सू० ॥ जेआगमवाक्यकहेघणा
रे ॥ तेतोपादछिकिप्राणीसुण्यारे ॥ ८३ ॥ सू० ॥ पणिजीनवरजुठबोलेनहिरे ॥
कहेअशोकचदसूणज्योअहीरे ॥ सू० ॥ केईजीवघणोहिंसाकरेरे ॥ पापथा
निकसघलांआदरेरे ॥ ८४ ॥ सू० ॥ तेहनेंधनसपदासुदरूरे ॥ वलीसोगआयुदी
रघघरूरे ॥ सू० ॥ नविअनुवधअुटेतेहनारे ॥ सझवचनतेमानेंजेहनोरे ॥ ८५ ॥

करुणावतकृपाल ॥ २२ ॥ अवतीदेशेआविआ ॥ रेफवाहपुरसार ॥ सिस सपदासूगुणस्यू ॥ उद्यानेंअवधारि ॥ २३॥ एकातेंजइआदस्यो ॥ अशोक वनेंअसीरांम ॥ काउसग्गतिहांसावनकरें ॥ एकजआतमरांम ॥२४॥ ढाल॥ ठोमरमलजीत्योजी ॥ एदेशी॥ एकातेंकाउसग्गरसारे ॥ तिहांआव्योचमाला॥ मोहरायजीत्योजी ॥ जित्यो २ विर्यउल्लास ॥ मोह ॥ जीत्योजीत्योचरणवी लास ॥ मोह ॥ जीत्यो २ नाणप्रकास ॥ मोह ॥ एआंकणी ॥ गिरीसेनडुष्ट तेंचितवेरे ॥ कोपेंथईविकराल ॥ २५॥मो०॥ मुकवडुदिनरुलावीउरे ॥ आ जदिठोनयणेण ॥ मो० ॥ इहामारुंअवशरअठेरे ॥ जिममरेअतिडुरकेण ॥ ॥ २६ ॥ मो० ॥ लाव्योजुनालुगमारे ॥ विटयूरूपीनुंअग ॥ मो० ॥ अलसी तेलवलीरमीउरें ॥ रौद्रध्यांनएकग ॥ २७ ॥ मो० ॥ अगनीप्रजाल्योतिहां किणेरे ॥ मुनीवरध्यांनमांलिन ॥ मो० ॥ जाण्यूपणिनहीचित्तमारे ॥ दाहथ योजवदीन ॥ २८ ॥ मो० ॥ ध्याननोसक्रमथयोतदारे ॥ चितवेतवमुनीरा य ॥ मो० ॥ अहोएस्यूअनरथतणोरे ॥ हेतूथयोइणठाय ॥ २९ ॥ मो० ॥ डुरगतीकारणतेहनेंरे ॥ अहोदारुणपरिणाम ॥ मो० ॥ अथवाएचिताकिसी रे ॥ समतानुंइहांकांम ॥ ३० ॥ मो० ॥ सामायिकठेमाहरेंरे ॥ वलगानीर मलध्यान ॥ मो० ॥ महासामायिकउपनुरे ॥ अपूरवकरणेंतान ॥ ३१ ॥ ॥ मो० ॥ रूपकश्रेणीतिहांउल्लशीरे ॥ वाध्योविर्यउल्लास ॥ मो० ॥ हणतो कर्मसत्रुप्रतिरे ॥ ससारीदूरवतास ॥ ३२ ॥ मो० ॥ ध्यानअनलेंमोहइधणा रे ॥ वालिकिघांरोप ॥ मो० ॥ विविधलब्धितिहांउपनीरे ॥ जोगमहिमएदा षि ॥ ३३ ॥ मो० ॥ निरमलथयोनीजआतमासे॥ घातिकरमपपाय ॥ मो०॥ केवलनांणतेपामीआरे ॥ समरादित्यरीपीराय ॥३४॥ मो०॥ सहुप्रयासर्सफ लोथयोरे ॥ कृतकृत्यथयाअणगार ॥ मो० ॥ उठवरगवचांमणोरे॥ प्रगटया निजआगार ॥३५॥ मो०॥ मुनिवरनामहिमाथकीरे ॥ तेहपेंत्रआसन्न ॥मो०॥ वेलधरकूमारनुरे ॥ चलिउतिहांआसन्न ॥ ३६ ॥ मो० ॥ अवधीनांणथी जोईनेंरे ॥ लेईकुसूमनीराशि ॥ मो० ॥ देवअनेकस्यूपरिवर्योरे ॥ आवेतिहा

णीकहेमुझआज ॥ आपोजिमपुरुकाज ॥ ततक्षिणआपेवहाराजेश्रीजिन
सहसपाकणीमरदाम्यो ॥ गुणंधउष्णजलेन्हवराम्यो ॥ स्वोवनुमलाजपडे
राम्योके ॥ ३ ॥ सवि ॥ दसमहसद्रव्यन्हवनेलागो ॥ एतलोजद्रव्यमाहरेना
गो ॥ विजीश्नेम्योधरीरागोके ॥ ४ ॥ सवि ॥ कांमितसोजमनिवेंदिवु ॥ ज
सयपानवलिसीधु ॥ जक्षकर्दमनिपनकिधुके ॥ ५ ॥ सवि ॥ आप्योकसीर
ककदोरो ॥ किधोवजीतेहनेनोहरो ॥ एतलोजद्रव्यमाहरेकोरोके ॥ ६ ॥ सवि ॥
लेरेविससहसगणीउ ॥ यलिविजीश्पणिश्मसणीउ ॥ आमूषणपीनगुंगणीउ
के ॥ ७ ॥ सवि ॥ तयोत्रआपेवलिगारो ॥ लाषद्रव्यशणिउवारयो ॥ एटलुंनु
ऊठेअवधारोके ॥ ८ ॥ सवि ॥ पटराणीनेनृपसासे ॥ तुकांईनविदिस्येआ
से ॥ साकहेकांयनमुझपासेके ॥ ९ ॥ सवि ॥ रायकहेतूपटराणी ॥ जिवअ
धीकतूमुझजाणी ॥ ताहरेसीवातनीहाणिके ॥ १० ॥ सवि ॥ जेमांगेतेतूझआ
पु ॥ ताहरूवयणक्रदयथापु ॥ कहेतेहनाडखमांकापुके ॥ ११ ॥ सवि ॥ सा
कहेकिधोसूपसाय ॥ आपुएहनेंमनसाय ॥ जिमसूपतिमकरोकहेरायके
॥ १२ ॥ स० ॥ साकहेचोरनेंसूणिसाई ॥ उग्याअकारयफूलआई ॥ दि
ठांकहोएचितलाईके ॥ १३ ॥ सवि ॥ पश्चातापथीकहेचोर ॥ नविकरूएहवु
कोईठोर ॥ जिणथीडरकहोयघोरके ॥ १४ ॥ सवि ॥ दिधुअसयकहेदेवी ॥
नृपकहेकोनकरेएहवी ॥ चोरकहेतूमाजेहवीके ॥ १५ ॥ स० ॥ राणीहर
षीततपेवाविजीतोहसतीहेवादानदिधुबहुकरीसेवके ॥ १६ ॥ सवि ॥ राणीकहेकि
मकरोहासी ॥ पूछोचोरनेंसुविलासी ॥ कहेचोरनेकहोविमासी ॥ १७ ॥ सवि ॥ चोर
कहेम्हेंनवीजाण्यू ॥ मरणनासयथीसूखठाण्यू ॥ स्वस्थथयोहवेपरमांणके ॥
॥ १८ ॥ सवी ॥ सांसलीसहराणीमाने ॥ एउपनयकसोव्यारव्यानें ॥ हरष्यो
त्रिलोचनसुणीकांनेंके ॥ १९ ॥ सवि ॥ स्वामीसत्यकहुएह ॥ एहमांकांय
नसदेह ॥ सहुइगयानिज ए गेह ॥ २० ॥ सवी ॥ नवमेखमेएढाल ॥ अ
ठारमीकहिसूवीशाल ॥ उत्तमविजयतणोबालके ॥ २१ ॥ सवि० ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ देशदेशोश्मवेशना ॥ देतातेहवयाल ॥ कालकेतोइकअतिक्रम्यो ॥

वनाश्मकरेरे ॥ हेस्वामीतूम्हनागेमोहनरिंदरे ॥ ५३ ॥ रीपी० ॥ जित्याक
र्मशत्रुक्केशडरेंगयारे ॥ कृतारथझ्रातूम्होसगवानरे ॥ त्रोमीसववलिशिव
पुरपामोआरे ॥ उग्योरवीजलहलतोकेवलज्ञानरे ॥ ५३ ॥ रीपी० ॥ सांस
लीश्मस्तवनारायनेंदेवतारे ॥ तिमसामतप्रमुखवदेमुनीनापायरे ॥ अहो
र मुनीवरनांक्रारयनीपनरि ॥ अपठरानाचेंकिनरसूरगुणगायरे ॥ ५४ ॥
रीपी० ॥ जनपदनालोकतेआव्यासासलीरे ॥ हरपीतराणावदे मुनीमहागज
रे ॥ गिरीसेनचितेमहानुसावनारे ॥ अहोएहनीम्हेंकिधुकामअकाजरे ॥
॥ ५५ ॥ रीपी० ॥ आक्षेप्युवीजकुशलपक्षनुरें ॥ मोहटानीनगतीनिष्फल
नविथायरे ॥ पत्तरमारतांआपेंफलप्रतेरे ॥ अवादिकजेउत्तमदक्षकहाय
रे ॥ ५६ ॥ रीपी० ॥ चदनकापताआपेवासनारे ॥ मुनीअपकारेपाम्यो
गुणनीराशिरे ॥ गिरीशेनचाल्योहवेनीजघरसणीरे ॥ मुनीवरेंजाण्योदेशना
नोअवकाशरे ॥ ५७ ॥ रीपी० ॥ जिवनेंकर्मनोजोगअनादीठेरे ॥ कनको
पलदृष्टातेंतासविकाररे ॥ उपज्येवझजोनीपामेंकदर्थनारे ॥ वलिसयोगवी
जोगतणोनहीपाररे ॥ ५८ ॥ रीपी० ॥ जरानेंमरणनीमाहटीआपदारे ॥ कू
पथ्यसेवेनलहेहितअहीतरे ॥ मूढताशांमोतेकारणसणीरे ॥ तत्वविचारोकर्जेसझ
जनमीत्तरे ॥ रीपी० ॥ ५९ ॥ पुजोदेवगुरूनेंदांनविधेंदिउरे ॥ पात्रोशीलकरोत
पजपअभ्यासरे ॥ सावनाभावोभ्याउसूसध्याननेरे ॥ ठांमोक्दापहकर्मभें
लकरोनासरे ॥ ६० ॥ रीपी० ॥ कर्मअसावेंनिरमलआनमारे ॥ तेहथीका
ईनवीपामेंविकाररे ॥ पामेंअव्यावाधसूखनिजपेत्रमारे ॥ निर्णेउद्यमकिजे
निजतत्वविचाररे ॥ ६१ ॥ रीपी० ॥ देशनासुणिनेंगुणपाम्याघणारे ॥ वदि
पोहताश्रुतेनीजआवासरे ॥ मुनिचद्राजागुरूनेंविनवरे ॥ तूमउपसर्गक
र्योकहोसवधतासरे ॥ ६२ ॥ रीपी० ॥ हेतूताहिसेस्वामीकोनहिरे ॥ मुनी
बोल्यामोहटोअकूशलअनुवधरे ॥ गुणसेनअग्निसर्म्मासिवयकीरे ॥ मांमीनें
किधोसघलोसवधरे ॥ ६३ ॥ रीपी० ॥ सासलिनेंराजासामतदेविउरे ॥ तिमवेलय
रलहासवेगरशानरे ॥ चितेसझअहो रदोपअन्नाणनोरे ॥ अज्ञानेंदाखुए

उलास ॥ ३ ॥ मो० ॥ द्रणभीकुसुमवृष्टिकरेरे ॥ [illegible] ॥
मो० ॥ फाडिनाप्यांचुपगरे ॥ फरतोयलीपरणाम ॥ [illegible] ॥ मो० ॥ [illegible]
णोगिरीसेननदारे ॥ एस्योचानविचार ॥ मो० ॥ वेजधरकहेपापीप्रारे ॥ रे
डुष्टआचार ॥ ३ ॥ मो० ॥ रेपुरुपाधमनीचतुरे ॥ तुमहाओचहजाम ॥
मो० ॥ मुरवनपिजोईइताहरुरे ॥ होवेपापनयोग ॥ [illegible] ॥ मो० ॥ एहकां
मनेस्थकरयुरे ॥ नहिआरयनुकांम ॥ मो० ॥ इणअवसरतिहांआविउरे ॥
मुनीचदरायउद्दाम ॥ [illegible] ॥ मो० ॥ नर्मदापमुखवारांणिउरे ॥ सावेंमहाला
मत ॥ मो० ॥ सक्तिसावधरीयदिआरे ॥ आणदअगप्रनत ॥ [illegible] ॥ मो० ॥
वेलधरनेपुछिउरे ॥ स्योण्वातवनाव ॥ मो० ॥ वेलधरकहेपापिनेरे ॥ निज
आतमडुखदाव ॥ ४ ३ ॥ मो० ॥ अमृतसूतसजुनहीरे ॥ मुनिनेंअनीय
योग ॥ मो० ॥ प्राणातअध्यवशायथीरे ॥ नहीएहनेंदेवलोग ॥ [illegible] ॥ मो० ॥
रायकहेमातुकरयुरे ॥ कारणकहोइहाकाय ॥ मो० ॥ वाल्यसङ्गजतूतणारे ॥
मोदहेतुमुनीराय ॥ [illegible] ॥ मो० ॥ पिमानकरेकोयनेरे ॥ शीतलताजिनच
द ॥ मो० ॥ नविलहिइकारणकीस्युरे ॥ कहेवेलधरइद ॥ [illegible] ॥ मो० ॥
नवमेखमेएकहीरे ॥ उगणीसम वरढाल ॥ मो० ॥ विघनथयांसविवेगलारे ॥
पद्मनेंमगलमाल ॥ ४ ॥ मो० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ जाणकअशुसउदयजिके ॥ डुखहेतुडुखरूप ॥ सवअनतकरवास
णि ॥ कारणडुरगतीकूप ॥ [illegible] ॥ नृपकहेजुतूनहीजरा ॥ पणिपुछोमुनीपा
य ॥ वेलधरकहेवरकसु ॥ सुणज्योसङ्गसमवाय ॥ [illegible] ॥ ढाल [illegible] ॥ [illegible]
मगिरी ॥ [illegible] ॥ एदेशी ॥ सोहमइद्रोआवेइणिसमें
रे ॥ ऐरावणहाथीउरवेठोतेहरे ॥ केवलज्ञाननामहिमाकारणेंरे ॥ देवसमु
हेंपरवरीउवलिजेहरे ॥ [illegible] ॥ रीषीजीचरित्रेंसङ्गजनमोहिउरे ॥ एआकेंणि॥
किनरगायनेनाचेअपछरारे ॥ हरषेंआविकिघोपथवीजोधरे ॥ गधोदकसी
चीकुसूमेंपुजतरि ॥ कनककमलठवेकरताविघननिरोधरे ॥ [illegible] ॥ रीषी० ॥
देवतानेंदेवीआणयांसङ्गरे ॥ वेठापदमेंसमरादित्यमुणिंदरे ॥ सोहमइद्रोस्त

नेंजीपे ॥ ७८ ॥ दे० ॥ दिव्यसरस्थानदिश २ प्रति ॥ निजकांतेंअजुआलें ॥ आंपर्मिचेनहितेकदा ॥ पूरवनोसवससाले ॥ ७९ ॥ दे० ॥ गीतवाजित्रनित २ होइ ॥ दिव्यसोगसोगवता ॥ रगमाकालकाढेसदा ॥ अपछरास्यूजोगवता ॥ ८० ॥ दे० ॥ धरणीथीच्यारआंगुलशदा ॥ अधरतेइहांचाले ॥ कूसूममा लाकरमाइनही ॥ तूठ।वाछितआले ॥ ८१ ॥ दे० ॥ आहारनहींकवलनोतस कदा ॥ नहींहामनेंचाम ॥ पथमावरणवत्रऊकरयो ॥ जोज्योतूम्हेंतेहगाम ॥ ॥ ८२ ॥ दे० ॥ राणीसूलोचनातवकहे ॥ प्रसूसूरसूखएह ॥ सिरूनेंसीरूसूख एहथी ॥ किमछेअतिरेह ॥ ८३ ॥ दे० ॥ गुरूकहेधर्मशीलाघणो ॥ एहअत रूमोटू ॥ देवतोकांईसूखीआनथी ॥ सूखतेपणिखोटू ॥ ८४ ॥ दे० ॥ जेह नेंअतमरवुपमे ॥ सूखतेकिमकहिइ ॥ वऊकपायीपरवसपणू ॥ आर्त्तध्या ननीतलहिइ ॥ ८५ ॥ दे० ॥ विपयतृप्नाअतिआकरी ॥ महामोहअज्ञान ॥ गर्दसीकूतरीप्रमुखना ॥ आवेगर्सनेंगान ॥ ८६ ॥ दे० ॥ याइएकेंद्रीवलीपाथ रो ॥ ईरपाघणीतास ॥ इमदुखजेहथीपामीइ ॥ तेहनेंसुखकिमवास ॥ ८७॥ दे० ॥ यत ॥ कहतसन्नईसुरक ॥ सुचिरणविजस्सदुरकमल्लि ॥ अईजचमर णावसाणे ॥ सवसशाराणवधच ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनुजेसुरकदापीउ ॥ गाधर्वादिकगान ॥ तेहपरमार्थथीदुखलहो ॥ जेअथीरतामान ॥ ८८॥ दे०॥ यत ॥ सव्वविलवियगीय ॥ सव्वनट्टविडंबिय ॥ सव्वेआभरणभारा ॥ सव्वेका मदुहावहा ॥ १-॥ पूर्वढाल ॥ खमनवमेएकवीसमी ॥ एहवरणवीढाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमां ॥ कहेपद्मरशाल ॥ ८९ ॥ दे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥५॥ ॥दुहा॥परमारथथीपेषीशासुदरजाणोशीरु ॥ सुखपणितेहनुसहजनु ॥तिजस आतमऋद्धि ॥ ९० ॥ तेसुखथाइतपथकी ॥ जिरणमलक्षयजाय ॥ तपिइत पतेकारणें ॥ आतमशुद्धउपाय ॥ ९१ ॥ ढाल॥ तीरथपतीअरीहानमु ॥ एदे शी ॥ तपपदसेवोइसवीजनां ॥ द्वादशसेदसुचगाजी ॥ अणसणनेंउणोदरी ॥ वृत्तिसपेपमनरगोजी ॥ ९२ ॥ त्रु० ॥ मनरगथीरसत्यागकरीइ ॥ कायकिले ससलिनता ६ पटसेदनपनावासजाणो ॥ किजीइविणदिनता ॥ ९३ ॥

ऽरकलहेपिशानो ॥ ६४ ॥ रीपी० ॥ केवधरपुत्रेआगात्रएहमेरे ॥ स्योनिप
जस्येस्वामीजीपरिणामरे ॥ केवलीसामेजास्येनरगमारे ॥ तीवरवेदनाकेप
वस्येनेगामरे ॥ ६५ ॥ रीपी० ॥ निहाथीअननोमशारएहमेरे ॥ नरमदाताली
सार्येकहोवसूनेहरे॥नरकोकेहथीकेहविवेदनो ॥ मुनिकहेसांसलिवांहिमोक्ष
तेएहरे ॥ ६६ ॥ रीपी० ॥ बाहिरचउरसाथोरअधाकूरे ॥ हेगलिसुरप्पक्ष
कारेमहाऽरगधरे ॥ मेदनशानेकर्दमरुधीरनो ॥ अशुचिनेंकर्कशफरसस
बधरे ॥६७॥रीपी० ॥वर्णवइत्यादिकवऽऽगेशास्त्रमारि॥ तेतोकहेतांआइअतिवि
स्तारे ॥ नारकीऽपीआवेदनाअतीसहेरे ॥ आपिउघाडेनहीसूस्वतेनिवारे ॥
॥ ६८ ॥ रीपी० ॥ निरनरविहनारोगघणाननुरे ॥ तावातरुआनुबलोकराबे
पानरे ॥ लोहनीपचाडीउष्नवार्येविझरे ॥ केताकीजेंदूखनांइहांव्यास्यानरे ॥
रीपी० ॥ ६९ ॥ विजेरेअगेतापीडेघणीरे ॥ सांसलिसघलधूजेआपकम्प
गरे ॥ निहाथीजाणज्योसालीयोलतीरे ॥ सूलसमजरीराणीघरीमनरगरे ॥
॥ ७० ॥ रीपी० ॥ केहवांविमानदेवनादेवतारे ॥ केहवाहोयतेसापोपरम
दयालरे ॥ केवलीसापेपद्यविजइकहिरे ॥ नवमेखमेएहविसमीढालरे ॥
॥ ७१॥ रीपी० ॥ - ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डहा ॥ मुनिकहेसांसलिधर्मिणी ॥ विचित्रसठाणविमान ॥ रतनमयीअति
नीरमलां ॥ अमररक्षितअसमांन ॥ ७२ ॥ चदनहाथाचरचिआ ॥ तोरणडा
रेंतड ॥ चदनघटयाप्याचतूर ॥ ज्वलेधुपघटीजड ॥ ७३ ॥ फूलविगायांफूट
रां ॥ माल्यवऽमहेकाय ॥ अदसूतदिसेअपडरा ॥ शब्दत्रुटितसूखदाय ॥
॥ ७४ ॥ ढाल ॥ वीरमाताप्रीतीकारणी ॥ एदेशी ॥ देवताअनोपमसूखधरा ॥
विचित्रधिङ्गधरनारा॥रूपवतानेंमहर्द्धिका॥ मनेंकांमकरनारा॥७५॥ दे० ॥
महाबलीमहाप्रसावीकसा ॥ गलेपहेरीआहार ॥ बांहिबाजुबधबहिरषा ॥
कटकजमितमनोहार ॥ ७६ ॥ दे० ॥ कुंमलमुगटशिरसोहता ॥ मुद्रानेंवलि
माला ॥ दिव्यवरवस्त्रपहिरयांजिणें ॥ घणकहदयविशाला ॥७७॥ दे० ॥ म
ऽनलेपनदिव्यते ॥ तनुजष्टीअतिदिपे ॥ वरणगधफरससघयणते ॥ सऽतेज

म ॥ रूपकश्रेणीमाचढे ॥ वऊविर्यउल्लासेंकरीनें ॥ कर्मरीपुसार्थेवढे ॥११॥ घातीच्यारनोपयकरी ॥ पामेकेवलज्ञानोजी ॥ विहरीनेंमहीमऊलें ॥ करे उपगारजिमसानोजी ॥१२॥ चु०॥ सानुपरेंउपगारकरीने ॥ आयुअतन्प्रावेंज दा ॥ योगरूधीध्यानतेहज ॥ शैलेसीआवेतदा ॥ १३ ॥ पांचलघुअ रूरसमो ॥ कालरहीकर्मच्यारजी ॥ वेदनीआयुनामगोत्रजे ॥ अतसमयरू यकारजी ॥ १४ ॥ चु० ॥ रूयकरीसीरूवरयासमये ॥ नवमेखमेढालए ॥ वाविसमीएपद्मविजयें ॥ सुणतामगलमालए ॥ १५ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ डुहा ॥ सिरूसरूपवऊशास्त्रमां ॥ वचनअगोचरवात।तेहनोलवसापुतथा ॥ जेंहनुसूखनीजजाति ॥ १६ ॥ ढाल ॥ चांदलिउनेंउम्योरेहरीणीआयमीरे ॥ एदेशी॥सवितूम्हेवदोरेसीरूस्वामीसणीरे।गुणप्रगटयाएकत्रीश ॥ज्ञानावरणरू यें पणगुणथयारे ॥ ज्ञानअनतजगीश ॥ १७ ॥ सवि ॥ दरशनावरणरूयेंगु णनवथयारे ॥ वेदनीनाशथीदोय ॥ पायकदरशनचारित्रगुणयथारे ॥ मोहरू यें दोयहोय ॥ १८ ॥ सवी ॥ आयुअसावेचउगुणनीपनारे ॥ नामनेंगोत्रनो नाश ॥ दोदोगुणपणअतरायरूयकरीरे ॥ इमइकत्रीसगुणराशि ॥१ ए।स०॥ वरणगधरसफरसअसावथीरे ॥ गुणपणदोयपणआठ ॥ पाचसठाणगयाथी पणवलीरे ॥ एपणिआवश्यकेंपाठ ॥ २० ॥ सवी ॥ वेदगयाथीत्रणिगुणपा मीआरे ॥ वलिअशरीरअसग ॥ अरूहथयाइमएकत्रिशजाणीशरे॥ ध्यानक रोरक्तरग ॥ २१ ॥ सवि ॥ अथवासामान्येंगुणआठठेरे॥ केवलज्ञानअनत॥ केवलदर्शनअव्यावाधनेंरे ॥ रूयिकसमकितवत ॥ २२ ॥ सवी ॥ अरूय स्थितीनेंअरूपीजेथयारे॥ अगरूलघूअवगाह॥ विर्यअनतूविघ्नवीनाशथीरे॥ किजेंएहजनाह ॥ २३ ॥ स०॥त्रणिकालसूरसूखसेलूकरीरे॥ ठविश्नसपरदे श ॥ इमशऊनसदेशेंठवीतेहनोरे ॥ कीजेंवर्गवीशेश ॥ २४ ॥ सवी ॥ इणिप रेंवर्गअनतवेलाकरोरे ॥ करीइसऊसमुदाय॥ पणिअव्यावाधसूखअशेनहीरे॥ जेहविजातीकहाय ॥ २५ ॥ सवि ॥ जिहांएकत्रीरूतणीअवगाहनारे ॥ तिहारहेसीरूअनत ॥ फरसीतवलीनीजदेशप्रदेशनेरे ॥ असखगुणासगव

अज्ञाननो पागअणसणकसु ॥ तेहनादोयप्रकारोजी ॥अनपकाशिकनेंपाकत
कथा ॥ हयदंडणोदरीधारजी ॥ ९४ ॥ ध्रु० ॥ धारीइंद्रिणसेवतेहना ॥ पहेली
उपगरणांतणी ॥ बीजीअज्ञाननीद्रव्यथीए ॥ सार्वेक्रोधादिकसणी ॥ ९५ ॥
द्रव्यक्षेत्रकालभावथी ॥ एनिसवेपचउसेयजी ॥ सेदअनेकरसत्यागना ॥ वि
गयप्रगुरवजेअमेयजी॥९६॥ ध्रु०॥अनेकवीरासनादिकथी ॥ लोचादिककाय
क्लेशऐ ॥ संलिनताचउसेदसमा ॥ गुणोनेहविसेसऐ ॥ ९७ ॥ ॥ इंद्रि
यनोसलीनता ॥ निगवसियोगनीजाणोजी ॥ एकातथानिकसेवुं ॥ कसाय
लिनतावपाणोजी ॥ ९८ ॥ ध्रु० ॥ हवश्कक्रअत्यंतरसेदपटतप ॥ प्रायश्चि
दसजातीए ॥ बिजाबीनयप्रकारसाप्यो ॥ सेदनेहनासानए ॥ ९९ ॥
ध्यानतेदोयनेंवरजवा ॥ आरतरोद्रनामेंजी ॥ धर्मशुक्लदोयआदरो ॥ वेयाव
च्चदशगामेंजी ॥ ७०० ॥ ध्रु० ॥ सज्झायतेंमपांचेंप्रकारे ॥ काउसग्गहवेसा
पीइ ॥ द्रव्यसावउसेदद्रव्यथी ॥ च्यारसेंदेआपोइ ॥ १०० ॥ तनुउपधीगणआ
हारनो ॥ काउसग्गद्रव्यथीजाणोजी ॥ कर्मकषायशसारथी ॥ त्रिविधसावम
नआणोजी ॥ २ ॥ ध्रु० ॥ आणोद्वादशसेदतपए ॥ कर्मतपावेतेतपकहो ॥
कर्मक्षयकारणेंकरीइ ॥ एहपरमारथलहो ॥ ३० ॥ इहसवपणिएहतपथ
की ॥ विघनतेनाशांजायजी ॥ लक्ष्मथीरथईनेंरहे ॥ किरतीदशदिशथायजी
॥ ४ ॥ ध्रु० ॥ थायकिरतीसहजगुणए ॥ पणिनतसअरथेंकरे ॥ चउनाणस
जुततिर्थपतिपणि ॥ कर्म्मखपवाआदरे ॥ ५ ॥ कर्मनीकाचितनविहोइ ॥ त
सउपक्रमकहोयथेंजी ॥ जायनिकाचीतपणिजिके ॥ साधतासीवपथेजी ॥
॥ ६ ॥ ध्रु० ॥ शिवपथसाधेनेहजाणें ॥ मुकअणहारीधर्मए ॥ आहारकलक
अनादीसवनुजिहथीबकुकर्मए ॥ ७ ॥ दृढप्रहारीनेंसोमजी ॥श्रीमानदेवसूरी
सोजी॥श्रीजगचद्रसूरीवली॥ गजसुकमालमुनीसोजी॥८॥ध्रु० ॥ ढढणामुनी
तीमधनाऋषीजी ॥ कूरगडूनीमजाणीइ ॥ केईवासअतरदोयकरता ॥ केईअ
न्यतरगणए ॥ ९ ॥ केवलबासनफलकसु ॥ फलतेशमतासारोजि ॥ निरवां
छकताइजेकरे ॥ तेपामेंसवपारोजी ॥ १० ॥ ध्रु० ॥ बकुलब्धिपामेंअनुक्रमेंइ

म ॥ क्षपकश्रेणीमाचढे ॥ वऊविर्यउल्लासेंकरीनें ॥ कर्मरीपुसार्थेवढे ॥११॥ घातीच्यारनोपयकरी ॥ पामेकेवलज्ञानोजी ॥ विहरीनेंमहीमडलें ॥ करे उपगारजिमसानोजी ॥१२॥त्रु०॥ सानुपरेंउपगारकरीने ॥ आयुअतआवेंज दा ॥ योगरूधीध्यांनतेहज ॥ शैलेसीआवेतदा ॥१३॥ पाचलघुअ क्षरसमो ॥ कालरहीकर्मच्यारजी ॥ वेदनीआयुनामगोत्रजे ॥ अतसमयक्ष यकारजी ॥ १४ ॥ त्रु० ॥ क्षयकरीसीद्धीवरयासमयें ॥ नवमेखडेढालए ॥ वाविसमीएपद्मविजयें ॥ सुणतामगलमालए ॥ १५ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ दुहा ॥ सिद्धसरूपवऊशाश्वर्मा ॥ वचनअगोचरवात॥तेहनोलवसापुतथा ॥ जेहनुसूखनीजजाति ॥ १६ ॥ ढाल ॥ चांदलिउनेंउम्योरेहरीणीआथमीरे ॥ एदेशी॥सवितुम्हेवदोरेसीद्धस्वामीसणीरे॥गुणप्रगटयाएकत्रीश॥ज्ञानावरणक्ष येंपणगुणथयारे ॥ ज्ञानअनतजगीश ॥ १७ ॥ सवि ॥ दरशनावरणक्षयेंगु णनवथयारे ॥ वेदनीनाशथीदोय ॥ पायकदरशनचारित्रगुणथयारे ॥ मोहक्ष येंदोयहोय ॥ १८ ॥ सवी ॥ आयुअसावेचउगुणनीपनारे ॥ नामनेंगोत्रनो नाश ॥ दोदोगुणपणअतरायक्षयकरीरे ॥ इमइकत्रीसगुणराशि ॥१९॥स०॥ वरणगधरसफरसअसावथीरे ॥ गुणपणदोयपणआठ ॥ पाचसठाणगयाथी पणवलीरे ॥ एपणिआवश्यकेंपाठ ॥ २० ॥ सवी ॥ वेदगयाथीत्रणिगुणपा मीआरे ॥ वलिअशरीरअसग ॥ अरूहथयाइमएकत्रिशजाणीरे॥ ध्यानक रोरक्तरग ॥ २१ ॥ सवि ॥ अथवासामान्येंगुणआठढेरे॥ केवलज्ञानअनत॥ केवलदर्शनअव्याबाधनेंरे ॥ क्षायिकसमकितवत ॥ २२ ॥ सवी ॥ अक्षय स्थितीनेंअरूपीजेथयारे॥ अगरूलघूअवगाह॥विर्यअनतूविघवीनाशथीरे॥ किजेंएहजनाह ॥ २३ ॥ स०॥त्रणिकालसूरसूखसेलूकरीरे॥ ठविश्नसपरदे श ॥ इमशक्रनसदेशेंठवीतेहनोरे ॥ कीजेंवर्गवीशेश ॥ २४ ॥ सवी ॥ इणिप रेंवर्गअनतवेलाकरोरे ॥ करीइसक्रसमुदाय॥पणिअव्याबाधसूखअशेनहीरे॥ जेहविजातीकहाय ॥ २५ ॥ सवि ॥ जिहांएकसीद्धतणीअवगाहनारे ॥ तिहारहेसीद्धअनत ॥ फरसीतवलीनीजदेशप्रदेशनेंरे ॥ असखगुणासगव

न ॥ २६ ॥ सवि ॥ पणिनविसीकहोश्नेपीकामहीरे ॥ एहअनुपम
साव ॥ अवीनासीआश्चतसुखनोधणीरे ॥ नरमेंजेपरसाव ॥ [illegible] सवि ॥
अजरअमरअकलंकीजेपयारे ॥ सविगुणआवीसाव ॥ नविनिजआत्म
देशेंपरमाणुरे ॥ रमताजेहस्वसाव ॥ २८ ॥ स० ॥ अचलअखलअखेदी
अरूजवलिरे ॥ जेहअजोगीअणाहार ॥ साध्यरूपसवीसवीजनवदनेंरे ॥ स
घआयरलसापार ॥ २९ ॥ सवी ॥ भोगवीयोगसयोगतेवेगलारे ॥ अनतचतु
ष्टयीधार ॥ आतमगुणनीपूरणताजसारे ॥ प्रणमोतुम्हेवारवार ॥ [illegible] ॥ सवी॥
धीरतापणिनिजगुणमांहिथईरे ॥ तिणेंचारीत्रधीररूप ॥ अफूसमांणगतीलोका
येगयारे ॥ सादिअनतसरूप ॥ ३१ ॥ सवि ॥ वाध्यनहीसठाणतिणेंकरीरे ॥
कहुअनीत्रसठाण ॥ सिद्धअनतरप्रथमसमयकसारे ॥ परपरपडेंत्रचाणि ॥
॥ ३२ ॥ सवि ॥ चरमसर्वेजेनीजअवगाहनारे ॥ तेहमांसुथिरीपुराय ॥ त्रि
जोसागघटामोघनकरयोरे ॥ प्रणमोतेहनापाय ॥ ३३ ॥ स० ॥ बधनछेदादि
ककारणथकीरे ॥ जावुत्रमयेसातराज ॥ ज्योतीमाज्योतीमलीजसनीरमली
रोपाम्यानिजगुणराज ॥ ३४ ॥ स०॥ व्यवहारेंलोकार्पेपदेंरसारे॥निश्चयेंआ
तमखेत ॥ सूक्ष्मबादरत्रसथावरनहीरे ॥ कर्मतणाएसकेत ॥३५॥ स० ॥ सी
द्धशिलाथीजोजनछेहमेरे ॥ ऊपरीअणसेंतेत्रीस ॥ उतकृष्टीजघन्यअवगाह
नारे ॥ अगुलजासबत्रीस ॥ ३६ ॥ स० ॥ गुणअनतअनतछेजेहनारे ॥ कि
मकहीसकीश्रेतेह ॥ जाणेकेवलीपणिनकहीसकेरे ॥ सवमांसभ्यपुरजेह ॥
॥ ३७ ॥ स० ॥ नवमेंखंडेत्रेवीसमीढालमारि ॥ समरादित्यनेंराश ॥ समरादि
त्यसरूपकहेसीश्रुनुरे ॥ पद्मकहेसुविलाश ॥ ३८ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥
॥ दूहा ॥ सबरदृष्टांतश्रेहांसूणो ॥ शुरूकरीसरधांन ॥ नहिउपमत्रिणिसूवन
मां ॥ परगटकोपरधांन ॥ ३९ ॥ ढाल ॥ दिलभगारेवादलवरणी ॥ एवेशी ॥
तुम्हेध्याउरेसाहिबध्यानमां ॥ एआंकणी ॥ जेहनागुणनसकेकहीवयणें ॥
ज्ञानिदेषेपणिध्यानमां ॥ [illegible] ॥ तुम्हे० ॥ क्षितीप्रतीष्टपुरजितशत्रुराजा ॥
जयसीरीराणीप्रधानमां ॥ तुम्हे० ॥ एकदिनआहेमेंटपचाल्यो ॥ अश्वहरी

गयोरानमां ॥ ४१ ॥ तुम्हे० ॥ अंगखलायोविषमपरदेशें ॥ एकअवरति
णगाणमा ॥ तूम्हे०॥ इमचितेकोईमोहटोनरए ॥ डखमांपडिउअचानमा॥
॥ ४२ ॥ तुम्हे० ॥ उचीतकरूउपचारऊकांयक ॥ चोकमुपहेतवपा
णिमां ॥ तूम्हे० ॥ जलउपकठेअश्वनेंलाव्यो ॥ नृपउतरयोतवसानमां ॥
तूम्हे० ॥ ४३ ॥ नृपन्हायोअश्वनेंन्हवराव्यो ॥ कदलीजबिरदिर्शवानमा ॥
तूम्हे० ॥ पायप्रणमीनेंआहारकराव्यो ॥ नृपचितेनीजमानमा ॥ ४४ ॥
तूम्हे० ॥ सक्तीवतोनेंसद्धनसूपुरिस ॥ वअकरयोमुऊवऊमानमा ॥ तुम्हे०॥
सांऊसमेकरयोंकुसूमसाथरो ॥ सूतोसूपतेटाणमां ॥ ४५ ॥ तुम्हे० ॥ धनु
पतिरलेईथयोअगरऊक ॥ तुरगेंचढ्योसवारमा ॥ तूम्हे० ॥ खोलतांसेना
आवीमीलीतव ॥ रायचाल्योअअवारमा ॥ तुम्हे० ॥ ४६ ॥ सार्थेसबरलेई
पुरआयो ॥ आदरमानअपारमा ॥ तूम्हे० ॥ न्हावुपहेरवुंउढवुंसोजन ॥ नि
जस्यूसवरअीकारमा ॥ ४७ ॥ तुम्हे० ॥ सामतादिकपुढेकुणए ॥ नृपक
हेसिरिउपगारमा ॥ तुम्हे० ॥ सऊप्रसस्योनृपेतसदीधी ॥ राणीउसेवा
कारमां ॥ ४८ ॥तुम्हे० ॥ धूपघटिनेंमणीनीदीवीउ ॥ शय्याउसीसांसारमा ॥
तूम्हे० ॥ द्राक्षादिकआसववऊपाया ॥ नाटिकविविधप्रकारमां ॥ ४९ ॥
तुम्हे० ॥ पचविषयसूखसोगवेश्मनित ॥ एकदिनचितीवीचारमा ॥ तूम्हे०॥
रायनेंकहेजास्यूनीजथांनिक ॥ नृपकहेसऊपरीवारमां ॥ ५० ॥ तुम्हे० ॥
जाउंवऊअअवारपहोचावो ॥ सूखथीएहनीपालिमा ॥ तुम्हे० ॥ दिघोंव
ऊवध्यनेंवऊमुलां ॥ वस्तरथरमाशालिमा ॥ ५१ ॥ तुम्हे० ॥ पहोतोंअनुक
रमेंनिजपालें ॥ मिलिउवालगोपालमा ॥ तुम्हे० ॥ सवरसऊमिलीपुढेतेहनें ॥
किहांगयाताआजकालिमां ॥ ५२ ॥ तुम्हे० ॥किमरह्यास्यूपाधुस्यूपाम्या॥
कहुसघलूसूरसालमां ॥ तूम्हे० ॥ तवपुढेतेनयरकेहवु ॥ रायकेहवोसूपा
लमां ॥ ५३ ॥ तूम्हे० ॥ उपमाविणनसकेकहीरणमां ॥ तोपणिकहेनीज
चालिमां ॥ तुम्हे० ॥ वरिसमगेहसोजनवनफलसमा॥ सिलमीजुवतीवालमां॥
॥ ५४ ॥ तुम्हे० ॥ गुजाहारआसरणदेपाभे ॥ गेरूलेंपनकणयरमालमां ॥

तुम्हे० ॥ नकहीगकेपणिजाणेमनमां ॥ पुरगुणअतिअविशालमां ॥ ५५ ॥
तुम्हे० ॥ तेमुखनरमुरमांहिनक्यांहि ॥ जेसुखसहजाणदमां ॥ तुम्हे० ॥
सणिवेलधरनहीसीकदिरप ॥ कस्वरत्तनहिदद्दमां ॥ तुम्हे० ॥ ५६ ॥ अ
सचोरसपरीमकनांहि ॥ नहीरुप्नादिवर्णदमां ॥ तुम्हे० ॥ सुरसोऽरसी
नतिक्तादिकरस ॥ फरसनवेदनाउदमां ॥ ५७ ॥ तुम्हे० ॥ सत्ताउपमानही
जेहप्रसृनी ॥ किमकरीकहीश्याणिमां ॥ तुम्हे० ॥ दाजचोविसमीनबमंस्व
में ॥ केवलीकहेलहीनाणमां ॥ तुम्हे० ॥ ५८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ ऽहा ॥ नहीरुपीअरूपीनही ॥ गधअगधनगाय ॥ नहीरसअरसकदानही॥
नहीफरसंतरन्याय ॥ ५९ ॥ आचारसूत्रेआपीउ ॥ अपयनेंपयनहि ॥ स
यलप्रपचरहीतसदा ॥ अनतज्योतितसअहि ॥ ६० ॥ पाम्यापरमाणदनें ॥
सासलीतेहसनाथ ॥ सामनराणीप्रमुखसवे ॥ सलोमुनीचदसूनाथ ॥ ६१ ॥
करकजजोमीनेंकहे ॥ अम्हनेंकस्योउपगार ॥ देईधर्म्मनीदेशना ॥ स्वामी
जीअंगीकार ॥ ६२ ॥ चरीत्रतूम्हाहचित्तधरी ॥ उपनोअम्हआसीलाप ॥
चारीत्ररसअम्हेचापीइ ॥ सलिवोलेइमसाप ॥ ६३ ॥ ढाल० ॥ तेतसीआरे
साईतेतरीआ ॥ एदेशी ॥ तुम्हेतरियारेसाईतुम्हेतरीआ॥ इमसमरादित्यउचरी
आरे ॥ सावथकीतूम्हेचरणतेवरीआ ॥ सवअटवीउतरीआरे ॥ ६४ ॥तुम्हे॥
जेकरवुतेसघलूकरीया ॥ हवेइव्यथीकरोकिरीयारे ॥ तेकहेप्रभूअम्हनेंउप
गरीआ ॥ आणिअम्हेशीरघरीआरे ॥ ६५ ॥ तुम्हे० ॥ वेलधरइमचित्तअ
नुसरीआ ॥ अहोधन्यएहनापरीआरे ॥ उचितउठववकहरपेंसरीआ ॥ वेल
धरठाकरीआरे ॥ ६६ ॥ तुम्हे० ॥ समरादित्यशिष्यज्ञाननादरीया ॥ शील
देवजेठरीयारे ॥ तेहनाशीशपणेंआदरीआ ॥ सगसयलपरीहरीआरे ॥
॥ ६७ ॥ तु० ॥ कौतुकनेंअनुकपाइपूढे ॥ वेलधरसूरवरीआरे ॥ तेअधम्म
निजउपद्रवकारी ॥ गीरीसेननीकहोचरीआरे ॥६८॥ तुम्हे० ॥ सव्यतथाअ
सव्यअठइए ॥ बिजलसोकेनांहिरे ॥ लेहेस्येकेनहितेपणिसाषो ॥ केवलीकहे
सूणोआंहिरे ॥ ६९ ॥ तुम्हे०॥ सव्यअठेपणिविजनपांम्ये॥ पणिलहेस्येतेसू

एज्योरे ॥ असरवपुद्गलपरावर्त्तअतिर्ने ॥ सार्दूलसेननृपमुणज्योरे ॥ ७० ॥ तुम्हे० ॥ तेहनोअश्वप्रधानएथास्ये ॥ तिहासमकितएलास्येरे ॥ क्षयउपसममीथ्यात्वलहेस्ये ॥ पातिकदूरपलास्येरे ॥ ७१ ॥ तूम्हे०॥ चितवीउमुकउपरिशुणि ॥ अहोमहानुसावएहरे ॥ गुणपक्षपातपरपराविजक ॥ समकीतलहोएहरे ॥ ७२ ॥ तुम्हे० ॥ तेअश्वसमकीतपांमीअनुक्रमे ॥ सवअसख्यातासमस्येरे ॥ शखनामेब्राह्मणसवलहेस्ये ॥ तिहांचारीत्रपरणमस्येरे ॥ ॥ ७३ ॥ तुम्हे० ॥ क्षपकश्रेणीमाकेवललहीनें ॥ निजआतमऋद्धीवरस्येरे॥ निजगुणशकतीअनतीपरगट ॥ सार्वेएहजकरस्येरे ॥ ७४ ॥ तुम्हे० ॥ इमसांसलीवेलधरहरप्या ॥ प्रणमीमुनीवरपायारे ॥ निजथानिकपोहतोहवेकेवली ॥ विचरेजेनीरमायारे ॥ ७५ ॥ तुम्हे० ॥ हवेएकदिनगिरीसेनपकमाणो ॥ चोरीमातवमारयोरे ॥ कुसीपाकेंकरीकरमेंपचारयो ॥ मुनिवरद्वेषजेधारयोरे ॥ ७६ ॥ तुम्हे० ॥ सातमीनरगेंतेहदोपथी ॥ उपनोदूखअपारोरे ॥ विचरताश्रीसमरादित्यजी ॥ पहोतासीद्धगिरिठारोरे ॥ ७७ ॥ तुम्हे०॥ करमविपमस्थितीजाणीकियो॥ केवलीनोसमुद्घातरे ॥ शैलेसीपमीवजीयामुनीवर ॥ जेहअयोगीविख्यातरे ॥ ७८ ॥ तुम्हे० ॥ सत्रोपमाहितिहांकर्म्मखपावे ॥ वेदनीआयुगोत्रनामरे ॥ देहपजरठामीहवेमुलथी ॥ अफूसमाणगतीनामरे ॥ ७९ ॥ तुम्हे० ॥ समयएकेंलोकायेंपहोता ॥ परमब्रह्मालयजेहरे॥ जनमजरामरणेंकरीवीरहित ॥ अचलअरूजथयातेहरे ॥८०॥ तुम्हे०॥ सुरवरमहोछवकरेशीवपदनो ॥ पूजेंतेहशरीररे ॥ अगप्रधानपहेंततनुना ॥ पामवासवजलतिररे ॥ तुम्हे० ॥ ८१ ॥ देवलोकमांजईसुरनें ॥ ससलावेअवदातरे ॥ तेपणिसक्तेंकरीप्रणम्या ॥ पुज्याहर्पसरातरे ॥ ८२ ॥ तुम्हे० ॥ निजआतमहेतेंनितपुजे ॥ सुरवरसमकितवताणे ॥ समरादित्यगिरीसेनवखाण्या ॥ चमतकारचितदेतारे ॥ ८३ ॥ तुम्हे० ॥ समरादित्यगयाशिवपुरमां ॥ विजानेंसशारे ॥ तिणेंगुणीजनउपरिनवीमठर ॥ किजेंसुणिअधीकारेरे ॥ ८४ ॥ तुम्हे० ॥ एकपर्पेवयरेंडखपाम्यो ॥ विक्षपरवनीसीवातरे ॥

पसिअत्तानकटडखपामें ॥ एदृष्टांतपणिप्यानरे ॥ ८५ ॥ मुन्हे० ॥ पवपे
खमेपपविसमीए ॥ पद्मपीजयकहिटानरे ॥ श्रीसमरादित्यकेवलिरासें ॥ हुं
एनांमगलमानरे ॥ ८६ ॥ मुन्हे० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ ऽहा ॥ सहेंपेएसयीकसो ॥ समरादित्यनोरास ॥ अवणेपणिहोयसांसम्यां
आणदअगउल्लास ॥ ८७ ॥ ढाल ॥ गीतुआरेगुणनुम्हतणा ॥ एदेशी ॥ सम
रादित्यगुणगाईआ ॥ आणीहर्षअपारोरे ॥ मुझमीमदबुद्धिनणो ॥ कांयधारी
चित्तउपगारोरे ॥ ८८ ॥ सम० ॥ शक्तिनहीमुझएहवी ॥ पणिश्रीहरीसद्ध
सूरीवयणेंरे ॥ चालेयटीआलवनें ॥ जिमशक्तीरहीतजुइनयणेंरे ॥ ८९ ॥
सम० ॥ हरपहतोवझदिननणो ॥ नेआजचटयोसुप्रमाणोरे ॥ उंचवरगवधाव
णां ॥ कांयघरि २ कोमिकल्याणोरे ॥ ९० ॥ सम० ॥ पमीत्तजनकिरपाक
री ॥ मुझउपरिशुद्धकरेज्योरे ॥ अलपबुद्धिमुझजाणिने ॥ मतचितमारीसघरे
ज्योरे ॥ ९१ ॥ सम० ॥ शक्तीरहीतपणिमुझसणी ॥ मुनीगुणेंबोलाव्योप्राणें
रे ॥ अवमजरीशक्तेलवे ॥ कांयमधुरकोकिलमघुटाणेंरे ॥ ९२ ॥ सम० ॥
सीतेंखलजननेंनमु ॥ जेअठताडखणकाढेरे ॥ प्रितेंसद्धननेंनमु ॥ जेमेरू
शिखरपरचाढेरे ॥ ९३ ॥ सम० ॥ अलपबुद्धीअणासोगथी ॥ कांयबोल्यूव
चनविरूधरे ॥ मीठादूकमुझहज्यो ॥ जिणथीकृथाउशुद्धरे ॥ ९४ ॥ सम०॥
सुरसवशहीतनवेसतें ॥ मुनीसव २ समताचढतीरे ॥ नवमेंसवपूरणथई ॥
कांयसमताजेहनीवढतीरे ॥ ९५ ॥ सम० ॥ पेहेलेखमेपनरकही ॥ बिजेभे
वीसढालरे ॥ त्रिजेचौदचोथेंकही ॥ ढालअठावीसविशालरे ॥ ९६ ॥ सम०॥
ढालपांचमेंछठेकही ॥ सलीचोवीसनेचोवीसरे ॥ शातमेंबेवीसआठमे ॥ खमे
साषीबाविशरे ॥ ९७ ॥ सम० ॥ नवमेखंमेएकही ॥ छवीसमीढालरशालरे ॥
सर्वमीलीनेंएकसो॥कहीनवाणवरढालरे ॥ ९८ ॥ सम० ॥ अढारउंगणएच्या
लमां ॥ कायमांम्योरासएवरषेरे ॥ लिबमीचोमासूरही ॥ कांयदिन २ चढते
हरषेंरे ॥ ९९ ॥ सम० ॥ वोहराकसलाआदिवे ॥ सिलोटासहसमझनामेंरे ॥
तसआग्रहेपारसीउ ॥ वलीनीजआतमहितकामेंरे ॥८०० ॥ सम० ॥ तिणेंब

रसेंतिहांसघमा ॥ तपकिधाघरि २ वारेरे ॥ पचोत्तेरमासखमणते ॥ यथा जिनविवमाननहारेरे ॥ १ ॥ सम० ॥ लुपकघरिपणिकीधलो ॥ पणितेअ ज्ञानमापेसेरे ॥ अग्निशर्मानीपरें ॥ आणावीएतपकूणकहेस्यंरे ॥ २ ॥ सम० ॥ श्रीगुरूउत्तमवीजयनी ॥ किरपाशकिघोरासरे ॥ पद्मवीजयकहेहोयजो ॥ कांयघरि २ लिलविलाशरे ॥ ३ ॥ सम० ॥ कलस ॥ तपगठनदनसुरतरू प्रगट्या ॥ एदेशी ॥ शासननायकशीववधुलायक ॥ वर्द्धमानजिनचदाजी ॥ पचमगणधरसोहमपटधर ॥ जवुतासमुणिदाजी ॥ ४ ॥ प्रसवापटधरपूर वधारी ॥ शक्रसवसूरिंदाजी ॥ मनकपीताजेपुत्रनेअरथें ॥ दशवैकालिक करदाजी ॥ ५ ॥ जशोसद्रसुरीतसपटधर ॥ पूरवचौदसणिदाजी ॥ ससूतिवी जयनेंसद्रवाहुगुरू ॥ एकजपाटगणिदाजी ॥ ६ ॥ थुलिसद्रजसातमापटधरा ॥ पूरवचौदधरिंदाजी ॥ ब्रह्मचारीशिरशेहरसणीइ ॥ कोशाप्रतिबोधदाजी ॥ ७ ॥ आर्यमहागीरीआर्यसुहस्ती ॥ दशपूरवधरइदाजी ॥ अवतीशुकगालबुझ्यो ॥ तिमसप्रतीनरिंदाजी ॥ ८ ॥ आठपाटलगेंइणीपरेंपहेलु ॥ निपथनामकहदा जी ॥ सुस्थितसुप्रतीबधएहविहु ॥ पटधरएकसुखकदाजी ॥ ९ ॥ कोमिवा रसुरीमत्रजप्योतिणें ॥ कोटिकगणथप्यदाजी ॥ श्रीइद्रदिन्नसुरीतसपटधर ॥ श्रीदिन्नसुरीहवदाजी ॥ १० ॥ सिहगिरीसुरीतसपटधर ॥ द्वादशमेगुणवदाजी ॥ जेहनासीसवीनीतसीरोमणी ॥ सघलाजेगतददाजी ॥ ११ ॥ तसपट्टेश्रीवयरमु नीसर ॥ जिनशासनशोहदाजी ॥ चौदमेपाटवज्रसेनसुरी ॥ निस्सगज्युअर विदाजी ॥ १२ ॥ पन्नरमेपटश्रीचद्रसुरी ॥ चद्रगछथयानामजी ॥ त्रिजुएपर सीघुजगमां ॥ सामतसद्रतसठामजी ॥ १३ ॥ वनवासीचोथुथयुअसीधा ॥ तसप ट्टगुणमणीधामजी ॥ श्रीवृद्धदेवसुरीपरसीद्धा ॥ पटधरतसअसीरामजी ॥ १४ ॥ श्रीप्रद्योतनसूरीविराजे ॥ मानदेवसूरीछाजेजी ॥ तसपट्टमानतुगआचारय ॥ उद्योतकअतीभाजेजी ॥ १५ ॥ विरसुरीएकविसमेपट्टे ॥ जयदेवसुरीवावीस जी ॥ देवाणदवलीवीक्रमसुरी ॥ श्रीनरसिहसुरीसजी ॥ १६ ॥ पट्टठवीसमेस मुद्रसुरीवर ॥ मानदेवसुरीतासजी ॥ विबुधप्रससुरीतसपाटें ॥ श्रीजयानद

सुवासजी ॥ १७ ॥ त्रिगमेपाटेग्वीरसगुरी ॥ श्रीजगोदेवसुरीजाणजी ॥ प्रपूत्रसुरीपद्मीसमेपाट ॥ मानदेवतसपासजी ॥ १८ ॥ विमलचन्द्रनेउद्यो तनसुरी ॥ तेहपाट्रिसमेगणोजी ॥ वमनलेआठसुरीपदधिया ॥ तिहांपीछे गछजाणोजी ॥ १९ ॥ पांचमुनांकेपाटउन्नीसमे ॥ सर्वदेवसुरीसोजी ॥ बा वीसमेपाटदेवसुरी ॥ सर्वदेवआनंदीसजी ॥ २० ॥ विक्रगुरुसाहेबेएकपा टे ॥ जसोसद्रश्रीनेमीचंदजी ॥ तेहनीपाटेमुनीचंदसुरी ॥ निरमलकीरती चंदजी ॥ २१ ॥ अजीतदेवसुरीतसपटधारी ॥ विजयसिंहसुरीनमीइजी ॥ सोमप्रभसुरीमणीरत्नसुरी ॥ नमतापापनीगमीइजी ॥ २२ ॥ एदोयपाटिचौ आलीसमे ॥ श्रीजगच्चद्रसुरीदीवोजी ॥ करीकिरीयाउद्धारदिपाव्यो ॥ मारगते चिरजीवोजी ॥ २३ ॥ आघाटपुरेंजिणेदिगपटजीत्या ॥ राणाससाहजुरजी ॥ हिरलानामदिधुतिहारांणें ॥ तपकीधोजिणेपुरजी ॥ २४ ॥ जावजी वआविलतपकीधो ॥ विरुदतपातिहापायुजी ॥ तपगछनामवधुएहगुणची ॥ नाहिकदापहेंआयुजी ॥ २५ ॥ देवेंद्रसुरीपटोधरतेहना ॥ प्रकरणजिणेवद्धकि धाजी ॥ धर्मगोपसुरीसरतेहना ॥ विद्यामत्रप्रसीद्धाजी ॥ २६ ॥ सोमप्रभसुरी समताळीसमें ॥ पाटेंअतीवयरागीजी ॥ सोमतीलकसुरीदेवसुदरसुरी ॥ ज सपचद्रीप्यसोसागीजी ॥ २७ ॥ सोमसुदरसुरीतेहनापटोधर ॥ मुनिसुदरस सपाटिजी ॥ एकसोआठहाथनोकागल ॥ लिखीमोकल्योगुरुमार्टेजी ॥ २८ ॥ कालीसरस्वतीजेकहेवाता ॥ सतिकरजिणेंकिधुजी ॥ पाटवितेहनारत्नसेषर सुरी ॥ बावनमेंपरसीधुजी ॥ २९ ॥ लक्ष्मीसागरसुरीसुमतीसाधुसुरी ॥ हेमवि मलपणपन्नजी ॥ आणदवीमलसुरीछपन्नमें ॥ पाटेंतेहनीपन्नजी ॥ ३० ॥ बद्धमारसुपाणोजाणी ॥ क्रियाशिथलथयाप्राणीजी ॥ सवत्पनरब्यासीइ कीधो ॥ क्रियाउद्धारमनआणीजी ॥ ३१ ॥ बद्धश्रेष्टीसुतशतजिणेंदिष्या ॥ स्यांस्यांकीजेंवषाणजी ॥ तसपट्टेविजयदानसूरीइ ॥ करीपरतिष्टाबद्धगाण जी ॥ ३२ ॥ इमसत्तावनपाटवषाण्या ॥ शेषपाटहवेकहीइजी ॥ पद्मवीज यकहेपुरवसूरीना ॥ गुणगातांसुखलहीइजी ॥ ३३ ॥ देशीहमचमीनी ॥ अग

वनमेपाटेंङ्कआ ॥ विजयहीरसूरीराया ॥ मेघजीआचारयप्रतीवोधी ॥ लूपक मतठोमायारे ॥ ३४ ॥ हमचमी ॥ अठावीससजतस्यूदिक्षा ॥ लिधिजेगुरू पासें ॥ पातसाहअकवरप्रतीवोध्यो ॥ जिवअमारिप्रकासेरे ॥ ३५ ॥ हम०॥ सीरोहीनमुलाईपाटण ॥ राजनगरखसाति ॥ जिणेंवङ्कविवप्रतिष्टाकीधी ॥ ग मि-२ विष्यातरे ॥ ३६ ॥ हम० ॥ विजयसेनसूरीतसपाटें ॥ पातसाहनेंआ गे ॥ पटदरीशणमाजयशीरीजेहनें ॥ वरीखयवरारागेरे ॥ ३७ ॥ हम० ॥ स वाईगुरूबिरूदलसातव ॥ गीतारथगुणरागी ॥ तसपाटिविजयदेवसूरीसर ॥ किरतीचिङ्कदिशजागीरे ॥ ३८ ॥ हम० ॥ विजयप्रससूरीतसपट्टें ॥ सोसागी सीरदार ॥ विजयरत्नसूरीपाटेंतेहनें ॥ विजयपीमासुरीसाररे ॥ ३९ ॥ हम०॥ चोसठिमेंपाटेंवलीङ्कआ ॥ विजयदयासुरीराय ॥ विजयधर्म्मसुरीजसराज्यें॥ प्रारसरासनोथापरे ॥ ४० ॥ हम० ॥ अढारएकतालेकातीवदिमा ॥ स्वर्गेते हसिधाया ॥ तसपट्टेश्रीजीनेंद्रसुरीश्वर ॥ पुण्येंपदवीपायारे ॥ ४१ ॥ हम० ॥ तसराज्येएपुरणकीधो ॥ अढारवेंतालावरसें ॥ श्रीकल्याणपासमुपशायें ॥व सतपचमीदीवसेंरे ॥ ४२ ॥ हम० ॥ श्रीवीजयदेवसुरीसपट्टोधर ॥ श्रीवीज यसिहसुरीस ॥ सवतसोलएकासीआवर्षे ॥ सुरीपदेसुजगीसरे ॥हम०॥४३॥ राणोजगसिहजिणेंप्रतीवोध्यो॥ जसकिरतीजगव्यापी॥ जेहनीपरपदमांवङ्क गीतारथ ॥ किधाआदरआपरे ॥ ४४ ॥ हम० ॥ वरसअठावीसआचारयप द ॥ युवराज्येंजेपाली ॥ राजनगरमांस्वर्गपधारया ॥ ङ्खवदोहगसविटालीरे॥ ॥ ४५ ॥ हम० ॥ तेहनाशीशसमुहमांसोहे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ आ चारयगुरूआणापामी ॥ करयोक्रीयाअत्यासरे ॥ ४६ ॥ हम० ॥ कपूरवि जयपन्यासतेहना ॥ पिमाविजयतसजाणो ॥ नदिपेणपरिदेशनाजेहनी ॥क रेसविव्रतपचखाणोरे ॥ ४७ ॥ हम० ॥ सगीजगीवङ्कप्रतीवोध्या ॥ सोसागी सीरदार ॥ तसजीनवीजयपन्यासकहाया ॥ करतायङ्कउपगाररे ॥ ४८ ॥ ह म०॥ गीतारथसङ्कनघणसुदर ॥ लक्षणलक्षीतदेह ॥ जेहनीमुद्रादेपीपूरवामु नीवरसासरेंतेहरे ॥ ४९ ॥ हम० ॥ तासशीससमुदायमाजाणो ॥ उत्तमवी

सुवासजी ॥ १७ ॥ त्रिजमेंपाटेरयीप्रससुरी ॥ श्रीजगोदेवसुरीजाणजी ॥
प्रद्युम्नसुरीपच्चीसमेपाट ॥ मानदेवतसपासजी ॥ १८ ॥ विमलचन्द्रनेउ्यो
तनसुरी ॥ तेहपाट्रिसमेगणोजी ॥ वन्नलेआठसुरीपदरिधां ॥ तिहांचीक
गछजाणोजी ॥ १९ ॥ पांचमुनांनेएपाटछत्रीसमे ॥ सर्वदेवसुरीसोजी ॥ सा
त्रीसमेपाटदेवसुरी ॥ सर्वदेवअठ्ठीसजी ॥ २० ॥ त्रिकुगुरुसाडहवेएकपा
ट ॥ जसोभद्रश्रीनेमीचदजी ॥ तेहनीपाटेमुनीचदसुरी ॥ निरमलकीरती
चदजी ॥ २१ ॥ अजीतदेवसुरीतसपटधारी ॥ विजयसिंहसुरीनमीश्जी ॥
सोमप्रससुरीमणीरत्नसुरी ॥ नमतापापनीगमीश्जी ॥ २२ ॥ एदोयपाटिचौ
आलीसमे ॥ श्रीजगच्चद्रसुरीदीवोजी ॥ करीक्रियाउद्धारदिपाव्यो ॥ मारगते
चिरजीवोजी ॥ २३ ॥ आघाटपुरेंजिणेदिगपटजोत्या ॥ राणासत्ताहजुरजी ॥
हिरलानामदिधुतिहाराणें ॥ तपकीधोजिणेपुरजी ॥ २४ ॥ जावजी
वआंबिलतपकीधो ॥ विरूदतपातिहांपायुजी ॥ तपगछनामवडुएहगुणथी ॥
नाहिकदायहेंआयुजी ॥ २५ ॥ देवेंद्रसुरीपटोधरतेहना ॥ प्रकरणजिणेंवडुकि
धाजी ॥ धर्मगोपसुरीसरतेहना ॥ विद्यामत्रप्रसीद्धाजी ॥ २६ ॥ सोमप्रसुरी
सप्तालीसमें ॥ पाटेंअतीवयरागीजी ॥ सोमतीलकसुरीदेवसुदरसुरी ॥ ज
सपचछीप्यसोभागीजी ॥ २७ ॥ सोमसुदरसुरीतेहनापटोधर ॥ मुनिसुदरस
पाटिजी ॥ एकसोआठहाथनोकागल ॥ लिखीमोकल्योगुरूमाटेंजी ॥ २८ ॥
कालीसरस्वतीजेकहेवाता ॥ सतिकरजिणेंकिधुजी ॥ पाटवितेहनारत्नसेषर
सुरी ॥ बावनमेंपरसीधुजी ॥ २९ ॥ लक्ष्मीसागरसुरीसुमतीसाधुसुरी ॥ हेमवि
मलपणपन्नजी ॥ आणदवीमलसुरीछपन्नमें ॥ पाटेंतेहनीपन्नजी ॥ ३० ॥
वडुमारवडुपाणोजाणी ॥ क्रियाशिथलथयाप्राणीजी ॥ सवत्पनरव्यासीश
कीधो ॥ क्रियाउद्धारमनआणीजी ॥ ३१ ॥ वडुश्रेष्टीसूतशतजिणेंदिष्या ॥
स्यांस्यांकीजेंवषाणजी ॥ तसपट्टेविजयदानसूरीश ॥ करीपरतिष्टावडुगाण
जी ॥ ३२ ॥ इमसत्तावनपाटवषाण्या ॥ शेषपाटहवेकहीश्जी ॥ पद्मवीज
यकहेपुरवसूरीना ॥ गुणगातांसुखलहीश्जी ॥ ३३ ॥ देशीहमचमीनी ॥ अठा

वनमेपाटेंङ्कन्प्रा ॥ विजयहीरसूरीराया ॥ मेघजीआचारयप्रतीवोधी ॥ लूपक
मतठोमायारे ॥ ३४ ॥ हमचमी ॥ न्प्रगावीससजतस्यूदिक्षा ॥ लिधिजेगुरू
पासें ॥ पातसाहन्प्रकवरप्रतीवोध्यो ॥ जिवअमारिप्रकासेरे ॥ ३५ ॥ हम०॥
सीरोहीनमुलाईपाटण ॥ राजनगरखंसाति ॥ जिणेंवङ्कविवप्रतिष्टाकीधी ॥ ग
मि-२ विष्यातरे ॥ ३६ ॥ हम० ॥ विजयसेनसूरीतसपाटें ॥ पातसाहनेंआ
गे ॥ पटदरीशणमाजयशीरीजेहनें ॥ वरीस्वयवरारागेरे ॥ ३७ ॥ हम० ॥ स
वाईगुरूविरूदलह्लातव ॥ गीतारथगुणरागी ॥ तसपाटिविजयदेवसूरीसर ॥
किरतीचिङ्कदिशजागीरे ॥ ३८ ॥ हम० ॥ विजयप्रससूरीतसपट्टें ॥ सोसागी
सीरदार ॥ विजयरत्नसूरीपाटेंतेहनें ॥ विजयपीमासुरीसाररे ॥ ३९ ॥ हम०॥
चोसठिमेंपाटेंवलीङ्कआ ॥ विजयदयासुरीराय ॥ विजयधर्म्मसुरीजसराज्यें॥
प्रारसरासनोथायेरे ॥ ४० ॥ हम० ॥ अढारएकतालेकातीवदिमां ॥ स्वर्गेते
हसिधाया ॥ तसपट्टेश्रीजीनेंद्रसुरीश्वर ॥ पुण्येंपदवीपायारे ॥ ४१ ॥ हम० ॥
तसराज्येएपुरणकीधो ॥ अढारवेंतालावरसे ॥ श्रीकल्याणपाससुपशायें ॥व
सतपचमीदीवसेंरे ॥ ४२ ॥ हम० ॥ श्रीवीजयदेवसुरीसपट्टोधर ॥ श्रीवीज
यसिहसुरीस ॥ सवतसोलएकासीन्प्रावर्षे ॥ सुरीपदेसुजगीसरे ॥हम०॥४३॥
राणोजगसिहजिणेंप्रतीवोध्यो॥ जसकिरतीजगव्यापी॥ जेहनीपरपदमावङ्क
गीतारथ ॥ कियाआदरआपीरे ॥ ४४ ॥ हम० ॥ वरसन्प्रगावीसआचारयप
द ॥ युवराज्येंजेपाली ॥ राजनगरमास्वर्गपधारया ॥ ङखदोहगसविटालीरे॥
॥ ४५ ॥ हम० ॥ तेहनाशीशसमुहमांसोहे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ न्प्रा
चारयगुरूआणापामी ॥ करयोक्रीयाअस्यासरे ॥ ४६ ॥ हम० ॥ कपूरवि
जयपन्यासतेहना ॥ पिमाविजयतसजाणो ॥ नदिपेणपरिदेशनाजेहनी ॥क
रेसविव्रतपचरवाणोरे ॥ ४७ ॥ हम० ॥ सगीजगीवङ्कप्रतीवोध्या ॥ सोसागी
सीरदार ॥ तसजीनवीजयपन्यासकहाया ॥ करतावङ्कउपगाररे ॥ ४८ ॥ ह
म०॥ गीतारथसङ्कनचणकसुदर ॥ लक्षणलक्षीतदेह ॥ जेहनीमुद्रादेषीपूरवामु
नीवरसासरेंतेहरे ॥ ४९ ॥ हम० ॥ तासशीससमुदायमाजाणो ॥ उत्तमवी

गुणासजी ॥ १७ ॥ त्रिजमेपाटेश्रीप्रसगुरी ॥ श्रीजगोदेवसुरीआसजी
प्रभुसगुरीपचीसमेपाट ॥ मानदेवतसपामजी ॥ १८ ॥ विमलचद्रनेउद्यो
तनसुरी ॥ तेहपाछिसमेगणोजी ॥ यक्षनलेआठगुरीपदरिया ॥ नि ।
गरजाणोजी ॥ १९ ॥ पांचमुनीएपाटछत्रीसमे ॥ सवदेवसुरीसोजी ॥ सो
छीसमेपाटदेवसुरी ॥ सर्वदेवअछत्रीसजी ॥ २० ॥ विक्रगुरुसाहहवेएकपा
ट ॥ जसोसद्रश्रीनेमीचदजी ॥ नद्रनीपाटेमुनीचदसुरी ॥ निरमलकीरती
चदजी ॥ २१ ॥ जीनदेवसुरीनसपटधारी ॥ विजयसिहसुरीनमीश्जी ॥
सोमप्रसगुरीमणीरत्नसुरी ॥ नमतांपापनोगमीश्जी ॥ २२ ॥ एदोयपाटिचौ
आलीसमे ॥ श्रीजगचद्रसुरीदीवोजी ॥ करीक्रियाउद्धारदिपाव्यो ॥ मारगते
चिरजीवोजी ॥ २३ ॥ आघाटपुरेंजिणेंदिगपटजीत्या ॥ राणासत्साहजुरजी ॥
हिरलानामदिधुतिहांरांणें ॥ तपकीधोजिणेंपुरजी ॥ २४ ॥ जावजी
वआंबिलतपकीधो ॥ विरुदतपानिहांपायुजी ॥ तपगछनामवडुएहगुणथी ॥
नाहिकदापहेंआयुजी ॥ २५ ॥ देवेद्रसुरीपटोधरतेहना ॥ प्रकरणजिणेबद्धकि
धांजी ॥ धर्मगोपसुरीसरतेहना ॥ विद्यामचप्रसीद्धाजी ॥ २६ ॥ सोमप्रससुरी
समताळीसमें ॥ पाटेअतीवयरागीजी ॥ सोमतीलकसुरीदेवसुदरसुरी ॥ ज
सपचशीप्यसोसागीजी ॥ २७ ॥ सोमसुदरसुरीतेहनापटोधर ॥ मुनिसुदरस
सपाटिजी ॥ एकसोआठहाथनोकागल ॥ लिखीमोकल्योगुरुमाटेजी ॥ २८ ॥
कालीसरस्वतीजेकहेधाता ॥ सतिकरजिणेंकिधुजी ॥ पाटवितेहनारत्नसेषर
सुरी ॥ बावनमेंपरसीधुजी ॥ २९ ॥ लक्ष्मीसागरसुरीसुमतीसाधुसुरी ॥ हेमवि
मलपणपन्नजी ॥ आणदवीमलसुरीछपन्नमें ॥ पाटेतेहनीपन्नजी ॥ ३० ॥
बद्धमारसुपोपाणोजाणी ॥ क्रियाशिथलथयाप्राणीजी ॥ सवत्पनरव्यासीश
कीधो ॥ क्रियाउद्धारमनआणीजी ॥ ३१ ॥ बद्धश्रेष्टीसुतशतजिणेंदिष्या ॥
स्यांस्यांकीजेंवषाणजी ॥ तसपहेंविजयदानसूरीश ॥ करीपरतिष्टाबद्धगाए
जी ॥ ३२ ॥ इमसत्तावनपाटवषाण्या ॥ शेषपाटहवेकहीश्जी ॥ पद्मवीज
यकहेपुरवसूरीना ॥ गुणगातांसुखलहीश्जी ॥ ३३ ॥ देशीहमचमीनी ॥ अठा

वनमेपाटेंहुआ ॥ विजयहीरसूरीराया ॥ मेघजी आचारयप्रतीबोधी ॥ लूंपक मतछोडायारे ॥ ३४ ॥ हमचमी ॥ अठावीससजतस्यूदिक्षा ॥ लिधिजेगुरु पासें ॥ पातसाहुअकबरप्रतीबोध्यो ॥ जिवअमारिप्रकासेरे ॥ ३५ ॥ हम०॥ सीरोहीनगुआईपाटए ॥ राजनगरखसाति ॥ जिणेंवडुबिंबप्रतिष्टाकीधी ॥ ग मि २ विख्यातरे ॥ ३६ ॥ हम० ॥ विजयसेनसूरीतसपाटें ॥ पातसाहनेंआ गे ॥ पटडरीआणमाजयश्रीरीजेहनें ॥ वरीस्वयवरारागेरे ॥ ३७ ॥ हम० ॥ स वाईगुरुविरुदउल्लातव ॥ गीतारथगुणरागी ॥ तसपाटिविजयदेवसूरीसर ॥ किरतीचिहुदिशजागीरे ॥ ३८ ॥ हम० ॥ विजयप्रभसूरीतसपट्टे ॥ सोसागी सीरदार ॥ विजयरत्नसूरीपाटेंतेहनें ॥ विजयषीमासूरीसाररे ॥ ३९ ॥ हम०॥ चोसठिमेंपाटेंवलीहुआ ॥ विजयदयासूरीराय ॥ विजयधर्म्मसूरीजसराज्यें॥ भारसगसनोथायरे ॥ ४० ॥ हम० ॥ अढारएकतालेकातीवदिमा ॥ स्वर्गेते हसिधाया ॥ तसपट्टेश्रीजीनेंद्रसूरीश्वर ॥ पुण्येंपदवीपायारे ॥ ४१ ॥ हम० ॥ तसराज्येएपुरणकीधो ॥ अढारवेंतालावरसें ॥ श्रीकल्याणपाससूपश्यायें ॥व सतपचमीदीवसेंरे ॥ ४२ ॥ हम० ॥ श्रीवीजयदेवसूरीसपट्टोधर ॥ श्रीवीज यसिंहसूरीस ॥ सवतसोलएकासीप्रावर्षे ॥ सूरीपदेसूजगीसरे ॥हम०॥४३॥ राणोजगसिंहजिणेंप्रतीबोध्यो॥ जसकिरतीजगव्यापी॥ जेहनीपरषदमावड गीतारथ ॥ किधाआदरआपरे ॥ ४४ ॥ हम० ॥ वरसअठावीसआचारयप द ॥ युवराज्येंजेपाली ॥ राजनगरमांस्वर्गपधारया ॥ डखदोहगसविटाधीरे॥ ॥ ४५ ॥ हम० ॥ तेहनाशीशसमुहमांसोहे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ आ चारयगुरुआणापामी ॥ करयोकीयाअत्यासरे ॥ ४६ ॥ हम० ॥ कपूरवि जयपन्यासतेहना ॥ षिमाविजयतसजाणो ॥ नदिपेणपरिदेशनाजेहनी ॥क रेसविव्रतपचखाणोरे ॥ ४७ ॥ हम० ॥ सगीजगीवडुप्रतीबोध्या ॥ सोसागी सीरदार ॥ तसजीनवीजयपन्यासकहाया ॥ करताबडुउपगाररे ॥ ४८ ॥ ह म०॥ गीतारथसडुनघणसुदर ॥ लक्षणलक्षीतवेत ॥ जेहनीमुखनेर नीवरसासरेंतेहरे ॥ ४९ ॥ हम० ॥ तासशीससमुदायमांजारे

जयपन्यास ॥ ग्यानीध्यानीनेंनहीमांनी ॥ दशदिशकिरतिजासरे ॥ ५० ॥
६० ॥ पयमीपचसपहमुखपया ॥ जाणेतसआमनाय ॥ सहकउपगारीमुझ
मोहटा ॥ शातदांतगुणरायरे ॥ ५१ ॥ हम० ॥ मुझशरीरापहरनवपल्लव ॥
किधाअतीहीतआणी॥त्योत्योकहुउपगारगुरूनो॥ वाणीजासयमाणीरा॥५२॥
हम० ॥ विसलनगरवीराजेरूडू ॥ जिहांजिनचैत्यठेदोय ॥ जिहांअतीसक्ती
वतापहुआवक ॥ भत्तपूजाघणीहोयरे ॥ ५३ ॥ हम० ॥ तेगुरूउत्तमवीजय
पशाइ ॥ पद्मवीजयलघुशीसे ॥ विशलनगरचोमासरहीने ॥ साप्योविसवा
विसेंरे ॥५४॥ हम०॥ जिहांलगेंपहगणतारामरू॥ चद्रसुरयपरकाश ॥ तिहां
लगेएहरासथीररहेज्यो॥जयजयकारवीलासरे॥५५॥हम०॥समरादित्यनोरास
एसणस्यें ॥ लिखस्येसागवीशाल ॥ तेहमहोदयपदवीलहेस्यें ॥ हास्येमगल
मालरे ॥५६॥ हम०॥ इतिश्रीसविज्ञपक्षीयपडितप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणि
शिष्यप० पद्मविजयविरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबधेसमरादित्यगि
रीसेनयो नवमनरसव समाप्त तत्समाप्तौसमाप्तोयनवम खन तत्समाप्तोचस
माप्त श्रीसमरादित्यचरीत्र ॥ नवमखमेसर्वगाथा ॥८५६॥ श्रीमुवईवदिरश्री
शातिनाथजीप्राशादात् ॥ सुसस्तवतु ॥ कल्याणमस्तु॥ श्रीरस्तु॥ श्री ॥ ॥छ॥

समाप्त